

मती रचित सुसमाचार

ईसू क बंसावली

(लूका 3:23-38)

- 1 ईसू मसीह क बंसज वृच्छ अहइ। इब्राहीम क बंसज दाऊद क पूत ईसू मसीह अहइ।
- 2 इब्राहीम क बेटवा इसहाक। इसहाक क बेटवा याकूब। याकूब क बेटवन यहूदा अउर ओकर भाइयन।
- 3 यहूदा क बेटवन फिरिस अउर जोरह। (ओनके महतारी तामार।) फिरिस क बेटवा हिड्रोन। हिड्रोन क बेटवा एराम।
- 4 एराम क बेटवा अम्मीनादाब। अम्मीनादाब क बेटवा नहसोन। नहसोन क बेटवा सलमोन।
- 5 सलमोन क बेटवा बोअज। (बोअज की महतारी राहब।) बोअज क बेटवा ओबेद। (ओबेद की महतारी रूथ।) ओबेद क बेटवा यिसै।
- 6 यिसै क बेटवा दाऊद राजा। दाऊद क बेटवा सुलैमान। (सुलैमान की महतारी उरिय्याह की पत्नी।)
- 7 सुलैमान क बेटवा रहबाम। रहबाम क बेटवा अबिय्याह। अबिय्याह क बेटवा आसा।
- 8 आसा क बेटवा यहोसाफात। यहोसाफात क बेटवा योराम। योराम क बेटवा उज्जियाह।
- 9 उज्जियाह क बेटवा योताम। योताम क बेटवा आहाज। आहाज क बेटवा हिजकिय्याह।
- 10 हिजकिय्याह क बेटवा मनस्से। मनस्से क बेटवा आमोन। आमोन क बेटवा योसिय्याह।
- 11 योसिय्याह क बेटवन यकुन्याह अउर ओकर भाइयन।

(इब्राइल क मनइयन क कइदी बनाइ के बेबीलोन लइ जांत क समइ उ दुइनउँ जनमेन।)

- 12 बेबीलोन में ल जाए क पाछे:

यकुन्याह क बेटवा सालतिएल। सालतिएल क बेटवा जरुब्बाबिल।

- 13 जरुब्बाबिल क बेटवा अबीहूद। अबीहूद क बेटवा इल्याकीम। इल्याकीम क बेटवा अजोर।

- 14 अजोर क बेटवा सदोक। सदोक क बेटवा अखीम। अखीम क बेटवा इलीहूद।

- 15 इलीहूद क बेटवा एलीआजर। एलीआजर क बेटवा मत्तान। मत्तान क बेटवा याकूब।

- 16 याकूब क बेटवा यूसुफ। यूसुफ मरियम क पति। ईसू क महतारी मरियम। ईसू मसीह कहा गवा।

17इ तरह इब्राहीम स दाऊद ताई चउदह पीढ़ी बीत गइन। अउर दाऊद स लइके कइदी बनाइके बेबीलोन पठए जाइ तलक चउदह पीढ़ी। अउर कइदी बनाइ के बेबीलोन पठए जाइ स मसीह क जनम ताई चउदह पीढ़ी अउर भइन।

ईसू मसीह क जनम

(लूका 2:1-7)

18ईसू मसीह क जनम इ तरह भवा: जब ओकर महतारी मरियम क यूसुफ क साथ बरिच्छा भइ तउ बियाहे स पहिले ही पता लगि गवा कि उ पबित्तर आलिमा क सक्ती स ओकर गोड़ भारी होइ ग। 19मुला होइवाला ओकर भतार यूसुफ एक ठु बड़िया मनई रहा। उ इ बात क खोलिके बतावइ स बदनम नाहीं होइ चाहत रहा। तउ उ मने में ठानि लिहैस कि उ वरिच्छा क चुप्पे स पक्का न होइ दे। 20फिन जबहें उ इ बारे में सोचत रहा कि उ सपने में आपन समन्वा पभू क दूत परगट होत ओसे कहेस, "हे यूसुफ, दाऊद क बेटवा, *मरियम क पत्नी

दाऊद क बेटवा दाऊद क परिवारे क मनई, इब्राएल क दूसर राजा, मसीह क 1000 बरिस पहिले।

बनवइ स जिन डेरा काहेकि जउन बचवा ओकरे गरभ मँ अहइ, उ पवित्तर आतिमा क अहइ। ²¹उ एक पूत क जनमी। तू ओकर नाउँ ईसू धरया काहेकि उ आपन मनइयन क पापन स उद्धार देई।”

²²इ सब कछू यह बरे भवा ह कि पर्भू नबी स जउन कछू कहवाएस, पूरा होइ: ²³“सुना, कुँआरी कन्या गोड़े स भारी होइके एक बेटवा क जनमी। ओकर नाउँ इम्मानुएल रकखा जाई।” * (जेकर अरथ अहइ, “परमेस्सर हमरे लगे बाटइ।”)

²⁴जब यूसुफ नींदे स जागि गवा तउ उ उहइ किहेस जउन जेका करइ क पर्भू क दूत ओका हुकुम दिहेस। उ मरियम क बियाहीके आपन घरे लइ आइ। ²⁵मुला उ जब ताई उ पूत क जनम नाहीं दिहेस तब ताई यूसुफ ओकरे लगे सोएस नाहीं। यूसुफ बेटवा क नाउँ ईसू रखेस।

पूरब स बिद्वानन क आउब

2 यहूदिया क बैतलहम मँ अब ईसू क जनम भवा तबहिं हेरोदेस राज्य करत रहा। कछू समइ बीत जाइ क पाछे कछू बिद्वान जउन नछत्रन क बारे मँ पढत रहेन, पूरब स यरूसलेम आएन। ²उ पचे पूछेन, “नवा पइदा भवा बचवा कहाँ बाटइ जउन यहूदियन क राजा अहइ? हम ओकरे नछत्र क अकासे मँ देखा ह। यह बरे हम पूछत अहीं। हम पचे ओका आराधना करइ आइ अहीं।”

³जबहिं राजा हेरोदेस इ सुनेस तउ उ बहोतइ बेचइन भवा। ओकरे साथे यरूसलेम क सब मनइयन फिकिर करइ लागेन। ⁴तउ उ यहूदी समाज सब मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन क एकट्ठा कइके उ पचेन स पूछेस कि मसीह क जनम कहाँ होइ क अहइ?

⁵उ पचे ओका बताएन, “यहूदिया क बैतलहम मँ काहेकि नबी पवित्तर सास्तरन मँ इ तरह लिखे बाटइ:

⁶ तू बैतलहम यहूदा क धरती प टिका अहा, तू यहूदा क अधिकारियन मँ कउनो तरह स छोट नाहीं काहेकि तोसे एक ठु राजा परगट होई जउन मोरे मनइयन, इम्राएल क देख भाल करी।”

मीका 5:2

⁷तब हेरोदेस चुप्पे स तारा गियान क पण्डितन क बोलाएस अउर ओनसे पूछेस, कि उ तारा ठीक समइ प कब देखॉई पड़ा? ⁸फिन उ ओनका बैतलहम पठएस अउर कहेस, “जा, उ बचवा क बारे मँ नीक नीक पता लगावा अउर जबइ तू उ पचेन क मिल जाइ तउ मोका

बतावा जेह बरे मई भी आइके ओकर आराधना कइ सकउँ।”

⁹फिन उ पचे राजा क बात सुनिके चल दिहना उ तारा जेका उ पचे अकासे मँ निकरा निहारेन उ ओनके अगवा अगवा तब तलक गवा जब तलक उ लोग हुआँ पहुँच नाहीं गएन जहाँ उ बचवा रहा। ¹⁰जब उ पचे तारा क देखेन तउ उ सबइ आनंद स झूमि उठेन।

¹¹उ सबइ घरवा क भीतर गएन अउर बचवा क अउर ओकरी महतारी मरियम क संग दरसन किहना। उ पचे सास्टांग दण्डवत करेन अउर ओकर आराधना करेन। फिन आपन कीमती चीजन्क पिटारी स सोना, लोहबान अउर इत्र क भेंट चढ़ाएन। ¹²मुला परमेस्सर ओनका सपने मँ होसियार कइ दिहस कि उ पचे हेरोदेस क पास लौटि क न जाई। तउ उ सबइ एक दुसरे राहे स आपन देस लौटि गएन।

ईसू क लइके माता पिता क मिश्र जाब

¹³जब उ पचे चल दिहन तउ यूसुफ क सपने मँ पर्भू क दूत परगट होइके कहेस, “उठा, बचवा क अउर ओकर महतारी क चुप्पे स लइके मिश्र भागि जा। जब ताई मई तोसे न कहेउँ, हुवाँ ठहरया। काहेकि हेरोदेस इ बचवा क जान स मरवावई बरे खोजी।”

¹⁴तउ यूसुफ खड़ा भवा अउर बचवा अउर ओकर महतारी क रातोरत मिश्र क चलि पड़ा।

¹⁵फिन हुवाँ हेरोदेस क मउत तक रुकि गवा। इ यह बरे भवा कि पर्भू जउन नबी स कहवाए रहा, उ पूरा होइ जाइ, “मई आपन पूत क मिश्र स बाहेर आवइ बरे कहेउँ।” *

बैतलहम क सब लरिकन क हेरोदेस जान स मरवाइ दिहस

¹⁶हेरोदेस जबहिं इ देखेस कि तारा गियानी ओकरे संग इ चाल चलेन ह, तउ उ बहोत गुस्साइ गवा। जइसा तारा गियान क पण्डितन क बताए भए क अनुसार उ हुकुम दिहस कि बैतलहम अउर ओकरे नगिचे क पहुँटा मँ दुइ साल या एसे छोटवार लरिकन क जान स मरवाइ दीन्ह जाइ। ¹⁷नबी यिर्मयाह क कहा भवा बचन पूरा होइ ग:

¹⁸“रामाह मँ दुःख भरा सव्व रोवइ अउर विलपइ क सुना गवा। राहेल रोवत रही आपन बचवन बरे उ नाहीं चाहेस कि कउनो धीरा धरावइ काहेकि ओकर सबइ बचवन मरि गवा रहेन।”

यिर्मयाह 31:15

यूसुफ अउर मरियम क मिश्र लौटव

¹⁹फिन हेरोदेस क मउत क पाछे मिश्र मँ यूसुफ क सपन आवा ओहमँ पभू क एक ठु दूत परगट भवा।
²⁰अउर सरगदूत ओसे कहेस, “उठि जा, बचवा अउर ओकर महतारी क लइके इम्राएल क धरती प जा काहेकि जउन बचवा क मार डारइ चाहत रहेन उ सबइ मर बिलाइ गएन।”

²¹तब यूसुफ उठि गवा अउर बचवा अउर ओकर महतारी क लइके इम्राएल गवा। ²²मुला यूसुफ जब इ सुनेस कि यहूदिया प आपन बाप हेरोदेस क जगह प अरखिलाउस राज्य करत अहइ तउ उ हुवाँ जाइ स डेराइ गवा। फिन सपने मँ परमेस्सर स हुकुम मिले क पाछे उ गलील पहुँटा बरे चल दिहस ²³अउर हुवाँ नासरत नाउँ क नगर मँ घर बनाइके रहइ लाग; यह बरे नबियन क कहा भवा बचन पूरा होइ जाइ कि, ‘उ नासरी’ कहा जाइ।

बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क काम

(मरकुस 1:1-8; लूका 3:1-9, 15-17; यूहन्ना 1:19-28)

3 उ दिनन बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना यहूदिया क उसरे मँ उपदेस देत भवा हुवाँ आइ। ²उ इ प्रचार करइ लाग, “मन फिरावा काहेकि सरग क राज्य जल्दी आवइ क अहइ।” ³इ उहइ यूहन्ना बाटइ जेकरे बारे मँ नबी यसायाह बात बतावत कहेस ह:

“उसरे मँ एक पुकारैवालन क सब्द अहइ: ‘पभू बरे रस्ता तइयार करा अउर ओकरे बरे सोझ रस्ता बनवा।’”
यसायाह 40:3

⁴यूहन्ना क ओड़ना ऊँटे क ऊन स बना रहा अउर करिहाउँ प चमड़ा क पेटी बाँधे रहा। ओकर खइया क टिड्डन अउर जंगली सहद रहा। ⁵उ समइ यरूसलेम, समूचा यहूदिया अउर यरदन नदी क नगिचे क मनई ओकरे लगे ओका सुनइ ऐकट्टा भएन। ⁶उ पचे आपन पापन्क कबूलेह अउर यरदन नदी मँ उ बपतिस्मा * दिहस। ⁷जब उ लखेस कि बेर फरीसियन * अउर सदूकियन * ओकरे लगे बपतिस्मा लेइ आवत अहइँ तउ उ ओनसे कहेस, “ओ सरप क बच्चा लोग! तू पचन क

बपतिस्मा एक यूनानी सब्द अहइ। जेकर अरथ अहइ पानी मँ बुड़की या गोला लगाउव।

फरीसियन एक यहूदी धार्मिक समूह, जउन मूसा क व्यवस्था अउ रीति रिवाज क कट्टर होइके मानत रहा।

सदूकियन एक यहूदी धार्मिक समूह जउन ‘पुराना धर्म नियम’ की केवल पहली पाँच पुस्तकन क स्वीकार करत ह अउर कउनो क मर जाने क बाद ओकर पुनरुत्थान नाहीं मानता।

कउन चिंताउनी दिहस ह कि परमेस्सर क होइवाला क्रोध स बच जा? ⁸तोहका इ बात क प्रमान देइ पड़ी कि तू पचे फुरे फुरे मनफिराया ह। ⁹अउर इ जिन सोचा कि खुद अपने स कहे बिना इ बात काफी होई जाई, ‘हम पचे इब्राहीम क संतान अहीं।’ मईँ तोसे कहत हउँ कि परमेस्सर इब्राहीम बरे इ पथरन स बचवन क पइदा कइ सकत ह। ¹⁰बुच्छन * क जरे प कुल्हाड़ा रखा बाटइ अउर हर एक बुच्छ जउन फर पइदा नाहीं करतेन, उ काटिके गिराइ दीन्ह जइहीं; अउर फिन ओका आगी मँ झोंकि दीन्ह जाई।

¹¹“मईँ तोहका तोहरे मनफिराव बरे पानी स बपतिस्मा देत हउँ; मुला उ जउन मोरे पाछे आवइवाला अहइ उ मोसे जिआदा बरिआर अहइ। मईँ तउ ओकर पनही खोलइ क जोग्ग नाहीं। उ तोहका पवित्तर आतिमा अउर आगी स बपतिस्मा देइ। ¹²ओकरे हाथे मँ सूप अहइ, जेसे उ अनाजे क भूसा स अलग करी। अपने खरिहाने स उ साफ कीन्ह अनाजे क उठाइ क, ऐकट्टा कइके कोठिला मँ भरि देइ अउर भूसा क अइसी आगी मँ नाइ दीन्ह जाई कि बुझाए प बुझी।”

ईसू क यूहन्ना स बपतिस्मा लेब

(मरकुस 1:9-11; लूका 3:21-22)

¹³उ समइ ईसू गलील स चलिके यरदन क किनारे यूहन्ना क नगिचे ओसे बपतिस्मा लेइ बरे आवा। ¹⁴मुला यूहन्ना ईसू क निर्नय बदले क जतन करत कहेस, “मोका तउ खुद तोसे बपतिस्मा लेइ क दरकार अहइ। फिन तू काहे मोरे नगिचे आया ह।”

¹⁵ईसू जवाबे मँ ओसे कहेस, “अबहिन तउ ऐका अइसे होइ दिया। जउन परमेस्सर चाहत अहइ, हमका उ पूरा करब नीक बाटइ।” फिन उ वइसे होइ दिहस।

¹⁶अउर तबहिँ ईसू बपतिस्मा लइ लिहस। जइसे उ पानी स बाहेर आवा, अकास खुलि गवा। उ परमेस्सर क आतिमा क एक ठु कबूतरे क नाई खाले उतरत अउर ऊपर आवत देखेस। ¹⁷तबहिन अकासबाणी भइ: “इ मोर पिआरा पूत अहइ। जेसे मईँ खूब खुस हउँ।”

ईसू क परीच्छा

(मरकुस 1:12-13; लूका 4:1-13)

4 फिन आतिमा ईसू क उसरे मँ लइ गइ, काहेकि सइतान क जरिए ओका परखा जाइ। ²चालीस दिन अउर चालीस रात भुखिया क पाछे जब ओका भूख तइपावइ लाग

³तउ ओका ललचावइ वाला ओकरे लगे आवा अउर कहेस, “जदि तू परमेस्सर क पूत बाट्या तउ इ सबइ पथरन स कहा कि इ सब रोटी बन जाईँ।”

बुच्छन अर्थात जउन मनई ईसू मँ बिसवास नाहीं रखतेन।

⁴ईसू जवाब दिहस, "पवित्र सास्तरन में लिखा बाटइः

'मनई सिरिफ रोटी स नार्हीं जितत मुला उ हर एक सब्द स जितत ह जउन परमेस्सर क मुँहे स निकरत ह।'"

व्यवस्था विवरण 8:3

⁵फिन सइतान ओका यरूसलेम क पवित्र सहर में लइ गवा। हुआँ मंदिर क सब स ऊँचे बुर्जे प खड़ा होइके ⁶उ ओसे कहेस, "जदि तू परमेस्सर क पूत बाट्या, तउ नीचे कूदि जा काहेकि पवित्र सास्तरन में लिखा बाटइः

'उ तोहरे रखवारी बरे आपन दूतन क हुकुम देइ अउर उ पचे तोहका हाथन स उठइहीं जेह बरे तोहरे गोड़े में कउनो पाथर ताई न लागइ।'"

भजन संहिता 91:11-12

⁷ईसू जवाब दिहस, "मुला पवित्र सास्तरन इहउ कहत ह,

'अपने पर्भू परमेस्सर क परीच्छा मैं जिन डावा।'"

व्यवस्था विवरण 6:16

⁸फिन सइतान ईसू क बहुतइ ऊँच पहाड़े प लइ गवा अउर ओका इ संसार क सब राज्य अउर ओनकइ माया वैभव देखाएस। ⁹सइतान तब ओसे कहेस, "इ सब चीजनक मई तोहका दइ देब जदि तू मोरे अगवा दण्डवत करा अउर मोर आराधना करा।"

¹⁰फिन ईसू ओसे कहेस, "सइतान! दूर होइजा। पवित्र सास्तरन कहत हः

'आपन पर्भू परमेस्सर क आराधना अउर सिरिफ ओकर सेवा करा।'"

व्यवस्था विवरण 6:13

¹¹फिन सइतान ओका छाँड़े के चला गवा। अउर सरगदूतन आइके ओकर सेवा करइ लागेन।

ईसू गलील में काम सुरू करेस

(मत्कस 1:14-15; लूका 4:14-15)

¹²जब ईसू सुनेस कि यूहन्ना पकड़ लीन्ह गवा ह, तउ उ गलील लौटि आइ। ¹³मुला उ नासरत में नार्हीं रुका अउर जाइके कफरनहूम में रहइ लाग जउन जबूलन अउर नप्ताली क पहाटा में गलील झीले के नगिचे रहा। ¹⁴इ यह बरे भवा कि परमेस्सर क नबी यसायाह जउन कहेस ह, उ पूरा होइ जाः

¹⁵"जबूलन अउर नप्ताली क देस सागर क राहे प, यरदन नदी क पच्छिम में, गैर यहूदियन क देस गलील में

¹⁶ जउन मनई अँधियारे में जितत रहेन उ सबइ एक भारी जोति देखेन अउर जउन मउत क परिछाई क देस में रहत रहेन, ओन प ज्योति क भन्सारे क रोसनी फैलि गइ।"

यसायाह 9:1-2

ईसू चेलनक चुनेस

(मत्कस 1:16-20; लूका 5:1-11)

¹⁷उ समइ स ईसू सुसमाचार क प्रचार सुरू कइ दिहस, "मनफिराव करा काहेकि सरगे क राज्य नगिचे बाटइ।"

¹⁸जब ईसू गलील झिलिया क नगिचे स जात रहा, उ दुइनउँ भाइयन क निहारेस समौन (जउन पतरस कहा गवा) अउर ओकर भाई आन्द्रियास उ पचे झिलिया में जाल डारत रहेन। उ पचे मछुआरा रहेन। ¹⁹ईसू ओनसे कहेस, "भोरे पाछे आवा। मई तोहका सिखाउब कि लोगनक बरे मछरी पकड़इ क बजाय मनई रूप में मछरी कइसे बटोरी जात हीं?" ²⁰उ सबइ तुरतहिं आपन जाल छाँड़ि दिहन अउर ओकरे पाछे होइ गएन।

²¹फिन उ हुवाँ स आगे चला गवा। उ देखेस कि जब्दी क बेटवा याकूब अउर ओकर भाई यूहन्ना आपन बाप क संग नाउ में बैठिके आपन जालनक मरम्मत करत रहेन। ईसू ओनका बोलाएस। ²²अउर उ पचे फउरन नाउ अउर बाप क छाँड़िके ओकरे पाछे चल दिहन।

ईसू क मनइयन क उपदेस अउर ओनका चंगा करब

(लूका 6:17-19)

²³ईसू समुच्चइ गलील पहाटा में यहूदी आराधनालयन में सरगे क राज्य क सुसमाचार क उपदेस देत अउर हर तरह क बेरामी अउर घोर कस्टन क दूर करत घूमइ लाग।

²⁴समुच्चइ सीरिया देस में ओकरे बारे में खबर संचर गई। यह बरे लोग अइसे मनइयन जउन खूब बेरामी रहेन या जउन तरह तरह के बेरामी अउर भारी बेदनन स पीड़ित रहेन। जेह प दुस्ट आतिमन सवार रहीं जेका मिर्गी आवत रही अउर जउन सुखंडी रहेन, ओनका ओकरे पास लावइ लागेन। ईसू ओनका चंगा किहेस।

²⁵यह बरे गलील, दिकापुलिस, * यरूसलेम, यहूदिया अउर यरदन नदी क उ पार मनइयन क भारी भीड़ पाछे पाछे होइ लाग।

दिकापुलिस यूनानी भाखा में कहा जात ह, जेकर अरथ अहइ दस सहर।

ईसू क उपदेस

(लूका 6:20-23)

5 ईसू जब भारी भीड़ देखेस उ एक पहाड़े प चला गवा। हुवाँ उ बैठि गवा अउर ओकर चेलन ओकरे नगिचे आएन। ²तबहिँ ईसू उपदेस देत भवा कहेस:

- 3 "धन्य अहई उ पचे जउन दीन अहई, काहेकि सरगे क राज्य अहई ओनके बरे।
- 4 धन्य अहई उ सबइ जउन सोक करत हीं काहेकि परमेस्सर ओनका धीरज बँधावत ह।
- 5 धन्य अहई उ सबइ जउन नम्र अहई काहेकि इ धरती ओनही क अहइ।
- 6 धन्य अहई जउन उहइ करब चाहत हीं जउन परमेस्सर चाहत ह। काहेकि परमेस्सर ओनका संतोस देइ, अउर तृप्ति देई।
- 7 धन्य अहई जउन दयालु अहई काहेकि ओन पइ अकास स दया बरसी।
- 8 धन्य अहई जउन हिरदय स सुद्ध अहई काहेकि उ सबइ परमेस्सर क दरसन करिहीं।
- 9 धन्य अहई जउन सान्ति बरे काम काज करत हीं काहेकि उ सबइ परमेस्सर क पूत कहा जईहीं।
- 10 धन्य अहई जउन धर्म क कारण सतावा जात हीं काहेकि सरगे क राज्य ओनही क अहइ।
- 11 "अउर तू पचे धन्य अहा काहेकि जब लोग तोहका बेज्जत करई, तोहका सतावई अउर मोरे बरे तोहरे खिलाफ सब पुकार क झूठी बातन कहई, बस यह बरे तू सबइ मोर मनवइया अहा, ¹²तब तू सबइ खुस रहया, आनंद मँ रहया, काहेकि सरगे मँ तोहका एकरे बरे अच्छा होई। इ वइसे ही बाटइ जइसे तोहरे पहिले क नबियन क मनइयन सताएन ह।

तू नोन क नाई अहा, तू प्रकास क नाई अहा

(मरकुस 9:50; लूका 14:34-35)

- 13 "तू सबइ समुच्चइ मनई बरे नमक अहा। मुला जदि नोन नोनखार न होइ तउ ओका फिन नोन कइसे बनाइ जाइ सकत ह। उ फिन कउनो कामे क न रही। सिरिफ यह बरे कि ओका मनई क गोड़वा तले फेंक दीन्ह जाइ।
- 14 "तू संसार क प्रकास अहा। एक तु अइसा सहर जउन पहाड़े क चोटी प बसा अहइ, उ छिपाए स छिप नाहीं सकत। ¹⁵लोग दिया बारि के ओका बाल्टी तले नाहीं रखतेन मुला ओका डीबट प धइ देत हीं। अउर उ घरे क सब मनई क प्रकास देत ह। ¹⁶मनई क समन्वा तोहार प्रकास अइसा चमकइ कि तोहरे नीक कामन्क निहारई अउर सरगे मँ बइठा भवा तोहार परमपिता महिमा बखानइ।"

ईसू अउर पवित्तर धरम सास्तर

17 "इ जिन सोचा कि मई मूसा क व्यवस्था या नबियन क लिखा भवा क नस्त करइ आइ हई। मई ओन सबन्क नस्त करइ नाहीं आइ हई मुला ओनके पूरा पूरा अरथ क समझावइ आइ अहई। ¹⁸मई तोहसे सच कहत हई कि जब ताई इ धरती अउर अकास नस्त नाहीं होइ जातेन, व्यवस्था क एक एक सब्द अउर एक एक अच्छर बना रही, उ तब ताई बना रही जब ताई उ पूरा नाहीं होइ जात। ¹⁹यह बरे जउन इ छोटवार स छोटवार हुकुमन क तोड़त ह अउर लोगन्क वइसा ही करइ सिखावत ह, उ सरगे क राज्य मँ कउनो बड़कई न पाई। मुला जउन ओहपइ चलत ह अह दूसर मनइयन क ओनपइ चलइ क उपदेस देत ह, उ सरगे क राज्य मँ बड़कवा समुझा जाई। ²⁰मई तोहसे सच कहत हई कि जब ताई तू पचे धरमसास्तिरियन अउर फरीसियन क धरम मानइ स अगवा जिन जा, कि तू सरगे क राज्य मँ घुसइ न पावा।

किरोध

21 "तू पचे सुन चुक्या ह कि हमार पूर्वजन स कहा ग रहा, 'हत्या जिन करा' * अउर जदि कउनो हत्या करत ह तउ ओका अदालत मँ जवाब दिहे होई।' ²²मुला मई तोहसे कहत हई कि जउन मनई आपन भाई प किरोध करी, ओहका भी अदालत मँ एकरे बरे जवाब दिहे होई। अउर जउन आपन भाई क बेज्जत करी ओका सबते ऊँच अदालत मँ जवाब दिहे होई। जदि कउनो आपन भाई स कहइ, 'अरे जाहिल, मूर्ख' तउ नरके क आगी क बीच ओह पइ एका जवाब दिहे होई।

23 "यह बरे जदि तू वेदी प आपन भेंट चढ़ावत ह अउर हुवाँ तोहका याद आइ जाइ कि तोहरे मन मँ तोहरे भाई खातिर कउनो खिलाफ बात बाटइ ²⁴तउ तू भेंट क वेदी के सामने छाँड़ि द्या अउर पहिले जाइके आपन भाई स सुलह कइ ल्या अउर फिन आइके भेंट चढ़ावा।

25 "जब ताई तू मुद्दई क संग रस्ता मँ रहा, झटपट ओसे मेल कइ ल्या। कहुँ अइसा न होइ कि उ तोहका हाकिम क सौप देइ अउर हाकिम तोहका सिपाही क। फिन तू जेल मँ धाँध दीन्ह जा। ²⁶मई तोहका सच सच बतावत हई कि जब तक तू पाई पाई क हिसाब न कइ देब्या तब तलक तू जेल स न छूटि पउब्या।

व्यभिचार

27 "तू सुनि लिहा कि इ कहा गवा अहइ, 'व्यभिचार जिन करा।' * ²⁸मुला मई तोहसे कहत हई कि जदि कउनो स्त्री क बुरी निगाह स देखत ह तउ उ आपन मन

हत्या जिन करा' निर्ग 20:13; व्यवस्था 5:17

व्यभिचार जिन करा' निर्ग 20:14; व्यवस्था 5:18

मैं पहिले ही ओकरे संग संभोग कइ चुका अहइ।²⁹ यह बरे जदि तोहार दाहिन आँख तोसे पाप करवावइ तउ ओका निकाकि क फेंक द्या। काहेकि तेरे बरे इ नीक बाटइ कि तोहरे बदन क एक तु अंग नस्ट होइ जाइ एकरे बजाय तोहार सारा बदन नरक में नाइ दीन्ह जाइ।³⁰ अउ जदि तोहार दाहिन हाथ तोहसे पाप करवावइ तउ ओका काटिके फेंक डारा। काहेकि तोहरे बरे इ नीक अहइ कि तोहरे बदन क एक अंग नस्ट होइ जाइ बजाए कि तोहार समूचा बदन नरक में जाइ।

तलाक

(मत्थ 19:9; मरकुस 10:11-12; लूका 16:18)

³¹ 'कहा ग अहइ, 'जबहि कउनो आपन पत्नी क तलाक देत ह तउ आपन पत्नी क लिखिके तलाक देइ चाही।' * ³² मुला मई तोहसे कहत हई कि हर मनई जउन आपन पत्नी क तलाक देत ह, जदि उ तलाक ओकरे व्यभिचारी करइ क कारण नाहीं दहेस तउ जब उ पत्नी दूसरा बियाह करत ह, तउ समुझ ल्या कि उ मनई ओसे व्यभिचार करत ह। अउर जउन कउनो उ छोड़ी भई स्त्री स बियाह करत ह तउ भी व्यभिचार करत ह।

सपथ

³³ 'तू सबइ इहई सुन्या ह कि हमरे पूर्वजन स कहा ग रहा, 'तू सपथ जिन तोड़ा मुला पभूस स कीन्ह सपथें पूरा करा।' * ³⁴ मुला मई तू सबन स कहत हई कि सपथ जिन ल्या। सरगे क सपथ जिन खा काहेकि उ परमेस्सर क सिंहासन अहइ।' ³⁵ धरती की सपथ जिन खा काहेकि उ ओकरे गोड़वा क चौकी बाटइ। यरूसलेम क सपथ जिन खा काहेकि इ महाराजाधिराजा क सहर बाटइ। ³⁶ आपन मूँड क सपथ जिन खा, काहेकि तू एक तु बरे तक क सफेद या करिया नाहीं कइ सकत्या। ³⁷ जदि तू हों चाहत ह तउ सिरिफ हों कहा अउर ना चाहत ह तउ सिरिफ 'ना'। काहेकि जउन कछू ऐसे जिआदा होता अहइ उ दुस्त (सइतान) स आता अहइ।

बदला लेइ क भावना जिन रखा

(लूका 6:29-30)

³⁸ 'तू पचे सुन्या ह कि कहा बाटइ, 'आँखी क बदले आँखी अउर दाँत क बदले दाँत' * ³⁹ मुला मई तोहसे कहत हई कि कउनो बुरा मनई क विरोध जिन करा। मुला कउनो तोहरे दाहिन गाले प थप्पड़ लगावइ तउ

दूसर गाले क ओकरे कईती घुमाइ द्या। ⁴⁰ जदि कउनो तोह प मुकदमा चलाइ के तोहार कुर्ता उतरवावइ चाहइ तउ तू ओका आपन चोगा तलक दइ द्या। ⁴¹ जदि कउनो तोहका बेगार में एक मील चलावइ तउ तू ओकरे संग दुइ मील जा। ⁴² जदि कउनो तोसे कछू माँगइ तउ ओका उ दइ द्या। जउन तोसे उधार लेइ चाहइ, ओका मना जिन करा।

सबते पिरेम राखा

(लूका 6:27-28, 32-36)

⁴³ 'तू पचे सुन्या ह कि कहा बाटइ, 'तू आपन पड़ोसी स पिरेम करा' * अउर दुस्मन स घिना करा।' ⁴⁴ मुला मई कहत हई आपन दुस्मन स भी पिरेम करा। जउन तोहका सतावत हीं, ओनके बरे भी पराथना करा। ⁴⁵ काहेकि सरगे में बसइया आपन परमपिता क संतान होइ सका। उ सूरज क बुरा अउर भला सब पड़ चमकावत ह। उ पापी अउर धर्मी सब पड़ बसकाला में पापी बरसावत ह। ⁴⁶ इ मई यह बरे कहत हई कि जदि तू ओनही स पिरेम करब्या जउन तोसे पिरेम करत हीं तउ तोहका का मिली? का अइसा तउ चुंगी (टिक्स) क उगहिया * नाहीं करतेन?

⁴⁷ जदि तू आपन मीतन क बरे नीक बाट्या तउ दूसर मनई स नीक नाहीं बाट्या। का अइसा विधर्मी नाहीं करतेन? ⁴⁸ यह बरे आपन में परिपूर्ण बना जइसे तोहार सरगे क परमपिता परिपूर्ण बाटइ।

ईसू दान क उपदेस देत ह

6 'होसियार रहा! अउ परमेस्सर चाहत ह कि उ सब काम काजन्क मनई क समन्वा दिखावा जिन करा। नाहीं तउ तू आपन परमपिता स फल न पउब्या जउन सरगे में बाटइ।

² यह बरे जब तू कउनो दीन दुखिया क दान दच्छिना देत ह तउ ओकर दिंदोरवा पीटा जिन। जइसा कि आराधनालयन अउर गलिथन में कपटी मनई औरन स बड़कई पावइ बरे करत हीं। मई तोसे सच कहत हई कि ओनका तउ एँकर पूर पूर फल पहिले ही दीन्ह जाइ गवा अहइ।

³ मुला जबहि तू कउनो दीन दुखिया क देत ह तउ तोहार बावों हाथ न जान पावइ कि तोहार दाहिन हाथ का करत बाटइ? ⁴ काहेकि तोहार दान गुप्त रहइ। तोहार उ परमपिता जउन छिपाइ क करत ह, तोहका ओकरे बदले में फल देई।

'जबहि ... चाही' व्यवस्था 24:1

'तू ... करा' लैव्य 19:12; गिनति 30:2; व्यवस्था 23:21

'आँखी ... दाँत' निर्ग 21:24; लैव्य 24:20

'तू पचे ... करा' लैव्य 19:18

चुंगी क उगहिया रोम क जरिए किराये प खरीदा भवा यहूदी जउन चुंगी क उगही करत रहेना उ पचे कबहुँ कबहुँ धोखा दिहन अउ दूसर यहूदी ओनसे घिना करत रहेन।

पराथना का महत्व

(लूका 11:2-4)

5¹जब तू पराथना करा तउ कपटी क नाई जिन करा। काहेकि उ पचे आराधनालयन में अउर गलियन क नुक्कड़ प खड़ा होइ क पराथना करा चाहत हीं जैसे मनइयन ओनका निहार सकइँ। मईं तोसे सच सच कहत हउँ कि ओनका तउ ओकरे बदले में फल पहिले ही मिल चुका बाटइ। 6²मुला जब तू पराथना करा, आपन कोठरी में चला जा अउर फटकवा बंद कइके परमपिता स पराथना करा। फिन तोहार परमपिता जउन तोहार करम क छिपिके निहारत ह, तोहका ओनके बदले फल देई।

7³जब तू पराथना करत रहा, तउ विधर्मी क नाई फिजूल बातन क यों ही बार बार जिन दोहरावा। उ सबइ इ सोचत हीं कि ओनके बहोत बोले स ओनकइ सुनि लीन्ह जाई। 8⁴यह बरे ओनके जइसा जिन होइ जा काहेकि तोहार परमपिता तोहरे माँगइ स पहिले जानत ह कि तोहार का जरूरत अहइ। 9⁵यह बरे इ प्रकार पराथना करा:

‘सरग मैं रहइ वाले हमरे परमपिता, पवित्तर अहइ तोहार नाँ

10 जग मैं तोहार राज्य आवइ जउन चाहा तू वइसे पूर होइ इ धरती प जइसे पूर होत रहता तोहार इच्छा सदा सरग मैं।

11 आज तू हमका दिन भर क खइया द्या

12 हमार पापन क छमा करा जइसे हम छमा कीन्ह आपन अपराधिनक।

13 जिन ल्या कठिन परिच्छा भारी हमका ओसे बचावा जउन दुस्त (सइतान) स अहइ।*’

14⁶यह बरे जदि तू लोगन्क अपराधे क छमा करब्या तउ तोहार सरगे क परमपिता भी तोहरे पाप छमा करी।

15⁷मुला अगर तू लोगन्क छमा न करब्या तउ तोहार सरगे क परमपिता भी तोहरे पापन्क छमा न करी।

उपवास क अरथ

16⁸जब तू उपवास राखा तउ कपटी क नाई दुःखी मुँह बनाइके जिन रहा। काहेकि लोगन्क इ मालूम होइ जाइ कि उ सबइ उपवास करत अहइँ। मईं तोहसे सच कहत हउँ कि ओनका तउ बदले में फल मिलि चुका अहइ। 17⁹मुला जब तू उपवास राखा तउ आपन मूँड़ प जैतून क तेल लगावा अउर आपन मुँहना धोवा 18¹⁰जैसे लोग इ न भाँप सकइँ कि तू उपवास करत अहा। मुला

पद 13 कछू यूनानी प्रतियन में यह भाग जोड़ी गइ अहइ: “काहेकि राज्य अउ महिमा सदा तोहरी अहइ। आमीना।”

तोहार परमपिता जेका तू निहार नाहीं सकत्या देखइ कि तू उपवास करत अहा। तबहिँ तोहार परमपिता जउन तोहरे छमा भवा कामे क देखत रहत ह, उ तोहका ओकरे बदले में फल देई।

परमेस्सर धने स बड़वार अहइ

(लूका 12:33-34; 11:34-36; 16:13)

19¹¹आपन बरे धरती प भंडारा जिन भरा। काहेकि ओका किरवा अउर डंक नास कइ देइहीं। चोर सेंध लगइहीं अउर चोराय लइ जइहीं। 20¹²बजाए एँकरे सरग मैं भंडारा भरा। हुवाँ किरवा अउर डंक नास न कइ पइहीं। अउर चोर भी हुवाँ सेंधिया लगाइके नास न कइ पइहीं। 21¹³याद रखा जहाँ तोहार भंडार होई, हुँवई तोहार जिअरा लागी।

22¹⁴देह बरे प्रकास क सोत आँखी अहइ। यह बरे तोहार आँखी नीक अहइ तउ तोहार देह प्रकास करत रही। 23¹⁵मुला जदि तोहार आँखी खराब होइ जाइ तउ तोहार सब देह अँधियर होइ जाइ। यह बरे उ सिरिफ प्रकास जउन तोहरे भीतर अहइ जदि अँधियर होइ जाइ तउ उ केतना गहिर होई।

24¹⁶कउनो भी साथ साथ दुइ सुआमी क नउकर नाहीं होइ सकत काहेकि उ एक स तउ उ घिना करी अउर दूसर स पिरेंमा। या एक बरे उ न्यौछावर करी अउर दूसरे क धिक्कारी। तू धन अउर परमेस्सर दुइनउँ क सेवा नाहीं कइ पउब्या।

चिंता तजि द्या

(लूका 12:22-34)

25¹⁷यह बरे मईं तोहसे सच कहत हउँ कि अपने जिअइ बरे खाइ पिअइ क चिंता तजि द्या। आपन तने क ओढ़ना क फिकिर जिन करा। सचमुच जिन्नगी खइया स अउर तने क ओढ़ना स जिआदा बड़कई क अहइ। 26¹⁸लखा! अकासे क पंछी न तउ बोआई करत हीं अउर न कटाई, न ही उ पचे कोठिला मैं अनाज भरि देत हीं मुला तोहार स्वर्गीय पिता ओनकइ भी पेटवा भरत ह। का तू ओनसे जिआदा बड़कवा नाहीं बाट्या? 27¹⁹तू सबन मैं का कउनो अइसा अहइ कि फिकिर कइके आपन जिन्नगी मैं एक घड़ी भी अउ बढ़ाइ सकत ह?

28²⁰अउ तू आपन ओढ़ना क बारे मैं काहे सोचत ह? सोचा, जंगले क फूलन क बारे मैं कि उ सबइ कइसे खिल जात हीं? उ सबइ न कउनो काम करत हीं अउर न आपन बरे ओढ़ना बनावत हीं। 29²¹यह बरे मईं तोहसे कहत हउँ कि सुलेमान भी आपन समूची धन दौलत क संग ओहमा स कउनो एक नाई नाहीं सज सका। 30²²तउ जउन जंगली पौधा जउन आज जिअत अहइँ मुला जेनका भियान भारे मैं झोंक दीन्ह जाब अहइ, परमेस्सर अइसा ओढ़ना पहिरावत ह तउ अल्प बिसवास क करवइया

मनइयो! का उ तोहका अउर जिआदा बढिया ओढ़ना न पहिराई? ³¹यह बरे चिंता करत करत इ जिन कहा, 'हम का खाबड़' या 'हम का पिअब' या 'का पहिरब?' ³²मनई जउन परमेस्सर क नाहीं जनतेन इ सब चीजन्क पाछे दौड़त रहत हीं मुला सरग क बसइया तोहार परमपिता जानत ह कि तोहका इ सब चीजन्क जरूरत अहइ। ³³यह बरे सब ते पहिले परमेस्सर क राज्य अउर तोहसे जउन धरम की खोज उ चाहत ह, ओकर फिकिर करा। इ सब चीजन तउ तोहका खुद ही घेलइया मँ दइ दीन्ह जइहीं। ³⁴भियान क फिकिर जिन करा, काहेकि भियान क तउ अउर आपन चिंता होइहीं। हर दिन क आपन आपन परेसानी होत हय।

ईसू क बचन दूसर क दोखी ठहरावइ बरे

(लूका 6:37-38, 41-42)

7 "दूसर प दोख न लगावा काहेकि तोहरे प दोख न लगावा जाइ। ²काहेकि तोहार निआव उहइ फैसला प टिका होई, जउन फैसला तू दूसर क निआव प दिहे रहा अउर परमेस्सर तोहका उहइ नपना स नापी जउने नपना स तू दूसर क नाप्या ह। ³तू आपन भाई बंद क आँखी क किरकरी तक क काहे लखत ह? जब कि तोहका आपन आँखी क लट्टा तलक नाहीं देखोई पड़त? ⁴जबहिं तोहरे आँखी मँ लट्टा बाटइ तब तू आपन भाई स कइसे कहि सकत ह, "तू मोका तोहरी आँखी क किरकरी निकारइ द्या।" ⁵अरे कपटी! पहिले आपन आँखी क लट्टा निकार, फिन तू नीक नीक देखे पउब्या अउर आपन भाई क आँखी क किरकरी निकार पउब्या।

⁶कूकुरन क पवित्तर चीज जिन द्या अउर सुअरन क अगवा मोती जिन बिखरावा। नाहीं तउ उ पचे आपन गोड़ी क तले रौदिहइ अउर कूकुरन पलटि क तोहरे ऊपर चढि बैठिहीं।

जउन तू चाहत ह परमेस्सर स पराथना करत रहा

(लूका 11:9-13)

⁷परमेस्सर स माँगत रहा, तोहका दीन्ह जाइ। खोजत रहा, तोहका मिली। खटखटावत रहा, तोहरे बरे दरवाजा खोलि दीन्ह जाई। ⁸काहेकि हर कउनो जउन माँगत ह, पावत ह। जउन दूँदत ह, पावत ह। जउन खटखटावत रहत ह ओकर बरे दरवाजा खोलि दीन्ह जाई।

⁹तू सबन मँ स अइसा बाप कउन सा अहइ जेकर बेटवा रोटी माँगइ अउर उ बेटवा क पाथर देइ? ¹⁰या जब उ मछरी माँगइ तउ उ ओका साँप दइ देइ। बतावा का कउनो देई? अइसा कउनो न करी। ¹¹यह बरे चाहे तू बुरा काहे न हवा, जानत ह कि आपन गदेलन क नीक भेंट कइसे दीन्ह जात हीं। वइसे हीं सचमुच सरगे क बसइया तोहार परमपिता माँगइवालन क नीक नीक चीजन्क जरूर देइ।

नेम धरम क सबते बड़ी उपदेस

¹²यह बरे जइसा बेवहार आपन बरे तू दूसर लोगस चाहत ह, वइसा बेवहार तू भी ओनसे करा। यही मूसा क व्यवस्था अउर नबियन दुआरा बतावा गवा बा।

सरग अउर नरक क राह

(लूका 13:24)

¹³सँकरे राह स घुसा। इ मई तोहका यह बरे कहत हउँ काहेकि चौड़ा दुआर अउर बड़की राह तउ बिनासे कइँती लइ जात ह। बहोत स मनई उ राहे प चलत हैं। ¹⁴मुला केतना सँकरा अहइ उ दुआर अउर केतना छोटकी अहइ उ राह जउन जिन्नगी कइँती लइ जात ही अउर कठिन अहइ उ सबइ मनइयन जउन ओका पावत अहइँ।

करम ही बतावत हीं कि कउन कइसा अहइ

(लूका 6:43-44; 13:25-27)

¹⁵झूठे नबियन स होसियार रहा। उ पचे तोहरे लगे निर्छल भेड़न क भेस मँ आवत हीं मुला भीतर उ सबइ खूँखार बड़का कूकुर होत हीं। ¹⁶तू ओनके करमन क फल स पहिचान लेब्या। कउनो कँटहरी झाड़ी स न तउ अंगूर एकट्टा कइ पावत ही अउ न गोखरू स अंजीर। ¹⁷अइसे ही बढिया बिरवा प नीक फल लागत हीं मुला बेकार बिरवा प बेकार फल लागत हीं। ¹⁸एक नीक बिरवा फल नाहीं पड़वा करत अउर कउनो बेकार बिरवा नीक फल पड़वा कइ सकत ह। ¹⁹हर उ बिरवा जेह प नीक फल नाहीं लागतेन, ओका काटि के आगी मँ झोकि दीन्ह जात ह। ²⁰यह बरे मई तू सबन क दुबारा कहत हउँ कि उ लोगन क तू ओनके करमन क फले स पहिचान लेब्या।

²¹"पभूँ पभूँ कहइवाला हर मनई सरगे क राज्य मँ घुस न पाई मुला उहइ सरग जउन सरगे मँ बसा अहइ मोरे परमपिता क इच्छा प चलत ह उहइ ओहमा घुसि पाई। ²²उ आखिरी दिना मँ बहोत स मनई मोसे पुछिहीं, 'पभूँ! पभूँ! का हम तोहरे नाउँ स भविस्सबाणी नाहीं कीन्ह? का तोहरे नाउँ स हम सबन दुष्ट आतिमन क नाहीं निकारा अउर का हम पचे तोहरे नाउँ स अद्भुत कारजन नाहीं कीन्ह?' ²³तबहिं मई ओनसे साफ साफ कहियउँ कि मई तू सबनक नाहीं जानत हउँ, हे कुकरमी मनइयो! हियौं स भागि जा।'

एक तु बुद्धिमान अउर एक मूर्ख

(लूका 6:47-49)

²⁴यह बरे जउन मोर सब्दन क सुनत ह अउर उ एंन प चलत ह ओकर तुलना उ बुद्धिमान स कीन्ह जाई जउन आपन घर चट्टाने प बनाएस। ²⁵बरखा भइ, बाढ़ आइ, आँधी चली अउइ सबई उ घरे स टक्कराइ गएन,

मुला घर गिरा नाही। काहेकि ओकर नेंव चट्टाने प धरी गइ रही। ²⁶मुला उ जउन मोरे सब्दन क सुनत ह मुला ओन प चलत नाही, उ मूर्ख मनई क नाई अहइ जउन आपन घर रते प बनाएस। ²⁷बरखा भइ, बाढ आइ अउर आँधी चली अउर उ घरे स टकराइ गएन, जेहसे उ घर आवाज कइके समूचइ गिर गवा।

²⁸नतीजा इ भवा कि जबहि ईसू इ बतियन क कहिके पूरी किहेस, तउ ओकरे उपदेसन प भीड़ क अचरज भवा। ²⁹काहेकि उ धरम सास्तिरियन क नाई नाही मुला एक अधिकारी क नाई उपदेस देत रहा।

ईसू क कोढ़ी क चंगा करब

(मकुस 1:40-45; लूका 5:12-16)

8 ईसू जबहि पर्वते स खाली उतरा तउ बहोत बड़ी मनइयन क भीड़ ओकरे पाछे होइ चली। ²हूँवई एक कोढ़ी भी रहा। उ ईसू क लगे आइ अउर निहुरिके बोला, “पभू, जदि तू चाहा तउ मोका चंगा कइ सकत हा।”

³एह प ईसू आपन हथवा बड़ाइके कोढ़ी क छुएस अउर कहेस, “मई चाहत हउँ; चंगा होइ जा।” अउर फउरन कोढ़ी क कोढ़ पराइ गवा।

⁴फिन ईसू ओसे कहेस, “देखा एँकरे बारे में कउनो स कछू जिन कहया। मुला याजक क लगे जाइके ओका आपन क देखावा। फिन मूसा क हुकुम क मुताबिक भेंट चढ़ावा जैसे लोगन्क तोहरे चंगा होइ क साच्छी मिलि जाइ।”

ईसू फऊजी नायक क नउकर क चंगा किहेस

(लूका 7:1-10; यूहन्ना 4:43-54)

⁵फिन ईसू जब कफरनहूम गवा, तउ एक फऊजी नायक ओकरे नगिचे आवा अउर ओसे मदद बरे बिनती करत बोला, ⁶“पभू, मोर एक सेवक मोरे घरवाँ में बिछउना प ओलरा बाटइ। ओका लकवा मारे बाटइ। ओका बहोत दर्द होत अहइ।”

⁷तबहि ईसू फऊजी नायक स कहेस, “मई आइके ओका चंगा करिहउँ।” ⁸फऊजी नायक जवाब दिहेस, “पभू, मई इ जोगा नाही हउँ कि तू मोरे घर में आवा। यह बरे हुकुम दइ दया। बस मोर नउकर चंगा होइ जाई। ⁹इ मई जानत हउँ कि मई एक बड़का अधिकारी क नीचे काम करत अही अउर मोरे नीचे दूसर सिपाही अहइ। जबहि मई एक ठु सिपाही स कहत हउँ, ‘जा’ तउ उ चला जात ह अउर दूसर सिपाही स कहत हउँ, ‘आ’ तउ उ आइ जात ह। मई आपन सेवक स कहत हउँ, ‘इ करा’ तउ उ ओका करत ह।”

¹⁰जब ईसू इ सुनेस तउ उ अचरजे में पड़ि गवा। जउन मनइयन ओकरे पाछे पाछे आवत रहेन ईसू ओनसे कहेस, “मई तोहसे सच कहत हउँ मई एँतना गहरा

बिसवास इम्राएल में भी कउनो में नाही पाया। ¹¹मई तोहका इ अउ बतावत हउँ कि, बहोत स पूरब अउर पच्छिम स अइहीं अउर उ सबइ भोजे में इम्राहीम, इसहाक अउर याकूब क संग सरगे क राज्य में आपन आपन ठउर प बैठ जइहीं। ¹²मुला राज्य क आदिम प्रजा बाहेर आँधियारे में ढकेल दीन्ह जाई जहाँ उ पचे चिचियाइके नरियाइके दाँत पीसत रइहीं।”

¹³तब ईसू उ फऊजी नायक स कहेस, “जा वइसा ही तोहरे बरे होइ जइसा तोहार बिसवास अहइ।” अउर ओकर नउकर फउरन चंगा होइ गवा।

ईसू बहोतन क चंगा किहेस

(मकुस 1:29-34; लूका 4:38-41)

¹⁴जब ईसू पतरस क घरे पहुँच गवा, उ ओकरे सास क बुखार स दुखी बिछउना प ओलरी देखेस। ¹⁵तब ईसू ओका आपन हथवा स छुएस अउर ओकर बुखार उतर गवा। फिन उ उठी अउर ईसू क सेवा करय लाग।

¹⁶जइसे साँझ होइ गइ तउ लोग ओकरे नगिचे बहोतन मनइयन क लइ आएन जेहमा दुस्त आतिमन रहत रहीं। आपन एक ही हुकुम स उ दुस्त आतिमन क निकारि दिहस। इ तरह स उ सबइ बेरमियन क नीक कइ दिहस। ¹⁷इ यह बरे भवा कि परमेस्सर नबी यसायाह स जउन कछू कहेस, उ पूरा होइ जाइ:

“उ हमरे बेरमियन क लइ लिहस अउर हमरे संतापे क ओढ़ लिहस।”

यसायाह 53:4

ईसू क मनवइया बनइ क ललक

(लूका 9:57-62)

¹⁸जब ईसू आपन चारिहूँ कइँती भीड़ देखेस तउ उ आपन चलन क हुकुम दिहेस कि उ सबइ झिलिया क ओह पार किनारे चलइ। ¹⁹तब एक धरम सास्तरी ईसू क निअरे आवा अउर कहेस, “गुरु, जहँ तहँ तू जाब्या, मई तोहरे पाछे चलबा।”

²⁰एह प ईसू ओसे कहेस, “लोखरी क बिल अउर अकास क पच्छीयन क घाँसला होत हीं मुला मनई क पूत* क लगे मँडू कटावइ क कउनो ठउर नाही।”

²¹ओकरे चलन में स एक ठु ईसू स कहेस, “पभू, मोका पहिले जाइके आपन पिता क गाड़इ क हुकुम दया।”

²²मुला ईसू ओसे कहेस, “मोरे पाछे चला आवा अउर मरा भवा मुर्दन क आपन मुर्दा खुद गाड़इ दया।”

मनई क पूत ईसू परमेस्सर क पूत रहा। दानि 7:13-14 में इ मसीह क नाउँ अहइ जेका परमेस्सर मनइयन क उद्धार करइ बरे चुने रहा।

ईसू तूफान क सांत किहेस

(मरकुस 4:35-41; लूका 8:22-25)

²³तब ईसू एक नाउ प बड़िठि गवा। ओकर चेलन भी पाछे पाछे गएन। ²⁴उहइ समझया झील में एतना भयंकर तूफान उठि गवा कि नाउ लहरन स दबी जात रही पर ईसू सोवत रहा। ²⁵तबहि ओकर चेलन ओकरे लगे पहुँचेन अउर ओका जगाइके कहेन, “पभू, हमार रच्छा करा। हम पचे मरि जाब!”

²⁶तबहि ईसू ओनसे कहेस, “अरे कम बिसवास करइवालो। तू पचे काहे एतना भयभीत अहा?” तब उ खड़ा होइके तूफान अउर झिलिया क डाटेस अउर चारिहुँ कइती सांति छाइ गइ।

²⁷मनइयन अचरजे में पड़ि गएन। उ सबइ कहेन, “इ कइसा मनई बाटइ? अंधइ तूफान अउर झिलिया तक एकर बतिया मानत हीं!”

दुइ मनई क दुस्ट आतिमन स छूटि जाब

(मरकुस 5:1-20; लूका 8:26-39)

²⁸जब ईसू झील क उ पार, गदरेनियो देस पहुँच गवा, तउ ओका कब्र स निकरि के दुइ मनई आवत भए मिलेन, जेहमाँ दुस्ट आतिमन रहिना उ पचे एतना खौफनाक रहेन कि उ रस्ता स कउनो निकरि तक नाहीं सकत रहा। ²⁹उ पचे चिचियानेन, “हे परमेस्सर क पूत! तू मोसे का चाहत बाट्या? का तू हियोँ ठीक समइ स पहिले हमका दंड देइ आइ अहा?”

³⁰हुवाँ तनिक दूरी प बहोत स सुअरन क झुंड चरत रहा। ³¹तउ उ दुस्ट आतिमन ओसे बिनती करत भए कहेन, “जदि तोहका हम पचन क बाहेर निकारब ही बाटइ, तउ हमका सुअरन क झुंडे में पठइ द्या।”

³²तउ ईसू ओनसे कहेस, “चला जा!” तब उ सबइ ओन मनइयन में स बाहेर निकरि आइन अउर सुअरन में घुसि गइन। फिन समूचा झुंड डलाने स लुढ़कत पुढ़कत पराइके ढालू किनारे स झिलिया में गिरि गवा अउ पानी में बूडिके मर गएन। ³³सुअरन क झुंड क रखवालन भागत भागत हुआँ स सहर आएन अउर सुअरन क साथ तथा दुस्ट आतिमन स ग्रस्त ओन मनइयन क साथ जउन कछू भवा, कहिके सुनाएन। ³⁴फिन तउ सहर क सबइ मनइयन ईसू स भेंटइ बरे निकर पड़ेन। जब उ पचे ईसू क देखेन तउ ओसे बिनती किहेन कि उ ओनके हियोँ स कहुँ अउर ठउर जाइ।

लकुआ क मरीज क चंगा करब

(मरकुस 2:1-12; लूका 5:17-26)

9 फिन ईसू एक नाउ प चढ़ा अउर झिलिया क पार आपन सहर आइ गवा। ²मनइयन लकुआ क मरीजे क खटिया प ओलराइके ओकरे नगिचे लइ आएन। ईसू जबहि ओकरे बिसवास क देखेस तउ लकुआ क रोगी स

कहेस, “हे बालक ढाड़स रखा। तोहार पापन्क छमा दीन्ह गवा।”

³तबहि कछू धरम सास्तिरियन आपस में कहइ लागेन, “इ मनई (ईसू) परमेस्सर क बेजत करत हा।”

⁴ईसू जानत रहा कि उ पचे का सोचत विचारत अहइ; ईसू ओनसे बोला, “तू सब आपन मन में काहे बुरा बिचार आवइ देत ह? ⁵जिआदा सहल का बाटइ? इ कहब, ‘तोहार पापन्क छमा दीन्ह गवा।’ या इ कहब, ‘खड़ा हवा अउर चलि पड़ा?’ ⁶काहेकि तू सब इ जान पावा कि धरती प पापन्क छमा करइ क सक्ती मनई क पूत में अहइ।” ईसू लकुआ क रोगी स कहेस, “खड़ा हवा, आपन बिछउना उठावा अउ घरे चला जा।” ⁷उ लकुआ क मरीज खड़ा होइके आपन घर चला गवा। ⁸जबहि भीड़े में मनइयन इ निहारेन कि तउ उ सबइ गहरी भक्ति स अचरजे में पड़ि गएन अउर परमेस्सर क गुन गावइ लागेन जउन मनई क अइसी सक्ती दिहेस।

ईसू क मती क चुनब

(मरकुस 2:13-17; लूका 5:27-32)

⁹ईसू जब हुआँ स जात रहा तउ उ महसूले क चुंगी क चौकी प बइठा भवा एक मनई क देखेस। ओकर नाउँ मती रहा। ईसू ओसे कहेस, “मोरे पाछे चला आवा।” एह प मती खड़ा भवा अउर ओकरे पाछे होइ गवा।

¹⁰अइसा भवा कि जब ईसू मती क घर बहोत स चुंगी उगहियन अउर पापी मनइयन क संग आपन मनबइयन क साथ लइके जेवत रहा। ¹¹तउ ओका फरीसियन देखेन अउर ओनके चेलन स पूछइ लागेन, “तोहार गुरु चुंगी क उगहिया अउर बुरा मनइयन क संग खइया के काहे खात ह?”

¹²इ सुनिके ईसू ओनसे कहेस, “हिट्ट पुट्ट मनई क नाहीं मुला बेरमियन क एक बैदय (डाक्टर) क जरूरत होत ह। ¹³यह बरे तू सबइ जा अउर समझा कि सास्तेर क बचन क अरथ का अहइ? मइँ बलिदान नाहीं चाहत हउँ मुला द्या चाहता हउँ। * मइँ धर्मी क नाहीं मुला पापियन क बुलावइ आइ हउँ।”

ईसू दूसर यहूदी धर्म नेता स न्यारा

(मरकुस 2:18-22; लूका 5:33-39)

¹⁴फिन बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना क चेलन ईसू क लगे गएन अउर पूछेन, “हम सबइ अउर फरीसियन पुनि पुनि उपवास काहे करत हीं परन्तु तोहार चेलन काहे नाहीं करतेन?”

¹⁵फिन ईसू ओनका समझाएस, “का दूल्हा क साथी जब ताई दूल्हा ओनके संग अहइ, सोक मनाइ सकत हीं? मुला उ दिनन अइहीं जब दूल्हा ओनसे छीन लीन्ह जाई

‘मइँ ... हउँ’ होसे 6:6

फिन उ समइया मँ उ सबइ दुखी होइहीं अउर उपवास करिहीं।

¹⁶बे सिकुड़ा भवा नवा कपरा क पड़बंद पुरान पोसाके क पकउनो लगावत नाहीं काहेकि इ पड़बंद पोसाके क अउर जिआदा फाड़ देइ अउ कपरा क खोंच अउर बाढ़ जाई। ¹⁷नई दाखरस पुरान मसकन मँ भरी नाहीं जात। नाहीं तउ मसकन क फोरि देइ अउर दाखरस बहिके फैलि जाई। यह बरे लोग नई दाखरस नई मसकन मँ भरत हीं जइसे दाखरस अउर मसकन दुइनउँ बचा रहई।”

मरी लरिकि क जिन्गी देब अउर बेरमिया स्त्री क चंगा करब

(मकुस 5:21-43; लूका 8:40-56)

¹⁸ईसू ओन मनइयन क जब इ बतिया बतावत रहा, तबहि यहूदी आराधनालय क एक मुखिया ओकरे लगे आवा अउर ओकरे समन्वा निहुरिके बिनती करत भवा बोला, “अबहीं अबहीं मोर बिटिया मरी गइ अहइ। तू चलिके जदि ओह प आपन हाथ रख द्या तउ उ फिन जी जाई।”

¹⁹एह प ईसू खड़ा होइके आपन चेलन क संग ओकरे साथ चल दिहस।

²⁰हुवाँ एक तु स्त्री रही जेका बारह बरिस स खून बहत रहा। उ पाछे स ईसू क नगिचे आइ, ओकरे ओढ़ना क मुहरी छुइ लिहस। ²¹उ आपन मनवा मँ सोचत रही, “जदि मई तनिकउ भी एकर ओढ़ना छुइ पाई, तउ नीक होब।”

²²धूमिके निहारत भवा ईसू कहेस, “स्त्री, खुस रहा। तोहार बिसवास तोहका चंगा किहसे ह।” अउर उ स्त्री तुरंतहि उहइ छन चंगा होइ गइ।

²³ओह कइती ईसू जब आराधनालय क मुखिया क घरवा पहुँचा तउ उ देखेस कि सोक धुन बजावत बाँसुरी क बजवइया अउर हुवाँ एकट्ठा भए मनइयन लरकी क मउत प सोक करत रहेन। ²⁴तबहि ईसू लोगन्स कहेस, “हिवाँ स बाहेर जा। लरकी मरी नाहीं बा, उ तउ सेवति अहइ।” एह प मनई ओकर हँसी ठट्ठा करह लागेन। ²⁵फिन जब भिरिया क मनइयन क बाहेर पठएस तउ ईसू लरकी क कोठरी मँ जाइके ओकर हथवा पकड़ैस अउर उ उठि गइ। ²⁶एकर खबरिया उ समूचइ पहुँटा मँ संचर गइ।

ईसू ढेर मनइयन क चंगा किहसे

²⁷ईसू जब हुवाँ स जाइ लाग तउ दुइ आँधर ओकरे पाछे होइ गएन। उ दुइनउँ चिल्लात रहेन, “हे दाऊद क पूत, हम प द्या करा।”

²⁸ईसू जइसे घरवा क भीतर पहुँच गवा तउ उ आँधर ओकरे लगे आएन। तबहि ईसू ओन्से कहेस, “का तोहका

बिसवास अहइ कि मई, तोहका फिन आँखिन दइ सकत हउँ?” उ पचे जवाब दिहेन, “हाँ पभू।”

²⁹एह पर ईसू ओनकइ आँखिन क छुअत कहेस, “तोहरे बरे वइसा होइ जइसा तोहार बिसवास अहइ।”

³⁰अउर आँधरन क जोति मिल गइ। फिन ईसू ओनका चिताउनी देत कहेस, “एकरे बारे मँ कउनो क पता नाहीं लागइ चाहीं।” ³¹मुला उ पचे हुवाँ स जाइके इ खबरिया क उ पहुँटा मँ चारिहुँ कइती फैलाइ दिहन।

³²जब उ दुइनउँ हुवाँ स जात रहेन तउ कछू लोग ईसू क लगे एक तु गूंगा क लइ आएन। गूंगा मँ दुस्ट आतिमा क सवारी रही अउर यह बरे उ कछू बोल नाहीं पावत रहा। ³³जब उ दुस्ट आतिमा क निकांरि दिहस तउ उ गूंगा, जउन पहिले कछू नाहीं बोल सकत रहा, बोलइ लाग। तबहि भिरिया क लोग अचरजे मँ कहेन, “इग्राएल मँ अइसी घटना कबहुँ नाहीं देखी गइ।”

³⁴मुला फरीसियन कहत रहेन, “उ दुस्ट आतिमन क सइताने क मदद स बाहेर खदेरत ह।”

ईसू क मनइयन प दुःख

³⁵ईसू यहूदी आराधनालयन मँ उपदेस देत, परमेस्सर क राज्य क सुसमाचार क प्रचार करत, मनइयन क बेरामी अउर हर तरह क दारून दुःख हरत उ समूचइ पहुँटा क गाउँ गाउँ अउर सहर सहर घूमत रहा। ³⁶ईसू जब कउनो भिरिया क देखत तउ ओनके बरे करुना स भरि जात काहेकि उ पचे सतावा भवा अउर बेसहारा रहेन, जइसे भेड़ रहिन अउ ओनकइ कउनो गड़रिया नाहीं रहा। ³⁷तबहि ईसू आपन चेलन स कहेस, “तइयार खेत तउ बहोत अहई मुला मजदूर कम बाटेन। ³⁸यह बरे फसल क परमेस्सर स बिनती करा कि उ, आपन फसल काटइ बरे मजदूर पठवइ।”

सुसमाचार क प्रचार बरे प्रेरितन क पठउब

(मकुस 3:13-19; 6:7-13; लूका 6:12-16; 9:1-6)

10 तउ ईसू आपन बारहु चेलन क लगे बोलवाइके ओनका दुस्ट आतिमन क बाहेर खदेरइ, अउर हर तरह क रोग अउर दारून दुख क दूर करइ क सकती दिहसे। ²उ सब बारहु प्रेरितन क नाउँ इ बाटई सबते पहिले समौन, जउन पतरस कहा गवा, अउर ओकर भाई आन्द्रियास, जब्दी क बेटवा याकूब अउर ओकर भाई यूहन्ना।

³फिलिप्पुस, बरतुल्मै, थोमा, चुंगी (टिक्स) क उगहिया मती, हल्फै क बेटवा याकूब अउर तदै। ⁴समौन कनानी * अउर यहूदा इस्करियोती जे ओका धोखा दइके पकड़वाए रहा।

कनानी यहूदी क एक कट्टर राजनीति दल क नाउँ जेकर उ निअंबर होत रहा।

ईसू इन बारहु प्रेरितन क बाहेर पठवत हुकुम दिहसे कि उ सबइ, 'गैर यहूदियन क पहुँटा मैं न जाई अउर कउनो सामरी सहर मैं न घुसई।' 6मुला उ सबइ इग्राएल क परिवारे क हेराइ गइ भेड़न क नगिचे जाई 7अउर ओनका उपदेस देई, 'सरगे क राज्य नगिचे अहइ।' 8उ सबइ बेरमियन क नीक करई, मरे भएन क जिन्नगी देई, कोढिन क नीक करई अउर दुस्ट आतिमन क खबरेई। तू सबइ बे कछू दिए भए पभू क असीस अउर सकती पाए अहा, यह बरे दुसरउँ क बे कछू लिए अजादी स बाँटा। 9आपन बटुआ मैं सोना, चाँदी अउर तौबा जिन रखा। 10जात्रा बरे कउनो झोला तक जिन रखा। कइसो फालतू कुर्ता, चप्पल अउर छड़ी जिन ल्या। काहेकि मजदूर क ओकरे खइया प हक अहइ।

11'तू पचे जब कबहुँ कउनो सहर या गाउँ मैं जा तउ पता करा कि हुवाँ बिसवास क लायक कउन अहइ। फिन तब ताई हुवाँ ठहरी जा जब ताई हुवाँ स चल न द्या। 12जबहि तू उ कउनो क घरे मैं जा तउ उ परिवार क मनइयन क मान सम्मान करत कहा, 'तोहका सांति मिलइ।' 13जदि घरे क मनई सुपात्र होइहीं तउ तोहार असीस ओनके संग रही अउर जदि ओकरे जोगा नाही होइहीं तउ तोहार असीस तोहरे लगे लौटि आई। 14जदि कउनो तोहार अगवानी न करइ या तोहार बतियन क न सुनइ तउ उ घरवा या सहर क तजि द्या। अउर आपन गोड़वा मैं लागी माटी क हुवैइ झाड़ि द्या। 15मई तोहसे सच कहत हउँ कि जब निआव होई तब उ सहर क दसा सदोम अउर अमोरा* सहरन क दसा कहुँ जिआवा बढिया होई।

आपन प्रेरितन क ईसू क चिताउनी

(मरकुस 13:9-13; लूका 21:12-17)

16'होसियार! मई तोहका बिगवन मैं भेड़न क नाई बाहेर पठवत अही। कीरा क नाई चालाक अउर कबूतरे क नाई भोला बना रहा। 17मनइयन स होसियार रहया काहेकि उ पचे तोहका बंदी बनाइके यहूदी पंचायत क दइ देइहीं अउर तोहका आपन आराधनालयन मैं कोड़ा स धुनवइहीं। 18तोहका हुकूमत क सासक अउर राजा क समन्वा हाजिर करिहीं, काहेकि तू सबहू मोर चेला अहा। तोहका इ औसर दीन्ह जाई कि तू ओनका अउर गैर यहूदियन क मोरे बारे मैं साच्छी द्या। 19जब उ पचे तोहका धरई तउ फिकिर जिन करया कि तोहका का कहइ क बाटइ अउर कइसे कहइ क अहइ। काहेकि उ समइ प तोहका बताइ दीन्ह जाई कि तोहका का कहइ क अहइ। 20याद रखा कि बोलवइया तू नाही अहा, मुला तोहरे परमपिता क आतिमा तोहरे भीतर बोली।

सदोम अउ अमोरा दुइ सहरन क पभू ओनके बसइया क पापन क दण्ड बरे नास कइ दिहसे।

21'भाई आपन भाइयन क धरवाइ क मरवइहीं, महतारी बाप आपन गदेलन क पकड़वइहीं अउर बचवा आपन महतारी बाप क खिलाफ होइ जइहीं। उ पचे ओनका मरवाइ देइहीं। 22मोरे नाउँ क कारण मनई तोहसे घिना करिहीं। मुला आखिर तक जउन टिका रही उहइ क उदधार होई। 23उ सबइ अब तोहका सहर मैं सतइहीं तउ तू दूसर सहर मैं पराइ जाया। मई तोहसे सच सच कहत हउँ एसे पहिले तू इग्राएल क सबइ ही सहरन क चक्कर लगाइ ल्या, मनई क पूत दुबारा आइ जाई।

24'चेला आपन गुरु ते बड़वार नाही होतेन अउर न ही कउनो नउकर आपन मालिक ते बड़वार होत ह। 25चेला क गुरु क नाई होइ मैं अउर नउकरे क मालिक क नाई होइ मैं संतोख करइ चाही। जब उ घरे क मालिक क बालजबूल (सइतान) कहइ तउ, ओकरे घरे क मालिक क संग तउ अउ भी बुरा बेवहार करिहीं।'

परमेस्सर स डेराअ मनइयन स नाही

(लूका 12:2-7)

26'यह बरे ओनसे डेराअ जिन काहेकि जउन छुपी अहइ, सब खुलि जाई। अउर हर चीज जउन छुपी अहइ, परगट होइ जाई। 27मई अँधियारे मैं जउन कछू तोसे कहत हउँ, मई चाहित ह कि तू उजियारे मैं कहा। मई जउन कछू तोहरे कनवा मैं कहेउँ तू ओकरे मकाने क छत्तियापर चढ़िके, एलान करा। 28ओनसे जिन डेराअ, जउन तोहरे देह क नास कइ डइहीं मुला तोहरे आतिमा **U** क नाही मारि सकतेन। बस उ परमेस्सर स डेराअ जउन तोहार देह अउर आतिमा क नरके मैं नाइ के नास कइ सकत ह। 29एक ठु पइसा क दुइ चिड़िया बेसहे मैं स भी एक तोहरे परमपिता क बे जाने भए अउर ओकर बिना इच्छा स धरती प नाही गिर सकत। 30अरे तोहरे मुँडे क एक एक बार तक गिना भवा बाटइ। 31यह बरे डेराअ जिन, तोहार कीमत तउ वइसी बहोत स चिड़ियन ते जिआवा बाटइ।

ईसू मैं बिसवास

(लूका 12:8-9)

32'जउन कउनो मोका सब मनइयन क समन्वा अपनाई, मई भी ओका सरगे मैं बसा आपन परमपिता क समन्वा अपनियाउब। 33मुला जउन कउनो मोका सब मनइयन क समन्वा न अपनियाई, मई भी ओका आपन परमपिता क समन्वा न अपनियाउब।

34'इ जिन सोचा कि मई धरती प सांति लइ आवइ आइ हउँ। सांति नाही मुला एक तरवारे क लइ आइ हउँ। 35-36मई तउ, बेटवा क बाप क खिलाफ:

'बिटिया क महतारी क खिलाफ, दुलहिन क सासे क खिलाफ करइ आइ हउँ। मनई क बैरी ओकरे घरे क मनई ही होइहीं।'

37“जउन आपन महतारी बाप स मोसे जिआदा पिरेम करत ह, उ मोर होइ क जोग्ग नार्हीं जउन अपने बेटवा अउर बिटिया से मोसे जिआदा पिरेम करत ह, उ मोर होइके जोग्ग नार्हीं। 38उ जउन क्रूसे (यातना) उठाइके मोरे पाछे होत नार्हीं, मोर होइके जोग्ग नार्हीं। 39उ जउन आपन प्राण बचावा चाहत ह, आपन प्राण खोइ देइ। मुला जउन मोरे बरे आपन प्राण दइ देइ, उ जिन्नगी पाई। 40जउन तू पचन क अपनावत ह, उ मोका अपनावत ह अउर जउन मोका अपनावत ह, उ उहइ परमेस्सर क अपनावत ह, जउन मोका पठएस ह। 41जउन कउनो नबी क यह बरे अपनावत ह कि उ नबी अहइ, ओका उहइ ओकरे बदले मैं फल मिली जउन कि नबी क मिलत ह। अउ जदि तू कउनो धर्मी क यह बरे अगवानी करत ह कि उ धर्मी बाटइ, ओका सच उहइ बदले मैं फल मिली जउन कउनो धर्मी क मिलत ह। 42अउर जदि कउनो मोर इ भोला भाला चेलन मैं स कउनो एक क एक लोटा ठंडा पानी तक दइ दे कि उ मोर चेला अहइ, तउ मई तोसे सच कहत हउँ कि ओका ँकरे बदले मैं फल सचमुच बे मिले भए न रही।”

ईसू अउर बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना

(लूका 7:18-35)

11 अइसा भवा कि ईसू आपन बारहु चेलन क इ तरह समझाइके हुवाँ स चला गावा अउर गलील देस क सहरन मैं उपदेस देत अउर प्रचार करत लाग।

2यूहन्ना जब जेल मैं मसीह क काम क बारे मैं सुनेस तउ उ आपन चेलन स संदेस पठइके पूछेस, 3“का तू उहइ अहा, जउन आवइवाला रहया, या हम पचे कउनो अउर आवइवाला क बाट जोही?”

4ईसू जवाबे मैं ओनसे कहेस, “जउन कछू तू सबइ सुनत अहा, अउर देखत अहा, जाइके यूहन्ना क बतावा कि, 5अँधरे क आँखी मिलति अहइँ, लुला लगँडा चल पावत अहइँ, कोढ़ी चंगा होत अहइँ, बहिर सुनत अहइँ अउ मुदाँ जिआइ जात अहइँ अउर गरीबन मैं सुसमाचार क प्रचार कीन्ह जात अहइ। 6उ धन्य अहइ जउन मोका अपनाइ सकत ह।”

7जब यूहन्ना क चेलन हुवाँ स जात रहेन तउ ईसू भीड़ मैं यूहन्ना क बारे मैं कहइ लाग, “तू पचे इ उसरे मैं का निहारइ आइ अहा? का कउनो सरपत? जउन हवा स उड़ि जात बा। 8नार्हीं, तउ फिन का देखइ आइ अहा? का एक मनई? जउन बहोत बडिया ओडना पहिरे बा? देखा जउन उत्तिम बस्तर पहिरत हँ, उ सबइ तउ राजा क महले मैं मिलत हँ। 9तउ तू सबइ का निहारइ आइ अहा? का कउनो नबी? हँ, मई तोहका बतावत हउँ कि जेका तू देख्या ह उ कउनो भी नबी स जिआदा अहइ। 10इ उहइ अहइ जेकरे बारे मैं पवित्र सास्तर मैं लिखा बाटइ:

‘देखा, मई तोहसे पहिले ही आपन दूत पठवत हउँ। उ तोहरे बरे राह बनाई।’

मलाकी 3:1

11मई तोहसे सच कहत हउँ बपतिस्मा देवइया यूहन्ना त बड़वार कउनो मनई पइदा नार्हीं भवा। फिन भी सरगे क राज्य मैं छोट त छोट मनई भी यूहन्ना स बड़कवा अहइ। 12बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना क समइ स आज तलक सरगे क राज्य खौफनाक हमला झेलत रहा अहइ अउ हिंसा करवइया ओका छीना चाहत हँ। 13यूहन्ना क आवइ तलक सारे नबियन अउर मूसा क व्यवस्था इ भविस्सबाणी किहेन, 14अउर जदि तुम व्यवस्था अउर नबियन जउन कछू कहइ, ओका स्वीकार करने क तैयार ह तउ जेकरे आने की भविस्सबाणी की गयी थी इ यूहन्ना उहइ एलियाह बाटइ। 15जउन सुनि सकत होइ, उ सुनि लेइ।

16“ इ पीढ़ी क तुलना मई कउनो स करउँ? उ सबइ बाजारे मैं बइठा भवा ओन गदेलन क नाई अहइँ जउन एक दूसर क नरियाइके कहत रहेन,

17‘हम तोहरे बरे बाँसुरी बजावा, मुला तू नाच्या नार्हीं। हम पचे सोकगीत गावा मुला तू रोया नार्हीं।’

18बपतिस्मा देवइया यूहन्ना आइ। जउन अउरन क नाईन खात रहा अउर न पिअत रहा। मुला लोग कहत हँ, ‘ओहमा दुस्ट आतिमा समाइ गइ अहइ।’ 19फिन मनई क पूत आवा। जउन अउन क नाई खात-पिअत ह, मुला मनई कहत हँ, ‘इ मनई क देखा, ई पेटु अहइ, पिअकइ बाटइ। इ चुंगी (टिक्स) क उगहिया अउर पापी क मीत अहइ।’ मुला बुद्धि क चमत्कार काम स सिद्ध होइ जात ही।”

बिसवासी क न करइया ईसू क चिताउनी

(लूका 10:13-15)

20फिन ईसू ओन नगरन क धिक्कारेस, जेहमाँ उ ढेर अद्भुत कारजन किहेस। काहेकि हुवाँ क मनइयन आपन पाप करवाँ नार्हीं छोड़ेन अउर मनफिराव नार्हीं करेन। 21ईसू कहेस, “अरे खुराजीन * अरे बैतसैदा * जउन अद्भुत कारजन तोहमा कीन्ह गएन जदि उ सबइ काम सूर अउ सैदा मैं कीन्ह जातेन तउ हुवाँ क मनई बहोत पहिले टाट क कपरा * ओडिके सोक बरे अउर

खुराजीन, बैतसैदा, कफरनहूम गलील झील क किनारे बसा नगर अहइँ जहाँ ईसू उपदेस दिहे रहा।

टाट क कपरा उ दिनन मैं सोक मनावई बरे मोटा कपरा पहिरत रहेन अउ देह प राख लगावत रहेन।

देह प राखि लगाइके दुख क परगट करत मनफिराव कइ चुका होतेन। ²²मुला मई तू सब लोगन स कहत हउँ कि निआव क दिन सूर अउर सैदा क दसा तोहसे जिआदा सहइ बरे जोगा होई। ²³अउर अरे कफरनहूम * का तू सोचत ह कि तोहका सरगे क महिमा तलक ऊँचे उठाइ जाई? तू तउ अधोलोक मँ नरक तलक जाब्बा। काहेकि जउन अद्भुत कारजन तोहमा कीन्ह गएन, जदि उ सबइ सदोम मँ कीन्ह जातेन तउ उ नगर आज तलक टिका होत। ²⁴मुला मई तोहका बतावत हउँ कि निआव क दिन तोहरे मनइयन क दसा ते सदोम क दसा कहीं नीक होई।”

ईसू क अपनियावइ बरे सुख चइन क बचन

(लूका 10:21-22)

²⁵उ समझ्या प ईसू कहसे, “परमपिता, तू सरग अउर धरती क पर्भू अहा, मई तोहार गुन गावत हउँ काहेकि तू इन बातन क, ओनमाँ स जउन गियानी अउर समझदार अहई, छुपाइके रखे अहा। अउ जउन भोला भाला अहई ओनके बरे परगट किए अहा। ²⁶हौँ परमपिता इ यह बरे भवा काहे की तू ही एका अच्छे स जानत हया।

²⁷“मोर परमपिता सब कछू मोका सौँप दिहसे अउर असिल मँ परमपिता क बजाय कउनो भी पूत क नाही जानत। अउर हर उ मनई परमपिता क जानत ह, जेकरे बरे पूत ओका परगट करइ चाहत ह।

²⁸“अरे, ओ थका माँदा, बोझवा स दबान मनइयन मोरे लगे आवा। मई तोहका सुख चइन देब। ²⁹मोर जुआ ल्या अउर आपन उपर धरा। फिन मोसे सीखा काहेकि मई सहल हउँ अउर मोर मनवा कोमल अहइ। तोहका भी आपस बरे सुख-चइन मिली। ³⁰काहेकि उ जुआ जउन मई तोहका देखत ह बहोत सहल बाटइ। अउर उ बोझवा जउन मई तोह पर डारत अही, हल्का बाटइ।”

कछू यूहूदियन ईसू क निन्दा किहेन

(मरकुस 2:23-28; लूका 6:1-5)

12 लगभग उहइ समझ्या ईसू सबित क दिन अनाजे क खेतन स होइके जात रहा। ओकरे चलन क भूख लाग अउ गौहूँ क बाल तोड़ि क चबाइय लागेन। ²फरीसियन अइसा होत देखिके कहेन, “देखा! तोहार चलन उ करत अहई जेकर सबित क दिन करब मूसा क व्यवस्था क माफिक नाही।”

³एह प ईसू ओनसे पूछेस, “का तू नाही पढ़या कि दारुद अउर ओकर साथी, जब ओनका भूख लाग, का किहे रहेन? ⁴उ परमेस्सर क घरे मँ घुसिके ओनके बरे चढ़ाई गइ पवित्तर रोटिन क कइसे खाएन? तउ भी ओका अउर ओनके साथी संगी क ओकर खाब मूसा क व्यवस्था क खिलाफ रहा। ओका सिरिफ याजकन ही खाइ सकत रहेन। ⁵मूसा क व्यवस्था मँ तू इ नाही

पढ़या कि सबित क दिन मंदिर क याजक ही असिल मँ सबित क दिन देत हीं अउर फिन ओनका कउनो कछू नाही कहत। “मुला मई तोसे कहत हउँ, हियाँ जउन कउनो बाटइ उ मंदिर ते बड़वार बाटइ।” ⁷जदि तू पवित्तर सास्तर मँ जउन लिखा अहइ, ओका जानत ह, “मई मनइयन मँ दया चाहत हउँ, पसुबलिदान नाही * तउ तू ओनका देखी नाही ठहरउल्या जउन निर्दोष अहई। ⁸हौँ, मनई क पूत सबित क दिन क भी पर्भू अहइ।”

ईसू सुखंडी हाथे क चंगा किहेस

(मरकुस 3:1-6; लूका 6:6-11)

⁹फिन उ हुवाँ स चला गवा अउर उनके आराधनालय मँ पहुँच गवा। ¹⁰हुवाँ एक तु मनई रहा, जेकर हाथ सुखंडी रहा। तउ मनइयन ईसू स पूछेन, “मूसा क व्यवस्था क माफिक सबित क दिन का कउनो क नीक करब ठीक अहइ?” उ सबइ यह बरे ओसे पूछेन कि, उ पचे ओह प दोख सकई। ¹¹मुला उ ओनका जवाब दिहसे, “मान ल्या, तोहमाँ स कउनो क लगे एक ही भेड़ बाटइ, अउर उ भेड़ सबित क दिन कउनो गड़हा मँ गिरि जात ही, तउ तू का ओका बाहेर न निकरब्या? ¹²सच मनई तउ एक भेड़ स जिआदा बढ़के अहइ। यह बरे सबित क दिन मूसा क व्यवस्था भलाई करइ बरे अनुमति देत ह।”

¹³तब ईसू उ सुखंडी हाथवाला मनई स कहेस, “आपन हथवा आगे बढ़ावा।” उ पूरी तरह स चंगा होइ गवा। ठीक उहइ तरह जइसे ओकर दूसर हाथ रहा। ¹⁴तब फरीसियन हुवाँ स चला गएन अउर ओका मार डारवइ क तरकीब गूँथइ मथइ लागेन।

ईसू उहइ करत ह जेकरे बरे परमेस्सर ओका चुनेस

¹⁵ईसू इ जान गवा अउर हुवाँ स चला गवा। भारी भीड़ पाछे पाछे होइ गइ। उ ओनका चंगा करत ¹⁶चिताउनी दिहस कि ओकरे बारे मँ मनइयन क कछू न बतावई। ¹⁷इ यह बरे भवा कि नबी यसायाह पर्भू क बारे मँ जउन कछू कहेस ह, उ पूरा होइ जाइ,

¹⁸“इ मोर सेवक अहइ, मई जेका चुनेउ हउँ। इ मोर पिआरा अहइ, एसे मई आनंद मँ हउँ आपन आतिमा एह प मई रखियउँ सब देसन क सब मनइयन क इ निआव क एलान करी।

¹⁹ इ कबहुँ नाही चिचिआई, या झगड़ी ही मनइयन एँका गली कूचा मँ न सुनिहई

²⁰ उ सरते क न उ तोड़ी नइ गवा बुझात दिया क उ न बुझाई डटा रही तब ताई जब ताई निआव क जीत न होइ जाई।

21 तब फिन सबइ लोग बँधिही देसन आपन आस फिन ओहमा, फिन उहइ नाउँ मँ।”

यसायाह 42:1-4

ईसू मँ परमेस्सर क सकती बाटइ

(मरकुस 3:20-30; लूका 11:14-23; 12:10)

22 फिन मनइयन ईसू क लगे एक अँधरे क लइ आएन जउन गूंगा भी रहा काहेकि ओहँ प दुस्ट आतिमा क सवारी रही। ईसू ओका चंगा किहेस अउर यह बरे इ गूंगा अउर अँधर बोलइ अउर देखइ लाग। 23 एँह प सबइ मनइयन अचरजे मँ पड़ि गएन अउर उ सबइ कहइ लागेन, “इ का दाऊद क पूत बाटइ।”

24 जबहिँ फरीसियन इ सुनेन तउ उ पचे कहेन, “इ दुस्ट आतिमन क ओनके सरदार बालजबूल क सहारा स बाहरे निकारत ह।”

25 ईसू ओनके मनवा क बात जानि गवा अउर ओनसे कहेस, “हर राज्य जेहमाँ फूट परि जात ह, ओकर नास होइ जात ह। वइसे ही हर सहर या परिवार जेहमाँ फूट परि जात ह उ टिकइ नाहीं पावत। 26 तउ सइतान ही खुद आपन क बाहेर कइसे निकारी फिन तउ ओहमाँ आपन खिलाफ फूट पड़ि जाई। तउ ओकर राज्य कइसे बना रहि पाई। 27 अगर इ सच अहइ कि मई बालजाबूल क सहारा स दुस्ट आतिमन क खदेरत हउँ तउ तोहार मनवइया कउने सहारा स ओनका बाहेर खदेरत ही? तउ तोहार आपन मनवइया ही सिद्ध करिहीं कि तू गलत अहा। 28 मई दुस्ट आतिमन क परमेस्सर क आतिमा क सकती स निकारत हउँ। एँसे इ सिद्ध होत ह कि परमेस्सर क राज्य तोहरे निअरे आइ ग अहइ।

29 “फिन कउन कउनो जबरा क घरवा मँ घुसिके ओकर माल कइसे चोरॉइ सकत ह, जब तलक उ जबरा क पहिले बाँध न देइ। तबहिँ उ ओकरे घरवा क लूटि सकत ह।

30 “जउन मोर संग नाहीं उ हमरे खिलाफ बाटइ। अउर जउन अलगाइ भई भेड़न क बटोरइ मँ मोर मदद नाहीं करत, उ ओनका अलगावत ह। 31 यह बरे मई तोहसे कहत हउँ कि सब मनइयन क किस्म किस्म क निन्दा अउर पापक छमा कइ दीन्ह जाइ मुला पवित्तर आतिमा क निन्दा क छमा कीन्ह न जाई। 32 कउनउ मनई क पूत क खिलाफ जदि कछू कहत ह तउ ओका छमा कीन्ह जाइ सकत ह, मुला पवित्तर आतिमा क खिलाफ कउनो कछू कहइ तउ ओका छमा न कीन्ह जाई। न तउ इ युग मँ अउर न आवइवाला युगे मँ।

मनई आपन करम स जाना जात ह

(लूका 6:43-45)

33 “बढ़िया फरे बरे तोहका बढ़िया वृच्छ रोपइ चाही। मुला वृच्छ बुरा अहइ तउ बुरा फर देइ। काहेकि वृच्छ

आपन फरे स जाना जात ह। 34 अरे हे कीरा क बचवन! जब तू खुदह बुरा अहा तउ नीक बातन कइसे कहि सकत ह? मनई क सब्ब जउन ओकरे मनवा मँ भरा अहइ, उहइ स निकरत ही। 35 एक नीक मनई मनवा क नीक भंडारे स नीक बातन निकारत ह अउर बुरा मनई बुरी बातन क निकारत ह जउन मनवा क भंडारे मँ एकटठा रहत हीं। 36 अउ मई तू सब जने क बतावत हउँ कि निआव क दिन हर मनई क लापरवाही स बोली गइ बातन क हिसाब देइ क होई। 37 तोहरे बातन क ऊपर तोहका निर्दोख अउर दोखी ठहराइ जाई।”

ईसू स प्रमाण सरूप चीन्हा क माँग

(मरकुस 8:11-12; लूका 11:29-32)

38 फिन कछू धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन ओसे कहेन, “गुरु, हम पचे तोसे अद्भुत चीन्हा परगट करइ चाहित ह।”

39 ईसू ओनसे जवाबे मँ कहेस, “इ जुग क बुरा अउर दुराचारी पीढ़ी क मनई अद्भुत चीन्हा देखा चाहत हीं। नबी योना क अद्भुत चीन्हा तजिके ओनका अउर कउनो अद्भुत चीन्हा न दीन्ह जाई। 40 अउ जइसे योना तीन दिन अउर तीन रात उ समुद्री जीव क पेटवा मँ रहा, वइसे ही मनई क पूत तीन दिन अउर तीन रात धरती प रही। 41 निआव क दिन निनेवा क रहइवाले आज क पीढ़ी क मनई क संग खड़ा होइहीं अउर दोखी ठहरइहीं। काहेकि निनेवा क मनई योना क उपदेस स मनफिराव करे रहेन अउर हियौं तउ योना स बड़वार हाजिर अहई।

42 निआव क दिन दक्खिन क रानी इ पीढ़ी क मनइयन क संग खड़ी होई अउर ओनका दोखी ठहराइ, काहेकि उ धरती क दूसर छोर स सुलैमान क उपदेस सुनइ बरे आइ रही अउर हियौं तउ कउनउ सुलैमान स भी बड़वार हाजिर अहइ।

मनइयन मँ सइतान

(लूका 11:24-26)

43 “जब कउनउ दुस्ट आतिमा कउनो मनई क छोड़ देत ह तउ उ आराम खोजइ बरे झुरान धरती प ढँढत फिरत ह, मुला उ ओका नाहीं पावत। 44 तब उ कहत ह, ‘जउन घरे क मई छोड़ दिहउँ, मई फिन उहई लौट इहउँ।’ तउ उ लौटत ह अउर ओका अब ताई खाली अउ साफ सूधर अउर सजा भवा पावत ह। 45 फिन उ लौटत ह अउ आपन संग सात अउ दुस्ट आतिमन क लइ आवत ह जउन ओसे भी बुरी होत हीं। फिन उ सबइ आइके हुवाँ रहइ लागत हीं। अउर उ मनई क हालत पहिले स जिआदा खौफनाक होत ह। आज क इ खराब पीढ़ी क मनइयन क दसा अइसी बाटइ।”

ईसू क मनवइयन ही ओकर परिवार

(मकुस 3:31-35; लूका 8:19-21)

⁴⁶ईसू अबहीं भिड़िया क मनवइयन स बातन कर रहा कि ओकर महतारी अउर भाइयन हुवाँ आइके बाहेर खड़ा होइ गएन। उ पचे ईसू स बात करइ बरे इंतजार करत रहेन।

⁴⁷कउनो ईसू स कहेस, “सुना तोहार महतारी अउर तोहार भाइयन खड़ा बाटेन अउर तोसे बात करइ चाहत हीं।”

⁴⁸जवाबे में ईसू बात करइवालन स कहेस, “कउन अहइ मोर महतारी, अउ कउन अहइ मोर भाइयन?”

⁴⁹फिन आपन हथवा स चेलन कईती सनकावत कहेस, “इ अहइ मोर महतारी अउर मोर भाइयन। ⁵⁰हाँ सरगे में रहवइया मोरे परमपिता क इच्छा प जउन कउनो चलत ह, उहइ मोर भाई, बहन अउर महतारी अहइ।”

किसान अउर बिआ क दिस्तान

(मकुस 4:1-9; लूका 8:4-8)

13 उहइ दिन ईसू उ घरवा क छोड़िके झिलिया क किनारे बइठा। ²बहोत मिला ओकरे चारिउँ कईती ऐकट्टा होइ गएन। तउ एक दिन उ नाउ प चड़िके बइठि गवा। अउ भीड़ किनारे खड़ी रही। ³उ ओनका दिस्तान क सहारा लेत भवा बहोत सी बात बताएस।

उ कहेस, “एक किसान बिआ बोअइ निकरा। ⁴उ जब बोआई करत रहा तउ कछू बिआ राहे क किनारे जाइ गिरेन। चिड़ियन आइन अउर चुन गइन। ⁵तनिक बिआ चट्टान क धरती प जाइ गिरेन। हुआँ क माटी उथली रही। बिआ फउरन उगेन, काहेकि माटी गहिर नहीं रही। ⁶यह बरे जइसे सूरज निकरा तउ उ पउधन झुराइ गएन। अउर काहेकि उ सबइ जिआदा जर पकड़न नहीं यह बरे झुराइके गिर गएन। ⁷बिआ क एक हींसा कँटहरी झाड़िन में जाइ गिरा, झाड़िन बाढ़िन, अउर उ सबइ उ पउधन क दहबोच लिहेन। ⁸मुला थोड़ा बिआ जउन बढ़िया धरती प गिरा रहेन, बढ़िया फसल देइ लागेन। फसल, जेतना बोइ ग रही, ओसे कउनो तीस गुनी, साठ गुनी या सौ गुनी स भी जिआदा भाई। ⁹जउन सुन सकत ह, उ सुनि लेई।”

दिस्तान कथा क मतलब

(मकुस 4:10-12; लूका 8:9-10)

¹⁰फिन ईसू क चेलन ओकरे लगे जाइके पूछेन, “तू ओनसे बात करत भए दिस्तान कथा क प्रयोग काहे करत ह?”

¹¹जवाबे में उ ओनसे कहेस, “सरगे क राज्य क भेद क जानइ क अधिकार सिरिफ तोहका दीन्ह ग अहइ, ओनका नहीं। ¹²काहेकि जेकरे लगे थोड़ा बहोत बाटइ, ओका अउर भी दीन्ह जाई अउर ओकरे लगे ढेर होइ

जाई। ¹³यह बरे मई ओनसे दिस्तान कथा क प्रयोग करत कहत हउँ। काहेकि अगर उ सबइ निहारत हीं, मुला असल में ओनका कछू देखौई नहीं देत, उ पचे अगर सुनत हीं, मुला असल में उ सबइ न सुनत हीं, न समझत हीं।

¹⁴इ तरह ओन प यसायाह की भविस्वाणी खरी उतरत ही:

‘तू सुनब्या अउर सुनतइ ही रहब्या मुला तोहरे कछू भी समझ न आई तू लखत ह, बस देखतइ ही रहब्या मुला तोहका तउ कछू सूझ न पाई

¹⁵ काहेकि ओनके अकिल प पाथर पड़ा इ सबइ आपन कान मूँद लिहेन, अउर आँखी बंद कई राखी अहइ जैसे आपन आँखिन स उ सबइ कछू न निहारइँ अउर उ सबइ कनवा स कछू सुनि न पावइँ या आपन हिरदय स कबहुँ बूझइँ अउ मुड़िकइ कबहुँ मोरी कईती आवइँ अउर जैसे मई ओनका उद्धार करउँ।’

यसायाह 6:9-10

¹⁶मुला तोहार आँखी अउर कान धन्य अहइ काहेकि उ सबइ देख सुन सकत हीं। ¹⁷मई सच कहत हउँ बहोतन नबियन अउर धर्मी जउन बातन क देखइ चाहत हीं, ओनका तू देखत अहा। उ पचे ओनका नहीं देखि सकतेन। अउ जउन बातन क उ सबइ सुनइ चाहत हीं, ओनका तू सुनत बाट्या। उ सबइ ओनका नहीं सुन सकेन।

बिआ बोअइ क दिस्तान कथा क अरथ

(मकुस 4:13-20; लूका 8:11-15)

¹⁸‘तउ बिआ बोअइ क दिस्तान क अरथ सुन ल्या।

¹⁹उ बिआ जउन राह क किनारे गिर गवा रहा, ओकर अरथ अहइ कि जबहिँ कउनो सरगे क राज्य क उपदेस सुनावत ह अउर समझत नहीं तउ दुष्ट (सइतान) आइके, ओकरे मनवा में जउन उगा रहा, उखाड़ लइ जात ह। ²⁰उ सबइ बिआ जउन पथरही धरती प छितराइ ग रहेन, ओकर अरथ अहइ उ मनई जउन उपदेस सुनत ह, ओका खुसी होइके फउरन अपनावत ह ²¹मुला आपन भीतर ओनकइ जड़ नहीं जमइ देत, उ तनिक ढेर ठहर पावत ह, जब उपदेस स ओह प कस्ट अउर सतव आवत हीं तउ उ फउरन डगमगाइ जात ह। ²²कँटवन में छितराइ गवा बिआ क मतलब अहइ, उ मनई जउन उपदेस क तउ सुनत ह, मुला संसार क फिकिर अउर धन क लालच उपदेस क दहबोच लेत ह अउर उ मनई सफल नहीं होइ पावत। ²³नीक धरती प छितरान बिआ क अरथ अहइ उ मनई जउन उपदेस क सुनत ह अउर समझत ह। उ सफल होत ह। ओकर सफलता तीस गुनी, साठ गुनी या सौ गुनी तक होत ह।”

गोहूँ अउर खरपतवारे क डिस्टान्त

²⁴ईसू ओनके सम्न्वा एकठू अउर डिस्टान्त कथा राखेस, "सरगे क राज्य उ मनई क नाई अहइ जउन आपन खेतवा मँ नीक बिआ बोएस। ²⁵मुला जब मनइयन सोवत रहेन, उ मनई क दुस्मन आवा अउर गोहूँ क बीचउबीच खरपतवार बोइ गवा। ²⁶जइसे गोहूँ अँखुवान अउर ओह प बालन आइन तउ खरपतवार देखाइ लाग। ²⁷तइसेन खेते क मालिक क लगे आइके ओकर नउकरन ओसे कहेन, 'मालिक, तू तउ खेतवा मँ बढिया बिआ बोए रहा, बोए रह्या न? फिन ई खरपतवार कहाँ ते आइ गवा?' ²⁸"तब उ ओनसे कहेस, 'इ कउनो दुस्मने क काम अहइ।' "ओकर नउकरन ओसे पूछेन, 'का तू चाहत ह कि हम सबइ जाइके खरपतवार उखाइ देइ?'

²⁹"उ बोला, 'नाहीं काहेकि जब तू खरपतवार उखाइब्या तउ ओनके संग तू गोहूँ भी उखाइ देब्या। ³⁰जब ताई फसल पाकइ, दुइनुँ क साथ साथ बाइइ द्या, फिन कटनी क समइ फसल क कटइयान स कहब कि पहिले खरपतवारे क गट्टर बनाइके ओनका जराइ द्या अउर गोहूँ बटोरिके मोरे खरिहाने मँ धइ द्या।"

अउर डिस्टान्त कथा

(मकुस 4:30-34; लूका 13:18-21)

³¹ईसू ओनके सम्न्वा दूसर डिस्टान्त कथनक राखेस: "सरग क राज्य राई क बिआ क छोटवार बिआ क नाई अहइ, जेका कउनो लइके खेते मँ बोई दिहे होय। ³²ई बिआ नान्ह स नान्ह होत ह मुला बड़वार होए प इ बगिया क सबइ पउधन स बड़वार होइ जात ह। इ पेड़ बनत ह अउर अकासे क पंछी आइके ँकर डारन प सरन लेत हीं।"

³³ईसू ओनका एक डिस्टान्त कथा अउ कहेस, "सरगे क राज्य खमीर क नाई अहइ, जेका कउनो स्त्री तीन अढ़इया आटा मँ मिलाएस अउर तब ताई ओका राखि दिहेस जब तलक उ सबइ क सबइ खमीर नाहीं भवा।"

³⁴ईसू लोगन्स सब कछू डिस्टान्त कथन स बताएस। असिल मँ उ ओनसे डिस्टान्त कथा क बिना कछू नाहीं कहत रहा। ³⁵अइसा यह बरे भवा कि परमेस्सर नबी स जउन कछू कहवाए रहेन पूरा होइ जाइ: परमेस्सर कहेस,

"मई डिस्टान्त कथन स आपन मुँहना खोलिहउँ।
सृस्टि क सुरू स जउन बातन छुपी रहिन,
ओनका परगट करबा।"

भजन संहिता 78:2

गोहूँ अउर खरपतवारे क डिस्टान्त क बखान

³⁶फिन ईसू उ भीड़ क बिदा कइके घर आइ गवा। तबइ ओकर चलन आइके ओसे कहेन, "खेते क खरपतवार क डिस्टान्त क अरथ हमका समझाइ द्या।"

³⁷जवाबे मँ ईसू बोला, "जउन उत्तम बिआ बोए रहा, उ अहइ मनई क पूत। ³⁸अउर खेत इ संसार अहइ। नीक बिआ क अरथ अहइ, सरगे क राज्य क मनई। खरपतवार क अरथ अहइ, दुस्ट (सइतान) क संतान। ³⁹उ दुस्मन जउन खरपतवारे क बोएस, सइतान अहइ, अउर कटनी क समइ अहइ, इ संसार क अंत अउर कटइया अहइ परमेस्सर क दूतन। ⁴⁰तउ ठीक उहइ जइसे खरपतवारे क ँकटवा कइके आगी मँ जराइ दीन्ह ग, वइसे ही संसार क अंत होई। ⁴¹मनई क पूत आपन दूतन क पठइ अउर उ सबइ ओनके राज्य स सबइ पापिन क अउ ओनक जउन पाप बरे मनइयन क भइकावत हीं, ⁴²एकटवा कइके धधकत भट्टी मँ झोक देइहीं जहाँ बस दौतन क पीसब अउर रोउब ही रोउब होई। ⁴³तब धर्मी आपन परमपिता क राज्य मँ सूरज क नाई चमकिहीं। जउन सुनि सकत ह, सुनि लेइ।

धने क भण्डार अउर मोती क डिस्टान्त

⁴⁴"सरग क राज्य खेत मँ गड़ा भवा खजाना क नाई अहइ, जेका कउनो मनई पाएस अउर फिन ओका हुवई गाड़ दिहेस। उ ँतना खुस भवा कि ओकरे लगे जउन कछू रहा उ ओका बेंच दिहस अउर उ खेत बेसहि लिहस। ⁴⁵सरग क राज्य एक अइसे बेवपारी क नाई अहइ कि जउन बढिया मोती क खोज मँ होइ। ⁴⁶जइसेन ओका एक अनमोल मोती मिला तउ जाइके जउन कछू ओकरे पास रहा, उ बेंच डाएस अउर मोती बेसहि लिहस।

मछरी पकड़इ क जाल

⁴⁷"सरगे क राज्य मछरी पकड़इ बरे झीले मँ फेंक गवा जाल क नाई भी अहइ। जेहमँ किसिम किसिम क मछरी पकड़ लीन्ह गइन। ⁴⁸जब उ जाले मँ मछरी मुचामुच भरि गइन तउ किनारे ओका हींच लीन्ह गवा अउर हुवाँ बैठिके नीक मछरी छौँटिके टोकरिन मँ भरि लीन्ह गइन मुला बेकार मछरी फेंकि दीन्ह गइन। ⁴⁹सृस्टि क अंत मँ अइसे ही होई। सरगदूतन अइहीं अउर धर्मियन मँ स दुस्ट मनइयन क छौँटिके ⁵⁰धधकत भट्टी मँ झोक देइहीं। हुवाँ बस रोउब अउर दौत पीसब होई।" ⁵¹ईसू आपन चलन स पूछेस, "का तू सबइ इ बातन क समझत ह?" उ पचे जवाब दिहन, "हाँ।" ⁵²फिन उ ओनसे कहेस, "देखा, यह बरे हर धरम सासतरी जउन सरग क राज्य क जानत ह, एक अइसे ग्रिहस्त क नाई अहइ, जउन आपन बखरी स नई पुरानी चीजनक बाहेर निकारत ह।"

ईसू क आपन देस लौटब

(मकुस 6:1-6; लूका 4:16-30)

⁵³इ सबन डिस्टान्त कथा क पूरा कइके उ हुवाँ स चला गवा। ⁵⁴अउर आपन देस आइ गवा। फिन उ आराधनालय मँ उपदेस देब सुरू करेस। ँसे हर कउनो

अचरजे में पड़िके कहइ लाग, “एँका अइसी सूझबूझ अउर अद्भुत कारजन क सक्ती कहाँ त मिल गइ? 55का इ उहई बढई क बेटवा नाहीं अहइ? का एँकर महतारी क नाउँ मरियम नाहीं अहइ? याकूब, यूसुफ, समौन अउर यहूदा इहई क भाई अहई न? 56एँकर सबही बहिनियन हमरे बीच में नाहीं अहई? तउ फिन ओका इ सब कहाँ त मिली गवा?” 57तउ उ सबइ ओका मानेन नाहीं। फिन ईसू कहेस, “कउनो नबी क आपन गाँव अउर घरवा क छाँड़िके, सब मनइयन इज्जत करत हीं।” 58तउ ओनके बिसवास न होइके कारण उ हुवाँ जिआदा अद्भुत कारजन नाहीं किहेस।

हेरोदेस क ईसू क बारे में सुनब

(मरकुस 6:14-29; लूका 9:7-9)

14 उ समइ गलील क राजा हेरोदेस जब ईसू क बारे में सुनेस 2तउ उ आपन नउकरन स कहेस, “इ बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना अहइ जउन मरि गएन में जी गवा बाटइ। अउर इहइ बरे इ सक्ितन ओहमाँ करत बाटिन जेसे इ इन अद्भुत कारजन क करि डावत हा।”

यूहन्ना क कतल

3इ उहइ हेरोदेस रहा जउन यूहन्ना क गिरफ्तार कइके, जंजीरे स बाँधि, जेल में धाँध दिहसा इ उ हिरोदियास क कहे प किहेस, जउन पहिले ओकरे भाई फिलिप्पुस क पत्नी रही। 4यूहन्ना ओसे अक्सर कहत रहत रहा: “तोहका एँकरे साथ नाहीं रहइ चाही।” 5एँह प हेरोदेस ओका मार डावइ चाहत रहा, मुला उ मनइयन स डेरत रहा काहेकि मनई यूहन्ना क नबी मानत रहेन।

6-7 मुला जब हेरोदेस क जन्म दिन आवा तउ हिरोदियास क बिटिया हेरोदेस अउर ओकर मेहमनवन क समन्वा नाचिके हेरोदेस क एँतना खुस किहेस कि सपथ खाइके ओका देइ बरे बचन दिहेस कि उ जउन कछू चाही। 8आपन महतारी क उस्कावे में आइके उ कहेस, “मोका टाठी में धइके बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क मूँड द्या।” 9तउ भी राजा बहोत दुखी रहा मुला आपन सपथ अउर आपन मेहमान क कारण उ ओकर मंसा पूरी होइके हुकुम दिहेस। 10उ जेल में यूहन्ना क मूँड काटइ बरे मनई पठएस। 11तउ यूहन्ना क मूँड टाठी में धइके लइ आवा गवा अउर लरकी क दइ दीन्ह गवा। उ ओका आपन महतारी क लगे लइ गइ। 12यूहन्ना क चलन आएन अउर ओकरे धड़े क गाड़ दिहन अउर फिन उ पचे आइके ईसू क बताइ दिहन।

ईसू क पाँच हजार स जिआदा मनइयन क खियाउब

(मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17; यूहन्ना 6:1-14)

13जब ईसू एँकरे बारे में सुनेस तउ उ हुवाँ स नाउ में बइठिके निर्जन जगहिया में अकेल्ले चला गवा। मुला जब

भीड़ क एँकरे बारे में मालूम भवा तउ आपन सहरन स पड़याँ पड़याँ ओकरे पाछे होइ गएन। 14ईसू जब नाउ स निकरि के किनारे आवा तउ उ बड़ी भीड़ देखेस। ओका ओन प दया आइ अउर ओनके बेरमियन क नीक किहेस।

15जब साँझ भई तउ ओकर चलन ओकरे लगे आइके कहेन, “इ निर्जन जगह अहइ अउर बहोत देर होइ गइ अहइ, तउ भीड़ क बिदा कइ द्या, जेसे उ सबइ गाउँ में जाइके आपन बरे खइया बेसहि लेई।”

16मुला ईसू ओनसे कहेस, “एँनका कहुँ जाइ क जरुरत नाहीं बा। तू एनका कछू खाइके दइ द्या।”

17उ पचे ओसे कहेन, “हमरे लगे पाँच ठु रोटी अउर दुइ मछरिन क छोड़िके अउर कछू नाहीं अहइ।”

18ईसू कहेस, “ओका मोरे लगे लइ आवा।” 19उ भिड़िया क मनइयन स कहेस कि उ पचे घास प बइठि जाई। फिन उ पाँच ठु रोटी अउर दुइ मछरिन क लइके सरग कइती देखेस अउर भोजन बरे परमेस्सर क धन्यबाद दिहेस। फिन रोटी क टुकड़न में तोड़ेस अउर ओनका आपन चलन क दिहेस। उ चलन टुकड़न क मनइयन में बाँटिन। 20सबइ जिआरा भरि के जेएन। ओकरे बाद खियाए स बचा भवा टुकड़न स चलन बारह झउआ भरि दिहेन। 21स्त्रियन अउर गदेलन क तजिके हुवाँ खवइया कउनो पाँच हजार रहेन।

झीले प ईसू क चलब

(मरकुस 6:45-52; यूहन्ना 6:15-21)

22एँकरे तुरंतइ पाछे ईसू आपन चलन क नाउ प बइठाएस अउर जब ताई। उ भिड़िया क बिदा करइ, ओसे पहिले आपन चलन स गलील झील क उ पार जाइ क कहेस जइसे उ सबइ ईसू क जाइ स पहिले पहुँच जाई। 23उ भीड़ क बिदा कइके पराथना करइ अकेल्ले पहाड़ी प चला गवा। साँझ होइ प उ हुवाँ अकेला रहा। 24तब ताई नाउ किनारे मीलन दूर तलक जाइ चुकी रही अउर लहरन क हिलोर स नाउ डोलय लाग काहेकि आँधी उल्टी चलत रही। 25भित्सांरे तीन अउर छः बजे क बीच में ईसू झीले प चलत ओनके लगे आवा। 26ओकर चलन जब ओका झीले प चलत देखेन तउ घबराइके आपुस में कहइ लागेन, “इ तउ कउनो भूत अहइ!” उ पचे डेराइ के चिचियाने। 27ईसू फउरन ओनसे बात करत भवा कहेस, “हिम्मत राखा। इ मइँ हउँ, अब अउ जिन डेराआ।” 28पतरस जवाब देत ओसे कहेस, “पभूँ, अगर तू अहा, तउ मोका पानी प चलिके आपन लगे आवइ क कहा।”

29ईसू कहेस, “पतरस, चला आवा।”

पतरस नाउ स निकरिके पानी प ईसू कइँती चल पड़। 30जबहिँ उ जोर क आँधी देखेस उ घबराइ गवा। उ बूड़इ लाग अउर नरियान, “पभूँ मोर रच्छा करा।”

³¹ईसू तुरंतहि ओकरे नगिचे पहुँचिके ओका थाम लिहिस अउर ओसे कहेस, “अरे, कम बिसवास करइया, तू संदेह काहे किहा?”

³²अउर उ सबइ नाउ प चढ़ि आएन। आँधी पटाइ गइ। ³³नाउ क मनइयन ईसू का आराधना किहेन अउर कहेन, “तू सच परमेस्सर क पूत अहा।”

³⁴तउ झील पार कइके उ सबइ गन्नेसरत क किनारे उतरि आएन। ³⁵जब हुवाँ क रहइवाला ईसू क पहिचानेन तउ उ पचे ओकरे अवाई क खबर आसपास क सबहिँ ठउरन में पठइ दिहना। जेसे मनई जउन बेरमिया रहेन, उ सबन क हुवाँ लइ आएन। ³⁶अउर ओसे पराथना करइ लागेन उ ओनका आपन ओढ़ना क छोर छुअइ दे। अउर जउन छुइ लिहेन, उ सबइ पूरंपूर चंगा होइ गएन।

मनई क बनवा बिधान स परमेस्सर क व्यवस्था

बड़वार अहइ

(मरकुस 7:1-23)

15 फिन कछू फरीसियन अउर धरमसास्तिरियन यरूसलेम स ईसू क लगे आएन अउर ओसे पूछेन, ²“तोहार चेलन हमरे पूर्वजन क रीति रिवाज क काहे नाहीं मनतेन? उ पचे खइया खाइ स पहिले आपन हथवन क काहे नाहीं धोउतेन!”

³जवाबे में ईसू ओनसे पूछेस, “आपन रीति रिवाजन क कारण तू परमेस्सर क हुकुम क काहे टारत ह? ⁴काहेकि परमेस्सर तउ कहेस, ‘तू आपन महतारी बाप क इज्जत करा’* अउर जउन कउनो, ‘महतारी बाप क बेज्जत करइ, ओका जरूर मार डावइ चाही।’* ⁵मुला तू कहत ह कि अगर कउनो आपन महतारी बाप स कहइ, ‘मई आपन सब कछू परमेस्सर क अर्पन कइ दिहे हउँ, यह बरे तोहार मदद नाहीं कइ सकत हउँ।’ ⁶इ तरह ओका आपन बाप क मानइ क जरूरत नाहीं। एह तरह तू आपन रीति रिवाजे क कारण परमेस्सर क हुकुम क नाहीं मान्या।

⁷अरे कपटी मनइयो! तोहरे बारे में यसायाह ठीक ही भविस्सबाणी किहेस। उ कहे रहा:

⁸ ‘इ सबइ कहत हीं कि हमार मान करत हीं, मुला रहत ऐनकइ मन मोसे सदा दूर

⁹ अर्पन भइ आराधना मोका ऐनकी बगैर कामे की काहेकि सिखउतेन इ सबइ मनइयन क कहिके आपन धरम क उपदेस बनवा नेम मनई क।”

यसायाह 29:13

‘तू ... करा’ निर्ग 20:12; व्यवस्था 5:16

‘महतारी ... चाही’ निर्ग 21:17

¹⁰उ भिड़िया क आपन नगिचे बोलौएस अउर ओनसे कहेस, “सुना अउर समझ ल्या कि ¹¹मनई क मुँहे स जउन भीतर जात ह उ ओका अपवित्तर नाहीं करत, मुला ओकरे मुँहना स निकरा सब्द ओका अपवित्तर करत ह।” ¹²तब ईसू क चेलन ओकरे निअरे आएन अउर बोलेन, “का तोहका पता बाटई कि तोहरे बात क फरीसियन बहोत बुरा मान गएन?”

¹³ईसू जवाब दिहेस, “हर पउधा जेका सरगे में बसा मोर परमपिता नाहीं लगाएन, ओका उजाइ दीन्ह जाई। ¹⁴ओनका तजि द्या, उ सबइ तउ आँधरन क नेता अहई। जदि एक आँधर दुसरे आँधर क राह देखावत ह, तउ उ दुइनों गइहा में गिरि जात हीं।”

¹⁵जवाबे में पतरस ओसे कहेस, “हम पचन क पवित्तर न होइ क बारे में पहिले दीन्ह में विस्तान्त क समझावा।”

¹⁶ईसू कहेस, “का तू अबहूँ नाहीं समझया? ¹⁷का तू नाहीं जानत अहा कि जउन कछू कउनो क मुँहे में जात ह, उ ओकरे पेटे में पहुँचत ह अउर फिन टट्टी स निकर जात ह? ¹⁸मुला जउन मनई क मुँहे स बाहेर आवत ह, उ ओकरे मने स निकरत ह। इहइ ओका अपवित्तर करत ह। ¹⁹काहेकि बुरा बिचार, कतल, व्यभिचार, बुरी चाल, चोरी, झूठ अउर निन्दा सबइ बुराई मनवा स ही आवत हीं। ²⁰इहइ अहई जेसे कउनो अपवित्तर बनत ह। बे हाथ धोए खाइ स कउनो अपवित्तर नाहीं होत।”

गैर यहूदी स्त्री क मदद

(मरकुस 7:24-30)

²¹फिन ईसू उ ठउर क तजिके सूर अउ सैदा कइँती चला गवा। ²²हुवाँ क एक कनानी स्त्री आई अउर चिचियाइ लाग, “हे पभू, दाऊद क पूत मोहे प दया करा। मोरी बिटिया प दुष्ट आतिमा बुरी तरह स सवार अहइ।”

²³ईसू ओसे एक सब्द भी नाहीं कहेस, तउ ओकर चेलन ओकरे लगे आएन अउर बिनती करइ लागेन, “इ हमरे पाछे चिचिआत भई आवति अहइ। एँका दूर हटावा।”

²⁴ईसू जवाब दिहेस, “भोका सिरिफ इम्राएल क लोगन क भटक गई भेड़न क बजाय कउनो अउर बरे नाहीं पठवा ग अहइ।”

²⁵तब उ स्त्री ईसू क समन्वा निहुरिके बिनती करेस, “हे पभू, मोर सहायता करा!”

²⁶जवाबे में ईसू कहेस, “इ ठीक नाहीं कि गदेलन क खइया लइके ओका कुकुरन क अगवा नाई दीन्ह जाइ।”

²⁷उ बोली, “इ ठीक बाटइ पभू, मुला आपन मालिक क मेजे स गिरि गवा चूर चराबा में स थोड़ बहोत तउ घरे क कूकुर खाइ लेत हीं।”

²⁸तब ईसू कहेस, “बिटिया, तोहार बिसवास बहोत मजबूत क अहइ। जउन तू चाहत ह, पूर होइ जाइ।” अउ फउरन ओकर बिटिया चंगा होइ गइ।

ईसू क बहोतन क चंगा करब

²⁹फिन ईसू हुवाँ स चल पड़ा अउर गलील झीले क किनारे पहुँच गवा। उ एक पहाड़े प चढ़िके बड़ठ गवा।

³⁰बहोत बड़ी भीड़ लँगड़ा, लूला, आँधर, अपाहिज, बहिरा, गूँगा अउर अइसे दूसर बेरमिया क लइके ओकरे लगे आवइ लागेन। भिड़िया ओकरे गोड़वा प भुइयाँ प डाइ दिहेस अउ ईसू ओन पचेन क चंगा किहेस। ³¹एँसी भीड़ क मनइयन क, इ लखिके बहिर, गूँगा बोलत अहई, अपाहिज नीक होइ गएन, लँगड़ा लूला चलइ फिरइ लागेन अउ आँधर अब देख पावत हीं, बड़ा अचरज भवा। उ सबइ इम्राएल क परमेस्सर क सराहना करइ लागन।

चार हजार स जिआदा मनइयन क खइया क खियाउब

(मरकुस 8:1-10)

³²ईसू तब आपन चेलन क आपन नगिचे बोलाएस अउ कहेस, "मोका इ भीड़े पर तरस आवत अहइ काहेकि इ मनइयन तीन दिना स बराबर मोर संग अहई अउर एँके लगे कछू खइया के भी नाहीं बाटइ। मई एँनका भूखा ही नाहीं पठवइ चाहत हउँ काहेकि होइ सकत ह कि कहुँ उ पचे रस्ता मँ चक्कर खाइके गिरि जाई।"

³³तबहि ओकर चेलन कहेन, "एँतनी बड़वार भीड़ बरे अइसी दूर क ठउर मँ एँतना बेर खइया क कहाँ स मिली?" ³⁴तब ईसू ओनसे पूछेस, "तोहरे लगे केतनी रोटी अहई?"

उ सबइ कहेन, "सात रोटी अउर कछू नान्ह नान्ह मछरिना।"

³⁵ईसू भिड़िया स भुइयाँ प बढे के कहेस। ³⁶अउर ओन सात रोटी अउर मछरियन क लइके उ परमेस्सर क धन्यवाद दिहेस अउ रोटिनक तोड़ेस अउर आपन चेलन क देइ लाग। फिन ओकर चेलन लोगन क बाँटि दिहेन। ³⁷सब लोग तब तलक खात रहेन जब अघाइ नाहीं गएन। फिन ओकर चेलन बचा भवा टुकड़न स सात झउआ भरेन।

³⁸दित्रयन अउर बचवन क छाँड़िके हुवाँ चार हजार पुरुसन खइया क खाएन। ³⁹भीड़े क बिदा कइके ईसू नाउ मँ आवा अउर मगदन क च्छेत्र मँ चला गवा।

यहूदी नेतन क छलावा

(मरकुस 8:11-13; लूका 12:54-56)

16 फिन फरीसियन अउर सदूकियन ईसू क लगे आएन। उ पचे ओका परखा चाहत रहेन तउ उ सबइ ओका कउनो अदभुत कारज करइ क कहेन, काहेकि मालूम होइ जाइ कि उ परमेस्सर क बाटइ।

²ईसू जवाब दिहेस, "सूरज बूड़ क समइ तू पचे कहत ह मौसम बढ़िया रही काहेकि अकास ललछउँड अहइ। ³अउर सूरज निकरे प तू कहत ह, 'आज अँधड़

आई काहेकि अकास धँधुर अउ ललछउँड अहइ।' तू अकासे क लच्छन पढ़इ जानत ह, मुला आपन समइ क लच्छन क नाहीं पढ़ सकत्या। ⁴अरे दुस्त अउर पापी पीड़ी क मनई कउनो अदभुत चीन्हा देखइ चाहत हीं मुला ओनके बजाय योना क अदभुत चीन्हा क कउनो अउ दूसर अदभुत चीन्हा नाहीं देखाइ जाई।" फिन उ ओनका तजि क चला गवा।

ईसू क चिताउनी

(मरकुस 8:14-21)

⁵ईसू अउर ओनकइ चेलन झीले क पार चला गएन पर उ पचे रोटिया लइ आउब बिसरि गएन। ⁶एँह पइ ईसू ओनसे कहेस, "चउकन्ना रहया अउर फरीसियन अउ सदूकियन क खमीरे स बचि रहया।"

⁷उ पचे आपुस मँ तजबीजइ लागेन अउर बोलेन, "इ होई कि उ यह बदे कहेस कि हम पचे कउनो रोटी संग नाहीं लइ आएन।"

⁸उ पचे का बिचारत रहेन, ईसू इ जानत रहा, तउ उ बोला, "अरे कमती बिसवास क मनइयो! तू सबइ आपुस मँ काहे सोचत बिचारत अहा कि तोहरे लगे रोटी नाहीं।"

⁹का तू पचे अबहुँ नाहीं समुझ पाया अउर तोहका याद नाहीं अहइ कि पाँच हजार मनइयन बरे उ पाँच रोटी अउर फिन केतना झउआ भरिके तू सबइ उठाया ह? ¹⁰अउर का तोहका याद नाहीं चार हजार मनइयन बरे सात रोटी अउर फिन केतना झउआ भरिके तू पचे उठाए रहया? ¹¹काहे नाहीं समझत्या कि मई तोहसे रोटियन क बारे मँ बात नाहीं कहयो? मई तउ तोहका फरीसियन अउर सदूकियन क खमीरे * स दूर रहइ बरे कहयो ह।"

¹²तबहि उ पचे समुझ गएन कि रोटिया क खमीरे स नाहीं अरथ रहा मुला फरीसियन अउर सदूकियन क सिच्छा स चौकस रहइ क अरथ रहा।

पतरस कहत ह कि ईसू अहइ मसीह

(मरकुस 8:27-30; लूका 9:18-21)

¹³जबहि ईसू कैसरिया फिलिप्पी क पहुँटा मँ आइ तउ उ आपन चेलन स पूछेस, "मनइयन का कहत बाटेन, कि मई मनई क पूत कउन हउँ?"

¹⁴उ पचइ कहेन, "कछू मनइयन कहत हीं तू यूहन्ना अहा बपतिस्मा देइवाला। दूसर मनइयन कहत हीं कि तू एलिय्याह* अहा अउ कछू मिला कहत हीं कि तू यिर्मयाह* या नबियन मँ स कउनो एक अहा।"

खमीरे फरीसियन अउ सदूकियन क कुसंग।

एलिय्याह एक तु नबी ईसू स 850 बरिस पहिले भवा रहा।

यिर्मयाह एक तु नबी ईसू स 600 बरिस पहिले भवा रहा।

¹⁵ईसू आपन चेलन स कहेस, “अउर तू का कहत ह कि मई कउन हउँ?”

¹⁶समौन पतरस जवाब दिहस, “तू मसीह अहा, साच्छात जिअत परमेस्सर क पूता।”

¹⁷जवाबे मँ ईसू ओसे कहेन, “योना क पूत समौन। तू धन्य अहा काहेकि तोहका इ बात कउनो मनई नाही, मुला सरगे मँ बसा भवा मोर परमपिता देखाएस ह। ¹⁸मई तोहसे कहत हउँ कि तू पतरस अहा। अउर इहइ चट्टाने प मई आपन कलीसिया बनउबा। मउत क सकती *ओह प अपरबल नाही होइ। ¹⁹मई तोहका सरगे क राज्य क कुंजी देत हउँ। काहेकि भुइयो प जउन कछू तू बँधब्या उ परमेस्सर क जरिए सरग मँ बाँध दीन्ह जाइ अउर धरती पर जेका तू न बंधबे, ओका सरगे मँ भी न बान्धा जाई।” ²⁰फिन उ आपन चेलन क करा हुकुम दिहस कि उ सबइ कउनो क इ न बतावई कि उ मसीह अहइ।

ईसू आपन मउत क भविस्सबाणी

(मरकुस 8:31-9:1; लूका 9:22-27)

²¹उ समइया ईसू आपन चेलन क बतावइ लाग कि, ओका यरूसलेम जाइ चाही। जहाँ ओका धरम सास्तिरियन, बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर मुख्ययाजकन क जरिए यातनायेँ दइके मरवाइ दीन्ह जाई। फिन तीसर दिन उ मरा भवा मँ जी जाई।

²²तबहि पतरस ओका अलगइ लइ गवा अउर ओकर डांट-डपट करत ओसे कहेस, “ओ पर्भू! परमेस्सर तोह पइ दया करी। तेरे संग अइसा कबहुँ न होई।”

²³फिन ईसू ओकरे कइँती मुड़ि गवा अउर बोला, “पतरस मोरे समन्वा स हटि जा, सइतान! तू मोरे बरे एक रोड़ा अहा। काहेकि तू परमेस्सर क नाई नाही, मनई क नाई सोचत बिचारत ह।”

²⁴फिन ईसू आपन चेलन स कहेस, “जदि कउनो मोरे पाछे आवा चाहत ह, तउ उ आपन क बिसराइ के, आपन क्रूस उठाइ लेइ अउर मोरे पाछे होइ जा। ²⁵जउन कउनो आपन जिन्नगी क बचावइ चाहत बा, उ ओका हेराइ देइ। मुला जउन कउनो मोरे बरे आपन जिन्नगी तजि देइ, उहइ ओकर बचाइ सकत ह। ²⁶जदि कउनो आपन जिन्नगी दइके समूचा संसार भी पाइ जाइ तउ ओका ओसे कउन फायदा? आपन जिन्नगी क फिन स पावइ बरे कउनो भला का दइ सकत ह? ²⁷मनई क पूत सरगदूतन क संग आपन परमपिता क महिमा क संग आवइवाला अहइ, जउन हर कउनो क ओकर करम क फल देई। ²⁸मई तोहसे सच कहत हउँ, हियो कछू अइसे लोग खड़ा अहई जउन तब तलक नाही मरिहीं जब तलक उ पचे मनई क पूत क ओकरे राज्य मँ आवत न निहारि लेई।”

मउत क सकती अधोलोक क दुआर।

तीन ठु चेलन क मूसा अउर एलियाह क संग ईसू क दरसन

(मरकुस 9:2-13; लूका 9:28-36)

17 छः दिना पाछे ईसू, पतरस, याकूब अउर ओकर भाई यूहन्ना क संग लइके अकेल्ले मँ उँचके पहाड़े प गवा। ²हुवाँ ओनके समन्वा ओकर रूप बदल गवा। ओकर मुँहना सूरज क नाई चमचमाइ लाग अउर ओढ़ना अइसे दमकइ लागेन जइसे रोसनी। ³फिन एकाएक ओनके समन्वा मूसा अउर एलियाह परगट गएन अउर ईसू स बतियाइ लागेन।

⁴इ लखिके पतरस ईसू स बोला, “पर्भू, नीक बाटइ कि हम हियो अहीं। अगर तू चाहा तउ मई हियो तीन तम्बू बनाइ देई एक ठू तोहरे बरे, एक मूसा बरे अउर एक एलियाह क।”

⁵पतरस अबहीं बात करत रहा कि चमचमात बादर आइके ओका ढाकि लिहस अउर बदरे स अकासबाणी भइ, “इ मोर पिआरा पूत अहइ। जैसे मई खूब खुस हउँ। एकर सुना।”

⁶जब चेलन इ सुनेन तउ उ सबइ एँतना ससाइ गएन कि धरती प मुँहना उलटि के गिरि गएन। ⁷तबहि ईसू ओनके लगे गवा अउर ओनका छुअत भवा बोला, “डेराअ जिन, खड़ा हवा।” ⁸जब उ पचे आँखी क ऊपर करेन तउ हुआँ क हुँ। अउर का नाही बरन ईसू क पाएन।

⁹जब उ सबइ पहाड़े स उतरत रहेन तउ ईसू ओनका हुकुम दिहस, “जउन कछू तू देख्या ह, तब ताई कउनो क जिन बतावा जब ताई मनई क पूत क मरा भवा स फिन जी न जाइ।”

¹⁰फिन ओकर चेलन ओसे पूछेन, “धरम सास्तिरियन फिन काहे कहत हीं कि एलियाह क पहिले तू आउब तय अहइ?” ¹¹जवाब देत भवा ईसू ओनसे कहेस, “एलियाह आवत अहइ, उ हर चीज क तरकीबे स ठीक कइ देइ। ¹²मुला मई तोहसे कहत हउँ कि एलियाह जउन अब तलक आइ चुका अहइ। मुला मनइयन ओका पहिचानेन नाही। अउर ओकरे संग जइसा चाहेन वइसा किहेन। ओनके जरिए मनई क पूत क भी वइसे ही सतावइ जाइवाला अहइ।” ¹³तबहि ओकर चेलन समुझ पाएन कि उ ओनसे बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना क बारे मँ कहे रहा।

बेरमिया लरिका क चंगा कीन्ह जाब

(मरकुस 9:14-29; लूका 9:37-43)

¹⁴जब ईसू भीड़ मँ वापस आइ गवा तउ एक मनई ओकरे पास आवा। अउर ओका दंडवत कइके ¹⁵बोला, “हे पर्भू मोरे बेटवा प दया करा। ओका मिर्गी आवत ह। उ बहोत तड़फड़ात ह। उ आगी या पानी मँ बहोत के गिरि पड़त ह। ¹⁶मई ओका तोहरे चेलन क लगे लइ आवा, मुला उ सबइ ओका चंगा नाही कइ पाएन।”

17जवाबे में ईसू कहेस, “अरे भटका भवा अबिसवासी मनइयन! मई केतेना समइ तोहरे संग अउर रहब? केतेना समइ मई अइसे ही तोहार सहब जात रहब? ओका हियाँ मोरे लगे लिआवा।” 18फिन ईसू दुस्ट आतिमा क हुकुम दिहस अउर उ ओहमा स बाहिर निकर आइ अउ उ लरिका फउरन नीक होई गवा। 19फिन ओकर चेलन अकेल्ले में ईसू क लगे जाइ क पूछेन, “हम इ दुस्ट आतिमा क काहे नाहीं निकर पाए?”

20ईसू ओनका बताएस, “काहेकि तोहमाँ बिसवास क कमी अहइ। मई तोहसे सच कहत हउँ, जदि तोहमाँ सरसों क बिया जेतना बिसवास अहइ तउ तू इ पर्वत स कहि सकत ह, ‘हियाँ स हटि के हुवाँ चला जा’ अउर उ चला जाई। तोहरे बरे असंभव कछू भी नाहीं होई।” 21 *

ईसू क आपन मउत क बारे में बताउब

(मरकुस 9:30-32; लूका 9:43-45)

22जब ईसू क चेलन आपन अउर गलील में ओकरे साथ मिलेन तउ ईसू ओनसे कहेस, “मनई क पूत, मनइयन क जरिए एकड़वाइ जाइवाला अहइ, 23अउर उ ओका मार डइहीं। मुला तीसरे दिना उ फिन जी जाई।” एँह प ईसू क चेलन बहोत बिआकुल होइ गएन।

चुंगी (टिक्स) क भुगतान

24जब ईसू अउर ओकर चेलन कफरनहूम में आएन तउ मंदिर क दुइ दरम क चुंगी (टिक्स) उगहिया वालेन पतरस क लगे आएन अउर बोलेन, “का तोहार गुरु दुइ दरम क मंदिर क चुंगी नाहीं देत?” 25पतरस जवाब दिहस, “हाँ, उ देत ह।” अउर उ घरवा में आवा जहाँ ईसू रहा। पतरस क बोलइ स पहिले ईसू बोल उठा, “समौन, तोहार का बिचार अहइ? धरती क राजा केसे चुंगी लेत हीं? खुद अपने बचवन स, या दूसर क बचवन स?”

26पतरस जवाब दिहस, “बाहिर क मनइयन स।” तबहिं ईसू ओसे कहेस, “यानी ओकरे आपन बचवन क छूट मिलत ह। 27मुला हम पचे ओन मनइयन क कोहाय न देइ। यह बरे झिलिया प जा अउर आपन कटिया फेंक दया अउर फिन जउन मछरी धरे में आइ जाइ ओकर मुँहना खोल दिहा। तोहका चारि दरम क सिक्का मिली। ओका लइके मोरे अउ आपन बरे ओनका दइ दिहा।”

सबते बड़कवा कउन

(मरकुस 9:33-37; लूका 9:46-48)

18 तब ईसू क चेलन ओकरे लगे आइके पूछेन, “सरगे क राज्य में सबते बड़कवा कउन अहइ?”

पद 21 कछू यूनानी प्रतिथन में पद 21 जोड़ी गइ अहइ: “अइसी दुस्ट आतिमा सिरिफ पराथना अउ उपवास करइ स निकरत ह।”

2उहइ घड़ी ईसू एक ठु गदेला क अपने लगे बोलाँएस अउर ओका ओकरे समन्वा खड़ा कइके 3उ कहेस, “मई तोहसे सच कहत हउँ जब ताई कि तू सबइ मनवा क फिरउब्बा नाहीं अउर गदेलन क नाई नाहीं बनि जाब्बा, सरगे क राज्य में घुसि न सकब्बा। 4यह बरे आपन खुद क जउन कउनो इ बचवा क नाई आपन क नवावत ह, सरगे क राज्य में उहइ सबते बड़कवा अहइ।”

5“अउर जउन कउनो अइसे गदेलन जइसे मनई क मोरे नाउँ में मान लेत ह उ मोका मान लेत ह। 6मुला जउन मोह में बिसवास करइया मोरे कउनो अइसे गदेल क रस्ते क रोड़ा बनि जात ह, नीक होइ कि ओकरे गटइया में एक ठु जाँत क पाट लटकाइके गहिरि समुद्दर में बोर दीन्ह जाइ। 7संसार क मनइयन बरे ठोकर क कारण मोका दुख बाटइ मुला ठोकर तउ सदा आवत रइहीं। किंतु दुख तउ ओह प अहइ जोकरे जरिए ठोकर आइ जात हीं।

8यह बरे तोहार हाथ या गोड़ तोहरे बरे मुसीबत बन जाइ तउ ओका काटि के फेंक दया काहेकि सरगे में बगैर हाथ या बे गोड़ क अनन्त जीवन में घुस जाइ पाउब तोहरे बरे जियादा नीक अहइ। एँकरे बजाय कि दुइनउँ हाथ अउर गोड़वन क साथे तोहका नरके में न बुझइवाली आगी में नाइ दीन्ह जाइ। 9जदि तोहार आँखी तोहरे बरे बियाध बन जाइ तउ तू ओका बाहिर निकारि क डाइ दया, काहेकि सरगे में काना होइके अनन्त जीवन में घुसि पाउब तोहरे बरे जिआदा बढ़िया बा, बजाय एँकर कि दुइनउँ आँखिन क संग तोहका नरके में डाइ दीन्ह जाइ।

हेराइ गइ भेड़ क डिस्टान्त कथा

(लूका 15:3-7)

10“तउ देखा, मोर एँन गदेलन में स कउनो क तुच्छ जिन समइया। मई तोहका बतावत हउँ कि सरगे में बसइ मोरे परमपिता क लगे ओकर रच्छा करइवालन सरगदूतन क पहुँच सदा रहत ह। 11 *

12“बतावा तू का गूँथत मथत अहा? जदि कउनो क लगे सौ भेड़ होई अउर ओहमाँ स एक भटक जाइ तउ का उ दूसर निन्नाबे क पहड़िया प तजिके उ एक ठू भटक गइ भेड़ क ढूँढ़इ न जाई? 13अउर ओका उ मिल जाई मई तोहसे सच सच कहत हउँ कि निन्नाबे क बजाय जउन खोई नाहीं रहिन, ओका पाइके खूब खुस होई।

14इ तरह सरगे में बसा तोहार परमपिता का नाहीं चाहत कि मोर इ गदेलन में स कउनो एक भी भटक जाइ।

पद 11 कछू यूनानी प्रतिथन में पद 11 जोड़ी गइ अहइ: “मनई क पूत भटक गवा मनइयन क उद्धार बरे आइ अहइ।”

जब कउनो तोहार बुराइ करइ

(लूका 17:3)

15“जदि तोहार भाई तोहरे संग कउनो बुरा बेवहार करइ तउ अकेल्ले मँ जाइके आपुस मँ ही ओकर देख बताइ द्या। जदि उ तोहार सुनि लेइ तउ तू आपन भाई क फिन जीत लिहा। 16मुला जदि उ तोहार न सुनइ तउ एक दुइ क आपन संग लइ जा काहेकि हर बाते क दुइ तीन साच्छी होइ जाइ। 17जदि उ ओनकी भी न सुनइ तउ कलीसिया क बताइ द्या। अउर जदि उ कलीसिया क भी न मानइ तउ फिन तू ओसे अइसा बेवहार करा जइसे उ विधर्मी होइ जाइ या चुंगी (टिक्स) क उगहिया।

18“मई तोहसे सच बतावत हउँ जउन कछू तू धरती प बँधब्या सरग मँ पभू क जरिए बाँधि दीन्ह जाई अउर जउन कउनो क तू धरती प न बँधब्या, ओका सरगे मँ परमेस्सर क जरिए न बान्धा जाई।

19“मई तोहसे इ भी बतावत हउँ कि इ धरती प जदि तोह मँ स कउनो दुइ क बिचार मेल खात होई तउ एक होइ क सरग मँ मोरे परमपिता स कछू मंगब्या तउ उ तोहरे बरे ओका पूरा करी 20काहेकि जहाँ मोरे नाउँ प दुइ या तीन मोरे मनवइयन क रूप मँ एकटठा होत हीं, हुवाँ मई ओनके संग हउँ।”

छमा क न करइया नउकर क दिस्टान्त कथा

21फिन पतरस ईसू क लगे गवा अउर बोला, “पभू, मोका आपन भाई क केलेनी दाई आपन खिलाफ जुर्म करइ प छमा कइ देइ चाही? जदि उ सात दाई जुर्म करइ तउ भी?”

22ईसू कहेस, “न सिरिफ सात दाई, मुला मई तोहसे बतावत हउँ तोहका ओका सतहत्तर * दाई तलक छमा करत जाइ चाही।”

23“सरगे राज्य क तुलना ओ राजा स कीन्ह जाइ सकत ह जउन आपन नउकरन स हिसाब अदा करइ क बिचारे रहा। 24जब उ हिसाब लेब सुरु करेस तउ ओकरे समन्वा एक अइसे मनई क लइ आवा गवा जेहँ प दसउ लाख रूपया निकरत रहा।

25मुला ओकरे लगे चुकाइ देइ क कउनो उपाय नाहीं रहा। ओकर मालिक हुकुम दिहेस कि उ नउकर क, ओकर पत्नी, ओकर बाल बचवन अउर जउन कछू माल असबाब अहइ, सब समेट के बेचे स कर्ज अदा कइ दीन्ह जाइ।

26“एह प ओकर नउकर ओकरे गोड़वा प गिरिके गिड़गिड़ाइ लाग, ‘धीरा धरा, मई सब कछू चुकाइ देइहउँ।’ 27तब जाइके मालिक क तरस आवा अउर ओकर कर्जा माफ कइ दिहस।

28“फिन जब उ नउकर हुवाँ स जात रहा तउ ओका ओकर एक साथी नउकर मिला जेका सउ दिनारी *देइ क रहा। उ ओकर ढोंढा पकड़िके गटइया क दबावत कहेस, ‘जउन तोहका मोर देइ क अहइ, लउटाइ द्या।’

29“एह प ओकर साथी नउकर गोड़वा प गिरि गवा अउर बीसउ नह जोड़ेस, ‘धीरा धरा, मई तोहका दइ देब।’

30“मुला उ मना कइ दिहस। एतना ही नाहीं उ ओका तब तलक बरे, जब तलक उ ओकर कर्ज अदा न कइ देइ, जेल मँ पठएस। 31दूसर संगी नउकरन देखेन कि का भवा, उ सबइ बहोत दुखी भएन। जउन कछू भवा रहा, सब आपन मालिक क जाइके बताइ दिहन।

32“तब ओकर मालिक ओका बोलाएस अउर कहेस, ‘अरे नीच नउकर, मई तोहार सारा कर्ज माफ कइ दिहउँ काहेकि तइने कहेस कि दया क भीख द्या।

33का तोहका आपन संगी नउकर प दया नाहीं करइ चाही जइसे मई तोह प दया किहउँ?’ 34तउ ओकर मालिक कोहाइ गवा अउर ओका तब ताई सजा भुगतइ बरे सुपुर्द करेस जब ताई समूचा कर्ज अदा न होइ जाइ।

35“तउ जब तलक तू आपन भाई बंद क आपन मनवा स छमा नाहीं कइ दिहा मोर सरगे क परमपिता भी तोहरे साथ वइसा ही बेवहार करी।”

तलाक

(मरकुस 10:1-12)

19 इ बातन बताइ के ईसू गलील स लउटिके यहूदिया क पहुँटा मँ यरदन नदी क पार गवा। हुवाँ एक ठु भारी भीड़ ओकरे पाछे होइ गइ। उ बेरमिया मनई क चंगा किहेस।

3कछू फरीसियन ओका परखइ बरे ओकरे निअरे पहुँचेन अउर बोलेन, “का इ ठीक बाटइ कि कउनो आपन पत्नी क कउनो भी कारण स तलाक दइ सकत ह?”

4जवाब देत ईसू कहेस, “का तू पवित्तर सास्तरन मँ नाहीं बाख्या कि जबहि संसार क रचइया एँका रचेस, सुरुआत मँ ‘उ एक पुरुस अउर एक स्त्री बनाएस?’ * 5अउर परमेस्सर कहे रहा, ‘इहइ कारण आपन महतारी बाप क तजिके पुरुस आपन पत्नी क संग होत भवा भी एक तन होइके रही।’ * 6तउ उ सबइ दुइ नाहीं रहतेन मुला एक रूप होइ जात हीं। यह बरे जेका परमेस्सर जोड़ेस ह ओका कउनो मनई क अलगावइ नाहीं चाही।”

दिनारी रूपया मूरे मँ एक दीनार लगभग चालीस पइसा क बराबर।

‘उ ... बनाएस’ उत्पत्ति 1:27 यसा 5:2

‘इहइ ... रही’ उत्पत्ति 2:24

सतहत्तर हियाँ साते क सत्तर गुना तक अरथ कीन्ह जाइ सकत ह। उत्पत्ति 4:24

7उ फरीसियन बोलेन, “फिन मूसा इ काहे ठहराएन ह कि कउनो पुरुस आपन पत्नी क तलाक दइ सकत ह। सर्त इ अहइ कि उ ओका तलाकनामा लिखि के दइ देइ।”

8ईसू ओनसे कहेस, “तोहरे मन की कठोरता क कारण मूसा पत्नी क तलाक देने की अनुमति तोहरे दी। मुला सुरुआत मैं अइसी रीति नाहीं रही।” 9तउ मैं तोहसे कहत हउँ कि जउन व्यभिचार क तजिके आपन पत्नी क कउनो अउर कारण स तलाक देत ह अउर कउनो दूसर स्त्री क बीहत ह तउ उ व्यभिचार करत ह।”

10एह प ओकर चलन ओसे कहेन, “जदि एक स्त्री अउर एक पुरुस क बीच अइसी बात होइ तउ कउनो क बिआह नाहीं करइ क चाही।”

11फिन ईसू ओनसे कहेस, “हर कउनो तउ इ उपदेस क नाहीं मानत। एँका बस उहइ मान सकत ह जेका एँकर च्छमता प्रदान की गया अहइ। परमेस्सर स ताकत मिलि गइ अहइ। 12कछू अइसेन बाटेन जउन महतारी क गर्भ स नपुंसक पइदा भएन। अउर कछू ऐसे अहइ जउन लोगोन द्वारा नपुंसक बना दिये अहइ। अउर अखिर मैं कछू अइसे भी बाटेन जउन सरगे क राज्य क कारण बिआह नाहीं करइ क फइसला कइ लिहना। इ उपदेस क जउन लइ सकत होइ, लइ लो।”

ईसू क आसीर्बाद-गदेलन बरे

(मरकुस 10:13-16; लूका 18:15-17)

13फिन मनइयन कछू गदेलन क ईसू क लगे लइ आएन कि उ ओनके मुँडवा प हथवा धइके ओनका आसीर्बाद देइ अउ ओनके बरे पराधना करइ। मुला ओकर चलन ओका डाटेन। 14ओह प ईसू कहेस, “गदेलन क रहइ दया, ओनका जिन रोका, मोरे लगे आवइ दया काहेकि सरगे क राज्य अइसेन क अहइ।” 15फिन उ गदेलन प आपन हाथ रखेस अउर हुवाँ स चला गवा।

एक खास प्रस्न

(मरकुस 10:17-31; लूका 18:18-30)

16हुवाँ एक मनई रहा। उ ईसू क लगे आवा अउर कहेस, “गुरु अनन्त जीवन पावइ बरे मोका का नीक काम करइ चाही?”

17ईसू ओसे कहेस, “नीक का अहइ, एँकरे बारे मैं मोसे काहे पूछत अहा? काहेकि नीक तउ सिरिफ एक ही बाटइ। फिन भी तू अगर अनन्त जिनगी मैं घुसइ चाहत ह, तउ तू हुकुमन क मान ल्या।”

18उ ईसू स पूछेस, “कउन स हुकुम?”

तब ईसू बोला, “कतल जिन करा। व्यभिचार जिन करा। चोरी जिन करा। झूठी साच्छी जिन द्या। 19आपन

बाप अउर आपन महतारी क इज्जत करा।*अउर ‘जइसे तू आपन खुद क पिआर करत ह, वइसे ही आपन पड़ोसी स पिआर करा।’*”

20नउजवान ईसू स पूछेस, “मई इन बातन क मान्यो ह। अब मोहमाँ कउनै बात क कमी बाटइ?”

21ईसू ओसे कहेस, “जदि तू सिद्ध बनइ चाहत अहा तउ जा अउर जउन कछू तोहरे लगे बा, ओका बेचिके धन गरीबन क दइ द्या जैसे सरग मैं तोहका धन मिल सकइ। फिन आवा अउर मोरे पाछे होइ जा।”

22मुला जब उ नउजवान मनई इ सुनेस तउ उ दुखी होइके चला गवा काहेकि उ बहोत धनी रहा।

23ईसू आपन चलन स कहेस, “मई तोहसे सच कहत हउँ कि धनी क सरगे क राज्य मैं घुसि पाउब मुस्किल बाटइ। 24हाँ मई तोहसे कहत हउँ कि कउनो धनी मनई क सरग क राज्य मैं घुसि पाउब स एक ऊँटे क सुई क छेद स निकर जाब सहल बा।”

25जब ओकर चलन सुनेन तउ अचरज मैं आइके पूछेन, “फिन केकर उद्धार होइ सकत ह?”

26ईसू ओनका देखत भवा कहेस, “मनइयन बरे इ असम्भव बाटइ मुला परमेस्सर बरे सब कछू होइ सकत ह।”

27जवाबे मैं पतरस ओसे कहेस, “देखा, हम पचे कछू तजिके तोहरे पाछे होई गएन ह। तउ हमका का मिली?”

28ईसू ओनसे कहेस, “मई तू सबन स सच कहत हउँ कि नवा जुग मैं जब मनई क पूत आपन प्रतापी सिंहासने प बिराजी तउ तू भी, जउन मोरे पाछे अहा, बारह सिंहासन प बइठिके इम्राएल कबारह कबीले क निआव करब्या। 29अउर मोरे बरे जेतना भी घर-बार या भाइयन या बहिनियन या बाप या महतारी या बचवन या खेतन क तजि दिहे अहइ, उ सब सौ गुना जिआदा पाइ अउर अनन्त जीवन क हकदार होई। 30मुला बहोत स जउन अब पहिले अहई, पिछला होइ जइहीं अउर जउन पिछला अहई उ पहिले होइ जइहीं।

मजूर क डिस्टान्त कथा

20 “सरगे क राज्य एक जमींदार क नाई बाटइ जउन भिन्सारे आपन अंगूरे क बगीचा बरे मजदूर लइ आवइ निकरा। 2उ चाँदी क एक रूपया प मजदूर क लगाइके ओनके आपन अंगूरे क बगिया मैं काम करइ पठएस।

3नौ बजे क करीब जमींदार फिन घरवा स निकरा अउर उ देखेस कि कछू मनई बजारे मैं एँहर ओहर अइसे ही बेकार खड़ा रहेन। 4तब उ ओनसे कहेस, ‘तू पचे भी मोरे अंगूरे क बगीचा मैं जा, मई तोहका जउन

‘कतल ... करा’ निर्ग 20:12-16

‘जइसे ... करा’ लैव्य 19:18

कछू ठीक अहइ, देवा।⁵ तउ उ पचे भी बगीचा मँ काम करइ गएन।

“फिन करीब बारह बजे अउर दुबारा तीन बजे क करीब, उ वइसा ही किहेस।⁶ करीब पाँच बजे उ फिन आपन घरवास गवा अउर कछू मनइयन क बजारे मँ एँह कइँती ओह कइँती खड़ा देखेस। उ ओनसे पूछेस, ‘तू हियाँ दिन भइ बेकार ही काहे खड़ा होइ रहया?’

⁷ उ सबइ ओसे कहेन, ‘काहेकि हम सबन क कउनो मजूरी प नाहीं राखेस।’ “उ ओनसे कहेस, ‘तू भी मोरे अंगूर क बगीचा मँ चला जा।’

⁸ “जब साँझ भइ तउ अंगूर क बगीचा क मालिक आपन प्रधान करमचारी क कहेस, ‘मजूरन क बोलाइके आखिरी मजूरे स सुरू कइके जउन पहिले लगावा ग रहेन ओन सबन क मजूरी दइ द्या।’

⁹ तउ उ पचे जउन पाँच बजे लगावा रहेन, आएन अउ ओहमँ स हर एक क बस एक ही चाँदी क रूपया मिला।¹⁰ फिन जउन पहिले लगावा ग रहेन, उ आएन। उ सोचेन ओनका कछू जिआदा मिली मुला ओनमा हर कउनो क एक तु चाँदी क रूपया मिला।¹¹ रूपया तउ उ सबइ लइ लिहन मुला जमींदारे स सिकाइत करत।¹² उ सबइ कहेन, ‘जउन पाछे लगावा रहेन, उ पचे बस एक ही घंटा भइ काम किहेन अउ तू हम पचेन क ओतँना ही दिहा जेतँना ओनका। जब कि हम पचे दिन भइ चिलचिलात धूपे मँ मेहनत कीन्ह।’

¹³ उ जवाबे मँ ओहमँ स कउनो एक स जमींदारे स कहेस, ‘मीत, मइँ तोहरे साथ कउनो अनिआव नाहीं करयोँ ह। का हम पचे तय नाहीं कीन्ह कि मइँ तोहका चाँदी क एक तु रूपया देब?’¹⁴ जउन तोहार होत ह, ल्या अउर चला जा। मइँ सबते पाछे रखा गवा इ मजदूर क ओतँना ही मजूरी देइ चाहब जेतँना तोहका देत अही।¹⁵ का मोका इ अधिकार नाहीं कि जउन मइँ आपन धने क चाहूँ, कइ सकउँ? मइँ अच्छा हउँ का तू एँसे मने मँ जरत ह?’

¹⁶ “इ तरह आखिरी पहिले होइ जइहीं अउर पहिले आखिरी होइ जइहीं।”

ईसू आपन मउत क बारे मँ बताएस

(मकुस 10:32-34; लूका 18:31-34)

¹⁷ जब ईसू आपन बारहु चेलन क संग यरूसलेम जात रहा तउ उ ओनका एक कइँती लइ गवा अउर चलत चलत ओनसे बोला, ¹⁸ “सुना, हम यरूसलेम पहुँचइ क अही। मनई क पूत हुवाँ मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन क हाथे मँ दइ दीन्ह जाई। उ पचे ओका मृत्युदण्ड क काबिल ठहरइहीं।¹⁹ फिन ओकर हँसी हँसारत करवावइ अउर कोड़न स पिटवावइ बरे ओका गैर यहूदियन क दइ देहहीं। फिन ओका क्रूस प चढ़ाई दीन्ह जाई। मुला तिसरे दिन उ फिन जी उठी।”

एक महतारी क गदेलन बरे खास चिरौरी

(मकुस 10:35-45)

²⁰ फिन जब्दी क पूतन की महतारी आपन पूतन क संग ईसू क नगिचे गई अउर उ निहुरिके पराथना करत ओसे कछू माँगिस।

²¹ ईसू ओसे पूछेस, “तू का चाहति अहा?”

उ बोली, “मोका बचन दया कि मोर इ दुइनउँ बेटवन तोहरे राज्य मँ एक तोहरे दाहिन अउर दूसर तोहरे बाई कइँती बइँडै।”

²² ईसू जवाब दिहस, “तू नाहीं जानत अहा कि तू का माँगत बाट्या? का तू यातनाओं क कटोरा पिउ सकत अहा, जेहका मइँ पिअइवाला हउँ?”

उ सबइ ओसे कहेन, “हाँ पिउ सकित ह।”

²³ ईसू ओनसे बोला, “तू पचे सचमुच उ पिआला पीब्या। मुला मोर दाहिन अउर बाएँ कइँती हक क देवइया मइँ नाहीं हउँ। हियाँ बइँडइ क हक तउ ओनही का बा, जेनके बरे इ मोर परमपिता क जरिए रक्खा गवा अहइ।”²⁴ जब बाकी दसउ चेलन इ सुनेन कि तउ उ पचे दुइनउँ भाइयन प बहोत कोहाय गएन।²⁵ तबबइ ईसू ओनका आपन नगिचे बोलाइके कहेस, “तू जानत ह कि गैर यहूदियन राजा, प्रजा प आपन सकती देखावा चाहत हीं अउर ओनके खास नेता, मनइयन प आपन हक जमावा चाहत हीं।²⁶ मुला तोहरे बीच अइसा न होइ चाही। मुला तू हम स जउन बड़वार बनब चाही, तोहार नउकर बनइ।²⁷ अउ तोहमँ जउन कउनो पहिला बनब चाही, ओका तोहार गुलाम जरूर बनइ क होई।²⁸ तोहका मनई क पूत जइसा होइ क चाही जउन आपन सेवा करावइ नाहीं, मुला सेवा करइ अउर बहोतन क छुटौती बरे आपन प्रान क फिरौती देइ आवा अहइ।”

अँधरे क आँखी

(मकुस 10:46-52; लूका 18:35-43)

²⁹ जब उ सबइ यरीहो सहर स जात रहेन भारी भीड़ ईसू क पाछे होइ गइ।³⁰ हुवाँ सरक क किनारे दुइ अँधर बइँठा रहेन। जब उ सबइ सुनेन कि ईसू हुवाँ स जात बाटइ, उ पचे नरियानेन, “पभूँ दाऊद क पूत! हम प दया करा!”

³¹ एँह प भीड़ ओनका धमकावत चुप रहइ क कहेस। पर उ पचे अउ जिआदा चिल्लानन, “पभूँ दाऊद क पूत! हम प दया करा।”

³² फिन ईसू रुकि गवा अउ ओनका बोलाएस। उ कहेस, “तू का चाहत अहा, मइँ तोहरे बरे का करउँ?”

³³ उ पचे ओसे कहेन, “पभूँ हम चाहित ह कि फिन स निहारइ लागी।”

³⁴ ईसू क ओन प दया आइ। उ ओनकइ अँखियन क छुएस, अउर तुरंतहि उ पचे फिन लखइ लागेन। उ पचे ओकरे पाछे होइ गएन।

ईसू राजा क नाई यरूसलेम में घुसत ह

(मरकुस 11:1-11; लूका 19:28-38; यूहन्ना 12:12-19)

21 ईसू अउर ओकर चेलन चलन जब यरूसलेम क लगे जैतून पहाड़े क नगिचे बैतफगे पहुँच गएन। 2 तउ ईसू आपन दुइ चेलन क इ हुकुम दइके पठएस, “आपन सोझइ समन्वा क गाउँ में जा अउर हुवाँ जात भए ही तोहका एक गदही बाँधी मिली। ओकरे लगे ओकर बच्चा भी मिली। ओनका बाँधिके मोरे लगे लइ आवा। 3 जदि कउनो तोहसे कछू कहइ तउ ओसे कहया, ‘पभू क एकर जरूरत अहइ। उ फउरन ही लउटाइ देई।’”

4 अइसा यह बरे भवा कि नबी अइसा काहे रहा:

5 “सियोन क नगरी स कहि द्या, ‘देखा तोहार राजा तोहरे लगे आवत बा। उ नमनसील अहइ, अउर गदहे प सवार अहइ हँ गदहे क बच्चा प जउन एक लादइवाला पसु क बच्चा अहइ।’”

जकर्याह 9:9

6 तउ ओकर चेलन चला गएन अउ वइसा ही किहेन जइसा ओनका ईसू बताए रहा। 7 उ पचे गदही अउर ओकरे बच्चा क लइ आएन। अउर ओन प आपन ओढ़ना डार दिहन काहेकि ईसू बइठ गवा। 8 बहोत मिला आपन ओढ़ना राहे में दसाइ दिहेन अउ दूसर मनइयन बृच्छ क टहनी काटेन अउर ओनका राहे प बिछाइ दिहन। 9 जउन मनई ओकरे आगे चलत रहेन अउर जउन मनई पाछे चलत रहेन, सब पुकारि क कहत रहेन:

“दाऊद क पूत क होसन्ना! * धन्य अहइ जउन पभू क नाउँ प आवत बाटइ! सरगे में बिराजेस परमेस्सर क होसन्ना!”

भजन संहिता 118:26

10 तउ जब उ यरूसलेम में घुसा तब समूचा सहर में हड़बड़ाइ गवा। लोग पुछइ लागेन, “इ कउन अहइ?”

11 लोग ही जवाब देत रहेन, “इ गलील क नासरत क नबी ईसू अहइ।”

ईसू मंदिर में

(मरकुस 11:15-19; लूका 19:45-48; यूहन्ना 2:13-22)

12 फिन ईसू मंदिर क अहाते में आवा अउर उ मंदिर क अहाते में जउन बेंचत बेसहत रहेन, ओन सबन क

बाहेर खदेरेस। उ पइसा क लेवइया देवइया क चउकी उलटि दिहस अउ कबूतरे क दुकानदार क तखता पलटेस। 13 उ ओन्से कहेस, “पवित्तर सास्तरन में कहत बा, ‘मोर घर पराथना घर कहा जाई।’ * मुला तू सबइ एँका ‘डाकुअन क अइडा’ बनावत अहा।” *

14 मंदिर में कछू आँधर, लंगड़ा लूला ओकरे लगे आएन। जेनका उ नीक किहेस। 15 जब मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन ओकर अचरज कारजन क लखेन जउन उ किहे रहा अउर मंदिर में गदेलन क ऊँची आवाजे में कहत सुनेन: “दाऊद क पूत क होसन्ना।”

16 तउ उ पचे कोहाइ गएन अउ ओसे पूछेन, “तू सुनत अहा इ सबन का कहत अहई?”

ईसू ओन्से कहेस, “हँ सुनत अही। का पवित्तर सास्तर में तू बचन नाहीं पढ़या, ‘तू गदेलन अउर दूधमुँहन बचवन स स्तुति कराया ह।’ *”

17 फिन उ ओनका हुवाँइ तजिके यरूसलेम सहर स बाहेर बैतनय्याह चला गवा। जहाँ उ राति बिताएस।

बिसवास क सक्ती

(मरकुस 11:12-14, 20-24)

18 दूसर दिन भिन्सारे जब उ सहर लउटत रहा तउ ओका भूख लागि। 19 रस्ता क किनारे अंजीर क बिरवा क लखेस तउ उ ओकरे नगिचे गवा, मुला ओका ओह प पातन क छोड़िके कछू नाहीं मिल सका। तब उ बिरवा स कहेस, “तोह प आगे कछू फल न लागइ।” अउर अंजीरे क बृच्छ फउरन झुराइ गवा।

20 जइसेन चेलन इ निहारेन तउ अचरजे में आइके पूछेन, “इ अंजीरे क बिरवा एँतनी हाली कइसे झुराइ गवा?”

21 ईसू जवाब देत भवा ओन पचेन स कहेस, “मई तोहसे सच कहत हउँ जदि तोहरे में बिसवास अहइ अउ तू संदेह नाहीं करत बाट्या तउ तू न सिरिफ उ कइ सकत ह जउन मई अंजीरे क बृच्छ कीन्ह, मुला जदि तू इ पहाड़े स कहि द्या, ‘उठा अउर आपन क सगरे में बोर द्या’ तउ उहइ होइ जाई। 22 अउर पराथना करत तू जउन कछू मंगब्या, जदि तोहका बिसवास बा तउ तू पउब्या।”

यहूदी नेता लोगनक ईसू क हक प सक

(मरकुस 11:27-33; लूका 20:1-8)

23 ईसू जब जाइके मंदिर में उ पदेस देत रहा। मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन ओसे पूछेन, “अइसी

होसन्ना इ एक इब्रानी सब्द अहइ। पहिले एकर प्रयोग परमेस्सर स मवद मांगइ बरे कीन्ह जात रहा। मुला इ स्थान पर परमेस्सर या मसीह क तारीफ करत भव आनंद परगट करइ बरे भवा अहइ।

‘मोर ... जाई’ यसा 56:7

‘डाकुअन ... अहा’ यर्म 7:11

‘तु ... कराया ह’ भजन 8:3

बातन क तू कउने हक स करत ह? अउर इ हक तोहका कउन दिहस?"

24जवाबे में ईसू ओनसे कहेस, "मई तोहसे भी एक सवाल पूछत हउँ, जदि तू ओकर जवाब मोका दइ द्या तउ मई तोहका बताइ देब कि मई इन बातन क कउने हक स करत हउँ।" 25बतावा यूहन्ना क बपतिस्मा कहाँ ते मिला रहा? परमेस्सर स या मनई स?"

उ सबइ आपुस में सोच बिचारिके कहइ लागेन, "जदि हम पचेन कहत अही, 'परमेस्सर स' तउ इ हमसे पूछी, 'फिन उ ओह प बिसवास काहे नाहीं करत्या?'" 26किंतु जदि हम कहित ह, 'मनई स' तउ हमका मनइयन क डर बाटइ काहेकि उ पचे यूहन्ना क एक नबी मानत ही।"

27तउ जवाबे में उ सबइ ईसू स कहेन, "हमका पता नाहीं।"

एह प ईसू ओनसे बोला, "ठीक बा तउ फिन मई भी तोहका नाहीं बतावत हउँ कि इ बातन क मई कउने हक स करत हउँ।"

यहूयिन बरे एक दिस्तान्त कथा

28"अच्छा बतावा तू पचे एँकरे बारे में का सोचत अहा? एक मनई क दुइ बेटवा रहेन। उ बड़के क लगे गवा अउर बोला, 'बेटवा आज मोरे अंगूर क बगिया में जा अउर काम करा।'

29"मुला बेटवा जवाब दिहस, 'मोर मन नाहीं बा' मुला पाछे ओकर मन फिरि गवा अउर उ चला गवा।

30"फिन उ बाप दुसरे बेटवा क लगे गवा अउर ओसे भी वइसे ही कहेस। जवाबे में बेटवा कहेस, 'जी हाँ, मुला उ गवा नाहीं।'

31"बतावा इन दुइनउँ में स जउन बाप चाहत रहा, कउन किहेस?" यहूदी नेतन कहेन, "बड़कवा।"

ईसू ओनसे कहेस, "मई तोहसे सच कहत हउँ। चुंगी (टिक्स) उगहिया अउर वेस्यन परमेस्सर क राज्य में तोहसे पहिले जइहीं। 32इ मई यह बरे कहत हउँ काहेकि बपतिस्मा देवइया यूहन्ना तोहका जिन्गी क सही रस्ता देखोवइ आइ अउर तू ओहमाँ बिसवास नाहीं किहा। मुला चुंगी उगहिया अउर वेस्यन ओहमाँ बिसवास किहेन। तू जब इ देख्या तउ पाछे न मनफिरावा किहा अउ न ओहे प बिसवास।

परमेस्सर क आपन पूत क पठउब

(मत्कुस 12:1-12; लूका 20:9-19)

33"एक तु अउर दिस्तान्त कथा सुना: एक जमींदार रहा। उ अंगूरे क बगिया लगाएस। ओकरे चारिउँ कईती बाड़ा लगाएस। फिन अंगूरे क रस निकारइ बरे कोल्हू बनवइ क एक गड़हा खोदेस अउर रखवारी बरे एक गुंबद बनवाएस। फिन ओका बटाई प दइके जात्रा प चला

गवा। 34जब अंगूरे क फसल क समइ आइ तउ बगिया क मालिक नउकरन क लगे आपन गुलामन क पठएस जेसे आपन हींसा क अंगूर लइ आवइ।

35"मुला किसानन ओकरे नउकरन क धइ लिहना कउनो क पीटेन, कउने प पाथर उछारेन अउर कउनो क तउ मारि डाएन।

36"एक दाई फिन पहिले स अउ जिआदा नउकरन क पठएस। उ किसानन ओनके संग भी वइसा ही बर्ताव किहेन। 37पाछे उ ओनके लगे आपन बेटवा क पठएस। उ कहेस, 'उ सबइ मोरे बेटवा क मान रखिहइ जरूर।'

38"मुला उ किसानन जब ओकरे बेटवा क देखेन तउ उ सबइ आपुस में कहइ लागेन, 'इ तउ ओकर वारिस अहइ, आवा एँका मारि डाई अउर ओकर वारिस क हक हथियाइ लेई।' 39एह प उ पचे ओका धइके बगिया क बाहेर ढकेलेन अउर मारि डाएन।

40"तू का सोचत बाट्या हुवाँ जब अंगूरे क बगिया क मालिक आइ तउ किसानन क संग का करी?"

41उ यहूदी याजकन अउ नेतन ओसे कहेन, "काहेकि उ सबइ निरदयी रहेन यह बरे उ ओनका निरदयी होइके मारि डाई अउर अंगूरे क बगिया क दूसर किसानन क बटाई प दइ देइ जउन फसल आवइ प ओका ओकर हींसा देइहीं।" 42ईसू ओनसे कहेस, "का तू सबइ पवित्तर सास्तरन क बचन कभी नाहीं पढ्या:

'जउने पाथर क मकान क बनवइयन बेकार समझेन, उहइ कोने क सबते जिआदा महिमा क पाथर बन गवा' 'अइसा पर्भू क जरिए कीन्ह गवा जउन हमरी निगाह में अजुबा बाटइ।'

भजन संहिता 118:22-23

43"यह बरे मई तोहसे कहत हउँ परमेस्सर क राज्य तोहसे छीन लीन्ह जाई अउर उ ओन मनइयन क दइ दीन्ह जाई जउन ओकरे राज्य क रीति स बर्ताव करिहइ।

44जउन इ चट्टाने प गिरी, चूर चूर होइ जाई अउ इ चट्टान कउनो प गिरी तउ उ ओका रउँद डाई।"

45जब मुख्ययाजकन अउर फरीसियन ईसू क दिस्तान्त कथन क सुनेन तउ उ पचे समुझ लिहन कि उ ओनके बारे में कहत रहा। 46तउ उ सबइ ओका धरइ क जतन किहन मुला उ पचे मनइयन स डेरत रहेन काहेकि लोग ईसू क नबी मानत रहेन।

बियाहे क भोज प लोगन्क क राजा क बोलावइ क दिस्तान्त कथा

(लूका 14:15-24)

22 एक दाई फिन ईसू ओनसे दिस्तान्त कथन क कहइ लाग। उ बोला, 2"सरगे क राज्य उ राजा क नाई अहइ जउन आपन बेटवा क बियाहे प भोज

दिहेस।³ राजा आपन नउकरन क पठएस कि उ पचे ओन मनइयन क बोलाइ लियावई जेका बियाहे क भोज प न्यौता दीन्ह गवा रहा। मुला उ पचे नाहीं आपन।

⁴उ आपन नउकरन क फिन पठएस, उ कहेस कि जउन मनइयन क बियाह क भोजे प बोलावा गवा ह, ओनसे कहि द्या, 'देखा मोर भोज तइयार बा। मोर सॉइ अउर मोटवार ताजा पसू क काटा जाइ चुका बाटइ। सब कछू तइयार अहइ। बियाहे क भोज मँ आइ जा।'

⁵मुला न्यौतहरी ओह प कउनो धियान नाहीं दिहेन अउर उ सबइ चला गएन। कउनो आपन खेत मँ काम करइ चला गवा तउ दूसर मिला आपन आपन काम धधा पा।⁶अउ कछू मिला तउ राजा क नउकरन क धइके ओकरे साथे मार-पीट किहेन अउ ओनका मार डाएन।⁷तउ राजा कोहाइके आपन फउज पठएस। उ सबइ ओन हत्यारन क मउत क घाटे पहुँचाइ दिहस अउर ओनके सहर मँ आगी बार दिहस।

⁸फिन राजा क नउकरन स कहेस, 'बियाह क भोज तइयार बाटइ मुला जेकाँ बोलाइ गवा रहा, उ सबइ अजोग माना गएन,⁹यह बरे गलियन क नोकड़ प जा अउर तू जेका पावा, बियाहे क भोज प बोलाइ लिआवा।'¹⁰फिन नउकरन गलियन मँ गएन अउ जउन भी भला अउर बुरा मनई भेटेन उ पचे ओनका बटोरि लियाएन। अउ सादी क महल मेहमनवन स भरि गवा।

¹¹मुला जब जेन्हार क लखइ राजा आवा तउ हुवाँ उ एक अइसा मनई क निहारेस जउन बियाहे क ओढ़ना नाहीं पहिरे रहा।¹²राजा ओसे कहेस, 'मितउ, बियाहे क वस्तर पहिरे बिना हियाँ भीतर कइसे आइ गया?' पर उ मनई खमोस रहा।¹³एह प राजा आपन नउकरन स कहेस, 'एकर हाथ गोड़ छौंदिके बाहेर अँधियारे मँ नाइ द्या। जहाँ मनई रोवत अउर दँवा कटकटावत होइहीं।'

¹⁴'काहेकि बोलावा तउ बहोत गवा अहई मुला चुना भवा थोड़के अहई।'

यहूदी नेतन लोगनक छलावा

(मरकुस 12:13-17; लूका 20:20-26)

¹⁵तब फरीसियन जाइके एक सभा बोलाएन जेसे उ इ बात क फरियाइ सकई कि ईसू क ओकरे आपन ही कही भई बात मँ कइसे फँसावइ।¹⁶उ पचे अपने चलन क हिरोदियन क संग ओकरे लगे पठएन. उ मनइयन ईसू स कहेन, 'गुरु हम जानत अही कि तू सच्चा अहा। तू सचमुच परमेस्सर क राहे क सिच्छा देत अहा। अउर तू, कउनो का सोचत ह, एँकइ चिंता नाहीं करत्या काहेकि तू कउनो मनई क हैसियत प नाहीं जाल्या।¹⁷तउ हमका बतावा तोहार का बिचार बा कि सम्राट कैसर क चुंगी (टिक्स) चुकाउब ठीक अहइ कि नाहीं?'

¹⁸ईसू ओनकइ बुरा बिचार क समुझ गवा, तउ उ बोला, 'अरे कपटियो! तू पचे मौका काहे परखब चाहत

बाट्या?¹⁹मौका कउनो दीनार देखावा जेसे तू पचे चुंगी अदा करत ह।' तउ सबइ ओकरे लगे एक दीनार लइ आएन।²⁰तब उ ओनसे कहेस, 'एँह प केकर मूरत अउर लिखाई खुदी बा?'

²¹उ पचइ ओसे कहेन, 'कैसर का।'

तब उ ओनसे कहेस, 'अच्छा तउ फिन जउन कैसर क अहइ, ओका कैसर क द्या, अउर जउन परमेस्सर क अहइ, ओका परमेस्सर का।'²²इ सुनिके उ पचइ अचरजे स भरि गएन अउर ओका छोड़िके चला गएन।

सदूकियन क चाल

(मरकुस 12:18-27; लूका 20:27-40)

²³उहइ दिन कछू सदूकियन जउन पुनरुस्थान क नाहीं मनतेन, ओकरे लगे आएन।²⁴अउ ओसे पूछेन, 'गुरु, मूसा क उपदेस क अनुसार जदि बिना बे बाल बच्चा क कउनो मरि जाइ तउ ओकर भाई, निचके क नातेदार होइ क नाते ओकरे विधवा स बियाह करइ अउर आपन भाई क बंस चलावइ बरे संतान पइदा करइ।²⁵अब मानल्या हम पचे सात तु भाई अही। पहिलौठा बेटवा का बियाह भवा अउर पाछे ओकर मउत होइ गइ। फिन काहेकि ओकरे कउनो संतान नाहीं भइ, यह बरे ओकर भाई आपन भउजी क आपन पत्नी बनइ लिहस।²⁶तब दुसरका भाई मरि गवा। उहइ घटना तिसरे क क संग भइ। जब तलक सातह भाइयन मरि नाहीं गएन वइसन भवा।²⁷अउर सब क पाछे उ स्त्री भी मर गई।²⁸अब हमार पूछब इ अहइ कि पुनरुस्थान मँ ओन सातउ मँ स कउने क पत्नी होई काहेकि सातउ ओका आपन बनाएन?'

²⁹जवाब देत ईसू ओनसे कहेस, 'तू बगद गया काहेकि तू पचे पवित्तर सास्तरन अउर परमेस्सर क सक्ती क नाहीं जनत्या।³⁰तोहका समझइ चाही कि पुनरुस्थान मँ लोग न तउ बियाह करिहीं अउर न ही कउनो सादी मँ दीन्ह जाई। मुला उ पचे सरगे क दूतन क नाई होइहीं।³¹इहइ सिलसिला मँ तोहरे फायदा बरे परमेस्सर मरा भवा क पुनरुस्थान क बारे मँ जउन कहेस ह, का तू कबहुँ नाहीं पद्या? उ कहे रहा, ³²'मई इब्राहीम क परमेस्सर हउँ, इसहाक क परमेस्सर हउँ अउर याकूब क परमेस्सर हउँ।* उ मरा हुअन क नाहीं मुला जिन्दा क परमेस्सर अहइ।'³³जब मनइयन इ सुनेन तउ ओकरे उपदेस प उ सबइ बहोत अचम्भा मँ पड़ि गएन।

सबन ते बड़का हुकुम

(मरकुस 12:28-34; लूका 10:25-28)

³⁴जब फरीसियन इ सुनेन कि ईसू आपन जवाबे स सदूकियन क चुप कराइ दिहस तब उ सबइ एँकट्टा

भएन। ³⁵ओहमाँ क एक फरीसी ईसू क परीच्छा क बिचार स ओसे पूछेन, ³⁶“गुरु, व्यवस्था में सबन ते बड़का हुकुम कउन स बाटइ?”

³⁷ईसू ओसे कहेस, “तोहका आपन सारे मनवा स, सारी आतिमा स अउर सारी बुद्धि स आपन परमेस्सर पर्भू क पिरेम करइ चाही।” * ³⁸इ सब ते पहिला अउर सब ते बड़ा हुकुम अहइ। ³⁹फिन अइसा ही दूसर हुकुम इ अहइ: ‘आपन पड़ोसी स वइसा ही पिरेम करा जइसा तू अपने स खुद करत ह।’ * ⁴⁰सारे व्यवस्था अउर नबियन क किताबन इन दुइनउँ हुकुमन प टिका बाटइ।”

ईसू क फरीसियन स एक सवाल

(मरकुस 12:35-37; लूका 20:41-44)

⁴¹जब फरीसियन अबहीं एकटटा ही रहने, कि ईसू ओनसे एक ठु प्रस्न पूछेस, ⁴²“मसीह क बारे में तू का बिचारत ह कि उ केकर बेटवा अहइ?”

उ फरीसियन ओसे कहेन, “मसीह दाऊद क पूत ह।” ⁴³ईसू ओसे पूछेस, “फिन आतिमा क बसे में होइके दाऊद ओका ‘पर्भू’ कहत इ काहे कहेस:

⁴⁴‘पर्भू मोरे पर्भू (ईसू) स कहेस: मोरे दाहिन बइठिके राज्य करा जब ताई कि मई दुस्मनन क तोहरे गोड़वा तले न कइ देउँ।’

भजन संहिता 110:1

⁴⁵फिन जब दाऊद ओका ‘पर्भू’ कहेस तउ उ ओकर बेटवा कइसे होइ सकत ह?” ⁴⁶जवाबे में कउनो भी ओसे कछू नाहीं कहि पावा। अउर न ही उ दिना क पाछे कउनो क ओसे पूछइ क हिम्मत भवा।

ईसू यहूदी धरम नेतन क नुक्ताचीनी किहेस

(मरकुस 12:38-40; लूका 11:37-52; 20:45-47)

23 ईसू फिन आपन चेलन अउर भीड़ स कहेस। ²उ कहेस, “धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन मूसा क व्यवस्था क अरथ बतावइ क हकदार अहई। ³यह बरे जउन कछू उ सबइ कहई ओह प चलत रहा अउर ओनका मानके करत रहा। मई इ कहत हई काहेकि उ पचे बस कहत रहत ही मुला करतेन नाहीं। ⁴उ पचे मनई क काँधे प एतना बोझा लादि देत ही कि उ सबइ ओका उठाइके चल न सकई अउर लोग्णप दबाव डारत ही कि ओका लइके चलई। मुला उ सबइ खुद ओहमाँ स कउनो प भी चलइ बरे आपन अंगुरी तलक नाहीं हिलउतेन।

⁵उ सबइ नीक काम यह बरे करत ही कि लोग ओनका लखई। असिल मैं उ सबइ आपन ताबीज अउर

पोसाक क झलरे क यह बरे बड़ा स बड़कवा करत रहत ही कि लोग ओनका धर्मात्मा समझई। ⁶उ सबइ जेवनार मैं सबते जिआदा खस जगह पावा चाहत ही। आराधनालयन में ओनका प्रमुख आसन चाही। ⁷बजारे में उ पचे मान क साथ पैलगी करावा चाहत ही। अउ चाहत ही कि लोग ओनका ‘गुरु’ कहिके पुकारई।

⁸‘मुला तू पचे मनइयन स आपन क ‘गुरु’ जिन कहवावा काहेकि तोहार सच्चा गुरु तउ बस एक अहइ। अउर तू सबइ सिरिफ भाई बहिन अहा। ⁹धरती प मनइयन क आपन में स कउनो क भी ‘पिता’ जिन कहइ द्या। काहेकि तोहार ‘पिता’ तउ बस एक ही अहइ, अउ उ सरगे में बा। ¹⁰न ही तू मनइयन क आपन बरे ‘स्वामी’ कहइ द्या काहेकि तोहार स्वामी तउ बस एक ठु बाटइ अउ उ अहइ मसीह। ¹¹तोहमाँ सब ते बड़कवा मनई उहइ होई जउन तोहार नउकर बनी। ¹²जउन आपन खुद क उँचा उठाई ओका नंवई क होई। अउर जउन आपन खुद क नवाई ओका ऊँचा उठाइ जाइ।

¹³‘हे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तू सबइ सरगे क राज्य क दुआर बाँकि दिहा ह। न तउ तू पचे ओहमाँ घुसि पउब्या अउर न ही ओनका जाइ देब्या जउन घुसइ बरे जतन करत ही। ¹⁴*

¹⁵‘अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तू कउनो क आपन मत में लइ आवइ बरे धरती अउर समुंद्र पार कइ जात ह। अउ उ तोहरे नेम धरम में आइ जात ह तउ तू ओका आपन स भी दुइ गुना नरक क काबिल बनाइ देत ह।

¹⁶‘अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तोहका धिक्कार अहइ जउन कहत ह, ‘जदि कउनो मंदिर क सपथ खात ह तउ ओका सपथ क खाब जरूरी नाहीं मुला अगर कउनो मंदिर क सोने सपथ खात ह तउ ओका सपथ क मानब जरूरी अहइ।’ ¹⁷अरे आँधर मूर्ख लोगो! बड़का कउन अहइ? मंदिर क सोना या उ मंदिर जउन उ सोना क पवित्तर बनएस। ¹⁸तू सबइ इ भी कहत ह, ‘जदि कउनो वेदी क सपथ खात ह तउ कछू नाहीं, मुला जदि कउनो वेदी प धरा चढ़ावा क सपथ खात ह तउ आपन सपथ स बँधा भवा अहइ।’ ¹⁹अरे आँधर लोगो! कउन बड़कवा अहइ? वेदी प धरा चढ़ावा या उ वेदी जेसे उ चढ़ावा पवित्तर बनत ह? ²⁰यह बरे जदि कउनो वेदी क सपथ लेत ह तउ उ वेदी क साथे वेदी प जउन धरा बाटइ, उ सबन क सपथ खात ह। ²¹उ जउन मंदिर अहइ, ओकर

पद 14 कछू यूनानी प्रतियन में पद 14 जोड़ी गइ अहइ: “अरे कपटा धरम सास्तिरियन अउ फरीसियन तू पचे विधवा क धन दौलत हड़पत ह। देखींवा बरे बड़ी बड़ी पराधना करत ह। एकरे बरे तोहका करी सजा मिली।”

‘तोहका ... चाही’ व्यवस्था 6:5

‘आपन ... ह’ लैव्य 19:18

भी सपथ लेत ह उ मंदिर क संग जउन मंदिर क भितरे बा, ओकर भी सपथ खात ह।²²अउर उ जउन सरगे क सपथ खात ह, उ परमेस्सर क सिंहासने क संग जउन उ सिंहासने प बिराजत बा ओकर भी सपथ खात ह।

²³अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तोहरे लगे जउन कछू अहइ, तू ओकर दसवाँ, हींसा, हीयाँ तलक कि आपन पुदीना, सौंफ अउर जीरा तक क दसवाँ हींसा परमेस्सर क देत ह। फिन भी तू व्यवस्था क खास बातन, निआव, दाया अउर बिसवास क धकियाइ दिहा। तोहका इ चाहत रहा कि ओन बातन क बगैर छोड़े भए इन बातन क करत जात्या।²⁴अरे आँधर अगुवा लोगो! तू आपन पिअइ क पानी स माछर तउ छान लेत ह पर ऊँटे क लील जात ह।

²⁵अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तू आपन खोरा अउर टाटी बाहेर स धोइके फर्छइ करत ह पर ओकरे भितरे तू जउन चाल चपेट या आपन बरे रियायत में पाया ह, भरा बाटइ।²⁶अरे आँधर फरीसियो! पहिले आपन खोरा क भितरे स माँज ल्या जैसे भितरे क साथ साथ उ बाहेर स भी चमकइ लगाइ।

²⁷अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तू लीपा पोत भवा समाधि क नाई अहा जउन बाहेर स तउ सुन्नर देखाति अहइ मुला भितरे स मरे हुअन क हाइ अउर हर किसिम क मलिनता स ढँसी रहत ह।²⁸अइसे ही बाहेर स तउ धर्मी देखॉइ देत ह मुला भितरे स चाल चपेट अउर अनभले स बुरा अहा।

²⁹अरे कपटी धरमसास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तू नबियन क बरे मकबरा बनावत ह अउर धर्मीयन क कन्न क सिंगार करत ह।³⁰अउ कहत बाट्या, 'जदि तू आपन पूर्वजन क समइ में पइदा होत्या तउ नबियन क मरवावइ में ओनकइ साथ न देत्या।' ³¹अइसे प तू खुद ही साच्छी देत अहा, कि तू मानत बाट्या कि तू ओनकइ बाल-बच्चा अहा जउन नबियन क हत्यारन रहेन।³²तउ तू जउन तोहार पुरखन सुरु करेन, ओका पूरा कइ द्या।

³³अरे कीरा अउर नाग क संतान! तू सबइ कइसे सोच लिहा कि तू नरक भोगइ स छूट जाब्बा।³⁴यह बरे मइँ तोहका बतावत हउँ कि मइँ तोहरे लगे नबियन, बुद्धिमानन अउर गुरुअन क पठवत हउँ। तू पचे ओनमाँ स बहोतन क मार डउब्बा अउर बहोतन क क्रूसे प चढउब्बा। कछू मनइयन क तू सबइ आपन आराधनालयन में कोइन स पिटवउब्बा अउर एक सहर स दूसर सहरे ताई ओनकइ पाछा करत खदरेब्बा।³⁵आखिर निरीह हाबिल स लइके बिरिक्याह क बटेवा जकरयाह ताई जेका तू मंदिरे क गरभ घर अउर वेदी क बीच मारि डाए रह्या हर धर्मी मनई क कतल क सजा तोह प होई।

³⁶मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि इ सब कछू बरे इ पीढ़ी क मनइयन क सजा भोगे होई।

यरूसलेम क मनइयन प ईसू क दुःख

(लूका 13:34-35)

³⁷यरूसलेम, ओ यरूसलेम! तू उ अहइ जउन नबियन क कतल करत ह अउर परमेस्सर क पठए गए दूतन क पाथर मारत ह। मइँ केतनी दाई चाहयो ह कि जइसे कउनो मुर्गी आपन चूजन क आपन पंखा तरे बटोर लेत ह वइसे ही तोहरे गदेलन क बटोर लेउँ। मुला तू पचन नाहीं चाह्या।³⁸तोहार घर समूचइ उजड़ जाई।³⁹मइँ तोहका सच बतावत हउँ तू मोका तब ताई फिन नाहीं देखब्बा जब ताई तू नाहीं कहब्बा, 'धन्य अहइ उ जउन पभूक नाउँ में आवत।'*"

ईसू मंदिरे क बिनास क भविस्सबाणी किहसे

(मत्कुस 13:1-31; लूका 21:5-33)

24 मंदिर क छोड़िके ईसू जब हुवाँ स होइके जात रहा तउ ओकर चलन ओका मंदिर क इमारत देखॉवइ ओकरे लगे आएन।²पह प ईसू ओनसे कहेस, "तू पचे इ इमारतन क देखत अहा? मइँ तोहका सच सच कहत हउँ, हिआँ तलक एक पाथर प दूसर पाथर टिक नाहीं पाई। एक एक गिराइ दीन्ह जाई।"

³ईसू जब जैतून पहाड़ प बइठा रहा तउ अकेल्ले में ओकर चलन लगे आएन अउर बोलेन, "हमका बतावा इ कब होई? जब तू लउटि अउब्बा अउर इ संसारे क अंत होई तउ कइसे संकेत परगट होईहीं?"

⁴जवाबे में ईसू ओनसे कहेस, "होसियार! तू पचन क कउनो भरमाइ न पावइ।⁵मइँ इ यह बरे कहत हउँ कि अइसे बहोतन अहइँ जउन मोरे नाउँ स अइहीं अउर कइहीं, 'मइँ मसीह हउँ' अउर उ सबइ बहोतन क भरमइहीं।⁶तू सबइ नगीचे क जुद्ध क बातन यादूरि क जुद्ध क अफवाह सुनब्बा पर देखा तू घबराया जिन। अइसा तउ होइ मुला अबहीं अंत नाहीं आवा अहइ।⁷हर राष्ट्र दूसर राष्ट्र क खिलाफ अउर एक राज्य दूसर राज्य क खिलाफ खड़ा होई। अकाल पड़ी। हर कतहूँ भुँइडोल आई।⁸मुला इ सब बातन उहइ तरह अहइ जइसे नया पइदा होय क पहले की सुरुआती पीडा।

⁹उ समइ उ पचे तोहका सजा देवाँवइ बरे पकड़वइहीं अउर उ पचे तोहका मरवाइ देइहीं। काहेकि तू सबइ मोर चलन अहा। सबहीं राष्ट्र क लोग तोहसे घिना करिहीं।¹⁰उ समइ बहोत मनइयन क मोह टूटि जाई अउर ओहहि समइ बहुत स बिसवासियन क बिसवास डिग जाई। उ पचे एक दूसर क अधिकारियन क हाथे में दइ देइहीं अउ आपस में घिना करिहीं।¹¹बहोत स झूठे नबियन खड़ा

होइ जइहीं अउर मनइयन क ठगिहीं।¹²काहेकि बुराई क बाढ़ आइ जाए स पिरेम घटि जाई।¹³मुला जउन अंत तक टिका रही ओकर उद्धार होई।¹⁴सरगे क राज्य क इ सुसमाचार समूचे संसार में प्रचार कीन्ह जाई। एँसे सब राजन क साच्छी रही अउर तबहीं अंत होइ जाई।

¹⁵‘यह बरे जबहि तू लोग खौफनाक बिनास करइवाली चीज *क पवित्तर स्थान प खड़ा होइके देखा, जेकरे बारे में दानिय्येल नबी बताएन ह, (पढ़इया खुद समुझ जाई कि एकर अरथ का बाटइ।)¹⁶तब जउन मनई यहूदिया में होई ओनका पहाड़े प भाग जाइ चाही।¹⁷जउन आपन घरे क छत प होई, उ घरवा स बाहरे कछू भी लइ जाइके तर खाले न आवई।¹⁸अउ जउन बाहरे खेतन में काम करत होई, उ पाछे मुड़िके आपन ओढ़ना तक न लेई।¹⁹उ स्त्रियन बरे जेकरे कोखे में गरभ होइ या जेकर लरिकन दूध पिअत होई, उ दिनन कस्टे क होइहीं।²⁰पराथना करा कि तोहका जाड़ क दिनन में या सवित क दिन पराइ क न पड़इ।²¹उ दिनन में अइसी बिपत आई जइसी जबते परमेस्सर सूस्टि रचेस ह, आनु तक कबहुँ नाहीं आइ अउ न कबहुँ आई।²²अउर जदि परमेस्सर उ दिनन क घटावइ क पक्का इरादा न कइ लिहे होत तउ कउनो भी न बच पावत किंतु चुना भएन क कारण उ दिनन में कमती कइ देइ।

²³‘उ दिनन में जदि कउनो तू पचन स कहइ, ‘देखा, इ रहा मसीह’ या ‘उ रहा मसीह!’ तउ ओकर बिसवास जिन किहा।²⁴मई इ कहत हउँ काहेकि कपटी मसीह अउप कपटी नबी खड़ा होइहीं अउर अइसे अचरज कारजन देखइहीं अउर अद्भुत कारजन करिहई कि बन पड़इ तउ चुने भएन क भी चकमा दइ देई।²⁵देखा, मई तोहका पहिले ही चेतावनी दइ चुका अहई।

²⁶‘तउ जदि उ सबइ तोहसे कहई, ‘देखा, मसीह जंगल में बा!’ फिन हवाँ जिन जाया अउर जदि उ कहई, ‘देखा उ कोठरी में छुपा बाटइ!’ तउ ओनकइ बिसवास जिन करया।²⁷मई इ कहत हउँ काहेकि जइसे बिजुली पूरब में सुरू होइके पच्छिम क अकासे तक चमक जात ह वइसे ही मनई क पूत भी परगट होई।²⁸जहँ कहुँ लहास होई हुआँ गिद्ध एकटा होइहीं।

²⁹‘उ दिनन जउन मुसीबत पड़ी, ओकरे क बाद:

‘सूरज करिया पड़ि जाई चन्दा स चाँदनी न निकसी अकासे स तारा टुटिहीं अउ अकास में आसमानी सवित झकझोर दिन्ह जइहीं।’

यसायाह 13:10; 34: 4,5

³⁰‘उ समइ मनई क पूत क आवइ क चीन्हा अकास में परगट होई। तबहिं भुइयाँ प सब जातिन क मनइयन

फूटि फूटि क रोइहीं अउर उ सबइ मनई क पूत क सकती अउर महिमा क संग सरग क बदरन में परगट होत देखिहीं।³¹उ ऊँच सुर क तुरुही क संग आपन दूनन क पठइ। फिन उ पचे सरग क एक छोर स दूसर छोर तलक सब कहुँ स आपन चुना भवा मनइयन क एकटा करी।

³²‘अंजीरे क बूच्छ स उपदेस ल्या। जइसे ही ओकर टहनियन सुकुवार होइ जात हीं अउर कोंपर फूटइ लागत हीं। तू लोग जान जात ह कि गर्मी आवइ क अहइ।³³वइसे ही जब तू इ सब घटत देख्या तउ समुझ लिहा कि उ समइ नगिचे आइ ग बाटइ, मुला ठीक दुआर तलक।³⁴मई तू लोगस सच कहत हउँ कि इ पीढ़ी क खतम होइ क पहिले इ सब बातन होइ जइहीं।³⁵धरती अउर अकास तउ मिट सकत हीं मुला मोर बचन कबहुँ न मिटी।’

सिरिफ परमेस्सर जानत ह कि उ समइ कब आई

(मकुस 13:32-37; लूका 17:26-30, 34-36)

³⁶‘उ दिना या उ घड़ी क बारे में कउनो कछू न जानत! न सरगे क दूनन अउर न खुद पून। सिरिफ परमपिता जानत ह।³⁷जइसे नूह क दिना में भवा, वइसे ही मनई क पूत क अवाई भी होई।³⁸वइसे ही जइसे मनई जन क बाढ़ आवइ स पहिले क दिनन ताई खात पिअत रहेन, बियाह सादी करावत रहेन जब तलक नूह नाउ प नाहीं चढ़ गवा।³⁹ओनका तब ताई कछू पता नाहीं लगि सका जब ताई प्रलय नाहीं आइ गइ अउर ओन सबन क बहाइ के नाहीं लइ गइ। मनई क पूत क अवाई भी अइसे ही होई।⁴⁰उ समइ खेते में काम करत दुइ मनइयन में स एक क लइ लीन्ह जाई अउर एक क हुवई छोड़ि दिन्ह जाई।⁴¹चकरी पीसत दुइ स्त्रियन में एक क धइ लीन्ह जाई अउ एक हुवई पाछे छोड़ि दिन्ह जाई।

⁴²‘तउ तू लोग होसियार रहा काहेकि तू नाहीं जनत्या कि तोहार स्वामी कब आई।⁴³याद राखा अगर घरे क स्वामी जानत होत कि राति क कउनो घड़ी में चोर आइ जाई तउ उ जागत रहत अउर चोरे क आपन घरवा में सेंध नाही लगावइ देत।⁴⁴यह बरे तू भी तइयार रहा काहेकि जब तू पचे सोच भी नाहीं रहब होब्या, मनई क पूत आइ जाई।

⁴⁵‘तब सोचा उ भरोसामंद अउ समझदार सेवक कउन बाटइ, जेका स्वामी आपन घरवा क सेवक क ऊपर ठीक समइ प ओनका खइया क देइ बरे लगाएस ह।⁴⁶धन्य अहइ उ सेवक जेका ओकर स्वामी जब आवत ह तउ ओका दियामया काज करत पावत ह।⁴⁷मई तोहसे सच कहत हउँ उ स्वामी ओका आपन समूचे धन दौलत क अधिकारी बनाई देई।⁴⁸दूसर कइँती सोचा एक ठु बुरा सेवक अहइ, जउन अपना मनवा में कहत ह मोर स्वामी बहोत दिना स लुटि क नाहीं आवत

ह।⁴⁹अइसे उ आपन संगी साथी सेवकन स मारपीट करइ लागत ह अउर सराबियन क संग खाब पिअब सुरू कइ देत ह।⁵⁰तउ ओकर स्वामी अइसे दिन आइ जाई जउने दिन उ ओकरे अवाई क सोचत तलक नाहीं अउ जेकर ओका पता तलक नाहीं।⁵¹अउर ओकर स्वामी ओका बुरे ढंग स सजा देई अउर कपटियन क बीचउबीच ओकर ठउर ठहराई जहाँ लोग रोवत होइहीं अउर दँतवन क किड़किड़ावत रइहीं।

दस कुँवारियन क दिस्टान्त कथा

25 “उ दिन सरग का राज्य ओन दस कुँवारियन क नाई होई जउन मसाल लइके दुलहन स भेंटइ निकरिन।²ओनमाँ स पाँच मूरख रहीं अउ पाँट ठु चउकस।³पाँच उ मूरख कुँवारियन आपन मसाल तउ थाम लिहन मुला ओनके साथे तेल नाहीं लिहन।⁴ओहँर चउकस कुँवारियन मसाले क साथ कुप्पियन में तेल भी लइ लिहन।⁵काहेकि दुलहन क अवाई में देर होत रही। सबहीं कुँवारियन थके स ओघाइ लागिन अउर ओलर क सोइ गइन।

⁶“पर आधी राति में धूम मच गइ। ओ हो, ‘दुलहा आवत बा। ओसे भेंटइ बाहेर जा!’

⁷“उहइ छिन उ सबइ कुँवारियन उठि गइन अउर आपन मसाल तइयार किहेन।⁸मूरख कुँवारियन चउकस कुँवारियन स कहेन, ‘हमका आपन तनिक तेल दइ द्या, हमर मसालन बुझि जात अहईं।’

⁹“जवाबे में सबइ चउकस कुँवारियन बोलिन, ‘नाहीं हम नाहीं दइ सकित। काहेकि फिन इ हमरे बरे पूर न होई अउर न तोहरे बरे। तउ तू पचे तेली क लगे जाइके आपन खातिर बेसहि ल्या।’

¹⁰“जब उ पचे बेसहइ जात रहिन कि दुलहन आइ पहोचेन। फिन उ कुँवारियन जउन तइयार रहिन, उ सबइ ओनके संग भोजे में भीतर घुसिन अउर फिन कउनो फाटक बंद कइ दिहस।

¹¹“आखिर में उ सबइ बाकी कुँवारियन भी गइन अउर बोलिन, ‘स्वामी, हे स्वामी, दरवाजा खोलि द्या, हमका भीतर आवइ द्या।’

¹²“मुला उ जवाब देत भवा कहेस, ‘मई तोहसे सच सच कहत हउँ; मई तोहका नाहीं जानत हउँ।’

¹³“तउ होसियार रहा। काहेकि तू न उ दिना क जानत ह, न घड़ी क, जब मनई क पूत लउटी।

तीन सेवकन क दिस्टान्त कथा

(लूका 19:11-27)

¹⁴“सरग क राज्य उ मनई क नाई होई जउन जात्रा प जात भवा आपन नउकरन क बोलाइके अपने समान क रखवारा बनाएस।¹⁵उ एक क चाँदी स भरी पाँच ठु थैली दिहस। दुसरे क दुइ अउ तिसरे क एक दिहस। उ

हर एक क ओकर जोगग होइ क मुताबिक दइके जात्रा प निकरि गवा।¹⁶जेका चाँदी क रूपया स भरी पाँच ठु थैली मिलीं, उ फउरन उ पइसे क धंधा में लगाइ दिहस फिन पाँच थैली अउर कमाएस।¹⁷अइसे ही जेका दुइ थैली मिलिन, उ भी दुइ अउर कमाइ लिहस।¹⁸मुला जेका एक मिली रही उ कहुँ जाइके भुइँया में गइहा खोदेस अउर स्वामी क धने क गाड़ दिहस।¹⁹बहोत समइ बीत जाए क पाछे ओन सेवकन क स्वामी लउटि आवा अउर हर कउनो स लेखा जोखा लेइ लाग।²⁰उ मनई जेका चाँदी क पाँच थैली मिलिन, आपन स्वामी क लगे गवा अउर चाँदी क पाँच अउर थैली लइ जाइके ओसे बोला, ‘स्वामी, तू मोका पाँच थैली दिहे रहा। चाँद क इ पाँच थैली अउर अहईं जउन मईं कमायउँ ह।’²¹ओकर स्वामी ओसे कहेस, ‘साबास! तू भरोसा क बढिया नउकर अहा। तनिक क रकम क बारे में तू बिसवास क जोगग रह्या मईं तोहका अउर जिआदा हक देब। भितरे जा अउर आपन स्वामी क खुसी में खुसी मनाव।’

²²“फिन जेका चाँदी क दुइ थैली मिली रहीं, आपन स्वामी क लगे गवा अउर बोला, ‘स्वामी तू मोका चाँदी क दुइ थैली दिहे रहा, चाँदी क इ दुइ थैली अउ अहईं जेका मईं कमायो ह।’

²³“ओकर स्वामी ओसे कहेस, ‘साबास! तू भरोसा क लायक बढिया नउकर अहा। तनिक रकम क बारे में तू बिसवास क जोगग रह्या। मईं तोहका अउर जिआदा हक देब। भितरे जा अउर आपन स्वामी क खुसी में खुसी मनाव।’

²⁴“फिन उ जेका चाँदी क एक थैली मिली रही, आपन स्वामी क लगे आवा अउर बोला, ‘स्वामी, मईं जानत हउँ तू बहोत कठोर मनई अहा। तू हुवाँ काटत ह जहाँ तू बोया नाहीं रहा, अउर जहाँ तू कउनो बिआ नाहीं छिटकाया तू हुवाँ स फसिल बटोरब्या।²⁵यह बरे मईं डेराइ गवा रहे। तउ मईं जाइके चाँदी क थैलिया क भुइँया में गाड़ दीन्ह। इ लइ ल्या जउन तोहार अहइ इ बाटइ, लइ ल्या।’

²⁶“जवाबे में ओकर मालिक ओसे कहेस, ‘तू एक बुरा आलसी सेवक अहा, तू जानत ह कि मईं बिन बोए कटनी करत हउँ, हुवाँ स फसिल बटोरत हउँ।²⁷तउ तोहका मोर धन साहूकार क लगे जमा कइ देइ चाही रहा। फिन जब मईं आइत तउ जउन मोर रहा बियाज क साथ लइ लेइत।’

²⁸“यह बरे एँसे चाँदी क एक थैली लइ ल्या अउर जेकरे लगे चाँदी क दस थैली अहईं, एँका उहइ क दइ द्या।²⁹काहेकि हर उ मनई क जो जउन कछू ओकरे लगे रहा ओकर सही प्रयोग किहेस ओका अउ जिआदा दीन्ह जाई। अउर जेतनी ओका जरूरत अहइ, उ ओसे जिआदा पाई। मुला ओसे, जो जउन कछू ओकरे लगे रहा

ओकर सही प्रयोग नाहीं किहेस, सब कछू छोर लीन्ह जाई।³⁰तउ उ बेकार क नउकर क बाहेर अँधियरे मँ धकियाइ द्या जहाँ लोग रोइहीं अउर आपन दँत पिसिहीं।'

मनई क पूत सबक निआव करी

³¹"मनई क पूत जब आपन सरगे क महिमा क संग आपन सबही दूतन क संग आपन सानदार सिंहासने प बइठी ³²तउ संसार क सबहिँ लोग ओकरे समन्वा ऐकट्ट होइ जइहीं अउर एक दूसर क वइसे ही अलगाइ देइ, जइसे एक गड़रिया आपन बकरियन स भेड़न क अलगाइ देत ह।³³उ भेड़न क दाहिन कइँती अउर बकरियन क बाई कइँती राखी।³⁴फिन उ राजा, जउन ओकरे दाहिन अहइ, ओनसे कही, 'मोरे परमपिता स असीस पाए मनइयो, आवा अउर जउन राज्य तोहरे बरे संसार क सृस्टि स पहिले तइयार कीन्ह ग अहइ, ओकर अधिकारी बनि जा।³⁵इ राज्य तोहार अहइ काहेकि मई भुखान रह्यो अउ तू मोका कछू खाइके द्या, मई पिआसा रह्यो अउर तू मोका कछू पिअइ क दिहा। मई नगिचे स जात भवा अनजान रह्यो, अउर तू मोका भितरे लइ गया।³⁶मई बेवस्तर रह्यो, तू मोका ओढ़ना पहिराया। मई बेरमिया रह्यो, अउर तू मोर सेवा किहा। मई गिरपतार रह्यो, अउर तू मोरे लगे आया।'

³⁷"फिन जवाबे मँ धर्मी मनई ओसे पुछिहई 'पभू, हम पचे तोहका कब भुखान लखा ह अउर खिआवा या पिआसा लखा अउर पिअइ क दिहा?'³⁸तोहका हम कब नगिचे स जात भवा अनजान लखा अउर भितरे लइ गएन, या बेवस्तर के लखिके तोहका ओढ़ना पहिरावा?'³⁹अउ हम कब तोहका बेरमिया या गिरपतार लखा अउर तोहरे लगे आएन?'

⁴⁰"फिन राजा जवाबे मँ ओनसे कही, 'मई तोहसे सच कहत हउँ जब कबहुँ तू मोर भोले भाले मनइयन मँ स कउनो एक बरे भी कछू किहा तउ उ तू मोरे बरे किहा।'

⁴¹"फिन उ राजा आपन बाँई कइँती क मनइयन स कही, 'अरे अभागे लोगो! मोरे नगिचे स चला जा, अउ जउन आगी सइतान अउर ओकरे दूतन बरे तइयार कीन्ह गइ अहइ, उ अनंत आगी मँ जाइके कूद जा।⁴²इहइ तोहार सजा अहइ काहेकि मई भुखान रह्यो पर तू मोका खाइके कछू नाहीं दिहा,⁴³मई अनजान रहा पर तू मोका भितरे नाहीं लइ गया। मई बिन ओढ़ना क बेवस्तर रहा, पर तू मोका ओढ़ना नाहीं पहिराया। मई बेरमिया अउर गिरपतार रहा, पर तू मोरे कइँती धियान नाहीं दिहा।'

⁴⁴"फिन उ सबइ भी जवाबे मँ ओसे पुछिहई, 'पभू, हम तोहका भूखा या पिआसा या अनजान या बिना ओढ़ना क बेवस्तर या बेरमिया या गिरपतार कब लखा अउर तोहार सेवा नाहीं कीन्ह?'

⁴⁵"फिन उ जवाबे मँ ओनसे कही, 'मई तोहसे सच कहत हउँ जब कबहुँ तू मोर इन मनइयन मँ स कउनो एक बरे नाहीं किहा, उ मोरे बरे भी नाहीं किहा।'

⁴⁶"फिन इ सबइ बुरे लोग अनन्त सजा पइही अउ धर्मी मनई अनन्त जीवन मँ चला जइहीं।"

यहूदी नेतन क ईसू क कतल करइ क चाल

(मरकुस 14:1-2; लूका 22:1-2; यूहन्ना 11:45-53)

26 इ सब बातन क कहि चुकइ क पाछे ईसू आपन चेलन स बोला, ²"तू पचे जानत ह कि दुइ दिन पाछे फसह क त्यौहार बाटइ। अउर मनई क पूत दुस्मनन क हाथन स क्रूसे प चढ़ाइ जाइ बरे पकड़वाइ जाइवाला अहइ।"

³तब मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन काइफा नाउँ क महायाजक क घरे क आँगन मँ ऐकट्टा भएन।⁴अउर उ पचे कउनो चाल स ईसू क धरइ अउर मार डावइ क छल करेन।⁵फिन भी उ सबइ कहत रहेन, "हमका इ फसह क त्यौहार क दिनन मँ नाहीं करइ चाही। नाहीं तउ होइ सकत ह मनई दंगा फसाद कइ बइठौं।"

ईसू प इतर क छिरकब

(मरकुस 14:3-9; यूहन्ना 12:1-8)

⁶ईसू जब बैतनिय्याह मँ समौन कोढ़ी क घरे रहा।⁷तबही एक स्त्री चिकना, स्फटिक क सीसी मँ बहोत महँग इतर भरिके लइ आई अउर ओका ओकरे मूँडे प उड़ेल दिहस। उ समइ उ पटरा प टेक लगाइ क बइठा रहा।⁸जब ओकर चेलन इ देखेन तउ उ सबइ किरोध मँ आइके बोलेन, "इतर क अइसी बर्बादी काहे कीन्ह गइ?⁹इ इतर तउ महँग दामे मँ बिक सकत रहा अउर फिन उ धने क दीन दुखियन मँ बाँटि जाइ सकत रहा।"

¹⁰ईसू जानि गवा कि उ सबइ का कहत अहई। तउ ओनसे बोला, "तू इ स्त्री क काहे तंग करत अहा? उ तउ मोरे बरे एक सुन्नर काम करेस ह।¹¹काहेकि दीन-दुखी तउ हमेसा तोहरे पास रइहीं* पर मई तोहरे साथ हमेसा नाहीं रहब।¹²उ मोरे सरीर प इ सुगंधि छिरकिके मोरे गाड़ा जाइके तइयारी करेस ह।¹³मई तोहसे सच कहत हउँ समूची दुनिया मँ जहँ कहुँ भी सुसमाचार क प्रचार अउर फइलाव कीन्ह जाइ, वही ऐकर याद मँ जउन कछू इ किहेस ह, ओकर चर्चा होई।"

ईसू क दुस्मन यहूदा बनत ह

(मरकुस 14:10-11; लूका 22:3-8)

¹⁴तब यहूदा इफ्रियोली जउन ओकर बारहु चेलन मँ एक रहा, मुख्ययाजकन क लगे गवा अउर ओसे

बोला, ¹⁵“यदि मैं ईसू क तोहका पकरवाइ देउँ तउ तू मनई मोका का देब्या?” तब उ पचे यहूदा क चौंटी क तीस रूपया देइ बरे इच्छा परगट किहेन। ¹⁶उहइ समइ स यहूदा ईसू क धोखा दइ के पकड़वावइ क ताक मैं रहइ लाग।

ईसू क आपन चलन क संग फसह भोज

(मरकुस 14:21-22; लूका 22:7-14, 21-23;

यूहन्ना 13:21-30)

¹⁷बिना खमीरे क रोटी क त्र्यौहार स पहिले दिन ईसू क चलन आइके पूछेन, “तू का चाहत ह कि हम तोहरे खाइके बरे फसह भोज क तइयारी कहाँ जाइके करी?”

¹⁸ईसू कहेस, “गाउँ मैं उ मनई क लगे जा अउर ओसे कहा, कि गुरु कहेस ह, ‘मोर तय भई घरी निगचे बाटइ, मैं तोहरे घर आपन चलन क संग फसह क त्र्यौहार मनइहउँ।” ¹⁹फिन चलन वइसा ही करेन जइसा ईसू बताए रहा अउर फसह क त्र्यौहार क तइयारी किहेस। ²⁰दिन बूडत ईसू आपन बारहु चलन क संग मेज पर बइठा रहा। ²¹तबहीं ओनके खइया क खात उ बोला, “मई सच कहत हउँ, तोहमाँ स एक मोका धोखे स पकरवाई।” ²²उ सबइ बहोत दुखी भएन अउ ओनमाँ स हर कउनओ आपुस मैं पूछइ लागेन, “पभू उ मई तउ नाहीं हउँ। बतावा का मई अहउँ।”

²³तब ईसू जवाब दिहस, “उहइ जउन मोरे संग खाना लेय के बरे एक टाठी मैं हाथ डए बा मोका धोखा स पकड़वाई। ²⁴मनई क पूत तउ जाई ही, अइसा कि ओकरे बारे मैं पवित्तर सास्तरन मैं लिखा बाटइ। मुला उ मनई क धिक्कार बा जउन मनई क जरिए मनई क पूत पकड़वाइ जात अहइ। उ मनई बरे केतना नीक होत कि ओकर जन्म ही न भवा रहत।”

²⁵तब ओका धोखे स पकरवावइ वाला यहूदा बोलि उठा, “हे गुरु, उ मई नाहीं हउँ। का मई हउँ?” ईसू ओसे कहेस, “हाँ अइसा ही अहइ जइसा तू कह्या ह।”

पभू क भोज

(मरकुस 14:22-26; लूका 22:15-20; 1 करिंथकरांस

11:23-25)

²⁶जब उ पचे खइया क खात ही रहेन, ईसू रोटी लिहस, ओका असीसेस अउर फिन तोडेस। फिन ओका चलन क देत भवा उ बोला, “ल्या एँका भकोसा, इ मोर देह अहइ।”

²⁷फिन उ दाखरस क खोरा उठाएस अउर धन्यबाद देइ क पाछे ओका ओन पचेन क देत भवा कहेस, “तू पचे एहमाँ पिआ। ²⁸काहेकि इ मोर खून अहइ जउन एक नवा करार की सुरुआत अहइ। इ बहोतन बरे बहाइ जात ह। जेसे ओनके पापक छमा करब संभउ होइ जाइ। ²⁹मई तोहसे सच कहत हउँ उ दिना तक दाखरस न

चीखब जब ताई आपन परमपिता क राज्य मैं तोहरे साथ नवा दाखरस न पिउ लेउँ।”

³⁰फिन उ पचे भजन गाइके जैतून पहाड़े प गएन।

ईसू क कहब: सब चलन ओका तजि देइहीं

(मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34; यूहन्ना 13:36-38)

³¹फिन ईसू ओनसे कहेस, “आज राति तू पचन क मोह मैं बिसवास दुग जाई। काहेकि पवित्तर सास्तरन मैं लिखा अहइ:

‘मई गड़रिया क मारब अउर झुंड क भेड़न तितराइ बितराइ जइहीं।’

जकर्याह 13:7

³²पर फिन स जी जाए प मई तोहसे पहिले गलील चला जाब।”

³³पतरस जवाब दिहस, “चाहे सब मिला तोहमाँ बिसवास दुगाइ देई, मुला मई कबहूँ न खोउब।”

³⁴ईसू ओसे कहेस, “मई तोहसे सच कहत हउँ आज इहइ राति मुर्गा क बाँग देइ स पहिले तू तीन दाई मोसे मुकर जाब्या।”

³⁵तब पतरस ओसे कहेसे, “अगर मोका तोहरे संग मरि जाइ क होइ तउ भी तोसे कबहूँ न मुकरब।” बाकी सब चलन इहइ कहेन।

ईसू क एकान्त मैं पराथना

(मरकुस 14:32-42; लूका 22:39-46)

³⁶फिन ईसू ओकरे संग उ जगह प आवा जउन गतसमनी कहा जात रहा। अउर उ आपन चलन स कहेस, “जब ताई मई हुवाँ जाउँ अउर पराथना करउँ, तू सबे हियइ बइठा।” ³⁷फिन ईसू पतरस अउर जब्दी क दुइनउँ बेटवन क आपन संग लइ गवा। अउर दुख अउ घबराहट महसूस करइ लाग। ³⁸फिन उ ओनसे कहेस, “मोर मन बहोत दुखी बा, जइसे मोर प्रान निकरि जइहीं। तू मोरे संग हिर्वाई ठहर जा अउर होसियार रहा।”

³⁹फिन तनिक अगवा बइइ क बाद उ धरती प निहुरिके पराथना करइ लाग। उ कहेस, “हे, मोर परमपिता, जदि होइ सकइ तउ यातना क कटोरा मोसे टरि जाइ। फिन भी जइसा मई चाहत हउँ वइसा नाहीं मुला जइसा तू चाहत ह वइसा ही कर।” ⁴⁰ओकरे पाछे उ आपन चलन क लगे गवा अउर ओनका सोवत पाएस। उ पतरस स कहेस, “तउ तू पचे मोर संग एक घंटा भी नाहीं जागि सक्या। ⁴¹जागत रहा अउर पराथना करा जेसे तू परीच्छा मैं न पड़ि जा। तोहार आतिमा तउ उहइ करब चाहत ह जउन चंगा बा, मुला, तोहार सरिर दुर्बल अहइ।”

⁴²एक दाई फिन उ जाइके पराथना किहेस अउर कहेस, “हे मोर परमपिता, जदि यातना क कटोरा मोरे

बागैर पिए टर नाही सकत तउ तोहार इच्छा पूरी होइ जाइ।" ⁴³तब उ आवा अउ ओनका फिन सोवत पावा। उ पचेन क आँखन थकी रहिन। ⁴⁴तउ उ ओनका छोड़िके फिन गवा अउर तिसरी दाई भी पहिले क नाई ओनही सब्दन में पराथना करेस। ⁴⁵फिन ईसू आपन चलन क लगे गवा अउर ओनसे पूछेस, "का तू अबहूँ आराम स सोवत अहा? सुना, समइ आइ ग अहइ, जब मनई क पूत पापी मनइयन क हथवन मैं दइ दीन्ह जाई।" ⁴⁶उठा, आवा चली। देखा मोका धरइवाला इ बा।"

ईसू क गिरफ्तार करब

(मत्कुस 14:43-50; लूका 22:47-53; यूहन्ना 18:3-12)

⁴⁷ईसू जब बोलत रहा, यहूदा जउन बारहु चलन मैं एक रहा, आवा। ओकरे संग तरवारन अउर लाठियन स लइस मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन क पठई एक भारी भीड़ भी रही। ⁴⁸यहूदा जउन ओका पकड़वावइ वाला रहा, ओनका एक इसारा बतावत भवा कहेस, "जउन कउनो क मई चूमउँ, उहइ होई, ओका धइ लिहा।" ⁴⁹फिन उ सीधे ईसू क लगे गवा अउ बोला, "हे गुरु!" अउर बस उ ईसू क चूम लिहेस।

⁵⁰ईसू ओसे कहेस, "मीत, जउन काज बरे तू आइ अहा, ओका करा।"

फिन भिड़िया क लोगन क लगे जाइके ईसू क दहबोच कइ गिरफ्तार कइ लिहना। ⁵¹फिन जउन मिला ईसू क संग रहेन, ओनमाँ स एक तरवारी हींच लिहस अउर वार कर महायाजक क नउकर क कान काट लिहस। ⁵²तब ईसू ओसे कहेस, "आपन तरवार क मियान मैं घुसेड़ द्या। जउन तरवार चलावत हीं उ पचे तरवारे स मार डावा जइहीं।" ⁵³का तू नाही सोचत अहा कि मई आपन परमपिता क बोलाइ सकत हउँ अउ उ फउरन सरगे क दूतन क बारहु फउज स भी जिआदा मोरे लगे पठइ देई? ⁵⁴मुला मई अइसा करउँ तउ पवित्तर सास्तरन मैं लिखी बात कइसे पूर होइ जाई कि सब कछू अइसे ही होइ क अहइ?"

⁵⁵उहइ समइ ईसू भीड़े स कहेस, "तू पचे तरवारन, लाठियन क संग मोका धरवावइ अइसे काहे आइ अहा जइसे कउनो डाकू क धरइ आवत हीं? मई हर दिन मंदिर मैं बइठा उपदेस देत रहत हउँ अउर तू पचे मोका नाही धर्या।" ⁵⁶मुला इ सब कछू घटि गवा कि नबियन क लिखा पूर होइ।" फिन ओकर चलन ओका तजि क पराय गएन।

यहूदी नेतन क समन्वा ईसू क पेसी

(मत्कुस 14:53-65; लूका 22:54-55, 63-71;

यूहन्ना 18:13-14, 19-24)

⁵⁷ईसू क जउन धरे रहेन, उ पचे ओका काइफा नाउँ क महायाजक क समन्वा लइ गएन। हुवाँ धरम

सास्तिरियन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन भी ऐकट्टा भएन। ⁵⁸पतरस ओसे दूर-दूर रहत ओकरे पाछे पाछे महायाजक क अंगना क भितरे तलक चला गवा। अउर फिन अंत देखइ हुवाँ पहरेदारन क संग बइठ गवा।

⁵⁹मुख्ययाजकन समूची यहूदी महासभा क संग ईसू क मउत क सजा देइ बरे ओकरे खिलाफ कउनो झूठा जुर्म ढूँढ़इ बरे जतन करत रहेन। ⁶⁰मुला ढूँढ़ नाही पाएन। जदपि बहोत स झूठे गवाहन अगवा बढिके झूठ बोलेन। आखिर मैं दुइ मनई अगवा आएन। ⁶¹अउर बोलेन, "इ कहे रहा, 'मई परमेस्सर क मंदिर क तहस नहस कइ सकत हउँ अउर तीन दिन मैं फिन बनाइ सकत हउँ।'"

⁶²फिन महायाजक खड़ा होइके ईसू स पूछेस, "का जवाबे मैं तोहका कछू नाही कइके क अहइ कि इ मनइयन तोहरे खिलाफ इ का साच्छी देत अहई?" ⁶³मुला ईसू खमोस रहा।

फिन महायाजक ओसे पूछेस, "मई तोहका साच्छत परमेस्सर क सपथ देत हउँ, हमका बतावा का तू परमेस्सर क पूत मसीह अहा?"

⁶⁴ईसू जवाब दिहस, "हाँ, मई अहउँ। मुला मई तोहका बतावत हउँ कि तू पचे मनई क पूत क उ परम सक्तीवाला क दाहिन कइँती बइठा अउर सरगे क बदरवन प आवत हाली ही देखब्या।"

⁶⁵महायाजक इ सुनिके ऐतना गुस्साइ गवा कि आपन ओढ़ना फाड़त भवा बोला, "इ जउन बातन कहेस ह उ सब परमेस्सर प कलंक लगाएस ह। अब हमका अउर जिआदा साच्छी न चाही। तू पचे ऐका परमेस्सर क खिलाफ कहत सुन्या ह।" ⁶⁶तू पचे का सोचत अहा?"

जवाबे मैं उ पचे बोलेन, "इ अपराधी अहइ। ऐका मरि जाइ चाही।"

⁶⁷फिन उ सबइ ओकरे मुँहना प थूकेन अउ ओका घँसा स मारेन। कछू थप्पड़ दिहेन ⁶⁸अउर कहेन, "हे मसीह! भविस्सबाणी करा कि उ कउन अहइ जउन तोहका थोकरेस ह!"

पतरस क ईसू क न मानब

(मत्कुस 14:66-72; लूका 22:56-62;

यूहन्ना 18:15-18, 25-27)

⁶⁹पतरस अबहीं अंगना मैं बाहरे बइठा रहा कि एक ठु नउकरानी लगे आइ अउर बोली, "तू भी तउ उहइ गलील क ईसू क संग रह्या।"

⁷⁰मुला सबइ क समन्वा पतरस मुकर गवा। उ कहेस, "मोका पता नाही तू का कहति अहा।"

⁷¹फिन उ इयौड़ी तलक गवा ही रहा कि एक दूसर लरिकि देखेस अउर जउन मनई हुवाँ रहेन, ओनसे बोली, "इ मनई नासरत क ईसू क संग रहा।"

⁷²एक दाई फिन पतरस इन्कार करेस अउर सपथ खत भवा कहेस, "मई उ मनई क नाही जानत हउँ।"

⁷³तनिक देर पाछे हुवाँ खड़ा लोग पतरस क लगे गएन अउर ओसे बोलेन, “तोहार बोलइ क लहजा स साफ लागत ह कि तू असिल मँ ओनही मँ स एक अहा।”

⁷⁴तब पतरस आपन क धिक्कारइ लाग अउर सपथ खाएस, “मई उ व्यक्तिक क नाही जानत हउँ।” तबहिं मुर्गा बाँग दिहस। ⁷⁵तबबइ पतरस क उ याद होइ आवा जउन ईसू ओसे कहे रहा, “मुर्गा कबाँग देइ स पहिले तू तीन दाई मोका नकार देब्या।” तब पतरस बाहेर चला गवा अउ फूट फूट क रोवइ लाग।

ईसू क पीलातुस क अगवा पेसी

(मरकुस 15:1; लूका 23:1-2; यूहन्ना 18:28-32)

27 दूसर दिन बड़े भिन्सारे सबइ ही मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन ईसू क मरवाइ डावइ क एक चाल चलेन। ²फिन उ पचे ओका बाँध के लइ गएन अउर राज्यपाल पिलातुस क सौंप दिहन।

यहूदा क आत्महत्या

(प्रेरितन क काम 1:18-19)

³ईसू क धरवावइ वाला यहूदा जब देखेस कि ईसू क दोखी ठहराइ दीन्ह ग अहइ, तउ उ बहोत पछतान। अउर उ याजकन तथा यहूदी नेतन क चाँदी क तीस रूपया लउटाइ दिहस।

⁴उ कहेस, “मई एक बे अपराधी क मार डावइ बरे धरवाइ क पाप कीन्ह ह।”

एँह प मनई कहेन, “हम पचेन क का! इ तोहार आपन मामिला अहइ।”

⁵एँह प यहूदा चाँदी क ओन रूपयन क मंदिर क भितरे लोकाइके चला गवा अउर फिन बाहेर जाइके आपन क फाँसी लगाएस।

⁶मुख्ययाजकन उ सब चाँदी क सिक्कन क उठाइ लिहन अउर कहेन, “हमरे व्यवस्था क मुताबिक इ धन क मंदिर क खजाना मँ धरब नीक नाही काहेकि एँकर प्रयोग कउनो क मार डावइ बरे कीन्ह ग रहा।” ⁷यह बरे उ पचे उ रूपयन क यरूसलेम मँ बाहेर स आवइ वाले मनइयन क मरि जाए प गाइइ बरे कोहारे क खेत खरीदे क फैसला कीन। ⁸यह बरे आजु ताई इ खेत ‘लहू क खेत’ क नाउँ स जाना जात ह। ⁹इ तरह, नबी यिर्मयाह क कहा भवा बचन पूर होइ ग:

“उ पचे चाँदी क तीस सिक्का बरे, उ रकम जेका इम्राएल क मनइयन ओकरे बरे देब तइ किहे रहेन। ¹⁰अउ पभू क जरिए मोका दीन्ह गवा हुकुम क मुताबिक ओसे कोहारे क खेत खरीदेस।”*

पिलातुस क सवाल ईसू स

(मरकुस 15:2-5; लूका 23:3-5; यूहन्ना 18:33-38)

¹¹एँकरे बीच मँ ईसू राज्यपाल क समन्वा पेस भवा। राज्यपाल ओसे पूछेस, “का तू यहूदियन क राजा अहा?” ईसू कहेस, “हाँ, मई हउँ।”

¹²दुसरी कइती जब मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन ओह प देख लावत रहेन तउ उ कउनो जवाब नाही दिहस।

¹³तब पिलातुस ओसे पूछेस, “का तू नाही सुनत अहा कि उ सबइ तोह प केतना देख लगावत अहइ?”

¹⁴मुला ईसू पिलातुस क कउनो भी देख क जवाब नाही दिहस। पिलातुस क एँह प बहोत अचरज भवा।

ईसू क छोड़इ मँ पिलातुस सफल नाही भवा

(मरकुस 15:6-15; लूका 23:13-25; यूहन्ना 18:39-19:16)

¹⁵फसह क त्योहार क अउसर प राज्यपाल क रीति रही कि उ कउनो भी एक कैदी क, जेका भीड़ चाहत रही, ओनके बरे छोड़ दीन्ह जात रहा। ¹⁶उहइ समइया बरअब्बा नाउँ क एक बदनाम कैदी हुवाँ रहा। ¹⁷तउ जब भीड़ आइके एकट्ठी होइ गइ तउ पिलातुस ओसे पूछेस, “तू का चाहत बाट्या, मई तोहरे बरे केका छोड़ि देउँ, बरअब्बा क या उ ईसू क, जउन मसीह कहा जात ह?” ¹⁸पिलातुस जानत रहा कि उ पचे ओका मने मँ डह क कारण धरवाइ दिहेन ह।

¹⁹पिलातुस जब निआव क आसन प बइठा रहा तउ ओकर पत्नी ओकरे लगे एक संदेसा पठएस: “उ सीधा साँच मनई क संग कछू जिन कइ बइट्या। मई ओकरे बारे मँ एक तु सपन देखिउँ ह जेसे मई आज सारा दिन भइ बेचइन रही।”

²⁰मुला मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन भीड़े क बगदाएन, फुसलाएन कि उ पिलातुस स बरअब्बा क छोरि देइ क अउर ईसू क मरवाइ डावइ बरे कहेन।

²¹जवाबे मँ राज्यपाल ओसे पूछेस, “दुइनउँ कैदियन मँ स कउनो एक बरे केका मोसे छुरवावइ बरे तू पचे चाहत बाट्या?”

उ पचे जवाब दिहन, “बरअब्बा का।”

²²जब पिलातुस ओसे पूछेस, “तउ मई, जउन मसीह कहा जात बा उ ईसू क का करउँ?”

उ सबइ कहेन, “ओका क्रूस प चढ़ावा!”

²³पिलातुस पूछेस, “काहे, उ कउन अपराध किहेस ह?” मुला उ सबइ तउ अउर जिआदा चिचियाने, “ओका क्रूस प चढ़ाइ द्या!”

²⁴पिलातुस देखेस कि अब कउनो फायदा नाही। मुला दंगा भइकइ क बा। तउ उ तनिक पानी लिहस अउर भीड़े क समन्वा आपन हाथ धोएस, उ बोला, “इ मनई क लहू स हमार कउनो जिम्मेदारी नाही। यह तोहार मामिला बा!”

25जवाबे में सब लोगन कहेन, “एँकरे मउत क जवाबदेही हम अउ हमार लरिकन मान लेत हैं।”

26तब पिलातुस ओनके बरे बरअब्बा क छोरि दिहस अउर ईसू क कोड़वा स पिटवाइ क क्रूस प चढ़ावइ बरे सौंपि दिहस।

ईसू क मजाक

(मत्कुस 15:16-20; यूहन्ना 19:2-3)

27फिन राज्यपाल क सिपाही ईसू क राज्यपाल निवास क भितरे लइ गएन। हुवाँ ओकरे चारिहुँ कइँती सिपाहियन क फउज एँकट्टी होइ गइ। 28उ पचे ओकर ओढ़ना उतरवाइ दिहेन अउ चमचमात लाल रंगे क ओढ़ना पहिराइ क 29कॉटे स बनवा एक ताज ओकरे सिरें प ढौंपि दिहस। ओकरे दाहिन हाथ में ए तु नरकट थमाइ दिहेन ओकरे समन्वा आपन घोटैना तलक निहुरि क ओकरे हँसी करत बोलेन, “यहूदियन क राजा अमर रहइ!”

30फिन उ पचे ओकरे मुँहना पर थुकेन, डंडी छोरन अउर ओकरे मुँडवा प सुटकइ लागेन। 31जब उ पचे ओकर हँसी उड़ाइ चुकेन तउ ओकर पोसाक उतारेन अउर ओका ओकर आपन ओढ़ना पहिराइ क क्रूसे प चढ़ावइ बरे लइ चलेन।

ईसू क क्रूस प चढ़ाउब

(मत्कुस 15:21-32; लूका 23:26-43; यूहन्ना 19:17-27)

32जब उ पचे बाहेर जात ही रहेन तउ ओनका कुरेनी क निवासी समौन नाउँ क एक मनई मिलि गवा। उ पचे ओह प जोर डाएन कि उ ईसू क क्रूस उठाइके चलइ। 33फिन जब उ पचे गुलगुता नाउँ क जगह (जेकर अरथ अहइ “खोपड़ा क ठउरा।”) पहुँचेन। 34तउ उ पचे ईसू क अंगूर क रस में पित्त* नाइ क पिअइ बरे दिहना मुला जब ईसू ओका चखेस तउ पिअइ स मना किहस। 35तउ उ सबइ ओका क्रूसे प चढ़ाइ दिहेन अउर ओकरे ओढ़ना क आपुस में बाँटइ बरे पाँसा खेलिके आपन हाँसा लिहना। 36एँकरे पाछे हुवाँ बइठिके ओह प पहरा देइ लागेन। 37उ पचे ओकर जुर्म पत्तर लिखिके ओकरे मुँहे पर लटकाइ दिहेन, “इ यहूदियन क राजा ईसू अहइ।” 38इहइ समइ ओकरे संग दुइ डाकू भी क्रूसे प चढ़ाइ जात रहेन एक तु ओकरे दाहिन अउर दूसर ओकरे बाई कइँती। 39नगिचे स होइ क जात मनइयन आपन मुँडी झमकावत ओका बेजत करत रहेन। 40उ पचे कहत रहेन, “अरे मंदिर क गिराइके तीन दिना ओका फिन स बनवइया, आपन क तउ बचावा। जदि तू परमेस्सर क पूत अहा तउ क्रूसे स तरखाले उतरि आवा।”

पित्त एक अइसी चीज अहय जेका अंगूर क रस में मिला कर पिअब स पीढा कम होय जात हय।

41अइसे ही मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन क संग ओकर इ कहिके हँसउआ करत रहेन: 42“दूसर क उद्धार करइया इ आपन उद्धार नाहीं कइ सकत। इ इम्राएल क राजा अहइ। इ क्रूसे स अबहीं तरखाले उतरइ तउ एँका मान लेइ। 43इ परमेस्सर में बिसवास करत ह। तउ जदि परमेस्सर अब एँका बचाइ लेइ। आखिर इ तउ कहत भी रहा ‘मई परमेस्सर क पूत हउँ।’” 44उ सबइ लुटेरन भी जउन ओकरे संग क्रूसे प चढ़ाइ गएन रहा, ओकर अइसा ही हँसउआ भवा।

ईसू क मउत

(मत्कुस 15:33-41; लूका 23:44-49; यूहन्ना 19:28-30)

45फिन समूची धरती प दुपहर स तीन बजे तलक आँधियारा छावा रहा। 46कउनो तीन बजे क लगभग ईसू ऊँच अवाजे में चिल्लान, “एली, एली, लमा सबवतनी” अरथ, “मोरे परमेस्सर, हे मोरे परमेस्सर, तू मोका काहे बिसार दिहा ह?”

47हुवाँ खड़ा भवा मनइयन में स कछू इ सुनिके कहइ लागेन, “यह एलियाह क पुकारत अहइ।”

48फिन फउरन ओनमाँ स एक मनई धावत सिरका में बोरा भवा स्पंज एक डंडी प लटकाइ क लइ आवा अउर ओका ईसू क चूसइ बरे दिहस। 49मुला दूसर लोग कहत रहेन, “छोड़ द्या, देखित ह कि एलियाह एँका बचावइ आवत ह कि नाहीं।”

50ईसू फिन एक दाई ऊँच सुरे में चिल्लाइ क प्राण तजि दिहस।

51उहइ समइया मंदिरे क परदा ऊपर स तरखाले तलक फाटिके दुइ टुकड़न में बाँटि गवा। धरती डोल उठी। चट्टानन फाट पड़िन। 52हियाँ तलक कब्रन खुलि गइन अउर परमेस्सर क मरा भएन भक्तन क बहोतन सररीर जी उठेन। 53उ पचे कब्रन स निकरि आएन अउर ईसू क जी जाइ क पाछे पवित्तर नगर में जाइके बहोतन क देखाइ दिहेन। 54रोम क फऊजी नायक अउर ईसू क पहरुअन भूइडोल अउर वइसी ही दुसर घटना क लखिके डेराअ गएन। उ पचे बोलेन, “ईसू असिल में परमेस्सर क पूत रहा।”

55हुवाँ बेरि के स्त्रियन खड़ी रहिन जउन दूरे स लखत रहिन। उ पचे ईसू क देखभाल बरे गलील स ओकरे पाछे पाछे आवत रहिन। 56ओनमाँ स मरियम मगदलीनी, याकूब अउर थोसेस क महतारी मरियम तथा जब्दी क बेटवन की महतारी रही।

ईसू क दफन

(मत्कुस 15:42-47; लूका 23:50-56; यूहन्ना 19:38-42)

57साँझ क समइ अरिमतियाह सहर स यूसुफ नाउँ क एक धनवान आवा उ खुद ही ईसू क चेला होइ गवा।

यूसुफ़ पिलातुस क लगे गवा अउर ईसू क सब माँगिस।
 58तबहिं पिलातुस हुकुम दिहस कि सब ओका दइ दीन्ह जाइ।
 59यूसुफ़ ल्हास लइ लिहस अउर ओका एक नई चदरे में लपेटिके 60आपन खुद क नई कब्र में धइ दिहस। जेका उ चट्टाने में काटि के बनवाए रहा। फिन उ चट्टाने क दरवाजे प एक बड़का सा पाथर लुढ़काएस अउर चला गवा। 61मरियम मगदलीनी अउर दूसर स्त्री मरियम हुवाँ कब्रे क समन्वा बइठी रहिन।

ईसू क कब्रे प पहरा

62अगले दिन जब सुक्रवार बीत गवा तउ मुख्ययाजकन अउर फरीसियन पिलातुस स मिलइ गएन। 63उ पचे कहेन, “महासय हमका याद बा कि इ छलिया, जब उ जिअत रहा, कहे रहा, ‘तिसरे दिन मई फिन जी उठबा।’ 64तउ हुकुम द्या कि तिसरे दिना तलक कब्रे प चौकसी कीन्ह जाइ। जेसे अइसन न होइ कि ओकर चलन आइके ओकर ल्हास चोरॉइ लइ जाई अउर मनइयन स कहई, उ मरे भवा में स जी गवा। इ दूसर छल पहिले छल स जिआदा बुरा होई।” 65पिलातुस ओसे कहेस, “तू पहरा बरे सिपाही लइ जाइ सकत ह। जा जइसी चौकसी कइ सकत ह, करा।” 66तब उ पचे चला गएन अउर उ पाथर प मोहर लगाइके अउर पहरुअन क हुवाँ बइठाइ के कब्र क हिफाजत करइ लागेन।

ईसू क फिन स जी उठब

(मरकुस 16:1-8; लूका 24:1-12; यूहन्ना 20:1-10)

28 सबित क बाद जब रविवार क भिन्सारे प उ फाटत रही, मरियम मगदलीनी अउर दूसर स्त्री मरियम कब्र क जाँच करइ आइन।

2काहेकि सरगे स पभू क एक दूत हुवाँ उतरा रहा, यह बरे उ समइ बहोत बड़का भुईँडोल आवा। सरगदूत हुवाँ आइके पाथर क लुढ़काएस अउर ओह पर बइठ गवा। 3ओकर रूप अकासे क बिजरी क नाई चमचमात रहा अउर ओकर ओढ़ना बरफ जइसे उज्जर रहेन। 4उ सिपाहियन जउन कब्रे प पहरा देत रहेन, डर क कारण डेरानेन अउर अइसा होइ गएन जइसे मरि गवा होई।

5तब सरगदूत बोला अउर उ ओन स्त्रियन स कहेस, “डेराअ जिन, मई जानत हउँ कि तू ईसू क खोजति अहा जेका, क्रूस प चढ़ाइ दीन्ह गवा रहा। 6हियाँ नाहीं बा। जइसा कि उ कहेस, उ मउत क पाछे फिन जिआइ दीन्ह जाई। आवा, उ ठउरे क लखा, जहाँ उ ओतरा रहा। 7अउ फिन तुरंत जा अउर ओकरे चलन स कहा, ‘उ

मरे हुअन मैं स जिआइ दीन्ह जाई अउर अब उ तोहसे पहिले गलील क जात अहइ। तू ओका हुवाँ देखब्बा।’ इहइ मई तोहका बतावइ आवा हउँ, ओका याद राखा।”

8उ स्त्रियन फउरन ही कब्र क तजि दिहना उ पचे डर अउर आनंद स खुस होइ गइन। फिन ईसू क चलन क इ बतावइ उ पचे धाएन। 9एकाएक ईसू ओनसे भेटेस अउर बोला, “अरे तू!” उ पचे ओकरे लगे आइन, उ पचे ओकर गोड़वा धइ लिहन अउर ओकर आराधना करेन। 10तब ईसू ओनसे कहेस, “डेराअ जिन, मोरे भाइयन क लगे जा, अउर ओनसे कहा कि उ पचे गलील बरे रवाना होइ जाई, हुवैइ उ सबइ मोका देखिहई।”

यहूदी नेतन क घटना क बारे में बताएन

11अबहीं उ स्त्रियन आपन राहे में ही रहिन कि कछू सिपाही जउन पहरुअन में रहेन, सहर में गएन अउर जउन कछू भवा, उ सब क खबर मुख्ययाजकन क जाइके सुनाएन। 12तउ उ सबइ बुजुर्ग यहूदी नेतन स मिलिके एक चाल चलने। उ पचे सिपाहियन क बहोतइ धन दइके। 13कहेन कि उ पचे मनइयन स कहई, “ईसू क चलन राति क आएन अउ जब हम सबइ सोवत रहेन ओकरे सब क चुराइ लइ गएन। 14जदि तोहार इ बात राज्यपाल तक पहुँचत ह तउ हम ओका समझाइ लेब अउर तोहरे प कउनो आँच न आवइ पाई।” 15पहरुअन धन लइके वइसा ही करेन, जइसा ओनका बतावा ग रहा। अउ इ कहानी यहूदियन में आज तलक इहइ रूप में सँचर गइ अहइ।

ईसू क आपन चलन स बातचीत

(मरकुस 16:14-18; लूका 24:36-49; यूहन्ना 20:19-23;

प्रेरितन क काम 1:6-8)

16फिन ग्यारहू चलन गलील में उ पहाड़ी प पहुँचेन जहाँ बरे ईसू कहे रहा। 17जब उ पचे ईसू के निहारेन तउ ओकर आराधना करेन। जदपि कछूक मनवा मैं सक रहा। 18फिन ईसू ओनके लगे जाइके कहेस, “सरगे मैं अउ धरती प सबइ हक मोका दइ दीन्ह गवा अहई। 19तउ, जा अउर सब देसन क मनइयन क मोर चलन बनावा। तोहका इ काम परमपिता क नाउँ मैं, पूत क नाउँ मैं अउर पवित्र आतिमा क नाउँ मैं ओनका बपतिस्मा दइके पूर करब अहइ। 20उ सबइ हुकुम जउन मई तोहका दियो हउँ, ओनका ओन प चलब सिखावा। अउर याद राखा इ सुस्टि क अंत ताई मई हमेसा तोहरे संग रहबा।”

मरकुस रचित सुसमाचार

ईसू क आवड़ क तइयारी

(मती 3:1-12; लूका 3:1-9, 15-17; यूहन्ना 1:19-28)

1 परमेस्सर क पूत ईसू मसीह क सुसमाचार * क सुरुआत। ²जइसा अगवा होई, यसायाह नबी* क किताब में लिखा अहइ: उ कहेस,

“सुन ल्या! मई (परमेस्सर) अपने सहायक * क तोसे पहिले पठवत अही। उ तोहरे बरे रस्ता बनाई।”

मलाकी 3:1

³ “एक तु मनई के चिल्लाय क अवाज उसरे में सुनि लीन्ह: ‘पभू क बरे रस्ता बनवा अउर सोझ रस्ता तइयार करा।’”

यसायाह 40:3

⁴यूहन्ना उसरे में बपतिस्मा देत आइ। उ लोगन स बपतिस्मा * लेने क कहेस कि उ आपन मनफिराव क दिखा सके अउर ओनके पापक छमा हो। ⁵यरूसलेम अउ यहूदिया देस क सब जने ओकरे निअरे गएन। जइसे उ सब आपुन्हि पापक कबूलेन्ह, उ सब यरदन नदिया में ओसे बपतिस्मा पाएन। ⁶यूहन्ना ऊँटनक बारेन्स बनवा बस्तर पहिरत रहा, अउर करिहाउँ प खालि क पेटी बाँधत रहा। उ टिड्डनक अउर जंगली सहद खात रहा।

⁷उ इ बात क प्रचार करत रहा: “मोरे पाछे मोसे जिआदा एक तु बरिआर मनई आई। मई ऐतना जोग्य नाहीं कि ओकरे सोझे खड़ा होइके अउर निहुरिके ओकरे बधियउरी क फीता तलक खोलि सकी। ⁸मई तू पचन्क

सुसमाचार परमेस्सर लोगनक बरे रस्ता तइयार करेस ह कि ओनके पापक छमा कइ दीन्ह जाइ अउ उ सब परमेस्सर क संग रहइ लागई।

नबी उ जउन परमेस्सर क बरे में बताएस, अउ अगवा क होइ ओकरे बरे में भी कहेस।

सहायक सुसमाचार क लइ जाइवाला।

बपतिस्मा एक यूनानी सब्द अहइ। जेकर अरथ अहइ पानी में बुड़की या गोता लगावब।

पानी स बपतिस्मा देत अही मुला उ तू पचन्क पवित्तर आतिमा* स बपतिस्मा देई।”

ईसू बपतिस्मा लिहस

(मती 3:13-17; लूका 3:21-22)

⁹उ समइ ईसू नासरत स गलील आवा। हुँवा यूहन्ना रहा। ईसू ओसे यरदन नदिया में बपतिस्मा लिहस। ¹⁰जइसे ही पानी स बाहेर आवत रहा, उ खुला भवा अकास देखेस। अउर पवित्तर आतिमा कबूतरे क नाई ओह प उतरी। ¹¹फिन अकासबानी भइ: “तू मोर पूत, जेहका मई पियार करत हउँ। मई तोहसे बहोत खुस हउँ।”

ईसू क परीच्छा लीन्ह गइ

(मती 4:1-11; लूका 4:1-13)

¹²तब तुरंतहिँ आतिमा ईसू क उसरे में पठएस। ¹³अउ उ उसरे में चालीस दिन तई रहा। उहइ समइया में सइतान ओका भरमावत रहा। हुँवा ईसू जंगली जनावर क संग रहा। जहाँ सरगदूतन आइ क ओकर सेवा किहेन।

ईसू कछू चेलन क चुनेस

(मती 4:12-22; लूका 4:14-15; 5:1-11)

¹⁴ओकरे बाद यूहन्ना जेली में धांध दीन्ह गवा। फिन ईसू गलील में गवा अउर परमेस्सर क सुसमाचार क प्रचार करत रहा। ¹⁵उ कहेस, “समइ पूरा होइ गवा परमेस्सर क राज्य नगिचे अहइ। सब जने मनफिराव अउर सुसमाचार में बिसवास करा।”

¹⁶जब ईसू गलील झील क निअरे घूमत रहा। उ समौन* अउर समौन क भाई अन्ड्रियास क निहारेस। उ दुइनउँ मछुआरा रहेन, यह बरे उ सब जलिया क झीले में डारत रहेन। ¹⁷ईसू ओनसे कहेस, “आवा, अउर मोरे पाछे आवा। मई तू पचन क कइसे मनई बटोरा जात हीं-इ बात सिखाउब।” ¹⁸तबहिँ फउरन उ सब आपनि जालिन्ह क छाँड़ि दिहन अउर ओकरे पाछे आएन। ¹⁹तबहिँ ईसू तनिक आगे झिलिया क तीरे चलत-चलत जब्दी क

पवित्तर आतिमा परमेस्सर क आतिमा, ईसू क आतिमा सहायक। परमेस्सर अउर ईसू स जुरी भइ जउन मनइयन में परमेस्सर क काम करत ह।

समौन समौन क दूसर नाउँ पतरस रहा।

बेटवा याकूब अउर ओकर भाई यूहन्ना क निहारेस। उ सबइ आपन आपन नाउ मँ आपन जालि क मरम्मत करत रहेन।²⁰उ तबहिँ फउरन उ सबन्क बोलोँएस। यह बरे कि उ सबइ नाउ मँ आपन बाप जब्दी क छाँड़ि कइ ओके संग ओकरे पाछे आएन।

ईसू मनई क चंगा करेस जेह पर दुस्ट आतिमा सवार रही

(लूका 4:31-37)

²¹ओकरे बाद उ पचे कफरनहूम गएन। ईसू आवइवाला सबित क दिन * आराधनालय*मँ जाइके लोगन्क सिच्छा देइ लाग।²²सिरिफ धरम सास्तिरियन क जानइवाला क तरह नाहीं मुला एक तु मुड्ड क नाई सिच्छा देत रहा। यह बरे उ सब मनइयन ओकरे सिच्छा स अचरजे मँ पड़ि गएन।²³एकदम्मई आराधनालय मँ एक तु मनई क दुस्ट आतिमा धरे रही। उ मनई चिचिआन अउर कहेस, ²⁴“मोसे तू का चाहत बाट्या, नासरत क ईसू? का हम पचन्क बरिबाद करइ क आइ बाट्या? मई जानत हउँ तू का अहा, तू अहा परमेस्सर क पवित्तर मनई!”

²⁵मुला ए पइ ईसू फटकारेस, “खामोस रह, ओहका छाँड़िके चला आवा।”²⁶तबहिँ दुस्ट आतिमा उ मनई क हिलाइस अउर खूब जोर स चिचिआन। फिन ओहमँ स बाहेर आइ गइ।

²⁷एहसे हर मनई अचरज मँ पड़ि गवा। सब मनइयन आपुस मँ पूछइ पछोरे लागेन, “हिआँ इ कावा? इ मनई एक तु नई सिच्छा देत बाटइ। उ मुड्ड गियान स सिखवत अहइ। उ दुस्ट आतिमन क हुकुम देत हय अउर उ पचे ओहका मानत हीं।”²⁸यह बरे गलील अउ ओह के चारि उँ कइँती ईसू क नाउँ तुरंतइ फइल गइ।

ईसू ढेर मिला क चंगा कीहेस

(मती 8:14-17; लूका 4:38-41)

²⁹ईसू अउर ओकर चेलन आराधनालय तजि दिहन अउर सोझे याकूब अउ यूहन्ना क संग समौन अउर अन्द्रियास क घरे गएन।³⁰समौन क सास बोखारें स बिछउना प पहुँडी रही। तउ उ सब तुरंतहिँ ईसू क ओकरे बारे मँ बताएँन।³¹तइसे उ ओकरे नगिचे गवा। ओकर हथवा पकरि के ओका उठाएस। बोखारें ओहका छाँड़ि दिहस अउर उ सबन्क सेवैकाई करइ लाग।

³²सूरज बूडे क बाद सांझ होइ जाए प उ सब लोग ढेर बेरमियन्क अउर जेनका दुस्ट आतिमन बियाधत रहा, ईसू क नगीचे लिवाइ लाएँन।³³अउर समूचा सहर दुआरे

सबित क दिन यहूदी हफता क सतवाँ दिन। इ यहूदियन क खास दिन धरम बरे अहइ।

आराधनालय हुवाँ यहूदि लोग इकट्ठा होइके आपन धरम सास्तर बाँटत रहेन अउ पराथना करत रहेन।

प जम गवा।³⁴जउन तरह तरह क रोग स बेरमिया रहेन ओन सबन्क बेमारी स जरटुट किहेस अउर बहोत स दुस्ट आतिमन भगाय दिहस। उ दुस्ट आतिमन बोलइ दिहस नाहीं, यह बरे कि उ सब ओहका जान गएन।

ईसू सुसमाचार सुनावइ क तइयारी करेस

(लूका 4:42-44)

³⁵बड़े भिन्सारे जब मुँह अधियर रहा, ईसू जागि गवा। ओकरे बाद घरवा स बाहेर अकेल्ले मँ अउर उजाड़े मँ गवा, हुवाँ उ पराथना करेस।³⁶पाछे समौन अउ ओकर साथी ईसू क हेरत-हेरत बाहेर गएन।³⁷उ पचे ओहका हेरि के ओसे कहेन, “हर मनई तोहका हेरत अहइ।”

³⁸फिन ईसू ओन्से कहेस, “हमका आसपास क नगरन मँ जाइ चाही। तबहिँ उ सबन ठउरन मँ मई उपदेस दइ सकत हउँ। एही बरे मई आइ हउँ।”³⁹अइसे उ गलील क सब ठउरन मँ ओनके आराधनालयन मँ उपदेस देत अउर संग संग दुस्ट आतिमा क भगावत रहा।

ईसू कोढ़ी क चंगा कीहेस

(मती 8:1-4; लूका 5:12-16)

⁴⁰फिन एक तु कोढ़ी ओकरे निअरे आवा अउर उ निहुरि के ईसू स बिनती किहेस, “जउ तू चाहा, तू मोका चंगा कइ सकत ह।”

⁴¹ओकर जिअरा द्या स भरि गवा। फिन उ आपन हथवा फइलावत ओका छुडके कहेस, “मई चाहत हउँ, तू नीक हवा।”⁴²तबहिँ फउरन ओकर कोढ़ जरटुट होइ ग अउर उ नीक होइ ग।

⁴³ईसू ओका जाइक बरे कहेस मुला ओका एक करी चिताउनी दिहस,⁴⁴देखा, तू एँकरे बारे मँ कउनो स कछुहिँ जिन कहया। फिन जा, आपन्क याजक क देखाउँ। परमेस्सर क भेंट द्या जेह बरे तू नीक होइ गया। अउर जइसा मूसा क व्यवस्था बताएस,* वइसा आपन नीक होइ क भेंट दया। जइसे इ एक सनद रहइ।”⁴⁵फिन उ मनई चला गवा, अउर बेधइक बतावइ लाग अउर खबरिया क प्रचार करइ लाग। एँहसे ईसू अजादी स कस्बन मँ जाइ न सका। आखिर उ अकेल्ले मँ अउर उजड़े ठउरन मँ टिकइ लाग। सब मिला ठउर ठउर सा ओकरे नगिचे आवत रहेन।

ईसू लकुआ क मरीज चंगा कीहेस

(मती 9:1-8; लूका 5:17-26)

2 कछू दिन पाछे ईसू कफरनहूम फिन आइ गवा। इ खबर फैलि गइ कि उ घरे मँ बा।²एँतना ढेर क मजमा ओका सुनइ बरे जमा भवा कि ओकर घरवा भरि गवा। हुआँ तिल धरइ क ठउर नाहीं रहा अउर

दुआरे क बाहेर भी नाहीं रहा। उ मनइयन क उपदेस देत रहा। ³कछू लोग लकुआ क रोगी क ईसू क निअरे लाएन। लकवा क रोगी का चार मनई लाद कर लावत रहेन। ⁴पर उ लोग उ मनई का ईसू के पास न लाइ पायन-काहेकि घरवा लोगन स भरा रहा। यह बरे जहाँ ईसू रहा, ओकरे ऊपर क छत्तिया प गएन अउर छत्तिया क खोदि के एक ठो धोंधका बनाएन। तबहिं उ पचे बिछउना क तरखाले कइ दिहन, जेह प लकुआ क बेरमिया ओलरा रहा। ⁵जब ईसू देखेस कि उ सब केतेना गहरा बिसवास रखत हीं, उ लकवा क रोगी स कहेस, “बेटवा! तोहार पापक छमा कर दीह!”

“हुवाँ कछू धरम सास्तिरियन बइठा रहेन। उ पचे आपन आपन मनवा मैं गँथत मथत रहेन। ⁷“काहे इ मनई अइसे कहत बाटइ? उ परमेस्सर क दुरि आवत बाटइ। सिरिफ परमेस्सर क छाँड़ि क कउन पापन क छमा करी?” ⁸ईसू आपन आतिमा मैं फउरन जानि गवा कि इ धरम सास्तिरियन ओकरे बारे मैं का बिचारत अहई। तउ ईसू ओनसे कहेस, “तू सब आपन जिअरा मैं इ सब काहे बिचारत अहा? ⁹जिआदा असान का अहइ-इ लकुआ क बेरमिया क कहब, ‘तोहार पापक छमा दइ दीन्ह’, की कहब, ‘उठा। आपन बिछउना उठावा, अउर चला’? ¹⁰मुला मई तोहका प्रमान देब कि मनई क पूत क भुइयौं प पापक छमा करइ क हक अहइ।” फिन ईसू लकुआ क बेरमिया स कहेस, ¹¹“मई तोहका कहत अही, उठा। आप बिछउना उठावा अउर घरे जा।” ¹²ये पइ उ उठि गवा अउर आपन बिछउना हालि हालि उठाएस अउ मनइयन क देखतइ देखत उ बइठका स चल दिहस। यह बरे, उ सब अचरजे मैं पड़ि गएन अउर परमेस्सर क प्रसंसा किहेन फिन कहेन, “हम पचे अस जइसा कबहुँ न देखा।” ¹³एक दाई ईसू फिन उ झिलिया क तीरे गवा, हुवाँ ढेर मिला ओकरे नगिचे गएन। ईसू ओनका उपदेस दिहस। ¹⁴जइसे उ झिलिया क किनारे जात रहा, चुंगी क उगहिया हलफई क बेटवा लेवी क निहारेस। उ चुंगी घरे मैं बइठा रहा। ईसू लेवी स कहेस, “मोरे पाछे आवा।” तउ उ उठि खड़ा भवा अउर ओकरे पाछे गवा।

¹⁵उ दिना क बाद ईसू आपन चलन क लइ के ढेर चुंगी क उगहियन अउर पापियन क संग राति क खइया खात रहा। जेहमाँ ओकर चलन ढेर जने रहेन। ¹⁶जब फरीसियन*क कछू धरम सास्तिरियन देखेन कि ईसू चुंगी क उगहियन अउर पापियन क संग जँवत रहा। उ पचे ईसू क चलन स पछेन, “उ काहे चुंगी क उगहियन अउर पापियन क संग जँवत अहइ?”

¹⁷ईसू अनकेस अउर ओनसे कहेस, “जउन हिट्ट पुट्ट मनई अहई, का ओनका बैद्य चाही? मुला जउन

बरेमिया अहई, ओनका बैद्य चाही। मई धर्मी बरे नाहीं मुला पापियन लोगक बोलावइ आइ हई।”

ईसू दूसर धार्मिक नेतन स निराला

(मती 9:14-17; लुका 5:33-39)

¹⁸यहून्ना क चलन अउर फरीसियन लोग उपास* करत रहेन। कछू मनइयन ईसू क लगे आइके पछेन, “काहे बरे यहून्ना क चलन अउर फरीसियन क चलन उपास धांस करत हीं; मुला तोहार चलन काहे उपास नाहीं करतेन?”

¹⁹ईसू जवाब दिहस, “जब बियाह मैं बराती जब तलक दुल्हा क संग रहत ही, तब तलक उ दुखी नाहीं रहतेन। जब तलक दुल्हा संग रहत हीं तब तलक उ पचे उपास नाहीं करतेन। ²⁰लेकिन समइ आइ जबहिं दुल्हा ओनसे अलगाइ दीन्ह जाई अउर बराती दुखी रहि हीं। तबइ उ सब उपास रखिहीं।

²¹“केउ कउनो पुरान कपरा प बेसिकुरा नवा कपरा क पइबंद नाहीं लगावत। यदि उ अइसा करत ह, उ नवा कपरा क पइबंद पुरान कपरा क लई बइठत ह। अइसे फटा कपरा क खोंच अउर बड़ जाई। ²²मनई कबहुँ पुरान मसकन मैं नई दाखरस भरतेन नाहीं। काहे? नई दाखरस पुरान मसकन क फोरे देई। अउर एँहसे नई दाखरस अउर मसकन बरिबाद होइ जइहीं। यह बरे मनई नई दाखरस क नई मसकन मैं धरत ह।”

कछू यहूदियन ईसू क नुकताचीनी किहेन

(मती 12:1-8; लुका 6:1-5)

²³अइसा भवा कि ईसू सबित क दिन अनाजे क खेतन्से जात रहा। अउर ओकर चलन संग संग जात रहेन। ओकर चलन जात जात अनाजे क बलिया खाइ बरे नोचेन। ²⁴फरीसियन देखेन अउर ईसू स कहेन, “देखा सबित क दिन ओ पचे काहे अइसा करत अहई। अइसा करब इ दिन क व्यवस्था क माफिक नाहीं।”

²⁵एह पइ ईसू ओनसे कहेस, “तू सबइ दाऊद* क बारे मैं पढ़या ह कि उ का करेस ह। जब उ अउर ओकर साथी संगी क भूख लाग अउर ओनका खइया क जरूरत भइ? ²⁶का तू पढ़या नाहीं कि जब अबियातार एक महायाजक रहा, तब दाऊद कइसे परमेस्सर क मंदिर मैं गवा अउर चढ़ावा मैं चढ़ी रोटी खाएस जउन परमेस्सर क चढ़ाई गइ रही। जउन मूसा क व्यवस्था क माफिक कउनो क बरे नाहीं मुला याजकन क खाइ क बरे रही। दाऊद सबन्क कछू रोटीन्क दिहस जउन ओकरे संग रहेन?”

उपास आराधना अउ पराधना क खास समइ प बिन खाए पिए रहब या रोअइ क समइ प।

दाऊद इब्राएल क राजा, मसीह क 1000 बरिस पहिले।

फरीसियन एक यहूदी धार्मिक समूह, जउन मूसा क व्यवस्था अउ रीति रिवाज क कट्टर होइके मानत रहा।

27ईसू ओनसे कहेस, “सबित क दिन मनई बरे बनवा ग रहा, मुला मनई सबित क दिन बरे नाहीं। 28यह बरे मनई क पूत* सबित क पर्भू भी।”

ईसू सुखंडी हाथ क बेरमिया क चंगा किहेस

(मती 12:9-14; लूका 6:6-11)

3 एक दाई फिन ईसू आराधनालय मँ गवा। हुवाँ एक ठो मनई रहा जेकर हाथ सुखंडी होइ गवा रहा। 2कछू यूहूदी अँखिया गड़ाइ के ईसू क निहारत रहेन कि का उ रोगी क सबित क दिन नीक करी। जदि गलती भए प ओका दोखी कहइँ। 3ईसू सुखंडी हाथे क मनई स कहेस, “हिआँ खरा होइ जा जइसे सब जने तोहका निहारि सकइँ।”

4तब ईसू ओनसे कहेस, “सबित क दिन का करइ क नीक बाटइ? की भलाई करब या बुराई? का ई नीक बाटइ जीउ क बचाउब की मारब?” जवाबे मँ ईसू स उ पचे कछू नाहीं कहेन।

5उ गुस्सा मँ ओन पचन क देखेस। ओनके मन क कठोर भए स उ दुखी भवा। फिन उ मनई स कहेस, “आपन हथवा आगे कइँती फइलाव।” उ मनई हथवा ईसू कइँती फइलाएस अउर पहिले जइसा नीक होइ ग। 6तबहि सबहि फरीसियन हुवाँ स चल दिहन, अउर तुरंतहि हेरोदियन स मिलि के ओकरे खिलाफ जाल बिछावइ लागेन कि कइसे ओका जान स मारि सकिहीं।

बहोत लोग ईसू क पाछे चलेत लगें

7ईसू आपन चलन क संग गलील झील गवा। गलील क बहुत स लोग ओके पाछे होइ लिहेन। 8बहुत स लोग यहूदिया, यरूसलेम, इरूमिया अउर यरदन नदिया क पार क पँट्टा सूर अउर सैदा स आएन। ई मनइयन यह बरे आएन कि ओकरे काम क बारे मँ सुनि लिहन जउन उ करत रहा।

9भिड़िया क मारे उ आपन चलन स कहेस—एँक छोटकी नाउ तइयार करा, जेह बरे भीड़ ओका कुचर न डावइ। 10उ बहोतन क नीक कीहेस इ नाते उ सब जेनका बेरामी रही, ईसू क छुवइ क बरे भिड़िया क धाकियावत भए रस्ता बनवत चला आवत रहेन। 11कछू मनई आपन भीतर दुस्ट आतिमन धरे रहेन। जब कबहुँ दुस्ट आतिमन ओका निहारत रहँ, उ सबइ ओकरे सोझे ढणवत करेन अउर चिचिआनिन, “तू परमेस्सर क पूत अहा।”

12मुला उ दुस्ट आतिमन क करी चिताउनी देत रहा, अइसा न बतावइ क उ कउन अहइ।

मनई क पूत ईसू परमेस्सर क पूत रहा।

दानि. 7:13-14 मँ इ मसीह क नाउँ अहइ जेका परमेस्सर मनइयन क उद्धार करइ बरे चुने रहा।

ईसू बारह प्रेरितन क चुनेस

(मती 10:1-4; लूका 6:12-16)

13फिन ईसू पहाड़ी प गवा अउर उ ओनही मनइयन क बोलाएस जेका उ चाहत रहा। उ सब ओकरे लगे गएन। 14जेहमँ स उ बारहु क चुनेस अउर ओनका प्रेरितन* क ओहदा दिहेस। उ ओनका यह बरे चुनेस कि उ सब ओकरे संग रहइँ अउर उपदेस प्रचार बरे बाहेर पठइ सकइ। 15अउर उ पचे दुस्ट आतिमन क खदेरइ क हक रक्खइँ। 16एहि तरह बारहु मनइयन क उ चुनेस। समौन (जेका उ पतरस क नाउँ दिहेस), 17जब्दी क बेटवा याकूब अउर यूहन्ना (जेकर नाउँ उ बूअनरगिस दिहेस, जेकर अरथ अहइ “गर्जन क बेटवा”); 18अन्द्रियास, फिलिप्पुस, बरतुलमै मती, थोमा, हलफई क बेटवा याकूब, तदै समौन कनानी* 19अउर यहूदा इस्करियोती जउन पाछे ओका धोखा दिहेस।

यहूदियन कहेन कि ईसू मँ सइतान बाटइ

(मती 12:22-32; लूका 11:14-23, 12:10)

20तब ईसू घरे गवा। एक दाई फिन एक भारी भीर घेर लिहस। अइसा भवा कि ईसू अउर ओकर चलन खइया के नाहीं खाए पाएन। 21जबहि ओकरे परिवारे क निअम्बर एँकरे बारे मँ सुनि लिहन तबहि उ सब ओका लेवाँवइ चलेन। इ सोचिके सब मनइयन कहत बाटेन कि ओकर मन ठेकाने नाहीं।

22यरूसलेम स आइ भएन धरम सास्तिरियन कहेन, “ओहमँ बालजबूल (सइतान) घुसि ग अहइ। दुस्ट आतिमन क सरदार क ताकत स उ दुस्ट आतिमन क मनई स भगावत अहइ।”

23ईसू ओन पचे क एकटठइ बोलाएस अउर दिस्तान दइ के कहइ लाग, “कइसे सइतान मनई स सइतान क भगाइ देई? 24जदि एक तु राज्य मँ आपन खिलाफ फूट परि जाइ तउन उ राज्य टिक सकत नाहीं। 25जदि एक परिवार आपस मँ बैँटि जाइ तउ उ बचि सकत नाहीं। 26जदि सइतान खुद आपन खिलाफ होइ जाइ अउर फूट डारी तउ उ बचि पावत नाहीं। आखिर मँ उ बरिबाद होइ जाई। 27जदि कउनो बरिआर मनई क घरे मँ घुसिके ओकर सब असबाब ढोइ सकत नाहीं; जब तलक पहिले सब ते बरिआर मनई बाँध न देइ। तब इ उ घरवा क लूटि लेइ। 28मई तोसे सच सच कहत अही। लोगनक हर किसिम क पापन अउ कच्ची पक्की बात जउन उ सब एक दूसर क बोलेन ह, उ सबनक छमा कीन्ह जाई सकत ह। 29मुला जउन पवित्तर आतिमा क बेजती करी ओका छमा कबहुँ न होई। एकरे बजाय न खतम होइवाला पाप का उ भागी होई।”

प्रेरितन धरम सदेस पठवइ मँ सहायक।

कनानी यहूदी क राजनीति दल क निअम्बर।

³⁰यह बरे ईसू कहत रहा कि धरम सास्तिरियन कहत रहेन कि ओहमाँ दुस्त आतिमा सवार अहइ।

ईसू क चेलन ओकर सच्चा परिवार

(मती 12:46-50; लूका 8:19-21)

³¹तबहिँ ईसू क महतारी अउर ओकर भाइयन आएना। उ सब बाहेर खरा भएन अउर कउनो एक क ओकरे निअरे बाहेर आइ क पठएन। ³²ओकरे चारिहुँ कइँती भरि बइठी रही। उ ओसे कहेस, “देखा! तोहार महतारी, भाइयन तोहका पूछत अहइँ।”

³³जवाबे में ईसू ओनसे कहेस, “कउन मोर महतारी अउ कउन मोर भाइयन अहीं?”

³⁴ईसू आपन क चारिहुँ कइँती बढेते मनइयन प देखिके कहेस, “ई अबहिँ मोर महतारी अउर मोर भाइयन। ³⁵जउन परमेस्सर क इच्छा पूरी करइ उ मोर भाई, बहिन अउर महतारी अहइँ।”

बिया बोवइ क दिस्टान्त

(मती 13:1-9; लूका 8:4-8)

4 फिन ईसू झील क तीरे उपदेस देइ लाग। ओकरे चारिहुँ ओर भारी भीर जमा होइ गइ। एसे उ झील में डारी भई नाउ प जाइके बइठा। सभई लोग झील क तीरे धरती प ठाड़ रहा। ²उ ओनका ढेर कइ बतिया दिस्टान्त क संग सिखाएस। आपन उपदेस में कहेस, ³“सुन ल्या! एक ठु किसान आपन बिया बोवइ गवा। ⁴जब उ बिया बोवत रहा कछू बिया राह क किनारे गिर गवा। चिरियन आइन अउर चुन लिहन। ⁵कछू बिया पथरही भुइयाँ प गिरा, जहँ थोड़ माटी रही। हाली स अँखुवाइ गवा काहेकि माटी गहरी नाहीं रही। ⁶जब सूरज निकरा, उ सबइ पउधन झुराइ गएन। एही कारण जरिया न होइ बिना कुम्हिलाइ गएन। ⁷अउर कछू काँटन में जाइ गिरेन। कँटही झाड़ी बाड़ी अउर ओनका दहबोच लिहन। एहमाँ दाना नाहीं पइदा भवा। ⁸कछू बिया बढिया खेतन में बिखराइ गएन। इ बढिया खेतनमें जामेन, बाढ़ेन अउर दाना पइदा करेन। इ बिया तीस गुना, साठ गुना अउर हिअँ तलक कि सउ गुना फसल भइ।”

⁹तबइ उ कहेस, “तोहरे पास जेकरे कान होइ तउ उ सुन लेइ।”

ईसू कहत ह उ काहे दिस्टान्त बइपरत ह

(मती 13:10-17; लूका 8:9-10)

¹⁰फिन जब अकेल्लोँ रहा, तउ बारहुँ प्रेरितन अउर दूसर मनइयन ओकरे चारिहुँ ठई रहेन, उ सबइ ओसे दिस्टान्त क बारे में पूछेन।

¹¹उ ओनसे कहेस, “तू सबन्क परमेस्सर क राज्य भेद बताइ दीन्ह। मुला ओनके बरे जउन बाहेर क अहइँ सब बातन दिस्टान्त दीन्ह गइ अहइँ। ¹²यह बरे:

‘उ सब देखई अउर देखतइ रहई मुला कछू सूझइ नाहीं; सुनि लेई अउर सुनतइ रहई, मुला कछू बूझइ नाहीं। नाहीं तउ, उ सब घूमि जाई अउर छमा कइ दीन्ह जाइ।”

यसायाह 6:9-10

बिया बोवइ क दिस्टान्त क समझाउब

(मती 13:18-23; लूका 8:11-15)

¹³उ ओनसे कहेस, “का तू इ दिस्टान्त क समझ पउत्या नाहीं तउ अउ कउनो दिस्टान्त क कइसे समझ पउब्या?”

¹⁴“बिया क बोवइया जउन बोवत ह, उ परमेस्सर क उपदेस अहइ। ¹⁵कछू जने राहे क उ सब बिया क तरह अहई, जहाँ उपदेस बोइ गवा रहा। जब उ सुनत हीं, सइतान तुरंतहिँ आवत ह उ उपदेस क लइ जात ह, जउन बिया बोवा रहा। ¹⁶कछू जने उ बिया क तरह अहई जउन पथरही धरती में बोवा ग रहेन। जब उ उपदेस सुनत हीं, उ पचे फउरन उपदेस खुसी स अपनाइ लेत हीं। ¹⁷लेकिन उ सब आपन में जर नाहीं धरतेन, उ सब तनिक समझ्या में रह पावत हीं। पाछे जब उपदेस क कारण बिपत आवत ह अउर खूबइ सतावा जात हीं, उ पचे फउरन बिसवास खोइ देत हीं। ¹⁸अउर दूसर मिला कँटही झाड़ी में बिया क बोवइ क तरह अहई। ई मनइयन उपदेस क सुनत हीं। ¹⁹मुला जिन्नगी क चिन्ता धन, लालच अउर दूसर चीजन्क इच्छा ओनके मनवा में आवत ही उपदेस क दबोच लेत हीं। फिन ओन प फर लागत नाहीं। ²⁰दूसर उ बिया क तरह अहई जउन बढिया भुइँया प बोइ ग अहई। ई पचे उ अहीं जउन बचन सुनत हीं अउर अंगीकार करत हीं। ओन प फर लागत ह-कहुँ तीस कहुँ साठ अउर कहुँ सउ गुना या जिआदा।”

जउन तोहरे पास अहइ ओका बइपरत

(लूका 8:16-18)

²¹फिन ईसू ओनसे कहेस, “का कहुँ दिया यह बरे लियाइ जात ह कि एक खोरा या बिछउना क नीचे धरा जाइ? का एँका डिबटे प धरइ बरे नाहीं लिआइ जात? ²²अइसे अइसा कछू नाहीं गुप्त है जेका छिपाइ क धरा जाइ अइसा कउनो रहस्य नाहीं जउन खुलि न सकइ। हर छिपाइ गइ बात खुलि के समन्वा आई। ²³तोहरे पास जेकरे कान होइ तउ उ सुनि लेइ।

²⁴“धिआन द्या जउन तू सुनत अहा। जउन नपना तू दूसर बरे बइपरत अहा, तउन नपना स तू नापा जाब्या। लेकिन तोहरे बरे कछू अउ जोरि दीन्ह जाइ। ²⁵जेकरे पास अहइ ओका अउर दीन्ह जाई अउर जे धरे नाहीं, जउनहुँ कछू धरे होइ ओसे उहइ लइ लीन्ह जाई।”

बिया क दिस्तान्त

²⁶फिन ईसू कहेस, “परमेस्सर क राज्य अइसा अहइ-कउनो मनई खेतवा मँ बिया छितरावइ। ²⁷रतिया मँ सोवइ अउर दिनवा मँ जागइ। बिया अँखुवाइ, इ सबइ बाढ़ई। उ जानत नाहीं, इ कइसे होत अहइ। ²⁸भुईया खुदइ दाना उपजाइ देत ह। पहिले अँखुवा, तब बाले फिन बाले मँ समुचइ दाना। ²⁹जब दनवा पकि जात ह, तबहिं फउरन हसुआ काटइ बरे धरत ह। यह बरे कि फसल काटइ क अहइ।”

रइया क दनवा क दिस्तान्त

(मती 13:31-32, 34-35; लूका 13:18-19)

³⁰फिन ईसू कहेस, “मई कउने तरह बताई कि परमेस्सर क राज्य अइसे अहइ? मई ओका समझावइ क बरे कउन स दिस्तान्त बइपरी? ³¹उ सरसों क दाना क नाई अहइ। इ सबते छोट अहइ जब तू भुईया मँ बोवत ह। ³²जबहिं तू एँका रोपि देत ह, इ बाढ़ छोड़िके बगिया क पउधन मँ सब ते बइवार होइ जात ह। एँहमँ बड़ी-बड़ी डारि आवत हीं। एँसे चिरिया आपन घांसला छाया मँ बइठइ बरे बनावत हीं।”

³³एँकरी तरह ढेर तु दिस्तान्त स उ उपदेस दिहेस, जेतना उ पचे समझि सकत रहेन। ³⁴ईसू उनसे बगइर दिस्तान्त क कछू नाहीं कहेस। मुला जब उ अकेल्ला मँ आपन चलन क संग अकेल्ला होत, उ सब बातन ओनसे खोलिके समुझाएस।

ईसू बाँडर क रोक देत ह

(मती 8:23-27; लूका 8:22-25)

³⁵उ दिन जब सांझ भइ, ईसू ओनसे कहेस, “मोरे साथ झिलिया क ओह पार आवा।” ³⁶जइसेन ईसू अउर ओकर चलन भिरिया क छोड़ि दिहन अउर जउनी हालत मँ ईसू रहा, वइसेन ओहका चलन नाउ मँ लइ चलेन। हुवाँ दूसर नाउन ओकरे संग रहीं। ³⁷एक तु भारी बाँडर आवा अउर लहरन नाउन क धकियावत अउर नाउ क भीतर आवत रहीं। एँसे ओहमँ पानी भरि जाइवाला रहा। ³⁸लेकिन ईसू नाउ क पाछे भाग मँ तकिया लगाइ क सोवत रहा। चलन ओका जगाइन अउर ओसे कहेन, “हे गुरु, का तोहका धियान नाहीं बा कि हम पचे बूडत अही।”

³⁹तबहिं ईसू जागा अउर हवा क फटकारेस अउर लहरन स कहेस, “सान्त! थमि जा!” तइसे बाँडर पटाइ गवा अउर खूबइ सान्ति आइ गइ।

⁴⁰फिन ईसू ओनसे कहेस, “तू काहे डेरात बाट्या? अब तलक तोहका बिसवास नाहीं भवा?”

⁴¹मुला उ पचे डराइ गएन अउर उ पचे आपस मँ कहइ लागेन, “आखिर इ कउन बा कि आँध अउर पानी ओकर हुकुम मानत हीं?”

ईसू मनई क दुस्त आतिमा स छोड़ोवत ह

(मती 8:28-34; लूका 8:26-39)

5 फिन उ सब झिलिया क ओह पार गिरासेनियान क देसे मँ पहुँच गएन। ²जब ईसू नाउ स बाहेर आवा, तबहिं एक मनई जेहमँ दुस्त आतिमा रही, कब्रे मँ स ईसू स फउरन भेंटइ आइ। ³इ मनई कब्रन मँ रहत रहा। अउर कउनो ओका बाँधि सकत नाहीं रहा, हियाँ तलक जंजीर उ नाहीं बाँधि सकेस। ⁴जबहिं ओकर गोड़वा बेड़ी अउर जंजीर स बाँधा जात, उ जंजीरिया क तोरि डारत अउ बेड़ियन्क चकनाचूर। कउनो ओका काबू मँ नाहीं लिआइ पावा। ⁵कब्रन मँ अउर पहाड़ियन्क एकदम्मइ दिन-रात हर समइ उ चीखत चिचिआत रहा अउर आपन क पाथर स पीटत रहा। ⁶जब उ ईसू क दूर स देखेस, ओके निअरे धावा अउर ओकरे समन्वा दण्डवत करेस। ⁷⁻⁸फिन बड़े जोर स चिचिआन अउर कहेस, “तू मोसे का चाहत ह, सबन ते ईसू, सर्वोच्च परमेस्सर क पूत? मोर बिनती अहइ तोहका परमेस्सर क सपथ कि तू मोका दंड न देइ।” ईसू ओसे कहत रहा, “अरी दुस्त आतिमा, तू इ मनई स बाहेर आवा।”

⁹तब ईसू ओसे पूछेस, “तोहार का नाउँ अहइ?” फिन उ ईसू स कहेस, “मोर नाउँ सेना अहइ, काहेकि हम बहोत स अही।” ¹⁰उ मनई बार बार ओसे बिनती करेस कि उ पचेनक उ पहुँटा स जिन निकारा।

¹¹हुवाँ पहाड़िया के पास सुअरन क झुंड चरत रहा। ¹²दुस्त आतिमन ईसू स कहत कहत बिनती करेन, “हमका सुअरिनन मँ पउइ द्या, जेसे हम ओहमँ घुसि जाई।” ¹³तब उ ओनका हुकुम दिहेस। तबइ दुस्त आतिमन मनई स बाहेर आइके सुअरिनन मँ गईन। अउर उ झुंड जेहमँ करीब दुइ हजार सुअर रहेन, झील क ढालू तरि कइती दउडेन अउर सब झील मँ बूड गएन।

¹⁴जउन लोग सुअरिनन क रच्छा करत रहेन, पराय गएन उ पचे सहर अउर गाउँ मँ इ खबर फइलायन। अउर सब मनइयन देखइ आएन कि का भवा। ¹⁵उ सब ईसू क नगिचे पहुँचेन। उ सब दुस्त आतिमन क सवार भइ मनई प देखेन। उ कपरा पहिरे रहा अउर दिमागे स नीक होइ गवा। इ उहई मनई रहा जेहमँ बहुत स दुस्त आतिमन क सवारी रही अउर उ सब डेराइ गएन। ¹⁶जउन इ घटना क देखे रहेन उ मनइयन क नीके स समझाइन कि जेहमँ दुस्त आतिमन क सवारी रही, अउर सुअरन क का भवा। ¹⁷तब मनइयन ईसू स बिनती करइ लागेन कि उ ओनके पहुँटा स चला जाइ। ¹⁸जइसे उ नाउ मँ चढ़इ लाग, तबहिं जउने मनई मँ दुस्त आतिमन आइ रही, ईसू स बिनती संग जाइ बरे किहेस।

¹⁹ईसू आपन संग जाइ बरे हुकुम नाहीं दिहस, लेकिन कहेस, “आपन लोगन्क बीच घरे जा अउर ओनका इ सब बतावा जउन पभू तोहरे बरे किहेस ह। अउर ओनका इ ही बतावा कि दया कइसे पभू करेस ह।” ²⁰तउ उ

मनई चला गवा अउर दिकापुलिस* क मनइयन क कहइ लाग कि केतना बेरि क ईसू ओकरे बारे किहस ह। एसे सब मनई अचरजे में पड़ि गएन।

एक ठु मरी लरिकी अउर बेरमिया स्त्री क जिन्गी अउर चंगा करब

(मती 9:18-26; लूका 8:40-56)

21ईसू अब फिन झिलिया क उ पार गवा। ओकरे चारिहुँ कइँती बहोत भारी भीर जमा होइ गइ। उ झिलिया क तीरे रहा। 22तबहिँ आराधनालय क अधिकारी जेकर याईर नाउँ रहा, हुवाँ आइ अउर ईसू क देखेस फिन ओकरे गोड़वा पर गिरि गवा। 23वँइसे चिरउरी बिनती करत कहेस, “मोर छोट बिटिया मरइ क अहइ। मोर बिनती अहइ कि तू मोरे संग आवा आपन हथवा ओकरे मूँडे प धइ द्या। एसे उ नीक होइ जाइ अउर जी जाई।”

24तउ ईसू ओकरे साथे गवा। बहोत भारी भीर ओका पछुआवत रही, जेसे उ दबा जात रहा।

25हुवाँ एक ठु स्त्री रही, जेकर बारह बरिस स लहू जारी रहा। 26उ बैद्यन स दवाई करवावत करवावत बहोतइ तकलीफ उठाइस। उ सब कछू खरिच कइ डाइस जउन उ धरे रही। मुला उ तनिकउ जिआदा नीक नाहीं होत रही; ओकर हालित जिआदा बिगड़त जात रही। 27जइसे उ ईसू क बारे में सुनेस, वँइसे उ पाछे भिरिया में आइ अउर ओकर ओढ़ना छुइ लिहस।

28आपन मनवा में उ सोचत रही, “जदि मई ओकर ओढ़ना छुइ पाई तउ मई नीक होइ जाब।” 29अउर तुरंतहि खुनवा बहइ क जगह सुखाइ गइ। आपन तन में अइसा जानेस कि ओकर दिकदारी नीक होइ ग। 30अउर ईसू फउरन महसूस करेस कि ओसे सक्ति निकर गइ। उ भिरिया कइँती घुमेस अउर पूछेस, “कउन मोर ओढ़ना छुएस?”

31ओकर चेलन ओका बताएन, “तू देखत अहा कि भिरिया तोहका घेरित अहइ। यह पइ तू पूछत अहा, ‘कउन मोका छुएस?’”

32उ चारिहुँ कइँती निहारत रहा कि कउन अइसा करेस ह। 33तबबई एक ठु स्त्री इ जानत भइ कि ओहका का भवा ह, डर स काँपत आइ अउर ओकरे समन्वा गोड़वा प गिर पड़ी अउ उ सबइ सच सच कबूलेस। 34तबहिँ ईसू ओसे कहेस, “बिटिया! तोहार बिसवास तोका बचाएस। चइन स रहा, अउर दिकदारी स बची रहा।”

35जब उ बोलतई रहा याईर, आराधनालय क अधिकारी क घरे स कछू लोग आएन अउर ओसे कहेन, “तोहार बिटिया मरि गइ। अब गुरु (ईसू) क बेफजूल काहे क तकलीफ देत अहा?”

36ईसू अनकेस कि उ पचे का कहेन अउर आराधनालय क अधिकारी स कहेस, “डरा जिन, मुला बिसवास करा।”

37-38फिन ईसू सबक छौँडिके सिरिफ पतरस, याकूब अउर याकूब क भाई यूहन्ना क संग लइके आराधनालय क अधिकारी क घरे गवा। उ निहारेस कि हुवाँ खलबली मची बाटइ। उ मनइयन क जोर स चिचिआब पुपुआब अउर रोवत देखेस। 39उ भीतर गवा अउर ओनसे बोला, “काहे का इ सब खलबली अउर रोवत पीटव? बचनी मरी नाहीं बा, उ सोवति अहइ।” 40उ सब ओहपइ हँसेन। ईसू सबक बाहेर खदेरेस। बिटिया क बाप, महतारी अउर जउन ओकरे संग रहेन, सिरिफ ओनका आपन संग रखेस। 41उ बिटिया क हथवा पकड़ेस फिन ओसे कहे, “तलीता कूमी” (अरथ अहइ “छोट बिटिया मई तोहसे उठइ क कहत हउँ।”) 42छोटवार बिटिया फउरन उठि गइ अउर एँहर ओहँर टहरइ लाग। (उ बिटिया बारह बरिस क रही।) सगतइ आलिम अचरज में पूरी तरह आइ गवा। 43ईसू ओनका करी हुकुम दिहस कि कउनो एँकरे बारे में पता न चलया। फिन उ बोलेस कि उ बिटिया क कछू खइया क द्या।

ईसू क आपन सहर में जाब

(मती 13:53-58; लूका 4:16-30)

6 फिन ईसू उ जगहिया छौँडिके आपन सहर में आइ गवा। पाछे ओकर चेलन भी गएन। 2जइसे सबित क दिन आवा, उ आराधनालय में उपदेस देइ लाग। जइसे उ पचे ओका सुनेन। बेर क मिला अचरज में पड़ि गएन। उ सब कहेन, “इ मनई क कहेँ ते इ सब बातन मिलि गइन। इ कइसी बुद्धि अहइ जउन एँका दीन्ह गइ अहइ। इ अइसा अद्भुत कारजन आपन हथवा स कइसे करत ह? 3का इ उहई बढई नाहीं, जउन मरियम क बेटवा अहइ अउर का इ याकूब, योसेस, यूहूदा अउर समौन का भाई नाहीं? का जउन हमरे हमरे संग हिआ बाटई, उ ओकर बहिनियन नाहीं?” एहि तरह ओनका ईसू क मानइ में असमंजस होत रहा।

4ईसू तब ओनसे कहेस, “आपन जनम भूमि, आपन नातेदार अउर आपन परिवारे क छोड़ि के, एक नबी कतहुँ बेइज्जत होत नाहीं।” 5हुवाँ ईसू कउनो अद्भुत कारजन करेस नाहीं; बजाय एँके उ कछू बेरमियाँ प हथवा धइके ओनका चंगा कइ दिहस। 6ओनके बिसवास न भए प ओका अचरज भवा।

तउ ईसू गाउँ गाउँ में उपदेस देत घूमत रहा। 7उ बारहू चेलन आपन निअरे बोलाएस, अउर दुइ दुइ एँकउट के पठवइ लाग अउर ओनका दुस्त आतिमन प कबिज्यावइ क कहेस। 8उ ओनका सुझाएस कि उ पचे जात्रा में लठिया छोड़िक कछु न लेई; रोटी नाहीं, झोरा नाहीं अउर आपन बटुआ में पइसा हू नाहीं। 9उ सबइ बधियउरी

दिकापुलिस यूनानी भाखा क सब्द जेकर अरथ अहइ दस नगर।

पहिन सकत हीं मुला एक तु जियादा ते बंडी भी नाहीं।¹⁰फिन उ ओनसे कहेस, “जउने घर में तू जा, हुँवा तब तलक जगहिया न छोड़ा जब तलक तू रुका रहा।¹¹अगर कउनो जगह तोहार सुआगत न होइ अउर हुवाँ क मनई तोहका न सुनई तउ हुवाँ स तू चल द्या। आपन गोड़वा क धूरि झाड़ द्या, जेसे ओनके खिलाफ सनद रहइ।”

¹²फिन उ पचे हुवाँ स बाहेर गएन। उ सबइ उपदेस दिहन कि उ पचे, मनफिरावई।¹³उ सबइ ढेर दुस्ट आत्मिन क भगाइ दिहन अउर ढेर बेरमियन क जेतून क तेले स मालिस करत नीक किहेन।

हेरोदेस क बिचार ईसू यूहन्ना अहइ

(मती 14:1-12; लूका 9:7-9)

¹⁴राजा हेरोदेस * एँकरे बारे में सुनेस कि ईसू क नाउँ का जस हर कइँती बिआपि गवा। कछू लोग कहत रहेन, “बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना मउत स जी गवा, अउर इहि कारण अद्भुत कारजन सकित काज करति अहई।”

¹⁵अउर लोग कहत रहेन, “उ ईसू एलिय्याह * अहइ।” अउर मनई कहत रहेन, “इ नबी अहइ की ईसू पुराने जमाने क नबियन क नाई एक तु नबी अहइ।”

¹⁶जब हेरोदेस इ सुनेस, उ कहेस, “यूहन्ना जेकर मई गटइया कटवाएउँ ह, उ मउत स उठि गवा।”

बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क कतल

¹⁷हेरोदेस अपुनहि यूहन्ना क जेलिया में बंद होइ क अउर ओका गिरफ्तार होइ क हुकुम दिहेसि। आपन भाई फिलिप्पुस क पत्नी हेरोदियास क कारन जेसे उ बियाह करेस, उ अइँसा कइ डाएस।¹⁸यूहन्ना हेरोदेस स कहत रहा कि इ तोहका सोहत नाहीं कि तू आपन भाई क पत्नी स बियाह किहा।¹⁹हेरोदियास यूहन्ना क खिलाफ मनवा में डाह राखत रही अउर ओका मारइ चाहत रही, मुला ओका मार सकी नाहीं।²⁰अइसे हेरोदेस यूहन्ना स डेरात रहा अउर ओका मालूम रहा कि यूहन्ना सही अउर पबित्तर क मनई अहइ। यह बरे उ रच्छा करत रहा। हेरोदेस जब यूहन्ना क बारे में सुनत रहा तउ उ जिआदा अकुलाइ जात रहा। तउने प ही ओका यूहन्ना क बारे में बातन सुनइ क सोहॉत रहा।

²¹तबहि संजोग स बढ़िया अउसर आवा। हेरोदेस आपन जन्मदिन पइ बड़वार अधिकारी, आपन सेना क नायक अउर गलील क बड़े लोगन क भोज दिहस।²²अउर जब हेरोदियास क बिटिया भितरे आइके नाचेस। ओसे उ हेरोदेस अउर भोज में आएन मेहमनवन क रिझाइ लिहसे।

हेरोदेस अरथ अहइ हेरोद अंतिपस, गलील अउ पेरिक क सासक अउ महान हेरोद क बेटवा।

एलिय्याह मनई जउन ई.पू. 850 भवा रहा अउर परमेसर क बारे में लोग्क बताएस।

यह पइ राजा हेरोदेस लरकीवा स कहेस, “जउन तू चाहा तउन माँग ल्या। मई तूका जरूर देबा।”²³राजा ओका अकेल्ले सपथ खाइके कहेस, “जउन तू माँगा मई तोहका जरूर देबा। हियाँ तक आपन राज्य क आधा हीँसा।”

²⁴इ सुनि के उ आपन महतारी के निअरे गइ अउर कहेस, “मोका का माँगे चाही?”

तउने प महतारी कहेस, “बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क मूँडी माँगा।”

²⁵अउर उ लरिकी फउरन राजा क नगिचे भीतर गइ अउर पूछेस, “मोका चाही कि तू ताबड़तोर बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क मूँड टाठी में धइ द्या।”

²⁶ऐसे राजा क बहोत दुख भवा। मुला यह बरे ओकर सपथ अउर भोजे प मेहमनवन क कारण उ ओका मना करब नाहीं चाहेस।²⁷तब राजा झटपट एक तु जल्लाद ओकर मूँड काटि लाआवइ क पठाएस। उ गवा अउर जेल में ओकर मूँड काटि लिहस।²⁸फिन ओकर मूँडवा काट कइ टाठी में लइ आइ अउर बिटिया क दिहस। उ एँका आपन महतारी क दिहस।

²⁹जब यूहन्ना क चलन एँकरे बारे में सुनेन तउ उ पचे आएँन अउर ओकर ल्हास उठाएन अउ कब्र में धइ दिहन।

ईसू पाँच हजार स जिआदा मनई क खियाएस

(मती 14:13-21; लूका 9:10-17; यूहन्ना 6:1-14)

³⁰ईसू क चारिहुँ कइँती सुसमाचार क प्रचार करइवाले प्रेरितन ईसू क पास जमा भाएन। जउन उ पचे किहन अउर सिखाएन—सब कछू बताएन।³¹तब ईसू ओनसे कहेस, “तू पचे खुदइ मोरे संग एकांत जगहिया में आवा अउर तनिक आराम करा।” फिन हुवाँ बहोत मनई क आउब जाब लाग रहा। ऐसे उ सब खाइ क समइ नाहीं पाएन।

³²यह बरे उ सब मिलिके खुदइ नाउ स एकांत जगहिया में गएन।³³मुला बहोत जने ओनका जात भवा देखेन अउर पहिचानेन कि उ सब कउन रहेन। इ कारन उ लोग सबहिँ सहरन स हुवाँ धरतिया प धावत गएन अउर उ पचे ओनसे पहिले पहुँचेन।³⁴जबहिँ ईसू नाउ स उतरा, उ एक भारी भीर देखेस। तबहिँ उ ओनके बरे दुखी भवा, इ कारण कि उ सबइ बिना गड़रिया क भेड़ नाहीं रहेन। अइसे उ बहोत बातन सिखावइ लाग।

³⁵तब तलक साँझ होइ गइ। यह बरे ओकर चलन ओकरे नगिचे आएँन अउर बोलेन, “इ एकांत जगह अहइ अउर दिनवा ढरि ग अहइ।³⁶मनइयन क पठवा, जइसे उ पचे नगिचे खेतन अउ गाउँन में जाइ सकई अउ आपन बरे कछू खाइके बेसहि लोई।”

³⁷मुला जवाबे में ईसू ओनसे कहेस, “तू ओनका कछू खाइके द्या।”

उ सब ओसे कहेन, “का हम पचे जाई अउर दुई सौ दीनार *क बराबर रोटी बेसही अउर ओनके खाइ क बाँटी?”

³⁸ईसू ओनसे कहेस, “केतनी रोटी तोहरे पास अहइ? जा अउर देखा।”

जब उ पचे पता पाएन, उ पचे कहेन, “हमरे पाँच तु रोटी अउर दुइ मछरी अहई।”

³⁹फिन ईसू चेलन क हुकुम दिहेस, “हर एक क हरिअर घसिया प पंगत में बइठइ बरे कहा।” ⁴⁰तबहिं उ सब सउ सउ अउर पचास पचास क पंगत में बइठ गएन। ⁴¹तइसेन ईसू पाँच रोटिन्यक अउर दुइ मछरिनक उठाइ के सरग क ओर निहारत भवा धन्यबाद दिहेस अउर रोटिन्यक तोड़ेस। उ आपन चेलन क ओनका बाँटइ बरे दिहेस। ⁴²उ सबइ भरपेट खाएन अउर उ सबइ अघाइ गएन। ⁴³ओकरे बाद उ सब रोटी अउर मछरी क बचा भवा बारह टुकरन क झउआ में उठाएन। ⁴⁴पुरुसन क गनती जउन खइया क खाएन पाँच हजार रही।

ईसू क पानी प चलब

(मती 14:22-33; यूहन्ना 6:15-21)

⁴⁵फिन तुरंत ईसू आपन चेलन नाउ में बइठाएस, जेसे उ सबइ जब भिरिया क बिदाई स पहिले झील क ओह पार बैतसैदा चला जाई। ⁴⁶ईसू भीर क बिदाई क बाद पहाड़ी प पराधना बरे गवा।

⁴⁷जब सांझ भइ, नाउ झिलिया क मँझदार में रही अउर उ भुइयाँ प अकेल्ले रहा। ⁴⁸उ ओनका नाउ खेवत क मुसीबते में देखेस, काहेकि हवा ओनके खिलाफ बहत रही। लगभग तीन स छ बजे क समइ भिसारे उ ओनके निअरे झिलिया प चलत आवा। जइसे हि ओनके निअरे स जाइ क भवा, ⁴⁹उ पचे ओका पानी प चलत भवा निहारेन। उ सब अंजाद लगाएन कि कउनो बड़वार दुस्ट आतिमा अहइ। ऐसि उ पचे डेरत भए चिचिआनेन। ⁵⁰मुला उ पचे ओका निहारेन अउर उ सब ससाइ गएन। तुरंतहि उ ओनसे बोला, “हिम्मत रखा। इ मई हउं जिन डेरा।” ⁵¹फिन उ ओनके संग नाउ प चढ़ि गवा, तब आँधी पटाइ गइ। ऐसि उ सबइ अचरज में पड़ि गएन। ⁵²उ पचे रोटियन क अदभुत कारज क बारे में समझ पाएन नहीं। ओनके दिमागे कठोर होइ गवा।

⁵³जब उ सब झील पार कइ लिहन तब गन्नेसरत क घाटे प आएन अउर नाउ क बांध लिहन। ⁵⁴जबहिं उ पचे नाउ क छौंड़ि कइ उतर आएन, मनइयन ईसू क पहिचान लिहन। ⁵⁵उ पचे समूचे पहुँचा मैं भागत फिरेन अउर बरेमियन क बिछउना प जहाँ कहुँ उ पचे सुनेन कि ईसू हुवाँ बा, लादि क लइ जाइ लागेन। ⁵⁶जहाँ कहुँ उ गाई मैं कस्बन में या खेतन में जात रहा, उ पचे आपन

बरेमियन क हाटन में बइठाइ देतेन अउर उ पचे ईसू स बिनती करतेन कि उ आपन ओढ़ना क एक हींसा छुअइ दे। अउर सबइ जउन एँका छुएन नीक होइ गएन।

परमेस्सर क व्यवस्था मनई क नियम ते बड़ा अहइ

(मती 15:1-20)

7 तबहिं कछू फरीसियन अउर कछू धरम सास्तिरियन जउन यरूसलेम स आएन ओनके चारिहुँ कइँती एकट्ठा भएन। ²अउर उ सबइ ओकरे कछू चेलन बिना साफ किए हथवा स खात देखेन। (“बिना साफ किया” स मतलब इ अहइ कि उ पचन फरीसियन क बताए भए तरीके स हथवा नहीं धोक्त रहेन) ³फरीसियन अउर दूसर यहूदियन खाइके नहीं खातेन जब तलक उ सबइ आपन हथवा क पूर्वजन क रीति स न धोइ लेईं। ⁴इहइ तरह उ सब बजारे स खाइ क बरे लावा भवा कोउ चीज तब तक नय खातेन, जब तलक ओहका खास तरीके स न धोइ लेईं। इहइ तरह अउ बहोत स रितियन अहईं, जेका उ सबइ करत आवत हईं-जइसे खोरा, गगरी, ताँबा क बासन अउर गद्देदार कुर्सी क धोउब।)

⁵यह बरे फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन ओसे पूछेन, “काहे तोहार चेलन पूर्वजन क रीतिनक करतेन नहीं, मुला आपन मइले हाथन स खइया क खात हीं?”

⁶ईसू ओनसे कहेस, “यसायाह तू जइसे कपटिन क बारे में पहिले भविस्सबाणी कइ दिहेस, जइसा कि लिखा बाटइ:

‘इ मनइयन ओँठवा स मोर इज्जत करत हीं मुला ओनके मनवा मोसे दूर अहईं

⁷ इ आराधना हमार करत हीं, मुला उ बेकार अहईं इ जो सिखावत हीं, उ मनई क बनवा नियम अहइ।’

यसायाह 29:13

⁸तू पचे परमेस्सर क आदेस न उठाइ के एक कइँती धइ दिहा अउर मनई क रीतिनक सहारा लइके चलावत अहा।”

⁹ईसू ओनसे कहेस, “तू अपन पचन क बहोत चलाक समझत अहा। तू परमेस्सर क आदेस न ऐहि बरे टालइ चाहत ह, जेहेसे आपन रीतनक चलाइ सका। ¹⁰जइसे मूसा कहेस, ‘आपन महतारी बाप क इज्जत दया।’ * अउर ‘जउन मनई महतारी बाप क बुरा भला कइइ ओका मार डावा।’ * ¹¹तू पचन सिखावत ह, ‘जदि केउ मनई महतारी बाप स कहत ह कि मोरे जेहि चीज स तोहका फायदा मिल सकत ह, उ परमेस्सर क दइ चीनह।’ ¹²तउ तू

‘आपन ... दया’ निर्गं. 20:12; व्यवस्था 5:16.

‘जउन ... डावा’ निर्गं. 21:17.

सौ दीनार एक तु दिन की मजूरी क बराबर पइसा।

ओनकर महतारी बाप बरे कछू करइ क मना करत ह।
13इ नाई तू आपन रीति रिवाज स परमेस्सर क बचन क बेकार बनइ देत ह, अउर अइसी बहोत स बातन तू करत ह।”

14ईसू फिन भिरिया क बोलाएस अउर ओनसे कहेस, “हर मनई मोरउ सुना अउर समझा। 15अइसी कउनो चीज नाही जउन मनई क बाहेर स आवइ अउर ओका भीतर जाइके असुद्ध करइ। मुला जउन चीज मनई क भीतर स आवत हीं, उ ही ओका असुद्ध करत हीं।” 16*

17फिन ईसू भीर क छोड़ि कइ घर गवा तउ ओकर चेलन ओसे इ दिस्टान्त क बारे में सवाल करेन। 18तब ईसू ओनसे कहेस, “का तू पचे कछू नाही समुझ पाया? कउनो बात जउन बाहेर ते मनई क भीतर आवत ही, का उ ओका असुद्ध कइ सकी? 19यह बरे उ सोझई मनई क हिरदइ में जात नाही। उ पेटवा में जात ह अउर इ गुह में होइ क निकर जात ही।” (अइसा कहत उ सबइ खइया क चीजक सुद्ध किहस।)

20अउर ईसू कहेस, “इ उही अहइ जउन मनई क हिरदइ स आवत ह अउर ओका असुद्ध करत ह। 21मनई क हिरदस स बुरा बिचार आवत हीं अउर अनैतिक करम, चोराउब, कतल करब, 22व्यभिचार, लालच, दुस्टता, चाल चपेट, बेहूदगी, जलन, चुगुलखोरी, घमण्ड अउर बेवकूफी 23ई सब बुरी चीज भीतर स आवत हीं अउ मनई क असुद्ध बनइ देत हीं।”

ईसू गैर यहूदी स्त्री क मदद करत ह

(मती 15:21-28)

24ईसू उ जगहिया छोड़ि दिहस अउ सूर (सहर क नाउँ अहइ) क आसपास क पहुँटा में गवा। हुवाँ उ एक घरवा में गवा अउर नाही चाहेस कि कउनो ओकरे आवइ क बारे में जानइ। मुला उ आपन क नाही छुपाए पाएस। 25असिल में एक उ स्त्री जेके बिटिया क दुस्ट आतिमा घेरि लिहे रही, ईसू क बारे में सुनिके फउरन ओकरे पास आई, अउ गोड़वा प गिर पड़ी। 26इ यूनानी क स्त्री रही अउर सुरुफिनीकी में पइदा भइ रही। उ आपन बिटिया स दुस्ट आतिमा भगावइ क ईसू स बिनती करेस। 27ईसू ओसे कहेस, “पहिले बचवन क अघाइ जाइ द्या। इ नीक नाही कि बचवन क रोटी छीन लेइ अउर कुकुरन क फेंकि देइ।”

28तब उ ओका जवाब दिहस, “पभू! कुकुरन हू मेजिया क तरखाले गिरा खइया क चूर चराबा खात हीं।”

29तब ईसू ओसे कहेस, “इ जवाबे क कारण तू आपन घर चइन स जाइ सकत ह। दुस्ट आतिमा तोहरे बिटिया क छोड़ि दिहस।”

पद 16 कछू यूनानी प्रतिबन्धन में पद 16 जोड़ा गवा अहइ: “जदि कउनो क कनवा होय तउ उ सुन लेय।”

30पहू पइ उ घर गइ अउर आपन बिटिया क बिछउना प लोटा पाइस तब तलक दुस्ट आतिमा ओसे निकर गइ।

ईसू गूंगा अउर बहिरा क चंगा किहसे

31तब ईसू सूर क चारिहुँ कइती स लौटि आइ अउर दिकापुलिस माने दस नगर क डगर स सिदोन जात भवा गलील झील आइ गवा। 32हुवाँ कछू लोग ईसू क नगिचे एक मनई क लइ आपन जउन बहिरा रहा अउर मुस्किल स बोल पावत रहा। अउर उ पचे ईसू स ओह पइ हथवा धरइ क बिनती करेन।

33ईसू भिरिया स दूर एक कइती लइ गवा। ईसू आपन अँगुरिया मनई क कनवा में डाइस। फिन उ कनवा में थूक कइ, ओकर जिभिया छुइस। 34उ सरग क निहारेस, गहरी संसिया भरेस अउर ओसे कहेस, “इप्फत्तह।” (अरथ अहइ “खुलि जा।”) 35अउर ओकर कनवन खुलि गएन अउर जिभिया क गंठिया खुलि गइ। फिन उ साफ साफ बोलइ लाग।

36ईसू ओनका हुकुम दिहसे कि कउनहुँ क न बतावइँ। जेतना जिआदा उ ओनका हुकुम दिहसे उ पचे ओतनइ जिआदा बताइना। 37उ सबइ लोग पूरपूर अचरज में पड़ि गएन अउर कहेन, “ईसू हर काम नीक करत ह। उ हियाँ तलक बहिरन क सुनइ क सक्ति देत ह अउर गूंगन क बोलावत ह।”

चार हजार स जिआदा मनई क ईसू खियाएस

(मती 15:32-39)

8 ओनही दिनन में दूसर अउसर प भारी भीर जमा होइ गइ अउर ओनके पास खाइ क कछू नाही रहा। उ आपन चेलन क निअरे बोलाएस अउर ओनसे कहेस, “भोका इन मनइयन प तरिस आवत ह, अइसे कि उ पचे मोरे साथ पहिले क तीन दिनन स अहइँ। ओनके लगे खाइ क कछू नाही। 3उ जदि मईँ ओनका घरे भूखा पठवत हउँ, उ सबइ राहे में मर बिलाय जइहीं। ओहमाँ स कछू तु बेरे दूरी स आइ अहइँ।”

4अउर ओकर चेलन जवाब दिहन, “इ जंगल में कतहुँ का कउनो खूब खाइ क पाइ सकत ह, जेसे एनका खियाइ दिन्ह जाइ?”

5उ ओनसे पूछेस, “तोहरे पास केतनी रोटी अहइँ?”

“सात तु”, उ पचे जवाब दिहेन।

6तब ईसू हुकुम दिहसे—भीर मइदान में बैठि जाइ। उ सात रोटी लिहस, फिन परमेस्सर क धन्यबाद दिहस। उ ओनका तोड़ेस। ओकरे बाद आपन चेलन क बाँटेई बरे दिहस। अउर उ पचे भीर क बाँटेन। 7ओनके लगे नान्ह नान्ह थोड़ी स मछरी भी रही। अउर उ धन्यबाद दइके ओनका बाँटेई बरे कहेस। 8मनइयन अघाइ गएन अउर बचा खुचा रोटी क टुकड़न स सात झउआ उ पचे एकट्ठा करेन। 9हुवाँ करीब चार हजार पुरुसन रहेन। तब उ

ओनका बिदा करेस।¹⁰ अउर तुरंतहि उ चेलन्क लइ क नाउ मँ बइठि के दलमनूता पहुँटा मँ गवा।

फरीसी ईसू क परिच्छा लेइ क कोसिस किहेन

(मती 16:1-4)

¹¹फिन फरीसियन आएन अउर ओसे सवाल करइ लागेन। उ सब ओसे एक ठु अद्भुत कारज बरे कहेन। उ पचे ओका परखइ बरे अइसा किहेन।¹² आपन मनवा मँ गहरी सांस भरत ईसू कहेस, “काहे ई पीढ़ी क मनई अद्भुत चीन्ह चाहत हीं? मई तोहका सच सच कहत हउँ। कउनो अद्भुत चीन्ह क पीढ़ी क न दीन्ह जाई।”¹³ तबहि उ ओनका छोड़ि दिहस। फिन नाउ मँ बइठ गवा, अउर झील क उ पार गवा।

यहूदी नेतन क खिलाफ ईसू क चितावनी

(मती 16:5-12)

¹⁴ईसू क चेलन खइया क जिआदा लइ आउब बिसर गएन। ओनके लगे एक ठु रोटी क बजाय कछू नाहीं रहा।¹⁵ ईसू ओनका चितावनी देत कहेस, “हुसियार! फरीसियन अउर हेरोदेस क खमीर * स बचा रहा।”

¹⁶ “हमरे लगे एक ठु रोटी नाहीं” इस प उ पचे आपुस मँ छानबीन करइ लागेन।

¹⁷ उ सबइ का कहत अहई इ जानत भवा, ईसू ओन्से कहेस, “रोटी नाहीं होइ क कारण तू सबइ काहे सोचत बिचारत अहा? का तू अबहूँ समझत बूझत नाहीं बाट्या? का तोहार बुद्धि जइ अहइ? ¹⁸ तोहरे आँखिन अहई, का तू देखि सकत्या नाहीं? तोहरे कान अहई, का तू सुन सकत्या नाहीं? ता तोहका याद नाहीं? ¹⁹ जबहि मई पाँच रोटिन्क पाँच हजार मनइयन मँ तोड़िउँ। केतना झउआ रोटी क टुकड़न स भरा भवा तू बटोरया?”

उ पचे कहेन, “बारह।”

²⁰ “अउर जबहि मई सात रोटिन्क क चार हजार बरे तोड़यो। कइ झउआ रोटिन्क टुकड़न क तू बटोरया?”

उ सबई कहेन, “सात।”

²¹ तबहि उ ओनसे पूछेस, “का तू पचे अबहूँ नाहीं बूझया?”

ईसू आँधर मनई क चंगा किहेस

²² उ पचे बैतसैदा गएन। हुवाँ कछू लोग ओकरे पास एक ठो आँधर पकड़ि ले आइन अउर उ सबइ ईसू स ओका छुअइ क बिनती करेन।²³ उ आँधर मनई क हथवा पकड़ेस अउर ओका गाउँ क बाहेर लइ गवा। ईसू आँधर क आँखिन प थूकेस, “का तू कउनो चीज निहारत ह?”

²⁴ आँधर मनई निहारेस अउर कहेस, “मई मनइयन क देखत हउँ; उ सबई बिरवा क नाई आसि पासि चलत देखत अहई।”

²⁵ तबहि ईसू आपन हथवा मनई क आँखिन प पुनि धरेस। फिन उ आपनि आँखिन पूरी पूरी खोलि दिहेस। ओका आँखिन क जोती मिलि गइ। अउर उ सबहूँ क नीक-नीक निहारइ लाग।²⁶ तब ईसू ओका घरे पठइ दिहस, इ कहत कहत, “गाउँ मँ जिन जा।”

पतरस कहत ह ईसू अहइ मसीह

(मती 16:13-20; लूका 9:18-21)

²⁷ अउर ईसू अउर ओकर चेलन कैसरिया फिलिपी क पड़ोसी गाउँन मँ चलेन। ईसू राहे मँ चेलन स पूछेस, “लोग का कहत हीं कि मई कउन हउँ?”

²⁸ अउर उ सबई जवाब दिहेन, “बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना। मुला दूसर कछू लोग एलिय्याह अउर दूसर कछू तोहका नबियन मँ एक नबी कहत हीं।”

²⁹ फिन उ ओनसे पूछेस, “तू का कहत ह मई कउन हउँ?”

पतरस ओसे जवाब दिहेस, “तू मसीह अहा।”

³⁰ तबहि ईसू ओन चेलन क चितावनी दिहेस, कि ओकरे बारे मँ कउनो स जिन कहा।

³¹ अउर उ ओनका समझाउब सुरु करेस, “मनई क पूत क बहोत दुख झेलाइ पड़त ह अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन, मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन स धकियाइ दीन्ह जाइ। अउर उ निहचइ ही मारि डावा जाइ अउर फिन उ तिसरे दिन जी उठी।”³² ईसू ओनका इ बात सच सच बताइ दिहस। फिन पतरस ओका एक कइँती लइ गवा अउर फटकारइ लाग।³³ मुला ईसू पाछे घूमि के आपन चेलन निहारेस अउर पतरस क फटकारि के कहेस, “सइतान! मोसे पाछे जा। परमेस्सर क बातन स तोहका कउनो मतलब नाहीं; मुला मनई क बातन स तोहका मतलब अहइ।”

³⁴ तब उ भीर क चेलन संग निअरे बोलाएस अउर उ ओनका कहेस, “जदि कउनो मोरे पाछे आवा चाहत ह तउ उ आपन सब कछू तजि दे। ओका आपन क्रूस उठाइ लेइ चाही अउर ओका मोरे पाछे होइ चाही।”³⁵ मुला जउन आपन जिन्गी क बचावा चाहत ह, उ एका खोइ देइ। अउर जउन आपन जिन्गी मोका अउर सुसमाचार बरे खोई, उ एका बचावा चाही।³⁶ अगर कउनो मनई आपन आत्मा खोइ के समूची दुनिया लइ लेत ह, तउ ओसे का फाइदा?

³⁷ अइसे कउनो मनई कउनो ठो चीज क बदले आत्मा नाहीं पाइ सकत।³⁸ जदि कउनो व्यभिचार अउर पापी पीढ़ी मँ मोर नाउँ अउर उपदेस क कारण समाति ह तउ मनई क पूत जब पवित्तर सरगदूतन क संग आपन परमपिता क महिमा लइ के आई तउ उहउ समाति जाई।”

खमीर खमीर सब्द क अरथ अहइ बुरा असर क रूप मँ।

9 अउर ईसू ओनसे कहेस, “मई सबन क सच सच बताउब, जउन हियाँ खड़ा अहई, ओहमाँ स कछू परमेस्सर क राज्य सकित क संग आवइ स पहिले देखिहीं अउर मरइ क अंजाद न करिहीं।”

मूसा अउर एलियाह क संग ईसू क दरसन देब

(मती 17:1-13; लूका 9:28-36)

2छ: दिना पाछे ईसू सिरिफ पतरस, याकूब अउर यूहन्ना सबक संग लइके एक ऊँच पर्वत प खुद गवा। हुवाँ उ ओनके सम्मन्वा आपन भेस बदल लिहस। 3ओकर ओढ़ना चमचमाइ लागेन एकदम्भइ उजिअर। धरती प कउनो रंगसाज ओतना उजिअर ओसे जिआदा नाहीं धोइ सकत रहा। 4एलियाह अउर मूसा भी ओनके संग परगट भएन। अउर उ सबइ ईसू स बतियात रहेन।

5तब पतरस ईसू स कहेस, “गुरु, इ भल भवा कि हम हियाँ अही। हमका तीन तम्बू लगाई द्या, एक तोहरे बरे, एक मूसा बरे अउर एक तु एलियाह बरे।” 6पतरस इ यह बरे कहेस जइसे उ जानत नाहीं रहा कि का बोली। इ तरह उ पचे डेराइ गएन।

7एक बादर आवा अउर ओनका आपन छाया स ढाँकि लिहस। बदरा स एक अवाज कहत भइ होइ गइ, “इ मोर पियारा पूत अहइ! ओका सुना!”

8अउर फउरन उ पचे चारिहुँ कइँती निहारेन। सिरिफ ईसू क छाँड़के उ पचे कउनो क देखेन नाहीं।

9जइसे उ सब पहाड़ स तरखाले उतरत रहेन, ईसू ओनका हुकुम दिहस कि कउनो क न बतावई जउन उ सब निहारेन ह, जब तलक मनई क पूत मरि गए लोगन्स जी न जाइ।

10अउर उ सबइ इ बतिया क आपन जिअरा मँ छिपाइ रहेन मुला उ सबइ आपुस मँ सोचत बिचारत रहेन कि “मरिके जी उठब” क अरथ का बाटइ। 11फिन उ पचे ईसू स पूछेन, “धरम सास्तिरियन काहे कहत हीं कि एलियाह सबस पहिले आई?” *

12ईसू ओनसे कहेस, “हाँ! सब बातन क ठीक करइ बरे एलियाह सबन्स पहिले आवत ह। मुला इ काहे मनई क पूत क बारे मँ पवित्र सास्तर अहइ कि उ बहोत स दुःख भुगुती अउर उ घिना स दुत्कार जाई। 13मुला मई तू सबन क बतावत अही, एलियाह आइ चुका अहइ। जउन जउन उ पचे चाहेन, ओकरे साथ उ पचे वइसे किहन; जइसा ओकरे बारे मँ पवित्र सास्तरन मँ बाटइ।”

ईसू बेरमिया लरिका क चंगा किहस

(मती 17:14-20; लूका 9:37-43)

14अउर जबहिँ उ सबइ दूसर चेलन क लगे आएन तउ उ पचे एक भारी भीर क जमघट ओनके चारिहुँ

कइँती देखेन कि धरम सास्तिरियन ओनसे तहतुक करत रहेन। 15जइसे ही सब मनइयन ओका निहारेन, उ पचे विस्मय मँ पड़ि गएन अउर ओका भेंटइ बरे ओकरे कइँती उ सबइ भागेन।

16उ ओनसे पूछेस, “तू सबइ ओनसे काहे क बारे मँ विवाद करत ह?”

17एहँ पड़ एक मनई भिरिया स जवाब दिहस, “गुरु, मई आपन बेटवा तोहरे लगे लिआइ अही। ओह पड़ एक तु दुस्ट आतिमा सवारि अहइ, जउन ओका बोलइ देत नाहीं। 18जब दुस्ट आतिमा एँका पकरि लेत ह, उ एँका फेंकि देत ह अउर एँकरे मुँहना स झागि निकारइ लगत ह। ओकरे बाद उ दँतवन क पीसत ह अउर उ अकड़ि जात ह। मई तोहरे चेलन स कहयों कि ओका भगावा; मुला उ सबइ करि सकेन नाहीं।”

19तबहिँ ईसू जवाबे मँ ओनसे कहेस, “अरे! बिसवास न करइवाले मनइयो! कब तलक मई तोहरे लगे रहइउँ? कब ताई तोहरे लगे सहब? लरिका क मोरे लगे लिआवा फिन उ सबइ लरिका क ओकरे लगे लेवाइ लिआएन।”

20जबहिँ दुस्ट आतिमा ईसू क देखेस। फउरन उ लरिका क अइँठ दिहस। लरिका भुइँया प गिरि गवा अउर मुँह स झाग निकारत चारिहुँ ओर लोटइ पोडइ लाग। 21तबइ ईसू लरिका क बाप स पूछेस, “इ अइसा कब स लरिका क होत अहइ?”

तब बाप कहेस, “अइसा बचपन स होत आवत अहइ। 22दुस्ट आतिमा एँका कइउ दाई आगी मँ अउर कबहुँ पानी मँ मारइ खातिर नाइ देत ही। लेकिन का तू कछू कइ सकत ह? हम पड़ दया करा अउर हमार मदद करा।”

23ईसू ओसे कहेस, “तू कह्या जदि तू कछू कइ सका? जउन बिसवास करी, ओका बरे सब कछू होइ जाई।”

24तुरंतही लरिका क बाप चिचिआन अउर कहेस, “मई जरूर बिसवास करत हउँ। तू हमार अबिसवास हटावा।”

25जब ईसू देखेस कि भारी भीर ओकरे लगे निचकात अहइ, उ दुस्ट आतिमा क ललकारेस अउर एँका कहेस, “ओ दुस्ट आतिमा! तू इ बचवा क गुँगा बहिरा करइवाली मई तोका हुकुम देत अही। ओसे बाहेर आव, ओहमाँ फिन स घुस जिना।”

26तब उ दुस्ट आतिमा चिचिआन अउर लरिका क सपटिके अँडैसि अउर ओसे बाहेर गइ। अइसन लगा कि लरिका मर गवा अहइ। बहुत स लोग कहेत, “उ मर गवा!” 27फिन ईसू ओकर हाथ पकरि क उठाएस अउर ओका गोड़वन प खड़ा करेस अउ लरिका खड़ा होइ ग। 28ओकरे पाछे उ घर मँ गवा अउर ओकर चेलन अकेल्ले मँ पूछेन, “काहे क हम दुस्ट आतिमा क भगाइ नाहीं सकेन?”

²⁹एह पड़ ईसू जवाब दिहैस, “इ तरह दुस्ट आतिमा बाहर पराथना क बाहेर नाहीं आवत।”

आपन मउत क बारे में ईसू क कहब

(मती 17:22-23; लूका 9:43-45)

³⁰उ सबइ हुवाँ छोड़ि चलैत अउर गलील होइ क जात रहैत अउ ईसू नाहीं चाहत रहा कि कउनो एका जानइ कि उ सब कहाँ बाटेन? ³¹यह बरे उ आपन चलन क सिच्छा देत रहा। उ ओनसे कहेस, “मनई क पूत मनइयन क हाथन स पकड़वाइ जाई अउर उ सबइ ओका मारि डइहीं। मारि डाए क तीन दिना क पाछे उ जिन्दा होइ जाइ।” ³²मुला चलन इ न समझेन कि ईसू का मतलब अहइ अउर उ ओसे एँकरे बारे में पूछइ क डेरात रहैत।

ईसू कहत ह कि सबते बड़कवा कउन अहइ

(मती 18:1-5; लूका 9:46-48)

³³ईसू चलन क साथ कफरनहम आएन। उ सबइ एक घरे में गएन। उ ओनसे पूछेस, “राहे में तू सबइ का बतियात रहया?” ³⁴मुला उ सबइ खमोस होइ गएन। यह बरे उ सबइ राहे में एक दुसरे स सोचेन बिचारेन कि कउन सबस बड़कवा अहइ। ³⁵तउ उ बैठि गवा। उ बारहु प्रेरितन आपन नगिचे बोलाएस अउर ओनसे कहेस, “जदि कउनो सब स बड़का होइ चाहत ह, तउ ओका सब स छोट होइ क परी अउर उ सबन क नउकर होइ।”

³⁶अउर एक बचवा क लइके सब क समन्वा खड़ा किहेस। ओका आपन कोरा में लेत भवा ईसू ओनसे कहेस, ³⁷“जउन एकउ इन बचवन में एकउ क मोरे नाउँ स अपनावत ह, उ हमार सुआगत करत अहइ। उ न सिरिफ मोका अपनावत ह, मुला उहउ क अपनावत ह, जउन मोका पठएस ह।”

जउन हमार बिरोधी नाहीं, उ हमार आटइ

(लूका 9:49-50)

³⁸यूहन्ना ईसू स कहेस, “गुरु, हम तोहरे नाउँ स कउनो क दुस्ट आतिमन क बाहेर निकारत देखेन ह। हम ओका रोकब चाहा, मुला उ हम पचन में नाहीं रहा।”

³⁹फिन ईसू कहेस, “ओका रोका जिना। इ नाते जउनहुँ मोरे नाउँ स अद्भुत कारजन चाहत बाटइ, उ फउरन मोरे बरे भददी बात न कहि पाई। ⁴⁰जउन मोरे खिलाफ नाहीं, उ हमरे कईती अहइ। ⁴¹जउनहुँ तोहका एक लोटा पानी भरि के देइ कि तू मसीह क बाट्या, मई तोहका सच सच बतावत हउँ, उ जरूर सुफल होइ जाए बिना न रही।”

⁴²जउन इन नान्ह बचवन में स कउनो क जउन मोरे में बिसवास करत हीं, ओनसे पाप करावत हीं, तउ ओकरे बरे इ नीक होइ कि ओकरे गटइया में चकिया

क पाट बाँधिके ओका समुदर में झोंकि देई। ⁴³जदि तोहार हाथ तोसे पाप करावत ह, तू एँका काट द्या। हथ कटा होइ क अनन्त जीवन में प्रवेस करना नीक अहइ। बजौए एँहेके कि दुइ हाथ धरइ अउर नरक में नाइ दीन्ह जाइ, जहाँ अगिया कबहुँ न बुझत। ⁴⁴* ⁴⁵जदि तोहार गोड़ तोसे पाप करावत ह, ओका काट द्या। लँगड़ा होइ क अनन्त जीवन में प्रवेस करना जिआदा नीक होइ, बजाय एँकरे कि दुइनउँ गोड़वा धइ क नरके में नाइ दीन्ह जाइ। ⁴⁶* ⁴⁷जदि तोहार आँख तोसे पाप करावत ह, ओका निकारि डावा। काना होइके परमेस्सर क राज्य में घुसब जिआदा नीक अहइ, बजाय कि दुइ आँखिन वाला होइके नरक में नाइ दीन्ह जाइ। ⁴⁸जहाँ क किरवा मरतेन नाहीं। हुवाँ आगी कबहुँ बुझत नाहीं। ⁴⁹हर मनई क आगी प नोनखार कीन्ह जाय।

⁵⁰“नोन नीक होत ह जदि नोन आपन सेवाद तजि देइ, तउ एँका नोनखार फिन कइसे बनउब्या? आपन में नोन राखा। एक दूसर क संग सांति स रहा।”

तलाक क बारे में ईसू क उपदेस

(मती 19:1-12)

10 फिन ईसू उ जगह छोड़ि दिहस अउर यहूदिया क पहँटा अउर यरदन नदी क पार गवा। फिन भीर प भीर ओकरे नगिचे आवइ लाग। जइसे ओकर रीति रही, ईसू ओनका उपदेस देइ लाग।

²अउर कछू फरीसियन ओकरे लगे आएन अउर उ सबइ ओसे पूछेन, “का इ कनून पुरुस क लिये नीक बाटइ कि उ आपन पत्नी क तलाक देइ दे?” उ सबइ ओसे ओका जाँचइ बरे पूछेन।

³ईसू ओनका जवाब दिहैस, “मूसा तोहका का आदेस दिए बाटेन?”

⁴उ सबइ कहेन, “मूसा पुरुस क एक तु तलाक क त्याग पत्र लिखिवाइ आपन पत्नी क तलाक बरे हुकुम दिहैस।”

⁵ईसू ओनसे कहेस, “मूसा इ आदेस यह बरे लिखेस कि तू सबइ नासमुझ अहा। ⁶स्त्रिट क सुरुआत स, परमेस्सर पुरुस अउर स्त्री बनाएस।* ⁷यह बरे पुरुस आपन महतारी बाप क छोड़ि देइ अउर आपन पत्नी क संग रही।* ⁸दुइनउँ एक तन होइ जइहीं। तइसे उ दुइनउँ अलग नाहीं; मुला एक तु अहईं। ⁹यह बरे जेकर परमेस्सर जोरि दिहे अहईं, ओहका मनई क अलग नाहीं करइ चाही।”

पद 44 मरकुस की कछू यूनानी प्रतिथियन में पद 44 जोड़ा गवा अहइ, ई भाग पद 48 क समान अहइ।

पद 46 मरकुस की कछू यूनानी प्रतिथियन में पद 46 जोड़ा गवा अहइ, ई भाग पद 48 क समान अहइ।

परमेस्सर ... बनाएस उत्पत्ति 1:27.

यह ... रही उत्पत्ति 2:24.

¹⁰जब उ सबइ घरवा मँ फिन स आएन, तउ चेलन ँकरे बारे मँ ओसे पूछेन। ¹¹अउर ईसू ओनसे पूछेस, “जउन आपन पत्नी क तलाक दइ देत ह, अउर दूसर स्त्री स बियाह करत ह, उ ओकरे खिलाफ व्यभिचार करत ह। ¹²अगर स्त्री आपन पति क तजि देत ह अउर दूसर पुरुस स बियाह करत ह, तो उ व्यभिचारी ह।”

ईसू बचवन क आसीबाँद बरे

(मती 19:13-15; लूका 18:15-17)

¹³फिन मनइयन गदेलन क ओकरे लगे लइ आवइ लागेन, इ नाते कि उ ओनका छुइ लेइ अउर आसीबाँद देइ मुला चेलन ओनका फटकारि दिहन। ¹⁴जब ईसू इ देखेस, उ कोहाय ग अउर उ ओनसे कहेस, “गदेलन क मोरे निअरे आवइ द्या। ओनका जिन रोका, इ नाते परमेस्सर क राज्य अइसन स नाता जोरत ह। ¹⁵मई तोहका सच सच बतावत हउँ, जउन परमेस्सर क राज्य क गदेलन क नाई सुआगत न करी, उ राज्य मँ कबहुँ न घुसी।” ¹⁶ईसू आपन कोरा मँ गदेलन क उठाएस। उ आपन हथवा ओनके ऊपर धरेस अउर आसीबाँद दिहेस।

ईसू स धनी मनई क सवाल

(मती 19:16-30; लूका 18:18-30)

¹⁷जैसे उ जात्रा प जाइ क रहा, एक मनई ओकरे लगे आइ अउर घुटनुवा टेकि के बोला अउ ओसे पूछेस, “उत्तम गुरु! अनन्त जीवन पावइ क हक बरे ओका का करइ क चाही?”

¹⁸ईसू ओसे कहेस, “तू मोका उत्तम काहे कहत ह? सिरिफ परमेस्सर क छोड़िके कउनो उत्तम नाहीं। ¹⁹तू आदेस क जानत ह। ‘जीउ जिन मारा, व्यभिचार जिन करा, चोरी जिन करा, झूठी गवाही जिन द्या, ठगी जिन करा, आपन महतारी बाप क इज्जत करा।’ *”

²⁰उ मनई ओसे कहेस, “गुरु मई आपन लरिकई स इन सब बातन पर चलत आवत हउँ।”

²¹ईसू ओका निहारेस। ओकरे बरे पिरेम भाउ रखेस अउर ओसे कहेस, “तोहमौँ ँक बात क कमी अहइ जा अउर बेचि आवा जउन तू धरे अहा। तब एक गरीबे क द्या। ओकरे बाद तू सरगे मँ खजाना रखव्या। तबई तू आवा अउर मोरे पाछे चला।”

²²अइसे बयान पर ओकर मुँह उतर गवा अउर निरास होइ के चला गवा। इ नाते कि उ धनवान रहा। ²³ईसू चारिहुँ कइती देखेस अउर आपन चेलन स कहेस, “केतना मुस्किल बाटइ ओनके बरे जउन धनी होइके परमेस्सर क राज्य मँ घुसइ चाहत अहई।”

²⁴चेलन इ बचनन प अचरजि मँ परि गएन। तउ फिन ईसू ओनसे कहेस, “भोर गदेलन! परमेस्सर क

राज्य मँ घुसब केतना मुस्किल अहइ। ²⁵कँट क सुई क नोंके स घुसरब असान अहइ, बजाय एक धनी मनई क परमेस्सर क राज्य मँ जाव।”

²⁶ओनका अउ जिआदा अचरज भवा, अउर आपुस मँ एक दुसरे स बतियाइ लागेन, “तब कउनो क उद्धार होई?” ²⁷ओनका लखत, ईसू कहेस, “मनई अइसा कबहुँ नाहीं कइ सकत, मुला इ परमेस्सर बरे अइसा नाहीं।”

²⁸पतरस ओसे कहइ लाग, “देखा, हम सब कछू तजि दिहन अउर तोहरे पाछे होइ गएन।”

²⁹ईसू कहेस, “मई तोसे सच सच कहत हउँ, कउनो अइसा नाहीं जउन मोरे बरे अउर सुसमाचार बरे घर-दुआर, भाइयन, बहिनियन, महतारी, बाप, गदेलन, खेत अउर क तजि देइ, ³⁰जउन इ जुगे मँ घरन भाइयन, बहिनियन, महतारियन, गदेलन अउर खेतन क संग सताव सउ गुना जिआदा न पाइ, अउर आवइवाला जुग मँ अनन्त जीवन।

³¹मुला बहोत जने जउन आज सबते पाछे अहई, उ सबते पहिले होइहीं। जउन सब ते पहिले अहई, उ सबइ पाछे होइहीं।”

ईसू आपन मउत क भविस्सबाणी किहेस

(मती 20:17-19; लूका 18:31-34)

³²फिन उ सबइ यरूस्लेम जात जात रस्ता मँ रहेन, ओनमें ईसू सबते आगे चलत जात रहा। उ सबइ खुबइ अचिरजे मँ डेरानेन। जउन पाछे रहेन, उ पचे ससान रहेन। ईसू बारहु प्रेरितन क एक कइँती लइ गवा अउर ओनका बतावइ लाग कि ओकरे संग का घटइवाला अहइ। ³³सुन, हम पचे यरूस्लेम जात अही, अउर मनई क पूत क दुराव स मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन पकड़वाइ के दइ देइहीं। अउर उ सबइ ओका मउत क सजा देकर गैर यहूदी क दइ देइहीं। ³⁴जउन ओकर हँसी करिहीं अउर उ पचे ओह पइ थुकिहीं। उ सबइ ओका कोड़ा स पिटहीं अउर मारि डइहीं। तीन दिना क पाछे उ जी जाई।”

याकूब अउर यूहन्ना क ईसू स हठ

(मती 20:20-28)

³⁵फिन जब्दी क बेटवन याकूब अउर यूहन्ना ओकरे लगे आएन अउर ओसे कहेन, “गुरु, हम चाहित ही कि हम जउन तोसे करइ क कही, ओका तू हमरे बरे कइ द्या।”

³⁶ईसू ओनसे कहेस, “तू मोसे आपन बरे का करवावइ क चाहत ह?”

³⁷उ सबइ ओसे कहेन, “तू आपन महिमा मँ हम पचेन क बइठइ क अधिकार द्या। हम पचेन मँ एक ठु तोहरे दाएँ अउर एक ठु तोहरे बाएँ बइठइ।”

³⁸ईसू ओनसे कहेस, “तू जानत ह नाहीं कि तू सबइ का कहत ह। जउन लुटिया मई पिअइ जात हउँ, का तू

पी सकत ह? का जउन बपतिस्मा मई लेवइ क हउँ, का तू पचे उ बपतिस्मा क लइ सकत ह?"

³⁹उ पचे ओसे कहेन, "हम वइसा करि सकित ह!" फिन ईसू ओनसे कहेस, "का तू सबइ लुटिया भरि के पीब्या जउन मई करि सकत हउँ। जउन बपतिस्मा मई लेइ का हउँ, का तू सबइ लइ सकत ह। ⁴⁰मुला मोरे दाएँ अउर बाएँ बइठइ का जगहिया देब मोर अधिकार नाही अहइ। इ जगहियन ओनही मनइयन क बरे अहइँ, जेनके बरे उ सबइ तइयार कीन्ह ग अहइँ।"

⁴¹जब बाकि दसहुँ एँकरे बारे मँ सुनेन तउ उ पचे याकूब अउर यूहन्ना प गुस्सा करेन। ⁴²फिन ईसू आपन लगे ओनका बोलाएस अउर ओनसे कहेस, "तू जानत ह कि जउन गैर यहूदियन प राज करत हीं, उ हुकुम ओन पइ चलावत हीं अउर ओनका अउर ओनके मुख्य नेतन क ओन प प्रभाव बाटइ। ⁴³मुला तोहरे संग अइसा नाही बाटइ। तू सबन मँ जउन बइवार होइ चाहत ह, उ तोहार नउकर बनइ। ⁴⁴अउर तू पचन मँ जउन मुखिया बना चाहइ उ तोहार गुलाम बनइ। ⁴⁵मनई क पूत हु सेवा करावइ नाही आइ अहइ मुला उ सेवा करइ आइ अहइ अउर आपन जीउ क बहोतन क छुटकारा बरे आइ अहइ।"

आँधर क आँखिन

(मती 20:29-34; लूका 18:35-43)

⁴⁶फिन उ सबइ यरीहो आपन अउर जब ईसू एक भारी भीर क संग आपन चलन क लइके यरीहो जात रहा तउ तिमाई क बेटवा बरतिमाई नाउँ क एक ठो आँधर भिखमंगा सरक क किनारे बइठा रहा। ⁴⁷जब उ सुनेस कि नासरत क ईसू अहइ, उ चिचिआइ क कहइ लाग, "ईसू दाऊद क पूत! मो पर द्या कर!"

⁴⁸अउर बहोत मिला ओका डटेन अउर ओका चुप रहइ क कहेन। तब ओकर अवाज जँच स जँच होत गइ, "दाऊद क पूत! मो प द्या कर!"

⁴⁹तउ ईसू रोकेस अउर कहेस, "ओका बोलौवा।"

यह पइ उ सबइ आँधर क बोलौएन अउर ओसे कहेन, "मनवा क मजबूत कर। खरा ह्वा। ईसू तोहका बोलावत ह।"

⁵⁰उ आँधर आपन लबादा फेंकि दिहस अउर उछरि पड़ा अउर फिन ईसू क लगे गवा।

⁵¹तब ईसू ओसे कहेस, "तू मोसे आपन बरे का करवावइ चाहत ह?"

आँधर ओसे कहेस, "हे गुरु, मई पुनि देखइ चाहत हउँ।"

⁵²तउ ईसू ओनसे कहेस, "जा। तोहरे बिसवास स तोहार उद्धार भवा।" अउर उ फउरन देखइ लायक होइ सका। फिन उ ईसू का पाछे सरक प किहेस।

ईसू यरूस्लेम मँ राजा क नाई घुसत ह

(मती 21:1-11; लूका 19:28-40; यूहन्ना 12:12-19)

11 फिन जइसे यरूस्लेम क नगिचे जैतून क पहाड़ी प बैतफगे अउर बैतनिय्याह पहुँचेन, उ आपन चलन मँ दुइ क पठएस। ²अउर ओसे कहेस, "जा गाउँ मँ जइसे तू हुआँ घुसब्या, तू एक ठु गदही क बच्चा बाँधा भवा पउब्या, जेह प पहिले कबहुँ नाही कउनो चढ़ा होई। ओका खोल द्या अउर हियाँ लिआवा। ³जदि तोसे कउनो पूछइ कि तू अइसे काहे करत अहा, तउ तू कह्या, 'पभूँ क एँकर जरूरत अहइ, फिन उ एँका फउरन पठइ देइ।'"

⁴तउ उ पचे चलि पड़ेन। उ गदही क बच्चा क बँधा भवा दुआर क नगिचे खुली गली मँ पाएन। उ पचे ओका छोरि दिहन। ⁵कछू मनई जउन हुवाँ खरा रहेन ओनसे पूछेन, "उ गदहिया क बच्चा क काहे तू पचे छोरिके का करत बाट्या?" ⁶उ पचे ओनका बताएन जउन ईसू कहेस। तउ उ सबइ ओनका जाइ दिहेन। ⁷उ पचे गदहिया का बच्चा क ईसू क लगे लइ आएन। अउर उ पचे आपन ओढ़ना ओह प डारि दिहन। फिन ईसू ओह प बइठा। ⁸बहोत मिला आपन लबादा क सरकिया प डारि दिहन अउर दूसर खेते स टहनियन क काटि लिहन अउर हुवाँ बिछाइ दिहन। ⁹उ मनइयन जउन ईसू क अगाव अउर पाछे चलत रहेन, उ पचे पुकार रहेन:

"होसन्ना! * धन्य अहइ उ जउन पभूँ क नाउँ प आवत ह।"

भजन संहिता 118:25-26

¹⁰ धन्य अहइ हमार पिता दाऊद क राज्य क अवाई जउन आवत अहइ, होसन्ना सरग माँ।"

¹¹तब ईसू यरूस्लेम घुसा अउर मंदिर मँ घुसा। उ हर चीज क चारिहुँ कइँती निहारेस। यह बरे दिन ओनवत देर होइ गइ। उ बारहु प्रेरितन क संग बैतनिय्याह चला गवा। ¹²दुसरे दिन जब उ सबइ बैतनिय्याह स निकसत रहेन, ओका भूखि लाग। ¹³तनिक दूरी प ओका एक ठु हरिअर अंजीर क पेड़ देखान। उ देखइ गवा कि ओका कछू खाइके ओह प मिल जाइ। जब उ पेड़े के लगे आवा, उ पातिन छोड़िके कछू नाही पाएस, काहेकि इ रितु अंजीर क नाही रही। ¹⁴तबहि उ बिरवा स कहेस, "अब तोसे कबहुँ कउनो तोहार फल फिन न चखी।" ओकर चलन इ सुनेन।

होसन्ना इब्रानी सब्द परमेस्वर क साहायता बरे पराथना कीन्ह जात अहइ। इस समइ परमेस्वर या मसीह बरे प्रसंसा अउ आनन्द अहइ।

ईसू क मंदिर जाब

(मती 21:12-17; लूका 19:45-48; यूहन्ना 2:13-22)

¹⁵तबहिं उ सबई यरूसलेम गएन अउर उ पचे मंदिर में घुसेन तउ ईसू ओनका निकारइ लाग जउन मंदिर में बेसहत अउर खरीदत रहेन। उ पइसे क लेब देब करइया महाजनन क चउकियन क पलट दिहस अउर कबूतरे क बेचवइयाँ क बिंचिया पलटसे। ¹⁶उ मंदिर में स कउनो क तनिकउ कछू नाहीं लइ जाइ दिहस। ¹⁷तबहिं उ ओनका उपदेस देइ लाग। फिन उ ओनसे कहेस, “का इ पवित्तर सास्तरन में लिखा नाहीं बाटइ कि, ‘मोर घर पराथना घर कहा जाई?’* मुला तू पचे ऐंका ‘चोरन क अइडा’ बनइ दिहा।”* ¹⁸जबहिं मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन इ बात सुनेन, उ सबइ ओका मारि डारइ क तरकीब सोचइ लागेन। अइसे उ पचे डेरानेन, काहेकि ईसू क उपदेस स सब मनइयन अचरजि में पड़ि गएन। ¹⁹फिन जब सांझ भइ तउ उ सबइ सहर स बाहेर गएन।

बिसवास क सवित

(मती 21:20-22)

²⁰दुसरे दिन भिंसारे जबहिं ईसू आपन चलन क संग जात रहा तबइ उ पचे उ अंजीर क बिरवा क जड़े स झुराइ गवा देखेन। ²¹तइसे पतरस याद कइके ईसू स कहेस, “हे गुरु, जउने अंजीर क बिरवा क तू सराप्या ह, उ झुराइ गवा ह।”

²²ईसू ओनका जवाब दिहस, “परमेस्सर में बिसवास राखा। ²³मई तोसे सच सच कहत हउँ: जदि कउनो इ पहाड़े स कही ‘तू उठि जा अउर समुदर में फाट पड़ा।’ अउर ओकरे मनवा में रचिकउ संदेह नाहीं रही मुला बिसवास होई कि जइसा उ कहेस ह, वइसा होइ जाइ तउ ओकरे बरे वइसा होई। ²⁴यह बरे मई तोहका बतावत अही कि तू पराथना में जउन मंगब्या बिसवास करा उ तोहका मिलि गवा ह अउर उ तोहरा होइ ग अहइ। ²⁵अउर जब कबहुँ तू पराथना करत खड़ा होइ जा तउ कउनो क खिलाफ तोहका सिकाइत होई तउ ओका तू छमा कइ द्या जैसे सरगे में स्थित तोहार परमपिता तोहरे पापन्क छमा कइ देई।”* ²⁶*

यहूदी नेतन क ईसू क अधिकारे प संदेह

(मती 21:23-27; लूका 20:1-8)

²⁷फिन उ पचे यरूसलेम लउट आएन। ईसू जब मंदिर में टहरत रहा तउ मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन,

‘मोर ... जाई’ यसा. 56:7.

‘चारेन ... दिहा’ धिर्म. 7:11.

पद 26 कछू यूनानी प्रतिथन में पद 26 जोड़ा गवा अहइ: “मुला जदि तू पचे छमा नाहीं करत्या तउ तोहार सरगे में परमपिता तोहरे पापन्क छमा न करी।”

बुजुर्ग यहूदी नेतन ईसू क लगे आएन। ²⁸उ पचे ईसू स कहेन, “हमका बतावा! तू इ कामन क कउनो अधिकार स करत बाट्या? कउन तोहका अधिकार दिहस ह?”

²⁹ईसू ओनसे कहेस, “मई तोहसे एक सवाल पूछत हउँ। तू मोरे सवाल क जवाब द्या? तउ मई तोहका बताउब कि कउनो अधिकारे स मई इ काम करत हउँ।

³⁰मोका बतावा: यूहन्ना जउन बपतिस्मा देत रहा, का ओहका सोझे सरगे स या मनई स मिला रहा?”

³¹ईसू क सवाले प उ सब बिचारत बिचारत आपुस में कहइ लागेन कि, “जदि हम पचे इ कहित ह, ‘ओका इ सरगे स मिला रहा’, तउ ईसू कही, ‘फिन तू पचे ओह प बिसवास काहे नाहीं करत्या?’” ³²अउर जदि हम पचे इ कही, ‘उ मनई स पाए रहा’ तउ सब मनई हम प रिसियाइ जइहीं।” (ई नेतन लोग मनइयन स डेरात रहेन। सब मनइयन क बिसवास रहा कि यूहन्ना नबी अहइ।)

³³यह बरे यहूदी नेतन ईसू स कहेन, “हम पचे जानित नाहीं।”

यह पइ ईसू ओनसे कहेस, “तउ फिन मई तोहका नाहीं बतावत अही कि इ काज मई कउनो अधिकारे स करत हउँ।”

परमेस्सर आपन पूत क पठएस

(मती 21:33-46; लूका 20:9-19)

12 ईसू दिस्टान्त कथा खोलि के समझावत ओनसे कहइ लाग: “एक मनई अंगूरे क बाग लगाएस अउर ओकरे चारिहुँ कइँती चहरदेवार बनएस। फिन उ अंगूरे क रस धरइ बरे एक गइहा खोदेस अउर ओकरे बाद एक तु बुर्ज खड़ा करेस। फिन उ कछू किसानन क लगाने प दिहस अउ जात्रा प चला गवा। ²फिन अंगूर पकइ क रितु में उ एक तु नउकर पठएस जैसे उ किसानन स जउन अंगूर पक गवा अहइ, ओहमाँ स ओकर हाँसा लइ आवइ। ³उ मुला उ सबइ नउकर क पकरिके पीटेन, ओका खालि हाथे भगाइ दिहन। ⁴उ एक तु अउ नउकर हुवाँ पठएस। उ किसानन ओकर मुड़वा फोड़त ओका बेजत करेन। ⁵उ फिन एक तु अउ नउकर पठएस, जेकर उ सब कतल कइ दिहन। उ इ तरह कई तु नउकरन क पठएस, जेनका उ सब मारेन पीटेन अउर केतनन क मारि डारेन।

⁶ “अब ओकरे लगे पठवइ क आपन पियारा बेटवा ही बचा रहि गवा। आखिर उ ओनके लगे इ कहत पठएस, ‘उ पचे मोरे बेटवा क मान सम्मान जरूर करिहीं।’

⁷“उ किसानन एक दुसरे स कहेन, ‘इ तउ ओकर वारिस अहइ। आवा, ऐंका मारि डाई। अइसे हम पचे एकर वारिस होई जाब।’ ⁸उ सबइ ओका पकरि के मारि डानेन अउर ओका अंगूर क बागे स बाहेर फेंकि दिहन।

⁹“यह पइ अंगूर क बगिया क मालिक का करी? उ आइके किसानन क मारि डाई अउर बगिया क दुसरे क

दइ देई।¹⁰ का तू पचे पवित्तर सास्तर का बचन नाहीं बांच्या:

‘उ पाथर जेका राजगीर बेकाम क समझेन उहइ कोने क पाथर बनि गवा।

11 इ पभू करेस, जउन हमरे निगाहे मँ अजूबा बाटइ।”

भजन संहिता 118:22-23

¹²उ सबइ जान गएन कि उ जउन डिस्टान्त उ दिहेस ह उ ओकरे खिलाफ रहा। तउ उ पचे ओका गिरपतार करइ के कउनो कुचाल खोजइ लागेन, मुला उ पचे मनइयन स डेरतार रहेन। यह बरे ओका तजि के गएन।

यहूदी नेतन क ईसू क छलइ क चाल

(मती 22:15-22; लूका 20:20-26)

¹³तब यहूदी नेतन ईसू क बातन मँ फँसावइ क बरे कछु फरीसियन अउर हेरोदियन क ओकरे नगिचे पठेन।

¹⁴जउन ओकरे निअरे फरीसियन अउर हेरोदियन रहेन उ सबइ कहेन, “गुरु, हम पचे जानित ह कि तू बहोतइ ईमानदार मनई अहा अउर तूइ बात क रचिकउ फिकिर करत्या नाहीं कि दूसर मनई का सोचत हीं। तू मनई क हैसियत या ओकर रतबा क ध्यान न देत परमेस्सर क राहे क सीख देत ह। तउ बतावा न कि कैसर क कर देब ठीक बाटइ की नाहीं। हम ओका कर अदा कइ देइ कि नाहीं?”

¹⁵ईसू ओनकइ चाल चपेट जानि गवा। उ ओनसे कहेस, “तू मोका काहे परखत ह? एक तु दीनार लिआवा काहेकि ओका मई लिख सकउँ।” ¹⁶तउ उ पचे एक तु दीनार लइ आएन। फिन ईसू ओनसे पूछेस, “यह पइ केकर चेहरा अउर नाउँ लिखा बाटइ?” उ पचे कहेन, “कैसर क।” ¹⁷तब ईसू ओनका समझाएस, “जउन कैसर क अहइ, ओका कैसर क द्या अउर जउन परमेस्सर क अहइ ओका परमेस्सर क द्या।” तउ उ पचे अचरजि मँ पड़ि गएन।

सदूकियन क चाल

(मती 22:23-33; लूका 20:27-40)

¹⁸फिन कछु सदूकियन, पुनरुत्थान क नाहीं मनतेन, ओकरे नगिचे आएन अउर उ पचे ओसे पूछेन, ¹⁹“गुरु, मूसा हमरे बरे लिखेस कि जदि कउनो क भाई मरि जाए अउर ओकरे पत्नी क कउनो लरिका न होइ तउ ओकरे भाई क चाही कि उ ओसे बियाह करइ अउर फिन आपन भाई क बंस क चलावई।” ²⁰एक दाई क बात अहइ कि सात उ भाई रहेन। सबते बड़का भाई बियाह करेस अउर निपूत होइके मरि गवा। ²¹फिन दूसर भाई उ स्त्री स बियाह करेस, पर उहउ निपूत होइके मरि

गवा। तिसरका भाई भी वइसे करेस। ²²सातहु भाइयन मँ कउनो क कउनो संतान नाहीं भइ। आखिर उ स्त्री भी मरि गइ। ²³मउत क बाद जबहि उ पचे जी उठिहीं, तउ बतावा उ स्त्री केकर पत्नी होई? काहेकि उ सातहु ओका आपन पत्नी क तरह राखे रहेन।”

²⁴ईसू ओनसे कहेस, “तू पचे न तउ पवित्तर सास्तरन क जानत ह अउर न परमेस्सर क ताकत क। का इ कारण नाहीं जैसे तू पचे भटक गवा बाट्या? ²⁵काहेकि उ सबइ जबहीं मरे भए स जी उठिहीं, तउ ओनकइ बियाह न होई मुला सबइ सरग मँ दूतन क तरह रइहीं। ²⁶मरे भए स जी उठइ क बातन मँ का तू पचे नाहीं बाँच्या जउन मूसा क कितबिया मँ झाड़ी क बाबत * लिखा बाटइ? हुवाँ परमेस्सर मूसा स कहेस, “मई इब्राहीम क परमेस्सर, इसहाक क परमेस्सर अउर याकूब क परमेस्सर हउँ।” * ²⁷उ मरे भए क परमेस्सर नाहीं मुला जउन जिअत अहई ओनकइ परमेस्सर अहइ। तू पचे बहोतइ भारी भूलि पड़ि गवा ह।”

सबते बड़ा हुकुम

(मती 22:34-40; लूका 10:25-28)

²⁸फिन एक तु धरम सास्त्री आइ अउर ईसू ओनका चरिचा करत सुनेस। जबहि उ सास्त्री देखेस कि ईसू ओनका कउने बड़िया तरकीबे स जवाब दिहेस, उ ईसू स पूछेस, “कउन हुकुम सबते जिआदा बड़कई क अहइ?”

²⁹ईसू जवाब दिहेस, “सबते बड़कई क हुकुम इ अहइ: ‘ओ इब्राएली सुना, सिरिफ हमार पभू परमेस्सर एक तु पभू अहइ। ³⁰तू आपन पूर मन स समूचइ जिन्गी स, समूचइ बुद्धि स अउर आपन पूरी ताकत स तोहका आपन परमेस्सर पभू स पिरेम करइ चाही।’ * ³¹दूसर हुकुम इ अहइ ‘आपन पड़ोसी स वइसइ ही पिरेम करा जइसे तू आपन स करत ह!’ * इ सब हुकुमन ते बड़ा अउर कउनो हुकुम नाहीं।”

³²यह पइ धरम सास्त्री ओसे कहेस, “गुरु तू नीक कह्या। तोहार इ कहब नीक कि परमेस्सर एक अहइ, ओकरे बजाय अउर दूसर कउनो नाहीं।” ³³आपन पूरा मन स, समूचइ समझि-बूझि स, पूरी ताकत स परमेस्सर स पिरेम करब अउर आपन भाई आपन पड़ोसी स पिरेम करब सबइ बलि समर्पित भेंट अउर भेंटेन जेकरे बारे मँ कहा अहइ, ओसे जिआदा बड़कइ अहइ।”

³⁴जबहि ईसू देखेस कि उ मनई समझि के जवाब देत बाटइ तउ ईसू मनई स कहेस, “तू परमेस्सर क राज्य स

झाड़ी क बाबत निर्ग. 3:1-12.

‘मई ... हउँ’ निर्ग. 3:6.

‘ओ इब्राएली ... चाही’ व्यवस्था 6:4-5.

‘आपन ... करत ह’ लैव्य. 19:18.

दूर नहीं बाट्या" ओकरे बाद कउनो दूसर मनई ओसे कउनो अउर सवाल पूछइ क हिम्मत नाही किहेस।

³⁵फिन ईसू मंदिर में उपदेस देत भवा कहेस, "कइसे धरम सास्तिरियन कहत बाटेन कि मसीह दाऊद क पूत अहइ? ³⁶दाऊद खुद पवित्तर आतिमा स प्रेरित होइके कहेस:

'पभू (परमेस्सर) मोर पभू (मसीह) कहेस: मोरे दाहिन कइँती बइठा जब तलक मई तोहरे दुस्मनन क तोरे गोड़वा तरे न कइ देउँ।'

भजन संहिता 110:1

³⁷दाऊद खुदइ ओका 'पभू' कहत बाटइ। फिन मसीह दाऊद क पूत कइसे होइ सकत ह?'' भारी भीड़ ओका खुस होत होत सुनत रही। ³⁸उ आपन उपदेस में कहेस, "धरम सास्तरी लोगस होसियार रहा। उ पचे आपन लंबा लंबा लबादा पहिरि क एँहरे ओहँर फिरब पंसद करत हीं। ओनका हाटन में आपन्क पैलगी कराउब सोहात ह। ³⁹अउर आराधनालयन में बड़कवा क आसन पर बइठब चाहतहीं। उ पचे भोजे में बड़कवा क आसन पावइ क इच्छा रखत हीं। ⁴⁰उ पचे विधवन क मिल्कियत हइप लेत हीं। उ पचे देखावइ बरे लंबी लंबी पारथना बोलत हीं। इ पचन क करी स करी सजा मिली।"

सच्चा दान

(लूका 21:1-4)

¹ईसू दानपात्र क समन्वा बइठा बइठा देखत रहा कि मनई कउनो तरह दानपात्र में पइसा नावत हीं। बहोतन धनी मनइयन बहोत धन नाइ दिहन। ²फिन हुवाँ एक तु गरीब विधवा आइ अउर उ ओहमाँ दुइ दमड़ी नाएस जउन उ एक पइसा क बराबर भी नाही रहा।

³फिन उ आपन चेलन क नगिचे बोलाएस अउर कहन, "मई तोसे सच सच कहत हउँ, धनी लोगन स इ दाने पात्रे में नावा एक ढेर क नावा दान स जिआदा बड़कवा दान इ गरीब अउर बेसुहागिन विधवा क अहइ। ⁴काहेकि उ पचे जउन धन फालतू धरे रहेन उ सब एँहमा नाइ दिहन, मुला इ आपन गरीबी में स जउन एँकरे लगे रहा, उ सब नाइ दिहस। एँकरे लगे एँतना ही धन जुरा रहा जउन एँकरे जिन्गी क सहारा रहा।"

बिनासे क भविस्सबाणी

(मती 24:1-44; लूका 21:5-33)

13 जब उ मंदिर स जात रहा, ओकर एक तु चेला ओसे कहेस, "गुरु, देखा इ सबइ पाथर अउर इमारतन केतँना अजुबा अहई।"

तउ ईसू ओन्से कहेस, "तू इन भारी इमारत क देखत बाट्या? हियों एक पाथर प दूसर पाथर टिकाइ कइ रखा बाटइ। एक एक तु पाथर ढकेल दीन्ह जाई।"

³जबहिं उ मंदिर क समन्वा जैतून क पर्वत प बइठा रहा तउ पतरस, याकूब, यूहन्ना अउर अन्द्रियास अकेल्ले में पूछेन, ⁴"हमका बतावा, इ सब कछू कब घटी? जब इ सब कछू पूरा होइ जाई तउ कउन निसान देखॉइ देई?"

⁵ह पइ ईसू कहइ लाग, "होसियार! कउनो तोहका न छली। ⁶मोरे नाउँ स बहोत लोग अइहीं अउर इ दावा करिहीं, 'मई उहइ हउँ।' उ पचे बहोतन क छलिहीं। ⁷जब तू जुद्ध अउर जुद्धन क अफवाह क बारे में सुन्या तउ घबराया जी अइसा तु होइहइ मुला अबहिं अंत नाही बाटइ। ⁸एक रास्ट दूसर रास्ट क खिलाफ अउर एक तु राज्य दूसर राज्य क खिलाफ खड़ा होइहीं। बहोतन स ठउरइ प भूँडोल अइहीं अउर अकाल पड़ी। ई उ पीरा क सुरुआत होइ जव कोउ नवा पइदा होत हय।

⁹आपन बारे में होसियार रहा। उ पचे तोहका अदालत में पेस करिहीं अउर फिन तोहका आराधनालयन में पीटा जाई अउर मोरे कारण तोहका सासक राजा लोगन क समन्वा खड़ा होइ क होई जैसे ओनका प्रमाण मिलि जाइ। ¹⁰लेकिन इ जरूरी अहइ कि पहिले स हि सबन्क क सुसमाचार सुनाइ दीन्ह जाइ। ¹¹जब कबहुँ तोहका पकरि के तोहरे प मुकदमा चलइहीं तउ पहिले स इ फिकिर जिन कर्या कि तोहका का कहइ क अहइ। उ समइ प जउन कछू तोहका बतावा जाइ, उहइ बोल्या काहेकि इ सबइ तू पचे नाही जउन तू बोलत ह, मुला बोलइवाला पवित्तर आतिमा अहइ।

¹²भाई, भाई क धोखा दइके पकड़ावावत मरवाइ देइ। बाप, बेटवा क धोखा दइ के पकड़वाइ अउर बाल-बच्चे आपन महतारी अउर बाप के खिलाफत में खड़ा होइके मरवइहीं। ¹³मोरे कारण सब जने तोसे घिना करिहीं मुला जउन अंत समइ तलक धीरज धरी, ओकर उद्धार होई।

¹⁴जब तू पचे 'घृणित खउफनाक अउर बिनास करइवाली चीजन्क,' जहाँ उ सबन क न होइ चाही, हुवाँ खड़ा देखा।" (पढ़वइया खुद समझि लेई कि एँकर का अरथ अहइ।) "तब जउन लोग यहूदिया में होइहीं, ओनका पर्वत प पराय जाइ चाही।

¹⁵अउर जउन लोग आपन घरवा क छतवा प होइहीं, उ पचे घरवा में घुसुरि के कछू भी लइ आवइ क तरखाले न उतरइ। ¹⁶अउर जउन बाहेर मैदान में होई, उ पचे पाछे घूमि के आपन ओढ़ना तलक न लेई। ¹⁷उ स्त्रियन बरे जेकर पैर भारी होइ अउर जेकर दूध पिअइया बचवन गोदी में होइहीं, उ दिनन बहोतई खउफनाक होइहीं। ¹⁸पराथना करा कि इ सब कछू सर्दी क रिंतु में न होइ।

¹⁹उ दिनन अइसी बिपत आई जइसी आजु तक नाही इ जबहिं ते परमेस्सर इ संसार क रचि दिहन ह, आजु तक नाही आइ अउ कबहुँ अगवा न आई। ²⁰अउर जदि परमेस्सर उ दिनन क कमती कइ न दिहसे होत तउ कउनो न बच पावत। मुला उ खास रूप स चुना गवा

मनइयन क कारण जेनका उ चुनेस, उ उ समइ क कम कइ दिहस ह। ²¹उ दिनन मँ जदि कउनो तोसे कहइ कि 'देखा, इ रहा मसीह!' या 'उ अहइ मसीह।' तू ओकर बिसवास न करया। ²²काहेकि झूठे मसीहन अउर झूठे नबियन देखोई देइहीं अउर उ सबइ अइसा अद्भुत चीन्हन देखइहीं अउर अचरज कारजन करिहीं कि जदि होइ जाए तउ उ पचे चुना गएन मनइयन क भी अइपेंचे मँ डाइ देइहीं।

²³यह बरे तू सब होसियार रहा। मई समइ स पहिले ही तो पचनक सब कछू बताइ दीन्ह।

²⁴"उ दिनन मँ दारुन कस्ट क समइ क पाछे, 'सूरज करिया पड़ि जाई चंदा स ओकर चाँदनी न निकसी

²⁵अकास स तारे टूटइ लगिहीं अउर अकासे मँ बड़वार सकती झकाझोरि दीन्ह जइहीं।'

यसायाह 13:10; 34:4

²⁶"तब्बइ मनइयन मनई क पूत क महासक्ती अउर महिमा क संग बदरवन मँ निहरिहीं। ²⁷फिन उ आपन दूतन क पठइके चारहु दिसा मँ धरती क छोरे स दूसर छोरे तक सब कइती स आपन चुना भवा मनइयन क जमा करी।

²⁸"अंजोरे क बिरवा स उपदेस ल्या कि जबहिँ ओकर टहनियन नरम अउर हरिअर होइ जात हीं तउ ओह प कोंपर फूटइ लागत हीं। तउ तू पचे जान लेत ह्या कि गर्मी क रितु आवइ क अहइ।

²⁹अइसे ही जबहिँ तू पचे इ सब कछू होत लख्या तउ समझ लिहा कि उ समइ नगिचे आइ ग अहइ, मुला ठीस स दरवजे प। ³⁰मई तोसे सच-सच कहत हउँ कि इ सब घटना इत मनइयन क जिअते जी होइहीं। ³¹धरती अउर अकास बरबाद होइ जइहीं लेकिन मोर बचन कबहुँ न टारे टरी।

³²"उ दिन या उ घड़ी क बारे मँ कउनो कछू गियान नाहीं, न सरग क दूनन अउर न अबहीं मनई क पूत क, सिरिफ परमपिता जानत बाटइ। ³³होसियार! जागत रहा काहेकि तू नाहीं जनत्या कि उ समइया कब आइ जाई। ³⁴ई अइसे अहई कि जइसे कउनो मनई कउनो जात्रा प जात जात आपन नउकरन प आपन घरवा छोड़ि जाए अउर हर मनई क ओकर आपन आपन काम बाँटि दे अउर चौकीदार क हुकुम दइ जाए कि तू जागत रहा। ³⁵यह बरे जू जागत रहा काहेकि घरे क मालिक न जानी कब आइ जाए। चाहे सांझ होई, की आधी रात की मुर्गन क बाँग क समइ की फिन दिन निकरि आवइ। ³⁶जदि उ अचानक आइ जाइ तउ अइसा करा कि जैसे उ तोहका सोवत त पावइ। ³⁷जउन मई तोसे कहत हउँ, उहइ सबते कहत हउँ: 'जागत रहा!'"

ईसू क जान स मारि डावइ क चाल

(मती 26:1-5; लूका 22:1-2; यूहन्ना 11:45-53)

14 फसह क त्यौहार* अउर बे खमीरे क रोटी क त्यौहार * स दुइ दिन पहिले की बात अहइ कि मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन कउनो अइसा कुचाल चलत रहेन कि जउने चलाकी स ओका गिरफ्तार कइ लेई अउर जान स मारि डावई। ²उ सबइ इ कहत रहेन, "मुला हम पचेन क त्यौहार क दिन अइसा नाहीं करइ चाही, नाहीं तउ मनइयन दंगा कइ लेइहीं।"

ईसू प इतर क उडेलब

(मती 26:6-13; यूहन्ना 12:1-8)

³जब बैतनिय्याह मँ ईसू समौन कोड़ी क घरे खाना खाइके बइठा, तबहिँ एक ठु स्त्री उज्जर अउर चीकन स्फटिक मनि क बासन मँ सुद्ध बाल छडे क इतर लइ आइ। उ स्त्री बासने क तोडेस अउर ओसे निकसत इतरे क ईसू क मुँडवा प उडेरैस।

⁴एसे हुवाँ कछू चेलन बिगड़ के आपुस मँ कहइ लागेन, "इतरे क अइसी बर्बादी काहे कीन्ह गइ अहइ? ⁵इ इतर तउ तीन सउ दीनारे स जिआदा मँ बेंच जाइ सकत ह अउर फिन उ धने क कंगालन मँ बाँटि जाइ सकत रहा।" उ पचे उ स्त्री क निन्दा करेन।

⁶तब ईसू कहेस, "काहे क ओका तंग करत ह? ओका छोड़ा। उ मोरे बरे एक बडिया काज करैस ह। ⁷काहेकि कंगालन तू हमेसा तोहरे लगे रइहीं अउर तउ तू जब चाहा ओनकइ मदद कइ सकत ह, मुला मई तोहरे साथे हमेसा न रइहउँ। ⁸इ स्त्री उहइ केरसि जउन उ कइ सकत रही। उ समइ स पहिले मोरे दफनावइ बरे, मोरे बदन पइ इतर छिरकि के ओका तइयार किहेस ह। ⁹मई तोसे सच-सच कहत हउँ समूचे संसारे मँ जहाँ कहुँ भी इ सुसमाचार क प्रचार कीन्ह जाई, हुवईँ एँकरे यादे मँ जउन कछू इ स्त्री करैस ह, ओकर चर्चा होई।"

¹⁰तब यहूदा इस्करियोती, जउन एँकरे बारहु प्रेरितन मँ एक ठु रहा, मुख्ययाजकन क नगिचे ईसू क धोखा दइ के पकड़वावइ बरे गवा। ¹¹उ पचे ओकर बलियन सुनिके बहोत खुस भएन अउर उ पचे ओका धन देइ क वादा करेन। यह बरे फिन यहूदा ईसू क धोखा दइ क पकड़वावइ क तलास मँ रहइ लाग। ¹²बे खमीरे क रोटी क त्यौहार स एक दिन पहिले, जब फसह मेमना क बलिदान दीन्ह जात रही। ओकरे चेलन ओसे पूछेन, "तू का चाहत

फसह क त्यौहार फसह क त्यौहार मनावइ क पुरानी रीति क एक हीसा जेहमँ भेड क मेमनन क बलि परमेस्सर बाटे चढ़ावत रहेन।

बे खमीर क रोटी क त्यौहार ई यहूदियन क बड़कवा त्यौहार बाटइ। ई दिन ई रोटी क साथ खास खइया क खात हीं।

बाट्या कि हम पचे कहाँ जाइके तोहरे खइया बरे फसह क भोज तैयारी करी?"

¹³तब उ आपन दुइ ठो चेलन क इ कहिके पठएस, "सहर में जा, जहाँ तोहका एक तु मनई पानी क गगरी धरे भेंटइ, तउ ओकरे पाछे होइ जा। ¹⁴फिन जहाँ कहूँ भी उ भीतर जाइ, उ घरे क मालिक स कहया, 'गुरु पछेस ह, भोजन क उ बैठका कहाँ बाटइ, जहाँ मई आपन चेलन क संग फसह क भोज खाइ सकउँ।' ¹⁵फिन उ तोहका ऊपर एक बड़का सजा भवा बैठका देखाई, हुवई हमरे बरे तैयारी करा।"

¹⁶तब ओकर चेलन हुवाँ स सहर क चलेन जहाँ उ पचे हर बात वइसी निहारेन जइसी ईसू ओनका बताएस। तबहि उ पचे फसह क भोज तैयार करेन।

¹⁷दिन ओनवत के आपन बारहु प्रेरितन क संग ईसू हुवाँ पहुँच गवा। ¹⁸जब उ पचे बइठके खइया के खात रहेन, तबहि ईसू कहेस, "मई सच कहत हउँ, तोहरे में स एक तु जउन मोरे संग खइया क खात अहइ, उहइ मोका धोका दइके पकड़वाई।" ¹⁹ईसू उ पचे दुखी होइ के एक दुसरे स कहइ लागेन, "सचमुच उ मई नार्ही हउँ।"

²⁰तब ईसू ओनसे कहेस, "उ बारहु में स उहइ एक बाटइ, जउन मोरे संग एकहि थारी में खात अहइ। ²¹मनई क पूत क तउ जाइ क अहइ, जइसा कि ओकरे बारे में लिखा बाटइ। मुला उ मनई क धिक्कार अहइ, जउनेसे मनई क पूत पकड़वावइ जाइ। केतना नीक इ होत कि उ मनई पइदा न भवा होत।"

परभू क भोज

(मती 26:26-30; लूका 22:15-20; 1 करिंथकरांस 11:23-25)

²²जब उ पचे खइया क खात रहेन, ईसू रोटी लिहस, धन्यवाद दिहस, रोटी क तोड़ेस अउर ओका उ पचनक देत देत कहेस, "ल्या, इ मोर बदन अहइ।"

²³फिन उ कटोरा क उठाएस, धन्यवाद दिहस अउर ओनका दिहस अउर उ सबन ओहमाँ स पिथेन।

²⁴तबहि ईसू बोल पड़ा, "इ मोर लहू (मउत) बाटइ जउन एक नवा करार क सुरुआत अहइ यह बहुतन क बरे बहावा जात अहइ। ²⁵मई तू पचन स सच सच कहत हउँ कि मई उ दिना तक दाखरस पिअब जब तलक परमेस्सर क राज्य में नवा दाखरस न पिअउँ।" ²⁶तबहि उ सब एक स्तुति गाना गाइके जैतून क पर्वत प गएन।

ईसू क सब चेलन ओका तजि देइहीं

(मती 26:31-35; लूका 22:31-34; यूहन्ना 13:36-38)

²⁷ईसू ओनसे कहेस, "तोहार पचे क बिसवास खोइ जाइ। काहेकि लिखा बाटइ:

'मई गड़रियवा क मारब अउ भेड़न छिटकाइ जइहीं।'
जकर्याह 13:7

²⁸मुला फिन स जी उठे क पाछे मई तोसे पहिले ही गलील चला जावा।"

²⁹जब पतरस बोलि उठा, "चाहे सब मिला आपन बिसवास खोइ दें, मुला मई न खोउबा।"

³⁰यह पइ ईसू ओसे कहेस, "मई तोसे सच कहत हउँ। आजु, इहइ राते में मुर्गा क दुइ बार बाँग देइ स पहिले तू तीन दाई मोका नकार चुका होब्या।"

³¹यह पइ पतरस अउर जोर देत भवा कहेस, "जदि मोका तोर संग मरइ पड़इ तबहुँ मई तोहका कबहुँ न नकारबा।" तबहि अउ बाकी चेलन भी अइसा ही कहनेन।

ईसू क एकांत में पराथना

(मती 26:36-46; लूका 22:39-46)

³²फिन उ पचे एक अइसे ठउरे प आएन जेका गतसमनी कहा जात रहा। हुवाँ ईसू आपन चेलन स कहेस, "जब तलक मई पराथना करत हउँ, तू पचे हियँइ बइठा।" ³³अउर पतरस, याकूब अउर यूहन्ना क उ आपन संग लइ गवा। उ बहोतइ दुखी अउर बियाकुल होत रहा। ³⁴उ ओनसे कहेस, "मोर मन दुखी बाटइ, जेसे मोर प्रान निकरि जइहीं। तू हियँई ठहर अउर होसिआर रहा।"

³⁵फिन रचिके अगवा बढि के उ धरती प निहुरि के पराथना करइ लाग कि जदि होइ सकइ तउ घड़ी मोसे टरि जाइ। ³⁶फिन उ कहेस, "हे अब्बा परमपिता! तोहरे बरे सब कछू संभव अहइ। इ कटोरा क मोसे दूर करा। फिन जउन कछू मई चाहत हउँ, उ नार्ही मुला जउन तू चाहत ह, उहइ करा।"

³⁷फिन उ लौटा तउ आपन चेलन क सोवत भवा निहारि के पतरस स कहेस, "समौन क तू सोवत अहा? का तू एक घड़ी भी जाग नार्ही सक्या? ³⁸जागत रहा अउर पराथना करा जेसे तू अउनो परिच्छा में न फँसा। आतिमा तउ चाहत ह मुला सरीर निर्बल अहइ।"

³⁹उ फिन चला गवा अउर वइसे ही बचन बोलत बोलत उ पराथना किहेस। ⁴⁰जब उ दुबारा लौटा तउ उ फिन ओका सोवत पाएस। ओकरी आँखिन में नींद चाँपि रही। ओका कछू सूझत नार्ही रहा कि उ का जवाब देइ।

⁴¹उ तिसरी दाई फिन लौटा अउर ओसे बोला, "का तू अबहुँ अरामे स सोवत अहा? अच्छा, तउ सोवत रहा। उ घड़ी आइ गइ अहइ जब मनई क पूत धोखा स पकड़वाइ जाइ के पापी मनइयन क हथवा में दइ दीन्ह जात अहइ। ⁴²खड़ा होइ जा! आवत चली। देखा, इ आवत अहइ, मोका धोखा दइ के पकड़वइया मनई।"

ईसू क गिरपतार कीन्ह जाब

(मती 26:47-56; लूका 22:47-53; यूहन्ना 18:3-12)

⁴³ईसू बोलत रहा कि ओकरे बारहु प्रेरितन में स एक यहूदा हुवाँ दिखाइ दिहस। ओकरे लगे लठियन अउर

तरवारन क लिहे भीड़ रही, जेका मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन पठएन।

⁴⁴धोखा दड़ के पकड़वइया ओनका ई इसारा बताइ के राखे रहा, "जेका मई चूम लेउँ, उहइ उ अहइ। ओका हिरासत में लइ ल्या अउर पकड़ि के सुरच्छित स लइ जा।" ⁴⁵तउ जइसे ही यहूदा हुआ आवा, उ ईसू क नगिचे जाइ के कहेस, "गुरु!" अउर ओका चूम लिहेस। ⁴⁶फिन तुरंतहि उ पचे ओकर हाथ पकड़ि के हिरासते में लइ लिहन। ⁴⁷ओकर चेला जउन नगिचे खड़ा रहा, आपन तरवार खींचेस अउर महायाजक क एक ठु नउकरे प मारि दिहस, जेसे ओकर कान कटि गवा।

⁴⁸फिन ईसू ओनसे कहेस, "का मई कउनो अपराधी हउँ जेका पकड़इ तू सबइ लाठी अउर तरवार लइके आइ अहा?" ⁴⁹रोज मंदिर में उपदेस देत मई तोहरे साथे रहा मुला तू पचे मोका नहीं पकड़या। अब इ भवा जेसे सास्तरन क बचन पूरा होइ जाइ।" ⁵⁰फिन ओकर सब चलन ओका अकेला तजि के पराय गएन। ⁵¹आपन उघार देहे प केवल चदरिया लपेटि के एक ठु नउजवान पाछे आवत रहा। उ पचे ओका पकड़इ चाहेन। ⁵²मुला उ आपन चदरिया छोड़ि के नंगा पराय गवा।

ईसू क पेसी

(मती 26:57-68; लूका 22:54-55, 63-71;

यूहन्ना 18:13-14, 19-24)

⁵³उ सबइ ईसू क महायाजक क नगिचे लइ गएन। फिन सबइ मुख्ययाजकन, बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर धरम सास्तिरियन जमा भएन। ⁵⁴पतरस ओसे दूरइ दूर रहत भवा ओकरे पाछे पाछे महायाजक क अंगना में भीतर तर चला गवा अउर हुवाँ क पहरेदारन क साथ बइठके आगी तावइ लाग।

⁵⁵समूची यहूदी महासभा अउर मुख्ययाजकन ईसू क मउत की सजा देइ बरे ओकरे खिलाफत में प्रमान खोजइ क जतन करत रहेन मुला ढूँढ नाही पाएन। ⁵⁶बहोतन ओकरे खिलाफत में झूठी साच्छी दिहन, मुला उ सबइ साच्छी आपुस में एक दूसरे क खिलाफ रही।

⁵⁷फिन कछू मिला ठाइ भएन अउर ओकरे खिलाफ झूठी साच्छी देत भए कहइ लागेन, ⁵⁸"हम पचे एँका इ कहत सुनेन ह, 'मनइयन क हथवा स बना भवा इ मंदिर क मई दहाइ देइहउँ अउर फिन तीन दिना क भीतर दूसर बनाइ देइहउँ, जउन हाथन स बना न होइ।'" ⁵⁹लेकिन इन सबन में ओ पचेन क साच्छियन एक नाई नहीं रही।

⁶⁰तब ओनके समन्वा महायाजक ठाइ होइके ईसू स पूछेस, "इ सब लोग, तोहरे खिलाफत में इ कउन साच्छियन देत बाटेन? का जवाबे में तोहका कछू नहीं कहइके?"

⁶¹यह पइ ईसू चुप्पी साधेस, "कउनो जवाब नहीं दिहस। महायाजक फिन ओसे पूछेस, "का तू धन्य (परमेस्वर) का पूत मसीह अहा?"

⁶²ईसू बोला, "हाँ, मई परमेस्वर क पूत हउँ। अउर तू सब मनई क पूत क उ सर्वसक्तिमान क दाई ठाउँ बइठा अउर सरगे क बदरवन में आवत देखब्या।"

⁶³महायाजक आपन ओढ़ना क फाइत भवा कहेस, "हमका अउ साच्छियन क अब का जरूरत अहइ!" ⁶⁴तू इ सब बेजत बातन क कहत सुन्या, अब तोहार का विचार अहइ?"

उ सबइ ओका अपराधी ठहराइके कहेन, "एँका मउत क सजा मिलइ चाही!" ⁶⁵तब कछू मिला ओह पइ थूकत मुँहना क ढकत, घँसा मारत अउर कछू ओकर हँसी दिल्लीगी करत कहइ लागेन, "भविस्सबाणी करा!" अउ फिर पहरेदारवन ओका पीटेन।

पतरस डेरान कि उ ईसू क जानत ह

(मती 26:69-75; लूका 22:56-62; यूहन्ना 18:15-18, 25-27)

⁶⁶पतरस अबहीं नीचे अँगने में बइठा रहा कि महायाजक क एक ठु नउकरानी आइ। ⁶⁷जबहि उ पतरस क आगी तापत देखेस तउ बड़े धियान स बोली, "तुहउँ तउ ईसू नासरी क संग रहया।"

⁶⁸मुला पतरस मुकरि गवा अउर कहइ लाग, "मई नहीं जानति या मोरी समझ में नहीं आवत अहइ कि तू का कहति अहा।" इ कहत उ इयोदी तक चला गवा। तबहि मुर्गा बाँग दिहस। *

⁶⁹उ नउकरानी जब ओका दोबारा देखेस तउ हुवाँ खड़े मनइयन स फिन कहइ लाग, "इ मनई भी ओनमाँ स एक अहइ।"

⁷⁰पतरस फिन मुकर गवा, अउ फिन थोड़ी देर में उहाँ खडेन्ह लोगन्ह पतरस स कहेन, "निस्चय ही तू ओनमे स एक अहा, काहेकि तोहू गलील का अहा।"

⁷¹तब पतरस आपन क धिक्कारइ अउर सपथ खाइ लाग। "जेकरे बारे में तू बात करत अहा, उ मनई क मई नहीं जानति।"

⁷²फउरन मुर्गा दूसर बाँग दिहस। पतरस क उहइ समइया उ सबदन याद होइ आएन जउन ओहमाँ स ईसू कहे रहा, "एसे पहिले कि मुर्गा दुइ दाई बाँग देइ, तू मोका तीन दाई नकरब्या।" तब पतरस जइसे टूटि गवा होइ। वह फूट फूट कइ रोवइ लाग।

ईसू क पीलातूस क समन्वा पेसी

(मती 27:1-2, 11-14; लूका 23:1-5; यूहन्ना 18:28-38)

15 जइसे ही भिंसार भवा, मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन, बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर समूची यहूदी महासभा एक ठु खाका बनाएन। उ पचे ईसू क बाँध के लइ गएन अउर ओका पीलातुस क सौप दिहेन।

पद 68 कछू यूनानी प्रतियन में यह भाग जोड़ी गइ अहइ: "तबहि मुर्गा बाँग दिहस।"

²पिलातुस ओसे पूछेस, “का तू यहूदियन क राजा अहा?”

ईसू जवाब दिहिस, “अइसा ही अहइ। तू खुदइ कहत अहा।”

³फिन मुख्ययाजकन ओह पइ बहोत स दोख मदेस।
⁴पिलातुस ओसे फिन पूछेस, “का तोहका जवाब नाहीं देइ क अहइ? देखा, उ पचे केतनी बातन क दोख तोह पइ लगावत अहइ।”

⁵मुला ईसू अबहुँ कउनो जवाब नाहीं दिहिस। यह पइ पिलातुस क बहोतइ अचरज भवा।

पिलातुस ईसू क छोड़ देइ मैं सफल नाहीं भवा

(मती 27:15-31; लूका 23:13-25; यूहन्ना 18:39-19:16)

⁶फनसह क त्योंहार क मउके प पिलातुस कउनो एक बंदी क, जेका मनइयन चाहत रहेन, ओनके छोड़ देत रहा। ⁷बरअब्बा नाउँ क एक बन्दी उ विद्रोह करवइयन क संग जेले मैं रहा जउन दंगा मैं कतल करेन। ⁸मनइयन आपन अउर पिलातुस स कहइ लागेन कि उ जइसा हमेसा स करत आइ ह, वइसा ही करा।

⁹पिलातुस ओनसे पूछेस, “का तू पचे चाहत बाद्या कि मई तोहरे बरे यहूदियन क राजा क अजाद कइ देउँ?”

¹⁰पिलातुस इ यह बरे कहेस कि उ जानत ह कि मुख्ययाजकन जलन क कारण ओका पकड़वाएन ह।
¹¹मुला मुख्ययाजकन भीड़े क उसकाएन कि उ ओकरे बजाय ओनके बरे बरअब्बा क छोड़ि देइ।

¹²मुला पिलातुस ओनसे फिन पूछेस, “जेका तू यहूदियन क राजा कहत बाद्या ओकर मई का करउँ बतावा तू का चाहत बाद्या?”

¹³जवाबे मैं उ पचे चिल्लानन, “ओका क्रूस प चढ़ावा।”

¹⁴तब पिलातुस ओसे पूछेस, “काहे, उ कउन अइसा अपराध किहेस ह?”

मुला उ पचे अउर जोर स चिचिआइ के कहेन, “ओका क्रूस प चढ़ावा।”

¹⁵पिलातुस भीड़ क खुस करइ चाहत रहा, यह बरे उ ओनका बरे बरअब्बा क छोड़ेस अउर ईसू क कोड़वा स पिटवाइ के क्रूस पर चढ़ावइ के सौँप दिहिस।

¹⁶फिन सिपाही ओका रोम क राजपाल क निवास मैं लइ गएन। उ पचे सिपाही क पूरी पलटन बोलाँइ लिहिन।

¹⁷फिन उ सबइ ईसू क बैगनी रंगे क ओढ़ना पहिराएन अउर काँटन क ताज बनाइ के ओकरे मुँड़वा प धरेन।

¹⁸फिन ओका सलामी देइ लागेन, “यहूदियन क राजा क सुआगत अहइ।”

¹⁹उ सबइ ओकरे मुँड़वा प नरकटे स मारत जात रहेन। उ पचे ओह पइ थूकत जात रहेन अउर घुटनवन प निहुरिके ओकरे अगवा दण्डवत करत रहेन। ²⁰इ तरह जब उ सबइ ओकर मसखरी उड़ाइ चुकेन तउ उ सबइ बैगनी ओढ़ना उतारेन अउर ओका आपन ओढ़ना

पहिराइ दिहन अउर फिन ओका क्रूस प चढ़ावइ बरे, बाहेर लइ आएन।

ईसू क क्रूस पर चढ़ावत जाव

(मती 27:32-44; लूका 23:26-43; यूहन्ना 19:17-27)

²¹उ पचेन क कुरेनी क रहवइया समौन नाउँ क एक मनई, राहे मैं भेटेस। उ गाउँ स आवत रहा। उ सिकन्दर अउर रूफुस क बाप रहा। सिपहियन ओह पइ दबाव डारेन कि ईसू क क्रूस उठाइ क चलई। ²²फिन उ पचे ईसू क गुलगुता नाउँ क ठाउँ प लइ गएन (जेकर अरथ अहइ “खोपड़ी ठाउँ”)। ²³फिन उ पचे ओका लोहबान नाइ के दाखरस पिअइ क दिहेन। मुला उ ओका नाहीं लिहेस। ²⁴फिन ओका क्रूसे पइ चढ़ाइ दीन्ह गवा। ओकर ओढ़ना उ पचे बाँटि लिहेन अउर इ देखइ क बरे कि कउनो का लेइ, उ पचे पासा फेकेन।

²⁵दिना क नउ बजेन, जब उ पचे ओका क्रूस प चढ़ाएन। ²⁶ओकरे खिलाफ एक लिखा भवा मुकदमा क पत्तर ओह पइ लगावा रहा, “यहूदियन क राजा।” ²⁷ओकरे संग दुइ ठु डाकू भी क्रूस प चढ़ाइ गएन। एक ठु ओकरे दाई अउर दूसर बाई कइँती। ²⁸*

²⁹ओकरे लगे स निकरि के जात मनइयन ओका निन्दा करत रहेन। आपन मुँड़ी झमकाइ झमकाइ के उ पचे कहत रहेन, “अरे, वाह। तू उहइ अहइ जउन मंदिर क दहाइ के तीन दिन मैं फिन बनावइवाला रहा। ³⁰अब क्रूस स तरखाले आइके अउर खुदइ आपन क तउ बचाव।”

³¹इ तरह मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन भी ईसू क मसखरी उड़ाएन। उ पचे आपुस मैं कहइ लागेन, “इ अउरन क बचावत अहइ, मुला खुद आपन क नाहीं बचाइ सकत। ³²अब इ मसीह अउर इम्राएल क राजा क, क्रूस प स तरखाले उतरइ दे जेसे हम पचे इ देखि के ओहमों बिसवास करि सकी।” अउर उ दुइनउँ भी, जउन ओकरे साथ क्रूसे प चढ़ाइ गवा रहेन, ओकर बेजती करेन।

ईसू क मउत

(मती 27:45-56; लूका 23:44-49; यूहन्ना 19:28-30)

³³फिन समूची धरती पइ दुपहरे तक अँधियार छावा रहा। इ अँधियारा दोपहर तीन बजे तक रहा। ³⁴दिना क तीन बजे ईसू ऊँची आवाज मैं चिल्लाइके कहेस, “इलोई, इलोई, लमा सबकतनी!” अरथ अहइ “मोरे परमेस्सर, मोरे परमेस्सर, तू मोका काहे बिसारि दिहा?” *

पद 28 कछू यूनानी प्रतियन मैं पद 28 जोड़ा गवा अहइ: “तब पक्वित्तर सास्तर कहत ह, ‘उ डाकुअन क संग गना गवा।”

“मोरे ... दिहा” भजन. 22:1.

³⁵जउन नगिचे ठाड़ रहेन, ओनमाँ स कछू जब इ सुनेन तउ उ पचे बोलेन, “सुना! इ एलिय्याह क पुकारत अहइ।”

³⁶तब एक मनई दौड़ि के सिरका मँ बौरि के एक तु मोटा कपरा क भीजि के डंडा प धइ के ईसू क पिअइ बरे दिहस अउ कहेस, “ठहरि जा, हम पचे निहारत अही कि ऐंका नीचे उतारइ क बरे एलिय्याह आवत ह कि नाहीं।” ³⁷फिन ईसू ऊँची अवाज मँ चिल्लाइके प्राण तजि दिहस। ³⁸तबहिँ मँदिरे क पट ऊपरि स तरखाले तक फाटिके दुइ टुकरन मँ बैटि गवा। ³⁹सेना क एक तु अधिकारी जउन ईसू क समन्वा ठाड़ रहा, ओका प्राण तजत देखेस। उ कहेस, “इ मनई असल मँ परमेस्सर क पूत रहा!” ⁴⁰कछू स्त्रियन हुवाँ दूर ते ठाड़े भइ निहारत रहीँ, जेहमाँ मरियम मगदलीनी, छोटका याकूब अउर योसेस क महतारी मरियम अउर सलोमी रहीँ। ⁴¹जब ईसू गलील मँ रहा तउ इ स्त्रियन ओकर चलन रहीँ अउर ओकर सेवा करत रही। हुवाँ अउर भी बहोत स स्त्रियन रहीँ जउन ओकरे साथ यरूसलेम तक आइ रहीँ।

ईसू क दफनाइ जाब

(मती 27:57-61; लूका 23:50-56; यूहन्ना 19:38-42)

⁴²साँझ होइ गइ अउर सबित क पहिले क, उ तैयारी क दिन रहा। ⁴³यह बरे अरिमतिथा क यूसुफ आइ। उ यहूदी महासभा क सम्मानित सदस्य रहा अउर परमेस्सर क राज्य आवइ क बाट जोहत रहा। हिम्मत क साथ उ पिलातुस क नगिचे गवा अउर ओसे ईसू क सरीर माँगिस। ⁴⁴पिलातुस क भारी अचरज भवा कि उ ऐंती हाली कइसे मरि गवा। उ सेना क अधिकारी क बोलाएस अउर ओसे पूछेस, का ओका मरे भए ढेर देर होइ ग अहइ? ⁴⁵फिन जब उ सेना क अधिकारी स बयान सुनि लिहस तउ यूसुफ क सरीर दइ दिहस। ⁴⁶फिन यूसुफ सने मलमल क थोड़ा स कपरा बेसहेस, ईसू क क्रूस स तरखाले उतारेस, ओकरे सरीरे क कपरा मँ लपेटेस अउर ओका कब्र मँ रख दिहस जेका चट्टाने क काटि क बनावा गवा रहा। अउर फिन कब्रे क मुँहे प एक बड़वार पाथर ढकेलिके टिकइ दिहस। ⁴⁷मरियम मगदलीनी अउर योसेस क महतारी निहारत रहीँ कि ईसू क कहाँ रखा ग अहइ।

ईसू क फिन स जी जाब

(मती 28:1-8; लूका 24:1-12; यूहन्ना 20:1-10)

16 सबित क दिन बीत गए प मरियम मगदलीनी, सलोमी अउर याकूब क महतारी मरियम क सरीरे पर लगावइ बरे सुगंधि खरीदेस। ²हफता क पहिले दिन भिंसारे सूरज निकर ही उ पचे कब्र प गइल। ³उ पचे आपुस मँ कहत रहीँ, “हमरे बरे कब्र क दुआरे स कउन पथरवा क सरकाइ?” ⁴फिन जब उ पचे अँरिख्याँ खोलि

के निहारेन कि उ बहोतइ बड़वार पाथर हुवाँ स टरि गवा अहइ। तब उ देखिन कि पाथर हुआँ स दूर लुइक गवा। ⁵फिन जब उ पचे कब्र क भीतर गइन तो निहारेन कि उज्जर कपरा पहिरे एक नउजवान दाहिन कइँती बइठा अहइ। वे पचे डेराइ गइन। ⁶फिन नउजवान ओनसे कहेस, “जिन डेरा, तू सबइ जउन नासरी क ईसू खोजति अहा, जेका क्रूस प चढ़ाइ गवा अहइ, उ जी उठा बाटइ। उ हियाँ नाहीं बाटइ। इ ठउर क लखा जहाँ उ पचे ओका धरेन ह। ⁷अब तू जा अउर ओनके चलन क अउर पतरस स कहा, “उ तोसे पहिले गलील जात बाटइ। जइसा कि उ तोसे कहे रहा, उ तोहका हुवँइ मिली।”

⁸तब डर अउर अचरजि मँ आइके उ पचे कब्र स बाहेर निकरिके पराय गइन। उ सबइ कउनो क कछू नाहीं बताएन काहेकि उ पचे बहोतई घबराइ गइ रहिन।*

कछू चलन क ईसू क दरसन

(मती 28:9-10; यूहन्ना 20:11-18; लूका 24:13-35)

⁹हफता क पहिले दिन भिंसारे जी उठइ क पाछे उ सबन त पहिले मरियम मगदलीनी क समन्वा परगट भवा जेका उ सात दुस्त आतिमन स छोड़ाएस। ¹⁰उ ईसू क संगिन जउन सोक मँ बूड़ा रहेन, खूबइ रोवत रहेन, जाइके बताएस। ¹¹जब उ पचे सुनेन कि ईसू जीवित अहइ अउर उ ओका देखेस ह तउ पचे बिसवास नाहीं किहेन। ¹²ऐंकरे पाछे ओनमाँ स दुइनउँ क समन्वा जब उ पचे खेतन मँ जात जात राहे मँ रहेन, एक तु दूसर रूप धइके परगट भवा। ¹³उ पचे लौटि के दूसर चलन क भी ऐंकर खबर दिहन मुला उ सबइ ओकर बिसवास नाहीं किहेन।

प्रेरितन स ईसू क बातचीत

(मती 28:16-20; लूका 24:36-49; यूहन्ना 20:19-23;

प्रेरितन क काम 1:6-8)

¹⁴पाछे, जब ओकर गियारह प्रेरितन खाना खात रहेन, उ ओनके समन्वा परगट भवा अउर उ ओनके बिसवास न करइ के अउर मनवा क जर होइ जाइ के डाटेस फटकारेस काहेकि इ पचे ओकर बिसवास नाहीं किएन जउन ओका जी उठइ के बाद लखेन।

¹⁵फिन उ ओनसे कहेस, “जा अउर समूची दुनिया क मनइयन क सुसमाचार क उपदेस दया। ¹⁶जउन कउनो बिसवास करत ह अउर बपतिस्मा लेत ह, ओकर बचावा होई अउर जउन बिसवास न करी, उ दोखी माना जाइ। ¹⁷जउन मोरे मँ बिसवास करिहीं, ओनमाँ इ चीन्हा होइहीं: उ मोरे नाउँ प दुस्त आतिमन क बाहेर खदेरिहीं उ सबइ नई नई भाखा बोलिहीं। ¹⁸उ पचेन आपन हाथन स सांपन क पकरि लेइहीं अउर जदि उ पचे बिख पी जइहीं तउ

पद 8 मरकुस किताबे क कछू यूनानी प्रतियन मँ अठइ क पाछे गन्ती नाहीं बा।

ओनका नसकान न होई, उ पचे रोगिन्य आपन हाथ धरिहीं अउर उ पचे चंगा होइ जइहीं।”

¹⁹इ तरह जब पभू ईसू ओनसे बात कइ चुकेस तउ ओका सरगे में उठा लीन्ह गवा। उ परमेस्सर क दाहिन

कइँती बइठ गवा। ²⁰ओकर चेलन बाहेर जाइके सब ठउरन में सुसमाचार दिहन कि ओनके संग पभू काम करत रहा। पभू बचन क अद्भुत कारजन करइ क सक्ति क संग लइके सच साबित किहेस।

लूका रचित सुसमाचार

भूमिका

1 बहोत स मनई हमरे बीच होइजाइ वाली घटना क ब्यौरा लिखइ क कोसिस करेन ह।² उहइ बातन हमका उ सबइ मनइयन क जरिये जान पड़िन जउन उ पचे सुरुआत स देखेन अउर जउन सुसमाचार क प्रचार करत रहेन।³ हे मान्यवर थियुफिलुस! काहेकि मई सुरुआत स सब कछू होसियारी स पढ़ेउँ ह। यह बरे मोका इ नीक जान पड़त ह कि तोहरे बरे एक तु एक क बाद एक एक घटना क लिखेउँ।⁴ जेसे तू सब इन बातन क बेफिकिर होइके जान ल्या जउन तोहका सिखाइ ग अहइँ।

जकरयाह अउर इलीसिबा

⁵उ समइया मँ जब यहूदिया प हेरोदेस क राज्य रहा। हुवाँ जकरयाह नाउँ क एक याजक रहत रहा। जउन याजकन क अबिय्याह दल* क रहा अउर ओकर पत्नी इलीसिबा हारून बंस क रही।⁶ उ दुइनउँ परमेस्सर क निगाह मँ धर्मी रहेन। उ पचे बिना केउ दोख क पभू क सबइ हुकुमन अउर बिधानन क पालन करत रहेन।⁷ मुला ओनके कउनो संतान नाहीं रही, काहेकि इलीसिबा बौझ रही अउर उ दुइनउँ बहोत बुढ़वा होइ ग रहेन।

⁸जब जकरयाह क आपन दले क मंदिर मँ याजक क काम खातिर बारी आइ, अउर उ परमेस्सर क समन्वा आराधना बरे हाजिर भवा।⁹ तउ याजकन मँ चली भइ रीति रिवाजे क तरह पर्ची डाइके ओका चुना गवा कि उ पभू क मंदिर मँ जाइके धूप जरावइ।¹⁰ जब धूप जरावइ क समइ आइ तउ बाहेर एकट्ठा भवा मनई पराथना करत रहेन।¹¹ उहइ समइया जकरयाह क समन्वा एक तु पभू का दूत परगट भवा। उ दूत धूप क वेदी क दाहिने कइँती खड़ा रहा।¹² जकरयाह जइसे उ दूत क निहारेस तउ उ घबराइ गवा अउर डर जइसे ओका जकड़ि लिहस।¹³ फिन सरगदूत ओसे कहेस, “जकरयाह जिन डेराअ, तोहार पराथना सुनि लीन्ह गइ अहइ। यह बरे तोहार पत्नी इलीसिबा एक बेटवा क जनम देई, अउर तू ओकर नाउँ यूहन्ना धर्या।¹⁴ उ तोहका आनंद अउर खुसी देइ, साथे ओकरे जनम स अउर भी बहोत

स मनइयन क खुसी होई।¹⁵ काहेकि उ पभू क निगाहे मँ महान होई। उ कबहुँ कउनो दाखरस या कउनो मदिरा क न पिई। आपन जन्म स पवित्तर आत्मा स भरपूर होई।¹⁶ उ इब्राएल क बहोतन मनइयन क ओनकइ पभू परमेस्सर कइँती लौटइ बरे फेरी।¹⁷ उ एलिय्याह क आत्मा अउर सामर्थ मँ होइके पभू क अगवा अगवा चली। उ बापन क हिरदय ओनके संताने कइँती मोड़ देइ अउर आज्ञा न मानइवालन क मने क बदल देइ जेहसे उ पचे धर्मी मनइयन क नाई सोचइ लागइ। इ सबइ, उ मनइयन क पभू बरे तइयार करइ क करी।”

¹⁸ तबहीं जकरयाह दूत स कहेस, “मई इ कइसे जान लेउँ कि इ सच अहइ? काहेकि मई एक बुढ़वा हउँ अउर मोर पत्नी बुढ़िया होइ ग अहइ।”

¹⁹ तबहीं सरगदूत जवाब देत ओसे कहेस, “मई जिब्राईल हउँ। मई उहइ हउँ जउन परमेस्सर क अगवा खड़ा रहत हउँ। मोका तोसे बात करइ अउर इ सुसमाचार क बतावइ बरे पठवा ग अहइ।²⁰ मुला देखा, काहेकि तू मोरे सब्दन प, जउन निश्चित समइ क आइ प सच सिद्ध होइहीं, बिसवास नाहीं किहा, यह बरे तू गूँगा होइ जाब्या अउर उ दिना तलक नाहीं बोल पउब्या जबहिं ताई इ घटित न होइ जाइ।”

²¹ ओहर बाहेर मनई जकरयाह क इंतजार करत रहेन। ओनका अचरज भवा कि उ एतनी देर मंदिर मँ काहे ठहर गवा अहइ।²² फिन जब उ बाहेर आवा तउ उ ओनसे बोल नाहीं पावत रहा। ओनका इ लाग कि जइसे मंदिर क भीतर कउनो दर्सन होइ गवा अहइ। उ गूँगा होइ ग अउर सिरिफ इसारा करत रहा।²³ अउर फिन अइसा भवा कि जब ओकर आराधना क काम होइ गवा तउ जकरयाह वापस आपन घर लौटि गवा।

²⁴ थोड़े दिना बाद ओकरे पत्नी इलीसिबा गर्भवती भइ। पाँच महीना तलक उ सबन स अलगइ रही। उ कहेस,²⁵ “अब आखिर मँ जाइके इ तरह पभू मोर मदद करेस ह। मनइयन क बीच मोर लाज राखइ बरे उ मोर सुधि लिहस ह।”

कुँवारी मरियम

²⁶⁻²⁷ इलीसिबा क छठा महीना चलत रहा, गलील क एक सहर नासरत मँ परमेस्सर क दूत जिब्राईल क एक कुँवारी कन्या क लगे पठएस जेकर यूसुफ नाउँ क

अबिय्याह क दल यहूदी याजकन 24 दलन मँ बँटा रहा।
देखा इति. 24

एक मनई स गोदी भरि दीन्ह गइ। उ दाऊद क बंस में जनमा रहा अउर उ कुँवारी कन्या क नाउँ मरियम रहा।

²⁸जिब्राईल ओकरे लगे आइ अउर कहेस, “तोह पइ अनुग्रह भइ अहइ, तोहार जय होइ। पभू तोहरे संग बा।”

²⁹इ बचन सुनिके उ बहोत घबरान, उ सोच में पड़ि गइ, “एकर का अरथ होइ सकत ह?”

³⁰तब सरगदूत ओसे कहेस, “मरियम तू जिन डेराअ, तोसे परमेस्सर खुस अहइ। ³¹सुना! तू गोड़वा स भारी होब्या अउर एक पूत क जन्म देबू अउर ओकर नाउँ ईसू रखबिउ। ³²उ महान होई अउर उ सबन त सर्वोच्च (परमेस्सर) क पूत कहवावा जाई। पभू परमेस्सर ओका ओकरे बाप दाऊद क सिंहासन दइ देई। ³³उ अनन्त समइया ताई याकूब क घराने प राज करी। ओकर राज्य क नास कबहुँ न होई।”

³⁴यह पइ मरियम सरगदूत स कहेस, “इ सच कइसे होइ सकत ह? काहेकि मई तउ अबहूँ कुँवारी हउँ।”

³⁵जवाबे में सरगदूत ओसे कहेस, “तोहरे लगे पवित्तर आतिमा आई अउर सर्वोच्च (परमेस्सर) क सक्ती तोहका आपन परिछाहीं में लइ लेई। इ तरह उ जन्म लेइवाला पवित्तर पूत परमेस्सर क पूत कहवावा जाई। ³⁶अउर इ भी सुनि ल्या कि तोहरे कुनबा क इलीसिबा क कुनबे में बुढाँती क गरभ में एक बेटवा अहइ अउर ओकरे कोखी क इ छठा महीना चलत बा। लोग कहत रहेन कि उ बाँझ बा। ³⁷मुला परमेस्सर बरे कछून न होइ सकइ, अइसा नाहीं।”

³⁸मरियम कहेस, “मई पभू क दासी हउँ जइसा तू मोरे बरे कह्या ह, वइसा ही होइ।” अउर तब उ सरगदूत ओकरे लगे स चला गवा।

मरियम क इलीसिबा अउर जकरयाह क लगे जाब

³⁹उहइ समइया मरियम तइयार होइके यहूदिया क पहाड़ी पहुँटा में बसा एक ठु सहर क फउरन चली गइ। ⁴⁰फिन उ जकरयाह क घरे गइ अउर उ इलीसिबा क अभिवादन किहेस। ⁴¹इ भवा कि जबइ इलीसिबा मरियम क अभिवादन सुनेस तउ जउन बचवा ओकरे पेटवा में रहा, उछरि गवा अउर इलीसिबा पवित्तर आतिमा स सराबोर होइ गइ।

⁴²ऊँची आवाजे में चिल्लात भइ उ कहेस, “तू स्त्रियन में सबते जिआदा बड़भागी अहा अउर जउने बचवा क तू जन्म देबू उ धन्य बा। ⁴³मुला इ ऐतनी बड़ी बात मोरे संग काहे घटि गई कि मोरे पभू क महतारी मोरे नियरे आइ। ⁴⁴काहेकि तोहरे पैलगी क सब्द जइसेन मोरे कनवा में आइ, मोरे पेटवा में बचवा खुसी स उछरि गवा। ⁴⁵तू धन्य अहा जउन इ बिसवास किहेस कि पभू जउन कछू कहेस उ होइके रही।”

मरियम क परमेस्सर क स्तुति

⁴⁶तबहीं मरियम कहेस,

⁴⁷“मोर प्रान पभू (परमेस्सर) क स्तुति करत ह; मोर आतिमा मोरे उद्धारकर्ता परमेस्सर में खुस भइ।

⁴⁸उ आपन दीन दास की बिटिया क सुधि लिहेस अउर अब हँ आनु क बाद सबहीं मोका धन्य कइहीं।

⁴⁹काहेकि उ सक्तीवाला मोरे बरे बड़कवा कारज किहेस ह। ओकर नाउँ पवित्तर अहइ। ⁵⁰जउन ओसे डेरत हँ उ ओन पइ पीढ़ी दर पीढ़ी दया करत ह।

⁵¹उ आपन बाँहन क सक्ती देखोइस। उ घमंडी मनइयन क ओनके डींग हाँकइवालन क बिचारन क छितराइ दिहेस।

⁵²उ राजन क सिंहासने स तरखाले उतार दिहस। दीनन क ऊँचा उठाएस

⁵³उ भुखान मनइयन क नीक चीजे स भरपूर कइ देई अउर धनी लोगन क निकांरि देई।

⁵⁴उ आपन नउकरन इम्राएलियन क दया करइ आवा अउर हमरे पूर्वजन क बचन क मुताबिक्

⁵⁵ओका इब्राहीम अउर ओकर संताने प सदा दया देखोवइ क याद रही।”

⁵⁶मरियम तीन महीने ताई इलीसिबा क संग ठहरी रही अउर फिन आपन घरवा लौटि आइ।

यहून्ना क जन्म

⁵⁷फिन इलीसिबा क बचवा पइदा करइ क समइ आइ अउर ओकरे एक बेटवा पइदा भवा। ⁵⁸जब ओकर पड़ोसी अउर ओकर नातेदार सुनेन कि पभू ओह प दया देखाइस ह तउ सबइ साथे मिलिके खुसी मनाएन।

⁵⁹अउर फिन अइसा भवा कि अठवें दिन बचवा क खतना खातिर मनइयन हुवाँ आएन। उ पचे ओकरे बाप क नाउँ क मुताबिक ओकर नाउँ जकरयाह धरइ जात रहेन, ⁶⁰तबहीं ओकर महतारी बोल पड़ी, “नाहीं! एकर नाउँ तउ यहून्ना धरे चाहीं।”

⁶¹तब उ पचे ओसे बोलेन, “तोहरे कउनो भी नातेदार का इ नाउँ नाहीं बा।” ⁶²अउर फिन उ पचे इसारन में ओकरे बाप स पूछेन, “उ ओका का नाउँ देइ चाहत ह?”

⁶³एह प जकरयाह ओनसे एक ठु तख्ती माँगिस अउर लिखेस, “एकर नाउँ अहइ यहून्ना।” एह पइ उ सबइ अचरजे में पड़ि गएन। ⁶⁴तबहीं फउरन ओकर मुँह खुलि गवा अउर ओकर बाका फूटि गवा। उ बोलइ लाग अउर परमेस्सर क स्तुति करइ लाग। ⁶⁵एसे सबइ पड़ोसी डेराइ गएन अउर यहूदिया क समूचइ पहाड़ी पहुँटा में

मनइयन एँकरे बारे में बतियाई लागेन। ⁶⁶जउन कउनो भी इ बात सुनेस, अचरजे में पड़िके कहइ लागेन, “इ गदेला का बनी?” काहेकि पभू क हाथ ओह प अहइ।

जकरयाह क स्तुति

⁶⁷तब ओकर बाप जकरयाह पवित्तर आतिमा स सराबोर होइ गवा अउर उ भविस्सबाणी किहेस:

⁶⁸“इझ्राएल क पभू परमेस्सर क आसीस होइ काहेकि उ आपन मनइयन क मदद बरे आवा अउर ओनका आजाद कराएस।

⁶⁹उ हमरे बरे आपन सेवक दाऊद क परिवार स एक उद्धारकर्ता दिहस।

⁷⁰जइसा कि उ बहोत पहिले आपन पवित्तर नबी स बचन देवोंएस।

⁷¹उ हमका हमार दुस्मनन स अउर ओन सब क हथवन स, जउन हम स धिना करत रहेन, हमका छोड़वइ क बचन दिहस।

⁷²हमरे पूर्वजन प दया देखावइ क अउर आपन पवित्तर बचन क याद रखइ क।

⁷³ओकर बचन रहा एक उ सपथ जउन हमरे पूर्वजन इब्राहीम क संग लीन्ह गइ रहिन,

⁷⁴कि हमार दुस्मनन क हथवन स हमार छुटकारा अउर बेडर क पभू क सेवा करइ क हुकुम दीन।

⁷⁵अउर आपन जिन्नगी भर हर रोज ओकरे समन्वा हम पचे पवित्तर अउर धर्मी रहि सकी।

⁷⁶हे बालक! अब तू सर्वोच्च (परमेस्सर) क बड़ा नबी कहा जाइ काहेकि तू पभू क अगवा अगवा चलिके ओकरे बरे राह तइयार करी।

⁷⁷अउर ओकरे मनइयन स कही कि ओनके पापन क छमा स उ ओनके लोगन क उद्धार का गियान देबा।

⁷⁸हमरे परमेस्सर क नरम अनुग्रह स एक नवा दिन क भोर हम पइ ऊपर स उतरी।

⁷⁹ओन प चमकइ बरे जउन मउत क गहरी छाया में जितत अहई काहेकि हमरे गोड़वन सांति क राहे प सीधा जाईं।”

⁸⁰इ तरह उ लरिका बाइइ लाग अउर ओकर आतिमा मजबूत स मजबूत होइ लाग। उ मनइयन में परगट होइ स पहिले निर्जन जमाहिया में रहत रहा।

ईसू क जनम

(मती 1:18-25)

2 उ दिना औगुस्तुस कैसर कइँसी स एक हुकुम निकरा कि समूचइ रोम क राज्य में जनगणना दर्ज कीन्ह जाइ। ²इ पहली जनगणना रही। जब सीरिया क राज्यपाल

क्विरिनियुस रहा। ³एह बरे जनगणना खातिर हर कउनो आपन सहर आवा।

⁴यूसुफ भी, गलील क नासरत सहर स यहूदिया में दाऊद क सहर बैतलहम क आवा काहेकि उ दाऊद क परिवार अउर बंस क सदस्य रहा। ⁵उ हुवाँ आपन होइवाली स्त्री मरियम क संग, जउन गर्भवती रही, आपन नाउँ लिखावावइ ग रहा। ⁶अबहीं जब उ पचे हुवाँ रहेन, मरियम क बचवा पइदा करइ क समइ आइ गवा। ⁷अउर उ आपन पहिलौटी पूत (ईसू) क जनम दिहस। काहेकि हुवाँ सराय क भीतरे उ पचन क कउनो ठउर नाही मिल पावा। एँह बरे उ ओका ओढ़ना में लपेटिके चरही में लोटाएस।

ईसू क जनम क खबर

⁸तबहीं हुवाँ उ पहँटा में बाहेर खेत में कछू गड़रियन रहेन जउन राति क समइ आपन आपन झूँड क रखवारी करत रहेन। ⁹उहइ समइया पभू क एक दूत परगट भवा अउर ओनकइ चारिहुँ कइँती पभू क तेज फूटइ लाग। उ सबइ सहमि गएन। ¹⁰तबहीं सरगदूत ओनसे कहेस, “डेराअ जिन, माँ सुसमाचार लइ आवा हउँ, जेसे सबइ मनइयन क महान आनंद होई। ¹¹काहेकि आज दाऊद क सहर में तोहार उद्धारकर्ता मसीह पभू क जनम भ अहइ। ¹²तोहार ओका पहिचानइ क चीन्हा होइ कि तू एक ठु बचवा क ओढ़ना में लपेटा भवा, चरही में ओलरा पउब्या।”

¹³उहइ समइया एकाएक उ सरगदूते क संग डेरि क अउर सरगदूतन हुवाँ हाजिर भएन। उ पचे इ कहत भवा परमेस्सर क गुन गावत रहेन:

¹⁴“सरगे में परमेस्सर क महिमा होइ अउर धरती प ओन मनइयन क सांति मिलइ जेसे उ खुस होइ।”

¹⁵अउर जब सरगदूतन ओनका तजिके सरग लौटि गएन तउ उ सबइ गड़रियन आपुस में कहइ लागेन “आवा हम बैतलहम चली अउर जउन घटना भइ अहइ अउर जेकाँ पभू हमका बताएन ह, ओका देखी।”

¹⁶तउ उ पचे जल्दी गयेन अउर हुवाँ मरियम अउर यूसुफ क पाएन अउर निहारेन कि बचवा चरही में लोटा बा। ¹⁷गड़रियन जब ओका निहारेन तउ इ बचवा क बारे में जउन संदेसा ओनका दीन्ह ग रहा, उ पचे ओनका सबइ क बताइ दिहन। ¹⁸जउन कउनो भी ओनका सुनेन, उ पचे गड़रियन क कही बातन प अचरज करइ लागेन। ¹⁹मुला मरियम इ सबइ बातन क आपन मनवा में राखि लिहस अउर उ ओन प सोचइ बिचारइ लाग। ²⁰अउर ओह उ सबइ गड़रियन जउन कछू सुनेन अउर देखे रहेन, ओके बरे परमेस्सर क स्तुति अउर

धन्यवाद देते अपने घरन क लौटि गएन। इ सब अइसेन घटा जइसेन कि ओनका बतावा गवा रहा।

²¹अउर जब बचवा क खतना खातिर अठवाँ दिन आइ तउ ओकर नाउँ ईसू रखेन। ओका इ नाउँ ओकरे गरभ में आवइ स पहिले सरगदूत दइ दिहिन।

ईसू क मंदिर में लइ जाव

²²अउर जब मूसा क व्यवस्था क मुताबिक पइदा भए बचवा क सूतक क दिन पूरा होइ गवा अउर सुद्ध होइ क समइ आइ तउ उ पचे ईसू क पर्भू क अरपन करइ बरे यरूसलेम लइ गएन। ²³पर्भू क लिखे भइ व्यवस्था क मुताबिक, “हर पहिलौटी क बेटवा पर्भू क बरे बिसेस मानी जाई।” * ²⁴अउर पर्भू क व्यवस्था कहत ह, “एक जोड़ी कबूतर या पडुँकी क दुइ नवा बचवा क बलिदान देइ चाही।” * तउ उ पचे पर्भू क व्यवस्था क मुताबिक बलि चढ़ावइ लइ गएन।

समौन क ईसू क दर्सन

²⁵यरूसलेम में समौन नाउँ क एक धर्मी अउर भगत रहा। उ इब्राएल क सुख चइन क बाट जोहत रहा। पवित्र आत्मा ओकरे साथ रही। ²⁶पवित्र आत्मा ओका परगट किए रही कि जब तलक उ पर्भू क मसीह क दर्सन नाहीं कइ लेइ, मरी नाहीं। ²⁷उ पवित्र आत्मा क साथ मंदिर में आवा अउर जब व्यवस्था क मुताबिक कारज बरे बालक ईसू क ओकर महतारी बाप मंदिर में लइ आएन। ²⁸तउ समौन ईसू क आपन गोदी में उठाइके परमेस्सर क स्तुति करत बोला:

²⁹“पर्भू अब तू आपन बचन क मुताबिक मोका आपन दास क सांति क साथ मुक्ती द्या

³⁰काहेकि मई आपन आँखिन स तोहरे उ उद्धार क दर्सन कइ लीन्ह ह।

³¹जेका तू सबहीं मनइयन क उपस्थिति में तइयार किए अहा।

³²इ बचवा गैर यहूदियन बरे तोहरे राहे का देखावय बरे ज्योति क सोता अहइ अउर तोहरे इब्राएल क मनइयन बरे इ महिमा अहइ।”

³³ओकर महतारी बाप ईसू क बारे में कही गइ इ बातन स अचरजे में पड़ि गएन। ³⁴फिन समौन ओनका आसीबाद दिहस अउर ओकर महतारी मरियम स कहेस, “इ बचवा इब्राएल में बहोतन क गिरावइ या उठावइ क कारण बनइ अउर एक अइसा चीन्हा ठहरावा जाइ बरे

“हर ... जाई” निर्ग 13:2

“एक ... चाही” लैव्य 12:8

तय कीन्ह ग अहइ जेकर खिलाफत कीन्ह जाइ। ³⁵अउर मनइयन जेका गूढ समझिहीं, उ लोगन क पता लगि जाई जेहसे तोहरे हिरदय क दुख होइ।”

हन्नाह ईसू क देखत ह

³⁶हुँवँ हन्नाह नाउँ क एक ठु नबिया रही। उ असेर कबीले क फनूएल क बितिया रही। उ बहोत बुढ़िया रही। आपन बियाहे क सिरिफ सात बरिस पाछे तलक उ आपन भतारे क साथे रही। ³⁷अउर फिन चौरासी बरिस तलक उ विधवा रही। उ मंदिर कबहुँ नाहीं तजेस। उपवास अउर पराथना करत भइ उ रात-दिन आराधना करत रही। ³⁸उहइ समइ उ उहाँ खड़ी ही। उ परमेस्सर क धन्यवाद दिहस अउर जउन मनइयन यरूसलेम क छुटकारा क बाट जोहत रहेन, उ ओन सबक छोड़ावइ क बारे में बताएस।

यसुफ अउर मरियम क घर लौटव

³⁹अउर जब उ पचे पर्भू क व्यवस्था क मुताबिक सब कछू पूरा कइ लिहेन तउ उ सबइ गलील में आपन सहर नासरत लौटि आएन। ⁴⁰अउर उ बालक बाढ़इ लाग अउर हिट्ट पुठ होइ लाग। उ बहोत बुद्धिमान रहा अउर ओह प परमेस्सर क अनुग्रह रही।

बालक ईसू

⁴¹फसह क त्यौहार प हर बरिस ओकर महतारी बाप यरूसलेम जात रहेन। ⁴²जब उ बारह बरिस क रहा तउ सदा क नाई उ पचे त्यौहार प गएन। ⁴³जब त्यौहार खतम भवा अउर उ सबइ घरवा लौटत रहेन तउ बालक ईसू यरूसलेम में रुकि गवा मुला महतारी बाप क ँकर जानकारी नाहीं होइ पाइ। ⁴⁴इ बिचारत भए कि उ दले में कहुँ होई, उ सबइ दिन भर जात्रा करत रहेन। फिन उ सबइ ओका आपन नातेदारन अउर नजदीकी मीतन में हेरइ लागेन। ⁴⁵अउर जब उ ओनका नाहीं मिल पावा तउ उ सबइ हेरत हेरत उ पचे यरूसलेम लौटि आएन।

⁴⁶अउर फिन भवा ई कि तीन दिना बाद उ ओहका मंदिर में पाएन। उ उपदेस देइ वालेन क साथ बइठके ओनका सुनत रहा अउर ओनसे सवाल पूछत रहा। ⁴⁷उ सबहिं जउन ओसे सुने रहेन, ओकर समझ बूझ अउर ओकरे सवाले क जवाब स अचरजे में पड़ि गएन। ⁴⁸जब ओकर महतारी बाप ओका निहारेन तउ दंग रहि गएन। ओकर महतारी ओसे पूछेस, “बेटवा, तू हमरे साथ अइसा काहे किहा? तोहार बाप अउर मई तोहका हेरत हेरत बहोतइ फिकिर में रहेन।”

⁴⁹तब ईसू ओनसे कहेस, “तू मोका काहे हेरत रहया? का तू नाहीं जनत्या कि मोका मोरे बाप क चीजन में सामिल होइ चाही?” ⁵⁰मुला ईसू ओनका जउन जवाब दिहस, उ पचे ओकरे बचन क ना समझ सकेन।

⁵¹फिन उ ओनके संग नासरत लौटि आवा अउर ओनकइ हुकुम क मानत रहा। ओकर महतारी इ सब बतियन क आपन मने में राखत जात रही।

⁵²ओह कइँती ईसू बुद्धि में, डील डौल में अउर परमेस्सर अउर मनइयन क पिरेम में बाढ़इ लाग।

यूहन्ना क प्रचार

(मती 3:1-12, मरकुस 1:1-8; यूहन्ना 1:19-28)

3 तिबिरियुस कैसर क राज्य क पन्द्रहवाँ बरिस में जब यूहूदिया क राज्यपाल पुन्तियुस पीलातुस रहा अउर उ पहुँटा क चउथाई भाग क राजन में हेरोदेस गलील क, ओकर भइया फिलिप्पुस इतूरैया अउर त्रखोनीतिस क, अउर लिसानियास अबिलेने क मातहत राजा रहा।

²यूहन्ना अउर काइफा महायाजक रहेन, तबहीं परमेस्सर क बचन जकरयाह क बेटवा यूहन्ना क लगे रेगिस्तान में पहुँचा। तउ यरदन नदी क नगिचे क समूचे पहुँटा में गवा, उ पापन क छमा बरे मनफिराय क खातिर बपतिस्मा क प्रचार करइ लाग। ⁴नबी यसायाह क बचन क किताबे में जइसा लिखा बा :

“कउनो क रेगिस्तान में चिल्लात भवा सब्द:
‘पभूँ क बरे रस्ता तइयार करा अउर ओकरे बरे रस्ता सोझ बनवा।

⁵ हर घाटी भरि दीन्ह जाई अउर हर पहाड़ अउर पहाड़ी सपाट होइ जइहीं टेढ़ मेंढ स्थान सीधे अउर ऊबड़ खाबड़ रस्ता चौरस कइ दीन्ह जाई।

⁶ अउर सबइ मनई परमेस्सर क उद्धार क दर्शन करिहीं।”

यसायाह 40:3-5

⁷यूहन्ना बपतिस्मा लेइ आएन मनइयन क भीड़ स कहत रहा, “अरे सँपोला, तू पचन क कउन चेताएस ह कि तू आवइवाले किरोध स बच जा? ⁸फल क जरिये तोहका प्रमाण देइ क होई कि असल में तोहका अपने पापन क पछतावा अहइ। अउर आपुस में इ कहब जिन सुरू करा, ‘इब्राहीम हमार बाप अहइ।’ मैं तोहसे कहत हँ कि परमेस्सर इब्राहीम बरे इन पाथरन स भी बचवन पइदा कइ सकत ह। ⁹बुच्छन क जड़े प कुल्हाड़ा धरा गवा अहइ अउर हर उ बुच्छ जउन नीक फर नहीं पइदा करत, काटिके गिराइ दीन्ह जाई अउर फिन ओका आगी में झोंकि दीन्ह जाई।”

¹⁰तब भीड़ ओसे पूछेस, “तउ हमका का करइ चाही?” ¹¹जवाबे में उ ओनसे कहेस, “जउन कउनो क लगे दुइ कुरता होइ, उ ओनका जेकरे लगे न होइ, ओनके संग बाँटि लेई। अउर जेकरे लगे खइया क होइ, उ भी अइसा ही करइ।”

¹²कछू चुंगी (टिक्स) त उगहिया ओकरे लगे बपतिस्मा बरे आएन अउर फिन उ पचे ओसे पूछेन, “गुरु, हमका का करइ क चाही?”

¹³एह पइ उ ओनसे कहेस, “जेतना चाही ओसे जिआदा जिन वसूला।” ¹⁴कछू सिपाही ओसे पूछेन, “अउर हमका का करइ चाही?”

तउ उ ओनका समझाएस, “जोर अउर दबाव स कउनो स धन जिन ल्या। कउनो प झूठ देख जिन लगावा। आपन पगार स संतोख करा।”

¹⁵लोग बड़की आसा स बाट जोहत रहेन अउर यूहन्ना क बारे में आपन मने में इ विचारत रहेन कि कहुँ, “इ तउ मसीह नाही बा।”

¹⁶तबहीं यूहन्ना इ कहत भवा उ सबन क उत्तर दिहस, “मई तउ तोहका जले स बपतिस्मा देत हँ मुला उ जउन मोसे जिआदा बरियार बा, आवत अहइ। मई ओकरे पनही क फीता तलक खोलइ क जोग नही हँ। उ तोहका पवित्तर आत्मा अउर आगी स बपतिस्मा देइ। ¹⁷ओकरे हाथ में ओसावइ क पाँचा अहइ, जेसे उ दाना क भूसा अलगाइ क आपन खरिहाने में उठाइके धरत ह। मुला उ भूसा क अइसी आगी में झाँकी जउन कबहुँ नाही बुताइवाली अहइ।” ¹⁸इ तरह अइसे ही अउर बहोत स सब्दन स उ ओनका समझावत भवा सुसमाचार सुनावत रहत रहा।

कइसे यूहन्ना क कारज क खतम भवा

¹⁹(पाछे यूहन्ना उ चौथाई पहुँटा क मातहत राजा हेरोदेस क ओकर भाई क पत्नी हेरोदियास क संग ओकर गलत संबंध अउर ओकर दूसर कुकरम बरे डाटेस फटकारेस। ²⁰एह पइ हेरोदेस यूहन्ना क बंदी बनाइके, जउन कछू कुकरम उ किहे रहा, ओहमाँ एक अउर जोर दिहस।)

यूहन्ना क जरिए ईसू क बपतिस्मा

(मती 3:13-17, मरकुस 1:9-11)

²¹अइसा भवा कि जब सब लोग बपतिस्मा लेत रहेन तउ ईसू भी बपतिस्मा लिहिस। अउर जब ईसू पराथना करत रहा, तबहीं अकास खुलि गवा ²²अउर पवित्तर आत्मा एक टु कबूतरे क देह धइके ओह प तरखाले ओतरा। अउर अकासबाणी भइ, “तू मोर पियारा पूत अहा, मई तोहसे बहोत खुस हँ।”

यूसुफ क बंसज बुच्छ

(मती 1:1-17)

²³ईसू जब आपन सेवा सुरु किहेस तउ उ खुद लगभग तीस बरिस क रहा। अइसा विचारा गवा कि उ यूसुफ क बेटवा था। एली क बेटवा यूसुफ। ²⁴मत्तात क बेटवा एली। लेवी क बेटवा मत्तात। मलकी क बेटवा

लेवी। यन्ना क बेटवा मलकी। यूसुफ क बेटवा यन्ना।
²⁵मत्तित्याह क बेटवा यूसुफ। आमोस क बेटवा मत्तित्याह।
 नहूम क बेटवा आमोस। असल्याह क बेटवा नहूम।
 नोगह क बेटवा असल्याह। ²⁶मात क बेटवा नोगह।
 मत्तित्याह क बेटवा मात। सिमी क बेटवा मत्तित्याह।
 योसेख क बेटवा सिमी। योदाह क बेटवा योसेख।

²⁷योनान क बेटवा योदाह। रेसा क बेटवा योनान।
 जरुब्बाबिल क बेटवा रेसा। सालतियेल क बेटवा
 जरुब्बाबिल। नेरी क बेटवा सालतियेल। ²⁸मलकी क
 बेटवा नेरी। अद्दी क बेटवा मलकी। कोसाम क बेटवा
 अद्दी। इलमोदाम क बेटवा कोसाम। एर क बेटवा
 इलमोदाम। ²⁹येसु क बेटवा एर। एलीएजेर क बेटवा
 येसु। योरीम क बेटवा एलीएजेर। मत्तात क बेटवा योरीम।
 लेवी क बेटवा मत्तात।

³⁰समौन क बेटवा लेवी। यहूदाह क बेटवा समौन।
 यूसुफ क बेटवा यहूदाह। योनान क बेटवा यूसुफ।
 एलियाकीम क बेटवा योनान। ³¹मलेआह क बेटवा
 एलियाकीम। मिन्नाह क बेटवा मलेआह। मत्तात क
 बेटवा मिन्नाह। नातान क बेटवा मत्तात। दाऊद क
 बेटवा नातान। ³²यिसै क बेटवा दाऊद। ओबेद क
 बेटवा यिसै। बोअज क बेटवा ओबेद। सलमोन क बेटवा
 बोअज। नहसोन क बेटवा सलमोन।

³³अम्मीनादाब क बेटवा नहसोन। आदमीन क बेटवा
 अम्मीनादाब। अरनी क बेटवा आदमीन। हिप्पोन क
 बेटवा अरनी। फिरिस क बेटवा हिप्पोन। यहूदाह क
 बेटवा फिरिस। ³⁴याकूब क बेटवा यहूदाह। इसहाक क
 बेटवा याकूब। इब्राहीम क बेटवा इसहाक। तिरह क
 बेटवा इब्राहीम। नाहोर क बेटवा तिरह। ³⁵सरूग क
 बेटवा नाहोर। रऊ क बेटवा सरूग। फिलिग क बेटवा
 रऊ। एबिर क बेटवा फिलिग। सेलाह क बेटवा एबिर।

³⁶केनान क बेटवा सेलाह। अरफक्षद क बेटवा
 केनान। सेम क बेटवा अरफक्षद। नूह क बेटवा सेम।
 लिमिक क बेटवा नूह। ³⁷मथूसिलह क बेटवा लिमिक।
 हनोक क बेटवा मथूसिलह। यिरिद क बेटवा हनोक।
 महललेल क बेटवा यिरिद। केनान क बेटवा महललेल।
³⁸एनोस क बेटवा केनान। सेत क बेटवा एनोस। आदम
 क बेटवा सेत। अउर परमेस्सर क पूत आदम था।

ईसू क परीच्छा

(मती 4:1-11, मरकुस 1:12-13)

4 पवित्तर आतिमा स भरा भवा ईसू यरदन नदी स
 लौटि आवा। आतिमा ओका ऊरारे में राह देखोवत
 रही। ²हुवाँ सइतान चालीस दिना ताई ओकर परीच्छा
 लिहस। ओ दिनन में ईसू बे खइया क खाए रहा। फिन
 जब समइ पूर भवा तउ ईसू भुखान।

³यह बरे सइतान ओसे कहेस, “जदि तू परमेस्सर क
 पूत अहा तउ इ पथरे स रोटी बनइ बरे कहा।”

⁴एहँ पइ ईसू जवाब दिहस, “पवित्तर सास्तरन में
 लिखा बा:

“मनई सिरिफ रोटी प नाहीं जिअत।”

व्यवस्था विवरण 8:3

⁵फिन सइतान ओका बहोत ऊँच लइ गवा अउर
 छिन भर में समूचे संसार क राज्य ओका देखोवत बोला,
⁶अउर सइतान ने ओसे कहेस, “मई इन राज्यन क
 तोहक हुकूमत अउर धन दौलत दइ देइहउँ अउर मई
 जेका चाहउँ ओका दइ सकत हउँ।” यह बरे यदि तू मोर
 आराधना करव्या तउ इ सब तोहार होइ जाई।”

⁸ईसू ओका जवाब देत भवा बोला, “पवित्तर सास्तरन
 में लिखा बा:

“तोहका सिरिफ आपन पर्भू परमेस्सर क ही
 आराधना चाही। तोहका सिरिफ उहइ क सेवा
 करइ चाही।”

व्यवस्था विवरण 6:13

⁹तब उ ओका यरूसलेम लइ गवा अउर हुवाँ मंदिर
 क सबते ऊँची चोटी प लइ जाइके खड़ा कइ दिहस।
 अउर उ ओसे बोला, “जदि तू परमेस्सर क पूत अहा तउ
 हिआँ स अपने आपक तरखाले गिरावा।” ¹⁰पवित्तर
 सास्तर में लिखा अहइ :

“उ आपन सरगदूतन क तोहरे बारे में हुकुम देई
 कि उ पचे तोहार रच्छा करई।”

भजन संहिता 91:11

¹¹अउर लिखा अहइ :

“उ पचे तोहका आपन बाँहें में अइसे उठइहीं कि
 तोहार गोड़ कउनो पाथर स न टकराई।”

भजन संहिता 91:12

¹²ईसू जवाब देत भवा कहेस, “पवित्तर सास्तरन में
 इ भी लिखा बा:

“तोहका आपन पर्भू परमेस्सर क परीच्छा में
 नाहीं नावइ चाही।”

व्यवस्था विवरण 6:16

¹³तउ जब सइतान ओकर सबइ तरह क परीच्छा लइके
 हारि गवा तउ दूसरइ समइ तलक ओका तजिके चल
 दिहस।

ईसू का लोगन क उपदेस

(मती 4:12-17, मरकुस 1:14-15)

¹⁴फिन ईसू आतिमा क समर्थ स भरा भवा गलील लौटि आवा अउर उ समूचे पहेँटा मैं ओकर चर्चा फैलि गइ। ¹⁵उ ओनके आराधनालय मैं उपदेस दिहेश। सबइ ओकर प्रसंसा करत रहेन।

¹⁶फिन उ नासरत आवा जहाँ उ पला अउर बड़ा भवा। आपन आदत क मुताबिक सबित क दिन उ आराधनालय मैं गवा। जबहिं उ पाठ बाँचइ खड़ा भवा। ¹⁷तउ यसायाह नबी क किताब ओका दीन्ह गई। जब उ किताब खोलेस तउ ओका उ जगह मिला जहाँ लिखा रहा कि:

¹⁸“पर्भू क आतिमा मोरे मैं समाइ गइ अहइ काहेकि किहेस ह उ मोर अभिसेक कि दुइनउँ क सुसमाचार सुनाउब मई, उ मोका पठएस ह बंदीयन क इ बतावइ कि उ पचे अजाद अहई। आँधर क आँखिन मैं जोति सरसावइ, अउर दलितन क छुटकारा देवोँवइ; ¹⁹ पर्भू क अनुग्रह क समइ बतावइ क भेजा अहइ!”

यसायाह 61:1-2

²⁰फिन उ किताब क बंद कइके परिचारक क हथवा मैं दइ दिहस अउर बैठ गवा। आराधनालय मैं सबइ क आँखिन ओका निहारत रहिन। ²¹तब उ ओनसे कहब सुरु किहेस, “आज इ बचन तोहरे काने मैं पूर भवा!”

²²हर कउनो ओकरे बारे मैं अच्छी बातन कहत रहेन। ओकरे मुँहना स जउन सुन्दर बचन निकरत रहेन, ओन प सबन क अचरज भवा। उ पचे कहेन, “का इ यूसुफ क बेटवा नाहीं अहइ?”

²³फिन ईसू ओनसे कहेस, “तू पचे जरूर मोका इ कहावत सुनउब्बा, ‘अरे बैद्य खुद आपन इलाज करा।’ कफरनहूम मैं तोहरे जउन काजे क बारे मैं हम पचे सुना ह, उ काजे क हिआँ आपन खुद क सहर मैं भी कइ डावा!” ²⁴ईसू तब ओनसे कहेस, “मई तोहसे सच कहत हउँ कि आपन सहर मैं कउनो नबी क स्वागत नाहीं होत। ²⁵मई तोहसे सच कहत हउँ इझ्राएल मैं एलिय्याह क समइ मैं जब अकास जइसे मुँद गवा रहा अउर साढ़े तीन बरिस तलक पूरी धरती मैं खौफनाक अकाल पड़ि गवा, तउ हुवाँ बहुत विधवन रहेन। ²⁶मुला सैदा पहेँटा के सारपत सहर क एक विधवा क तजिके एलिय्याह क कउनो अउर क लगे नाहीं पठवा गवा रहा। ²⁷अउर नबी एलीसा क समइया मैं इझ्राएल मैं ढेर कोढ़ी रहेन मुला ओहमाँ स सीरिया क बसइया नामान क तजिके अउर कउनो क सुद्ध नाहीं कीन्ह गवा रहा।”

²⁸तउ जबहिं आराधनालय मैं मनइयन इ सुनेन तउ सबहिं बहोत क्रोध स भर गएन। ²⁹तउ उ पचे खड़ा भएन अउर ओका सहर स बाहेर ढकेल दिहेन। उ सबइ ओका पहाड़े क उ चोटी प लइ गएन जेह प ओकर सहर बसा रहा जेसे उ पचे हुवाँ तरखाले झोंकि देई। ³⁰मुला उ ओनके बीच स निकरि के कहुँ आपन राहे प चला गवा।

ईसू का एक मनई क दुस्त आतिमा स छुटकारा

(मती 1:21-28)

³¹फिन उ गलील क एक सहर कफरनहूम गवा अउर सबित क दिन मनइयन क उपदेस देइ लाग। ³²मनई ओकरे उपदेस स अचरज मैं पड़ि गएन काहेकि ओकर संदेस मुड्ड विद्वान क तरह रहा। ³³हुवई एक तु मनई आराधनालय मैं रहा जेहमाँ एक दुस्त आतिमा क सवारी रही। उ जोर स चिल्लान, ³⁴“हे नासरत क ईसू! तू हमसे का चाहत बाट्या? का तू हमार नास करइ आइ अहा? मई जानत हउँ तू कउन अहा-तू परमेस्सर क पवित्तर मनई अहा!” ³⁵ईसू झिड़कत भवा ओसे कहेस, “चुप रह। एहमाँ स बाहेर निकरि आवा!” एँह पड़ि दुस्त आतिमा उ मनई क लोगनक समन्वा दइ मारेस अउर ओका बे नसकान किए ओसे बाहेर निकरि गइ।

³⁶सबइ कोउ अचरजे मैं पड़ि गएन। उ सबइ एक दूसर स बतियात कहेन, “इ कइसा सन्देश बा? हक अउर सकती क संग इ दुस्त आतिमन क हुकुम देत ह अउर उ सबइ बाहेर निकरि जात हीं।”

³⁷उ पहेँटा मैं लगे हर ठउरे प ओकरे बारे मैं खबर सँचर गइ।

रोगी स्त्री क चंगा कीन्ह जाब

(मती 8:14-17, मरकुस 1:29-34)

³⁸तब ईसू आराधनालय स समौन क घर चला गवा। समौन क सासे क बहोत बोखार चढ़ा रहा। उ पचे ईसू स मदद बरे बिनती किहेन। ³⁹ईसू ओकरे सिरहाने खड़ा भवा अउर बोखारे क डाटेस। बोखार ओहका छोड़ि दिहस। उ फउरन खड़ी होइ गइ अउर ओनकर सेवा करइ लाग।

ईसू बहोतन क चंगा किहेस

⁴⁰जब सूरज ओनवबत रहा तउ जेकरे हिआँ किसिम किसिम क बेमारी स पीड़ित रहेन, उ सबइ ओनका ओकरे लगे लइ आएन। अउर उ आपन हथवा ओहमाँ स हर एक पर रखत भए ओनका चंगा किहेस। ⁴¹ओहमाँ बहोतन मैं दुस्त आतिमन चिचियात भइ इ कहत बाहेर निकरि आइन, “तू परमेस्सर क पूत अहा!” मुला उ ओनका डाँटिस अउर बोलइ नाहीं दिहस, काहेकि उ सबइ जानत रहिन कि उ मसीह अहइ।

ईसू क दूसर सहरन क जात्रा

(मरकुस 1:35-39)

⁴²जब भिनसार भवा तउ हुवाँ स उ कउनो एकांत ठउर चला गवा। मुला भीड़ ओका हेरत हेरत हुवँइ जाइके पहोंच गइ जहाँ उ रहा। उ पचे ओका ओनका छोड़िके जाइ स रोकेन।

⁴³मुला उ ओनसे कहेस, “परमेस्सर क राज्य क बारे में सुसमाचार मोका दूसर सहरन में भी पठवइ क बा काहेकि मोका यह बरे पठवा ग अहइ।”

⁴⁴अउर इ तरह उ यहूदिया क आराधनालय में लगातार उपदेस देत रहा।

ईसू क पहिले चेलन

(मती 4:18-22, मरकुस 1:16-20)

5 अइसा भवा कि भीड़ में मनइयन ईसू क चारिहूँ कइँती स घेरिके जब परमेस्सर क बचन सुनत रहेन अउर उ गन्नेसरत नाउँ क झिलिया क किनारे खड़ा रहा। ²तबहीं उ झीले क किनारे दुइ नाउ देखेस। मछुआरा ओहमाँ स निकरिके आपन जाल साफ करत रहेन।

³ईसू ओहमाँ स एक नाउ प जउन समौन क रही, चढ़ि गवा अउर उ नाउ क किनारे स हटावइ बरे कहेस। फिन उ नाउ प बइठि गवा अउर हुवँई नाउ प स मनइयन क भीड़ क उपदेस देइ लाग।

⁴जब उ उपदेस देब बंद किहेस तउ उ समौन स कहेस, “गहिर पानी कइँती बढ़ा अउर मछरी धरइ क आपन जालि डावा।”

⁵समौन कहेस, “स्वामी हम सारी राति बहोत मेहनत कीन्ह ह, मुला हमका कछु नाहीं मिला। तउ भी तू कहत बाट्या, यह बरे मइँ जालि नाइ देत हउँ।” ⁶जब उ पचे जलिया डारि दिहन तउ बेर मछरी धरी गइन। ओनकइ जालि जइसे फाटत रहिन। ⁷तउ उ पचे दूसर नाउन में बइठन आपन साथी संगी क इसारा कइके मदद बरे बोलाएन। उ सबइ आइ गएन अउर उ सबइ दुइनउँ नाउन प एँतनी बेरि क मछरी लादि दिहन कि माना उ पचे बूड़इ लागेन।

⁸⁻⁹ जब समौन पतरस इ निहारेस तउ उ ईसू क गोड़वा में गिरिके बोला, “मोसे दूर रहा, काहेकि हे पर्भू मइँ एक पापी मनई हउँ।” उ इ यह बरे कहेस कि एँतनी मछरी बटोर पावइ क कारण ओका अउर ओकरे सबहीं साथी क बहोत अचरज होत रहा। ¹⁰जब्दी क बेटवा याकूब अउर यूहन्ना क भी, जउन समौन क साथी रहेन, इ तरह बहोत अचरज भवा।

तउ ईसू समौन स कहेस, “डेराअ जिन, काहेकि अबहिँ स तू मनइयन क बटोर ब्या।”

¹¹फिन उ पचे आपन नाउन क किनारे लइ आएन अउर सब कछु तजिके ईसू क पाछे होइ गएन।

कोढ़ी क सुदध कीन्ह जाब

(मती 8:1-4, मरकुस 1:40-45)

¹²तउ अइसा भवा कि जब ईसू एक सहर में रहा तबहीं हुवाँ कोढ़ स बिआपा एक टु मनई रहा। उ जइसेन ईसू क निहारेस तउ दण्डवत प्रणाम कइके ओसे बिनती किहेस, “पर्भू, जदि तू चाहा तउ मोका चंगा कइ सकत ह।”

¹³एह पइ ईसू आपन हाथ बढ़ाइके कोढ़ी क इ कहत भवा छुएस, “मइँ चाहत हउँ, चंगा होइ जा।” अउर फउरन ओकर कोढ़ जात रहा। ¹⁴फिन ईसू ओका हुकुम दिहेस, “एँकरे बारे में उ कउनो स कछु न कहइ। मुला याजक क लगे जा अउर अपने सुद्ध होइ बरे मूसा क हुकुम क मुताबिक भेंट चढ़ाइ द्या जैसे मनइयन क तोहरे चंगा होइ क प्रमाण मिलइ।” ¹⁵मुला ईसू क बारे में खबर अउर जिआदा रफतार स संचरइ लाग। अउर मनइयन क झुंड क झुंड ऐकट्टा होइके ओका सुनइ अउर आपन बेरामी स जरटुट होइ बरे ओकरे नगिचे आवत रहेन। ¹⁶मुला ईसू अक्सर कहुँ एकान्त जंगल में चला जात रहा अउर उहाँ पराथना करत रहा।

लकवा क रोगी क चंगा करब

(मती 9:1-8, मरकुस 2:1-12)

¹⁷अइसा भवा कि एक दिना जब उ उपदेस देत रहा तउ हुवाँ फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन भी बइठा रहेन। उ सबइ गलील अउर यहूदिया क हर सहर अउर यरूसलेम स आए रहेन। मनइयन क चंगा करइ क पर्भू क सक्ती ओकरे साथे रही। ¹⁸तबहीं कछु मनई खटिया प लकवा क एक बेरमिया क ओकरे लगे लइ आएन। उ पचे ओका भितरे लइ आइके ईसू क समन्वा धरइ क जतन करत रहेन। ¹⁹मुला भीड़ क कारण भीतर जाइके रस्ता न मिल पावइ स उ सबइ छत प चढ़ि गएन अउर उ पचे ओका बिछउना क साथ छत क बीचोबीचे स खपरैल टारिके मोर के बीच में ईसू क समन्वा उतार दिहन। ²⁰ओनके बिसवास क लखत भवा ईसू कहेस, “अरे तोहार, पाप छमा होइ गएन।”

²¹तब धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन आपन में सोचइ लागेन, “इ कउन बा जउन परमेस्सर बरे अइसे बेजती स बोलत ह? परमेस्सर क तजिके दूसर कउन अहइ जउन पाप छमा कइ सकत ह?”

²²मुला ईसू ओनकइ सोचब बिचारब क ताड़ लिहस। फिन जवाबे में उ ओनसे कहेस, “तू पचे आपन मने में अइसा काहे सोचत अहा? ²³जिआदा असान का बाटइ? इ कहब, ‘तोहार पाप छमा हुआ’ या इ कहब, ‘उठा अउर चला?’ ²⁴मुला यह बरे कि तू जान ल्या कि मनई क पूत क धरती प छमा करइ क हक अहइ।” उ लकवा क बेरमिआ स कहेस, “मइँ तोहसे कहत हउँ, खड़ा हवा! आपन बिछउना उठावा अउर घरे जा।”

²⁵तउ उ तुरंतही खड़ा भवा अउर ओनके लखत लखत जउने बिछउना प उ ओलरा रहा, ओका उठाइके परमेस्सर क स्तुति करत भवा आपन घर चला गवा।
²⁶उ पचे जउन हुवाँ रहेन सब चकित होइके परमेस्सर क बड़कई करइ लागेन। उ पचे म्रद्धा अउर अचरज स भरि गएन अउर बोलेन, “आजु हम पचे कछू अजूवा निहारा ह!”

लेवी क ईसू क बोलावा

(मती 9:9-13, मरकुस 2:13-17)

²⁷एकरे पाछे ईसू चला गवा। तबहीं उ चुंगी (टिक्स) क चौकी पड़े बड़ठा लेवी नाउँ क चुंगी उगहिया* क लखेस। उ ओसे कहेस, “मोरे पाछे चला आवा।”²⁸तउ उ खड़ा भवा अउर सब कछू तजिके ओकरे पाछे होइ गएन।

²⁹फिन लेवी आपन घरे प ईसू क मान बरे एक तु स्वागत जेवनार दिहस। हुवाँ चुंगी क उगहिया अउर दूसर मनइयन क बड़का जमघट मिलिके ओकरे संग जेवंत रहा।³⁰तब फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन लोग ओकरे चेलन स इ कहत भए सिकाइत किहन, “तू चुंगी उगहिया अउर पापी मनइयन क संग काहे खात पितअत ह?”

³¹जवाबे मैं ईसू ओनसे कहेस, “हिट्ट पुट्ट क नाहीं, मुला बेरमियन क बैदुय (डाक्टर) क जरूरत होत ह।³²मइ मनफिराव बरे धर्मी लोगन क नाहीं मुला पापी मनइयन क बोलावइ आवा हउँ!”

उपास प ईसू क मत

(मती 9:14-17, मरकुस 2:18-22)

³³उ पचे ईसू स कहेन, “यहून्ना क चेलन अक्सर उपास राखत हीं अउर पराथना करत हीं। अउर अइसा ही फरीसियन क मनवइयन भी करत ही मुला तोहार मनवइयन तउ खात पितअत रहत हीं।”

³⁴ईसू ओनसे पूछेस, “का दुल्हा क संग मेहमान जब तलक दुल्हा क लगे रहत हीं, उपास करत हीं?”³⁵मुला उ सबइ दिनन अबहीं जबहिं दुल्हा ओनसे छीन लीन्ह जइहीं। फिन उ दिनन मैं उ पचे उपास करिहीं।”

³⁶उ ओनसे एक डिस्तान्त कथा अउर कहेस, “कउनो भी नवा पोसाके स टुकड़ा फाड़िके ओका पुरान पोसाके प नाहीं लगावत अउर जदि कउनो अइसा करत ह तउ ओकर नवा पोसाक तउ फाटि जाई, ओकरे संग उ नवा पड़वंद भी पुरान क साथ मेल न खाई।³⁷कउनो भी

पुरान मसकन मैं नई दाखरस नाहीं भरत अउर जदि भरि देत ह तउ नई दाखरस पुरान मसकन क फोरि देई, उ फैलि जाई अउर मसकन क फोरि देई।³⁸मनई हमेसा नई दाखरस नई मसकन मैं ही धरत ह।³⁹पुरान दाखरस पीके कउनो भी नई का नाहीं चाहत काहेकि उ कहत ह, ‘पुरान उत्तिम अहइ।’”

सबित क पर्भू ईसू

(मती 12:1-8, मरकुस 2:23-28)

6 अब अइसा भवा कि सबित क एक दिन ईसू जब अनाजे क खेतस जात रहा तउ ओनकर चेलन अनाजे क बलिया तोड़तेन, हथेली प रगड़ितेन अउर ओनका चबात जात रहेन।²तबहीं कछू फरीसियन कहेन, “जेका सबित क दिन कीन्ह जाब नीक नाहीं बा, ओका तू पचे काहे करत अहा?”

³जवाब देत भवा ईसू ओनसे पूछेस, “का तू पचे नाहीं पढ़्या जब दाऊद अउर ओकर साथी भुखान रहेन, तब दाऊद का किहेस?⁴का तू नाहीं बँच्या कि उ परमेस्सर क घरे मैं घुसिके, परमेस्सर क चढ़ाई गइ रोटिन क उठाइके खाइ लिहस अउर ओनका भी दिहेस जउन ओकरे संग रहेन? जब कि याजकन क तजिके ओकर खाब कउनो बरे नीक नाहीं।”

⁵उ अगवा फिन कहेस, “मनई क पूत सबित क दिन क भी पर्भू अहइ।”

ईसू सबित क दिन रोगी क चंगा किहेस

(मती 12:9-14, मरकुस 3:1-6)

⁶दूसर सबित क दिना अइसा भवा कि उ आराधनालय मैं जाइके उपदेस देइ लाग। हुवाँई एक अइसा मनई रहा जेकर दाहिन हाथ सुखंडी होइ गवा रहा।⁷हुवाँई धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन इ ताक मैं रहेन कि उ सबित क दिन कउनो क चंगा किहे होइ तो ओह प दोख लगावइ क कउनो कारण पाइ जाई।⁸उ ओनके बिचारन क जानत रहा। यह बरे उ सुखंडी हथवावाले मनई स कहेस, “उठा अउर सबन क समन्वा खड़ा होइ जा।” उ उठि गवा अउर हुवाँ खड़ा होइ गवा।⁹तब ईसू मनइयन स कहेस, “मई तोहसे पूछत हउँ—सबित क दिन कउनो क भला करब चंगा अहइ या कउनो क नोसकान करब, कउनो क जिन्गी बचाउब नीक बा या कउनो क जिन्गी क नास करबा।”

¹⁰ईसू चारिहुँ कइँती ओन सबन क निहारेस अउर फिन ओसे कहेस, “आपन हथवा सोझ फइलावा।” उ वइसा ही किहेस अउर ओकर हाथ फिन स चंगा होइ ग।

¹¹मुला एँह पइ उ पचे आपुस मैं तहलतुक करत कोहाइ गएन अउर बिचारइ लागेन, “ईसू क का कीन्ह जाइ?”

चुंगी (टिक्स) उगहिया मनइयन स चुंगी उगहिया बरे यहूदियन क पगारे प रखा जात रहा। इ चुंगी क उगहिया मनइयन क उगत रहेन। यह बरे मनई एनका इज्जत स नाहीं देखत रहेन।

ईसू बारह प्रेरितन क चुनेस

(मती 10:1-4, मरकुस 3:13-19)

¹²उ दिनन मँ अइसा भवा कि ईसू पराथना करइ बरे एक पहाड़े प गवा अउर सारी राति परमेस्सर क पराथना करइ मँ बिताएस। ¹³फिन भोर भवा तउ उ आपन मनवइयन क लगे बोलोएस। ओहमों स उ बारहु क चुनेस, जेनका उ “प्रेरितन” क नाउँ दिहस। ¹⁴समौन जेका उ पतरस का नाउँ दिहस, अउर ओकर भइया अन्द्रियास, याकूब अउर यूहन्ना, फिलिप्पुस, बरतुलमै, ¹⁵मत्ती, थोमा, हलफई क बेटवा याकूब अउर समौन कनानी, *¹⁶याकूब क बेटवा यहूदा अउर यहूदा इस्करियोती जउन दगाबाज होइ गवा।

ईसू क मनइयन क उपदेस अउर चंगा करब

(मती 4:23-25, 5:1-12)

¹⁷फिन ईसू ओनके संग पहाड़ी स तरखाले उतरिके समथर भुइयाँ प खड़ा भवा। हुँवई ओकरे चलन क भारी जमघट रहा। एकरे साथ समूचइ यहूदिया, यरूसलेम, सूर अउर सैदा क समुदर किनारे स अनगिनत आलम हुँवों आइके ऐकट्टा भवा। ¹⁸उ पचे ओका सुनइ अउर बेरामी स छुटकारा पावइ हुँवों आए रहेन। जउन दुस्ट आत्मा स सतावा रहेन, उ पचे भी हुँवों आइके चंगा भएन। ¹⁹समूची भीड़ ओका छुड़ भरि लेइ क जतन मँ रही काहेकि ओहमों स सक्ती निकरत रही अउर ओन सबन क बेरामी स दूर करत रही।

²⁰फिन उ आपन चलन क निहारत भवा बोला,

“धन्य अहा तू दीन जनन काहेकि परमेस्सर क राज्य तोहार अहइ।

²¹ धन्य अहा तू जउन अबहीं भूखा अहा काहेकि तृप्ति तउ होइ तोहार, धन्य अहा तू जउन आजु औंसू बहावत अहा, काहेकि तू आगे हँसब्या।

²²धन्य अहा तू जब मनई क पूत क कारण लोग तोहसे घिना करई, अउर तोहका निकारि देई; अउर करई तोहार बुराई, नाउँ तलक क दुस्ट कहिके, काटि देई उ पचे। ²³तब उहइ दिन तू मगन होइके खुसी मँ उछर्या काहेकि सरग मँ तोहार प्रतिफल महान अहइ। काहेकि ओनके पूर्वजन भी नबियन क संग अइसा ही किहन ह।

²⁴“हाय! धिक्कार अहइ तोहका ओ धनी मनइयो। काहेकि तोहका मिल गवा सुख चड़न भरभूर।

कनानी एक ठु कट्टर पंथी राजनीति दल क नाउँ रहा, जेकर उ निअंबर होत रहा।

²⁵ अहइ तोहका धिक्कार, जउन भरपेट अहा अब काहेकि तू भूखा रहब्या। अहइ तोहका धिक्कार, जउन अबहिन हँसत अहा, काहेकि तू औंसू बहउब्या अउर सोक करब्या।

²⁶“बा धिक्कार तोहका, जब सबन दुआरा तोहार बड़कई होइ काहेकि ओनके पूर्वजन भी इही ब्यौहार झूठे नबियन क संग किहे रहेन।

आपन बैरी स पिरेम करा

(मती 5:38-48; 7:12)

²⁷“ओ सुनवइया लोगो, मई तोहसे कहत हउँ आपन बैरी स भी पिरेम करा। जउन तोहसे घिना करत हीं ओनके संग भलाई करा। ²⁸ओनका भी आसीबादि द्या जउन तोहका सरापत हीं। ओनके बरे पराथना करा जउन तोहरे संग नीक ब्यौहार नाहीं करतेन। ²⁹जदि कउनो तोहरे एक गाले प थप्पड़ियावइ तउ तू दूसर गाल भी ओकरे अगवा कइ द्या, जदि कउनो तोहार कोट तोसे लइ लेइ तउ ओहका कुर्ता भी लइ लेइ द्या। ³⁰जदि कउनो तोसे माँगइ, ओका द्या। जदि कउनो तोहार कछू राखि लेइ तउ ओसे ओका वापस जिन माँगा। ³¹तू आपन बरे जइसा ब्यौहार दूसरन स चाहत बाट्या, तोहका वइसा ही दूसर क संग ब्यौहार करइ चाही। ³²जदि तू बस ओनही क पिआर करत ह, जउन तोहका पिआर करत हीं, तउ एँहमा तोहार कउन बड़कई? काहेकि आपन स पिरेम करइवालन स पिरेम तउ पापी मनई तलक करत हीं। ³³जदि तू बस ओनहीं क भला करत ह, जउन तोहार भला करत हीं, तउ तोहार कउन बड़कई? अइसा तउ पापी तलक करत हीं।

³⁴जदि तू सिरिफ ओनही क उधार देत ह, जेनसे तोहका वापस मिल जाइ क आसा बा, तउ तोहार कउन बड़कई? अइसे तउ पापी भी पापी मनइयन क देत हीं कि ओनका ओनकी पूरी रकम वापस मिलि जाइ। ³⁵मुला आपन दुस्मन स भी पिआर करा, ओनके संग भलाई करा। कछू भी वापस मिलि जाइके आसा तजिके उधार द्या। इ तरह तोहार फल महान होइ जाई अउर तू सर्वोच्च (परमेस्सर) क संतान बनब्या काहेकि परमेस्सर एहसाने क मानइवालन अउर दुस्ट मनइयन प भी दाया करत ह। ³⁶जइसे तोहार परमपिता दयालु बा, वइसे ही तू दयालु बना।

आपन क पहिचाना

(मती 7:1-5)

³⁷“कओ क दोखी जिन कहा तउ तोहका भी दोखी नाहीं कहा जाइ। कओ क नोक्ताचीनी जिन करा तउ तोहार भी नोक्ताचीनी नाहीं कीन्ह जाइ। छमा करा, तोहका छमा मिली। ³⁸दया, तोहका भी दीन्ह जाइ। उ पचे

तोहरे झोरी में पूरा नाप दबाइ दबाइ के, हलाइके बाहेर निकसत भइ उड़ेरिहीं काहेकि जउने नापे स तू दूसरन क नापत ह, उहइ स तोहका नापा जाइ।”

³⁹उ ओनसे एक ठु दिस्टान्त कथा अउर कहेस: “का कउनो आँधर कउने दूसरे आँधर क राह देखाइ सकत ह? का उ सबइ दुइनउं ही कउनो गड़हा में नाहीं भहरइहीं?”

⁴⁰कउनो भी पढ़वइया आपन पढ़ावइवालन स बड़वार नाहीं होइ सकत, मुला जबहिं कउनो मनई पूरी तरह हुसियार होइ जात ह तउ उ आपन गुरु क नाई होइ जात ह।

⁴¹“तू आपन भाई क आँखी में कउनो ढेंडा काहे लखत ह? अउर आपन आँखी क लट्ठा भी तोहका नाहीं चोंधरात। ⁴²तउ आपन भाई स तू कइसे कहि सकत ह ‘भाई तू आपन आँखी क तिनका मोका निकारइ दिया’ जब तू आपन आँखी क लट्ठा क नाहीं निहरल्या। अरे कपटी, पहिले आपन आँखी क लट्ठा दूर करा, तब तोबका आपन भाई क आँखी क ढेंडे बाहेर निकारइ बरे देखौं पड़ी।

दुइ किसिम क फर

(मती 7:17-20; 12:34-35)

⁴³“कउनो भी अइसा उत्तम बृच्छ नाहीं अहइ जेह पइ बुरा फर लागत होइ। न ही कउनो अइसा बुरा बृच्छ बाटइ, जेह पइ उत्तम फर आवत होइ। ⁴⁴हर बृच्छ आपन फर स पहिचाना जात ह। मनइयन कँटेहरी झारी स अंजोर नाहीं बटोरतेन। न ही कउनो झरबेली स मनई अंगूर बटोरत हीं।

⁴⁵एक नीक मनई क मन में अच्छाइ क भंडार बाटइ। अउर एक खोटा मनई, जउ ओकरे मने में बुराई बाटइ, उहइ स बुराई पइदा करत ह। काहेकि एक मनई मुँहना स उहइ बोलत ह, जउन ओकरे हिरदइ में उफनाइ के बाहेर आवत ह।

आपन क पहिचाना

(मती 7:24-27)

⁴⁶“तू मोका, ‘पर्भू पर्भू’ काहे पुकारत ह अउर जउन मई कहत हउं, ओह प नाहीं चलत्या। ⁴⁷हर कउनो जउन मोरे लगे आवत ह अउर मोर उपदेस सुनि लेत ह अउर ओह प आचरण करत ह, उ कउने तरह क होत ह, मई तोहका बताउब। ⁴⁸उ उहइ मनई क नाई अहइ जउन मकान बनावत बाटइ। उ गहिर खुदाई किहेस अउर चट्टानें प नेंव डाएसा। फिन जब बाढ़ आइ अउर नदी मकाने प टकरान तउ ओका हलाइ नाहीं पाएस, काहेकि उ बहोत अच्छी तरह स बना रह। ⁴⁹मुला जउन मोर उपदेस सुनत ह अउर ओह प चलत नाहीं, उ ओ मनई क नाई अहइ जउन बे नेंव धरे धरती प

मकान बनाएसा। नदी ओसे टकरान अउर उ फउरन ढहाइ गवा अउर पूरी तरह बरबाद होइ गवा।”

बिसवास क सक्ती

(मती 8:5-13; यूहना 4:43-54)

7 ईसू मनइयन क जउन सुनावा चाहत रहा, ओका कहि चुकइ क पाछे उ कफरनहूम चला गवा। ²हुवौं एक फऊजी नायक रहा जेकर नउकर एतना बेरमिया रहा कि मरइ के नगीचे रहा। उ नउकर ओकर बहोत पियारा रहा। ³फऊजी नायक जब ईसू क बारे में सुनेस तउ उ कछू बुजुर्ग यहूदी नेतन क इ बिनती करइ क ओकरे लगे पठएस कि उ आइके ओकरे नउकर क प्राण बचाइ लेइ। ⁴जब उ पचे ईसू क नगीचे पहुँच गएन तउ उ सबइ सच्चे मने स बिनती करत भए कहेंन, “उ इ जोग अहइ कि तू ओकरे बरे अइसा करा। ⁵काहेकि उ हमरे मनइयन स परिम करत ह। उ हमरे बरे आराधनालय क बनवाएस ह।”

⁶एह पर ईसू ओनके संग चल दिहेस। अबहीं जब उ घरे स जिआदा दूर नाहीं रहा, उ फऊजी नायक ओकरे लगे आपन मीतन क इ कहइ बरे पठएस, “पर्भू आपन क कस्ट जिन द्या काहेकि मई एतना नीक मनई नाहीं कि तू मोरे घरवा आवा। ⁷यह बरे मई तोहरे लगे आवइ तलक नाहीं सोचेउं। मुला तू बस कहि भर द्या, मोर नउकर नीक होइ जाई।

⁸मई खुद कउनो अधिकारी क मातहत काम करत हउं अउर मोरे मातहत भी कछू सिपाही अहइं। मई जब कउनो स कहत हउं, ‘जा’ तउ उ चला जात ह। अउर जब मई आपन नउकर स कहत हउं, ‘आवा’ तउ उ आइ जात ह अउर जब मई आपन नउकर स कहत हउं, ‘इकरा’ तउ उ ओका करत ह।”

⁹ईसू जब इ सुनेस तउ ओका ओह प बहोत अचरज भवा। जउन भारी मनइयन क भीड़ ओकरे पाछे चली आवत रही, ओनके कईती मुड़िके ईसू कहेस, “मई तोहका बतावत हउं अइसा बिसवास मोका इम्राएल में भी कहुँ नाहीं मिला।”

¹⁰फिन पठए भए उ पचे जब वापस घरे पहुँचेंन तउ उ सबइ उ नउकरे क बेरामी स जरटुट पाएन।

मुर्दा क जिन्गी देब

¹¹फिन अइसा भवा कि ईसू नाइन नाउं क एक सहर चला गवा। ओकर चलन अउर भारी आलम ओकरे संग रहा। ¹²उ जइसे ही सहर दुआरे क नगिचे आवा तउ हुवौं स एक मुर्दा क लइ जात रहेन। उ आपन विधवा महतारी क इकलौता बेटवा रहा। तउ सहर क अनगिनत मनइयन क भीड़ ओकरे संग रही। ¹³जइसे पर्भू ओका निहारेस तउ ओकार हिरदय दया स भर गवा। उ उससे बोला, “जिन रोवा।” ¹⁴फिन उ अगवा बढ़ा अउर उ

ताबूत क छुड़ लिहस उ पचे जउन ताबूते क लइ जात रहेन, हुवैँ ठहर गएन। ईसू कहैस, “नउ जवान! मईँ तोहसे कहत हउँ खड़ा हवा!”¹⁵ तउ उ मुर्दा मनई बइठ गवा अउर बोलइ लाग। ईसू ओका ओकरी महतारी क वापस लौटाएस।¹⁶ अउर फिन उ सबइ ब्रुद्धा अउर अचरज मँ पड़ि गएन! अउर इ कहन भएन परमेस्सर क महिमा बखानइ लागेन, “हमरे बीच एक महान नबी परगट भवा अहइ!” अउर कहइ लागेन, “परमेस्सर आपन मनइयन क मदद करइ बरे आइ ग अहइ।”¹⁷ ईसू क समाचार यहूदिया अउर आस-पास क देसन मँ सब कहुँ कइँती फैलि गइ।

यूहन्ना क सवाल

(मती 11:2-19)

¹⁸इ सबइ बातन क बारे मँ यूहन्ना क मनवइयन ओका सब कछू बताइ दिहन। तउ यूहन्ना आपन दुइ चेलन क बोलाई के ¹⁹ओनका पभू स इ पूछइ बरे पठएस, “का तू उहइ अहा, जउन आवइवाला अहइ या हम पचे कउनो अउर क बाट जोही?”

²⁰फिन उ मनइयन ईसू क लगे पहुँचेन तउ उ पचे कहैन, “बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना हमका तोहसे इ पूछइ पठएस ह, ‘का तू उहइ अहा जउन आवइवाला अहइ या हम सबइ कउनो अउर क बाट जोही।’”

²¹उहइ समइ उ बहोत स बेरमिया क नीक किहेन अउर ओनका करुण दुख अउर दुष्ट आतिमन स छुटकारा दियाएस। अउर बहोत स आँधर न क आँखिन दिहेस।²²फिन उ ओनका जवाब दिहस, “जा अउर यूहन्ना स जउन तू निहारया ह अउर सुन्या ह, ओका बतावा कि आँधर फिन स लखत अहइँ, लँगड़ा लूला चलत फिरत अहइँ अउर कोढ़ी सुद्ध होइ ग अहइँ। बहिरन सुनि पावत हीँ अउर मुरदा फिन जिआवा जात अहइँ। गरीब मनइयन क सुसमाचार सुनाई जात अहइ।²³ उ मनई धन्य अहइ जेका मोरे क स्वीकार करइ मँ कउनो हिचक नाही।”

²⁴जब यूहन्ना क संदेस लइ आवइवालन चला गएन तउ ईसू भीड़े मँ मनइयन क यूहन्ना क बारे मँ बताउब सुरु किहेस: “तू पचे बियाबान जंगल मँ का लखइ गवा रहया? का हवा मँ झूलत कउनो सरपत लखे गवा रइया? नाही? ²⁵फिन तू का लखइ गवा रहया? का कउनो पुरुस क मँहगा ओढ़ना पहिरे क लखइ गवा रहया? नाही, उ पचे जउन उत्तिम ओढ़ना पहिरत हीँ अउर जउन भोग बिलास क जिन्नगी मँ जिअत हीँ, उ सबइ तउ रजवाड़ा मँ पाइ जात हीँ।²⁶मुला बतावा तू का देखइ गवा रहया? का कउनो नबी? हीँ, मईँ तोहका बतावत हउँ कि तू जेका लख्या ह, उ कउनो नबी स कहीं जिआदा बा।²⁷ इ उहइ अहइ जेकरे बारे मँ लिखा अहइ:

‘देखा! तोहसे पहिले मईँ आपन दूत पठवत अही, उ तोहसे पहिले ही राह तइयार करी।’

मलाकी 3:1

²⁸मईँ तोहका बतावत हउँ कि कउनो स्त्रियन स पइदा भएन मँ यूहन्ना स महान कउनो नाही अहइ। मुला फिन भी परमेस्सर क राज्य क छोटा स छोटा मनई भी ओस बड़का बा।”²⁹(तबहीं हर कउनो, हियाँ तलक कि चुंगी (टिक्स) उगहिया भी यूहन्ना क सुनिके ओकर बपतिस्मा लइके इ मान लिहेन कि परमेस्सर क रस्ता सच्चा अहइ।³⁰मुला फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन ओकर बपतिस्मा न लइके ओनके बारे मँ परमेस्सर क इच्छा क टारि दिहन।)

³¹“तउ फिन इ पीढ़ी क मनइयन क उपमा मईँ कउनो स करउँ कि उ पचे कइसे बाटेन? ³²उ पचे बजारे मँ बइठेन ओन बचवन क नाई अहइँ जउन एक दूसर क पुकारिके कहत हीँ:

‘हम तोहरे बरे बाँसुरी बजावा मुला तू नाच्या नाही। हम तोहरे बरे सोक गवनिया गावा मुला तू रोया नाही।’

³³काहेकि बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना आवा जउन न तउ रोटी खात रहा अउर न ही दाखरस पिअत रहा अउर तू कहत ह, ‘ओहमँ दुष्ट आतिमा समाइ गइ अहइ।’³⁴फिन खात पिअत भवा मनई क पूत आवा, मुला तू कहत अहा, ‘देखा, इ पेटार अहइ। पियककइ अहइ, चुंगी उगहियन अउर पापी मनइयन क मीत अहइ।’³⁵बुद्धि क उत्तिम होब ओकरे फल स सिद्ध होत ह।”

फरीसी समौन

³⁶फरीसियन मँ एक ठु फरीसी आपन संग खइया प ओका न्योत दिहस। तउ उ फरीसी क घर गवा अउर ओकरे हियाँ भोजन करइ बइठा।³⁷हुवैँँ सहर मँ एक पापी स्त्री रही, ओक जब इ पता चलि गवा कि उ एक फरीसी क घर भोजन करत अहइ तउ उ स्फटिक क एक पथरी मँ इतर लइके आइ।³⁸उ ओकरे पाछे ओकरे गोइवा क लगे खड़ी रही। उ रोवत रही। आपन आँसुअन स उ ओकर गोइ भिजवइ लाग। फिन उ गोइवा क आपन बाले स पोछेस अउर गोइवा क चूमिके ओन प इतर उड़ेरेस।³⁹उ फरीसी जउन ईसू क आपन घर बोलाएस, इ लखिके मनवा मँ सोचेस, “जदि इ मनई नबी होत तउ जान लेत कि ओका छुवइवाली स्त्री कउन अहइ अउर कइसी अहइ? उ जान लेत कि इ तउ पापिन अहइ।”⁴⁰जवाबे मँ ईसू ओसे कहैस, “समौन मोका तोहसे कछू कहइ क अहइ।”

उ बोला, “हे गुरु, कहा।”

41 ईसू कहेस, “कउनो साहूकारे क दुइ करजदार रहेन। एक प ओकरे पाँचसौ चानी क सिक्का निकरत रहेन अउर दूसर प पचास। 42 काहेकि उ दुइनउँ करजा नाहीं पाट पाएन। यह बरे उ दाया कइके दुइनउँ क करजा माफ कइ दिहस। अब बतावा दुइनउँ मैं स ओका जिआदा पिरेम कउन स करी?”

43 समौन जवाब दिहस, “भोर बिचार बा, उहइ जेका उ जिआदा करजा छोड़ दिहस।”

ईसू कहेस, “तू नीक सोच्या ह।” 44 फिन उ स्त्री कइती मुड़िके उ समौन स कहेस, “तू इ स्त्री क लखत अहा? मई तोहरे घरवा आवा अही, तू मोड़े गोड़वा धोवइ क पानी नाहीं दिहा मुला इ मेरे गोड़वा क अँसुअन स धोइ दिहस अउर फिन आपन बरवा स पोछेस। 45 तू स्वागत मैं मोका नाहीं चूम्या मुला इ जब तलक मई भितरे गवा हउँ, मोरे गोड़वा क लगातार चमत बाटइ। 46 तू मोरे मूँड़े प तेल नाहीं मल्या, मुला इ मोरे गोड़वा प इतर छिड़केस। 47 यह बरे मई तोहका बतावत हउँ कि एँकर अगाध पिरेम दर्सित करत हय कि एँकर पाप छमा कइ दीन्ह ग अहइँ। मुला उ जेका तनिक पापन क छमा मिली, उ थोड़का पिरेम करत ह।”

48 तब ईसू उ स्त्री स कहेस, “तोहार पाप छमा कइ दीन्ह ग अहइँ।”

49 फिन जउन ओकरे संग जेवत रहेन, उ सबइ मने मैं सोचइ लागेन, “इ कउन अहइ, जउन पापन क छमा कइ देत ह?”

50 तब उ स्त्री स ईसू कहेस, “तोहार बिसवास तोहार रच्छा किहेस ह। सांति स जा।”

ईसू आपन चेलन क संग

8 एँकरे बाद अइसा भवा कि ईसू परमेस्सर क राज्य क सुसमाचार मनइयन क सुनावत भवा सहर-सहर अउर गाउँ गाउँ घूमइ लाग। ओकर बारहु प्रेरितन भी ओकरे संग होत रहेन। 2 ओकरे संग कछू स्त्रियन भी होत रहीं जेनका उ बेरामी अउर दुस्त आतिमन स छुटकारा दियावत रहा। एनमाँ मरियम मगदलीनी नाउँ क एक स्त्री रही जेका सात दुस्त आतिमन स छुटकारा मिला रहा। 3 हेरोदेस क सरंजाम अफसर खोजा क पत्नी योअन्ना भी एनहीं मैं रहिन। साथ ही सूसन्नाह अउर ढेर क स्त्रियन भी रहिन। इ स्त्रियन आपन जतन स ईसू अउर ओकरे प्रेरितन क सेवा क सरंजाम करत रहिन।

बिआ बोवइ क दिस्टान्त कथा

(मती 13:1-17, मरकुस 4:1-12)

4 जब सहर-सहर स आइके मनइयन क बड़ी भीड़ एकट्ठा होत रही, तउ उ ओनसे एक दिस्टान्त कथा कहेस: 5 “एक किसान आपन बिआ बोवइ निकर। जब उ बिआ बोएस कछू बिआ राह क किनारे जाइके गिरेन

अउर गोड़े तरे रौंद गएन। अउर चिड़ियाँ ओनका चुग लिहेन। 6 कछू बिआ पथरही धरती प गिरेन, उ सबइ जब उगेन तउ ओद न होइ स मुरझाइ गएन। 7 कछू बिआ कँटेहरी झड़िन मैं गिरेन। काँटन क बाइइ क संग संग उ भी बाडेन अउर कँटवन ओनका दबोच लिहिन। 8 अउर कछू बिआ धरती प गिरेन। उ उगेन अउर उ सबइ सउ गुना फसल दिहेन।”

इ बातन क बतावत भवा उ पुकारिके कहेस, “जेकरे लगे कान अहइँ, उ सबइ सुनि लेई।”

9 ओकर चेलन ओसे पूछेन, “इ दिस्टान्त कथा क अरथ का अहइ?”

10 तउ उ बताएस, “परमेस्सर क राज्य क भेद जानइ क सुविधा तोहका दीन्ह गइ अहइ मुला दूसर क इ भेद दिस्टान्त कथा स दीन्ह ग अहइँ जेहसे:

‘वे देखते भी न देख पावई अउर सुनते हुए भी न समझ पावई।’

यसायाह 6:9

11 “इ दिस्टान्त कथा क अरथ इ अहइ: बिआ परमेस्सर क उपदेस अहइ। 12 उ बिआ जउन राह क किनारे गिरा रहेन, उ मनइयन उपदेस जउन अब उपदेस सुनत हीं, सइतान आवत ह अउर उपदेस क ओनके मने स निकार लइ जात ह जेहसे उ सबइ पतिआय न पावई अउर ओनकइ उद्धार न होइ सकइ। 13 उ बिआ जउन पथरही भुइयाँ प गिरा रहेन ओनकइ अरथ अहइ ओन मनइयन स जउन उपदेस सुनत हीं तउ ओका खुसी स तउ अपनावत हीं। मुला बिआ ओनके भितरे जम नाहीं पावत उ सबइ कछू समइ बरे बिसवास करत हीं मुला परीच्छा क घड़ी मैं डुग जात हीं। 14 अउर जउन बिआ काँटन मैं गिरेन ओकर अरथ अहइ, ओन मनइयन स जउन उपदेस सुनत हीं, मुला जब उ पचे आपन राहे प चलइ लागत हीं। तउ फिकिर, धन दौलत अउर जिन्नगी क भोग बिलास ओका दहबोचि लेत हीं, जेहसे ओन प कबहुँ फसल पाकत नाहीं। 15 अउर बढिया भुइयाँ प गिरा भवा बिआ क अरथ अहइ ओन मनइयन स जउन अच्छा अउर सच्चा मन स जब उपदेस क सुनत हीं तउ ओका धारण भी करत हीं। फिन आपन धीरज क संग उ पचे उत्तम फल देत हीं।

आपन सच्चाई क बैपरा

(मती 4:21-25)

16 “कउनो दीया ढकना स ढाकइ बरे नाहीं जलावत। या ओका बिछउना तरे नाहीं धरत। मुला उ ओका डीबट प धरत ह काहेकि जउन भीतर आवई, रोसनी देखि सकई। 17 काहेकि कछू भी अइसा छुपा नाहीं अहइ जउन उजागर न होई अउर कछू भी अइसा छुपा नाहीं

बा जउन जाना न जाई अउर परगट न होई।¹⁸ यह बरे धियान स सुना काहेकि जेकरे लगे बा ओका भी दीन्ह जाई अउर जेकरे लगे नाही अहइ, ओसे भी ओकरे नगिचे देखात ह, उ भी लइ लीन्ह जाई।”

ईसू क मनवइयन ही ओकर सच्चा परिवार

(मती 12:46-50, मरकुस 3:31-35)

¹⁹तबहीं ईसू क महतारी अउर ओकर भाइयन ओकरे लगे आएन मुला उ पचे भीड़ क कारण ओकरे नगिचे नाही जाइ सकेन।²⁰ यह बरे ईसू स इ कहा गवा, “तोहार महतारी अउर तोहार भाइयन बाहेर खड़ा अहई। उ पचे तोसे भेंटइ चाहत हीं।”

²¹मुला ईसू ओनका जवाब दिहस, “मोर महतारी अउर मोर भाइयन तउ इ सबइ अहई जउन परमेस्सर क उपदेस सुनत हीं अउर ओह प चलत हीं।”

चेलन क ईसू क सक्ति क दर्शन

(मती 8:23-27, मरकुस 4:35-41)

²²तबइय एक दिन अइसा भवा कि उ आपन चेलन क संग एक नाउ प चढ़ा अउर ओनसे बोला, “आवा, झिलिया क उ पार चलीं।” तउ उ पचे पाल खोलि दिहना।²³ उ पचे जब नाउ खेवत रहेन, ईसू सोइ गवा। झिलिया प आन्धी अउर तूफान उतर आवा। ओनके नाउ में पानी भरइ लाग। उ पचे खतरा में रहेन।²⁴ एहसे उ सबइ ओकरे लगे आएन अउर ओका जगाइके कहइ लागेन, “स्वामी! स्वामी! हम बूड़त अही!”

फिन उ खड़ा भवा अउर उ आन्धी, अउर लहरन क फटकारेस। उ सबइ थम गइन अउर हुवाँ सान्ति होइ गइ।²⁵ फिन उ ओनसे पूछेस, “तोहार बिसवास कहाँ गवा?”

मुला उ पचे डेरान रहेन अउर अचरज में पड़ा रहेन। उ पचे आपुस में एक दूसरे स कहेन, “आखिर इ अहइ कउन जउन हवा अउर पानी दुइनउँ क हुकुम देत ह अउर उ सबइ ओका मानत हीं।”

दुस्ट आतिमन स छुटकारा

(मती 8:28-34, मरकुस 5:1-20)

²⁶फिन उ पचे गिरासेनियन लोगन क पहुँटा में पहुँचेन जउन गलील झीले क समन्वा रहा।²⁷ जइसेन ही उ किनारे प उतरा, सहर क एक मनई ओका मिला। ओहमा दुस्ट आतिमन क स्वारी रहिन। बहोत दिना स उ न तउ ओढना पहिरत रहा, न ही उ घरे में रहत रहा, मुला उ मकबरे में रहत रहा।²⁸ उ जब ईसू क लखेस तउ चिचियात भवा ओकरे समन्वा गिरिके ऊँची अवाज में बोला, “हे सर्वोच्च परमेस्सर क पूत ईसू, तू मोसे का चाहत ह? मई बिनती करत हउँ मोका पीरा जिन द्या।”²⁹ उ दुस्ट आतिमा क उ मनई में स बाहेर निकरइ क

हुकुम दिहस, काहेकि उ दुस्ट आतिमा उ मनई क बहोत दाई पकड़े रही। अइसेन अक्सरन प ओका हथकड़ी बेड़ी स बाँधि के पहरुअन क बीच राखि जात रहा। मुला उ हमेसा जंजीरे क तोरि डावत अउर दुस्ट आतिमा ओका वीरान जगहन में भगावत रहत।”

³⁰तउ ईसू ओसे पूछेस, “तोहार नाउँ का अहइ?”

उ कहेस, “सेना।” (काहेकि बहोत स दुस्ट आतिमन ओहमा समाई रहिन।)³¹ उ सबइ ईसू स बहस मोबहसा क संग बिनती करत रहिन कि ओनका गहिर गड़हा में जाइके हुकुम न देई।³² अब देखा, तबहीं हुआँ पहाड़ी प सुअरन क झुण्ड चरत रहा। दुस्ट आतिमन ओसे बिनती किहेन कि उ ओनका सुअरिअन में जाइ देई। तउ उ ओनका जाइके हुकुम दिहस।³³ एह प उ सबइ दुस्ट आतिमन उ मनई में स बाहेर निकरीं अउर ओन सुअरिअन में घुस गइन। अउर सुअरिअन क झुंड तरखले उ दालू तट स लुडकत पुडकत अउर दउड़त भवा झीले में जाइके गिरि गवा अउर बूड़ गवा।

³⁴सुअरिअन क झुंड क बहोरइया, जउन कछू भवा रहा, ओका निहारिके हुवाँ स परानेन। अउर एकर खबर उ पचे सहर अउर दिहात में सुनाएन।³⁵ फिन हुवाँ क मनइयन जउन कछू में रहा ओका लखइ बाहेर आएन। उ सबइ ईसू स भेटेन। अउर उ पचे उ मनई क जेहमाँ स दुस्ट आतिमन निकरी रहिन, ईसू क गोड़वा प पाएन। उ मनई ओढना पहिरे रहा अउर ओकर दिमाग एकदम सही रहा। एहसे उ सबहि डेराइ गएन।³⁶ जउन निहारेन, उ पचे बताएन कि दुस्ट आतिमन क स्वारीवाला मनई कइसे नीक भवा।³⁷ गिरासेन पहुँटा के सबहीं बसइया ओसे बिनती किहेन कि उ हुवाँ स चला जाइ काहेकि सबहीं बहोत डेरान रहेन। तउ ईसू नाउ में आवा अउर लौटि गवा।³⁸ मुला जउने मनई स दुस्ट आतिमन निकरी रहिन, उ ईसू स आपन क संग लइ जाइके बिनती करत रहा। एह पइ ईसू ओका इ कहत भवा लौटाइ दिहस,³⁹ “घर जा अउर जउन कछू परमेस्सर तोहरे बरे किए अहइ ओका बतावा।”

तउ उ लौटिके ईसू ओकरे बरे जउन कछू किहस ह, ओका सारे सहर में कहत फिरा।

मरी लरकी क जिन्गी देब अउर बेरमिया स्त्री क चंगा होब

(मती 9:18-26, मरकुस 5:21-43)

⁴⁰जब ईसू लौटा तउ मनइयन क भीड़ ओकर अगवानी किहेस, काहेकि उ सबइ ओका जोहत रहेन।⁴¹ तबहीं याईर नाउँ क एक मनई हुवाँ आइ। उ हुवाँ क आराधनालय क मुखिया रहा। उ ईसू क गोड़वा में गिरि गवा अउर ओसे आपन घरे जाइके बिनती करइ लाग।⁴² काहेकि ओकर बार ह बरिस क एक इकलौती बिटिया रही, उ मरइ क रही।

तउ ईसू जब जात रहा तउ भीड़ ओका कुचरि देत रही।⁴³हुवाँ एक स्त्री रही जेकर बारह बरिस स खून बहत रहा। जउन कछू ओकरे लगे रहा, उ बैद्य (डाक्टर) पर खरिच कइ दिहस, मुला उ कउनो स नीक नाहीं होइ पाइ।⁴⁴उ ओकरे पाछे आइ अउर ओकरे चोंगा क मोहरी छुएस अउर तुरंतहि ओकर लहू बहब रुकि गवा।⁴⁵तब ईसू पूछेस, “उ कउन अहइ जउन मोका छुएस ह?”

जब सबहीं मुकरइ लागेन कि उ पचे ईसू क नाहीं छुएन तउ पतरस कहेस, “स्वामी तोहका भिड़िया घेरे अहइ अउर तोहका दबावति अहइ।”

⁴⁶मुला ईसू कहेस, “कउनो मोका छुएस ह काहेकि मोका लागत अहइ कि मोसे सक्ती निकरी गइ होइ।”⁴⁷जब उ स्त्री देखेस कि मई छुप नाहीं सकित तउ उ काँपत काँपत आइ अउर ईसू क समन्वा गिरि गइ। हुवाँ सबहीं मनइयन क समन्वा उ बताएस कि मई तोहका कउनो कारण स छुए हउँ अउर कइसे फउरन नीक होइ गइ।⁴⁸एँह प ईसू ओसे कहेस, “बिटिया तोहरे पतियाये स तोहार उद्धार भवा ह। चइन स जा।”

⁴⁹उ अबहीं बोलत रहा कि आराधनालय क मुखिया क घरे स कउनो आवा अउर बोला, “तोहार बिटिया मरि गइ अहइ। तउ गुरु क अब अउर कस्ट जिन द्या।”

⁵⁰ईसू इ सुनि लिहस। तउ उ ओसे बोला, “डेराअ जिन! बिसवास राखा। उ बचि जाई।”

⁵¹जब ईसू उ घरे मँ आवा उ आपन संगे पतरस, यूहन्ना, याकूब अउर बिटिया क महतारी बाप क तजिके कउनो अउर क आपन संग भितरे नाहीं लइ गवा।⁵²सबहीं मनइयन उ लरकी बरे रोवत रहेन अउर बिलाप करत रहेन। ईसू कहेस, “रोउब बंद कइ द्या। इ मरी नाहीं बा, मुला सोवति अहइ।”

⁵³एँह पइ मनइयन ओकर हँसी उड़ाएन। काहेकि उ जानत रहेन कि लरकी मरि चुकी बा।⁵⁴मुला ईसू ओकर हथवा पकड़ैस अउर चिल्लाइके कहेस, “बच्ची, खड़ी होइ जा।”⁵⁵ओकर आलिमा लौटि आइ, अउर उ फउरन उठि गइ। ईसू हुकुम दिहैस, “एँका कछू खइया क दीन्ह जाइ।”⁵⁶एँह पइ लरकी क महतारी बाप क बहोत अचरज भवा मुला ईसू ओनका हुकुम दिहैस कि जउन भवा अहइ, ओका उ पचे कउनो क न बतावई।

ईसू बारहु प्रेरितन क पठएस

(मती 10:5-15, मरकुस 6:7-13)

9 फिन ईसू बारहु प्रेरितन क एक साथे बोलाँएस। अउर ओनका दुष्ट आतिमन स छुटकारा दियावइ क सामर्थ अउर हक दिहैस। उ ओनका बेरामी दूर करइके सामर्थ दिहैस।²फिन उ ओनका परमेस्वर क राज्य क सुसमाचार का घोसना किहैस अउर बेरमियन क नीक करइ बाहरे पठएस।³उ ओनसे कहेस, “आपन

जात्रा बरे कछू संग न लेई, न लाठी, न झोरा, न रोटी, चाँदी अउर न कउनो अउर ओढ़ना।⁴तू जउन कउनो घरे क भितरे जा, हुवाँइ ठहरा। अउर जब तलक बिदा न हवा, हुवाँइ ठहरा रहा।⁵अउर जहाँ कहुँ मनई तोहार अगवानी न करई तउ जब तू उ सहर क तजि द्या अउर ओनके खिलाफ सनद क रूप मँ गोड़वा क धूरि झाड़ि द्या।”

⁶तउ हुवाँ स चलिके उ सबइ हर कतहूँ सुसमाचार क उपदेस देतेन अउर मनइयन क चंगा करत सबहीं गाउँन स फिरत भए जात्रा करइ लागेन।

हेरोदेस क भरम

(मती 14:1-12, मरकुस 6:14-29)

⁷अब जबहिँ एक चउथाई देस क राजा हेरोदेस, जउन कछू भवा रहा, ओकरे बारे मँ सुनेस तउ उ भरम मँ पड़ि गवा काहेकि कछू मनइयन इ कहत रहेन, “यूहन्ना क मरे हुअन मँ स जिआइ दीन्ह ग अहइ।”⁸दूसर कहत रहेन, “एलिय्याह परगट भ अहा।” कछू अउर कहत रहेन, “पुरान जुग क कउनो नबी जी उठा बा।”⁹मुला हेरोदेस कहेस, “मई तउ यूहन्ना क गटइ कटवाइ दिहे रहेउँ। फिन इ अहइ कउन जेकरे बारे मँ मइ अइसी बात सुनत रहत हउँ?” तउ हेरोदेस ओका देखइ क जतन करइ लाग।

पाँच हजार स जिआदा क भोज

(मती 14:13-21, मरकुस 2:30-44; यूहन्ना 6:1-14)

¹⁰फिन जब प्रेरितन लौटिके आएन तउ उ पचे जउन कछू किहे रहेन, सब ईसू क बताएन। तउ उ ओनका हुवाँ स आपन संग लइके चुप्पे बैसैदा नाउँ क सहर चला गवा।¹¹मुला भीड़ क पता लग गवा तउ उ भी ओनके पाछे होइ गइ। ईसू ओनकइ सुआगत किहैस अउ परमेस्वर क राज्य क बारे मँ ओनका बताएस। अउर जेनका दवाई क जरूरत रही ओनका नीक किहैस।

¹²जब दिन ओनवइ लाग तउ उ पचे बारहु ओकरे लगे आएन अउर बोलेन, “भीड़ क बिदाई दइ द्या जैसे उ सबइ नगिचे क गाउँन अउर खेतन मँ जाइके ठहरइ क ठिकाना अउर खइया क पाइ सकई काहेकि हम हिआँ बहोत दूर सुनसान जगह मँ अही।”

¹³मुला उ ओनसे कहेस, “तू ही एँनका खइया क द्या।”

उ पचे बोलेन, “हमरे लगे बस पाँच रोटी अउर दुइ मछरी क छोड़िके अउर कछू भी नाहीं अहइ। या तू इ तउ नाहीं चाहत अहा कि हम पचे जाई अउर इ सबन बरे खइया के मौल क लइ आई।”¹⁴ (हुवाँ करीब पाँच हजार पुषसन रहेन।)

मुला ईसू आपन चेलन स कहेस, “ओनका पचास पचास क दल मँ बइठाइ द्या।”

¹⁵तउ उ पचे वइसा ही किहेन अउर हर कउनो क बइठाइ दिहना। ¹⁶फिन ईसू पाँच रोटी अउर दुइ मछरी क लइके सारगे कइँती लखत भवा ओनके बरे धन्यबाद दिहेस अउर फिन ओनके टुकड़न मँ तोरत भवा ओनका आपन चेलन क दिहेस कि उ पचे मनइयन क परोस देई। ¹⁷मनइयन खूब जिअरा भरिके खाएन अउर बचा भवा टुकड़न स ओकर चेलन बारह झउआ भरेन।

ईसू ही मसीह अहइ

(मती 16:13-19, मरकुस 8:27-29)

¹⁸इ भवा कि ईसू जब अकेल्ले मँ पराथना करत रहा तउ ओकर चेलन भी ओकरे संग रहेन। तउ ईसू ओनसे पूछेस, “मनइयन का कहत ही कि मई कउन हउँ?”

¹⁹उ पचे जवाब दिहन, “बपतिस्मा देवइया यूहन्ना कछू कहत ही एलिय्याह मुला कछू दूसर कहत ही पुरान जुग क कउनो नबी उठि खड़ा भवा बा।”

²⁰ईसू ओनसे कहेस, “अउर तू का कहत ह कि मई कउन हउँ?”

पतरस जवाब दिहेस, “परमेस्सर क मसीह।”

²¹मुला इ बारे मँ कउनो क भी न बतावइ क चिताउनी देत भवा। ईसू ओनसे कहेस, ²²“इ तइ अहइ कि मनई क पूत ढेरि क कस्ट उठाई अउर उ बुजुर्ग यहूदी नेतन, मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन क मना कइ दिहे स मारि डावा जाई फिन तिसरे दिन जी जाई।”

²³फिन उ ओन सबन स कहेस, “जदि कउनो मोरे साथ चलत चाहत ह तउ ओका खुद आपन क नकारइ क होई। अउर हर दिन ओका आपन क्रूस (यातना) उठावइ क होई। अउर मोर अनुसरन करइ क होइ। ²⁴काहेकि जउन कउनो आपन जिन्गी बचाउब चाहत ह, उ ओका खोइ बइठी मुला जउन कउनो मोरे बरे आपन जिन्गी क तजि देइ, उहइ ओका बचाई। ²⁵काहेकि एँहम कउनो मनई का का लाभ अहइ कि उ समूचे संसार क लइ लेइ मुला खुद आपन क नास कइ देइ या खोइ देइ। ²⁶जउन कउनो भी मोरे या मोरे सबन बरे लजात ह, ओकरे बरे मनई क पूत भी जब आपन महिमा मँ, आपन परमपिता अउर पबित्तर सरगदूतन क महिमा मँ परगट होई तउ ओकरे बरे लजाइ जाई। ²⁷मुला मई तोसे सच कहत हउँ, हिआँ कछू खड़ा अहइँ, जउन जब तलक मउत क सेवाद नाहीं लेइहीं, जब ताई परमेस्सर क राज्य क ना लिखि लेंई।”

मूसा अउर एलिय्याह क संग ईसू

(मती 17:1-8, मरकुस 9:2-8)

²⁸इ सबन के कइइ क लगभग आठ दिना बाद उ पतरस, यूहन्ना अउर याकूब क संग लइके पराथना बरे

पहाड़े प गवा। ²⁹फिन अइसा भवा कि पराथना करत भए ओकरे मुँहना क रूप तनिक अलग होइ गवा अउर ओकर ओढ़ना चमचमात सफेद होइ गएन। ³⁰हुवई ओसे बतियात दुइ मनई परगट भएन। उ सबइ मूसा अउर एलिय्याह रहेन। ³¹जउन आपन महिमा क संग परगट भ रहेन अउर ईसू क मउत क बारे मँ बात करत रहेन जेका ओका यरूसलेम मँ पूरा करइ क रहा। ³²मुला पतरस अउर जउन ओनके संग रहेन ओनका नींद आइ गइ। तउ जब उ पचे जागेन उ पचे ईसू क महिमा क लखेन अउर उ सबइ उ दुइ मनइयन क लखेन जउन ओकरे संग खड़ा रहेन। ³³अउर फिन भवा अइसा कि जइसे ही उ पचे ईसू स बिदाई लेत रहेन, पतरस ईसू स कहेस, “स्वामी अच्छा बा कि हम हिआँ अही, हमका तीन माँड़व बनवइ क अहईँ एक तोहरे बरे, एक मूसा बरे अउर एक एलिय्याह बरे।” (उ नाहीं जानत रहा, उ का कहत अहइ।) ³⁴उ इ कहत रहा कि एक बादर उमड़ा अउर उ ओनका आपन छाया मँ घेरि लिहस। जइसे ही ओन प बादर छावा, उ पचइ घबराइ गएन। ³⁵तबहीं बदरे स अकासबाणी भइ, “इ मोर पूत अहइ, एँका मई चुन्यो ह, एकर सुना।”

³⁶जब अकासबाणी होइ गइ तउ उ पचे उहाँ ईसू क अकेल्लन पाएन। उ पचे एँकरे बारे मँ चुप रहेन। उ सबइ जउन कछू लखेन, ओकरे बारे मँ उ समइ कउनो स कछू नाहीं कहेन।

लरिका क दुस्ट आतिमा स छुटकारा

(मती 17:14-18, मरकुस 9:14-27)

³⁷अगवा दिन अइसा भवा कि जब उ पचे पहाड़ी स तरखाले उतरेन तउ ओनका एक बड़ी भीड़ मिलि गइ। ³⁸तबहिँ भीड़ मँ स एक मनई चिचियान, “गुरु, मई पराथना करत हउँ कि मोरे बेटवा प दया दृस्टि करा। उ मोर इकलौती संतान अहइ। ³⁹एकदममई एक दुस्ट आतिमा ओका जकरि लेत ह अउर चिचिआत ह। ओका दुस्ट आतिमा अइसे अईँउत ह कि ओकरे मुँहे स झाग निकरइ लागत ह। उ ओका बराबर सतावत रहत ह अउर कउनो तरह नाहीं छोड़त। ⁴⁰मई तोहरे चेलन स पराथना किहा ह कि ओका बाहेर खदेर देईँ मुला उ पचे अइसा नाहीं कइ सकेन।”

⁴¹तब ईसू जवाब दिहेस, “अरे अबिसवासियो अउर भटक गवा मनइयो, मई अउर केँना दिन तोहरे संग रहब अउर कब ताई तोहार सहत रहब?” आपन बेटवा क हिआँ लिआवा।”

⁴²अबहीं उ लरिका अउतइ रहा कि दुस्ट आतिमा ओका पटकनी दिहेस अउर अईँठेसि। मुला ईसू दुस्ट आतिमा क फटकरीस अउर लरिका क रोग स जरटूट कइके बाप क सौँपि दिहेस। ⁴³उ सबइ परमेस्सर क इ बड़कई स अचरजे मँ पड़ि गएन।

ईसू क जरिये आपन मउत क कहब

(मती 17:22-23, मरकुस 9:30-32)

ईसू जउन कछू करत रहा ओखा लखिके मनइयन जब अचरज करत रहेन तबहीं ईसू आपन चलन स कहेस, ⁴⁴“अब मई जउन तोहसे कहत हउँ, ओन बातन प धियान द्या। मनई क पूत मनइयन क हाथे स धरावड़ जाइवाला अहइ।”

⁴⁵मुला उ पचे इ बात क नाही समुझ सकेन। इ ओनसे छुपी रही। तउ उ सबइ ओका पहिचान नाही पाएन। अउर उ पचे उ बात क बारे में ओसे पूछइ स ससान रहेन।

सब स बड़कवा कउन

(मती 18:1-5, मरकुस 9:33-37)

⁴⁶एक दाई ईसू क चलन क बीच इ बाते प झगड़ा भवा कि ओनमों स सब स बड़कवा कउन बाटइ? ⁴⁷ईसू जानि गवा कि ओनके मने में का बिचार अहइ। तउ उ गदला क लिहस अउर ओका अपने लगे ठाड़ कइके ⁴⁸ओनसे बोला, “जउन कउनो इ गदला क मोरे नाउँ में ग्रहण करत ह, उ माना मोर ग्रहण करत बाटइ। अउर जउन कउनो मोर ग्रहण करत ह, उ ओकर (परमेस्सर) ही ग्रहण करत बाटइ जउन मोका पठएस ह। यह बरे जउन तू सबन में सब स नान्ह बाटइ, उहइ सबइ त बड़कवा अहइ।”

जउन तोहार बिरोधी नाही, उ तोहार ही अहइ

(मरकुस 9:38-40)

⁴⁹यूहन्ना आपन प्रतिक्रिया परगट करत भवा कहेस, “स्वामी, हम पचे तोहरे नाउँ प एक तु मनई क दुस्ट आतिमन क निकारत लखा ह। हम सबइ ओखा रोकइ थामइ क जतन कीन्ह ह काहेकि उ हम पचन में स कउनो नाही अहइ, जउन तोहरे पाछे पाछे चलत ही।”

⁵⁰एह पइ ईसू यूहन्ना स कहेस, “ओका जिन रोका काहेकि जउन तोहरे बिरोध में नाही अहइ, उ तोहरे पच्छ में ही बाटइ।”

एकसामरी सहर

⁵¹अब अइसा भवा कि जब ओका ऊपर सरगे में लइ जाइके समइ आइ तउ उ यरूसलेम जाइके मन पक्का कइके चला गवा। ⁵²उ आपन दूनन क पहिले ही पठइ दिहस। उ पचे चलने अउर ओकरे बरे तइयारी करइ क सामरी लोगन क गाउँ में पहुँचेन। ⁵³मुला सामरी मनइयन हुवाँ ओकर सुआगत मान नाही किहेन काहेकि उ यरूसलेम जात रहा। ⁵⁴जब ओकर चलन याकूब अउर यूहन्ना इ देखेन तउ उ पचे बोलेन, “पभूँ का तू चाहत ह कि हम हुकुम देई कि अकासे स आगी बरिसइ अउर ओनका भसम कइ देइ?”

⁵⁵एह प उ ओनकी कइँती मुड़ा अउर ओनका डाटेस फटकारेस। * ⁵⁶फिन उ सबइ दूसर गाउँ चला गएन।

ईसू क पाछे चलब

(मती 8:19-22)

⁵⁷जब उ सबइ सड़क पा जात रहेन कउनो ओसे कहेस, “तू कतहूँ भी जा मई तोहरे पाछे चलब।”

⁵⁸ईसू ओसे कहेस, “लोखरिन क लगे बिल होत ही अउर अकासे क चिरइयन क घोसला होत ही मुला मनई क पूत क मूँड़ धरइ क कउनो ठउर नाही।”

⁵⁹उ दूसर स कहेस, “मोरे पाछे होइ जा।”

मुला उ मनई बोला, “पभूँ, पहिले मोका जाइ द्या काहेकि मई आपन बाप क दफनियाइ आवउँ।”

⁶⁰तब ईसू ओसे कहेस, “मरे भवा लोगन क आपन मुर्दा गाइइ द्या, तू जा अउर परमेस्सर क राज्य क एलान करा।”

⁶¹फिन कउनो अउर भी कहेस, “हे पभूँ, मई तोहरे पाछे चलब मुला पहिले मोका आपन घरे क मनइयन स बिदाइ कइ देइ द्या।”

⁶²एह प ईसू ओसे कहेस, “अइसा कउनो भी जउन हरे प हाथ धरे क बाद पाछे देखत ह, परमेस्सर क राज्य क जोग नाही।”

ईसू बहत्तर चलन क पठएस

10 इ सबइ घटि जाइके पाछे पभूँ बहत्तर * अउर मनइयन क तय किहन अउर फिन जउन जउन सहरन अउर ठिकानन प ओका खुद जाइके रहा, दुइ दुइ कइके उ ओनका उ आपन स अगवा पठएस। ²उ ओनसे बोला, “फसल खूब जिआदा बा, मुला काम क करइया मजूर कम अहइ। यह बरे फसल क पभूँ स बिनती करा कि उ आपन फसल में मजूर पठवइ। ³जा अउर सुमिरत रहा, मई तोहका बिगवन क बीच भेड़ क मेमनन क नाई पठवत अहउँ। ⁴कउनो बटुआ आपन संग जिन ल्या, न थैला अउर न ही पनही। राहे में कउनो स पैलगी तलक जिन करा। ⁵जउनो घरवा में जा, सब ते पहिले कहा, ‘इ घरवा क सान्ति मिलइ।’ ⁶जदि हुवाँ कउनो सान्ति क मनई होई तउ तोहार सान्ति ओका मिली। मुला जदि उ मनई सान्ति क न होई तउ तोहार सान्ति लौटि आई। ⁷जउन कछू उ पचे तोहका देई।

पद 55 कछू यूनानी प्रतियन में इ भाग जोड़ा गवा अहइ: “अउ ईसू कहेस, ‘का तू नाही जानत्या कि तू कइसी आतिमा स रिस्ता रखत ह। ⁵⁶मनई क पूत मनइयन क आतिमन क नासय नाही मुला ओनकइ उद्धार करइ आवा अहइ।”

बहत्तर लूका क कछू यूनानी प्रतियन में इ गिनती सत्तर भी मिलत ह।

ओका खात पिअत उहइ घरवा मँ ठहरा। काहेकि मजुरी प मजूर क हक अहइ। घर घर जिन फिरा।⁸ अउर जब कबहूँ तू कउनो सहर मँ जा अउर उ सहर क मनई तोहार सुआगत करई तउ जउन कछू तोहका परसई, बस उहइ खा।⁹ उ सहर क बेरमियन क बीमार स जरटुट करा अउर ओनसे कहा, 'परमेस्सर क राज्य तोहरे नगिचे आइ पहुँचा बा!' ¹⁰ अउर जब कबहूँ तू कउनो अइसे सहर मँ जा जहाँ क मनई तोहार मानसम्मान न करई, तउ हुवाँ क गलियन मँ जाइके कहा, ¹¹ 'इ सहर क उ धूरि तलक जउन हमरे गोड़े मँ चिपकी रही, हम तोहरे खिलाफ हिआँ झार देत अहीं। फिन भी इ धियान रहइ कि परमेस्सर क राज्य नगिचे आइ गवा बा।' ¹² मई तोहसे कहत हउँ कि उ दिन उ सहर क लोगन स सदोम क लोगन क दसा कहूँ नीक होइ।

बिसवास न करइवालन क चिताउनी

(मती 11:20-24)

¹³ अरे खुराजीन, अरे बैतसैदा, तोहका धिक्कार अहइ काहेकि जउन अद्भुत कारजन तोहमाँ कीन्ह गएन, जदि ओनका सूर अउर सैदा मँ कीन्ह जात तउ न जानी कबहूँ उ टाट क कपरा पहिरि के राखि प बइठिके मनफिराव कइ लेतेन। ¹⁴ कछू भी होइ निआन क दिन सूर अउर सैदा क हालत तोहसे कहूँ नीक होई। ¹⁵ अरे कफरनहूम का तू सरग क ऊँचाई क तरह ऊँचा उठब्या? तू तउ तरखाले नरक मँ जाब्या।

¹⁶ 'जउन कउनो तोहका सुनत ह, मोका सुनत ह, अउर जउन कउनो तोहका दुरियावत ह, उ मोका दुरियावत ह जउन मोका पठएस ह। अउर जउन मोका नकारत अह उ उसे नकारत अह जउन मोका पठएस ह।'

सइतान गिरत ह

¹⁷ फिन उ सबइ बहत्तर आनन्द होइके वापस लउटेन अउर बोलन, "हे पभूँ दुस्ट आतिमन तलक तोहरे नाउँ मँ हमार हुकुम मानत हीं।" ¹⁸ एह पइ ईसू ओनसे कहेस, "मई सइतान क अकास स बिजरी क नाई गिरत लखा हउँ। ¹⁹ सुना, कीरा अउर बीछी क गोड़े ररे तौदब अउर सइतान क समुची सक्ती प हावी होइ क सामर्थ मई तोहका दिहे अहीं। तोहका कउनो नसकान नाहीं पहुँचाइ पाई। ²⁰ मुला इ बात प खुस जिन हवा कि आतिमन तोहरे बसे मँ अहई बल्कि एह पइ खुस होइ जा कि तोहार नाउँ सरगे मँ लिखा बाटइ।"

ईसू क परमपिता स पराथना

(मती 11:25-27; 13:16-17)

²¹ उहइ छिन उ पवित्तर आतिमा मँ रहिके आनंद मँ रहा अउर बोला, "हे परमपिता! हे सरग अउर धरती क

पभूँ! मई तोहार स्तुति करत हउँ कि तू इ बातन क चतुर अउर बुदिधमान मनइयन स छुपाइ के राखत भवा भी गदेलन बरे ओनका परगत कइ दिहा ह। हे परमपिता! सचमुच ही तू अइसा ही करब चाहत रह्या।

²² 'मोका मोरे परमपिता क जरिये सब कछू दीन्ह ग अहइ अउर परमपिता क अलावा कउनो नाहीं जानत कि पूत कउन अहइ अउर पूत क अलावा कउनो नाहीं जानत कि परमपिता कउन अहइ या ओकरे अलावा जेका पूत एँका परगत करइ चाहत ह।'

²³ फिन चेलन कइँती मुड़िके ईसू चुपे स कहेस, "धन्य अहई उ आँखिन जउन तू देखत अहा, ओका देखत हीं।" ²⁴ काहेकि मई तोहका बतावत हउँ कि उन बातन क बहोत स नबी अउर राजा देखइ चाहत रहिन। जेनका तू देखत रह्या, मुला देखि नाहीं सक्या। जउन बातन क तू सुनत रहत ह, उ सबइ ओनका सुनइ चाहत रहेन, मुला उ पचे सुन नाहीं पाएन।"

नीक सामरी क कथा

²⁵ तब एक धरम सास्त्री खड़ा भवा अउर ईसू क परीच्छा लेइ बरे ओसे पूछेस, "गुरु, अनन्त जीवन पावइ बरे मई का करउँ?"

²⁶ एह पइ ईसू ओनसे कहेस, "व्यवस्था मँ का लिखा बाटइ? तू हुवाँ का पढत ह?"

²⁷ धरम सास्त्री उत्तर दिहस, "तू आपन समुचा मन, सारी आतिमा, सारी सक्ती अउर सारी बुदिध क संग आपन पभूँ स परिमे करा।" * अउर 'आपन पड़ोसी स भी वइसे ही पिआर करा, जइसे तू आपन खुद स करत ह।' *

²⁸ तब ईसू ओसे कहेस, "तू ठीक जवाब दिहा ह। तउ तू अइसा ही करा अउर एँहसे तू जीवित रहब्या।"

²⁹ मुला उ आपन ताई निआव स जुरा भवा ठहरावइ क इच्छा करत भवा ईसू स कहेस, "अउर मोर परोसी कउन अहइ?"

³⁰ ईसू जवाबे मँ कहेस, "देखा, एक मनई यरूसलेम स यरीहो जात रहा कि उ डाकुअन स घिरि गवा। उ पचे सब कछू मुच्छ कइ ओका नंगा कइ दिहन अउर मार पीटिके ओका अधमरा छोड़ि के उ पचे चल दिहन।

³¹ अब संजोग स उहइ रस्ता स एक यहूदी याजक जात रहा। जब उ एका निहारेस तउ दूसर कइँती चला गवा।

³² उहइ रस्ता स गुजरत भवा, एक लेवी * भी हुवाँ आवा। उ ओका देखेस अउर उ भी दुसरी कइँती चला गवा।

³³ मुला एक सामरी भी जात भवा हुवाँ आइ गवा जहाँ उ

तू ... करा' व्यवस्था 6:5

'आपन ... ह' लैव्य 19:18

लेवी लेवी परिवार समूह क एक मनई। इ परिवार समूह मंदिर मँ याजक क मदद करत रहा।

माँगत रहा

ओलार दीन्ह ग रहा। उ जब उ मनई क देखेस तउ ओकरे बरे ओकरे मन मँ करुना आइ।³⁴ तउ उ ओकरे नगिचे आवा ओकरे घाउन प तेल अउर दाखरस डाइके पट्टी बाँधेस। फिन उ ओका आपन पसु प लदिके एक तु सराय मँ लइ गवा अउर ओका देखइ भालइ लाग।³⁵ दुसरे दिन उ दुइ दीनार निकारेस अउर ओनका भटियारा क देत भवा कहेस, 'एँकर धियान रख्या अउर एँसे जिआदा जउन कछू खरच होइ, जब मई लौटिहउँ, तोहका चुकाइ देवै।'

³⁶'बतावा तोहरे बिचार स डाकुअन क बीच धिरे भए मनई क पड़ोसी इ तीनउँ मँ स कउन भवा?'

³⁷धरम सास्तरी कहेस, "उहइ जउन ओहँ प दया कियेस।"

एँह पइ ईसू ओनसे कहेस, "जा अउर वइसा ही करा जइसा उ कियेस ह।"

मरियम अउर मार्या

³⁸जब ईसू अउर ओकर चेलन आपन राहे प जात रहेन तउ ईसू एक गाउँ मँ पहुँचा। एक स्त्री, जेकर नाउँ मार्या रहा, दिल खोलिके ईसू क अगवानी अउर सम्मान कियेस।³⁹ मार्या क बहिन मरियम नाउँ क रही जउन ईसू क गोड़वा मँ बैठि गई अउर जउन कछू उ कहत रहा, ओका सुनत रही।⁴⁰ ओहँ तरह तरह क तइयारी मँ लाग मार्या बियाकुल होइके आई अउर बोली, "पभू, का तोहका चिंता नाहीं कि मोर बहिन सारा काम बस मोहे प डाइ दिहे अहइ? यह बरे ओसे मोर मदद करइ क कहा?"⁴¹ पभू ओका जवाब दिहेस, "मार्या अरी मार्या! तू बहोत स बातन क बरे चिंता मँ बूड़ी अउर बियाकुल रहत ह।⁴² मुला बस एक ही बात जरूरी अहइ। मरियम आपन बरे उहइ उत्तिम हीसा क चुने बाटइ, तउ उ ओसे छीना नाहीं जाई।"

पराथना क बारे मँ ईसू क उपदेस

(मती 6:9-15, मरकुस 7:7-11)

11 अब अइसा भवा कि ईसू कहुँ पराथना करत रहा। जब उ पराथना खतम कइ चुका तउ ओकर एक चेला ओसे कहेस, "पभू हमका सिखावा कि हम पराथना कइसे करी। जइसा कि यूहन्ना आपन चेलन क सिखाए रहा।"

²एँह पइ उ ओसे कहेस, "तू पराथना करा, तउ कहा:

'परमपिता, तोहार नाउँ पवित्तर होइ, आवइ तोहार राज्य

³ हर दिन क बरे जरूरी रोटी हमका द्या;

⁴ हमार अपराध छमा करा, काहेकि हमहूँ छमा कीन्ह ह आपन अपराधी क, कठिन परीच्छा मँ हमें जिन डावा।"

⁵⁻⁶फिन ईसू कहेस, "मान ल्या तोहमाँ स कउनो क एक मीत अहइ, तउ तू आधीरात ओकरे लगे आइके कहत ह, 'मीत, मोका तीन रोटी द्या। काहेकि एक मीत अबहीं अबहीं जात्रा प मोरे लगे आवा ह अउर मोरे लगे ओकरे समन्वा परसइ क कछू भी नाहीं बा।'⁷ अउर मान ल्या उ मनई भितरे स जवाब दिहस, 'मोका तंग जिन करा, दुआर बंद होइ चुका अहइ बिछउना प मोरे साथ गदेलन अहइ, यह बरे तोहका कछू देइ मँ खड़ा नाहीं होइ सकिता।'⁸ मई तोहका बतावत हउँ उ अगर न उठी अउर तोहका कछू न देई, मुला फिन भी काहेकि उ तोहार मीत बा, तउ तोहरे लगातार, बे सरमाये क माँगत रहइ स उ खड़ा होई अउर तोहार जरूरत भर तोहका देई।⁹ अउर यह बरे मई तोहसे कहत हउँ माँगा, तोहका दीन्ह जाई।¹⁰ दूँदा तू पूब्या खटखटावा, तोहरे बरे दुआर खोलि दीन्ह जाई।¹⁰ काहेकि हर कउनो जउन माँगत ह, पावत ह। जउन दूँदत ह, ओका मिलत ह। अउर जउन खटखटावत ह, ओकरे खातिर दुआर खोलि दीन्ह जात ह।¹¹ तोहरे मँ अइसा बाप कउन होई जउन जदि ओकर बेटवा मछरी माँगइ, तउ मछरी क जगह प ओका कीरा थमाइ दीन्ह जाइ।¹² अउर जदि उ अण्डा माँगइ तउ ओका बीछी दइ देइ।¹³ तउ बुरा होत भवा जब तू जानत ह कि आपन गदेलन क उत्तिम भेंट कइसे दीन्ह जात हीं, तउ स्वर्गीय पिता जउन उ ओसे माँगत हीं, ओनका पवित्तर आत्मा केतँना ढेरि क देई।"

ईसू की सकती परमेस्वर स मिली

(मती 12:22-30, मरकुस 3:20-27)

¹⁴फिन ईसू जब एक गूँगा बनइ डावइवाली दुस्ट आत्मा क निकारत रहा तउ अइसा भवा कि जइसा ही दुस्ट आत्मा बाहेर निकरी, तउ उ गूँगा बोलइ लाग। भीड़ क मनई एँसे बहोतइ अचरजे मँ पड़ि गएन।¹⁵ मुला ओहमाँ स कछू कहेन, "इ सइतान क सासक बालजबूल क मदद स दुस्ट आत्मान क खदेरत ह।"

¹⁶मुला अउर मनइयन ओका परखइ बरे कउनो सरग क चीन्हा क माँग कियेन।¹⁷ लेकिन ईसू जानत रहा कि ओनके मनवा मँ का बाटइ? उ ओनसे कहेस, "उ राज्य जेहमाँ आपन भीतर ही फूट परि जाइ, ओकर नास होइ जात ह अउर अइसे ही कउनो घरे क फूट परे प नास होइ जात ह।¹⁸ जदि सइतान आपन खिलाफ होइ जाइ तउ ओकर राज्य कइसे टिक सकित ह? इ मई तोहसे यह बरे पूछत हउँ काहेकि तू कहत ह कि मई बालजबूल क मदद स दुस्ट आत्मान क निकारत हउँ।

¹⁹मुला जदि मई बालजबूल क मदद स दुस्ट आत्मान क निकारत हउँ तउ तोहार मनवइयन ओनका केकरी मदद स निकारत हीं? तउ तोहार आपन मनई ही तोहका गलत बतइहीं।²⁰ मुला जदि मई परमेस्वर क

सक्ती स बुरी आतिमा को निकारत हउँ तउ इ साफ बा कि परमेस्सर क राज्य तू ताई आइ गवा अहइ!

²¹जब एक सकत क मनई पूरी तरह हथियार टेङ्के आपन घरे क रच्छा करत ह तउ ओकरे धन दौलत क रच्छा होत ह। ²²मुला जब कबहुँ कउनो ओसे जिआदा बरिआर ओह प हमला कइके ओका हराइ देत ह तउ उ ओकरे सबहीं हथियारन क, जउन प ओका भरोसा रहा, ओसे छीन लेत ह अउर लूट क माल क उ पचे अपने दोस्तन में बाँट लेत हीं।

²³जउन मोर संग नाहीं अहई, मोर खिलाफत में बाटेन। उ जउन मोरे संग बटोरत नाहीं अहइ, छितरइहीं।

बे कामकाजी मनई

(मती 12:43-45)

²⁴जब कउनो दुस्ट आतिमा कउनो मनई स बाहेर निकरत ह तउ अराम क ढूँढत सूखे ठउरन में स होत जात ह अउर जब ओका अराम नाहीं मिलत तउ उ कहत ह, 'मई आपन उहइ जगह लौटब जहाँ स गइ हउँ।' ²⁵अउर वापस जाइके उ ओका साफ सूधर अउर तरकीबे में बसी पावत ह। ²⁶फिन उ जाइके आपन स भी जिआदा दुस्ट दूसर सात जिआदा दुस्ट आतिमान क हुवाँ लइ आवत ह। फिन उ सबइ ओहमाँ जाइके रहइ लागत हीं। इ तरह उ मनई क पाछे क दसा पहिले स जिआदा खराब होइ जात ह।"

उ पचे धन्य अहई

²⁷फिन अइसा भवा कि जइसे ही ईसू इ बातन कहेस, भिरिया में स एक स्त्री उठी चिल्लाइके बोली, "उ गरभ धन्य अहइ, जउन तोहका धारण किहेस ह। अउर उ चूची धन्य अहइ, जेका तू चूस्या ह।"

²⁸एह प उ कहेस, "धन्य तउ मुला उ पचे बाटेन जउन परमेस्सर क बचन सुनत हीं अउर ओह प चलत हीं।"

प्रमान क माँग

(मती 12:38-42; मरकुस 8:12)

²⁹जइसे जइसे भिरिया बढ़त रही, उ कहइ लाग, "इ एक दुस्ट पीढ़ी अहइ। इ कउनो अद्भुत चीन्हा लखइ चाहत ह। मुला एँका योना क चीन्हा क अलावा अउर कउनो चीन्हा नाहीं दीन्ह जाइ। ³⁰काहेकि जइसे निनवे क मनइयन बरे योना चीन्हा बन गवा, वइसे ही इ पीढ़ी बरे मनई क पूत भी चीन्हा बनी। ³¹दक्खिन क रानी*निआव क दिन परगट होइके इ पीढ़ी क मनइयन क देखी ठहराई, काहेकि उ धरती दूसर कोने स सुलैमान

क गियान सुनइ बरे आइ अउर अब लखा हिआँ तउ कउनो सुलैमान स भी बड़कवा अहइ। ³²नीनवे क मनइयन निआव क दिना इ पीढ़ी क मनइयन क खिलाफ खड़ा होइके ओन पइ दोख लगइहीं काहेकि उ पचे योना क उपदेस क सुनिके मनफिराव करि लिहन ह। अउर देखा अब तउ योना स भी महान कउनो हिआँ नाहीं बा!

संसार क ज्योति बना

(मती 5:15; 6:22-23)

³³दिया बारिके कउनो भी ओका कउनो छुपा ठउर या कउनो भाँड़ी क भीतर नाहीं राखत, मुला ओका डीबट प धरत ह जेहसे जउन भितरे आवइँ, ज्योति लखि सकइँ। ³⁴तोहरे देह क दिया तोहार आँखिन अहई, तउ जदि आँखी नीक अहईँ तउ समूची देह ज्योति स भरि गइ बाटइ मुला, जदि इ सबइ खराब अहईँ तउ तोहार देह आँधियार होइ जात ह। ³⁵तउ धियान राखा! कि तोहरे भीतर ज्योति अहइ, आँधियारा नाहीं। ³⁶यह बरे जदि तोहार समूची देह ज्योति स भरिपूर अहइ अउर एँकरे कउनो भी अंग आँधियारा नाहीं तउ उ पूरी तरह अइसे चमकी मान ल्या कउनो दिया तोह पइ आपन किरण स प्रकासित होत ह।"

ईसू फरीसियन क नुक्ता चीनी करत ह

(मती 23:1-36, मरकुस 12:38-40; लूका 20:45-47)

³⁷ईसू जब आपन बात पूरी किहस तउ एक फरीसी ओसे अपने साथ खाइ बरे हठ किहेस। तउ उ भितरे जाइके खइया क खाइ बैठि गवा। ³⁸मुला उ फरीसी जब इ देखेस कि खइया स पहिले उ आपन हाथ नाहीं धोएस तउ ओका बड़ा अचरज भवा।

³⁹एह पइ फरू ओनसे कहेस, "अब लखा तू फरीसियन टाठी अउर खोरो क बस बाहेर स तउ माँजत ह मुला तोहरे भीतर लालच अउर दुस्टता भरी अहइ। ⁴⁰अरे मूढ मनइयो! का जउन बाहरी अंग क बनाएस ह, उ भीतरी अंग क नाहीं बनाएस। ⁴¹यह बरे जउन कछू भितरे अहइ, ओका दीनन क दइ द्या। फिन तोहरे बरे सब कछू पवित्र होइ जाइ। ⁴²अरे फरीसियन! तोहका धिक्कार अहइ काहेकि तू आपन पुदीना अउर सुदाब बूटी अउर हर कउनो जरी बूटी क दसवाँ हींसा तउ चढ़ाइ देत ह मुला परमेस्सर बरे पिरेम अउर निआव क टारि देत ह। मुला इ बातन क तोहका उ बातन क बगैर टारि देइ क करइ चाही। ⁴³अरे फरीसियन! तोहका धिक्कार अहइ! काहेकि तू सबइ आराधनालय में बहोत ही प्रमुख आसन चाहत बाट्या अउर बजारन में मान मर्जाद क संग पैलगी तोहका सोहात ह। ⁴⁴तोहका धिक्कार अहइ काहेकि तू पचे बिना कउनो चीन्हा क कब्र क नाई अहा जेह प मनई चलत हीं मुला उ सबइ नाहीं जानत हीं।"

दक्खिन क रानी अर्थात् सीना हजार मील चलिके सुलैमान स परमेस्सर क गियान सीखइ आइ रही। राजा 10:1-3

यहूदी धरम सास्तिरियन स ईसू क बतियाब

⁴⁵तब एक धरम सास्तिरि ईसू स कहेस, "गुरु, जब तू अइसी बातन कहत ह तउ हम भी बेजत होइत ह।"

⁴⁶एह प ईसू कहेस, "अरे धरम सास्तिरियो! तोहका धिक्कार अहइ। काहेकि तू सबइ मनइयन प अइसा बोझा लादे बाट्या जेका उठाउब मुस्कल अहइ। अउर तू खुद ओन बोझन क एक ठु अँगुरी भर स छुअइ नाहीं चाहत ह। ⁴⁷तोहका धिक्कार अहइ काहेकि तू नबियन बरे मकबरा क बनवत ह, जेनकइ कतल कीन्ह गवा अउर ओनकर कतल करइया तोहार पूर्वजन रहेन। ⁴⁸ऐसे तू सबइ देखौवत ह कि तू आपन पूर्वजन क उ कामे क अँगीकार करत ह। काहेकि उ पचे तउ ओनका मारेन ह अउर तू पचे ओनकइ मकबरा क बनाया ह। ⁴⁹यह बरे परमेस्सर क गियान भी कहेस, 'मई नबियन अउर प्रेरितन क भी ओनके लगे पठउवा फिन कछू क तो उ पचे मारि डइहीं अउर कछू क सजा देइहीं।' ⁵⁰यह बरे संसार क सुरुआत स जेतेना भी नबियन क लहू बहाइ दीन्ह ग अहइ, ओनकइ हिसाब इ पीढ़ी क मनइयन स चुकाइ जाइ। ⁵¹हाबिल क कतल स लइके जकरयाह क कतल तलक क हिसाब जउन परमेस्सर क मंदिर अउर वेदी क बीच कीन्ह गवा रहा। हाँ, मई तोहसे कहत हई इ पीढ़ी क मनइयन क एकरे बरे लेखा जोखा देइ क होइ।

⁵²ओ धरम सास्तिरियो! तोहका धिक्कार अहइ, काहेकि तू सबइ गियान क कुंजी तउ लइ लिहा ह। मुला ओहमाँ न तउ खुद घुसि पाया अउर न घुसइ क कउनो जतन करत रह्या। ओनका भी तू अडंगा डाय जे अइसा करइ चाहेन।"

⁵³अउर फिन जब ईसू हुवाँ स चला गवा तउ उ सबइ धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन ओसे घोर दुस्मनी राखइ लागेन। बहोत स बातन क बारे मँ ओसे सोझ सवाल करइ लागेन।

⁵⁴काहेकि उ सबइ ओका ओकर कही कउनो बात स घात करइ बरे टोहत रहेन।

फरीसियन जइसा जिन बना

12 अउर फिन जब हजारन मनइयन क भारी भीड़ जुटि गइ तउ एक दुसरे क रँदि जात रही तब ईसू पहिले आपन चेलन स कहइ लाग, "फरीसियन क खमीरे स, जउन ओनकइ कपट बा, बचा रहा। ²कछू छुपा नाहीं अहइ जउन परगट नाहीं कइ दीन्ह जाइ। अइसा कछू अनजाना नाहीं अहइ जेका बतावा नाहीं दीन्ह जाइ। ³यह बरे हर उ बात जेका तू अँधियारे मँ कह्या ह, उजिआरे मँ सुनी जाइ। अउर एकांत खोली मँ जउन कछू भी तू चुप्पे स कउनो क काने मँ कह्या ह, घरे क छते स एलान कइ दीन्ह जाइ।"

परमेस्सर स डेराअ

(मती 10:28-31)

⁴मुला मोर मीतो, मई तोहसे कहत हई ओनसे जिन डेराअ जउन तोहरे तन क मारि डाइ सकत हीं अउर ओकरे पाछे अइसा कछू नाहीं अहइ जउन ओनके बस मँ होइ। ⁵मई तोहका देखाउब कि तोहका कउनो स डेराइ चाही। ओसे (परमेस्सर) डेराअ जउन तोहका मारिके नरक मँ नावइ क सकती राखत ह। हाँ, मई तोहका बतावत हई, बस उहइ स डेराअ।

⁶का दुइ पइसा मँ पाँच ठु चिरइयन नाहीं बिकतिन? फिन भी परमेस्सर ओहमाँ स एक क भी नाहीं बिसरत। ⁷अउर लखा तोहरे मूँडे प क एक एक बारि तलक गना भवा अहई। डेराअ जिन तू बहोत सी चिरइयन स कहूँ जिआदा कीमत क अहा।"

ईसू क नाई प जिन सर्मा

(मती 10:32-33; 12:32; 10:19-20)

⁸मुला मई तोहसे कहत हई जउन कउनो मनई सबहीं क समन्वा मोक़ा मानत ह, मनई क पूत भी उ मनई क परमेस्सर क दूनन क समन्वा मानी। ⁹मुला ज जउन मोक़ा दुसरे क समन्वा न मानी, ओका परमेस्सर क दूनन क समन्वा इन्कार कइ दीन्ह जाइ।

¹⁰अउर हर उ मनई क तो छमा कइ दीन्ह जाइ जउन मनई क पूत क खिलाफ कउनो सब्ब बोलत ह, मुला जउन पवित्तर आतिमा क बुराई करत ह, ओका छमा नाहीं कीन्ह जाइ।

¹¹तउ जब उ पचे तोहका आराधनालय मँ, राज्य क करइवालन अउर अधिकारियन क समन्वा लइ जाई तउ फिकिर जिन करया काहे तू आपन क कइसे बचउब्बा या तोहका का कछू कहे होइ। ¹²चिंता जिन करा काहेकि पवित्तर आतिमा तोहका सिखाइ कि उ समइया तोहका का बोलइ चाही।"

सुआरथ क खिलाफ चिताउनी

¹³फिन भीड़ मँ स ओसे कउनो कहेस, "गुरु, मोरे भइया स मोरे बाप क धन दौलत क हींसा बँटइ बरे कहि द्या।" ¹⁴एह प ईसू ओसे कहेस, "अरे भले मनई, मोक़ा तोहरे बरे निआववाला या पंच कउन बनएस ह?" ¹⁵तउ ईसू ओनसे कहेस, "होसियारी क संग आपन क लालच स दूर राखा। काहेकि जरूरत स जिआदा धन-दौलत होइ प जिन्नगी क आधार ओकर संग्रह नाहीं होत।"

¹⁶फिन उ ओनका एक दिस्तान्त कथा सुनाएस: "कउनो धनी मनई क धरती प खूब पैदावार भइ। ¹⁷उ आपन मनवा मँ सोचत भवा कहइ लाग, 'मई का करूँ, मोरे लगे फसिल क रखइ बरे ठउर तउ अहइ नाहीं।' ¹⁸फिन उ बोला, 'ठीक अहइ मई इ करब कि आपन

अनाज क कोठिला गिराइके बड़का कोठा बनवाउब अउर आपन समूचा अनाज क अउर सामान हुवाँ रखवा।¹⁹फिन आपन आतिमा स कहब, अरे मोर आतिमा अब बहोत स उत्तिम बस्तु, बहोत स बरिस बरे तोहरे लगे ऐकट्टी अहई। घबरा जिन, खावा, पिआ अउर मउज उडावा!'²⁰मुला परमेस्सर ओसे बोला, 'अरे मूर्ख! इहइ राति मैं तोहार आतिमा तोहसे लइ लीन्ह जाइ। जउन क छू तू तइयार किहे अहा, ओका कउन लेइ?'

²¹'लखा, उ मनई क संग भी कछू अइसा ही भवा ह, उ अपने बरे बटोरत ह मुला परमेस्सर क निगाह मैं उ धनी नाहीं।'

परमेस्सर क राज क महत्ता

(मती 6:25-34; 19:21)

²²तब उ आपन चेलन स कहस, 'यह बरे मई तोहसे कहत हउँ, आपन जिन्नगी क फिकिर जिन करा कि तू का पहिन्ब्या? ²³काहेकि जिन्नगी खइया स अउर तन ओढ़ना स जिआदा जरूरी अहइ। ²⁴कउन क लखा, न उ पचइ बोवत हीं, न ही उ पचे काटत हीं। न ओनके लगे भण्डारा बा अउर न आजु अन्न क कोठिला, फिन भी परमेस्सर ओनका भोजन देत ह। तू तउ चिरइन स केतँना जिआदा कीमती अहा। ²⁵चिन्ता कइके, तू पचन मैं स कउन अइसा अहइ, जउन आपन उमिर मैं एक घड़ी भी अउर जोर सकत ह? ²⁶काहेकि तू जदि छोटका काम क भी नाहीं कइ सकत्या तउ बाकी बरे काहे फिकिर करत ह? ²⁷कोका बेली क लखा, उ कइसे उगत हीं? न उ सबइ मेहनत करत हीं, न कतार्इ, फिन भी मई तोहसे कहत हउँ कि सुलेमान आपन समूचे धन दौलत क संग ओहमाँ स कउनो एक क नाई नाहीं सज पाएस। ²⁸यह बरे जब मैदान क घास क, जउन आज हिआँ बा अउर भियान ही ओका भार मैं झोंक दीन्ह जाइ, परमेस्सर अइसे ओढ़नन स सजावत ह तउ अरे ओ कम बिसवास करइया मनइयो! तोहका तउ उ केतँना अउर जिआदा ओढ़ना पहिराइ। ²⁹अउर फिकिर जिन करा कि तू का खाब्या अउर का पीब्या। एँके बरे जिन सोचा।

³⁰काहेकि संसार क अउर सबहीं मनई इ चीजन्क क पाछे धावत अहई मुला तोहार परमपिता तउ जानत ही आहइ कि तोहका इ चीजन्क जरूरत अहइ। ³¹मुला तू तउ परमेस्सर क राज्य क चिन्ता करा। इ चीजन तउ तोहका दइ दीन्ह जइहीं।

धने प भरोसा जिन करा

³²'हे भोली भेड़ी क झुण्ड! जिन डेराअ, काहेकि तोहार परमपिता तोहका राज्य देइ क तइयार अहइ। ³³तउ आपन धन दौलत बेंचिके धन गरीबन मैं बाँटि द्या। आपन लगे अइसी झोरी राखा जउन पुरान न होई

अरथ बा कबहुँ न टूटइवाला सरगे में खजाना जहाँ ओह तलक कउनो चोर क पहुँच न होइ। अउर न ओका न किरवा नास कइ पावई।

³⁴काहेकि जहाँ तोहार खजाना अहइ, हुवई तोहार मनवा भी रही।

सदा तइयार रहा

(मती 24:45-51)

³⁵'काम करइ क सदा तइयार रहा। अउर आपन दिया बारे रहा। ³⁶अउर ओ मनइयन जइसा बना जउन बियाह क भोज स लौटिके आवत आपन स्वामी क जोहत होई जेहसे उ जब आवइ अउर दुआर खटखटावइ तउ उ पचे फउरन खोलि सकई। ³⁷उ नउकर धन्य अहई जेका स्वामी वापस आइके जागत अउर तइयार पइहीं। मई तोहसे सच कहत हउँ कि उ भी ओनकर सेवा बरे करिहाउँ बाँधि लेइ अउर ओनका खइया क पीढा प जेवई बरे बइठाई। उ आई अउर ओनका जेवाँइ। ³⁸उ चाहे आधी राति स पहिले आवइ अउर चाहे आधी राति क पाछे जदि उ ओनका तइयार पावत ह तउ उ सबइ धन्य अहई। ³⁹इ बात बरे निश्चित रहा कि जदि घरे क स्वामी क इ पता होइ कि घरे कउनो घड़ी आवत अहइ, तउ उ ओका आपन घरे मैं संध नाहीं लगावइ देइ। ⁴⁰तउ तू भी तइयार रहा काहेकि मनई क पूत अइसी घड़ी मैं आई जेका तू सोच नाहीं सकत्या।'

बिसवास क जोग्ग सेवक कउन?

⁴¹तब पतरस पूछस, 'पभू, इ डिस्टान्त कथा तू हमरे बारे कहत अहा या सब बारे?'

⁴²एँह प पभू कहेस, 'तउ फिन अइसा बिसवास क जोग्ग, बुद्धिमान सरंजाम अधिकारी कउन होइ जेका पभू आपन नउकरन क ठीक समइ प खइया क चीज देइ बरे ठहराइ? ⁴³उ नउकर धन्य अहइ जेका ओकर स्वामी जब आवइ तउ ओका वइसा ही करत पावइ। ⁴⁴मई सच कहत हउँ कि उ ओका आपन सबहीं धन दौलत क अधिकारी ठहराइ। ⁴⁵मुला उ नउकर आपन मनवा मैं सोचइ कि मोर स्वामी तउ आवइ मैं देर करत अहइ अउर उ दूसर पुरुस अउर स्त्री नउकरन क मारब पीटब सुरु कइ देइ अउर खाइ पिअइ अउर नसा मैं चूर होइ। ⁴⁶तउ उ नउकर क स्वामी अइसे दिन आइ जाइ जेका उ सोचत नाहीं। एक तु अइसी घरी जेकरे बारे मैं निसाखातिर अहइ। फिन भी ओकर टुकरा टुकरा कइ डाइ अउर ओका न बिसवास करइयन क बीच ठउर देइ।

⁴⁷'उ नउकर जउन आपन स्वामी क इच्छा जानत ह अउर ओकरे बारे तइयार नाहीं होत या जइसा ओकर स्वामी चाहत ह, बइसहु नाहीं करत, तउ नउकर प जमिके मार परी। ⁴⁸मुला उ जेका आपन स्वामी क

मनफिरावा

इच्छा क ज्ञान नाही अउर कउनो अइसा काम कइ डावइ जउन मार खाइ काबिल होइ तउ उ नउकर प हल्की मार परी। काहेकि उ हर मनई स जेका बहोत जिआदा दीन्ह ग अहइ, जिआदा माँगा जाइ। उ मनई जेका ढेर सौंपा ग अहइ ओसे जिआदा ही माँगा जाइ।”

मनइयन क मत ईसू स मेल नाही खात

(मती 10:34-36)

⁴⁹“मई धरती प एक आगी बारइ आवा हउँ। मोर केतनी इच्छा अहइ कि उ साइद अबहुँ ताई बरि जात। ⁵⁰मोरे लगे एक बपतिस्मा अहइ जउन मोका लेब बा जब ताई उ पूर नाही होइ जात, मई केतना बियाकुल हउँ। ⁵¹तू का सोचत बाट्या कि मई इ धरती प सान्ति लइ आवइ क बरे आवा हउँ? नाही, मई तोहका बतावत हउँ, मई अलगावइ आवा हउँ। ⁵²काहेकि अब स आगे एक घरे क पाँच आदमी एक दूसर क खिलाफ बैँटि जइहीं। तीन दुइ क बिरोध मँ अउर दुइ तीन क बिरोध मँ होइ जइहीं।

⁵³ बाप बेटवा क बिरोध मँ, अउर बेटवा बाप क बिरोध मँ। महतारी बिटिया क बिरोध मँ, अउर बिटिया महतारी क बिरोध मँ, सास दुलहिन क बिरोध मँ अउर दुलहिन सास क बिरोध मँ होइ जइहीं।”

समइ क पहिचान

(मती 16:2-3)

⁵⁴फिन उ भीड़ स बोला, “जब तू पच्छू कइँती कउनो बदरे क उठत भइ लखत ह तउ कहि देत ह, ‘बरखा आवति अहइ’ अउर फिन अइसा ही होत ह। ⁵⁵अउर फिन जब दखिनी हवा चलत ह, तू कहत ह, ‘गरमी पड़ी’ अउर अइसा ही होत ह। ⁵⁶अरे कपटी मनइयो! तू धरती अउर अकासे क रूपे क समझाउब तउ जानत बाट्या, फिन अइसा काहेकि इ जुग क बारे मँ समझाउत्या नाही?”

आपन समसिया हल करा

(मती 5:25-26)

⁵⁷“जउन नीक अहइ, ओकर पैसला करइवाला तू खुद काहे नाही बनत्या? ⁵⁸जब तू आपन बैरी क संग न्यायाधीस क लगे जात रहब्या तउ रास्ता मँ ही ओकरे संग समझौला करइ क जतन करया। नाही तउ कहुँ अइसा न होइ कि उ तोहका न्यायाधीस क लगे खँच लइ जाई अउर न्यायाधीस एक अधिकारी क सौंपि देइ। अउर अधिकारी तोहका जेल मँ धौंध देइ। ⁵⁹मई तोहका बतावत हउँ, तू हुवाँ स तब ताई छूटि नाही पउब्या जब तलक आखिरी दमड़ी तक न चुकाइ द्या।”

13 उ समइया हुवाँ हाजिर कछू मनइयन ईसू क ओन गलीलियन क बारे मँ बताएस जेनकइ लहू पिलातुस ओनके बलिदान क संग मिलाइ दिहे रहा। ²तउ ईसू ओनसे कहेस, “तू का सोचत ह कि सबइ गलीलियन दूसर सबइ गलीलियन स जिआदा पापी रहेन काहेकि ओनका इ सबइ बातन भीजे पड़ी? ³नाहीं! मई तोहका बतावत हउँ, जदि तू भी मनफिरावा नाही करब्या तउ तू भी वइसी ही मउत स मरब्या जइसी उ सबइ मरे रहेन! ⁴या ओन अट्टारह मनइयन क बारे मँ तू का सोचत ह जेनके ऊपर सीलोह क बुर्ज गिरिके ओनका मारि डाएस। का सोचत ह, उ सबइ यरूसलेम मँ बसइया दूसर सबइ ही मनइयन स जिआदा अपराधी रहेन? ⁵नाहीं! मई तोहका बतावत हउँ कि जदि तू मनवा न फिरउब्या तउ तू भी वइसे ही मरब्या।”

बँझउ बृच्छ

⁶फिन उ इ दिस्तान्त कथा कहेस: “कउनो मनई आपन अँगरे क बारी मँ एक तु अंजीरे क बृच्छ रोपे रहा। तउ उ ओह पइ फल ढूँइइ आवा पर ओका कछू नाही मिल पावा। ⁷एँह पइ उ माली स कहेस, ‘अब लखा मई तीन बरिस स अँजीरे क बृच्छ प फल टटोरत आवत हउँ मुला मोका एक तु भी नाही मिलि पावा। अब बरे एँका काटि डावा। इ धरती क अइसी ही वृथा काहे करत रहइ?’ ⁸माली ओका जवाब दिहेस, ‘स्वामी एँका इ बरिस तब ताई तजि द्या, जब तलक मई एँकरे चारिहुँ कइँती खनिके एहमाँ पाँस नउबउँ। ⁹फिन जदि उ अगवा बरिस फल देइ तउ नीक बा अउर जदि नाही देत तउ तू एँका काटि डाइ सकत ह।”

सबित क दिन स्त्री क चंगा करब

¹⁰कउनो आराधनालय मँ सबित क दिन ईसू जब उपदेस देत रहा। ¹¹तउ हुवाँई एक अइसी स्त्री रही जेहेमा दुस्त आतिमा समाइ ग रही। जउन ओका अट्टारह बरिस स पंगु बनाइ दिहे रही। उ निहुरिके कुबड़ी होइ गइ अउर तनिकउ सोझ नाही होइ सकत रही। ¹²ईसू ओका जब निहारेस तउ आपन लगे बोलाएस अउर, ‘हे स्त्री, तोहका आपन बेरामी स छुटकारा मिलि गवा।’ इ कहत भवा ¹³ओह पइ आपन हाथ रखेस। अउर उ फउरन सीध होइ गइ। उ परमेस्सर क गुन गावइ लाग।

¹⁴ईसू काहेकि सबित क दिन ओका बेरामी स जरटुट किहेस, यह बरे आराधनालय क नेता किरोध मँ आइके मनइयन स कहेस, “काम करइ क बरे छ: दिन होत हीं तउ ओनही दिनम मँ आवा अउर आपन बेरामी क दूर करावा पर सबित क दिन नीरोग होइ बरे जिन आवा।”

¹⁵पभूँ जवाब देत भवा ओसे कहेस, “अरे कपटियो! का तोहमाँ स हर कउनो सबित क दिन आपन बर्धा

अउर गदहा क बारा स निकारिके कहूँ पानी पिआवइ नाहीं लइ जात ह? ¹⁶अब इ स्त्री जउन इब्राहीम क बिटिया अहइ अउर जेका सइतान अट्टारह बरिस स जकरिके राखे बा, का एँका सबित क दिन एँका बंधन स छुटकारा नाहीं देइ का चाही?” ¹⁷जब उ इ कहेस तउ ओकर खिलाफत करइवालन सबइ समाई गएन। ओह कइँती समूची भीड़ ओकरे अचरजे स भरे कामन स जेनका उ किहे रहा, खुस होइ गा।”

सरग क राज्य कइसा अहइ

(मती 13:31-33, मरकुस 4:30-32)

¹⁸तउ ईसू कहेस, “परमेस्सर क राज्य का अहइ अउर मइँ ऐँकर तुलना कइसे करउँ?” ¹⁹उ सरसई क दाना क नाई अहइ, जेका कउनो लइके आपन बगिया मँ बोएस। उ बड़ा भवा अउर एक बूच्छ होइ गवा। फिन अकासे क चिरइयन ओकर डारी प घोंसला बनाइ लिहना।”

²⁰उ फिन ईसू कहेस, “परमेस्सर क राज्य क बरोबरी मइँ कइसे करउँ?” ²¹इ उ खमीरे क नाई अहइ जेका एक स्त्री तीन हींसा पिसान मँ सान दिहेस अउर उ समूचा पिसान खमीरे स भरि गवा।”

साँकर दुआर

(मती 7:13-14; 21:23)

²²ईसू जब सहरन अउर गाउँन स होत भवा उपदेस देत भवा यरूसलेम जात रहा। ²³तबहीं ओसे कउनो पूछेस, “पभू क केवल कछू मनइयन क ही उद्धार होइ?”

ईसू कहेस, ²⁴“साँकर दुआरे स घुसइ क होइ सकइवाला जतन करा, काहेकि मइँ तोहका बतावत हउँ कि भीतर जाइ क जतन बहोत स करिहीं प जाइ न पइहीं। ²⁵जब एक दाईं घरे क स्वामी उठिके दुआर बंद कइ देत ह, तउ तू बाहरे ही खड़ा दुआर खटखटावत कहब्या, ‘महासय, हमरे बरे खोलि द्या।’ मुला उ तोहका जवाब देइ, ‘मइँ नाहीं जानत तू कहाँ ले आवा बाट्या?’ ²⁶तब तू कहइ लगब्या, ‘हम तोहर संग खावा ह, तोहर संग पिआ ह, तू हमरी गलियन मँ हमका सीख दिहा ह।’

²⁷पर उ तोसे कही, ‘मइँ नाहीं जानत तू कहाँ स आवा अहा? अरे कुकर्मो मनइयो! मोरे लगे स पराइ जा!’ ²⁸जब तू इब्राहीम, इसहाक, याकूब अउर दूसर सबहीं नबियन क परमेस्सरे क राज्य मँ निहरब्या मुला तोहका बाहरे ढकेल दीन्ह जाइ। तउ हुवाँ बस रोउब अउर दाँत पीसब होई। ²⁹फिन पूरब अउर पच्छँ उत्तर अउर दक्खिन स मनइयन परमेस्सर क राज्य मँ आइ आइके खइया क चउकी प आपन आसन ग्रहण करिहीं। ³⁰धियान रहइ कि हुवाँ जउन आखिरी अहइ पहिले होइ जइहीं अउर जउन पहिले अहइँ उ पचे आखिरी होइ जइहीं।”

ईसू क मउत यरूसलेम मँ

(मती 23:27-39)

³¹उहइ समइ ईसू क लगे कछू फरीसियन आपन अउर ओसे बोलेन, “हेरोदेस तोहका मारि डावइ चाहत ह, यह बरे हुवाँ स कहूँ अउर चला जा।”

³²तब उ ओनसे कहेस, “जा अउर उ लोखरी* स कहा, ‘मइँ मनइयन मँ स दुस्त आतिमन क निकारब, मइँ आज ही चंगा करब अउर भियान भी। फिन तीसर दिन मइँ आपन काम पूरा करब।’ ³³फिन भी मोका आजु, भियान अउर परउँ चलत ही रहइ क अहइ। काहेकि कउनो नबियन बरे इ नीक नाहीं कि उ यरूसलेम स बाहरे प्रान तजि देइ।

³⁴“यरूसलेम अरे ओ यरूसलेम! तू नबियन क कतल करत ह अउर परमेस्सर जेका तोहरे लगे पठएस ह, ओन प पाथर बरिसावत ह। मइँ केतनी दाईं तोहरे मनइयन क वइसे ही आपुस मँ बटोरइ चाहा ह जइसे एक तु मुर्गी आपन बचवन क आपन पखना तरे बटोरत ह। मुला तू नाहीं चाह्या। ³⁵लखा तोहरे बरे तोहार घर तोहरे लिये उजरा पड़ा अहइ। मइँ तोहका बतावत हउँ तू मोका उ समइया तलक फिन नाहीं देखब्या। जब ताई उ समइ न आइ जाइ जब तू कहब्या, ‘धन्य अहइ उ, पभू क नाउँ प जउन आवत बा।’*”

का सबित क दिन चंगा करब उचित बा?

14 एक दाईं सबित क दिन मुख्य फरीसियन मँ स कउनो क घर ईसू खइया बरे गवा। ओहर उ पचे नगिचे स आँखि गड़ाइके लखत रहेन। ²हुवाँ ओकरे समन्वा जलंधर स दुखी एक तु मनई रहा। ³ईसू धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन स पूछेस, “सबित क दिन कउनो क चंगा करब उचित अहइ या नाहीं?” ⁴मुला उ पचे खमोस रहेन। तउ ईसू उ मनई क लइके चंगा कइ दिहस अउर फिन ओका कहूँ पठइ दिहस। ⁵फिन उ ओनसे पूछेस, “जदि तोहमँ स कउनो क लगे आपन बेटवा अहइ या बर्धा अहइ, उ कुआँ मँ गिरि पड़त ह तउ सबित क दिन भी तू ओका फउरन नाहीं निकरिब्या?” ⁶उ पचे एँह पइ ओकर बात नाहीं काटि सकेन।

आपन क मान जिन द्या

⁷काहेकि ईसू इ लखेस कि मेहमान आपन बरे बइठइ क कउनो खास ठउर ढँढत रहेन, तउ उ ओनका एक दिस्टान्त कथा सुनाएस। उ बोला: ⁸“जब तोहका कउनो बियाहे क भोज प बोलावइ तउ हुवाँ कउनो

लोखरी लोखरी चलाक होत ह, यह बरे ईसू हेरोदेस क लोखरी क रूप मँ कहिके ओखा धूर्त कहइ चाहत रहा।

‘धन्य ... बा’ भजन 118:26

सम्मान क ठउर प जिन बइठा। काहेकि होइ सकत ह हुवाँ कउनो तोहसे जिआदा बड़कवा मनई क उ बोलाए होइ।⁹फिन तू दुइनउँ क बोलावइवाला तोहरे लगे आइके तोसे कही, 'आपन इ जगह इ मनई क दइ द्या।' अउर फिन लजाइके तोहका सबन क तले क ठउरे प बइठइ क होइ।¹⁰तउ जब तोहका बोलावा जात ह तउ जाइके सबन त तले क जगह ग्रहण कइ ल्या जइसे जब तोहका न्यौता देइवाला आवइ तउ तोहसे कही, 'मीत उठा, ऊपर बइठा।' फिन उ सबन क समन्वा, जउन तोहरे लगे हुवाँ मेहमान होइहीं, तोहार मान बाढ़ी।¹¹काहेकि हर कउनो जउन आपन क उठाई ओका निहुराइ दीन्ह जाई अउर जउन आपन क निहुराई, ओका ऊँचा कीन्ह जाई।"

बदले कफल

¹²फिन जउन ओका बोलाए रहा, ओसे उ बोला, "जब कबहुँ तू कउनो दिन या राति क भोज द्या तउ आपन धनी पड़ोसियन क जिन बोलावा काहेकि ऐँकरे बदले मैं तोहका बोलइहीं अउर इ तरह तोहका ओकर फल मिलि जाई।¹³मुला जब तू कउनो भोज द्या तउ दीन दुखियन, अपाहिजन, लंगइन अउर अँधरन क बोलावा।¹⁴फिन काहेकि ओनके लगे वापस लउटावइ कछू नाहीं अहइ, तउ इ तोहरे बरे आसीबाद बनि जाई। ऐँकर बदले क फल तोहका धर्मी मनई क जी उठइ प दीन्ह जाई।"

बड़वार भोज क डिस्टान्त कथा

(मती 22:1-10)

¹⁵फिन ओकरे संग खइया क खात रहेन मनइयन मैं स एक इ सुनिके ईसू स कहेस, "हर उ मनई धन्य अहइ, जउन परमेस्सर क राज्य मैं जँवत ह!"

¹⁶तब ईसू ओसे कहेस, "एक मनई कउनो बड़के भोज क तइयारी करत रहा, उ बहोत स मनइयन क न्यौत दिहस।¹⁷फिन दावत क समइ जेनका न्यौता दिहस, नउकरे क पठइके इ कहवाएस 'आवा! काहेकि भोजन तइयार अहइ।'¹⁸उ सबइ एक तरह आनाकानी करइ लागेन। पहिला ओसे कहेस, 'मई एक खेत बेसहे अहउँ, मोका जाइके ओका देखब अहइ, कृपा कइके मोका छमा करइँ।'¹⁹फिन दूसर कहेस, 'मई पाँच जोड़ी बर्था मोल लिहे अहउँ, मई तउ सिरिफ ओनका परखइ जात हउँ, कृपा कइके मोका छमा करइँ।'²⁰एक अउर भी बोला, 'मई अबहीं बियाह किए हउँ। इ कारण स नाहीं आइ सकत हउँ।'²¹तउ जब उ नउकर लौटिके आवा तउ उ आपन स्वामी क इ बातन बताइ दिहस, 'एँह पइ उ घरे क स्वामी बहोत कोहाइ गवा अउर आपन नउकरे स कहेस, 'हाली ही! सहर क गली कूचा मैं जा अउर गरीब गुरबा, अपाहिज, अँधर अउर लँगइन क हिआँ लइ आवा।'²²उ नउकर स कहेस, 'स्वामी तोहार हुकुम

पूरी कइ दीन्ह गइ अहइ मुला अबहीं भी उठर बाकी अहइ।'²³फिन स्वामी नउकरे स कहेस, 'सड़कन प अउर खेतन क मेंडे ताई जा अउर हुवाँ स मनइयन स चिरौरी कइके हिआँ बुलाइ लिआवा जेसे मोर घर भरि जाइ।'²⁴अउर मई तोहसे कहत हउँ जउन पहिले बोलाइ गवा रहेन ओहमाँ स एक भी भोज न चिखइ!'"

चेला बनइ का कीमत

(मती 10:37-38)

²⁵ईसू क संग भारी भीड़ जात रही। उ ओनके कइँती मुड़ि गवा अउर बोला, ²⁶'जदि मोरे लगे कउनो आवत ह अउर आपन बाप महतारी, पत्नी अउर बचवा, आपन भाइयन अउर बहिनियन अउर हिआँ ताई कि आपन जिन्गी तलक स मोसे जिआदा पिरेम राखत ह, उ मोर चेला नाहीं होइ सकत।'²⁷जउन आपन क्रूस (यातना) उठाइके मोरे पाछे नाहीं चलत ह, उ मोर चेला नाहीं होइ सकत।²⁸जदि तोहमाँ स कउनो बुर्ज बनावइ चाहइ तउ का उ पहिले स बइठिके ओकरे दामे क, इ लखइ बरे कि ओका पूरा करइके ओकरे लगे काफी कछू बा कि नाहीं, हिसाब उसाब न लगाई?'²⁹नाहीं तउ उ नैव तउ खनि देइ अउर ओका पूरा न कइ पावइ स, जउन ओका सुरु होत लखेन ह, सबहिँ ओकर मसखरी उड़इहीं अउर कइहीं,³⁰अरे लखा इ मनई बनाउब तउ सुरु किहेस ह मुला इ ओका पूरा नाहीं कइ सका!'

³¹"या कउनो राजा अइसा होइ जउन कउनो दूसर राजा क खिलाफ जुद्ध छेड़इ जाइ अउर पहिले बैठिके इ न बिचारइ कि आपन दस हजार सैनिकन क संग का उ बीस हजार सैनिकन आपन बैरी क मुकाबला कइ भी सकी कि नाहीं?'³²अउर जदि उ समर्थ नाहीं होत तउ ओकर बैरी अबहीं राहे मैं होइहीं तबहीं उ आपन प्रतिनिधि मंडल क पठइके सांति मिलाप क सुझाई।'³³तउ फिन इहइ तरह तोहमाँ स कउनो भी जउन आपन सबहिँ धन दौलत क तजि नाहीं देत, मोर चेला नाहीं होइ सकत।

आपन सुभाव जिन तजा

(मती 5:13; मरकुस 9:50)

³⁴"नोन उत्तिम अहइ मुला जदि ओकर स्वाद बिगर जाइ तउ ओका फिन स नमकीन नाहीं बनावा जाइ सकत।³⁵न तउ माटी क लायक रही अउर न पाँस क कूड़ा क। मनई सिरिफ ओका यूँ ही बहाइ देइहीं। जेकरे लगे सुनइ क कान अहइँ, ओका सुनइ द्या।"

सरगे में खुसी

(मती 18:12-14)

15 अब चुंगी (टिक्स) क उगहिया अउर पापी सबहिँ ओका सुनइ बरे ओकरे लगे आवइ लाग रहेन।²तउ फरिसियन अउर धरम सास्तिरियन बड़बड़ करत

भए कहइ लागेन, “इ मनई तउ पापी मनइयन क अगवानी करत ह अउर ओनके संग जेवंत ह।”³ एहे पइ ईसू ओनका इ डिस्टान्त कथा सुनाएस: ⁴“मान ल्या तोहमाँ स कउनो क लगे 100 भेइ अहई अउर ओहमाँ स कउनो एक हेराइ जाइ तउ उ का 99 क खुली जगह मँ तजिके हेरान भेइ क पाछे न धाई जब ताई उ ओका पाइ न जाइ।⁵ फिन जब ओका भेइ मिलि जात ह तउ उ ओका खुसी क साथ आपन काँधे प उठावत ह।⁶ अउर जब घर लौटत ह तउ आपन मीतन अउर पड़ोसियन क नगिचे बोलाँइके कहत ह, ‘मोर संग खुसी मनाव काहेकि मोका हेरान भेइ मिलि गइ अहइ।’⁷ मई तोहसे कहत हउँ, इहइ तरह कउनो एक क मनफिरावइवाला पापी बरे, ओन 99 धर्मी मनइयन स, जेनका मनफिराव करइ क जरूरत नाहीं, सरगे मँ कहुँ जिआदा खुसी मनाइ जाइ।

⁸“या सोचि ल्या कउनो स्त्री अहइ जेकरे लगे दस चाँदी क सिक्का बाटेन अउर ओकर एक तु सिक्का हेराइ जात ह तउ का उ दिया बारिके घरे क तब ताई न बहारी अउर होसियारी स नाहीं ढँढत रही जब तलक उ ओका न मिलि जाइ?”⁹ अउर जब उ जब ओका पाइ जात ह तउ आपन मीतन अउर पड़ोसियन क लगे बोलाँइके कहत ह, ‘मोरे संग खुसी मनाव काहेकि मोर सिक्का जउन हेराइ ग रहा, मिलि गवा।’¹⁰ मई तोहसे कहत हउँ इ तरह एक पापी बरे जउन मनफिराव ह, परमेस्सर क दूतन क हाजरी मँ हुआँ खुसी मनाइ जाइ।”

भटक गवा बेटवा क पावइ क डिस्टान्त कथा

¹¹फिन ईसू कहेस, “एक मनई क दुइ बेटवा रहेन।¹² तउ छोटका बेटवा आपन बाप स कहेस, ‘पिताजी, जउन धन दौलत मोरे हींसा मँ आवइ, ओका मोका दइ द्या!’ तउ बाप उन दुइनउँ क आपन धन बाँट दिहिस।¹³ अबहीं कउनो जिआदा समइ नाहीं बीता रहा, कि छोटका बेटवा आपन समूचा धन दौलत बटोरेस अउर कउनो दूर देस क चला गवा। अउर हुवाँ जंगली क तरह रहत भवा आपन सारा धन बबांद कइ डाएस।¹⁴ जबहिँ ओकर समूचा धन खतम होइ गवा तबहीं उ देस मँ सबहिँ कइँती एक तु भयानक अकाल पड़ि गवा अउर ओका जरूरत क चीजन क कमती पड़ि लाग।¹⁵ यह बरे उ देस क कउनो मनई क हिआँ जाइके उ मजुरी करइ लाग। उ ओका आपन खेते मँ सुअर चरावइ पठइ दिहिस।¹⁶ हुवाँ उ सोचत साइद कैरब क फरी पेट भरइ बरे मिलि जाई जेका सुअरन खात रहन मुला कउनो ओका एक फरी नाहीं दिहिस।¹⁷ फिन जब ओकर होस ठिकाना मँ आइ गवा तउ उ बोला, ‘मोरे बाप क लगे केर्तना ही अइसे मजूर अहई जेनके लगे खाइ क पाछे भी भोजन बचा रहत ह। अउर मई हियाँ भूख स मरत हउँ।¹⁸ तउ मई हियाँ स उठिके आपन बाप क लगे

जाब अउर ओनसे कहब: पिताजी, मई परमेस्सर अउर तोहरे खिलाफ पाप किहे हउँ।¹⁹ अब अगवा स तोहार बेटवा कहवावइ क जोगग नाहीं अहउँ। मोका आपन रोजिन्दा क मजूर क नाई बनइ ल्या।²⁰ तउ उ उठिके आपन बाप क लगे चला गवा।

“अबहीं उ जिआदा दूरी प ही रहा कि ओकर बाप ओका निहारेस अउर ओकरे बाप क दाया आइ। तउ दौड़िके उ ओका आपन बाँहे मँ गहियाइ लिहस अउर चूमेस।²¹ बेटवा बाप स कहेस, ‘पिताजी, मई तोहरी निगाहे मँ अउर परमेस्सर क खिलाफ पाप किहे हउँ, मई अब अउर जिआदा तोहार बेटवा कहवावइ क जोगग नाहीं हउँ।’²² मुला बाप आपन नउकरन स कहेस, ‘हाली! उत्तम ओठुना निकारि लइ आवा अउर ओनका एँका पहिरावा। एँकरे हाथे मँ अँगूठी अउर गोड़वा मँ जूतियाँ पहिरावा।²³ कउनो मोट बछवा लइ आइके मारि डावा अउर आवा ओका हम पचे खाइके खुसी मनाई।²⁴ काहेकि मोर इ बेटवा जउन मरि गवा रहा अब जइसे फिन स जिउ उठा बा। इ हेराइ गवा रहा, मुला अब इ मिलि गवा अहइ।’ तउ उ पचे खुसी मनावइ लागेन।

²⁵“अब ओकर बड़का बेटवा जउन खेते मँ रहा, जब आवा अउर घरे क लगे पहुँच गवा तउ उ गावइ नाचइ क सुर सुनेस।²⁶ उ आपन एक इ नउकर क बोलाँइके पूछेस, ‘इ सब का होत अहइ?’²⁷ नउकर ओसे कहेस, ‘तोर भाई आइ गवा अहइ अउर तोर बाप ओका हिफाजत मँ अउर मोटमर्दा पाइके एक तु मोट बछवा कटवाएस ह!’²⁸ बड़का भाई कोहाइ गवा, उ भितरे जाइ तलक नाहीं चाहत रहा। तउ ओकर बाप बाहेर आइके ओका समझाएस बुझाएस।²⁹ मुला उ बाप क जवाब दिहस, ‘देखा बरिसन स तोहार सेवा मई करत रहेउँ। मई तोहरे कउनो हुकुम क खिलाफत नाहीं किहेउँ, मुला तू मोका तउ कबहुँ एक बकरी तलक नाहीं दिहा कि मई आपन मीतन क संग कउनो खुसी मनाइ सकित।³⁰ मुला जब तोहार इ बेटवा आवा जउन वेस्यन मँ तोहार धन फूँकेस, ओकरे बरे तू मोट बछवा कटवाया।’³¹ बाप ओसे कहेस, ‘मोर बेटवा, तू हमेसा ही मोरे लगे अहा अउर जउन कछू मोरे लगे बा, सब तोहार अहइ।³² मुला हमका खुस होइ चाही अउर जलसा मनावइ चाही काहेकि इ भाई, जउन मरि ग रहा, अब फिन जिन्ना होइ ग अहइ। इ हेराइ ग रहा, अब मिलि गवा बा।”

साँच धन

16 फिन ईसू आपन चेलन स कहेस, “एक धनी मनई रहा। ओकर एक प्रबन्धक रहा। उ प्रबन्धक प लाँछन लगाइ गवा कि उ ओकर धन दौलत क नासत रहा।¹ तउ उ ओका बोलाएस अउर कहेस, ‘तोहरे बारे मँ इ मई का सुनत रहत हउँ? आपन संरजाम क हिसाब किताब द्या काहेकि अब अगवा तू प्रबन्धक नाहीं रहि

सकत्या।' ३^एह पड़ प्रबन्धक मन ही मन में कहेस, 'मोर स्वामी मोसे मोर प्रबन्धक क नउकरी छीनत अहा, तउ अब मई का करउँ? मोहमँ अब एतनी ताकत भी नाहीं बा कि मई खेते खोदाई अउर गोंडाई क काम तलक कइ सकउँ। अउर मॉंगइ मँ तउ मोका लाज आवति बाटइ। ४^{ठीक}, मोरी समझ मँ आइ गवा कि मोका का करइ चाही जेहँसे जब मई प्रबन्धक क ओहदा स हटाइ दीन्ह जाउँ तउ मनई आपन घरे मँ मोर सुआगत करइ।' ५^{तउ उ स्वामी क हर देनदार क बोलाएस। पहिले मनई स उ पूछेस, 'तोहका मोरे स्वामी क केतना देब अहइ?' ६^{उ कहेस, '3,000 लीटर जैतून क तेल।' एँह पड़ उ ओसे बोला, 'इ ल्या आपन बही खाता अउर बैठिके हाली 1,500 लीटर कइ द्या।' ७^{फिन उ दूसर स कहेस, 'अउर तोह प केतनी देनदारी अहइ?' उ बताएस, 270 क्विंटल गोहूँ।' उ ओसे बोला, 'इ ल्या आपन बही अउर 225 क्विंटल कइ द्या।'}}}

८^{एँह प ओकर स्वामी उ बेइमान प्रबन्धक क सरहेस काहेकि उ होसियारी स काम लिहे रहा। संसारे मँ रहइवाला मनई आपन जइसे मनइयन स ब्यौहार करइ मँ परमेस्सर क जोति वाला स जिआदा चालाक अहइ।}

९^{मई तोहसे कहत हउँ संसारे क धन दौलत स आपन बरे मीत बनावा। काहेकि जब उ धन दौलत खतम होइ जाइ, उ पचे अनंत निवासे मँ तोहार सुआगत करिहीं। १०^{उ सबइ जेनँ पड़ तनिक बरे बिसवास कीन्ह जाइ सकत ह, ओन पड़ जिआदा बरे भी बिसवास कीन्ह जाइ अउर इहइ तरह जउन तनिक बरे बेइमान होइ सकत हीं उ जिआदा बरे बेइमान होइहीं। ११^{इ तरह जदि तू संसारे क धन दौलत बरे तू बिसवासनीय नाहीं रहया तउ साँच धने क बारे मँ तोह पड़ कउन भरोसा करी? १२^{जदि जउन कउनो दूसर क अहइ, तू ओकरे बरे बिसवास क जोग नाहीं, बाटया, तउ जउन तोहार अहइ, ओका तोहरा कउन देइ? १३^{कउनो भी नउकर दुइ मालिक क सेवा नाहीं कइ सकत। उ या तो एक स घिना करी अउर दूसर स पियेम या उ एक क बरे न्यौछावर करी अउर दूसर क दुरियाई। तू धने अउर परमेस्सर दुइनउँ क सेवा एक संग नाहीं कइ सकत्या।"}}}}}

परमेस्सर क व्यवस्था अटल बा

(मती 11:12-13)

१४^{अब फरीसियन जउन धन क लोभी रहेन, जब इ सब सुनेन तउ उ पचे ईसू क बहोत बुराई कियेन। १५^{एँह पड़ उ ओनसे कहेस, 'तू पचे उ सबइ अहा जउन मनइयन क इ जताइ देइ चाहत ह कि तू बहोत नीक अहा मुला परमेस्सर तोहरे मन क जानत ह। मनई जेका बहोत कीमती समझत हीं, परमेस्सर बरे उ चुच्छ अहइ।}}

१६^{यूहन्ना तलक व्यवस्था अउर नबियन क समइ रहा। ओकरे पाछे परमेस्सर क राज्य क सुसमाचार क}

प्रचार होत रहा अउर हर कउनो बड़ी तेजी स एँकर कइँती हईचा आवत रहा। १७^{फिन सरग अउर धरती क डुग जाब तउ सहल बा मुला व्यवस्था क एक एक बिन्दु का अमान्य होब नाहीं।}

तलाक अउर दुहेजा बियाह

१८^{उ हर कउनो जउन आपन पत्नी क तजत ह अउर दूसर स्त्री क बियाहत ह, व्यभिचार करत ह। अइसे ही आपन पति स तलाकी गइ, कउनो मनई स बियाहत ह, उ भी व्यभिचार करत ह।"}

धनी मनई अउर लाजर

१९^{अब देखा एक मनई रहा जउन बहोत धनी रहा। उ बैजनी रंग क ओढ़ना पहिरत रहा अउर हर रोज अमीरी ठाट बाट स रहत आनन्द लेत रहा। २०^{हुँवई लाजर नाउँ क दीन दुखिया ओकरे दुआरे ओलरा रहत रहा। ओकर देह घाउन स भरि गइ रही। २१^{उ धनी मनई क जुटे स ही उ आपन पेटवा भरइ क तरसत रहा। हिआँ तलक कि कूकुर भी अउतेन अउर ओकरे घाउ क चाट जातेन। २२^{अउर फिन अइसा भवा कि उ दीन हीन मनई मरि गवा। तउ सरगदूतन लइ जाइके ओका इब्राहीम क गोदी मँ बइठाइ दिहिन। फिन उ धनी मनई भी मरि गवा अउर ओका दफनियावा गवा। २३^{नरके मँ तड़पत भवा उ जब आँखी खोलिके लखेस तउ इब्राहीम ओका बहोत दूर देखाइ गवा मुला लाजर उ ओकरी गोदी मँ लखेस। २४^{उ तब्बइ पुकारके कहेस, 'बाप इब्राहीम, मोहे प दया करा अउर लाजर क पठवा कि उ पानी मँ अगूरि क नोक बोरिके मोर जीभ ठंडी कइ देइ, काहेकि मई इ आगी मँ तड़पत हउँ! २५^{मुला इब्राहीम बोला, 'मोर बेटहना, याद राखा, तू आपन जिन्नगी मँ आपन नीक चीजन्क पाइ गया मुला लाजर क बुरी चीज मिलि पाई। तउ अब हिआँ उ आनन्द भोगत बा अउर तू दारुण दुःख। २६^{अउर इ सब क अलावा हमरे अउर तोहरे बीच एक बड़की खाई डाइ दीन्ह ग अहइ काहेकि हिआँ स जदि कउनो तोहरे लगे जाइ चाहइ, उ जाइ नाहीं सकत अउर हुवाँ स कउनो हिआँ आइ न सकइँ। २७^{उ धनी मनई कहेस, 'अइ बाप! मई तोहसे पराथना करत हउँ कि तू लाजर क मोरे बाप क घर पठइ द्या २८^{काहेकि मोरे पाँच भाइयन अहइँ। उ ओनका चिताउनी देइ ताकि ओनका इ दारुण दुःख क ठउर मँ न आवइ क होइ।' २९^{मुला इब्राहीम कहेस, 'ओनके लगे मूसा क व्यवस्था अहइ अउर नबियन क लिखा अहइँ। ओ पचेन क ओनका सुनइ द्या।' ३०^{धनी मनई कहेस, 'नाहीं बाप इब्राहीम, जदि कउनो मरे हुअन मँ स ओनके लगे जाइ तउ उ पचे मनफिराव करिहीं।' ३१^{इब्राहीम ओसे कहेस, 'जदि उ सबइ मूसा अउर नबियन क नाहीं अनकतेन तउ, जदि कउनो मरे हुअन मँ स उठिके ओनके लगे}}}}}}}}}}}}}

आवइ तउ भी कोउ काम क ना होई, काहेकि उ ओनका भी न सुनिहीं।”

17 ईसू आपन चेलन स कहेस, “जेनेसे मनइयन भटकत हीं, अइसी बातन तउ होइहीं ही मुला धिक्कार उ मनई क अहइ जेकरे जरिये उ सबइ होई।² ओकरे बरे जिआदा नीक इ होत कि बजाय एँकरे कि उ इन छोटकन मँ स कउनो क पाप करइ क हुस्कारि देइ, ओकरे गटइया मँ चकरी क पाट टाँगिके ओका समुद्दर मँ ढकेल दीन्ह जात।³ होसियार रहा!

“जदि तोहार भाई पाप करइ तउ ओका डाटा अउर जदि उ आपन किहे प पछताइ तउ ओका छमा कइ द्या।⁴ अगर हर दिन उ सात दाई पाप करइ अउर सातहु दाई लौटिके तोहसे कहइ कि मोका पछतावा अहइ तो तू ओका छमा कइ द्या।”

तोहार बिसवास केरौना बड़वार अहइ

⁵ एँह पइ प्रेरितन पभू स कहेन, “हमरे बिसवास क बढ़ोतरी करा!”⁶ पभू कहेस, “जदि तोहमाँ सरसों क दाना क तरह बिसवास होत तो तू इ सहतूत क वृच्छ स कहि सकत ह ‘उखड़ि जा अउर उ समुद्दर मँ जाइके लगा।’ अउर उ तोहार बात मान लेत।

उत्तिम सेवकन बनि जा

⁷ “मान ल्या तोहमाँ स कउनो क लगे एक दास अहइ जउन हर जोतत या भेड़न क चरावत ह। उ जब खेते स लौटिके आवइ तउ का ओकर स्वामी ओसे कही, ‘तुरन्त आवा अउर खइया क खाइ बैठि जा?’⁸ मुला बजाय एँकरे का उ ओसे न कही, ‘मोर भोजन तइयार करा, आपन ओढना पहिरा अउर मोर खात पिअत क खइया परसा, तबहि एँकरे पाछे तू भी खाइ पी सकत ह।’⁹ का उ आपन हुकुम पूरा करइ प का उ सेवक क बिसेस धन्यवाद देत ह? नाहीं।¹⁰ तोहरे संग भी अइसा ही अहइ। जउन कछू करइ क तोहसे कहा ग अहइ, ओका कइ डाए क पाछे तोहका कहइ चाही, ‘हम नालायक दास अही हमका कउन बड़कई न चाही। हम तउ आपन कर्तब कीन्ह ह।”

आभारी रहा

¹¹ फिन जब ईसू यरूसलेम जात रहा तउ उ सामरिया अउर गलील क बीच क चउहददी क लगे स निकरा।¹² उ जब एक गाउँ मँ जात रहा तबहीं दस कोढ़ी ओका मिलने। उ सबइ कछू दूरी प खड़ा रहेन।¹³ उ पचे ऊँच आवाज मँ बोलेन, “हे ईसू! हे स्वामी! हम प दाया करा!”¹⁴ फिन जब उ ओनका लखेस तउ उ बोला, “जा अउर आपन खुद क याजकन क देखावा।”

उ सबइ जात ही रहेन कि कोढ़ स छुटकारा पाएन।¹⁵ मुला ओहमाँ स एक जब इ देखेस कि उ चंगा होइ ग

अहइ, तउ उ वापस लौटा अउर ऊँच आवाज मँ परमेस्सर क गुन गावइ लाग।¹⁶ उ मुँहना धकेके ईसू क गोड़वा पर गिरि गवा अउर ओकर एँहसान मानेस। (उ एक सामरी रहा।)¹⁷ ईसू ओसे पूछेस, “का सबहिँ दस क दसउ कोढ़ स छुटकारा नाहीं पाएन? फिन उ सबइ नौ कहाँ बाटेन?¹⁸ का केवल सामरी क तजिके ओहमाँ स कउनो भी परमेस्सर क स्तुति करइ वापस नाहीं लौटा?”¹⁹ फिन ईसू ओसे कहेस, “खड़ा हवा अउर चला जा, तोहार बिसवास तोहका चंगा किहेस ह।”

परमेस्सर क राज्य तोहरे भीतर बा

(मती 24:23-28, 37:41)

²⁰ एक दाई जब फरीसियन ईसू स पूछेन, “परमेस्सर क राज्य कब आई?” तउ उ ओनका जवाब दिहस, “परमेस्सर क राज्य अइसे परगट होइके नाहीं आवत।²¹ मनइयन इ न कइहीं, ‘उ हिआँ अहइ!’ या ‘उ हुवाँ अहइ!’ काहेकि परमेस्सर क राज्य तउ तोहरे भीतर ही अहइ।”

²² मुला चेलन उ बोलाएस, “अइसा समइ आइ जब तू मनई क पूत क दिनन मँ स एक दिन क भी तरसब्या मुला, ओका नलख पउब्या।²³ अउर मनइयन तोहसे कइहीं, ‘देखा, हिआँ!’ या ‘देखा, हुवाँ!’ तू हुवाँ जिन जा या ओकर पाछे जिन जा।

जब ईसू लौटी

²⁴ वइसे ही जइसे बिजुरी चमकिके एक छोर स दूसर छोर मँ चमकत ह, वइसे ही मनई क पूत भी आपन दिन मँ परगट होइ।²⁵ मुला ओका पहिले बहोत स दारुण दुःख झेलइ क होइ अउर इ पीढी क जरिए उ जरूर ही न मान्न होइ।²⁶ वइसे ही जइसे नूह क दिनन मँ भवा रहा, मनई क पूत क दिनन मँ भी होइ।²⁷ उ दिना तलक जब नूह नाउ मँ बइठा, मनई खात पिअत रहेन, बियाह करत रहेन, अउर बियाह मँ दीन्ह जात रहेन। फिन जल परलइ आइ अउर उ सबन क नास कइ दिहस।²⁸ इइ तरह होइ जइसे लूत क दिना मँ भी भवा रहा। मनइयन खात पिअत रहेन, बेसहत रहेन, बेचत रहेन अउर खेती अउर घर बनवत रहेन।²⁹ मुला उ दिन जब लूत सदोम स बाहरे निकरा तउ अकास स आगी अउर गंधक बरसइ लाग अउर उ सबइ बर्बाद होइ गएन।³⁰ उ दिना भी जब मनई क पूत परगट होइ, ठीक अइसे ही होइ।

³¹ उ दिन जदि कउनो मनई छते प होइ अउर ओकर सामान घरे क भीतर होइ तउ ओका उठावइ बरे तरखाले न उतरइ। इइइ तरह जदि कउनो मनई खेते मँ होइ तउ उ पाछे न लौटइ।³² लूत क पत्नी क याद करा,³³ जउन कउनो आपन जिन्गी बचावइ क जतन करी, उ ओका खोइ देइ अउर जउन आपन

जिनगी खोड़, उ ओका बचाइ लेइ।³⁴मई तोहका बतावत हउँ, उ राति एक खटिया प जउन दुइ मनई होइहीं, ओहमाँ स एक उठाइ लीन्ह जाइ अउर दूसर छोर दीन्ह जाइ।³⁵दुइ स्त्रियन एक संग चकरी चलावत होइहीं, ओहमाँ स एक उठाइ लीन्ह जाइ अउर दूसर स्त्री छोर दीन्ह आइ।”³⁶*

³⁷फिन ईसू क चेलन ओसे पूछेन, “हे परभू, अइसा कहाँ होइ?”

उ ओनसे कहेस, “जहाँ ल्हास पड़ी होइ, गिद्ध भी हुवई एकट्ठा होइहीं।”

परमेस्सर आपन मनइयन क जरूर सुनी

18 फिन ईसू चेलन क इ बतावइ बरे एक दिस्टान्त कथा सुनाएस कि उ पचे लगातर पराथना करत रहई अउर निरास न होई। उ इ दिस्टान्त कथा कहेस: ²“कउनो सहर मैं एक न्यायाधीस होत रहा। उ न तो परमेस्सर स डेरात रहा अउर न ही मनइयन क परवाह करत रहा।³उहइ सहर मैं, अब लखा एक तु विधवा भी रहत रही। अउर उ ओनके लगे बार बार आवत अउर कहत, ‘देखा, मोरे बरे कीन्ह गवा अनिआउ क खिलाफ निआउ मिलइ चाही।’⁴तउ एक लम्बा समइ तलक तउ उ न्यायाधीस नाहीं चाहत रहा मुल आखिर मैं उ आपन मने मैं सोचेस, ‘चाहे मई परमेस्सर स न डेरात हउँ अउर न मनइयन क परवाह करत हउँ।’⁵तउ भी काहेकि इ विधवा स मोर कान पक ग अहई तउ मई देखिहउँ कि ओका निआउ मिलि जाइ जेहसे इ मोरे लगे कइउ दाई आइके कहुँ मोरे नाक मैं दम करि देइ।”

⁶फिन परभू कहेस, “देखा! उ दुस्ट न्यायाधीस का कहे रहा।⁷तउ का परमेस्सर आपन चुना भए मनइयन प धियान न देइ कि ओनका, जउन ओका राति दिन टेरत हीं, निआव मिलइ? का उ ओनकइ मदद करइ मैं देर लगाई? ⁸मई तोहसे कहत हउँ कि उ ओनका जल्दी निआव देई। फिन भी जब मनई क पूत आइ तउ का उ धरती प बिसवास पाई?”

दीन होइके परमेस्सर क आराधना

⁹फिन ईसू ओन मनइयन बरे जउन आपन क नेक तउ मानत रहेन, अउर कउनो क कछू नाहीं समझतेन, इ दिस्टान्त कथा सुनाएस।¹⁰मंदिर मैं दुइ मनई पराथना करत रहेन, एक फरीसी रहा अउर दूसर चुंगी (टिक्स) क उगहिया।¹¹उ फरीसी अलग खड़ा होइके इ पराथना करइ लाग, ‘हे परमेस्सर मई तोहार धन्यवाद करत हउँ कि मई दूसर मनइयन जउन डाकू, ठग अउर व्यभिचार

नाहीं हउँ अउर न ही इ चुंगी उगहिया जइसा हउँ।¹²मई हफता मैं दुइ दाई उपास राखत हउँ अउर आपन समूची आमदनी क दसवाँ हिंसा दान मैं दद देत हउँ।’

¹³मुला उ चुंगी उगहिया जउन दूर खड़ा रहा अउर हिंसा तलक कि सरगे कइती आपन आँखिन उठाइके नाहीं लखत रहा, आपन छतिया पीटत भवा बोला, ‘हे परमेस्सर, मोहे पापी प द्या कर!’¹⁴मई तोहका बतावत हउँ, इहइ मनई धर्मी कहवाइके आपन घरे लौट गवा, न कि उ दूसर। काहेकि हर उ मनई जउन आपन खुद क बड़का समझी, ओका छोटका बनइ दीन्ह जाइ अउर जउन दीन मानी, ओका बड़का बनइ दीन्ह जाइ।”

गदेलन परमेस्सर क सच्चा हकदार अहई

(मती 19:13-15 मरकुस 10:13-16)

¹⁵मनई आपन गदेलन तलक ईसू क लगे लइ आवत रहेन कि उ ओनका छू भरि देइ। मुला जब ओकर चेलन इ लखेन तउ ओनका झड़पेन।¹⁶मुला ईसू गदेलन क लगे बोलाएस अउर चेलन स कहेस, “इ नान्ह गदेलन क मोरे लगे आवइ द्या, एँनका जिन रोका, काहेकि परमेस्सर क राज्य अइसन क अहइ।¹⁷मई सच कहत हउँ कि जउन परमेस्सर क राज्य इ गदेलन क नाई ग्रहण नाहीं करत ह, ओहमाँ कबहुँ घुसि न पाई।”

एक धनी मनई क ईसू स सवाल

(मती 19:16-30 मरकुस 10:17-31)

¹⁸फिन कउनो यहूदी नेता ईसू स पूछेस, “उत्तिम गुरु, अनन्त जीवन क हक पावइ बरे मोका का करइ चाही?”¹⁹ईसू ओसे कहेस, “तू मोका उत्तिम काहे कहत अहा? सिरिफ परमेस्सर क तजिके अउर कउनो भी उत्तिम नाहीं अहइ।²⁰तू परमेस्सर क हुकुम क तो जानत अहा: ‘व्यभिचार जिन करा, कतल जिन करा, चोरी जिन करा, झूठी साच्छी जिन द्या, आपन बाप अउर महतारी क आदर करा।’*”

²¹उ यहूदी नेता बोला, “मई इन बातन क आपन लरिकाई स मानत आवा हउँ।”

²²ईसू जब इ सुनेस तउ उ ओसे बोला, “अबहीं एक बात अहइ जेकर तोहमाँ कमी अहइ। तोहरे लगे जउन कछू अहइ, सब कछू क बेचि डावा अउर फिन जउन मिलइ, ओका गरीबन मैं बाँटा। एहसे तोहका सरगे मैं भण्डारा मिली। फिन आवा अउर मोरे पाछे होइ जा।”²³तउ जब यहूदी नेता सुनेस तउ उ बहोत दुःखी भवा, काहेकि उ बहुत अमीर रहा।

²⁴ईसू जब ई देखेस कि उ बहोत दुःखी अहइ तउ उ कहेस, “ओन मनइयन बरे जेनके लगे धन वा, परमेस्सर क राज्य मैं घुसि पाउब केतना मुस्किल अहइ! ²⁵हाँ,

पद 36 कछू यूनानी प्रतियन मैं पद 36 जोड़ा गया अहइ: “दुइ तु पुरुसन जउन खेतवा मैं होइहीं, ओहमाँ स एक उठाइ लीन्ह जाइ अउ दूसर छोड़ दीन्ह जाइ।”

‘व्यभिचार ... करा’ निर्मा 20:12-16; व्यक्स्था 5:16-20

कउनो ऊँट बरे सुई क नोक स निकरि जाब तउ सहज बा मुला कउनो धनी मनई क परमेस्सर क राज्य में घुस पाउब सहल नार्ही अहइ!"

केकर उद्धार होइ?

²⁶उ मनइयन जउन इ सुनेन, बोलेन, "फिन भला उद्धार केकर होइ?"

²⁷ईसू कहेस, "उ बातन जउन मनइयन बरे नार्ही होइ सकती, परमेस्सर बरे होइ सकत ही!"

²⁸फिन पतरस कहेस, "देखा, तोहरे पाछे चलइ बरे हम उ सब कछू तजि दीन्ह ह जउन हमरे पास रहा!"

²⁹तब ईसू ओनसे बोला, "मई तोहसे सच कहत हउँ, अइसा कउनो नार्ही जउन परमेस्सर क राज्य बरे घर-बार, पत्नी या भाइयन या महतारी बाप या संतान क तजि दिहे होइ, ³⁰अउर ओका इहइ जुग मैं कइउ कइउ गुना जिआदा न मिलइ अउर आवइवाला समइ मैं उ अनन्त जीवन क न पाइ जाइ।"

ईसू मरि के जी उठी

(मती 20:17-19; मरकुस 10:32-34)

³¹फिन ईसू ओन बारहु क एक कईती लइ जाइके ओनसे बोला, "सुना, हम यरूसलेम जात अही। मनई क पूत क बारे मैं नबियन क जरिये जउन कछू लिखा गवा अहइ, उ पूर होइ। ³²हाँ, उ गैर यहूदियन क सौप दीन्ह जाइ, ओकर मसखरी उड़ाइ जाइ, उ कोसा जाइ अउर ओह पइ थूक दीन्ह जाइ। ³³फिन उ सबइ ओका पिटिहीं अउर मारि डइहीं अउर तीसर दिन फिन जी जाई।" ³⁴एहमाँ स कउनो भी बात उ सबइ नार्ही समुझ सकेन। इ कहब ओनसे छुपा ही रहि गवा कि उ कउनो बारे मैं बतावत रहा।

आँधर क आँखिन

(मती 20:29-34; मरकुस 10:46-52)

³⁵ईसू जब यरीहो क लगे पहुँचा रहा तउ भीख माँगत भवा एक आँधर, हुवई राह किनारे बइठा रहा। ³⁶आँधर जब मनइयन क जाइ क आवाज सुनेस तउ उ पूछेस, "का होत अहइ?"

³⁷तउ मनइयन ओसे कहेन, "नासरत क ईसू हिआँ स जात अहइ।"

³⁸तउ आँधर इ कहत भवा पुकार उठा, "दाऊद क पूत, ईसू! मोहे प दया करा!"

³⁹उ जउन अगवा चलत रहेन उ पचे ओसे खमोस रहइ क कहेन, मुला उ अउर जिआदा पुकारइ लाग, "दाऊद क पूत मोहे प दया करा!"

⁴⁰ईसू थम गवा अउर उ हुकुम दिहेस कि आँधर क ओकरे लगे लइ आवा जाइ! तउ जब उ नगिचे आवा तउ ईसू ओसे पूछेस, ⁴¹"तू का चाहत ह? मई तोहरे बरे का

करउँ?" उ कहेस, "परभू, मई फिन स देखइ चाहत हउँ।" ⁴²एह पइ ईसू कहेस, "तोहका जोति मिलइ, तोहार बिसवास स तोहार उद्धार भवा ह।"

⁴³अउर फउरन ही ओका आँखिन मिल गइन। उ परमेस्सर क महिमा क बखान करत भवा ईसू क पाछे होइ गवा। जब सब मनइयन इ देखेन तउ उ पचे परमेस्सर क स्तुति करइ लागेन।

जकई

19 फिन ईसू यरीहो में घुसिके जब हुवाँ स जात रहा। ²तो हुवाँ जकई नाउँ क एक मनई भी हाजिर रहा। उ चुंगी (टिक्स) उगहियन मुखिया रहा। तउ उ बहोत धनी रहा। ³उ इ देखइ क जतन करत रहा कि ईसू कउन अहइ, मुला भिडिया क कारण उ देख नार्ही पावत रहा काहेकि ओकर कद छोटवार रहा। ⁴तउ उ सबन क अगवा धावत भवा एक ठु गुलरी क बूच्छ प जाइ चढ़ा जेहसे, उ ओका निहारि सकइ काहेकि ईसू क उहइ रास्ता स होइके निकरइ क रहा। ⁵फिन जब ईसू उ ठउरे प आवा तउ उ ऊपर लखत भवा जकई स कहेस, "जकई, हाली स नीचे उतरी आवा काहेकि मोका आजु तोहरे ही घरे प रुकइ चाही।"

⁶तउ तइफइ नीचे उतरिके खुसी क संग ओकर अगवानी किहेस। ⁷जब सर्बहि मनइयन इ लखेन तउ उ पचे बड़बड़ाइ लागेन अउर बोलेन, "अरे इ एक पापी क घर मेहमान बनइ जात अहइ।"

⁸मुला जकई खड़ा भवा अउर परभू स बोला, "हे परभू देखा, मई आपन सारी धन दौलत क आधा हींसा गरीब गुरबन क दइ देब अउर जदि मई कउनो क छल कइके कछू भी छीना ह तउ ओका चौगुना कइके लौटाइ देब।"

⁹ईसू ओसे कहेस, "इ घरे प आज उद्धार आइ गवा ह, काहेकि इ मनई भी इब्राहीम क ही संतान अहइ।"

¹⁰काहेकि मनई क पूत भी जउन कउनो हेराइ गवा अहइ, ओका ढँडइ अउर ओकर उद्धार करइ आवा ह।"

परमेस्सर जउन देत ह ओका बैपरा

(मती 25:14-30)

¹¹जब उ मनइयन इ बातन क सुनत रहेन तउ ईसू ओनका एक दिस्तान्त कथा सुनाएस काहेकि ईसू यरूसलेम क नगिचे रहा अउर उ पचे सोचत रहेन कि परमेस्सर क राज्य तुरंत ही परगट होइ जात अहइ। ¹²तउ ईसू कहेस, "एक ऊँच कुल क मनई राजा क पद पावइ बरे कउनो परदेस मैं गवा। ¹³तउ उ आपन दस नउकरन क बोलाएस अउर ओनमाँ स हर एक क एक एक थैली दिहस अउर ओनसे कहेस, 'जब ताई मई लौटउँ, एसे कउनो बियापार करा।' ¹⁴मुला सहर क दूसर मनई

ओसे घिना करत रहेन, यह बरे उ पचे ओकर पाछे इ कहइ क एक प्रतिनिधि मण्डत पठएस, 'हम नाहीं चाहित कि इ मनई हम पइ राज करइ।'

¹⁵मुला उ राजा क पदवी पाइ गवा। फिन जब उ वापस लौटा तउ जउन नउकरन क उ धन दिहे रहा ओनका इ जानइ बरे कि उ सबइ कउन लाभ कमाइ लिहन ह, उ बोलावा पठएस। ¹⁶पहिला आइ अउर बोला, 'स्वामी, तोहार थैलियन स मई दस अउर थैली कमाउं ह।' ¹⁷एह पइ ओकर स्वामी ओसे कहेस, 'उत्तिम नउकर तू नीक किहा ह। काहेकि तू इ छोटकी सी बात प बिसवास क जोगग रहा। तू दस सहरन क अधिकारी होब्या।' ¹⁸फिन दूसर नउकर आवा अउर बोला, 'स्वामी तोर थैलियन स मई पाँच अउर थैली कमायउं ह।' ¹⁹फिन उ एसे कहेस, 'तू पाँच सहरन क ऊपर राज करब्य।' ²⁰फिन एक दूसर नउकर आवा अउर बोला, 'स्वामी इ रही तोहार थैली जेका मई अँगौछा मँ बाँधिके कहूँ रख दिहे रहेउं।' ²¹मई तोहसे डेरात रहत हउं, काहेकि तू एक कठोर मनई अहा। तू जउन रख्या नाहीं ह तू ओका भी लइ लेत ह अउर जउन तू बोया नाहीं ओका काटत ह।' ²²मालिक ओसे कहेस, 'अरे दुस्ट नउकर! मई तोहरे आपन सबदन क ऊपर तोहार निआव करबा तू तो जानत ही ह कि मई जउन राखत नाहीं हउं, ओका भी लइ लेइवाला अउर जउन बोवत नाहीं ओका भी काटइवाला कठोर मनई हउं?' ²³तउ फिन तू मोर धन बियाज प काहे नाहीं लगाया ताकि मई अबहुँ वापस आवत होतउं तउ बियाज क साथ ओका लइ लेतउं।' ²⁴फिन लगे खड़ा मनइयन स उ कहेस, 'एकर थैली एसे लइ ल्या अउर जेकरे लगे दस थैली अहई ओका दइ द्या।' ²⁵एह पइ उ सबइ ओसे बोलेन, 'मालिक, ओकरे लगे तउ दस थैली अहई।' ²⁶मालिक कहेस, 'मई तोहसे कहत हउं हर एक उ मनई क जेकरे लगे अहइ अउर जिआदा दीन्ह जाइ अउर जेकरे पास नाहीं अहइ, ओसे जउन ओकरे लगे अहइ, उ भी छीन लीन्ह जाइ।' ²⁷मुला मोर उ बैरी जउन नाहीं चाहतेन कि मई ओन पइ हुकुमत करउं जेनका हिआँ मोरे समन्वा लावा अउर मारि डाला।"

ईसू क यरूसलेम मँ घुसब

(मती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; यूहन्ना 12:12-19)

²⁸इ बातन कहि चुके क पाछे ईसू अगवा चलत भवा यरूसलेम कईती बड़इ लाग। ²⁹अउर फिन जब उ बैतफगे अउर बैतनिय्याह मँ उ पहाड़ी क नगिचे पहुँचा जउन जैतून क पर्वतन कही जात रही तउ उ आपन दुइ चेलन क इ कहिके पठएस कि ³⁰'इ जउन गाउँ तोहरे समन्वा अहइ, हुवाँ जा। जइसे ही तू हुवाँ घुसब्या, तोहका गदही क बच्चा हुवाँ बाँधा भवा मिली। जेहँ पइ कउनो कबहूँ सवारी नाहीं किहे होइ, ओका खोलिके हिआँ

लिआवा। ³¹अउर जदि कउनो तोहसे पूछइ तू एँका काहे खोलत अहा, तो तोहका ओसे इ कहब अहइ, 'परभू क चाही।'" ³²फिन जेनका पठवा ग रहा, उ पचे गएन अउर ईसू जइसा ओनका बताए रहा, ओनका बइसा ही मिला। ³³तउ जब उ सबइ बचवा क खोलत ही रहेन, ओकर मालिक लोगन ओनसे पूछेन, "तू इ बचवा क काहे खोलत बाट्या?" ³⁴उ पचे कहेन, "इ परभू क चाही।" ³⁵फिन उ पचे ओका ईसू क लगे लइ आएन। उ पचे आपन ओढ़ना उ बच्चा प ओढ़ाइ दिहेन अउर ईसू क ओह पइ बइठाइ दिहना। ³⁶ईसू जब जात रहा तउ मनइयन आपन ओढ़ना सड़क पइ बिछावत जात रहेन।

³⁷अउर फिन जब उ जैतून क पर्वतन स तलहटी क लगे आवा तउ चेलन क समूची भीड़ ओन सबहिं अजुबा कामे बरे, जउन उ पचे लखे रहेन, ऊँच आवाज मँ खुसी स परमेस्सर क स्तुति करइ लागेन। उ पचे पुकारेन:

³⁸"राजा उ धन्य अहइ, आवत ह जउन नाउँ मँ परभू (परमेस्सर) क!

भजन संहिता 118:26

सरगे मँ सान्ति होइ, अउर अकास मँ महिमा होइ परमेस्सर क!"

³⁹भिड़िया मँ खड़ा भएन कछू फरीसियन ओसे कहेन, "गुरु, चेलन क मना करा।"

⁴⁰तउ उ जवाब दिहस, "मई तोहसे कहत हउं जदि इ सबइ खमोस होइ जाई तउ इ सबइ पाथर चिचियइहीं।"

⁴¹जब उ नगिचे आइके सहर क लखेस तउ उ ओह प रोइ पड़ा। ⁴²अउर बोला, "जदि तू बस आनु इहइ जानत होत्या कि कउन तोहका सान्ति देइ मुला अब उ तोहरी आँखी स ओझर होइ गवा बा।" ⁴³उ दिनन तोहे प अइहीं जब तोहरे बैरी चारिहुँ कईती अडुवन खड़ी कइ देइहीं। उ सबइ तोहका घेरि लेइहीं अउर सब कईती स तोह पइ दबाव डइहीं। ⁴⁴उ सबइ तोहका धूरी मँ मिलइहीं। तोहका अउर तोहरे दीवार क भीतर रहइवालन गदेलन क। तोहरी चहरदीवारे क भीतर उ सबइ तोहरे मकाने क एक पथरा भी ना छोड़िहइँ। काहेकि जब परमेस्सर तोहरे लगे आइ, तू उ घड़ी क नाहीं पहिचान्या।"

ईसू मंदिर मँ

(मती 21:12-17; मरकुस 11:15-19 यूहन्ना 2:13-22)

⁴⁵फिन ईसू मंदिर मँ घुसा अउर जउन हुवाँ दुकानदारी करत रहेन ओनका बाहेर निकारइ लाग। ⁴⁶उ ओनसे कहेस, "पवित्र सास्तर मँ लिखा ग अहइ, 'मोर घर पराथना घर होइ।'* मुला तू पचे एँका 'डाकुअन क

भोर ... होइ' यसा 56:7

अड्डा* बनाए अहा।”⁴⁷ अब तो हर दिन मंदिर में उपदेस देइ लाग। मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन अउर मुखिया मनइयन ओका मार डावइ क ताकि मैं रहइ लागेन।⁴⁸ मुला ओनका अइसा कइ डावइ क कउनो अउसर न मिल पावा काहेकि मनइयन ओकरे बचन क बहोत मान्नाता देत रहेन।

ईसू स यहूदियन क सवाल

(मती 21:23-27; मरकुस 11:27-33)

20 एक दिन जब ईसू मंदिर में मनइयन क उपदेस देत भवा सुसमाचार सुनावत रहा तउ मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन, बुजुर्ग यहूदी नेतन क संग ओकरे लगे आएन।² उ पचे ओसे पूछेन, “हमका बतावा तू इ काम कउनो अधिकार स करत अहा? उ कउन अहइ जउन तोहका इ अधिकार दिहे अहइ?”

³ ईसू ओनका जवाब दिहस, “मई भी तोहसे एक सवाल पूछत हउँ, तू मोका बतावा⁴ यहून्ना क बपतिस्मा देइ क अधिकार सरग स मिला रहा या मनई स?”

⁵ एह पइ आपुस मैं बिचार क चर्चा करत भवा उ पचे बोलेन, “जदि हम कहित ह, ‘सरग स’ तउ इ कही, ‘तउ तू ओह प बिसवास काहे नाहीं किहा?’⁶ अउर अगर हम कही, ‘मनई स’ तउ सबहीं मनई हम पइ पाथर फेंकिहीं। काहेकि उ सबइ इ मानत हीं कि यहून्ना एक नबी रहा।”⁷ तउ उ सबइ जवाब दिहेन कि उ पचे नाहीं जानतेन कि उ अधिकार कहाँ स मिला।⁸ फिन ईसू ओनसे कहेस, “तउ मई भी तोहका नाहीं बताउब कि इ चीज मई कउनो अधिकारे स करत हउँ।”

परमेस्सर आपन पूत क पठवत ह

(मती 21:33-46; मरकुस 12:1-12)

⁹ फिन ईसू मनइयन स आपन दिस्टांट कथा कहइ लाग: “कउनो मनई अंगूरे क बगिया लगाइके ओका कछू किसानन क लगाने प दिहस अउर उ बहोत दिना तक कहुँ चला गवा।¹⁰ जब फसल काटइ क समइ आइ, तउ उ एक नउकर क किसानन क लगे पठएस ताकि उ पचे ओका अंगूरे क बगिया क कछू फल दइ देई। मुला किसानन ओका मार पीटके खाली हाथ लौटाइ दिहना।¹¹ उ तब एक नउकर हुवाँ पठएस। मुला उ पचे ओकर ठोंकाइ कइ डाएन। उ सबइ ओकरे संग बहोत बुरा ब्यौहार किहेन। अउर ओका भी खाली हाथे लौटाइ दिहना।¹² एह पइ उ एक तिसरा नउकर पठएस मुला उ पचे एक भी घायल कइके बाहेर ढकेल दिहना।¹³ तब तउ बगिया क मालिक कहइ लाग, ‘मोका का करइ चाही? मई आपन पियारे बेटवा क पठउब साइद वे ओकर इज्जत करिहई।’

¹⁴ मुला किसानन जब ओकरे बेटवा का लखेन तउ आपुस मैं सोच बिचारि करत भए बोलेन, ‘इ तउ वारिस अहइ, आवा एँका मारि डाइ जेहसे वारिस हमार होइ जाइ।’¹⁵ अउर उ पचे ओका बगिया स बाहेर खदेरके मारि डाएन।

“तउ फिन बगिया क मालिक ओनके संग का करी?”

¹⁶ उ आइ अउर ओन किसानन क मारि डाई अउर अंगूरे क बगिया अउरन क सौंपि देइ।” उ पचे जब इ सुनेन तउ उ सबइ बोलेन, “अइसा कबहुँ न होइ चाही।”

¹⁷ तब ईसू ओनकइ कइती निहारत भवा कहेस, “तउ फिन इ जउन लिखा अहइ ओकर अरथ का अहइ:

‘जउने पाथर क राजगीर बेकार समझ लिहे रहेन उहइ कोनवा क प्रमुख पाथर बन गवा?’

भजन संहिता 118:22

¹⁸ हर कउनो जउन उ पाथर प गिरी चूर चूर होइ जाइ अउर जेह पइ उ गिरी चकनाचूर होइ जाइ।”

¹⁹ धरम सास्तिरियन अउर मुख्ययाजकन कउनो रस्ता ढूँढिके ओका पकड़ि लेइ चाहत रहेन काहेकि उ ताइ ग रहेन कि उ इ दिस्टांट कथा ओनके खिलाफ कहेस ह। मुला उ पचे मनइयन स डेरात रहेन।

यहूदी नेतन क चाल

(मती 22:15-22; मरकुस 12:13-17)

²⁰ तउ उ पचे होसियारी स ओह प निगाह राखइ लागेन। उ पचे अइसे खुफिया पठएन जउन ईमानदार होइ क सुआंग रचत रहेन। (ताकि उ सबइ ओकर कही भइ कउनो बातन मैं फँसाइके राज्यपाल क सक्ती अ अधिकारे क मातहत कर देई।)²¹ तउ उ पचे ओसे पूछत भए कहेन, “गुरु, हम जानित ह कि जउन नीक अहइ अउर उहइ क तू कहत अउर उपदेस देत अहा अउर न ही कउनो क पच्छ लेत ह। मुला तू सचाई स परमेस्सर क रास्ता क उपदेस देत अहा।²² तउ बतावा कैसर क हमका चुंगी (टिक्स) देब नीक बा या नाहीं चुकाउब?”

²³ ईसू ओनकइ चाल क ताइ गवा रहा। तउ उ ओनसे कहेस, ²⁴ “मोका एक दीनार देखावा, एह पइ मूर्ति अउर लिखाइ केकर अहइ?”

उ सबइ कहेन, “कैसर का।”

²⁵ एह पइ उ ओनसे बोला, “तउ फिन जउन कैसर क अहइ, ओका कैसर क द्या। अउर जउन परमेस्सर क अहइ ओका परमेस्सर का।”

²⁶ उ पचे ओकरे जवाब प चकित होइके चुप रहि गएन अउर उ मनइयन क सम्मवा जउन कछू कहे रहा, ओह पइ ओका पकड़ि नाहीं पाएन।

ईसू क धरइ बरे सद्कियन क चाल

(मती 22:23-33; मरकुस 12:18-27)

²⁷अब देखा कछू सद्कियन ओकरे लगे आएन। (इ सबइ सद्कियन उ रहेन जउन फिन स जी उठब का नाहीं मनतेन।) उ पचे ओसे पूछत भए कहेन, ²⁸“गुरु, मूसा हमरे बरे लिखा बा कि जदि कउनो क भाई मरि जाइ अउर ओकरे कउनो बचवा न होइ अउर ओकर पत्नी होइ तउ ओकर भाई विधवा स बियाहिके आपन मरे भए भाई बरे, ओसे संतान पड़दा करइ। ²⁹अब देखा, सात भाइयन रहेन। पहिला भाइ कउनो स्त्री स बियाह किहेस अउर उ बे संतान क ही मरि गवा। ³⁰फिन दूसर भाई ओसे बियाहा, ³¹अउर अइसे ही तीसर भाई ओसे बियाहा। सबन क संग एक जइसा ही भवा। उपचे बे संताने क मर गएन। ³²पाछे उ स्त्री भी मरि गइ। ³³अब बतावा, फिन स जी उते प उ केकर पत्नी होइ काहेकि ओसे तउ सातहु ही बियाहे रहेन?” ³⁴तब ईसू ओसे कहेस, “इ जुग क मनई बियाह करत हीं अउर बियाह कइके बिदा होत हीं। ³⁵मुला उ मनइयन जउन मरे भएन में स जी जाइ बरे अउर आवइवाले जुग में भाग लेइ क जोग्य ठहराइ दीन्ह ग अहई, उ पचे न तउ बियाह करिहीं अउर न ही बियाह कइके बिदा कीन्ह जइहीं। ³⁶अउर उ फिन कबहुँ मरिहीं भी नाहीं, काहेकि उ पचे सरगदूतन क नाई अहई, उ पचे परमेस्सर क संतान अहई काहेकि उ पचे पुनरुत्थान क पूत अहई। ³⁷मुला तलक झाड़ी स जुड़ा भवा अनुच्छेद में देखाएस ह कि उ पचे मरे भएन में स जिआवा ग अहई, जबकि उ कहेस पभू, ‘इब्राहीम क परमेस्सर, इसहाक क परमेस्सर अउर याकूब क परमेस्सर’ अहइ। * ³⁸उ मरे भएन क नाहीं, मुला जिअत क परमेस्सर अहइ। उ सबइ मनइयन जउन ओकर अहई, जिआ अहई।”

³⁹कछू धरम सास्तिरियन कहेन, “गुरु, नीक कहया।” ⁴⁰काहेकि फिन ओसे कउनो अउर सवाल पूछइ क हिम्मत नाहीं कइ सकेन।

मसीह का दाऊद क पूत अहइ?

(मती 22:41-46; मरकुस 12:35-37)

⁴¹ईसू ओसे कहेस, “उ पचे कहत हीं कि मसीह दाऊद क पूत अहइ। इ कइसे होइ सकत ह? ⁴²काहेकि भजन संहिता क किताब में दाऊद खुद कहत ह:

‘पभू (परमेस्सर) मोरे पभू (मसीह) स कहेस: मोरे दाहिन हाथ बइठा,

⁴³ जब तलक कि मई तोहरे बैरियन क तोहरे गोड़ धरइ क चउकी न बनाइ देईं।

भजन संहिता 110:1

⁴⁴इ तरह जब दाऊद मसीह क ‘पभू’ कहत ह तउ मसीह दाऊद क पूत कइसे होइ सकत ह?”

धरम सास्तिरियन क खिलाफ ईसू क चिताउनी

(मती 23:1-36; मरकुस 12:38-40 लूका 11:37-54)

⁴⁵सबहीं मनइयन क सुनत उ आपन मनवइयन स कहेस, ⁴⁶“धरम सास्तिरियन स होसियार रहा। उ लम्बा चोगा पहिरिके इज्जत क संग बाजारन में सुआगत सम्मान पावइ चाहत हीं। अउर आराधनालय में ओनका सबस जिआदा प्रमुख आसन क ललक रहत ह। दाउतन में उ सबइ इज्जत स भरा आसन चाहत हीं। ⁴⁷उ पचे विधवन क अकसर धोखा देत हीं अउर ओनकर मकान लइ लेत हीं। देखोवा बरे उ पचे बड़ी बड़ी पराथना करत हीं। इन मनइयन क कड़ी स कड़ी सजा भुगतइ पड़ी।”

सच्चा दान

(मती 12:41-44)

21 ईसू आपन अँखिया उठाइके देखेस कि धनी लोग दान पात्र में आपन आपन भेंट चढ़ावत अहई। तबहीं उ एक गरीब विधवा क ओहमाँ ताँबे क दुइ नान्ह सिक्का नावत भइ लखेस। ³उ कहेस, “मई तोहसे सच कहत हूँ कि दूसर सबहीं मनइयन स इ विधवा जिआदा दान दिहेस ह। ⁴इ मई ह बरे कहत हउं काहेकि इ सबहीं मनइयन आपन उ धने में स जेकर ओनका जरूरत नाहीं रही, दान दिहे रहेन मुला इ विधवा गरीब होत भइ जिन्ना रहइ बरे जउन कछू ओकरे लगे रहा, सब कछू दइ डाएस।”

मंदिर क बिनास

(मती 24:1-14; मरकुस 13:1-13)

⁵कछू चेलन मंदिर क बारे में बतियात रहेन कि उ मंदिर सुन्नर पथरन अउर परमेस्सर की दीन्ह गइ मनौती क भेंट स कइसे सजाना ग बा।

‘तबहीं ईसू कहेस, “अइसा समइ आइ जब, इ जउन कछू तू देखत अहा, ओहमाँ एक पाथर दूसर पाथर टिक न रह पाइ। उ सबइ दहाइ दीन्ह जइहीं।”

⁷उ पचे ओसे पूछत भए बोलेन, “गुरु, इ बातन कब होइहीं? अउर इ बातन जउन होइवाली अहई, ओकर कउन चीन्हा होइहीं?”

⁸ईसू कहेस, “होसियार रहा, कहुँ कउनो तोहका छल न लेइ। काहेकि मोरे नाउँ स बहोत मनइयन अइहीं अउर कइहीं, ‘मई मसीह अहउँ’ अउर ‘समइ आइ पहुँचा अहइ!’ ओनके पाछे जिन जा। ⁹परन्तु जब तू जुद्ध अउर दंगा क बात सुना तउ जिन डेराअ काहेकि इ बातन तउ पहिले घटि जइहीं। अउर ओनकइ अंत फउरन न होइ।” ¹⁰उ ओनसे फिन कहेस, “एक जाति दूसर जाति क खिलाफ खड़ी होइ अउर एक राज्य दूसर राज्य

क खिलाफ। ¹¹बड़ा-बड़ा भूईं डोल अइहीं अउर अनेक जगहन प अकाल पड़िहीं अउर महामारी आइ। अकासे में खौफनाक घटना घटिहीं अउर भारी चीन्हा परगट होइहीं।

¹²मुला इ सबन घटना स पहिले तोहका बंदी बनइ डइहीं अउर तोहका दारुण दुःख देइहीं। उ सबइ तोह प जुर्म लगावइ बरे तोहका आराधनालय क सौपिहीं अउर फिन तोहका जेल पठइ दीन्ह जाइ। अउर फिन मोरे नाउँ क कारण उ पचे तोहका राजा लोग अउर राज्यपाल क समन्वा लइ जइहीं। ¹³एसे तोहका मोरे बारे में साच्छी देइ क अउसर मिली। ¹⁴यह बरे पहिले स ही एँकर फिकिर न करइ कि आपन बचाव कइसे करब्या। ¹⁵काहेकि अइसी बुद्धि अउर सब्द तोहका मई देब कि तोहार कउनो भी बैरी तोहार सामना अउर तोहार खण्डन नाहीं कइ सकी।

¹⁶मुला तोहार महतारी-बाप, भाई, बन्धु, नातेदार अउर मीत भी तोहका धोखा स पकड़वइहीं अउर तोहमाँ स कछू क तउ मरवाइ ही डइहीं। ¹⁷मोरे कारण सब तोसे बैर रखिहीं। ¹⁸मुला तोहरे मूँडे क एक बार बाँका नाहीं होइ। ¹⁹तोहार सहइ क सक्ती, तोहरे प्रान क रच्छा करी।

यरूसलेम क नास

(मती 24:15-21; मरकुस 13:14-19)

²⁰अब लखा जब यरूसलेम क तू फऊज स घिरा देखब्या तउ समुझ लिहा कि ओकर तहस नहस होइ जाव नगिचे अहइ। ²¹तब तउ जउन यहूदिया में होइँ, ओनका चाही कि उ पचे पहाड़न प पराइ जाइँ अउर उ सबइ जउन सहर क भीतर होइँ, बाहेर निकर आवइँ अउर उ पचे जउन गाउँ में होइँ ओनका सहर में नाहीं जाइ चाही।

²²काहेकि उ दिनन सजा क होइहीं। एँहसे जउन लिखा ग बाटइ, उ सबहीं पूर होइँ। ²³उ स्त्रियन बरे, जउन पेटवा स भारी होइहीं अउर ओनके बरे जउन दूध पिआवत होइहीं, उ दिनन केतँना खौफनाक होइहीं। काहेकि उ दिनन धरती प बहोत बड़की बिपत आइ इ मनइयन प परमेस्सर कोहाइ जाइ। ²⁴उ सबइ तरवारे क धार स गिरा दीन्ह जइहीं अउर कैदी बनाइके सब देसन में पहुँचाइ दीन्ह जइहीं। अउर यरूसलेम बे यहूदियन क गोड़वा तरे तब तलक रौँद जाइ जब तलक गैर यहूदियन क समइ पूर नाहीं होइ जात।

डेराअ जिन

(मती 24:29-31; मरकुस 13:24-27)

²⁵सूरज, चाँद अउर तारन में चीन्हा परगट होइहीं अउर धरती प क सबहीं रास्टन प बिपत आई अउर उ सबइ समुद्दर क आवाज अउर उथर-पुथर स घबराइ

उठिहीं। ²⁶मनइयन डर अउर संसार प आवइ वाली बिपत क भय से बेहोस होइ जइहीं काहेकि आकास क सक्ती हलोर दीन्ह जाइ। ²⁷अउर तबहीं उ पचे मनई क पूत क आपन सक्ती अउर महान महिमा क एक बादर आवत भवा देखिहीं। ²⁸अब देखा, इ बातन जब घटइ लागइँ तउ खड़ा होइके तू आपन मूँड ऊपर उठाइ ल्या। काहेकि तोहार छुटकारा नगिचे आइ रही होइ।"

मोर बचन अमर बा

(मती 24:32-35; मरकुस 13:28-31)

²⁹फिन एक ठु दिस्टान्त कथा कहस: "अउर सबहीं बृच्छन अउर अंजीरे क बिरवा लखा। ³⁰ओहमाँ स जइसे ही कोंपर फूटत हीं, तू आपन आप जान जात ह कि गर्मी क रितु बस आइ ग अहइ। ³¹वइसे ही तू जब इ बातन क घटतइ देख्या तउ जान लिहा कि परमेस्सर क राज्य नगिचे अहइ।

³²मई तोहसे सच कहत हउँ कि जब तलक इ सब बातन घटि नाहीं जातिन, इ पीढ़ी क अंत नाहीं होइ! ³³धरती अउर अकास बरिबाद होइ जइहीं, पर मोर बचन हमेसा अटल रही।

हमेसा तइयार रहा

³⁴आपन धियान राखा जेहसे तोहार मन कहुँ पीने पिआवइ अउर संसारे क फिकिर स पाथर न होइ जाइ। अउर उ दिन एक फंदा क तरह तोह प एकाएक न आइ पड़इ। ³⁵सचमुच ही उ इ सारी धरती क बसइयन पइ अइसे ही आइ गिरी। ³⁶हर छिन होसियार रहा, अउर पराधना करा कि तोहक इ सब बातन स, जउन घटइवाली अहइँ, बचइ क ताकत मिलइ अउर तू मनई क पूत क समन्वा खड़ा होइ सका।"

³⁷हर रोज मंदिर में उपदेस देत रहा मुला, राति बीति जाइ प हर सौँझ जैतून पर्वत प चला जात रहा। ³⁸सबहीं मनई भिन्सारे क तड़के उठत रहेन अउर मंदिर में ओकरे लगे जाइके, ओका सुनत रहेन।

ईसू क मार डावइ क कुचाल

(मती 26:1-5, 14:16; मरकुस 14:1-2, 10-11;

यूहना 11:45-53)

22 अब फरसइ नाउँ क बे खमीरे क रोटी क त्योंहार आवइ क रहा। ²ओहँर मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन काहेकि मनइयन स डेरात रहेन। यह बरे कउनो अइसे चाल क ताक मैं रहेन जेहसे उ ईसू क मारि डावइँ।

यहूदा क कुचाल

³फिन इस्करियोती कहावइवाला उ यहूदा मैं, जउन उन बारहु मैं एक रहा, सइतान समाइ गवा। ⁴

मुख्ययाजकन अउर सैनिकन क लगे गवा अउर ओनसे ईसू क कइसे पकड़वाइ सकत ह, इ बारे में बातचीत कियेस।⁵उ सबइ बहोत खुस भएन अउर ओका एँकरे बरे धन देइ क राजी होइ गएन।⁶उ भी राजी होइ गवा अउर उ अइसे अउसरे क ताड़ मँ रहइ लाग जब भीड़-बड़ि न होइ अउर उ ईसू का ओकरे हथवा मँ धराइ देइ।

फसह क तइयारी

(मती 26:17-25; मरकुस 14:12-21; यूहन्ना 13:21-30)

⁷फिन बे खमीर क रोटी क उ दिन आवा जब फसह क मेमने क बलि दीन्ह जात ह।⁸तउ उ इ कहत भवा पतरस अउर यूहन्ना क पठएस, “जा अउर हमरे बरे फसह क भोज तइयार करा जेसे हम पचे ओका खाइ सकीं।”

⁹उ सबइ ओसे पूछेन, “तू हम पचन स ओकर तइयारी कहाँ करावइ चाहत ह?” उ ओनसे कहेस, ¹⁰“तू जइसे ही सहर मँ घुसब्या तोहका पानी क गगरी लइ जात भवा एक मनई मिली, ओकरे पाछे होइ जाया अउप जउन घरे मँ उ जाइ तू भी पाछे चला जाया।¹¹अउर घरे क स्वामी स कहया ‘गुरु, तोहसे पूछेस ह कि उ मेहमान क कमरा कहाँ बा जहाँ मइ आपन चेलन क संग फसह क भोज क खइया क खाइ सकउँ।’¹²फिन उ मनई सिढियन क ऊपर तोहका सजा सजावा एक बड़ा कमरा देखोई, हुवई तइयारी करया।”

¹³उ पचे चल पड़ेन अउर वइसा ही पाएन जइसा उ ओनका बताए रहे। फिन उ पचे फसह क भोज क तइयार कियेन।

पभू भोज

(मती 26:26-30; मरकुस 14:22-26;

1 कुरिन्थियन 11:23-25)

¹⁴फिन उ घड़ी आइ तब ईसू खाइ बरे बइठा अउर प्रेरितन ओनके साथ बइठेन।¹⁵उ ओनसे कहेस, “यातना झेलइ स पहिले इ फसह क भोज संग करइ क मोर प्रबत इच्छा रही।¹⁶काहेकि मइँ तोहसे कहत हउँ कि जब तलक परमेस्सर क राज्य मँ फसह क भोज का पूरा मतलब न समझ लिया तब तलक मइँ एँका दूसरी दाई न खाबा।”

¹⁷फिन उ खोरा उठाइके धन्यवाद दिहिस अउर कहेस, “ल्या एँका आपुस मँ बाँटि ल्या।¹⁸काहेकि मइँ तोहसे कहत हउँ आजु क पाछे जब ताई परमेस्सर क राज्य नाहीं आइ जात मइँ कइसी भी दाखरस कबहुँ न पिअबा।”

¹⁹फिन उ तनिक रोटी लिहिस अउर धन्यवाद दिहिस। उ रोटी का तोड़ेस अउर ओनका देत भवा कहेस, “इ मोर देह अहइ जउन तोहरे बरे दीन्ह ग अहइ। मोरे याद मँ अइसा ही करया।”²⁰अइसे ही जब उ पचे भोजन कइ चुकेन तउ उ खोरा उठाएस अउर कहेस, “इ दाखरस

मोरे उ लह क रूप मँ एक नवा करार क प्रतीक अहइ जउन तोहरे बरे उड़ेला गवा अहइ।”

ईसू क बैरी कउन

²¹“मुला देखा, मोका जउन धोखा स पकड़वाइ, ओकर हाथ हिअँइ मेजे प मोर संग अहइ।²²काहेकि मनई क पूत तउ मारा ही जाइ जइसा कि तइ अहइ मुला धिक्कार उ मनई क अहइ जेकरे जरिए उ पकड़वाइ जाइ।”

²³एँह पइ उ आपुस मँ एक दुसरे स सवाल करइ लागेन, “ओहमों स उ कउन होइ सकत ह जउन अइसा करइ जात अहइ?”

सेवक बना

²⁴फिन ओहमों इ बात भी उठी कि ओहमों स सब स बड़कवा केका समुझा जावइ²⁵मुला ईसू ओनसे कहेस, “गैर यहूदियन क राजा ओन प रुतवा राखत हीं अउर उ सबइ जउन ओन प हुकुम चलावत हीं, खुद मनइयन क ‘उपकारी’ कहवावत हीं।²⁶मुला तू वइसे नाहीं अहा तउ भी तोहमों स सब स बड़कवा सब ते छोटकवा जइसा होइ चाही अउर जो राज करत ह ओका चाकर क नाई होइ चाही।²⁷काहेकि बड़कवा कउन अहइ: उ जउन खाइ क मेज प बइठा अहइ या उ जउन परसत ह? का उहइ नाहीं जउन मेज प अहइँ मुला तोहरे बीच मइँ वइसा हउँ जउन परसत ह! ²⁸मुला तू उ सबइ अहा जउन मोरी परीच्छा मँ मोर साथ दिहा ह।²⁹अउर मइँ तोहका वइसे ही एक राज्य देत अही जइसे मोर परमपिता एँका मोका दिहे रहेन।³⁰काहेकि मोरे राज्य मँ तू मोरे मेज प खा अउर पिआ अउर इम्राएल क बारहु जनजालिन क निआव करत भवा सिंहासने प बइठा।

बिसवास बनाइ राखा

(मती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; यूहन्ना 13:36-38)

³¹“समौन, ओ समौन! सुना, तू सबन क गोहूँ क तरह फटकइ बरे सइतान चुन लिहे बा।³²मुला मइँ तोहरे बरे पराथना कीन्ह ह कि जेसे की परमेस्सर पर तोहार बिसवास खतम न होइ अउर जब तू वापस आवा तउ तोहरे भाइयन क ताकत बइइ।”

³³मुला समौन ओसे कहेस, “पभू, मइँ तोहरे संग जेल जाइ अउर मरइ तलक तइयार अहउँ।”

³⁴फिन ईसू कहेस, “पतरस मइँ तोहसे बतावत हउँ कि आजु तब तलक मुर्गा बाँग न देइ जब ताई तू तीन दाई मना नाहीं कइ लेब्या कि तू मोका जानत ह!”

दारुण दुख झेलइ क तइयार रहा

³⁵फिन ईसू आपन चेलन स कहेस, “मइँ तोहका जब बे बटुआ, बे थैली या बे चप्पल क पठए रहे तउ का तोहका कउनो चीजे क कमी रही।”

उ पचे कहेन, “कउनो चीजे क नाहीं।”

³⁶उ ओनसे कहेस, “मुला अब जउन कउनो क लगे भी कउनो बटुआ अहइ, उ ओका लइ लेइ अउर उ थैला भी लइ लेइ अउर उ थैला क भी लइके चलइ। जेकरे लगे तरवार न होइ, उ आपन चोगा तलक बेचिके ओका बेसहि लेइ। ³⁷काहेकि मई तोहका बतावत हउँ कि पवित्तर सास्तर क इ लिखा मोह प सचमुच ही पूरा होइ जाइ:

‘उ एक अपराधी माना गवा।’

यसायाह 53:12

हाँ मोरे बारे मैं लिखी गइ इ बात पूरा होइ जाइ प आवति अहइ।”

³⁸उ सबइ कहेन, “पभू, देखा, हिआँ दुइ तरवार अहइ।”

एँह प ओनसे कहेस, “बस बहोत अहइ।”

प्रेरितन क पराथना क हुकुम

(मती 26:36-46; मरकुस 14:32-42)

³⁹⁻⁴⁰फिन उ हुवाँ स उठिके रोज क तरह जैतून पर्वत प चला गवा। अउर ओकर चेलन भी ओकरे पाछे पाछे होइ गएन। उ जब उ ठउरे प पहुँचा तउ उ ओनसे कहेस, “पराथना करा कि तोहका परीच्छा मैं न पड़इ क होइ।”

⁴¹फिन उ ओनसे पाथर फेंकई क तरह पूरी दूरी तक चला गवा। फिन उ घुटना क सहारे निहुरा अउर पराथना करइ लाग, ⁴²हे परमपिता, अगर तोहार इच्छा होइ इ यातना क कटोरा मोहसे दूर हटावा मुला फिन भी नाहीं, बल्कि तोहार इच्छा पूर होइ। ⁴³तबहीं एक सरगदूत हुवाँ परगट भवा अउर ओका सक्ती देइ लाग। ⁴⁴ओहर ईसू ब्याकुल होय कर बड़े आग्रह पूर्वक पराथना करइ लाग। ओकर पसीना लोहू क बूँदे क नाई धरती पड़ फिरत रहा। ⁴⁵अउर जब उ पराथना स उठिके आपन चेलन क लगे आवा तउ उ ओनका दुखे मैं थकि के सोवत पावा। ⁴⁶तउ उ ओनसे कहेस, “तू पचे सोवत काहे अहा? उठा अउर पराथना करा कि तू कउनो परीच्छा मैं न पड़ा।”

ईसू क बंदी बनाउब

(मती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; यूहन्ना 18:3-11)

⁴⁷उ अबहीं बोलत ही रहा कि एक भीड़ जमा होइ गइ। यहूदा नाउँ क एक मनई जउन बारहु मैं स एक रहा, ओनकइ अगुवाई करत रहा। उ ईसू क चुम्मा लेइ ओकरे लगे आवा।

⁴⁸मुला ईसू ओनसे कहेस, “अरे यहूदा, का तू एक चुम्मा स मनई क पूत क धोखा दइके पकड़वावइ जात

अहा?” ⁴⁹जउन घटइ जात रहा, ओका लखिके ओकरे नगिचे क मनइयन कहेन, “पभू, का हम पचे तरवारि क वार करी?” ⁵⁰अउर ओहमाँ स एक तउ महायाजक क नउकर प वारि कइके ओकर दाहिन कान काट डाएस। ⁵¹मुला ईसू फउरन कहेस, “ओनका इ भी करइ द्या।” फिन ईसू ओकर कनवा छुड़के चंगा किहेस।

⁵²फिन ईसू ओह प चढ़ाई करइ आएन मुख्ययाजकन, मंदिर क सैनिकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन स कहेस, “का तू तरवारि अउर लाठिन लइके कउनो डाकू क मुकाबला करइ निकरा अहा? ⁵³मंदिर मैं मई हर दिन तोहरे ही संग रहेउँ, मुला तू मोह पइ हाथ नाहीं राख्या। मुला इ समइ तोहार अहइ-अंधियारे (पाप) क हुकुम क काल।”

पतरस क इन्कार

(मती 26:57-58; मरकुस 14:53-54, 66-72;

यूहन्ना 18:12-18, 25-27)

⁵⁴उ पचे ओका कैदी बनाइ लिहन अउर हुवाँ स लइ गएन। फिन उ सबइ ओका महायाजक क घर लइ गएन। पतरस कछू दूरी प ओकरे पाछे पाछे आवत रहा। ⁵⁵अँगेने क बीच उ पचे आगी सुलागएन अउर एक साथे खाले बैठि गएन। पतरस भी हुवाँ ओनही मैं बड़ठा रहा। ⁵⁶आगी क रोसनी मैं एक नउकरानी ओका हुवाँ बड़ठे लखेस। उ ओह पइ आँखी गड़ावत भइ कहेस, “इ मनई तउ ओकरे साथे भी रहा।”

⁵⁷मुला पतरस इन्कार करत भवा कहेस, “हे स्त्री, मई ओका नाहीं जानत हउँ।” ⁵⁸तनिक दरे पाछे एक तु दूसर मनई ओका लखेस अउर कहेस, “तू भी ओनही मैं स एक अहइ।” मुला पतरस बोला, “भल मनई, मई उ नाहीं हउँ।”

⁵⁹कउनो लगभग एक घड़ी बीत भइ होइ कि कउनो अउर भी जोर स कहइ लाग, “सचमुच ही इ मनई ओकरे संग भी रहा! काहेकि लखा उ गलील वासी भी अहइ।”

⁶⁰मुला पतरस बोला, “भल मनई, मई नाहीं जानत हउँ तू केकरे बारे मैं बतियात अहा!”

उहइ घड़ी, उ अबहीं बातन करत ही रहा कि एक तु मुर्गा बाँग दिहस। ⁶¹अउर पभू मुड़िके पतरस मैं आँखी गड़ाएस। तबहीं पतरस क पभू क उ बचन याद आवा जउन उ ओसे कहे रहा: “आजु मुर्गा क बाँग देइ स पहिले मोक़ा तीन दाई मुकरि जाब्या।” ⁶²तब उ बाहेर चला गवा अउर फूटि फूटि को रोवइ लाग।

ईसू क मसखरी

(मती 26:67-68; मरकुस 14:65)

⁶³⁻⁶⁴जउन मनइयन ईसू क धइ राखे रहेन उ पचे ओकर मसखरी अउर ओका ठाँकइ लागेन। ओकरे

आँखी प पट्टी बाँधि दिहन अउर ओसे इ कहत भए पूछइ लागेन, “भविस्सबाणी करा! उ कउन अहइ जउन तोहका मारेस!”⁶⁵ उ सबइ ओका बेजत करइ बरे ओसे अउर भी बातन कहेन।

ईसू यहूदी नेतन क समन्वा

(मती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; यूहन्ना 18:19-24)

⁶⁶जबहिं दिन भवा कि मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन संग मनइयन क बुजुर्ग नेतन क एक सभा भइ। फिन उ पचे ओका आपन महा सभा में लइ गएन।⁶⁷ उ सबइ पूछेन, “हमका बतावा का तू मसीह अहा?”

ईसू ओनसे कहेस, “जदि मई तोहसे कहउँ तउ तू मोर बिसवास नाहीं करब्या।⁶⁸ अउर जदि मई पूछउँ तउ तू जवाब नाहीं देब्या।⁶⁹ मुला अब स मनई क पूत सबन स सक्तीवाला परमेस्सर क दाहिन कईती बइठइ जाइ।”

⁷⁰ उ पचे बोलेन, “तब तउ का तू परमेस्सर क पूत अहा?” उ कहेस, “हाँ, मई हउँ।”

⁷¹ फिन उ पचे कहेन, “अब हमका कउनो अउर प्रमाण क जरूरत नाहीं अहइ? हम पचे खुद एकरे आपन मुँहना स इ सुन तउ लिहा ह!”

पिलातुस ईसू स पूछताछ किहेस

(मती 27:1-2, 11-14; मरकुस 15:1-5; यूहन्ना 18:28-38)

23 फिन सारा जमघट खड़ा होइ गवा अउर ओका पिलातुस क समन्वा लइ गवा² अउर उ पचे ओह पइ इ दोख लगावइ लागेन। उ सबइ कहेन, “हम पचे इ मनई का हमरे मनइयन क बहकावत भए धरा ह। इ कैसर क चुंगी (टिक्स) चुकावइ बरे खिलाफत करत ह अउर कहत ह इ खुद मसीह अहइ, एक राजा।”³ एँह पइ पिलातुस ओहसे पूछेस, “का तू यहूदियन क राजा अहा?”

ईसू ओका जवाब दिहस, “तू ठीक कहत रहया कि मई उहइ हउँ।”

⁴ एँह पइ पिलातुस मुख्ययाजकन अउर भीड़ स कहेस, “मोका इ मनई प कउनो दोख लगावइ क कउनो प्रमाण नाहीं देखॉइ देता।”

⁵ मुला उ पचे इ कहत भए दबाव डावत रहेन, “इ समूचइ यहूदिया में मनइयन क आपन उपदेस स भइकाएस ह। इ एँका गलील में सुरू किहे रहा अउर समूचइ रस्ता पार कइके हिं अँ तलक आइ पहुँचा अहइ।”

ईसू क हेरोदेस क लगे पठउब

⁶ पिलातुस इ सुनिके पूछेस, “का इ मनई गलील क अहइ?”⁷ फिन जब ओका इ पता लाग कि उ हेरोदेस क अधिकार पहुँटा क मातहत अहइ तउ उ ओका हेरोदेस क लगे पठएस जउन उ समइ यरूसेलेम में ही रहा।⁸ उत हेरोदेस जब ईसू क निहारेस तउ उ बहोत खुस भवा

काहेकि बरिसन स ओका लखइ चाहत रहा। काहेकि उ ओकरे बारे सुनि चुका रहा अउर ओका कउनो अद्भुत कारज करत भवा लखइ क आसा करत रहा।⁹ उ ईसू स ढेर सवाल किहेस मुला ईसू ओका कउनो जवाब नाहीं दिहेस।¹⁰ मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन हुवँ खड़ा रहेन अउर उ सबइ ओह प बुरी तरह स जुर्म लगावत रहेन।¹¹ हेरोदेस भी आपन सैनिकन क संग ओकर बेजत ब्यौहार किहेस अउर ओकर मसखरी उड़ाएस। फिन उ सबइ ओका एक उत्तिम चोगा पहिराइ के पिलातुस क लगे वापस पठइ दिहेस।¹² उ दिन हेरोदेस अउर पिलातुस एक दूसर क मीत होइ गएन। एँसे पहिले तउ एक दूसर क बैरी रहेन।

ईसू क मरब रहा

(मती 27:15-26; मरकुस 15:6-15; यूहन्ना 18:39, 19:16)

¹³ फिन पिलातुस मुख्ययाजकन, यहूदी नेतन अउर मनइयन क एक संग बोलाएस।¹⁴ उ ओनसे कहेस, “तू इ मनइयन क बहकावइ वाला मनई क रुप में हिंओ मारे लगे लइ आए अहा। अउर मई हिंओ अब तोहरे समन्वा ही एँकर जांच पड़ताल कइ लीन्ह ह अउर तू एँह पइ जउन दोख लगाया ह ओकर न तउ कउनो ठोस सबूत मिलि पावा ह।¹⁵ नाहीं हेरोदेस ने काहेकि उ एँका वापस हमरे लगे पठइ दिहा ह। जइसा कि तू लखत अहा कि इ अइसा कछू नाहीं किहे अहइ कि इ मउत क काबिल अहइ।¹⁶ यह बरे मई एँका कोड़ा स पिटवाइ क छोड़ देबूँ।”¹⁷*

¹⁸ मुला उ सबइ एक संग चिल्लायन, “इ मनई क लइ जा। हमरे बरे बरअब्बा क तजि द्या।”¹⁹ (बरअब्बा क सहर में मार धाइ अउर कतल बरे जेल में धाँधा गवा रहा।)

²⁰ पिलातुस ईसू क तजि देइ चाहत रहा, तउ उ ओनका समझाएस।²¹ मुला उ पचे नारा लगावत रहेन “एँका क्रूस प चढ़ाइ द्या, एँका क्रूस प चढ़ाइ द्या।”

²² पिलातुस ओनसे तिसरी दाई पूछेस, “मुला इ मनई जुर्म का किहे अहइ? मोका एँकरे खिलाफ कछू नाहीं मिला बाटइ जउन एँका मउत क सजा दीन्ह जाइ। यह बरे मई कोड़ा लगावइ के एँका छोड़ि देइहउँ।”

²³ मुला उ सबइ ऊँच आवाज में नारा लगाइके माँग करत रहेन कि ओका क्रूसे प चढ़ाइ दीन्ह जाइ। अउर ओकइ नारा क कुलाहल पतना बाँधि गवा कि²⁴ पिलातुस फैसला किहेस कि ओनकइ माँग मान लीन्ह जाइ।²⁵ पिलातुस उ मनई क छोड़ि दिहस जेका मार धाइ अउर कतल बरे जेल में धाँधा ग रहा (इ उहइ रहा जेकरे

पद 17 लूका क कछू यूनानी प्रतिथन में पद 17 जोड़ा गवा अहइ: “हर बरिस फसह क त्यौहार प पिलातुस क जन्ता बरे एक कैदी क छोड़ि देइ पड़त रहा।”

तजि देइ क उ पचे माँग करत रहेन।) अउर ईसू क ओकरे हाथन में सौँपि दिहन कि उ सबइ जइसा चाहई, करई।

ईसू क क्रूस प चढ़ावा जाब

(मती 27:32-44; मरकुस 15:21-32; यूहन्ना 19:17-27)

²⁶जब उ सबइ ईसू क लइ जात रहेन तउ उ पचे कुरेनी क बसइया समोन नाउँ क एक मनई क, जउन आपन खेते स आवत रहा, धइ लिहन, अउर ओह पइ क्रूस लादिके ओका ईसू क पाछे पाछे चलइ क मजबूर कइ दिहन।

²⁷मनइयन एक भारी भीड़ ओकरे पाछे चलत रही। एहमाँ कछू स्त्रियन भी रहिन जउन ओकरे बरे रोवत रहिन अउर बिलापत रहिन। ²⁸ईसू ओनके कइँती मुड़ि गवा अउर बोला, "यूरूसलेम क स्त्रियो, मोरे बरे जिन बिलापा बल्कि तू पचे आपन बरे अउर आपन बचवन बरे बिलाप कर। ²⁹काहेकि अइसे दिनन आवत अहई जब मनइयन कइँही, 'उ सबइ स्त्रियन धन्य अहई, जउन बाँझ बाटिन अउर धन्य अहई, उ सबइ कोख जउन कउनो क कबहूँ जनम ही नाहीं दिहन। उ सबइ चूची धन्य अहई कबहूँ दूध नाहीं पियाएन।' ³⁰फिन उ पचे पहाड़िन स कइँही, 'हम पइ फाटि पड़ा।' अउर पहाड़ियन स कइँही, 'हमका ढँकि ल्या!' * ³¹काहेकि मनइयन जब बृच्छ हरियर बाटइ, ओकरे संग तब अइसा करत ही तउ जब पेड़ झुराइ जाइ तब का होइ?"

³²दुइ अउर मनई, जउन दुइनुँ ही अपराधी रहेन, ओकर संग मउत क सजा दिये बरे लइ जावा जात रहेन। ³³फिन जब उ पचे उ ठउरे प आएन जउन खोपड़ी कहवावत ह तउ उ पचे ओन दुइनुँ अपराधियन क संग ओका क्रूस प चढ़ाइ दिहन। एक अपराधी क ओकरे दाहिन कइँती अउर, दूसर क बाई कइँती।

³⁴एह पइ ईसू बोला, "हे परमपिता, एँनका छमा करया काहेकि इ पचे नाहीं जानतेन कि इ सबइ का करत अहई।"

फिन उ सबइ पाँसा फेंकि के ओकरे ओढ़ना क बाँटि लिहन। ³⁵हुवाँ खड़ा भएन मनइयन लखत रहेन। यहूदी नेतन ओकर मसखरी करत भएन बोलेन, "इ दूसरन क उद्धार किहे अहइ। अगर उ परमेस्सरे क चुना भवा मसीह अहइ तउ एँका आपन खुद क रच्छा करइ द्या।"

³⁶सैनिकन भी आइके ओकर मसखरी उड़ाएन। उ पचे ओका दाखरस पिअइ क दिहेन ³⁷अउर कहेन, "जदि तू यहूदियन क राजा अहा तउ आपन खुद क बचाइ ल्या।" ³⁸(ओकरे ऊपर इ खबर छपी गइ "इ अहइ यहूदियन क राजा।")

³⁹हुवाँ लटकावा भवा अपराधियन में स एक ओका बेजत करत भवा कहेस, "का तू मसीह नाहीं अहइ? हमका अउर आपन खुद क बचाइ ल्या!"

⁴⁰मुला दूसर उ पहिले अपराधी क फटकारत भवा कहेस, "का तू परमेस्सर स नाहीं डेराल्या? तोहका भी उहइ सजा मिलति अहइ ⁴¹मुला हमार सजा तउ उचित निआव स भरी अहइ काहेकि हम जउन कछू कीन्ह, ओकरे बरे जउन हमका मिलइ चाही रहा, उहइ मिलत बा मुला इ मनई तउ कछू भी बुरा नाहीं किहेस।" ⁴²फिन उ बोला, "ईसू जब तू आपन राज्य में आवा तउ मोका याद राख्या।"

⁴³ईसू ओसे कहेस, "मई तोहसे सच कहत हउँ, आज ही तू सरगलोक में मोरे संग होब्या।"

ईसू क मउत

(मती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; यूहन्ना 19:28-30)

⁴⁴उ समइ दिना क बारह बजा होइ तबहीं तीन बजे तलक समूची धरती प गहिर आँधियारा छाइ गवा। ⁴⁵सूरज भी नाहीं चमकत रहा। ओहर मंदिर में परदे क फटे क दुइ टूका होइ गएन। ⁴⁶ईसू ऊँच आवाज में पुकारेस, "हे परमपिता, मई आपन आत्मा तोहरे हाथे में सौँपत हउँ।" इ कहिके उ आखिरी सौँस लिहै।

⁴⁷जब रोम क फऊजी नायक, जउन कछू घटि गवा रहा, उ लखेस तउ परमेस्सर क गुन गावत भवा उ कहेस, "इ सचमुच ही एक नीक मनई रहा।"

⁴⁸जब हुवाँ देखइ आएन एकट्ठा मनइयन, जउन कछू भवा रहा, ओका देखेन तउ आपन छती पीटत लौँटि गएन। ⁴⁹मुला उ सबइ जउन ओका जानत रहेन, ओन स्त्रियन संग, जउन गलील स पाछे पाछे आवत रहिन, इ बातन क लखइ कछू दूरी प खड़ा रहेन।

अरमलियाह क यूसुफ

(मती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; यूहन्ना 19:38-42)

⁵⁰⁻⁵¹अब हुवाँ यूसुफ नाउँ क मनई रहा जउन यहूदी महासभा क निअम्बर रहा। उ एक नीक धर्मी पुरुस रहा। उ ओनके फैसला अउर ओका काम में लावइ बरे राजी नाहीं रहा। उ यहूदियन क एक सहर अरमलिया क बसइया रहा। उ परमेस्सर क राज्य क बात जोहत रहा। ⁵²उ मनई पिलातुस क लगे गवा अउर ईसू क लहास माँगिस। ⁵³उ लहास क क्रूस पइ स नीचे उतरा अउर सने क उत्तिम रेसा क बना कपड़ा में ओका लपेट दिहस। फिन उ ओका चट्टान में काटी गइ एक कब्र में धइ दिहस, जेहमाँ पहिले कबहुँ कउनो क भी नाहीं राखा गवा रहा। ⁵⁴उ सुकरवार क दिन रहा, अउर सबित सुरू होइ क रहा। ⁵⁵उ सबइ स्त्रियन जउन गलील स ईसू क साथे आइ रहिन, यूसुफ क पाछे होइ चलिन. उ पचे उ कब्र देखिन अउर लखेन कि ओकर

लहास कन्न मँ कइसे धरी गइ।⁵⁶फिन उ पचे घर लौटिके खुसबूदार सामग्री अउर लेप तइयार कियेन।

सबित क दिन व्यवस्था क मुताबिक उ पचे आराम कियेन।

ईसू क फिन जी उठब

(मती 28:1-10; मरकुस 16:1-8; यूहन्ना 20:1-10)

24 हफता क पहिले दिन बहोत भिन्सारे उ सबइ स्त्रियन कन्न पइ खुसबूदार सामग्री क, जेका उ पचे तइयार कियेन, लइके आइन।²ओनका कन्न पइ स लुढ़कि गवा पाथर मिला।³तउ उ पचे भीतर चली गइन मला हुवाँ पभू ईसू क लहास नाही मिली।⁴उ सबइ एँह पइ अबहीं अरमजस मँ ही पड़ी रहिन कि, ओनके लगे चमचमात ओढ़ना पहिरे दुइ मनई (सरगदूतन) खड़ा भएन।⁵डर स उ पचे धरती कइँती मुँहना लटकाए रहिन। उ दुइ मनइयन ओनसे कहेन, “जउन जिअत अहइ, ओका तू मुर्दवन क बीच काहे हेरति अहा?⁶उ हिआँ नाही अहइ। उ जिउ उठा बा। याद कर जब उ अबहीं गलील मँ रहा, उ तोहसे का कहे रहा।⁷उ कहे रहा कि मनई क पूत क पापी मनइयन क हाथ सौप दीन्ह जाब तय अहइ। फिन उ क्रूस पइ चढ़ाइ दीन्ह जाइ अउर तिसरे दिन ओका फिन स जीवित कइ देब तय अहइ।”⁸तब ओन स्त्रियन क ओकर सब्ब याद होइ गएन।⁹उ पचे कन्न स लौटि आइन अउर उ सबइ सब बातन ओन ग्यारहु चेलन अउर दूसर सबन क बताएन।¹⁰इ पचे स्त्रियन रहिन, मरियम मगदलीनी, योअन्ना अउर याकूब क महतारी मरियम। उ सबइ अउर ओनके साथे क दूसर स्त्रियन इ बातन क प्रेरितन स कहत रहिन।¹¹मुला ओनके सब्ब प्रेरितन क बुथा जानि पड़ेन। तउ उ सबइ ओनका बिसवास नाही कियेन।¹²मुला पतरस खड़ा भवा अउर कन्न कइँती पराइ गवा। उ खाले निहुरिके लखेस मुला ओका सन क उत्तिम रेसन स बना कफन क अलावा कछू नाही देखेँइ दिहे रहा। फिन आपन मन ही जउन कछू भ रहा, ओहँ प अचरज करत भवा उ चला गवा।

इम्माऊस क रस्ते प

(मरकुस 16:12-13)

¹³उहइ दिना ओकर चेलन मँ स दुइ, यरूसलेम स कउनो सात मीत दूर बसा भवा इम्माऊस नाउँ क गाउँ क जात रहेन।¹⁴जउन घटना घटी रहिन, ओन सब प उ सबइ आपुस मँ बतियात रहेन।¹⁵जबहिँ उ सबइ ओन बातन प बातचीत अउर सोच विचार करत रहेन तबहीं खुद ईसू हुवाँ हाजिर भवा अउर साथे साथे चलइ लाग।¹⁶(मुला ओनका ओका पहिचानइ स टोका गवा।)¹⁷ईसू ओनसे कहेस, “चलत चलत एक दुसरे स तू कउनो बातन प बतियात रह्या?”

उ पचे चलत चलत थम गएन। उ पचे दुख्खी देखेँइ देत रहेन.¹⁸ओहमाँ स क्लियोपास नाउँ क एक मनई ओसे कहेस, “यरूसलेम मँ रहइवाला अकेल्ला तू ही अइसा मनई होब्या जउन पिछले दिनन जउन बातन घटी अहइँ, ओका नाही जानत्या।”

¹⁹ईसू ओनसे पूछेस, “कउन सी बातन?”

उ पचे ओसे कहेन, “सब नासरत क ईसू क बारे मँ अहइँ। इ एक अइसा मनई रहा जे जउन कियेस अउर कहेस ओहसे परमेस्सर अउर सबहीं मनइयन क समन्वा इ देखेँइ दिहस कि उ एक महान नबी रहा।

²⁰अउर हम इ बारे मँ बातन करत रहेन कि हमरे मुख्ययाजकन अउर नेतन ओका कइसे मउत क सजा देइ बरे सौपि दिहेन। अउर उ पचे ओका क्रूस प चढ़ाइ दिहिन।²¹हमार आसा रही कि इहइ रहा उ जउन इद्राएल क अजाद करावत। अउर इ सब कछू क अलावा इ घटना क भाए आजु तीसर दिन अहइ²²अउर हमरी टोली क कछू स्त्रियन हमका अचरजे मँ डाइ दिहिन ह। आजु भोर मँ भिन्सारे उ पचे कन्न प गइन।²³मुला ओनका लहास नाही मिली। उ सबइ लौटि आइन अउर हमका बताएन कि उ पचे सरगदूतन क दर्सन पाइ गइन ह जउन कहे रहेन कि उ जीवित अहइ।²⁴फिन हम पचन मँ स कछू कन्न प गएन अउर जइसा स्त्रियन बताए रहिन, उ पचे हुवाँ वइसा ही पाएन उ सबइ ओका नाही देखेन।”

²⁵तब ईसू ओनसे कहेस, “तू पचे केतँना मूरख अहा अउर नबियन जउन कछू कहेन, ओह प बिसवास करइ मँ केतँना धीमे अहा।²⁶का मसीह बरे इ जरूरी नाही रहा कि उ इ दारुण दुःखन क झेलइ अउर इ तरह आपन महिमा मँ घुसि जाइ?”²⁷अउर इ तरह मूसा स सुरु कइके सबहीं नबियन तलक अउर पवित्तर सास्तरन मँ ओकरे बारे मँ जउन कहा गवा रहा, उ ओका खोलिके ओनका समझाएस।

²⁸उ पचे जब उ गाउँ क लगे आएन, जहाँ जात रहेन, ईसू अइसा बताव कियेस, जइसे ओका अगवा जाइके होइ।²⁹मुला उ पचे ओसे जबरदस्ती हठ करत भए कहेन, “हमरे साथ ठहर जा काहेकि करीब करीब साँझ होइ गइ अहइ अउर अब दिन ओनवइ क रहा।” तउ उ ओकरे संग ठहरइ भीतर आइ गवा।

³⁰जब ओनके संग उ खइया क मेजे प रहा तबहीं उ रोटी उठाएस अउर धन्यवाद दिहस। फिन ओका तोड़िके जब उ ओनका देत रहा³¹तबहीं ओनकइ आँखी खोलि दीन्ह गइ अउर उ पचे ओका पहिचान लिहिन। मुला उ ओनके समन्वा स अन्तर्धान होइ गवा।³²फिन उ आपुस मँ बोलेन, “रास्ता मँ जब उ हमसे बात करत रहा अउर हमका पवित्तर सास्तरन क समझावत रहा तउ का हमरे हिरदइ क भीतर आगी भी नाही भड़क गइ?”³³फिन उ तुरंत खड़ा भएन अउर वापस यरूसलेम क

चल दिहेन। हुवाँ ओनका ग्यारहवाँ प्रेरित अउर दूसर ओनके संग एकट्ठा मिलेन, ³⁴जउन कहत रहेन, “पभू, असल में जिउ उठा अहइ। उ समौन (पतरस) क दर्सन दिहेस ह।” ³⁵फिन उ दुइनउँ राह मँ जउन भवा रहा, ओकर ब्यौरा दिहेन अउर बताएन कि जब उ रोटी क कउर लिहेस, तब उ सबइ ईसू क पहिचान लिहना।

ईसू क आपन चेलन क समन्वा परगट होब

(मती 28:16-20; मरकुस 16:14-18; यूहन्ना 20:19-23; प्रेरितन क काम 1:6-8)

³⁶अबहीं उ पचे ओनका इ बातन बताइ ही रहत रहेन कि उ खुद ओनके बीच आइ खड़ा भवा अउर ओनसे बोला, “तोहका सान्ति मिलइ।”

³⁷मुला उ पचे चौँकि के सहम गएन। उ पचे सोचेन जइसे उ सबइ कउनो भूत लखत होई। ³⁸मुला उ ओनसे बोला, “तू अइसे घबरान काहे अहा? तोहरे मनवा मँ सन्देह काहे उठति अहइ? ³⁹मोरे हाथन अउर मोरे गोड़े क लखा। तू देख सकत ह कि इ सच मँ मई अहउँ। मोका छुआ, अउर लखा कि कउनो भूत क माँस अउर हाइ नार्हीं होती अउर जइसा कि तू लखत अहा कि, मोर उ सबइ अहउँ।”

⁴⁰इ कहत भवा उ हाथ अउर गोड़ ओनका देखाएस। ⁴¹मुला आपन आनन्द क कारण उ पचे अब भी ओह पइ बिसवास नार्हीं कइ सकेन। उ पचे भउचक्का रहेन। तउ ईसू ओनसे कहेस, “हिआँ तोहरे पास कछू खाइ क अहइ।” ⁴²उ पचे पकाइ गइ मछरी क एक टुकड़ा

ओका दिहेन। ⁴³अउर उ ओका लइके समन्वा खाएस। ⁴⁴फिन उ ओनसे कहेस, “इ बातन उ सबइ अहउँ जउन मई तोहसे तब कहे रहेउँ, जब मई अबहीं तोहरे संग हउँ। हर उ बात जउन मोरे बारे मँ मूसा क व्यवस्था मँ, नबियन क किताबन अउर भजन संहिता मँ लिखी अहइ, पूरी होब ही अहइ।” ⁴⁵फिन पक्वित्तर सास्तरन क समझइ बरे उ ओनकइ बुद्धि क दुआर खोल दिहेस।

⁴⁶अउर उ ओनसे कहेस, “इ उहइ अहइ, जउन लिखा अहइ कि मसीह दारुण दुख भोगी अउर तिसरे दिन मरे हुअन मँ स जी उठी। ⁴⁷अउर पापे क छमा बरे मनफिराव क इ संदेस यरूसलेम स सुरू होइके सब देसन मँ प्रचार कीन्ह जाइ। ⁴⁸तू इ बातन क साच्छी अहा। ⁴⁹अउर अब मोरे परमपिता मोसे जउन सपथ किहेस ह, ओका मई तोहरे बरे पटउव। मुला तोहका इ सहर मँ उ समइ तलक ठहरे रहइ क होइ जब तक तू सरगे क सक्ती सजुरा न हवा।”

ईसू क सरग क वापसी

(मरकुस 16:19-20; प्रेरितन क काम 1:9-11)

⁵⁰ईसू फिन ओनका बैतनिय्याह तलक बाहेर लइ गवा अउर उ हथवा उठाइके आसीर्बाद दिहेस। ⁵¹ओनका आसीर्बाद देत देत उ ओनका तजि दिहेस अउर फिन ओका सरगे मँ उठाइ लीन्ह गवा। ⁵²तब उ पचे ओकर आराधना किहेन अउर असीम आनन्द लइके यरूसलेम लौटि आएन। ⁵³अउर मंदिर मँ परमेस्सर क स्तुति करत भएन उ पचे आपन दिन काटइ लागेन।

यूहन्ना रचित सुसमाचार

मसीह क आउब

1 जब दुनिया क सुरुआत भइ, तब ओह समइ बचन* पहिलेन स रहा। उहइ बचन परमेस्सर क साथ रहा। उहइ बचन परमेस्सर रहा। ²उहइ बचन एकदम सुरुआत में परमेस्सर क साथ रहा। ³समूची दुनिया क सब चीज उहइ स पइदा भइ। ओकरे बिना कउनो चीज बनाई नाहीं गइ। ⁴उहइ बचन में जिनगी रही अउर उहइ जिनगी पूरी दुनिया क सब मनई क बदे ज्योति (गियान, भलाई) क नाई रहा। ⁵ज्योति अँधियारे में चमकत ह अउर अँधियारा ओका जीत न पावा।

⁶परमेस्सर क पठवा एक मनई आवा जेकर नाउँ यूहन्ना रहा। ⁷उ एक साच्छी क नाई आवा जइसे कि उ सब मनई क ज्योति क बारे में अपने बचन में बताइ सकइ। अउर जउन उ बतावइ ओहमाँ सब मनई बिसवास कर सकइँ। ⁸उ खुदइ ज्योति नाहीं रहा मुला उ सब मनई क ज्योति क साच्छी देइ आइ रहा। ⁹उ इ बतावइ आइ रहा कि इ ज्योति बिल्कुल सच्ची अहइ, अउर उ इ हर एक मनई क प्रकासित करी। उ इ बतावइ आइ रहा कि सच्चा ज्योति इ दुनिया में आवइवाला अहइ।

¹⁰उ तउ इहइ दुनिया में रहा अउर इ दुनिया क उहइ पइदा किहेस मुला दुनिया ओका पहिचान नाहीं पाएस। ¹¹उ अपने संसार में आवा रहा, मुला ओकर आपन मनई ओका नाहीं अपनाएन। ¹²मुला जउन मनई ओका अपनाइ लिहेन्ह, ओनका सबका उ परमेस्सर क संतान होइ क अधिकार दिहेस। ¹³परमेस्सर क औलाद क नाई उ कुदरती तौर प न तउ लहू स पइदा भवा, न तउ कउनो तने क इच्छा स, अउर न तउ महतारी-बाप क योजना स। मुला उ परमेस्सर स पइदा भवा।

¹⁴उहइ बचन देह अपनाइ क हमरे सबके बीच में रहइ लाग। हम सब परमपिता क एकइ पूत क नाई ओकरी महिमा क दर्सन कीन्ह। उ बचन अनुग्रह अउर सच्चाई स भरा रहा। ¹⁵यूहन्ना ओकर साच्छी दिहेस अउर सबका सुनाइ क जोर स कहेस, “इ उहइ अहइ

जेकरे बारे में मई बताए रहेउँ, ‘उ जउन मोरे बाद आवइवाला अहइ, उ मोसे महान अहइ, मोसे आगे अहइ, यह बदे कि उ मोहूँ स पहले मौजूद रहा।”

¹⁶ओकरी अनुग्रह अउर सच्चाई क पूर्णता स हमका सबेन्ह का तमाम अनुग्रह पर अनुग्रह मिला। ¹⁷हमका सबेन्ह का जउन व्यवस्था मिली अहइ, उ तउ मूसा क दीन्ह अहइ, मुला जउन अनुग्रह अउर सच्चाई इ दुनिया में अहइ, उ ईसू मसीह क दीन्ह अहइ। ¹⁸परमेस्सर क कबहुँ कउनो आज तलक नाहीं देखे अहइ, मुला परमेस्सर क जउन एकइ पूत अहइ, अउर जउन हमेसा परमपिता क संग रहत ह, ओका हमरे सबके सामने परगट किहेस।

यूहन्ना क ईसू क बारे में साच्छी

(मती 3:1-12; मरकुस 1:2-8; लूका 3:15-17)

¹⁹जउ यरूस्सलेम क यहूदियन याजकन अउर लेवियन क यूहन्ना क पास इ पूछइ क बदे भेजेन्ह, “तू क अहया?”

²⁰तउ उ इ साच्छी दिहेस अउर बिना कउनो हिचकिचाहट क इ मानेस, “मई मसीह * न अहउँ।”

²¹तउ उ पचे यूहन्ना स पूछेन्ह, “तू फिन क अहया, का तू एलिय्याह *अहया?” यूहन्ना इ जवाब दिहेस, “नाहीं, मई उहइ न अहउँ।” यहूदियन पूछेस, “तउ तू का कउनो नबी *अहया?” उ फिन इन्कार कइ दिहेस, “नाहीं।”

²²फिन उ पचे ओसे पूछेन्ह, “तउ तू क अहया? हमका बतावा जइसे कि हम ओनका जवाब दर्ई देई, जे हमका पचे क हियाँ भेजेन्ह! तू अपने बारे में का कहत अहा?”

²³यूहन्ना कहेस:

‘मई आवाज अहउँ, जउन रेगिस्तान में पुकारत अहइ: ‘पर्थू क बदे सोझ सोझ रस्ता बनावा।”

यसायाह 40:3

बचन मूल में यूनानी भाखा बचन बाटइ। “लोगोस” जेकर अरथ अहइ संदेसा एकर अनुवाद “सुसमाचार” भी कीन्ह जाइ सकत ह। हिओँ एकर अरथ अहइ ईसू। ईसू एक ठु रस्ता बाटइ जेकरे जरिए खुद परमेस्सर आपन बारे में मनइयन क बताएस ह।

मसीह “अभिसेक कीन्ह गवा” (मसीह) या परमेस्सर स चुना भवा।

एलिय्याह नबी जउन 850 ई.पू. भवा रहा। यहूदी एलिय्याह स उम्मीद किहेन कि उ मसीह क अवाई स पहिले आई। मलाकी 4:5-6

नबी साइद एकर अरथ रहा जेका परमेस्सर मूसा क बताएस कि उ पठइ (व्यवस्था 18:15-19)

²⁴इन सबन क फरीसियन* भेजे रहेन्ह। ²⁵उ लोग ओसे पूछेन, “जउ तू न तउ मसीह अह्या, न एलिय्याह अह्या, अउर न तउ नबी अह्या, फिन काहे बदे तू सब लोगन क बपतिस्मा देत अहा?”

²⁶यूहन्ना ओन पचे क जवाब दिहिस, “मई ओन सबेह का पानी स बपतिस्मा देत अहउँ। तोहरे सबन क बीच मैं एक ठु मनई अहइ, ओका तू पचे नाहीं जानत अहा। ²⁷मोरे बाद आवइवाला उहइ अहइ। मई तउ ओकरे पनहीं क फीता खोलइ लायक नाहीं अहउँ।”

²⁸इ सब घटना यरदन क पार बैतनिय्याह मैं घटिन ह जहाँ प यूहन्ना बपतिस्मा देत रहा। ²⁹ओकरे दूसरे दिन यूहन्ना ईसू क अपने लगे आवत देखेस तउ कहेस, “परमेस्सर क मेमना क देखा जउन दुनिया क सब पाप हर लेत ह। ³⁰इ उहइ अहइ जेकरे बावत मई बताए रहेउँ, एक मनई मोरे बाद आवइवाला अहइ, जउन मोसे भी महान अहइ, उ मोसे भी आगे अहइ, उ मोसे पहले स मौजूद रहा।” ³¹पहले मई खुद ओका नाहीं जानत रहेउँ, मुला मई इही बदे बपतिस्मा देत चला आवत अहउँ, जइसे कि इम्राएल क सब मनई ओका जान लेँ।”

³²⁻³³फिन यूहन्ना आपन इ साच्छी दिहिस, “मई देखेउँ कि कबूतरे की नाई सरग स नीचे उतरत आतिमा उहइ प आइके टिक गइ। मई खुदइ नाहीं जान पाएउँ, कि उ कौन रहा मुला जउन मोका पानी स बपतिस्मा देइ क बदे पठए रहा, उ मोसे कहेस, ‘तू आतिमा क उतरत अउर कउनो क ऊपर ठहरत देखब्या, इ उहइ मनई अहइ जउन पवित्तर आतिमा*स बपतिस्मा देत ह।’ ³⁴मई ओका देखे अहउँ अउर मई साच्छी देत अहउँ कि उहइ परमेस्सर क पूत अहइ।”

ईसू क पहला चेलन

³⁵दूसरे दिन यूहन्ना अपने दुइ चेलन क साथ फिन उहइ जगह प मौजूद रहा। ³⁶जब ईसू क उ अपने पास देखेस तउ कहेस, “देखा! इ इहइ परमेस्सर क मेमना।”

³⁷जब उ दुइनउँ चेलन ओनका इ कहत सुनेन तउ उ दुइनउँ ईसू क पाछे चल पड़ेन्ह। ³⁸ईसू ओन पचे क जबहिं अपने पाछे आवत देखेस तउ ओसे पूछेस, “तोहका का चाही?”

उ पचे जवाब दिहेन, “रब्बी, तू कउन जगह प रहत ह?” (“रब्बी” अर्थात “गुरु”)

³⁹ईसू ओनका जवाब दिहिस, “आवा अउर देखा।” ओकरे बाद उ दुइनउँ चेलन ओनके पाछे चल दिहेन। उ

फरीसियन फरीसी यहूदी धर्म गुट क लोग रहेन जउन सबइ यहूदी नेम अउ परिपाटी प धियान दइके चलत रहेन।

पवित्तर आतिमा परमेस्सर क आतिमा, ईसू क आतिमा अउ सहायक। परमेस्सर अउ ईसू स जुरी भइ जउन मनइयन मैं परमेस्सर क काम करत ह।

पचे फिन ओकर रहइ क जगह देखेन। ओह दिन उ दुइनउँ चेलन ओनके साथ ठहरेन्ह, काहेकि साँझ क करीब चार बज चुका रहा।

⁴⁰जउन दुइनउँ चेलन यूहन्ना क बात सुने रहेन्ह अउर ईसू क पाछे चला गएन, ओनमा स एक समौन पतरस क भाई अन्द्रियास रहा। ⁴¹उ पहले अपने भाई समौन क देखके ओसे कहेस, “हमका मसीह मिल गवा अहइ।”

⁴²फिन अन्द्रियास समौन पतरस क ईसू क लगे लियाइ गवा। ओनका देखके ईसू कहेस, “तू यूहन्ना क बेटवा समौन अह्या। तोहका लोग कैफा (अर्थात् पतरस) कहिहैं।”

⁴³दूसरे दिन ईसू गलील जाइके बदे ठान लिहिस। फिन फिलिप्पुस क देखके ईसू ओसे कहेस, “मोरे पाछे चला आवा।” ⁴⁴फिलिप्पुस अन्द्रियास अउर पतरस क नगर बैतसैदा क रहइवाला रहा। ⁴⁵फिलिप्पुस क नतनएल मिला अउर उ ओसे कहेस, “हम पचन्क उ मिल गवा अहइ जेकरे बारे मैं व्यवस्था मैं मूसा अउर तमाम नबियन लिखे अहइ। उहइ यूसुफ क बेटवा, नासरत क ईसू अहइ।” ⁴⁶फिन नतनएल ओसे पूछेस, “का नासरतउ स कउनो अच्छी चीज पैदा होइ सकत ह?”

फिलिप्पुस जवाब दिहिस, “जाइके खुदइ देखि ल्या।”

⁴⁷ईसू नतनएल क अपनी कइती आवत देखेस अउर ओकरे बारे मैं कहेस, “इ एक सच्चा इम्राएली अहइ जेहमँ कउनो खोट नाहीं बा।”

⁴⁸नतनएल पूछेस, “तू मोका कइसे जानत अहा?”

ईसू जवाब दिहिस, “फिलिप्पुस क बोलावइ क पहिले मई तोहका अंजीर क पेड़ क नीचे खड़ा देखे रहेउँ।”

⁴⁹नतनएल जवाब दिहिस, “रब्बी (गुरु) तू परमेस्सर क पूत अह्या, तू इम्राएल क राजा अह्या।”

⁵⁰एकरे जवाब मैं ईसू कहेस, “तू इ बदे बिसवास करत अहा, काहेकि मई कहत अहउँ कि तोहका अंजीर क पेड़ क खाले देखे रहेउँ। तू अगवा (बाद मैं) अउर बड़ी बड़ी बात देखब्या।” ⁵¹उ ओसे (नतनएल स) फिन कहेस, “मई तोहका सही सही बतावत अहउँ कि तू सरग क खुलत अउर परमेस्सर क दूतन क मनई क पूत* प उतरत चढ़त* देखब्या।”

काना मैं बियाह

2 गलील क काना मैं तीसरे दिन कउनो क घरे मैं बियाह रहा। ईसू क महतारी हुवाँ मौजूद रही। ²बियाहे मैं ईसू क अउर ओनके चेलन क बोलउवा आइ रहा।

मनई क पूत ईसू! दानि 7:13-14 मैं इ मसीह क नाउँ बाटइ जेका परमेस्सर मनइयन क उद्धार करइ बरे चुने रहा।

परमेस्सर ... चढ़त उत्पत्ति 28:12

³हुवाँ जब दाखरस खतम होइ गवा तउ ईसू क महतारी कहैस, “ओनके पास अब दाखरस नाहीं अहइ, सब खतम होइ ग।”

⁴ईसू ओसे कहैस, “इ तू मोसे काहे बतावत अहा? अबहीं मोर समइ नाहीं आवा अहइ।”

⁵फिन ओकर महतारी नउकरन स कहैस, “तू पचे उहइ करा जउन इ तोहसे करइ बरे कहइ।”

⁶हुवाँ पानी भरइ बरे पथरे क छ: मटका धरा रहेन। इ मटकन क यहूदियन पवित्तर स्नान क बदे इस्तेमाल करत रहेन। हर मटका मैं लगभग बीस स तीस गैलन पानी आवत रहा।

⁷ईसू नउकरन स कहैस, “मटकन क पानी स भर द्या।” नउकरन मटकन क लबालब भरि दिहेन।

⁸फिन उ ओनसे कहैस, “अब थोड़ा पानी बाहेर निकाला, अउर दावत क इन्तजाम करइवाला मुखिया क पास लइ जा।” अउर उ पचे थोर क पानी मुखिया क पास लइ गएन। ⁹फिन दावत क इन्तजाम करइवाला मुखिया उ पानी क थोरा स चखेस तउ उ पाएस कि इ पानी तउ दाखरस बनि गवा रहा। उ जानि नाहीं पाएस कि दाखरस कहाँ स आइ गवा। मुला ओन नउकरन क तउ पता रहा, जउन पानी निकारे रहेन। ¹⁰फिन दावत क मुखिया दुल्हा क बोलाएस अउर ओसे कहैस, “सब मनई पहिले अच्छी अच्छी दाखरस परोसत हीं अउर जब मेहमानन क मन भरि जात ह तउ घटिया दाखरस देइ लागत हीं। मुला तउ सबसे बड़िया वाली दाखरस अबहीं तक बचाए रखे अहा।”

¹¹ईसू गलील क काना मैं आपन पहिला अदभुत कारज कइके आपन महिमा परगट किहैस। जेहसे ओकर चलन ओहमाँ बिसवास करेन्ह।

ईसू मंदिर मैं

(मती 21:12-13; मरकुस 11:15-17; लूका 19:45-46)

¹²ओकरे पाछे फिन ईसू आपन महतारी, भाइयन अउर चलन क साथे कफ़रनहूम चला गवा, जहाँ प उ पचे कछू दिन ठहरेन्ह। ¹³यहूदियन क फ़सह क त्यौहार * निचके रहा। इ कारण ईसू यरूसलेम चला गवा। ¹⁴हुवाँ मंदिर मैं ईसू देखेस कि तमाम मनई मवेसियन, भेड़न अउर कबूतरन क बेचत रहेन अउर सिक्का बदलइवाले बयपारी अपनी गद्दी प बइठा रहेन। ¹⁵इ बदे उ रस्सी क एक ठु कोड़ा बनाएस अउर ओन सबका मवेसियन अउर भेड़न समेत बाहर खदेर दिहैस। सिक्का बदलइवाले बयपारियन क सिक्का बिखराइ दिहैस अउर ओनके

फसह क त्यौहार यहूदियन क पवित्तर महत्व क दिन। परमेस्सर मूसा क समइ मैं ओनका मिन्न मैं गुलामी स अजाद किहैस। एका सुमिरइ बरे उ पचे हर बरिस इ दिन मैं खास भोजन करत रहेन।

चौकियन क बिखराइ दिहैस। ¹⁶कबूतरन क बेचइवालेन स कहैस, “एनका सबका हिर्याँ स बाहेर लइ जा! मोरे परमपिता क घर क बजार जिन बनाव।”

¹⁷इ सब देखिके ओकरे चलन क याद आइ गवा कि पवित्तर सास्तर मैं लिखा अहइ:

“तोहरे घर क बदे मोर लगन मोका खाइ जाई।”
भजन संहिता 69:9

¹⁸एकरे जवाब मैं यहूदियन ईसू स कहैन, “तू हमका सबेह क कउन अदभुत चीन्ह क तौर पइ देखाइ सकत ह्या, जइसे इ साबित होइ जाइ कि जउन तू करत अहा, ओकर तू अधिकारी अहा?”

¹⁹ईसू ओनका जवाब दिहैस, “इ मंदिर क तू पचे गिराइ द्या अउर मइँ एका तीन दिन क अन्दर फिन बनाइ देवा।”

²⁰इ सुनिके यहूदियन बोलैन, “इ मंदिर क बनावइ मैं छियालिस बरिस लगा रहेन, अउर तू कहत अहा कि एँका मइँ तीन दिन मैं बनाइ देव?”

²¹(मुला ईसू जउने मंदिर क बात करत रहा, उ ओकर आपन देह रही। ²²बाद मैं जब मउत क बाद ईसू फिन जी उठा तउ ओकरे चलन क याद आवा कि ईसू एँका कहे रहा, अब तउ उ पचे पवित्तर सास्तर प अउर ईसू क बात पर बिसवास करइ लागेन।)

²³फ़सह क त्यौहार क दिनन जउ ईसू यरूसलेम मैं रहा, तउ तमाम मनई ओकर अदभुत कारजन अउर चीन्हन देखिके ओहमाँ बिसवास करइ लागेन। ²⁴मुला ईसू अपने आपका ओनके सहारे नाहीं छोड़ेस, काहे स कि उ सबका बखूबी जानत रहा। ²⁵ओका इ बात क कउनो जरूरत नाहीं रही कि केहू आइके ओका लोगन क बारे मैं बतावइ, यह बदे कि उ अच्छी तरह जानत रहा कि लोगन क मन मैं का अहइ।

ईसू अउर नीकुदेमुस

3हुआँ फरीसियन क एक ठु मनई रहा, जेकर नाउँ रहा नीकुदेमुस। उ यहूदियन क नेता रहा। ²उ ईसू क लगे रात मैं आवा अउर ओसे बोला, “गुरु, हम जानत अही कि तू गुरु अह्या अउर परमेस्सर तोहका भजेस, इहइ कारण अहइ कि तू अइसे अइसे अदभुत कारजन करत अहा। इ सब कारज परमेस्सर क सहायता क बिना कउनो नाहीं करि सकत।”

³एकरे जवाब मैं ईसू ओनसे कहैस, “मइँ तोहका एकदम सच सच बतावत अहउँ कि अगर कउनो मनई एकदम स नवा जनम न लेइ तउ उ परमेस्सर क राज्य नाहीं देख सकत।”

⁴नीकुदेमुस ओसे कहैस, “कउनो मनई बुढ़वा होय क बाद फिन जनम कइसे लइ सकत ह? कउनो अपनी

महतारी क कोख में फिन घुसि क जनम कइसे लइ सकत ह!"

⁵ईसू जवाब दिहैस, "मई तोहका सच बतावत अहउँ। अगर कउनो मनई पानी अउर आतिमा स जनम नाही लेत तउ उ परमेस्सर क राज्य में घुसइ नाही पावत। ⁶जउन सररी स पइदा होइ सकत ह, उहइ सररी अहइ जउन आतिमा स पइदा होत ह, उहइ आतिमा अहइ। ⁷मई तोहसे जउन बताए अहउँ, ओहमाँ कउनो अचरज करइ क जरूरत नाही अहइ, 'तोहका फिन स जनम लेइ क होई।' ⁸हवा जउने तरफ चाहत ह, उहइ तरफ बहत ह। तू ओकर आवाज तउ सुनि सकत ह, मुला तू इ नाही जानि सकत ह कि उ कहीं स आवत अहइ अउर कहीं जात अहइ। आतिमा स पइदा भवा हर एक मनई इहइ तरह अहइ।"

⁹एकरे जवाब में नीकुदेमुस ओसे कहेस, "इ कइसे होइ सकत ह?"

¹⁰ईसू ओका जवाब दिहैस, "तू तउ इग्राएलियन क गुरु अहया मुला तू इ बात नाही जानत रहया? ¹¹सच्ची बात मई बतावत अहउँ, हम पचे जउन जानत अही, उहइ बतावत अही, जउन हम देखत अही मुला तू पचे हमरी बात में कम बिसवास करत अहा। ¹²मई तोहका धरती क बात बतावत अहउँ, अउर तू ओका नाही मानत अहा, अबहीं जब मई तोहका पचे क सरग क बात बतावउँ तउ तू ओका कइसे मान लेब्या? ¹³सरग में कबहुँ कउनो नाही गवा, केवल ओका छोड़ कर, जउन सरग स उतरके आवा ह-उहइ मनई क पूत।

¹⁴"जइसे मूसा रेगिस्तान में सरप क उठाइ लिहे रहा वइसे मनई क पूत क ऊपर उठाइ लीन्ह जाई। ¹⁵जइसे कि ओहमाँ बिसवास करइवाले सब मनई अनन्त जीवन पाइ सकइ।"

¹⁶परमेस्सर इ दुनिया स इतना पिरेम करत ह कि अपने एकलौता पूत क दइ दिहैस, जइसे कि ओहमाँ में बिसवास करइवाला कउनो मनई क नास न होइ, ओका अनन्त जीवन मिल जाइ। ¹⁷परमेस्सर आपन पूत इ बदे नाही पठएस कि उ दुनिया क अपराधी साबित करइ, उ तउ इ बदे भेजेस अइसे कि समूची दुनिया क उद्धार होइ जाइ। ¹⁸जउन मनई परमेस्सर क पूत में बिसवास करत हीं, ओनका दोसी न ठहरावा जाइ, मुला जे ओनके में बिसवास नाही करतेन, ओका तउ दोसी ठहरावा जाइ चुका अहइ, काहेकि उ परमेस्सर क एकलौता पूत में बिसवास नाही करत ह। ¹⁹इ निरनय क आधार इ बाटइ कि ज्योति इ दुनिया में आइ गइ अहइ, मुला कछू मनई अइसे अहई कि ज्योति क न देखिके आँधियारे क जियादा महत्व देत अहई काहेकि ओनके सब करम बुरा अहई। ²⁰पाप करइवाला मनई हमेसा ज्योति स घृणा करत ह अउर ओकरे पास कबहुँ नाही आवत, यह बदे कि ओकरे पाप क उजागिर होइ क डर बना रहत ह।

²¹मुला जउन मनई सच्चाई क रस्ता प चलत ह उ परमेस्सर क द्वारा ज्योति क किरन क लगे अइहीं जइसे इ उजागिर होइ जाइ कि ओके सब कारज परमेस्सर करावत अहइ।

यूहन्ना ईसू क बपतिस्मा दिहैस

²²ओकरे बाद ईसू अपने चेलन क साथ यहूदिया क इलाका में चला गवा। हुवाँ ओनके साथ ठहरिके उ सब लोगन्ह क बपतिस्मा देइ लाग। ²³हुवाँ प सालेम क नजदीक ऐनोन में यूहन्ना भी बपतिस्मा देत रहा, यह बदे की हुवाँ इफरात में पानी रहा। तमाम मनई हुवाँ आवत रहैन अउर बपतिस्मा लेत रहैन। ²⁴(अब तक यूहन्ना क बंदी नाही बनावा ग रहा।)

²⁵अब यूहन्ना क कछू चेलन अउर एक ठु यहूदी क बीच स्वच्छताकरण क लइके बहस होइ लाग। ²⁶यह बदे उ सब यूहन्ना क लगे आएन अउर कहेन, "गुरु, जउन मनई यरदन क ओहँ पार तोहरे साथ रहा अउर जेकरे बारे में तू बताए रहया, उ लोगन्ह क बपतिस्मा देत अहइ, अउर सब मनई ओकरे पास जात अहई।"

²⁷एकरे जवाब में यूहन्ना कहेस, "कउनो मनई क तब तक कछू नाही मिल सकत जब तक की ओका परमेस्सर स न दीन्ह ग होइ। ²⁸तू पचे इ बात क साच्छी अहा की मई कहे रहेउँ, 'मई मसीह न अहउँ मोका तउ ओकरे बारे रस्ता बनाइ बारे पठवा गवा अहइ।' ²⁹दूल्हा तउ उहइ बा, जेका दुलहिन मिलइ। मुला दूल्हा क दोस्त जउन ओकरे अगुवाई में खड़ा रहत ह जब दूल्हा क आवाज सुनत ह, तउ बहुत खुस होत ह। इहइ मोर खुसी अहइ जउन अब पूरी भइ। ³⁰अब इ जरूरी अहइ कि ओकर महिमा बढ़इ अउर मोर कम होइ।

उ जउन सरग स उतरा

³¹"जउन ऊपर स आवत ह, उ सबसे महान अहइ। उ जउन धरती स बाटइ, धरती स जुड़ा अहइ। यह बदे उ धरती क चीजन क बारे में बात करत ह। जउन सरग स उतरा अहइ, सबके ऊपर अहइ, ³²उ जउन कछू देखे अहइ, अउर सुने अहइ, उ ओकर साच्छी देत ह अउर ओकर साच्छी क कउनो मानइ नाही चाहत। ³³जउन ओकरी साच्छी क मानत ह, उ प्रमाणित करत ह कि परमेस्सर सच्चा अहइ। ³⁴काहे बदे कि जेका परमेस्सर पठए अहइ, परमेस्सर क बातन करत ह। परमेस्सर ओका आतिमा क अनन्त दान दिहे अहइ। ³⁵परमपिता अपने पूत स पिरेम करत ह अउर ओकरे हाथे में उ सब कछू का अधिकार सौंप दिहैस। ³⁶यह बदे जउन ओकरे पूत में बिसवास करत ह, अनन्त जीवन पइहइ मुला जे परमेस्सर क पूत क बात नाही मानत ओका इ जीवन न मिली। एकरे बजाय उ परमेस्सर क कोप का भाजन बनी।"

ईसू अउर सामरी स्त्री

4 अउर जउ ईसू क पता चला कि फरीसियन इ सुने अहई कि ईसू यूहन्ना स जियादा लोगन क बपतिस्मा देत अहइ अउर ओनका आपन चेलन बनावत अहइ।²(वइसे ईसू खुदइ बपतिस्मा नाहीं देत रहा, बल्कि ओकर चेलन इ कारज करत रहेन्ह।)³उ तउ यहूदिया छोड़िके एक बार फिन गलील लौट ग रहा।⁴इ दाई ओका सामरिया होइके जाइका पड़ा।

⁵यह बदे उ सामरिया क एक नगर सूखार मँ आवा। इ नगर उहइ भुइँया क पास रहा जउने क याकूब अपने बेटवा यूसुफ क दिहे रहा।⁶हुवाँ याकूब क कुआँ रहा। ईसू यात्रा क बाद एकदम थक ग रहा, यह बदे उ कुआँ क पास बइठ गवा। उ समइ करीब करीब दुपहरिया रही।⁷एक ठु सामरी* स्त्री पानी भरइ क वास्ते आइ। ईसू ओसे कहेस, “मोका पियइ क पानी दइ द्या।”⁸(उ समइ सब चेलन खाना बेसहइ क बदे सहर चला ग रहेन।)⁹सामरी स्त्री ओसे कहेस, “तू यहूदी होइके मोसे पानी काहे माँगत अहा, मई तउ सामरी स्त्री अहउँ?” (यहूदी तउ सामरियन स कउनो मतलब नाहीं रखत रहेन)

¹⁰ओकरे जवाब मँ ईसू ओसे कहेस, “जउ तू ऐतना जनतेउ कि परमेस्सर का दिहेस अउर उ कउन अहइ जउन तोहसे कहत अहइ कि ‘मोका पानी द्या’ तउ तू ओसे खुदइ माँगतिउ, अउर उ तोहका जीवन जल दइ देत।”

¹¹उ स्त्री ओसे कहेस, “महासय, तोहरे लगे तउ कउनो बरतन तक नाहीं बाटइ अउर कुआँ बहुत गहिर अहइ फिन तोहरे पास जीवन जल कइसे होइ सकत ह?¹²जरू तू हमरे पूर्वज याकूब स बड़ा अहा जे हमका कुआँ दिहेन अउर अपने लड़िकन्ह अउर जानवरन्ह क साथ खुदइ एकर पानी पिए रहेन्ह।”

¹³ईसू एकरे जवाब मँ कहेस, “जउन मनई इ कुआँ क पानी पिअत ह, ओका फिन पियास लगी।¹⁴मुला जउन मनई उ पानी क पी लेई, जउन पानी मई देब, ओका फिन कबहूँ ओका पियास न लगी। मोर दीन्ह पानी ओकरे दिल मँ एक पानी क झरना क नाई बन जाई, जउन घुमइ घुमइ क ओका अनन्त जीवन देई।”

¹⁵तब उ स्त्री ओसे कहेस, “हे महासय, मोका उहइ पानी दइ द्या जेहसे कि मई कबहूँ पियासी न रही अउर मोका फिन पानी खँइचे क बदे न आवइ क पड़इ।”

¹⁶इ सुनके ईसू ओसे कहेस, “जा अपने पति क बोलावा अउर हियँ आवा।”

¹⁷एकरे जवाब मँ स्त्री कहेस, “मोर कउनो पति नाहीं बाटइ।”

ईसू ओसे कहेस, “जउ तू कहति अहा कि तोहार कउनो पति नाहीं बाटइ, तउ तू ठीक कहति अहा।¹⁸तोहरे पाँच पति रहेन्ह अउर जउने पुरुस क साथ तू रहति अहा, उ तोहार पति न अहइ, यह बदे जउन तू कहति अहा उ ठीक अहइ।”

¹⁹इ सुनके उ स्त्री ओसे कहेस, “महासय, मोका तउ जानत अहइ कि तू कउनो नबी अहा।²⁰हमरे पूर्वजन इ पर्वत प आराधना किए रहेन्ह मुला तू कहत अहा कि यरूसलेम आराधना क स्थान अहइ।”

²¹ईसू ओसे कहेस, “हे स्त्री मोरी बात मँ बिसवास करा। उ समइ आवइवाला अहइ जब तू परमपिता क आराधना न तउ एहि पर्वत प करइ पउबू अउर न तउ यरूसलेम मँ।²²तू सामरी लोगन्ह ओका नाहीं जानत अहई जेकर आराधना करति अहा मुला हम यहूदी ओका जानित ह जेकर आराधना करति अहा। सबन क उद्धार यहूदियन स मिली।²³मुला उहइ समइ आवत अहइ ‘अउर आइ ग’ बाटइ जब सच्चे आराधक परमपिता क आराधना, आतिमा अउर सच्चाई मँ करिहीं। परमपिता अइसे आराधक चाहत ह।²⁴परमेस्सर आतिमा अहइ अउर यह बदे जउन ओके आराधना करी ओका आतिमा अउर सच्चाइन मँ आराधना करइ क पड़ी।”

²⁵फिन स्त्री ओसे कहेस, “मई जानत अहउँ कि मसीह (यानि ख्रीष्ट) आवइवाला अहइ। जब उ आई तउ हम पवन क सब कछू बताई।”

²⁶ईसू ओसे कहेस, “मई जउन तोहसे बतियात अहउँ मई उहइ अहउँ।”

²⁷उहइ समइ सब चेलन लौट आएन। अउर ओनका इ देखिके बहुत अवरज भवा कि उ एक ठु स्त्री स बात करत अहइ। मुला कउनो ओसे इ नाहीं कहेस, “तोहका इ स्त्री स का मतलब अहइ” अउर या “इ स्त्री स तू काहे बदे बतियात अहा।”

²⁸उ स्त्री आपन पानी भरइवाली गगरी छोड़िके सहर चली गइ अउर मनइयन स कहेस,²⁹“आवत जा अउर देखा, एक ठु अइसा मनई अहइ, जउन मोर कीन्ह सच मोका बताइ दिहेस। का तू इ नाहीं सोचत अहा कि उ मसीह अहइ?”³⁰इ सुनिके सब लोगन्ह सहर छोड़िके ईसू क लगे जाइ पहुँचेन।

³¹उहइ समइ ईसू क चेलन ओसे बिनती करत रहेन्ह, “गुरु कछू खाइ ल्या।”

³²मुला ईसू ओनसे कहेस, “मोरे पास खाइ बरे, अइसा खाना अहइ जेकरे बारे मँ तू पचे कछू नाहीं जानत अहा।”

³³इ सुनिके सब चेलन आपस मँ एक दूसरे स पूछइ लागेन, “का ओकरे बदे कउनो खाइ बरे कछू लाइ रहा?”

³⁴ईसू ओनसे कहेस, “मोर खाना ओकर (परमेस्सर) इच्छा क पूरी करत अहइ जउन मोका पठएस ह। जउन

सामरी सामरिया स आए भएन। सामरी कछू यहूदी रहेन, मुला यहूदी ओनका सुदध यहूदी नाहीं मानत रहेन।

कारज मोका सौंपा गवा बाटइ, ओका मोका पूरा करइ क अहइ।³⁵ तू पचे अक्खर कहत ह, 'चार महीना बाकी अहइ तब जाइके फसल आई' मुला मइँ तोहका पचे क बतावत अही कि आपन आपन आँखी खोला अउर खेतन क तरफ देखा उ सब काटइ क बरे तइयार होइ गवा अहइँ। उ जउन कटाई करत अहइ आपन मजूरी पावत अहइ।³⁶ अउर अनन्त जीवन क बदे फसल इकट्टा करत बा, यह बदे कि फसल बोवइवाला अउर ओका काटइवाला दुइनउँ साथे साथे खुम्स रहइँ।³⁷ इ हमार बात एकदम स सच्ची निकरी, 'एक मनई बोवत ह अउर दूसर मनई ओका काटत ह।'³⁸ मइँ तोहका इ फसल काटइ क बदे भेजे अही जेहि पइ तोहार मेहनत नाहीं लगी बाटइ। जेहि पइ दूसरे क मेहनत लगी अहइ अउर ओकरी मेहनत क फल तोहका मिला अहइ।

³⁹ उ सहर क तमाम मनइयन ईसू मँ बिसवास किहेन, यह बदे की उ स्त्री क बात क साच्छी मान लिहेन जउन कहेस, "मइँ जउन कछू करे रहेउँ, उ मोका ओकरे बारे मँ सब बताइ दिहेस।"⁴⁰ जब सामरी ओकरे पास आएन तउ ओन सबे ओसे ठहरइ क बदे चिरौरी करेन्ह। एँकरे बाद उ दुइ दिन हुवाँ ठहर गवा।⁴¹ ओकरी बात स प्रभावि होइके तमाम जने ओहमाँ बिसवास करइ लागेन।

⁴² ओन सब उ स्त्री स कहेन, "अब हम तोहरी साच्छी क नाई बिसवास नाहीं करत अही, अब तउ हम सब खुदइ सुनि अउर देखे लीन्ह। अब हम पचे जान लीन्ह कि सचमुच उहइ मनई संसार का उद्धार करइवाला बाटइ।"

राजकर्मचारी क बेटवा क जीवन दान

(मती 8:5-13; लुका 7:1-10)

⁴³ दुइ दिन क बाद उ हुवाँ स गलील क चल दिहेस।⁴⁴ (यह बदे की ईसू खुदइ कहे रहा कि कउनो नबी अपनेन देस मँ कबहुँ आदर नाहीं पावत।)⁴⁵ इ तरह जब उ गलील आवा तउ गलील क रहइवाले ओकर स्वागत करेन्ह काहे बदे कि उ सब देखे रहेन्ह जउन कछू फसह क त्यौहार यरूसलेम मँ उ किहे रहा। काहेकि उ पचे सर्बाहिँ त्यौहार मँ सामिल रहेन।

⁴⁶ ईसू एक बार फिन गलील मँ काना गवा जहाँ उ पानी क दाखरस बनाइ दिहे रहा। अब की दाई कफ़रनहूम मँ एक तु राजकर्मचारी रहा जेकर बेटवा बीमार रहा।⁴⁷ जब राजकर्मचारी सुनेस कि यहूदिया स ईसू गलील आवा अहइ तउ उ ओकरे पास आवा अउर इ विनती किहेस कि उ कफ़रनहूम जाइके ओकरे बेटवा क चंगा कइ दे। ओकर बेटवा एकदम मरइ क किनारे आइ गवा रहा।⁴⁸ ईसू ओसे कहेस, "अद्भुत कारजन अउर अचरजे कारजन क देखे बिना तू पचे बिसवास न करब्या।"

⁴⁹ राजकर्मचारी ओसे कहेस, "महासय, एकरे पहले कि मोर बेटवा मरि जाइ, तू मोरे साथ घरे चला।"

⁵⁰ ईसू जवाब दिहेस, "जा तोहार बेटवा जिअत रही।"

ईसू जउन कहे रहा, उ ओह पइ बिसवास किहेस अउर घर चला गवा।⁵¹ उ घर लौटत ही रास्ते मँ रहा कि ओकर नउकर मिल गएन अउर इ समाचार सुनाएन, "तोहार बेटवा चंगा होइ गवा।"

⁵² उ पूछेस, "ओकर हालत कब स ठीक होइ लाग ह?"

उ जवाब दिहेस, "कल दुपहरिया मँ एक बजे ओकर बुखार उतर गवा।"

⁵³ उ लरिका क बाप क इ याद आइ गवा कि इहइ ठीक समइ रहा जब ईसू ओसे कहेस, "तोहार बेटवा जिअत रही।" यह तरीके स ओकर पूरा परिवार ईसू मँ बिसवास करइ लाग।

⁵⁴ इ दूसरा अद्भुत कारज रहा जउन ईसू यहूदियन क गलील आए क बाद देखाँएस।

पोखरे प लाइलाज मरीज क ठीक होब

5 एकरे बाद ईसू यहूदियन क एक उत्सव मँ यरूसलेम गवा। यरूसलेम मँ भेड़ दरवाजा क पास एक तु पोखरा अहइ, जेहिका इब्रानी भाखा मँ 'बैतहसदा' कहा जात ह। एकरे किनारे पाँच तु बरामदा बना अहइँ।³ जउने मँ अँधा, लूला, अउर लकवा का मरीज क भीड़ पड़ी रहत ह।*
⁵ एँनही मरीजन मँ एक अइसा मरीज रहा जउन अइतीस बरिस स बीमार रहा।⁶ जब ईसू ओका हुवाँ लेटा देखेस अउर इ जानेस की उ एँतने लम्बे समइ बीमार अहइ तउ ईसू ओसे कहेस, "का तू चंगा होइ चाहत अहा?"

⁷ रोगी जवाब देहेस, "महासय, मोरे पास केहु नाहीं अहइ जउन पानी क हिलइ प मोका पोखरा मँ उतार देइ। जउ मइँ पोखरा मँ जावा चाहित ह, तउ हमेसा कउनो दूसर मनई मोसे पहिले ओहमाँ उतर जात ह।"
⁸ ईसू ओसे कहेस, "खड़ा होइ जा, आपन बिस्तरा उठावा अउर उ चलइ लाग।"
⁹ उ मनई तुरतहिँ चंगा होइ गवा। उ आपन बिस्तरा उठाएस अउर चल दिहेस।

उ दिन सबित क दिन रहा।¹⁰ इ देखके यहूदियन उ मनई जउन चंगा होइ गवा रहा स कहब सुरु किहेन, "आज सबित क दिन अहइ अउर इ हमरे नियम क खिलाफ अहइ कि तू आपन बिस्तरा उठावा।"

उ दिन सबित क दिन रहा।¹⁰ इ देखके यहूदियन उ मनई जउन चंगा होइ गवा रहा स कहब सुरु किहेन, "आज सबित क दिन अहइ अउर इ हमरे नियम क खिलाफ अहइ कि तू आपन बिस्तरा उठावा।"

पद 3 कछू यूनानी प्रतियन मँ इ भाग जोड़ा गवा अहइ: "अउ उ पचे पानी ह हलइ बरे जोहेन।" कछू पाछे क प्रतियन मँ पद 4 जोरा गवा अहइ: "कबहुँ पभू क दूत पोखरे प आबत रहा अउ पानी क हलावत रहा। सगरदूत क इ करइ क पाछे जउन पहिला मनई पोखरे मँ घुसत रहा उ बेरामी स नीक होइ जात रहा।"

¹¹इ सुनिके उ जवाब दिहसे, “जउन मोका चंगा किहे बाटइ उ मोसे कहेस, ‘आपन बिस्तर उठावा अउर चल द्या।”

¹²उ पचे ओसे पूछेन्ह, “उ कउन मनई अहइ जउन तोहसे कहेस कि आपन बिस्तरा उठावा अउर चला?”

¹³मुला उ मनई जउन चंगा होइ गवा रहा, नाहीं जानत रहा कि उ कउन अहइ, काहेकि हुवाँ बहुत भीड़ रही अउर ईसू चुपचाप हुवाँ स चला गवा।

¹⁴एँकरे बाद ईसू उ मनई क मंदिर में देखेस अउर ओसे कहेस, “देखा, अब तू नीक होइ गवा अहा, यह बदे अब तू पाप करब बन्द कइ द्या, नाहीं तउ कउनो अउर बड़ा कस्ट तोहरे ऊपर आइ सकत ह।”

¹⁵फिन उ मनई चला गवा। हुवाँ स चलिके उ यहूदियन स आइ क कहेस की ओका चंगा करइवाला ईसू रहा।

¹⁶यहूदियन ईसू क सताउब सुरु कइ दिहेन्ह, यह बदे की उ अइसे काम सबित क दिन किहे रहा। ¹⁷ईसू ओनका जवाब देत कहेस, “मोर परमपिता कबहुँ काम करब नाहीं छोट, यह बदे मई काम करित हउँ।”

¹⁸यहूदियन ओका मार डावइ क इन्तजाम करइ लागेन्ह। केवल इहइ बदे नाहीं की उ सबित क तोड़त रहा, मुला इहइ बदे की उ परमेस्सर क आपन परमपिता कहत रहा। इहइ तरीके स उ अपने क परमेस्सर क बराबर देखीवत रहा।

ईसू क साच्छी

¹⁹जवाब देत ईसू ओनसे कहेस, “मई तू सब पचन क सच्ची बात बतावत अहउँ कि पूत अपने आप कछू नाहीं कइ सकत। उ तउ केवल उहइ करत ह जउन करत अपने परमपिता क देखत ह। परमपिता जउन कछू करत ह, पूत उहइ करत ह। ²⁰परमपिता अपने पूत स परिम करत ह अउर उ सब कछू देखाइ देत ह जउन उ करत ह। ओन सब कामन स बड़ी-बड़ी बातन क उ ओका देखाई। तउ तू पचे अचरज करब्या। ²¹जइसे परमपिता मरा पूत क उठाइके ओनका नवा जीवन देत ह। वइसे ही भी उन लोगन का जीवन देत ह, जेनका चाहत ह। ²²परमपिता केहू क निआव नाहीं करत मुला उ निआव करइके अधिकार अपने पूत क दइ दिहे अहइ। ²³जेहसे कि सबहीं मनई क पूत क मान सम्मान करइ जेहसे कि परमपिता क सबहीं आदर करत हीं। जउन पूत क आदर नाहीं करत उ परमपिता उ क आदर नाहीं करत जउन ओका पठए अहइ।

²⁴मई तोहका सच-सच बतावत हउँ जउन मोर बात सुनत ह अउर ओहपइ बिसवास करत ह जउन ओका भजे अहइ, तउ उ अनन्त जीवन पावत ह। निआव क दंड ओकरे ऊपर नाहीं पड़त। उ मनई मृत्यु स जीवन में प्रवेस पाइ जात ह। ²⁵मई तू पचन क बतावत अहउँ कि उ समइ आवइवाला अहइ, हियँ तक कि आइ चुका

अहइ जबहीं कि जउन मरि चुका अहइ, परमेस्सर क पूत क बचन सुनिहइ अउर जे ओका सुनि लेहीं उ पचे जी उठिहीं। ²⁶काहेकि जेहसे परमपिता जीवन क प्रोत अहइ, वइसे अपने पूतन क जीवन क प्रोत बनाए बाटइ। ²⁷अउर उ ओका निआव क अधिकार दिहे अहइ। यह बदे कि उ मनई क पूत अहइ। ²⁸इ बात प अचरज करइ क जरूरत नाहीं अहइ कि उ समइ आवइवाला अहइ कि सब जउन अपनी अपनी कन्न में अहइ, ओकर बचन सुनिहइ ²⁹अउर बाहर आइ जइहइ। जउन मनई नीक कारज किहे अहइ उ सबइ पुनरुत्थान पाइ जइहइ। मुला जउन खराब कारज किहे अहइ ओनका पुनरुत्थान क बाद दंड दीन्ह जाई।”

ईसू क यहूदियन स कहब

³⁰मई खुदइ अपने आप स कछू नाहीं कइ सकत। मई परमेस्सर स जउन सुनित ह उहइ क आधार प निआव करित ह अउर मोर निआव ठीक अहइ काहेकि मई अपने मन स कउनो कारज नाहीं करित मुला मई ओकरी इच्छा स कारज करित ह जउन मोका पठएस।

³¹जदि मई अपनी तरफ स साच्छी देउँ तउ मोर साच्छी सच नाहीं अहइ। ³²मोर तई साच्छी देइवाला एक तु अउर अहइ। अउर मई जानित ह कि मोरी तई जउन साच्छी देत अहइ, उ सच्ची अहइ।

³³तू पचे लोगन क यहून्ना क पास पठए रहया अउर उ सच्चाई क साच्छी दिहेस। ³⁴मई मनई क साच्छी प भरोसा नाहीं करित मुला मई इ बदे कहत हउँ जइसे कि तू पचन क उद्धार होइ जाइ। ³⁵यहून्ना उ दीपक क नाई रहा जउन जलत भइ रोसनी देत ह। अउर कछू समइ तक तू पचे उ रोसनी स फायदा लेइ चाहत रहया।

³⁶मुला मोर साच्छी यहून्ना क साच्छी स बड़ी बाटइ, यह बदे की परमपिता जउन कारज पूरा करइ क बदे मोका जिम्मेवारी सौंपी अहइ, मई उहइ कारज करत अहउँ अउर मोर कीन्ह कारज अपने आपइ इ बात क साच्छी अहइ कि परमपिता मोका पठए अहइ। ³⁷जउन परमपिता मोका पठए अहइ, उ खुदइ मोर साच्छी दिहे अहइ। तू पचे ओकर कउनो बचन नाहीं सुन्या अउर न तउ ओकर रूप लखे अहा। ³⁸अउर न तउ अपने अन्दर ओकर संदेस धारन करे अहा, काहेकि तू पचे जेका परमपिता भजे अहइ, ओकरे मैं बिसवास नाहीं करत अहा। ³⁹तू पचे पवित्तर सास्तरन क धियान स पढत ह काहेकि तोहार इ विचार अहइ कि तोहका उहइ स अनन्त जीवन मिल जाई। मुला इ सब पवित्तर सास्तर मोर साच्छी देत हीं। ⁴⁰एतना होत भए भी तू पचे मोरे पास नाहीं आवा चाहत अहा।

⁴¹मई मनइयन क कीन्ह प्रसंसा प भरोसा नाहीं करित। ⁴²मुला मई जानित ह कि तोहरे भीतर परमेस्सर क परिम नाहीं अहइ। ⁴³मई अपने परमपिता क नाउँ स

आइ अहउँ तबहूँ तू पचे स्वीकार नाहीं करत अहा, अउर अगर कउनो दूसरे नाउँ स केहू आइ जाइ तउ तू ओका स्वीकार करब्या।⁴⁴ तू मोहे में बिसवास कइसे करि सकत ह, काहे बदे कि तू पचे एक दूसरे क प्रसंसा करत ह। तू पचे उ प्रसंसा कईती देखबउ नाहीं करत अहा जउन केवल परमेस्सर क तरफ स आवत अहइ।⁴⁵ तू पचे इ तनिकउ न सोचा कि मइँ तोहका परमपिता क सामने दोखी ठहराऊब। जउन तोहका पचे क दोखी ठहराई, उ मूसा होई जेकरे ऊपर तू पचे आपन आसरा लगाए अहा।⁴⁶ जउ तू सबइ मूसा में बिसवास करत्या तउ तू मोहे में बिसवास करत्या काहेकि उ मोरे बारे में लिखे अहइ।⁴⁷ जवहीं तू ओकरे लिखे में बिसवास नाहीं करत अहा, तउ तू मोरे बात में बिसवास कइसे करब्या?"

पांच हजार स जियादा मनइयन क भोजन

(मती 14:13-21; मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17)

6 ओकरे बाद ईसू गलील क झील यानी कि तिबिरियास क दूसरे पार चला गवा।² अउर ओकरे पाछे पाछे बहुत बड़ी भीड़ चल दिहेस, काहे बदे की उ सब तमाम मरीजन क नीक होत समइ तमाम अचरज भरा चीन्हन देखे रहेन्ह।³ ईसू पहाड़ प चला गवा अउर हुवाँ अपने चेलन क साथ बइठ गवा।⁴ यहूदियन क फसह क त्यौहार नजदीक रहा।

⁵ जवहीं ईसू आँख उठाइके देखेस की एक बहुत बड़ी भीड़ ओकरी तरफ चली आवत अहइ तउ उ फिलिप्पुस स पूछेस, "इ सब लोगन्ह क खइया खियावइ क बदे रोटी कहीं स खरीदी जाइ सकतह?"⁶ (ईसू इ बात ओकर परीच्छा लेइ क बदे पूछेस, उ तउ जानत रहा कि उ का करइ जात अहइ।

⁷ फिलिप्पुस जवाब दिहेस, "दुइ सौ चाँदी क सिक्कन स एतनी रोटी न मिली कि सब मनई क एक टुकड़े स तनिकउ जियादा मिल सकइ।"

⁸ ईसू क एक दूसर चेला समौन पतरस क भाई अन्द्रियास कहेस,⁹ "हियाँ एक नाह क लरिका क पास पाँच ठु जौ क रोटी अउर दुइ ठु मछरी अहई, मुला खाइवाले तउ बहुत जियादा मनई अहई ओनके लिए इ बहुत कम अहइ।"

¹⁰ ईसू जवाब दिहेस, "सब लोगन्ह क बैठावा" (उ जगह प अच्छी खासी घास रही) सब मनई हुवाँ बइठ गएन। उ सब कुल मिलाइके करीब पांच हजार मनई रहेन्ह)

¹¹ फिन ईसू रोटी लिहेस, अउर हुवाँ बइठे भए मनइयन क आवस्यकतानुसार सुक्रिया दइके रोटी परोस दिहेस। इहइ तरह जेतना उ सब जेतना चाहत रहेन, ओतनी मछलियन ओनका दइ दिहेस।

¹² जब ओनके सबके पेट भरि गएन तउ ईसू अपने चेलन स कहेस, "जउन टुकड़ा बचा अहई, ओनका

बदोरा ल्या जइसे उ बेकार बरबाद न होई।"¹³ फिन चेलन लोगन को परोसी गइ जौ क पांच रोटियन क बचे भएन टुकड़न स बारह टोकरी भरि दिहन।

¹⁴ ईसू क एतना अद्भुत कारज क देखिके सब मनइयन कहइ लागेन, "जरूर इ मनई उहइ नबी अहइ जेका इ दुनियाँ में आवइ क रहा।"

¹⁵ ईसू जब इ जानेस कि लोग आवइवाला अहई अउर ओनका लइ जाइके राजा बनावा चाहत अहई, तउ उ अकेलेन पहाड़ प चला गवा।

ईसू क पानी प चलब

(मती 14:22-27; मरकुस 6:45-52)

¹⁶ जब साँझ क बेला भइ अउर ओनके सब चेलन झील प चला गएन¹⁷ अउर एक ठु नाव प बइठके वापस झील क पार कफरनहूम क तरफ चला गएन। मजे क अँधेरा होइ ग रहा, मुला ईसू अबहीं तक लौटिके ओनके सबन क पास नाहीं आवा रहा।¹⁸ तूफानी हवा बहत रही जेकरे कारण झील में लहर खूब तेज होत रहिन्ह।¹⁹ जब उ पचे करीब पांच-छः किलोमीटर आगे चला गएन तउ देखेन कि ईसू झील प चलत अहइ अउर नाव क पास आवत रहा। इ देखिके उ पचे डेराइ गएन।²⁰ मुला ईसू ओन सबसे कहेस, "इ मई अहउँ, डेरा जिना।"²¹ फिन उ पचे ओका जल्दी स नाव प चढ़ाइ लिएन्ह अउर नाव जल्दी स हुवाँ पहुँच गइ जहाँ ओका जाइ क रहा।

ईसू क खोज

²² दूसरे दिन सब मनइयन क भीड़ जउन झील क पार बच गइ रही, इ देखेस कि हुवाँ एक ठु नाव अकेले रही अउर अपने चेलन क साथ ईसू उ नाव प नाहीं चढ़ा रहा, केवल ओकर चेलन ओह पइ चढ़ा रहेन।²³ तिबिरियास क कई ठु नाव उ जगह प आइके रुकिन जउने जगहा प उ पचे पभू क धन्यवाद दिहे क बाद रोटी खाए रहेन।²⁴ इ तरह स जब उ भीड़ देखेस कि न तउ हुवाँ ईसू अहइ अउर न तउ ओनकइ चेलन अहई, तउ उ पचे नाव प चढ़िके अउर ईसू क ढूँढत कफरनहूम क तरफ चल पड़ेन।

ईसू जीवन क रोटी

²⁵ जब उ पचे ईसू क झील क दूसरे पार पाएन तउ ओसे कहेन, "हे गुरु, तू हियाँ कब आया?"

²⁶ एकरे जवाब में ईसू ओनसे कहेस, "मईँ तोहका सच्ची बात बतावत अहउँ, तू पचे मोका इ बदे नाहीं खोजत अहा कि तू सब अद्भुत कारजन देखे अहा, मुला तू पचे इ बदे मोका ढूँढत अहा, काहेकि तू सब पेट भरिके रोटी खाए अहा।²⁷ उ खाना क बरे मेहनत न करइ चाही जउन खराब होइ जाइ मुला ओकरे बदे जतन करइ चाही जउन हमेसा उत्तम बना रहत ह अउर

अनन्त जीवन देत ह, जउन तोहका सबका मनई क पूत देई। काहेकि परमपिता परमेस्सर ओका मानके आपन मोहर ओह पड़ लगाइ दिहे अहइ।”

²⁸मनइयन ईसू स पूछेन, “परमेस्सर क कारज क बदे हम सब का करी?”

²⁹ईसू ओनका इ जवाब दिहेस, “जउन परमेस्सर चाहत ह कारज इ अहइ कि तू पचे ओह पड़ बिसवास करा जेहिका उ भेजे अहइ।”

³⁰तउ उ पचे ओसे कहेन, “फिन तू कउन स अद्भुत कारज देखौवत अहा जेहिका देखिके हम तोह पर बिसवास करी? तू कउन स कारज देखौवत अहा? ³¹हमार पूर्वजन रेगिस्तान में मन्ना * खाएन, जइसे कि पवित्र सास्तरन में लिखा बा, ‘परमेस्सर ओनका खाइ क बदे सरग स रोटी दिएह।’ *”

³²ईसू ओनसे कहेस, “मई तोहका सच बतावत अहउँ कि मूसा नाहीं, मुला मोर परमपिता तोहका सरग स सच्ची रोटी देत ह। ³³उ रोटी जउन परमेस्सर देत ह, उ सरग स उतरी अहइ, अउर इ संसार क जीवन देत ह।”

³⁴तउ उ पचे ओसे कहेन, “हे पभू, अब हम पचे क उ रोटी द्या अउर हमेसा देत रहा।”

³⁵ईसू ओनसे कहेस, “मई उ रोटी अहउँ जउन जीवन देत ह। जउन मनई मोरे पास आवत ह, उ कबहूँ भूखा नाहीं रहत अउर जउन मोरे में बिसवास करत ह, उ कबहूँ पियासा नाहीं रहत। ³⁶मई तोह सबन क पहले स बताइ चुका अहउँ कि तू मोका देख लिए अहा, तबहूँ मोहमाँ बिसवास नाहीं करत अहा। ³⁷एक एक मनई जेहिका परमपिता मोका सौपे अहइ, मोरे पास आई जउन मोरे पास आवत ह, मई ओका कबहूँ न लौटाउब। ³⁸मई सरग स अपनी मर्जी स काम करइ नाहीं आइ अहउँ, मई तउ ओकर मरजी क पूरा करइ आइ बाटेउँ, जउन मोका हिआँ भेजे अहइ। ³⁹अउर उ भेजइवाले क इच्छा इ बाटइ कि जेका जेका उ मोका सौपे अहइ, ओहमाँ स एकउ क न खोइ देउँ अउर आखिरी दिन ओनका सबका जिन्दा कइ देउँ। ⁴⁰इहइ मोरे परमपिता क इच्छा अहइ कि हर एक मनई जउन पूत क देखत ह अउर ओहमाँ बिसवास करत ह, अनन्त जीवन पाई अउर आखिरी दिन मई ओका जियाइ देइ।” ⁴¹इ सुनिके यहूदियन ईसू प बड़बड़ाये लागेन, काहेकि उ कहत रहा, “मई उ रोटी अहउँ जउन सरग स उतरी अहउँ।” ⁴²अउर उ पचे कहेन, “का इ यूसुफ क पूत ईसू न अहइ का हम एनके महतारी बाप क नाहीं जानित? फिन इ कइसे कहत बा कि ‘मई सरग स उतरा हउँ?’”

मन्ना एक प्रकार का स्वर्गिक खाना जिसे परमेस्सर मूसा क समइ यहूदियन क बनवास क दिनन में रेगिस्तान में दिहे रहा।

‘परमेस्सर ... दिएह’ भजन 78:24

⁴³एकरे जवाब में ईसू ओनसे कहेस, “एक दूसरे प वड़वड़ाब छोड़ द्या, ⁴⁴मोरे लगे तब तक कउनो नाहीं आइ सकत जब तक मोका भेजइवाला परमपिता ओका मोरे तरफ न खींचइ। मई आखिरी दिन ओका फिन जियाइ देब। ⁴⁵नबियन लिखे अहइ, ‘अउर उ सब परमेस्सर दवारा सिखावा जइहीं।’ * ⁴⁶जउन मनई परमपिता क सुनत ह, अउर ओसे सिखत ह, मोरे पास आवत ह। मुला सच-सच जेहिका परमपिता भेजे अहइ, ओका छौड़िके कउनो नाहीं लखे अहइ। ⁴⁷मई तोहसे सच-सच कहत बाटेउँ कि जउन मनई बिसवास करत ह उहइ अनन्त जीवन पावत ह। ⁴⁸मई उ रोटी अहउँ जउन जीवन देत हउँ। ⁴⁹तोहार पचे क पूर्वजन रेगिस्तान में मन्ना खाए रहेन्ह तबहूँ उ पचे मरि गएन।

⁵⁰इ उ रोटी अहइ जउन सरग स उतरत ह जउन कि मनई ओहमाँ स खात ह उ न मरी। ⁵¹जीवन क रोटी जउन सरग स उतरी अहइ, उ मई अहउँ। जउन मनई इ रोटी खाई, उ हमेसा जीवित रही अउर जउन रोटी मई दुनिया क जिन्गी क बदे देब, उ मोर माँस अहइ। इहइ स संसार जित रही।”

⁵²इ सुनिके यहूदियन आपस में झगड़ा करइ लागेन कि “कइसे इ मनई मोका पचे क आपन माँस खाइ क बदे देत ह?” ⁵³ईसू ओनसे कहेस, “मई तोहसे सच-सच कहत अहउँ, जब तक तू पचे मनई क पूत क माँस न खाब्या अउर ओकर लहू न पीब्या, तब तक तोहरे में असली जीवन नाहीं आई। ⁵⁴जउन मोर माँस खात ह अउर हमार लहू पियत ह, अनन्त जीवन उहइ पावत ह अउर आखिरी दिन ओका मई फिन जीवित करि देब। ⁵⁵काहे बदे कि मोर माँस सच खाइवाली चीज अहइ अउर मोर लहू सच-सच पियइवाली चीज अहइ। ⁵⁶जउन मोर माँस खात ह अउर मोर लहू पियत ह, उ मोरे में रहत ह अउर मई ओहमाँ समाइ जाइत हउँ। ⁵⁷इ बात बिल्कुल उहइ तरह अहइ कि जइसे जित-पिता मोका भेजे अहइ, अउर उहइ परमपिता क कारण मई जीवित अहउँ ठीक उहइ तरह जउन मनई खात रही, उ मोरे कारण जीवित रही। ⁵⁸इ उहइ रोटी अहइ जउन सरग स उतरी अहइ। इ रोटी वइसे नाहीं अहइ जइसे मोर पचे क पूर्वजन खाए रहेन। अउर बाद में उ सब मरि गएन। जउन मनई इ रोटी क खात रही, उ हमेसा जिन्दा रही।” ⁵⁹ईसू इ सब बात कफरनहूम क आराधनालय में सिच्छा देत कहे रहा।

अनन्त जीवन क उपदेस

⁶⁰जब ईसू क चेलन क इ बात पता चली तउ उ कहेन्ह, “इ सिच्छा बहुतइ कठिन अहइ, एका कउन सुनि सकत ह?”

‘अउ ... जइहीं यसा 54:13

⁶¹ईसू क खुदइ पता चलि गवा रहा कि ओनके चेलन क उपदेस क बारे में सिकायत रही। इ बदे उ ओनसे कहेस, “का इ उपदेस तोहका ठेस पहुँचावत ह? ⁶²अइसी बात अहइ कि तउ तोहका अगर मनई क पूत क जहाँ उ पहिले रहा, हुवाँ फिन लौटत देखइ क पड़इ तउ का होई? ⁶³आलिमा उहइ अहइ जउन जीवन देत ह। सररी क कउनो उपयोग नाहीं बाटइ। जउन बात मई तोहसे कहे बाटेउँ, उहइ आलिमा आहइ अउर उहइ जीवन देत ह। ⁶⁴मुला तोहरे पचे क बीच में कछू मनई अइसे अहई, जउन ओहमा बिसवास नाहीं करतें।” (ईसू तउ सुरु सुरु में इ जानत रहा कि उ पचे कउन मनई अहई, जउन बिसवास नाहीं करत अहई अउर उ मनई कउन बा जउन ओका धोखा देइ।) ⁶⁵ईसू फिन कहेस, “यही बदे मई तोहसे कहे अहउँ, ‘मोरे पास तब तक कउनो नाहीं आइ सकत जब तक कि परमपिता ओका मोरे पास आवइ क इजाजत न देइ।”

⁶⁶इहइ कारण रहा कि ईसू क ढेर चेलन लौट गएन। अउर फिन कबहुँ ओकरे पाछे नाहीं चलेन।

⁶⁷फिन ईसू अपने बारहु प्रेरितन स कहेस, “का तू पचे भी जाइ चाहत अहा?”

⁶⁸समौन पतरस जवाब दिहेस, “पभूँ हम पचे केहिके लगे जाइ? उ सबदन तउ तोहरे लगे अहई जउन अनन्त जीवन देत हीं। ⁶⁹अब हम पचे तोह पर बिसवास करित ह अउर हम जानित ह कि तू सबसे पवित्रतर अहा जेहिका परमेस्सर भेजे अहइ।”

⁷⁰ईसू ओनका इ जवाब दिहेस, “का तोहका बारहु प्रेरितन का मई नाहीं चुने अहउँ। मुला तोहरे बीच में एक तु सइतान अहइ।”

⁷¹उ समौन इस्करियोती क बेटवा यहूदा क बारे में कहत रहा, जउन ईसू का धोखा देइवाला रहा। बारह प्रेरितन में उहइ एक रहा।

ईसू अउर ओकर भाइयन

7 ओकरे बाद ईसू गलील चला गवा। उसने यहूदिया में जात्रा न करइ का निश्चय किहेस। काहेकि यहूदी ओका मारि डावा चाहत रहेन। ²यहूदियन क कुटीर क त्यूहार * आवइवाला रहा। ³इ बदे ईसू क भाइयन ओसे कहेन, “तोहका इ जगहा छोड़िके यहूदिया चला जाइ चाही। जइसे कि तोहार चेलन तोहार अद्भुत कारजन देख पावई। ⁴कउनो मनई जउन सब मनइयन क बीच में मसहूर होइ चाहत ह, आपन कारज छिपाइ क नाहीं करत। तू तउ अद्भुत कारजन करत ह, इ बदे समूचे

संसार में अपुना क परगट करा।” ⁵(ईसू क भाइयन ओहमाँ बिसवास नाहीं करत रहेन।) ⁶ईसू ओनसे कहेस, “मोरे बदे अबहीं तक नीक समइ नाहीं आवा बाटइ। मुला तोहरे बदे सबइ समइ नीक अहइ। ⁷इ दुनिया तोहसे धिना नाहीं कइ सकत मोसे तउ धिना करत ह। मोसे धिना करइ क कारण इ बाटइ कि मई सब क कहत फिरत हउँ, कि तोहार इ कारज बुरा अहइ, ⁸इ त्यूहार मैं तू पचे जा मई एहि बार न जाब, मोर नीक समइ अबहीं नाहीं आइ बाटइ।” ⁹इ कहिके ईसू गलील में रुक गवा।

¹⁰तब ओकर सब भाई त्यूहार मैं चला गएन तब उहउ चला गवा। उ खुलेआम नाहीं गवा मुला छुप छुपके उहइ हुवाँ पहुँच गवा। ¹¹यहूदी ओका त्यूहार मैं खोजत फिरत रहेन, “उ मनई कहाँ अहइ?”

¹²ईसू क बारे में उ भीड़ मैं छिप छिप क तरह तरह क बातन होत रहिन। कछू मनई कहत रहेन, “उ नीक मनई बाटइ” मुला दूसर कछू मनई कहत रहेन, “नाहीं, उ तउ सबका भटकवत अहइ।” ¹³ओकरे बारे में कउनो भी खुलके नाहीं बतियात रहा, काहेकि उ पचे यहूदी क नेता स डेरत रहेन।

यूरुसलेम में ईसू क उपदेस

¹⁴जब उ त्यूहार करीब करीब आधा बीत गवा तब ईसू मंदिर मैं गवा अउर उपदेस देब सुरु कइ दिहेस। ¹⁵यहूदी क नेता क बहुत अचरज भवा अउर उ पचे कहेन, “इ मनई आज तक कउनो पाठसाला मैं पढ़इ क बरे नाहीं गवा, इ कइसे एँतनी गियान क बात करत बाटइ?”

¹⁶एकरे जवाब मैं ईसू ओनसे कहेस, “जउन सिच्छा देत अहउँ, उ मोर आपन नाहीं अहइ, इ हुवाँ स आवत अहइ, जउन मोका भेजेस ह। ¹⁷अगर मनई उ करा चाहत ह, जउन परमेस्सर क इच्छा अहइ तउ उ जान जाइ कि जउन सिच्छा मई देत अहउँ, उ ओकर अहइ या मई अपनी ओर स देत अहउँ ¹⁸जउन अपनी ओर स बोलत ह, उ अपने बदे प्रसिद्धि पावा चाहत ह, मुला सच्चा उ मनई अहइ जउन खुदइ प्रसिद्धि न लईके ओका देइ क कोसिस करत ह, जउन ओका भेजे अहइ। ओहमाँ फिन कउनो तरह क खोट नाहीं रहत। ¹⁹का तू पचन क मूसा व्यवस्था क नाहीं दिहे अहइ? मुला तोहरे मैं स कउनो ओकर पालन नाहीं करत। तू मोका मार डावइ क कोसिस काहे बदे करत अहा?”

²⁰उ लोग इ जवाब दिहेन, “तोहरे ऊपर दुस्ट आलिमा चढ़ी अहइ जउन तोहका मार डावइ क कोसिस करत बाटइ।”

²¹एकरे जवाब मैं ईसू कहेस, “मई एक चमत्कार करम करेउँ अउर तू पचे चकराइ गया। ²²इहइ कारण रहा कि मूसा तू पचन क, खतना क नियम दिहे रहा (इ

कुटीर क त्यूहार इ त्यूहार हर बरिस हफला भर मनाववा जाल रहा, जब यहूदियन तम्बू में रहत भए ओन दिनन क सुमिरत रहेन जब मूसा क जमाने में ओनकइ पूर्वजन चालीस बरिस तलक रेगिस्तान में भटकत रहेन।

नियम मूसा का नहीं बरन, इ तउ तोहरे पूर्वजन स चला आवत रहा। अउर तू सबित क दिन लरिकन क खतना करत ह।²³ अगार सबित क दिन कउनो क खतना इ बदे करा जाइ कि मूसा क विधान बचा रहइ, उ टूटइ न पावइ तउ तू पचे मोरे ऊपर काहे गुस्सा करत अहा कि मई सबित क दिन एक मनई क एकदम ठीक कइ दीन्ह? ²⁴ जउन बात जइसे देखात अहइ, उहइ तरह ओहपइ निआव न करइ चाही, जउन एकदम ठीक बात होइ उहइ क आधार प निआव होय चाही।”

का ईसू ही मसीह अहइ?

²⁵ फिन यरूसलेम में रहइवाले लोगन में स कछू कहेन, “का इहइ तउ उ मनई नहीं अहइ जेहिका उ लोग मार डावा चाहत अहइ?” ²⁶ मुला देखा; उ तउ सब मनइयन क बीच में बोलत अहइ अउर कउनो ओसे कछू नहीं कहत अहइ। का इ बात नहीं होइ सकत कि यहूदी नेता क पता होइ ग होइ कि इहइ मसीह अहइ। ²⁷ खैरे हम सबका तउ पता होइ ग अहइ कि इ कहाँ स आइ बाटइ। जब असली मसीह आइ जाइ तउ कउनो न जान पाइ कि उ कहाँ स आवा।”

²⁸ ईसू जब मंदिर में उपदेस देत रहा तउ बड़े जोर स कहेस, “तू पचे मोका जानत अहा अउर इहउ जानत अहा कि मई कहाँ स आएँ। मई अपनी कइँती नहीं आइ अहउँ। मई ओकरे पास स आएँ ह जउन मोका भेजे अहइ, उहइ सच्चा अहइ, तू पचे ओका नहीं जानत अहा। ²⁹ मुला मई ओका जानत अहउँ, काहेकि मोका उहइ पउएस।”

³⁰ फिन उ पचे ओका बन्दी बनाइ क जतन करइ लागेन मुला कउनो ओह पइ हाथ नहीं डारि पाएस, यह बदे कि ओकर समइ अबहीं पूरा नहीं भवा रहा। ³¹ तमाम मनई ओकरे में बिसवास करइ लागेन अउर कहइ लागेन, “जब मसीह आई तउ उ जेतना अद्भुत कारजन इ करत बा ओसे जियादा उ थोड़ो कइ पाई। का उ अइसा करी?”

यहूदियन का ईसू क बन्दी बनावइ क कोसिस

³² फरीसियन इ सुनेन कि भीड़ में तमाम मनई चुप्पे चुप्पे ईसू क बारे में कहत रहेन्ह अउर मुख्ययाजक अउर फरीसियन मंदिर क सिपाहियन क ईसू क गिरफ्तार बरे भजेन। ³³ फिन ईसू बोला, “मई तू पचे क साथ कछू समइ तलक अउ रहब, फिन ओकरे पास वापिस लौट जाब, जउन मोका हियाँ भेजे अहइ। ³⁴ तू पचे मोका ढँढिब्या मुला ढँढि न पउब्या। यहि बदे कि तू पचे हुवाँ तलक न जाइ पउब्या जहाँ मई रहबा।”

³⁵ एकरे बाद यहूदी आपस में बतियाइ लागेन, “इ कहाँ जाइवाला अहइ, जहाँ हम पचे एँका न ढँढि पाऊब। साइत इ हुवाँ तउ नहीं जात अहइ जहाँ हमार मनइयन

यूनानी नगरन में तितर बितर होइके रहत हीं। का इ यूनानियन में उपदेस देई? ³⁶ जउन इ कहत अहइ, ‘ओकर का मतलब अहइ?’ जउन इ कहत अहइ, ‘तू मोका ढँढि न पउब्या अउर जहाँ मई रहब, हुवाँ तू पचे पहुँच नहीं सकत ह।”

ईसू पवित्तर आतिमा का उपदेस दिहेस

³⁷ त्यौहार क आखिरी अउर जरूरी दिन ईसू ठाढ़ भवा अउर ऊँची आवाज में कहेस, “अगर कउनो पियासा अहइ तउ मोरे पास आवइ अउर पियइ। ³⁸ जउन मनई मोरे में बिसवास करत ह, जइसा कि पवित्तर सास्तर में लिखा अहइ, ओकरे पवित्तर आतिमा स जीवन जल क नदियन फूट पड़िहई।” ³⁹ ईसू इ पवित्तर आतिमा क बारे में बताए रहा। जेहिका उ पचे पढ़ीं जउन ओहमा बिसवास करत हीं, उ पवित्तर आतिमा अबहीं तलक नहीं दीन्ह गइ अहइ, काहेकि ईसू अबहीं तलक महिमावान नहीं भवा अहइ।

ईसू क बारे में लोगन क बातचीत

⁴⁰ भीड़ क कछू मनई जउन इ सुनेन तउ कहइ लागेन, “इ मनई सच में नबी अहइ।”

⁴¹ कछू अउर मनई कहत रहेन, “इहइ मनई मसीह अहइ।” कछू अउर मनई कहत रहेन, “मसीह गलील स न आई। का इ होइ सकत ह? ⁴² का पवित्तर सास्तर में नहीं लिखा अहइ कि मसीह दाऊद क लरिका होई अउर बैतलहम स आई जउने सहर में दाऊद रहत रहा।” ⁴³ एह तरह स ईसू क मनइयन में सब मनइयन क बीच में फूट पड़ि गइ। ⁴⁴ कछू लोग ओका बन्दी बनावा चाहत रहेन मुला कउनो ओकरे प हाथ नहीं डापस।

यहूदी नेतन क अबिसवास

⁴⁵ इ बदे मंदिर क सिपाही मुख्ययाजक अउर फरीसियन क पास लौट आएन। एहि पइ ओनसे पूछा गवा, “तू ओका पकरिके काहे नहीं लाया?”

⁴⁶ सिपाहियन क जवाब रहा, “कउनो मनई आज तक अइसे नहीं बोला, जइसे उ बोलत ह।”

⁴⁷ एहि पइ फरीसियन ओनसे कहेन, “का तू पचे भरमाइ ग अहा? ⁴⁸ कउनो यहूदी नेता या फरीसियन ओकरे में कबहुँ बिसवास नहीं करे अहइ।” ⁴⁹ मुला जउन मनइयन क व्यवस्था क जानकारी नहीं अहइ, परमेस्सर ओनका सराप देत ह।”

⁵⁰ नीकुदेमुस ओनसे कहेस इ उहइ रहा जउन पहिले ईसू क पास गवा रहा, इ ओन फरीसियन में स एक तु अहइ,

⁵¹ “हमार व्यवस्था क तब तलक कउनो क दोखी नहीं ठहरावत जब तलक ओका सुनि नहीं लेत अउर इ पता नहीं लगाइ लेत कि उ कउन करम करे अहइ।”

⁵²एकरे जवाब में उ पचे ओसे कहेन, “का तू भी गलील क अहया? सास्तर क पदे से पता चलत ह कि गलील स कउनो नबी कबहूँ नार्हीं आई!”

[कछू यूनानी प्रतिथियन में यूहन्ना 7:53-8:11 पद नार्हीं अहई।]

दुराचारी स्त्री क छमा

⁵³फिन उ पचे हुवाँ स अपने घर चला गएन।

8 अउर ईसू जैतन पर्वत प चला गवा। ¹एकदम सबेरे उ फिन मंदिर में गवा। सब मनई ओकरे पास आएन। ईसू बइठके ओनका सबेहका उपदेस देइ लाग। ²तबहीं धरम सास्तरि अउर फरीसी लोग व्यभिचार क अपराध में एक टु स्त्री क पकरि लइ आएन। अउर ओका सबके सामने ठाढ़ करि दिहेन।

⁴अउर ईसू स कहेन, “हे गुरु, इ स्त्री व्यभिचार करत रंगे हाथ पकड़ी गइ अहइ। ⁵मुसा क व्यवस्था हमका पचेन्ह क आदेस देत ह कि अइसी स्त्री क पाथर मारइ चाही। अब बतावा तोहार का कहब अहइ?”

⁶ईसू क अजमावइ क बदे उ सबेह पछत रहेन्ह जइसे कि ओनका सबका ओकरे खिलाफ कउनो अभियोग लगावा जाइ सकइ। मुला ईसू नीचे झुका अउर अपनी अंगुरी स जमीन प लिखइ लाग। ⁷यहूदी नेता पछत जात रहेन्ह, इ बदे ईसू सोझ सोझ तनि क ठाढ़ि होइ गवा अउर ओनसे कहेस, “तोहरे सब में स जउन मनई पापी न होइ, सबसे पहिले उहइ इ स्त्री क पाथर मारइ।” ⁸अउर फिन उ झुक कर जमीन प लिखइ लाग।

⁹जब सब मनई इ सुनेन्ह तउ सबसे पहिले बुढ़वा मनइयन अउर फिन एक एक कइके हुवाँ स खिसकइ लागेन अउर हुवाँ अकेले ईसू बचा रहा। ईसू क सामने उ स्त्री अबहीं तलक ठाढ़ि रही। ¹⁰ईसू खड़ा भवा अउर उ स्त्री स कहेस, “ऐ स्त्री, उ पचे कहाँ चला गएन। का तोका कउनो देखी नार्हीं ठहराएस?”

¹¹उ स्त्री बोली, “नार्हीं, महासय! कउनो नार्हीं।”

ईसू कहेस, “मई भी तोहका दण्ड न देवा जा अउर अब फिन कबहूँ पाप न करिउ।”

दुनिया क ज्योति ईसू

¹²फिन हुवाँ मौजूद मनइयन स ईसू कहेस, “मई दुनिया क ज्योति अहउँ, जउन मोरे पाछे चलत ह, उ कबहूँ अंधेरे में नार्हीं रहत। ओका तउ उ ज्योति मिली जउन जीवन देत ह।”

¹³इ सुनिके फरीसियन ओनसे कहेन, “तू आपन साच्छी खुदइ देत अहा, ई बदे तोहार साच्छी न मानी जाई।”

¹⁴एकरे जवाब में ईसू ओनसे कहेस, “जदि मई आपन साच्छी अपनी कईती स आप देत अहउँ, तबहूँ मोर साच्छी सही अहइ, काहेकि मई इ जाना चाहित ह, कि मई कहाँ स आवा अहउँ अउर कहाँ जात अहउँ।

मुला तू पचे इ नार्हीं जानत अहा कि मई कहाँ स आवा अहउँ अउर कहाँ जात अहउँ। ¹⁵तू पचे मनइयन क बनाए नेमन प निआव करत ह, मई कउनो क निआव नार्हीं करत अहउँ। ¹⁶जदि मई निआव करी तउ मोर निआव उचित होइ। काहेकि मई अकेले नार्हीं अहउँ बल्कि परमपिता जउन मोका हियाँ भेजे अहइ, दुइनउँ मिलके निआव करित ह। ¹⁷तोहरे व्यवस्था में लिखा अहइ कि दुइ मनइयन क साच्छी सच्ची होत ह। ¹⁸मई आपन साच्छी खुदइ देत अहउँ अउ परमपिता, जउन मोका भेजे अहइ, मोरी ओर स साच्छी देत ह।”

¹⁹इ सुनिके उ सब मनइयन ओसे कहेन, “तोहार परमपिता कहाँ अहइ?” ईसू जवाब दिहेस, “न तउ तू पचे मोका जानत अहा अउर न तउ मोरे परमपिता का। जदि तू मोका जानत होत्या, तउ मोरे परमपिता क जानि लेत्या।” ²⁰मंदिर में उपदेस देत भए जउन मनई भेंट पात्रन क पास रहेन, ओनसे इ बात ईसू कहेस। मुला कउनो ओका बन्दी नार्हीं बनाएस, काहेकि ओकर समइ अबहीं नार्हीं आवा रहा।

यहूदियन क ईसू क बारे में अगियान

²¹ईसू ओसे एक बार फिन कहेस, “मई चला जाब अउर तू पचे मोका खोजब्या। मुला तू पचे अपने पापन क कारण मरि जाब्या। जहाँ मई जात अही तू पचे हुवाँ नार्हीं आइ सकत ह।”

²²फिन यहूदी कहइ लागेन, “का तू इ सोचत अहा कि उ खुदकुसी करइवाला अहइ? काहेकि उ कहेस, ‘तू पचे हुवाँ नार्हीं आइ सकत ह जहाँ मई जात अहउँ।’”

²³इ सुनिके ईसू ओनसे कहेस, “तू पचे नीचे क अहया अउ मई ऊपर स आइ बाटेउँ, तू पचे संसारिक अहा अउर मई इ दुनिया क न अहउँ। ²⁴इ बदे मई तू सबन स कहत हउँ तू पचे अपने पाप में मरि जाब्या। जउ तू बिसवास नार्हीं करत अहा कि उ मई अहउँ। तउ तू अपने पाप में मरि जाब्या।”

²⁵उ पचे ईसू स फिन पूछेन, “तू कउन अहया?”

ईसू ओनका जवाब दिहेस, “मई उहइ अहउँ, जइसे कि सुरुआत में मई तोहका बताए रहेउँ। ²⁶तू पचेन्क बतावइ क बदे अउर तू पचन क निआव करइ क मोरे पास बहुत कछू अहइ। मुला सच्ची बात इ अहइ कि सत्य उहइ अहइ जउन मोका भेजेस। मई उहइ बतावत अही जउन मई ओसे सुने अहउँ।”

²⁷उ पचे इ नार्हीं जान पाएन्ह कि ईसू ओनका परमपिता क बाबत बतावत अहइ। ²⁸फिन ईसू ओसे कहेस, “जब तू मनई क पूत क ऊँचा उठाया लेब्या तू

जान लेब्या कि उ मई अहउँ। मई अपनी ओर स कछू नार्ही करत अहउँ। मई जउन करत अहउँ, इ उहइ अहइ जउन मोका परमपिता सिखाए अहइ।²⁹ अउर उ जउन मोका इहाँ भेजेस, उ मोरे साथ अहइ। उ कबहूँ मोका अकेले नार्ही छोड़ेस, इ बदे कि मई उहइ कारज करित ह जइसा उ चाहत ह।”³⁰ ईसू जब इ बात बातवत रहा, तउ बहुत मनई ओकर बिसवासी होइ गएन।

पाप स छुटकारा पावइ क उपदेस

³¹ईसू ओन यदूदियन क बतावइ लाग, जउन ओहमाँ बिसवास करत रहेन, “जब तू पचे मोरे उपदेस प चलब्या तउ तू मोर सच्चा चेलन बन जाब्या।³² अउर सच्चाई क जान लेब्या। अउर सच्चाई तोहका मुक्ति दइ देइ।”

³³इ सुनिके उ सबेन्ह ईसू स पूछेन, “हम सब इब्राहीम क खानदान क अही अउर हम सबे आज तक केहू क गुलामी नार्ही कीन्ह। फिन तू कइसे कहत अहा कि तू पचे छुटकारा पाइ जाब्या?”

³⁴ईसू ओनका इ जवाब दिहेस, “मई तोहसे सच्चाई का बखान करत अहउँ। जउन मनई पाप करत रहत ह, पाप क दास अहइ।³⁵ अउर कउनो दास परिवार के साथे नार्ही रहि सकत। केवल पूत हमेसा परिवार क साथे रहत ह।³⁶ इ बदे अगर पूत तोह सबन क छुटकारा देइ सकत ह, तउ तू पचे जरूर छुटकारा पाय जाब्या। मई जानत अहउँ तू इब्राहीम क खानदान क अह्या।³⁷ मुला तू पचे मोका मारि डावइ क कोसिस करत अहा। काहेकि तू पचे मोर उपदेस नार्ही मनत्या।³⁸ मई उहइ बतावत अहउँ, जउन मोर परमपिता मोका देखोएस अउर तू उहइ करत अहा जउन तोहार पिता तोहका करइ क बताएस ह।”

³⁹इ सुनिके उ पचे ईसू का जवाब दिहेन, “हमरे पिता इब्राहीम अहीं।”

ईसू कहेस, “जउ तू इब्राहीम क सन्तान होत्या, तउ तू उहइ कारज करत्या जउन कारज इब्राहीम करत रहा।⁴⁰ मुला तू पचे तउ मोर जइसे मनई का जउन परमेस्सर स सुनि सच्चाई का बतावत अहइ मारि डावा चाहत अहा। इब्राहीम तउ अइसा कबहूँ नार्ही किहेस।⁴¹ तू पचे अपने पिता क काम करत अहा।”

फिन उ सबेन्ह ईसू स कहेन, “हम सबन उ सबइ गदेलन क तरह नार्ही जउन आपन बाप क नार्ही जानत अहइ। हमार केवल एक पिता अहइ, उ अहइ परमेस्सर।”

⁴²ईसू ओनका जवाब दिहेस, “जब परमेस्सर तोहार पिता होतइ तउ तू पचे मोका पियार करत्या, काहेकि मई ही परमेस्सर क पास स आइ अहउँ। अउर अबहीं मई हियाँ अहउँ। मई अपने आप हियाँ नार्ही आइ बाटी, मोका परमेस्सर भेजेस।⁴³ जउन कछू मई बतावत अहउँ ओका तू सबेन्ह काहे नार्ही समझत अहा? एकर कारण इ अहइ कि तू मोर उपदेस नार्ही स्वीकार करत अहा।

⁴⁴ तू सबेन्ह अपने पिता सइतान क संतान अह्या अउर तू सबेन्ह अपने पिता क इच्छा प चलइ चाहत अहा। उ सुरुआतइ स एक हत्यारा रहा अउर सच्चाई क तरफदारी कबहूँ नार्ही करेस। काहेकि ओहमाँ सच्चाई क कउनो हिस्सा नार्ही रहा। जब उ झूठ बोलत ह तउ बड़ी सच्चाई स झूठ बोलत ह, काहेकि उ झूठा अहइ अउर तमाम झूठ क पइदा करत ह।⁴⁵ मुला मई सच्ची बात कहत अहा, तू सबेन्ह इ बदे मोहमाँ बिसवास नार्ही करत अहउँ।⁴⁶ तोहरे में स कउन अइसा मनई अहइ जउन मोरे ऊपर लगावा पाप सिद्ध कइ सकत ह। जदि मई सत्य कहत अहउँ तउ तू मोर बिसवास काहे बदे नार्ही करत अहा?⁴⁷ जउन मनई परमेस्सर क अहइ, परमेस्सर क बात क सुनत ह। तू सबेन्ह मोर बात नार्ही सुनत अहा, इ बदे कि तू सबेन्ह परमेस्सर क नार्ही अह्या।”

ईसू अपने बाबत अउर इब्राहीम क बाबत बताएस

⁴⁸ईसू क बात क जवाब में यहूदियन ईसू स कहेन, “का हमार सबेन्ह क इ बात सच्ची न अहइ कि तू सामरी अह्या अउर तोहरे ऊपर कउनो दुस्ट आतिमा सवार अहइ?”

⁴⁹ईसू जवाब दिहेस, “मोरे ऊपर कउनो दुस्ट आतिमा सवार नार्ही अहइ। मई तउ अपने परमपिता क आदर करित ह, मुला तू पचे मोर अपमान करत अहा।⁵⁰ मई आपन महिमा नार्ही चाहत अहउँ मुला एक ठु अइसा अहइ जउन मोर महिमा चाहत ह अउर निआव करत ह।⁵¹ मई तोहका सच्ची बात कहत अहउँ कि जउन मनई मोरे उपदेस क अनुसरण करी उ मउत क कबहूँ न देखी।”

⁵²इ सुनिके यहूदियन ओसे कहेन, “अब हम पचे जानि गए कि तोहरे अन्दर कउनो दुस्ट आतिमा समाइ गइ अहइ। हियाँ तक कि इब्राहीम अउर नबी दुइनउँ मरि गएन मुला तू कहत अहा कि जउन मनई तोहार उपदेस प चली ओकर कबहूँ मउत न होई।⁵³ एहमाँ कउनो सक नार्ही अहइ कि तू मोरे पिता इब्राहीम स बड़ा नार्ही अहा जउन कि मर गवा। अउ नबियन क मउत होइ गइ। मुला तू पता नार्ही का सोचत अहा? तू अह्या के?”

⁵⁴ईसू जवाब दिहेस, “जदि मई अपनी महिमा क बखान करी, तउ क मोर महिमा कछू न अहइ। जउन मोका महिमा देत ह, उ मोर परमपिता अहइ। जेकरे बारे में तू दावा करत अहा कि उ तोहार परमेस्सर अहइ।⁵⁵ तू पचे ओका नार्ही जनत्या। मुला मई ओका जानत अहउँ जउ मई कहउँ कि मई भी ओका नार्ही जानत अहउँ तउ तोहरे सबेन्ह क तरह मई भी झूठा होइ जाब। मई ओका अच्छी तरह स जानित ही अउर जउन उ कहत ह ओका पालन करित ही।⁵⁶ तोहार पिता इब्राहीम इ जानिके कि उ अइसा दिन देखी जब मई आउब, तउ

उ आनन्द स भरि गवा रहा। उ एका देखेस अउर बहुत खुस भवा।”

⁵⁷फिन यहूदियन ओसे कहेन, “तू अबहीं पचासउ साल क नाही अहा अउर तू इब्राहीम क कइसे देख लिहा।”

⁵⁸ईसू एकरे जवाब मँ कहेस, “मई तोहका सत्य बतावत अहउँ कि इब्राहीम स पहले भी रह्यौ, मई अहउँ।”
⁵⁹इ सुनिके उ सबेन्ह ईसू क मारइ क बदे बड़ा बड़ा पाथर उठाइ लिहन मुला ईसू लुकत छिपत मंदिर स चला गवा।

पैदाइसी आँधर क आँखी देब

9 जउ उ सबेन्ह जात रहेन तउ उ एक ठु पैदाइसी आँधर मनई क देखेस। ²इ देखिके ईसू क चलन ओसे पूछेन, “गुरु, इ मनई आँधर पैदा भवा ह मुला केकरे पाप क कारण उ आँधर भवा ह अपने पाप या अपने महतारी बाप क?”

³ईसू जवाब दिहिस, “न तउ इ कउनो पाप करे अहइ अउर न एकर महतारी बाप कउनो पाप करे अहइँ। इ यह बदे आँधर पैदा भवा अहइ जइसे कि एँका नीक कइके परमेस्सर क ताकत देखाई जा सकइ। ⁴ओकर काम जउन मोका भेजे अहइ, दिन रहतइ कइ लेइ चाही, यह बदे की जउ रात होइ जाइ तउ कउनो काम नाही होइ पावत। ⁵जब तलक मई इ दुनियाँ मँ अहउँ तब तलक मई दुनिया क ज्योति अहइँ।”

⁶एँतना कहिके ईसू जमीन प थूकेस अउर ओसे थोरि क माटी सानेस ओका आँधर मनई क आँखी प मल दिहिस।

⁷अउर ओसे कहेस, “जा अउर सीलोह क पोखरा मँ धोइ आवा।” (सीलोह क मतलब अहइ “भेजा भवा।”) अउर फिन उ आँधर जाइके आपन आँखी धोइ आवा। जब उ लौटा तउ ओका देखेई देइ लाग।”

⁸फिन ओकर पड़ोसी अउर उ लोग जउन ओका भीख माँगत देखत रहेन, कहेन, “का इ उहइ मनई अहइ जउन बड़ठे-बड़ठे भीख माँगत रहा?”

⁹कछू लोग कहेन, “इ उहइ अहइ।” दूसर लोग कहेन, “नाहीं, इ उ मनई न अहइ, उहइ क तरह देखौत अहइ।”

इ सुनिके आँधर मनई कहेस, “मई उहइ अहउँ।”

¹⁰इ देखिके उ सबेन्ह ओसे पूछेन, “तोहका आँखी क प्रकास कइसन मिली?”

¹¹उ जवाब दिहिस, “ईसू नाउँ क एक मनई माटी सानके मोरी आँखी प मलेस अउ मोसे कहेस, जा अउर सीलोह मँ धोइ आवा अउर मई जाइके धोइ आएँ। मोका उहइ वजह स आँखन क प्रकास मिल गवा।”

¹²फिन उ सबेन्ह ओसे पूछेन, “उ कहाँ अहइ?”

उ जवाब दिहिस, “मोका पता नाही अहइ।”

आँखी क दान क बावत फरीसियन मँ आपसी झगड़ा

¹³उ मनई जउन पहिले आँधर रहा, उ सबेन्ह ओका फरीसियन क पास लइ गएन। ¹⁴जउने दिन ईसू माटी सानके आँधरे क आँखी क प्रकास दिहे रहा, उ सबित क दिन रहा। ¹⁵एँह तरह फरीसियन ओसे एक बार फिन पूछइ लागेन, “उ अपने आँखिन क प्रकास कइसे पाएस?”

उ बताएस, “उ मोरी आँखी प गीली माटी लेपेस अउर मोसे कहेस, ‘जा धोइ ल्या’, मई धोइ लीन्ह अउर अब देख सकित हउँ।”

¹⁶कछू फरीसी कइह लागेन, “इ मनई परमेस्सर क तरफ स न अहइ, यह बदे कि इ सबित क पालन नाही करता।”

एका सुनि के दूसर मनई बोलेन, “कउनो पापी मनई भला एँतना अदभुत कारजन कइसे कइ सकत ह?” इ तरह स ओनके बीच मँ आपस मँ मतभेद होइ लाग।

¹⁷फिन यहूदी नेतन उ आँधर मनई स बोलेन, “ओकरे बावत तू का कहत अहा? यह बदे कि तू जानत अहा कि उ तोका आँखी दिहे अहइ।”

तब उ कहेस, “उ नबी अहइ।”

¹⁸यहूदी नेतन ओह समइ तक ओकरे ऊपर बिसवास नाही करत रहेन, कि उ मनई आँधर रहा अउर ओकरे आँखिन का प्रकास मिल गवा। जब तक ओकरे महतारी बाप क बोलाइके ¹⁹उ पचे इ नाही पूछ लिहेन कि, “का इ तोहार बेटवा अहइ जेकरे बारे मँ तू कहत अहा कि वह आँधर रहा। फिन इ कइसे होइ सकत ह कि अब उ देख सकत ह?” ²⁰इ सुनिके ओकर महतारी बाप जवाब देत कहेन, “हम जानित ह कि हमार बेटवा अहइ अउर हमार बेटवा पैदाइसी आँधर रहा। ²¹मुला हम इ नाही जानित कि अब उ कइसे देख सकत ह? अउर न तउ हम इ जानित थी कि एका आँखिन मँ प्रकास के दिहिस। अब इहइ स पूछा, इ काफी बड़ा होइ गवा अहइ। अपने बावत इ खुदइ बताय सकत ह।” ²²ओकर महतारी बाप इ बात इ बदे कहे रहेन कि उ यहूदी नेतन स डेरात रहेन। काहेकि उ पहिले स निस्चय कइ चुका रहेन कि जउन मनई ईसू क मसीह मानी तउ ओका आराधनालय स निकार दीन्ह जाई। ²³इ बदे ओकर महतारी बाप कहेन, “उ काफी बड़ा होइ गवा अहइ, उहइ स पूछा।”

²⁴यहूदी नेतन उ मनई क जउन आँधर रहा दूसरी बार बोलाएन, अउर कहेन, “सही सही बोल, अउर जउन तू नीक होइ ग अहा ओकर महिमा परमेस्सर क द्या। हमका पता अहइ कि इ मनई पापी अहइ।”

²⁵इ सुनिके उ जवाब दिहिस, “मई इ नहीं जानित कि उ पापी अहइ कि नाही, मई तउ इहइ जानित ह कि मई आँधर रहेँ अउर अब मई देख सकित ह।”

²⁶इ सुनिके उ सबइ ओसे पूछेन, “उ तोहका का किहेस? उ तोहका कइसे आँखी दिहेस?”

27 उ मनई ओन सबेन्ह का जवाब दिहिस, “मई तउ तोहका बताय चुका अहउँ मुला तू मोर बात सुनतइ नाही अहा। तू फिन स काहे उहइ बात सुना चाहत अहा? का तू ओकर चेलन बना चाहत अहा?”

28 उहइ बात प उ पचे ओकर बेइज्जती करेन अउर कहेन, “तू ओकर चेला अहा अउर हम सबेन्ह मूसा क चेलन अही। 29 हम सब जानित ही कि परमेस्सर मूसा स बतियात रहा, मुला हम सबेन्ह इ नाही जानित कि इ मनई कहाँ स आइ बाटइ?”

30 एकर जवाब देत उ मनई ओनसे कहेस, “बड़ी अचरज की बात अहइ कि तू सबेन्ह इ नाही जानत अहा कि उ कहाँ स आइ बाटइ? मुला मोका आँखिन क प्रकास उहइ दिहिस। 31 हम पचे जानित ह कि परमेस्सर पापियन क नाही सुनत, उ तउ ओनकइ सुनत ह जउन समर्पित अहइ अउर उहइ परमेस्सर क जउन इच्छा रहत ह, उहइ करत ह। 32 आज तलक इ कबहूँ सुना नाही ग रहा कि कउनो आँधरे मनई क केहूँ आँखी क प्रकास दिहे रहा होइ। 33 जब इ मनई परमेस्सर क तरफ स नाही आइ अहइ तउ उ इ सब कछू नाही कइ सकत।”

34 एकरे जवाब मँ उ सबइ कहेन, “तू हमेसा स पापी रहया, जब स तोहार जनम भवा। अउर आज तू हम सबका सिखावइ चला अहा?” इ कहिके यहूदी नेतन ओका धकियाइके बाहेर निकार दिहेन।

आतिमा क आँधर होब

35 ईसू इ सुनेस कि यहूदी नेतन ओका धकियाइ के बाहर निकार दिहेन तउ ओसे मिलके उ कहेस, “का तू मनई क पूत मँ बिसवास करत ह?”

36 एकरे जवाब मँ उ मनई बोला, “हे पभूँ, इ बतावा कि मनई क पूत कउन अहइ? इ बदे कि मई ओकरे मँ बिसवास करइ लागउँ।”

37 ईसू ओसे कहेस, “तू ओका देख चुका अहा अउर उ उहइ मनई अहइ जेसे तू इ समइ बतियात अहा।”

38 फिन उ कहेस, “पभूँ, मई बिसवास करित हउँ।” अउर उ फिन ओकरे सामने ओनके गोड़वा पर गिर गवा।

39 ईसू कहेस, “मई इ दुनिया मँ निआव करइ क बदे आइ अहउँ, जइसे कि जउन देखि नहीं सकत अहउँ, उ देखइ लागइ अउर जउन देखत अहउँ, उ सबइ आँधर होइ जाई।”

40 कछू फरीसी जउन ईसू क साथे रहेन, इ सुनिके ईसू स कहेन, “हम सब जरूर आँधर नाही अही। का हम पचे आँधर अही?”

41 ईसू ओनसे कहेस, “जदि तू आँधर होत्या तउ तू पापी न होत्या मुला जइसे तू सबेन्ह कहत अहा कि देखी सकत अहा, इ बदे तू सबेन्ह जरूर पापी अहा।”

चरवाहा अउर ओकर भेड़ी

10 ईसू कहेस “मई तोहसे सच्ची बात बतावत अहउँ कि जउन मनई भेड़िन क बाड़े मँ दरवाजा स न घुसिके कउनो अउर रस्ते स घुसत ह तउ, उ चोर अहइ, लुटेरा अहइ। 2 मुला जउन मनई दरवाजे स घुसत ह, उ भेड़िन क चरवाहा अहइ। 3 दरवाजे क रखवाला ओकरे बदे दरवाजा खोल देत ह, अउर भेड़िन क ओकर आवाज सुनात ह। अपनी भेड़िन क नाउँ लेइ लेइ पुकारत ह अउर ओनका बाड़े स बाहर निकारत ह। 4 जब उ आपन सब भेड़ निकार लेत ह तउ ओनके आगे-आगे चलत ह अउर भेड़िन सब ओका पिछुआय लेति हीं, काहेकि ओकर आवाज पहिचानात हीं। 5 भेड़ कबहूँ कउनो अजनबी मनई क नाहीं पिछुआय लेतिन। ओसे उ दूर भागत हीं, काहेकि उ अजनबी क आवाज नाहीं पहिचनतिन।” 6 ईसू नजीर दइके ओनका सबका समझावा चाहत रहा, मुला ओन सबकी समझ मँ इ बात नाही आइ कि ईसू ओनका का बतावत अहइ।

ईसू नीक चरवाहा

7 तब ईसू ओनसे फिन कहेस, “मई तोहका सच्ची सच्ची बात बतावत अहउँ, कि भेड़िन क बदे दरवाजा मई अहउँ। 8 उ सबेन्ह जउन मोसे पहिले आइ रहेन, चोर अउर लुटेरा अहउँ। मुला भेड़िन ओनके बात नाहीं सुनिन। 9 मई दरवाजा अहउँ। जदि कउनो मोसे होइके भीतर घुसइ चाहत ह, तउ ओकर बचाव होई, उ अन्दर जाइ सकत ह अउर बाहर जाइ सकत ह अउर ओका चारगाह मिल जाई। 10 चोर केवल चोरी करइ क बदे, कतल करइ क बदे अउर सत्यानास करइ क बदे आवत ह। मुला मई इ बदे आइ अहउँ कि सब मनई भरपूर जिन्गी पाइ सकइ। 11 मई अच्छा चरवाहा अहउँ। नीक चरवाहा भेड़िन क बदे आपन जान तक देइ देत ह। 12 मुला जउन केराए क मजदूर होत ह, उ चरवाहा न होइ क कारण, भेड़िया क आवत देखिके भेड़िन क छाँड़िके भाग जात ह, काहेकि उ भेड़ ओकर तउ रहत नाहीं। भेड़िया ओनके ऊपर हमला कइके ओनका छितराय देत ह 13 इ बदे भाग जात ह, काहेकि उ रोजमर्रा की मजूरी पर काम करत ह अउर ओका भेड़िन क ज्ञान क कउनो परवाह नाहीं रहत।

14-15 “मई नीक चरवाहा अहउँ। आपन भेड़िन क मई जानित ह अउर मोर भेड़िन मोका वइसे जानत हीं, जइसे परमपिता मोका जानत ह अउ मई परमपिता क जानित ह। अपनी भेड़िन क बदे मई आपन जान दइ देइत ह। 16 मोर अउर भेड़िन अहउँ जउन इ बाड़ा क न अहीं। मोका ओनहूँ क लियावइ क अहइ। ओनहूँ मोर आवाज सुनिहइ अउर इही बाड़ा मँ आइके एकट्ठी होइ जइहीं। फिन एक भेड़िन क समूह क एक चरवाहा रही। 17 परमपिता मोसे हइइ बदे पिरेम करत ह। काहेकि मई

आपन जान दइ देइत ह। मई आपन जिनगी इ बदे दइ देइत ह जइसे मई एका फिन पाइ जाई। कउनो हमसे एँका लइ नाहीं लेता।¹⁸मई खुदइ अपनी इच्छा स एँका दइ देइत ह। मोका एँका फिन वापस लेइ क अधिकार भी अहइ। इ आदेस मोका परमपिता स मिला अहइ।”

¹⁹इ सब्द सुनिके यहूदियन में फिन स फूट पैदा होइ गइ।²⁰बहुत इ कहइ लागिन, “इ तउ पगलाइ गवा अहइ। एकरे ऊपर कउनो बुरी दुस्त आतिमा सवार अहइ। तू सबेन्ह काहे बदे एका सुनत अहा।”

²¹दूसर कछू मनई कहइ लागिन, “इ सब्द अइसे मनई क नाहीं होइ सकत जेकरे ऊपर दुस्त आतिमा सवार होइ। कउनो दुस्त आतिमा कबहूँ कउनो आँधर क आँखी नाहीं दइ सकत।”

यहूदियन ईसू क विरोध करत हीं

²²फिन यरूसलेम में समर्पण क त्यौहार* आइ गवा। जाड़ा का दिन रहा।²³ईसू मंदिर में सुलैमान क दलान में ठहरत रहा।²⁴उहइ समइ यहूदियन ओका घेर लिहेन अउर कहेन, “तू हमका सबेन्ह का कब तलक परेसान करत रहब्या? जदि तू मसीह अहया तउ साफ साफ बतावा।”

²⁵ईसू जवाब दिहेस, “मई तोहका बताइ चुका अहउँ अउर तू बिसवास नाहीं करत अहा। उ सबइ काम जउन मई पिता क नाउँ प करत अहउँ, खुदइ मोर साच्छी अहई।²⁶मुला तू सबेन्ह बिसवास नाहीं करत अहा, काहेकि तू पचे मोरी भेड़िन में स न अहया।²⁷मोर भेड़ मोर आवाज पहिचानत हीं अउर मई ओनका जानित अहउँ। उ सबइ मोरे पीछे पीछे चलत हीं अउर मई ओनका पहिचानित ह।²⁸उ सबइ मोरे पीछे पीछे चलत थीं अउर मई ओनका अनन्त जीवन देइत ह। ओनकइ कबहूँ नास नाहीं होतइ, अउर न तउ केहू ओनका मोसे छीन पाई।²⁹मोर परमपिता ओन सबन क दिहे अहइ, जउन सबसे महान अहइ। ओनका मोरे परमपिता स कउनो भी नाहीं छीन सकत।³⁰मोर परमपिता अउर मई दुइनउँ एक अही।”

³¹फिन यहूदियन ईसू क मारइ क बदे पाथर उठाइ लिएन।³²ईसू ओनसे कहेस, “अपने परमपिता क तरफ स मई तू पचे क बहुत नीक नीक कारज देखाएउँ। ओहमाँ स कउनो काम क एवज में तू सबेन्ह मोका पत्थर मारइ चाहत अहा?”

³³यहूदियन जवाब दिहेन, “हम पचे तोहरे ओन सभी नीक काम प पाथर नाहीं मारत अही, मुला इ बदे अइसा करत अही कि तू परमेस्सर क अपमान करे अहा अउर मनई होत भए खुदइ क परमेस्सर कहत अहा।”

³⁴ईसू जवाब दिहेस, “का इ तोहरे व्यवस्था में नाहीं लिखा अहइ, ‘मई कहेउँ कि तू सब जने परमेस्सर अहया’*³⁵का हियाँ परमेस्सर ओनका नाहीं कहा ग अहइ जेनका परमेस्सर क संदेस मिल चुका बाटइ? (अउर पक्वित्तर सास्तर क बात काटी नाहीं जाइ सकत)³⁶का तू परमेस्सर क अपमान करत अहा ओकरे बदे कहत अहा, जेका परमपिता इ दुनिया में अर्पण कइके भेजे अहइ, केवल इ बदे की मई इ कहेउँ, ‘मई परमेस्सर क पूत अहउँ?’³⁷जदि मई अपने परमपिता क कारज नाहीं करत अहउँ तउ मोर बिसवास जिन करा,³⁸मुला जदि मई अपने परमपिता क कारज करत अहउँ, अउर तू मोर बिसवास नाहीं करत अहा, तउ मोरे कारण बिसवास करा जइसे कि तू इ जानि सका कि पिता मोरे अन्दर अहइ अउर मई पिता में अहउँ।”

³⁹इ सुनि क यहूदी एक बार फिन ओका बंदी बनावइ क कोसिस किहेन मुला ईसू ओनके हाथ स निकारि गवा।

⁴⁰ईसू फिन हुआँ स हट कर यरदन क दूसरे पार उ जगह चला गवा जहाँ प यूहन्ना बपतिस्मा देत रहा। ईसू हुवाँ ठहरा,⁴¹तमाम मनई ओकरे पास आएन अउर कहइ लागिन, “यूहन्ना कउनो अद्भुत कारज नाहीं करेस मुला इ मनई क बारे में जउन कछू कहे रहा, उ बिल्कुल सही निकरा।”⁴²फिन हुवाँ तमाम मनई ईसू में बिसवास करइ लागेन।

लाजर क मउत

11 बैतनिय्याह क लाजर नाउँ क एक ठु मनई बीमार रहा। इ उहइ सहर रहा जहाँ प मरियम अउर ओकर बहिन मार्था रहत रहिन।²(मरियम उ स्त्री रही जउन पभू क ऊपर इतर डाए रही अउर अपने मुँड़े क बारे स ओकर गोड़ पोछे रही। लाजर नाउँ क रोगी ओकर भाई रहा।)³इ बहिनियन ईसू क लगे समाचार भेजे रहिन, “पभू जेहिका तू मया करत अहा उ बीमार अहइ।”

⁴ईसू जब इ सुनेस तउ उ बोला, “इ बीमारी जान लेवा नाहीं अहइ। इ तउ परमेस्सर क महिमा परगट करइ क बदे अहइ। इहइ स परमेस्सर क पूत क महिमा मिली।”⁵(ईसू मार्था ओकर बहिन अउर लाजर क पियार करत रहा।) “इ बदे जब उ सुनेस कि लाजर बीमार होइ गवा अहइ, तब जहाँ उ ठहरा रहा, हुवाँ दुइ दिन अउर रुक गवा।⁷फिन ईसू अपने चलन स कहेस, “आवत जा हम सब यहूदिया लौटि चली।”

⁸इ सुनिके ओकर चलन कहेन, “गुरु, कछू दिन पहेल यहूदी नेता तोहरे ऊपर पथराव करइ क कोसिस करे रहेन अउर तू फिन हुवाँ जात अहा?”

समर्पण क त्यौहार समर्पण क त्यौहार दिसम्बर क एक ठु खास हफता जेका यहूदी मानत हीं।

९ईसू जवाब दिहैस, “का एक दिन मैं बारह घंटा नाही होतेन। जउ कउनो मनई दिन क रोसनी मैं चलत ह तउ उ ठोकर नाही खात, काहेकि उ इ दुनिया क रोसनी क देखत ह।¹⁰मुला जदि कउनो रात मैं चलत ह तउ ठोकर खाइ क गिर जात ह, काहेकि रोसनी नाही रहत।”

¹¹उ फिन इ कहेस अउर ओनसे बोला, “हमार मीत लाजर अबहीं सोवत अहइ मुला मई ओका जगावइ जात अहउँ।”¹²फिन ओकर चेलन ओसे कहेन, “पभूँ जदि ओका नींद आइ ग अहइ तउ उ नीक होइ जाई।”

¹³ईसू लाजर क मउत क बाबत बतावत रहा मुला ओकर चेलन सोचेन कि उ प्राकृतिक नींद क बारे मैं कहत बाटइ।¹⁴इ बदे ईसू ओनसे साफ साफ कहेस, “लाजर मरि गवा अहइ।¹⁵मई तोहरे बदे खुस अहउँ कि मई हुवाँ नाही रहेउँ। इ बदे कि अब तू पचे मोरे मैं बिसवास करि सकत ह। आवा अब हम ओकरे पास चली।”¹⁶फिन थोमा, जेका लोग दिदुमुस कहत रहेन, दूसरे चेलन स कहेस, “आवा हमहूँ सबइ पभूँ क पास चली जइसे कि हमहूँ सबे उहइ क साथे मर सकी।”

बैतनिय्याह मैं ईसू

¹⁷इ तरह स ईसू चला गवा अउर हुवाँ जाइके उ पाएस कि लाजर क कब्र मैं रखे चार दिन होइ चुका रहेन।¹⁸(बैतनिय्याह यरूसलेम स करीब तीन किलोमीटर दूर रहा)।¹⁹भाई क मउत पर मार्या अउर मरियम क तसल्ली दियावइ क बदे अउर तमाम यहूदी आवा रहेन।

²⁰जब मार्या सुनेस कि ईसू आवा अहइ तउ उ ओसे मिलइ क बास्ते गइ। मरियम घरे मैं रुकी रही,²¹हुआँ जाइके तब मार्या ईसू स कहेस, “पभूँ जदि तू हियाँ होत्या तउ मोर भाई न मरत।²²मुला मई जानत अहउँ कि तू अबहूँ अगर परमेस्सर स जउन कछू मँगब्या, उ तोहका देई।”

²³ईसू ओसे कहेस, “तोहार भाई जी उठी।”

²⁴मार्या ओसे कहेस, “मई जानित ह कि पुनरुत्थान क आखिरी दिन लोग जिवावा जइहीं।”

²⁵ईसू ओसे कहेस, “मई पुनरुत्थान अहउँ अउर मई जीवन अहउँ जउन मनई मोहमाँ बिसवास करत ह, जी उठी।²⁶अउर उ मनई जउन जियत ह अउर मोहमाँ बिसवास करत ह, कबहूँ न मरी। का तू एहमा बिसवास करति अहा?”

²⁷उ ईसू स बोली, “हाँ पभूँ मई बिसवास करित ह कि तू मसीह अहया, उहइ परमेस्सर क पूत, जउन इ दुनिया मैं आवइवाला रहा।”

ईसू रोय दिहैस

²⁸फिन एँतना कहि क उ हुवाँ स चली गइ अउर अपने बहन क अकेले मैं बोलाइके बोली, “गुरु हियाँ

अहइ, अउर तोहका बोलावत अहइ।”²⁹जब मरियम इ सुनेस तउ उ तुरन्त उठिके ओसे मिलइ क चलि दिहैस।³⁰ईसू अबहूँ तलक गाँव मैं नाही आवा रहा। अबहीं उ उहइ जगह रहा जहाँ मार्या ओसे मिली रही।³¹फिन जउन यहूदी घरे प ओका तसल्ली देत रहेन, जब मरियम क झटपट उठिके जात देखेन तउ इ सोचेन कि उ कब्र प रोवइ क बदे जात अहइ, इ बदे उ पचे ओकरे पीछे चल दिहेन।³²मरियम जब हुवाँ पहुँची, जहाँ ईसू रहा तउ ईसू क देखिके ओकरे गोड़े प गिर पड़ी अउर बोली, “पभूँ जउ तू हियाँ होत्या तउ मोर भाई न मरत।”

³³ईसू जउ ओका अउर ओकरे साथ आए रहेन यहूदियन क रोअत चिल्लात देखेस तउ ओकर आत्मा तड़पइ अउर उ बहुत ब्याकुल होइ लाग। उ बहुत घबराइ गवा।³⁴अउर बोला, “तू ओका कहाँ रखे अहा?” उ पचे ओसे बोलेन्ह, “पभूँ आवा अउर देखा।”³⁵ईसू क फूटि फूटिके रोवइ लाग।

³⁶इ देखिके यहूदी कहइ लागेन, “देखा! इ लाजर क बहोत पियार करत ह!”

³⁷मुला ओहमाँ स कछू कहेन, “इ मनई जउन आँधरे का आँखी दिहैस, का लाजर क मरइ स बचाइ नाही सकत?”

ईसू लाजर क फिन जिआइ दिहैस

³⁸तउ ईसू अपने मन मैं एक दाई फिन विचलित होइ गवा अउर कब्र कईती गवा। उ एक गुफा रही अउर ओकर दरवाजा एक ठु चट्टान स ढका रहा।³⁹ईसू कहेस, “इ चट्टान क हटावा।”

जउन मनई मरा रहा, ओकर बहिन मार्या कहेस, “पभूँ अब तलक तउ हुवाँ स गन्ध आवइ लाग, काहेकि ओका दफनाए चार दिन होइ गएन।”

⁴⁰ईसू ओसे कहेस, “का मई तोह स कहे नाही कि जउ तू बिसवास करबू तउ परमेस्सर क महिमा का दर्सन पंडबू।”

⁴¹तउ उ पचे उ चट्टान क हटाव दिहेन। अउर ईसू आपन आँखी ऊपर उठाइके कहेस, “परमपिता, मई तोहार धन्यवाद करत अहउँ, इ बदे कि तू मोर सुनि लिहा।

⁴²मई जानित ह कि तू हमेसा मोर बात सुनि लेत ह मुला मई हियाँ चारिउँ तरफ इकटठा भीड़ स कहे अही जइसे लोग बिसवास कर लेई कि मोका तू भेजे अहा।”⁴³इ कहिके उ बड़े जोर की आवाज़ दइके बोलाएस, “लाजर बाहर आइ जा।”

⁴⁴उ मनई जउन मरि ग रहा, बाहर आइ गवा। ओकर हाथ गोड़ अबहूँ तक कफन स बंधा रहेन। ओकर मुँह कपरा स लिपटा रहा।

ईसू ओन लोगन स कहेस, “एका खोल द्या अउर जाइ द्या।”

यहूदी नेतन क ईसू क मारि डाइ क साजिस

(मती 26:1-5; मरकुस 14:1-2; लूका 22:1-2)

⁴⁵एकरे बाद मरियम क साथ आए यहूदियन में स तमाम ईसू क इ काम देखिके ओह प बिसवास करइ लागेन। ⁴⁶मुला ओहमाँ स कछू फरीसियन क लगे गएन अउर जउन कछू ईसू करे रहा, ओनका बताएन। ⁴⁷फिन मुख्ययाजकन अउर फरीसियन यहूदी महासभा क बैठक बोलाएन अउर कहेन, “हमका सबेन्ह क अब का करइ चाही? इ मनई बहुत अद्भुत कारजन देखौवत अहइ। ⁴⁸अगर हम पचे एका अइसे करइ देब तउ ओकरे ऊपर सब बिसवास करइ लगिहई अउर इ तरह स रोमी लोग हिथीं आइ जइहीं अउर हमरे मंदिर क अउर हमरे देस क बरबाद कइ देई।” ⁴⁹मुला उ साल क मुख्ययाजक काइफा ओनसे कहेस, “तू पचे कछू नाहीं जानत अहा। ⁵⁰अउर तोहका सबेन्ह क इहउ समझ नाहीं अहइ कि इहइ करइ मैं तोहार फायदा अहइ, अपनी सारी जात क बचावइ क बदे सबके फायदे क बदे एक मनई क मारइ क होई।”

⁵¹इ बात उ अपनी तरफ स नाहीं कहे रहा, मुला उ साल क मुख्ययाजक होइ क नाते इ भविस्सबाणी किहे रहा कि ईसू यहूदी राष्ट्र क बदे मरइ जात अहइ, ⁵²केवल यहूदी राष्ट्र क बदे नाहीं बल्कि परमेस्सर क संतान क बदे जउन तितर-बितर अहइ ओनका इकट्ठा करइ क बदे। ⁵³इ तरह स उही दिन स उ पचे ईसू क मारइ क साजिस करइ लागेन। ⁵⁴ईसू फिन यहूदियन क बीच में खुलके नाहीं आवा अउर यरूसलेम छोड़के उ निरजन रेगिस्तान क लगे इफ्राईम सहर जाइके अपने चलन क साथे रहइ लाग। ⁵⁵यहूदियन क फसह क त्यौहार आवइवाला रहा। तमाम मनई अपने अपने गँव स यरूसलेम चला गएन, जइसे कि फ़सह क त्यौहार क पहले खुद क पवित्तर कइ लेईं। ⁵⁶उ पचे ईसू क खोजत रहेन। इ बदे जउ उ सबेन्ह मंदिर मैं खड़ा रहेन तउ आपस मैं एक दूसरे स पूछब, सुरु करेन्ह, “तू सबेन्ह का सोचत अहा, का उ इ त्यौहार मैं ना आई?” ⁵⁷फिन मुख्ययाजकन अउर फरिसियन इ आदेस दिहेन कि एकइ पता लगावा जाइ कि का कउनो जानत ह कि ईसू कहाँ अहइ, तो उ बताइ देइ, जेहसे कि उ ओका बन्दी बनाइ सकई।

ईसू बैतनिय्याह मैं अपने दोस्तन क साथ

(मती 26:6-13; मरकुस 14:3-9)

12 फ़सह क त्यौहार क छः दिन पहले ईसू बैतनिय्याह कइती चल दिहेस। हुवाँ लाजर रहत रहा जेहिका ईसू मरे स जिआइ दिहे रहा। ²हुवाँ ईसू क बदे उ पचे खाना बनवाएन। मार्था ओका खाना परोसेस। ईसू क साथे खाना खाइवालेन मैं लाजर सामिल रहा। ³मरियम जटामाँसी स बनावा आधा आधा लीटर मैहगा इतर ईसू क पैर मैं लगाएस अउर अपने बालन स ओकर पैर

पोछेस। समूचा घर महकइ लाग। ⁴ओकरे चलन मैं एक यहूदा इस्करियोती रहा, जउन ओका धोखा देइवाला रहा, उ कहेस, ⁵“इ इतर क 300 चाँदी क सिक्कन मैं बेच के गरीबन क पइसा काहे नाहीं दीन्ह गवा?” ⁶ओका गरीबन क कउनो चिन्ता नाहीं रही, इ बदे उ अइसी बात नाहीं कहेस मुला उ खुदइ चोर रहा अउर रुपियन क थैली हमेसा ओकरे पास रहत रही। ओहमाँ जउन रुपिया डावा जात रहा, उ उहइ मैं स चोराइ लेत रहा। ⁷तउ ईसू कहेस, “रहइ दया। ओका छाँड़ि दया। उ आज इ सब मोका गाड़े जाइ क तैयारी क वास्ते करेस। ⁸गरीब लोग तउ हमेसा तोहरे साथे रहिहीं मुला मई तोहरे साथे हमेसा न रहब।”

लाजर क खिलाफ साजिस

⁹फ़सह क त्यौहार प आए यहूदियन क तमाम भीड़ क जब पता चला कि ईसू बैतनिय्याह मैं अहइ तउ ओसे मिलइ चल दिहेस। उ भीड़ केवल ईसू स मिलइ क बदे नाहीं आइ रही, मुला लाजर क देखइ क बदे आइ रही। लाजर क मरइ क बाद ईसू फिन जीवित कइ दिहेस रहा। ¹⁰इही बदे मुख्ययाजकन लाजर क भी मारइ क तरकीब सोचइ लागेन। ¹¹काहेकि ओहि क कारण तमाम यहूदी जनता अपने अपने नेता क छोड़िके ईसू मैं बिसवास करइ लाग।

ईसू क यरूसलेम मैं जाब:

(मती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; लूका 19:28-40)

¹²दूसरे दिन फ़सह क त्यौहार प आई भीड़ जब इ सुनेस कि ईसू यरूसलेम आवत अहइ तउ ¹³लोग खजूर क टहनी लइके ओसे मिलइ चल पड़ेन। उ पचे गोहरावत रहेन,

“होसन्ना! * धन्य अहइ उ जउन पर्थू क नाउँ स आवत ह, उ जउन इम्राएल क राजा अहइ।”

भजन संहिता 118:25-26

¹⁴तब ईसू क एक गदहा मिला अउर उ ओकरे ऊपर चढ़ि लिहेस। जइसा कि पवित्तर सास्तर मैं लिखा अहइ:

¹⁵“सिय्योन क पुत्री, * डेराअ जिनदेखा! तोहार राजा गदहे क बच्चा प बइठके आवत अहइ।”

जकरयाह 9:9

होसन्ना होसन्ना यूनानी सब्द परमेस्सर स मदद बरे। इ समइ साइद इ आनन्द क जोरदार अवाज परमेस्सर क स्तुति या ओकरे मसीह बरे रही।

सिय्योन क पुत्री यानी यरूसलेम।

¹⁶पहिले तउ ओकर चेलन ओकरे व्यवहार क नाहीं समझ पाएन्ह लेकिन जब ईसू क महिमा परगट भइ तउ समझ पाएन कि सास्तर में ओकरे बारे में सब बात लिखी रहिन अउर तमाम मनई क ओकरे बारे में अइसा बरताब रहा।

ईसू क बावत लोगन क बतिआब

¹⁷ओकरे साथ जउन भीड़ रही, उ इ साच्छी दिहेस कि उ लाज़र क कब्र स बोलाइके मरे स फिन जिआइ दिहेस। ¹⁸तमाम लोग ओसे मिलइ क बदे इहइ बरे आइ रहेन काहेकि उ पचे सुने रहेन कि इ अद्भुत कारज करइवाला उहइ आहइ। ¹⁹तउ फरीसी आपस में कहइ लागेन, "सोचा तू सबेन्ह कछू नाहीं कइ पावत अहा अउर देखा पूरी दुनिया ओकरे पीछे पड़ गइ अहइ।"

मउत क बावत ईसू क बताउब

²⁰फसह क त्यौहार प यरूसलेम में आराधना करइवालेन में कछू यूनानी रहेन। ²¹उ सबेन्ह गलील में बैतसैदा क रहइवाल फिलिप्पुस क लगे गएन अउर ओसे कहइ लागेन, "महासय, हम पचे ईसू क दर्शन करा चाहत अहीं।" तउ फिलिप्पुस आइके अन्द्रियास स बताएस। ²²फिन अन्द्रियास अउर फिलिप्पुस ईसू क पास आइके कहेन। ²³ईसू ओनका जवाब दिहेस, "मनई क पूत क महिमावान होइ क समइ आइ ग बाटइ। ²⁴मई तोहसे सही सही बतावत अहउँ कि जब तलक गेहूँ क एक दाना जमीन प गिरके मर नाहीं जात, तब तक उ एकइ रहत ह, मुला जउ उ मरि जात ह तउ अनगिनत दानन क पइदा करि देत ह। ²⁵जेका आपन जिन्नगी पियायी अहइ, उ ओका खोइ देइ, मुला जेका इ दुनिया में अपनी जिन्नगी स पिरमे नाहीं अहइ, उ एँका अनन्त जीवन क वास्ते रखे रही। ²⁶जउ कउनो मोर सेवा करत ह हउ उ जरूर मोर पाछा करत ह अउर जहाँ मई अहीं, हुवाँ मोर सेवक भी रही। जउ कउनो मोर सेवा करत ह तउ परमपिता ओकर सम्मान करी।

ईसू अपनी मउत क तरफ इसारा किहेस

²⁷"अब मोर जिअरा घबरात अहइ। मई का कहउँ, 'हे परमपिता, मोका दुःख क इ घड़ी स बचावा?' मुला इहइ समइ क बदे तउ मई आइ अहउँ। ²⁸हे परमपिता, अपने नाम क महिमा द्या।"

तउ आकासवाणी भइ, "मई एकर महिमा किए अहउँ अउर मई फिन एकर महिमा करबा।"

²⁹तउ हुवाँ मौजूद भीड़, जउन एक सुने रहेन, कहइ लाग कि कउनो बादर गरजा बाटइ। दूसर इ कहइ लगेन, "कउनो सरगदूत ओसे बतिआन ह।"

³⁰एँकरे जवाब में ईसू कहेस, "इ आकासवाणी मोरे बदे नाहीं भइ, इ तोहरे बदे भइ रही। ³¹अब इ दुनिया क

निआव क समइ आइ ग बाटइ। अब इ दुनिया क सासक (हियँ प मतलब अहइ सइतान) क निकारँ दीन्ह जाई। ³²अउर जउ मई धरती क ऊपर उठाइ लीन्ह जाबइ तउ फिन सब लोगन क अपनी ओर खींचबा।" ³³उ इ बतावइ क बदे अइसा कहत रहा कि उ कइसी मउत मरइ जात अहइ।

³⁴इ सुनिके भीड़ ओका जवाब दिहेस, "हम पचे व्यवस्था क इ बात सुने अहीं कि मसीह हमेसा रही। इ बदे तू कइसे कहत अहा, 'मनई क पूत क जहर स ऊपर उठाइ लीन्ह जाई?' इ 'मनई क पूत' कउन अहइ?" ³⁵तउ ईसू ओनसे कहेस, "तोहरे बीच में ज्योति अवे कछू समइ अउर रही। जब तक ज्योति अहइ, चलत रहा, जइसे कि अँधियारा (पाप) तोहका घेर न लेइ, काहेकि जउन मनई अँधेरे में चलत ह, उ इ नाहीं जानत कि कहाँ जात अहइ। ³⁶जउ तक ज्योति तोहरे लगे अहइ, ओहमाँ बिसवास बनाए रखा जइसे कि तू पचे ज्योति क सन्तान होइ सका।" ईसू इ कहिके कहेँ चला गवा अउर ओनसे छिप गवा।

यहूदी क ईसू में बिसवास न करब

³⁷ईसू ओनके सबके सामने तमाम अद्भुत कारजन परगट किहेस मुला उ पचे ओकरे में बिसवास नाहीं किएन्ह ³⁸जइसे कि नबी यसायाह क कहब सही होइ सकइ,

"पर्भू, मोरे संदेस प कउन बिसवास किहे अहइ?" काहेकि ऊपर पर्भू क ताकत केह पइ परगट भइ अहइ?"

यसायाह 53:1

³⁹इहइ बदे उ सब बिसवास नाहीं कइ सकेन। काहेकि यसायाह फिन केहे रहा,

⁴⁰"उ ओनकइ आँखी आँधर अउर ओनकइ हिरदय कठोर बनाएस जइसे, उ पचे अपनी आँखी स देख न सकइँ अउर बुद्धि स समझ न पावइँ अउर मोरी कइँती न मुडँइ, जइसे कि मई ओनका चंगा न कइ पाई।"

यसायाह 6:10

⁴¹यसायाह अइसा इ बदे केहे रहा, काहेकि उ ओकर महिमा देखे रहा अउर ओकरे बारे में बतियान भी रहा।

⁴²तबहूँ तमाम लोग अइसे रहेन, जेहिमाँ तमाम यहूदी नेतन रहेन जे ओहमाँ बिसवास किएन्ह। मुला फरीसियन क डर क मारे अपने बिसवास क खुलासा नाहीं किएन्ह, नाहीं तउ ओनका सबेन्ह क पराथना क जगह स निकारि देइ क डर रहा। ⁴³ओनका सबेन्ह क मनई क दीन्ह

सम्मान परमेस्वर क दीन्ह सम्मान स जियादा अच्छा लागत रहा।

ईसू क उपदेस प मनई क निआव होई

⁴⁴ईसू बोलॉइके जोर स कहेस, “उ जउन मोरे में बिसवास करत ह, उ मोरे में नाहीं, बल्कि ओकरे में बिसवास करत ह जउन मोका भेजेस। ⁴⁵अउर जउन मनई मोका देखत ह, उ ओका देखत ह जउन मोका भेजेस। ⁴⁶मई दुनिया क रोसनी क तरीके स आवा जइसे कि जउन मनई मोरे में बिसवास करत ह, उ अँधेरे में न रहइ।

⁴⁷जदि कउने मनई मोर बात सुनिके ओका नाहीं मानत तबहूँ मई ओका अपराधी नाहीं मानित, इ बदे कि मई दुनिया क अपराधी उहरावइ क बदे नाहीं आइ अही, मई तउ दुनिया क उद्धार क वास्ते आइ अही। ⁴⁸जउन मनई मोका नाहीं मानत अउर हमरी बातन क नाहीं मानत, ओकरे बदे एकइ अहइ जउन ओकर निआव करी। उ उहइ अहइ, अपनी बातन स जेहिका मई उपदेस दीन्ह। आखिरी दिन उहइ ओकर निआव करी। ⁴⁹काहेकि मई अपनी तरफ स कछू नाहीं कहे अही, मई परमपिता (परमेस्वर) क आदेस क पालन करत अही, जउन मोका भेजेस, उ मोका बताए अहइ कि मई का उपदेस देइ। ⁵⁰अउर मई जानित ह कि ओकरे आदेस क मतलब अहइ अनन्त जीवना। इ बदे जउन मई बोलित ह, उहइ क ठीक उहइ अहइ जउन परमपिता मोसे कहे अहइ।”

ईसू अपने चेलन क गोइ धोएस

13 फसह क त्यौहार क पहले ईसू देखेस कि इ दुनिया क छोड़इ अउर परमपिता क पास जाइ क ओकर समइ आइ गवा अहइ तउ इ दुनिया में जउन आपन रहेन अउर जेका उ पिरेम करत रहा, ओनके ऊपर उ बहुत जियादा पिरेम देखाँएस।

²संझा क खाना खावा जात रहा। सइतान अब तलक समौन क बेटवा यहूदा इस्करियोती क मन में इ डाइ चुका रहा कि उ ईसू क धोखे स पकड़वाइ देइ। ³ईसू इ जानत रहा कि परमपिता सब चीज ओकरे हाथन में सौंप दिहे अहइ अउर परमेस्वर स आवा बाटइ, अउर परमेस्वर क पास वापस जात अहइ। ⁴इ बदे उ खाना छोड़के ठाढ़ होइ गवा। उ आपन ऊपर क सब कपरा उतार दिहेस अउर एक तु अँगौछा अपने चारों तरफ लपेट लिहेस। ⁵फिन एक तु घड़ा में पानी भरेस अउर अपने चेलन क पाँव धोअइ लाग अउर जउन अँगौछा लपेटे रहा, उहइ स सबकइ पाँव पोंछइ लाग।

⁶फिन जउ उ समौन पतरस क लगे पहुँचा तउ पतरस ओसे कहेस, “पभूँ का तू मोर इ पाँव धोअइ आवत अहा?”

⁷एँकरे जवाब में ईसू कहेस, “अबहीं तू नाहीं जानत अहा कि मई का करत अही, बाद में तू जान जाब्या।”

⁸पतरस ओसे कहेस, “तू मोर पाँव कबहूँ नाहीं धोउब्या।” ईसू जवाब दिहेस, “जउ तोहार पाँव मई न धोउब तउ तू मोरे लगे जगह नाहीं पाइ सकत्या।”

⁹समौन पतरस ओसे कहेस, “पभूँ तू मोर पाँव नाहीं मोर हाथ अउर मँडुउ क धोइ द्या।”

¹⁰ईसू ओसे कहेस, “जे नहाइ चुका अहइ, ओका पैर धोअइ क अलावा अउर कउनो चीज धोअइ क जरूरत नाहीं अहइ। उ तउ पूरी तरह साफ सुथरा होत ह। तू पचे साफ अहा, मुला सब जने नाहीं।” ¹¹उ ओका जानत रहा जउन ओका धोखे स पकड़वावा चाहत रहा। इ बदे उ कहे रहा, “तोहरे में स सब पवित्तर नाहीं अहई।”

¹²जब उ सबक पाँव (गोड़) धोइ लिहेस तउ फिन स आपन बाहरी कपड़ा पहिर लिहेस अउ, अपनी जगह प आइके बइठ गवा। अउर ओनसे बोला, “का तोहका मालूम अहइ कि मई तोहरे बदे का किहेउँ? ¹³तू पचे मोका ‘गुरु’ अउर ‘पभूँ’ कहत ह, अउर ठीक कहत ह, काहेकि मई उहइ अही। ¹⁴इ बदे जउ मई पभूँ अउर गुरु होइके तोहार पचे का पाँव धोवा तउ तोहका सबेन्ह क एक दूसरे क पाँव धोवइ चाही। मई तोहरे सामने एक उदाहरनण पेस करत अही। ¹⁵तू पचे दूसरे क साथ वइसे करा जइसे मई तोहरे साथ करत अही। ¹⁶मई तोहका सच्ची बात बतावत अही कि दास मालिक स बड़ा नाहीं होत अउर संदेस देइवाला ओसे बड़ा नाहीं होत जउन ओका भेजेस। ¹⁷जउ तू पचे इ बात जानत अहा अउ ओकर पालन करब्या तउ तू पचे सुखी रहब्या।

¹⁸मई तोहरे सबेन्ह क बारे में नाहीं कहत अहउँ। मई ओनका जानित ही जेनका मई चुने अहउँ। अउर इहउ कि यहूदा बिसवासघाती अहइ मुला मई इ बदे चुने अही जइसे कि पवित्तर सास्तर क बचन सही उतरइ, ‘उहइ जउन मोरे साथ रोटी खाएस, मोरे विरोध में होइ गवा।’ ¹⁹इ सब घट जाइ क पहले मई इ बदे बतावत अहउँ जइसे कि जउ इ घटित होइ जाइ तउ तू पचे बिसवास करा कि उ मई अहउँ। ²⁰मई तोहका सही सही बतावत अहउँ कि उ जउन मोरे भेजा गवा क लइ लेत ह, उ मोका स्वीकार कर लेत ह, अउर जउन मोका स्वीकार कर लेत ह, ओका स्वीकार कर लेत ह, जे मोका भेजेस।”

ईसू क कहब: मरवावइ क बदे ओका कउन पकड़वाई

(मती 26:20-25; मरकुस 14:17-21; लूका 22:21-23)

²¹इ कहे क बाद ईसू बहुत घबड़ाइ गवा अउर इ साच्छी दिहेस, “मई तोहसे सच्ची बात कहत अहउँ तोहरे में स एक तु मनई धोखा दइके मोका पकड़वाई।”

22तब ओकर चेलन एक दूसरे क देखइ लागेन। उ पचे इ तय नहीं कइ पावत रहेन कि उ केहिके बारे में बतावत अहइ।

23ओकर एक चेला ईसू क लगे बइठा रहा। ईसू ओका बहुत चाहत रहा। 24तउ समौन पतरस ओका इसारा कइके पूछइ क बदे कहेस कि ईसू केकरे बारे में बतावत अहइ।

25ईसू क चहेता चेला ओकरी छाती प झुकके ओसे पूछेस, “पभूँ उ कउन अहइ?”

26ईसू जवाब दिहेस, “रोटी क टुकड़ा कटोरा में बोर के जेका मई देब, उहइ उ अहइ।” फिन ईसू रोटी क टुकड़ा कटोरा में बोर के ओका उठाइके समौन क बेटवा यहूदा इस्करियोती क दिहेस। 27जइसे यहूदा रोटी क टुकड़ा लिहिस ओहमा सइतान समाइ गवा। फिन ईसू ओसे कहेस, “जउन तू करइ जात अहा, ओका जल्दी स कइ ल्या।”

28मुला हुवाँ बइठे लोगन में स केहू नहीं समझ पाएस कि ईसू ओसे अइसी बात काहे करत अहइ। 29कछू सोचेन कि रुपियन क थैली यहूदा क लगे रहत ह, इ बदे ईसू ओसे कहत अहइ कि ‘त्योहार’ क बदे जरूरी सामान खरीद ल्या या इ कहत अहइ कि गरीबन क कछू दइ द्या। 30इ बदे यहूदा रोटी क टुकड़ा लइ लिहिस अउर तुरन्त चला गवा। इ रात क समइ रहा।

अपनी मउत क बावत ईसू क बात

31ओकरे चला जाइ क बाद ईसू कहेस, “मनई क पूत अब महिमावान भवा अहइ। अउर ओसे परमेस्सर क महिमा भइ अहइ। 32जदि ओसे परमेस्सर क महिमा भइ अहइ तउ परमेस्सर खुदइ स ओका महिमावान बनाई। अउर उ ओका जल्दी महिमा देइ।

33‘ऐ मोर चहेते बच्चो! मई तनिक देर अउर तोहरे साथ अहउँ। तू पचे मोका ढूँढिब्या अउर जइसे कि मई यहूदियन स कहे अहउँ, तू सबेह हुवाँ नहीं जाइ सकल्या, जहाँ मई जात अहउँ, वइसे मई तोहसे अब कहत अहउँ।

34‘मई तोहका सबेह क एक नवा आदेस देत अहउँ कि तू सबेह एक दूसरे स पिरेम करा। जइसे मई तोहसे सबेह स पिरेम करेउँ ह, वइसे तू पचे एक दूसरे स पिरेम करा। 35जउ तू पचे एक दूसरे स पिरेम करब्या, तबहीं सब जानि पइहीं कि तू सबेह मोर चेलन अह्या।”

ईसू क बताउब पतरस ओका पहिचानइ स मना कइ देई

(मती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34)

36समौन पतरस ओसे पूछेस, “पभूँ, तू कहाँ जात अहा?” ईसू जवाब दिहेस, “जहाँ मई जात हउँ, अब तू मोरे पाछे नहीं आइ सकल्या, मुला तू बाद मैं मोरे पाछे अउब्या।”

37पतरस ओसे पूछेस, “पभूँ, मई तोहरे पाछे काहे बदे नहीं आइ सकत? मई तउ तोहरे बदे आपन जान तक दइ देब!” 38ईसू जवाब दिहेस, “तू मोरे लिए आपन जान देब्या? मई तोहसे सच्ची बात कहत अहउँ कि जब तलक तू तीन दाई इन्कार न कइ देब्या तब तक एक मुर्गा बाँग न देई।”

ईसू क चेलन क समझाऊब

14 ईसू कहेस, “तू सबनक परेसान न होइ चाही। परमेस्सर मैं बिसवास करा अउर मोरे मैं बिसवास बनाए रखा। 2मोरे पिता क घरे मैं तमाम कमरा अहइँ। जदि अइसा न होत तउ मई तोहसे कहि देइत। मई तोहरे सबेह क बदे जगह बनावइ जात अहउँ। 3अउर जदि मई हुवाँ जाई अउर तोहरे बदे जगह बनाई तउ मई फिन हिआँ अउबइ अउर अपने साथ तोहका सबेह क हुवाँ लइ चलब जइसे कि तू पचे हुवाँ रहा, जहाँ मई रहब। 4अउर जहाँ मई जात अहउँ हुवाँ क रास्ता तोहका पता अहइ।”

5थोमा ओसे कहेस, “पभूँ, हम नहीं जानत अही कि तू कहाँ जात अहा। फिन हुवाँ क रास्ता कइसे जान सकित ह?”

6ईसू ओसे कहेस, “मई रास्ता अहउँ, सच्चाई अहउँ अउर जीवन अहउँ। मोरे बौर कउनो परमपिता क लगे नहीं आइ सकत। 7जदि तू मोका जान लेत्या तउ तू परमपिता क जान लेत्या। अउर तू ओका जानत अहा अउर ओका देखिउ चुका अहा।”

8फिलिप्पुस ओसे कहेस, “पभूँ, हमका परमपिता क दर्सन कराइ द्या। हमका संदोख होइ जाई।”

9ईसू ओसे कहेस, “फिलिप्पुस मई एँतने जियादा समइ स तोहरे साथ अहउँ अउर तू तबहुँ मोका नहीं जानत अहा? जे मोका देख लिहिस, उ परमपिता क देख लिहिस। फिन तू कइसे कहत अहा, ‘हमका परमपिता क दर्सन कराइ द्या।’ 10का तोहका इ बिसवास नहीं अहइ कि मई पिता अही अउर परमपिता मोरे मैं अहइ? जउन बात मई तोहसे कहत अहउँ, अपनी तरफ स नहीं कहत अहउँ। पिता जउन मोरे मैं रहत ह, आपन काम करत ह। 11जदि मई कहत अहउँ कि मई परमपिता मैं अहउँ अउर परमपिता मोरे मैं अहइ, तउ मोर बिसवास करा अउर जदि नहीं तउ उ अदभुत कारजन क कारण बिसवास करा जउन मई किहेउँ ह। 12मई तोहसे सच्ची बात कहत अही, जउन मोरे मैं बिसवास करत ह, उहइ वइसे काम करत ह जइसे मई करित ह। उ तउ इ सब कामन स बड़ा काम करी। काहेकि मई परमपिता क पास जात अहउँ। 13अउर मई उ सब कारज करबइ जउन तू पचे मोरे नाउँ स मँगब्या, जइसे कि पूत परमपिता क महिमा करइ। 14जउ तू हमसे मोरे नाउँ स कछू मँगब्या, ओका मई करबइ।

पवित्र आत्मा क कसम

¹⁵जउ तू मोसे पिरेम करत होब्या, तउ हमरी आग्या क पालन करब्या। ¹⁶मई परमपिता स पराथना करबइ अउर उ तोहका सबेह का एक दूसर सहायक * देइ जउन तोहरे साथे हमेसा रही। ¹⁷एकर मतलब अहइ 'सच्चाई क आत्मा' * जेहिका दुनिया लेइ नाही पावत, काहेकि उ न तउ देखत ह अउर न तउ जानत ह। तू सबेह ओका जानत ह, काहेकि उ आज तोहरे साथ रहत ह। अउर आगे तोहरेन साथे रही।

¹⁸मई तोहका सबेह क अनाथ न छोड़बा मई तोहरे पास आवत अहउँ। ¹⁹कछू देर क बाद दुनिया मोका अउर न देखी मुला तू पचे मोका देखब्या काहेकि मई जिअत अही अउर तू सबेह जिअत रहब्या। ²⁰उहइ दिन तू सबेह जानि पउब्या कि मई परमपिता मैं अहउँ, तू मोरे अन्दर अहा अउर मई तोहरे अन्दर। ²¹जउन मनई मोर आदेसन क जानत हइ अउर ओनकइ पालन करत ह, मोसे पिरेम करत ह। जे मोका पिरेम करत ह ओका परमपिता पिरेम करी। मई उहइ क पिरेम करब अउर खुदइ क ओकरे ऊपर परगट करबइ।"

²²यहूदा (यहूदा इस्करियोती नाही) ओसे कहेस, "पभू, काहे बदे तू खुदइ क हमरे ऊपर परगट करा चाहत ह अउर दुनिया प नाही?"

²³एकरे जवाब मैं ईसू ओसे कहेस, "जउन मनई मोरे मैं पिरेम करत ह, उ मोरी बातन क मानत ह, अउर ओसे परमपिता पिरेम करी। मई अउर मोर परमपिता ओकरे पास आउब अउर उहइ क साथ रहबइ। ²⁴जउन मनई मोसे पिरेम नहीं करत, उ मोर उपदेस क नाही मानत। मई जउन उपदेस तोहका देत अही, उ मोर न अहइ उ पिता क उपदेस अहइ, जउन मोका भेजेस।

²⁵इ सब बात मई तोहसे सबेह स तबहीं बताए रहेउँ जब मई तोहरे साथ रहेउँ। ²⁶मुला उ सहायक (अर्थात् पवित्र आत्मा) जेहिका परमपिता मोरे नाउँ स भेजी, तोहका सब कछू बताई। अउर जउन कछू मई तोहका बताए अहउँ, ओका तोह पचे का याद करई।

²⁷मई तोहरे बदे आपन सांति छोड़त अहउँ। मई तोहका खुदइ आपन सांति देत अही। मुला मई एँका वइसे नाही देत अहउँ, जइसे दुनिया देत ह। तोहरे मन क धरारइ क जकरत नाही अहइ अउर न तउ ओका डेराइ चाही। ²⁸तू मोका कहत सुने अहा, 'मई जात अहउँ अउर तोहरे लगे फिन आउबा' जदि तू मोसे पिरेम करे

सहायक या सुखे क देवइया (सुखदाता)। यहाँ ईसू पवित्र आत्मा क विषय मैं बतावत रहा।

सच्चाई क आत्मा पवित्र आत्मा। एँका परमेस्सर क आत्मा अउ सुखदाता भी कहा गवा ह। इ मसीह स जुरा अहइ। इ संसार मैं मनइयन क बीच काम करत ह। यूहन्ना

होत्या तउ तू खुस होई जात्या, काहेकि मई परमपिता क लगे जात अहउँ। काहेकि परमपिता मोसे बड़ा अहइ। ²⁹अउर अबहीं इ सब घटित होइ क पहले मई तोहका बताइ दिहे अही, जइसे कि जउ इ घटित होइ जाइ तउ तू पचे बिसवास कइ सका। ³⁰अउर जियादा समइ अब मई तोहरे साथ बात न करिब इ बदे कि जगत क सासक आवत अहइ। मोरे ऊपर ओकर बस नाही चलत। ³¹मुला इ सब बात इ बदे होत अहइ जइसे कि दुनिया जान जाइ कि मई परमपिता स पिरेम करित ह। अउर परमपिता जइसी आज़ा हमका दिहे अहइ, मई बइसे करत अही।

"अबहीं उठा हम सबेह हिआँ स चल देइ।"

ईसू सच्ची दाखलता

15 ईसू कहेस, "मई दाखलता अहउँ अउर मोर परमपिता देख रेख कइवाला माली अहइ। ²मोरी उ साखा क पिता काट देत ह जउने मैं फर नाही लागत। जउने साखा मैं फर लागत ह, ओका उ छॉट लेत ह, जइसे कि ओहपे अउर जियादा फर लागई। ³तू पचे मोरे उपदेस क सुने अहा, इ बदे पहिले स सुद अहा। ⁴तू मोरे मैं रहा अउर मई तोहरे मैं रहबा वइसेन जइसेन कि कउनो साखा जब तलक दाखलता मैं बनी नाही रहत, तउ तलक अपने आप फरि नाही सकत, वइसेन तू पचे तउ तलक सफल नाही होइ सकत्या जब तलक मोरे मैं न रहब्या।

⁵उ दाखलता मई अहउँ अउर तू ओकर साखा अह्या। जे मोरे मैं रहत ह, अउर जेहमा मई रहित ह, उ बहुत फरत ह, काहेकि बिना मोरे तू कछू नाही कर सकत्या। ⁶जउ कउनो मोरे मैं नाही रहत तउ उ टूटी साखा क तरह फेंक दीन्ह जात ह अउर सूख जात ह। फिन उ सूखी लकड़ियन क आगी मैं झोंक दीन्ह जात ह अउर ओनका जलाय दीन्ह जात ह।

⁷जउ तू मोरे मैं रहब्या, अउर मोर उपदेस तोहरे मैं रही, तउ जउन कछू तू चाहत ह, ओका माँगा अउर उ तोहका मिल जाई। ⁸इ मोरे परमपिता क महिमा होत ह कि तू बहुत सफल होइ जा अउर मोर चेलन बना जा। ⁹जइसे परमपिता मोसे पिरेम करे बाटइ, मई भी तोहसे बइसे पिरेम करे अही। मोरे पिरेम मैं बना रहा। ¹⁰जउ तू मोरे आदेस क पालन करब्या तउ तू मोरे पिरेम मैं बना रहब्या। वइसे जइसे कि मई अपने पिता क आदेसन क पालन करत ओकरे पिरेम मैं बना रहित ह। ¹¹मई इ सब बात तू पचे स इ बदे बतावत अही जइसे कि मोर आनन्द तोहरे मैं बना रहइ अउर तोहार आनन्द पूरा होइ जाइ। इ मोर आदेस अहइ। ¹²कि तू आपस मैं पिरेम करा, जइसे मई तू पचे स पिरेम करे अही। ¹³बड़वार स बड़वार पिरेम जउन कउनो मनई कइ सकत ह, उ अहइ अपने मीतन क बदे आपन प्रान निछावर कइ देब। ¹⁴जउन आदेस तोहका मई देत अही, जउ तू ओन

पड़ चलत रहब्या तउ तू मोर मीत अह्या।¹⁵ अबहिस मई तू पचे क 'दास' न कहब, काहेकि कउनो दास इ नाहीं जानत कि ओकर मालिक का करत अहइ, मई तउ तोहका "मीत" कहत अही। मई तू पचे क उ सब बात बताइ दीन्ह जउन मई अपने परमपिता स सुने रहेउँ।¹⁶ तू मोका नाहीं चुने रह्या, मई खुदइ तोहका चुने रहेउँ अउर इ निस्चय करे अही कि तू जा अउर सफल होइ जा। मई चाहित ह कि तोहका सफलता मिलइ, अउर मोरे नाउँ स जउन कछू तू चाहा परमपिता तोहका दीई देइ।¹⁷ मई तोहका इ आदिस देत अही कि तू एक दूसरे स पिरेम करा।

ईसू क चेतावनी

¹⁸ "जदि दुनिया तोहसे दुस्मनी करत ह तउ इ बात तू याद कइ ल्या कि तोहसे पहले उ हमसे दुस्मनी करत ह।¹⁹ जदि तू दुनिया क होत्या तउ इ दुनिया तोहसे अपने क नाई पिरेम करत मुला तू पचे दुनिया क न अह्या अउर इ बदे दुनिया तोहसे दुस्मनी करत ह।²⁰ मोर बात याद रखा कि एक दास अपने मालिक स बड़ा नाहीं होत। इ बदे जउ उ सबेन्ह मोका कस्ट पहुँचाए अहई अउर सतावत अहई तउ उ पचे तोहका भी सतइहीं। अउर जउ उ मोर बातन मनहई तउ तोहार बातन भी मनहई।²¹ मुला उ सबेन्ह मोरे कारण तोहरे सबेन्ह क साथ उ सब कछू करिहई, काहेकि उ ओका नाहीं जानत अहई जे मोका भेजेस।²² जउ मई न आइत अउर ओसे बात न करित, तउ उ सबेन्ह पाप क दोषी होतेन। मुला अब ओनके पास अपने पाप स बचइ क कउनो बहाना नाहीं अहइ।²³ जउन मनई हमसे दुस्मनी ठान लेत ह, उ परमपिता स दुस्मनी करत ह।²⁴ जउ मई ओनके बीच में काम न करित, जउन कि कबहुँ कउनो मनई नाहीं करे रहा, तउ उ सबेन्ह पाप क दोषी न रहतेन, मुला अब जदि उ पचे देख चुका अहई, तबहुँ मोसे अउर परमपिता स दुस्मनी रखे अहइ।²⁵ मुला इ यह बदे भवा कि ओनके व्यवस्था मैं जउन लिखा अहइ, उ खरा उतरइ। 'उ पचे बेकार मैं हमसे बैर करेन्ह'।*

²⁶ "जउ उ सहायक जउन सत्य क आतिमा बाटइ अउर पिता क तरफ स आइ बा, तोहरे पास आई, जेका मई परमपिता क तरफ स भेजब, उ हमरी तरफ स साच्छी देई।²⁷ अउर तूहँ साच्छी देब्या, काहेकि तू सुरुआतइ स मोरे साथ अहा।

16 "इ सब बात मई तोहसे इ बदे बतावत अही कि तोहार बिसवास डगमगाय न जाइ।² उ पचे तोहका आराधनालय स निकार देइहीं सही-सही तउ उ समइ आवइवाला अहइ जब तोहरे मैं स कउनो क मारके हर एक इहइ सोची कि उ परमेस्सर क सेवा करत अहइ।³ उ सबेन्ह अइसा इ बदे करिहई, काहेकि उ न तउ

परमपिता क जानत हीं अउर न तउ मोका।⁴ मुला मई तोहसे इ सब इ बदे कहत अही जइसे कि जब ओनकइ समइ आइ जाइ तउ तोहका इ याद रहइ कि मई ओनके बाबत तोहका बताए रहे जब मई तोहरे साथ रहेउँ।

पवित्तर आतिमा क कारण

"सुरुआत मैं इ सब बात मई तोहका नाहीं बताए रहेउँ, काहेकि मई तोहरे साथ रहेउँ।⁵ मुला अब मई ओकरे पास जात अही, जे मोका भेजेस अउर तोहरे बीच स कउनो मोसे इ न पूछी, 'तू कहाँ जात अहा?'⁶ काहेकि मई इ बात बताइ दिहे अही, तोहार दिल दुःखी होइ गवा अहइ।⁷ मुला मई तोहसे सच्ची सच्ची कहत अही कि एहमँ तोहरा भलाई अहइ कि मई जात अही। काहेकि जदि मई न जाउँ तउ सहायक तोहरे पास न आई। जदि मई हियाँ स चला जाब तउ मई ओका तोहरे पास भेजब।⁸ अउर जब उ आइ तउ पाप, धार्मिकता अउर निआव क बावत दुनिया क सक दूर करी।⁹ पाप क बावत इ बदे कि उ पचे मोरे मैं बिसवास नाहीं करतेन।¹⁰ धार्मिकता क बावत इ बदे कि अब मई परमपिता क पास जात अही। अउर तू सबेन्ह अब अउर जियादा समइ तक मोका न देखब्या।¹¹ निआव क बावत, इ बदे कि इ जगत क सासक क अपराधी ठहरावा ग अहइ।

¹² "मोका तोहसे अबहिं तमाम बात बतावइ क अहइ, मुला तू सबेन्ह ओका सह न पउब्या।¹³ मुला जउ सच्चाई क आतिमा आई तउ उ तोहका पूरी सच्चाई क राह देखई काहेकि उ अपनी तरफ स कछू न कही। उ जउन कछू सुनी उहइ बताई। अउर जउन कछू होइवाला अहइ, ओका उजागर करी।¹⁴ उ मोर महिमा करी, काहेकि जउन मोर अहइ, ओका लइके उ तोहका बताई।¹⁵ हर चीज जउन चीज परमपिता क अहइ उ मोर अहइ। इहइ बदे मई बताए अहउँ, जउन कछू मोर अहइ, ओका उ लइ लेई अउर तोहका बताई।

दुःख खुसी में बदल जाई

¹⁶ "थोड़े समइ क बाद तू पचे मोका अउर नाहीं देख पउब्या। अउर कछू समइ क बाद तू सबेन्ह मोका फिन देखब्या।"

¹⁷ तउ ओके चलन आपस मैं कहेन, "इ कावा जउन उ मोका बतावत अहइ, 'तनिक देर क बाद मोका न देख पउब्या अउर तनिक देर क बाद तू पचे फिन मोका देखब्या?' अउर 'मई परमपिता क पास जात अहउँ?'"¹⁸ फिन उ पचे कहइ लागेन, "इ 'तनिक देर क बाद' का मतलब अहइ, जेकरे बावत उ बतावत अहइ? उ का कहत अहइ, हम समझ नाहीं पावत अही।"

¹⁹ ईसू इ समझ गवा कि उ पचे कछू पूछा चाहत अहई। उ बदे ईसू ओसे कहेस, "का तू पचे जउन मई कहेउँ उहइ पर सोच विचार करत अहा, 'थोड़े समइ क

पाछे तू मोका अउर जियादा न देख पउब्या अउर फिन थोड़े समइ क बाद तू मोका देखब्या?' ²⁰मई तोहका सही बतावत अहउँ, तू सबइ रोउब्या अउर सोक पउब्या मुला इ दुनिया खुस होई। तोहका दुःख होई मुला तोहार दुःख आनन्द मैं बदल जाई। ²¹जब कउनो स्त्री बच्चा पइदा करत ह तउ ओका बड़ी तकलीफ होत ह, काहेकि उ दरद क समइ रहत ह। मुला जब उ बच्चा पइदा कइ चुकत ह तउ उ इतना आनन्द होत ह कि एक तु इन्सान इ दुनिया मैं पइदा भवा अहइ अउर आपन सब दुःख भूल जात ह। ²²इ बदे तू पचे इ समइ वइसे दुःखी अहा, मुला जब मई तोहसे फिन मिलबइ तउ तोहार दिल मैं आनन्द होई। अउर तोहार आनन्द तोहसे कउनो भी छीन न पाई। ²³उ दिन तू पचे हमसे कउनो चीज न पूछ्या। मई तोहसे सच्ची बात बतावत अही, मोरे नाम स परमपिता स जउन कछू तू पचे मँगब्या, उ ओका तोहका दइ देई। ²⁴अब तक मोरे नाउँ स तू पचे कछू नाहीं मांगे अहा। मांगा, तोहका जरूर मिली। ताकि तोहका भरपूर आनन्द मिलइ।

दुनिया प जीत

²⁵इ सब बातिन क मई उदाहरण दइके बताए अहेउँ अब उ समइ आवत अहइ जब मई तोहसे उदाहरण दइके बात न कर पाउब मुला परमपिता क बावत खुलके तोहसे बतियाबा। ²⁶उ दिन तू मोरे नाउँ स मँगब्या अउर मई तोहसे इ नाहीं कहत अहउँ कि मई तोहरे तरफ स परमपिता स पराथना करबा। ²⁷परमपिता खुदइ तोहसे प्रेम करत ह, काहेकि तू मोसे प्रेम करत ह। अउर यह मान लिह कि मई परमेस्सर स आवा अहउँ। ²⁸मई परमपिता स परगत भयेउँ अउर इ दुनिया मैं आएँ। अउर अब मई इ दुनिया क छोड़के परमपिता क पास जात अही।" ²⁹ओकर चलन कहेन, "देखा अब तू हम पचन क बिना कउनो डिस्टान्त क खोलके बतावत अहा। जउन कठिन सब्द अहई ओनका तू नाहीं बइपरत अहा। ³⁰अब हम पचे समझ ग अही की तू सब कछू जानत अहा। अब तू नाहीं चाहत अहा कि केहू कउनो प्रस्न पूछइ एसे हमका सबन्ह क बिसवास होइ ग अहइ कि तू परमेस्सर स परगत भवा अहा।"

³¹ईसू ओनसे कहेस, "का तोहका अब इ बिसवास भवा अहइ? ³²सुना, अब समइ आवत अहइ, हिआँ तक कि आइ ग अहइ, जबहीं तू पचे सब तितर बितर होइ जाब्या अउर तोहरे मैं स सब कउनो अपने अपने घरे चला जाब्या अउर मोका अकेले छोड़ देब्या, मुला मई अकेले नाहीं अही, काहेकि परमपिता मोरे साथ अहइ।

³³इ सब बातन मई तोहसे इ बदे बतावत कहेउँ जइसे कि मई तोहका सान्ति दइ सकउँ। इ दुनिया तोहका कस्ट देत ह, सतावत ह, मुला हिम्मत रखा, मई दुनिया जीत लिहे अही!"

अपने चलन क बदे ईसू क पराथना

17 इ सब बातन कहिके ईसू अकास कईती निहारेस अउर बोला, "हे परमपिता, उ घड़ी आइ पहुँची अहइ, अपने पूत क महिमा द्या ताकि तोहार पूत तोहार महिमा करि सकइ। ²तू ओका समूची मानव जाति प अधिकार दिहे अहा कि उ सबका हर एक मनई क जेका तू ओका दिहे अहा, अनन्त जीवन देइ। ³अनन्त जीवन इ अहइ कि उ सबेह तोहमें एक ही सच्चा परमेस्सर अउर ईसू मसीह, जेका तू भेजे अहा, जानि सकइ। ⁴जउन काम तू मोका सौंपे रह्या, ओनका पूरा कइके दुनिया मैं मई तोहका महिमावान करे अही।" ⁵इ बदे अब तू अपने साथ मोहूँ क महिमावान करा। हे परमपिता, उहइ महिमा मोका द्या जउन दुनिया स पहले तोहरे साथ मोका मिली रही।

⁶"दुनिया स जउन मनइयन क तू मोका दिए अहा, मई ओनका तोहरे नाउँ क बोध कराएँ। उ पचे तोहार रहेन, मुला तू ओनका मोका दिहा अउर उ सबेह तोहरी आग्या क मानेन। ⁷अब उ पचे जानत अहई कि उ चीज जउन तू मोका दिए अहा, उ तुहिन स पइदा होत ह। ⁸मई ओनका उहइ उपदेस दिए अही जउन तू मोका दिए रह्या अउर उ सबेह ओका स्वीकार कइ लिहन्हे। उ सबेह अच्छी तरह बिसवास करत हीं कि तू मोका पठए अहा। ⁹मई ओनके बदे पराथना करत अही। मई दुनिया क बदे पराथना नाहीं करत अही, मई तउ ओनही क बदे पराथना करत अही, जेका तू मोका दिए अहइ, काहेकि उ सबइ तोहार अहई। ¹⁰सब चीज जउन कछू मोरी अहई, उ तोहार अहई, अउर जउन तोहार अहई, उ मोर अहई। अउर मई ओनही स महिमा पाए अही। ¹¹मई अउर जियादा समइ तलक दुनिया मैं न रहब मुला उ पचे दुनिया मैं अहई, अउर मई तोहरे पास आवत अही। हे पवित्तर परमपिता अपने उ नाउँ क ताकत स ओनकइ रच्छा करा, जउन तू मोका दिए अहा ताकि मई अउर तू एक अहीं, वइसे ओनहू पचे एक होइ जाई। ¹²जब मई ओनके साथ रहेउँ मई तोहरे नाउँ क ताकत स ओनकइ रच्छा कीन्ह, जउन तू मोका दिए रह्या। मई रच्छा कीन्ह अउर ओनके मैं स कउनो क नास नाहीं भवा, ओका छोड़के जउन क बिनास क पूत रहा, ताकि पवित्तर सास्तर क बात सच होइ सकइ।

¹³अब मई तोहरे लगे आवत अही, मुला इ सब बात मई दुनिया मैं रहि क कहत अही जइसे कि उ सबेह अपने दिलन मैं मोर पूरा आनन्द पाइ सकइ। ¹⁴मई तोहार बात ओनसे बताइ दिए अही, मुला दुनिया ओनसे नफरत करेस काहेकि उ पचे संसारिक नाहीं अहई। वइसेन जइसेन कि मई दुनिया क न अही। ¹⁵मई इ पराथना नाहीं करत अही कि तू ओनका दुनिया स निकार द्या, मुला इ बदे कि तू दुस्त आत्मा स ओनकर रच्छा करा। ¹⁶उ पचे दुनिया क न अहीं जइसे कि मई

दुनिया क न अही।¹⁷सच्चाई क जरिए तू ओनका सबेन्हक अपने सेवा में लगाइ दिया। तोहार बचन सच्चा अहइ।¹⁸जइसेन तू मोका दुनिया में भेजे अहा, वइसेन मई ओनका इ दुनिया में भेजे अही।¹⁹मई ओनके बदे खुदइ क तोहरी सेवा में लगावत अही, जइसे कि ओनहू पचे सच्चाई क जरिए खुद क तोहरी सेवा में लगाइ सकई।

²⁰मुला मई केवल ओनही क बदे पराथना नाहीं करत अही, मुला ओनके बदे पराथना करत अही जउन एनके उपदेस स मोरे में बिसवास करिहीं।²¹उ सबेन्ह एक होइ जाई। वइसे जइसे हे परमपिता तू मोरे में अहा अउर मई तोहरे में अही। उ पचे मोरे सबके साथ एक होइ जाई। जइसे दुनिया बिसवास कर सकइ कि मोका तू भेजे अहा।²²उ महिमा जउन तू मोका दिए अहा, मई ओनका दिए अही, जइसे ओनहू पचे एक होइ सकई, जइसे तू अउर मई एक अही।²³मई ओनके में रही अउर तू मोरे में रहब्या, जइसे कि उ पचे पूरी तरह एक होइ जाई अउर इ दुनिया जान जाइ कि मोका तू भेजे अहा अउर तू ओनका ओतनइ पिरेम करे अहा जेतना तू मोसे पिरेम करत ह।

²⁴हे परमपिता, जेनका तू मोका सौपे अहा, मई चाहित ही कि जहाँ मई रहउँ, मोरे साथ ओनहू रहई जइसे कि ओनहू पचे मोर उ महिमा देख सकई जउन तू मोका दिहे अहा। इ दुनिया क रचना क पहलेन स तू मोका पिरेम करे अहा।²⁵हे धार्मिक परमपिता, इ दुनिया तोहका नाहीं जानत मुला मई तोहका जानित ही अउर मोर चेलन जानत ही कि मोका तू भेजे अहा।²⁶मई ओनका तोहरे नाउँ अकेले क जानकारी नाहीं दिए अही, मई इ बात क जानकारी देत रहब जइसे कि जउन पिरेम तू मोसे करत ह ओनहू स करा। अउर मई खुदइ ओनही में स एक रहउँ।”

ईसू क बन्दी बनावा जाब

(मती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; लूका 22:47-53)

18 इ कहिके ईसू अपने चेलन क साथ छोटी नदी किद्रोन क पास जहाँ एक बगीचा रहा, हुवई चला गवा।

²धोखे स ओका पकड़वावइवाला यहूदा उ जगह क जानत रहा, काहेकि ईसू जियादातर उहइ जगह प अपने चेलन स मिलत रहा।³इ बदे यहूदा रोमी सिपाहिअन क एक टुकड़ी अउर मुख्ययाजकन अउर फरीसियन क पठए। मनइयन अउर मंदिर क पहरेदारन क साथ लइके, मसाल, दिया अउर हथिआर लइके, हुवाँ पहुँच गवा।

⁴फिन ईसू जउन सब कछू जानत रहा कि ओकरे साथ का होइ जात अहइ, आगे आवा अउर ओनसे कहेस, “तू पचे केका खोजत अहा?”

⁵उ पचे जवाब दिहेन, “ईसू नासरी का।”

ईसू ओनसे कहेस, “उ तउ मई अही।” (उ धोखे प धोसे स पकड़वावइवाला यहूदा हुवई ओनही के साथ खड़ा रहा।)⁶जब उ कहेस, “उ मई अहउँ।” तउ उ सबेन्ह पाछे हटेन अउर भुँइया गिर पड़ेन।

⁷इ देखके ईसू फिन एक बार पूछेस, “तू सबेन्ह केका खोजत अहा?” उ बोलेन, “ईसू नासरी का।”

⁸ईसू जवाब दिहेस, “मई तोहसे कहउँ, उ मई ही अहउँ। जदि तू मोका ढूँढत अहा तउ एनका सबेन्ह क जाइ दिया।”⁹अइसा ईसू इ बदे कहेस, जइसे कि ओकर कही बात सच होइ सकइ, “मई ओहमाँ स कउनो क नाहीं खोवा, जेका तू मोका सौपे रहया।”

¹⁰फिन समौन पतरस जेकरे हाथे में तरवार रही, आपन तरवार निकारेस अउर मुख्ययाजक क दास क दाहिना कान काटिके ओका घायल कइ दिहेस (उ दास क नाउँ मलखुस रहा)।¹¹फिन ईसू पतरस स कहेस, “आपन तरवार मिआन में थइ ल्या। का मई यातना क कटोरा न पी लेई जउन परमपिता मोका दिहे अहइ?”

ईसू क हन्ना क सामने लिआवा जाब

(मती 26:57-58; मरकुस 14:53-54; लूका 22:54)

¹²फिन रोमी टुकड़ी क सिपाहियन अउर ओनके सूबेदारन, अउर यहूदियन क मंदिर क पहरेदार सब मिलके ईसू क बन्दी बनाइ लिहेन्ह।¹³अउर ओका बांधके पहिले हन्ना क पास लइ गएन, जउन कि उ बरिस क मुख्ययाजक काइफा क ससुर रहा।¹⁴इ काइफा उहइ मनई अहइ जउन यहूदी क सलाह दिहे रहा कि लोगन क भलाई क बदे एक क मर जाब ठीक अहइ।

पतरस क ईसू क पहिचाने स मना कइ देब

(मती 26:69-70; मरकुस 14:66-68; लूका 22:55-57)

¹⁵समौन पतरस अउर एक ठु चेलन ईसू क पीछे चल दिहेन्ह। मुख्ययाजक इ चेलन क अच्छी तरह जानत रहा, इ बदे उ ईसू क साथ मुख्ययाजक क अंगने में घुस गवा।¹⁶मुला पतरस बाहरे क दरवाजा क लगे रुक गवा। फिन मुख्ययाजक क जान पहचानवाला दूसर चेला बाहरे गवा अउर द्वारपालिन स कहिके पतरस क अन्दर लइ आवा।¹⁷उ द्वारपालिन दासी पतरस स कहेस, “होइ सकत ह कि तूहँ ईसू क चेला होआ?”

पतरस जवाब दिहेस, “नाहीं, नाहीं, मई न अही।”

¹⁸काहेकि सर्दी बहुत जिआदा रही अउर मंदिर क पहरेदार आग जलाइ के हुआँ खड़ा तापत रहेन। पतरस उ हुवाँ खड़ा तापत रहा।

महायाजक क ईसू स पूछताछ

(मती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; लूका 22:66-71)

¹⁹फिन महायाजक ईसू स ओकरे चेलन अउर ओकरे उपदेस क बाबत पूछेस।²⁰ईसू ओका जवाब दिहेस, “मई

हमेसा सब मनइयन स खुलके बातचीत कीन्ह। मई हमेसा आराधनालय में अउर मंदिर में जहाँ सब यहूदियन इकट्ठा होतहीं, उपदेस दीन्ह। मई कबहूँ लुकाइ क छिपाइ क कउनो बात नाहीं कहेउँ।²¹ फिन तू मोसे काहे पूछत अहा? मई का कहेउँ, ओनसे पूछा जे मोर बात सुने अहई। मई जउन कछू कहेउँ, उ सब जानत हीं।”

²²जब उ इ कहेस तउ मंदिर क एक पहरेदार जउन हुवाँ खड़ा रहा, ईसू क झापड़ मारेस अउर बोलेस, “महायाजक क सामने जवाब देइ क इ तरीका नाहीं अहई?”

²³ईसू ओका जवाब दिहेस, “जउ मई कउनो झूठ कहे होउँ तउ तू ओका साबित करा अउर इ बतावा कि ओहमाँ कउनो बुराई रही, अउर जउ मई ठीक कहे अहउँ तउ तू काहे मारत अहा?”

²⁴फिन हन्ना ओका बंधे भए महायाजक काइफा क लगे भेज दिहेस।

पतरस क ईसू क पहिचानइ स मना करब

(मती 26:71-75; मरकुस 14:69-72; लूका 22:58-62)

²⁵जब समौन पतरस खड़ा होइके आगी तापत रहा तउ ओसे पूछा गवा, “का इ होइ सकत ह कि तू भी एकर चेला अहा?” उ तुरन्ततइ मना कइ दिहेस अउर कहेस, “नाहीं मई नाहीं अहीं।”

²⁶महायाजक क एक तु नउकर जउन ओकर रिस्तेदार रहा जेकर पतरस कान काटे रहा, कहेस, “बतावा, का मई तोहका ओकरे साथे बगिया में नाहीं देखे रहे?”²⁷ इ सुनिके पतरस एक दाई फिन इन्कार कियेस। अउर उहइ समइ मुर्गा बाँग दिहेस।

ईसू क पिलातुस क समन्वा लइ जाब

(मती 27:1-2, 11-31; मरकुस 15:1-20; लूका 23:1-25)

²⁸फिन उ पचे ईसू क काइफा क घरे स रोम क राज्यपाल क महल में लइ गएन। ओह समइ सबेर होइ ग रहा। यहूदियन राज्यपाल क भवन में खुदइ नाहीं जावा चाहत रहैन, कहूँ उ पचे असुद्ध* न होइ जाई। अउर फिन फसह क भोज न खाइ पावई।²⁹ तउ पिलातुस ओनके पास बाहेर आवा अउर बोला, “एकरे ऊपर तू सबेन्ह कउन दोख लगावत अहा?”

³⁰जवाब में उ पचे ओसे कहेस, “जदि इ अपराधी न होता तउ हम एँका तोहका न सौंपित।”

³¹एकरे जवाब में पिलातुस ओनसे कहेस, “एँका तू लइ जा अउर अपने व्यवस्था क हिसाब स एकर निआव करा।”

असुद्ध यहूदियन इ मानत रहैन कि कउनो गैर यहूदियन क घरे में जाइ स ओनकर फरई घटि जात ह। (यूहन्ना 11:55)

यहूदियन ओसे कहेन, “हमका सबेन्ह क मउत क सजा देइ क कउनो अधिकार नाहीं अहई।”³² अइसा इ बदे भवा, जइसे कि ईसू क उ बात सच्ची होइ जाइ जउन उ कहे रहा, कइसी मउत मिली।

³³तब पिलातुस राज्यपाल क महल में वापस चला गवा। अउर ईसू क बोलाइ क ओसे पूछेस, “का तू यहूदियन क राजा अहया?”

³⁴ईसू जवाब दिहेस, “इ बात तू खुदइ कहत अहा या मोरे बावत दूसर लोग तोहसे कहेन?”

³⁵पिलातुस जवाब दिहेस, “का तू सोचत अहा कि मई यहूदी अहउँ? तोहार लोग अउर मुख्ययाजक तोहका मोरे हवाले करे अहई। तू का किहे अहा?”

³⁶ईसू जवाब दिहेस, “मोर राज्य इ दुनिया क नाहीं बाटइ। जदि मोर राज्य इ दुनिया क होत तउ मोर प्रजा मोका यहूदियन क सौंपा जाइ स बचावइ क बदे लड़ाई करत। मुला मोर राज्य हिआँ क नाहीं बाटइ।”

³⁷अइसा सुनिके पिलातुस ओसे कहेस, “तू तउ राजा अहया?”

ईसू जवाब दिहेस, “तू कहत अहा कि मई राजा अहीं। मई इ बदे दुनिया में पइदा भवा हउँ अउर आएँ अउर इहइ प्रयोजन स आएँ जइसे कि सच्चाई क साच्छी दइ सकउँ। जउन मनई सच्चाई क तरफदारी करत ह उ मोरी बात सुनत ह।”

³⁸पिलातुस ओसे पूछेस, “सच्चाई का अहई?” अइसा कहिके फिन उ यहूदी क पास बाहेर गवा अउर ओनसे बोला, “मई ओकरे में कउनो दोख नाहीं पाएँ।³⁹ अउ तोहार सबन्क रिवाज अहइ कि फसह क त्यौहार प तोहरे सबके बदे एक मनई क छोड़ देइ। तउ का तू पचे चाहत अहा कि इ ‘यहूदी क राजा’ क तोहरे बदे छोड़ देई?”⁴⁰ एक दाई फिन उ पचे चिल्लाएन, “एँका नाहीं, मुला बरअब्बा (एक तु बागी रहा) क छोड़ द्या!”

ईसू क मउत क सजा

19 तब पिलातुस ईसू क पकड़वाइके कोड़ा लगवाएस।² फिन सिपाहियन काँटिदार टहनी क मोड़के मुकुट बनाएन अउर ओकरे मूँडे प रख दिहेन। अउर ओका बैजनी रंग क कपड़ा पहिराएन।³ अउर ओकरे पास आइ आइ क कहइ लागेन, “यहूदियन क राजा जिअत रहा!” अउर ओका झापड़ मारइ लागेन।

⁴पिलातुस एक बार फिन बाहेर आवा अउर ओनसे कहेस, “देखा! मई तोहरे पास ओका फिन बाहर लियावत अहीं जइसे कि तू जान सका कि मई ओहमाँ कउनो खोत नाहीं पावा।”⁵ फिन ईसू बाहेर आवा। उ काँटिन क मुकुट अउर बैजनी रंग क चोगा पहिरे रहा। तब पिलातुस कहेस, “इहइ अहइ उ मनई!”

⁶जब उ पचे ओका देखेन तउ मुख्ययाजकन अउर मंदिर क पहरेदारन चिल्लाइ क कहेन, “एँका क्रूस पर

चढ़ाई द्या! एका क्रूस प चढ़ाई द्या!" पिलातुस ओनसे कहेस, "तू एँका लइ जा अउर क्रूस प चढ़ाई द्या, मई एहमों कउनो खोट नाहीं पाएउँ?"

⁷यहूदियन जवाब दिहेन, "हमार व्यवस्था कहत ह कि एका मरइ क पड़ी काहेकि अपने क परमेस्सर क पूत होइ क दावा किहे अहइ।"

⁸अब जब पिलातुस ओका इ कहत सुनेस तउ बहुत डेराइ गवा। ⁹अउर फिन राज्यपाल क महल क अन्दर जाइके ईसू स कहेस, "तू कहाँ स आइ अहा?" मुला ईसू कउनो जवाब नाहीं दिहिस।

¹⁰फिन पिलातुस ओसे कहेस, "का तू हमसे बात नाहीं कराइ चाहत अहा? का तोहका पता नाहीं अहइ कि इ मोरे अधिकार मैं अहइ कि तोहका मई छोड़ देउँ अउर तोहका क्रूस प चढ़ावइ क अधिकार मोका मिला अहइ।"

¹¹ईसू ओका जवाब दिहिस, "तोहार मोरे ऊपर अधिकार तब तक नाहीं होइ सकत जब तलक परमेस्सर तोहका उ अधिकार नाहीं देता। इ बदे जउन मनई तोहका मोरे हवाले किहे अहइ, उ तोहसे भी बड़ा पापी अहइ।"

¹²इ सुनिके पिलातुस ओका छोड़इ क कउनो उपाय सोचइ लाग। मुला यहूदियन चिल्लाय लागेन, "जदि तू एका छोड़ देब्या तउ तू कैसर क दोस्त न अहया कउनो मनई जउन खुदइ क राजा कहइ उ कैसर क विरोधी अहइ।"

¹³जब पिलातुस इ सब्दन क सुनेस तउ उ ईसू क बाहेर उ जगह लइ गवा जउने क "पाथर क चउतरा" कहा जात रहा। (इब्रानी भाखा मैं एँका "गम्बता" कहा गवा ह) अउर हुवाँ निआव क आसन प बइठ गवा। ¹⁴इ दिन फसह क तय्यार क तैयारी क दिन* रहा। दुपहरिया होइवाली रही। पिलातुस यहूदियन स कहेस, "इ रहा तोहार राजा।"

¹⁵उ सबेन्ह चिल्लाएन, "एँका लइ जा! एँका लइ जा! एँका क्रूस प चढ़ाय द्या!" पिलातुस ओनसे कहेस, "का तू पचे चाहत अहा कि तोहरे राजा क मई क्रूस प चढ़ाउँ?" इ सुनिके मुख्ययाजकन जवाब दिहेन, "कैसर क छोड़के हमार कउनो दूसर राजा नाहीं अहइ।"

¹⁶फिन पिलातुस ओका क्रूस प चढ़ाइ क बदे ओनका सौंप दिहिस।

ईसू क क्रूस प चढ़ावा जाब

(मती 27:32-44; मरकुस 15:21-32; लूका 23:26-43)

इ तरीके स ईसू क हिरासत मैं लइ लीन्ह गवा।

¹⁷आपन क्रूस उठाइके उ अइसी जगह प गवा जेका "खोपड़ी क जगह" कहा जात ह। (इब्रानी भाखा मैं एँका

"गुलगुता" कहा जात ह।) ¹⁸हुवाँ स उ सबेन्ह ओका दुइ जने क साथे क्रूस प चढ़ाइ दिहेन। एक इ तरफ, दूसर दूसरी तरफ अउर बीच मैं ईसू रहा। ¹⁹पिलातुस दोखपत्र क्रूस प लगाइ दिहिस। जेहमों लिखा रहा, "ईसू नासरी, यहूदी क राजा।" ²⁰तमाम यहूदियन उ दोखपत्र क पढ़ेन्ह, काहेकि जहाँ ईसू क क्रूस प चढ़ावा ग रहा, उ जगह सहर क लगे रही। अउर उ ऐलान इब्रानी, यूनानी अउर लातीनी भाखा मैं लिखा रहा।

²¹तब मुख्य यहूदी याजकन पिलातुस स कहेन, "यहूदी क राजा न लिखा, मुला इ लिखा, 'इ मनई कहे रहा यहूदी क राजा मैं अहउँ।'"

²²पिलातुस जवाब दिहिस, "मई जउन कछू लिख दीन्ह, तउ लिख दीन्ह।"

²³जब सिपाही ईसू क क्रूस प चढ़ाइ चुकेन तउ उ सबेन्ह ओकर कपरा लिहेन, अउर ओका चार टुकड़ा मैं बाँट दिहेन। ओकर एक-एक टुकड़ा एक एक सिपाही लइ लिहिस। उ पचे कुरतउ उतरवाइ लिहेन। इ बदे कि उ कुरता ऊपर स नीचे तक बुना रहा, ओकर सिलाई नाहीं भइ रही। ²⁴इ बदे उ पचे आपस मैं कहेन, "एँका न फाड़ा जाइ, एँका कउन पावइ, एकरे बदे परची डाली जाइ।" जइसे कि पवित्तर सास्तर क इ बात पूरी होइ जाइ,

"उ पचे मोर कपरा आपस मैं बाट लिहेनअउर मोरे अंगिया क बदे परची डापेन।"

भजन संहिता 22:18

इ बदे सिपाहियन वइसेन करेन।

²⁵ईसू क क्रूस क लगे ओकर महतारी, मउसी कलोपास क पत्नी मरियम, अउर मरियम मगदलीनी ठाढ़ रहिन। ²⁶ईसू जब अपनी महतारी अउर अपने पियारा चेला क पास खड़ा लखेस तउ अपनी महतारी स कहेस "पिआरी अम्माँ, इ रहा तोहार बेटवा।" ²⁷फिन उ अपने चेला स कहेस, "इ अहइ तोहार महतारी।" अउर फिन उहइ समइ उ चेला ओका अपने घरे लइ गवा।

ईसू क मउत

(मती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; लूका 23:44-49)

²⁸एकरे बाद ईसू जान लिहिस कि सब कछू पूरा होइ चुका अहइ। फिन इ बदे कि पवित्तर सास्तर क बात सही उतरइ, उ कहेस, "मई पियासा अहउँ।" ²⁹हुवाँ सिरका स भरा एक तु वासन धरा रहा। इ बदे उ सबेन्ह एक स्पंज क सिरका मैं पूरी तरह डुबोइके हिंसप (कंटिजर क पेड़) क टहनी प रखेन अउर ऊपर उठाइ क ओकरे मुँह स लगाएन। ³⁰फिन जब ईसू सिरका लइ लिहिस तउ उ बोलेस, "पूरा होइ गवा।" तउ उ आपन सिर झुकाइ दिहिस अउर परान छोड़ दिहिस।

तैयारी क दिन सुक्करवार जब यहूदी फसह क तैयारी करत रहेन।

³¹अगला दिन फसह क तैयारी क दिन रहा। सबित क दिन ओनकइ लास क्रूस प न लटका रहइ काहेकि सबित क दिन बहुत महत्व क दिन होत ह, एँकरे बदे यूहूदियन पिलातुस स कहेन कि उ आज्ञा देइ कि ओकर टाँग तोड़ दीन्ह जाई अउर ओकर लास हुवाँ स हटाइ दीन्ह जाइ। ³²तउ सिपाही आएन अउर सबसे पहले एक मनई क अउर फिन दूसरे क जउने क साथे साथे क्रूस प चढ़ावा ग रहा, टाँग तोड़ डाने। ³³मुला जउ उ ईसू क लगे आएन, तउ लखेन कि उ तउ पहिलेन मर चुका अहइ। इ बदे ओकर टाँग नाहीं तोड़ने। ³⁴मुला ओहमाँ स एक सिपाही ईसू क पंजरे में आपन भाला भोंक दिहेस, जउने में स तुरन्त लहू अउर पानी निकरइ लाग। ³⁵(जउन एका देखे रहा उ साच्छी दिहेस अउर ओकर साच्छी सच्ची अहइ, उ जानत ह कि उ सच्ची बात कहत अहइ ताकि तू सबेन्ह बिसवास करा।) ³⁶इह यह बदे भवा कि पवित्तर सास्तर क बात पूरी होइ सकइ, “ओकर कउनो हड्डी तोड़ी न जाई।” ³⁷अउर पवित्तर सास्तर में लिखा अहइ कि, “जे ओकरे भाला भोंकेस उ पचे ओकरी तरफ तकहीं।”

ईसू क आखिरी किरिया करम

(मती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; लूका 23:50-56)

³⁸एँकरे बाद अरमतिथाह क यूसुफ (जउन ईसू क चेला रहा, मुला यूहूदियन क डर क मारे खुद क छिपाए रहत रहा) पिलातुस स पराथना करेस कि ओका ईसू क लहास लइ जाइ क इजाजत दइ देइ। इ बदे उ ओकर लहास लइ गवा। ³⁹निकोदेमुस, जउन ईसू क लगे रात क पहले आइ रहा, हुवाँ लगभग तीस किलो मिला जुला गंधरस अउर एलवा (जइसे कि लहास में सड़न न आवइ पावइ) लइके आवा। फिन उ पचे ईसू क लहास क लइ गएन।

⁴⁰अउर यूहूदियन क लहास गाड़इ क व्यवस्था क अनुसार ओका महकइवाली तमाम चीज क साथ कफन में लपेट दिहेन। ⁴¹जहाँ प ईसू क क्रूस प चढ़ावा ग रहा, हुवाँ एक ठु बगीचा रहा। अउर उ बगीचा में एक ठु नई कब्र रही जउने में अब तक केहूँ क नाहीं रखा ग रहा। ⁴²उ दिन सबित क तैयारी क दिन सुक्रवार रहा, अउर उ कब्र बहोतई लगे रही, इ बदे उ सबेन्ह ईसू क उहइ में रख दिहेन।

ईसू क कब्र खाली

(मती 28:1-10; मरकुस 16:1-8; लूका 24:1-12)

20 सप्ताह क पहिले दिन धुर सबेरे जउ थोरि क अँधेरा बचा रहा तउ मरियम मगदलीनी कब्र प आइ। अउर उ देखेस कि कब्र क पाथर हटा अहइ। ²फिन उ दौड़ क समौन पतरस अउर ईसू क पियारा चेलन क लगे पहुँची। अउर ओनसे बोली, “उ पचे पभूँ

क कब्र स निकालके लइ गएन। अउर हमका पचे क इ पता नाहीं अहइ कि उ सबेन्ह ओका कहाँ रखे अहई।”

³फिन पतरस अउर उ दूसर चेला हुवाँ स कब्र क तरफ चल पड़ेन्ह। ⁴उ दुइनउँ साथे साथे दउरत रहेन मुला दूसर चेला पतरस स आगे चला गवा अउर कब्र प पहिले पहुँच गवा। ⁵उ नीचे निहुरिके देखेस कि हुवाँ कब्र क कपरा परा अहइ, मुला उ भीतर नाहीं गवा। ⁶उहइ समइ समौन पतरस जउन ओकरे पाछे पाछे आवत रहा, उहउ आइ पहुँचा अउर कब्र क अन्दर चला गवा। उ देखेस कि हुवाँ कफन क कपरन परा अहई। ⁷अउर उ कपरा जउन गाड़त क समइ ओकरे मूँडे कइँती रहा, उ कफन क साथ नाहीं अहइ, उ अलग स दूसरी जगह प रखा रहा। ⁸फिन दूसर चेला जउन कब्र प पहिले पहुँचा रहा, उहउ भीतर घुसा। उ देखेस अउर बिसवास करेस। ⁹(उ पचे अबहुँ तलक पवित्तर सास्तर क इ बचन नाहीं समझे रहेन कि ओका मरा मनइयन स जी उठब एकदम पक्का अहइ।)

मरियम मगदलीनी क ईसू दर्शन दिहेस

(मरकुस 16:9-11)

¹⁰फिन उ दुइनउँ चेलन अपने अपने घरे चला गएन। ¹¹मरियम रोवत चिल्लात कब्र क बाहेर खड़ी रहि गइ। रोवत चिल्लात उ कब्र में अन्दर झोंकि के बदे नीचे झुकी। ¹²जउने जगह ईसू क सब रखा रह, हुवाँ उ सफेद कपरा पहिरे दुइ ठु सरगदूत बइठा रहेन, ओहमाँ स एक ठु सिरहाने प बइठा रहा अउर दूसर पइताने प बइठा रहा।

¹³उ पचे ओसे पूछेन, “ऐ स्त्री तू काहे क रोअति अहा?” उ जवाब दिहेस, “उ पचे मोरे पभूँ क उठाइ लइ गवा अहई अउर मोका इ पता नाहीं बाटइ कि ओका कहाँ रखे अहई?” ¹⁴एँतना कहिके उ मुड़ी अउर देखेस कि ईसू खड़ा अहइ। मुला उ जानि नाहीं पाएस कि उ ईसू रहा।

¹⁵ईसू ओसे कहेस, “ऐ स्त्री तू काहे रोअति अहा? तू केका खोजति अहा?”

उ इ जानेस कि पूछइवाला माली अहइ, उ ओसे कहेस, “महासय, जउ तू कबहुँ ओका उठाए होया तउ मोका बतावा कि तू ओका कहाँ रखे अहा? मई ओका लइ जाबइ।”

¹⁶ईसू ओसे कहेस, “मरियम।”

उ पाछे मुड़ी अउर इब्रानी में कहेस, “रब्बूनी” (मतलब “हे गुरु।”)

¹⁷ईसू ओसे कहेस, “मोका जिन छुआ काहेकि मई अबहिँ तलक परमपिता क पास ऊपर नाहीं पहुँचा अही। तू मोरे भाइयन क लगे जाइके बतावा, मई अपने परमपिता अउर तोहरे परमपिता तथा अपने परमेस्सर अउर तोहरे परमेस्सर क पास ऊपर जात अही।”

¹⁸मरियम मगदलीनी आइके चेलन क सम्मन्वा बताएस, "मई पर्भू क देखेउँ!" अउर उ मोका इ बात बताएस।

चेलन क दर्शन देब

(मती 28:16-20; मरकुस 16:14-18; लूका 24:36-49)

¹⁹उहइ दिन संझा क, उ हफ्ता क पहिला दिन रहा ओकर चेलन यहूदियन क डरके मारे आपन आपन दरवाजा बन्द करे रहेन। उहइ समइ प ईसू आइके ओनके बीच मँ खड़ा होइ गवा अउर ओनसे कहेस, "तोहका सबका सान्ति मिलइ।" ²⁰एतना कहिके उ ओनका सबेह क आपन हाथ अउर आपन बगल देखाएसा सब चेलन अपने पर्भू क देखके बहुत आनन्द मँ आइ गएन।

²¹तउ ईसू ओनसे फिन कहेस, "तोहका सबका सांति मिलइ। वइसेन जइसेन परमपिता मोका भजेस, मई तू पचे क भेजत अही।" ²²इ कहिके उ ओनके सबके ऊपर फूँक मारेस अउर ओनसे कहेस, "पवित्र आत्मा क अपनाइ ल्या।" ²³जउने मनई क पाप क तू छमा करत ह, ओनका छमा मिलत ह अउर जउन मनई क पापन क तू छमा नहीं करत्या, उ सब बिना छमा पाए रहत ही।"

ईसू थोमा क दर्शन दिहिस

²⁴थोमा जउन बारह मँ स एक रहा अउर दिदुमुस कहवावा जात रहा, जब ईसू आवा रहा तउ ओकरे साथे नहीं रहा। ²⁵दूसर चेलन ओसे कहत रहेन, "हम पर्भू क देखे" मुला उ ओनसे कहेस, "जब उ तलक मई ओकरे हाथन मँ कील क निसानी न देख लेब अउर ओहमाँ आपन अंगुरी न डाइ लेब, तथा ओकरे पंजरे मँ आपन हाथ न डाइ लेब तब तक मई बिसवास न करबा।"

²⁶आठ दिन क बाद ओकर चेलन फिन एक दाई घरे क भीतर रहेन। अउर थोमा ओनके साथे रहा। दरवाजा प ताला लगा रहा, मुला ईसू आवा अउर ओनके बीचे मँ खड़ा होइके बोला, "तोहका सबन क सान्ति मिलइ!" ²⁷फिन उ थोमा स कहेस, "हाँ आपन अंगुरी अब अउर मोर हाथ देख, आपन हाथ फैलाइके मोरे पंजरे मँ डावा। सन्देह करब छोड़ द्या अउर बिसवास करा।"

²⁸एकर जवाब देत थोमा बोला, "मोर पर्भू हे मोर परमेस्वर!"

²⁹ईसू थोमा स कहेस, "तू मोका देखिके बिसवास करे अहा। मुला उ पचे धन्य अहई जउन बिना देखे बिसवास करत ही।"

इ किताब यूहन्ना काहे लिखेस

³⁰ईसू अउर तमाम चमत्कार चिन्ह अपने चेलन क देखाएस जउन इ किताब मँ नहीं लिखी अहई। ³¹अउर

जउन बात हिआँ लिखी अहई। उ इ बदे लिखी अहई कि तू बिसवास करा कि ईसू ही परमेस्वर क पूत मसीह अहइ। अउर इही बदे कि बिसवास करत ओकरे नाउँ स तोहका सबन क अनन्त जीवन मिलइ।

ईसू झील प परगट भवा

21 एकरे बाद झील तिबिरियास प ईसू अपने चेलन क समन्वा फिन खुदइ क परगट किहिस। उ खुदइ क इ तरीके परगट किहिस। ²समौन पतरस, थोमा (जउन जुड़ीधा कहवावा जात रहा) गलील क काना क नतनएल, जब्दी क बेटवन अउर ईसू क दुइ ठु चेलन हुवाँ इकट्ठा रहेन। ³समौन पतरस ओनसे कहेस, "मई मछरी पकड़इ जात अही।"

उ पचे ओसे बोलेन, "हमहूँ पचे तोहरे साथे चलत अही।" उ सबेह ओकरे साथे चल दिहेन अउर नाउ प बइठ गएन। मुला उ रात उ पचे कछू नहीं पकड़ पाएन।

⁴अब तलक सबेर होइ गवा रहा। मुला चेलन क पता नहीं चल पावा कि हुवाँ ईसू अहइ। ⁵फिन ईसू ओनसे कहेस, "लड़को, तोहरे लगे कउनो मछरी अहइ?" उ पचे जवाब दिहेन, "नाहीं।"

⁶फिन उ कहेस, "नइया क दहिनी तरफ जाल फेंका तउ तोहका कछू मिली।" तउ उ पचे जाल फेंकेन मुला एतना जियादा मछरी रहिन कि फिन जाल क वापस नाही खींच पाएन।

⁷फिन ईसू क पियारा चेला पतरस स कहेस, "इ तउ पर्भू अहइ।" जब समौन इ सुनेस कि उ पर्भू अहइ तउ उ आपन बाहेर पहिनइवाला कपरा कस लिहिस (काहेकि उ गंगा रहा) अउर पानी मँ कूद पड़ा। ⁸मुला दूसर चेलन मछलिअन स भरा जाल खींचत भए नाउ स किनारे आएन (काहेकि उ धरती स जियादा दूर नहीं रहेन, ओनकइ दूरी करीब सौ मीटर क रही।) ⁹जब उ पचे किनारे आएन तउ हुवाँ जरत कोयलन क आग देखेन। ओकरे ऊपर मछरी अउर रोटी पकावइ क बदे रखी रही। ¹⁰ईसू ओसे कहेस, "तू पचे जउन मछरी पकरे अहा, ओहमाँ स कछू लइ आवा।"

¹¹फिन समौन पतरस नाउ प गवा अउर एक सौ तिरपन बड़ी मछरिअन स भरा जाल किनारे प खींच लिहिस। जाल मँ एतनी अधिक मछरी रहिन मुला जाल फटा नहीं।

¹²ईसू ओनसे कहेस, "हियाँ आवा अउर खाना खा।" ओकरे चेलन मँ स कउनो क हिम्मत नहीं परी कि ओसे पूछ सकइ कि, "तू कउन मनई अहया?" काहेकि उ जान ग रहेन कि उ पर्भू अहीं। ¹³ईसू आगे गवा। उ रोटी लिहिस अउर ओनका दइ दिहिस अउर इहइ तरह स मछरियन क दइ दिहिस।

¹⁴अबइ तीसरी बार रहा जब कि मरे क बाद जी उठिके उ आपने चेलन क सम्मन्वा परगट भवा।

ईसू क पतरस स बातचीत

¹⁵जब पचे उ खाना खाइ चुकेन तउ ईसू समौन पतरस स कहेस, “यूहन्ना क बेटवा समौन, जेतना पिरेम इ मोसे करत ह, तू मोसे ओसे जियादा पिरेम करत ह?”

पतरस ईसू स कहेस, “हाँ पभूँ तू जानत ह कि मई तोहसे केतना पिरेम करित ह।”

ईसू पतरस स कहेस, “मोरे मेमनन क रखवाली करा।”

¹⁶उ ओसे दुसरी बार बोला, “यूहन्ना क बेटवा समौन, का तू मोसे पिरेम करत ह?”

पतरस ईसू स कहेस, “हाँ पभूँ तू जानत अहा कि मई तोहसे पिरेम करित ह।” ईसू पतरस स कहेस, “मोरी भेड़न* क देखभाल कर।”

¹⁷ईसू फिन तीसरी बार पतरस स कहेस, “यूहन्ना क बेटवा समौन, का तू हमसे पिरेम करत ह?”

पतरस दुखी होइ गवा कि ईसू ओसे तीसरी बार पूछेस, “का तू मोसे पिरेम करत ह?” इ बदे पतरस ईसू स कहेस, “पभूँ तू सब कछू जानत ह, तू जानत अहा कि मई तोहसे पिरेम करित ह।”

ईसू ओसे कहेस, “मोरी भेड़न क चरावा। ¹⁸मई तोहसे सत्य कहत अहउँ, जब तू जवान रहया, तउ तू अपनी कमर प फेंटा कस क जहाँ चाहत रहया, चला जात रहया। मुला जउ तू बुढाइ जाब्या, तउ हाथ पसरब्या अउर कउनो दूसर तोहका बांधके जहाँ तू नहीं जाइ

चहब्या, हुवाँ लइ जाई।” ¹⁹(उ इ दरसावइ क बदे अइसा कहेस कि उ कउने तरह क मउत स परमेस्सर क महिमा करी।) एतना कहिके उ ओसे कहेस, “मोरे पाछे चला आवा।”

²⁰पतरस पाछे मुड़ा अउर देखेस कि उ चेलन जेसे ईसू पिरेम करत रहा, ओनके पाछे आवत अहइ। (इ उहइ रहा जउन भोजन करत ओकरी छाती प झुकके पूछे रहा, “पभूँ उ कउन अहइ, जउन तोहका धोखे स पकड़वाइ?”) ²¹जब पतरस ओका देखेस तउ उ ईसू स बोला, “पभूँ एकर का होई?”

²²ईसू ओसे कहेस, “जदि मई इ चाही कि जब तलक मई आई, इ हिआँ रहइ, तउ तोहसे का मतलब? तू मोरे पाछे चला आवा।”

²³इ तरह स इ बात भाइयन (मनवइयन) में हिआँ तलक फइल गइ कि उ चेला जेका ईसू पियार करत ह न मरी। ईसू इ नहीं कहे रहा कि उ न मरी, बल्कि उ तउ एतना कहे रहा, “जदि मई चाही कि जब तलक मई आई, इ हिआँ रहइ तउ तोहसे का मतलब?”

²⁴इहइ उ चेला अहइ जउन एकइ सबके साच्छी देत ह कि जउन इ सब बात लिखे अहेउँ सब सही अहइ।

²⁵ईसू इहइ तरीके बहुत काम करेस। जदि एक एक कइके ओन सबका लिखा जात तउ मई सोचित ह कि जउन किताब लिखी जातिन, उ एतना जियादा होतिन कि पूरी धरती प न अमातिन।

प्रेरितन क काम

लूका क लिखी भइ दूसर किताबे क जानकारी

1 हे थियुफिलुस, मई आपन पहिली किताबे मँ ओन सबइ कामे क बारे मँ लिखेउँ ह जेका सुरु स ईसू किहेस ह अउर ²उ दिना तलक उ प्रेरितन* क जेनका उ चुनेस जब ताई उ पवित्तर आत्मा क आदेस क अनुसार उ सरगे मँ ऊपर नाहीं उठाइ लीन्ह गवा। ³आपन मउत क पाछे उ आपन क ठोस प्रमाण लइ के ओनके समन्वा परगट भवा कि उ जिअत बा। उ चालीस दिना तलक ओनके अगवा परगट होत रहा अउर परमेस्सर क राज्य क बारे मँ ओनका बतावत रहा। ⁴फिन एक दाई ओनके संग खइया क खात रहा तउ उ ओनका हुकुम दिहेस, “यरूसलेम क जिन तजा अउर मुला जेकरे बारे मँ तोसे कहयों कि, परमपिता क सपथ पूरा होइ तलक जोहत रहा। ⁵काहेकि यूहन्ना तउ पानी स बपतिस्मा दिहेस, मुला अब तनिक दिना क पाछे पवित्तर आत्मा स बपतिस्मा दीन्ह जाइ।”

ईसू क सरगे मँ लइ जावा जाब

⁶तउ जब उ प्रेरितन आपुस मँ भेटेन, उ पचे पूछेन, “पभू! का तू इहइ समइ प इब्राएल क राज्य क फिन स लिआइ देब्या?”

⁷उ ओनसे कहेस, “उ बेलन या तिथियन का जानब तोहार काम नाहीं, जेका परमपिता खुद आपन अधिकार स तय किहे अहइ। ⁸मुला जब पवित्तर आत्मा तोह प आइ, तोहका सक्ती मिलि जाइ। अउर यरूसलेम मँ, समूचइ यहूदिया अउर सामरिया मँ अउर धरती क छोर तलक तू पचे मोर साच्छी होब्या।”

⁹एतना कहे क पाछे ओनकइ लखत लखत ओका सरगे मँ ऊपर उठाइ लीन्ह गवा। अउर फिन एक बादर ओका आँखी स ओझल कइ दिहेस। ¹⁰जब उ जात रहा तउ पचे आँखी पसारि के ओका निहारत रहेन। तबहिं फउरन सफेद कपड़ा पहिरिके दुइ मनई ओकरे समन्वा आइके ठाड़ भएन।

¹¹अउर बोलेन, “अरे गलीली मनइयो! तू पचे हुवाँ ठाड़ भवा टकटकी काहे लगाए बाट्या? इ ईसू तोहरे बीच स सरगे मँ ऊपर उठाइ लीन्ह गवा, जइसे तू ओका

सरगे मँ जात देख्या, वइसे ही उ फिन वापिस लौटि आई।”

एक नवा प्रेरित क चुना

¹²फिन उ प्रेरितन जैतून नाउँ क पर्वत स, यरूसलेम लौटि आएन जउन यरूसलेम स कउनो एक किलोमीटर दूर रहा। ¹³अउर हुवाँ पहुँचिके ऊपर क उ कमरा मँ गएन जहाँ उ पचे ठहरा रहेन। इ पचे रहेन-पतरस, यूहन्ना, याकूब, अन्द्रियास, फिलिप्पुस, थोमा, बरतुलमै अउर मत्ती, हलफई क बेटवा याकूब, समौन जेलोतेस अउर याकूब क बेटवा यहूदा।

¹⁴एनके संग कछू स्त्रियन, ईसू क महतारी मरियम अउर ईसू क भाई भी रहेन। इ सबइ आपन क एक संग पराथना मँ चित लगाए राखत रहेन।

¹⁵फिन इ दिनन मँ पतरस भाई-बंद क बीच खड़ा होइके, जेकर गनती कउनो एक सउ बीस रही, कहेस,

¹⁶“मोरे भाइयो, ईसू क गिरफतार करावइ वाले मनइयन क अगुआ यहूदा क बारे मँ, पवित्तर सास्तर क उ लेख जेका दाऊद आपन मुँहे स पवित्तर आत्मा बहोत पहिले ही कहे रही, ओकर पूर होब जरुरी रहा। ¹⁷उ हम पचन मँ गना गवा रहा अउर इ सेवा मँ ओकर हाथ रहा।”

¹⁸इ मनई जउन धन ओका ओकरे नीचपना क कामे बरे मिला रहा, उ धने स एक तु खेत मोल लिहेस मुला उ पहिले तउ मूँडे क बल भहरान अउर फिन बदन फाटि गवा अउर ओकर अँतड़ी बाहेर निकरि आइ। ¹⁹अउर सबइ यरूसलेम क बसइयन क एकर पता लग गवा। यह बरे ओनकइ भाखा मँ उ खेत क हकलदमा कहा गवा जेकर अरथ अहइ “लहू क खेत।” ²⁰पतरस कहेस, “काहेकि भजन संहिता मँ इ लिखा बा,

‘ओकर घर उजरि जाइ अउर ओहमाँ रहइ क कउनो मँ बचइ।’

भजन संहिता 69:25

अउर,

‘ओकर मुखियई कउनो दूसर मनई लइ लेइ।’

भजन संहिता 109:8

प्रेरितन चेलन जेनका ईसू आपन खास मदद करइया चुनेस।

21-22 यह बरे इ जरूरी अहइ कि जब पर्भू ईसू हमरे बीच रहा तउ जउन मनइयन हमरे संग सदा रहेन, ओहमों स कउनो एक क चुना जाए। कहइ क मतलब उ समइ स लइके जब स यूहन्ना मनइयन क बपतिस्मा देब सुरु किहेस अउर जब तलक ईसू क हमरे बीच स उठाइ लीन्ह गवा रहा। इ मनइयन में स कउनो एक क ओकरे फिन स जी उठइ क हमरे संग साच्छी होइ चाही।”

23 यह बरे उ पचे दुइ मनई क नाउँ दिहेन। एक यूसुफ जेका बरसबा कहा जात रहा (यूसुतुस नाउँ स जाना जात रहा) अउर दूसर मत्तियाह। 24 फिन उ पचे इ कहत भवा पराथना करइ लागेन, “पर्भू! तू सबहि क मनवा क जानत ह, हमका बतावा कि इ दुइने में स तू केका चुन्या ह 25 जउन एक प्रेरित क तरह सेवा करइ बरे इ ओहदा क लइ लेई जेका आपन उठर पर जाइ बरे ओहदा छोड़के चला गवा रहा!” 26 फिन उ पचे एकरे बरे पर्ची नाएन अउर पर्ची मत्तियाह क नाउँ क निकरी। इ तरह गियारह प्रेरितन क दल में गना गवा।

पवित्र आतिमा क अवाई

2 जब फिलिस्तीन क दिन आवा तउ उ पचे एक ठउर प बटुरा रहेन। 2 तबइ हुवाँ एकाएक अकासे स खउफनाक आँधी क सब्द आवा। अउर जउन घरे में उ पचे बइठा रहेन, ओहमों समाइ गवा। 3 अउर आगी क उठत लपट जइसी जीभ हुवाँ समन्वा देखोइ देइ लाग। अउर ओनका आगी क उठत लपट जइसी जिभिया देखोइ लागिन। उ सबइ बँटी भइ जीभ एक क ऊपर आइ ठहरिन। 4 उ पचे पवित्र आतिमा स भावित भएन। अउर आतिमा स दीन्ह गए सामर्थ क अनुसार उ सबइ दूसर भाखन में बोलइ लागेन।

5 हुवाँ यरूसलेम में अकास क तरे सबहिं देसन स आवा भएन यहूदी भगत रहत रहेन। 6 जबहिं इ सब्द क अवाज सुनि गई तैसहिं एक भीड़ बटुर गइ। उ पचे अचरज में पड़ा रहेन काहेकि हर कउनो ओनका आपन भाखा में बोलत सुनेस।

7 उ पचे अचम्भा में घबड़ियाइके बोलें, “इ सबइ बोलवइया मनइयन गलीली नाहीं अहईं। 8 फिन हम पचन में स हर कउनो ओनका आपन मातृभाखा में बोलत भवा कइसे सुनत अहइ? 9 हुवाँ पारथी, मेदी अउर एलामी, मेसोपोटामिया क बसइया, यहूदिया अउर कप्पूदूकिया, पुनुस अउर एसिया 10 फ्रुगिया अउर पंफालिया मिग्र अउर कूरेने सहर क निअरे लिबिया क कछु पहँटा क मनइयन, रोम स आवा भएन सैलानी, 11 जेहमाँ जन्मा भवा यहूदी अउर यहूदी धरम क मनइयन, क्रेती अउर अरबी लोग हम सबइ परमेस्सर क अचरज कारजन क आपन आपन भाखा में सुनत अहईं।” 12 उ पचे सबइ अचम्भा में पड़िके भउचक्का होइके आपुस में पूछइ लागेन, “इ का होत अहइ?” 13 मुला दूसर मनइयन प्रेरितन क मसखरी

करत भए बोलें, “इ सबइ कछू जिआदा दाखरस पिए बाटेन।”

पतरस क गोहराउब

1814 फिन गियारह प्रेरितन क संग पतरस खड़ा भवा अउर ऊँची अवाज में मनइयन क गोहराइ क कहइ लाग, “यहूदी भाइयो अउर यरूसलेम क सबहिं बासिंदा, एँकर अरथ मोका बतावइ द्या। मोरे बचन क धियान स सुना। 15 इ पचे पिए नाहीं अहईं, जइसा की तू पचे बूझत अहा। काहेकि अबहिं तउ भिन्सारे क नौ बजा अहइ। 16 मुला इ बात अहइ जेकरे बारे में योएल नबी कहे रहा:

17 परमेस्सर कहत ह: आखिरी दिना में अइसा होइ कि मई सबहिं मनइयन प आपन आतिमा उडेल देब फिन तोहार पूत अउर बितिया भविस्सबाणी करइ लगीहीं। अउर तोहार जवान मनई दर्सन पइहीं अउर तोहार बुढ़वा लोग सपना देखिहीं।

18 हाँ, उ दिना मई आपन नउकर अउर नउकराती प आपन आतिमा उडेर देब अउर उ पचे भविस्सबाणी करिहीं।

19 मई ऊपर अकासे में अचरज कारजन अउर तरखाले भुइयों प चीन्हा देखाउब खून, आगी अउर धुआँ क बादर।

20 सूरज अँधियारा में अउर चंदा रकत में बदल जाइ, अउर तब पर्भू का दिव्य अउर महान दिन आइ।

21 अउर तब हर उ कउनो क बचाव होइ जउन पर्भू क नाउँ पुकारी।’

योएल 2:28-32

22 “ओ इम्राएलियो! इ बचन क सुना: नासरी ईसू एक ठु अइसा मनई रहा जेका परमेस्सर तोहरे समन्वा अद्भुत कारज, अचरज कारजन अउर अद्भुत चीन्हन क साथ जेका परमेस्सर आपन खुद किहे रहा तोहरे बीच ओका परगट किहेस। जइसा कि तू खुद जानत ह। 23 ई मनई तोहका कउनो तय कीन्ह भइ योजना अउर पहिले क गियान क अनुसार तोहरे हवाले कीन्ह गवा रहा अउर तू पचे ओका अधर्मियन क हाथे पकड़वाइके क्रूस प चढ़वाया अउर खीला ठोंकवाइके मरवाइ दिहा। 24 मुला परमेस्सर मउत क दुःखे स अजाद कराइके फिन जिआइ दिहेस। काहेकि ओकरे बरे इ होइवाला नाहीं रहा कि मउत ओका राखि पावत। 25 जइसा कि दाऊद ओकरे बारे में कहेस ह:

‘मई हमेसा पर्भू क आपन समन्वा देखेउँ ह। उ मोरे दाहिन कइती बिराजत अहइ, काहेकि मई दुग न पावउँ।’

- 26 एहसे मोर हिरदय खुस अहइ अउर मोर बाणी आनंद में बा; मोर देह भी आसा में जिई।
 27 तू मोर आतिमा क अधोलोक में न छोड़ब्या। तू आपन पवित्तर जन क नास क अनुभव न होइ देब्या।
 28 तू ही मोरी जिन्नगी क राह क गियान कराइ दिहा ह। अउर तू ही आपन हाजिरी स मोका आनन्द स पूरा कइ देब्या।

भजन संहिता 16:8-11

29⁴मोरे भाइयन, मई पतिआइके आदि मनई दाऊद क बारे में तू पचनस कहि सकत हई कि ओकर मउत होइ गइ अउर ओका माटी दइ दीन्ह गइ। अउर ओकर कब्र हमरे हियँ आजु तलक मौजूद बा। ³⁰मुला काहेकि उ एक नबी रहा अउर जानत रहा परमेस्सर सपथ खाइके ओका बचन दिहेस ह कि उ ओकरे वंस में स कउनो एक क सिंहासन प बइठाई। ³¹यह बरे अगवा जउन होइ क बाटइ, ओका दाऊद लखत भए उ जब इ कहे रहा कि:

‘ओका अधोलोक में नाहीं छोरा गवा अउर न ही ओकरे वेह स सड़ब गलब क अंजाद लगाएस।’

तउ उ मसीह क पुनरुत्थान क बारे में ही कहे रहा। ³²इहइ ईसू क परमेस्सर पुनरुत्थान कइ दिहेस। इ सच्चाई क हम पचे साच्छी अही। ³³परमेस्सर क दाहिन हाथे कइँती सबन ते उँचका ओहवा पाइके ईसू पिता स सपथ क अनुसार पवित्तर आतिमा पाएस अउर फिन उ इ आतिमा क उडेरेंस जेका अब तू लखत बाट्या अउर सुनत बाट्या। ³⁴दाऊद सरगे में नाहीं गवा तउ उ खुद कहत ह:

‘पर्भू (परमेस्सर) मोर पर्भूस कहेस: मोरे दाहिने बइठा, जब ताई मई

- ³⁵ तोहरे बैरिन क तोहरे गोड़वा तरे गोड़ धरइ क चउकी न बनइ देइ।’

भजन संहिता 110:1

³⁶‘यह बरे इम्राएल क समूचइ मनइयन ठीक तरह स समुझ लेइ कि परमेस्सर इ ईसू क जेका तू पचे क्रूस प चढ़ाइ दिहे रहा, पर्भू अउर मसीह दुइनउँ ठहरावा ग रहेन।’

³⁷मनइयन जब इ सुनेन तउ उ पचे घबराइ गएन अउर पतरस अउर दूसर प्रेरितन स कहेन, “तउ भाई, हम सबन क का करइ चाही।”

³⁸पतरस ओनसे कहेस, “मनफिराओ अउर आपन पापे क छमा पावइ बरे तू पचन में स हर एक क ईसू

मसीह क नाउँ स बपतिस्मा लेइ चाही। फिन तू पवित्तर आतिमा क उपहार में पउब्या। ³⁹काहेकि इ सपथ तोहरे बरे, तोहरे संतान बरे अउर ओन सब कामे बरे अहइ जउन बहोत दूर बाटेन। इ सपथ ओन सब बरे अहइ जेनका हमार पर्भू परमेस्सर आपन लगे बोलावत ह।”

⁴⁰अउर बहोत स बचन स उ ओनका चिताउनी दिहेस अउर समझाय के ओनसे कहेस, “इ कुमार्गी पीठी स आपन खुद क बचावा।” ⁴¹तउ जउन ओकरे संदेसा क अंगीकार किहेन, ओनका बपतिस्मा दीन्ह गवा। इ तरह उ दिना उ बिसवासियन क झुण्ड में कउनो तीन हजार मनई अउर जुड गएन। ⁴²उ पचे प्रेरितन क उपदेस, संगत, रोटी क तोड़इ अउर पराथना करइ में जिअरा लगाइ दिहन।

बिसवासी क मिली जुली जिन्नगी

⁴³हर मनई प भय रहा अउर प्रेरितन क जरिये बहुत अचरज कारजन अउर अदभुत चीन्हन परगट कीन्ह जात रहेन। ⁴⁴सबहिं बिसवासी एक संग बटुरत रहेन अउर ओनके लगे जउन कछू रहा, उ पचे आपुस में बाँट लेत रहेन। ⁴⁵उ पचे आपन सबहिं चीजन अउर धन-दौलत बेंचेन अउर ओन सब चिजन्क आपुस में बाँट लिहन, जइसे जेका जरूरत रही। ⁴⁶अउर उ पचे हर दिन मंदिर में ऐक उदेस्स स मिलि जात रहेन। उ पचे घरे में रोटी तोड़ लेतेन अउर आनंद अउर निर्मल मन स खात रहेन। ⁴⁷उ पचे सब मनइयन क नीक बिचार क आनंद लेत भए पर्भू क स्तुति गावत रहेन। अउर हर दिन परमेस्सर, जेनकइ उद्धार करत, ओनकइ दल में अउर जोरि दीन्ह जात।

लँगड़ा भिखारी क चंगा कीन्ह जाब

3 दुपहरिया क बाद तीन बजे पराथना क समइ पतरस अउर यूहन्ना मंदिर जात रहेन। ²तबहिं एक तु अइसा मनई जउन जनम स ही लँगड़ा रहा, लइ जावा जात रहा। उ पचे हर दिना ओका मंदिर क सुन्नर नाउँ क फाटक प बइठाइ देत रहेन। काहेकि उ मंदिर में जाइवाला मनइयन स पइसा माँग सकइ। ³ई मनई ने जब देखा यूहन्ना अउर पतरस मंदिर में प्रवेस करयवाला अहई तउ ओनसे पइसा मागेंस। ⁴यूहन्ना क संग पतरस ओकरी कइँती लखत भए बोलेन, “हमरी कइँती लखा।” ⁵तउ उ ओनसे कछू मिल जाइ क आसा करत भवा ओनकर कइँती लखेंस। “मुला पतरस कहेस, “मोरे लगे सोना या चाँदी तउ अहइ नाहीं मुला जउन कछू अहइ, मई तोहका देत हई। नासरी ईसू मसीह क नाउँ स ठाड़ हवा अउर चला।” ⁷फिन ओकर दाहिन हथवा धइके ओका उठाएस. फउरन ओकरे गोड़वा अउर अखनी में जान आइ गइ। ⁸अउर उ फिन आपन गोड़वा क बल उछरा अउर चल दिहसा। उ उछरत कूदत चलत अउर

परमेस्सर क स्तुति गावत ओनकइ संग मंदिर मँ घुसा।⁹सबहिं मनइयन ओका चलत अउर परमेस्सर क स्तुति गावत लखेन।¹⁰पहिचानेन कि इ उहइ अहइ जउन मंदिर क सुन्नर दुआरे प बइठा भीख माँगत रहा। ओकरे संग जउन कछू भवा रहा ओह पइ उ पचे अचरज स भरि अउर चकित होइ गएन।

पतरस क प्रबचन

¹¹उ मनई अबहिं पतरस अउर यूहन्ना क संग रहा। तउ सबहिं मनई अचम्भा मँ पड़िके उ ठउर प ओकरे लगे दउड़त दउड़त आएन जउन सुलैमान क ड्यौड़ी कहवावत रहा।¹²पतरस जब इ लखेस तउ उ मनइयन स बोला, "हे इम्राएल क मनइयन, तू पचे इ बाते प चकित काहे होत बाट्या? अइसे घूरि घूरिके हमका काहे लखत बाट्या, जइसे मान ल्या हम ही आपन सक्ती या बल प इ मनई क चलइ फिरइ जोग बनइ दीन्हह।¹³इब्राहीम, इसहाक अउर याकूब क परमेस्सर, हमरे पूर्वजन कपरमेस्सर आपन सेवक ईसू क महिमा स बखानेस। अउर तू पचे ओका मरवावइ बरे धरवाइ दिहा। अउर फिन पिलातुस क जरिए ओका छोर दिहे जाए क जिअरा मँ ठान लेइ स पिलातुस क समन्वा तू पचे ओका मानइ स इनकार कइ दिहा।¹⁴ईसू पवित्तर अउर भोला रहा मुला तू ओका मान्या नाहीं अउर माँग्या कि एक हत्तियारा क तोहरे बरे छोरे दीन्ह जाइ।¹⁵जो मनइयन क जिन्नगी देत रहा ओका तू मारि डाय़ा मुला परमेस्सर मरा भवा मँ स ओका पुनर्जीवन दिहस। हम एँकर साच्छी अही।

¹⁶इ ईसू क सक्ती रही जउन इ लँगड़ा क चंगा किहेस। इ भवा काहेकि हम ईसू क सक्ती मँ पतिआइत ह। तू पचे इ मनई क लख सकत ह अउर तू सबइ ओका जानत ह। उ पूरी तरह स चंगा होइ गवा काहेकि उ ईसू मँ ओकर बिसवास रहा। तू पचे निहार्या कि इ सब कछू भवा।

¹⁷हे भाइयो, अब मई जानत हई कि जइसे अग्याने मँ तू सबइ वइसा ही किहा, वइसा ही तोहार ही नेतन किहना।¹⁸परमेस्सर आपन सबहिं नबियन क मुँहना स बकरवाइ दिहेस कि ओकरे मसीह क दुःख भोगे पड़ी। उ इ तरह पूरा किहेस।¹⁹यह बरे तू आपन मनफिरावा अउर परमेस्सर कइँती फिरि आवा काहेकि तोहार पाप धोइ दीन्ह जाँइ।²⁰जेसे पर्भू क हाजिर होइ क समइ आतिमा क सान्ति क समइ आइ जाइ अउर पर्भू तोहरे बरे मसीह क पठवइ जेका उ तोहरे बरे चुन लिहे बा, कहइ क अरथ ईसू मसीह।²¹मसीह क उ समइ तलक सरग मँ रहइ क होइ जब ताई सबहिं बातन पहिले जइसी न होइ जेनके बारे मँ बहोत पहिले ही परमेस्सर पवित्तर नबियन क मुँहना स बताइ दिहे रहा।²²मूसा कहे रहा, 'पर्भू परमेस्सर तोहरे बरे, तोहरे आपन लोगन मँ स ही

एक मोरे जइसा नबी खड़ा करी। उ तू पचन स जउन कछू कहइ, तू पचे उहइ प चल्या।²³अउर जउन मनई उ, इ नबी क बात न सुनी, मनइयन मँ स ओका परमेस्सर क मनइयन स अलग कर दीन्ह जाई।'*²⁴समूएल अउर ओकरे पाछे आए भए सबहिं नबियन जब कबहुँ कछू कहेन तउ एनही दिनन क एलान किहेन।²⁵अउ तू सबइ तउ ओन नबियन अउर उ करार क उत्तराधिकारी अहा जेका परमेस्सर तोहरे पूर्वजन क संग किहे रहा। उ इब्राहीम स कहे रहा, 'तोहरे सन्ताने स धरती क सभी राष्ट्र क मनइयन आसीबाद पइहीं।'*²⁶परमेस्सर जब आपन सेवक क पुनर्जीवित किहेस तउ पहिले पहिले उ तोहरे लगे पठएस काहेकि तू पचनक तोहरे बुरे राहे स दूर कइके आसीबाद देई।"

पतरस अउर यूहन्ना यहूदी सभा क समन्वा

4 अबहिं पतरस अउर यूहन्ना मनइयन स बतियात रहेन कि याजक, मंदिर क सिपाहियन क मुखिया अउर कछू सदुकीयन ओनकइ लगे आएन।²उ पचे ओनसे इ बाते प भिनका रहेन कि पतरस अउर यूहन्ना उपदेस देत भए ईसू क मरे हुएन मँ स जी उठइ क जरिए पुनरुत्थान क प्रचार करत रहेन।³तउ उ पचे ओका बंदी बनइ लिहेन अउर काहेकि उ समइ सौझ होइ ग रही, यह बरे दूसर दिना हौलात मँ राखेन।⁴मुला उ पचे उ संदेसा सुनेन कि ओनमँ स बहोतन ओह प बिसवास अउर इ तरह ओनकइ गनती पाँच हजार ताई पहोंच गइ।⁵दूसरे दिन यहूदी नेतन बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर धरम सास्तिरियन यरूसलेम मँ बटुरेन।⁶महायाजक हन्ना, काइफा, यूहन्ना, सिकन्दर अउर महायाजक क परिवारे क सबहिं मनई भी हुवाँ हाजिर रहेन।⁷उ सबइ इ प्रेरितन क आपन समन्वा खड़ा कइके पृछइ लागेन, "तू पचे कउने सक्ती या अधिकार स इ काम किहे ह?"

⁸फिन पवित्तर आतिमा* क सवार होए स पतरस ओनसे कहेस, "हे मनइयन क नेतन अउर बुजुर्ग नेतन।⁹जदि आजु हमसे एक बीमार मनई क संग कीन्ह भलाई क बारे मँ इ पूछब पछोरब होत अहइ कि उ नीक कइसे होइ गवा।¹⁰तउ तू सबनक अउर इम्राएल क मनइयन क इ पता होइ जाइ चाही कि इ काम नासरी ईसू मसीह क नाउँ स भवा ह जेका तू पचे क्रूस प चढ़ाइ दिहा ह जेका परमेस्सर मरि जाए प पुनर्जीवित कइ दिहस ह। उहइ क जरिए पूरी तरह स नीक भवा इ मनई तोहरे समन्वा ठाइ बा।¹¹इ ईसू उहइ

'पर्भू... जाई' व्यवस्था 18:15; 19

'तोहरे ... पइई' उत्पत्ति 22:18; 26:24

पवित्तर आतिमा परमेस्सर क आतिमा, मसीह क आतिमा अउ सहायक। परमेस्सर अउ ईसू क मिलि जाए स उ मनइयन मँ परमेस्सर क काम करत ह।

‘पाथर अहइ जेका तू सबइ राजमिस्तरा लोग तुच्छ जान्या रहा, उहइ बहोत खास पाथर बन गवा अहइ।’

भजन संहिता 118:22

¹²कउनो दूसर स उद्धार नाही अहइ, संसारे में अउर दूसर नाउँ नाही अहइ जेहसे मानव जाति बचाई जाय सकइ। हम सब ईसू स ही उद्धार पाउब।”

¹³उ पचे जब पतरस अउर यूहन्ना क निडर होब निहारेन अउर इ समुझेन कि पतरस अउर यूहन्ना अनपड़ अउर साधारण मनइ रहेन तउ ओनका बहोत अचरज भवा। फिन उ पचे जान गएन कि इ सबइ ईसू क संग रहि चुका बाटेन। ¹⁴अउर काहेकि उ पचे उ मनई क जउन चंगा भ रहा, ओनकइ संग खड़ा भवा लखत रहेन। तउ ओनकइ लगे तनिकउ बोलइ क कछू नाही रहा। ¹⁵उ पचे ओनसे यहूदी महासभा स निकर जाइ क कहेन अउर फिन उ सबइ इ कहत भए आपुस में बिचार करइ लागेन कि ¹⁶“इ पचन्क संग कइसा बिबहार कीन्ह जाइ? काहेकि यरूसलेम में बसइया हर कउनो जानत ह कि एँके जरिये एक तु अचरज क काम कीन्ह गवा ह अउर हम ओका मना नाही कइ सकित। ¹⁷मुला हम एँका चिताउनी दइ देइ कि उ सबइ इ नाउँ क बात कउनो अउर मनई स जिन करई काहेकि मनइयन में इ बात क संवरइ क अउर फैलि जाइ स रोक जाइ सकइ।”

¹⁸तउ पचे ओनका भीतर बोलाएन अउर हुकुम दिहेन कि उ पचे ईसू क नाउँ प न तउ कउनो स कछू बात करइ अउर न ही उपदेस देई। ¹⁹मुला पतरस अउर यूहन्ना ओनका जवाब दिहेन, “तू पचे ही फरियावा, का परमेस्सर क समन्वा हमरे बरे इ नीक होइ कि परमेस्सर न सुनिके हम तोहार सुनी? ²⁰हम, जउन कछू हम पचे लखा ह अउर सुना ह, ओका कहे क आलावा अउर कछू नाहिं कर सकित।” ²¹⁻²²फिन उ पचे ओनका धमकाए क पाछे छोड़ दिहेन। ओनका सजा देइ क कउनो रस्ता नाही मिलि सका काहेकि जउन कछू भवा रहा, ओकरे बरे सबहिं मनइयन परमेस्सर क स्तुति करत रहेन। जउने मनई क नीक करइ क इ काम कीन्ह गवा रहा, ओकर उमिर चालीस बरिस स जिआदा रही।

पतरस अउर यूहन्ना क लउटव

²³जब ओनका छोड़ दीन्ह गवा तउ आपन ही मनइयन क लगे आइ गएन अउर ओनसे जउन कछू मुख्ययाजक अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन कहेन, उ सब ओनका कहिके सुनावा गवा। ²⁴जब उ पचे इ सुनेन तउ मिलिके उँची अवाज में परमेस्सर क गोहरावत भवा बोलेन, “स्वामी, तू ही आकास, धरती, समुदर अउर ओकरे अंदर जउन कछू अहइ, ओका बनाया ह। ²⁵तू ही पवित्र आतिमा

क जरिये आपन सेवक, हमरे पूर्वज दाऊद क मुँहना स कहे रहा:

‘देखाएन इ जातिन आपन अहंकार काहे? मनइयन वृथा ही कुचाल काहे किहेन?’

²⁶ इ धरती क राजा लोग आपन क तइयार किहेन ओनके खिलाफ जुद्ध बरे। अउर राजा बटुर गएन पभू अउर ओकरे मसीह क खिलाफत में।’

भजन संहिता 2:1-2

²⁷हाँ, हेरोदेस अउर पुन्तियुस पिलातुस भी इ सहर में गैर यहूदियन अउर इग्राएलियन क संग मिलिके तोहरे पवित्र सेवक ईसू क खिलाफ, जेकर तू मसीह रूप में अभिसेक किहे ह, सचमुच उ पचे एक अउट ग रहेन। ²⁸उ पचे बटुर गएन काहेकि तोहार सकती अउर इच्छा क अनुसार जउन कछू पहिले ही तय होइ चुका रहा, उ पूरा होइ। ²⁹अउर अबहिं हे पभू, ओनकइ धमकिन प धियान द्या अउर आपन सेवक लोगन क निडर होइके ‘तोहार बचन’ सुनावइ क सकती द्या ³⁰जब कि चंगा किहे क पाछे आपन हाथ बढ़ाया अउर अद्भुत चीन्हन अउर अद्भुत कारजन तोहरे पवित्र सेवकन क जरिये ईसू क नाउँ प कीन्ह जात रहत ही।”

³¹जब उ पचे पराथना कइ चुकेन तउ जउने ठउरे प उ सबइ बटुरा रहेन, उ हल गवा अउर ओन सब में ‘पवित्र आतिमा’ समाइ गवा। अउर उ पचे निडर होइके परमेस्सर क बचन बोलइ लागेन।

बिसवासी क मेल जेल क जिन्गी

³²बिसवासियन क इ समूचा दल एक मन अउर एक तन स साथ रहा। कउनो भी इ नाही कहत रहा कि ओकर कउनो भी चीज ओकर आपन अहइ। ओनकइ लगे जउन कछू होत, उ पचे सब कछू क आपुस में बाँट लेतेन। ³³अउर प्रेरितन पूरी सकती क संग पभू ईसू क पुनरुत्थान क बारे में साच्छी देत रहेन। परमेस्सर क महान बरदान ओन पइ बना रहत।

³⁴दले में कउनो क कउनो चीज क कमी नाही रहत रही। काहेकि जउन कउनो क लगे खेत या घर होत, उ पचे ओका बेच देत रहेन अउर ओसे जउन धन मिलत, ³⁵ओका लिआइके प्रेरितन क गोड़वा प धइ देतेन। अउर जेका जेतनी जरुरत होत, ओका ओतँना धन दइ दीन्ह जात।

³⁶उदाहरण बरे यूसुफ नाउँ क, साइप्रस में पइया भवा, एक लेवी रहा, जेका प्रेरितन बरनाबास (अर्थात् “सान्ति क पूत”) भी कहा करत रहेन। ³⁷उ एक उ खेत बेच दिहेस जेकर उ मालिक रहा अउर उ धन लाइके प्रेरितन क गोड़वा प धइ दिहस।

हनन्याह अउर सफ़ीरा

5 हनन्याह नाउँ क एक मनई अउर ओकर पतनी सफ़ीरा मिलिके आपन दौलत क एक हींसा बेंच दिहेन।²अउ आपन पतनी क जानकारी में एहमाँ स कछू धन जुलय लिहेन। अउर कछू धन प्रेरितन क गोड़वा प धइ दिहेन।³एह पइ पतरस कहेस, “अरे हनन्याह, सइतान क तू आपन मन में इ बात नाइ देइ दिहा कि तू पवित्तर आतिमा स झूठ बोल्या अउर धरती क बेंचे स मिला धन में स तनिक बचाइके धइ लिहा? ⁴ओका बेंचइ स पहिले का उ तोहार ही नाहीं रही? अउर जब तू ओका बेंच दिहा तउ उ धन का तोहरे कब्जा में नाहीं रहा? तू इ बात क काहे सोच्या? तू मनइयन स नाहीं, परमेस्सर स झूठ बोल्या ह।”⁵हनन्याह जबहिं इ सबदन क सुनेस तउ उ चकराइके गिरि गवा अउर दम तोड़ दिहस। जउन कउनो भी इ बारे में सुनेस, सबन प गहिर भय छाइ गवा।⁶फिन जवान पुरुसन उठिके ओका कफन में लपेटेन अउर बाहरे लइ जाइके गाड़ दिहेन।

⁷कउनो तीन घण्टा पाछे, जउन कछू भवा रहा, ओका न जानत भइ ओकर पतनी भितरे आइ।⁸पतरस ओसे कहेस, “बतावा, तू आपन खेत क एँतेने में ही बेच्या ह?”

तउ उ कहेस, “हाँ, एँतना मैं ही।”

⁹तबहिं पतरस ओसे कहेस, “तू पचे दुइनउँ पभू क आतिमा क परीच्छा बरे काहे मान लिहा? लखा तोहरे भतारे क दफनावइवालन क गोड़ दुआरे ताई आइ ग अहइ अउर उ पचे तोहका भी ढोइ लइ जइहीं।”¹⁰तब उ ओकरे गोड़े प गिरि पड़ी अउर मरि गइ। फिन जवान पुरुसन भितरे आएन अउर ओका मरा पाएन। तउ उ पचे ओका ढोइके ओकरे पति क लगे ओका गाड़ दिहेन।¹¹तउ समूचइ कलीसिया अउर जउन कउनो इ बात क सुनेस, ओन सब प गहिरा भय छाइ गवा।

प्रमाण

¹²प्रेरितन क जरिये मनइयन क बीच बहोत स अद्भुत कारजन परगट होत रहेन अउर अचरज कारजन कीन्ह जात रहेन। उ पचे सबहिं सुलैमान क ओसारे में बटुरा रहेन।¹³मुला ओनमाँ स कउनो क हिम्मत प्रेरितन में मिलइ बरे नाहीं होत रही। मुला मनइयन ओनकइ गुन खूब गावत रहेन।¹⁴ओहर पभू प बिस्वास करइवालन स्त्रियन अउर पुरुसन जिआदा स जिआदा बाढ़त जात रहेन।¹⁵एँकरे कारण मनइयन आपन कछू बीमार लोगन क लाइके खटिया अउर बिछौना प गलियन में ओलारइ लागेन काहेकि तबहिं पतरस ओहर स निकरा तउ ओनमाँ स कछू प कमती स कमती छाया पड़ि सकइ।¹⁶यरूसलेम क आसपास क नगर स लोग आपन बेरमियन अउर दुस्ट आतिमा स सतावा गएन मनइयन क लइके आवइ लागेन। अउर सबहिं चंगा होइ जात रहेन।

यहूदियन क प्रेरितन क रोकइ क जतन

¹⁷फिन महायाजक अउर ओकर संगी यानी सदूकियन क दल, ओनकइ खिलाफ खड़ा होइ गएन। उ पचे मने में कुढ़त रहेन।¹⁸यह बरे उ पचे प्रेरितन क बंदी बनाइ लिहेन अउर ओनका कैदखाना में बन्द कइ दिहेन।¹⁹मुला राति क समइ पभू क एक दूत कैद क फाटक खोल दिहस। उ ओनका बाहरे लइ जाइके कहेस,²⁰“जा, मंदिर में ठाड़ होइ जा अउर इ नई जिन्नगी क बारे में मनइयन क सब कछू बतावा।”²¹जबहिं उ पचे इ सुनेन तउ भोरहिं तड़के मंदिर में घुसि गएन अउर उपदेस देइ लागेन।

फिन जब महायाजक अउर ओकर संगी हुवाँ पहेँचेन तउ उ पचे यहूदी संघ अउर इम्राइल क बुजुर्ग क पूरी सभा न्योतेन। उ पचे कैदखाना स प्रेरितन क बोलवावइ पठएन।²²किन्तु जब अधिकारी कैदखाना में पहुँचेन तउ उ पचे प्रेरितन क हुवाँ नाहीं पाएन। उ पचे लौटिके एँका बताएन अउर²³कहेन, “हम पचे कैदखाना में सुरच्छा क लगा भवा ताला अउर दुआरे प तैनात सुरच्छाकारियन क पावा। मुला जब हम दरवाजा खोला तउ हमका भितरे कउनो नाहीं मिला।”²⁴जइसेन मंदिर क सुरच्छाकारी अउर मुख्ययाजकन इ सबदन क सुनेन तउ उ पचे चकराइ गएन अउर सोचइ लागेन, “अब का होई।”²⁵एँतेने में कउनो दूसर मनई आवा अउर ओनका बताएस, “जेनका तू पचे जेल में धाँध दिहा ह, उ पचे मंदिर में खड़ा होइके उपदेस देत बाटेन।”²⁶तउ सुरच्छाकारी आपन अधिकारी क संग हुवाँ गवा अउर बिना ताकत क प्रयोग किए ओनका वापस धइ लिआवा काहेकि उ पचे डेरात रहेन कि कहूँ मनई ओनका (मंदिर क सुरच्छा कर्मी) पाथर स न मारइँ।

²⁷उ पचे ओनका भितरे लइ आएन अउर सबन त ऊँचकी यहूदी सभा क समन्वा खड़ा कइ दिहेन। फिन महायाजक ओनसे फरियावत भवा पूछेस,²⁸“हम इ नाउँ स उपदेस न देइ बरे तोहका करी हुकुम दिहे रहे। अउर तू पचे फिन भी समूचइ यरूसलेम क आपन उपदेस स भरि दिहा ह। अउर तू पचे इ मनई क मउत क अपराध हम पचे पइ लावइ चाहत बाट्या।”

²⁹पतरस अउर दूसर प्रेरितन जवाब दिहेन, “हमका मनइयन क बनिस्बद परमेस्सर क आग्या मानइ चाहीं।³⁰उ ईसू क हमरे पूर्वजन क परमेस्सर मउत स फिन जीवित कइके खड़ा कइ दिहसे ह जेका एक सूली प टाँगिके तू पचे मार डाय़ा ³¹ओका ही प्रमुख अउर उद्धारकर्ता क रूप में बड़कइ देत भवा परमेस्सर आपन दाहिन हाथे कईती बड़ठाएस काहेकि इम्राएलियन क मनफिराव अउर पाप क छमा दीन्ह जाइ सकइ।³²एँ सबन बातन क हम साच्छी अहीं अउर वइसे ही पवित्तर आतिमा भी बा उहइ परमेस्सर ओनका दिहसे ह जउन ओकरे आज्ञा क मानत हीँ।”

³³जब उ पचे इ सुनेन तउ उ पचे कोहाइ गएन अउर ओनका मारि डावइ चाहेन। ³⁴मुला महासभा में स एक गमलिलएल नाउँ क फरीसियन जउन धरमसास्तिरी अध्यापक रहा अउर जेकर सब लोग मान सम्मान करत रहेन, ठाड़ भवा अउर हुकुम दिहेस कि एँनका तनिक देरी बरे बाहेर कइ दीन्ह जाइ। ³⁵फिन उ ओनसे कहेस, “इझ्राएल क पुरसो, तू पचे इ मनइयन क संग जउन कछू करइ प उतारु अहा, ओका सोच बिचारिके किहा। ³⁶कछू समइ पहिले आपन क बड़कवा एलान करत भवा थियूदास परगट भवा। ओर कउनो चार सौ मनई ओकरे पाछे भी होइ गएन, मुला उ मार डावा गवा अउर ओकर सबहिं मनवइयन एहर ओहर छिटक गएन। ओकर फल कछू नाहीं निकरा।

³⁷ओकरे पाछे जनगणना क समइ गलीली क बसइया यहूदा परगट भवा। उ भी कछू मनइयन क आपन पाछे कइँती हैंच लिहिस। उ भी मारि डावा गवा। ओकर भी सबहिं एहर ओहर होइ गएन। ³⁸यह बरे अबहिं मईँ तू पचन्स कहत हउँ, इ मनइयन स अलग रहा, एँनका अइसे ही अकेल्ले छोरि दया काहेकि एँनकइ इ चाल या काम मनई कइँती स अहइ तउ खुद नास होइ जाइ। ³⁹मुला जदि उ परमेस्सर स अहइ तउ तू पचे ओनका रोक न पउब्या। अउर तब होइ सकत ह तू आपन खुद क ही परमेस्सर क खिलाफ लड़त भिड़त पउब्या।”

उ पचे जइसा गेमलिलएल कहेस मान लिहेन। ⁴⁰अउर प्रेरितन क भितरे बोलाइके उ पचे कोड़ा लगावाएन अउर इ आज्ञा दइके कि उ पचे ईसू क नाउँ क कउनो चर्चा न करइँ, ओनका जाइ दिहेन। ⁴¹तउ उ पचे प्रेरितन इ बात क मजा मारत भए कि ओनका ओकरे नाउँ बरे बेजत रहइ क जोगग गना गवा ह, यहूदी महासभा स बाहिर चला गएन।

⁴²फिन मंदिर अउर घर-घर में हार रोज इ सुसमाचार कि ईसू मसीह अहइ उपदेस देब अउर प्रचार करब उ पचे कबहुँ नाहीं तजेन।

ख़ास काम बरे सात मनइयन क चुना जाब

6 उ दिनन जबहिं चेलन क गनती बाढ़त रही, तउ यूनानी बोलवइया अउर इब्रानी बोलवइया यहूदियन में एक झगड़ा होइ गवा काहेकि रोजाना विधवावन क चीज बाँटइ में ओनकइ सुधि नाहीं लीन्ह जात।

²तउ बारहु प्रेरितन क समूची मण्डली क एक साथे बोलाइके कहेन, “हम सबइ बरे परमेस्सर क बचन क सेवकइ तजिके खिलाने क इन्तजाम करब नीक नाहीं अहइ। ³भाइयन, आपन में स सात नामी मनइयन क पवित्तर आतिमा अउर सूझबूझ स भरा भवा सात मनइयन क चुनि ल्या। हम ओनका इ कामे क हकदार बनइ देइ। ⁴अउर आपन आपका पराथना अउर बचन क सेवा क कामे में जिअरा लगाइ क राखब।”

⁵इ सुझावे स समूचइ मण्डली बहोत खुस भइ। तउ उ पचे बिसवास अउर पवित्तर आतिमा स भरा भवा स्तिफनुस नाउँ क मनई क अउर फिलिप्पुस, प्रखुरस, नीकानोर, तिमोन, परमिनास अउर अन्ताकिया क निकुलाऊस क यहूदी धरम क कबूले रहा, चुन लिहिस। ⁶अउर इ मनइयन क फिन उ पचे प्रेरितन क समन्वा हाजिर कइ दिहेन। प्रेरितन पराथना किहेन अउर ओन पइ हाथ धरेन।

⁷इ तरह परमेस्सर क बचन संचरइ लाग अउर यरूस्लेम में चेलन क गनती बहोत बाढ़इ लाग। याजकन क एक बहोत बड़ा गुट भी इ मत क मानइ लाग।

यहूदी स्तिफनुस क खिलाफ

⁸स्तिफनुस एक अइसा मनई रहा जउन अनुग्रह अउर सामर्थ स भरपूर रहा। उ मनइयन क बीच बड़ा बड़ा अद्भुत कारजन अउर अद्भुत चीन्हन परगट करत रहा। ⁹मुला अजाद कीन्ह भवा अइसा कहवावत मनइयन में स कछू लोग जउन कुरेनी अउर सिकन्दरिया, अउर किलिकिया अउर एसिया स आवा भएन यहूदी रहेन, उ पचे ओनकइ खिलाफ बहस करइ लागेन। ¹⁰मुला उ जउन बुद्धिमानी अउर आतिमा स बोलत रहा, उ पचे ओकरे समन्वा नाहीं टिक पाएन। ¹¹फिन उ पचे कछू क लालच दइके कहवाएन, “हम पचे मूसा अउर परमेस्सर क खिलाफ एँका बेजत स भरा सबद कहत सुना ह।” ¹²इ तरह उ पचे जनता क बुजुर्ग यहूदी नेतन क, अउर धरम सास्तिरियन लोगन्क हुस्काइ दिहेन। फिन उ पचे ओका आइके धइ लिहेन अउर सबन स सर्वोच्च यहूदी महासभा क समन्वा लइ आएन। ¹³उ पचे उ सब लबार गवाह हाजिर किहेन जउन कहेन, “इ मनई इ पवित्तर ठउर अउर व्यवस्था क खिलाफ बोलत बालत कबहुँ रुकत नाहीं बा। ¹⁴हम एँका कहत सुना ह कि इ नासरी ईसू इ जगह क नास कइ देइ अउर मूसा जउन रीति-रिवाज क हमका दिहे अहइ ओका बदल देइ।” ¹⁵फिन सबन स सर्वोच्च यहूदी महासभा में बइठा भए सबहिं मनइयन में ओका धियान स लखा तउ पावा कि ओकर मुहँना कउनो सरगदूत क नाई देखाई देत रहा।

स्तिफनुस क भाखन

7 फिन महायाजक कहेस, “का इ बात अइसे ही अहइ?” ²उ जवाब दिहस, “भाइयो, अउर बाप क समान बुजुर्गन, मोर बात सुना। हारान में बसइ स पहिले अबहिं जब हमार बाप इब्रहीम मेसोपोटामिया में रहा, तउ महिमा वाला परमेस्सर ओका दर्सन दिहेस ³अउर कहेस, ‘आपन देस अउर आपन रिस्तेदारन क तजिके तू उ धरती प चला जा, जेका तोहँका मईँ देखॉउब।’* ⁴तउ उ कसदियन क धरती क तजिके हारान में बसि गवा जहाँ ते ओकरे

पिता क मउत क पाछे परमेस्सर ओका इ देस में आवइ क न्योतेस जहाँ तू पचे अबर्हि रहत बाट्या।⁵ परमेस्सर हियाँ ओका हेबानामा में कछू नाहीं दिहस, डग भइ धरती भी नाहीं। तउ भी ओकरे कउनो पूत नाहीं रहा फिन परमेस्सर ओसे प्रतिज्ञा किहेस इ देस उ ओका अउर ओकरे बंसज क ओकरी दौलत क तरह देइ।⁶ परमेस्सर ओसे इ भी कहेस, 'तोहार बंसज कहुँ विदेस में परदेसी होइके रइहीं अउर चार सौ बरिस ताई ओका नउकर बनइके, ओनके संग बहोत बुरा बर्ताव कीन्ह जाइ।' ⁷ परमेस्सर कहेस, 'दास बनइवइवाली उ राष्ट्र क मई सजा देब अउर ऐंकरे पाछे उ पचे देस स बाहिर आइ जइहीं अउर इ स्थान प मोर सेवा करिहीं।' * ⁸ परमेस्सर इब्राहीम क खतना क चीन्हा स करार किहेस। अउर उ इ तरह इसहाक क पिता बना। ओकरे जनम क पाछे अठएँ दिन उ ओकर खतना किहेस। फिन इसहाक स याकूब अउर याकूब स बारहु कुल क पहिला मनई पइदा भएन।

⁹ उ पचे पहिलउ मनइयन यूसुफ स जलन राखत रहेन। तउ उ पचे ओका मिश्र में दास बनवइ बरे बेंच दिहेन। मुला परमेस्सर ओनके संग रहा। ¹⁰ अउर उ ओका सबहिं मुसीबतन स बचाएस। परमेस्सर यूसुफ क गियान दिहस अउर ओका इ जोग बनएस जैसे उ मिश्र क राजा फिरौन क अनुग्रह पात्र बन जाइ। फिरौन ओका मिश्र क राज्यपाल अउर आपन घर-बार क अधिकारी तैनात किहेस। ¹¹ फिन समूचइ मिश्र अउर कनान देस में अकाल पड़ा अउर बड़ा संकट छाड़ गवा। हमार पूर्वजन खाइ क कछू नाहीं पाइ सकेन। ¹² जब याकूब सुनेस कि मिश्र में अनाज अहइ, तउ उ हमरे पूर्वजन क हुवाँ पठएस इ पहिला मौका रहा। ¹³ ओनकइ दूसर जात्रा क मौका पइ यूसुफ आपन भाइयन क बारे में बताएस अउर तब्बइ फिरौन क भी यूसुफ क परिवार क जानकारी मिली। ¹⁴ तउ यूसुफ आपन पिता याकूब अउर परिवार क सबहिं लोगनक, जउन कुल मिलाइके पचहतर रहेन, बोलवाइ पठएस। ¹⁵ तब याकूब मिश्र आइ गवा अउर उ हुवाँ वइसे ही प्राण तजेस जइसेन हमार पूर्वजन हुवाँ प्राण तजे रहेन। ¹⁶ ओनकइ लहास हुवाँ स सेकम लइ जावा गएन जहाँ ओनका मकबरा में दफनाइ दीन्ह गवा। इ उहइ मकबरा रहा जेका इब्राहीम हमोर क बेटहनन स कछू चान्दी दइके खरीदे रहा।

¹⁷ जब परमेस्सर क इब्राहीम क जउन बचन दिहे रहा, ओका पूरा होइ क समइ नगिचे आवा तउ मिश्र में हमरे मनइयन क गनती बहोत जिआदा होइ गइ। ¹⁸ आखिर मैं मिश्र प एक अइसे राजा क राज्य भवा जउन यूसुफ क नाहीं जानत रहा। ¹⁹ उ हमरे मनइयन क छलेस अउर उ हमरे पूर्वजन क निर्दय होइके मजबूर किहेस कि उ

पचे आपन गदेलन क बाहिर मरइ क छोरि देई जेहसे उ सबइ जिन्दा न रहि पावई।²⁰ उहइ समइ मूसा क जन्म भवा। उ बहोत सुन्नर लरिका रहा। उ तीन महीना भर आपन पिता क घर में पलत भवा बाढ़त रहा। ²¹ फिन जब ओका बाहिर छोरि दीन्ह गवा तउ फिरौन क बितिया ओका आपन बेटवा बनइके उठाइ लइ गइ। उ आपन बेटवा क नाई ओका पालेस पोसेस। ²² मूसा क पूरपूर मिश्रियन क ग्यान क सिच्छा दीन्ह गइ। ओकर सामर्थ बोलइ अउर कामे में दुइनउँ मैं रहा।

²³ जब उ चालीस बरिस क भवा तउ उ इम्राएल क बंसज, आपन भाइयन क निअरे जाइके ठान लिहस। ²⁴ तउ जब उ एक दाई लखेस कि ओनमाँ स कउनो एक क संग बुरा व्यवहार कीन्ह जात अहइ तउ उ ओका बचाएस अउर मिश्री मनई क मारिके उ दलित मनई क कसर लिहस। ²⁵ उ सोचेस कि ओकर भाई बंधु जान जइहीं कि ओनका छोड़ावइ बरे परमेस्सर ओका बइपरत अहइ। मुला उ पचे ओका नाहीं समझ पाएन। ²⁶ दुसरे दिना ओहमाँ स (ओकरे आपन मनइयन में स) जब कछू मनई झगड़त रहेन तउ उ ओनकइ निअरे पहाँचा अउर इ कहत भवा ओनमाँ बीच-बचाव करइ लाग, 'तू पचे आपुस में भाई-भाई अहा! एक दूसर क संग बुरा बर्ताव काहे करत अहा?' ²⁷ मुला उ मनई जउन आपन पड़ोसी क संग झगड़त रहा, मूसा क धकियावत भवा कहेस, 'तोहका हमार राजा अउर न्यायाधीस के बनएस?' ²⁸ जइसे काल्ह तू उ मिश्रि क हत्या कइ दिहे रहा, का तू वइसे ही मोका मारि डावा चाहत ह?' * ²⁹ मूसा जब इ सुनेस तउ उ हुवाँ स चला गवा अउर मिवदान में एक पड़ोसी क रूप में रहइ लाग। हुवाँ ओकरे दुइ बेटवा भएन। ³⁰ चालीस बरिस बीते क पाछे सिनाई पहाड़े क लगे रेगिस्तान में एक बरत भइ झाड़ी क लपट क बीच ओकरे समन्वा एक सरगदूत परगट भवा। ³¹ मूसा जब इ लखेस तउ ओका अचरज भवा। जब अउर जिआदा नगिचे स लखइ बरे उ ओकरे लगे गवा तउ ओका पर्भू क बाणी सुनाई पड़ी। ³² मैं तोहरे पूर्वजन क परमेस्सर हउँ इब्राहीम, इसहाक अउर याकूब क परमेस्सर हउँ। * डर स कैपकँपात भवा मूसा कछू निहारइ क हिम्मत नाहीं कइ पावत रहा। ³³ तबहिं पर्भू ओसे कहेस, 'आपन गोड़वा क पनही उतार द्या काहेकि जउने ठउर प तू खड़ा अहा, उ पवित्तर भुइँया अहइ। ³⁴ मैं मिश्र में आपन मनइयन क संग दुईसा क लखेउँ ह, परखेउँ ह। मैं ओनका जोर स विलाप करत भवा सुनेउँ ह। ओनका अजाद करइ बरे नीचे उतरेउँ ह। आवा, अब मैं तोहका मिश्र पठउबा। *'

'तोहका ... ह' निर्ग 2:14

'मई ... हउँ' निर्ग 3:6

'आपन ... पठउब' निर्ग 3:5-10

'तोहार ... करिहीं' उत्पत्ति 15:13-14; निर्ग 3:12

³⁵“इ उहइ मूसा अहइ जेका उ पचे इ कहत भवा नकारेन, ‘तोहका राजा अउर न्यायकर्ता कउन बनाएस ह?’ इ उहइ अहइ जेका परमेस्सर उ सरगदूत क जरिये, जउन ओकरे बरे झाड़ी में परगत भवा रहा, राजा अउर मुक्ति देइवाला होइ बरे पठएस।³⁶उ ओनका मित्र क भुइया अउर लाल सागर अउर रेगिस्ताने में चालीस बरिस ताई बहुत अचरज कारजन करत भवा अउर अद्भुत चीन्हन दखौवत भवा, बाहेर निकारि लइ आवा।³⁷इ उहइ मूसा अहइ जउन इम्राएल क लोगन स कहे रहा, ‘तोहरे भाइयन में स ही तोहरे बरे परमेस्सर एक मोरे जइसा नबी पठइ।’ * ³⁸इ उहइ अहइ जउन वीरान जगह में सभा क बीच हमार पूर्वजन अउर उ सरगदूत क साथे मौजूद रहा जउन सीनै पहाड़े प ओसे बात कियेस। मूसा परमेस्सर स जीवित बचन पाएस जउन हमका जिन्नगी देत हीं।

³⁹मुला हमार पूर्वजन ओका मानइ स इनकार कइ दिहेन। एतना ही नाही, उ पचे ओका नकार दिहेन अउर आपन मने में फिन उ पचे मित्र लौटि गएन।⁴⁰उ पचे हारून स कहे रहेन, ‘हमारे बरे अइसे देवतन क बनावा जउन हम पचक्क राह सोझौवइ। इ मूसा क बारे में जउन मित्र स बाहेर निकारा गवा रहा, हम नाही जानित कि ओकरे संग का कछू घटा।’ * ⁴¹ओनही दिनन में उ पचे बछवा क तरह एक ठु मूरत गढ़ेन। उ मूरत प उ सबइ बलि चढ़ाएन। अउर जेका उ पचे आपन हाथे स चढ़ाएन, ओह पइ आनन्द मनावइ लागेन।⁴²मुला परमेस्सर ओनसे मुँहना मोड़ि लिहस। उ सबक्क अकासे क ग्रह-नछत्र क आराधना करइ बरे छोड़ दीन्ह गवा। जइसा कि नबियन क कितावे में लिखा अहइ:

‘ओ इम्राएल क परिवारे क लोगो, का तू पसु बलि अउर दूसर बलि वीरान में मोका नाही चढ़ावत रहया? चालीस बरिस तलक।

⁴³ तू पचे मोलेक क तम्बू अउर आपन देवता रिफान क तारा भी आपन संग लइ गवा रहे। ओन मूरत क भी लइ गवा रहे जेनका तू पचे आराधना करइ बरे बनाए रहया। यह बरे मई तोहका बेबिलान स भी परे पठउब।’

आमोस 5:25-27

⁴⁴‘पवित्तर क तम्बू भी उ वीरान में हमरे पूर्वजन क संग रहा। इ तम्बू उहइ नमूने प भी बनवा ग रहा जइसा कि मूसा लखे रहा अउर जइसा कि मूसा स बात करवइया बनावइ बनावइ बरे ओसे कहे रहा।⁴⁵हमार पूर्वजन ओका पाइके तबहिं हुवाँ स आए रहेन जब यहेोस

‘तोहरे ... पठइ’ व्यवस्था 18:15

‘हमरे ... घटा’ निर्ग 32:1

क अगुअइ मैं उ पचे उ राष्ट्रन स धरती लइ लिहे रहेन जेनका हमरे पूर्वजन क समन्वा परमेस्सर निकारिके खदेरे रहा। दाऊद क समइ तलक हुवाँ उ रहा।⁴⁶दाऊद परमेस्सर क अनुग्रह क आनन्द उठाएस। उ चाहत रहा कि उ याकूब क परमेस्सर बरे एक ठु मंदिर बनवाइ सकइ।⁴⁷मुला उ सुलेमान ही रहा जउन ओकरे बरे मंदिर बनवाएस।

⁴⁸‘कछू भी होइ परम परमेस्सर हथवा स बना भवन में निवास नाहीं करत। जइसा कि नबी कहे अहइ:

‘प्रभू कहेस, सरग मोर सिंहासन अहइ

⁴⁹ धरती गोड़वा क चौकी बनी अहइ। कउने तरह क तू बनउव्या मोर घर? अहइ कहुँ अइसी जगह, जहाँ आराम पावउँ?’

⁵⁰ का सबहिं कछू इ, मोर बनवा नाहीं रहा हाथे का?’”

यसायाह 66:1-2

⁵¹‘अरे हठीले लोग बिना खतना क मन अउर कान वाले जिदुदी मनइयन, तू पचे सदा पवित्तर आतिमा क खिलाफत किये ह। तू सबइ आपन पूर्वजन जइसा ही अहा! ⁵²का कउने भी अइसा नबी रहा, जेका तोहार पूर्वजन नाहीं सताएन? उ पचे तउ ओनका मारि डार रहया। जउन बहोत पहिले स ही उ धर्मी (मसीह) क अवाई क एलान कइ दिहे रहेन, जेका अब तू धोखा दइके पकड़वाइ दिहा अउर मरवाइ डाय।⁵³तू सबइ उहइ अहा जउन सरगदूतन क जरिये दीन्ह गवा व्यवस्था क तउ पाइ लिहा मुला ओह पइ चल्या नाहीं।”

स्तिफनुस क कतल

⁵⁴जब उ सबइ इ सुनेन तउ उ पचे किरोध स पगलाइ गएन अउर स्तिफनुस पर दाँत पीसइ लागेन।⁵⁵मुला पवित्तर आतिमा स भरा स्तिफनुस सरगे कइँती लखत रहा। उ निहारेस परमेस्सर क महिमा क अउर परमेस्सर क दाहिन कइँती खड़ा भवा ईसू क।⁵⁶तउ उ कहेस, “लखा! मई लखत हउँ कि सरग खुला भवा अहइ अउर मनई क पूत परमेस्सर क दाहिन कइँती खड़ा बा।”

⁵⁷एह पइ उ पचे चिचिआत भवा आपन कान ढाँपि लिहेन अउर फिन उ सबइ एक संग टूट पड़ेन।⁵⁸उ सबइ ओका घेरावत भए सहर स बाहेर लइ गएन अउर ओहँ पइ पाथर बरसावइ लागेन। तबहिं गवाह लोग आपन ओढ़ना उतारि के साउल नाउँ क एक ठु जवान क गोड़े प धइ दिहेन।

⁵⁹स्तिफनुस प जब स उ पचे पाथर बरसाउब सुरु कियेन, उ इ कहत भवा पराथना करत रहा, “पभू ईसू, मोर आतिमा क ग्रहण करा।”⁶⁰फिन उ घुटना क बल भहराइ गवाँ अउर ऊँची अवाजे में चिल्लान, “पभू, इ

पाप क ओनकइ खिलाफ जिन ल्या!" एँतना कहिके उ हमेसा क नींद में सोइ गवा।

8 साउल स्तिफनुस क कतल क ठीक बताएस। उहइ दिना स यरूसलेम क कलीसिया प घोर अत्याचार होब सुरु भवा। प्रेरितन क तजिके उ पते सबहिं मनइयन यहूदिया अउर सामरिया क गाउँ में तितराइ-बितराइके फैलि गएन।

बिसवासियन प अत्याचार

2-3 कछू भगत लोग स्तिफनुस क गाड़ दिहन अउर ओकरे बरे बहोत दुःख मनाएन। साऊल कलीसिया क बरबाद करब सुरु कइ दिहेस। उ घर-घर जाइके स्त्रियन अउर पुरुसन क घेरावत भवा जेल में धाँधइ लाग। 4ओहर तितराए बितराए मनई हर ठउरे प जाइके नीक खबर क सुसमाचार देइ लागेन।

सामरिया में फिलिप्पुस क उपदेस

5फिलिप्पुस सामरिया नगर क चला गवा अउर हुवाँ मनइयन में मसीह क बारे में प्रचार करइ लाग। 6फिलिप्पुस क मनइयन जब सुनेन अउर जउन अद्भुत चीन्हन क उ परगट करत रहा, लखेस, तउ जउन बातन क उ बतावा करत रहा, ओन पइ उ पचे एक चित्त लाइके धियान दिहेन। 7बहोत स मनइयन में स, जेनमाँ दुस्त आतिमा समाई रहिन, उ सबई ऊँच अवाजे में चिल्लात भइ बाहेर निकरि आइन। बहोत स सुखाड़ी क बेरिमिया अउर अंग भंग नीक होत रहेन। 8उ सहर में खुसी छाइ रही।

9हुवाँइ समौन नाउँ क मनई रहत रहा। फिलिप्पुस क अवाई स पहिले उ बेर समइ स उ सहर में जादू टोटका करत रहा। अउर सामरिया क मनइयन क अचरज में डाइ देत रहा। उ महा पुरुख होइ क दावा करत रहा। 10नान्ह स लइके बड़वारे तलक सबहिं मनइयन ओकरे बात प धियान देतेन अउर कहत रहतेन, "इ मिला परमेस्सर क उहइ सकती बा जउन 'महान सकती' कहवावत ह!" 11काहेकि उ बेर दिनन स ओन पचन्क आपन चमत्कारन क घनचक्कर में नाइ देत रहा, यह बरे उ पचे ओह पइ धियान देत रहेन। 12मुला उ पचे जब फिलिप्पुस प प्रतिमानेन काहेकि उ ओनका परमेस्सर क राज्य क सुसमाचार अउर ईसू मसीह क नाउँ बाँचत रहा, तउ उ पचे स्त्रियन अउर पुरुसन दुइनउँ ही बपतिस्मा लेइ लागेन। 13अउर खुद समौन ही ओन पइ पतियाइ लाग। अउर बपतिस्मा लेइ क पाछे फिलिप्पुस क संग उ बड़े निचके स बसइ लाग। उ अद्भुत कारजन अउर अद्भुत चीन्हन क जब उ लखेस, तब दंग रहि गवा।

14जब यरूसलेम में प्रेरितन इ सुनेन कि सामरिया क मनइयन परमेस्सर क बचन क मान लिहे अहई तउ उ पचे पतरस अउर यूहन्ना क ओनके लगे पठएन। 15जबहिं

उ पचे आएन, तब उ दुइनउँ सामरियन बरे पराथना किहेन कि ओनका पवित्तर आतिमा मिलि जाइ। 16काहेकि अबहुँ तलक पवित्तर आतिमा कउनो प नाहीं ओतरी, ओनका फिन पभू ईसू क नाउँ प बपतिस्मा हि दीन्ह गवा रहा। 17तउ पतरस अउर यूहन्ना ओन पइ आपन हाथ धरेस अउर ओनका पवित्तर आतिमा मिलि गइ।

18जब समौन लखेस कि प्रेरितन क हाथ धरे भइ स पवित्तर आतिमा मिलि गइ तउ ओनके समन्वा धन धरत भवा कहेस, 19"इ सकती मोका दइ द्या काहेकि जेह पइ मई हाथ धरउँ, ओका पवित्तर आतिमा मिलि जाइ।"

20पतरस ओसे कहेस, "तोहार अउर तोहरे धने क सतियानास होइ! काहेकि तू इ बिचार्या ह कि तू धने स परमेस्सर क बरदान क मौल लइ सकत ह। 21इ बारे में तोहार हमार मेल नाहीं खात काहेकि परमेस्सर क समन्वा तोहार हिरदय सही नाहीं बा। 22यह बरे आपन इ दुस्तता बरे मनफिराव अउर आपन कुकरम प पछतावा करा अउर पभू स पराथना करा। इ होइ सकत ह कि इ बिचार बरे तोहका छमा कइ दीन्ह जाइ जउन तोहरे मने में रहा। 23मई लखत हउँ कि तू परिहँसे स भरा अहा अउर पाप क पंजा में फँसा बाट्या।"

24यह पइ समौन जवाब दिहेस, "तू पभू स मोरे बरे पराथना करा काहेकि तू जउन कहया ह, ओहमाँ स कउनो भी बात मोह प न आइ जाइ।"

25फिन प्रेरितन साच्छी दइके अउर पभू क बचन सुनाइके, राहे में टेरे क सामरी गाँवन में सुसमाचार क उपदेस देत भएन यरूसलेम लौटि गएन।

इथियोपिया स आवा भएन मनइयन क फिलिप्पुस क उपदेस

26पभू क एक सरगदूत फिलिप्पुस क कहत भवा बताएस, "तइयार होइ जा, अउर सरक प दक्खिन कइँती जा, जउन सरक यरूसलेम स गाजा क जात ह। इ एक निर्जन राह अहइ।" 27तउ उ तइयार भवा अउर निकरि गवा। सरक पइ इथियोपिया क मनाई क लखेस। उ नामर्द रहा। इथियोपियन क रानी कंदाके क एक अधिकारी रहा जउन ओकरे सारा खजाना क खजांची रहा। उ आराधना करइ यरूसलेम गवा रहा। 28लउटत भवा उ आपन रथे में बैठिके नबी यसायाह क पोथी बाँचत रहा। 29तबहिं उ आतिमा फिलिप्पुस स कहेस, "उ रथे क निचके जा अउर हुवाँइ ठहर जा।" 30फिलिप्पुस जब उ रथे क निचके दौड़िके गवा तउ उ ओका यसायाह क पढ़त भवा लखेस। तउ उ कहेस, "का तू जेका बाँचत अहा, ओका बूझत भी बाट्या?"

31उ कहेस, "मई भला कहाँ तलक समुझ बूझ सकत हउँ? जब तलक कउनो मोका एकर अरथ न बतावइ?"

फिन उ फिलिप्पुस क रथे प आपन संग बइठाएस।
³²पवित्तर सास्तर क जउन हींसा क उ बाँचत रहा, उ
 रहा:

“उ भेंड क नाई जप कइ दीन्ह बरे लइ जावा
 जात रहा उ ओ मेम्ना क नाई चुप रहा जउन
 आपन उन क कतरइवाला क समन्वा चुप
 रहत ह। ठीक वइसे ही उ आपन मुँह खोलेस
 नाहीं।

³³ अब अइसी दीन दसा मैं ओका निआव स
 दुरिआवा गवा।

ओकरी पीढ़ी क कबहँ गाथा कउन गाई?
 काहेकि धरती स तउओकर जिन्गी लइ लीन्ह
 गइ।”

यसायाह 53:7-8

³⁴उ अधिकारी फिलिप्पुस स कहेस, “अनुग्रह कइके
 बतावा कि इ नबी केकर बारे मैं कहत बाटइ? इ आपन
 बारे मैं या कउनो अउर क बारे मैं?” ³⁵फिन फिलिप्पुस
 कहब सुरु किहेस अउर इ सास्तर स लइके ईसू क
 सुसमाचार तलक सब कछू ओका कहिके सुनाएस।

³⁶रस्ता मैं आगे बढ़त भए उ सबइ पानी क निचके
 पहुँचेन। फिन उ अधिकारी कहेस, “लखा! हिआँ पानी
 बाटइ। अब मोका बपतिस्मा लेइ मैं का बियाधा अहइ?”

³⁷* ³⁸तब उ रथे क रोकइ बरे आज्ञा दिहेस। फिन
 फिलिप्पुस अउर उ अधिकारी दुइनउँ ही पानी मैं उतरि
 गएन अउर फिलिप्पुस ओका बपतिस्मा दिहेस। ³⁹अउर
 फिन जब उ पचे पानी स बाहेर निकसेन तउ फिलिप्पुस
 क पभू क आत्मा छीन लइ गवा। अउर उ अधिकारी
 फिन ओका कबहुँ नाहीं लखेस। ओहर उ अधिकारी
 खुसी मनावत आपन राहे प चला गवा। ⁴⁰ओह कइती
 फिलिप्पुस खुद क असदोद मैं पाएस अउर कैसरिया
 पहोंच तलक उ सब नगरन मैं सुसमाचार प्रचार करत
 रहा।

साउल क हिरव्य बदलब

9 साउल अबहुँ पभू क चेलन क मारि डावइ क
 धमकी देत रहा। उ महायाजक क लगे गवा ²अउर
 उ दमिस्क क आराधनालय क नाउँ इ मंसा क चिट्ठी
 लिहेस कि जेहसे ओका हुवाँ अगर कउनो इ पंथ क
 चेलन मिलइ, फिन चाहे उ स्त्रियन होइ, चाहे पुरुसन,
 तउ उ ओका बंदी बनाइ सकइ अउर फिन वापिस
 यरूसलेम लइ आवइ।

पद 37 'प्रेरितन क काम' की कछू बाद की प्रतिवन
 मैं पद 37 मिलत ह: “फिलिप्पुस जवाब दिहेस, ‘जदि तू आपन
 पूरंपूर हिरव्य स बिसवास करत ह तउ लइ सकत ह।’ अधिकारी
 कहेस, ‘हाँ! मई पतियात हउँ कि ईसू मसीह परमेस्सर क पूत
 अहइ।’”

³तउ जब चलत चलत उ दमिस्क क निचके पहोंचा,
 तउ एकाएक ओकरे चारिहुँ कइती अकासे स रोसनी
 कउँधी ⁴अउर उ भुइया प जाइ गिरा। उ एक अवाज
 अनकेस जउन ओसे कहत रही, “साउल, अरे ओ साउल!
 तू मोका काहे सतावत अहा?”

⁵साउल कहेस, “पभू, तू कउन अहा?”

उ कहेस, “मई ईसू अहउँ जेका तू सतावत बाट्या।
⁶मुला अब तू खड़ा हवा अउर नगर मैं जा। हुवाँ तोहका
 बताइ दीन्ह जाइ कि तोहका का करइ चाही।”

⁷जउन मनई ओकरे संग जात्रा करत रहेन, उ पचे
 चुपचाप रहि गएन। उ पचे अवाज तउ अनकेन मुला
 कउनो क लखेन नाहीं। ⁸फिन साउल भुइया पइ स खड़ा
 भवा। मुला जब उ आपन आँखी खोलेस तउ उ कछू भी
 नाहीं निहारि सका। यह बरे उ पचे ओकर हाथ धइके
 दमिस्क लइ गएन। ⁹तीन दिना तलक उ न तउ कछू
 निहारि पाएस, अउर न ही कछू खाएस या पीएस।

¹⁰दमिस्क मैं हनन्याह नाउँ क ईसू क एक चेला
 रहा। पभू दर्सन दइके ओसे कहेस, “हनन्याह!”

तउ उ बोला, “पभू, मई इ हउँ।”

¹¹पभू ओसे कहेस, “खड़ा हवा अउर उ गली मैं
 जेका सोझ कहवावइ वाली गली कहा जात ह। अउर
 हुवाँ यहूदी क घरे मैं जाइके तारसी क बसइया साउल
 नाउँ क एक मनई क बारे मैं पूछताछ करा काहेकि उ
 पराथना करत बाटइ। ¹²उ एक दर्सन मैं लखेस ह कि
 हनन्याह नाउँ क एक मनई घरे मैं आइके ओह प हाथ
 रखेस ह ताकि उ फिन लखि सकइ।”

¹³हनन्याह जवाब दिहेस, “पभू, मई इ मनई क बारे
 मैं बहोतन स सुना ह। यरूसलेम मैं तोहरे संत लोगन क
 संग इ जउन बुरा काम किहेस ह, उ सब मई सुनेउँ ह।
¹⁴अउर हियाँ भी इ मुख्ययाजक स तोहरे नाउँ मैं सबहिं
 बिसवासी मनइयन क बंदी बनावइ क हुकुम लइ आवा
 ह।”

¹⁵मुला पभू ओसे कहेस, “तू जा काहेकि इ मनई क
 विधर्मी मनइयन, राजा लोगन अउर इज्राएल क मनइयन
 क समन्वा मोर नाउँ लेइ बरे, एक जरिया क रूप मैं मई
 चुनेउँ ह। ¹⁶मई खुद ओका उ सब कछू बताउब, जउन
 ओका मोरे नाउँ बरे सहइ क होइ।”

¹⁷तउ हनन्याह चला गवा अउर उ घरे क भितरे
 पहोंचा अउर साउल प आपन हाथ रखि दिहेस अउर
 कहेस, “भाइ साउल! पभू ईसू मोका पठएस ह जउन
 तोहरे राह मैं तोहरे समन्वा परगट भ रहा जेहसे तू फिन
 स लखि सका अउर पवित्तर आत्मा स भरि उठा।”

¹⁸फिन तुरतहि बोकला जइसी कउनो चीज ओकरी
 आँखिन स टेघरी अउर ओका फिन देखौं देइ लाग। उ
 खड़ा भवा अउर उ बपतिस्मा लिहेस। ¹⁹ओकरे पाछे
 फिन तनिक खइया खाए क बाद आपन ताकत पाइ
 गवा।

साउल क दमिस्क में प्रचार काम

उ दमिस्क में चलन क संग कछू समइ ठहरा।²⁰फिन इ सोझइ यहूदी आराधनालय में पहुँचा अउर ईसू क प्रचार करइ लाग। उ कहसे, "इ ईसू परमेस्सर क पूत अहइ।"²¹जउन कउनो भी ओका सुनेन, चकित रहि गएन अउर बोलेन, "का इ उहइ नाहीं अहइ, जउन यरूसलेम में ईसू क नाउँ में बिसवास करइया मनइयन क नास करइ क जतन नाहीं किहेस। अउर का इ ओनका धरवावइ अउर मुख्ययाजक क समन्वा लइ जाइ नाहीं आवा रहा?"²²मुला साउल जिआदा स जिआदा सक्तीसाली होत गवा अउर दमिस्क में बसइया यहूदियन क इ सिद्ध करत भवा कि इ ईसू ही मसीह अहइ, हरावइ लाग।

साउल क यहूदियन स बच निकरब

²³बहोत दिन बीति जाए क पाछे यहूदियन ओका मारि डावइ क षडयन्त्र किहेन।²⁴मुला ओनकइ चाल क पता साउल क होइ गवा। उ पचे सहर क दुआरन प घात लगाए रहत रहेन जेहसे ओका मारि डावइ।²⁵मुला ओकर चलन ओका राति में उठाइ लइ गएन अउर झउआ में बइठाइके सहर क चहरदीवार के छेदे स ओका खाले उतारि दिहेन।

यरूसलेम में साउल क पहुँचब

²⁶फिन जब उ यरूसलेम पहुँचा तउ उ चलन क संग मिलइ क जतन करइ लाग। मुला उ पचे तउ ओसे ससान रहेन। ओनका इ बिसवास नाहीं रहा कि उ भी ईसू का एक चलन अहइ।²⁷मुला बरनाबास ओका आपन संग प्रेरितन क लगे लइ गवा अउर उ ओनका बताएस कि साउल पभू क राहे में कउने तरह लखेस अउर पभू ओसे कइसे बतियान ह। अउर दमिस्क में कउने तरह उ बेडर होइके ईसू क नाउँ क प्रचार करइ लाग।

²⁸फिन साउल ओनके संग यरूसलेम में अजादी स आवइ जाइ लाग। उ बेडर होइके पभू क नाउँ क प्रबचन करत रहा।²⁹उ यूनानी भाखा क बोलवइया क साथ तहतुक्क अउर धरम चर्चा करत रहा मुला उ सबइ तउ ओका मारि डावा चाहत रहेन।³⁰मुला जब भाई लोगन्क इ बात क पता लाग तउ उ पचे ओका कैसरिया लइ गएन अउर फुव ओका तरसुस पहुँचाइ दिहेन।

³¹इ तरह समूचइ यहूदिया, गलील अउर सामरिया क कलीसिया क उ समइ सांति स बीति गवा। उ कलीसिया अउर जिआदा सक्तीसाली होइ लाग। काहेकि उ पभू स डेराइके आपन जिन्गी काटत रही, अउर पवित्तर आत्मा ओका अउर जिआदा हिम्मत देत रही तउ ओकर गनती बाढ़इ लाग।

³²फिन उ समूचइ पहुँचा में टहरत घूमत पतरस लुदा क संत लोगन स भेटइ पहुँचा।³³हुवाँ ओका एनियास

नाउँ क एक मनई मिला जउन आठ बरिस स बिछउना प ओलरा रहा। ओका लकुआ मारि गवा रहा।³⁴पतरस ओसे कहसे, "एनियास, ईसू मसीह तोहका चंगा करत ह। खड़ा हवा अउर आपन बिछउना सोझ करा!" तउ उ तुरंत खड़ा होइ गवा।³⁵फिन लूदा अउर सारोन में बसइया सब मनइयन ओका लखेन अउर उ पचे पभू कइँती घूमि गएन।

पतरस याफा में

³⁶याफा में तबीता नाउँ क एक चेली रहत रही (जेकर यूनानी अनुवाद अहइ दोरकास अरथ अहइ "हिरनी")। हमेसा नीक नीक काम करत अउर गरीबन क दान देत।³⁷ओनही दिनाँ उ बीमार भइ अउर मरि गइ। उ पचे ओकरे लहासे क नहवाइके सीढ़ी क ऊपर खोली में धइ दिहेन।³⁸लुदा याफा क लगे रहा, तउ चेलन जबहि इ सुनेन कि पतरस लुदा में बाटइ तउ उ पचे ओकरे लगे दुइ मनई पठएन कि उ सबइ ओसे बिनती करई, "अनुग्रह कइके हाली स हाली हमरे लगे आइ जा!"³⁹तउ पतरस तइयार होइके ओनके संग चला गवा। जब पतरस हुवाँ पहुँचा तउ उ पचे ओका सीढ़ी क ऊपर खोली में लइ गएन। हुवाँ सबहि विधवावन छाती पीटिके रोवत भइन अउर उ सबइ कुर्ती अउर ओढ़ना क, जेनका दोरकास बनाए रहा; जबहि उ पचे ओकरे संग रहिन देखोवत भइन खड़ी होइ गइन।⁴⁰पतरस हर कउनो क बाहेर पठएस अउर घुटना क बल निहुरिके ओसे पराथना किहेस। फिन लहास कइँती घूमत भवा बोला, "तबीता-खड़ी होइजा।" उ आपन ऑखिन उघारेस अउर पतरस क लखतन भइ उठिके बइठी।⁴¹ओका आपन हाथ दइके पतरस खड़ा किहेस अउर फिन संत अउर विधवावन क बोलवाइ के ओनका ओका जिन्दा सौंप दिहेस।⁴²समूचइ याफा में हर कउनो क इ बात क पता लग गवा अउर बहोत स मनइयन पभू में बिसवास किहेन।⁴³फिन याफा में समौन नाउँ क एक चमार क हियाँ पतरस बहोत दिनाँ तक रुका रहा।

पतरस अउर कुरनेलियुस

10 कुरनेलियुस नाउँ क एक मनई कैसरिया में रहा। उ फउज क उ दले क नायक रहा जेका इतालवी कहा जात रहा।²उ परमेस्सर स डेरेंडवाला भगत रहा अउर वइसा ही ओकर परिवार भी रहा। उ गरीबन क मदद करइ बरे दिल खोलिके दान देत रहा अउर हमेसा ही परमेस्सर क पराथना करत रहत रहा।³दिन क नवे* पहर क नगिचे उ एक दर्शन में साफ साफ लखेस कि परमेस्सर क एक सरगदूत ओकरे लगे आवा ह अउर ओसे कहत ह, "कुरनेलियुस।"

नवे दिन क तीन बजे।

⁴त कुरनेलियुस डेरात भवा सरगदूत कइँती लखत भवा बोला, “हे परभूँ इ का अहइ?”

सरगदूत ओसे कहेस, “तोहार पराथना अउर गरीब गुरबा क दिया भवा तोहार दान एक यादगार क रूप में तोहार याद दियावइ बरे परमेस्सर क लगे पहेंचा अहइँ।⁵तउ कछु मनइयन क याफा पठवा अउर समौन नाउँ क एक मनई क, जउन पतरस कहा जात ह, हिआँ बोलाइँ ल्या।⁶उ समौन नाउँ क एक चमार क हिआँ रहत ह। ओकर घर समुदर क किनारे बा।”⁷उ सरगदूत जउन ओसे बात करत रहा, जब चला गवा तउ उ आपन दुइ नउकरन अउर आपन खुद क सहायक लोगन में स एक भवत सिपाही क बोलाएँ⁸अउर जउन कछु भवा रहा, ओनका सब कछु बताइके याफा पठइ दिहेस।

⁹अगले दिन जब उ पचे चलतइ चलत सहर क निवके पहेंचइ क ही रहेन, पतरस दुपहरिया में पराथना करइ छत्ते प चढ़ा।¹⁰ओका भूख लाग, तउ उ कछु खाइ चाहत रहा। उ पचे जब खइयाके तइयार करत रहेन तउ ओकर समाधि लग गइ।¹¹अउर उ लखेस कि अकास खुलि गवा अहइ अउर एक बड़वार चदर जइसी चीज तरखाले उतरत बा। ओका चारिहुँ कइँती स धइके धरती प उतारा जात बा।¹²ओह प हर तरह क पसु, धरती प रेंगइ वाला जीव-जंतु अउर अकासे क पंछी रहेन।¹³फिन एक अवाज ओसे कहेस, “पतरस उठ, मार अउर खा।”

¹⁴पतरस कहेस, “परभूँ, फुरइ तउ नाहीं, काहेकि मइँ कबहुँ भी अपवित्तर या असुद्ध चीज क नाहीं खाएँ ह।”¹⁵एँह पइ ओनका दूसरी बार फिन अकासबाणी सुनाइ दिहेस, “कउनो भी चीज क जेका परमेस्सर पवित्तर बनाए अहइ, ओनका तू ‘अपवित्तर’ न कहा!”¹⁶तीन दाई अइसा ही भवा अउर उ पूरी वस्तु फिन अकास में वापिस उठाइ लीन्ह गइ।

¹⁷पतरस जउने दर्सन जेका लखे रहा क अरथ क बारे में दुबिधा करत रहा, कुरनेलियुस क पठए भए लोग दुआरे प ठाइ भवा पूछत रहेन, “समौन क घर कहाँ बा?”¹⁸उ सबइ बाहिर गोहरावत भए पूछेन, “का पतरस कहा जाइवाला समौन मेहमान क रूप में हिँईँ रुका अहइ?”

¹⁹पतरस अबहिँ उ दर्सन क बारे में सोचत ही रहा कि आतिमा ओसे कहेस, “सुना! तोहका तीन मनई तोहका हेरत अहइँ।²⁰तउ खड़ा हवा, अउर तरखाले उतरिके बेझिझके चला जा, काहेकि ओनका मइँ ही पठएँ ह।”²¹इ तरह पतरस तरखाले उतरि आवा अउर ओन मनइयन स बोला, “मइँ उहइ अहउँ, जेका तू हेरत बाट्या। तू काहे आया ह?”

²²उ पचे बोलेन, “हम सबनक फऊजीनायक कुरनेलियुस पठएँस ह। उ अच्छा मनई अहइ अउर सच्चे परमेस्सर क आराधना करत ह। यहूदी मनइयन में

ओकर बहोत सम्मान अहइ। पवित्तर सरगदूत ओसे तोहका आपन घरे नेउतइ बरे कहे अहइ अउर जउन कछु कहइ ओका सुनइ बरे कहे अहइ।”²³एँह पइ पतरस ओका भितरे बोलाइ लिहस अउर उठरइ क जगह दिहेस।

फिन दूसर दिन तइयार होइके उ ओनके संग चला गवा। अउर याफा क निवासी कछु अउर बंधु भी ओकरे संग होइ गएन।²⁴दूसर दिन उ कैसरिया पहेंच गवा। हुवाँ आपन खास मित्र अउर नातेदार क बोलाइके कुरनेलियुस ओनका जोहत रहा।

²⁵पतरस अब भीतर पहेंचा तउ कुरनेलियुस स ओसे भेंटइ आवा। कुरनेलियुस श्रद्धा स ओकरे गोड़वा प गिरत भवा ओका प्रणाम किहेस।²⁶मुला ओका उठावत भवा पतरस बोला, “ठाइ हवा! मइँ तउ खुद सिरिफ एक मनई हउँ।”

²⁷फिन ओकरे संग बात करत करत उ भितरे चला गवा। अउर हुवाँ उ बहोत स मनइयन क बटोरेस।

²⁸उ ओनसे कहेस, “तू सबइ जानत ह कि एक यहूदी बरे गैर यहूदी जाति क मनई क संग कउनो सम्बंध रखब या ओकरे हियाँ जाब विधान क खिलाफ अहइ मुला तउ भी परमेस्सर मोका देखाएँस ह कि मइँ कउनो भी मनई क ‘असुद्ध’ या ‘अपवित्तर’ न कहउँ।²⁹यह बरे मोका जब बोलावा गवा तउ मइँ बिना कउनो एतराज क आइ गएँ। यह बरे मइँ तोहसे पूछत हउँ कि तू मोका काहे बरे बोलाया ह।”

³⁰एँह पइ कुरेलियुस कहेस, “चार दिना पहिले इहइ समइ दिन क नवें पहर (तीन बजे) मइँ आपन घरे में पराथना करत रहेउँ। एकाएक चमचमात ओढ़ना में एक मनई मोरे समन्वा आइके खड़ा भवा।³¹अउर बोला, ‘कुरनेलियुस! तोहार बिनती सुनि लीन्ह गइ अहइ अउर गरीब गुरबन क दीन्ह भवा तोहार दान परमेस्सर क समन्वा याद कीन्ह ग अहइँ।³²यह बरे याफा पठइके पतरस कहावावइवाला समौन क बोलवाइके पठवा। उ समुदर क किनारे चमार समौन क घरे रुका बा।’³³यह बरे मइँ तुरंतहि तोहका बोलवावइ पठवा ह अउर हिआँ आवइ क कृपा कइके बहोत नीक किहा ह तउ अब परभूँ जउन कछु आज्ञा तोहका दिए अहइँ, उ सब कछु सुनइ बरे हम पचे हिआँ परमेस्सर क अगवा हाजिर अही।”

कुरनेलियुस क घरे पतरस क प्रबचन

³⁴फिन पतरस बोतइ लाग अउर कहेस, “फुरइ अब मइँ समुझ गवा हउँ कि परमेस्सर कउनो भेद-भाव नाहीं राखत³⁵बल्कि हर जाति क कउनो मनई जउन ओसे डेरात ह अउर नीक काम करत ह, उ ओका अपनावत ह।³⁶इहइ अहइ उ संदेसा जेका उ ईसू मसीह स साँति क सुसमाचार क उपदेस देत भवा इम्राएल क मनइयन क दिहे रहा। उ सबहिँ का परभूँ अहइ।³⁷तू पचे

उ बड़की घटना क जानत ह, जउन समूचइ यहूदिया में भइ रही। गलील स सुरु होइके यहून्ना क जरिए बपतिस्मा दीन्ह जाए क पाछे जेकर प्रचार कीन्ह गवा रहा।³⁸ तू सबइ नासरी ईसू क बारे में जानत ह कि परमेस्सर पवित्तर आतिमा स अउर सकती स ओकर अभिसेक कइसे किहे रहा अउर उत्तिम कारज करत भवा अउर ओन सब क जउन सइतान क बस में रहेन, नीक करत भवा चारिहुँ कइँती उ कइसे घूमत रहा। काहेकि परमेस्सर ओकरे संग रहा।³⁹ अउर हम पचे ओन सब बातन क साच्छी अही जेनका उ यहूदियन क पहँटा अउर यरूस्लेम में किहे रहा। उ पचे ओका ही एक ठु लकड़ी के सलीब प टाँगिके मारि डारन।⁴⁰ मुला परमेस्सर तीसरे दिना ओका फिन स जिन्दा कइ दिहेस अउर ओका परगट कराए।⁴¹ सब मनइयन क समन्वा नाहीं मुला ओन साच्छियन क अगवा जउन परमेस्सर क हीला स पहिले ही चुन लीन्ह गएन। अरथ अहइ हमरे समन्वा जउन मर भएन में स जी जाए क पाछे ओकरे संग खाएन अउर पीएन।⁴² उहइ हमका हुकुम दिहे अहइ कि हम लोगन क उपदेस देई अउर सिद्ध करई कि इ उहइ, अहइ जउन परमेस्सर क हीला स जिन्दा भएन अउर मरे भएन में स निआव करइवाला मुकरर कीन्ह गवा अहइ।⁴³ सब नबी लोग ओकरे बारे में साच्छी दिहे अहई कि ओहमा बिसवास करइवाला हर मनई ओकरे नाउँ क हीला स पापन्क छमा पावत ह।”

गैर यहूदियन प पवित्तर आतिमा क उतरब

⁴⁴पतरस अर्बहि इ बातन क करत ही रहा कि ओन सब प पवित्तर आतिमा उ तरि आइ जउन सुसमाचार सुने रहेन।⁴⁵ काहेकि पवित्तर आतिमा क बरदान गैर यहूदी प उडेरा जात रहा, तउ पतरस क संग आए भए यहूदी अचरज में पड़ि गएन।⁴⁶ उ पचे किसिम किसिम क भाखा बोलत रहेन अउर परमेस्सर क स्तुति करत भए अनकत रहेन। तब पतरस बोला,⁴⁷ “का कउनो इ मनइयन क बपतिस्मा देइ बरे, जल आसानी स देइ बरे मना कइ सकत ह? ऐंनका भी वइसे ही पवित्तर आतिमा मिलि गवा ह, जइसेन हम पचन का।”⁴⁸ इ तरह उ ईसू मसीह क नाउँ में ओनका बपतिस्मा देइ क हुकुम दिहेस। फिन पतरस स उ पचे पराथना किहेन कि कछू दिन ओनकइ संग ठहरइ।

पतरस क यरूस्लेम लौटब

11 समूचइ यहूदिया में भाइयन अउर प्रेरितन सुनेन कि परमेस्सर क बचन गैर यहूदी भी मान लिहे अहई। तउ जब पतरस यरूस्लेम पहुँचा तउ उ पचे जउन खतना क चाहत रहेन, ओकर नुकतचीनी किहेन।³ उ सबइ कहेन, “तू खतना क बिना मनइयन क घरे गवा अहा अउर तू ओनकइ संग खइया क खयाय ह।”

⁴एह पइ पतरस सच जउन भवा रहा, ओका सुनावइ समुझावइ लाग।⁵ “मई याफा सहर में पराथना करत भवा समाधि में एक दर्सन कीन्ह। मई निहारेउँ कि एक बड़की चद्दर जइसी कउनो चीज खाले उतरत बा, ओका चारिहुँ कोना स धइके अकासे स धरती प उतारा जात अहइ। फिन उ उतरिके मोरे लगे आइ गइ।⁶ मई ओका धियान स लखेउँ कि ओहमाँ धरती क चौपाया जीव-जंतु, जंगली पसु रेंगइ वाला जीव अउर अकासे क पंछी रहेन।⁷ फिन मई एक अवाज सुनेउँ, जउन मोसे कहत रही, ‘पतरस उठा, मारा अउर खाइ ल्या।’⁸ मुला मई कहेउँ, ‘पभू, निहचय रूप स तउ नाहीं, काहेकि मई कबहुँ भी कउनो तुच्छ या समइ क अनुसार कउनो बे पवित्तर अहार क नाहीं खाएउँ ह।’⁹ अकास स दूसर दाई उ अवाज फिन कहेस, ‘जेका परमेस्सर पवित्तर बनएस ह, ओका तू अपवित्तर जिन समुझा।’¹⁰ तीन दाई अइसा ही भवा। फिन उ सब अकास में वापिस उठाइ लीन्ह गवा।¹¹ उहइ समइ जहाँ मई ठहरा रहेउँ, उ घरे में तीन मनई आइ गएन। उ पचे मोरे लगे कैसरिया स पठवा ग रहेन।¹² आतिमा मोका ओनकइ संग बेइझिके चला जाइ बरे कहेस। इ छः भाई भी मोरे संग गएन। अउर हम पचे उ मनई क घरे में चला गए।¹³ उ हमका बताएस कि एक सरगदूत क आपन घरे में ठाइ उ कइसे लखेस। जउन कहत रहा, ‘याफा पठइके पतरस कहावावइवाला समौन क बोलवाइ ल्या।¹⁴ उ तोहका बचन सुनाई जेहेसे तोहार परिवार क उद्धार होइ।’¹⁵ जब मई प्रबचन सुरु कीन्ह तब पवित्तर आतिमा ओन पइ उतरि आइ। ठीक वइसेन जइसे सुरु में हम पइ उतरी रही।¹⁶ फिन मोका पभू क कहा भवा बचन याद होइ गवा, ‘यहून्ना पानी स बपतिस्मा देत रहा मुला तोहका पवित्तर आतिमा स बपतिस्मा दीन्ह जाइ।’¹⁷ इ तरह जदि परमेस्सर ओनका ही उहइ बरदान दिहेस जेका उ जब हम पचे पभू ईसू मसीह में बिसवास कीन्ह, तबइ हमका दिहे रहा, तउ खिलाफत करइवाला मई कउन होत हउँ?”

¹⁸बिसवासी मनइयन जब इ मुनेन तउ उ पचे प्रस्न करब बंद कइ दिहेन। उ पचे परमेस्सर क महिमा करत भए कहइ लागेन, “अच्छा, तउ परमेस्सर गैर यहूदी मनइयन तलक क मनफिराव वइ बरे उ औसर दिहेस ह, जउन जिन्नगी कइँती लइ जात ह।”

अन्ताकिया में सुसमाचार क अवाई

¹⁹ उ पचे जउन स्तिफनुस क समइ में दीन्ह जात सबइ यातना क कारण तितराइ बितराइ ग रहेन, दूर-दूर तलक फीनीक साइप्रस अउर अन्ताकिया तलक चला ग रहेन। इ पचे यहूदियन क तजिके कउनो अउर क सुसमाचार नाहीं सुनावत रहेन।²⁰ एनही बिसवासी मनइयन में स कछू साइप्रस क अउर कुरेनी क रहेन। तउ जब उ पचे अन्ताकिया आएन तउ यूनानियन क भी प्रबचन देत

भए पर्भू ईसू क सुसमाचार सुनावइ लागेन। ²¹पर्भू क सक्ती ओनकइ संग रही। तउ एक बड़ा मनइयन क मजमा बिसवास धइके पर्भू कइँती मुड़ि गवा।

²²एकर खबर जब यरूसलेम में कलीसिया क काने तलक पहुँची तउ उ पचे बरनाबास क अन्ताकिया जाइके पठएन। ²³जब बरनाबास हुँवा पहोंचिके परमेस्सर क अनुग्रह क सकारथ होत लखेस तउ उ बहोत खुस भवा अउर उ ओन सबहिं क पर्भू बरे भक्ति भरा हिरदय स बिसवासी बनइ बरे हिम्मत देवोएस। ²⁴काहेकि उ पवित्तर आतिमा अउर बिसवास स भरा भवा एक भरपूर उत्तिम मनई रहा। फिन पर्भू क संग एक बड़वार मनइयन क मजमा जुड़ गवा।

²⁵बरनाबास साउल क हेरइ तरसुस क चला गवा। ²⁶फिन उ ओका हेरिके अन्ताकिया लइ आवा। पूरे साल भइ उ पचे कलीसिया स मिलत जुलत अउर बड़का मनइयन क मजमा क उपदेस देत रहेन। अन्ताकिया में सबन त पहिले ऐंनही चलन क “मसीही” कहा गवा।

²⁷इहइ समइ यरूसलेम स कछू नबी अन्ताकिया आएन। ²⁸ओनमाँ स अगबुस नाउँ क एक नबी खड़ा होइके पवित्तर आतिमा क जरिया इ भविस्सबाणी किहेस कि सारी दुनिया में एक खउफनाक अकाल पड़ी (क्लोडियुस क समइ इ अकाल पड़ा रहा)। ²⁹तब हर चलन आपन ताकत देखिके यहूदिया क बसइयन बंधु क मदद बरे कछू पठवइ क ठान लिहेन। ³⁰तउ उ पचे अइसा ही किहेन अउर उ पचे बरनाबास अउर साउल क हाथ स यहूदिया में आपन बुजुर्गन क लगे उपहार पठएन।

हेरोदेस क कलीसिया प जुल्म

12 उहइ समइया क लगभग राजा हेरोदेस कलीसिया क कछू निअंबर क सताउब सुरु किहेस। ²उ यहून्ना क भाई याकूब क तरवार स कतल कराइ दिहेस। ³उ जब इ लखेस कि इ बात स यहूदी खुस होत हीं तउ उ पतरस क भी गिरफतार करइ बरे सोचेस (इ बे खमीरे क रोटी क उत्सव क दिनन क बात अहइ)। ⁴हेरोदेस पतरस क धइके जेलि में धाँध दिहेस। ओका चार चार सिपाहियन क कतार क पहरा लगाइ दीन्ह गवा। मतलब इ रहा कि ओह प मुकदमा चलावइ बरे फसह क त्यूहार पाछे ओका मनइयन क समन्वा बाहेर लइ आवा जाइ। ⁵तउ पतरस क जेल में रोक दीन्ह गवा। ओहर कलीसिया हिरदय स ओकरे बरे परमेस्सर स पराथना करत रही।

जेल स पतरस क छुटब

⁶जब हेरोदेस मुकदमा चलावइ बरे ओका बाहेर लोगन क सामने लइ आवइ क रहा, उ रात पतरस दुइ सिपाहियन क बीच सोवा रहा। उ दुइ जंजीरे स बँधा रहा अउर दुआर प पहरुआ जेल क रखवारी करत रहेन। ⁷एकाएक

पर्भू क सरगदूत हुँवा आइके खड़ा भवा, जेल क खोली रोसनी स जगमगाइ उठी। उ पतरस क बगली थपथपाएस अउर ओका जगावत भवा कहेस, “हाली, खड़ा हवा!” जंजीर ओकरे हाथ में खुलके गिरि गइ। ⁸तबहिं सरगदूत ओका कहेस, “तइयार हवा अउर आपन चप्पल पहिरा।” तउ पतरस वइसा ही किहेस। सरगदूत ओका फिन कहेस, “आपन चोगा पहिरा अउर मोरे पाछे चला आवा।”

⁹फिन ओकरे पाछे-पाछे पतरस बाहेर निकरि आवा। उ समुझ नाहीं पाएस कि सरगदूत जउन कछू करत रहा, उ फुरइ रहा। उ बिचारेस कि उ कउनो दर्सन लखत अहइ।

¹⁰पहिले अउर दूसर ब्लाक क छोड़िके आगे बट्ट भवा उ पचे लोहा क उ फाटक प आइ गएन जउन सहर कइँती जात रहा। उ फाटक ओनकइ बरे खुद ही खुलि गवा। अउर उ पचे बाहेर निकरि गएन। उ पचे अबहिं गली क पार किहेन कि उ सरगदूत एकाएक ओका छोड़ि गवा।

¹¹फिन पतरस क जइसे होस आवा, उ बोला, “अब मोरी समझ में आवा ह कि असल में फुरइ अहइ कि पर्भू आपन सरगदूत क पठइके हेरोदेस क पंजा स मोका छुटकारा दियाएस ह। यहूदी लोग मोह प जउन कछू बुरा होइ क सोचत रहेन, ओहसे उहइ मोका बचाएस ह।”

¹²जब उ इ समझ गवा तउ उ यहून्ना क महतारी मरियम क घर चला गवा। (यहून्ना जउन मरकुस भी कहवावत ह।) हुँवा ढेर मिला बटुरा रहेन अउर पराथना करत रहेन।

¹³पतरस दुआरे क बाहेर स खटखटाएस। ओका लखइ रुदे नाउँ क एक दासी हुँवा आइ। ¹⁴पतरस क अवाज क पहिचान के खुसी क मारे ओकरे बरे फाटक बगैर खोले भए उ उलटिके भीतर दउड़ आइ अउर उ बताएस कि पतरस दुआरे प खड़ा अहइ। ¹⁵उ पचे ओसे बोलेन, “तू पागल होइ गइ अहा।” मुला उ जोर दइके कहतइ रही कि इ अइसा ही अहइ। ऐंह पँइ उ पचे कहेन, “उ ओकर सरगदूत होइ।”

¹⁶ओहर पतरस दुआर खटखटावत ही रहा। फिन उ पचे जब दुआर खोलेन तउ उ पचे अचरज में पड़ि गएन। ¹⁷ओनकइ हाथे स चुप रहइ क इसारा करत भए उ खोलिके बताएस कि पर्भू ओका जेलि स कइसे बाहेर निकारेस ह। उ कहेस, “याकूब अउर दूसर भइयन क इ बारे में बताइ दिहा।” अउर तब उ ठहर क तजिके कउनो दूसर स्थान प चला गवा।

¹⁸जब भोर भवा तउ पहरुअन में बड़ी खलबली मचि गइ। उ पचे अचरज में पड़ा सोचत रहेन कि पतरस क संग का भवा होइ। ¹⁹एकरे पाछे हेरोदेस जब ओकर छानबीन कइ चुका अउर उ ओका नाहीं मिला तउ उ आपन पहरुअन स पूछताछ किहेस अउर ओनका मारि डावइ क हुकुम दिहेस।

हेरोदेस क मउत

हेरोदेस फिन यहूदिया स जाइके कैसरिया में रहइ लाग। हुँवा उ कछू समइ बिताएस।²⁰उ सूर अउर सैदा क मनइयन स बहोत कोहान रहत रहा। उ पचे एक झुण्ड बनइके ओसे भेंटइ आइ रहेन। राजा क खुद क सेवक बलास्तुस क मान मनउवल कइके उ पचे हेरोदेस स सांति क पराथना किहेन काहेकि ओनकइ देस क राजा क देस स खाइक मिलत रहा।

²¹एक निहचत दिन हेरोदेस आपन राजसी वेस-भूसा पहिरिके आपन सिंहासन प बइठा अउर मनइयन क बियाख्यान देइ लाग।²²लोग चिचियाने, “इ तउ कउनो देवता क बानी अहइ, मनई क नाही।”²³काहेकि हेरोदेस परमेस्सर क महिमा नाही दिहेस, यह बरे फउरन पभू क एक दूत ओका बीमार कइ दिहेस। अउर ओहमाँ किरवा परि गएन जउन खाइ लागेन अउर उ मरि गवा।

²⁴मुला परमेस्सर क बचन क प्रचार होत रहा अउर उ फइलत जात रहा अउर बिसवासियन की संख्या बढत जात रही।

²⁵बरनाबास अउर साउल आपन काम पूरा कइके मरकुस कहवावइवाला यूहन्ना क भी संगे लइके अन्ताकिया लौटि आएन।

बरनाबास अउर साउल क चुना जाब

13 अन्ताकिया क कलीसिया में कछू नबी अउर बरनाबास, समीन (नीगर) कहा जाइवाला समीन कुरेनी क लूकियुस, देस क चउथाई हाँसा क राजा हेरोदेस क संगे पालितयोसित मनाहेम अउर साउल जइसे कछू सिच्छक रहेन।²उ पचे जब उपवास करत भए पभू क आराधना में लगा रहेन, तबहिँ पवित्तर आतिमा कहेस, “बरनाबास अउर साउल क जउने काम बरे मइँ बोलाएउँ ह, ओका करइ बरे मोरे निस्वत, ओनका अलगाइ द्या।”

³तउ जब सिच्छक अउर नबी आपन उपवास अउर पराथना पूरी कइ चुकेन तउ उ पचे बरनाबास अउर साउल प आपन हाथ धरेन अउर ओनका बिदा कइ दिहेन।

बरनाबास अउर साउल क साइप्रस जात्रा

⁴पवित्तर आतिमा क जरिए पठए भए उ सबइ सिलुकिया गएन जहाँ स जहाज में बइठिके उ पचे साइप्रस पहुँचेन।⁵फिन जब उ पचे सलमीस पहुँचेन तउ उ पचे यहूदियन क आराधनालय में परमेस्सर क बचन क प्रचार किहेन यूहन्ना सहायक क रूप में ओनकइ संगे रहा।

⁶उ समूचइ द्वीप क जात्रा करत करत उ पचे पाफुस ताई जाइ पहुँचेन। हुवाँ ओनका एक जादूगर मिला, उ झूठा नबी रहा। उ यहूदी क नाउँ रहा बार-ईसा।⁷उ एक

बहोत बुद्धिमान पुरुस राज्यपाल सिरगियुस पौलुस क दोस्त रहा जउन फिन परमेस्सर क बचन सुनइ बरे बरनाबास अउर साउल क बोलवाएस।⁸मुला इलीमास जादूगर ओनकइ खिलाफत किहेस (इ बार-ईसा क अनुवाद क नाउँ बा)। उ नगर-पति क बिसवास दुगावइ क जतन किहेस।⁹फिन साउल जेका पौलुस भी कहा जात रहा, पवित्तर आतिमा स भरपूर होइके इलीमास प पैनी निगाह डारत भवा कहेस,¹⁰“सबहिँ तरह क छल अउर धूर्ताई स भरा, अरे सइतान क बेटहना, तू हर नेकी क दुस्मन अहा। का तू पभू क सोझ सच्चे राह क तोड़ब मरोड़ब न तजब्या? ¹¹अब लखा पभू क हाथन तोह प आइ पड़ा बा। तू आँधर होइ जाब्या अउर कछू समइ बरे सूरज तक भी नाही लख पउब्बा।”

तुरंतहिँ एक धूँध अउर अँधियारा ओह पइ छाइ गवा अउर एहर-ओहर टोवइ लाग कि कउनो हथवा धइके ओका चलावइ।¹²तउ राज्यपाल, जउन कछू भवा रहा, जब ओखा लखेस तउ उ बिसवास धरेस। उ पभू क बाबत उपदेसन स बहोत चकित होइ गवा।

पौलुस अउर बरनाबास क साइप्रस स जाब

¹³फिन पौलुस अउर ओकर संगी पाफुस स नाउ क जरिया पंपूलिया क पिरगा में आइ गएन। मुला यूहन्ना ओनका हुँवइ छोड़िके यरूसलेम लौटि आवा।¹⁴ओहर उ पचे आपन जात्रा प बढत भए पिरगा स पिसिदिया क नजदीक नगर अन्ताकिया में आइ गएन। फिन सबित क दिना यहूदी आराधनालय में जाइके बइठि गएन।¹⁵मूसा क व्यवस्था क मुताबिक अउर नबियन क पोथी क पाठ कइ चुके क पाछे यहूदी आराधनालय क अधिकारियन ओनकइ लगे इ संदेसा कहवाइ पठएन, “भाइयो, मनइयन क उपदेसन देइ बरे तोहरे लगे कहइ क प्रोत्साहन क कउनो अउर बचन अहइ जउन ओका सुनावा।”

¹⁶एह पइ पौलुस खड़ा भवा अउर आपन हाथ हिलावत भवा बोलइ लाग, “हे इग्राएल क मनइयो अउर परमेस्सर स डेरइवाले गैर यहूदियो, सुना: ¹⁷इ इग्राएल क मनइयन क परमेस्सर हमरे पूर्वजन क चुने रहा अउर जब हमार लोग मिश्र में ठहरा रहेन, उ ओनका महान बनाए रहा अउर आपन महान सक्ती स उ ओनका उ धरती स बाहेर निकारि लइ आवा रहा।¹⁸अउर लगभग चालीस बरिस तलक उ जंगल में ओनकइ मदद करत रहा।¹⁹अउर कनान देस क सात जातियन क नास कइके उ धरती इग्राएल क मनइयन क वसीयत क रूप में दइ दिहेस।²⁰इ सब कछू मैं लगभग साढ़े चार सौ बरिस लगेन।

“एँकरे पाछे समूएल नबी क समइ तलक उ ओनका अनेक निआव क न्यायकर्ता दिहेस।²¹फिन उ पचे एक राजा क निवेदन किहेन, तउ परमेस्सर बिन्यामीन क

गोत क एक मनई कीस क बेटवा साउल क चालीस बरिस बरे ओनका दइ दिहिस।²²फिन साउल क हटाइके उ ओनकइ राजा दाऊद क बनाएस जेकरे बारे में उ इ साच्छी दिहिस, 'मईं यिसै क बेटवा दाऊद क एक अइसे मनई क रूप में मिला ह, जउन मोरे मन क मुताबिक अहइ। जउन कछु मईं ओसे करावइ चाहत हउँ, उ उ सब कछु क करी।'²³इ ही मनई क एक बंसज क आपन प्रण क मुताबिक इम्राएल में उद्धार करइया ईसू क रूप में लाइ चुका अहइ।²⁴ओकरे आवइ स पहिले यूहन्ना इम्राएल क सबहिं मनइयन में मनफिराव स बपतिस्मा क प्रचार करत अहइ।²⁵यूहन्ना जब आपन काम क पूरा करइ क रहा, तउ उ कहिस रहा, 'तू मीका जउन समुझत ह, मईं उ नहीं हउँ। मुला एक अइसा अहइ जउन मोरे पाछे आवत अहइ। मईं जेकर पनही क फीता खोलइ लायक भी नहीं अहउँ।'

²⁶'भाइयो, इब्राहीम क सन्तानो अउर सच्चे परमेस्सर क आराधक गैर यहूदियो, उद्धार क इ सुसमाचार हमरे बरे ही पठवा ग अहइ।²⁷यरूसलेम में बसइयन अउर ओनकइ राजा लोगन ईसू क नहीं पहिचानेन। अउर ओका दोखा ठहराइ दिहेन। इ तरह उ पचे नबी लोगन क उ बचन क पूरा किहन जेनकइ सबित क दिन पाठ कीन्ह जात ह।²⁸अउर जदि अपि ओनका ओकरे मउत क राजा क कउनो सबूत नहीं मिला, तउ भी उ पचे पिलातुस स ओका मरवाइ डावइ क माँग किहेन।²⁹ओकरे बारे में जउन कछु लिखा रहा, जब उ पचे उ सब कछु क पूरा कइ चुकेन ओका क्रूस प स खाले उतारेन अउर एक कब्र में धइ दिहन।³⁰मुला परमेस्सर ओका मरइ क पाछे फिन जीवित कइ दिहिस।³¹अउर फिन जउन लोग गलील स यरूसलेम तलक ओकरे संग गएन, उ ओनकइ अगवा कइउ दिना ताई परगत होत रहा। इ सबइ अब मनइयन बरे ओकर साच्छी अहइ।³²हम तोहका उ प्रण क बारे में सुसमाचार सुनावत अही जउन हमरे पूर्वजन क संग कीन्ह गइ रही।³³ईसू क, मरि जाए क पाछे फिन जीवित कइके, ओनकइ संताने क बरे परमेस्सर उहइ सपथ क हमरे बरे पूरा किहेस ह। जइसा कि दूसर भजन संहिता में लिखा भी अहइ:

'तू मोर पूत अहा, मईं तोहका आजु ही जनम दिहेउँ ह।'

भजन संहिता 2:7

³⁴अउर उ ओका मरे भएन में जिआइ के उठाएस जेहेंसे नास होइ स पहिले ओका फिन स लौटब न होइ। उ इ तरह कहे रहा:

'मईं तोहका उ सबइ पवित्तर अउर न टरइ क असीस देब जेनका देइ क बचन मईं दाऊद क दिहेउँ।'

यसायाह 55:3

³⁵ इ तरह एक दूसर भजन में उ कहत ह:

'तू आपन पवित्तर जने क नास क अनुभव नहीं होइ दिहा।'

भजन संहिता 16:10

³⁶फिन दाऊद आपन जुग में परमेस्सर क प्रयोजन क मुताबिक आपन सेवा-काम पूरा कइके मर गवा, ओका ओकरे पूर्वजन क संग दफनाइ दीन्ह गवा अउर ओकर छय भवा।³⁷मुला जेका परमेस्सर मरे भएन क बीच स जीवित कइके उठाएस, ओकर छय नहीं भवा।³⁸⁻³⁹तउ भाइयो, तू सबन्क जान जाइ चाही कि ईसू क जरिए ही पाप क छमा क उपेस तोहका दीन्ह गवा ह। अउर इहइ क जरिए हर कउनो जउन बिसवासी अहइ, ओन पापस छुटकारा पाइ सकत ह, जेनेस मूसा क व्यवस्था छुटकारा नहीं दियाइ सकत रही।⁴⁰तउ होसियार रहा, कहुँ नबियन जउन कछु कहे बाटेन, तू सबन प न घटइ:

⁴¹ 'निन्दा करइया लोगो, लखा, होइके भउचक्का मरि जाब्या, काहेकि तोहरे जुग में एक कारज अइसा करत हउँ, जेकर चर्चा तलक प तोहका कबहुँ न बिसवास होई।'

हबक्कुक 1:5

⁴²पौलुस अउर बरनाबास जब हुवाँ स जात रहेन मनइयन ओनसे अगले सबित क दिन अइसी ही अउर बातन बतावइ बरे पराथना किहेन।⁴³जब सभा खतम भइ तउ बहोत स यहूदियन अउर बहुत गैर यहूदी भक्तन पौलुस अउर बरनाबास क पाछा किहेन। पौलुस अउर बरनाबास ओनसे बातचीत करत भए बिनती किहेन कि उ सबइ परमेस्सर क अनुग्रह में बना रहइ।

⁴⁴अगले सबित क दिन तउ लगभग समूचा सहर ही पर्भू क बचन सुनइ बरे उमड़ि आवा।⁴⁵इ बड़का मनइयन क मजमा क जब यहूदियन लखेन तउ उ पचे बहोत जरि भुनि गएन अउर भद्दा सब्द क बइपरत भए पौलुस जउन कछु कहे रहा, ओकर खिलाफत करइ लागेन।⁴⁶मुला पौलुस अउर बरनाबास निडर होइके कहेन, "इ जरूरी रहा कि परमेस्सर क बचन पहिले तोहका पढ़वा जात मुला काहेकि तू पचे ओका नकारत अहा अउर तू सबइ आपन खुद क अनन्त जिन्नगी क जोग नही ठहरउत्या, तउ हम पचे अब गैर यहूदी लोग कइँती मुड़ि जात अही।⁴⁷काहेकि पर्भू हमका अइसी ही आग्या दिहे अहइ:

'मईं जोति बनाएउँ तोहका, ओनकइ बरे जउन नहीं यहूदी, ताकि संसार के सब लोगन का उद्धार करइँ।'

यसायाह 49:6

⁴⁸गैर यहूदियन जब इ सुनेन तउ उ पचे बहोत खुस भएन अउर उ पचे पभू क बचन क सम्मान किहेन। फिन उ सबइ, जेनका अनन्त जिन्तगी पावइ बरे ठहरावा ग रहा, बिसवास धारण कइ लिहेन।

⁴⁹इ तरह समूचइ पहेँटा मँ पभू क बचन क प्रचार होत रहा।

⁵⁰ओहर यहूदी लोग ऊँच कुले क धार्मिक स्त्रियन अउर सहर क मुडइ मनइयन क उसकाएन अउर पौलुस अउर बरनाबास क खिलाफ अत्याचार करब सुरु कइ दिहेन अउर दबाव डाइके ओनका आपन पहेँटा स बाहेर निकरिवाइ दिहेन। ⁵¹फिन पौलुस अउर बरनाबास ओनकइ खिलाफ आपन गोड़े क धूरि झारिके इकुनियुम क चला गएन। ⁵²मुला अतीक मँ ओनकइ चेलन आनंद अउर पबित्तर आत्मा स भरपूर होत रहेन।

इकुनियुम मँ पौलुस अउर बरनाबास

14 इहइ तरह पौलुस अउर बरनाबास इकुनियुम मँ यहूदी आराधनालय मँ गएन। हुवाँ उ पचे इ तरीका स बियाख्यान दिहेन कि यहूदियन क एक बड़का मनइयन क मजमा बिसवास कइ लिहेस। ²मुला उ यहूदियन जउन नाहीं पातियानेन, गैर यहूदियन क उसकाएन अउर भाई बहनन क खिलाफ दुस्मनी पइदा कइ दिहेन। ³तउ पौलुस अउर बरनाबास हुवाँ बहोत दिनों तलक ठहरा रहेन अउर पभू क बारे मँ बेडर होइके प्रबचन देत रहेन। ओनकइ हीला स पभू अद्भुत कारजन अउर अचरज कारजन करवावत भव आपन द्या क संदेसा क मान करावत रहा। ⁴ओहर सहर क मनइयन मँ फूट पड़ि गइ। कछू मिला प्रेरितन कइँती अउर कछू मिला यहूदियन कइँती होइ गएन।

⁵फिन जब गैर यहूदी लोग अउर यहूदी लोग आपन आपन नेता स मिलिके ओनक संग बुरा बेवहार करइ लागेन (गरियाव) अउर ओन प पाथर लोकावइ क बात चली, ⁶तउ पौलुस अउर बरनाबास क एँकर पता लग गवा अउर पचे लुकाउनिया अउर लुस्त्रा अउर दिरबे जइसे सहरन अउर आसपास क पहेँटा मँ परानेन। ⁷उ पचे हुवाँ भी सुसमाचार क प्रचार करत रहेन।

लुस्त्रा अउर दिरबे मँ पौलुस

⁸लुस्त्रा मँ एक मनई बइठा भवा रहा। उ आपन गोड़वा स अंपग रहा। उ जन्मत ही लँगड़ा रहा, चल फिन तउ कबहुँ नाहीं पाएस। ⁹इ मनई पौलुस क बोलत भए सुने रहा। पौलुस ओह पइ निगाह गड़ाएस अउर लखेस कि चंगा होइ क बिसवास ओहमँ बा। ¹⁰तउ पौलुस ऊँची अवाज मँ कहेस, “अपने गोड़वा प सोझ खड़ा हवा।” तउ उ ऊपर उछरा अउर चलइ-फिरइ लाग। ¹¹पौलुस जउन कछू किहे रहा, जब भिड़िया ओका लखेस तउ मनइयन लुकाउनिया क भाखा मँ गोहार लगाइके कहइ

लागेन, “हमरे बीच मनई क रूप धइके, देवता उतरि आवा अहईं।” ¹²उ पचे बरनाबास क “जेअस” * अउर पौलुस क “हिरमेस” * कहइ लागेन। (पौलुस क हिरमेस यह बरे कहा गवा काहेकि उ प्रमुख बोलवइया रहा।) ¹³सहर क सोझइ बाहेर बना जेअस क यहूदियन क मंदिर क पूजारी सहर क दुआरे साँइ अउर माल लइके आइ पहाँचा। उ भीड़ क संग पौलुस अउर बरनाबास बरे बलि चढ़ावइ चाहत रहा।

¹⁴मुला जब प्रेरितन बरनाबास अउर पौलुस इ सुनेन तउ उ पचे आपन ओढ़ना फाड़ि डारन अउर उ पचे ऊँची अवाज मँ इ कहत भए भीड़ मँ घुसि गएन, ¹⁵“अरे मनइयन, तू पचे इ काहे करत बाद्या? हम पचे भी वइसे मनई अही, जइसे तू पचे अहा। हिअँ हम सबइ तू सबन्क सुसमाचार सुनावइ आइ अही ताकि तू पचे बेकार क बातन स मुँह मोड़िके उ सजीव परमेस्वर कइँती लउटा जउन अकास धरती, समुदर अउर एनमँ स जउन कछू अहइ, ओकर रचना किहेस ह। ¹⁶बीत गए काल मँ उ सबहि जातियन क आपन आपन राहे प चलइ दिहेस। ¹⁷मुला तोहका उ खुद आपन साच्छी दिए बगैर नाहीं तजेस। काहेकि उ तोहरे संग भलाई किहेस। उ तू पचन्क अकास स बर्खा दिहेस अउर रितु क मुताबिक फसल दिहेस। उहइ तोहका खइया क देत ह अउर तोहरे मन क आनंद स भरि देत ह।” ¹⁸इ बचन क पाछे भी उ पचे भिड़िया क ओनकइ बरे बलि चढ़ावइ स अबसर नाहीं रोक सकेन। ¹⁹फिन अन्ताकिया अउर इकुनियुस स आए भए यहूदी लोग भीड़ क अपने पच्छ मँ कइके पौलुस प पाथेर लोकाएन अउर ओका मरा जानिके सहर क बाहेर घेराइ लइ गएन। ²⁰फिन जब ओकर चेलन ओकरे चारिहुँ कइँती बटुरेन, तउ उ उठा अउर सहर मँ चला आवा अउर फिन अगले दिन बरनाबास क संग उ दिरबे बरे चल पड़ा।

सीरिया क अन्ताकिया क लउटब

²¹उ सहर मँ उ पचे सुसमाचार क प्रचार कइके बहोत स चेलन बनएन। उ सबइ लुस्त्रा, इकुनियुम अउर अन्ताकिया लउटि आएन। ²²अउर मनवइयन क आत्मीन क स्थिर कइके बिसवास मँ रहइ बरे ओनका कहि क हिम्मत बढ़ाएन, “हमका बड़ा घोर दुख झेलिके परमेस्वर क राज्य मँ घुसइ क अहइ।” ²³हर कलीसिया मँ उ पचे ओनका नियुक्त किहेन उ पभू क सौप दिहेन जेहमँ उ पचे बिसवास करत रहेन।

जेअस यूनानी बहोत देवता मँ बिसवास करत हीं। जेअस ओनकइ एक बहोत महत्व क देवता रहा।

हिरमेस एक अउर दूसर यूनानी देवता। यूनानियन क बिसवास क मुताबिक हिरमेस दूसर देवता क हरकारा (संदेसा लइ जाइवाला)।

²⁴एकरे पाछे पिसिदिया स होत भए उ पचे पंफूलिया आइ गएन। ²⁵अउर पिरगा में जब सुसमाचार सुनाइ चुकेन तउ इटली में आइ गएन। ²⁶हुवों स उ पचे अन्ताकिया क जहाज स गएन जहाँ जउने काम क अर्बाहें उ पचे पूरा किहेन। उ काम बरे उ सबइ परमेस्सर क अनुग्रह प न्यौछावर होइ गएन।

²⁷अइसे जब उ पचे पंहोंचेन तउ उ पचे कलीसिया क मनइयन क बटोरेन अउर परमेस्सर ओनके द्वारा जउन कछू किहेस, ओकर वृत्तांत कहिके सुनाएन। अउर उ पचे एलान किहेन कि परमेस्सर दूसरे देसन क मनइयन बरे बिसवास क दुआर खोले अहइ। ²⁸फिन चेलन क संग हुवा बहोत दिनों तलक ठहरेन।

यरूसलेम में एक सभा

15 फिन कछू लोग यहूदिया स आएन अउर भाई लोगन क सिच्छा देइ लागेन, “जदि मूसा क व्यवस्था क मुताबिक तोहार खतना नाहीं भवा अहइ तउ तोहार उद्धार नाहीं होइ सकत।” ²पौलुस अउर बरनाबास क बिचार मेल नाहीं खात रहा, तउ ओनमाँ एक बड़ा मत भेद पइदा होइ गवा। यह बरे पौलुस अउर बरनाबास अउर ओनके कछू अउर संगी इ समस्या क हल निकारइ बरे प्रेरितन अउर मुखियन क लगे यरूसलेम पठवइ क ठान लिहेन। ³उ पचे कलीसियन क जरिए पठवा गएन अउर फ्रीनीके अउर सामरिया होत भए अधर्मियन क हिरदय बदलत भए भाई बहिनियन क समाचार सुनाइके खुस करत रहेन। ⁴फिन जब उ पचे यरूसलेम पंहोंचेन तउ कलीसिया, प्रेरितन अउर बुजुर्ग लोगन अगवानी किहेन। अउर उ पचे ओनके संग परमेस्सर जउन किहे रहा, उ सब कछू ओनका कहिके सुनाएन। ⁵एह पइ फरीसियन क दल क कछू बिसवासी खड़ा भएन अउर बोलेन, “ओनकइ खतना जरूर कीन्ह जाइ चाही अउर ओनका हुकुम देइ चाही कि उ पचे मूसा क व्यवस्था क पालन करइ।”

⁶तउ इ सवाल प बिचार करइ बरे प्रेरितन अउर बुजुर्गन आपुस में बटुर गएन। ⁷एक लम्बी चौड़ी तहल्लुक क पाछे पतरस खड़ा भवा अउर ओनसे बोला, “भाइयो, तू पचे जानत ह कि बहोत दिना पहिले तोहमाँ स परमेस्सर एक चुनाव किहे रहा कि मोरे हीला स गैर यहूदियन लोग सुसमाचार क संदेसा सुनइहीं अउर बिसवास करिहीं। ⁸अउर अन्त्यर्माँ परमेस्सर हमरे ही तरह ओनका भी पवित्तर आत्मा क बरदान दइके, ओकरे बारे में आपन समर्थन देखाए रहा। ⁹बिसवास क जरिए ओनकइ हिरदय क पवित्तर कइके हमरे अउर ओनके बेच उ कउनो भेद-भाव नाहीं किहेस। ¹⁰तउ अब चेलन क गटइया प एक अइसा जुआ लादिके जेका न हम उठाइ सकित अही अउर न हमार पूर्वज तू पचे परमेस्सर क गुस्सा करावइ चाहत ह?

¹¹मुला हमार तउ इ बिसवास अहइ कि पर्भू ईसू क अनुग्रह स जइसे हमार उद्धार भवा ह, वइसे ही हमका भरोसा अहइ कि ओनकइ भी बचाव जाई!”

¹²एह पइ समूचा दल सन्न मारि गवा अउर बरनाबास अउर पौलुस क बोलब सुनई लागेन। उ पचे, गैर यहूदियन क बीच परमेस्सर ओनकइ हीला स दुइ अद्भुत कारजन परगट किहे रहा, अउर अचरज कारजन किहे रहा, ओकरे बाबत बतावत रहेन। ¹³उ पचे जब बोल चुकेन तउ याकूब कहइ लाग, “भाइयो, मोरउ सुना।

¹⁴समौन बताए रहा कि परमेस्सर गैर यहूदियन में स कछू लोगनक आपन नाउँ बरे चुनिके सबन ते पहिले कइसे पिरमे परगट किहे रहा। ¹⁵नबी लोगनक बचन भी इ बात क समर्थन करत हीं। जइसा कि लिखा बाटइ:

¹⁶ अउरबइ मइँ एकरे पाछे, खड़ा करब फिन स मइँ दाऊद क उ घरे क जउन गिर चुका फिन स सँवारब ओकर खण्डहर क करब फिन स पुराने क उद्धार।

¹⁷ काहेकि जउन बचा अहइँ उ सबइ गैर यहूदी सबहिँ जउन अब मोर कहवावत हीं, पर्भू क हेरइँ।

¹⁸ कहत ह उहइ पर्भू इ बात, जुग जुग स, परगट करत रहा जउन इ बातन क।’

आमोस 9:11-12

¹⁹इ तरह मोर इ निर्णय अहइ कि हमका ओन मनइयन क, जउन गैर यहूदी होत भए परमेस्सर कइँती घूमा अहइँ, सतावइ नाहीं चाही। ²⁰मुला हमका तउ ओनके लगे लिखिके पठवइ चाही। हमका ओनका इ बातन क बतावइ चाही:

मूरत क चढ़ावा भवा खइया क जिन खा (एँहसे खइया क अपवित्तर होत ह।) कउनो तरह क व्यभिचार जिन करा लहू क कबहुँ जिन चखा। गटइ घोटिके मारा गवा गौरू क मांस जिन खा।

²¹ओन पचन्क क इ बात न करइ चाही, काहेकि हर सहर में मनइयन (यहूदी) बाटेन जउन मूसा क व्यवस्था सिखावत हीं। हर सबित क दिन मूसा क व्यवस्था क तरीका स पाठ आराधनालय में बरिसन स होत आवत ह।”

गैर यहूदी बिसवासियन क नाउँ चिट्ठी

²²फिन प्रेरितन अउर बुजुर्गन समूचइ कलीसिया क संग इ निहचय किहेन कि ओनमाँ स कछू मिला क चुनिके पौलुस अउर बरनाबास क संग अन्ताकिया पठवा जाइ। तउ उ पचे बरसब्बा कहा जाइवाला यहूदा अउर

सीलास क चुन लिहेन। उ सबइ भाइयन मँ यरूसलेम मँ मान्य रहेन। ²³पचे ओनकइ हाथे स इ चिट्ठी पठएन:

तोहरे बंधु, बुजुर्ग अउर प्रेरितन कइँती स अन्ताकिया, सीरिया अउर किलिकिया क गैर यहूदी भाइयन क नमस्ते पहुँचइ

मोरे भाइयन,

²⁴हम पचे जब त इ सुना ह कि हम स कउनो आदेस पाए बिना ही, हम पचन मँ स कछू मनइयन जाइके आपन सब्दन स तोहार जिअर दुखी किहेन हे, अउर तोहरे मन क नाहीं थिरइ दिहेन। ²⁵हम पचे आपुस मँ एक अउरटके इ निहचय कीन्ह ह हम सबइ आपन मँ स कछू मनई चुनी अउर आपन पिआरा बरनाबास अउर पौलुस क संग ओनका तोहरे लगे पठई। ²⁶इ सबइ उ पचे ही लोग अहई जउन हमरे पर्भू ईसू मसीह क नाउँ बरे आपन प्राण क बाजी लगाइ दिहे रहे। ²⁷हम पचे यहूदा अउर सीलास क पठवा त अही। उ सबइ तोहका आपन मुँह स इ सब बातन क बतइहीं। ²⁸पवित्तर आतिमा क अउर हमका इ नीक जान पड़ा कि तू सबन प इ जरूरी बात क अलावा क अउर कउनो बात क बोझा न डावा जाइ:

²⁹मूरतिन प चढ़ावा गवा भोजन तोहका नाहीं ग्रहण करइ चाही। खून, गटइ घोटिके बधा गवा पसु अउर व्यभिचार स बचा रहा।

जदि तू आपन आप क इ बातन स बचाए रखबा तउ तोहार कल्याण होइ। अच्छा बिदा।

³⁰इ तरह ओनका बिदा कइ दीन्ह गवा अउर उ सबइ अन्ताकिया पहोंचेन। हुवाँ उ पचे बिसवासियन क धरम सभा क बोलाएन अउर ओनका उ चिट्ठी दइ दिहेन। ³¹चिट्ठी बाँचिके जउन उ छहाह ओनका मिला ओह पइ उ पचे आनंद मनाएन। ³²यहूदा अउर सीलास, जउन खुद ही दुइनउँ नबी रहेन, आइयन क समन्वा ओनकइ हिम्मत बँधावत भए अउर मजबूती देत भए, एक लम्बा प्रबचन दिहेन। ³³हुवाँ कछू समइ बिताए क पाछे, भाई लोग ओनका साँति क साथ ओनही क लगे लौटि जाइ बरे बिदा किहेन जउन ओनका पठए रहेन। ³⁴*

³⁵पौलुस अउर बरनाबास अन्ताकिया मँ कछू समइ बिताएन। बहोत स दूसर मनइयन क संग उ पचे पर्भू क

बचन क उपदेस देत भए मनइयन मँ सुसमाचार क प्रचार किहेन।

पौलुस अउर बरनाबास क अलग होव

³⁶कछू दिनन क बाद बरनाबास स पौलुस कहेस, “आवा, जउन जउन नगरन मँ हम पचे पर्भू क बचन क प्रचार कीन्ह ह, हुवाँ आपन भाई लोगन क लगे बापिस लौटिके इ लखी कि उ पचे का कछू करत बाटेन।” ³⁷बरनाबास चाहत रहा कि मरकुस कहवावइवाला यूहन्ना क भी उ पचे संग लइ चलई। ³⁸मुला पौलुस इहइ ठीक समझेस कि उ पचे ओका आपन संग न लेई जउन पंपूलिया मँ ओनकइ संग छोड़ दिहे रहा अउर (पर्भू क) काम मँ जउन ओनकइ साथ नाहीं दिहस। ³⁹एह पइ उ दुइनउँ मँ घोर खिलाफत जन्मी। नतीजा इ भवा कि उ पचे आपुस मँ एक दूसर स अलगाइ गएन। बरनाबास मरकुस क लइके पानी क जहाजे स साइप्रस गवा। ⁴⁰पौलुस सीलास क चुनिके हुवाँ स चला गवा अउर भाइयन ओका पर्भू क छत्रछाया मँ सौंपेन। ⁴¹तउ पौलुस सीरिया अउर किलिकिया क जात्रा करत भवा हुवाँ क कलीसियन क मजबूत करत रहा।

तीमुथियुस क पौलुस अउर सीलास क संग जाव

16 पौलुस दिरबे अउर लुस्त्रा मँ भी आवा। हुवाँइ तीमुथियुस नाउँ क एक चेला रहा। उ कउनो बिसवासी यहूदी स्त्री क बेटवा रहा मुला ओकर बाप यूनानी रहा। ²लुस्त्रा अउर इकुनियुम क सहर क भाइयन क संग ओकर अच्छा उठब बैठब रहा। ³पौलुस तीमुथियुस क जात्रा प लइ जावा चाहत रहा। तउ उ ओका आपन संग लइ लिहेस अउर स्थानन प बसइया यहूदियन क कारण ओकर खतना किहेस; काहेकि उ पचे सबहिँ जानत रहेन कि ओकर बाप एक यूनानी रहा। ⁴सहरन स जात्रा करत भवा उ पचे हुवाँ क मनइयन क ओन नियम क बारे मँ बताएन जेनका यरूसलेम मँ प्रेरितन अउर बुजुर्गन तय कइ दिहे रहेन। ⁵इ तरह हुवाँ क कलीसिया क बिसवास अउर मजबूत होत गवा अउर रोज हर रोज ओनकइ गन्ती बाढ़त गइ।

पौलुस क एसिया स बाहेर बोलावा जाव

⁶तउ उ पचे फ्रूगिया अउर गलातिया क पहुँटा स होइके निकरेन काहेकि पवित्तर आतिमा ओनका एसिया मँ पवित्तर बचन क प्रचार क मना कइ दिहे रही। ⁷फिन उ पचे जब मूसिया क सरहदे प पहोंचन तउ उ पचे बितूनिया मँ प्रवेस किहेन। मुला ईसू क आतिमा ओनका हुवाँ भी जाइ नाहीं दिहस। ⁸तउ उ पचे मूसिया होत भए त्रोआस पहोंचेन। ⁹राति क समइ पौलुस दिव्य दर्शन मँ निहारेस कि मैसीडोनिया क मनई ओसे पराथना करत भवा कहत अहइ, “मैसीडोनिया मँ आवा अउर

पद 34 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 34 जोड़ी गइ अहइ: “मुला सिलास हुवाँइ ठहरइ क निस्चय किहेस।”

हमार मदद करा!"¹⁰ इ दिव्य दर्शन क लखे क पाछे तुरंतहि इ नतीजा निकारत भए कि परमेस्सर ओन मनइयन क बीच सुसमाचार क प्रचार करइ हमका बोलाए अहइ, हम पचे मैसीडोनिया जाइ बरे ठान लीन्ह।

लुदिया क हिरदय बदलाव

¹¹इ तरह हम त्रोआस स जल मार्ग क जरिए जाइ बरे आपन नाउ खोलि दीन्ह अउर सोझइ समोश्राके जाइ पहोंचेन। फिन अगले दिन नियापुलिस चला गएन।¹²हुवाँ स हम पचे एक रोमी उपनिवेश फिलिप्पी पहुँचेन जउ मैसीडोनिया क उ पहुँटा क एक प्रमुख सहर रहा। इ सहर में हम कछु दिन बितावा।

¹³फिन सबित क दिन इ बिचारत भए कि पराथना करइ बरे हुवाँ कउनो स्थान होइ हम सहर-दुआरे नदी क तीरे गए। हम पचे हुवाँ बइठे अउर बटुरी भइ स्त्रियन स बातचीत करइ लागे।¹⁴हुवाँ लुदिया नाउँ क एक स्त्री रही। उ बैगनी रंग क ओढ़ना क बिक्री करत रही। उ परमेस्सर क आराधिका रही। उ बड़ा धियान स हमार बातन क सुनत रही। पर्भू ओकरे हिरदय क दुआर खोल दिहस ताकि, जउन कछु पौलुस कहत रहा, उ ओन बातन प धियान देइ सकइ।¹⁵आपन समूचइ परिवार क संग बपतिस्मा लेए क पाछे उ हम सबन स इ कहत भए बिनती किहेस, "जदि तू पचे मोका पर्भू ईसू क सच्चा भगत मानत ह तउ मोरे घरे आवा।" तउ उ हम पचन क जाइ बरे तइयार किहेस।

पौलुस अउर सीलास क बंदी बनावा जाब

¹⁶फिन अइसा भवा कि जब हम पचे पराथना ठउर कइँती जात रहे, हम पचन क एक दासी मिली जेहमाँ एक सगुन बतावइ वाली आतिमा क सवारी रही। उ मनइयन क भाग बताइके आपन मालिकन क ढेर धन कमाइके देत रही।¹⁷उ हमरे अउर पौलुस क पाछे इ चिचियात भइ होइ गइ "इ पचे परम परमेस्सर क सेवक अहइ। इ पचे तोहका मुक्ति क रस्ता क संदेसा सुनावत अहइ।"¹⁸उ बहोत दिनाँ तलक अइसा ही करत रही तउ पौलुस परेसान होइ गवा। उ मुड़िके उ आतिमा स कहेस, "मई ईसू मसीह क नाउँ प तोहका आदेस देत हउँ, 'इ बिटिया में स बाहरे निकरि आवा।'" तउ उ फउरन ओहमाँ स बाहरे निकरि गइ।

¹⁹फिन ओकर स्वामी लोगन जब लखेन कि ओनकइ कमाई क आसा स मन टूटि गवा अहइ तउ उ पचे पौलुस अउर सीलास क धइ दहबोचेन अउर ओनका घेरवित भए बजार क बीच नगर क अधिकारियन क समन्वा लइ गएन।²⁰फिन न्यायकर्ता क लगे ओनका लइ जाइके बोलेन, "इ सबइ यहदियन अहइ अउर हमरे सहर में गड़बड़ी फइलावत बाटेन।²¹इ पचे अइसी रीति रिवाज क दोहई देत ही जेनका अपनाउब या जेन पइ चलब हम

रोमी मनइयन बरे निआव क मुताबिक नाहीं बा।"²²भौइ भी खिलाफत में मनइयन क संग होइके हमला करइ आइ। दण्डनायक भी ओनकइ ओढ़ना फाइके उतरवाइ दिहेन अउर आग्या दिहेन कि ओनकइ कुटुम्स होइ।²³ओन पइ बहोत मारि पइ चुकइ क पाछे उ पचे ओनका जेल में डाइ दिहेन अउर जेल क अधिकारि क आदेस दिहेन कि ओनके बरे करा परहरा बइठाइ दीन्ह जाइ।²⁴अइसा आदेस पाइके उ ओनका जेल क भितरी खोली में धाँध दिहेन। उ ओनकइ गोड़वा में कठघरा जइ दिहेन।

²⁵लगभग आधी राति बीते प पौलुस अउर सीलास परमेस्सर क भजन गावत भएन पराथना करत रहेन अउर दूसर कैदी ओनका अनकत रहेन।²⁶तबइ हुवाँ अचानक एक अइसा खौफनाक भूचाल आवा कि जेल क नींव हल गइ अउर फउरन जेल क फटक्का खुल गवा। हर कउनो क बेड़ी ढीली होइके फिसल गइ।²⁷जेलि क अधिकारी जागिके जब लखेस कि जेलि क फटक्का खुलि गवा अहइ तउ उ आपन तरवार हींच लिहेस अउर इ सोचत भए कैदी पराइ गएन बाटेन। उ खुद क मार डवइ वाला रहा तबहिं²⁸पौलुस ऊँची अवाज में चिल्लाइके कहेस, "आपन क नस्कान जिन पहोंचावा काहेकि हम सब हिउँइ अही।"

²⁹एह पइ जेल क अधिकारी मसाल मँगवाएस अउर हल्बुली में भितरे गवा। अउर डर स काँपत भवा पौलुस अउर सीलास क समन्वा भहराइ पइ।³⁰फिन उ ओनका बाहरे लइ जाइके बोला, "साहेब लोगो, उद्धार पावइ बरे मोका का करइ चाही?"

³¹उ पचे जवाब दिहेन, "पर्भू ईसू प बिसवास करा। एहसे तोहार उद्धार होइ-तोहार अउर तोहरे परिवार का।"³²फिन ओकरे सारे परिवार क संग उ सबइ ओका पर्भू क बचन सुनाएन।³³ओकरे पाछे जेल क अधिकारी उहइ रात अउर उहइ घड़ी ओनका हुवाँ स लइ गवा। उ ओकर घाव धोएस अउर आपन सारे परिवार क संग बपतिस्मा लिहेस।³⁴फिन उ पौलुस अउर सीलास क आपन घर लइ गवा अउर ओनका खइया क खिलाएस। परमेस्सर में बिसवास क कारण उ आपन समूचइ परिवार क संग आनन्द मनाएस।

³⁵जब भोर भवा तउ हाकिम इ कहइ बरे पिआदा क हुवाँ पठएन कि ओन पचन क छोड़ दीन्ह जाइ।

³⁶फिन जेलि क अधिकारी इ बतियाँ पौलुस क बखानेस, "दण्डाधिकारी तू पचन क छोड़ि देइ क कहवाइ पठएन ह। यह बरे अब तू बाहरे आवा अउर सांति क साथ चला जा।"

³⁷मुला पौलुस ओन सिपाहियन स कहेस, "जदि अपि हम रोमी नागरिक अही, मुला उ पचे हमका बिना अपराधी होए बिना सब मनइयन क समन्वा मारेन पीटेन ह अउर जेलि में धाँध दिहेन। अउर अब चुपे चुपे उ

पचे हमका बाहेर पठइ देत चाहत हीं, निहचय ही अइसी नाहीं होइ। होइ तउ इ चाही कि उ पचे खुद ही आइके हम पचन बाहेर खदेरई।”

³⁸सिपाही लोग न्यायाधीस क इ सब्ब जाइके सुनाएन। न्यायाधीस क जब इ पता लाग कि पौलुस अउर सीलास रोमी अहई तउ उ सबइ बहोत ससाइ गएन। ³⁹तउ उ पचे हुवाँ आएन अउर ओनसे छमा माँगिके ओनका बाहेर लइ गएन अउर ओनसे सहर क तजि देइ क कहेन। ⁴⁰पौलुस अउर सीलास जेल स बाहेर निकरिके लुदिया क घर पहुँचेन। धर्म बंधुअन स मिलत भए उ पचे ओनकइ हौसला बढाएन अउर फिन हुवाँ स चलि दिहेन।

पौलुस अउर सीलास थिस्सलुनीके में

17 फिर अम्फिपुलिस अउर अपुल्लोनिया क सफर पूरा कइके उ पचे थिस्सलुनीके पहुँच गएन। हुवाँ यहूदियन क एक आराधनालय रहा। ²आपन साधारण सुभाव क अनुसार पौलुस ओनके लगे गवा अउर तीन सबित क दिन तलक ओनकइ संग सास्तरन प बिचार क लेन-देन करत रहा। ³अउर सास्तरन स लइके ओनका समझावत भवा इ सिद्ध करत रहा कि मसीह क यातनाई झेलइ क रहा अउर फिन ओका मरा भवन में स जी उठब रहा। उ कहत, “इ ईसू ही, जेकर मई तोहरे बीच प्रचार करत हई, मसीह अहइ।” ⁴ओहमों स कछू जउन ओकरे मते स मेल खाएन, पौलुस अउर सीलास क मत में सामिल होइ गएन। परमेस्सर स डेराइवालन अगिनती यूनानी भी ओहमों मिलि गहन। एहमों डेर खास खास स्त्रियन भी मिलि गइन।

⁵मुला यहूदी तउ डाह मँ जरत भूँजत रहेन। उ पचे कछू बाजारु गुण्डन क बटोरेन अउर एक मजमा बनइके सहर मँ दंगा कराइ दिहेन। उ पचे यासोन क घर मँ धावा बोल दिहेन। अउर इ जतन करइ लागेन कि कउनो तरह पौलुस अउर सीलास क मनइयन क समन्वा लइ आवई। ⁶मुला जब उ पचे ओनका नाहीं पाइ सकेन तउ यासोन क अउर कछू दूसर भाइयन क सहर क अधिकारी क समन्वा घेराइ के लइ आएन। उ पचे चिचियानेन, “इ मनइयन जउन सारी दुनिया मँ उथर पुथर मचाए बाटेन अब उ पचे हियाँ आइ अहई।” ⁷अउर यासोन सम्मान क संग ओनका आपन घरवा मँ ठहराए बा। अउर उ पचे सर्बाहँ कैसर क आदेसन क खिलाफ काम करत बाटेन। अउर कहत हीं एक राजा अउर अहइ जेकर नाउँ अहइ ईसू।” ⁸जब भीड़ अउर सहर क अधिकारी इ सुनेन तउ उ पचे भइकेन। ⁹अउर इ तरह उ पचे यासोन अउर दूसर मनइयन क जमानती मुचलका लइके छोड़ दिहेन।

पौलुस अउर सीलास बिरिया मँ

¹⁰फिन तुरंतहि रातउ रात पौलुस अउर सीलास क बिरिया पठइ दिहेन। हुवाँ पहुँचिके उ सबइ यहूदी,

आराधनालय मँ गएन। ¹¹इ पचे थिस्सलुनीके क मनइयन स जिआदा नीक रहेन। इ मनइयन पूरा चित्त लगाइके बचन क सुनेन अउर हर दिन सास्तरन क उलटत पलटत भएन जाँच करत रहेन कि पौलुस जउन बातन क बताएस ह, का उ बातन फुर अहई। ¹²एकरे कारण बहोत स यहूदी लोग अउर खास खास यूनानी स्त्री-पुरुसन भी बिसवास धरेन। ¹³मुला जब थिस्सलुनीके क यहूदियन क इ पता लाग कि पौलुस बिरिया मँ भी परमेस्सर क बचन क प्रचार करत बाटइ तउ उ पचे हुवाँ आइ धमकेन। अउर हुवाँ भी गल्बा करइ अउर मनइयन क हुस्कावइ सुरु कइ दिहेन। ¹⁴यह बरे तबहिं भाइयन तुरंत पौलुस क समुद्दर क किनारे जाइ क पठएन। मुला सीलास अउर तीमुथियुस हुवाँ ठहरा रहेन। ¹⁵पौलुस क लइ जाइवालन मनइयन ओका एथेंस पहुँचाइ दिहेन अउर सीलास अउर तीमुथियुस बरे इ हुकुम दइके कि उ पते हाली स ओकरे लगे आइ जाई, हुवाँ स चल दिहेन।

पौलुस एथेंस मँ

¹⁶पौलुस एथेंस मँ तीमुथियुस अउर सीलास क जोहत भए सहर क मूरत स भरा भवा लिखिके मन ही मने मँ तिलमिलात रहा। ¹⁷यह बरे हर रोज आराधनालय मँ यहूदियन अउर यूनानी भगतन जउन असली भगवान क पूजत रहेन स बहस-मुबाहसा करत रहा। हुवाँ बजार-हाट मँ जउन कउनो होत उ ओहसे भी हर रोज तर्क करत रहत। ¹⁸कछू इपीकूरी अउर स्तोईकी दर्सन क ज्ञानी भी ओसे सास्तार्थ करइ लागेन।

ओहमों स कछू कहेन, “इ अंतसंत बोलवइया कहब क चाहत ह?” दूसर लोग कहेन, “इ तउ बिदेसी देवतन क प्रचारक जान पडत ह।” उ पचे इ यह बरे कहे रहेन कि उ ईसू क बारे मँ उ पदेस देत रहा अउर ओकरे फिन स जी उठइ क प्रचार करत रहा। ¹⁹उ पचे ओका धइके अरियुपगुस क सभा मँ आपन संग लइ गएन अउर बोलेन, “का हम जान सवित ह कि तू जउन मनइयन क समन्वा रखत बाट्या, उ नई सिच्छा का अहइ? ²⁰तू कछू अजूबी बात हमरे काने मँ डावत अहा, तउ हम पचे जानइ चाहित ह कि इ बातन का अरथ का अहइ?” ²¹हुवाँ रहत भए एथेंस क सर्बाहँ मनइयन अउर परदेसी सिरिफ बिल्कुल नवा सुनइ या ओनही बातन क चर्चा क अलावा कउनो भी अउर बातन मँ आपन समइ न लागावत रहेन।

²²तब पौलुस अरियुपगुस क समन्वा खड़ा होइके कहेस, “हे एथेंस क मनइयन, मई लखत हई कि तू पचे हर तरह स धार्मिक अहा। ²³टहरत फिरत तोहार आराधना क चीजन क लिखिके मोका एक अइसी वेदी भी मिली जेह पइ लिखा रहा, ‘अनबूझ परमेस्सर बरे’ तउ तू पचे बेजानिके जेकर आराधना करत बाट्या मई तोहका उहइ बचन क सुनावत हई।” ²⁴परमेस्सर, जउन इ जगत

क अउर इ जगत क भितरे जउन कछू बा, ओकर रचना किहेस, उहइ धरती अउर अकास क पभू अहइ। उ हथवा स बनावा गवा मंदिर में नाही रहत।²⁵ ओकरे लगे कउनो चीजे क कमी नाही बा। एहसे मनई क हथवा स ओकर सेवा नाही होइ सकत। उहइ सबन क जिन्नीगी, साँस अउर दूसर सब कछू देत रहत ह।²⁶ एक ही मनई स उ मनई क सबहि जातिन क बनएस ताकि उ पचे समूचइ धरती प बसि जाई अउर उहइ मनइयन क समइ निश्चय कइ दिहेस अउर उ ठउर क जहाँ उ पचे रहई, चउहददी बाँधि दिहेस।²⁷ ओकर मतलब इ रहा कि मनई परमेस्सर क हेरई। होइ सकत ह कि उ पचे ओका ओकरे ताई पहीचिके पाइ सकई। एतना होए प भी हम सबन में कउनो स भी उ दूर नाही बा:

28 'काहेकि उहइ मैं हम पचे रहित ह, उहइ मैं हमार चलब फिरब बा अउर उहइ मैं हमार थिर रहब बा!'

इहइ तरह खुद तोहरे ही कछू लिखवइया भी कहेन ह:
'काहेकि हम पचे ओकर बचवा अही।'

²⁹अउर काहेकि हम परमेस्सर क संतान अही। यह बरे हमका इ कबहुँ नाही सोचइ चाही कि उ देउता सोना या चाँदी या पाथर क बनी भइ मानुस कल्पना या कारीगरी स बनी भइ कउनो मूत जइसी अहइ।³⁰ अइसे अगियान क जुग क परमेस्सर धियान नाही दिहेस अउर अब हर कतहुँ क मनई क मनफिराव क आदेस देत बाटइ।³¹ उ एक दिन तय किहेस ह जब उ आपन एक मनई क जरिए जेका उ मुकईर किहेस ह निआव स दुनिया क निआव करी। मरे भएन मैं स ओका जिआइके उ हर कउनो क इ बात क परमान दिहेस ह।"

³²जब उ पचे मरे भएन मैं स जी उठइ का बात सुनेन तउ ओहमाँ स कछू तउ ओकर हँसी हसारात करइ लागेन मुला कछू कहेन, "हम सबइ इ विसय प फिन कबहुँ तोहर प्रबचन सुनबा।"³³ तब पौलुस ओनका तजिके चल दिहेस।³⁴ कछू मनइयन बिसवास कइ लिहेन अउर ओकरे संग होइ गएन। एहमाँ अरियुपगुस* क निअम्बर दियुनुसियुस अउर दमरिस नाउँ क स्त्री अउर ओकरे संगे क अउर मिला भी रहेन।

पौलुस कुरिन्थुस में

18 एकरे पाछे पौलुस एथेंस तजिके कुरिन्थुस चला गवा।² हुवाँ उ जउ पुन्तुस मा पइदा भवा रहा अविक्ला नाउँ क एक यहूदी स मिला। जउन हाल मैं ही

अरियुपगी एथेंस क खास खास मनइयन क दला ये पचे न्यायाधीस क लाई होत रहेन।

आपन पत्नी प्रिस्किला क संग इटली स आवा रहा उ पचे इटली यह बरे तजेन कि क्लौदियुस सर्बहिँ यहूदियन क रोम स निकरि जाइ क हुकुम दिहे रहा तउ पौलुस ओनसे भेंटइ आवा।³ अउर काहेकि ओनकइ धन्धा एक ही रहा तउ उ ओनही क संग ठहरा अउर काम करइ लाग। बड़पार स उ पचे तम्बू बनावइवाला रहेन।⁴ हर सबित क दिन उ आराधनालय मैं बाद बिवाद कइके यहूदियन अउर यूनानियन क समुझावइ बुझावइ क जतन करत।

⁵जब उ सबइ मैसीडोनिया स सीलास अउर तीमुथियुस आएन तब पौलुस आपन सारा समइ बचन क प्रचार करइ मैं लाए रहा। उ यहूदियन क इ परमान देइ चाहत रहा कि ईसू ही मसीह अहइ।⁶ तउ जबहिँ उ पचे ओकर खिलाफत किहेन अउर ओसे फूहर पातर कहेन तउ उ ओनकइ खिलाफ ओढ़ना झारत भवा ओनसे कहेस, "तोहार रकत तोहरे मूँड़े प पड़इ। ओकर मोसे कउनो मतलब नाही बा। अबहिँ स अगवा मई गैर यहूदियन क लगे चला जाब।"

⁷इ तरह पौलुस हुवाँ स चला गवा अउर तीतुस यूस्तुस नाउँ क एक मनई क घरे गवा। उ परमेस्सर क आराधक रहा। ओकर घर आराधनालय स सटा रहा।⁸ क्रिसपुस, जउन आराधनालय क प्रधान रहा, आपन समूचइ घराना क संग सत्य पभू मैं बिसवास धारण किहेस। साथ ही बहोत स कुरिन्थुस जउन पौलुस क प्रबचन सुने रहेन, बिसवास ग्रहण कइके बपतिस्मा लिहेस।

⁹एक राति सपना मैं पभू पौलुस स कहेस, "डेरा जिन, बोलत रहा अउर चुप जिन हवा।¹⁰ काहेकि मई तोहरे संग हउँ। तउ तोहरे प हमला कइके कउनो भी तोहका नस्कान नाही पहुँचाइ काहेकि इ सहर मैं मोर डेर मिला बाटई।"

¹¹तउ पौलुस, हुवाँ डेड बरिस तलक परमेस्सर क बचन क ओनकइ बीच मैं सिच्छा देत भवा, ठहरा रहा।

पौलुस गलिलियन क समन्वा लइ आवा जाब

¹²जब अखाया क राज्यपाल गलिलियो रहा तबहिँ यहूदी लोग एक एक अउरटिके पौलुस प धावा बोलि दिहेन अउर ओका धइके कचहरी लइ आएन।¹³ अउर बोलेन, "इ मनई परमेस्सर क आराधना अइसे तरीका स करइ बरे हुस्कावत अहइ जउन व्यवस्था क विधान क खिलाफ बा।"

¹⁴पौलुस अबहिँ आपन मुँहना खोलइ क ही रहा कि गलिलियन यहूदियन स कहेन, "अरे यहूदियो, जदि इ कछू कउनो अनिआव या गहिर अपराध क होत तउ तोहार बात सुनब मोरे बरे निआव क मुताबिक होत।"¹⁵ मुना काहेकि इ विसय सब्दन, नाउँ अउर तोहार आपन व्यवस्था क सवाल स जुडा अहइ, यह बरे एँका तू सबइ खुद ही सुलझावा। अइसी बातन क बारे मैं मई न्यायाधीस नाही

बनइ चाहत हउँ।”¹⁶अउर फिन उ ओनका कचहरी स बाहेर निकाल दिहिस।

¹⁷तउ उ पचे आराधनालय क नेता सोस्थियेस क धइ दहबोचेन अउर उदालत क समन्वा ही ओका पीटइ लागेन। मुला गल्लियन इ बातन प तनिकउ भी धियान नाहीं दिहेन।

अन्ताकिया क पौलुस क वापसी

¹⁸बहोत दिनाँ तलक पौलुस हुवाँ ठहरा रहा। फिन भाइयन स बिदा होइके उ नाउ क मारग स सीरिया क चला गवा। ओकरे संग प्रिस्किल्ला अउर अक्विला भी रहेन। पौलुस किंखिया मँ आपन बार कटवाएस कहेकि उ एक ठु मन्त माने रहा।¹⁹फिन उ पचे इफिसुस पहोचने अउर पौलुस प्रिस्किल्ला अउर अक्विला क हुवाँ छोर दिहेन। अउर खुद आराधनालय मँ जाइके यहूदियन क संग बहस करइ लाग।²⁰जब हुवाँ क मनइयन ओसे कछू दिन अउर रुक जाइके निवेदन किहेन तउ उ इन्कार कइ दिहेस।²¹मुला जात भए समइ मँ उ कहेस, “अगर परमेस्सर क इच्छा भइ तउ मइँ तोहरे लगे फिन अउबइ।” फिन उ इफिसुस स नइया स जात्रा किहेस।

²²फिन कैसरिया पहोचिके उ यरूसलेम गवा अउर हुवाँ कलीसिया क मनइयन स भेटेस। फिन उ अन्ताकिया कइँती चला गवा।²³हुवाँ कछू समइ बिताए क पाछे उ बिदाई लिहेस अउर गलातिया अउर फ्रुगिया क पहुँटा मँ एक ठउर स दूसर ठउर क जात्रा करत भवा सबहि चेलन क बिसवास बढावइ लाग।

इफिसुस अउर आखाया मँ अपुल्लोस

²⁴हुवाँ अपुल्लोस नाउँ क यहूदी रहत रहा। उ सिकुन्दरिया मँ पइदा भवा रहा। उ बिद्वान बोलवइया रहा। उ इफिसुस मँ आवा। सास्तर क ओका पूरा पूरा ज्ञान रहा।²⁵ओका पर्भू क मारग क दीच्छा भी मिली रही। उ हिरदय मँ उमंग भरिके प्रबचन करत अउर ईसू क बारे मँ बड़ी हुसियारी स उपदेस देत रहा। तउ भी ओका यहून्ना क बपतिस्मा क गियान रहा।²⁶आराधनालय मँ उ निडर होइके बोलइ लाग। जब प्रिस्किल्ला अउर अक्विला ओका बोलत सुनेन तउ उ पचे ओका एक कइँती लइ गएन अउर जिआदा बारीकी स ओका परमेस्सर क मारग क बियाख्या समझाएन।²⁷तउ जब उ अखाया क जाइ चाहेस तउ भाइयन ओकर हिम्मत बढाएन अउर हुवाँ क चेलन क ओकर सुआगत करइ बरे लिखिके पठएन। जब उ हुवाँ पहोँचा तउ ओनकइ बरे बड़कवा सहायक सिद्ध होइ गवा जउन परमेस्सर क अनुग्रह स बिसवास ग्रहण किहेन।²⁸काहेकि सास्तरन स इ परमान देत भए कि ईसू ही मसीह अहइ, उ यहूदी लोगन क मजमा मँ जोरदार सब्दन स ललकारत भवा सास्तरन मँ पछारे रहा।

पौलुस इफिसुस मँ

19 अइसा भवा कि जब अपुल्लोस कुरिन्थुस मँ रहा तबहि पौलुस भीतर क पहुँटा स जात्रा करत भवा इफिसुस मँ आइ पहोँचा। हुवाँ ओका कछू चेलन मिलेन।²अउर उ ओनसे कहेस, “का जब तू पचे बिसवास धारण किहे रहा तब पवित्तर आत्मा क ग्रहण किहे रहा?”

उ सबइ जवाब दिहेन, “हम पचे तउ सुना तलक नाहीं कि कउनो पवित्तर आत्मा बाटइ भी!”³तउ उ कहेस, “तउ तू पचे कइसा बपतिस्मा लिहे अहा?”

उ सबइ कहेन, “यहून्ना क बपतिस्मा।”

⁴फिन पौलुस कहेस, “यहून्ना क बपतिस्मा तउ मनफिरावइ क बपतिस्मा रहा। उ मनइयन स कहे रहा कि जउन मोरे पाछे आवत अहइ, ओह पइ अरथ अहइ ईसू प बिसवास धरा।”

⁵इ सुनिके उ पचे पर्भू ईसू क नाउँ क बपतिस्मा लइ लिहेन।⁶फिन जब पौलुस ओन प हाथ धरेस तउ ओन पइ पवित्तर आत्मा उतरि आइ। अउर उ सबइ अलग अलग भाखा बोलइ अउर भविस्सबाणी करइ लागेन।⁷कुल जोरिके उ पचे कउनो बारह मनई रहेन।

⁸फिन पौलुस यहूदी आराधनालय मँ चला गवा अउर तीन महीना निडर होइके बोलत रहा। उ यहूदी लोगन क साथ बहस करत भवा ओनका परमेस्सर क राज्य क बारे मँ समझावत रहत रहा।⁹मुला ओहमों स कछू लोग बहोत जिद्दी रहेन। उ पचे बिसवास ग्रहण करइ स इन्कार कइ दिहेन अउर मनइयन क समन्वा भला बुरा कहत रहेन। तउ उ आपन चेलन क संग लइके ओनका तजिके चला गवा। अउर तरनुस क पाठसाला मँ हर रोज बिचार करत रहा।¹⁰दुइ बरिस तलक अइसा ही होत रहा। एकर नतीजा इ भवा कि सबइ एसिया क बसइया अउर यहूदियन अउर गैर यहूदियन पर्भू क बचन सुनि लिहेन।

स्किबा क बेटवन

¹¹परमेस्सर पौलुस क हथवा चमत्कार करम करावत रहा।¹²हिआँ तलक की ओकर छुआ रुमाल अउर अँगरखा क बेरामियन क लगे लइ जावा जात तउ ओनकइ बेरामी जरटुट होइ जातिन अउर दुस्ट आत्मा ओहमों स पराइ जातिन।¹³⁻¹⁴कछू यहूदी लोग, जउन दुस्ट आत्मा क उतारत भए एहर ओहर टहरत डोलत रहेन, जिन मनइयन मँ दुस्ट आत्मिन क सवारी होतिन, ओन पइ पर्भू ईसू क नाउँ क बइपरइ क जतन करतेन अउर कहतेन, “मइँ तोहका उ ईसू क नाउँ प जेकर प्रचार पौलुस करत वा, आदेस देत हउँ!” एक स्किबा नाउँ क यहूदी महा यात्रक क सात ठु बेटवन जब अइसा करत रहेन।¹⁵तउ दुस्ट आत्मा (एक दाँई) ओनसे कहेस, “मइँ ईसू क पहिचानत हउँ अउर पौलुस क बारे मँ भी जानत हउँ, मुला तू पचे कउन अहा?”

¹⁶फिन उ मनई जेह पइ दुस्ट आतिमा सवार रही, ओन प कूदि पड़ी। उ ओन पइ काबू पाइके अउर ओनकर कपरा फाड़ दिहैस। उ ओनका खूबइ पीटेस अउर ओनकइ ओढ़ना फाड़ि डाए। एहसे उ पचे बेबस्तर होइके अउर चोटाइके परानेन। ¹⁷इफिसुस मँ बसइया लोग सबहँ यहूदियन अउर यूनानी लोगन क इ बाते क पता लग गवा। उ सबइ लोग बहोतइ डेराइ गएन। इ तरह पर्भू ईसू क नाउँ क आदर अउर जिआदा बाढ़त गवा। ¹⁸ओहमाँ स बहोत स जउन बिसवास ग्रहण किहे रहेन, आपन स कीन्ह गवा कुकरम क सबन क समन्वा कबूलत भए हुवाँ आएन। ¹⁹जादूअर अउर टोनहन मँ स बहोतन आपन आपन पोथी लइके हुवाँ बटोरि दिहेन अउर सब मनइयन क अगवा बारि दिहेन। ओन पोथिन क कीमत 50,000 चाँदी क सिक्का क बराबर कूता गवा। ²⁰इ तरइ पर्भू क बचन जिआदा असरदार होत भवा दूर दूर ताई फइल गवा।

पौलुस क जात्रा योजना

²¹इ सब घटित होए क पाछे पौलुस आपन मने मँ मैसीडोनिया अउर अखाया होत भवा यरूसलेम जाइ क निहचय किहैस। उ कहैस, "हुवाँ जाए क पाछे मोका रोम भी लखइ चाही।" ²²तउ उ आपन तीमुथियुस अउर इरास्तुस नाउँ क दुइ सहायक लोगन क मैसीडोनिया पठएस अउर खुद एसिया मँ तनिक समइ अउर बिताएस।

इफिसुस मँ उपद्रव

²³उ दिनन मँ परमेस्सर के रस्ता का लइके हुवाँ खुब उपद्रव भवा। ²⁴हुवाँ देमेत्रियुस नाउँ क एक ठु चाँदी क बनवइया सोनार रहा। उ चाँदी क मन्दिर मूरति देवी अरतिमिस* क बनवत रहा। जेहसे कारीगर लोगन क रोजी मिलत रही। ²⁵उ ओनका इ धंधा मँ लगा भएन दूसर कारीगरन क बटोरेस अउर कहैस, "लखना मनइयो, तू पचे जानत ह कि काम स हमका एक बड़िया आमदनी होत ह। ²⁶तू सब लखि सकत ह अउर सुनि सकत ह कि इ पौलुस न सिरिफ इफिसुस मँ मुला करीब करीब एसिया क समूचइ पहुँटा मँ मनइयन क अपनी सिच्छा क जरिये बदल दिहे बा। उ कहत बा कि मनई क हथवा क बनावा सच देवता नाहीं अहइ।" ²⁷एहसे न सिरिफ इ बात क डर अहइ कि हमार बड़पार क नामूसी होइ मुला महान देवी अरतिमिस क मंदिर क इजत खोइ जाइ क भी डर बाटइ। अउर जउन देवी क आराधना समूचइ एसिया अउर दुनिया स कीन्ह जात बाटइ, ओकर गरिमा छीन लइ जाइ डर अहइ।" ²⁸जब उ पचे इ सुनेन तउ उ पचे बहोत कोहाइ गएन अउर चिचिआइ चिचिआइ क

अरतिमिस यूनानी देवी जेकर आराधना एसिया माइनर क निवासी करत रहेन।

कहइ लागेन, "इफिसियो क देवी अरतिमिस महान बा!" ²⁹ओहर सारे सहर मँ गड़बड़ी फैलि गइ। तउ मनइयन मैसीडोनिया स आएन अउर पौलुस क संग जात्रा करत भएन गयुस अउर अरिस्तरखुस क धइ दहबोचनेन अउर रंग साला मँ लइ भागेन। ³⁰पौलुस मनइयन क समन्वा जाब चाहत रहा मुला चलन ओका नाहीं जाइ दिहन। ³¹कछू प्रांत क अधिकारी जउन ओकर मीत रहेन, ओसे कहवाइ पठएन कि उ हुवाँ रंगसाला मँ आवइ क दुस्साहस जिन करइ। ³²लोगन मँ स कछू चिचियात बा, अउर कउनो कछू काहेकि समूचइ सभा मँ हल्बुली फइली बाटइ। ओहमाँ स जिआदा स जिआदा इ नाहीं जानत रहेन कि उ पचे हुवाँ बटुरा काहे बाटेन। ³³यहूदियन सिकन्दर क जेकर नाउँ भीड़ मँ स उ पचे सुझाए रहेन, अगवा ठाड़ कइ रखे रहेन। सिकन्दर आपन हथवा क हिलाइ हिलाइके मनइयन क समन्वा सफाई क बयान देत रहा। ³⁴मुला जब ओनका इ पता लाग कि उ एक यहूदी अहइ तउ उ सबइ एक अउटके कछू दुइ घण्टा तलक एक सुर मँ चिचियात भवा कहत रहेन, "इफिसियन क देवी अरतिमिस महान बा।"

³⁵फिन सहर क बाबू भीड़ क सान्त करत भवा कहैस, "हे इफिसुस क मनइयो, का दुनिया मँ अइसा कउनो मनई बा जउन इ नाहीं जानत कि इफिसियन सहर महान देवी अरतिमिस अउर सरग स गिरी भइ पवित्र सिला क रखवारा अहइ?" ³⁶काहेकि इ बातन स इन्कार नाहीं होइ सकत। यह बरे तोहका सान्त रहइ चाही। ³⁷तू पचे इ मनइयन क धइके हियौ लाया ह जदि अपि उ सबइ न तउ कउनो मंदिर क लूटेन ह अउर न ही हमरी देवी क बेज्त किहेन ह। ³⁸अगर देमेत्रियुस अउर संगी कारीगरन क कउनो क खिलाफ कउनो सिकाइत अहइ तउ अदालत खुली बाटइ अउर हुवाँ निरनायकन अहइ। हुवाँ आपुस मँ एक दूसर प नालिस करइ। ³⁹मुला जदि तू एहसे कछू जिआदा जानइ चाहत ह तउ ओकर फैसला नेम स चलइवाली सभा मँ कीन्ह जाइ। ⁴⁰जउन कछू अहइ ओकरे मुताबिक हमका इ बाते क डर हइ कि आज क दंगा क कारण हम प देख न लगावा जाइ। इ दंगा बरे हमरे लगे कउनो भी कारण नाहीं बाटइ जेहसे हम सबइ एँका ठीक ठहराइ सकी।" ⁴¹एतना कहे क पाछे उ सभा क विसर्जित कइ दिहस।

पौलुस क मैसीडोनिया अउर यूनान जाब

20 फिन जब हुल्लड क सांत होइ गवा, एकरे पाछे पौलुस ईसू क चलन क बोलाएस अउर ओनकइ हिम्मत बढाइ दिहे क पाछे ओनसे बिदा लिहैस अउर मैसीडोनिया क चला गवा। ²उ पहुँटा स होइके उ जात्रा किहैस अउर हुवाँ क मनइयन क उछाह क बचन बोलेस। फिन उ यूनान आइ गवा। ³उ हुवाँ तीन महीना रुका अउर काहेकि यहूदी लोग ओकरे खिलाफ एक

षडयन्त्र रचे रहेन जब उ पानी क मारग स सीरिया क जाइवाला रहा कि उ निश्चय किहेस कि उ मैसीडोनिया क लौटि जाइ।⁴ बिरीया क पुरुस क बेटवा, थिस्सलनीकिया क बसइया लोग अरिस्तार्खुस अउर सिकुन्दुस, दिरबे क निवासी गयूस अउर तीमुथियुस अउर एसिया क पहँटा क तुखिकुस अउर त्रुफिमस ओकरे साथ रहेन।⁵ इ पचे पहिले चला ग रहेन अउर त्रोआस मँ हमका जोहत रहेन।⁶ बे खमीर क रोटी क दिनन क पाछे हम पचे फिलिप्पी स नाउ स चेलन अउर पाँच दिना क पाछे त्रोआस मँ ओनसे जाइ भेटेन। हुवाँ हम सात दिना तक उठरेन।

त्रोआस क पौलुस क आखिरी जात्रा

⁷हप्ता क पहिले दिना जब हम पचे रोटी क तोड़इ बरे आपुस मँ बटुरेन तउ पौलुस ओनसइ बतियाइ लाग। ओका भियान ही चला जाइ क रहा तउ उ आधी राति तलक बातचीत करत रहा।⁸ सीडी क ऊपर क खोली मँ जहाँ हम पचे बटुरा रहेन, हुवाँ देर क दिया धरा रहेन।⁹ हुवाँ यतुखुस नाउँ क एक नौजवान खिड़की प बइठा रहा। ओका गहिर नींद चौपे रही। काहेकि पौलुस देर बेला स बोलतइ चला जात रहा तउ ओका गहिर नींद आइ गइ। एहसे उ तीसरी मंजिल स तरखाले भहराइ पड़ा अउर जब ओका उठावा गवा तउ उ गुजर चुका रहा।¹⁰ पौलुस तरखाले उतरा अउर ओह पड़ि निहुरा। ओका आपन कोरा मँ लइके उ कहेस, “जिन घबराअ काहेकि ओकर प्राण उहइ मँ बा।”

¹¹फिन उ ऊपर चला गवा अउर उ रोटी क तोरि के बाँटिस अउर खाएस। उ ओनकइ देर देर तलक, भिन्सारे ताई बतियात रहा। फिन उ ओनसे बिदा लिहेस।¹² उ जिअत मनई क उ पचे घरे लइ आएन। एहसे ओनका बहोत चइन मिला।

त्रोस स मिलेतुस क जात्रा

¹³हम जहाजे प पहिले पहाँचेन अउर अस्सुस कइँती चल दिहेन। हुवाँ पौलुस क हम पचेन क जहाज प बइठावइ क रहा। उ अइसी ही योजना बनए रहा। उ खुन पैदर आवइ चाहत रहा।¹⁴ उ जब अस्सुस मँ हम पचन स भेंटा तउ हम पचे ओका जहाजे प बइठावा अउर हम सबइ मितुलेने कइँती चल पड़ें।¹⁵ दूसर दिन हम हुवाँ स चलिके खियुस क समन्वा जाइ पहाँचेन अउर दूसर दिन ओह पार सामोस आइ गएन। फिन ओकरे एक दिन पाछे हम मिलेतुस आइ पहाँचेन।

¹⁶काहेकि पौलुस जहाँ तलक होइ सका पिन्तेकुस्त क दिन तलक यरूसलेम पहुँच जाइ क हाली करत रहा, तउ उ ठान लिहेस कि उ इफिसुस मँ बे रुके भए अगवा चला जाइ जेहँसे ओका एसिया मँ समइ जिआदा न बितावइ पड़इ।

पौलुस क इफिसुस क पूर्वजन स बात-चीत

¹⁷उ मिलेतुस स इफिसुस क बुजुर्ग अउर कलीसिया क सदेसा पठइके आपन लगे बोलाएस।¹⁸ ओनकइ आए प पौलुस ओनसे कहेस, “इ तू सबइ जानत ह कि एसिया पहुँचइ क बाद पहिले दिन स ही हर समइ मइँ तोहरे संग कइसे रहत हउँ¹⁹ अउर बड़ा दीन होइके आँसू टपकाइ टपकाइके यहूदी लोगन्क कुचाल क कारण मोह प कइउ परीच्छा मँ भी मइँ दीनता पूर्वक पभू क सेवा करत रहेउँ।²⁰ तू पचे जानत बाट्या कि मइँ तोहका तोहरे भलाई क कउनो बाते स बतावइ मँ कबहुँ हिचकिचाएउँ नाहीं। अउर मँ तोहका ओन बातन क सबहिँ मनइयन क बीच अउर घरे घरे जाइके उपदेस देइ मँ कबहुँ नाहीं झिझक्यो।²¹ यहूदियन अउर यूनानियन क मइँ बराबर क भाव स मनफिराव बरे, परमेस्सर कइँती मोड़इ बरे मँ कहत रहेउँ ह अउर हमार पभू ईसू मँ बिसवास बरे ओनका चिताउनी दिहेउँ ह।²² अउर अब पवित्तर आतिमा क अधीन मँ मइँ यरूसलेम जात अहउँ मइँ नाहीं जानत हउँ हुआँ मोरे संग का कछू घटी।²³ मइँ तउ सिरिफ एँतना जानत हउँ कि हर सहर मँ पवित्तर आतिमा इ कहत भइ मोका चउकन्ना करत रहत ही कि जेल अउर घोर संकट मोका जोहत बाटेन।²⁴ मुला मोरे बरे प्राण क कउनो कीमत नाहीं बा। मइँ तउ बस उ दौड़ धूप अउर उ सेवा क पूरा करइ चाहत हउँ जेका मइँ पभू ईसू स ग्रहण करेउँ ह-परमेस्सर क अनुग्रह क सुसमाचार क साच्छी देब।

²⁵ अउर अहँ जानत हउँ कि तोहमँ स कउनो भी, जेनकइ बचि मँ मइँ परमेस्सर क राज्य क प्रचार करत घूमेउँ ह, मोर मुँह अगवा कबहुँ न लिखि पाइ।²⁶ यह बरे आजु मइँ तोहरे समन्वा गोहराइ के कहत हउँ कि तू सबन मँ स कउनो मँ स कोइ खोवाय जाइ त ओकर दोखी मइँ नाहीं अहउँ।²⁷ काहेकि मइँ परमेस्सर क पूरी इच्छा क तोहका बतावइ क मँ मइ कबहुँ हिचकिचाएउँ नाहीं।²⁸ आपन अउर आपन जात बिरादरी क देख भाल करत रहा। पवित्तर आतिमा ओहमँ स तोहका ओन प चउकसी करइ बरे बनएस ह जेहसे तू परमेस्सर क कलीसिया क धियान राखा जेहसे उ आपन रक्त क बदले बेसहे रहा।²⁹ मइँ जानत हउँ कि मोरे बिदा होइ जाए क पाछे सिकारी बिगवा तोहरे बीच अइहीं अउर उ पचे इ भोला भाला झुंड क न छोरीहीं।³⁰ हिआँ तलक कि तोहरे आपन बीच मँ स ही अइसेन मनई भी उठि जइहीं, जउन चेलन क पाछे लगाइ लेइ बरे बात क घुमाइ फिराइ क कइहीं।³¹ यह बरे होसियार रहया। याद राखा कि मइँ तीन बरिस तलक एक एक क दिन रात रोइ रोइके चिताउनी देब नाहीं तज्योँ रहे।

³² अब मइँ तोहका परमेस्सर अउर ओकर सुसमाचार क अनुग्रह क हाथे अर्पण करत हउँ। उहइ तोहका बनइ सकत ह अउर ओन मनइयन क संग जेनका पवित्तर

कीन्ह गवा अहइ, तोहका बारिस बनइ सकत ह। ³³मई कबहुँ कउनो क सोना-चौंटी या ओढ़ना क नाही ललचाएउँ ह। ³⁴तू सबइ ही जानत ह मोर इ हथवन ही मोर अउर मोरे सगिन की जरूरत क पूरा किहेस ह। ³⁵मई आपन हर करम स तोहका इ देखोवा ह कि करी मेहनत करत भए हमका निर्बल क मदद कउने तरह करइ चाही अउर हमका पर्भू ईसू क बचन याद रखइ चाही जेहसे उ खुद कहे रहा, 'लेइ स देइ मैं जिआदा सुख बा।'

³⁶इ कहि चुके क पाछे ओन सबन क संग उ घुटना क बल निहुरा अउर उ पराथना किहेस। ³⁷हर कउनो भोंकारा मारिके रोवत रहा। मिलना मिलत भए उ पचे ओका चूमत रहेन। ³⁸उ जउन इ कहे रहा कि पचे ओकर मुंहना फिन कबहुँ न लखिहीं, एहसे मनई जिआदा दुःखी रहेन। फिन उ पचे ओकर रच्छा करत भए जहाजे तलक पहाँचाइ दिहेन।

पौलुस क यरूसलेम जाव

21 फिन ओनसे बिदाइ लइके समुदर मैं हम पचे आपन नइया खेइ दीन्ह अउर सोझ राहे स कास पहाँच गएन अउर भियान रोदुवा। फिन हुवाँ स हम पतरा चला गएन। ²हुवाँ हम एक ठु जहाज लीन्ह जउन फिनीके जात रहा। ³जब साइप्रस लखइ क आइ गवा तउ हम पचे ओका बाई कईंती छोड़िके सीरिया कईंती मुड़ि गएन कहेकि जहाज क सूर मैं माल उतारइ क रहा तउ हम पचे भी हुवाँ उतरि गएन। ⁴हुवाँ हम पचन क अनुयायी मिलेन जेनके संग हम सात दिनों ताई ठहरेन। उ पचे आतिमा क असर स पौलुस क यरूसलेम जाइ स रोक दिहेन। ⁵फिन हुवाँ ठहरइ क आपन समइ बिताइके हम पचे बिदा भएन आपन जात्रा पर निकरि गएन। आपन स्त्रियन अउर बचवन क संग उ पचे सहर क बाहेर तलक हमरे संग आएन। फिन हुवाँ समुदर क किनारे हम पचे घुटना क बल निहुरिके पराथना कीन्ह। ⁶अउर एक दूसर स बिदा होइके हम पचे जहाजे प चढ़ि गएन। अउर उ पचे आपन-आपन घरन क लौटि आएन।

⁷सूर स पानी क रस्ता क जरिए जात्रा करत भए हम पतुलिमथिस मैं उतरेन। हुवाँ भाई लोगन क सुआगत सत्कार करत भए हम पचे ओनकइ संग एक दिन ठहरेन। ⁸दूसर दिन ओनका छोरिके हम कैसरिया आइ गएन। अउर सुसमाचार क प्रचारक फिलिप्पुस, जउन चुना भवा सात सेवकन मैं एक रहा, घर जाइके ओनके संग ठहरेन। ⁹ओकरे चार ठु कुँवारी बिटिया रहिन जउन भविस्सबाणी करत रहिन। ¹⁰हुवाँ हमरे कछू दिनन ठहरे रहइ क पाछे यहूदिया स अगबुस नाउँ क एक नबी आवा। ¹¹हमरे निअरे आवत भवा उ पौलुस क करिहाउँ बाँधके उठाइके ओसे अपनइ ही गोड़ अउर हाथ बाँधवाइ लिहेस अउर बोला, 'इ अहइ जउन पवित्र आतिमा कहत बा, 'यानी यरूसलेम मैं यहूदियन, जेकर इ कमर

बाँध अहइ, ओका अइसे ही बाँधके गैर यहूदियन क हाथे सौंपि देइहीं।''

¹²हम पचे जब इ सुनेन तउ हम हुवाँ क मनइयन ओसे यरूसलेम न आवइ क पराथना किहेन। ¹³यह पइ पौलुस जवाब दिहेस, 'इ तरह रोइ रोइके मोर हिरदय तोड़त भए इ तू पचे का करत बाट्या? मई तउ यरूसलेम मैं न सिरिफ बाँधा जाइ बरे बल्कि पर्भू ईसू मसीह क नाउँ प मरइ तलक सन्ध अही।'

¹⁴काहेकि हम ओका मना नाही कइ पाएन। तउ बस एतना कहिके चुप्पी साधि गएन 'जइसी पर्भू क इच्छा।'

¹⁵इ दिनन क पाछे फिन हम तइयारी कइके यरूसलेम चला गएन। ¹⁶कैसरिया स कछू चेलन भी हमरे संग होइ गएन। उ पचे हमका साइप्रस क मनासोन नाउँ क एक मनई क हियाँ लइ गएन जउन ईसू का पहिला चेला रहा। हमका उहइ क संग ठहरइ क रहा।

पौलुस क याकूब स भेंट

¹⁷यरूसलेम पहुँचे प भाई लोगन बड़ा उछाइ स हमार सुआगत सत्कार किहेन। ¹⁸दूसर दिन पौलुस हमरे संग याकूब स भेंटइ गवा। हुवाँ सबहिं कलीसिया क अगुआ हाजिर रहेन। ¹⁹पौलुस ओनकइ सुआगत सत्कार किहेस अउर ओन सब कामे क बारे मैं जउन परमेस्सर ओकरे हीला स गैर यहूदियन क बीच करवाए रहा, एक एक कइके कहि सुनाएस। ²⁰तउ उ पचे परमेस्सर क स्तुति करत भए बोलेन, 'बंधू तू पचे तउ लखत ही अहा हियाँ केतना ही हजार यहूदी अइसा अहई जउन बिसवास ग्रहण लिहे बाटेन। मुला उ पचे सोचत ही मूसा का व्यवस्था क मानब बहुत जरूरी अहइ। ²¹तोहरे बारे मैं ओनसे कहा गवा बाटइ कि तू पचे गैर यहूदियन क बीच रहइवाला सबहिं यहूदी लोगन क मूसा क सिच्छा क तजइ क सीख देत बाट्या। अउर ओनसे कहत ह कि उ पचे न तउ आपन गदेलन क खतना करावई अउर न ही यहूदी रीति रिवाजे प चलइ।

²²तउ का कीन्ह जाइ? उ पचे इ तउ जरूरी ही सुनिहीं कि तू आवा अहा। ²³यह बरे तू उहइ करा जउन तोहसे हम कहत अही। हमरे संग चार ठु अइसे मनई बाटेन जउन कउनो मन्त मानेन ह। ²⁴इ मनइयन क लइ जा अउर ओनकइ संग सुद्ध होइ क जलसा मैं सामिल होइ जा। ओनकइ खर्जा दइ द्या उ पचे आपन मूँड मुड़वाइ लइ लेई। एहसे सब लोग जान लेइहीं कि उ पचे तोहरे बारे मैं जउन सुने अहई, ओहमाँ स कउनो सच नाही बाटइ मुला तू तउ खुद ही हमरे व्यवस्था क मुताबिक जिन्गी देत ह।

²⁵हियाँ तलक बिसवास ग्रहण करइवाले गैर यहूदियन क सवाल बा, हम पचे ओनका एक ठु चिट्ठी मैं लिखिके पठएन ह:

‘उ पचे मूरतिन प चढ़ावा प्रसाद, रक्त क भोजन, गटई घोटि के मारे भएन गोरुअन अउर व्यभिचार स आपने को खुद क दूर राखई।’”

²⁶इ तरह पौलुस ओन मनइयन क आपन संगे लिहस अउर ओन मनइयन क संग आपन खुद क अगले दिन सुदुध कइ दिहस। फिन उ मंदिर में गवा जहाँ उ गोहराइके कहेस कि सुदुध होइके दिन कब पूर होइहीं अउर हम पचन में स हर एक बरे चढ़ावा कब चढ़ाइ जाइ।

²⁷जब उ सात दिना पूर होइवाला रहा, एसिया स आए कछू यहूदी लोग ओका मंदिर में लखेन। उ पचे भीड़ में सबहिं मनइयन क हुस्काइ दिहेन अउर पौलुस क धइ लिहन। ²⁸फिन उ पचे नरियाइके बोलेन, “इग्राएल क मनइयो मदद करा। इ अहइ मनई अहइ जउन हर कहुँ हमारा जनता क, मूसा क व्यवस्था क खिलाफ मनइयन क सिखावत बहकावत बा। अउर अब तउ इ गैर यहूदियन क मंदिर में लइ आवा अहइ। अउर इ इ तरह इ पवित्रर स्थान क भरभण्ड कइ दिहे अहइ।” ²⁹उ पचे अइसा यह बरे कहे रहेन कि तुफिमूस नाउँ क एक इफिसी क सहर में उ पचे ओकर संग लखिके अइसा सोचेन कि पौलुस ओका मंदिर में लइ गवा अहइ।

³⁰तउ सारा सहर खिलाफ उठि खड़ा भवा। मनई भागि भागिके चढ़ बइठेन अउर पौलुस क धइ लिहेन। फिन उ पचे ओका घेरवत भए मंदिर स बाहेर लइ गएन अउर फउरन फाटक बन्द कइ दिहेन। ³¹उ पचे ओका मारइ क जतन करत ही रहेन कि रोमी फऊज क टुकड़ी क नायक क लगे इ सूचना पहोंची कि समूचइ यरूसलेम में खलबली मची बा। ³²उ सेनानायक कछू सिपाहियन अउर फउज क अधिकारी क आपन संग लिहस अउर पौलुस प हमला करइवाले यहूदियन कइँती बढा। यहूदियन जब सेना नायक अउर सिपाही लोगन क लखेन तउ उ पचे पौलुस क पीटब बंद किहेन। ³³तब उ सेना नायक पौलुस क लगे गवा अउर ओका बंदी बनाइ लिहस। उ ओका दुइ जंजीरे में बाँध लेइ क आदेस दिहस। फिन उ पूछेस, “उ कउन अहइ अउर उ का किहेस ह?”

³⁴भिड़िया में स कछू मनइयन एक बात कहेन तउ दूसर लोग दूसर बात। इ हो-हल्लइ में काहेकि उ इ नाहीं जान पाएस कि सच्चाई का अहइ, यह बरे उ हुकुम दिहस कि ओका छावनी में लइ चला जाइ। ³⁵⁻³⁶पौलुस जब सीढ़िन क लगे पहुँचा तउ भिड़िया में फइली हिंसा स सिपाहियन क ओका आपन सुरच्छा में लइ जाइ पड़ा। काहेकि ओकरे पाछे मनइयन क एक भारी भीड़ इ चिचियात भइ चलत रही, “एँका मारि डावा।”

³⁷जब उ छावनी क भीतर लइ जावा जाइवाला रहा कि पौलुस सेनानायक क कहेस, “का मई तोहसे कछू कहि सकत हउँ?”

सेनानायक बोला, “का तू यूनानी बोलत अहा? ³⁸तउ तू उ मिन्न क मनई तउ नाहीं अहां न जउन पहिले दंगा सुरु कराए रहा अउर जउन हियों रेगिस्तान में चार हजार आतंकवादी लोगन क अगुआई करत रहा?”

³⁹पौलुस कहेस, “मई किलिकिया क तरसुस सहर क एक यहूदी मनई हउँ। अउर एक मसहूर सहर क नागरिक हउँ। मई तोहसे चाहत हउँ कि तू मोका इ मनइयन क बीच बोलइ द्या।”

⁴⁰ओसे आग्या पाइके पौलुस सीढ़ी प खड़ा होइके मनइयन कइँती हाथ हिलावत भवा ओनका सांत होइ क कहेस। जब सब सांत होइ गवा तउ पौलुस इब्रानी भाखा में मनइयन स कहइ लाग।

पौलुस क भासण

22 पौलुस कहेस, “भाई लोगन अउर बाप क नाई भले मनइयन, मोका आपन बचाव में अब जउन कछू कहइ क बाटइ, ओका सुना।” ²उ पचे जब ओका इब्रानी भाखा में बोलत भए सुनेन तउ उ पचे जिआदा सांत होइ गएन। फिन पौलुस बोला, ³“मई एक यहूदी मनई हउँ। सिलिकिया क तरसुस सहर में जनम भवा रहा अउर मई इहइ सहर में पाला पोसा जाइके बाढ़ गएँ ह। गमलिएल* क गोड़वा प बइठिके हमरे पूर्वजन क व्यवस्था क मुताबिक बड़ी कड़ाई स मोर सिच्छा भइ। परमेस्वर बरे मई जिआदा धुन लगावत रहेँ। फुरे वइसे ही जइसे आज तू पचे अहा। ⁴इ ईसू के पंथ क मनइयन क मई एँतना सताएँउ ह कि ओनकइ परान तलक उड़ि गएन। मई पुरुसन अउर स्त्रियन क बंदी बनाएँ ह अउर जेलिया में धाँध दिहेँ ह। ⁵खुद महायाजक अउ बुजुर्ग यहूदी नेतन क समूचइ सभा एँका सिद्ध कइ सकत ह। मई दमिस्क में एँनकइ भाइयन क नाउँ चिट्ठी भी लिहेँ ह अउर इ पंथ क हुवाँ रहइ वालन क धइके बंदी क रूप में यरूसलेम लइ आवइ बरे मई गवा भी रहे रहा ताकि ओनका सजा दीन्ह जाइ सकइ।

पौलुस क मन कइसे बदल गवा

⁶“फिन अइसा भवा कि मई जब जात्रा करत करत दमिस्क क लगे पहुँचा तउ लग भग दुपहरिया क समइ अकास स एकाएक एक जोर क प्रकास चारिहुँ कइँती फइला। ⁷मई भुइयाँ प भहराइ गवा। तबहिं मई एक अवाज सुनेँ जउन मोसे कहत रही ‘साउल, ओ साउल! तू मोका काहे सतावत अहा?’ ⁸तब मई जवाबे में कहेँ, ‘पभू, तू कउन अहा?’ उ मोसे कहेस, ‘मई उहइ नासरी ईसू अहउँ जेका तू सतावत बाटया।’ ⁹जउन मोरे संग रहेन, उ सबइ भी उ प्रकास निहारेन मुला उ बाणी क

गमलिएल यहूदी लोगनक एक धरम क खास फरीसी लोगनक एक दु खास धरम-गुरु। (प्रेरित 5:34)

जउन मोका गोहराए रहा, उ पचे समुझि नाहीं पाएन।¹⁰मईं पूछेउँ, 'पभूँ, मईं का कररुँ?' एह पड़ पभूँ मोसे कहेस, 'खड़ाहुवा, अउर दमिस्क क चला जा। हुवाँ तोहका सब कछू बताइ दीन्ह जाइ, जेका करइ बरे तोहका मुकरर कीन्ह गवा बा।'¹¹काहेकि मईं उ जोरदार प्रकास स कछू लखि नाहीं पाएउँ रहा, तउ मोर संगी मोर हथवा धइके मोका लइ चलने अउर मईं दमिस्क पहोंचि गएउँ।

¹²'हुवाँ हनन्याह नाउँ क एक मनई रहा। उ व्यवस्था क पालन करइवाला भगत रहा। हुवाँ क बसइया सबहिं यहूदियन क संग ओकर मेलजोल रहा।¹³उ मोरे लगे आवा अउर मोरे नगिचे खड़ा होइके बोला, 'भाई साउल, फिन स लखइ लगा!' अउर उहइ छिन मईं ओका लखइ क जोय होइ गवा।¹⁴उ कहेस, 'हमरे पूर्वजन क परमेस्सर तोहका चुनि लिहे अहइ कि तू ओकर इच्छा क परखा, ओकरे धरम क सरूप क लखा अउर ओकर बाणी सुना।¹⁵काहेकि तू जउन लख्या ह अउर जउन सुन्या ह, ओकरे बरे सबहिं मनइयन क समन्वा तू ओकर साच्छी होब्या।¹⁶यह बरे अब तू केकर बाट जोहत बाट्या, खड़ा होइ जा बपतिस्मा ग्रहण करा अउर ओकर नाउँ क गोहरावत भए आपन पाप क धोइ डावा।'

¹⁷'फिन अइसा भवा कि जब मईं यरूसलेम लौटिके मंदिर मैं पराधना करत रहेउँ तबहिं मोर समाधि लग गइ¹⁸अउर मईं लखेउँ कि ईसू मोसे कहत अहइ, 'हाली! करा अउर फउरन यरूसलेम स बाहेर जा काहेकि मोरे बारे मैं उ पचे तोहार साच्छी न मनिहीं।'¹⁹तउ मईं कहेउँ, 'पभूँ इ लोग तउ जानत हीं, कि तोह प बिसवास करइया मनइयन क बंदी बनवत भए अउर पीटत भए मईं यहूदी आराधनालय मैं टहरत फिरा हउँ।²⁰अउर तउ अउर जब तोहार साच्छी रिस्तिफनुस क रकत बहावा जात रहा, तब भी मईं आपन समर्थन देत भए हुवाँ खड़ा रहेउँ। जउन ओकर कतल किहे रहेन, गइं ओनकइ ओढ़ना क रखवाली करत रहेउँ।'²¹फिन उ मोसे बोला, 'तू जा, काहेकि गैर यहूदियन क बीच दूर-दूर ताई पठउबा।''

²²इ बात तलक उ पचे सुनत रहेन फिन ऊँच अवाजे मैं चिल्लाइ उठेन, 'अइसे मनइयन क धरती स अजाद करा। इ जिअइ क जोगग नाहीं बा।'²³उ पचे जब चिचियात रहेन अउर आपन ओढ़ना क उतारि उतारिके लोकावत रहेन अउर अकासे मैं धूरि उछारत रहेन,²⁴तबहिं सेनानायक आदेस दिहेस कि पौलुस क जेले मैं लइ जावा जाइ। उ कहेस कि कोड़ा स मारि मारिके ओसे बकरवावा जाइ ताकि मनइयन क पता लागइ कि ओह पड़ मनइयन क चिचियाइ क कारण का बाटइ।²⁵मुला जब उ पचे ओका कोड़ा मारइ बरे बाँधत रहेन तबहिं हुवा खड़ा भवा फऊजीनायक स पौलुस कहेस, 'कउ-नो रोमी नागरिक क, जउन अपराधी न पावा गवा होइ, कोड़ा लगाउब का ओका नीक बा?'

²⁶फऊजीनायक इ सुनिके सेनानायक क निअरे गवा अउर बोला, 'इ आप का करत अहइ? काहेकि इ तउ रोमी नागरिक अहइ।'

²⁷एह पड़ सेनानायक ओकरे लगे आइके पूछेस, 'मोका बतावा, का तू रोमी नागरिक अहा?'
पौलुस जवाब दिहेस, 'हाँ।'

²⁸एह पड़ सेनानायक जवाब दिहेस, 'इ नागरिकता पावइ बरे मोका तउ बेर का धन खर्च करइ पड़ा रहा।'

पौलुस कहेस, 'मुला मईं तउ जनम स रोमी नागरिक हउँ।'²⁹तउ उ पचे जउन ओसे पूछताछ करत रहेन, तुरंत पाछे हटि गएन अउर सेनापति भी इ समुझिके कि उ एक रोमी नागरिक अहइ अउर उ ओका बंदी बनाए अहइ, बहोत डेराइ गवा।

यहूदी नेता क समन्वा पौलुस क भासण

³⁰काहेकि उ सेनानायक इ बात क ठीकठीक पता लगावइ चाहत रहा कि यहूदियन पौलुस प जुर्म काहे लगाएन, यह बरे उ दूसर दिन बंधन खोल दिहेस। फिन मुख्ययाजक अउर सबन त सर्वोच्च यहूदी महासभा क बोलाइ पठएन अउर पौलुस क ओनकइ समन्वा लाइके खड़ा कइ दिहेस। पौलुस यहूदी महासभा प टकटकी लगाइके निहारत

23 भवा कहेस, 'मोर भाइयो, मईं परमेस्सर क समन्वा आजु तलक अन्तः मन स जिनगी बिताएउँ ह।'²एह पड़ महायाजक हनन्याह पौलुस क निअरे खड़ा भए मनइयन क आदेस दिहेस कि उ पचे ओकरे मुँह प थप्पड़ मारइ।³तब पौलुस ओसे कहेस, 'हे सफेदी स पोती भइ दीवार! परमेस्सर क मार तोह पड़ पड़ी। तू हिआँ व्यवस्था क मुताबिक कइसा निआब करइ बइठा अहा कि तू व्यवस्था क खिलाफ मोका थप्पड़ मारइ आदेस देत अहा।'

⁴पौलुस क लगे खड़ा भए मनइयन कहेन, 'परमेस्सर क महायाजक क बेजत करइ क हिम्मत तोहका भवा कइसे।'

⁵पौलुस जवाब दिहेस, 'मोका तउ पता नाहीं कि इ महायाजक अहइ। काहेकि लिखा अहइ, 'तोहका आपन प्रजा क राजा बरे कुभाख बोल बोलइ नाहीं चाही। *'

'फिन जब पौलुस क पता चला कि ओहमाँ स आधा मनई सद्की अहइ अउर आधा फरीसी तउ महासभा क बीच उँच अवाज मैं कहेस, 'भाइ लोगो, मईं फरीसी हउँ एक फरीसी क बेटवा हउँ। मरइ क पाछे फिन स जी उठइ बरे मोरी मान्ता क कारण मोह प मुकदमा चलावा जात अहइ।'⁷ओकरे अइसा कहइ प फरीसियन अउर सद्कियन मैं एक तहतुक उठा अउर सभा क बीच फूटि पड़ गइ।⁸सद्कियन क कहब अहइ कि पुनरुत्थान

नाहीं होत न सरगदूत होत हीं अउर न ही आतिमा। मुला फरीसियन क ऍनके होइ मँ बिसवास करत हीं।⁹हुवाँ बहोत सोरगुल भवा। फरीसियन क दल मँ स कछू धरम सास्त्री उठेन अउर खरी बहस करत भए कहइ लागेन, “इ मनई मँ हम पचे कउनो खोट नाही पावत अही। जदि कउनो आतिमा या कउनो सरगदूत ऍहसे बात किहेन ह तउ ऍहसे का?”

¹⁰काहेकि इ तहतुक हिंसा क रूप लइ चुका रहा, ऍहसे उ सेनानायक डेराइ गवा कि कहुँ उ पचे पौलुस क बोटी बोटी न कइ डावइँ। तउ उ सिपहियन क आदेस दिहसे कि उ पचे खाले जाइके पौलुस क ओन्से अलगाइके छावनी मँ लइ जाईं।

¹¹अगली राति पभूँ पौलुस क नगिचे खड़ा होइके, ओसे कहेस, “हिंमत राखा काहेकि तू जइसे मजबूती क संग यरूसलेम मँ मोर साच्छी दिहा ह, वइसे ही रोम मँ तोहका मोर साच्छी देइ क अहइ!”

¹²फिन दिन निकरा। यहूदी लोगन एक कुचाल चलेन। उ पचे किरिया खाएन कि जब तलक उ पचे पौलुस क मार नाही डइहीं, न कछू खइहीं, न पिइहीं।¹³ओनमाँ स चालीस स भी जियादा मनइयन इ कुचाल चलेन।¹⁴उ पचे मुख्ययाजकन अउर बुजुर्गन क लगे गएन अउर बोलेन, “हम पचे किरिया खावा ह कि हम पचे जब तलक पौलुस क मारि नाहीं डाइत, तब तलक न हम कछू खाब न पिअब।¹⁵तउ अब तू अउर यहूदी महासभा, सेनानायक स बिनती करइ चाहत ह कि उ ओका तोहरे लगे लइ आवइ इ बहाना बनावत भए कि तू ओकरे बारे मँ अउर बारीकी स छानबीन करइ चाहत बाट्या। ऍहसे पहिले कि उ हिआँ पहुँचइ, हम पचे ओका मारि डावइ क तइयार अही।”

¹⁶मुला पौलुस क भैने क इ कुचाल क भनक लग गइ तउ उ छावनी मँ जाइ पहुँचा अउर पौलुस क सब कछू बताइ दिहस।¹⁷ँह पइ पौलुस कउनो एक फऊजीनायक क बोलाइके ओसे कहेस, “इ जवान क सेनानायक क लगे लइ आवा काहेकि ऍहसे कछू कहइ क अहइ।”¹⁸तउ उ ओका सेनानायक क लगे लइ गवा अउर बोला, “बंदी पौलुस मोका बोलाएस अउर मोसे उ जवान क तोहरे लगे पहुँचावइ क कहेस काहेकि इ तोहसे कछू कहइ चाहत ह।”

¹⁹सेनानायक ओकर हथवा धरेस अउर ओका एक कइँती लइ जाइके पूछेस, “बतावा तू मोसे का चाहत बाट्या?”

²⁰जवान बोला, “यहूदी इ बात प एक अउट ग अहइँ कि उ पचे पौलुस स अउर बारीकी स पूछताछ करइ क बहाना महासभा मँ ओका लइ जाइ बरे तोहसे पराथना करइँ।²¹यह बरे ओनकइ जिन सुन्या। काहेकि चालीस स भी जियादा लोग घात लगाइके ओका जोहत अहइँ। उ पचे इ किरिया खाए अहइँ कि जब तलक उ पचे ओका

मारि न डावइँ, ओनका न कछू खाब अहइ, न पिअब। बस अब तोहरे आदेस क जोहत उ पचे तइयार बइठा अहइँ।”

²²फिन सेनानायक जवान क इ आदेस दइके पठएस, “तू इ कउनो क जिन बतावा कि तू मोका एकर खबर दइ दिहे अहा।”

पौलुस क कैसरिया पठवा जाब

²³फिन सेनानायक आपन दुइ फऊजीनायकन क बोलवाइ क कहेस, “दुइ सौ सिपाही, सत्तर घुड़सवार दुइ सौ भालावालन क कैसरिया जाइके तइयार राखा। राति क नउ बजे चलइ बरे तइयार रहा।²⁴पौलुस क सवारी बरे घोड़न क बन्दोबस्त राखा अउर ओका सुरच्छा स राज्यपाल फेलिक्स क लगे लइ जा।”²⁵उ एक ठु चिट्ठी लिखेस जेकर विसय रहा:

²⁶महामहिम राज्यपाल फेलिक्स क क्लौडियुस लूसियस क नमस्ते पहुँचइ।

²⁷इ मनई क यहूदी लोगन धइ लिहेन अउर उ पचे ऍकर कतल करइ क रहेन कि मइँ इ जानिके कि इ एक रोमी नागरिक अहइ, आपन सिपाहियन क संग जाइके एका बचाइ लिहेँ।²⁸मइँ काहेकि उ कारण क जानइ चाहत रहेँ जेहँसे उ पचे ओह पइ दोख लगावत रहेन, ओका ओनकइ महा आराधनालय मँ लइ जावा गवा।²⁹मोका पता लाग कि ओनकइ व्यवस्था स जुड़ा भए सवाल क कारण ओह पइ दोख लगावा ग रहा। मुला ओह प कउनो अइसा जुर्म नाहीं रहा जउन ओका मउत क सजा क जोग्ग या बंदी बनावइ जोग्ग साबित होइ।³⁰फिन जब मोका इत्तला मिली कि हुवाँ इ मनई क खिलाफ कउनो षडयन्त्र रचा गवा अहइ तउ मइँ एका तुरंतहि तोहरे लगे पठइ दीन्ह ह। अउर ऍह प जुर्म लगावाइ वालन क इ आदेस दइ दीन्ह ग ह कि एकरे खिलाफ लगावा गवा जुर्म तोहरे अगवा धरइँ।

³¹तउ सिपाहिन इ आग्या क पूरा किहेन अउर उ पचे राति मँ ही पौलुस क अन्तिपत्रिस क लगे लइ गएन।

³²फिन अगले दिना घुड़-सवारन क ओकरे संग अगवा जाइ बरे छोड़िके उ पचे छावनी लौटि आएन।³³जब उ पचे कैसरिया पहुँचने तउ उ पचे राज्यपाल क उ चिट्ठी देत भए पौलुस क ओका सौँपि दिहेन।³⁴राज्यपाल चिट्ठी बाँचेस अउर पौलुस स पूछेस कि उ कउनो पहुँटा क रहवइया बा। जबहिँ ओका पता लाग कि उ किलकिया क बसइया अहइ³⁵तउ उ ओसे कहेस, “तोह पइ जुर्म लगावइ वालन जब आइ जइहीं, मइँ तबहिँ तोर सुनवाइ करबा।” उ आग्या दिहसे कि पौलुस क पहरा क भीतर हेरोदेस क महल मँ रख दीन्ह जाइ।

यहूदियन क जरिए पौलुस प मुकदमा

24 पाचै दिना पाछे महायाजक हनन्याह कछू बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर तिरतुल्लुस नाउँ क एक वकील क संग लइके कैसरिया आवा। उ पचे राज्यपाल क समन्वा पौलुस प जर्मु सिद्ध करइ आइ रहेन।² फेलिक्स क समन्वा पौलुस क पेसी होए पइ मुकदमा क सुनवाई सुरु करत भवा तिरतुल्लुस बोला, “महासय, तोहरे कारण हम साँतिस रहत अही तोहार दूरदेस होइ स देस में बहोत जिआदा सुधार भएन ह।³ हे महामहिम फेलिक्स! हम बडे एहसान क साथ एँका हर तरह स हर कहुँ अंगीकार करित ह।⁴ तोहार अउर जिआदा समइ न लेत भए, मोर पराथना अहइ कि कृपा कइके आप थोड़े में हमका सुन लेईं।⁵ बात इ अहइ कि इ मनई क हम एक उत्पाती क रूप में पाएँ ह। सारी दुनिया क यहूदियन में इ दंगा भइकाएस ह। इ नासरी लोगन क पंथ क नेता अहइ।⁶⁻⁸ इ मंदिर क अपवित्र करइ क जतन किहेस ह। हम पचे एँका यह बरे धरा ह। हम यह पइ जउन आरोप लगावत अही, ओन सबन क आप खुद ऐसे पूछि पछोरिके जान सकत ह।” * इ जुर्म में यहूदी भी सामिल होइ गएन। उ पचे जोर दइके कहत रहेन कि इ सब तथ्य पुरि अहईं!”¹⁰ फिन राज्यपाल जब पौलुस क बोलइ क इस्ारा किहेस तउ उ जवाब देत भवा कहेस, “तू बहोत दिना स इ देस क न्यायाधीस अहा। इ जानत भए मई खुसी क साथ आपन बचाव रखत अहईं।¹¹ तू खुद इ जान सकत ह कि अर्बहि आराधना बरे मोका यरूसलेम गए भए बस बारह दिन बीता बाटेन।¹² हुवाँ मंदिर में मोका न तउ कउनो क संग बहस करत भए पावा गवा अहइ अउर न ही आराधनालय या सहर में कतहूँ अउर मनइयन क दंगा बरे भइकावत भवा¹³ अउर तोहरे समन्वा जउन जुर्म क इ सबइ मोह प लगावत अहइ ओनका सिद्ध नाहीं कइ सकत बाटेन।¹⁴ मुला मई तोहरे समन्वा इ बात क अंगीकार करत हउँ कि मई आपन पूर्वजन क परमेस्सर क आराधना ईसू के पंथ क मुताबिक करत हउँ, जेका इ पचे एक पंथ कहत हीं। मई हर उ बात में बिसवास करत हउँ जेका व्यवस्था बतावत ह अउर जउन नबी लोगन क किताबे में लिखी बाटइ।

¹⁵ अउर मई परमेस्सर में बइसेन ही भरोसा राखत हउँ जइसे खुद ई लोग धरत हीं कि धर्मी अउर विधर्मी दुइनउँ क ही फिन उत्थान होइ।¹⁶ यह बरे मई भी परमेस्सर अउर मनइयन क समन्वा हमसेआ आपन अन्तरात्मा क सुद्ध बनाए भए बरे जतन करत रहत हउँ।

पद 6-8 कछू यूनानी प्रतियन पद छ: क आखिरी भाग में 7 अउ 8 क सुरु क भाग भी जोड़ा गवा अहइ: “हम आपन व्यवस्था क मुताबिक एँकर निआव करा चाहित ही। 7 मुला सेनानायक लिसिआस जबरन ओका हमसे झपट लिहिस 8 अउ आपन मनइयन क हुकुम दिहिस कि उ सबइ एँह पर जुर्म लगावइ बरे तोहरे समन्वा लइ आवईं।”

¹⁷ कइउ बरिस तलक यरूसलेम स दूर रहे क पाछे मई आपन रास्टू बरे उपहार लइके अपने मंदिर पर भेंट चढावइ बरे आएँ ह।¹⁸ जब मई इ करत ही रहेउँ रहा उ पचे मोका मंदिर में पाएन, तब में बिधि क मुताबिक सुद्ध रहेउँ रहा न तउ हुवाँ भीड़ रही अउर न कउनो असाँतिस।¹⁹ एसिया स आए कछू यहूदी हुवाँ मौजूद रहेन। अगर मोरे खिलाफ ओनके लगे कछू अहइ तउ उ पचे तोहरे समन्वा हाजिर होइके मोह प जुर्म लगावइ चाही।²⁰ या इ लोग जउन हियाँ अहईं उ सबइ बतावई कि जब मई यहूदी महासभा क समन्वा खड़ा रहा, तब उ पचे मोहे में का खोट पाएन²¹ सिवाय एँकरे कि जब मई ओनकइ बीच में खड़ा रहा तब मई ऊँची अवाज में कहे रहा, ‘मरे भएन में स जी जाइ क बारे में आजु तोहरे जरिए मोर निआव कीन्ह जात अहइ।”

²² फिन फेलिक्स, जउन इ ईसू के पंथ क पूरी जानकारी रखत रहा, मुकदमा क सुनवाई क आगे टारत भवा बोला, “जब सेनानायक लुसियास आइ, मई तबहि तोहरे इ मुकदमे प आपन फेस्ता देब।”²³ फिन उ फऊजीनायक क आदेस दिहिस कि तनिक छूट दइके पौलुस क पहरा क भीतर धरा जाइ अउर ओकरे मीतन क ओकर जरूरत पूरा करइ स न रोका जाइ।

पौलुस क फेलिक्स अउर ओकर स्त्रियन स बातचीत

²⁴ कछू दिना पाछे फेलिक्स आपन पतनी ट्रुसिल्ला क संग हुवाँ आवा। उ एक यहूदी स्त्री रही। फेलिक्स पौलुस क बोलवावइ पठएस अउर मसीह ईसू में बिसवास क बारे में ओसे सुनेस।

²⁵ मुला जब पौलुस नेकी, खुद क संयम में राखइ अउर आवइवाला निआव क बारे में बोलत रहा तउ फेलिक्स डेराइ गवा अउर बाला, “इ समइ तू चला जा, मौका मिले प मई तोहका फिन बोलवाउब।”²⁶ अहइ समइया ओका इ आसा भी रही कि पौलुस ओका कछू धन देइ। यह बरे फेलिक्स पौलुस क बातचीत बरे अक्सर बोलवावइ बरे पठवत रहा।

²⁷ दुइ बरिस अइसे ही बीति जाए क पाछे फेलिक्स क जगइ पुरखिउस फेस्तुस ग्रहण कइ लिहिस। अउर काहेकि, फेलिक्स यहूदियन क खुस रखइ चाहत रहा, यह बरे उ पौलुस क जेल में ही रहइ दिहिस।

पौलुस कैसर स निआव चाहत ह

25 फेस्तुस जब उ प्रदेस में राज्यपाल होइ गवा अउर तीन दिना पाछे उ कैसरिया स यरूसलेम क रवाना होइ गवा। हुवाँ मुख्ययाजकन अउर यहूदियन क मुखिया लोग पौलुस क खिलाफ लगावा गवा जुर्म ओकरे समन्वा रखेन अउर ओसे पराथना किहेन कि उ पौलुस क यरूसलेम पठवाइके ओनकइ पच्छ लेइ। (उ पचे रस्त में ही ओका मारि डावइ क कुचाल बनाए रहेन।)⁴ फेस्तुस

जवाब दिहिस कि "पौलुस कैसरिया में बंदी अहइ अउर उ जल्दी ही हुवाँ पहोंचइवाला बाटइ।" उ कहेस, "तू आपन कछू मुखिया लोगन क मोरे संग पठइ द्या अउर जदि उ मनई अपराध किहे बा तउ उ पचे हुवाँ मोह प जुर्म लगावइ।"

⁶ओनके संग कछू आठ दस दिन बिताइके फेस्तुस कैसरिया चला गवा। अगले ही दिन अदालत में निआव क आसन प बैठिके उ आदेस दिहिस कि पौलुस क पेस कीन्ह जाइ। ⁷जब उ पेस भवा तउ यरूसलेम स आए भएन यहूदी लोग ओका घेरिके खड़ा होइ गएन। उ पचे ओह प बहुतेरे भारी देख लगाएन मुला उ पचे ओका सिद्ध नाहीं कइ सकेन। ⁸पौलुस खुद आपन बचाव करत भवा कहेस, "मई न तउ यहूदियन क व्यवस्था क खिलाफ कउनो करम किहेउँ ह, न ही मंदिर क खिलाफ अउर न ही कैसर क खिलाफ।"

⁹मुला काहेकि फेस्तुस यहूदी लोगन क खुस करइ चाहत रहा, जवाब में उ पौलुस स कहेस, "तउ का तू यरूसलेम जाइ चाहत ह ताकि मई हुवाँ तोह पइ लगावा गवा जुर्म क निआव कइ सकउँ?"

¹⁰पौलुस कहेस, "इ समइ मई कैसर क अदालत क समन्वा खड़ा हउँ। मोर निआव हिअँ कीन्ह जाइ चाही। मई यहूदियन क संग कछू बुराई नाहीं किहे अही, एँका तू भी बहोत अच्छी तरह जानत ह। ¹¹यदि मई कउनो अपराधे क देखी अहउँ अउर मई कछू अइसा किहे हउँ, जेकर सजा मउत अहइ, तउ मई मरइ स बचब न चाहब, मुला जउन लोग मोह प जउन जुर्म लगावत अहँ, ओहमाँ स कउनो सच नाहीं बा। तउ मोका कउनो भी एँका नाहीं सौपि सकत। इहइ कैसर स मोर पराथना अहइ।"

¹²आपन परिसद स राय लिहे क पाछे फेस्तुस ओका जवाब दिहिस, "तू कैसर स फिन बिचार बरे पराथना किहा ह, यह बरे तोहका कैसर क समन्वा ही लइ लीन्ह जाइ।"

पौलुस क हेरोदेस अग्रिप्या क समन्वा पेसी

¹³कछू दिन पाछे राजा अग्रिप्या अउर बिरनीके फेस्तुस क सुआगत करइ कैसरिया आएन। ¹⁴जब उ पचे हुवाँ कई दिन बिताइ चुकेन तउ फेस्तुस राजा क समन्वा मुकदमा क इ तरह समझाएस, "हिअँ एक अइसा मनई अहइ जेका फेलिक्स बंदी क रूप में छोड़ गवा रहा। ¹⁵जब मई यरूसलेम में रहेउँ, मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन ओकरे खिलाफ मुकदमा दर्ज किहेन अउर माँग किहे रहेन कि ओका सजा दीन्ह जाइ। ¹⁶मई ओनसे कहे रहेउँ, 'रोमी मनइयन में अइसी रीति नाहीं कि कउनो मनइ क, जब तलक वादी प्रतिवादी क आमना समन्वा न कइ दीन्ह जाइ अउर ओह प लगावा भएन जुर्म स ओका बचावइ क मौका न दइ दीन्ह जाइ, ओका

सजा बरे, सौपा जाइ।' ¹⁷तउ उ सबइ मनइयन जब मोरे संग हिअँ आएन तउ मई बिना देर लगाए भए अगले दिना निआव क आसन प बइठिके उ मनई क पेस कीन्ह जाइके हुकुम दिहिस। ¹⁸जब ओह पइ देख लगावइ वालन बोलइ खड़ा भएन तउ उ पचे ओह पइ अइसा कउनो देख नाहीं लगाएन जइसा कि मई सोचत रहेउँ। ¹⁹बल्कि ओनकइ आपन धरम क कछू बातन पर भी अउर ईसू नाउँ क एक मनई प जउन मर चुका बा, ओनमाँ कछू बिचार में अलगौड़ा रहा। तउ भी पौलुस क दावा अहइ कि उ जिअत अहइ। ²⁰मई समुझ नाहीं पावत हउँ कि इ बिसयन क छानबीन कइसे कीन्ह जाइ, यह बरे मई ओसे पूछेउँ कि का उ आपन इ जुर्मन क निआव करावइ बरे यरूसलेम जाइ क तइयार अहइ? ²¹मुला पौलुस जब पराथना किहेस कि ओका सम्राट क बरे ही हुवाँ रखा जाइ, तउ मई हुकुम दिहेउँ, कि मई जब तलक ओका कैसर क लगे न पठइ देउँ, ओका हिअँ रखा जाइ।"

²²एँह पइ अग्रिप्या फेस्तुस स कहेस, "इ मनई क सुनवाई मई खुद करइ चाहत हउँ।"

फेस्तुस कहेस, "तू ओका भियान सुन लिहा!"

²³तउ भियान भए प राजा अग्रिप्या अउर बिरनीके बड़ा सजधज क साथ आएन अउर उ पचे फऊजीनायकन अउर सहर क प्रमुख मनइयन क संग सभाभवन में घुसा। फेस्तुस हुकुम दिहिस अउर पौलुस क हुवाँ लइ आवा गवा। ²⁴फिन फेस्तुस बोला, "महाराजा अग्रिप्या अउर सज्जन लोगो जउन हिअँ अहा! तू पचे इ मनई क निहारत अहा जेकरे बारे में समूचा यहूदी समाज, यरूसलेम में अउर हिअँ, मोसे चिचिआइ चिचिआइके माँग करत अहइ कि एँका अब अउर जिन्दा नाहीं रहइ देइ चाही। ²⁵मुला मई जाँच लिहेउँ ह कि इ अइसा कछू नाहीं किहेस ह कि एँका मउत क सजा दीन्ह जाइ अउर काहेकि इ खुद सम्राट कैसर स फिन बिचार करइके पराथना किहेस ह कि यह बरे मई एँका हुवाँ पठवइ क निर्णय लिहेउँ ह। ²⁶मुला एँकरे बारे में सम्राट कैसर क लगे लिखिके पठवइ क मोरे लगे कउनो तय कीन्ह भइ बात नाहीं अहइ। मई एँका यह बरे आप सबन क समन्वा, अउर खास रूप स हे महाराजा अग्रिप्या, तोहरे समन्वा लइ आएउँ ह ताकि इ जाँच पड़ताल क पाछे लिखइ क मोरे लगे कछू होइ। ²⁷कछू भी होइ मोका कउनो बंदी क ओकर अभियाग पत्र बगैरे तइयार किए हुअँ पठउब संगत नाहीं जान पड़त।"

पौलुस राजा अग्रिप्या क समन्वा

26 अग्रिप्या पौलुस स कहेस, "तोहका खुद आपन कइती स बोलइ क अनुमति बाटइ।" एँह पइ पौलुस आपन हाथ उठाएस अउर आपन बचाव में बोलब सुरु किहेस, ²⁸हे राजा अग्रिप्या, मई आपन क भाग्यवान

समुझत हउँ कि यहूदियन मोह पइ जउन जुर्म लगाए बाटेन, ओन सब बातन क बचाउ में, तोहरे अगवा बोलइ जात हउँ।³ खास तरह स इ यह बरे सच अहइ कि तोहका सबहिं यहूदी रीति रिवाज अउर ओनके विवाद क गियान अहइ। यह बरे मई तोहसे पराथना करत हउँ कि धीरज क साथ मोर बात सुनी जाइ।

⁴“सबहिं यहूदी जानत हीं कि सुरु स ही खुद आपन देस में अउर यरूसलेम में भी बचपन स ही मई कइसा जिनगी जिए अहइ।⁵ उ पचे मोका बहोत समइ स जानत हीं अउर जदि उ पचे चाहई तउ इ बात क साच्छी दइ सकत हीं मई आपन धरम क एक सबसे जिआदा कट्टर पंथ क मुताबिक एक फरीसी क रूप में जिनगी बिताएँ ह।⁶ अउर अब इ मुकदमा क सफाई क हालत में खड़ा भए मोका उ बचन क भरोसा अहइ जउन परमेस्सर हमरे पूर्वजन क दिहे रहा।⁷ इ उहइ बचन अहइ जेका हमार बारहु जालिन रात दिन मन लगाइके परमेस्सर क सेवा करत भए, पावइ क भरोसा रखत हीं हे राजन! इहइ भरोसा क कारण मोह प यहूदियन क जरिए जुर्म लगावा जात अहइ।⁸ तू पचन में स कउनो क भी इ बात बिसवास क जोगग काहे नाहीं लागत बा कि परमेस्सर मरे भए क जिआइ देत ह।

⁹“मई भी सोचत रहेँ नासरी ईसू क नाउँ क खिलाफत करइ क लिए जउन भी बन पड़इ, उ बहोत कछु करँ।¹⁰ अउर अइसा ही मई यरूसलेम में किहेँ भी। मई परमेस्सर क बहोत स भातन क जेलि में धाँध दिहेँ काहेकि मुख्ययाजक लोगन स एँकरे बरे मोका हक मिला रहा। अउर जब ओनका मारा गवा तउ मई आपन मत ओनकइ खिलाफ दिहेँ।¹¹ आराधनालय में स मई ओनका अक्सर सजा देत रहेँ अउर ईसू क निन्दा करइ बरे ओन पइ दबाव डावइ क जतन करत रहेँ। ओनकइ बरे मोर किरोध एँतना जिआदा रहा कि ओनका सतावइ बरे मई बाहेर क सहर तलक गएँ।

पौलुस क जरिए ईसू क दर्शन क बारे में बताउव

¹²अइसी ही एक जात्रा क मौके प जब मई मुख्ययाजक स आग्या पाइके दमिस्क जात रहेँ,¹³ तबहिं दुपहरिया क जब मई अबहिं राहे में रहेँ ही कि मई हे राजन, सरग स एक प्रकास उतरत भवा लखेँ। ओकर तेज सूरज स भी जिआदा रहा। उ मोरे अउर मोरे संग क मनइयन क चारिहूँ कइँती चमचमान।¹⁴ हम पचे धरती प बहराइ गएन, फिन मोका एक बानी सुनाइ दिहिस। उ इब्रानी भाखा में मोसे कहत रही, ‘साउल, अरे ओ साउल, तू मोपर अत्याचार करत अहा? इ तू अहा जो मोरे विरुद्ध लड़ कर मोका सतावत अहा। धार क नोंक प लाल मारब तेरे बस क बात नाहीं अहइ।¹⁵ फिन मई पूछेँ, ‘हे पभूँ तू कउन अहा?’ पभूँ जवाब दिहिस, ‘मई ईसू हउँ जेका तू यातना देत बाट्या।¹⁶ मुला अब तू उठा

अउर आपन गोड़े प खड़ा हवा। मई तोहरे अगवा यह बरे परगट भएँ ह कि तोहका एक सेवक क रूप भतीं करउँ अउर जउन कछू मई तोहका देखाउव, ओकर तू साच्छी रह्या।¹⁷ मई जउन यहूदियन अउर गैर यहूदियन क लगे¹⁸ ओकर आँखी खोलइ, ओनका आँधियारा स प्रकास कइँती लावइ अउर सइतान क सक्ती स परमेस्सर कइँती मोड़इ बरे, तोहका पठवत हउँ, ओनसे तोहार रच्छा करत रहबा। एँहसे उ पचे पापन स छमा पइहीं अउर ओन मनइयन क बीच ठउर पइहीं जउन मोहे मँ बिसवास धरइ क कारण पवित्तर भएन ह।’

पौलुस क कारज

¹⁹“हे राजन अग्रिप्या, यह बरे तबहिं स उ दर्सन क आग्या क कबहुँ भी न उल्लंघन किए भए²⁰ बल्कि ओकरे खिलाफ मई पहिले ओनका दमिस्क में, फिन यरूसलेम में अउर यहूदिया क समूचइ पहुँटा मँ उपदेस देत रहा। अउर गैर यहूदियन क मनफिराव बरे, परमेस्सर कइँती मोड़इ अउर मनफिराव क मुताबिक करम करइ बरे कहत रहा।²¹ इहइ कारण जब मई हिआँ मंदिर मँ रहा, यहूदी लोग मोका धइ लिहेन अउर मोर कतल क जतन किहेन।²² मुला आनु तलक मोका परमेस्सर क मदद मिलत रही ह अउर यह बरे मई हिआँ छोट अउर बड़कवा सबहिं लोगन क समन्वा साच्छी देइ बरे खड़ा हउँ। मई बस ओन बातन क तजिके अउर कछू नवा नाहीं कहत जउन नबियन अउर मूसा क मुताबिक होइ क रही²³ कि मसीह क यातना भोगइ क होइ अउर उहइ मरे भएन मँ पहिला जी जाइवाला होइ अउर उ यहूदियन अउर गैर यहूदियन क जोति क संदेसा देइ।”

पौलुस क जरिए अग्रिप्या क भरम दूर करइ क जतन

²⁴उ आपन बचाउ मँ जब इ बातन क कहत ही रहाकि फेस्तुस चिल्लाईके कहेस, “पौलुस तोहार दिमाग खराब होइ ग अहइ। तोहार जिआदा पढ़ाई तोहका पगलाइ देति अहइ।”²⁵ पौलुस कहेस, “हे परमगुनी फेस्तुस, मई पागल नाहीं अहउँ बल्कि जउन बातन क मई कहत रहेँ ह उ सच अहइ अउर संगत भी अहइ।²⁶ खुद राजा इ बातन क जानत बा अउर मई अजादी क मन स ओसे कहि सकत हउँ। मोर निस्चय अहइ कि एनमाँ स कउनो बात ओकरी आँखिन स, ओझल नाहीं बाटइ। मई अइसा यह बरे कहत हउँ कि इ बात कउनो कोने में नाहीं कही गइ।²⁷ हे राजन अग्रिप्या, नबियन जउन लिखे अहइ का तू ओहमाँ बिसवास रखत ह? मई जानत हउँ कि तोहार बिसवास अहइ।”²⁸ एँह पइ अग्रिप्या पौलुस स कहेस, “का तू इ सोचत ह कि एँती असांनी स तू मोका मसीही बनवइ क मनाइ लेब्या?”

²⁹पौलुस जवाब दिहिस, “तनिक समइ मँ, चाहे जिआदा समइ मँ, परमेस्सर स मोर पराथना अहइ कि न सिरिफ

तू बल्कि उ पचे भी, जउन आजु मोका सुनत बाटेन, वइसा ही होइ जाई, जइसा मई हउँ, सिवाय इ जंजीरन का।”

³⁰फिन राजा खड़ा होइ गवा अउर ओकरे संग ही राज्यपाल बिरनिके अउर साथ मँ बइठा भए लोग भी उठिके खड़ा होइ गएन। ³¹हुवाँ स बाहरे निकरिके उ पचे आपुस मँ बात करत भए कहइ लागेन, “इ मनई तउ अइसा कछू नाहीं किहे बा, जेहसे ऐंका मउत क सजा या जेल मिल सकइ।” ³² अग्रिपपा फेस्तुस स कहेस, “जदि इ कैसर क समन्वा फिन स बिचार क पराथना न होत, तउ इ मनई क छोड़ जाइ सकत रहा।”

पौलुस क रोम पठउब

27 जब इ तय होइ गवा कि हमका जहाज स इटली जाइ क अहइ तउ पौलुस अउर कछू दूसर बंदी मनइयन क सम्राट क फउज क यूलियुस नाउँ क एक फऊजीनायक क सौंपि दीन्ह गवा। ²अद्रमुत्तियुम स हम पचे एक जहाजे प सवार भए जउन एसिया क तट क पहुँटा स होइके जाइवाला रहा अउर समुदर क जात्रा प निकरेन। थिस्सलुनीके बसइया एक मैसीडोन, जेकर नाउँ अरिस्तर्खुस रहा, भी हमरे संग रहा। ³अगले दिन हम सैदा मँ उतरे। हुवाँ यूलियुस पौलुस क संग नीक विउहार किहेस अउर मोका ओकरे मीतन स मिलन बरे क अनुमति दइ दीन्ह गइ जेहसे उ ओकर देखभाल कर सकइ। ⁴हुवाँ स हम समुदर-रस्ता स फिन चल पड़ेन। हम पचे साइप्रस क ओटे ओटे चलत रहे काहेकि हवा हमरे खिलाफ बहत रही। ⁵फिन हम पचे किलिकिया अउर पंफूलिया क समुदर क पार करत भए लूसिया क मूरा पहुँचेन ⁶हुवाँ फऊजीनायक क सिकन्दरिया क इटली जाइवाला एक तु जहाज मिला। हम पचे ओह पइ सवार भएन।

⁷कइउ दिन तलक हम पचे धीमे धीमे आगे बढ़त भए बड़ी तकलीफे स कनिदुस क समन्वा पहुँचेन मुला काहेकि हवा आपन राहे प नहीं रहइ देइ चाहत रही, तउ हम सबइ सलभौने क समन्वा क्रीत क ओट मँ आपन नाउ बढ़ावइ लागे। ⁸क्रीत क किनारे-किनारे बड़ी तकलीफे स नाउ क अगवा अगवा खेवत भए एक अइसे ठउर प पहुँचेन जेकर नाउ रहा सुरच्छित बंदरगाह। हिआँ स लसया नगर लगे ही रहा।

⁹समइ बहोत बीति चुका रहा अउर नाउ क आगे बढ़ाउब भी संकट स भरा रहा काहेकि तब तलक उपवास क दिन* बीत चुका रहा। यह बरे पौलुस चिताउनी देत भए ओनसे कहेस, ¹⁰“अरे मनइयो, मोका लगत ह कि

उपवास क दिन हिआँ उपवासे क दिन स मतलब परिसोधन क उपवास क दिन स अहइ। बरिस क आखिर मँ इ यहूदियन क एक खास पवित्र दिन होत रहा। जाड़ा क इ दिना मँ समुदर मँ खौफनाक तूफान क अटेसा रहत रहा।

हमार इ सागर जात्रा नास कइ देइ, न सिरिफ माल असबाब अउर जहाजे बरे बल्कि हमरे परान बरे भी।”

¹¹मुला पौलुस जउन कहे रहा ओका सुनइ क सिवाय उ फऊजीनायक, जहाज क मालिक अउर कप्तान क बातन प जिआदा बिसवास करत रहा। ¹²अउर काहेकि उ बन्दरगाह सीत रितु बरे चउचक नाहीं रहा, यह बरे जिआदातर मनइयन, जदि होइ सकइ तउ फीनिक्स पहुँचइ क जतन करने क ही ठान लिहेन। अउर जाड़ा हुवाँ काटइ क निस्चय किहेन। फीनिक्स क्रीत क अइसा बन्दरगाह अहइ जेकर मुँह दक्खिन पच्छिम अउर उत्तर पच्छिम दुइनुँ क समन्वा पड़त ह।

तूफान

¹³जब तनिक तनिक दक्खिनी हवा बहइ लाग तउ उ पचे सोचेन कि जइसा उ पचे चाहे रहेन, वइसा ही ओनका मिलि गवा अहइ। तउ उ पचे लंगर उठाइ लिहन अउर क्रीत क किनारे किनारे जहाज अगवा खेवइ लागेन। ¹⁴मुला अबहिँ कउनो जिआदा समइ नाहीं बीता रहा कि द्वीप क एक कइँती स एक भयानक आँधी उठी अउर आरपार लपेटत चली गइ। इ “उत्तर पूरब” क आँधी कही जात रही। ¹⁵जहाज तूफान मँ घिरि गवा। उ आँधी क फाड़िके अगवा नाहीं बड़ सकत रहा तउ हम पचे ओका यों ही छोड़िके हवा क रुख चलइ दीन्ह।

¹⁶हम क्लोदा नाउँ क एक छोटा स द्वीप क ओटे मँ बहत भए बड़ी तकलीफे स रच्छा नाउ क पाइ सकेन। ¹⁷फिन जीवन रच्छा-नाउ क उठाए क पाछे जहाज क रस्सा क लपेटे कि बाँध दीन्ह गवा अउर कहीं सुरतिस क ऊथल पानी मँ धँस न जाइ, इ डर स उ पचे जहाज क पाल उतारेन अउर जहाज क बहइ दिहेन। ¹⁸दूसरे दिन तूफान क घातक थपेड़ा खात भए उ पचे जहाज स माल-असबाब लोकावइ लागेन। ¹⁹अउर तीसर दिन उ पचे आपन ही हाथन स जहाजे प धरा औजार फेंक दिहेन। ²⁰फिन बहोत दिना तलक जब न सूरज देखान, न तारा अउर तूफान आपन घातक थपेड़ा मारत ही रहा तउ हमरे बच पावइ क आसा पूरी तरह खतम होइ गइ।

²¹बहोत दिना स कउनो कछू खाएउ नाहीं रहा। तब पौलुस ओनकइ बीच खड़ा होइके कहेस, “अरे मनइयो, अगर क्रीत स रवाना न होइके मोर सलाह मान लिहे होत्या तउ तू पचे इ बिनास अउर हानि स बच जात्या। ²²मुला मई तोहसे अबुँह तोहसे हठ करत हउँ कि आपन हिम्मत बाँधे रहा। काहेकि तू सबन मँ स कउनो क प्राण नाहीं खोवइ क अहइ। हाँ, बस इ जहाज क नास होइ जाइ ²³काहेकि पिछली रात उ परमेस्सर क एक सरगदूत, जेकर मई अहउँ अउर जेकर सेवा करत हउँ, मोरे लगे आइके खड़ा भवा। ²⁴अउर बोला, ‘पौलुस, जिन डेराआ। मोका निहचय ही कैसर क समन्वा खड़ा होइ क बाटइ अउर ओन सबन क जउन तोहरे संग जात्रा करत अहउँ,

परमेस्वर तोहका दइ दिहे अहइ।²⁵तउ मनइयन, आपन हिम्मत बनाइ राखा काहेकि परमेस्वर मँ मोर बिसवास अहइ, यह बरे जइसा मोका बतावा ग अहइ ठीक वइसेन घटी।²⁶किन्तु हम कउनो टापू क ऊथल पानी मँ जरूर जाइ धँसवा।”

²⁷फिन जब चउदहवीं रात आइ हम अद्रिया क समुद्दर मँ थपेड़ा खात रहे रहेन तबहिं आधी रातिक लगे जहाज क चालकन क लाग जइसे कउनो किनारा नगिचे अहइ।²⁸उ पचे सुद्दर क गहिराइ नपेन तउ पाएन कि हुवाँ कउनो अस्सी हाथ गहिराई रही। तनिक बेर क पाछे उ पचे गहराई क फिन टोहेन अउर पाएन कि अब गहिराई साठ हाथ रहि गइ रही।²⁹इ डर स कि उ पचे कतँहु कउनो चट्टानी ऊथल किनारा मँ न फँसि जाई, उ सबइ जहाज क पिछले हींसा स चार ठु लंगर बहाएन अउर पराथना करइ लागेन कि कउनो तरह दिन निकरि आवइ।³⁰ओहर जहाज क चलावइ वाला जहाज स पराइ क जतन करत रहेन। उ पचे इ हीला बनावत भए कि उ पचे जहाज क अगले हींसा स कछू लंगर बहावइ जात अहइ, जीवन रच्छा नाउ क समुद्दर मँ उतारि दिहेन।³¹तबहिं फऊजीनायक स पौलुस कहेस, “जदि इ सबइ जहाज प नाहीं थामेन तउ तू पचे भी नाहीं बच पउब्या।”³²तउ सिपाहियन रस्सा क काटिके जीवन रच्छा नाउ तरखाले गिराइ दिहेन।³³भोर होइ स तनिक पहिले पौलुस इ कहत भए सब मनइयन स तनिक खइया खाइके हठ किहेस, “चौदह दिन बीति चुका अहइ अउर तू पचे लगातर फिकरि क कारण भूखा बाट्या। तू पचे कछू भी नाहीं खाए बाट्या।³⁴मई तोहसे कछू खाइके यह बरे हठ करत अही कि तोहरे जिअइ बरे इ जरुरी अहइ। काहेकि तू पचन मँ स कउनो क मूँडे क एक बार तलक बाँका नाहीं होइ क बा।”³⁵एतना कहि चुके क पाछे उ तनिक रोटी लिहेस अउर सबन क समन्वा परमेस्वर क धन्यवाद दिहेस। फिन रोटी क तोरेस अउर खाइ लाग।³⁶एहसे ओन सबन क हिम्मत बाढ़ी अउर उ सबइ भी थोड़ा स खाना क खाएन।³⁷जहाज प कुल बटोरिके हम सबइ दुइ सौ छिहत्तर मनई रहेन।³⁸पूरा खाना खइ चुकइ क पाछे उ पचे समुद्दर मँ अनाज बहाइके जहाज क हल्का कइ दिहेन।

जहाज क टूटब

³⁹जबहिं दिन क प्रकास भवा तउ उ पचे धरती क पहिचान नाहीं पाएन मुला ओनका लाग कि जइसे हुवाँ कउनो किनारा बाली खाड़ी बाटइ। उ पचे तय किहेन कि अगर होइ सकइ तउ जहाज क ठहराइ देई।⁴⁰तउ उ पचे लंगर काटिके ढील दइ दिहेन अउर ओ सबन क समुद्दर मँ तरखाले भहराइ दिहेन। उहइ समइ उ पचे पतवारे स बाँधा रस्सा क ढीला कइ दिहेन; फिन जहाज क अगला पतवार चढ़ाइके किनारे कईती बड़इ लागेन।

⁴¹अउर ओनकइ जहाज रेत मँ टकराइ गवा। जहाज क अगला हींसा ओहमाँ फँसिके जाम होइ गवा। अउर सक्तीवाली लहरन क थपेड़न स जहाज क पिछला हींसा टूटइ फाटइ लाग।

⁴²तबहिं सिपाही लोग कैदियन क मारि डावइ क कुचाल रचेन ताकि ओहमाँ स कउनो भी तैरके बच न पावइ।⁴³मुला फऊजीनायक पौलुस क बचावा चाहत रहा, यह बरे उ ओनका ओनकइ कुचाल क पूर होइ स रोक दिहेस। उ हुकुम दिहेस कि जउन भी तैर सकत हीं, उ पचे पहिले ही किनारे पहुँच जाईं⁴⁴अउर बाकी मनई तख्तम या जहाजे क दूसर टुकड़न क सहारे चला जाईं। इ तरह हर एक सुच्छा स किनारे आइ पहुँचा।

माल्टा द्वीप प पौलुस

28 इ सब कछू स सुरच्छा क साथ बच निकरे क पाछे हम सबन क पता लाग कि उ द्वीप क नाउँ माल्टा रहा।²हुवाँ क मूल-निवासियन हमरे संग असाधारण रूप स नीक बियूहार किहेन। काहेकि जाड़ा रहा अउर बरखा होइ लाग, यह बरे उ पचे आगी बारेन अउर हम सबन क सुआगत किहेन।³पौलुस लकड़ी क गठरा बनाएस अउर जब उ आगी प लकड़ियन क धरत रहा तबहिं गर्मी लागे स एक बिख स भरा नाग बाहेर निकरा अउर उ ओकरे हाथ क डस लिहेस।⁴हुवाँ क निवासी जब उ जंतु क ओकरे हाथ स लटकत भवा निहारेन तउ उ पचे आपुस मँ कहइ लागेन, “सचमुच ही इ मनई हत्तियारा अहइ। जदि अपि इ सागर स बचिके निकरा अहइ मुला दिब्व निआव * एँका जिअइ देत नाहीं बा।”⁵मुला पौलुस उ नाग क आगी मँ ही पटकेस। पौलुस क कउने तरह क हानि नाहीं भइ।⁶मनइयन सोचत रहेन कि उ या तउ सूजि जाइ या फिन बरबस धरती प भहराइ के मरि जाइ। मुला बहोत देर तलक जोहे क पाछे अउर लखिके ओका असाधारण रूप स कछू नाहीं भवा अहइ, उ पचे आपन बिचार बदल दिहेन अउर बोलेन, “इ तउ कउनो देवता अहइ।”

⁷उ ठउर क नगिचे ही उ द्वीप क प्रधान मनई पुबलियुस की खेत रहा। उ आपन घरे लइ जाइके हमार सुआगत-सत्कार किहेस। बड़ा खुला मन स तीन दिना तलक उ हमार मेहमानदारी करत रहा।⁸पुबलियुस क बाप बिस्तरा प ओलरा रहा। ओका बोखार अउर पेचिस होत रही। पौलुस ओसे भेंडइ भितरे गवा। फिन पराथना करइ क पाछे उ ओह पार आपन हाथ धरेस अउर उ नीक होइ गवा।⁹इ घटना क बाद उ द्वीप क बाकी सबहिं बेरमियन हुवाँ आएन अउर उ पचे नीक होइ गएन।¹⁰कहइ उपहार स हमार मान बढ़ाएन अउर जब हम

निआव मनई सोचत रहेन कि निआव नाउँ क एक देवता होत रहा जउन खोट मनइयन क सजा देत रहा।

हुवाँ स नाउ प आगे चलन तउ उ पचे सब जरूरी चीज क लइ आइके हमका दइ दिहेन।

पौलुस क रोम जाव

¹¹तीन महीना पाछे सिकन्दरिया क एक जहाज स हम चल पड़ेन। इ द्वीप प जहाज जाड़ा भरे क बरे रुका जहाज क आगे क हींसा मँ जुड़वा भाइयन क चीन्हा* बना रहा। ¹²फिन हम पचे सरकुसा जाइ पहोंचेन जहाँ हम तीन दिना तलक ठहरेन। ¹³हुवाँ स जहाज स हम सबइ रेगियुम पहोंचेन अउर फिन अगले ही दिन दखिनाई हवा चली। तउ अगले दिन हम पुतियुली पहोंचेन। ¹⁴हुवाँ हमका कछू बंधु मिलेन अउर उ पचे हमका हुवाँ सात दिना ठहरइ क कहेन अउर इ तरह हम रोम पहोंचि आएन। ¹⁵जब हुवाँ क भाइ लोगन क हमार सूचना मिली तउ उ पचे अप्पियुस क बजार अउर तीन सराय* तलक हम पचन स भेंटइ आएन। पौलुस जब ओनका लखेस तु परमेस्सर क धन्यवाद दइके आपना दाढ़स बढ़ाएस।

पौलुस क रोम आउब

¹⁶जब हम सबइ रोम पहोंचेन तउ एक ठु सिपाही क देखरेख मँ पौलुस क अपने आप अलग रहइ क अनुमति दीन्ह गइ। ¹⁷तीन बरिस पाछे पौलुस यहूदी नेतन क बोलाएस अउर ओनकइ बटुर जाए प उ ओनसे बोला, “भाइयो, चाहे मई आपन रास्ट या आपन पूर्वजन क व्यवस्था क खिलाफ कछू भी नाहीं कियेउँ ह, तउ भी यरूसलेम मँ मोका बंदी क रूप मँ रोमी लोगन क हवाले कइ दीन्ह गवा रहा। ¹⁸उ पचे मोर जाँच पड़ताल कियेन अउर मोका छोड़इ चाहेन काहेकि अइसा कछू मई कियेउँ ही नाहीं रहा जउन मउत क सजा क काबिल होत ¹⁹मुला जब यहूदी लोगन एतराज कियेन तउ मई कैसर स फिन बिचार करइ क पराथना करइ क बेबस होइ गएउँ। यह बरे कि नाहीं कि मई आपन ही लोगन प कउनो दोख लगावइ चाहत रहेउँ। ²⁰इहइ कारण अहइ जेहसे मई तोहसे मिलइ अउर बातचीत करइ चाहत रहेउँ काहेकि इम्राएल क उ भरोसा ही बाटइ जेकरे कारण मई जंजीर मँ बंधा अहउँ।”

²¹यहूदी नेतन पौलुस स कहेन, “तोहरे बारे मँ यहूदिया स न तउ कउनो चिट्ठी ही मिली बाटइ, अउर न ही हुवाँ

स आवइवाला कउनो भी भाई तोहार कउनो खबर दिहेस अउर तोहरे बारे मँ कउनो बुरी बात कहेस। ²²मुला तोहार का बिचार अहइ, इ हम तोहसे सुनइ चाहित ह काहेकि हम जानित ह कि लोग सब कछू पंथ क खिलाफ बोलत रहत हीं।”

²³तउ उ पचे ओकरे साथ एक दिन ठहराएन। अउर फिन जहाँ उ ठहरा रहा, बड़ी गनती मँ ओइके उ लोग बटुर गएन। मूसा क व्यवस्था अउर नबी लोगन क किताबन स ईसू क बारे मँ ओनका समझावइ क जतन करत भए उ परमेस्सर क राज्य क बारे मँ आपन साच्छी दिहेस अउर समुझाएस। ²⁴उ जउन कछू कहे रहा, ओहसे कछू मिला तउ बात मान गएन मुला कछू बिसवास नाहीं कियेन।

²⁵फिन आपुस मँ एक दूसर स असहमत होत भएन उ पचे हुवाँ स जाइ लागेन। तब पौलुस एक बात अउर कहेस, “यसायाह नबी क जरिया पवित्तर आतिमा तोहरे पूर्वजन स केतना ठीक कहे रहा,

²⁶ ‘जाइके इन लोगन स कहि द्या: तू पचे सुनब्या, पर न बुझब्या कबहुँ। लखत ही लखत बस तू रहब्या पर न बुझब्या कबहुँ भी!

²⁷ काहेकि ऐनकइ हिरदय मूर्खपन स गवा भरि कान ऐनकइ मुस्किल स सुनत हीं अउर कइ लिहन मूँद आँखी आपन इ सबइ, काहेकि अइसा न होइ जाइ कि इ सबइ आँखिन स लखइँ, सुनइँ अउर कान स आपन अउर समुझइँ हिरदय मँ, लौटइँ साइद अउर करइ पड़व मोका चंगा ओनका।’

यसायाह 6:9-10

²⁸“यह बरे तोहका जान लेइ चाही कि परमेस्सर क इ उद्धार बिधर्मियन क लगे पठइ दीन्ह ग अहइ। उ पचे एँका सुनिहीं।” ²⁹*

³⁰हुआँ किराये के आपन मकान मँ पौलुस पूरा दुइ बरिस तलक ठहरा। जउन कउनो भी ओसे मिलइ आवत, उ ओकर सुआगत करत। ³¹उ परमेस्सर क राज्य क प्रचार करत रहत अउर पभू ईसू मसीह क बारे मँ उपदेस देत। उ इ कारज क पूरा बेडर होइके अउर बगेरे कउनो बाधा क मानत भवा करत रहत रहा।

जुड़वा भाइयन यूनान क पुराण क देवता यानी केस्टर अउ पौलकस क मूरत।

तीन सराय दुइनउँ रोम क नगिचे क कस्बन क नाउँ अहइ। पहिला रोम स 27 मील प अउ दूसर 30 मील प रहा।

पद 29 कछू यूनानी प्रतिथन मँ पद 29 मिलत हय: “जब पौलुस इ बातन कहि चुका तउ आपुस मँ चर्चा परिचर्चा करत भए यहूदी हुवाँ स चला गएन।”

रोमियन क पत्र

1 पौलुस जउन मसीह ईसू क दास अहइ, जेका परमेस्सर प्रेरित होइ बरे बोलाएस, अउर उहइ क परमेस्सर क सुसमाचार लोगन क सुनावइ बरे चुना गवा।

2इ बात क घोसना नबियन दुआरा पवित्तर सास्तरन में पहिलेन स करि दीन्ह ग रही। 3-4इ सुसमाचार परमेस्सर क पूत ईसू मसीह क अहइ। जउन तने स दाऊद का बंसज अहइ। अउर उहइ हमारा पभू अहइ। सरीर स तो उ दाऊद क बंस में जनम लिहे रहा मगर पवित्तर आत्मा स तो उ परमेस्सर क पूत रहा। ओका परमेस्सर क पूत इहइ बदे माना जात रहा जउन ओकरे भीतर मरि क फिन जी उठइ क समरथ रहा। 5इहइ क जरिये मोका अनुग्रह अउर प्रेरित होइ क मिला बा जेहसे सबहिं यहूदियन में, ओकरे नाउँ स, उ आस्था जउन बिसवास स जनम लेत ह ओहमाँ पड़वा कीन्ह जाइ सकइ। 6परमेस्सर क जरिये ईसू मसीह क होइ बरे तू पचे बोलावा ग अहा।

7उ पत्र मई, तू सबन बरे, जउन रोम में अहई अउर परमेस्सर क पियारा अहा, जउन परमेस्सर क पवित्तर जन होइ बरे बोलावा ग अहा, लिखत अहउँ।

अब हम इ चाहित ह कि तू लोगन का परमेस्सर अउर हमरे पभू ईसू मसीह क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

धन्यवाद बरे पराथना

8सबसे पहिले तो मई ईसू मसीह क जरिये परमेस्सर का धन्यवाद करइ चाहित ह। इ सब तोहरे सब क बरे अहइ काहेकि दुनिया का सब मनई तोहरे सब के बिसवास क बारे में बतियात हीं। 9पभू जेकरे सेवा मई जी जान स करित हउँ काहेकि मई ओकरे पूत क सुसमाचार का लोगन का सुनावत हउँ। पभू मेरा साच्छी दिहा जउन मई तोहका हर दम याद करत अहउँ। 10अपने पराथना में इ मई हर दम मनाइत हउँ कि परमेस्सर की चाह स मोर तोहरे लगे आवइ क यात्रा पूरी होइ। 11मई बहुत दिल स इ चाहित ह कि तू लोगन स मिली अउर तोहका कछू आत्मिक उपहार देइ जइसे तू पचे खूब सक्तिशाली होइ जा। 12या मोका कहइ चाही कि जब मई तोहरे बीच में होब तउ एक दूसर क बिसवास स आपुस में प्रोत्साहित होब। 13भाइयो अउर बहिनियो! मई इ चाहित हउँ कि तू पचे क इ तउ मालूम होइ जाइ कि मई तोहरे लगे बार-बार आवइ क योजना बनाइत हउँ। एकर इ कारन

इ अहइ कि गैर यहूदियन में जइसा जउन फल मोका मिला ह उहइ तू लोगन स भी मिलइ। लेकिन अब तलक-न-कउनो बाधा पड़त रही।

14अब इ जान ल्या कि जे यूनानियन अहई उनके अउर जे गैर यूनानियन अहई ओनहूँ क, जे होसियार अहई उनके अउर जे बेउकूफ अहई ओनहूँ क सबइ क हमरे ऊपर सेवा करइ क रिन अहइ। 15यही बदे तू लोगन का जे रोम में रहत ह्या ओनका मई इ सुसमाचार सुनावइ क तैयार हउँ।

16इ सुसमाचार क सुनावइ क मई सरमाइत नाहीं काहेकि जउन भी ओहमाँ बिसवास रखत अहई ओनके उद्धार बरे परमेस्सर क सामर्थ्य अहइ। ओहमाँ पहिले यहूदियन अउर फिन गैर यहूदियन क 17काहेकि सुसमाचार में इ बतावा ग बाटइ कि परमेस्सर मनइयन क अपने ठेकाने कइसे लगावत ह। इ सब कुल बिसवास प अहइ, सास्तरन में इ लिखा अहइ, “धर्मी मनई स सदैव जिअत अहई।”*

सबहिं तउ पाप किहे अहई

18सरग स परमेस्सर का कोप लोगन क न कहइवालयन अउर अधार्मिक काम पड़ परगट होत ह जे सत्य का अधरम स दबावत हीं अउर जे बुरे करम करत हीं। 19इ बात नाहीं अहइ कि केउ ऐका जानत नाहीं परमेस्सर का सबइ जानत ह काहेकि परमेस्सर सबका जनाइ देत ह। 20इ संसार जब स देखाइ पड़ा तबइ स परमेस्सर क अनन्त सक्ति परमेस्सर क साफ देखात ह उहउ क ऐक एहसे जाना जाइ सकत ह जेका परमेस्सर खुदइ बनाइस ह। एहसे लोगन क पास कउनो बहाना नाहीं बाटइ उ बुरा काम बरे जेका उ करत ह। 21अगर इ सबइ परमेस्सर क जानत हीं तबउ उ पचे परमेस्सर महिमा क इज्जत नाहीं करत हीं। उनके विचार गलत कामन में लग गएन अउर मन में अँधियारा छाइ गवा। 22उ पचे अपने क बहुत बुद्धिवाला समझत रहेन मुला सब क सब बज्र मूरख रहेन। 23अउ इ जउन परमेस्सर अहइ उ कबहुँ मर नाहीं सकत मुला इ सबइ ओका मरइवाले लोगन चिरिया, गोरु, अउर साँप क मूरत में देखेन अउर समझइ लागेन।

²⁴एह बरे परमेस्सर ओनन्ह क बदनियती क हाथे सौप दिहेस अउर उ पचे दुराचार मँ पड़ि क एक दूसरे क सररी क साथ खिलवाड़ करइ लागेन। ²⁵उ लोगन झूठ क साथे परमेस्सर क सत्य क सौदा किहन अउर वे सुस्टि क बनावइवाले को तजिके अउरन क आराधना करइ लागेन। परमेस्सर धन्य अहइ। आमीन!

²⁶इहइ बरे परमेस्सर ओनन्ह का नीच वासना क हाथे सौप दिहेस। ओनन्ह क स्त्रियन सहज यौनाचार क बजाय अप्राकृतिक यौन करइ लागिन। ²⁷एहइ तरह पुरुसन भी सहज सम्भोग छोड़ि क समलैंगिकता क चक्कर मँ पड़ि गएन। अउर पुरुस परस्पर एक दूसरे क साथ बुरे करम करइ लागेन। अउर इ सब कुकरमन क फल भी मिलब सुरु होइ गवा। ²⁸कारन इ रहा कि ओनन्ह परमेस्सर का पहिचानब बन्द कइ दिहेन तो परमेस्सर ओनन्हन का कुबुद्धि क हाथ सौप दिहेस। अउर उ सब ओनन्ह क करइ सुरु कर दिहेन जउन ना करइक चाही। ²⁹लोग कुल अधरम दुस्टता, लालच अउर द्वेस स तथा सारी ईर्ष्या, हत्या, झगड़े, छल, अउर डाह स भर गएन। वे बकवादी, अउर कहानियन क गढ़त रहेन।

³⁰उ सबइ निन्दक अहइँ। परमेस्सर स घिना करत रहत उदपड अउर घमण्डी अहइँ, बड़-बड़ क बोलत हीं। कुलिन्ह बुराइन का जनम दाता अहइँ। अपने महतारी बाप क कहब नहीं मानत रहेन। ³¹उ पचे मूरख, वचन तोरइ वाले निरदयी अउर बगैर पिरेम क बाटेन। ³²उ सब परमेस्सर क व्यवस्था क जानत हीं कि इ सब बातन स मउत क जोग अहइँ तउनो पड़ि ओ सबइ न सिरफ इ सब कुकरम करत हीं वरन अइसा करइवालेन क समर्थन भी करत हीं।

तूह सबइ पापी अहा

2 अरे वो, सुना ह, मोर मित्र तू सब निआव करत अहा मुला तूह उहइ करत अहा जउन बरे दूसरन का सजा देत अहा तू का कउनो बहाना नाहीं चल सकत अहा। उहइ स तू अपने आपको भी अपराधी सिद्ध करत अहा काहेकि तू जिन करमन क निआव करत अहा ओनका आप खुद भी करत अहा। ²अब हम पचे इ सब जानइ लागिन कि जे अइसन काम करत ह ओनका परमेस्सर उचित निरनय देत ह। ³मुला मोर दोस्त तू सुना, तू का सोचत ह कि जउने बरे तू दूसरन पर निरनय देत अहा अउर अपनउ उहइ काम करत ह तउ तू का समझत अहा कि तू परमेस्सर क निआव स बच सकत ह। ⁴या तू ओकरे अनुग्रह व सहनसीलता अउर धीरज का हीन समझत बाट्या तू लोगन इ बात क अपेक्षा करत अहा कि परमेस्सर क अनुग्रह तोहार मनफिराव करत अहइ।

⁵मुला तू पचे जान ल्या कि अपने कठोरता अउर कबहुँ न पछताइवाले मन क कारण तू परमेस्सर क

गुस्सा का बहोत दिना बरे बटोरत अहा जब परमेस्सर क सचमुच निआव परगट होइ। ⁶परमेस्सर सबन का ओकरे करतब क कारण फल चखाई। ⁷जे अच्छा काम करत बा, परमेस्सर क महिमा आदर अउर अमरता का खोजत बा, उ सब तो अनन्त जीवन पइहीं। ⁸मुला जे अपने स्वार्थ स सत्य पर नहीं चलिके बस अधरम करत बाटेन ओनन्हन का ओकरे बदले मँ क्रोध व प्रकोप मिली। ⁹उ सब मनइयन पै दुःख अउर संकट आई जे अधरम पर चलत अहइँ। पहले यहूदियन फिन उ लोग जे गैर यहूदियन अहइँ। ¹⁰इहइ तरह जे कोइ अच्छाई प चलइ ओका महिमा स आदर अउर सान्ति मिली, पहले यहूदियन क फिन गैर यहूदियन अहइँ। ¹¹काहेकि परमेस्सर केहू क साथे भेदभाव नाहीं करत।

¹²जे व्यवस्था क पाए बगैर पाप किहेन उ सब व्यवस्था क बाहेर ही उ छिन होइ जइहीं अउर जे व्यवस्था मँ रहिके पाप किहेन ओनकइ निपटारा व्यवस्था क अन्दरइ दण्ड दीन्ह जाई। ¹³काहेकि जे कोइ सिरफ व्यवस्था क कथा सुनत ह परमेस्सर की दृष्टि मँ धर्मी नाहीं अहइ बल्कि जे व्यवस्था पर चलत अहइँ उही धरमी कहारावा जइहीं। ¹⁴सो जब गैर यहूदियन जेनके लगे व्यवस्था नाहीं बा, सुभाव स व्यवस्था क बातन पर चलत ह, तउ चाहे ओनके पास व्यवस्था न भी होइ तउ भी उ आपन व्यवस्था खुद ही अहइँ। ¹⁵उ लोगन अपने मन प लिखे व्यवस्था क करमन का देखावत बाटेन। ओनके विवेक ओनकइ साच्छी अहइँ। ओनके मानसिक संघर्ष ओनका अपराधी व निरदोस कहत अहइ। ¹⁶इ सब बातन उ दिना होइहीं जउने दिना परमेस्सर मनइयन क छुपी बातन क, जउने क मइँ उपदेस देइत हउँ इ उ सुसमाचार क मुताबिक मसीह ईसू निआव करी।

यहूदियन अउर व्यवस्था

¹⁷काहेकि जदि तू सब अपने क यहूदी कहत ह अउर व्यवस्था मँ तोहार बिसवास अहइ अउ अपने परमेस्सर प तोहका घमण्ड बाटइ ¹⁸अउर तू परमेस्सर क इच्छा का जानत आहा अउर उत्तम बातन का ग्रहण कर सकत ह काहेकि परमेस्सर तोहका इ सब सिखाइस ह ¹⁹तू इ तउ मानत ह कि तू आंधरे क अगुआ अहा, जे आंधरे मँ भटकत अहइँ, ओनकइ बरे तू उजियारा अहा, ²⁰अबोधन क तू सिखावइवाला अहा, लरिकन क तू उपदेस देइवाला अहा काहेकि व्यवस्था मँ तोहका साच्छात गियान अउर सत्य ठोस रूप स पाइ ग अहा। ²¹जउन तू पचे दुसरन का सिखावत ह ओका आपन क काहे नही सिखउत्या। तू इ उपदेस देत अहा कि चोरी न करा, मुला खुद चोरावत अहा। ²²तू इ कहत अहा कि व्यभिचार नाहीं करइ क चाही मुला अपना काहे करत ह। मूरतिइन स तू घिना करत अहा मुला मंदिरन मँ धन काहे छीनत ह?

²³तू लोग व्यवस्था प गरब करत ह, मुला व्यवस्था का तोरि क परमेस्सर क निरादार काहे करत ह? ²⁴अउर इहइ बात पवित्तर सास्तरन में लिखी बा, “तू सबन क वजह स परमेस्सर क नाउँ क ओनमा अपमान होत ह जे गैर यहूदियन अहईं।”*

²⁵जउ तू लोगन व्यवस्था क मानत अहा अउर ओका पालन करत ह तउ तो खतना क महत्व बाटइ। मुला जदि व्यवस्था क तोड़त अहा तो ओकर मतलब वगैर खतना क बराबर अहइ। ²⁶मान ल्या केहू क खतना नाहीं भवा बा अउर उ व्यवस्था क पालन करत ह पवित्तर नियमन प चलत ह, तउ का ओकर खतना न करावइ क बावजूद ओका खतना में सामिल न कीन्ह जाइ? ²⁷उ मनई जेकर सरीर स खतना नाहीं भवा बा मुला व्यवस्था क पालन करत ह उ तू लोगन का अपराधी सिद्ध कइ देई। वोका जेकरे पास लिखा पढ़ी में परमेस्सर क विधान बाटइ अउर जेकर खतना भवा बा अउर जे व्यवस्था क नाहीं मानत।

²⁸जे बाहेर स यहूदी अहईं, उ वास्तव में यहूदी नाहीं अहइ। सरीर क खतना असली में खतना नाहीं बाटइ। ²⁹सच्चा यहूदी उ अहइ जे भीतर स यहूदी होइ, सच्चा खतना तउ आत्मा क जरिये मन क खतना अहइ। नबी न कि लिखी व्यवस्था क। अइसे व्यक्ति क प्रसंसा मनई नाहीं बल्कि परमेस्सर कइँती स कीन्ह जात अहइ।

3 अब यहूदियन होइ क लाभ या अउर खतना क महत्ता केँतनी बा? यहूदियन होइ क बड़ी महत्ता अहइ, काहेकि सबसे पहिला इ कि परमेस्सर क उपदेस ओनहिन का सौपा गवा रहा। ³ओन्हन में स कछू एक धोखाबाज होइ, अहइ तउ का अहइ? ओन्हन धोखाबाजेन क वजह स परमेस्सर क बिसवास तो नाहीं कम होइ जात? ⁴बिल्कुल नाहीं, सबइ झूठे होइ जाई तबउ परमेस्सर सच्चा रही, इ बात पवित्तर सास्तरन में लिखी बाटइ:

“जब तू बोलब्या तउ तोहका सबइ पतियइहईं जब तोहार न्याय होई, तउ तू जितब्या।”

भजन संहिता 51:4

⁵अगर मनई क अधार्मिकता में परमेस्सर की धार्मिकता सिद्ध करत ह, अइसन में हमका का करइ क चाही? का परमेस्सर हम पइ कुपित होइ क मनइयन क दण्ड देत ह? (मई मनई क नाई आपन बात कहत हउँ) ⁶बिल्कुल नाहीं, नाहीं तो परमेस्सर जगत क निआव कइसे करी?

⁷मुला तू इ कहि सकत ह “मोरे झूठ बोलइ स परमेस्सर क सच उजागिर होत ह तउ एहसे ओकर महिमा ही होत ह; फिन मोका देखी (पापी) काहे का

बनावत ह?” ⁸इ कहइ क वइसे होई काहे, “अगर हम बुरा काम करी तउ भलाई उजागिर होइ।” अइसेन आरोप हम पचन क ऊपर लोग लगावत हीं। इ सबइ लोग जे इ कहत हीं कि हम पचे ओनका पढाइत ह। अइसे लोग देखी कहा जाइ लायक अहईं ओनका सजा देइ चाही।

सबहि लोग देखी अहउँ

⁹फिन का भवा? यहूदी अउ गैर यहूदियन में कउनो भेद नाहीं बा, जइसेन कि पहले बतावा गवा बा कि चाहे यहूदियन होई या गैर यहूदियन सबहीं पाप क बस में अहईं। ¹⁰पवित्तर सास्तरन कहत हीं:

“कउनो धर्मी नाहीं अहइ, एक तु भी नाहीं

¹¹ एकउ भी समझदार नाहीं, एकउ क उ अइसा नाहीं उहइ जे परमेस्सर क वास्तव में खोजत ह।

¹² इहाँ प सबइ परमेस्सर स विमुख होइके भटकत अहईं, सबन खोटे अहईं। एकउ नाहीं अहइ जे अच्छा काम करत ह एकउ नाहीं।”

भजन संहिता 14:1-3

¹³“ओनकर मुँह खुली कन्न अहइ, अउर वे अपनी जीभ स धोखा देत अहईं।”

भजन संहिता 5:9

“नाग क बिख क तरह ओनकर ओठ अहईं,”

भजनसंहिता 140:3

¹⁴“मुँह पइ सराप व कटुता भरी रहत ह।”

भजन संहिता 10:7

¹⁵“जान मारइ का तउ हरदम उतावला रहत हीं।

¹⁶ जहाँ कहुँ जात हीं उ पचे नास ही करत हीं, अउर संताप ही देत हीं।

¹⁷ सान्ति का मारग इ नाहीं जनतेना।”

यसायाह 59:7-8

¹⁸ “ओनके आँखिन में पर्भू क भय नाहीं बा।”

भजन संहिता 36:1

¹⁹अब हम पचे इ जानित ही कि व्यवस्था में जउन कछू कहा गवा बाटइ उ सब ओनके बरे अहइ जे व्यवस्था क अधीन अहईं। एहसे इ होइ कि सबइ का मुँह तोप दीन्ह जाइ अउर परमेस्सर क दण्ड सबइ क मिलइ। ²⁰व्यवस्था में कउनो काम किहे स कउनो धर्मी न सिद्ध होइ जाइ। केवल व्यवस्था पाप क बोध करावत अहइ।

परमेस्सर मनइयन का धर्मी कइसे बनावत ह

²¹मुला अब इ देखइ क अहइ कि परमेस्सर एक नए तरीके स मनइयन क व्यवस्था क वगैर कइसे सोझ मारग प लावत ह। व्यवस्था क नबियन इ नए तरीके क साच्छी दिहे बाटेन। ²²जे केउ परमेस्सर क उ धार्मिकता जउन ईसू मसीह में बिसवास कद्वारा इ बिसवास करइवालन क बरे अहइ। एहमाँ कउनो भेदभाव नाहीं बा। ²³काहेकि सबइ तउ पाप किहे बाटेन अउर सबइ तउ परमेस्सर क महिमा स विहीन बाटेन। ²⁴मुला ईसू मसीह का विसेख महिमा क अनुग्रह स उ पचे सेत मेंत में उपहार पाइके धर्मी ठहरावा गवा अहई। ²⁵परमेस्सर ईसू मसीह क इ मारे लोगन क दिहसे कि लोग ओहमाँ बिसवास करई अउर अपने पापन स मुक्ति पाइ जाई। उ इ काम उ ईसू मसीह क बलिदान द्वारा करवाएस। अइसा इ प्रमाणित करइ क बरे कीन्ह गवा कि परमेस्सर बहुत सहनशील अहइ। काहेकि उ पहिले ओनका बिना ढण्ड दिहे छोड़ दिए रहा। ²⁶आजउ परमेस्सर ईसू को दिहसे हमका इ सिद्ध करइ बरे कि परमेस्सर जउन करत ह उहइ सही बा। परमेस्सर इ किया कि यह देखावइ बरे कि वह सही निरनय लेत ह, अउर उही समइ वह कउनो मनई क ठीक बनाइ सकत ह, जेनकर ईसू मसीह में बिसवास अहइ। ²⁷घमण्ड तउ एक दम्मे खतम अहइ। उ अइसेन कि व्यवस्था क मुताबिक करम किहे स नाहीं बहोतउ विधी क अपनाये स जेसे बिसवास कीन्ह गवा अहइ। ²⁸मनई व्यवस्था क मुताबिक काम कइके नाहीं मुला बिसवास स धर्मी बनत ह।

²⁹का परमेस्सर सिरिफ यहूदियन क अहइ? का उ ओन्हन क ना होइ जे गैर यहूदियन अहई? हाँ उ ओन्हन क अहइ जे गैर यहूदियन होई। ³⁰चूँकि केवल एक ही परमेस्सर अहइ। उ यहूदियन, का ओनकर बिसवास क द्वारा सही बनवाई, अउर उ गैर यहूदियन क भी ओनकर बिसवास क द्वारा सही बनवाई। जे ओहमाँ बिसवास करी उहइ धर्मी कहा जाई। ³¹तउ का मई बिसवास क द्वारा व्यवस्था क विफल करत अही? ना बिल्कुलै नाहीं बल्कि हम पचे तउ व्यवस्था का अउर सक्तीवाला बनवत अही।

इब्राहीम क उदाहरण

4 त फिन हम का कही कि हमरे सररी क पिता इब्राहीम क एहमाँ का मिला? ²काहेकि अगर इब्राहीम क ओकरे कामे क कारण धर्मी ठहरावा जात ह त ओका गरब करइ क बात रही। परन्तु परमेस्सर क सामने उ सही में गरब नाहीं कइ सकत। ³पवित्तर सास्तर का कहत ह, “इब्राहीम तउ परमेस्सर में बिसवास किहसे अउर उ ओकर धार्मिकता गना गवा।”*

⁴काम करइवालन क मजदूरी देब कउनउ दान नाहीं बा, उ तउ ओनकर अधिकार अहइ। ⁵परन्तु अगर केउ काम करइके बजाय उ परमेस्सर में बिसवास करत ह, जउन पापी क केउ छोड़ देत, तउ ओकरे बिसवास ओनकर धार्मिकता क कारण बन जात ह। ⁶अइसे ही दाऊद उ मनई क धन्य मानत ह जेका करमन क आधार क बिना परमेस्सर धर्मी मानत ह। उ जब कहत ह:

⁷“उ धन्य अहई जेनके व्यवस्था रहित कामन क छमा मिली अउ जेनके पापन क मूँद दीन्ह गवा

⁸ उ मनई धन्य अहई जेनके पापन क परमेस्सर गिनेस नाहीं।”

भजन संहिता 32:1-2

⁹तब का इ धन्यपन केवल ओनहीं क बरे बा जेनकर खतना भवा बा, य ओनके बरे उ सबइ जेनकर खतना नाहीं भवा। (हाँ, इ ओनपइ उ लागू होत ह जेनकर खतना नाहीं भवा बा।) काहेकि हम सबइ तउ कहे अही इब्राहीम क बिसवास इ ओकर धार्मिकता गिना गवा। ¹⁰तउ इ कब गिना गवा जब ओकर खतना होइ चुका रहा। या जब उ बगैर खतना क रहा नाहीं खतना होइके पाछे नाहीं बल्कि खतना होइके स्थिति स पहिले। ¹¹अउ फिन एक चिन्ह क रूप में उ खतना ग्रहण किहसे। जउन उ बिसवास क परिणाम सरूप धार्मिकता क एक छाप रही जउन उ ओह समइ दरसाए रहा जब ओकर खतना नाहीं भवा रहा। इही बरे उ ओन्ही सबन क पिता रहा जउन यद्यपि बिना खतना क रहेन परन्तु बिसवासी अहई। (इही बरे उ सबइ धर्मी गिना जइहीं) ¹²अउर उ ओनकर भी पिता अहइ जेनकर खतना भवा बा परन्तु जउन हमारा लोगन पूर्वज इब्राहीम क बिसवास क ही मारग क जेका उ खतना होइ स परगट किहे रहेन, अनुसरण करत हैं।

बिसवास अउर परमेस्सर क बचन

¹³इब्राहीम या ओकर बंसजन क इ बचन कि उ पचे संसार क उत्तराधिकारी होइहीं, व्यवस्था स नाहीं मिला रहा बल्कि उ धार्मिकता स मिला रहा जउन बिसवास क जरिये पैदा होत ह। ¹⁴अगर जे व्यवस्था क मानत हैं, उ जगत क उत्तराधिकारी अहई तउ बिसवास क कउनउ मतलब नाहीं रहत ह अउर परमेस्सर की प्रतिग्या बेकार होइ जात ह। ¹⁵लोगन के जरिये व्यवस्था क पालन न किहे जाइसे परमेस्सर क किरोध उपजत ह परन्तु जहाँ व्यवस्था इ नाहीं बा उहाँ व्यवस्था क तोड़बड़ का?

¹⁶इही बरे सिद्ध अहइ कि परमेस्सर क प्रतिग्या बिसवास क फल अहइ (अउर यह सेतमेंत में ही मिलत

बाटइ) सो ओकर प्रतिग्या इब्राहीम क सबहिँ बंसजन क बरे सुनिस्चित बा, न केवल ओनके बरे जे व्यवस्था पर बिसवास करत हीं बल्कि ओन सबक बरे भी जउन इब्राहीम क समान बिसवास रखत हीं। उ हम सबका पिता अहइ।¹⁷पवित्तर सास्तरन बतावत ह, “मई तोहका (इब्राहीम) कइयउ राष्ट्र क पिता बनाएउँ।” * उ परमेस्सर क दिस्ती मँ उ इब्राहीम हमार पिता अहइ जेह पर ओकर बिसवास बा। परमेस्सर जउन मरे हुवन क जीवन देत ह, अउर जो वस्तुअन अहई ही नहीं, ओनकर नाम अइसे लेत है जइसे मानों उ अहई।

¹⁸सभन मनइयन क आसा क विरुद्ध अपने मने मँ आसा सँजोए भए इब्राहीम ओहमँ बिसवास किहेस इही बरे उ कहा गवा क अनुसार कइयउ राष्ट्र क पिता बना। “तोहार अनगिनत बंसज होइहीं।” *¹⁹इब्राहीम लगभग 100 बरिस क होइ गवा रहा, अउर ओकर सरीर बच्चा पइदा करे जोग नार्ही रहा। सारा भी बच्चा पइदा नार्ही कइ सकत रही। एह बरे सोचेस, लेकिन ओकर बिसवास डगमागात नार्हीं।²⁰परमेस्सर क बचन मँ बिसवास बनाए रखेस एतना ही नार्हीं बिसवास क अउर मजबूत करत भवा परमेस्सर क महिमा दिहेस।²¹ओका पूरा भरोसा रहा कि परमेस्सर ओका जउन बचन दइ दिहेस ओका पूरा करइ मँ पूरे तरह समरथ बा।²²इही बरे, “इ बिसवास ओकर धार्मिकता गिना गवा।” *²³पवित्तर सास्तर क इ बचन कि बिसवास ओकर धार्मिकता गिना गवा, केवल ओनके बरे बा²⁴बल्कि हमरे बरे भी बा परमेस्सर हमका, जउन ओहमँ बिसवास रखत हीं, धार्मिकता स्वीकार करी। काहेकि हम बिसवास करत ह कि उ हमार पभू ईसू मसीह क फिन स जिन्दा किहेस।²⁵ईसू जेका हमरे पापन क बरे मारा जाइ क सौंपा गवा अउर हमका धर्मी बनावइ क बरे, मरा हुवन मँ स फिन स जिन्दा कीन्ह गवा।

परमेस्सर क पिरेम

5 काहेकि हम अपने बिसवास क कारण परमेस्सर बरे धर्मी होइ ग अही, तउ अपने पभू ईसू मसीह क जरिये हमार परमेस्सर स मेल होइ गवा बा।²उही क जरिये बिसवास क कारण ओकरे जउन अनुग्रह मँ हमार स्थिति बा, ओह तलक हमार पहुँच होइ गइ रही। अउर हम परमेस्सर क महिमा क कउनउ आसा पावइ क आनन्द लेइत ह।³एँतनइ नार्हीं हम आपन विपत्तियन मँ आनन्द लेइत ह। काहेकि हम जानित ह कि विपत्ति धीरज क जनम देत ह।⁴अउर धीरज स खरा चरित्र निकरत ह। खरा चरित्र स आसा क जनम होत ह।

“मई ... बनाएउँ” उत्पत्ति 17:5

“तोहार ... होइहीं” उत्पत्ति 15:5

“इ ... गवा” उत्पत्ति 15:6

⁵अउर आसा हमका निरास नार्हीं होइ देत ह काहेकि पवित्तर आतिमा क जरिये, जउन हमका दीन्ह गवा बा, परमेस्सर क पिरेम हमरे हिरदय मँ उडेर दीन्ह गवा बा।

⁶काहेकि हम जब अबहीं कमजोर ही रहेन ठीक समइ पर हम भक्तहीनन बरे मसीह तउ आपन बलिदान दिहेस।⁷अब देखा केहू धर्मी मनइयन क बरे उ केउ कठिनाइ स मरत ह। केहू धर्मी मनई क बरे आपन परान तियागइ क साहस तउ केउ कई सकत ह।⁸मुला परमेस्सर तउ हमपे आपन पिरेम देखायेस। जबकि हम तउ पापी ही रहे; परन्तु ईसू त हमरे बरे परान तजि दिहेस।⁹काहेकि अब जब हम ओकरे लहू क कारण धर्मी होइ ग अही तउ अब ओकरे जरिये परमेस्सर क किरोध स जरूर इ बचावा जइहीं।¹⁰काहेकि जब हम ओकर बैरी रहे उ अपने मऊत क जरिये परमेस्सर स हमार मेलमिलाप करायेस तउ अब तउ जब ते हमार मेलमिलाप होइ चुका बा ओकरे जीवन स हमार अउ केतनी जियादा रच्छा होइ।¹¹एँतनइ नार्हीं बा हम अपने पभू ईसू मसीह क जरिये परमेस्सर क भक्ति पाइ क अब ओहमँ आनन्द लेइत ह।

आदम अउर मसीह

¹²इही बरे एक मनई (आदम) जरिये जइसेन धरती पे पाप आवा अउर पाप स मउत अउ एह तरह मउत सब जने क बरे आइ काहेकि सबहिँ पाप किहे रहेन।¹³अब देखा व्यवस्था क आवइ स पहिले जगत मँ पाप रहा परन्तु जब तक कउनउ व्यवस्था नार्हीं होत कउनो क पाप नार्हीं गिना जात¹⁴मुला आदम स लइके मूसा क समइ तक मउत सब पर राज करत रही। मउत ओन सबहिँ प वइसे ही हावी रही जउन लोग पाप नार्हीं किहे रहेन जइसे आदम प।

आदम भी वइसा ही रहा जइसा उ जउन (मसीह) क अवाई रही।¹⁵परन्तु परमेस्सर क बरदान आदम क अपराध जइसेन नार्हीं रहा काहेकि अगर उ एक मनइ क अपराध क कारण सभन लोगन क मउत भइ तउ एक मनई ईसू मसीह क करुणा क कारण परमेस्सर क अनुग्रह अउ बरदान सभन लोगन क भलाई बरे केतना कछू अउर जियादा मिला बा।¹⁶अउर इ बरदान उ पापी क जरिये लियावा गवा परिणाम क समान नार्हीं बा काहेकि सजा क बरे नियाउ क आगमन एक अपराध क पाछे भवा रहा। परन्तु इ बरदान, जउन दोसमुक्ति कइँती लइ जात ह, कइयउ अपराधन क पाछे आइ रहा।¹⁷अउर अगर एक मनई क उ अपराध क कारण मउत क सासन होइ गवा। तउ जउन परमेस्सर क अनुग्रह अउर ओकरे बरदान क जियादा क-जेहमें धर्मी क निवास बा उपभोग करत बाटेन उ तउ जीवन मँ उहइ एक मनई ईसू मसीह क जरिये अउर जियादा सासन करिहीं।

¹⁸तउ जइसेन एक अपराध क कारण सभन लोग दोसी ठहरावा गएन ओइसन ही ईसु क एक धरम क काम क जरिये सबके बरे परिणाम में अनन्त जीवन बरदान करइवाली धार्मिकता मिली। ¹⁹अउर जइसेन उ एक मनई क अपराध क कारण सब जने पापी बनाइ दीन्ह गएन वोइसहीनइ उ एक मनई क आग्या मानइ क कारण सब जने धर्मी उ बनाइ दीन्ह जइहीं। ²⁰व्यवस्था क आगमन इही बरे भवा कि अपराध बड़ी पावइँ। परन्तु जहाँ पाप बढ़ा, उहाँ परमेस्सर क अनुग्रह अउर भी जियादा बाढ़इ। ²¹ताकि जइसेन मउत क जरिये पाप राज्य किहेस ठीक वइसेन ही हमरे परभू ईसू मसीह क जरिये अनन्त जीवन क लियावइ बरे परमेस्सर क अनुग्रह धार्मिकता क जरिये राज्य करइ।

पाप क बरे मरा भवा मसीह में जीवित

6 तउ फिन हम का कही? का हम पापइ करत रही ताकि परमेस्सर क अनुग्रह बढत रहइ? ²निश्चय ही नाहीं। हम जउन पाप क बरे मर चुका अही पाप में ह कइसेन जियब? ³या का तू नाहीं जानत अहा कि हम, जे मसीह ईसू में बपतिस्मा लिहे अही, ओकरी मउत क ही बपतिस्मा लिहे अही। ⁴तउ ओकरी मउत में बपतिस्मा लेइ स ही हम हू ओनके साथे गाड़ दीन्ह गवा रहे। ताकि जइसेन परमपिता क महिमामय सक्ति के जरिये मसीह क मरा हुवन में स जियाइ दीन्ह गवा रहा, वइसन ही हमहू एक नवा जीवन पावाह।

⁵काहेकि जब हम ओनके मउत में ओकरे साथे रहे अही तउ ओकरे जइसेन फिन स उत्थान में उ ओकरे साथे रहब। ⁶हम इ जानित ह कि हमार पुराना जीवन मसीह क साथे ही क्रूस प चढ़ाइ दीन्ह गवा रहा ताकि पापमय आत्मा नस्त होइ जाइ। अउर हम आगे क बरे पाप क दास न बना रही। ⁷काहेकि जउन मर गवा उ पाप क बन्धन स छुटकारा पाइ गवा।

⁸अउर काहेकि हम मसीह क साथे मर गए, तउ हमार बिसवास बा कि हम उही क साथे जियब। ⁹हम जानित ह कि मसीह जेका मरा हुआ मैं स जिन्दा कीहेन रहा गवा अउर फिन नाहीं मर सकत, अमर अहइ। ओह पर मउत क बस कभउँ न चली। ¹⁰जउन मउत स उ मरा बा, उ एक बार अउर सदा बरे पाप क बरे मरा बा परन्तु जउन जीवन उ जिअत ह, उ जीवन, परमेस्सर क बरे बाटइ। ¹¹इही तरह तू अपने बरेऊ सोचा कि तू पाप क बरे मर चुका अहा परन्तु मसीह ईसू मैं परमेस्सर क बरे जिअत अहा।

¹²इही बरे तोहर नास होइवाला सररीरन क उपपर पाप क बस न चलइ। ताकि तू उन चीजन का गुलाम न बना जेका तोहार पातकी अहम चाहत ह। ¹³अपने सररीर क अंगन क अधर्म क सेवा क बरे पाप क हवाले न करा बल्कि मरा हुवन में स जी उठइवालन क समान

परमेस्सर क हवाले कइ द्या। अउ अपने सररीर क अंगन क धार्मिकता क सेवा क साधन क रूप में परमेस्सर क हवाले कइ द्या। ¹⁴तोह पे पाप क सासन न होइ काहेकि तू व्यवस्था क सहारे नाहीं जिअत अहा बल्कि परमेस्सर क अनुग्रह क सहारे जिअत अहा।

धार्मिकता क सेवक

¹⁵तउ हम का करी? का हम पाप करी? काहेकि हम व्यवस्था क अधीन नाहीं, बल्कि परमेस्सर क अनुग्रह क अधीन जिअत अही। निश्चय ही नाहीं। ¹⁶का तू नाहीं जानत अहा कि जब तू कीहीउ क आज्ञा मानइ क बरे अपने आप क दास क रूप में ओका सँउपि देत ह तउ तू दास अहा। उ मनई जेकर आज्ञा मानत अहा तोहार स्वामी अहइ! या परमेस्सर क आज्ञा भावा। पाप स आध्यात्मिक मउत होत ह। मुला परमेस्सर क हुकुम मानइ स नेकी कइँती लइ जात ह। फिन चाहे तू पाप क दास बना। ¹⁷परन्तु परभू क धन्यवाद बा कि यद्यपि तू पाप क दास रहया, तू अपने मन स ओन्हन उपदेसन क रीति क मान्या जउन तोहे सौँपा गवा रहेन। ¹⁸तोहे पाप स छुटकारा मिलि गवा अउ तू धार्मिकता क सेवक बन गया। ¹⁹(मई एक ठु मानवीय उदाहरण देइत ह जेका सभन लोग समाझि सकई काहेकि ओका समझब तू लोगन क बरे कठिन बा।) काहेकि तू अपने सररीर क अंगन क अपवित्तर अउ व्यवस्थाहीनता क आगे ओनके दास क रूप में सौँप दिहे रहया जेसे व्यवस्थाहीनता पैदा भई, अब तू लोग ठीक वइसेन ही अपने सररीर क अंगन क दास क रूप में धार्मिकतइ क हाथन में सौँप द्या ताकि कुल समर्पण पैदा होइ।

²⁰काहेकि तू जब पाप क दास रहया तउ धार्मिकता कइँती स तोहे प कउनउ बन्धन नाहीं रहा। ²¹अउर देखा ओह समइ तोहे कइसेन फल मिला? जेकरे बरे आनु तू सर्मिन्दा अहा। जेकर अन्तिम परिणाम मउत बा। ²²परन्तु अब तोहे पाप स छुटकारा मिलि चुका बा अउ परमेस्सर क दास बनाइ दीन्ह अहा गवा अहा तउ जउन खेती तू काटत अहा, तोहे परमेस्सर क बरे कुल समर्पण मैं लइ जाइ। जेकर अन्तिम परिणाम बा अनन्त जीवन। ²³काहेकि पाप क मूल्य तो बस मृत्यु ही अहइ। जबकि हमार परभू मसीह ईसू मैं अनन्त जीवन, परमेस्सर क सेंटमेत क बरदान बाटइ।

विवाह क दिस्तान

7 भाइयो तथा बहििनियो, का तू नाहीं जानत अहा (मई ओन्हन सबन स कहत अही जउन व्यवस्था क जानत हीं) कि व्यवस्था क सासन कीहीउ मनई पे तबहिँ तलक बा जब तलक उ जिअत ह? ²उदाहरण क बरे एक विवाहिता स्त्री अपने पति क साथे व्यवस्था क अनुसार तबहिँ तलक बंधी बा जब तलक उ जिन्दा बा

परन्तु अगर ओकर पति मरि जात ह तउ उ बियाह सम्बन्धी व्यवस्था स छूट जात ह।³पति क जितत ही अगर कीहीउ दुसरे पुरुस स सम्बन्ध जोड़त ह ओका व्यभिचारिणी कहा जात ह परन्तु अगर ओकर पुरुस मरि जात ह तउ बियाह सम्बन्धी नियम ओह पे नाहीं लागत अउ इहीं बरे अगर उ दुसरे मनई क होइ जात ह तउ उ व्यभिचारिणी नाहीं बा।

⁴मोरे भाइयो तथा बहिनियो, अइसन ही इ मसीह क देह क जरिये व्यवस्था के बरे तुहउँ मरि चुका अहा। इही बरे अब तुहउँ कीहीउ दुसरे स नाता जोड़ि सकत ह। ओसे जेका मरा हुवन में स पुनर्जीवित कीन्ह गवा अहइ। ताकि हम परमेस्सर क बरे करमन क अच्छी खेती कइ सकित ह।⁵काहेकि जब हम मानुस सुभाव क अनुसार जितत रहे, हमार पाप-पूर्ण वासना जउन व्यवस्था क जरिये आइ रहीं, हमरे अंगन पर हावी रही। ताकि हम करमन क अइसेन खेती करी जेकर अन्त आध्यात्मिक मउत में होत ह।⁶परन्तु अब हमका व्यवस्था स छुटकारा दइ दीन्ह गवा बाटइ काहेकि जउन व्यवस्था क अधीन हमका बन्दी बनावा ग रहा, हम ओकरे बरे मरि चुका आहीं। अउ अब पुरान लिखित व्यवस्था स नाहीं, बल्कि आत्मा क नई रीति स प्रेरित होइके हम अपने परमेस्सर क सेवा करित ह।

पाप स लड़ाई

⁷त फिन हम का कही? का हम कही कि व्यवस्था पाप अहइ? निश्चय ही नाहीं। जउन भी होइ, अगर व्यवस्था नाहीं होत तउ मई पहिचान नहीं पाइत कि पाप का अहइ? अगर व्यवस्था न बतावत, “जउन उचित नाहीं बा लालच जिन करा तउ निश्चय ही मई पहिचान नाहीं पाइत कि जउन उचित इच्छा नाहीं अहइ का बा।”^{*} ⁸परन्तु पाप मौका पावत ही व्यवस्था का लाभ उठावत भवा मोहमाँ गलत सबइ इच्छा क भर दिहेस जउन अनुचित बरे रहिन।⁹एकसमइ मई बिना व्यवस्था क ही जिन्दा रहेउँ, परन्तु जब व्यवस्था क आदेस आवा तउ पाप जीवन में उभरिके आवा।¹⁰अउर मई मर गएउँ। उहइ व्यवस्था क आदेस जउन जीवन देइ बरे रहा, मोरे बरे मउत लइ आवा।

¹¹काहेकि पाप क अउस मिलि गवा अउर उ उहइ व्यवस्था क आदेस क जरिये मोका छलेस अउर उहइ जरिये मोका मार डाएस।

¹²इही तरह व्यवस्था पवित्तर बा अउर उ आदेस पवित्तर, धर्मी अउर उत्तम बा।¹³तउ फिन का एकर मतलब इ बाटइ कि जउन उत्तम बा, उहइ मेरी मउत क कारण बन गवा? निश्चय ही नाहीं। बल्कि पाप उ उत्तम क जरिये मोरे बरे मउत क कारण एह बरे बना

कि पे क पाहिचाना जाइ सकइ। अउर व्यवस्था क जरिये ओकर खौफनाक पाप क पूर्णता देखौइ दीन्ह जाइ।

मानसिक द्रष्ट

¹⁴काहेकि हम जानित ह कि व्यवस्था तउ आत्मिक अहई अउर मई हाइ माँस क बना भवा भौतिक मनई अहउँ जउन पाप क दास्ता बरे बिका भआ हउँ।¹⁵मई नाहीं जानित मई का करत हउँ काहेकि मई जउन करइ चाहित हउँ नाहीं करत हउँ, बल्कि मोका उ करे पड़त ह, जेसे मई छिना करत हउँ।¹⁶अउ अगर मई उहइ करत हउँ जउन मई नाहीं करइ चाहित ह तउ मई अंगीकार करत हउँ कि व्यवस्था उत्तम बा।¹⁷परन्तु सही में उ मई नाहीं हउँ जउन इ सब कछू करत बा, बल्कि उ पाप मोरे भितरे बसा पाप बा।¹⁸हाँ, मई जानित अहउँ कि मोरे में भौतिक मानुस सरीर में कउनउ अच्छी चीजे क बास नाहीं अहइ। नेकी करइ क इच्छा तउ मोहमाँ अहइ पर नेक काम मोसे नाहीं होत।¹⁹काहेकि जउन अच्छा काम मई करइ चाहित ह, मई नाहीं करित अहउँ बल्कि जउन मई नाहीं करइ चाहित, उहइ सबइ मई खराब काम करइ नाहीं चाहित ह मई नाहीं करित बल्कि जउन मई नाहीं करइ चाहित, उहई सब खराब काम मई करित हउँ।²⁰अउर अगर मई उहइ काम करित ह जेका करइ नाहीं चाहित ह तउ सही में ओकर कर्ता जउन ओहरे करत ह, मई नाहीं हउँ, बल्कि उ पाप अहइ जउन बसा बा।

²¹इही बरे मई अपने में इ नियम पाइत ह कि मई जब अच्छा करइ चाहित ह, तउ अपने में बुराई क ही पाइत ह।²²आपन अन्तरात्मा में मई परमेस्सर क व्यवस्था क खुसी स मानित ह।²³पर अपने सरीर में मई एक दुसरे ही व्यवस्था क काम करित देखित ह इ मोरे चिन्तन पे सासन करइवाली व्यवस्था स युद्ध करत ह अउर मोका पाप क व्यवस्था क बन्दी बनाइ लेत ह। इ व्यवस्था मोरे सरीर में क्रिया करत रहत ह।²⁴मई एक अभागा इंसान हउँ। मोका एह सरीर स, जउन मउत क निवाला बा, ओसे छुटकारा कउन देवाई? ²⁵परमेस्सर मोका बचइहीं। अपने पभू ईसू मसीह क जरिये मई परमेस्सर क धन्यवाद करित हउँ।

तउ अपने हाइ माँस क सरीर स मई पाप क व्यवस्था क गुलाम होत भए उ आपन बुद्धि स परमेस्सर क व्यवस्था क सेवक अहउँ।

आत्मा स जीवन

8 एह तरह अब ओनके बरे जउन मसीह ईसू में स्थित बाटेन ओनके बरे, कउनउ दण्ड नाहीं बा।²काहेकि आत्मा क व्यवस्था त जउन मसीह ईसू में जीवन देत ह, मोका पाप क व्यवस्था स जउन मउत क तरफ लइ

जात ह, स्वतन्त्र कई दीन्ह बा।³जेका मूसा क उ व्यवस्था जउन मनई क भौतिक सुभाज क कारण कमजोर बनाइ दीन्ह गइ रही, नाहीं कई सकी ओका परमेस्सर अपने पूत क हमरेन जइसे सररीर में पठइ क जेहसे हम पाप करित ह-ओकर भौतिक देह क पापवाली बनाइ क पाप क खतम कइके पूरा किहेस।⁴जेहसे कि हमरे जरिये, देहे क भौतिक पातकी अहम स नाहीं, बल्कि आतिमा क विधि स जितत हीं व्यवस्था क जरूरत पूरी कई जाइ सकइ।

⁵काहेकि उ सबइ जउन अपने भौतिक मनई सुभाज क अनुसार जितत हीं, ओनकर भौतिक मनई सुभाज क इच्छन पर टिकी रहत ह परन्तु उ जउन आतिमा क अनुसार जितत हीं, ओनकर बुद्धि जउन आतिमा चाहत ह ओनहिन इच्छा में लगी रहत ह।⁶भौतिक मनई सुभाज क बस में रहइवाला मने क अन्त मउत अहइ, परन्तु आतिमा क बस में रहइवाली बुद्धि क परिणाम अहइ जीवन अउ सान्ति।⁷इही तरह भौतिक मनई सुभाज स अनुसासित मन परमेस्सर क विरोधी अहइ। काहेकि उ न तउ परमेस्सर क व्यवस्था क अधीन बा अउ न होइ सकत ह।⁸अउर उ जउन भौतिक मनई सुभाज क अनुसार जितत हीं परमेस्सर क खुस नाहीं कइ सकत हीं।

⁹परन्तु तू पचे भौतिक मनई सुभाज क अधीन नाहीं अहा, बल्कि आतिमा क अधीन अहा अगर सही में तोहमे परमेस्सर क आतिमा क निवास बा। परन्तु अगर कउनो में ईसू मसीह क आतिमा नाहीं बा त उ मसीह क नाहीं बा।¹⁰दूसरे कईती अगर तोहमाँ मसीह अहइ तउ चाहे तोहरे देह पाप क बरे मरि चुकी होइ बा पवित्तर आतिमा परमेस्सर क साथे तोहे धार्मिक ठहराइ क खुद तोहरे बरे जीवन बन जात ह।¹¹अउर अगर उ आतिमा जे ईसू क मरे हुवन में स जियाए रही, तोहरे भितर बास करत ह, तउ उ परमेस्सर जे ईसू क मरे हुवन में स जियाए रहा, तोहरे नासमान सररीरन क आपन आतिमा स जउन तोहरे ही भितर बसत ह, जीवन देई।

¹²इही बरे भाइयो तथा बहिनियो, हम पे एह भौतिक मनइ सुभाज तउ अहइ परन्तु अइसेन नाहीं कि हम एकरे अनुसार जिई।¹³काहेकि अगर तू भौतिक मनइ सुभाज क अनुसार जीब्या तब मरब्या। अगर तू आतिमा क जरिये सररीर क व्यवहारन क अन्त कइ देब्या तउ तू जी जाब्या।¹⁴जउन परमेस्सर क आतिमा क अनुसार चलत हीं, उ सबइ परमेस्सर क संतान अहइ।¹⁵काहेकि उ आतिमा जउन तोहे मिली बा, तोहे फिन स दास बनिके डेराइ बरे नाहीं बा, बल्कि उ आतिमा जउन तू पाए अहा तोहे परमेस्सर क संपालित सन्तान बनावत ह। जेसे हम पुकार उठित ह, "हे अब्बा, हे परमपिता।"¹⁶उ पवित्तर आतिमा खुद हमरे आतिमा क साथे मिलिके

साच्छी देत ह कि हम परमेस्सर क सन्तान अही।¹⁷अउ काहेकि हम ओकर सन्तान अही, हमहूँ उत्तराधिकारी अही, परमेस्सर क उत्तराधिकारी अउर मसीह क साथे हम उत्तराधिकारी अगर सही में ओकरे साथे दुख उठावत अहीं तउ हमका ओकरे साथे महिमा मिली ही।

हमका महिमा मिले

¹⁸काहेकि मोरे बिचार में एह समइ क हमार सबइ यातना क परगट होइवाली भावी महिमा क आगे कछूउ नाहीं बा।¹⁹काहेकि इ सिस्टी बड़ी आसा स ओह समइ क इन्तजार करत बाटइ जब परमेस्सर क संतान क परगट कीन्ह जाई।²⁰इ सिस्टी निःसार रही अपने इच्छा स नाहीं, बल्कि ओकरी इच्छा स जे एका एह परिवर्तन क अधीन किहेस²¹कि इहउ कभउँ आपन बिनासमान होइ स छुटकारा पाइ क परमेस्सर क सन्तान क सानदार स्वतन्त्रता क आनन्द लेई।²²काहेकि हम जानित ह कि आजु तलक समूची सिस्टी प्रसव पीड़ा में कराहत अउ तड़पत रही बाटइ।²³न केवल इ सिस्टी बल्कि हमहूँ जेका आतिमा क पहिला फल मिला बा, अपने भितर कराहत रहे बाटेन। काहेकि हमका ओकरे जरिये पूरी तरह अपनावा जाइ क इन्तजार अहइ कि हमार देह मुक्त होइ जाइ।²⁴हमार उद्धार भवा बा। इही स हमरे मने में आसा बा परन्तु जब हम जेकर आसा करित ह ओका देखि लेइत ह तउ उ आसा नाहीं रहत। जउन देखात बाटइ ओकर आसा कउन कई सकत ह।²⁵परन्तु अगर जेका हम देखत नाहीं अही ओकर आसा करित ह तउ धीरज अउर सहनशीलता क साथे ओकर रस्ता जोहित ह।

²⁶अइसन ही जइसेन हम कराहत अही, आतिमा हमरे दुर्बलता में हमार सहायता करइ आवत ह काहेकि हम नाहीं जानित ह कि हम केकरे बरे पराथना करी! परन्तु आतिमा खुद अइसेन आह भरिके जेकर सबदन में जाहिर नाहीं कीन्ह जाइ सकत हमरे बरे बिनती करत ह।²⁷परन्तु उ जउन लोगन क दिल क देख सकत ह वह जानत ह कि आतिमा क मन्सा का अहइ। काहेकि परमेस्सर क इच्छा स ही उ परमेस्सर क पवित्तर लोग क बरे बीच बिचाऊ करत ह।

²⁸अउर हम जानित ह कि हर परिस्थिति में उ आतिमा परमेस्सर क भक्तन क साथे मिलिके उ काम करत ह जउन भलाइ ही लियावत हीं ओन्हन सबके बरे जेका ओकरे प्रयोजन क अनुसार इ बोलावा गवा बा।²⁹जेका उ पहिले ही चुनेस ओनका पहिलौटी क पूत क रूप में ठहराएस ताकि बहुत स भाइयो तथा बहिनियो! मैं उ पहिलौटी बनि सकइ।³⁰जेनका उ पहिले स निश्चित किहेस उहूँ क उ बोलाएस अउर जेनका उ बोलाएस, ओनका उ धर्मी ठहराएस। अउर जेका उ धर्मी ठहराएस, ओनका महिमा प्रदान किहेस।

परमेस्सर क पिरेम

³¹तउ एका देखत हम का कही? अगर परमेस्सर हमरे पच्छ में बा हमरे विरोध में कउन होइ सकत ह? ³²उ जे अपने पूत तलक क नाही छोड़ेस बल्कि ओका हम सबके बरे मरइ क सउँप दिहैस। उ भला हमका ओकरे साथ अउर सब कछु काहे न देई? ³³परमेस्सर क चुना भआ लोगन पे अइसेन कउन बा जउन दोस लगावइ? उ परमेस्सर ही अहइ जउन ओनका धर्मी ठहरावता ह। ³⁴अइसेन कउन अहइ जउन ओका दोसी ठहरावइ? मसीह ईसू उ अहइ जउन मरि गवा अउर (अउर इहीं स जियादा जरूरी इ बा कि) ओका फिन जियावा गवा। जउन परमेस्सर क दहिनी कईती बइठा अहइ अउर हमरे कईती स बिनती भी करत ह ³⁵कउन अहइ जउन हमका मसीह क पियार स अलग करी? यातना या कठिनाइ या अत्याचार या अकाल या नंगापान या जोखिम या तलवार? ³⁶जइसेन कि सास्तर कहत ह:

“तोहरे (मसीह) बरे सारा दिन हमका मउत क सौंपा जात ह। हम काटी जाइवाली भेड़ जइसेन समझा जाइत ह।”

भजन संहिता 44:22

³⁷तबउ ओकरे जरिये जउन हमसे पिरेम करत ह एन्हन सब बातन में हम एक सानदार विजय पावत अही। ³⁸काहेकि मई मान चुका हउँ कि न मउत अउर न जीवन, न सरगादून अउर न सासन करइवाली आत्मिन न वर्तमान क कउनउ चीज अउर न भविस्स क कउनउ चीज, न आत्मिक सक्ति, ³⁹न कउनउ हमरे उप्पर क, न अउर न हमसे नीचे क, न सिस्टी क कउनउ अउर चीज हमका पर्भू क ओह पिरेम स, जउन हमरे भीतर पर्भू मसीह ईसू बरे बाटइ, हमका अलग कइ सकइ।

परमेस्सर अउर यूहूदियन

9 मसीह में मई सही कहत हउँ। मई झूठ नाही कहित अउर मोर चेतना जउन पवित्र आत्मा क जरिये प्रकासित बा, मोरे साथ मोरे साच्छी देत ह ²कि मोका गहिर दुख बा अउर मोरे मने में मई पीड़ा बा। ³कास मई चाहि सकित कि आपन भाइ-बन्धुवन अउर दुनियाबी सम्बन्धन क बरे मई मसीह क साप अपने ऊप्पर लइ लेइत अउर ओसे अलग होइ जाइत। ⁴जउन इग्राएली बाटेन अउर जेनका परमेस्सर संपालित संतान होइ क अधिकार बा, जउन परमेस्सर क महिमा क दरसन कइ चुका बाटेन, जउन परमेस्सर क करार क भागीदार अहइ। जेनका मूसा क व्यवस्था, सच्ची आराधना अउर बचन प्रदान कीन्ह गवा बा। ⁵पूर्वन उहीं स सम्बन्ध रखत ह अउर मनई सरीर क दिस्टी स मसीह उहीं में

पड़वा भवा जउन सबक परमेस्सर अहइ अउर हमेसा धन्य बा। आमीन!

⁶अइसेन नाही बा कि परमेस्सर आपन बचन पूरा नाही किहे बा काहेकि जउन इग्राएल क बंसज बाटेन उ सभन इग्राएली नाही अहइ। ⁷अउर न तउ इग्राहीम क बंसज होइ क कारण उ सब सच्चइ-मुच्चइ इग्राहीम क संतान अहइ। बल्कि (जइसेन परमेस्सर कहेस) “तोहर बंसज इसहाक क द्वारा आपन परम्परा बड़ावई।” * ⁸मतलब इ नाही अहइ कि प्राकृतिक तउर पे सरीर स पैदा होइवाला बच्चा परमेस्सर क बंसज अहइ, बल्कि परमेस्सर क बचन स प्रेरित होइवाले ओनकर बंसज माना जात हीं।

⁹बचन एह तरह कहा गवा रहा: “निश्चित समइ पे मई लउटब अउर सारा पुत्रवती होई।” *

¹⁰एँतनइ नाही जब रिबका भी एक मनई, हमार पहिले क पिता इसहाक स गर्भवती भइ ¹¹⁻¹²त बेटवन क पैदा होइ स पहिले अउर ओकरे कछु भला बुरा करइ स पहिले कहा गवा रहा जेहसे परमेस्सर क उ प्रयोजन सिद्ध होइ जउन चुनाव स सिद्ध होइ। अउर जउन मनई क करमन पे नाही टिका बल्कि उ परमेस्सर पे टिका बा जउन बोलावइवाला अहइ। रिबका स कहा गवा बा, “बड़का बेटवा छोटे बेटवा क सेवा करी।” * ¹³पवित्र सास्तर कहत ह, “मई याकूब क चुनउँ अउर एसाव क नकार दिहैउँ।” *

¹⁴तउ फिन हम का कही? का परमेस्सर अन्यायी बा? ¹⁵निश्चय ही नाही। काहेकि परमेस्सर मूसा स कहे रहा, “मई जउन कउनो पे उ दया करइ क सूचब, दया देखाउबा। अउ जउन कउनो पे उ अनुग्रह करइ चाहब, अनुग्रह करबा।” * ¹⁶इही बरे न तउ कउनउ क इच्छा अउर प्रयास बल्कि दयालु परमेस्सर पे निर्भर करत ह। ¹⁷काहेकि सास्तर में परमेस्सर तउ फिरौन स कहे रहा: “मई तोहका इही बरे खड़ा किहे रहेउँ कि मई आपन सक्ति तोहमें देखाइ सकी। अउर मोर नाउँ समूची धरती पे घोसित कीन्हा जाइ।” * ¹⁸तउ परमेस्सर जेहका चाहत ह दया करत ह अउ जेका चाहत ह कठोर बनाइ देत ह।

¹⁹तउ फिन तू सायद मोसे कह्या, “अगर हमरे करमन क नियन्त्रण करइवाला परमेस्सर बा त फिन उ ओहमाँ हमार दोस काहे समझत ह?” आखिरकार ओकरी इच्छा क विरोध कउन कइ सकत ह? ²⁰अरे मनई तू

“तोहर .. बढ़ावई” उत्पत्ति 21:12

“निश्चित ... होई” उत्पत्ति 18:10,14

“बड़का ... करी” उत्पत्ति 25:23

“मई ... दिहैउँ” मलाकी 1:2-3

“मई ... करब” निर्ग 33:19

“मई ... जाइ” निर्ग 9:16

कउन होत अहा जे परमेस्सर क उलटि के उत्तर देइ? का कउनउ रचना अपने रचइवालन स पूछ सकत ह कि “तू मोका अइसेन काहे बनाया?”²¹ का कीहीउ कोहार क मिट्टी पे इ अधिकार नाही बा कि उ कीहीऊँ एक लँऊदा स एक भाँड बिसेस प्रयोजन बरे अउ दूसर हीन प्रयोजन बरे बनावइ?

²²परन्तु एहमाँ का बा अगर परमेस्सर त आपन किरोध देखॉवइ अउर आपन सक्ति जतावइ क बरे ओन्हन भाँडन क जउन किरोध क पात्र रहेन अउर जेकरे बिनास होइ क रहा, बड़ा धीरज क साथे सही,²³ उ ओनकइ सहेस ताकि उ भाँडन क लाभ बरे जउन दया क पात्र रहेन अउर जे उ आपन महिमा पावइ बरे बनाए रहा, ओह पे आपन महिमा परगट कइ सकइ।²⁴ मतलब हम जेका उ न केवल यहूदियन में स बोलाएस बल्कि गैर यहूदियन में स भी²⁵ जइसेन कि होसे क किताबे में लिखा बा:

“जउन लोग मोर लोग नाही रहे ओन्हे मई आपन कहबइ। अउर उ स्त्री जउन पिआरी नाही कही गइ मई ओका प्रिया कहबइ।”

होसे 2:23

²⁶“अउर इ उहइ घटी जउने स्थान पे ओन्से कहा गवा रहा, ‘तू पचे मोर परजा नाही अहा।’ उहइ उ जिन्दा परमेस्सर क सन्तान कहवइहीं।”

होसे 1:10

²⁷अउर यसायाह इम्राएल क बारे में पुकार क कहत ह।

“यद्यपि इम्राएल क सन्तान समुद्र क बालू क कणन क समान असंख्य अहइँ तऊँ ओहमाँ स केवल थोड़ क ही बच पइहीं।²⁸ काहेकि पर्भू पृथ्वी पे आपन निआव क पूरी तरह स अउ जल्दी ही पूरा करी।” *

²⁹अउ जइसेन कि यसायाह त भविस्सबाणी किहे रहा:

“अगर सर्वसक्तिमान पर्भू हमरे बरे बंसज न छोड़तेन त हम सदोम जइसे अउर अमोरा जइसे ही होइ जाइत।” *

³⁰तु फिन हम का कही? हम इ नतीजा पे पहुँच अही कि गैर यहूदियन क लोग जउन धार्मिकता क खोज में

नाहीं रहेन, उ धार्मिकता क पाइ गएन। उ पचे जउन बिसवास क कारण ही धार्मिक ठहरावा गएन।³¹ परन्तु इम्राएल क लोग तउ जउन जइसेन व्यवस्था पे चलइ चाहत रहेन जउन ओनका धार्मिक ठहरावत ओकरे अनुसार नाही जी सकेन।³² काहे नाही? काहेकि उ पचे एकर पालन बिसवास स नाही, बल्कि अपने करमन स धर्मी बना चाहत रहेन, उ सबइ ओह चट्टान पे ठोकर खाइ गएन, जउन ठोकर दियावत रही।³³ जइसेन कि पवित्तर सास्तर कहत ह:

“देखा, मई सिन्धोन में एक पत्थर रखत हईं जउन ठोकर दियावत ह अउर एक चट्टान जउन पाप करावत ह। परन्तु उ जउन ओहमाँ बिसवास करत ह, ओका कभई निरास न होइ क होई।”

यसायाह 8:14; 28:16

10 भाइयो तथा बहिनियो, मोरे हीये क इच्छा बा अउर मई परमेस्सर स ओन्हन सबके बरे पराधना करत हईं कि ओनकर उद्धार होइ जाइ।² काहेकि मई साच्छी देत हईं कि ओहमाँ परमेस्सर क धुन बा। परन्तु उ ज्ञान पे नाही टिकी बा³ काहेकि उ पचे उ धार्मिकता क नाही जानत रहेन जउन परमेस्सर स मिलत अहइ। अउर उ सबइ आपन निजी धार्मिकता क स्थापना क जतन करत रहेन। तउ उ परमेस्सर क धार्मिकता क नाही स्वीकारेन।

⁴मसीह व्यवस्था क अन्त किहेस ताकि हर कउनो क जउन बिसवास करत ह, उ परमेस्सर बरे धार्मिक होइ जाइ।

⁵धार्मिकता क बारे में जउन व्यवस्था स मिलत ह, मूसा लिखे बाटइ, “जउन व्यवस्था पे चली, उ ओनके कारण जिन्दा रही।” *⁶ परन्तु बिसवास स मिलइवाली धार्मिकता क बारे में पवित्तर सास्तर इ कहत ह, “तू अपने स इ न पूछा, ‘सरगे में ऊप्पर कउन जाई?’” (यानि “मसीह क नीचे धरती पे लियावइ”) ⁷“या, ‘नीचे अधोलोक में कउन जाई?’” (यानि “मसीह क मरा हुवन में स ऊपर लियावइ?”) ⁸पवित्तर सास्तर इ कहत ह: “बचन तोहरे लगे बा, तोहरे ओठन पे बा अउन तोहरे मने में बा।” * यानि बिसवास क वह बचन जेकर हम प्रचार करत अही, ⁹कि अगर तू अपने मुँह स घोसित करा, “ईसू मसीह पर्भू अहइ”, अउर तू अपने मने में इ बिसवास करा कि परमेस्सर तउ ओका मरा हुवन में स जिन्दा किहेस तउ तोहार उद्धार होइ जाई। ¹⁰काहेकि अपने हृदय क बिसवास स मनई धार्मिक ठहरावा जात ह

“यद्यपि ... करी” यसा 10:22-23

“अगर ... जाइत” यसा 1:9

“जउन ... रही” लैव्य 18:5

पद 6-8 व्यवस्था 30:12-14

अउर अपने मुँहे स ओकरे बिसवास क स्वीकार करइ स ओकर उद्धार होत ह। ¹¹पवित्तर सास्तर कहत ह, “जउन केऊ ओहमाँ बिसवास रखत ह ओका निरास न होइ पड़ी।” * ¹²इ एह बरे बा कि यहूदी अउर गैर यहूदी में कउनउ भेद नाहीं काहेकि सब क पर्भू तउ एकइ अहइ। अउर ओकर दया ओन्हन सब क बरे, देत ह जउन ओकर नाउँ लेत हीं, अपरम्पार बा। ¹³पवित्तर सास्तर कहत ह, “हर केऊ जउन पर्भू क नाउँ लेत हीं, उद्धार पइहीं।” * ¹⁴परन्तु उ सबइ जउन ओहमाँ बिसवास नाहीं करतेन, ओकर नाउँ कइसे पुकरिहीं? अउर उ पचे जउन ओकरे बारे में सुनेन नाहीं, ओहे में बिसवास कइसे कइ पइहीं? अउर फिन भला जब तलक केऊ ओनका उपदेस देइवाला न होइ, उ पचे कइसे सुन सकिहीं? ¹⁵अउ उपदेसक तब तलक उपदेस कइसे दइ पइहीं? जब तलक ओनका भेजा न गवा होइ? जइसेन कि पवित्तर सास्तर में कहा बा, “सुसमाचार लियावइ वालन क चरण केतना सुन्दर बाटेन।” *

¹⁶परन्तु सब सुसमाचार क स्वीकार करेन नाहीं। यसायाह कहत ह, “पर्भू हमरे उपदेस क कउन स्वीकार किहेस?” * ¹⁷तउ सुसमाचार क सुनइ स बिसवास उपजत ह अउर सुसमाचार तब सुना जात ह जब केऊँ मसीह क बारे में उपदेस देत ह।

¹⁸परन्तु मई कहत हउँ, “का उ पचे हमरे सुसमाचार क नाहीं सुनेन?” हीं निस्चय ही। पवित्तर सास्तर कहत ह:

“ओनकर स्वर समूका धरती पे फइल गवा अउर ओनकर बचन जगत क एक छोर स दुसरे छोर तलक पहुँचेना।”

भजन संहिता 19:4

¹⁹परन्तु मई पूछित हउँ कि, “का इम्राएली नाहीं समझत रहेन?” मूसा कहत ह:

“पहिले मई तू लोगन क मन में अइसेन लोगन क दूवारा। जउन सही में कउनउ जाति नाहीं अहइ, डाह पैदा करब। मई उ राष्ट्र, जो समझत नाहीं, तोहे किरोध दियाउब।”

व्यवस्था विवरण 32:21

²⁰फिन यसायाह साहस क साथ कहत ह:

“जउन ... पड़ी” यसा 28:16

“हर ... पइहीं” योए 2:32

“सुसमाचार ... बाटेन” यसा 52:7

“पर्भू ... किहेस” यसा 53:1

“मोका ओन्हन सब पाइ लिहेन जउन मोका नाहीं खोजत रहेन। मई ओनके बरे परगट होइ गएँ। जउन मोर खोज खबर में नाहीं रहेन।”

यसायाह 65:1

²¹परन्तु परमेस्सर इम्राएलियन क बारे में कहत रहा, “मई सब दिना आज्ञा न मानइवालन अउर अपने बिरोधियन क आगे हाथ फइलाए रहेँ।” *

परमेस्सर अपने लोगन क नाहीं भूला

11 तउ मई पूछित हउँ, “का परमेस्सर अपने ही लोगन क नकार नाहीं दिहेस?” निस्चय ही नाहीं। काहेकि मई भी एक इम्राएली हउँ, इम्राहीम क बंस स अउर बिन्यामीन क परिवार स हउँ। ²परमेस्सर अपने लोगन क नाहीं नकारेस जेनका उ पहिलेन स ही चुने रहा। या अउर का तू नाहीं जानत अहा कि एलिव्याह क बारे में पवित्तर सास्तर का कहत ह। जब एलिव्याह परमेस्सर स इम्राएल क लोगन क विरोध में पराथना करत रहा? ³हे पर्भू उ पचे नबियन क मार डाएन। तोहरे वेदियन क तोड़ी क गिराइ दिहेन। केवल एक नबी मई ही बचा हउँ अउर उ पचे मोका भी मारि डावइ क जतन करत अहँ।” *

⁴परन्तु तब परमेस्सर ओन्हे कइसेन उत्तर दिहे रहा, “मई अपने बरे 7,000 लोग बचाइ रखे हउँ जउन लोग बाल क आगे माथा नाहीं टेकेन।” * ⁵तउन वइसेन ही आजु कालिहऊ कछू अइसेन लोग बचा बाटेन जउन ओनके अनुग्रह क कारण चुना भआ अहँ। ⁶अउर अगर इ परमेस्सर क अनुग्रह क परिणाम अहइ तउ लोग जउन करम करत हीं, इ ओन्हन करमन क परिणाम नाहीं बा। नाहीं तउ परमेस्सर क अनुग्रह, अनुग्रह ही नाहीं ठहरत।

⁷तउ ऐहसे का? इम्राएल क लोग जेका खोजत रहन, उ सबइ ओका नाहीं पाइ सकेन। परन्तु चुना हुवन क उ मिलि गवा। जब कि बाकी सब क जड़ बनाइ दीन्ह गवा।

⁸पवित्तर सास्तरन कहत ह:

“परमेस्सर तउ ओन्हे एक चेतना सूय कइ दिहेस आलिमा प्रदान किहेस।”

यसायाह 29:10

“अइसेन आँखी दिहेस जउन देखि नाहीं सकत रहिन अउ अइसेन कान दिहेस जउन सुन

“मई ... रहेँ” यसा 65:2

“हे पर्भू ... अहँ” 1राजा 19:10,14

“मई ... नाहीं टेकेन” 1राजा 19:18

नाहीं सकत रहेन। अउर इहइ दसा ठीक आजु तलक बनी भई बा।”

व्यवस्था विवरण 29:4

9दाऊद कहत ह:

“अपनेन भोगन में फंसके उ बन्दी बन जाईं ओनकर पतन होइ अउ ओनका दण्ड मिलइ।
10 ओनकर आँखी धुँधली होइ जाईं ताकि उ पचे देख न सकई अउ तू ओनकर सब पीड़ाके तले, ओनकर करिहाउँ हमेसा-हमेसा निहुराए रखइ।”

भजन संहिता 69:22-23

11तउ मई कहत हउँ का ओ पचे इही बरे ठोकर खाइके उ सब भहराइके नस्त होइ जाईं? निस्चय ही नाहीं। बल्कि ओनकर गलती करइ स गैर यहूदियन क छुटकारा मिला ताकि यहूदियन में स्पष्टा पैदा होइ। 12इही तरह अगर ओनकर गलती करइ क मतलब समूचइ संसार क बड़ा लाभ अहइ अउ अगर ओनके भटकइ स गैर यहूदियन क लाभ अहइ तउ ओनकइ पूरी तरह स संपूर्ण होए स बहुत कछू होइ।

13इ अब मई तोहसे कहत हउँ, जउन यहूदियन नाहीं होई काहेकि मई विसेस रूप स गैर यहूदियन क बरे प्रेरित हउँ, मई अपने काम क बरे पूरा प्रयत्नसील हउँ। 14एह आसा स कि मई अपने लोगन में भी स्पष्टा जगाइ सकउँ अउ ओहमाँ स कछू क उद्धार करउँ। 15काहेकि अगर परमेस्सर क द्वारा ओनके नकार दिहे जाइ स जगत में परमेस्सर क साथे मेलमिलाप पैदा होत ह तउ फिन ओनकर अपनावा जाब का मरा हुवन में स जियावा जाब न होइ?

16अगर हमरी भेंट का एक पहला हिस्सा पवित्तर बा तउ का उ समूचइ पवित्तर नाहीं बा? अगर पेड़ का जड़ पवित्तर बा तउ ओकर सबइ साखा भी पवित्तर बाटिन।

17परन्तु अगर कछू साखा तोड़िके फेंक दीन्ह गइन अउ तू जउन एक जंगली जैतून क टहनी अहा ओह पे पेबन्द चढ़ाइ दीन्ह जाइ अउ उ जैतून क अच्छा पेड़ का खुराक अउर आधार क हिस्सा बाँटइ लगइ। तू सबइ गैर यहूदियन जंगली साखा क तरह अहा अउर तू पचे पहिले पेड़ (यहूदी) क खुराक अउर जीवन बाँटत अहा। 18तउ तोहे ओन्हन टहनियन क आगे, जउन तोड़ी क फेंक दीन्ह गइन, अभिमान न करइ चाही। अउर अगर तू अभिमान करत ह तउ इ याद रखा इ तू नाहीं अहा जे जड़न क पालत बा, बल्कि इ तउ उ जड़ ही अहइ जउन तोहे पालत बाटइ। 19अब तू कहव्या, “हाँ परन्तु सबइ साखा एह बरे तोड़ी गई कि मोर पेबन्द चढ़इ।” 20इ सत्य

अहइ, उ सबइ अपने अबिसवास क कारण तोड़िके फेंक गइन परन्तु तू अपने बिसवास क बल पे आपन जगह टिका रह्या। इही बरे एकर गर्ब न करा बल्कि डेरात रहा। 21अगर परमेस्सर प्राकृतिक डारन नाहीं रहइ दिहेस तउ उ तोहका भी न रहइ देइ।

22इही बरे तू परमेस्सर क कोमलता क देखा, अउर ओकरे कठोरता प धियान द्या। इ कठोरता ओनके बरे बा जउन गिर गएन परन्तु ओकर करुणा तोहरे बरे बा अगर तू अपने पे ओकर अनुग्रह बना रहइ द्या। नाहीं तउ पेड़े स तुहके काटिके फेंका जाव्या। 23अउर अगर उ पचे अपने अबिसवास में नाहीं रहेन तउ ओनहँ फिन पेड़ स जोड़ लीन्ह जाइ काहेकि परमेस्सर समर्थ अहइ कि ओनका फिन स जोड़ देइ। 24जब तोहे प्राकृतिक रूप स जंगली जैतून क पेड़े स एक साखा क तरह कटके प्रकृति क विरुद्ध एक अच्छा जैतून क पेड़े स जोड़ दीन्ह गवा, तउ इ जउन ओह पेड़े क अपना डारिन बाटिन, अपनेन ही पेड़ में आसानी स, फिन स काहे नाहीं जोड़ दीन्ह जा इहीं।

25भाइयो तथा बहिनियो, मई तोहे इ छुपा हुआ सत्य स अंजान नाही रखइ चाहिता। कि तू अपने आप क बुद्धिमान समझइ लाग। कि इम्राएल क कछू लोग अइसेन ही कठोर बनाइ दीन्ह गवा बाटेन। अउर अइसेनइ ही कठोर बना रइहीं जब तलक कि काफ़ी गैर यहूदी लोग परमेस्सर क परिवार क अंग नाहीं बन जातेन। 26अउर एह तरह समूचा इम्राएल क उद्धार होइ जइसेन कि पवित्तर सास्तरन कहत ह:

“उद्धारकर्ता सिब्योन स आइ। उ याकूब क परिवार स सबहिंन बुराइयन क दूर करी।

27 मोर इ करार ओकरे साथे तब होइ जब मई ओनके पापन के हर लेबा।”

यसायाह 59:20-21; 27:9

28जहाँ तलक सुसमाचार क सम्बन्ध बा, उ तोहरे हिते में परमेस्सर क सत्रु अहई। परन्तु जहाँ तलक परमेस्सर क जरिये ओनके चुना जाइ क सम्बन्ध अहइ, उ पचे ओनके पूर्वजन क दिए भए बचन क अनुसार परमेस्सर क पियारा अहई। 29काहेकि परमेस्सर जेका बोलावत ह अउर जेका उ देत ह, ओकरे तरफ स आपन मन कभउँ नाहीं बदलत। 30काहेकि जइसेन तू लोग पहिले कभउँ परमेस्सर क आज्ञा नाहीं मानत रह्या परन्तु अब तोहे ओकर अवज्ञा क कारण परमेस्सर क दया मिली बा। 31वइसेन ही अब उ पचे ओकर आज्ञा नाहीं मानतेन काहेकि परमेस्सर क दया तोहे पे बा ताकि अब ओन्हें भी परमेस्सर क दया मिलइ। 32काहेकि परमेस्सर सब जने के अवज्ञा क कारागार में इही बरे डारि रखे अहइ कि उ ओन सब पर दया देखौय सकइ।

परमेस्सर धन्य अहइ

³³परमेस्सर क करुणा, बुद्धि अउर ज्ञान केतौना अपरम्पार अहइ। ओकरे निआव केतौना गहन बा, ओकर रस्ता केतना गूढ बा। ³⁴पवित्र सास्तर कहत ह:

“परभू क मने क कउन जानत ह? अउर ओका सलाह देइवाला कउन होइ सकत ह?”

यसायाह 40:13

³⁵“परमेस्सर क केऊ का दिहे अहइ कि उ कउनो क ओकरे बदले कछू देइ।”

अय्यूब 41:11

³⁶काहेकि सब क रचनावाला उहइ बा। उही स सब स्थिर बाटेन अउर उ उही क बरे बा। ओकर हमेसा महिमा होइ। आमीन।

आपन जीवन परभू क अरपन करा

12 इही बरे भाइयो तथा बहिनियो, परमेस्सर क दया क याद देवाइके मई तोहसे आग्रह करत हउँ कि अपने जीवन क एक ठु जिन्दा बलिदान क रूप में परमेस्सर को प्रसन्न करत भए अर्पित कइ दया। इ तोहार आत्मिक आराधना अहइ जैसे तू सबन क ओका चुकावइ क होइ। ²अब अउर आगे इ दुनिया क रीति पे जिन चला बल्कि अपने मने क नवा कइके अपने आप क बदल डावा ताकि तू सबन क पता चलि जाइ कि परमेस्सर तू पचन क बरे का चाहत ह। यानि जउन उत्तम बा, जे ओका भावत ह अउर जउन सम्पूर्ण बा।

³इही बरे ओकरे अनुग्रह क कारण जउन उपहार उ मोका दिहे अहइ, ओका धियान में रखत हुए मई तोहमें स हर एक स कहत हउँ, अपने क जइसेन यथा उचित समझा मतलब जेतना बिसवास उ तोहे दिहे अहइ, उही क अनुसार अपने को समझइ चाही। ⁴काहेकि जइसेन हम पचन में स हर एक क सरीर में बहुत स अंग बाटेन। चाहे सब अंगन क काम एक जइसेन नाहीं बाटेन। ⁵हम अनेक अही परन्तु मसीह में हम एक देहे क रूप में होइ जाइत ह। एह तरह हर एक अंग हर दुसरे अंग स जुड़ जात ह। ⁶तउ फिन ओकरे अनुग्रह क अनुसार हमका जउन अलग-अलग उपहार मिला बाटेन, हम ओनकर प्रयोग करी। अगर कउनो क भविस्सबाणी क छमता दीन्ह गइ तो ओहका इस्तेमाल कइ देइ, ओकरे बिसवास क आधार पर। ⁷अगर कउनो क सेवा करइ क उपहार मिला बा तउ अपने आप क सेवा क बरे अर्पित करइ, अगर कउनो क उपदेस का उपहार मिला बा तउ ओका उपदेस क प्रचार में लगावइ चाही। ⁸अगर केऊ सलाह देइ क अहइ तउ ओका सलाह देइ चाही। अगर कउनो क दान देइ क उपहार मिला बा तउ

ओका मुक्त भाउ स दान देइ चाही। अगर कउनो क अगुआई करइ क उपहार मिलत ह तउ लोगन क साथ अगुआई करइ। जेका दया देखावइ क मिली बा, उ खुसी स दया करइ।

⁹तोहार पिरेम सच्चा होइ। बदी स घिना करा। नेकी स जुड़ा। ¹⁰भाइचारे क साथ एक दुसरे क बरे समर्पित रहा। आपस में एक दुसरे क आदर क साथे अपने स जियादा महत्व द्या। ¹¹उत्साही बना, आलसी नाहीं, आतिमा क तेज स चमका। परभू क सेवा करा। ¹²अपने आसा में खुस रहा। विपति में धीरज धरा। निरन्तर पराधना करत रहा। ¹³परमेस्सर क जनन क जरूरतन में हाथ बटावा। अतिथि सत्कार क अउसर ढूँढत रहा।

¹⁴जउन तू सबन क सतावत होई ओन्हे आसीर्बाद द्या। ओन्हे साप न द्या, आसीर्बाद द्या। ¹⁵जउन खुस अहई ओनके साथे खुस रहा। जउन दुखी अहई, ओनके दुखे में दुखी हवा। ¹⁶मेल मिलाप स रहा। अभिमान न करा बल्कि दीनन क संगत करा। अपने क बुद्धिमान न समझा।

¹⁷बुराइ क बदला बुराइ स कउनो क न द्या। सभन लोगन क आँखी में जउन अच्छा होइ उही क करइके सोचा। ¹⁸जहाँ तक तोहसे बन पड़इ सब मनइयन क साथे सान्ति स रहा। ¹⁹कउनो स अपने आप बदला न ल्या। पियारे बन्धुओ, बल्कि एका परमेस्सर क किरोध पे छोड़ द्या काहेकि सास्तर में लिखा बा: “परभू कहेस ह बदला लेब मोर काम बा। प्रतिदान मई देबइ।” * ²⁰“बल्कि तू अगर तोहर दुस्मन भूखा बा तउ ओका भोजन करावा, अगर उ पियासा अहइ तउ ओका पीअइके द्या। काहेकि अगर तू अइसेन करत ह तउ उ तोहसे समिन्दा होई।” * ²¹बदी स न हारा बल्कि अपने नेकी स बदी क हराइ द्या।

13 हर मनई क प्रधान सत्ता क अधीनता अंगीकार करइ चाही। काहेकि सासन क अधिकार परमेस्सर कइँती स बा। अउर जउन अधिकार मौजूद बा ओन्हे परमेस्सर नियत किहे बा। ²इही बरे जउन सत्ता क विरोध करत हीं, उ परमेस्सर क आज्ञा क विरोध करत ह अउर जउन परमेस्सर क आज्ञा क विरोध करत हीं, उ दण्ड पड़हीं। ³अब देखा कउनउ सासक, उ मनई क, जउन नेकी करत हीं, नाहीं डेरातेन बल्कि उही क डेरावत हीं, जउन खराब काम करत हीं। अगर तू सासन स नाहीं डेराइ चाहत ह, तउ भला काम करत रहा। तोहे सत्ता क प्रसंसा मिली। ⁴जउन सासन में अहई उ परमेस्सर क सेवक अहई उ तोहर भला करइ बरे बा। परन्तु अगर तू खराब करत ह तउ ओहसे डेरा काहे? काहेकि ओकर तलवार बेकार नाहीं बाटइ। उ परमेस्सर का

“परभू ... देबइ” व्यवस्था 32:35

“बल्कि ... होई” नीति 25:21-22

सेवक अहइ अउर जो गलत करत ह, वह परमेस्सर क क्रोध लिआवत ह। ⁵इही बरे समर्पण जरूरी बा। न केवल डर क कारण बल्कि तोहरे अपने चेतना क कारण।

⁶इही बरे त तू पचे चुंगी (टिक्स) चुकावत ह काहेकि अधिकारी परमेस्सर क सेवक बाटेन जउन अपने कतव्यन क ही पूरा करइ में लगा रहत हीं। ⁷जेह कउनो क तोहका देइ क बा, ओका चुकाइ द्या। जउन कर तोहका देइ क बा, ओका दया जेकर चुंगी (टिक्स) तोहपे निकरत ह, ओका चुंगी द्या। जेहसे तोहे डेराइ चाही, तू ओसे डेरा। जेकर आदर करइ चाही ओकर आदर करा।

पिरेम इ व्यवस्था अहइ

⁸आपसी पिरेम क अलावा कउनो क ऋण अपने उपर न रखा काहेकि जउन अपने साथियन स पिरेम करत ह, उ एह तरह व्यवस्था क पूरी आज्ञा क मानत ह। ⁹मई इ एह बरे कहत हउँ काहेकि, “व्यभिचार न करा, हतिया न करा, चोरी न करा, लालच न रखा।” * अउ जउनउ दूसरी व्यवस्था होइ सकत ह, इ बचन में समाइ जात ह कि, “तोहे अपने साथी क अइसेन ही पियार करइ चाही, जइसेन तू अपने आप क करत ह।” *

¹⁰पिरेम अपने साथी क बुरा कभउँ नहीं करत। इही बरे पिरेम करब व्यवस्था क पूरा करब बा।

¹¹इ सब कछू त एह बरे करा कि जइसेन समइ में तू रहत ह, ओका जानत अहा। तू जानत अहा कि तोहरे बरे संकट का समइ अहइ अपने नींद स जगावइ क समइ आइ पहुँचा बा, उ समय क तुलना में जब हम पहले बिसवास धारण किहे रहेन तउ हमार उद्धार अब ओसे जियादा लगे बा।

¹²“रात” लगभग पूरी होइ चुकी बा, “दिन” लगे ही बा, इही बरे आवा हम ओन्हन करमन स छुटकारा पाइ लेइ जउन अंधकार क अहइँ। आवा हम प्रकास क अस्त्रन क धारण करी। ¹³आवा हम वइसेन ही अच्छे रीति स रही जइसेन दिन क समइ दिन रहत ह। बहुत जियादा बेमार क दावत में न जात भए खाइ पीइके बुत न होइ जा। लुच्चापना दुराचार व्यभिचार में न पड़ा। न झगड़ा अउर न ही डाह रखा। ¹⁴बल्कि पभूँ ईसू मसीह क धारण करा। अउर आपन भौतिक मनई सुभाउ क सबइ इच्छा क पूरा करइ में ही न लगा रहा।

दुसरन में दोस न निकारा

14 जेकर बिसवास कमजोर बा, ओकर भी स्वागत करा परन्तु वाद विवाद करइके बरे नहीं। ²केउ मानत ह कि उ सब कछू खाइ सकत ह, परन्तु कउनउ

“व्यभिचार ... रखा” निर्ग 20:13-15.17

“तोहे ... करत ह” लैव्य 19:18

कमजोर मनई बस साग-पात इ खात ह। ³जउन हर तरह का खाना खात ह, ओका उ मनइयन क हीन न समझइ चाही जउन कछू चीज नहीं खातेन अइसेन ही वह जो कछू वस्तुअन नहीं खात ह, ओका सब कछू खाइवाले क बुरा नहीं कहइ चाही। काहेकि परमेस्सर उस मनई को स्वीकार कइ लिहे बा। ⁴“तू कउनो दूसरे घरे क दास प दोस लगावइ वाला कउन होत हया? ओकर अनुमोदन या ओका अनुचित ठहरावइ स्वामी पे उ निर्भर करत ह। उ अवलम्बित रही। काहेकि ओका पभूँ तउ अवलम्बित होइके टिका रहइ क सक्ति दिहेस।

⁵अउर फिन कउनउ कीहीउ एक दिन क सब दिना स अच्छा मानत हीं अउर दुसर ओका सब दिनन क बराबर मानत हीं तउ हर कउनो क पूरी तरह अपनी दूढ़ धारणा पर निश्चित रहइ चाही। ⁶जउन कउनो उ विसेख दिन क मानत हीं उ ओका पभूँ क आदर देइ क बरे ही मानत ह। अउर जे सब कछू खात ह उहउ पभूँ क आदर देइ क बरे ही खात ह। काहेकि परमेस्सर क धन्यवाद करत ह। अउर जे कीहीउ चीजन क नहीं खात, उहउ अइसेन इही बरे नहीं करत ह काहेकि उहउ पभूँ क ही आदर देइ चाहत ह। उ भी परमेस्सर क ही धन्यवाद देत ह। ⁷हम पचन में स कउनउ भी न तउ अपने बरे जिअत ह, अउर न अपने बरे मरत ह। ⁸हम जिअत ह तउ पभूँ क बरे अउर अगर मरित ह तउ पभूँ क बरे। तउन चाहे हम जिई चाहे मरी, हम हई तउ पभूँ क ही।

⁹इही बरे मसीह मरा, अउर इही बरे जी उठा ताकि उ, उ जउन अब मरि चुका अहइ, अउर जउन जीवित अहइ दुइनुँ क पभूँ होइ सकइ। ¹⁰तउन तू अपने बिसवास में टिका भवा अपन भाइ पे दोस काहे लगावत ह? या तू अपने बिसवास में कमजोर भाई क हीन काहे मानत ह? हम सभन क परमेस्सर क नियाउ क सिंहासन क आगे होइ क बा। ¹¹पवित्र सास्तरन में लिखा बा:

“पभूँ कहे बा, मोरे जीवन क कसम हर कीहीउ क मोरे सामने घुटना टेकइ होई। अउर हर जुबान परमेस्सर क पहिचानी।”

यसायाह 45:23

¹²तउन हममे स हर एक क परमेस्सर क आगे आपन लेखा-जोखा देइ क होई।

पाप क बरे प्रेरित न करा

¹³तउन हम आपस में दोख लगाउब बन्द करी अउर इ निश्चय करी कि अपने भाई क रस्ता में हम कउनउ अड़चन खड़ी न करबइ अउर न ही ओका पाप क बरे उकसउबइ। ¹⁴पभूँ ईसू में आस्थावान होइके कारण मई मानत हउँ कि अपने आप में कउनउ खाना अपवित्र

नाहीं बा। उ केवल ऊही क बरे अपवित्तर बा, जे ओका अपवित्तर मानत ह। ओकरे बरे ओकर खाब अनुचित बा। ¹⁵अगर तोहर भाई क तोहरे खाना स ठेस पहुँचत ह तउ तू सहीयउ में पियार क व्यउहार नाहीं करत अहा। तउ तू अपने खाना स ओका ठेस न पहुँचावा काहेकि मसीह उ तलक क बरे उ आपन प्रान तजेस। ¹⁶तउन जउन तोहरे बरे अच्छा बा ओका दूसरे लोगन द्वारा निन्दनीय ना बनइ दिया। ¹⁷काहेकि परमेस्सर क राज्य बस खाब-पीयब नाहीं बा, पर धार्मिकता, सान्ति अउर पवित्तर आत्मा स मिला आनन्द में बा। ¹⁸जउन मसीह क एह तरह सेवा करत ह, ओसे परमेस्सर खुस रहत हीं अउर लोग ओका स्वीकार करिहीं।

¹⁹एह बरे हम पचे ओन्हन बातन में लगा रही जउन सान्ति क बढ़ावत ह अउर जेहसे एक दूसरे क आत्मिक बढ़ोतरी में सहायता मिलत ह। ²⁰खाना बरे परमेस्सर क काम क न बिगाड़ा। हर तरह क भोजन पवित्तर अहइ किन्तु कउनो भी व्यक्ति क बरे कछू भी खाना ठीक नाहीं अहइ जउन कउनो अउर भाई क पाप क रास्ते पर लइ जाइ। ²¹मांस नाहीं खाब अच्छा बा, दाखरस नाहीं पिअब अच्छा बा अउर कछू अइसेन नाहीं करब अच्छा बा जउन तोहरे भाई को पाप में ढकेरत ह।

²²अपने बिसवास क परमेस्सर अउर अपने बीच में ही रखा। उ धन्य अहइ जे जउन उही करत ह, जेका उ उचित समझत ह बिना अपने का दोसी समझत भए। ²³परन्तु अगर केउ अइसेन चीजी क खात ह, जेकरे खाइ क बरे उ आस्वस्त नाहीं अहइ तउ उ दोसी ठहरत ह। काहेकि ओकर खाब ओनके बिसवास क अनुसार नाहीं बा अउर उ सब कछू जउन बिसवास पे नाहीं टिका बा, पाप अहइ।

15 हम जउन आत्मिक रूप स सवित्तसाली अही, ओन्हे ओनकर कमजोरी सहइ चाही जउन सवित्तसाली नाहीं अहइं। हम बस अपने आपके उ खुस ना करी। ²हम पचन में स हर एक, दूसरे क अच्छाइयन क बरे इ भावना क साथे कि ओनके समुदाय क आत्मिक बढ़ोतरी होइ, ओन्हे खुस करी। ³इहीं तक कि मसीह तउ खुद क खुस नाहीं किहे रहा। बल्कि जइसेन कि मसीह क बारे में पवित्तर सास्तरन कहत ह, “ओनकर अपमान जे तोहर अपमान किहे अहइँ, मोह पइ आइ पड़ा बा।” * ⁴सब उ बात जउन पवित्तर सास्तरन में पहिले लिखी गइ रहिन, हमका उपदेस देइ क बरे रहिन ताकि जउन धीरज अउ बढ़ावा सास्तरन स मिलत ह, हम ओसे आसा पाइ सकी। ⁵अउर समूचा धीरज अउर बढ़ावा क झोट परमेस्सर तोहे बरदान देइ कि तू पचे एक दूसरे क साथे ईसू मसीह क इच्छा पे चलत-चलत आपस में मिलि-जुलिके क रहा। ⁶ताकि तू सब एक साथे में

एक सुर स हमरे पभू ईसू मसीह क परमपिता, परमेस्सर क महिमा प्रदान करा। ⁷इही बरे एक दूसरे क अपनावा जइसे तोहे मसीह अपनाएस। इ परमेस्सर क महिमा क बरे करा। ⁸मईं तोहे लोगन क बतावत अही कि इ परगट करइ कि परमेस्सर बिसवासनीय बा ओकरे पूर्वजन क दीन्ह गवा परमेस्सर क बचन क मज़बूत करइ क मसीह यहूदियन क सेवक बना। ⁹ताकि गैर यहूदियन उ परमेस्सर क ओकरी दया बरे महिमा प्रदान करईं। पवित्तर सास्तरन कहत ह:

“इही बरे मईं गैर यहूदियन क बीच तोहे पहिचनबइ अउर तोहरे नाउँ क स्तुति गाउबइ।”

भजन संहिता 18:49

- 10 अउर फिन पवित्तर सास्तर इहउ कहत ह, “गैर यहूदियन परमेस्सर क लोगन क साथे खुस रहा।”

व्यवस्था विवरण 32:43

- 11 अउर फिन पवित्तर सास्तर इहउ कहत ह, “गैर यहूदियन, तू पभू क स्तुति करा। अउर सभन लोगन परमेस्सर क स्तुति करा।”

भजन संहिता 117:1

- 12 अउर फिन यसायाह भी कहत ह, “यिसै क एक बंसज परगट होई जउन गैर यहूदियन क सासक क रूप में उभरी! गैर यहूदी ओहपे आपन आसा लगइहीं।”

यसायाह 11:10

¹³सभन आसा का दाता परमेस्सर, तोहे पूरा आनन्द अउर सान्ति स भरि देइ। जइसेन कि ओहमे तोहार बिसवास बा। ताकि पवित्तर आत्मा क सवित्त स तू आसा स भरपूर होइ जा।

पाँलुस द्वारा अपने पत्र अउर कारज क चर्चा

¹⁴मारे भाइयो तथा बहििनियो, मोका खुदइ तोह पे भरोसा बा कि तू नेकी स भरा अहा अउर ज्ञान स परिपूर्ण अहा। तू एक दूसरे क उपदेस दइ सकत ह। ¹⁵परन्तु तोहे फिन स याद देवावइ क बरे मईं कछू विषय क बारे में साफ साफ लिखे हउं। मईं परमेस्सर क जउन अनुग्रह पाएँ ह, ओकरे कारण इ किहेउं ह। ¹⁶काहेकि मईं गैर यहूदियन क बरे मसीह ईसू क सेवक बनिके परमेस्सर क सुसमाचार क उपदेस क याजक क रूप में काम करउँ ताकि गैर यहूदियन परमेस्सर क आगे स्वीकार करइ योग्य भेंट बन सकइँ अउर पवित्तर

आत्मा क द्वारा परमेस्वर क बरे पूरी तरह पवित्तर बनई।

¹⁷तउन मसीह ईसू में एक मनई क रूप में परमेस्वर क बरे आपन सेवा क मोका गर्व बा। ¹⁸काहेकि मई बस ओन्हीन बातन क कहइ क साहस रखित ह जेका मसीह तउ गैर यहूदियन क परमेस्वर क आज्ञा मानइ क रस्ता देखावइ क काम मोर बचनन, मोर कामन, ¹⁹अचरज अउ अद्भुत कारजन क सकित अउर परमेस्वर क आत्मा क सामर्थ स, मोरे जरिये पूरा कीन्ह गवा। तउन यरूस्लेम स लइके इल्लुरिकुम क चारउ ओर मसीह क सुसमाचार क उपदेस क काम मई पूरा किहेउं। ²⁰मोरे मने में हमेसा इ अभिलासा रही बा कि मई सुसमाचार क उपदेस उहाँ देउं जहाँ क लोग मसीह क नाम नाहीं जानतेन, ताकि मई कउनो दूसरे मनई क नीव पे निर्माण न करउं।

²¹परन्तु पवित्तर सास्तरन कहत ह:

“जेनका ओनके बारे में नाहीं बतावा गवा बा, उ पचे देखिहीं। अउर जे सुने तलक नाहीं बा, उ पचे समझिहीं।”

यसायाह 52:15

पौलुस क रोम जाइ क योजना

²²मोर इ सबइ कर्तव्य मोका तोहरे पास आबइ स बार बार रोकत रहेन।

²³परन्तु काहेकि अब इस प्रदेसन में कउनउ स्थान नाहीं बचा बा अउ बहुत बरसन स मई तोहसे मिलइ का उत्कंठित हउं। ²⁴तउन मई जब स्पेन जाब तउ आसा करत हउं तोहसे मिलबइ। मोका उम्मीद बा कि स्पेन जात तोहसे भेंट होई। तोहरे साथे कछू दिन ठहरइ क आनन्द लेइ क बाद मोका आसा बा कि उहाँ क जात्रा क बरे मोका तोहार मदद मिली। ²⁵परन्तु अब मई परमेस्वर क पवित्तर लोगन क सेवा में यरूस्लेम जात हउं। ²⁶काहेकि मैसीडोनिया अउ अखया क कलीसिया क लोगन यरूस्लेम में परमेस्वर क पवित्तर लोगन में स जउन दरिद्र अहई, ओनके बरे कछू देइ क निश्चय किहे अहइ। ²⁷हाँ, ओनके बरे ओनकइ कर्तव्य इ बनत ह काहेकि अगर गैर यहूदियन यरूस्लेम क यहूदियन क आत्मिक कामन में हिस्सा बाँटत हीं तउ गैर यहूदियन क भी ओनके बरे भौतिक सुख जुटावइ चाही। ²⁸तउन आपन इ काम पूरा कइके अउर इकट्ठा कीन्ह गवा इ धने क सुरच्छा क साथे ओनके हाथे सौंपी क मई स्पेन जाब, अउर रस्ते में तोहसे मिलब। ²⁹अउर मई जानित ह कि जब मई तोहरे लगे अउबइ तउ तोहरे बरे मसीह क पूरा आसीवीदन समेत अउबइ।

³⁰भाइयो तथा बहिनियो, तोहमाँ स मई पभू ईसू मसीह कइँती स आत्मा स जउन पिये म हम पाइत ह, ओकर

साच्छी दइ क पराथना करित ह कि तू मोरे कइँती स परमेस्वर क बरे सच्ची पराथना में मोर साथे रहव्या।

³¹कि मई यहूदिया में अबिसबासियन स बचा रहउं। अउ यरूस्लेम क बरे मोरी सेवा क परमेस्वर क पवित्तर लोग स्वीकार करइ। ³²ताकि परमेस्वर क इच्छा क अनुसार मई खुसी क साथ तोहरे लगे आइके तोहरे साथे आराम करउं। ³³पूरी सान्ति क धाम परमेस्वर तोहरे साथे रहइ। आमीन।

रोम क मसीहियन क पौलुस क संदेस

16 मई किंखिया क कलीसिया क बिसेख सेविका हमार बहिन फीबे क तोहसे सिफारिस करत हउं कि तू ओका पभू में अइसेन रीति स ग्रहण करा जइसेन रीति परमेस्वर क लोगन क बरे उचित बा। ओसे तोहसे जउन कछू अपेच्छित होइ सब कछू स तू ओकर मदद करा काहेकि उ मोरे समेत बहुतन क सहायक रही अहइ।

³प्रिस्का अउर अक्विला क मोर नमस्कार। उ मसीह ईसू में मोर सहकर्मी अहइ। ⁴उ पचे मोर प्रान बचावइ बरे अपने जीवन क भी दौब पे लगाइ दिहे रहेन। न केवल मई ओनकर धन्यवाद करत हउं बल्कि गैर यहूदियन क सभन कलीसिया भी ओनकर धन्यवादी अहई। ⁵उ कलीसिया क भी मोर नमस्कार जउन ओनके घरे में इकट्ठा होत ह।

मोर पिआरा दोस्त इपैनिंतुस क मोर नमस्कार जउन एसिया में मसीह क अपनावइ वालन में पहिला बा। ⁶मरियम क, जे तोहार बहुत महत्वपूर्ण कार्यका अहइ, नमस्कार।

⁷मोर कुटुम्बी अन्द्रनीकुस अउर यूनियास क, जउन मोरे साथे कारागार में रहेन, अउर जउन प्रमुख धर्मप्रचारकन अउर जउन मोसे भी पहले मसीह में रहेन मोर नमस्कार। ⁸पभू में मोरे पिआरा दोस्त अम्पलियातुस क नमस्कार। ⁹मसीह में मोरे कार्यकर्ता उरबानुस अउर मोरे पिआरा दोस्त इस्तखुस क नमस्कार। ¹⁰मसीह में खरे अउ सच्चा अपिल्लेस क नमस्कार। अरिस्तुबुलुस क परिवार क नमस्कार। ¹¹यहूदी साथी हेरोदियोन क नमस्कार। नरकिस्सुस क परिवार क लोगन क नमस्कार जउन पभू में अहई। ¹²त्रुफेना अउर त्रुफोसा क जउन पभू में मेहनती कार्यकर्ता अहई, नमस्कार। मोर पियास परसिस क, जे पभू में कठिन मेहनत किहे अहइ, मोर नमस्कार। ¹³पभू क असाधारण सेवक रूफुस क अउ ओनकी महतारी क, जउन मोर भी महतारी रही अहइ, नमस्कार। ¹⁴असुक्रितुस, फिलगोन, हिर्मिस, पत्रुबास, हिर्मिस अउर ओनके साथी बन्धुवन जउन ओनके साथ अहई क नमस्कार। ¹⁵फिन्लुगुस, यूलिया नेर्पुस अउर ओकर बहिन उलुम्पास अउर ओनके सभन साथी सन्तन क नमस्कार। ¹⁶तू लोग पवित्तर चुंबन द्वारा एक दूसरे

क स्वागत करा। तोहे सभन मसीही कलीसियन कइँती स नमस्कार।

¹⁷भाइयो तथा बहिनियो! मईँ तू पचन स पराथना करत हउँ कि तू पचे जउन सिच्छा पाया ह, ओकरे विपरीत तू सबन में जउन फूट डारत हीं अउर दूसर क बिसवास क बिगाड़त हीं। ओनसे होसियार रहा, अउर ओनसे दूर रहा। ¹⁸काहे कि इ लोग हमरे पभूँ ईसू मसीह क नाहीं बल्कि अपने पेट क सेवा करत हीं। अउ आपन खुसामद भरी चिकनी चुपड़ी बातन स बभोला-भाले लोगन क मन को छलत हीं। ¹⁹तोहार आज्ञाकरितइ क चर्चा बाहर हर कीहीऊ तलक पहुँच चुकी बा। इही बरे तोहसे मईँ बहुत खुस हउँ। परन्तु मईँ चाहित हउँ कि तू नेकी के बरे बुद्धिमान बना रहा अउर बदी क बरे अबोध रहा। ²⁰सान्ति क मोत परमेस्सर जल्दी ही सइतान क तोहरे गोड़न तले कुचर देइ। हमार पभूँ ईसू मसीह क तोह पे अनुग्रह होइ।

²¹हमार साथी कार्यकर्ता तीमुथियुस अउ मोर यहूदी साथी लूकियुस, यासोन अउर सोसिपत्रुस कइँती स तू सबन क नमस्कार।

²²इ पत्र क लेखक मोका तिरतियुस क पभूँ में तू सबन क नमस्कार।

²³मोर अउ समूची कलीसिया क आतिथ्य कर्ता ग्युस क तू पचन क नमस्कार। इरास्तुस जउन नगर क खजांची अहइ अउ हमार बन्धु कबारतुस क तोहका नमस्कार। ²⁴*

परमेस्सर क महिमा

²⁵ओकर महिमा होइ जउन तोहरे बिसवास क अनुसार यानि ईसू मसीह क सुसमाचार क जउन सुसमाचार क मईँ घोषित उपदेस देइत ह ओकरे अनुसार-तोहे सुदृढ़ बनावइ मैं समरथ अहइ। इ सुसमाचार उ गुप्त सत्य को अभिव्यक्त करत ह जेहका परमेस्सर युगन स छिपाय रखे रहा। ²⁶परन्तु जेका अनन्त परमेस्सर क आदेस स नबियन क लेखन द्वारा अब हमका अउ गैर यहूदियन क परगट कइके बताइ दीन्ह गवा बा जेसे बिसवास स पैदा होइवाली आज्ञाकारिता पैदा होइ। ²⁷ईसू मसीह क जरिये उ एक मात्र ज्ञानमय परमेस्सर क अनन्त काल तलक महिमा होइ। आमीन!

पद 24 कछू यूनानी प्रतियन में पद 24 जोड़ी गइ अहइ: "हमार पभूँ ईसू मसीह क अनुग्रह तू सबके साथे रहइ। आमीन!"

कुरिन्थियन क पहिली पत्र

1 हमार भाई सोस्थिनेस क साथे पौलुस क अउर जेका परमेस्सर आपन इच्छानुसार मसीह ईसू प्रेरित बनावइ बरे चुनेस।

²कुरिन्थुस में रही परमेस्सर क ओह कलीसिया क नाउँ अहइ यानि ओन सबन का नाउँ, जउन मसीह ईसू में रही परमेस्सर क सेवा करइ बरे नेउछावर रहइ, जेका परमेस्सर पवित्तर मनइयन बनवइ बरे ओकरे साथेन चुनेस। जउन सब जगह पर्भू ईसू मसीह क नाउँ लेत रहत हीं।

³हमारे परमपिता कइँती स अउर हमरे पर्भू ईसू मसीह कइँती स तोहरे सबन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

पौलुस क परमेस्सर क धन्यवाद

⁴तोहरे मसीह ईसू में जउन अनुग्रह कीँहीं गइ बा, ओकरे बरे मई तोहरे कइँती स परमेस्सर क हमेसा धन्यवाद करत अहउँ। ⁵तोहरे पचन क ईसू मसीह में रहइ क कारण हर तरफ स अउर सब बानी अउर सब गियान स परपूर्ण किहा गवा बा। ⁶मसीह क बारे में हम जउन साच्छी दिहे अही उ तोहरे बीच में प्रमाणित भई बा। ⁷अउर एनही क कारण तोहरे लगे ओनके कउनउ इनाम क कमी नाहीं बा। तू हमरे पर्भू ईसू मसीह क परगट होइ बरे इन्तजार करत रहा। ⁸उ तोहरे अन्त तक हमेसा मजबूत बनाए रही जेहसे जब ओहि दिन तोहमाँ कोई गलती न होइ, जब ईसू फिनि स आवइ। हमार पर्भू ईसू मसीह क दिनवा एकदम निहकलंक, खरा बनाए रखीन।

⁹परमेस्सर एकदम बिसवासी अहइ। ओनही क कारण तोहरे हमरे पर्भू अउर ओकरे बेटवा ईसू मसीह क सत संगति बरे बुलावा गवा बा।

कुरिन्थियन क कलीसिया क समस्सिया

¹⁰भाइयो तथा बहिनियो, हमरे पर्भू ईसू मसीह क नाउँ में मोर तोह सवनस बिनती बा कि तू सभन में कउनउ मतभेद न होइ? तू सभे एक साथेन जुटा रहा, अउर तोहार चिन्तन अउर लच्छ एककई होइ। ¹¹भाइयन तथा बहिनियन, मोका खलोए क घराने क लोगन स पता चला ह कि तोहरे पचन क बीच आपस क झगडा बा। ¹²मई इ कहत हउँ कि तोहमें स केऊ कहत ह, "मई पौलुस क हउँ" तउ केऊ कहत ह, "मई अपुल्लोस क

हउँ।" कीहीउ क मत अहइ, "उ पतरस क अहइ।" त केऊ कहत ह, "उ मसीह क अहइ।" ¹³का मसीह बँटे गवा बाटेन? पौलुस तउ तोहरे बरे क्रूस पर नाहीं चढ़ा रह। का वो चढ़ा रहेन? तोहरे पौलुस क नाउँ क बपतिस्मा तउ नाहीं दिहा गवा। बतावा का दीहा गवा? ¹⁴परमेस्सर क धन्यवाद बा कि मई तोहमा स क्रिसपुस अउर गयुस क छोड़िके कउनो अउर क बपतिस्मा नाहीं दिहा। ¹⁵ताकि कउनउ इ न कहि सकइ कि तू लोगन क हमरे नाउँ क बपतिस्मा दिहा गवा बा। ¹⁶मई स्तिफनुस क परिवार कभी बपतिस्मा दिहे रउँ मुला जहाँ तलक बाकी क लोगन क बात बा, तउ मोका याद नाहीं कि मई कउनो ही अउर क कभउँ बपतिस्मा दिहे होउँ। ¹⁷काहेकि मसीह हमका बपतिस्मा देइ क बरे नाहीं, बल्कि बानी क कउनउ तर्क-वितर्क तथा अलंकार क बिना सुसमाचार क प्रचार करइ क बरे पठए रहा ताकि मसीह क क्रूस अइसेन ही व्यर्थ न चला जाइ।

परमेस्सर क सक्ति अउर गियान-सरूप मसीह

¹⁸उ जउन भटकत हयेन, ओनके बरे क्रूस क संदेस एक निरी मूरखतइ अहइ। मुला जउन उद्धार पावत हयेन ओनके बरे उ परमेस्सर क सक्ति बा। ¹⁹पवित्तर सास्तरन में लिखा बा:

"गियानियन क गियान क मई नस्ट कइ देबइ, अउर मई सब चतुरन क चतुरइ कुंठित करबइ।"

यसायाह 29:14

²⁰कहाँ अहइ गियानी मनई? कहाँ बा विद्वान? अउर एह युगे क सास्त्रार्थी कहाँ अहइ? का परमेस्सर संसारी क बुद्धिमानी क मूर्खता नाहीं सिद्ध किहेस? ²¹इही बरे काहेकि परमेस्सर गियान क जरिये इ संसार अपने बुद्धि बले स परमेस्सर क नाहीं पहिचान सका तउ हम संदेस क कही भइ मूर्खता क प्रचार करत अही। ²²यहूदियन लोग त अद्भुत चीन्हन क मांग करत हीं अउर गैर यहूदियन विवेक क खोज में अहइं। ²³मुला हम तउ बस क्रूस पर चढ़ावा गवा मसीह क ही उपदेस देइत अही। एक अइसेन उपदेस जउन यहूदियन क बरे विरोध क कारण अहइ अउर गैर यहूदियन क बरे निरी मूर्खता।

परमेस्वर क गियान

²⁴मुला ओनके बारे जेनका परमेस्वर द्वारा बोलौं लिहा गवा बा, फिन चाहे ओ यहूदी होईं या गैर यहूदी, इ उपदेस मसीह अहइ जउन परमेस्वर क सकती अहइ, अउर परमेस्वर क विवेक अहइ।

²⁵काहेकि परमेस्वर क कही गइ “मूर्खता” मनइयन क गियान स कहुँ जियादा विवेकपूर्ण बा। अउर परमेस्वर क कही गइ “कमजोरी” मनइयन क सकती स कहुँ जियादा सच्छम बा।

²⁶भाइयो तथा बहिनियो, अब तनिक सोचा कि जब परमेस्वर तउ तू बोलाये रहा तउ तोहमें स बहुत जनेन संसारिक विस्ती स न तउ बुद्धिमान रहैन अउर न त सक्तिशाली। तोहमें स कइयउ क सामाजिकइ स्तर भी कउनउ ऊँचा नाहीं रहा। ²⁷बल्कि परमेस्वर तउ संसार में जउन कही गइ मूर्खतापूर्ण रहा, ओका चुनेस ताकि बुद्धिमान लोग लजित होईं। परमेस्वर तउ संसार में कमजोरन क चुनेस ताकि जउन मज़बूत अहई, उ सबइ लजित होईं।

²⁸परमेस्वर संसार में स इन बातन क चुनेस जउन नीचे रहिन अउर जउन तुच्छ रहिन अउर जउन कछू नाहीं रहिन। परमेस्वर एनका चुनेस ताकि संसार जेका कछू समझत ह, ओका उ खराब कइ सकइ। ²⁹ताकि परमेस्वर क सामने कउनउ मनई अभिमान न कइ पावइ।

³⁰मुला तू मसीह ईसू में उही क कारण स्थित हवा, उहइ परमेस्वर क बरदान क रूप में हमारा बुद्धि बनिगइ अहइ। उही क जरिये हम निर्दोस ठहरावा गएन अउर हम परमेस्वर क समर्पित होइ सकी अउर हमका पापन स छुटकारा मिलि जाइ।

³¹जइसेन कि पवित्र सास्तर में लिखा बा, “अगर कीहीउ क कउनउ घमण्ड करब बाटइ तउन उ पभूँ में घमण्ड करइ।” *

कूस पर चढ़ा मसीह क बारे में संदेश

2 भाइयो तथा बहिनियो जब मई तोहरे लगे आए रहेउँ तउ परमेस्वर क रहस्यपूर्ण सच क, बानी क चतुरता अउर मानुस बुद्धि क साथे उपदेस देत हुए नाहीं आइ रहेउँ ²काहेकि मई इ निश्चय कइ लिहे रहेउँ कि तोहरे बीच रहत, मई ईसू मसीह अउर कूस पर भइ ओकर मतत क छोड़िके कउनउ अउर बात क जनबइ तलक नाहीं। ³तउन मई दीनता क साथे भय स काँपत भवा तोहरे लगे आएउँ ह। ⁴अउर मोर भासण अउर मोर घोसना मानुस बुद्धि क लुभावइवाले सबदन स मिला नाहीं रहा, बल्कि ओहमें रहा आतिमा क सक्ति क प्रमान ⁵ताकि तोहरे बिसवास मानुस बुद्धि क बजाय परमेस्वर क सक्ति पइ टिक सकइ।

⁶जे समझदार अहई, ओनके हम बुद्धि देत अही, काहेकि इ बुद्धि, इ जुग क बुद्धि नाहीं बा, न ही एँह जुगे क ओन्हन सासकन क बुद्धि अहइ जेका बिनास क कगार पर लइ आवा जात बा। ⁷एकरे स्थान पर हम तउ परमेस्वर क ओह रहस्यपूर्ण विवेक क देत हीं जउन छुपा हुआ रहा अउर अनादि काल स परमेस्वर हमार महिमा बारे निश्चित किहे रहा। ⁸अउर जेका एँह जुगे क कउनउ सासक नाहीं समझेन काहेकि अगर उ सबइ ओका समझ पाए होतेन तउ उ पचे ओह महिमावान पभूँ क कूस पर न चढ़उतेन। ⁹मुला पवित्र सास्तरन में लिखा बा:

“जेहे नाहीं अंखिया देखेन अउर नाहीं काने स सुनेन तक, जहाँ मानुस क बुद्धि तक कभऊँ नाहीं पहुँचत ऐसी बानी ओनके बारे बनावाइस पभूँ जे ओनकर पिरेमी जन होइ जातेन।”

यसायाह 64:4

¹⁰मुला परमेस्वर इन बातन क आतिमा क जरिये हमरे बारे परगट किहे अहइ।

काहेकि आतिमा हर कीहीउ बात क ढूँढ निकालत इहाँ तक कि परमेस्वर क छिपी गहराइन तक क। ¹¹अइसेन के अहइ जउन दुसरे मनइयन क मन क बात जानि लेइ सिवाय ओह मनई के ओह आतिमा क जउन ओनके अपने भितरइ अहइ। एह तरह परमेस्वर क बिचारन केऊँ परमेस्वर क आतिमा क छोड़िके अउर कउन जान सकत ह। ¹²मुला हम संसारिक आतिमा नाहीं बल्कि ऊ आतिमा पाए अही जउन परमेस्वर स मिलत ह ताकि हम उन बातन क जान सकी जेनका परमेस्वर हमका मुक्त रूप स दिहे बाटइ। ¹³ओनही बातन क हम मनइयन बुद्धि क जरिये बिचारा गवा सबदन में नाहीं बोलित बल्कि आतिमा द्वारा बिचारा गवा सबदन स आतिमा क चीजन क बियाखिया करत बोलत अही। ¹⁴एक प्राकृतिक मनई परमेस्वर क आतिमा द्वारा प्रकासित सच क ग्रहण नाहीं करत काहेकि ओकरे बारे उ बात खरी मूर्खता होत ह, उ ओन्हे समझि नाहीं पावत काहेकि उ आतिमा क आधार पर ही परखी जाइ सकतहीं। ¹⁵आत्मिक मनई सब बातन क निआव कइ सकत ह, मुला ओकर निआव केऊ नाहीं कइ सकत। काहेकि पवित्र सास्तरन कहत हीं:

¹⁶“पभूँ क मन का कउन जान सकत हय? ओका कउन सलाह दइ सकत ह?”

यसायाह 40:13

मनइयन क अनुसरण उचित नाहीं

3 मुला भाइयो तथा बहिनियो, मई तू लोगन स वइसेन ही बात नाहीं कइ सकेउँ जइसे आत्मिक लोगन स करत हउँ। मोका एकरे विपरीत तोहे लोगन स वइसेन बात करइ पड़ी जइसे संसारिक लोगन स कइ जात ह। यानि ओनसे जउन अबहीं मसीह मँ बच्चा अहइँ। 2 मई तोहे पियइ क दूध दिहेउँ, ठोस आहार नाहीं, काहेकि तू अबहीं ओका खाइ नाहीं सकत रहेया अउर न तउ तू एका आजउ खाइ सकत अहा 3 काहेकि तू अबहीं तलक संसारी अहा। का तू संसारी नाहीं अहा? जबकि तोहमें आपसी इरसा अउर कलह मउजूद बा। अउर तू संसारिक मनइयन जइसा व्यवहार करत अहा। 4 जब तोहमें स केऊ कहत ह, "मई पौलुस क हउँ" अउर दुसर कहत ह, "मई अपुल्लोस क हउँ" तउ का तू संसारिक मनइयन क स आचरण नाहीं करत्या?

5 अच्छा त बतावा अपुल्लोस का अहइ अउर पौलुस का अहइ? हम तउ केवल उ सेवक अही जेकरे द्वारा तू बिसवास किहे अहा। हमरे मँ स हर एक बस उ काम किहेस जउन पभू हमका सौंपे रहा। 6 मई बीज बोएउँ, अपुल्लोस तउ ओका सींचेस, मुला ओकर बढवार तउ परमेस्सर किहेस। 7 इहइ प्रकार न तउ उ जे बोएस, बड़ा बा, अउर नाहीं उ जउन ओका सींचेस, मुला बड़ा तउ परमेस्सर अहइ जउन एनका बड़ा किहेस। 8 उ जे बोवत ह अउर उ जउन सींचत ह, दुन्नऊ क प्रयोजन समान बा। तउन हर एक अपने कामन क परिश्रम क अनुसारइ फल पइहीं। 9 परमेस्सर क सेवा मँ हम सब सहकर्मि अही। तू परमेस्सर क खेत अहा।

अउर तू परमेस्सर क मंदिर अहा। 10 परमेस्सर क ओह अनुग्रह क अनुसार जउन मोका दिहा गवा रहा, मई एक कुसल प्रमुख सिल्पी क रूप मँ नीव डालेउँ मुला ओह पइ निर्माण तउ केऊ अउरइ करत ह, मुला हर एक क सावधानी क साथे धियान रखइ चाही कि उ ओह पर निर्माण कइसे करत बा। 11 काहेकि जउन नीव डाली गइ बा उ खुद ईमू मसीह ही अहइ अउर ओसे अलग दूसर नीव केऊ बनाइ नाहीं सकत। 12 अगर लोग ओह नीव पर निर्माण करत ही, फिन चाहे उ पचे ओहमे सौंन लगावई, चांदी लगावई बहुमूल्य रतन लगावई, लकड़ी लगावई, फूस लगावई या तिनका क प्रयोग करई, 13 हर मनई क काम स्पष्ट रूप स देखोइ देइ। काहेकि उ दिन ओका उजागर कइ देइ। काहेकि उ दिन जुवाला क साथे परगट होइ अउर उहइ जुवाला हर मनई क कामन क परखी कि उ सबइ काम कइसेन बाटेन। 14 अगर ओह नीव पर कउनउ मनई क करमन क रचना टिकाऊ होइ 15 तउ उ ओकर प्रतिफल पाइ अउर अगर कीहीउँ क काम ओह जुवाला मँ भसम होइ जाइ तउ ओका हानि उठावइ क होइ। मुला फिन भी उ खुद वइसेनही बचि निकरी जइसे कउनउ आगी स बरत भए

भकान स पराइके बचत ह। 16 का तू नाहीं जानत अहा कि तू पचे खुद परमेस्सर क मंदिर अहा अउर परमेस्सर क आतिमा तोहमें निवास करत ह? 17 अगर केऊ परमेस्सर क मंदिर क हानि पहुँचावत ह तउ परमेस्सर ओका नस्त कइ देइ। काहेकि परमेस्सर क मंदिर तउ पवित्तर बा। हाँ, तू ही तउ उ मंदिर अहा।

18 अपने आपके जिन छला, अगर तोहमें स केऊ इ सोचत ह कि इह जुगे क मानदंड क अनुसार उहइ बुद्धिमान बा तउ ओका बस वइसेन हीं मूर्ख बना रहइ चाही ताकि उ सही मँ बुद्धिमान बनि जाइ, 19 काहेकि परमेस्सर क दिस्टी मँ संसारिक चतुराइ मूरखता अहइ। पवित्तर सास्तर कहत ह, "उहइ (परमेस्सर!) फँसाइ देत ह बुद्धिमानन क ओनकेन ही चतुराइ मँ।" *20 अउर फिन, "जानत ह पभू बुद्धिमानन क बिचार सब केउ काम क न अहइँ।" * 21 इही बरे मनइयन पर कीहीउ क गरब न करइ चाही काहेकि इ सब कछू तोहार तउ अहइँ। 22 फिन चाहे उ पौलुस होइ, अपुल्लोस होइ या पतरस चाहे संसार होइ, जीवन होइ, या मउत होइ, चाहे इ आज क बात होइ या आवइवाले भियान क। सब कछू तोहरइ ही अहइ। 23 अउर तू मसीह क अहा अउर मसीह परमेस्सर क।

मसीह क संदेस वाहक

4 हमरे बारे मँ कीहीउ मनई क एँह तरह सोचइ चाही कि हम लोग मसीह क सेवक अही। परमेस्सर तउ हमका अउर रहस्यमय सत्य सौंपे अहइ। 2 अउर फिन जेका इ रहस्य सौंपे अहइ, ओन पर इ दायित्व भी बा कि उ पचे बिसवास क जोगग होई। 3 मोका एँकर तनिकउ चिंता नाहीं बा कि तू लोग मोर निआव करा या मनइयन क कउनउ अउर अदालत। ना मई खुद आपन निआव करत हउँ। 4 काहेकि मोर मन साफ बा। मुला इहइ कारण मई छूट नाहीं जाइत। पभू उ अहइ जउन निआव करत ह। 5 इही बरे ठीक समइ आवइ स पहिले मतलब जब तलक पभू न आइ जाइ, तब तलक कीहीउ बात क निआव जिन करा। उहइ अँधियारे मँ छिपी बातन क उजागर करी अउर उ मने क प्रेरणा क परगट करी। ओह समइ परमेस्सर कइँती स हर कीहीउ क उपयुक्त प्रसंसा होइ।

6 भाइयो तथा बहिनियो, मई इन बातन क अपुल्लोस पर अउर खुद अपने पर तू लोगन क बरे ही चरितार्थ किहे अहउँ ताकि तू पचे हमार उदाहरण देखत भए इन बातन क परे जिन जा जउन सास्तरन मँ लिख बा। ताकि एक मनई क पच्छ लेत अउर दुसरे क विरोध करत भए अँहकार मँ न भरि जा। 7 कउन कहत ह कि तू कीहीउ

"उहई ... मैं" अथ्यूब 5:13

"जानत ... अहइ" भजन 94:11

दुसरे स जियादा अच्छा अहा। तोहरे लगे आपन अइसेन का बा? जउन तोहे दिहा नाहीं गवा बा? अउर जब तोहे सब कछू कीहीउ क जरिये दीन्ह गवा बा तउ फिन एँह रूप में अभिमान कउने बात क कि जइसेन तू कउने स कछू पाए ही न अहा।

⁸तू लोग सोचत अहा कि जेह कउनउ चीज क तोहे जरूरत रही, अब उ सब कछू तोहरे लगे बा। तू सोचत ह अब तू सम्पन्न होइ गवा। तू हमरे बिना ही राजा बनि बइठ्या। केतना अच्छा होत कि तू सही में राजा होत्या ताकि तोहरे साथे हमहूँ राज्य करित।⁹काहेकि मोर बिचार बा कि परमेस्सर हम प्रेरितन क करम-छेत्र में उन लोगन क समान सबसे अन्त में स्थान दिहे अहइ जेनका मउत क सजा दीन्ह जाइ चुकी बा। काहेकि हम पूरा संसार, सरगदूतन अउर लोगन क सामने तमासा बना अही।¹⁰हम मसीह क बरे मूरख बना अही मुला तू लोग मसीह में बहुत बुद्धिमान अहा। हम कमजोर अही मुला तू तउ बहोत सबल अहा। तू सम्मानित अहा अउर हम अपमानित।¹¹एँह घड़ी तक हम भूखा पियासा अही। फटा-पुरान चिथड़ा पहिने अही। हमका मारा गवा। हम बेघरे क अही।¹²आपन हाथन स काम कइके हम मेहनत-मजदूरी करित ह।¹³गाली खाइके भी हम आसीबाँद देइत ह। सतावा जाइ प हम ओका सहित ह। जब हमार बदनामी होइ जात ह, हम तब भी मीठा बोलित ह। हम अबहूँ जइसेन एह दुनिया क मल-फेन अउर कूड़ा कचरा बना भआ अही।

¹⁴तोहे सबन क लज्जित करइ क बरे मई इ नाहीं लिखत हउँ। बल्कि आपन पिआरे बच्चन क रूप में तोहे सबन क चेतावनी देत हउँ।¹⁵काहेकि चाहे तोहरे लगे मसीह में तोहरे दसउ हजार सिच्छक मौजूद अहइँ, मुला तोहार पिता तउ अनेक नाहीं अहइ। काहेकि सुसमाचार द्वारा मसीह ईसू में मई तोहार पिता बना हउँ।¹⁶इही बरे तोहसे मोर आग्रह बा, मोर अनुकरण करा।¹⁷मई इही बरे तीमुथियुस क तोहरे लगे भेजे रहेउँ। उ पभूँ में स्थित मोर पिआरा अउर बिसवास करइ जोग बेटवा अहइ। मसीह ईसू में मोर आचरण क उ तोहे सबन क याद देवाइ। जेका मई हर कहूँ, हर कलीसियन में उपदेस दिहे हउँ।

¹⁸कछू लोगन अंधकारे में एँह तरह फूल उठा अहइँ इ सोच कर कि मई न आउब।¹⁹अगर परमेस्सर चाहेस तउ जल्दी ही मई तोहरे लगे अउबइ अउर फिन अंकार में फूला ओन लोगन क मात्र वाचालता क नाहीं बल्कि ओनकर सक्ती क देख लेबइ।²⁰काहेकि परमेस्सर क राज्य वाचालता पर नाहीं, सक्ती पर टिका बा।²¹तू पचे का चाहत अहा:

हाथ में पिरैम अउर छड़ी थामे आउब मई तोहरे लगे, कोमल आत्मा साथे में लइ आउब?

कलीसिया में दुराचार

5 सहीयउ में अइसेन बतावा गवा बा कि तू लोगन में दुराचार फइला भआ बा। अइसेन दुराचार-व्यभिचार तउ अधर्मियन तक में नाहीं मिलत। जइसेन केऊँ तउ आपन बिमाता तक क साथ सहवास करत ह।²अउर फिन तू लोग अभिमान में फूला भआ अहा। मुला का तोहे एकरे बरे दुखी न होइ चाही? जे केऊँ दुराचार करत ह ओका तउ तू पचे अपने बीच स निकाल बाहेर करइ चाही।³मई जद्यपि सारीरिक रूप स तोहरे बीच नाहीं अही मुला आत्मिक रूप स तउ हुँवैँ हाजिर अही। अउर माना ऊहाँ हाजिर रहत भआ जे अइसेन खराब काम किहे अहइँ, ओकरे विरुद्ध मई आपन इ निर्णय दइ चुका अही⁴कि जब तू हमरे साथे हमार पभूँ ईसू क नाउँ में हमार आत्मा अउर हमार पभूँ ईसू क सक्ति क साथे इकट्ठा होब्या।⁵तउ अइसेन मनई क ओकर भौतिक मानुस सुभाउ क खराब कइ डालइ बरे सइतान क सौँप दीन्हा जाई ताकि पभूँ क दिना ओनके आत्मा क बचावा जाइ सकइ।

⁶तोहर इ बड़बोलापन अच्छा नाहीं बा। तू एह कहावत क त जानतही अहा, “तनिक खमीर आटा क पूरा लउँदा क खमीरमय कइ देत ह।” पुराने खमीर स छुटकारा पावा ताकि तू आटा क नया लौँदा बनि सका। तू तउ बिना खमीरवाली फसह क रोटी क समान हवा। हमका पवित्तर करइके बरे मसीह को फसह क मेमने क रूप में बलि चढ़ाइ दीन्ह गवा।⁸इही बरे आवा हम आपन फसह क त्रौहार बुराइ अउर दुस्तइद स युक्त पुरान खमीर क रोटी स नाहीं बल्कि निस्टा अउर सत्य स युक्त बिना खमीर क रोटी स मनाई।⁹अपने पिछले चिट्ठी में मई लिखे रहेउँ कि तोहे ओन लोगन स आपन नाता नाहीं रखइ चाही जउन व्यभिचारी अहइँ।¹⁰मोर इ प्रयोजन बिल्कूल नाहीं रहा कि तू एँह दुनिया क व्यभिचारियन, लोभी लोगन, ठगन या मूर्ति पूजकन स कउनउ सम्बन्ध ही जिन रखा। अइसेन होइ पइ तउ तोहे सबन क इ संसार स ही निकरि जाइ क होइ।¹¹मुला मई तोहे सबन क जउन लिखेउ ह उ इ अहइ कि कउनउ अइसेन मनई स नाता न रखा जउन अपने आपक मसीही बन्धु कहवाइ क भी व्यभिचारी, लोभी, मूर्तिपूजकन, चुगलखोर, पिक्ककड़ या एक ठग अहइँ। अइसेन मनई क साथे त भोजन भी ग्रहण जिन करा।¹²जउन लोग बाहेर क बाटेन, कलीसिया क नाहीं, ओनकर निआव करइके भला मोर का काम। का तोहे ओन्हीन क निआव न करइ चाही जउन कलीसिया क भितर क अहइँ?¹³कलीसिया क बाहेरवालन क निआव तउ परमेस्सर ही करी। पवित्तर सास्तर कहत ह, “अपने बीच से, तू पापी क निकार बाहर करा।”*

“अपने ... करा” व्यवस्था 22:21, 24

आपसइ क विवादन क निपटारा

6 का तोहरे में स केउ अइसेन बा जउन अपने साथी क साथे केउ झगडा होइ पे परमेस्सर क पवित्तर मनइयन क लगे न जाइके अधर्मी लोगन क अदालत में जाइके साहस करत होइ? 2या का तू पचे इ नाहीं जानत अहा कि परमेस्सर क पवित्तर मनई ही सारे संसार क निआव करिहीं? अउर जब तोहरे जरिये समूचइ संसार क निआव किन्ह जाइ क बाटइ तउ का इन छोट-छोट बातन क निआव करइ जोग्ग तू नाहीं अहा? 3का तू नाहीं जानत अहा कि हम सरगदूतन क भी निआव करबइ? फिन इ जीवन क इन रोज़मर्रा क छोट-मोट बातन क त कहबइ ही का। 4अगर हर दिन तोहरे बीच कउनउ न कउनउ विवाद रहतइ ही रहत ह तउ का न्यायाधीस क रूप में तू पचे अइसेन मनइयन क नियुक्ति करब्या जेनकर कलीसिया में कउनउ स्थान नाहीं बा। 5इ मई तोहसे एह बरे कहत हउँ कि तोहे सबन क कछू लाज आवइ। का स्थिति ऐंती बिगड़ि चुकी बा कि तोहरे बीच केऊँ अइसेन बुद्धिमान मनई अहइ नाहीं जउन अपने मसीही भाइयन क आपसी झगड़ा सुलझाइ सकइ? 6का एक भाई कहुँ अपने दुसरे भाई स मुकदमा लड़त थ। अउर तू तउ अबिसवासियन क सामने अइसा करत रहे रह्या।

7असलिमत में तोहर पराजय तउ इही में होइ चुकी कि तोहरे बीच आपस में एक दूसरे क खिलाफ कानूनी मुकदमा अहइँ। एकरे स्थान पर तू आपस में अनिआव ही काहे नाहीं सही लेत्या? अपने आप क काहे नाहीं लुटि जाइ देत्या। 8अरे अनिआव तू तउ खुदइ करत अहा अउर अपने ही मसीही भाइयन क लूत अहा।

9अउर का तू नाहीं जानत अहा कि खराब लोग परमेस्सर क राज्य क उत्तराधिकार न पइहीं? अपने आप को धोखा न द्या। व्यभिचार करइवाला, मूर्तिपूजक, व्यभिचार, गुदा-भंजन करइवाला, लौंडेबाज़, 10लुटेरे, लालची, पिक्कड़ चुगलखोर अउर ठग परमेस्सर क राज्य क उत्तराधिकारी न होइहीं। 11तोहमें स कछू अइसेन ही रहेन। मुला अब तोहे सबन क थोड़े-मांजिके पवित्तर कइ दिहे हउँ। तोहे परमेस्सर क सेवाँ में अरपित कइ दिन्हा वा बा। पभू ईसू मसीह क नाउँ अउर हमरे परमेस्सर क आतिमा क द्वारा ओन्हे धर्मी करार दिन्हा जाइ चुका बा।

अपने सरिरी क परमेस्सर क महिमा में लगाव

12"मई कछू भी करइ क स्वतन्त्र हउँ" मुला हर कउनउ बात हितकर नाहीं होत। हौं, "मई सब कछू करइ क स्वतन्त्र हउँ" मुला मई अपने पर कीहीउ क हावी न होइ देबा। 13कहा जात ह, "भोजन पेट क बरे बा, अउर पेट भोजन क बरे।" मुला परमेस्सर इन दुन्नउ क ही समाप्त कइ देई। अउर हमरे सारीरक तउ भी व्यभिचार

क बरे नाहीं बा बल्कि पभू क सेवा क बरे बा। अउर पभू हमार देह क कल्लियान क बरे बा। 14परमेस्सर न केवल पभू क ही पुनर्जीवित नाहीं किहेस बल्कि आपन सकती स उ मउत स हम सबे कभी जियाइ उठाई। 15का तू नाहीं जानत अहा कि तोहरे सरिरी खुद ईसू मसीह का हिस्सा अहइ? तउ का मोका ओन्हे, जउन मसीह क अंग हयेन, कउनउ वेस्या क अंग बनाइ देइ चाही? 16निस्चय ही नाहीं। अउर का तू इ नाहीं जानत अहा, कि जउन अपने आपके वेस्या स जोड़त ह, उ ओकरे साथे एक देह होइ जात ह। पवित्तर सास्तरन में कहा गवा बा: "काहेकि उ दुन्नऊ एक होइ जइ ही,"*

17मुला उ जउन आपन लौ पभू स लगावत ह, उ आतिमा में एकाकर होइ जात ह।

18व्यभिचार स दूर रहा। दुसरे सभन पाप जेका एक मनई करत ह, ओकरे सरिरी स बाहेर होत हीं मुला अइसेन मनई जउन व्यभिचार करत ह उ तउ अपने सरिरी क विरुद्ध पाप करत ह। 19अउर का तू नाहीं जानत अहा कि तोहार सरिरी ओह पवित्तर आतिमा क मंदिर अहइ जेका तू परमेस्सर स पाए अहा अउर जेका तू आपन बनाइ क न रख सक्या। अउर उ आतिमा तोहर आपन नाहीं बा। 20काहेकि परमेस्सर तोहे सबन क कीमत चुकाइ क खरीदे अहइ इही करे अपने सरिरी क द्वारा परमेस्सर क इज्जत कर।

बियाह

7 अब इन बातन क बारे में जउन तू लिखे रह्या: अच्छा इ बा कि कउनउ मनई कीहीउ स्त्री स बियाह न करइ। 2मुला यौन अनैतिकता क घटना क सम्भवावनावन क कारण हर पुरुस क आपन पत्नी होइ चाही अउर हर स्त्री क आपन पति। 3पति क चाही कि पत्नी क रूप में जउन कछू पत्नी क अधिकार बनत ह, ओका देइ। अउर इही तरह पत्नी क भी चाही कि पति क ओकर यथोचित प्रदान करइ। 4अपने सरिरी पर पत्नी क कउनउ अधिकार नाहीं बा, बल्कि ओकरे पति क बा। अउर इही तरह पति क ओकरे अपने सरिरी पर कउनउ अधिकार नाहीं बा, बल्कि ओकरे पत्नी क अहइ। 5अपने आप क पराधना में समर्पित करइ क बरे थोड़े समइ तक एक दूसरे स समागम न करइ क आपसी सहमति क छोड़िके, एक दूसरे क संभोग स वंचित जिन करा। फिन आतिमा संयम क अभाउ क कारण कहुँ सइतान तोहे कउनउ परीच्छा में न डालि देइ, इही बरे तू फिन समागम कइ ल्या।

6मई इ एक छट क रूप में कहत रहत हउँ, आदेस क रूप में नाहीं। 7मई तउ चाहित हउँ सभन लोग मोरे जइसेन होतेन। मुला हर मनई क परमेस्सर स एक

"काहेकि ... जइ ही" उत्पत्ति 2:24

विशेष बरदान मिला बा। कीहीउ क जिअइ क एक ढंग बात त दुसरे क दूसर।

⁸अब मोका अविवाहितन अउर विधवा क बारे में इ कहब बा: अगर उ हमरे समान अकेल ही रहइँ तउ ओकरे बरे इ अच्छा रही। ⁹मुला अगर उ पचे अपने आप पर काबू न रख सकइँ तउ ओहे बियाह कइ लेइ चाही, काहेकि वासना क आग में जलत रहइ स विआह कइ लेब अच्छा बा।

¹⁰अब जउन विवाहित अहउँ ओनका हमार ई आदेस बा, यद्यपि इ हमार नाहीं बा बल्कि पभूँ क आदेस बा कि कउनउ पत्नी आपन पति क न तियागइ चाही। ¹¹मुला अगर उ ओका छोड़िही देइ तउ ओका फिन अनब्याहा ही रहइ चाही या अपने पति स मेल-मिलाप कइ लेइ चाही। अउर अइसेन ही पति क अपनी पत्नी क छोड़इ न चाही।

¹²अब सेस लोगन स मोर इ कहब बा: (ई मईँ कहत हउँ न कि पभूँ) अगर कि कउनो मसीही भाई क कउनउ अइसी पत्नी बा जउन एँह मते में बिसवास नाहीं रखत अउर ओकरे साथे रहइ क सहमत बा त ओका तियाग देइ चाही। ¹³अइसेन ही अगर कउनो स्त्री क कउनउ अइसेन पति बा जउन पथ क बिसवासी नाहीं अहइ मुला ओकरे साथे रहइ क सहमत बा त ओह स्त्री क भी आपन पति तियागइ न चाही। ¹⁴काहेकि उ अबिसवासी पति बिसवासी पत्नी क लगे क सम्बन्ध क कारण पवित्तर होइ जात ह अउर इही तरह उ अबिसवासी पत्नी अपने बिसवासी पति क हमेसा साथ रहे स पवित्तर होइ जात ह। नाहीं तउ तोहार सन्तान अस्वच्छ होइ जात मुला अब तउ उ पचे पवित्तर बाटेन।

¹⁵फिन भी अगर केउ अबिसवासी अलग होइ चाहत ह तउ उ अलग होइ सकत ह। अइसन स्थितियन में कउनो मसीह भाई या बहिन पर कउनउ बंधन लागू न होई। परमेस्सर हमका सान्ति क साथे रहइ क बोलाए अहइ। ¹⁶हे पत्नियो, का तू पचे जानत अहा? होई सकत ह तू अपने अबिसवासी पति क बचाइ ल्या। हे पति, का तू जानत ह? होइ सकत ह तू अपने अबिसवासी पत्नी क बचाइ ल्या।

जइसन अहा, वइसेइ जिआ

¹⁷पभूँ जेका जइसेन दिहे अहइ अउर जेका जेह रूप में चुनें अहइ, ओका वइसेन ही जियइ चाही। सभन कलीसियन में मईँ इही क आदेस देत हँ। ¹⁸जब किहूँ क परमेस्सर क द्वारा बोलावा गवा, तब अगर उ खतना युक्त रहा तब ओका आपन खतना छिपावइ न चाही। अउर किहूँ क अइसेन दसा में बोलावा गवा जब उ बिना खतना क रहा तउ ओकर खतना करावइ न चाही। ¹⁹खतना तउ कछूँ नाहीं बाटइ, अउर न ही खतना न होब कछूँ बा। बल्कि परमेस्सर क आदेसन क पालन

करब ही सब कछूँ अहइ। ²⁰हरि किहूँ क उही स्थिति में रहइ चाही, जेहमें ओका बोलावा गवा बा। ²¹का तोहे सबन क दास क रूप में बोलावा गवा बा? तू एकर चिन्ता जिन करा। मुला अगर तू स्वतंत्र होई सकत ह तउ आगे बढ़ा अउर अवसर क लाभ उठावा। ²²काहेकि जेका पभूँ क दास क रूप में बोलावा गवा, उ तउ पभूँ क स्वतंत्र मनईँ अहइ। इही तरह जेका स्वतंत्र मनईँ क रूप में बोलावा गवा, उ मसीह क दास अहइ। ²³परमेस्सर कीमत चुकाइके तोहे सबन क खरीदे बाटइ। इही बरे मनइयन क दास न बना। ²⁴भाइयो, तोहे जउनने स्थिति में बोलावा गवा बा, परमेस्सर की सामने उही स्थिति में रहा।

बियाह करइ सम्बन्धी प्रश्नन क उत्तर

²⁵अविआहा क सम्बन्ध में पभूँ कइँती स मोका कउनो आदेस नाहीं मिला बा। इही बरे मईँ पभूँ क दया पाइके बिसवासी होइ क कारण आपन राय देत हँ। ²⁶मईँ सोचत हँ कि एह वर्तमान संकट क कारण इहइ अच्छा बा कि कउनउ मनईँ मोरे समान ही अकेला रहइ। ²⁷अगर तू विवाहित अहा तउ ओसे छुटकारा पावइ क यत्न जिन करा। अगर तू पत्नी स मुक्त अहा तउ ओका खोजा न। ²⁸मुला अगर तोहार जीवन विवाहित बा तउ तू कउनउ पाप नाहीं किहे अहा। अउर अगर कउनउ कन्या बियाह करत ह, तउ कउनउ पाप नाहीं करत ह मुला अइसेन लोग सररीक कट उटइहीं जेनसे मईँ तोहे सबन क बचावइ चाहत हँ।

²⁹भाइयो तथा बहिनियो, मईँ तउ इहइ कहत हँ, समइ बहुत कम बा। इही बरे अब आगे, जेनके लगे पत्नियन अहँ उ पचे अइसन ही रहइँ, माना उनके पास पत्नियन हइयइ नाहीं हइन। ³⁰अउर उ सबइ जउन विलखत अहँ उ पचे, अइसेन रहइँ, माना कबहूँ दुखही न भवा होइ। अउर जउन आनन्दित हयेन, उ पचे अइसेन रहइँ, माना खुसइ नाहीं भवा रहेन। अउर उ पचे जउन चीज मोल लेत हीं, अइसेन रहइ माना ओनके लगे कछूँ न होइ। ³¹अउर जउन संसारिक सुख-बिलासन क भोग करत हयेन, उ पचे अइसेन रहइँ, माना उ पचे चीज ओनके बरे कउनउ महत्व नाहीं रखत। काहेकि इ संसार अपने वर्तमान सरूप में नासवान बा।

³²मईँ चाहत हँ आप लोग सबइ चिन्ता स मुक्त रहा। एक अविवाहित मनईँ पभूँ सम्बन्धी विसयन क चिन्तन में लगा रहत ह कि उ पभूँ क कइसे खुस करइ। ³³मुला एक विवाहित मनईँ संसारिक विसयन में ही लिप्त रहत ह कि उ आपन पत्नी क कइसे खुस कइ सकत ह। ³⁴एह तरह ओकर व्यक्तित्व बँटि जात ह। अउर अइसेन कउनउ अविवाहित पत्नी या कुआरी कन्या क जेका बस पभूँ सम्बन्धी विसयन क ही चिन्ता रहत ह। जेहसे उ अपने सररीर अउर आपन आत्मा स

पवित्तर होइ सकइ। मुला एक विवाहित स्त्री सांसारिक बिसय भोगन मँ एँह तरह लिप्त रहत ह कि उ अपने पति क रिद्धावत रहि सकइ।

³⁵इ मई तोहसे तोहरे भले क बरे ही कहत हउँ तोह पर बन्धन लगावे क बरे नाहीं। बल्कि अच्छी व्यवस्था क हित मँ अउर इही बरे कि तू चित्त क चंचलता क बिना पभू क समर्पित होइ सका।

³⁶अगर केउ सोचत ह कि उ आपन जवान होइ चुकी कुंआरी बिटिया क बरे उचित नाहीं करत बा अउर अगर ओकर काम भावना तेज बा, अउर दुन्नऊ क ही आगे बढ़िके बियाह कइ लेइ क जरूरत बा, तउ जइसन उ चाहत ह, ओका आगे बढ़िके वइसेन ही कइ लेइ चाही उ पाप नाहीं करत बा। ओका बियाह कइ लेइ चाही। ³⁷मुला जउन अपने मने मँ बहुत पक्का अहइ अउर जेह पर कउनउ दबावउ नाहीं बा, बल्कि जेकर इच्छन पर पूरा बस बा अउर जे अपने मने मँ पूरा निस्वय कइ लिहे बा कि अपने प्रिया स बियाह न करइ तउ उ अच्छा ही करत बा। ³⁸तउ उ जउन आपन प्रिया स बियाह कइ लेत ह, अच्छा करत ह अउर जउन ओसे बियाह नाहीं करत उ अउर भी अच्छा करत ह।

³⁹जब तलक किहउ स्त्री क पति जिन्दा रहत ह, तबउ तलक उ बियाह क बन्धन मँ बंधी होत ह मुला अगर ओकरे पति क मउत होइ जात ह, तउ जेकरे साथे चाहइ बियाह करइ, उ स्वतन्त्र बा मुला केवल पभू मँ। ⁴⁰पर अगर जइसेन उ बा वइसेन ही रहत ह, त जियादा खुस रही। इ मोर विचार अहइ। अउर मई सोचत अहउँ कि मोहँ मँ परमेस्सर क आतिमा क ही निवास अहइ।

चढावइ क भोजन

8 जब मूर्तियन पर चढाइ गइ बलि क बारे मँ: हम इ जानित ह, “हम सबहिं गियानी अही।” “गियान” लोगन क अहंकार स भरि देत ह। मुला पिरेम स मनई अधिक सक्तिशाली बनत ह। ²अगर केऊँ सोचइ कि उ कछू जानत ह तउ जेका जानइ चाही ओकरे बारे मँ तउ ऊ अबहूँ कछू जनबइ नाहीं करत। ³अगर केउ परमेस्सर क पिरेम करत ह त उ परमेस्सर क जरिये जाना जात ह।

⁴तउन मूर्तियन पर चढावा गवा भोजन क बारे मँ हम जानत अही कि एह संसारे मँ मूरति का अस्तित्व नाहीं बा। अउर इ कि “परमेस्सर केवल एकइ अहइ।” ⁵अउर धरती या आकास मँ जद्यपि अइसेन ही देवता बहुत स अहइँ (बहुत स “देवता” हयेन, बहुत स “पभू” हयेन) मुला हमरे बरे तउ एकइ परमेस्सर बा, हमार पिता। उही स सब कछू आवत ही अहइ। अउर ऊही क बरे हम जिअत अही। पभू केवल एक अहइ, ईसू मसीह। उही क द्वारा सब चीजन क अस्तित्व बा अउर ऊही क जरिये हमार जीवन बा।

⁷मुला इ गियान सब कीहीउ क लगे नाहीं अहइ। कछू लोग जउन अब तलक मूर्ति पूजा क आदी अहइँ, अइसेन चीजन खात हीं अउर सोचत हीं जइसेन माना उ चीज मूर्ति क प्रसाद अहइ। ओनके इ करमे स ओनकर आतिमा कमजोर होइ क कारण दूसित होइ जात ह। ⁸मुला उ प्रसाद तउ हमका परमेस्सर क लगे न लइ जाइ। अगर हम ओका नाहीं खाइ तउ कछू घटी नाहीं जात अउर अगर खाई तउ कछू बढ़ नाहीं जात।

⁹सावधान रहा। कहूँ तोहरे इ अधिकार ओकरे बरे, जउन कमजोर बाटेन, पाप मँ गिरइ क कारण न बन जाइ। ¹⁰काहेकि कमजोर बिसवास क कउनउ मनई अगर तोहे जइसेन इ बिसय क जानकार क मूर्तिवाला मंदिर मँ खात भआ देखत ह तउ ओकर दुर्बल मन का ओह हद तलक न भटक जाई कि उ मूर्ति पर बलि चढाइ गइ चीजन क खाइ लागेन। ¹¹तोहरे गियान स, कमजोर मने क मनई क तउ नास ही होइ जाइ तोहरे उहीं बन्धु क, जेकरे बरे मसीह तउ जान दइ दिहसे। ¹²इही तरह अपने भाइयन अउर बहिनियन क विरुद्ध पाप करत भए अउर ओनके कमजोर मने क चोट पहुँचावत भए तू लोग मसीह क विरुद्ध पाप करत अहा। ¹³एँह बरे अगर भोजन मोरे भाई क पाप क राह पर बढ़ावत ह तउ मई फिन कभउँ मौस न खाबइ ताकि मई अपने भाई क बरे, पाप करइ क कारण न बनउँ।

पौलस भी दुसरे प्रेरितन जइसा अहइ

9 का मई स्वतन्त्र नाहीं हउँ? का मई भी एक प्रेरित नाहीं हउँ? का मई हमार पभू ईसू मसीह क दर्शन नाहीं किहे अहउँ? का तू लोग पभू मँ मोर इ करम क उदाहरण नाहीं अहा? ²चाहे दुसरन क बरे मई प्रेरित न भी होउँ तबउ मई तोहरे बरे त प्रेरित हउँ। काहेकि तू एक अइसेन मोहर क समान अहा जउन पभू मँ मोरे प्रेरित होइ क प्रमाणित करत ह।

³उ लोग जउन मोर जाँच करइ चाहत हीं, ओनके बरे आपन सकाई देइ मँ मोर उत्तर इ अहइ: ⁴का हमका खाइ पीयइ क अधिकार नाहीं बाटइ? ⁵का हमका इ अधिकार नाहीं कि कउनो बिसवासिनी पत्नी क हम अपने साथे लइ जाइ? जइसेन कि दूसर प्रेरित, पभू क बन्धु अउर पतरस किहे रहेन। ⁶अउर का बरनाबास अउर मोरे लगे ही इ अधिकार बा कि आपन आजीविका कमाइ क बरे हम कउनउ काम न करीं? ⁷सेना मँ अइसेन के होइ जउन एक सिपाही क रूपे मँ अपने क वेतन देइ। अउर के होइ जउन अंगूर क बगिया लगाइके ओकर फल न चखी? या कउन अइसा अहइ जउन भेड़न क खरका क देखभाल न करत होइ पर ओकर दूध न पीअत होइ?

⁸का हम मानवीय चिन्तन क रूपे मँ ही अइसेन कहत हई? आखिरकार का व्यवस्था क विधान भी

अइसेन नाहीं कहत? ⁹मूसा क व्यवस्था मँ लिखा बा, “खरिहाने मँ बरधा क मुँह जिन बाँधा।” * का परमेस्सर केवल बरधन क बारे मँ बतावत अहइ? ¹⁰(निस्चित रूप स उ एका क हमरे बारे नाहीं बतावत अहइ? हाँ, इ) हमरे बारे ही लिखा गवा रहा। काहेकि खेत जोतइवाला कीहीउ आसा स ही खेत जोतइ अउर खरिहाने मँ भूसा स अनाज अलगवइवाला फसल क कछू भाग पावइ क आसा तउ रखी। ¹¹फिन अगर हम तोहरे हिते क बारे आत्मिक बिया बोए अही तउ हम तोहसे भौतिक चीजन क फसल काटइ चाहित ह, इ का कउनउ बहुत बड़ी बात बा? ¹²अगर दूसर लोग तोहसे भौतिक चीजन पावइ क अधिकार रखत हीं तउ हमार तउ तोह पइ का अउर भी जियादा अधिकार नाहीं बा? मुला हम इ अधिकार क उपयोग नाहीं किहे अही। बल्कि हम तउ सब कछू सहत रहे ताकि हम मसीह क सुसमाचार क रस्ता मँ कउनउ बाधा न डाली देइ। ¹³का तू नाहीं जानत बाट्या कि जउन लोग मंदिर मँ काम करत हीं उ पचे आपन खाना मंदिर स ही पावत हीं। अउर जउन नियमित रूप स वेदी क सेवा करत हीं, वेदी क चढ़ावा मँ ओनकर हिस्सा होत ह? ¹⁴इही तरह पभू व्यवस्था दिहे अहइ कि सुसमाचार क प्रचारकन क आजीविका सुसमाचार क प्रचार स ही होइ चाही।

¹⁵मुला ओहन अधिकारन मँ स मई एक क कभउँ प्रयोग नाहीं किहेउँ। अउर इ बात मई एह बारे लिखेउँ नाहीं कि अइसेन कछू मोरे बिसय मँ कीन्हा जाई। बजाय एकरे कि कउनउ मोसे ओह बात केउ छीन लेइ जेकर मोका गरब बा। ऐसे तउ मई मरि जाब ही ठीक समझबा। ¹⁶एह बारे अगर मई सुसमाचार क प्रचार करित ह तउ एहमाँ मोका गरब करइके कउनउ हेतु नाहीं बा काहेकि मोर त इ कर्तव्य बा। अउर अगर मई सुसमाचार क प्रचार न करउँ तउ मोरे बारे इ केतना खराब होइ। ¹⁷फिन अगर इ मई अपने इच्छा स करित ह तउ मई एकर पुरस्कार पावइ योग्य हई, परन्तु अगर आपन इच्छा स नाहीं बल्कि कउनो नियुक्ति क कारण इ काम मोका सौंपा गवा ह। ¹⁸तउ फिन मोर पुरस्कार काहे क? इही बारे जब मई सुसमाचार क प्रचार करीत हउँ विना कउनउ मूल लिहे ही ओका करउँ। ताकि सुसमाचार क प्रचार मँ जउन कछू पावइ क मोर अधिकार बा, मई ओकर कुल उपयोग न करउँ।

¹⁹जद्यपि मई किहू मनई क बन्धन मँ नाहीं हउँ, फिन मई खुद क तोहरे सबन क गुलाम बनाइ लिहे हउँ। ताकि मई अधिकतर लोगन क जीत सकउँ। ²⁰यहूदियन क बारे मई एक यहूदी जइसेन बनउँ, ताकि मई यहूदियन क उद्धार मँ मदद करि सकउँ मई खुद व्यवस्था क अधीन नाहीं अहउँ। जउन लोग व्यवस्था क अधीन

अहउँ, ओनके बारे मई एक अइसेन मनई बारे जउन व्यवस्था क अधीन जइसेन बनेउँ। इ मई एह बारे किहे कि मई व्यवस्था क अधीनन क उद्धार करवइ मँ मदद कइ सकउँ। ²¹मई एक अइसेन मनई बने जउन व्यवस्था क नाहीं मानत। जद्यपि मई परमेस्सर क व्यवस्था स रहित नाहीं हउँ बल्कि मसीह क व्यवस्था क अधीन हउँ। तउ कि मई जउन व्यवस्था क नाहीं मानत हउँ ओन्हे जीत सकउँ। ²²जउन मनइयन कमजोर अहई, ओनके बारे मई कमजोर बनेउँ ताकि मई कमजोरन क उद्धार करावइ मँ मदद कइ सकी। हर किहू क बारे मई हर किहू जइसेन बनेउँ त कि हर सम्भव उपाय स ओनकर उद्धार कइ सकउँ। ²³इ सब कछू मई सुसमाचार क बारे करत हउँ ताकि एकरे बरदानन मँ मोर भी कछू भाग होइ।

²⁴का तू लोग इ नाहीं जानत अहा कि खेल क मैदान मँ दौड़त सबहिँ धावक बाटेन मुला इनाम कउनो एक क मिलत ह। अइसेन दउड़ा कि जीत तोहार होइ सकइ। ²⁵कउनो खेल प्रतियोगिता मँ हर एक प्रतियोगी क हर तरह क आत्मा संयम करब होत ह। उ एक नासमान कीर्तिमान स सम्मानित होइ क बारे करत हीं मुला हम तउ एक अविनासी मुकुट क पावइ बारे इ करित ह। ²⁶एह तरह मई ओह मनई क समान दौड़त हउँ जेकरे सामने एक लच्छ बा। मई अहइ मुक्केबाज क तरह मुक्का मारत मारत हउँ मुला मई हवा मँ मुक्का नाहीं मारत हउँ। ²⁷बल्कि मई तउ आपन सरीर क कठोर अनुसासन मँ तपाइके, ओका अपने बस मँ करत हउँ। ताकि कहूँ अइसेन न होइ जाइ कि दुसरन क उपदेस देइ क बाद परमेस्सर क जरिये मई इ बेकार ठहराइ दीन्ह जाउँ।

यहूदियन जइसेन न बना

10 भाइयो तथा बहिनियो, मई चाहित हउँ कि तू इ जान ल्या कि हमरे पूर्वजन क का भवा रहा जउन मूसा क व्यवस्था क मानत रहेन। अउर उ सबहिँ बादल क छत्र छाया मँ सुरच्छापूर्वक लाल सागर पार कइ ग रहेन। ²ओहन सब क बादल क नीचे अउर समुद्र मँ मूसा क अनुयायी क रूप मँ बपतिस्मा दीन्हा गवा रहा। ³ओन सभन क समान आत्मिक भोजन खाए रहेन। ⁴अउर उ सबइ समान आत्मिक पेय पिए रहेन काहेकि उ अपने साथे चलत रही उ आत्मिक चट्टान स ही जल ग्रहण करत रहेन। अउर उ चट्टान रही मसीह। ⁵मुला ओहमें स अधिकांस लोगन स परमेस्सर खुस नाहीं रहा, इही बारे उ पचे मरुभूमि मँ मरि गएन।

⁶इ बातन अइसेन घटिन कि हमरे बारे उदाहरण सिद्ध होइ गइन। एहसे हम खराब बातन क कामना न करी जइसेन ओहन किहे रहेन। ⁷मूर्ति पूजक न बना, जइसेन कि ओहमाँ स कछू रहेन। पवित्र सास्तरन

कहत ह: "मनई खाइ पिअइ क बरे बइठा अउर परस्पर आनन्द मनावइ क बरे उठा।" * 8तउन आवा हम कभउँ व्यभिचार न करी जइसेन ओहमें स कछू किये रहेन। इही नाते ओहमें स 2,300 मनई एक्कइ दिन मरि गएन। 9आवा हम मसीह क परीच्छा न लेइ, जइसेन कि ओहमे स कछू जने लिये रहेन। परिणाम उ लोग साँप द्वारा मारा गएन। 10सिकवा-सिकायत न करा जइसेन कि ओनमें स कछू करत रहत रहेन अउर इही कारण विनास क सरगवूत क जरिये मार डावा गएन।

11इ बात ओनके साथे अइसेन घटी कि उदाहरण बन जाइ। अउर ओन्हे लिख दीन्हा गवा कि हमरे बरे जेह पर युगे क अंत उतरा भवा बा, चेतावनी रहइ। 12एह बरे जउन इ सोचत ह कि उ मजबूती स खड़ा अहइ, ओन्हे सावधान रहइ चाही कि उ गिर न पड़इ। 13तू पचे कउनो अइसेन परीच्छा में नाहीं पड़ा अहा जउन, मनइयन क बरे सामान्य नाहीं बा। परमेस्सर बिसवासनीय अहइ। उ तोहार सक्ति स ज्यादा तोहे परीच्छा में न पड़इ देई। परीच्छा क साथे-साथे ओसे बचइ क रस्ता भी तोहे सबन क देइ ताकि तू परीच्छा क उत्तीर्ण कइ सका।

14हमार पिआरा दोस्तन, अंत में मई कहत हउँ मूर्ति पूजा स दूर रहा। 15तोहे समझदार समझिके मई अइसेन कहत हउँ। जउन मई कहत हउँ, ओका अपने आप परखा। 16धन्यवाद क पियाला जेकरे बरे हम धन्यवाद देत हई, उ का मसीह क लहू (मृत्यु) में हमार साझेदारी नाहीं बा? उ रोटी जेका हम तोड़त त हई, का ईसू देह में हमार साझेदारी नाहीं बा? 17रोटी क होब एक अइसा तथ्य अहइ, जेकर अर्थ बा कि हम सब एक्कइ सरि स अही। काहेकि ओही रोटी में ही हम सब का साझेदारी बाटइ।

18ओन्हन इम्राएलियन (यहूदियन) क बारे में सोचा, जउन बलि क चीज खात हीं। का ओनकर ओह वेदी में साझेदारी नाहीं अहइ? 19इ बात क मोरे कहइ क प्रयोजन का बा? का मई इ कहई चाहित ह कि मूर्तियन पर चढ़ावा गवा भोजन कछू महत्व क बाटइ? या कि मूर्ति कछू भी नाहीं बाटइ। 20बल्कि मई इ कहत हउँ कि अधर्मी जउन बलि चढ़ावत हीं, उ पचे परमेस्सर क बरे नाहीं बल्कि दुस्ट आतिमन क बरे चढ़ावत हीं। मई नाहीं चाहत हउँ कि तू पचे दुस्ट आतिमन क बरे चढ़ावा। मई नाहीं चाहित कि तू दुस्ट आतिमन क साझेदार बना। 21तू पभू क कटोरा अउर सड़तान क कटोरा में स एक साथ नाहीं पी सकत्या। तू सबइ पभू क भोज क चौकी अउर दुस्ट आतिमन क खाना क चौकी, दुइनों में एक साथे हींसा नाहीं बटाइ सकत्या। 22का हम पभू क चिढ़ावइ चाहित ह? का जेतना सक्तिसाली उ अहइ, हम ओसे जियादा सक्तिसाली हई?

आपन स्वतन्त्रता क प्रयोग परमेस्सर क महिमा क बरे करा

23जइसेन की कहा गवा बा कि, "हम कछू भी करइ क बरे स्वतन्त्र हई।" पर सब कछू हितकारी तउ नाहीं अहई। "हम कछू भी करइ क बरे स्वतन्त्र हई।" मुला हर कउनो बात स बिसवास मजबूत तउ नाहीं होत। 24केउ क भी मात्र सुवारथ क ही चिन्ता न करइ चाही बल्कि अउरन क भलाई क बारे में सोचइ चाही।

25बजार में जउन कछू बिकाइ, अपने अन्तरमने क अनुसार उ सब कछू खा। ओकरे बारे कउनउ प्रस्न न करा। 26काहेकि सास्तर कहत ह, "इ धरती अउर एह पर जउन कछू बा, सब पभू क अहइ।" *

27अगर अबिसवासियन में स कउनउ मनई तोहे खाना पर बोलावइ अउर तू उहाँ जाइ चाहत अहा तउ तोहे सामने जउनउ परोसा गवा बा, आपने अन्तर्मने क अनुसार सब खा। कउनउ प्रस्न न पूछा। 28मुला अगर केउ तोहे लोगन क इ बतावइ, "इ देवता पर चढ़ावा गवा चढ़ावा अहइ" तउ जे तोहे इ बतावइ, ओकरे कारण अउर अपने अन्तर्मने क कारण ओका न खा। 29मई जब अन्तर्मन कहत हउँ तउ हमार मतलब तोहे अन्तर्मने स नाहीं बल्कि ओह दुसरे मनई क अन्तर्मने स बा। एकमात्र इहई कारण अहइ। काहेकि मोर स्वतन्त्रता भला दूसरे मनई क अन्तर्मने क जरिये लीन्ह गए निर्णय स सीमित काहे रहइ? 30अगर मई धन्यवाद दइके, खाना में हिस्सा लेइत ह तउ जेह चीज क बारे में मई परमेस्सर क धन्यवाद देइत ह, ओकरे बरे मोर आलोचना नाहीं कीन्ह जाइ चाही।

31इही बरे चाहे तउ खा, चाहे पिआ, चाहे कछू अउर करा, बस कछू परमेस्सर क महिमा क बरे करा। 32यहूदियन क बरे रहा या गैर यहूदियन क बरे जउन परमेस्सर क कलीसिया क अहई, ओनके बरे कभउँ बाधा न बना 33जइसे मई खुद सब तरह स हर कउनो क खुस रखइ क जतन करत अहउँ, अउर बिना इ सोचे कि मोर सुवारथ का अहइ, परमार्थ क सोचत हउँ ताकि ओनकर उद्धार होइ।

11 तउन तू लोग वइसेन ही मोर अनुसरण करा जइसेन मई मसीह का अनुसरण करित हउँ।

अधीन रहा

2मई तोहर प्रसंसा करत हउँ। काहेकि तू मोका हर समइ सुमिरत करत रहत ह; अउर जउन सिच्छन मई तोहे दिहे हउँ, ओनका सावधानी स पालन करत रहया। 3पर मई चाहित ह कि तू इ जान ल्या कि स्त्री क सासक पुरुस अहइ, पुरुस क सासक मसीह अहइ, अउर मसीह क सासक परमेस्सर अहइ। 4हम अइसेन मनई जउन

सिर ढाँकिके पराथना करत ह या परमेस्सर कईती बोलत ह, उ आपन प्रधान क अपमान करत ह।⁵पर हर एक अइसी स्त्री जउन बिना सिर ढाँकिके पराथना करत ह या जनता में परमेस्सर कईती बोलत ह, उ अपने प्रधान क अपमानित करत ह। उ ठीक ओह स्त्री क समान अहइ जे आपन सिर मुंडवाइ दिहे अहइ।⁶अगर कउनउ स्त्री आपन सिर नहीं ढाँकत तउ उ अपने बालउ काहे नहीं मुँडवाइ लेत। मुला अगर स्त्री क बरे बाल मुँडवाउब लजा क बात अहइ तउ ओका आपन मुँडू ढँकइ चाही।⁷मुला पुरुस क बरे आपन मुँडू ढकब अच्छा नहीं बा काहेकि उ परमेस्सर क सरूप अउर महिमा क प्रतिबिम्ब अहइ। मुला एक स्त्री आपन पुरुस क महिमा क प्रतिबिम्ब करत ह।⁸हम अइसेन एह बरे कहत हई काहेकि पुरुस कउनो स्त्री स नहीं, बल्कि स्त्री पुरुस स बनी बाटइ।⁹पुरुस स्त्री क बरे नहीं रचा गवा बल्कि स्त्री क रचना पुरुस क बरे कीन्ह गइ बा।¹⁰इही बरे परमेस्सर तउ ओका जउन अधिकार दिहे अहइ, ओकर प्रतीक रूप स स्त्री क चाही कि उ आपन मुँडू ढाकइ। ओका सरगदूत क कारण अइसेन करइ चाही।

¹¹फिन भी उ पभूँ मैं न तउ स्त्री पुरुस स स्वतन्त्र अहई अउर न तउ पुरुस स्त्री स।¹²काहेकि जइसेन पुरुस स स्त्री आइ, वइसेन ही स्त्री पुरुस क जनम दिहेस। मुला सब केउँ परमेस्सर स आवत ही।

¹³खुद निर्णय करा। का एक स्त्री क मुँडू उघारे परमेस्सर क पराथना करब अच्छा लागत ह? ¹⁴का खुद प्रतीक तोहे नहीं देखॉवत कि अगर केउ पुरुस आपन बाल लम्बा बड़ देइ तउ इ ओकरे बरे सरम क बात अहइ।¹⁵अउर इ कि एक स्त्री क बरे इहइ ओकर सोभा अहइ? सहीयउँ में ओका ओकरे लम्बा बाल एक प्राकृतिक ओढ़नी क रूप में दीन्ह गवा बा।¹⁶अब एँह पर अगर कउनउ बिबाद करइ चाहइ तउ हमका कहइ क होइ कि न तऊ हमरे इहाँ कउनउ अइसेन प्रथा परमेस्सर क कलीसिया में नहीं बा।

पभूँ क भोज

¹⁷अब इ आदेस देत हउँ मई तोहर प्रसंसा नहीं करत हउँ काहेकि तोहर आपस में मिलब तोहार भला करइ क बजाय तोहे हानि पहुँचावत बा।¹⁸सबसे पहिले इ कि मई सुने हउँ कि तू लोग सभा में जब परस्पर मिलत हया त तोहरे बीच मतभेद रहत ह। कछू अंस तक मई एह पर बिसवास करत हउँ।¹⁹आखिरकार तोहरे बीच मतभेद भी होइहीं। जेहसे कि तोहरे बीच में जउन अच्छा ठहरावा गवा बा, उ सामने आइ जाइ।²⁰तउन जब तू आपस में इकट्ठा होत ह तउ सचमुच पभूँ क भोज पावइ क बरे नहीं एकट्ठा होत्या, ²¹मुला जब तू भोज ग्रहण करत ह त तोहमों स हर केऊँ आगे बढ़ि क अपनेन ही खाना पर

टूट पड़त ह। अउर बस केउ मनई तउ भूखइ ही चला जात ह, जब कि कउनउ मनई बहुत जियादा खाइ-पी क मस्त होइ जात ह।²²का तोहरे लगे खाइ-पीअइ क बरे आपन घर नहीं बा। अउर एह तरह तू परमेस्सर क कलीसिया क अनादर नहीं करत अहा? अउर जउन दीन अहई ओनकर तिरस्कार करइ क चेस्टा नहीं करतेन? मई तोहसे का कहीं? एकरे बरे का मई तोहर प्रसंसा करउँ। एह बिसय में तोहार प्रसंसा न करब।²³काहेकि जउन सीख मई तोहे सबन क दिहे हउँ, उ हमका पभूँ स मिली रही। पभूँ ईसू त ओह रात, जब ओका मरवाइ डालइ क बरे पकड़वावा ग रहा, एक टु रोटी लिहस, ²⁴अउर धन्यवाद देइ क बाद, उ ओका तोड़ेस अउर कहेस, “इ मोर देह अहइ, जउन तोहरे बरे बा। मोका याद करइ क बरे तू अइसेन ही किहा करा।”²⁵उ भोजन कइ चुकइ क बाद इही तरह उ कटोरा उठाएस अउर कहेस, “इ कटोरा मोरे लहूँ क जरिये कीन्ह गवा एक नवा करार अहइ। जब कभउँ तू एका पिआय तबहिँ मोका याद करइ क बरे अइसेन करा।”²⁶काहेकि जेतनी बार उ तू एँह रोटी क खात ह अउर एह कटोरा क पिअत ह, ओतनी बार जब तलक उ आइ नहीं जात, तू पभूँ क मउत क प्रचार करत रहा।

²⁷अतः जब केउ पभूँ क रोटी या पभूँ क कटोरा क अनुचित रूप स खात-पिअत ह, उ पभूँ क देह अउर ओकर लहूँ क बरे अपराधी होइ।²⁸मनई क चाहे कि उ पहिले अपने क परखइ अउर तब इ रोटी क खाई अउर इ कटोरा क पिअइ।²⁹काहेकि पभूँ क देह क मतलब समझे बिना जउन एह रोटी क खात ह अउर एह कटोरा क पिअत ह, उ एह तरह खाइ-पीके अपने उप्पर सजा क बोलावत ह।³⁰इही बरे तउ तोहमों स बहुत लोग कमजोर अहई बीमार अहई अउर बहुत स त चिरन्दिन मँ सोइ ग अहई।³¹मुला अगर हम अपने आप क अच्छे तरह स परख लिहे होइत हमका पभूँ क सजा न भोगइ पड़ी।³²पभूँ हमका अनुसासित करइ क बरे सजा देत था ताकि हमका संसार क साथे दण्डित न कीन्ह जाइ।

³³एह बरे कि हे मोर भाइयो तथा बहिनियो, जब भोजन करइ त एकट्ठा होत ह तउ परस्पर एक दूसरे क इन्तजार करा।³⁴अगर सहीयउँ में कउनो क बहुत भूख लगी होइ तउ ओका घरे पर खाइ लेइ चाही ताकि तोहार एकत्र होइ तोहरे बरे दण्ड क कारण न बनइ। अउर, दूसर बातन क जब मई अउबइ तबइ सुलझाउब।

पवित्तर आत्मा क बरदान

12 भाइयो तथा बहिनियो, अब मई चाहत हउँ कि तू आत्मा क बरदान क बारे में जाना। तू जानत अहा कि जब तू विधर्मी रहया तब तोहे गूंगी जड़ मूर्तियन कईती जइसेन भटकावा जात रहा, तू वइसेन ही भटकाव

रह्या।³तउन मई तोहे बतावत हई कि परमेस्सर क आतिमा क बोलइ वाला कउनउ इ नाही कहत, "ईसू क प्रप लगइ" अउर पवित्र आतिमा क बगैर मदद द्वारा कहइवालन क न केउ इ कहि सकई, "ईसू पभू अहइ।"

⁴हर एक क आतिमा क अलग-अलग बरदान मिला बा। मुला ओनका देइवाली आतिमा तउ एकइ बा।⁵सेवा कइउ तरह क निश्चित कीन्ह गइ बाटिन मुला हम सब जेकर सेवा करत अही उ पभू तउ एक ही अहइ।⁶काम-काज बहुत स बतावा गवा बाटेन मुला सबहिं क बीच सब कामन क करइवाला उ परमेस्सर तउ एक ही अहइ।⁷सब कउनो मैं आतिमा केउ न केउ रूपे मैं परगट होत ह जउन हर एक क भलाइ क बरे होत ह।⁸कउनो क आतिमा क जरिये परमेस्सर क गियान स युक्त भइ बोलइ क योग्यता दीन्ह गइ बा। तउ केउ क उही आतिमा क जरिये दिव्य गियान क प्रबचन क योग्यता।⁹अउर केउ क उही आतिमा द्वारा बिसवास क बरदान दीहा गवा बा तउ केउ क चंगा करइ क छमता ऊही आतिमा क जरिये दीन्ह गइ बा।¹⁰अउर केउ दूसरे मनई क अद्भुत कारजन करइ क सकती दीन्ह गइ बा तउ केउ दूसरे क परमेस्सर कइती स बोलइ क सामर्थ्य दीन्ह गवा बा। अउर केउ क मिली बा भली बुरी आतिमा क अन्तर क पहिचानइ क सकती कउनो क अलग-अलग भाखा बोलइ क सकती मिली भइ बा; तउ केउ क भाखा क बियाखिया कइके ओकर मतलब निकालइ क सकती।¹¹मुला इ उहई एक आतिमा बा जउन जेह-जेह क जइसेन-जइसेन ठीक समझत ह, देत भए इन सब बातन क पूरा कइ सकत ह।

मसीह क देह

¹²जइसेन हममें स हर एक क सरीर तउ एकइ बा, पर ओहमाँ अंग कइयउ बाटेन। अउर यद्यपि अंगन क कइयउ रहत भए ओनसे देह एकइ बनत ह वइसेन ही मसीह अहइ।¹³काहेकि चाहे हम यहूदी रहा अही, चाहे गैर यहूदी, सेवक होइ य स्वतन्त्र। एकइ सरीर क विभिन्न अंग बनी जाइ क बरे हम सब क एकइ आतिमा द्वारा बपतिस्मा दीन्ह गवा अउर पियास बुझावइ क हम सब क एकइ आतिमा दीन्ह गइ बा।

¹⁴अब देखा, मनई सरीर कउनो एक अंग स ही तउ बना नाही होत, बल्कि ओहमाँ बहुत स अंग होत हीं।¹⁵अगर गोइ कहई, "काहेकि मई हाथ नाही हउँ, इही बरे मोर सरीर स कउनउ सम्बन्ध नाही तउ इही बरे का उ सरीर क अंग न रही।"¹⁶इही तरह अगर कान कहइ, "काहेकि मई आँख नाही हउँ," एह बरे मई सरीर क नाही हउँ।" तउ का इही कारण स उ सरीर क अंग न रही।¹⁷अगर एक आँख ही सब सरीर होत तउ सुना कहाँ स जात? अगर कान ही सब सरीर होत तउ सूर्घों कहाँ स जात।¹⁸मुला परमेस्सर जइसा ठीक समझैस उ

सही मैं सरीर मैं वइसेन ही स्थान दिहैस।¹⁹तउ सरीर क सब अंग एक जइसा ही होइ जात तउ सरीर ही कहाँ होत।²⁰मुला स्थिति इ बा कि अंग त कइयउ होत हीं मुला सरीर एकइ रहत ह।

²¹आँख हाथे स इ नाही कहि सकत, "मोका तोहार जरूरत नाही बाटइ!" या अइसे ही सिर, गोडन स इ नाही कहि सकत, "हमका तोहार जरूरत नाही!"²²एकरे बिलकूल उल्टा सरीर क अंगन क हम कमजोर समझित ह, उ सबइ बहुत जरूरी होत हीं।²³अउर सरीर क जउने अंगन क हम कम आदरणीय समझित ह, ओनकर हम जियादा धियान रखित ह। अउर हमार गुप्त अंग अउर जियादा सालीनता पाइ लेत हीं।²⁴जब कि हमरे प्रदर्शनीय अंगन क एह तरह क उपचार क जरूरत नाही होत। मुला परमेस्सर तउ हमरे सरीर क रचना एह ढंग स किहैस ह जेहसे ओन अंगन क जउन कम सुन्दर बा अउर जियादा आदर मिलइ।²⁵ताकि देहे मैं कहुँ कउनउ फूट न पड़इ बल्कि देहे क अंग परस्पर एक दुसरे क समान रूप स धियान रखईं।²⁶अगर सरीर क कउनउ एक अंग दुख पावत ह तउ ओकरे साथे सरीर क अउर सभन अंग दुखी होत हीं। अगर कउनउ एक अंग क मान बढ़वत ह त ओकर खुसी मैं सभन अंग हिस्सा बताव थीं।

²⁷एह तरह तू सभन लोग मसीह क देह अहा अउर अलग-अलग रूप में ओकर अंग अहा।²⁸एँतना ही नाही परमेस्सर तउ कलीसिया मैं पहिले प्रेरितन क, दूसरे नबियन क, तीसरे उपदेसकन क फिन अद्भुत कारजन करइ वालन क, फिन चंगा करइ क सकती स युक्त मनइयन क, फिन ओनकर जउन दुसरन क सहायता करत हीं, स्थापित किहे अहइ, फिन अगुवाई करइवालन क अउर फिन ओहन लोगन क जउन विभिन्न भाखा बोल सकत हीं।²⁹का इ सब लोग प्रेरित अहई? का इ सब लोग नबी अहई? का इ सब लोग उपदेसक अहई? का इ सब लोग अचरज काम करत हीं?³⁰का इ सब लोगन क लगे चंगा करइ क सकती बाटइ? का इ सब लोग दूसर भाखा बोलत हीं?³¹हाँ, मुला आतिमा क अउर बड़ा बरदान पावइ क बरे यत्न करत रहा। अउर इ सबन क बरे अच्छा रस्ता तू पचन क अब मई देखउव।

पिरेम महान बा

13 अगर मई मनइयन अउर सरगदूतन क भाखा बोल सकउँ मुला मोहेमाँ पिरेम न होइ, तउ मई एक बाजत भआ सिरिफ घड़ियाल या झंकारत भइ झाँझ अहउँ।²अगर मई परमेस्सर कइती स बोलइ क सकती क बरदान प्राप्त करउँ अउर जदि मई परमेस्सर क सबइ रहस्थन क जानत होउँ अउर समूचा दिव्य गियान मोरे लगे होइ अउर एँतना बिसवास उ मोका होइ कि

पर्वतन क अपने स्थान स सरकाइ सकउँ, मुला मोहेमाँ पिरेम न होइ तउ मई कछू नाहीं अहउँ।³ अगर मई आपन सारी सम्पत्ति थोड़-थोड़ कइके जरूरत मन्द क बरे दान कइ देउँ अउर अब चाहे अपने सररी तक क जलाइ डालइ क बरे सौप देउँ मुला अगर मई पिरेम नाहीं करित तउ।

⁴एहसे मोर भला होइवाला नाहीं बा। पिरेम धीरजपूर्ण बा, पिरेम दयामय बा, पिरेम मँ ईसा नाहीं होत, पिरेम आपन प्रसंसा आप नाहीं करत।⁵ उ अभिमानी नाहीं होत। उ अनुचित व्यवहार कबहुँ नाहीं करत, उ सुवार्थी नाहीं बा, पिरेम कबहुँ झुँझलात नाहीं, उ बुराइयन क कउनउ लेखा-जोखा नाहीं रखत।⁶ बुराइ पर कबहुँ ओका खुस नाहीं होतइ। उ तउ दुसरन क साथे सत्य पर आनंदित होत ह।⁷ उ हमेसा रच्छा करत ह, उ हमेसा बिसवास करत ह। पिरेम हमेसा आसा स भरा रहत ह। उ सहनशील बा।⁸ पिरेम अमर बा। जब कि भविस्सबाणी करइ क सामर्थ तउ समाप्त होइ जाई, दूसर भाखा क बोलइ क छमता स जुरी भइ जीभ एक दिन चुप होइ जइहीं, दिव्य गियान क उपहार जात रही,⁹ काहेकि हमार गियान तउ अधूरा बा, हमार सब भविस्सबाणी अपूर्ण बाटिन।¹⁰ मुला जब पूर्णता आई तउ उ अधूरापन चला जाई।¹¹ जब मई गदला रहे तउ एक गदला क तरह ही बोला करत रहे, वइसेन ही सोचत रहे अउर उही तरह सोच विचार करत रहे, मुला अब जब मई बाढिके मनई बनि गवा हउँ, तउ उ बचपने क बात जात रही बाटइ।¹² काहेकि अबहिँ तउ दरपन मँ हमका एक धुँधली सी छाया देखोइ पड़त रही बा मुला पूरी तरह मिलि जाए पइ हम पूरी तरह आमने-सामने देखबा। अबहिँ तउ मोर गियान तनिक बा मुला समइ आवइ पर उ पूरा होये। वइसे ही जइसे परमेस्सर मोका पूरी तरह जानत ह।¹³ इही बीच बिसवास, आसा अउर पिरेम तउ बना ही रहई अउर इन तीनऊ मँ सबसे महान बाटइ पिरेम।

आत्मिक बरदानन क कलीसिया क सेवा मँ लगावा

14 पिरेम क रस्ता पर कोसिस करत रहा। अउर आध्यात्मिक बरदानन क निष्ठा क साथे अभिलास करआ। बिसेस रूप स परमेस्सर क तरफ स बोलइ क।

²काहेकि जेका दुसरन क भाखा मँ बोलइ क बरदान मिला ब, उ तउ सही मँ लोगन स नाहीं, बल्कि परमेस्सर स बात करत बाटइ। काहेकि ओका केउ समझ नाहीं पावत, उ त आतिमा क सक्ति स रहस्यमय होइके बानी बोलत बा।³ मुला उ जेका परमेस्सर कइँती स बोलइ क बरदान मिला बा, उ लोगन स ओन्हे आतिमा मँ मजबूत प्रोत्साहन अउर चैन पडुँचावइ बरे बोलत बा।⁴ जेका विभिन्न भाखन मँ बोलइ क बरदान मिला बा उ तउ बस आपन आतिमा क ही मजबूत करत ह मुला जेका परमेस्सर

कइँती स बोलइ क सामर्थ मिला बा उ समूची कलीसिया क आध्यात्मिक रूप स मजबूत बनावत ह।

⁵अब मई चाहत हउँ कि तू सबइ दूसर कइयउ भाखा बोला। मुला एहसे जियादा मई इ चाहित हउँ कि तू परमेस्सर कइँती स बोल सका काहेकि कलीसिया क आध्यात्मिक मजबूती क बरे अपने कहे क बिाखिया करइवाले क छोड़िके, दूसरी भाखा बोलइवालन स परमेस्सर कइँती स बोलइवाला बड़ा बा।

⁶तउन भाइयो तथा बहिनियो, अगर दूसरी भाखन मँ बोलत भआ मई तोहरे लगे आवउँ तउ एहसे तोहार का भला होइ, जब तलक कि तोहरे बरे मई कउनउ रहस्य उद्घाटन, दिव्य गियान, परमेस्सर क सन्देश या कउनउ उपदेश न देउँ।⁷ इ बोलब त अइसेन ही होइ जइसे कउनो बाँसुरी या सांगरी जइसेन निर्जीव बाजा क आवाज। अगर कउनो बाजा क स्वरन मँ परस्पर साफ अन्तर न होइ तउ कउनउ कइसे पता लगाइ पाई कि बाँसुरी या सांगरी पर कउन स धुन बजाइ जात बा।⁸ अउर अगर बिगुल स अस्पष्ट आवाज निकलइ लागइ तउ फिन युद्ध क बरे तइयार के होई? इही तरह कउनो दूसरे क भाखा मँ जब तक कि तू साफ-साफ न बोला, तब तलक केऊँ कइसेन समझ पाई कि तू का कहे रहा। काहेकि अइसेन मँ तू बस हवा मँ बोलइवाला ही रहि जाव्या।¹⁰ एहमँ कउनउ संदेह नाहीं बा कि संसार मँ भौँति-भौँति क बोली अहई अउर ओहमँ स कउनउ खराब नाहीं अहइ।¹¹ तउन अब तलक मई ओह भाखा क जानकार नाहीं हउँ, तब तलक बोलइवालन क बरे मई एक अजनबी ही रहबइ। अउर उ बोलइवाला मोरे बरे एक तु अजनबी ही ठहरी।¹² तोह पइ इ बात लागू होत ह काहेकि तू आध्यात्मिक बरदानन क पावइ बरे उत्सुक अहा। इही बरे ओहमँ भरपूर होइ क प्रयास करा। जेहसे कलीसिया क आध्यात्मिक मजबूति मिली जाइ।

¹³ परिणामस्वरूप जउन दूसर भाखा मँ बोलत ह, ओका पराथना करई चाही कि उ आपन कहे क मतलब भी बताइ सकइ।¹⁴ काहेकि अगर मई कीहींउ अउर भाखा मँ पराथना करउँ तउ मोर आतिमा त पराथना करत रही होत ह मुला मोर बुद्धि बेकार रहत ह।

¹⁵ तउ फिन का करइ चाही? मई आपन आतिमा स तउ पराथना करबइ। मुला ओकरे साथ आपन बुद्धि स भी पराथना करबइ। आपन आतिमा स त ओकर स्तुति करबइ ही मुला आपन बुद्धि स भी ओकर स्तुति करबइ।¹⁶ काहेकि अगर तू केवल आपन आतिमा स ही कउनउ आसीबाद द्या तउ हुवाँ बइठा कउनउ मनई जउन बस सुनत अहइ, तोहरे धन्यवाद पर "आमीन" कइसे कहि देई काहेकि तू जउन कहत अहा, ओका उ जनबइ नाहीं करत।¹⁷ अब देखा तू तउ चाहे भली-भौँति धन्यवाद देत अहा मुला दूसर मनई क तउ ओसे कउनउ आध्यात्मिक मजबूति नाहीं होत।

¹⁸मई परमेस्सर क धन्यवाद देत हउँ कि मई तोसे बढकर क विभिन्न भाखा बोलि सकित हउँ। ¹⁹मुला कलीसिया सभा क बीच कउनो दूसरी भाखा मँ दसहु हज़ार सब्द बोलइ क अपेच्छा आपन बुद्धि क उपयोग करत हुए पाँच सब्द बोलब अच्छा समझत अहउँ ताकि दूसरे क भी उपदेस दइ सकउँ।

²⁰भाइयो तथा बहिनियो, अपने बिचारन मँ गदेलन क नाई रहा बल्कि बुराइयन क बारे मँ अबोध गदला जइसेन बना रहा। मुला आपन चिन्तन मँ समझदार बना। ²¹व्यवस्था मँ लिखा बा:

“उपयोग ओनकर करत भए अउर बोली बोलत जउन, ओनके ही मुँहन क, उपयोग करत भए जउन क पराया मई करबइ बात एगसे पर न इ हमार सुनिहीं बात तब भी।”

यसायाह 28:11-12

पभू अइसेन ही कहत ह।

²²तउन दूसर भाखा बोलइ क बरदान अबिसवासियन क बरे संकेत अहइ न कि बिसवासियन क बरे अहइ। जब कि भविस्सबाणी करब अबिसवासियन बरे नाहीं बल्कि बिसवासियन बरे अहइ। ²³तउन अगर समूचा कलीसिया एकट्ठ होइ अउर हर केऊँ दूसर-दूसर भाखा मँ बोलत होइ तब भी बाहर क लोग या अबिसबासी भितर आइ जाई तउ का उ पचे तोहे पागल न कइहीं। ²⁴मुला अगर हर केउ परमेस्सर कइँती स बोलत होई अउर तब तलक कछू अबिसवासी या बाहर क आइ जाई त का सब लोग ओका ओकर पाप क बोध न कराइ देइहीं। सब लोग जे कहत हीं, ऊही पइ ओकर निआव होई। ²⁵जब ओकरे मने क भितर छिपा भेद खुली जाइ तब तलक उ इ कहत भआ, “सचमुच तोहरे बीच परमेस्सर अहइ” ढण्डवत प्रणाम कइके परमेस्सर क आराधना करिहीं।

तोहर सभा अउर कलीसिया

²⁶भाइयो तथा बहिनियो! तउ फिन का करइ चाही? तू जब एकट्ठा होत ह तोहमँ स कउनउ भजन, कउनउ उपदेस अउर कउनउ आध्यात्मिक रहस्य क उद्घाटन करत ह। कउनउ केउ अउर भाखा मँ बोलत ह त कउनउ ओकर बियाखिया करत ह। इ सब बात कलीसिया क आध्यात्मिक मजबूती क बरे कीन्ह जाइ चाही। ²⁷अगर केउ अउर भाखा मँ बोलत बाटइ तउन जियादा स जियादा दुइ या तीन क ही बोलइ चाही अउर बारी बारी, एक-एक कइके अउर जउन कछू कहा गवा बा, एक-एक क ओकर बियाखिया करइ चाही। ²⁸अगर उहाँ बियाखिया करइवाला केउ न होइ तउ बोलइवाले क चाही कि उ सभा मँ चुपइ रहइ अउर फिन ओका अपने आप स

अउर परमेस्सर स ही बात करइ चाही। ²⁹परमेस्सर कइँती स ओकर दूत क रूप मँ बोलइ क जेनका बरदान मिला बा, अइसेन दुइ या तीन नबियन क ही बोलइ चाही अउर दूसरन क चाही कि जउन कछू उ कहे अहइ, उ ओका परखत रहइ। ³⁰अगर हुवाँ केउ बइठा भआ पर कउने क बात रहस्य उद्घाटन होत ह जउन परमेस्सर कइँती स बोलत अहइ पहिला वक्ता क चुप होइ जाइ चाही। ³¹काहेकि तू एक-एक कइके भविस्सबाणी कइ सकत ह्या ताकि सबहिँ लोग सीखई अउर प्रोत्साहित होई।

³²नबियन क आतिमन नबियन क बस मँ रहत हीं।

³³काहेकि परमेस्सर अव्यवस्था नाहीं देत, उ सान्ति देत ह। जइसेन कि सन्तन क सभन कलीसियन मँ होत ह।

³⁴स्त्रियन क चाही कि उ कलीसियन मँ चुप रहई काहेकि ओन्हे सान्त रहइ चाही, बल्कि जइसेन कि व्यवस्था मँ कहा गवा बा, ओनका दबिके रहइ चाही। ³⁵अगर उ कछू जानइ चाहत ह तउ ओन्हे घरे पे आपन-आपन पति स पूछइ चाही काहेकि एक स्त्री क बरे समनाक अहइ कि उ सभा मँ बोलइ।

³⁶का परमेस्सर क बचन तोहसे पैदा भवा बा? या उ मात्र तोहे तलक पहुँचा? निश्चित नाहीं बा। ³⁷अगर केउ सोचत ह कि उ नबी अहइ अउर ओका कछू आध्यात्मिक बरदान मिला बा तउ ओका पहिचान लेइ चाही कि मई तोहे जउन कछू लिखत हउँ, उ पभू क आदेस बा। ³⁸तउन अगर केउ एँका नाहीं पहिचान पावत तउ ओका उ परमेस्सर द्वारा भी नाहीं जाना चाई।

³⁹एह बरे मोर भाइयो तथा बहिनियो, परमेस्सर कइँती स बोलइ क तत्पर रहा अउर दूसर भाखा मँ बोलइ वालन क भी न रोका। ⁴⁰मुला इ सभन बातन सही ढंग स अउर व्यवस्थानुसार कइ जाइ चाही।

ईसू क सुसमाचार

15 भाइयो तथा बहिनियो, अब मई तोहे सबन क ओह सुसमाचार क याद दिवावइ चाहत हउँ जेका मई तोहे सुनाए हउँ अउर तूहउ सबे जेका ग्रहण किहे रह्या अउर जेहमँ तू हमेसा स्थित बना भवा अहा। ²अउर जेकरे जरिये तोहर उद्धार भी होत बा बसतै तू ओन्हन सब्दन क जेका मई तोहे आदेस दिहे रहेउँ, अपने मँ मजबूती स थामे रखा। (नाहीं तउ तोहर बिसवास धारन करबइ ही बेकार गवा।)

³जउन सबसे पहिले बात मोका मिली भइ रही, ओका मई तोहे तलक पहुँचाइ दिहेउँ कि पवित्तर सास्तरन क अनुसार, मसीह हमरे पापन क बरे मरा ⁴अउर ओका दफनाइ दीन्ह गवा। अउर पवित्तर सास्तरन क अनुसार फिन तीसरे दिन ओका जियाइके उठाइ दीन्ह गवा। ⁵अउर फिन उ पतरस क सामने परगट भवा अउर ओकरे बाद बारह प्रेरितन क उ दर्सन दिहिस।

फिन उ पाँच सऊ स भी जियादा भाइयन क एक साथे देखेइ दिहेस। ओनमाँ स बहुतेरे आज तलक जिन्दा अहई। जद्यपि कछू क मउत भी होइ चुकी बा।⁷ एकरे बाद उ याकूब क सामने परगट भवा। अउर तब उ सभी प्रेरितन क फिन दर्सन दिहेस।⁸ अउर सब स अंत में ओ मोका भी केउ दर्सन दिहेस। मई तउ समइ स पहिले असामान्य जन्मा सतमासा बच्चा जइसेन अहउँ।

⁹ काहेकि मई तउ प्रेरितन में सबसे छोटका हउँ। इहाँ तलक कि मई तउ प्रेरित कहवावइ क योग्य नाहीं हउँ, काहेकि मई तउ परमेस्सर क कलीसिया क सतावा करत रहेउँ।¹⁰ मुला परमेस्सर क अनुग्रह स मई वइसेन बना हउँ जइसेन आज अहउँ मोहे पइ ओनकर अनुग्रह बेकार नाहीं गवा। मई त ओन सबसे बड़ी चढ़ी क मेहनत किये हउँ, जद्यपि उ मेहनत करइवाला मई नाहीं रहेउँ, बल्कि परमेस्सर क उ अनुग्रह रहा जउन मोरे साथे रहत रहा।¹¹ तउन चाहे तोहे मई उपदेस दिहे होइ चाहे ओ, मई सब इहई उपदेस देइत ह अउर इही पइ तू बिसवास किये अहा।

हमार पुनरुत्थान

¹² मुला जब कि मसीह क मरे भएन में स पुनरुत्थान कीन्ह गवा तउ तोहमाँ स कछू अइसेन काहे कहत बाटेन कि मउत क बाद फिन स जी उठब सम्भव नाहीं बा।¹³ अउर अगर मउत क बाद जी उठब ही नाहीं तउ फिन मसीह क मउत क बाद नाहीं जियावा गवा।¹⁴ जदि मसीह नाहीं जिया तउ हमार उपदेस देब बेकार बा अउर तोहार बिसवास भी बेकार बा।¹⁵ अउर हमहूँ फिन तउ परमेस्सर क बारे में झूठा साच्छी ठहरत अही काहेकि हम तउ परमेस्सर क सामने कसम खाइके इ साच्छी दिहे अही कि उ मसीह क मरे भएन में स जियाएस। मुला उनके कहइ क अनुसार अगर मरा भवा जियावा नाहीं जात तउ फिन परमेस्सर मसीह क भी नाहीं जियाएस।¹⁶ काहेकि अगर मरा भवा नाहीं जियाइ जात ह तउ मसीह क भी नाहीं जियावा गवा।¹⁷ अउर अगर मसीह क फिन स जिन्दा नाहीं कीन्ह गवा रहा, फिन तउ तोहार बिसवास भी बेकार बा, अउर तू अबहूँ अपने पापन में फँसा भवा ह।¹⁸ हाँ, तउ फिन जे मसीह क बारे आपन प्रान दइ दिहेन, उ सबइ अइसेन ही खतम भएन।¹⁹ अगर हम केवल अपने भौतिक जीवन क बारे ही ईसू मसीह में आपन आसा रखे रही तब तउ हम अउर सबहिँ लोगन स जियादा अभागा हई।

²⁰ मुला अब सहीमें इ अहइ कि मसीह क मरे भएन स जियावा गवा। उ मरे भएन क फसल क पहिला फल अहइ।²¹ काहेकि जब एक ही मनई क द्वारा मउत आइ तउ एक मनई क द्वारा ही मउत स फिन जिन्दा होइ उठा।²² काहेकि ठीक वइसेन ही जइसेन आदम क कर्मन क कारण हर किहू क बरे मउत आइ, वइसेन ही

मसीह क द्वारा सबक फिन स जियाइ उठावा जाई।²³ मुला हर एक क ओकरे अपने करम क अनुसार सबसे पहिले मसीह क, जउन फसल क पहिला फल अहइ अउर फिन ओकरे पुनः आवई पर ओनकर, जउन मसीह क अहेन।²⁴ एकरे बाद जब मसीह सबन सासकन, अधिकरियन, हर तरह क सक्रियन क अंत कइके राज्य क परमपिता परमेस्सर क हाथन सौंपे देई, तब प्रलय होइ जाई।²⁵ मुला जब तलक परमेस्सर मसीह क सनुवन क ओकरे परमेस्सर नियन्त्रण में न लाइ देइ तब तलक उ अवस्य राज्य करी।²⁶ सबसे आखिरी सनु क रूपे में मउत क नास कीन्ह जाई।²⁷ पवित्र सास्तर कहत ह, “परमेस्सर तउ हर केउ क मसीह क चरनन क अधीन रखे बा।” * अब देखा जब सास्तर कहत ह, “सब कछू” क ओकरे अधीन कइ दीन्ह गवा बा, तउ जउन, सब कछू क ओकरे चरनन क अधीन कीन्हा बाटेन, उ खुदइ एकर अपवाद बा।²⁸ अउर जब सब कछू मसीह क अधीन कइ दीन्ह गवा बा, तउ इहाँ तलक कि खुद बेटवा केऊ ओह परमेस्सर क अधीन कइ दीन्हा जाई, जे सब कछू क मसीह क अधीन कइ दिहेस ताकि हर केउ पइ पूरी तरह परमेस्सर क सासन होइ।²⁹ नाहीं तउ जे अपने परान क दिहे अहई, ओनकइ कारण जउन बपतिस्मा लिहे अहई, उ पचे का करिही। अगर मरा हुआ कभई फिन स जिन्दा होतेन नाहीं तउ लोगन क ओनकर बरे बपतिस्मा दीन्ह ही काहे जात अहइ? ³⁰ अउर हमई सब घड़ी संकट झेलत रहित ह? ³¹ भाइयो, तोहरे बरे मोर उ गरब जेहमाँ हमार परभू मसीह ईसू में स्थित होइ क नाते रखत हई, ओका साछी कइके कसम खाइके कहत हई कि मई हर दिन मरित हउँ।³² अगर मई इफिसुस में जंगली पसुवन क साथे मानवीय स्तर पर ही लड़े रहे तउ ओसे मोका का मिला। अगर मरा भवा स जिआवा नाहीं जातेन तउ, “आवा, खाई, पीई काहेकि काल्हि तउ मरिन जाबा।” *

³³ भटकब बन्द करा: “खराब संगत स अच्छी आदत खतम होइ जात हीं।” ³⁴ होस में आवा, अच्छा जीवन अपनावा, जइसेन कि तोहे होइ चाही। पाप करब बन्द करा। काहेकि तोहमाँ स कछू तउ अइसेन अहई जउन परमेस्सर क बारे में कछू भी नाहीं जानतेन। मई इ एह बरे कहत हउँ कि तोहे सरम आवइ।

हमका कइसेन देह मिली?

³⁵ मुला केउ पूछ सकत ह, “मरा भवा कइसे जिआवा जात ह? अउर उ फिन कइसेन देह धारन कइके आवत ह?” ³⁶ तू केतना मूरख अहा। तू जउन बोअत अहा उ जब तलक पहिले मरि नाहीं जात जिन्दा नाहीं होत।

“परमेस्सर ... बा” भजन 8:6

“आवा ... जाब” यसा 22:13; 56:12

³⁷अउर जहाँ तलक जउन तू बोवत अहा, ओकर प्रस्न बा, तउ जउन पऊधा बिकसित होइ क बा, तू ओह भरा-पूरा पऊधा क तउ धरती में नाहीं बोउल्या। बस केवल बीया बोवत अहा, चाहे उ गोहूँ क दाना होइ अउर चाहे कछू अउर क। ³⁸फिन परमेस्सर जइसेन चाहत ह, वइसेन रूप ओका देत ह। हर बीज क उ ओकर आपन सरीर प्रदान करत ह। ³⁹सबहिं जिन्दा मनइयन क सरीर एक जइसा नाहीं होत। मनइयन क सरीर एक तरह क होत ह जबकि पसुवन क सरीर दुसरे तरह क। चिडियन क देह अलग तरह क होत ह अउर मछलियन क अलग। ⁴⁰कछू देह दिव्य होत ह अउर कुछ पार्थिव मुला दिव्य देह क आभा एक तरह क होत ह अउर पार्थिव सरीर क दुसरे प्रकार क। ⁴¹सूरज क तेज एक तरह क होत ह अउर चाँद क दुसरे तरह क। तारन में भी एक भिन्न तरह प्रकास रहत ह। अउर हाँ, तारन क प्रकास भी एक दुसरे स भिन्न रहत ह।

⁴²तउन जब मरे भए जी उठिहीं तबऊ अइसेन ही होई। उ देह जेका धरती में दफनाइ क “बोवा” गवा बा, नासवान बा मुला उ देह जेकर पुनरुत्थान भवा बा, अबिसवासी बाटइ। ⁴³उ काया जउन धरती में “दफनाई” गइ बा, अनादरपूर्ण बा मुला उ काया जेकर पुनरुत्थान भवा बा, महिमा स मंडित बा। उ काया जेका धरती में “दफनाई” गवा बा, कमजोर बा मुला उ काया जेका फिन स जिन्दा कीन्ह गवा बा, सवितसाली बा। ⁴⁴जेह काया क धरती में “दफनावा” गवा बा, उ प्राकृतिक बा मुला जेका फिन स जिन्दा कीन्ह गवा बा, उ आध्यात्मिक देह अहइ।

अगर प्राकृतिक सरीर होत हीं, तउ आध्यात्मिक सरीरन क भी अस्तित्व बा। ⁴⁵पवित्तर सास्तरन कहत ह: “पहिला मनई (आदम) एक सजीव प्राणी बना।” * मुला अंतिम आदम (ईसू) जीवन दाता आतिमा बना। ⁴⁶आध्यात्मिक पहिले नाहीं अउतेन, बल्कि पहिले आवत हीं भौतिक अउर फिन ओकरे बाद ही आवत हीं आध्यात्मिक। ⁴⁷पहिले मनई क धरती क माँटी स बनावा गवा अउर दूसर मनई सरगे स आवा। ⁴⁸जइसेन ओह मनई क रचना माँटी स भइ, वइसेन ही सबन लोग माँटी स ही बनेन। अउर ओह दिव्य मनई क समान अउर दिव्य मनइयन भी स्वर्गीय बाटेन। ⁴⁹हम उ माटी स बने मनई क तरह बनाए गयेन ह, तउ ओह स्वर्गीय क रूप भी हम धारन करब। ⁵⁰भाइयो तथा बहिनियो, मई तोहे इ बतावत हउँ: लहू अउर माँस क इ पार्थिव सरीर परमेस्सर क राज्य क उत्तराधिकार नाहीं पाइ सकतेन। अउर न ही जउन बिनासमान अहँ, उ अविनासी क उत्तराधिकारी होइ सकत हीं। ⁵¹मुना, मई तोहे सबन क एक रहस्यपूर्ण सत्य बतावत हउँ: हम सबन मरबइ न, बल्कि हम सब

बदल दिहा जाबइ। ⁵²जब अंतिम तुरही बजी तब पलक झपकत एक छन मैं ही अइसेन होइ जाई। काहेकि तुरही बजे अउर मरा हुआ अमर होइके जी उठिहीं अउर हम जउन अबहिं जिन्दा हयेन, बदल दिहा जइहीं। ⁵³काहेकि इ नासवान देह क अविनासी चोला क धारन करब जरूरी बा अउर एह मरनसील काया क अमर चोला धारन कइ लेब जरूरी बा। ⁵⁴तउन जब इ नासवान देह अविनासी चोला धारन कइ लेई अउर उ मरणसील काया अमर चोला ग्रहण कइ लेई तउ पवित्तर सास्तर क लिखा इ पूरा होइ जाई।

“विजय त मऊत क निगल लिहा।”

यसायाह 25:8

⁵⁵“अरी ओ मऊत! तोहार बिजय अब कहाँ बा?

अरी ओ मऊत! तोहार दंस कहाँ बा?”

होसे 13:14

⁵⁶पाप मऊत क दंस अहइ अउर पाप क सक्ती मिलत ह व्यवस्था स। ⁵⁷मुला परमेस्सर क धन्यवाद बा जउन पभू ईसू मसीह क जरिये हमका बिजय देवावत ह।

⁵⁸तउन मोर पिआरा भाइयो तथा बहिनियो, अटल बना डटा रहा। पभू क काम क बरे अपने आपके हमेसा पूरा तरह अर्पित कइ द्या। काहेकि तू त जनतइ अहा कि पभू मैं कीन्ह गवा तोहार काम बेकार नाहीं बा।

दुसरे बिसवासियन क बरे भेंट

16 अब देखा! संतन क बरे दान एकट्ठा करइ क बारे मैं मई गलातियन क कलीसियन क जउन आदेस दिहे हउँ तुहउँ वइसेन ही करा। ²हर रविवार क आपन आय मैं स कछू न कछू अपने घरे पर ही एकट्ठा करत रहा। ताकि जब मई आउँ ओह समइ दान एकट्ठा न करइ पड़इ। ³मोरे ऊहाँ पहुँचइ पर जेह कउनो मनई क तू चाहा, मई ओका परिचय पत्र दइके तोहर उपहार यरूसेलम लइ जाइके बरे भेज देबइ। ⁴अउर अगर मोर जाबऊ अच्छा भवा तउ उ पचे मोरे साथेन चला जइहीं।

पाँलुस क सबइ योजना

⁵मई जब मैसीडोनिया होइके जाबइ तउ तोहरे लगे भी अउबइ काहेकि मैसीडोनिया स होत भवा जाइके कामे क मई निश्चित कइ चुका हउँ। ⁶होइ सकत ह मई कछू समइ तोहरे साथे ठहराउँ या जाड़ा ही तोहरे साथे बितावउँ ताकि जहाँ कहुँ मोक जाइ क होइ, तू मोक बिदा कइ सका।

⁷मई इ त नाहीं चाहित कि उहाँ स जात-जात ही बस तोहसे मिल लेउँ बल्कि मोक तउ आसा बा कि मई

अगर पभू चाही तउ कछू समइ तोहरे साथे रहबइ। ⁸मई पित्तोकुस्त क उत्सव तक इफिन्सुस स ठहरबउँ। ⁹काहेकि ठोस काम करइ क सम्भावना क भी उहाँ बड़ा दुवार खुला बा अउर फिन उहाँ मोर विरोधी भी त बहुत स अहई।

¹⁰अगर तीमुथियुस आइ पहुँचइ त धियान रख्या ओका तोहरे साथे कस्ट न होइ काहेकि मोरे समान ही उहउ पभू क काम करत बा। ¹¹इही बरे कउनउ ओका छोट न समझइ। ओका ओकरे इ यात्रा पर सान्ति क साथे बिदा कर्या ताकि उ मोरे लगे आइ पहुँचइ। मई दूसरे भाइयन क साथे ओकरी अवाई क इन्तजार करत हउँ।

¹²अब हमार भाइ अपुल्लोस क बात इ बा कि मई ओका दूसरे भाइयन क साथे तोहरे लगे जाइ क बहुत जियादा उत्साहित किहे अहउँ। मुला परमेस्सर क इ इच्छा बिल्कुल नाहीं रही कि उ अबहि तोहरे लगे आवत। मुला अवसर पउतइ ही उ आइ जाई।

पौलुस क पत्र क समाप्ति

¹³सावधान रहा। मजबूती क साथे आपन बिसवास मँ अटल बना रहा। ¹⁴साहसी बना, सक्तिशाली बना। तू जउन कछू करा, पिरैम स करा। ¹⁵तू लोग स्तिफनास क घरान क तउ जनबइ करत ह कि उ अखाया क

फन्सल क पहिला फल अहइ। उ परमेस्सर क लोगन क सेवा क बीड़ा उटाए अहइ। तउन भाइयो तथा बहिनियो, तोहसे मोर निवेदन बा कि ¹⁶तू लोग भी अपने आप क अइसेन लोगन क अउर हर ओह मनई क अगुवाई मँ सौप द्या जउन एह काम स जुड़ा बा अउर पभू क बरे मेहनत करत ह।

¹⁷स्तिफनास, फुरतूनातुस अउर अखइकुस क उपस्थिति स मई खुस हउँ। काहेकि मोरे बरे जउन तू नाहीं कइ सक्या, अउर उ पचे कइ देखाएन। ¹⁸उ पचे मोर अउर तोहार आतिमा क आनन्दित किहे अहई। इही बरे अइसेन लोगन क सम्मान करा।

¹⁹एसिया प्रान्त * क कलीसियन कइँती स तोहे पभू मँ नमस्कार! अक्विला अउर प्रिस्क्ल्ला! ओनके घरे पर एकट्ठा होइवाली कलीसिया कइँती स तोहे हार्दिक नमस्कार।

²⁰सबन भाइयो तथा बहिनियो, कइँती स तोहे सबन क नमस्कार। पवित्तर चुम्मा क साथे तू आपस मँ एक दुसरे क सत्कार करा।

²¹मई पौलुस, तोहे सबन क अपने हाथन स नमस्कार लिखत हउँ। ²²अगर केउ पभू मँ पिरैम नाहीं रखतेन तउ ओनका अभिसाप मिलइ। हमार पभू आवा! ²³पभू ईसू क अनुग्रह तोहे सबन क मिलइ। ²⁴ईसू मसीह मँ तोहरे बरे मोर पिरैम तू सबन क साथे रहई।

कुरिन्थियन क दूसरी पत्र

1 परमेस्वर क इच्छा स मसीह ईसू क प्रेरित पौलुस अउर हमरे भाई तीमुथियुस क कईंती स कुरिन्थुस परमेस्वर क कलीसिया अउर अखाया क पूरे छेत्रन क पवित्र लोग क नाउँ:

²हमार परमपिता परमेस्वर अउर पभू ईसू मसीह क कईंती से तू सबन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

पौलुस क परमेस्वर क धन्यवाद

³हमारा पभू ईसू मसीह क परमपिता परमेस्वर धन्य अहइ। उ दया क स्वामी अहइ अउर आनन्द क प्रेरणा अहइ। ⁴हमार हर विपत्तिन में उ हमका सान्ति देत ह ताकि हमहूँ हर प्रकार क विपत्तिन में पड़े लोगन क वइसेनइ सान्ति दइ सकी। जइसेन परमेस्वर हमका दिहे अहइ। ⁵काहेकि जइसेन मसीह क सबइ यातना में हम सहभागी अही। वइसेनही मसीह क कारण हमार आनन्द भी तोहरे बरे उमड़त बा। ⁶जदि हम कष्ट उठाइत ह तउ उ तोहरे दिलासा अउर उद्धार क बरे बा। अउर हम आनन्दित अही। तउ उ तोहरे दिलासा क बरे बा। ई आनन्द ओनही यातना क जेनका हमहूँ सहत अही। तू सबन क धीरज क साथ सहई बरे प्रेरित करत ह। ⁷तोहरे बिसय में हमका पूरी आसा बा। काहेकि हम जानित ह कि जइसे हमरे क्रस्टन क तू बाँटत ह, वइसेनइ ही हमरे आनन्द में तोहार भाग बा।

⁸भाइयो, हम चाहित ह कि तू ओन यातना क बारे में जाना जउन हमका एसिया* में झेलइ क पड़ी रही। उहाँ हम, हमार सहन सक्ति क सीमा स कहूँ बहुत बोझन क तरे दबाइ गवा रहे। इहाँ तक कि हमका जिअइ क कउनउ आसा नाहीं रही ग रही। ⁹हाँ अपने अपने मने में हमका अइसेन लागत रहा जइसेन हमका मऊत क सजा दीन्ह गइ रही। ताकि हम अपने ऊपर अउर जियादा भरोसा न कइके परमेस्वर पइ भरोसा करी जउन मरे हुए क फिन से जिआई देई। ¹⁰हमका उ भयंकर मऊत से उहइ बचाएस अउर हमार आनु क परिस्थितियन में उहइ हमका बचावत रहा। हमार आसा उहइ पर टिकी बा। उहइ हमका आगेउ बचाइ। ¹¹अउर तूहूँ हमरे तरफ स पराथना कइके मदद देब्या तउ हमका बहुत जने क पराथना क कारण परमेस्वर क अनुग्रह मिला

बा, ओकरे बरे बहुत मनइयन क हमरे तरफ स धन्यवाद देई बरे मिली जाई।

पौलुस क योजनन में बदलाव

¹²हमका ऐकर गरब बा कि हम इ बात साफ मने स कहि सकित ह कि हम इ जगत क साथे अउर खासकर तू लोगन क साथे परमेस्वर क अनुग्रह क एकदमई उहइ रूप क व्यवहार किहे अही। हम उ सरलपन अउर सच्चाई क साथे बहुत खातिरदारी किहे रहेन। जउन परमेस्वर से मिलत ह न कि दुनियावी बुद्धि स। ¹³हाँ! इहाँ बरे हम ओका छोड़िके तू सबन क बस अउर कछु नाहीं लिखत अही। जेसे तू मोका एकदमई वइसेन ही समझ लेब्या। ¹⁴जइसेन तू हमका थोड़ेन में समझे अहा। तू हमरे बरे वइसेन ही गरब कई सकत ह। जब हमार पभू ईसू फिन आइ।

¹⁵अउ इहाँ बिसवास क कारण मई पहिले तोहरे पास आवइ बरे ठाने रहेउँ। ताकि तोहका दुसरीउ बार से आसीबीद क लाभ मिल सकइ। ¹⁶मई सोचित ह कि मैसीडोनिया से लऊटिउँ उ फिन तोहरे पास जाउँ। अउर फिन, तोहरे से ही यहूदिया क जाइ बदे बिदा कीन्ह जाउँ। ¹⁷मई जब इ योजना बनाए रहेउँ, तउ मोका कउनो संदेह नाहीं रहा। का तू बिना अच्छी तरह से सोच्या ह। मई जउन योजना बनाइत ह, ओका ओ संसारी ढंग से बनइत ह कि एक्कई समझ "हाँ, हाँ" कहत रही अउर "न, न" कहत रही।

¹⁸यदि तू परमेस्वर में बिसवास कइ सकत ह तउ तू बिसवास कइ सकत ह कि अउर उ एँके साछी देई कि तोहरे बरे हमार जउन बचन बा एक साथे "हाँ" अउर "ना" नाहीं कहत। ¹⁹काहेकि तोहरे बीचवा में जउन परमेस्वर क पूत ईसू मसीह क हम यानि सिलवानुस, तीमुथियुस अउर मई प्रचार किहे अही, उ "हाँ" अउर "ना" दुइनउँ एक साथे नाहीं बल्कि ओनके कारण एक चिरन्तन "हाँ" का घोसणा कही गइ बा। ²⁰काहेकि परमेस्वर जउन अनन्त प्रतिज्ञा किहे अहइ उ ईसू में सबके बरे "हाँ" बनि जात ह। इही बरे हम ओकरे द्वारा जउन "आमीन" कहत अही उ परमेस्वर क ही महिमा बरे होत ह। ²¹उ जउन तोहका मसीह क मनई क रूप में हमरे साथे सुनिश्चित करत ह अउर मई क अभिसेक किहे बा उ परमेस्वर ही अहइ। ²²जउन हम पइ आपन

स्वामी क मोहर लगाए अहइ अउर हमरे भीतर बयाना क नाई उ पवित्तर आतिमा दिहेस जउन इ बात क आस्वासन बा कि जउन देइ क बचन उ हमका दिहे अहइ, ओका उ हमका देई।

²³साच्ची की तरह परमेस्सर क दुहाई देत अउर अपने जीवन क सपथ लेत मई कहत अहउँ कि मई दुवारा कुरिन्तुस इही बरे नाहीं आए रहेउँ कि मई तोहका पीड़ा से बचावई चाहत रहेउँ। ²⁴एकर मतलब इ नाहीं कि हम तोहरे बिसवासे पर काबू पावई चाहत अही। तू तउ अपने बिसवासे में अडिग अहा। बल्कि बाति इ अहइ कि हम तउ तोहरे खुस रहई बरे तोहार कर्मी अही।

2 इही बरे मई इ निश्चय कई लिहे रहेउँ कि तोहका फिन स दुख देइ तोहरे लगे न आई। ²काहेकि अगर मई तोहका दुखी करब तउ फिन भला अइसेन कउन होई जउन मोका सुखी करी? सिवाई तोहका जेका मई दुख दिहे अहउँ। ³इहइ बात त मई तोहका लिखे हउँ कि जब मई तोहरे लगे आवउँ तउ जेनसे मोका आनन्द मिलइ चाही ओनके तरफ स मोका दुख न पहुँचावा जाई।

⁴काहेकि तू सबन में मोका बिसवास रहा कि मोर खुसी मैं तू सभे खुस होब्या। काहेकि तोहे मई दुख भरे मन अउर बेदना क साथे आँसू बहाई-बहाई क ई लिखे अहउँ। पर तोहका दुखी करई बरे नाहीं, बल्कि इही बरे कि तोहरे लिए जउन मोर पिरेम बाटई उ केतना महान बा तू एँका जान सका।

बुरा करई वालन क छमा करा

⁵मुला अगर कउनो मोका कउनउ दुख पहुँचावई तउ उ मोका केवल नाहीं, बल्कि कउनो न कउनो मात्रा मैं तू सबन क पहुँचाए बा। ⁶अइसेन मनई क तोहार समुदाय जउन दण्ड दर्द दिहे अहइ, उहइ परियाप्त बा। ⁷इही बरे तू तउ अब ओकरे विपरीत ओका छमा कई द्या। अउर ओका प्रोत्साहित करा। ताकि उ कहुँ बड़ाइ चढ़ाइ दुख मैं न डूबि जाई। ⁸इही बरे मोर तोहसे बिनती बा कि तू ओकरे बरे अपने पिरेम क बढ़ावा। ⁹इ मई तोहका इ देखई बरे लिखे अही कि तू परीच्छा मैं पूरा आज्ञाकारी हवा या नाहीं। ¹⁰मुला अगर तू कउनो क कउनउ बात क बरे छमा करत ह तउ ओका मई भी छमा करित ह अउ जउन कछू छमा किहे अही। अगर कछू मई छमा किहे अही तउ उ मसीह हमरे साथ रहा तोहरे बरे किहे अही। ¹¹ताकि सइतान हमसे कछू भी न जीत सकइ।

पौलुस क असान्ति

¹²जब मसीह क सुसमाचार क प्रचार करई बरे मई त्रोआस आएउँ तउ उहाँ मोरे बरे पभू क दुवार खुला रहा। ¹³अपने भाई तितुस क उहाँ न पाइके मोर मन

बहुत बियाकुल रहा। तउ ओनसे विदा लइके मई मैसिडोनिया क चली दीन्ह।

मसीह से विजय

¹⁴मुला परमेस्सर धन्य अहइ जउन मसीह क कारण अपने विजय अभियान मैं हमरे हमेसा राह देखौवत ह। अउर हमरे कारण हर कहुँ अपने गियान क सुगन्धि फैइलावत ह। ¹⁵काहेकि ओनके बरे जउन अबहीं उद्धार क राह पर अहई अउर ओनके बरे जउन बिनास क रस्ता पर अहई, हम मसीह क परमेस्सर क समर्पित मधुर भीनी सुगन्धित धूप अही। ¹⁶मुला ओकेने बरे जउन मऊत कइँती लई जात ह। पर ओनके बरे जउन उद्धार क रस्ता पर बढत अहई, इ जीवन क अइसेन सुगन्ध अहइ, जउन जीवन क तरफ अग्रसर करत ह। मुला इ काम बरे सुपात्र आदमी कउन बाटेन? ¹⁷परमेस्सर क बचन क अपने लाभ बरे, ओं मई मिलावट कइके बेचईवाले बहुत जने से दुसरे लोगन जइसे हम नाहीं अही। न तउ! हम ते परमेस्सर क समन्वा परमेस्सर क तरफ स भेजा गवा मनइयन क समान मसीह मैं स्थित होकर, सच्चाई क साथे बोलित ह।

नवा करार

3 एहसे का अइसा लागत ह कि हम फिन स आपन प्रसंसा अपने आपइ करइ लागे अही? अउर का हमका तोहरे बरे या तोहसे पहिचान पत्र लेई क जरूरत बा? जइसेन कि कछू लोग करत हीं। निश्चय ही नाहीं ²हमार चिट्ठी त तू खुदइ अहा जउन हमरे मने मैं लिखा बाटइ जेका सब जने जानत हीं अउर पढत हीं। ³अउर तूहउँ तउ अइसेन देखावत ह। जइसे तू मसीह क चिट्ठी अहा। जउन हमरे सेवा क फल अहइ जेका स्याही से नाहीं बल्कि सजीव परमेस्सर क आतिमा से लिखा गवा बा। जेका पथरीली सिलान * पर नाहीं बल्कि मनइयन क हृदय पटल पर लिखा गवा बा।

⁴हमका मसीह क कारण परमेस्सर क समन्वा अइसेन दावा करई क भरोसा बा। ⁵अइसेन नाहीं ना कि हम अपने आपन मैं एतना समरथ अही जउन सोचई लगा अहई कि हम अपने आपइ से कछू कइ सकित ह। बल्कि हमका समरथ तउ परमेस्सर से मिलत ह। ⁶उहइ हमका एक नवा करार क सेवक बनवई क जोग ठहराए बाटइ इ कउनउ लिखी संहिता नाहीं अहइ। बल्कि आतिमन क करार अहइ काहेकि लिखी संहिता तउ मारत ह जब कि आतिमा जीवन देत ह।

पथरीली सिलान परमेस्सर सीने पर्वत प मूसा क जउन व्यवस्था दिहे रहा उ पाथरन प लिखा गवा रहा। (निर्मा 24:12; 25:16)

पौलुस क सेवा मूसा क सेवा स महान बा

⁷काहेकि उ सेवा जउन मऊत से जुरी रही (यानी व्यक्त्वा) जउन पत्थर पर लिखा गवा बा। ओहमें ऐतना तेज बाटई कि इम्राएल क लोगन मूसा क ओह तेजवाला मुँह क एकटवकई न देख सकेन। अउ ओकर उ तेज बाद में कम होइ गवा। ⁸फिन भला आतिमा से लगी सेवा अउर जियादा तेज काहे न होइ। ⁹अउर फिन जब दोसी ठहरावइ वाली सेवा में ऐतना तेज बा तउ सेवा में केतना जियादा तेज होई। जउन धर्मी लोगन क परमेस्सर से ठहरावइ वाली सेवा क बा। ¹⁰काहेकि जउन पहिले तेज से भरापूरा रहा उ अब ओह तेज के आगे जउन में ओहसे कहुँ जियादा तेज बा, तेज स कम होइ गवा। ¹¹काहेकि उ सेवा जेकर तेज बिना होइ जाब निश्चित रहा। उ तेज रही त जउन अमर बा उ केतना तेज होइ।

¹²अपने इहइ आसा क कारण हम ऐतना निरभय अही। ¹³हम उ मूसा क जइसेन नाहीं अही, जउन अपने मुँह पर परदा डाले रहत रहा कि कहुँ इम्राएल क लोग आपन आँख गड़ाइ क जेनकर बिनास निश्चितइ रहा ओह सेवा अन्त क न देखि लें। ¹⁴मुला ओकर बुद्धि जड़ होइ ग रही काहेकि आज तलक जब उ पुराने करार क पढ़त हीं तउ अबभी उहइ परदा ओनपर बिना हटाए पड़ा रहत रहा। काहेकि उ परदा बस मसीह क कारण ही हटावा जात ह। ¹⁵आज तलक जब जब मूसा क ग्रन्थ पढ़ा जात रहा। तउ पढ़इवाले क मने पर परदा पड़ा रहत रहा। ¹⁶मुला जब कउनो क हिरदइ पभू क तरफ मुडत रहत ह तउ परदा हटाइ दीन्ह जात ह। ¹⁷देखा! जउने पभू के ओर मई इसारा करत हउँ, उहइ आतिमा अहइ। हुँवइ स्वतन्त्रता अहइ। अउ जहाँ पभू क आतिमा बा। ¹⁸उहाँ छूट बा। त हम सब अपने खुला मुँह क साथे सीसा में पभू क तेज क जब धियान करित ह तउ हमका वइसेन भवा लागत ह अउ हमार तेज बहुत अधिक बढ़ा लागत ह। तेज उ पभू स मिलत ह, जउन आतिमा अइइ।

माटी क भांडी में आतिमा क धन

4 काहेकि परमेस्सर क दया स इ सेवा हम सबन का मिली बा, इही बरे हम निरास नाहीं होइत। ²हम तउ लजाइ वाला छुपा काम क छोड़ दिहे अही। हम कपट नाहीं करित अउर न तउ हम परमेस्सर क बचन में मिलावट करित ह बल्कि सत्य क सरल रूपे में परगट कइके लोगन क चेतना में परमेस्सर क सामने अपने आपके प्रसंसा क जोग ठहराइत ह। ³जउन सुसमाचार क हम प्रचार करीत ह, ओह पर य कउनउ परदा पड़ा होइ तउ इ केवल ओनके बरे पड़ा बा। जउन बिनासे क रस्ता पर चलत हीं। ⁴एह जुगे क सुवामी (सइतान) एह अबिषवसियन क बुद्धि क आँधर कइ दिहे अहइ। ताकि उ पचे परमेस्सर क साच्छात एकदमई वइसेन हीं रूप उ

मसीह क महिमा क सुसमाचार स फूटत रहा प्रकास (सत्य) क न देख पावईस।

⁵हम खुद आपन प्रचार नाहीं करित ह बल्कि पभू क रूपवा में उ मसीह ईसू क उपदेस देइत ह। अउर अपने बारे में त इहइ कहित ह कि हम ईसू क नाते तोहार सेवक अही। ⁶काहेकि उइ परमेस्सर तउ जउन कहे रहा, “अँधियारे स ओजियारे में चमकइ।” उहइ हमरे हीये में अँजोर भवा बा। ताकि हमका ईसू मसीह क व्यक्तित्व में परमेस्सर क महिमा क गियान क ज्योति मिल सकइ।

⁷मुला हम जइसेन माटी क भाँडिन में उ सम्पतिन इही बरे रखी गइ बा, अउर इ सिद्ध होइ गवा अहइ कि उ असीमित सक्ति हममे नाहीं उहइ आवत बल्कि परमेस्सर से आवत ह। ⁸हम हर समइ सब प्रकार क कठिन दबाव में जियत हइ, मुला हम कुचला नाहीं ग अही। हम घबरान अही मुला निरास नाहीं अही। ⁹हमका यातना दीन्ह जात ह, पर हम खतम नाहीं अही हम झुकाइ दीन्ह जात अही, पर नस्त नाहीं होइत।

¹⁰हम हमेसा अपने देह में ईसू क हतिया क सब जगहा लिहे रहित ह ताकि ईसू क जीवन उ हमरे देहन में स परगट होइ। ¹¹ईसू क कारण हम जउन जितत अही ओनके हमेसा मऊत क हाथे सौंपा जात ह। ताकि ईसू क जीवन नासवान सरीर में एकदमई उजागर होइ सकइ। ¹²इही बरे मऊत हमरे में अउर जीवन तोहरे में सक्रिय बा।

¹³सास्तरन में लिखा बा, “मई बिसवास किहे रहेउँ इही बरे मई बोलेउँ।” * हमहूँ में बिसवास क उहइ आतिमा बा अउर हम भी उही प्रकार क बिसवास करित ह इहीं बरे हमहूँ बोलित ह। ¹⁴काहेकि हम जानित ह कि जे पभू ईसू क मरे रहे में जियाइ क उठाएस उ हमहूँ क उही तरह ईसू क साथ जिन्दा करिही। जइसेन क ईसू क जियाएस ह। अउर हमहूँ क तोहरे साथे अपने सामने खड़ा करिही।

¹⁵इ सब बात तोहरे बरे ही करी जात ह। ताकि जियादा से जियादा लोगन में फइलत जात रही परमेस्सर क अनुग्रह परमेस्सर क महिमा चमकावइ वाले जियादा स जियादा धन्यवाद देइ में फलि सकइँ।

बिसवास स जीवन

¹⁶इही बरे हम निरास नाहीं होइत! जद्यपि हमार भौतिक सरीर कमजोर होत जात बा, तबऊ हमार अन्तरात्मा रोजइ नवा से नवा होत जात बा। ¹⁷हमार पल भरे क इ छोट मोट दुख एक न तुलना कीन्ह जाइवाली अनन्त महिमा पैदा करत बा। ¹⁸जउन कछू देखा जाइ सकत ह, हमार आँखी ओह पर नाहीं टिकी बा। काहेकि

जउन देखा जाइ सकत ह उ बिनासी नहीं बा, जब कि जउन नहीं देखा जाइ सकत ह उ अस्थाई बा।

5 काहेकि हम जानित ह कि हमार इ काया मतलब इ तम्बू जेहमें हम इ धरती पर रहित ह गिराइ दीन्ह जाई तउ हमका परमेस्सर क तरफ स सरग में एक भवन मिलि जात ह, जउन मनइयन क हाथे बना नहीं बा अउर यह भवन चिरस्थाई अहइ। ²तउ हम जब तलक इह आवास में अही, हम रोवत-धोवत रहित ह अउर इहइ चाहित रहित ह कि अपने स्वर्गीय भवन में जाइ बसी। ³(निश्चित हमार इ धारणा अहइ कि हम ओका पउबइ अउर फिन बिना घरे क न रहबइ।) ⁴हमरे में स उ जउन इहइ तम्बू यानि भौतिक सरीरी में स्थित बा, बोझ से दबा कराहत बाटेन। कारण इ अहइ कि हम कबहुँ नंगा न पावा चाहित काहेकि उम्मीद अहइ हम जब संसारिक सरीर छोड़ देब ताकि जउन कछू नासवान बा ओका अनन्त जीवन निगल लेइ। ⁵जे हमका इ प्रयोजन क बरे तइयार किये अहइ, उ परमेस्सर ही अहइ। उहइ इ आस्वासन क रूप में कि अपने बचन की नहीं उ हमका देइ। बयाना क तरह हमका आत्मा विहे बा।

⁶हमका पूरा बिसवास बाटइ, काहेकि हम जानित ह कि जब तक हम अपने देही में रहत अही, पभू से दूर अही। ⁷काहेकि हम बिसवास क सहारे जित अही बस आँखी देखी क सहारे नहीं। ⁸हमका बिसवास बा इही बरे मई कहत हउँ कि हम अपने देही क तियागके, जाइके पभू क साथे रहइ बरे अच्छा समझित ह। ⁹इही बरे हमार ई अभिलास बा कि हम चाहे हियाँ अपने सरीर में रही अउर चाहे हुआँ पभू क साथ, ओका अच्छा लागत रहइ। ¹⁰हम सब आपन तन में स्थित रहिके भला या बुरा, जउन कछू किये अही, ओकर फल पावई बरे मसीह क निआव आसन क समन्वा उपस्थित जरूर होइ क बा।

परोपकारी परमेस्सर क दोस्तन होत ह

¹¹सच क स्वीकार करा, काहेकि हम जानित ह कि पभू स डराइक, मतलब होत ह। हमरे अउर परमेस्सर क बीच में कउनउ परदा नहीं बा। अउर मोका आसा बा कि तू हमका पूरी तरह से जानत अहा।

¹²हम तोहरे सामने फिन स आपन कउनउ सिफारिस नहीं करत अही। बल्कि तोह पचन क एक अवसर देत अही कि तू हम प गरब कइ सका। ताकि जउन देखाइवाली चीजन पर गरब करत हीं, तउ ओह प जउन कछू ओनके मने में बा, ओनका ओकर उत्तर दइ सकइ। ¹³काहेकि अगर हम दीवाना अही तउ परमेस्सर बरे अही अउर अगर सयान अही तउ उ तोहरे बरे अही। ¹⁴जउन निम्ता अहइ हमार तउ मसीह क पियेम अहइ। काहेकि हम अपने मन में इ धई लिहे अही कि उ एक

मसीह सब मनइयन क बरे मरा रहा। मतलब सब मरि गएन। ¹⁵अउर उ सब जने बरे मरा काहेकि जउन लोग जिन्दा अहई, उ अब आगे बस अपनेन बरे न जित रहइ। बल्कि ओनके बरे जियई जउन मरइ क बाद फिन जिन्दा कइ दिहा गवा।

¹⁶परिणामस्वरूप अबहुँ स आगे हम कउनो क मनइयन क संसारी आँखी स नहीं देखा। जद्यपि एक समइ हम मसीह क संसारी आँखी स देखे रहे। चाहे कछू होइ, अब हम ओका इही तरह स नहीं देखित ह। ¹⁷इही बरे अगर कउनो मसीह में बाटई तउ अब उ परमेस्सर क नवी म्रिस्टी क अंग अहइ। पुरान बात जात रही अब। सब कछू नवा होइ गवा वा। ¹⁸अउ फिन उ सब बात ओह परमेस्सर का कारज अहई, जउन हमका मसीह क कारण अपने में मिलाइ लिहे बा अउर जने क परमेस्सर स मिलवाइ क काम हमका सौंपे बा। ¹⁹हमार सँदेसा बा कि परमेस्सर लोगन क पापन क अनदेखी करत मसीह क कारण ओका अपने में मिलावत ह। अउर उहइ मनइयन क परमेस्सर से मिलवइ क सँदेस हमका सौंपे अहइ। ²⁰इही बरे हम मसीह क प्रतिनिधि रूप में काम करत अही। माना कि खुद परमेस्सर लोगन का बोलौवत ह हमरे माध्यम स। मसीह क तरफ से हम तोहसे बिनती करत अही कि परमेस्सर क साथे मिलि जा। ²¹जउन मसीह पाप रहित रहा, परमेस्सर ओका हमरे बरे पाप ठहराएस ओका उ इही बरे पाप बली बनाएस कि ओकरे हम कारण परमेस्सर क साथे अच्छा बन जाई।

6 परमेस्सर क काम में साथे साथे काम करइ क नाते हम तू लोगन स आग्रह करत अही कि परमेस्सर क जउन अनुग्रह तोहे मिला बा, ओका बेकार न जाइ दया। ² काहेकि उ कहे बा:

“तोहार सुन लिहा अच्छे समइ पर मई अउर उद्धार क दिना आवा मई तोहका सहारा देइ।”

यसायाह 49:8

देखा! “उचित समइ” इहइ अहइ! देखा! “उद्धार क दिन” इहइ अहइ।

³हम कउनो क बरे कउनउ बहुत विरोध उपस्थित नहीं करित ह जैसे हमरे कामे में कउनउ कमी आवइ। ⁴बल्कि परमेस्सर क सेवक क रूप में हम सब तरह से अपने क अच्छा सिद्ध करत रहित ह। धीरज क साथे सबकछू सहत सहत सबइ यातना क बीच, बिपत्तियन क बीच, कठिनाइन क बीच ⁵मार खात खात बन्दी घरे में रहत रहत भीड़ हमरे खिलाफ अउर हमसे झगड़त रही मेहनत करत करत रातिन रात पलकउ न झपकाइके, भूखा रहिके, ⁶अपने पवित्तर जीवन, गियान अउर धीरज से आपन दया स, अपने पवित्तर आत्मा स, अपने सच्चे पियेम स ⁷अपने सच्चे सँदेस अउर परमेस्सर क सक्ती स

नेकी क अपने दायें बाँए हाथन में ढाल क रूप में लइके ⁸हम आदर अउर निरादर क बीच अपमान अउ सम्मान में अपने क उपस्थित करत रहित ह। हमका ठग समझा जात ह, हम सच्चा अही ⁹हमका गुमनाम समझा जातह, जब कि हम सच्चा अही हमका मरा हुआ जानत हीं, तबउ देखा हम जिनदा अहीं। हमका दण्ड भोगईवाला जाना जात ह, तबउ देखउ हम मरुत क नहीं सौंपा जाइत ह। ¹⁰हमका सोक से बियाकुल समझा जात ह, जबकि हम तउ हमेसा खुस रहित ह। हम दीन हीन क नाई जाना जाइत ह, जब कि हम बहुत जने क धनी बनावत अही। लोग समझत हीं कि हमरे लगे कछू नहीं ना, जब कि हमरे लगे तउ सब कछू बा।

¹¹हे कुरिन्थियन! हम तोहसे पूरी तरह खुली क बात किहे अही। तोहरे बरे हमार मन फैला बा। ¹²हमरा पियेम तोहरे बरे कम नहीं भवा बा। मुला तू हमसे पियेम करई क बन्द कइ दिहे अहा। ¹³तोहका आपन बच्चा समझत भए मई कहत हई कि अच्छा प्रतिदान क रूप में आपन मन तोहार हमरे बरे पूरी तरह फैला रहइ चाही।

गैर मसीहन क संगत क विरुद्ध चेतावनी

¹⁴अबिसवासियन क साथे बेमेल संगत जिनकरा काहेकि नेकी अउर बदी क भला कइसेन बराबरी? इ प्रकास अउर अंधारे में भाईचारा क कइसेन तालमेल? ¹⁵अइसे मसीह क बलियाल (सइतान) स का तालमेल अउर अबिसवासी क साथे बिसवासी क कइसेन साझा? ¹⁶परमेस्सर क मंदिर क मूर्तियन स का नाता? काहेकि हम खुदइ उ सजीव परमेस्सर क मंदिर अही, जइसेन की परमेस्सर कहे रहा:

“मई ओहमे अधिवास करब, चलबई फिरब होब ओनकर परमेस्सर अउर बनिहीं उ मोर लोग।”

लैव्यव्यवस्था 26:11-12

¹⁷इहीं बरे तू ओहमें स आइ जा बाहेर, अलग करा ओनसे अपने क अब न कबहुँ छुआ तू कछूउ जउन असुद्ध अहइ तब मई तोहका अपनउबई।”

यसायाह 52:11

¹⁸“अउ तोहार पिता बनब तू होब्या मोर बेटवा, मोर बिटिया सर्वसक्तीमान पभूँ इ कहत हीं।”

2 समूएल 7:14; 7:8

7 पिआरे मित्रन, काहेकि हमरे लगे इ प्रतिज्ञाँ अहई, इही बरे आवा परमेस्सर क बरे प्रद्वान क कारण हम अपने पवित्रता क परिपूरन करत भए अपने बाहेर

अउर भीतर सबन दोसन क धोइ डालेन। हमका परिपूर्ण होइ चाही जइसे हम जिअत अही, काहेकि हम परमेस्सर क सम्मात करित ह।

पौलुस क आनन्द

²अपने मने में हमका स्थान द्या हम कउनो क कछू बिगाड़े नहीं अही। हम कउनो क कउनउ ठेस नहीं पहुँचाए अही। हम कउनो क साथे छल नहीं किहे अही। ³मई तोहे दोसी ठहरावइ बरे अइसेन नहीं करत अही काहेकि मई तोहे बताइ चुका अही कि तू तउ हमरे मने में बसता हिआँ तलक कि हम तोहरे साथे मरई क अउर जिअइ क तइयार अही। ⁴मई तुमसे खुलकर कह रहा हूँ कि तोहपे मोका बड़ा गरब बा। मई सुख चैन से अहउँ। आपन सब यातना झेलत मोका आनन्द उमड़त रहत ह।

⁵जब हम मैसीडोनिया आइ रहे तबहुँ हमका आराम नहीं मिला रहा, बल्कि हमका तउ सब तरह से दुख उठावइ पड़ा रहा बाहेर क झगड़न से अउर मन क भितर डर से। ⁶मुला दीन दुखिन क खुस करइवाला परमेस्सर त तीतुस क इहाँ पहुँचाइके हमका सान्त्वना दिहे अहइ। ⁷अउर उहउ केवल ओनके इहाँ पहुँचेन की नहीं बल्कि अइसे हमका अउर जियादा सान्त्वना मिली कि तू ओका केतना सुख दिहे अहा। उ हमका बताएस कि हमसे मिलइ क तू केतना बियाकुल अहा। तोहका हमार केतनी चिन्ता बा। ऐसे हम अउर भी खुस भए।

⁸जद्यपि अपने चिट्ठी स मई तोहका दुख पहुँचाए हई मुला फिन भी मोका ओके लिखई क खेद नहीं बा। चाहे पहिले मोका एकर दुख भवा मुला अब मई देखत अही कि उ चिट्ठी स तोहे बस पल भरे क दुख पहुँचाए रहेउँ। ⁹तउ अब मई खुस हई। एह बरे नहीं कि मई तोहका दुख पहुँचाए रहेउँ। बल्कि एह बरे कि उही दुखे क कारण से तू पछतावा किहे अहा। तोहका उ दुख भवा जेह तरह कि परमेस्सर चाहत रहा ताकि तोहका हमरे कारण कउनउ हानि न पहुँच पावइ।

¹⁰काहेकि उ दुख जउन परमेस्सर की इच्छा क अनुसार होत ह एक अइसेन मनफिराव क जन्म देत ह जेहेके बरे पछतावई क नहीं पड़त अउ जउन मुक्ति देवाँवत ह। मुला उ दुख जउन संसारी होत ह, ओहसे तउ बस मउत जन्म लेत ह। ¹¹देखा! इ दुख जउन परमेस्सर दिहे अहइ, उ तोहमें केतना उत्साह जगाइ दिहे बा। अपने भोलापन क केतना प्रतिरच्छा, केतना विरोध केतना आकुलता, हमसे मिलइ क केतनी बेचैनी, केतना साहस, पापी क बरे निआव चुकावइ क कइसेन भावना पैदा कइ दिहे बा। तू हर बाते में इ देखइ दिहे अहा कि एह बरे में तू केतना निर्दोस रह्या।

¹²तउ इ मई तोहे लिखे रहे तउ उ मनई क कारण नहीं जउन अपराधी रहा अउ न तउ ओकरे कारण

जेनके प्रति अपराध किहा गवा रहा। बल्कि एह बरे लिखा गवा रहा कि परमेस्सर क सामने हमरे कारण तोहरे चिन्ता क तोहका बोध होइ जाए। ¹³ऐसे हमका प्रोत्साहन मिला बा।

हमरे इ प्रोत्साहन क अलावा तीतुस क आनन्द स हम अउर जियादा आनन्दित भए काहेकि तू सबके कारण ओनके आत्मा क चइन मिला बा। ¹⁴तोहरे बरे मई ओनसे जउन बड़ चढ़ क बात किहे रहे, ओकरे बरे मोका लजाइ क नाही पड़ा रहा। बल्कि हम जइसे तोहसे सबकछू सच सच कहे रहे वइसेन ही तोहरे बरे मैं हमार गरब तीतुस क सामने सच सिद्ध भवा अहइ। ¹⁵उ जब इ याद करत ह कि तू सब कउनो तरह ओनकर आगिया माना ह अउर डर क मारे थर थर काँपत भए तू कइसे ओनका सुवागत किहा तउ तोहरे बरे ओनकर पिरेम अउ जियादा ब जात ह। ¹⁶मई खुस अही कि मई तोहसे पूरा भरोसा रखी सकित ह।

हमार दान

8 देखा भाइयो, अब हम इ चाहित ह कि तू परमेस्सर क ओह अनुग्रह क बारे मैं जान ल्या मैसीडोनिया छेत्र क कलीसियावन पर कीन्ह गवा बा। ²मौर मतलब इ अहइ कि जद्यपि ओनकर कठिन परीच्छा लीन्ह गइ अहइ। तबउ उ पचे खुस रहेन, अउ अपने गहन गरीबी क रहत ओनकर सब उदारता उमड़ी पड़त रही। ³मई प्रमानित करत हउँ कि उ पचे जेतना दइ सकत हीं दिहेन! एतनई नाही बल्कि अपने समरथ से जियादा प्रोत्साहन दइ दिहेन। ⁴उ पचे बड़े आग्रह क साथ परमेस्सर क लोग सहायता करइ मैं हमका सहयोग देइ क विनय करत रहेन। ⁵ओनका जइसेन हमसे आसा रही, वइसेन नाही बल्कि पहिले अपने आप क पभू क समर्पित किहेन अउर फिन परमेस्सर क इच्छा क अनुकुल उ पचे हमका अर्पित होइ गएन।

⁶हीं बरे हम तीतुस स पराथना कीन्ह कि जइसेन उ अपने काम क पूरा कइ हीं दिहे बाटइ होइ। वइसेन हौं उ अनुग्रह क काम क तोहरे बरे करी। ⁷अउ जइसेन कि तू सब बाते मैं यनि बिसवासे मैं, बानी मैं, गियान मैं, अनेक प्रकार क उपकार करइ मैं अउर हम तोहका जउनो पिरेम क सिच्छा ह दीन्ह ह उ पिरेम मैं, जउन भरपूर होइ सीख्या ह वइसेन ही अनुग्रह क इ कामें मैं सम्पन्न होइ जा।

⁸इ मई आदेस क रूपे मैं नाही कहित ह बल्कि अउर मनइयन क मने मैं तोहरे बरे जउन तेजी बा, उ पिरेम क सच्चाई क परख करइ क बरे अइसेन कहत इउँ। ⁹काहेकि हमार पभू ईसू मसीह क अनुग्रह स तू परिचित अहा। तू इ जानत अहा कि धनी होके तोहरे बरे उ निरधन बन गवा। ताकि ओनकइ गरीबी स तू मालामाल होइ जा।

¹⁰इ बिसय मैं मई तोहे आपन सलाह देत हउँ, तोहे इ सोभा देत ह। तू पिछले साल न केवल दान देइ क इच्छा मैं सबसे आगे रह्या, बल्कि दान देइ मैं भी सबसे आगे रह्या। ¹¹अब दान करइ क उ तेज इच्छा क तू जउन कछू तोहरे पास बा, ओहसे पूरा करा। तू एका ओतनेन लगन से "पूरा करा।" जेतने लगन से तू एका "चाहे" रह्या। ¹²काहेकि अगर दान स देइ क लगन अहइ तउ मनइयन क लगे जउन कछू बा, उहइ क अनुसार ओकर दान ग्रहण करइ क जोग्य बनत ह। न कि ओनके अनुसार जउन ओनके पास नाही बा। ¹³हम इ नाही चाहित ह कि दुसरन क तउ सुख मिलई अउर तोहे कस्टन, बल्कि हम तउ बराबरी चाहित ह। ¹⁴हमार इच्छा बा कि ओनके इ अभाज क समइ मैं तोहरे सम्पन्नता ओनके अभाव क दूर कइ सकइ आवश्यकता पड़े पर आगे चलिके ओनकी सम्पन्नता भी तोहरे अभाव क दूर करइ, ताकि समता स्थापित हो सकइ। ¹⁵जइसे कि पवित्र सास्तर मैं कहा गवा बा:

"जे बहुत बटोरेस ओकरे लगे न जियादा रहा, अउर जे कम बटोरेस ओकरे लगे न तनिकउ रहा।"

निर्गमन 16:18

तीतुस अउर ओनकर संघी

¹⁶परमेस्सर क धन्यवाद बा जे तीतुस क मने मैं तोहरे सहायता क बरे वइसेन तीत्र इच्छा भर दिहे बा, जइसेनइ हमरे मने मैं बा। ¹⁷काहेकि उ हमार पराथना स्वीकार किहेस अउर उ ओकरे बरे विसेस रूप स आपन इच्छा भी क रखत ह। इही बरे उ खुद आपन इच्छा से ही तोहरे लगे आवई बरे बिदा होत बा। ¹⁸हम ओकरे साथे उ भाई क भेजत अही, जेकर सुसमाचार क प्रचार की उत्सुकता सब कलीसियावन मैं सब जगह जस फइलत बा। ¹⁹एकरे अलावा इ दयापूर्वक काम मैं कलीसियावन ओका हमरे साथे जात्रा करइ बरे नियुक्त कीन्हा गवा अहइ। इ दया क काम जेकर प्रबन्ध हमरे कारण कीन्हा जात अहइ। खुद पभू क महिमा करइ बरे अउर परोपकार मैं हमार लगन क देखौवई बरे बा।

²⁰हम सावधान रहइ क चेस्टा करत अही इ बड़े भेंट की व्यवस्था करत अही, केऊ हमार बुराई न करइ। ²¹काहेकि हमका आपन अच्छी साख बनबइ रखइ क चिन्ता बा। न केवल पभू क आगे बल्कि लोगन क बीच मैं। ²²अउ ओनके साथे हम आपन उ भाई क भेजत रहे, जेका बहुत बिसय मैं अउ बहुत मौकन पर हमका परोपकार क बरे उत्सुक मनई क रूप मैं प्रभावित किहे अहइ। अउर अब त तोहरे बरे ओहमें जउन असीम बिसवास बा, ओहसे ओहमें सहायता करइ क उत्साह अउर जियादा होइ गवा बा।

²³जहाँ तलक तीतुस क विसय मैं पूछे बा, तउ तोहरे बीच सहायता क काम मैं मोर साथी अउर साथे साथे काम करइवाला रहा। अउर जहाँ तलक हमरे भाइयन क सवाल बाटई, उ सबइ तउ कलीसियन क प्रतिनिधि अउ मसीह क महिमा लावत समान बा। ²⁴तउन तू ओन्हे अपने पिरेम क प्रमाण देब अउर तोहरे बरे हम एतना गरब काहे रक्खत ह, ऐका सिद्ध करब ताकि सब कलीसिया ओका देख सकई।

साथियन क मदद करा

9 अब परमेस्सर क लोगन क सेवा क बारे मैं तोहे एह तरह से लिखत चला जाब मोरे बरे जरूरी नाहीं बा। ²काहेकि सहायता क बरे तोहर लोगन क मई जानत हउँ अउर ओकरे बरे मैसीडोनिया निवासियन क सामने इ कहत मोका गरब बा कि अखाया क लोग तउ, पिछले साल से ही तइयार अहई। अउ तोहरे उत्साह तउ ओनमें से जियादातर काम बरे प्रेरणा दिहे अहई। ³मुला मई भाइयन क तोहरे लगे इही बरे भेजत हउँ कि तोहके लइक मई जउन गरब करत हउँ, उ एहे बारे मैं खराब सिद्ध न होई। अउर एह बरे की तू तइयार रहा, जइसेन की मई कहत आएउँ ह।

⁴नाहीं तउ जब केउ मैसीडोनिया बासी मोरे साथे तोहरे लगे आवइ अउर उ पचे तोहे तइयार न पावई तउ तोहरे ऊपर बिसवास करइ क कारण हमार बदनामी होइ, इहइ नाहीं काहेकि एहमे तोहार बदनामी होइ। (तू अउर जियादा लजित होब्या।)

⁵इहीं बरे मई भाइयन स इ कहब जरूरी समझा कि उ हमसे पहिले ही तोहरे लगे जाई अउर जेन उपहारन क दइ क तू पहिलेन ही बचन दइ चुका अहा ओन्हे पहिलेन से उदारतापूर्वक तइयार रखा। इही बरे इ दान स्वेच्छापूर्वक तइयार रखा जाइ न कि दबाउ क साथे तोहसे छीनी गइ कउनउ चीज के रूप में।

⁶एका याद रक्खा। जे छितरा बोवत ही, उ छितरा ही कटिहीं। अउर जेकर बुआइ सघन बा, उ सघनइ काटी। ⁷सब कउनो बिना कउनउ कस्ट क य बिना कउनउ दबाउ क, उतनइ देइ जेतना उ मने मैं सोचे अहइ। काहेकि परमेस्सर खुस मनइयन से ही पिरेम करत ह। ⁸अउ परमेस्सर तोहपे सब प्रकार क अच्छा बरदानन क वर्सा कइ सकत ह जेसे तू अपने जरूरत क सब चीजन मैं हमेसा खुस होइ सकत ह अउर सब अच्छे कामन क बरे फिन तोहरे लगे जरूरत से जियादा रही। ⁹जइसेन की पवित्तर सास्तर मैं लिखा बा:

“मुक्त भाव से क देत ह उ देत ह दीन लोगन क अउर बनी रहत ह ओकर हमेसा दया क हमेसा हमेसा बरे।”

भजन संहिता 112:9

¹⁰उ परमेस्सर ही बोवइवाले क बीज अउर खाइवाले क भोजन देत ह। उहइ तोहे आत्मिक बीज देई अउ ओकर बढवार करी। उही से तोहरे नीक क खेती फूली फली। ¹¹तू सब प्रकार से सम्पन्न बनावइ जाब्या ताकि तू हर असर पर उदार बन सका। तोहार उदारता परमेस्सर बरे लोगन क धन्यवाद क पैदा करी। ¹²दान क इ पवित्तर सेवा मैं तोहार योगदान से न केवल पवित्तर लोगन क जरूरत पूरी होत ह। बल्कि परमेस्सर बरे बहुत जियादा धन्यवाद क भाउ भी उपजत ह। ¹³काहेकि तोहरे इ सेवा स जउन प्रेरित होकर परगट होत ह, ओसे लोग परमेस्सर क स्तुति करिहीं। काहेकि ईसू मसीह क सुसमाचार मैं तोहरे बिसवासो क घोसणा से पैदा भई तोहार आग्या क कारण अउर अपने क कारण ओनके बरे अउ अपने दयालुपन क कारण ओनके बरे अउर दुसरे सब लोगन बरे तू दान देत ह। ¹⁴अउर पचे तोहरे बरे पराथना करत तोहसे मिलइ क बड़ी इच्छा करिहीं। तोहपे परमेस्सर क असीम अनुग्रह क कारण ¹⁵उ भेंट क बरे जेकर बखान नाहीं कीन्ह सकत ह, परमेस्सर क धन्यवाद अहइ।

पौलुस स अपने सेवा क समर्थन

10 मई पौलुस, अपने तउर पर मसीह क कोमलता अउर सहनशीलता क साच्छी कइके तोहसे निवेदन करत अहउँ। लोगन क कहब अहइ कि मई जउन तोहरे बीचवा मैं रहत विनम्र अहउँ। मुला उहइ मई जब तोहरे बीच नाहीं अहउँ, तउ तोहरे बरे निर्भय हउँ। ²अब मोर तोहसे बिनती बा कि जब मई तोहरे बीच होउँ तउ उही बिसवास क साथे वइसेन ही निर्भरता दिखावइ क मोहप दबाव जिन डावा जइसेन कि मोरे विचार से मोका कछू ओन्हन लोगन क विरुद्ध देखावई होइ जउन सोचत ही कि हम एक संसारी जीवन जीइत ह। ³काहेकि जद्यपि हमहूँ इही संसारे मैं रहित ह। मुला हम संसारी लोगन क तरह नाहीं लड़ित ह। ⁴काहेकि जउने सास्तरन स हम लोगन क तर्कन क अउर ऊ हर एक रूकावट जउन परमेस्सर क गियान क विरुद्ध खड़ा अहई, खण्डन करत हीं। ⁵सो हम कल्पना क, अउर हर एक उंची बात क, जो परमेस्सर क पहचान क विरोध मैं उठत अहई, खण्डन करित ह, अउर हर एक भावना का कैद कहेके मसीह क आग्याकारी बनाइ देत अही। ⁶जब तोहमे कुल आग्या करत बाटेन तउ हम सब परोपकार क अनज्ञा क दण्ड देइ बरे तइयार अही।

⁷तोहरे सामने जउन लच्छ बा ओनहीं क देखा। अगर केउ अपने मने मैं इ मानत ह कि उ मसीह क अहइ, त उ अपने बारे मैं फिन स याद करइ कि उहइ ओतनइ मसीह क अहइ जेतना कि हम अही। ⁸अउर अगर अपने उ अधिकार क विसय मैं कछू अउर गरब करइ जेका पभू हमे तोहरे बिनास क बरे नाहीं बल्कि

आत्मिक निर्माण क बारे दिहे बा।⁹तउ एकरे बारे मई तोहका इ भावना नाहीं देई चाहित कि मई अपने पत्तरन स तोहका घबड़बाइत ह।¹⁰मोरे विरोधीन क कहब बा, “पौलुस क चिट्ठी तउ भारी भरकम अउर प्रभाऊपूरक अहई। लेकिन मोर उपस्थित रहब अहइ तउ व्यक्तित्व कमजोर अहइ अउर बानी अर्थहीन बा।”

¹¹मुला अइसेन कहइवाले मनइयन क समझ लेइ चाही कि तोहरे बीच मैं न रहत भए, जब हम अपने चिट्ठीन मैं कछू लिखित ह तउ ओहमें अउर तोहरे बीच रहत हम जउन करम करित ह ओहमें कउनउ अन्तर नाहीं बा।

¹²हम उ कछू लोगन क साथे हमका तुलना करइ क साहस नाहीं करित ह जउन अपने आपके बहुत महत्वपूर्ण मानत हीं। मुला जब अपने क एक दूसरन से नापत हीं अउर आपस मैं आपन तुलना करत हीं तउ उ इ दरसवात हीं कि उ पचे नाहीं जानत हीं कि उ पचे केतना मूरख अहई।¹³चाहे जउन होइ, हम अच्छे उचित सीमा से बाहेर बढ़ चढ़ क बात न करबा। बल्कि परमेस्सर तउ हमरे सेवा क जउन सीमा हमका सौंपे अहइ, हम उहीं मैं रहित ह, अउर सीमा तोहे तलक पहुँचत ह।¹⁴हम अपने सीमा क उल्लंघन नाहीं करत अहीं, जइसेन कि अगर हम तोहरे तक नाहीं पहुँच पाइत, तउ होइ जात। मुला तोहे तक ईसू मसीह क सुसमाचार लइके हम तोहरे लगे सबसे पहले पहुँचा अहीं।¹⁵अपने उचित सीमा स बाहेर जाइके कउनो अउर दुसरे मनइयन क काम पर हम गरब नाहीं करित ह मुला हमका आसा बा कि तोहार बिसवास जइसे जइसे बढ़ी तउ वइसे वइसे ही हमार गतिबिधियन क छेत्र क साथे तोहरे बीच मैं हमहूँ बियापक रूप स फइलबा।¹⁶अइसे तोहरे छेत्र क अगवा हम सुसमाचार क प्रचार कइ पाउबा। कउनो अउर क जउन काम सौंपा गवा बा ओह छेत्र मैं अब तलक जउन काम होइ चुका बा हम ओकरे बारे सेखी नाहीं बघारत अहीं।¹⁷जइसेन की सास्तरन मैं कहा गवा बा: “जेका गरब करइ क बा वो पभूँ जउन कछू किहे अहइ उहइ पर गरब करा।” *¹⁸काहेकि अच्छा उहइ माना जात ह जेका पभूँ अच्छा स्वीकारत ह, न कि उ जउन अपने आपके खुद अच्छा समझत हीं।

बनावटी प्रेरित अउर पौलुस

11 कास, तू मोर थोड़क मूरखता सही लेत्या। हाँ तू ओका सहि ल्या।²काहेकि मई तोहसे जलन होत ह, इ जलन उ अहइ जउन परमेस्सर से मिलत ह। मई तोहार मसीह से सगाई कराइ दिहे हईं। ताकि तोहे एक पवित्र कर्निया क समान ओका अर्पित कइ सकउँ।³मुला मई डेरात अहई कि कहूँ जइसेन उ सर्प हव्वा क

अपने कपट से भ्रष्ट कइ दिहे रहा। वइसेन ही कहूँ तोहार मन उ एक निस्टा भक्ति अउर पवित्रता स, जउन मोका मसीह क लिए रक्खई चाही, भटकाई न दीन्ह जाई।⁴काहेकि जब कउनो तोहरे लगे आइके जे ईसू क बारे मैं जउन कहे रहा, ओका छोड़ी क कउनो दूसरे ईसू क तोहका उपदेस देत ह अउर जउन आत्मा तू ग्रहण किहे अहा, ओसे अलग कउनो अउर आत्मा क तू ग्रहण करत ह अउर छुटकारा क जउन सेँदिस क तू ग्रहण किहे अहा, ओसे अलग कउनो दूसरे सेँदिस क उ ग्रहण करत ह।

⁵तउ तू बहुत खुस होत अहा। पर मई अपने आपके तोहरे “बडेन प्रेरितन” से बिलकुल छोट नाहीं मानत अहईं।⁶होइ सकत ह कि मोर बोलइ क सकती सीमित बा मुला मोर गियान तउ असीम बा। इ बाते क हम सबहिं बाते मैं तोहे स्पष्ट रूप से दरसाए हईं।

⁷अउ फिन मई सेंटइ मेंतई मैं सुसमाचार क उपदेस दइके तोहे ऊँचा उठावई बारे अपने आपके झुकावत भए, का कउनउ पाप किहे अहइ? ⁸मई दूसरे कलीसियन स आपन मेहनताना लइके ओनका लूटे हईं ताकि मई तोहार सेवा कइ सकउँ।⁹अउर तब मई तोहरे साथे रहेईं तब जरूरत पड़े प मई कउनो प बोझ नाहीं डालेईं काहेकि मैसीडोनिया स आपन भाइयन मोर जरूरतन क पूरा कइ दिहे रहेन। मई हर बाते मैं अपने आपके तोहपे न बोझ बनई दिहे हईं अउर न बनई देबा।¹⁰अउर काहेकि मोहमाँ मसीह क सच निवास करत ह। इही बारे अखाया क समूचे छेत्रन मैं मोका बड़ चढ़ क बोलइ स केउ नाहीं रोक सकत ह।¹¹भला काहे? का इही बारे कि मई तोहसे पिरेम नाहीं करत हईं? परमेस्सर जानत ह, मई तोहसे पिरेम करत हईं।

¹²मुला जउन मई करत हईं ओका तउ करतइ रहब, ताकि ओन्हन कही गइ प्रेरितन क गरब क, जउन गरब करइ क कउनउ अइसेन बहाना चाहत हीं। जेसे सबइ ओनहीं कामे मैं हमरे बराबर समझा जाई सकई जेनपइ ओनका गरब बा। मई ओनके उ गरब क खतम कइ सकउँ।¹³अइसे लोग नकली प्रेरित अहईं। ऊ पचे छली अहईं, उ मसीह क प्रेरित होइ क ढोंग करत हीं।¹⁴ऐहमें कउनउ अचरज नाहीं बा, काहेकि सइतान त परमेस्सर क दूत क रूप धारण कइ लेत ह।¹⁵इही बारे अगर ओकर सेवकउ नेकी क सेवकन क स रूप धइ लेइ तउ एहमाँ कउन बड़ी बात बा? मुला अन्त मैं ओनका आपन करनी क अनुसार फल तउ मिलइ क बा।

पौलुस की यातना

¹⁶मई फिन दोहरावत अहईं कि मोका केउ मूरख न समझइ। मुला अगर फिन स तू अइसेन समझत ह तउ मोका मूरख बनाइके ही मंजूर करा। तब मोका स्वीकार कइ ल्या अउ मोका कछू अधिकार द्या। ताकि मई

कछू गरब कइ सकउँ।¹⁷ अब इ मई कहत अहउँ, उ पर्भू क अनुसार नाहीं कहत ह, बल्कि एक मूरख क रूप में गरबपूर्वक बिसवास क साथे कहत हउँ।¹⁸ काहेकि बहुत लोगन अपने संसारी जीवन पर गरब करत हीं।¹⁹ फिन तउ मई गरब करबा अउर फिन तउ तू एतना समझदार अहा कि मूर्खन क बात खुसी क साथे सहि लेत ह।²⁰ काहेकि अगर केउ तोहका दास बनावइ, तोहका फँसाइ देत ह, धोखा देत ह अपने क तोहसे बड़ा बनवइ अउर तोहरे मुँहे पर थपड़ मारई त तू ओका सहि लेत ह।²¹ मई सरम क साथे कहत हउँ कि हम पचे बहुत कमजोर रहे। अगर कउनउ मनई कउनो चीजन पे गरब करइ क साहस करत ह त ओइसन साहस मई भी करबा मई मूर्खतापूर्वक कहत अही।

²²इबराती सबइ तउ नाहीं अहउँ। जदि उ पचे इब्राएली अहउँ, तउ उ मई भी अहउँ, जदि उ सबइ इब्राहीम क बंसज अहउँ, तउ उ मई भी हउँ।²³ मई अहउँ। इब्राएली उ सबइ तउ नाहीं अहउँ। मई ह भी। का उ पचे मसीह क सेवक अहउँ? (एक सनकी की नाहीं मई इ कहत ह अहउँ।) कि मई ओहसे बड़ा मसीह क सेवक अहउँ। मई बार बार जेल गवा हउँ। मोका बार बार मारा गवा बा। कई अवसर पर मोका मऊत क सामना भवा बा।²⁴ पाँच बार मई यहूदियन स एक कम चालीस चालीस कोड़ा खाए हउँ।²⁵ मई तीन तीन बार लाडियन स पीटा गवा हउँ। एक बार तउ मोहे पर पत्थराऊँ कीन्ह गवा बा। तीन बार मोर जहाज बूड़ा। एक दिन अउर एक रात मई समुंदर क गहारे पानी में बितावा।²⁶ मई भयानक नदियन, खूखार डकड़तन, खुद आपन लोगन, विधर्मियन, नगरन, गाँवन, समुद्रन अउर देखआवटी बन्धुवन क खतरे क बीचवा में कइयऊ यात्रा किहे हउँ।²⁷ मई कड़ा मेहनत कइके थकावट से चूर होइके जीव जिए हउँ। कई अवसरन पर मई सोइ तक नाहीं पाएँ। भूखा अउर पियासा रहेँ। अकसर मोका खाई तक क नाहीं मिला। बिना कपड़न क जाड़ा मैं ठिठूरत रहेँ।²⁸ अउर अब अउर जियादा का कही? रोज मेरे ऊपर जिम्मेदारी का भार अहइ अउर मोहे पड़ सब कलीसियावन की चिन्ता बनी रहत ह।²⁹ कीहीऊ का कमजोरी मोका सक्तिहीन नाहीं कई देत ह अउर केकर पापे मैं होब मोका बैचन नाहीं बनाई डावत ह। लेकिन मई अन्दर से दुखी होइ जात हउँ यदि कउनो प्रलोभन मैं बहक जात ह।³⁰ अगर मोका बढ-चढ क बात करई क बा तउ मई ओन्हन बातन क करब जउन हमरे कमजोरी क अहउँ।³¹ परमेस्सर अउर पर्भू ईसू क परमपिता जउन हमेसा धन्य अहउँ, जानत हीं कि मई कबहुँ झूठ नाहीं बोलत हउँ।³² जब मई दमिस्क मैं रहेँ तउ राजा अरितास क राज्यपाल दमिस्क क चारों ओर पहरा बइटा दिहे रहा मोका बन्दी कई लेइक जतन किहे रहा।³³ मुला मोका नगर क चार दीवारी क छेद से टोकरी मैं बइटाइ क

नीचे उतार दीन्हा गवा अउर मई ओकरे हाथ स बच निकलउँ।

पौलुस पर पर्भू क विसेस अनुग्रह

12 यदि घमण्ड करइ क होइ तउ मोरे बरे ठीक ना होइ, तो भी करइ पड़त ह, तउ मई पर्भू क दीन्ह भाए दर्शन अउर पर्भू क प्रकासित चरचा करत अहउँ।

²मई मसीह मैं स्थित क अइसेन मनई क जानत हउँ जेका चौदह साल पहिले (ओकरे सरीर मैं या सरीर क बाहर मई नाहीं जानित ह परमेस्सर ही जानत ह।) देह सहित या देह रहित तीसरे सरग में उठाई लीन्ह गवा रहा।³⁻⁴ अउर मई जानित ह कि ऐह मनई क (मई बिना सरीर क या सरीर सहित नाहीं जानित हउँ बस परमेस्सर ही जानत ह) सरगलोक * में उठाई लीन्ह गवा रहा अउर ओ अकथनीय सब्द सुनेस जेका बोलइक अनुमति मनइयन क नाहीं बा।⁵ हाँ, अइसेन मनइयन पर गरब करबइ, मुला खुद अपने घरे पर अपने दुर्बलतन क छोड़ क गरब न करबइ।⁶ काहेकि इ मई सरम करइ क सोची तउ मई मूरख न बनवइ काहेकि तब मई सच कहबइ। होबइ! मुला तोहका मई अइसेन बचाउब ताकि कउनो मोका जइसेन करत देखत ह या कहत सुनत ह, ओसे भी जियादा भ्रम न देइ।⁷ असाधारण प्रकासित क कारण मोका कउनउ गरब न होइ जाइ, इही बरे मोका सालत रहइ वाला काँटउ दइ दिहे अहइ। जउन सइतान क दूत अहइ, मोका मारत रहत ह ताकि मोका बहुत जियादा घमण्ड न होइ जाइ।⁸ काँटा क अहइ समसिया क बारे में मई पर्भू स तीन बार बिनती किहेउँ काहेकि उ इहइ काँटा क मोसे निकाल लेइ।⁹ मुला उ मोसे कहि दिहे अहइ, “तोहरे बरे मोरे अनुग्रह परियाप्त बा। काहेकि निर्बलता मैं मोर सकती सबसे जियादा होत ह।” इही बरे मई अपने कमजोरी पे खुसी क साथे गरब करत हउँ। ताकि मसीह क सक्ती मोहमों रहइ।¹⁰ इही तरह मसीह बरे मई अपने कमजोरी, अपमानन, कठिनाइयन, जातनन, अउ बाधा मैं आनन्द लेत हउँ काहेकि जब मई कमजोर होत हउँ तबइ बलवान होत हउँ।

कुरिन्थियन क प्रति पौलुस क पिरम

¹¹मई मूरखन की तरह बतियात अहउँ मुला अइसा करइ क बरे मोका मजबूर तू किहे अहा। तोहका तउ मोर प्रसंसा करइ चाही, जद्यपि वइसे तउ मई कछू नाहीं हउँ, पर तोहरे ओन्हन “बड़ेन प्रेरितन” स मई कीहीउ तरह छोट नाही हउँ।¹² कीहीउ क प्रेरित सिद्ध करइवाला अद्भुत चीन्हा, अचरज कारज, अद्भुत कारज, अउर तोहरे बीच धीरज क साथे परगत कीन्ह गवा अहउँ।¹³ तू

सरगलोक यानि सरगे क लोक, जहाँ धर्मी लोग मरई क बाद पहुँचत हीं।

दूसरे कलीसियन स कउँने दीरटी स कम अहा? सिवाय एकरे कि मई तोहपे कउनउ तरह क कवहँ भार नाही बना हउँ? मोका एकरे बरे छमा करा।

¹⁴देखा तोहरे लगे आवई क अब मई तीसरी बार तइयार हउँ। पर मई तोहपे कउनउ तरह क बोझ न बनब। मोका तोहरे सम्पत्तिन क नाही तोहार चाहत अहइ। काहे कि बच्चन क अपने माई बाप क बरे कउनउ बचत करइ क जरूरत नाही होत बल्कि अपने बच्चन क बरे माई बाप क खुद बचत करइ क होत ह। ¹⁵जहाँ तक मोर बात अहइ, मोर लगे जउन कछू बा तोहरे बरे खुसी क साथे खर्चा करबइ, इहाँ तक कि अपने आपक क तोहरे बरे खर्च कई देवई। जदि मई तोहसे जियादा पिरेम रखित ह तउ भला तू मोका कम पिरेम कइसे करब्या। ¹⁶होइ सकत ह कि मई तोहपे कउनउ बड़ा बोझ न डावा होइ। मुला तोहर कहब बा मई कपटी रहेउँ मई तोहका अपने चालाकी स फँसाइ लिहेउँ।

¹⁷का जउनने लोगन क मई तोहरे लगे भेजे रहेउँ ओनके जरिये तोहे छला ग रहा? नाही! ¹⁸तीतुस अउर ओनके साथे हमरे भाई क मई तोहरे लगे भेजे रहेउँ। का तीतुस तोहे फँसाइ दिहेस? नाही का हम उहाँ निस्ककपट आत्तिमा स नाही चलत रहेन? का हम उही चरनचिन्हन पर नाही चलत रहेन?

¹⁹अब तू का सोचत अहा कि एक लम्बा समइ स हम तोहरे सामने आपन पछ रक्खत अही। मुला हम त परमेस्सर क सामने मसीह क अनुयायी क रूप मँ बोलत अही। मोर पियारे दोस्तो! हम जउन कछू करत अही उ तोहे आत्मिक रूप स सक्तिशाली बनवइ क बरे बा। ²⁰काहेकि मोका भय बाटई कि कहुँ जब मई तोहरे लगे आवउँ तउ तोहे वइसेन न पावउँ, जइसेन पावई चाहित ह अउर तू भी मोका वइसेन न पावा जइसेन पावई चाहत ह। मोका भय बा कि तोहरे बीच मोका कहुँ आपसइ मँ झगड़ा, इरसा, गुस्सापूर्वक कहासुनी व्यक्तिगत, षड़यन्त्र, अपमान, कानाफूसी हेकड़पन अउर अव्यवस्था न मिलइ। ²¹मोका डर बा कि जब मई फिन तोहसे मिलइ आवउँ तउ तोहरे सामने मोर परमेस्सर कहुँ मोका लज्जित न कइ देइ, अउर मोका ओन्हन बहुतन बरे बिलाप न करइ क पड़ई। जे पहिले पाप किहे बाटेन अउर अपवित्तरन, व्यभिचरियन अउर भोग विलास मँ डूबा रहइ क बरे मनफिराव नाही किहे बाटेन।

अन्तिम चेतावनी अउर नमस्कार

13 इ तीसर अउसर अहइ जब मई तोहरे लगे आवत हउँ सास्तरन कहत हीं: "सब बातन क पुस्टि, दई य तीन गवाहन क साच्छी पर कीन्ह जाइ।" * ²जब दूसरी

बार मई तोहरे साथे रहेउँ मई तोहका चेतावनी दिहे रहेउँ अउर अब जब मई तोहसे दूर हउँ मई तोहका फिन स चेतावनी देत हउँ कि अगर मई फिन तोहरे लगे आवउँ त जे जे पाप किहे बाटेन अउर जउन पाप करत अहइ ओनका अउर शोस दूसरे लोगन क न छोड़बा। ³अइसेन मई एँह बरे करत हउँ कि तू इ बाते क प्रमाण चाहत अहा कि मोहमाँ मसीह बोलत ह। उ तोहरे बरे कमजोर नाही बा बल्कि समरथ बा। ⁴इ सच बा कि ओका ओकरे कमजोरी क कारण क्रूस पर चढ़ावा गवा रहा। मुला अब उ परमेस्सर क सकती क कारण ही जिअत अहइ। इह सच बा कि मसीह मँ स्थित हम कमजोर अही मुला तोहरे लाभ बरे परमेस्सर क सकती क कारण हम ओकरे साथे जियब।

⁵इ देखई बरे अपने आप क परखई क बा तू बिसवासपूर्वक जिअत अहा। आपन जाँच पड़ताल करा अउर का तू नाही जानत ह कि उ ईसू मसीह तोहरे भितरइ बा। जदि अइसना नाहीबा, तउ त इ परीच्छा मँ पूरा न उतरब्या। ⁶मई अब आसा करत हउँ कि तू इ जानि जा कि हम इ परीच्छा मँ कउनउ तरह स विफल नाही भए।

⁷हम परमेस्सर से पराथना करित ह कि तू कउनउ बुराइ न करा। एह बरे नाही कि हम इ परीच्छा मँ खरा देखाई देइ। बल्कि एह बरे कि तू फिन उहइ करा जउन अच्छा बा। चाहे हम इ परीच्छा मँ विफल भए काहे न देखौइ देइ।

⁸असलियत मँ हम सत्य क विरुद्ध कछू नाही कइ सकित ह। हम जउन करित ह सच क बरे करित ह। ⁹हमार कमजोरी अउर हमार सबलता मोका खुश करत ह अउर हम इही बरे पराथना करित ह की तू मजबूत स मजबूत बना।

¹⁰इही बरे तोहसे दूर रहत मई इन बातन क तोहका लिखत हउँ। ताकि जब मई तोहरे बीच होउँ तउ मोका पभू क जरिये दीन्ह गवा अधिकार स तोहका हानि पहुँचई बरे नाही बल्कि तोहरे आत्मिक बिकास बरे तोहरे साथे कठोरता न बरतइ पड़इ।

¹¹अब भाइयन, मई तोहसे विदा लेत अहउँ। आपन आचरण ठीक रखा। वइसेह करत रहा जइसेन करइ क मई कहे रहेउँ। एक जइसेन सोचा। सान्तिपूर्वक रहा। जेसे पिरेम अउर सान्ति क झेत परमेस्सर तोहरे साथे रही।

¹²पवित्तर चुम्बन दुवारा एक दूसरे क सुवागत करा।

¹³सबन पवित्तर लोगन क तोहे नमस्कार।

¹⁴तू पभू ईसू मसीह क अनुग्रह, परमेस्सर क पिरेम अउर पवित्तर आत्तिमा स मिलइ वाला भाई-चारा रहइ।

गलातियन क पत्र

1 पौलुस क तरफ स, जउन एक प्रेरित अहइ, जे एक अइसेन सेवा बरत धारन किहे अहइ। जउन ओका न तउ मनइयन स मिला बा अउर न कउनो एक मनई क जरिये दीन्ह गवा रहा, बल्कि ईसू मसीह क जरिये उ परमपिता परमेस्सर स, जे ईसू मसीह मरे रहे प फिन स जियाइ दिहे रहा, दीन्ह भवा बा।

²अउर मोरे साथे जउन भाइ अहइँ, ओन्हे सब ओर स गलातिया* छेत्र क कलीसियवन क नाउँ:

³हमरे परमपिता परमेस्सर अउर पभू ईसू मसीह कइँती स तू सबन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ। ⁴जे हमरे पापन बरे अपने आपके अपित कइ दिहेन ताकि इ पापपुन्न संसारे स, जेहेमें हम रहत हई, उ हमका छुटकारा देवोई सकइ। हमरे परमपिता क इहइ इच्छा अहइ। ⁵उ हमेसा महिमावान होइ। आमीन।

सच्चा सुसमाचार एकइ अहइ

⁶मोका अचरज बा, कि तू सभे ऐतनी जल्दी उ परमेस्सर स मुँह मोड़के, जे मसीह क अनुग्रह द्वारा तू पचन क बोलाए रहा, कउनो दुसरे सुसमाचार क तरफ जात अहा। ⁷कउनउ दुसर सुसमाचार तउ सहीयउ मँ अहइ ही नाहीं ना, मुला कछू जने अइसेन अहइँ जउन तोहे भरमावत अहइँ। अउर मसीह क सुसमाचार मँ हेर-फेर क जतन करत हीं। ⁸मुला चाहे हम होई अउर चाहे केऊ सरगदूत या तू सबन क हमरे कारण सुनाव गवा सुसमाचार स अलग सुसमाचार सुनावत हीं तू ओका धिक्कार बा।

⁹अइसेन की हम पहिले कहिँ चुका हई, ओइसेन ही मई अब फिन दोहरावत अहउँ कि जदि चाहे हम होइ अउर चाहे केऊ सरगदूत, या तोहरे स स्वीकार कीन्ह गवा सुसमाचार स अलग सुसमाचार सुनावत हीं तउ ओका धिक्कार अहइ।

¹⁰का एहसे तू सबन क अइसेन लागत ह कि मोका मनइयन क स्वीकृति चाही? या इ अउर परमेस्सर की स्वीकृति मिलइ। अउर का मई मनइयन क खुस करई

क जतन करत हइ? अगर मई मनइयन क खुस करित ह तउ मई ईसू मसीह क सेवक-सा न होइत।

पौलुस क सुसमाचार परमेस्सर स मिला बा

¹¹भाइयो, मई तोहका जतावइ चाहित ह कि सुसमाचार जेकर उपदेस तू पचन क मई दिहे हउँ उ मनई द्वारा नाहीं बनावा गवा ह। ¹²कउनउ मनई स मिला सुसमाचार नाहीं ना काहेकि न तउ मई एका कीहीउ मनई स पाएँ हई अउर न तउ कउनउ मनई एकर उपदेस मोका दिहे बा। ईसू मसीह द्वारा हमरे सामने परगट भवा बा।

¹³यहूदी धरम मँ मई पहिले कइसे जिअत रहेउँ ओका तू सुन चुक्या ह, अउर तू इहउ जानत ह कि मई परमेस्सर क कलीसिया पर केतना अत्याचार किहे हउँ अउर ओका मिटाइ डालइ क कोसिस तक किहे अहइ। ¹⁴यहूदी धरम क पालइ मँ मई अपने जुगे क समकालीन यहूदियन स आगे रहेउँ काहेकि मोर पूर्वजन स जउन परम्परा मोका मिली रहिन, ओहमँ हमारा उत्साहपूरक आस्था रही।

¹⁵मुला परमेस्सर मोरे जनम स पहिलेन मोका चुन लिहे रहा। अउर आपन अनुग्रह व्यक्त करइ क मोका बोलाइ लिहे रहा। ¹⁶ताकि उ मोका अपने पूत (ईसू) क गियान कराइ देइ। जेसे मई गैर यहूदियन क बीच ओकरे सुसमाचार क प्रचार करउँ। ओह समइ जल्दी स मई कउनउ मनई स कउनउ राय नाहीं लिहेउँ। ¹⁷अउर न तउ मई ओन्हन क लगे यरूसलेम गएँ जउन मोसे पहिले प्रेरितन बना रहेन। बल्कि मई अरब गवा रहेउँ अउर फिन उहाँ स दमिस्क लउटि आएँ।

¹⁸फिन तीन साल क बाद पतरस स मिलइ बरे मई यरूसलेम पहुँचेउँ अउर ओकरे साथे एक पखवाड़ा ठहरेउँ। ¹⁹मुला उहाँ मई पभू क भाई याकूब क देखिके कउनो अउर दुसरे प्रेरितन स नाहीं मिलेउँ। ²⁰मई परमेस्सर क साच्छी कइके कहत हउँ कि जउन कछू मई लिखत हउँ ओहमँ झूठ नाहीं बा। ²¹ओकरे बाद मई सीरिया अउर किलिकिया क देसन मँ गएँ।

²²मुला यहूदियन क मसीह क मानइवाले क कलीसियन अपने रूप स मोका नाहीं जानत रहेन। ²³मुला उ लोगन स कहत सुनत रहेन, "उहइ मनई जउन पहिले हमका सतावत रहत रहा उही बिसवासे यानि उही बिसवास क प्रचार करत रहत ह जेका उ कभउँ खराब करई क

गलातिया कभउँ कभउँ उहइ छेत्र रहा होइ जहाँ आपन पहिली धार्मिक सेथ जाबा क अवसरन पर पौलुस उपदेस दिहे रहा, अउर कलीसिया क स्थापना किहे रहा। प्रेरितन क काम 13 अउर 14 देखा।

कोसिस करे रहा।" ²⁴मोरे कारण उ पचे परमेस्सर क स्तुति किहेन।

पौलुस क प्रेरितन क मान्यता

2 चौदह साल बाद मई फिन स यरूसलेम गएँ बरनाबास मोरे साथे रहा अउर तीतुस क मई अपने साथे लइ लिहे रहेउँ। ²मई परमेस्सर क दर्शन क कारण उहाँ गवा रहेउँ। मई गैर यहूदियन क बीच सुसमाचार क उपदेस देत रहत हउँ, उहइ सुसमाचार क आपन निजी सभा क बीच कलीसिया क मुखियन क सुनाएउँ। मई उहाँ एह बरे गए रहेउँ कि परमेस्सर खुब मोका दसपि रहा कि मोका उहाँ जाइ चाहीं। ताकि जउन काम मई पिछले दिनन किहे रहेउँ, या जेका मई करत हउँ, उ बेकार न चला जाइ।

³⁻⁴परिनाम सरूप तीतुस तक क, जउन हमरे साथे रहा, जद्यपि उ यूनानी अहइ फिन ओका खतना करावइ बरे विवस नाहीं कीन्ह गवा रहा। मुला ओन झूठे भाइयन क कारण जउन लुके छिपा हमरे बीच गुप्तचर क रूप में मसीह ईसू में हमार स्वतन्त्रता क पता लगावइ बरे घुस आइ रहेन कि हमका दास बनाइ सकइ, इ बात उठी ⁵मुला हम ओनकइ गुलामी में एक छन बरे घुटना नाहीं टेका ताकि उ सच चउन सुसमाचार में निवास करत ह, तोहरे भितर बना रहइ।

⁶मुला जाना-माना सम्मानित लोगन स मोका कछू नाहीं मिला। (उ कइसनेउ भी रहेन, मोका अइसेन कउनउ अन्तर नाहीं पड़त। बिना कउनउ भेद भाऊ क सबन मनई परमेस्सर क सामने एक जइसेन अहइ।) मुला ओन सम्मानित लोगन स मोका या मोरे सुसमाचार में कछू जोड़ावइ गवा कउनउ लाभ नाहीं भवा। ⁷मुला एन मुखियन देखेन कि परमेस्सर मोका वइसे ही एक विसेस काम सौंपे अहइ जइसे पतरस क परमेस्सर यहूदियन क सुसमाचार सुनावइ क काम दिहे रहा। मुला परमेस्सर गैर यहूदियन क सुसमाचार सुनावइ क काम मोका दिहे रहा। ⁸परमेस्सर पतरस क एक प्रेरित क रूप में काम करइ क सकती दिहे रहा। पतरस गैर यहूदियन क बरे एक प्रेरित बा। परमेस्सर मोका भी एक प्रेरित क रूप में काम करइ क सकती दिहे बाटइ। मुला मई ओन मनइयन क प्रेरित अहउँ जउन यहूदी नाहीं अहइ। ⁹इही तरह उ पचे मोह पड़ परमेस्सर क ओह अनुग्रह क समझ लिहेन अउर कलीसिया क स्तम्भ समझइ जाइ वाला याकूब, पतरस अउर यहून्ना बरनाबास अउर मोसे साझेदारी क चिन्ह क रूप में हाथे मिलाए रहा। अउर उ पचे सहमत होइ गएन कि हम विधर्मियन क बीच उपदेस देत रही अउर उ सबइ यहूदियन क बीच। ¹⁰ओ सबइ हमसे बस एँतनई कहेन कि हम ओनके गरीबन क धियान रखी। अउर मई इही कामें क न केवल करइ चाहत रहेउँ बल्कि एकरे बरे लालयित रहेउँ।

पौलुस क दिस्टी में पतरस अनुचित

¹¹मुला जब पतरस अन्ताकिया आवा तब मई खुलके ओकर विरोध किहेउँ काहेकि उ ठीक नाहीं रहा। ¹²काहेकि याकूब द्वारा भेजा गवा कछू लोगन क इहाँ पहुँचे स पहिले उ गैर यहूदियन क साथे खत पियत रहा। मुला उन लोगन क आवइ क बाद उ गैर यहूदियन स अलग कइ लिहेस। उ ओन्हेन क डर स अइसेन किहेस जउन चाहत रहेन कि गैर यहूदियन क खतना होइ चाहीं। ¹³दूसरे यहूदियन पतरस क इ देखावा में साथ दिहेन। इहाँ तक की इ देखोवइ क कारण बरनाबास तक भटक गवा। ¹⁴मई जब इ देखेउँ कि सुसमाचार में छिपा हुआ सच क अनुसार उ पचे सीधे रस्ता पर नाहीं चलत रहेन तब सबक सामने पतरस स कहेन, "जब तू यहूदी होइ क भी गैर यहूदियन क जिन्नगी जिअत अहा तउ गैर यहूदियन क यहूदियन क रीति पर चलइ क बरे विवस कइसे कइ सकत ह?" ¹⁵हम तउ जनम स यहूदी अहीं। अउर हमार पापी गैर यहूदियन स कउनउ सम्बन्ध नाहीं बा। ¹⁶तबऊ हम इ जाणित ह कि कउनो मनई क व्यवस्था क बिसय क पालन करइ क कारण नाहीं बल्कि ईसू मसीह में बिसवास क कारण नेक ठहरावा जात ह। मई इही बरे मसीह ईसू क बिसवास धारण किहे हई, ताकि इ बिसवासे क कारण हम नेक ठहरावा जाइ, न कि व्यवस्था क पालइ क कारण। काहेकि ओका पालइ स तउ केऊ मनई धर्मी नाहीं होत।

¹⁷मुला अगर हम जउन ईसू मसीह में अपने स्थित क कारण धर्मी ठहरावा जाइ चाहित ह। हमहूँ विधर्मियन क समान पापी पावे जाइ तउ एकर मतलब क इ नाहीं ना कि मसीह पावे क बढ़ावा देत ह। निस्चय ही नाहीं। ¹⁸अगर जेकर तियाग मई कइ चुका हउँ उ व्यवस्था क फिन स उपदेस देइ लागउँ, तब तउ मई आज्ञा क उल्लंघन करइवाला अपराधी बन जाव। ¹⁹काहेकि व्यवस्था क विधान स मई मर गएँ ह ताकि परमेस्सर क बरे मई फिन स जी जाउँ मसीह क साथे मोका क्रूस पर चढ़ाइ दिहा गवा। ²⁰इही स अब आगे मई जिन्दा नाहीं अहउँ। मुला मसीह मोहमाँ जिन्दा अहइ। तउन एह सररीर में अब मई जउन जिन्नगी जिअत हउँ, उ हमार जिन्नगी नाहीं अहइ, उ तउ बिसवासे पइ टिका बा। परमेस्सर क ओह पूत (ईसू) बरे बिसवासे पर जउन मोसे पिरेम करत ह। अउर जे अपने आप क मोरे बरे अर्पित कइ दिहेस। ²¹मई परमेस्सर क अनुग्रह क नाहीं नकारित ह, मुला अगर धार्मिक व्यवस्था क कारण परमेस्सर स नाता जोड़ाइ पाउत तउ मसीह बेकारइ आपन जान काहे देत।

परमेस्सर क बरदान बिसवासे स मिलत ह

3 अरे मूरख गलातियो, तोह पर के जादू कइ दिहे बा? तू सबन क तउ, सबन क समन्वा ईसू मसीह क क्रूस पर कइसे चढ़ावा गवा रहा, एकर पूरा विवरण

दइ दीन्ह गवा रहा। ²मइँ तू पचन स बस एतना जानइ चाहित ह कि तू पवित्तर आत्मा क बरदान कउन व्यवस्था क पालइ स पाए रहया, अउर सुसमाचार क सुनइ अउर ओहपे बिसवास करइ स? ³काहेकि तू पचे एतना मूरख होइ सकत ह, जउने जीवन क तू सबइ आत्मा स आरम्भ किहे रहया-ओका अब हाइ-मांस क सररीर क सकती स पूरा करब्या। ⁴तू पचे एतना कस्ट बेकारइ सहया? आसा बाटइ कि उ पचे बेकार नाहीं भएन। ⁵परमेस्सर जउन तोह पचन क आत्मा देत ह अउर जउन तोहरे सबन बीच अद्भुत कारजन क करत ह, उ इ एह बरे करत ह कि तू सबइ व्यवस्था क पालत अहा या एह बरे की तू पचे सुसमाचार क सुने अहा, अउर ओह पर बिसवास किहे अहा।

⁶इ वइसेन ही बा जइसे कि इब्राहीम क बारे मँ पवित्तर सास्तरन कहत हीं: “उ परमेस्सर मँ बिसवास किहेस अउर इ ओकर परमेस्सर मँ धार्मिकता गिन गइ।” ⁷तउ फिन तू पचे इ जान ल्या कि इब्राहीम सच्चा बंसज ओह सबइ अहई जउन बिसवास करत हीं। ⁸पवित्तर सास्तरन पहिलेन बताइ दिहे बाटेन कि परमेस्सर गैर यहूदियन क भी ओनके बिसवास क कारण धर्मी ठहराए। अउर ओन सबदन क साथे पहिलेन स ही इब्राहीम क परमेस्सर क जरिये सुसमाचार स सास्तरन क इ सबदन द्वारा, “परमेस्सर तुम्हारा उपयोग करी, सबहिँ राष्ट्रन का आसीसन बरे अवागत कराइ दीन्ह गवा रहा।” ⁹इही बरे उ लोग जउन बिसवास करत हीं बिसवासी इब्राहीम क साथ आसीस पावत हीं।

¹⁰मुला जब लोग जउन व्यवस्था क पालइ प निर्भर रहत हीं, उ पचे कउनो अभिसाप क अधीन अहई। पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बा, “अइसेन सब मनइ झापित बाटेन जउन व्यवस्था क पुस्तक मँ लिखी सब बातन क लगन क साथे पालन नाहीं करतेन।” ¹¹अब इ स्पष्ट बा क व्यवस्था क जरिये परमेस्सर क सामने कउनउ धर्मी नाहीं ठहरत ह। काहेकि पवित्तर सास्तरन क अनुसार, “धर्मी मनई बिसवास क सहारे अनन्त जीवन जिई।” *

¹²मुला व्यवस्था तउ बिसवासे पर नाहीं टिका बल्कि पवित्तर सास्तरन क अनुसार, “जे व्यवस्था क विधान क अनुसार पाली, उ ऊहीं क सहारे जिई।” * ¹³मसीह हमरे झापे क अपने ऊप्पर लइके व्यवस्था क झाप स हमका मुक्त कइ दिहेस। पवित्तर सास्तरन कहत हीं,

“उ परमेस्सर ... गइ” उत्पत्ति 15:6

“परमेस्सर ... रहा” उत्पत्ति 12:3

“अइसेन ... करतेन” व्यवस्था 27:26

“धर्मी ... जिई” हबक 2:4

“जे ... जीई” लैव्य 18:5

“हर केऊ जउन पेड़ पर टाँगि दीन्ह जात ह, झापित बा” * ¹⁴मसीह हमका एह बरे मुक्त किहेस कि इब्राहीम क दीन्ह गइ आसिस ईसू मसीह क जरिये गैर यहूदियन क मिलि सकइ ताकि बिसवास क जरिये हम ओह पवित्तर आत्मा क पाइ सकी जेकर बचन दीन्ह गवा बा।

व्यवस्था अउर बचन

¹⁵भाइयो, अब मइँ तू पचन क दैनिक जीवन स एक उदाहरण देइ जात अहई: देखा, जइसेन कउनउ मनई क जरिये कउनउ करार कइ लिहेजाइ प स्वीकृत हो जात ह, न तउ कउनो मनई ओका रद्द कइ सकत ह अउर न ही ओहमे स कछू घटावा जाइ सकत ह। अउर न बढ़ावा, ¹⁶वइसेन ही इब्राहीम अउर उनके भावी बंसज क साथे कीन्ह गइ प्रतिज्ञा क संदर्भ मँ भी बा। देखा! परमेस्सर इ नाहीं कहत ह, “अउर ओकरे बंसजन का!” (अगर अइसेन होत ह त बहुत लोगन क तरफ संकेत होत। परमेस्सर वचन मँ कहत ह, “अउर तोहरे बंसजन” जउन मसीह अहइ।) ¹⁷मोर कहइ क मतलब इ बाटई कि जेह करार क परमेस्सर पहिलेन सुनिश्चित कइ दिहेस ओका चार सौ तीस साल बाद आवइवाली व्यवस्था क विधान नाहीं बदल सकत अउर न तउ ओकरे बचन क अप्रभावित ठहरावा जाइ सकत ह। ¹⁸काहेकि अगर उत्तराधिकार व्यवस्था पर टिका बा तउ फिन उ बचन पर न टिकी। मुला परमेस्सर उत्तराधिकार बचन क कारण मुक्त रूप स इब्राहीम क दिहे रहा।

¹⁹फिन भला व्यवस्था क प्रयोजन का रहा? व्यवस्था उल्लंघन क अपराध क कारण व्यवस्था क बचन स जोड़ दीन्ह गवा रहा ताकि जेकरे बरे बचन दीन्ह गवा रहा, ओह बंसज क आवइ तलक उ रहइ। व्यवस्था एक मध्यस्थ क रूप मँ रहइवाला मूसा क सहायता स सरगदूतन स दीन्ह गवा बा। ²⁰अब देखा, मध्यस्था क जरूरत नाहीं अहइ, जब केवल एक मनई होत ह। मुला परमेस्सर तउ एकई बा।

मूसा क व्यवस्था क प्रयोजन

²¹का एकर इ मतलब बा कि व्यवस्था परमेस्सर क बचन क विरोधी अहइ? निश्चित रूप स नाहीं। काहेकि अगर अइसेन ही व्यवस्था दीन्ह गइ होत जउन सबन मँ जीवन क संचार कइ सकत तउ व्यवस्था परमेस्सर क आगे धार्मिकता क सिद्ध करई क साधन बन जात। ²²मुला पवित्तर सास्तरन घोसणा किहे बा कि इ समूचा संसार पाप क सकती क अधीन बा। ताकि ईसू मसीह मँ बिसवास क आधार पर जउन बचन दीन्ह गवा बा, उ बिसवासी लोगन क भी मिलइ।

“हर ... बा” व्यवस्था 21:23

²³इ बिसवास क आवई स पहिले, हमका व्यवस्था क देखरेख में, इ आवइवाला बिसवास क परगत होइ तलक, बन्दी क रूप में रखा गवा बा। ²⁴एह तरह व्यवस्था हमका मसीह तक लइ जाइ क बरे एक कठोर अभिभावक रहा ताकि आपन बिसवास क आधार पर हम धर्मी ठहरी। ²⁵अब जब इ बिसवास परगत होइ चुका अहइ तउ हम ओह कठोर अभिभावक क अधीन नहीं अही।

²⁶⁻²⁷ईसू मसीह में बिसवास क कारण तू सबहिं परमेस्सर क सन्तान अहा। काहेकि तू सबइ मसीह क बपतिस्मा लइ लिहे अहा, मसीह में समाइ गवा अहा। ²⁸तउन अब कीहीउ में कउनउ अन्तर नहीं रहा अउर न कउनउ यहूदी रहा, न गौर यहूदी, न दास रहा, न स्वतन्त्र, न पुहस रहा, न स्त्री रही, काहेकि मसीह ईसू में तू सबहिं एक अहा। ²⁹अउर काहेकि तू मसीह क अहा, तउ फिन तू इब्राहीम क बंसजन क अहा। अउर परमेस्सर जउन इब्राहीम क दिहे रहा उहइ बचन क उतराधिकारी होइ।

4 मई कहत हउँ कि उत्तराधिकारी जब तलक बच्चा बा तउ चाहे सब कछू क स्वामी उहइ होत ह, फिन भी उ दास स जियाद कछू नहीं रहत। ²उ संरच्छकन अउर घरे क सेवकन क तब तक अधीन रहत ह। जब तक ओकरे पिता द्वारा निश्चत समइ नहीं आई जात। ³हमरउ भी अइसेही स्थिति बा। हमहुँ जब बच्चा रहेन तउ संसारी नियमन क दास रहेन। ⁴मुला जब अच्छा समइ आवा त परमेस्सर तउ अपने पूत क भेजेस जउन एक स्त्री स जनमा रहा। ⁵अउर उ व्यवस्था क अधीन जितत रहा। ताकि उ व्यवस्था क अधीन व्यक्तिन क मुक्त कराइ सकइ जेसे हम परमेस्सर क गोद लीन्ह भए बच्चन बन सकी।

⁶अउर फिन काहेकि तू परमेस्सर क सन्तान अहा, तउन उ सबन क हिरदय में पूत क आतिमा क पठए रहा। उहइ आतिमा, “अब्बा” या “पिता” कहतइ बोलवावत ह। ⁷इही बरे अब तू दास नहीं अहा बल्कि परमेस्सर क सन्तान अहा अउर काहेकि तू सन्तान अहा इही बरे तोहका परमेस्सर आपन उत्तराधिकारी बनाए ह।

गलाती मसीहियन क बरे पौलस क पिरेम

⁸पहिले तू सभे जब परमेस्सर क नहीं जानत रहया, तउ तू सभे देवतन क दास रहया। उ सच नहीं अहइ वास्तव में उ सबइ परमेस्सर नहीं रहेन। ⁹मुला अब तू परमेस्सर क जानत अहा, या अइसेन कहइ चाही कि परमेस्सर क जरिये अब तू पचन क पहिचान लीन्हा गवा बा। फिन तू ओनन्ह साररहित, कमजोर नियमन कईती काहे लउटत अहा। तू पचे फिन स ओनके अधीन काहे होइ चाहत ह? ¹⁰तू पचे कउनो विशेष दिनन महीनन ऋतुवन अउर बरिसन क मानइ लाग अहा। ¹¹तू पचन क बारे में मोका डेर लागत ह कि तू पचन क बरे जउन

काम मई किहे हउँ उ सबइ कहूँ खराब तउ नहीं होइ गवा अहई।

¹²हे भाइयो तथा बहिनियो, कृपा कइके तू सब मोरे जइसेन बनि जा। देखा, मोहूँ तउ तू पचन जइसेन बनि गवा हउँ, इ मोर तू पचन स बिनती बा, अइसेन नहीं कि तू पचे मोरे बरे कउनउ गलती किहे अहा। ¹³तू पचे तउ जनबई करत ह कि आपन सररीरी क व्याधियन क कारण मई पहिली दाई तू सबन इ सुसमाचार सुनाए रहेउँ। ¹⁴अउर तू सब हउँ तउ, मोरी बीमारी क कारण, जउन तोहार परीच्छा लीन्ही गइ रही, ओहसे मोका छोट नहीं समझया अउर न तउ मोरे निसेध किहया। बल्कि तू पचे परमेस्सर क सरगदूत क रूपे में मोर सुवागत किहे अहा। माना कि मई खुदई ईसू मसीह रहेउँ। ¹⁵तउन तू सबन क उ खुसी क का भवा? मई तोहरे बरे खुदइ इ बाते क साच्छी हउँ कि अगर तू पचे समरथ होत हया तउ तू पचे आपन आँखी तक निकाली क मोका दइ देत्या। ¹⁶तउन का सच बोलइ स ही मई तू पचन क दुस्मन होइ गएउँ?

¹⁷तू पचन क व्यवस्था पर चलावइ बरे चाहइवालन तोहमों बड़ी गहिर रुचि लेत हीं। मुला ओनकर उदेस्य अच्छा नहीं बा। उ तू सबइ पचन क मोसे अलग करइ चाहत हीं। ताकि तू पचे ओहमों गहिर रुचि लइ सका। ¹⁸कउनउ कीहीउँ मैं हमेसा गहिर रुचि लेत रहइ, इ तउ एक अच्छी बात अहइ। मुला इ कीहीउँ अच्छे क बरे होइ चाही। अउर बस उही समइ नहीं, जब मई तोहरे साथे हउँ। ¹⁹मोर प्रिय सन्तानों, मई तू सबन क बरे एक बार फिन प्रसव वेदना क झेलत हउँ। जब तलक तू पचे मसीह जइसे नहीं होइ जात्या। ²⁰मई चाहत हउँ कि अबहीं तू पचन के लगे आइ पहुँचउँ अउर तू सबन क साथे अलग तरह स बात करउँ, काहेकि मई समझ नहीं पावत हउँ कि तू पचन बरे का करा जाइ।

सारा अउर हाजिरा क उदाहरण

²¹मूसा क व्यवस्था क आधीन रहइ चाहइवालन स मई पूछत हउँ का तू पचे व्यवस्था क इ कहब नहीं सुन्या? ²²पवित्तर सास्तरन कहत हीं कि इब्राहीम क दुइ बेटवा रहेन। एक क जन्म एक दासी स भवा रहा अउर दुसरे क स्वतन्त्र स्त्री स। ²³दासी स पइदा भवा बेटवा सहज नियमन में पैदा भवा रहा, मुला स्वतन्त्र स्त्री स पइदा बच्चा परमेस्सर क जरिये दीन्ह गयि प्रतिज्ञा क परिणाम अहइ।

²⁴इन बातन क प्रतीकात्मक मतलब अहइ-इन दुनऊ स्त्री दुई करारन क चिन्ह अहई। एक करार सीनै पर्वत स मिला रहा जे ओन सभन क जनम दिहेस जउन दासता क बरे रहेन। इ करार हाजिरा स सम्बधित बा। ²⁵हाजिरा अरब में स्थित सीनै पर्वत क चिन्ह अहइ, उ वर्तमान धरती क यरुसलेम क समान अहइ, काहेकि उ अपने

बेटवन क साथे दासता भोगत रही, ²⁶मुला सरग मँ स्थित यरुसलेम स्वतन्त्र अहइ। अउर उहइ हमार माता अहइ। ²⁷पवित्तर सास्तर कहत ह:

“बौझ! मनावा आनन्द, जना तू न कउनो क प्रसव वेदना भइ न तोहका, हर्स नाद कइके अउर खिलखिला हंसी खुसी मँ काहेकि अनगिनत संतान अहई छोड़ी भइ मुला नाहीं ना ओकर ओतनी, जउन सुहागिन।”

यसायाह 54:1

²⁸⁻²⁹तउन भाइयो! अब तू इसहाक क जइसी परमेस्सर क बचन स संतान होवा। मुला जइसे ओह समइ प्राकृतिक परिस्थितियन क अधीन पैदा भइ आत्मा क सक्ति स उत्पन्न भए क सतावत रहा, वइसेन ही स्थिति आज बा। ³⁰मुला देखा पवित्तर सास्तर का कहत ह? “इ दासी अउर ओकर बेटवा क निकाल क बाहर करा, काहेकि इ दासी क बेटवा तउ स्वतन्त्र स्त्री क बेटवा क साथे उत्तराधिकारी न होई।” * ³¹एह बरे भाइयन! हम ओह दासी क सन्तान नाहीं हई, बल्कि हम तउ स्वतन्त्र स्त्री क सन्तान हई।

स्वतन्त्र बना रहअ

5 मसीह तउ हमका स्वतन्त्र किहे अहइ ताकि हमउँ स्वतंत्र होइ क आनन्द लइ सकी। इही बरे अपने बिसवास क दृढ़ बनाए रखा। अउर फिन स व्यवस्था क जुआ क बोझ न उठावा। ²सुना! खुउद मई, पौलुस तोहसे कहत रहेउँ कि अगर खतना कराइके तू पचे फिन स व्यवस्था कइँती लउटत हया तउ तोहरे मसीह क कउनउ महत्व न रहइ। ³आपन खतना कराइ देइवाले हर एक मनई क, मई एक दाई फिन स जताए देत हउँ कि ओका पूरा व्यवस्था पर चलब जरूरी बा। ⁴तू सबन मँ स जेतना जने व्यवस्था क पालइ क कारण धर्मी क रूप मँ स्वीकृत होइ चाहत हीं। उ सब मसीह स दूर होइ ग बाटेन अउर परमेस्सर क अनुग्रह क छेत्र स बाहेर अहई। ⁵मुला हम बिसवास क कारण परमेस्सर क सामने धर्मी स्वीकार कीन्ह जाइ क आसा करित ह। आत्मा क सहायता स हम एकर बाट जोहत रहेन ह। ⁶काहेकि मसीह ईसू मँ स्थिति क बरे न तउ खतना करावइ क कउनउ महत्व बा अउर न खतना नाहीं करावइ क बल्कि ओहमाँ तउ पिरेम स पइदा होइवाला बिसवास क ही महत्व बा।

⁷तू पचे तउ बहुत अच्छी तरह एक मसीह क जीवन जित रहया। अब तू पचन क, अइसा का अहइ जउन सत्य पर चलइ स रोकत बाटइ। ⁸अइसी बिमित जउन तू

पचन क सत्य स दूर करत बाटइ। तू सबन क बोलावइवाले परमेस्सर कइँती स नाहीं आइ बा। ⁹“तनिक खमीर गुंधा भवा समूचा आटा क खमीर स उठाइ लेत ह।” ¹⁰पभू क बरे मोर पूरा भरोसा बा कि तू पचे कउनउ दूसरे मते क न अपनउव्या मुला तू सबन क विचलित करइवाला चाहे कउनउ भी होइ, उचित दण्ड पावइ।

¹¹भाइयो तथा बहिनियो, अगर मई आजभी, जइसा कि कछू जने मोहपे लांछन लगावत हीं कि मई खतना क प्रचार करत हउँ तउ मोका अब तलक यातना काहे दीन्ह जात अहई? अउर अगर मई अब भी खतना क जरूरत क प्रचार करत हउँ अब तउ मसीह क क्रूस क कारण पइदा भई मोर सब बाधा समाप्त होइ जाइ चाही। ¹²मई तउ चाहत हउँ कि उ सबइ जउन तू पचन क डिगावइ चाहत हीं, खतना करावइ क साथ साथ अपने आपक बंधिया ही कराइ डालतेन। ¹³मुला भाइयो तथा बहिनियो, तू पचन क परमेस्सर तउ स्वतन्त्र रहइ क चुने अहइ। मुला ओह आजादी क अपने आप पूरे सुभाज क पूर्ति क साधन जिन बनइ दया, एकरे विपरीत पिरेम क कारण परस्पर एक दूसरे क सेवा करा। ¹⁴काहेकि समूची व्यवस्था क सार संग्रह इ एक आदेस मँ ही बा: “अपने साधियन स वइसेन ही पिरेम करा, जइसेन तू अपने आप स करत ह।” * ¹⁵मुला आपस मँ काट करत भए अगर तू एक दूसरे क खात रहव्या तउ देखा। तू पचे आपस मँ ही एक दूसरे क नास कइ देखा।

मानव प्राकृति अउर आत्मा

¹⁶मुला मई कहत हउँ कि आत्मा क अनुसासन क अनुसार आचरण करा अउर अपन पाप से भरा भए सुभाज स इच्छन क पूर्ति जिन करा। ¹⁷काहेकि तने क, भौतिक, अभिलास पवित्तर आत्मा क अभिलासन क अउर पवित्तर आत्मा क अभिलासन भौतिक अभिलासन क विपरीत होत हीं। एनकर आपस मँ विरोध बा। इही बरे तउ जउन तू पचे करइ चाहत ह, उ कइ नाहीं सकत्या। ¹⁸मुला अगर तू आत्मा क अनुशासन मँ चलत ह तउ फिन व्यवस्था क अधीन नाहीं रहत्या।

¹⁹अब देखा! हमरे भौतिक मनई सुभाज क पापे स भरी प्रकृति क कामन क तउ सब जानत हीं। उ पचे अहई व्यभिचार, अपवित्तर, भोग विलास, ²⁰मूर्ति पूजा, जादू-टोना, बैरभाज, लड़ाई-झगड़ा, डाह, किरोध, स्वार्थीपन, फूट, इरसा, ²¹नसा, लंपटपन या ओइसेही अउर बातन। अब मई तू सबन क एनह बातन क बारे मँ वइसेन ही चेतावत हउँ जइसेन मई तू सबन क पहिलेन चेताई दिहे रहेउँ कि जउन लोग इन बातन मँ भाग लेइहीं, उ पचे परमेस्सर क राज्य क उतराधिकार न पइहीं।

²²जबकि पवित्र आत्मा पिरैम, आनन्द, सान्ति, धीरज, दयालुता, नेकी, बिसवास ²³नम्रता अउर आत्मसंयम उपजावत ह। इन बातन क विरोध में कउनउ व्यवस्था नाहीं बाटइ।

²⁴ओ सब लोग जउन मसीह ईसू क अहई, अपने पाप स भरा मानुस भौतिक मनइ सुभाऊ क वासना अउर सबइ इच्छा समेत क्रूस पर चढ़ाई दिहे अहई। ²⁵काहेकि जब हमरे एक नवे जीवन क मोत आत्मा बा तउ आवा आत्मा क ही अनुसार चली। ²⁶हम अभिमानी न बनी। एक दूसरे क न चिढ़ाई। अउर न तउ परस्पर इरसा रखी।

एक दुसरे क सहायता करा

6 भाइयो तथा बहिनियो, तोहरे में स अगर कउनउ मनई गलत काम करत पकड़ा जाय तउ आत्मिक लोगन क चाही कि नम्रता क साथे ठीक कइ देइ, धरम क मार्ग पर आवइ में सहायता करई। अउर खुद अपने बरे सावधानी बरता कि कहीं तू पचे खुदउ कउनो परीच्छा में न पड़ि जा। ²परस्पर एक दूसरे क भार उठावा। इही तरह तू मसीह क व्यवस्था क पालन करब्या। ³अगर केउ मनई महत्वपूर्ण न होत भवा तबउ अपने क महत्वपूर्ण समझत ह, तउ अपने क धोखा देत थ।

⁴अपने करम क आंकलन हर कउनो क खुद करत रहइ चाही। अइसेन करइ पर ही ओका अपने पापे पर कउनो दुसरे क साथे तुलना किहे बिना, गरब करइ क अवसर मिली। ⁵काहेकि आपन दायित्व हर कउनो क खुदइ उठावइ क बा।

⁶जेका परमेस्सर क बचन सुनावा गवा बा, ओका चाही कि जउन अच्छी चीज ओकरे पास बा, ओहमाँ अपने उपदेस क साच्छी बनवइ।

जीवन खेत-बोवइ जइसा बा

⁷अपने आपके जिन छला। परमेस्सर क केऊ बुद्धू नाहीं बनाइ सकत, काहेकि जउन जइसेन बोई वइसे

ही काटी। ⁸जे अपने भौतिक मनई क सुभाऊ बरे बोई, उ अपने काया क बिनास क फसल काटी। मुला जउन आत्मा क खेते में बीया बोई उ आत्मा स अनन्त जीवन क फसल काटी। ⁹इही बरे आवा हम भलाई करत कभऊँ न थकी। काहेकि अगर हम भलाई करत ही रहब तउ अच्छा समइ आए प हमका ओकर फल मिली। ¹⁰जइसेन ही कउन अवसर मिलई, हमका सब क साथ भलाई करइ चाही, बिसेस कर अपने बिसवासी भाइयन क साथे।

पत्र क समापन

¹¹देखा, मई तू पचन क खुद अपने हाथे स केतना बड़ा बड़ा अच्छरन में लिखे हई। ¹²अइसे जने जउन सररीर क रूप स अच्छा देखौवा करइ चाहत हीं तू पचन प खतना करावइ क दबाउ डालत हीं। मुला उ पचे अइसेन बस इही बरे करत हीं कि ओहने मसीह क क्रूस क (सुसमाचार) कारण यातना न सहइ पड़इ। ¹³काहेकि उ सबइ खुदउ नकइ खतना होइ चुका बा, व्यवस्था क पालन नाहीं करतेन मुला फिन भी ओ पचे चाहत हीं कि तू पचे खतना करावा ताकि उ पचे तू सबन क जरिये इही सररीर क प्रथा क अपनाइ जाइ पर डींग मार सकई। ¹⁴मुला जेकरे जरिये मई संसार क बरे अउर संसार मोरे बरे भर गवा। पभू ईसू मसीह क ओह क्रूस क छोड़िके मोका अउर कउनो प गरब न होइ। ¹⁵काहेकि न तउ खतना क कउनउ महत्व बा अउर न बिना खतना क। अगर महत्व बा त उ नई सिस्टी क बा। ¹⁶इही बरे जउन लोग एँह विधान पर चलिहीं ओहन पर। अउर परमेस्सर क इम्राएल पर सान्ति अउर दया होत रहइ। ¹⁷पत्र क खतम करत मई तू सबन स बिनती करत हई कि अब मोका कउनउ अउर दुख न द्या। काहेकि मई तउ पहिले स अपने सररीर में मसीह ईसू क घावन क लिहे घमत रहत अहई।

¹⁸भाइयो तथा बहिनियो, हमरे पभू ईसू मसीह क अनुग्रह तू पचन क आत्मिन क साथे बना रहई। आमीन!

इफिसियन क पत्र

1 पौलुस कइँती स, जउन परमेस्सर क इच्छा स ईसू मसीह क एक प्रेरित अहइ, इफिसुस क रहइवाले संत जनन अउर ईसू मसीह में बिसवास रखइवालन क नाउँ:

²तू लोगन क हमरे परमपिता परमेस्सर अउर ईसू मसीह कइँती स अनुग्रह अउर सांति मिलइ।

मसीह में स्थित लोगन क आध्यात्मिक असीसन

³हमरे पभू ईसू मसीह क पिता अउर परमेस्सर धन्य होइ। ओहमाँ हमका मसीह क रूप में सरगे क क्षेत्र में हर तरह क आसीबाँद दिहे अहइँ। ⁴⁻⁵संसार क रचना स पहिले ही परमेस्सर हमका, जउन मसीह में स्थित बा, अपने सामने पवित्तर अउर निर्दोस बनई क बरे चुनेस। हमरे बरे ओकर जउन पिरम बा उही क कारण उ ईसू मसीह क द्वारा हमका अपने बेटवा क रूप में स्वीकार कीन्ह जाइ बरे नियुक्त किहेस। इहइ ओकर इच्छा रही अउर प्रयोजन रहा। ⁶उ अइसा एँह बरे किहेस परमेस्सर अपने महिमा अउर अनुग्रह बरे प्रसंसित करइ। उ एका हमका, जउन ओकर पिआरा बेटवा में स्थित बा मुक्त भाव स दिहेस। ⁷हमका, ओहमाँ ओकर लहू क द्वारा छुटकारा, अर्थात् हमरे अपराधन क छमा ओकरे अनुग्रह क धन क अनुसार मिली ह। ओकर सम्पन्न अनुग्रह क कारण हमका हमरे पापन क छमा मिलत ह। अपने उही पिरम क अनुसार जेका उ मसीह क द्वारा हम पर परगट करइ चाहत रहा। ⁸उ हमका आपन इच्छा क रहस्य क बताएस ह। ⁹जइसा कि मसीह क जरिये हमका उ देखोवइ चाहत रहा। ¹⁰परमेस्सर क इ योजना रही कि अच्छा समइ पर सरग क अउर पृथ्वी पर क सभन वस्तुअन क मसीह में एकत्र करइ।

¹¹सब बातन योजना अउर परमेस्सर क निस्वय क अनुसार कीन्ह जात हीं। अउर परमेस्सर अपने निजी प्रयोजन क कारण ही हमका उही मसीह में संत बनवई क बरे चुने अहइ। इ ओकरे अनुसार इ भवा जेका परमेस्सर अनादिकाल स सुनिश्चित कइ रखे रहा। ¹²ताकि हम ओकरी महिमा क प्रसंसा क कारण बनि सकी। हम यानी सबसे पहले जे लोग आपन आसा क मसीह पर केन्द्रित कइ दिहे अहइँ। ¹³जब तू उ सत्य क उपदेस सुन्या जउन तू सबन उद्धार क सुसमाचार रहा, अउर जउने मसीह पर तू बिसवास किहे रह्या। तउ

जउने पवित्तर आत्मा क बचन दिहे रह्या। मसीह क जरिये स ओकर छाप परमेस्सर क दुआरा तोहे जने पर लगाय गइ।

¹⁴उ आत्मा हमरे उतराधिकार क भाग क जिम्मेदारी क बयाना क रूप में ओह समइ तलक बरे हमका दीन्ह गवा रहा। जब तलक कि उ हमका जउन ओकर आपन अहइँ पूरी तरह उद्धार नाहीं दइ देत। एकरे कारण लोग ओकरे गरिमा क प्रसंसा करिहीं।

इफिसियन क बरे पौलुस क पराथना

¹⁵⁻¹⁶इही बरे जब स मइँ पभू ईसू मसीह में तोहरे बिसवास अउर सभन सन्तन क बरे तू सबन क पिरम क विसय में सुने हउँ। मइँ तू पचन क बरे परमेस्सर क धन्यवाद निरन्तर करत हउँ अउर तू पचन क अपनेन पराथना में याद करत हउँ। ¹⁷मइँ पराथना करत रहत हउँ कि हमार पभू ईसू मसीह महिमावान परमपिता क परमेस्सर तू पचन क विवेक अउर दिव्य दर्शन क अइसन आत्मा क सक्ती प्रदान करइ। जैसे तू पचे ओका अच्छी तरह क जान सका।

¹⁸मोर बिनती बा कि तोहरे हीये (हृदय) क आँखिन खुल जाइँ अउर तू प्रकास क दर्शन कइ सका ताकि तू पचन क पता चल जाइ कि उ आसा का अहइ जेकरे बरे तू पचन क उ बोलाए अहइ। अउर जेकरे उतराधिकार क उ अपने सभन पवित्तर जने क देई। उ केतना अद्भुत अउर सम्पन्न बाटइ। ¹⁹अउर हम बिसवासियन क बरे ओकर सक्ती बेमिसाल रूप स केतनी महान बा। इ सक्ती अपनी महान सक्ती क ओह प्रयोग क समान बा। ²⁰जेका उ मसीह में तब कामे में लिहे रहा जब मरे हुवन में स ओका फिन स जियाइ क सरगे क छेत्र में आपन दहिनीं कइँती बड्ठाइके ²¹सबहुँ सासकन, अधिकारियन समरथन, अउर राजा लोगन, अउर हर कउनो अइसेन सक्तिसालिन पदवी क उपपर स्थापित किहे रहा। जेका न केवल इ युगे में बल्कि आवइवाले युगे में किहीउ क दिहा जाइ सकत ह। ²²परमेस्सर सब कछू तउ मसीह क चरन क नीचे कइ दिहेस अउर उहइ मसीह क कलीसिया क सभो चीजन क सर्वोच्च अधिकारी बनायेस। ²³कलीसिया मसीह क तन अहइ अउर सब बिधियन स सब कछू क ओकर पूर्णता ही परिपूर्ण करत ह।

मउत स जीवन कइँती

2 एक समइ रहा जब तू लोग उन पराधन अउर पापन क कारण आध्यात्मिक रूप स मरा हुआ रहया। 2जेहमें तू पचे पहिले, संसार क खराब रस्तन पर चलत-चलत अउर वह आत्मा क अनुसरण करत-करत जित रहया। जउन इह धरती क बुरी सक्रियन क स्वामी रही उहइ आत्मा अब उ मनइन में काम करत अहइ जउन परमेस्सर क आज्ञा क नाही मनतेन। 3एक समइ हमहूँ ओनही क बीच जित रहे अउर आपन पाप-पूर्ण प्राकृतिक भौतिक मनई सुभाऊ क तृप्त करत अपने हीये अउर पाप-पूर्ण इच्छन का जोउ हमार सरीर अउर मन चाहत रहा का पूरन करत भए संसार क दूसरे लोगन क समान परमेस्सर क किरोध क पात्र रहे।

4परन्तु परमेस्सर करुना क धनी बाटइ। हमरे बरे अपने महान पिरेम क कारण 5उ समइ अवज्ञा क कारण हम आध्यात्मिक रूप स अबहीं मरा ही रहे, मसीह क साथे-साथे उ हमहूँ क जीवन दिहेस (परमेस्सर हूक अनुग्रह स ही तोहार उद्धार भवा बा) 6अउर काहेकि हम मसीह ईसू में अही इही बरे परमेस्सर हमका मसीह क साथेन फिन स जी उठाएस। अउर ओकरे साथ ही सरगे क सिंहासन पर बइठाएस 7ताकि उ आवइवाले हर युगे में अपन अनुग्रह क अनुपम धन क देखावइ जेका उ मसीह ईसू में आपन दया क रूप में हम पर दरसाए अहइ। 8परमेस्सर क अनुग्रह दुआरा आपन बिसवास क कारण तू बचावा गया ह। इ तू सबन क तोहरी कइँती स मिली नाही बा, बल्कि इ तउ परमेस्सर क बरदान अहइ। 9इ हमरे किहे कर्मन क परिणाम नाही बा कि हम एकर गरब कइ सकी। 10काहेकि परमेस्सर हमार सृजनहार अहइ। उ मसीह ईसू में हमार सृस्टि इही बरे किहेस ह कि हम नेक काम करी। जेनका परमेस्सर हमरे बरे तइयार किहे अहइ कि हम ओनहीं क करत भए आपन जीवन बिताई।

मसीह में एक

11इही बरे याद रखा, उ लोग जउन अपने सरीरी में मानुस हाथन दुआरा कीन्ह गवा खतना क कारण अपने आप क "खतना सहित" बतावत हीं, विधर्मी क रूप में जनमें तोहे लोगन क "खतना रहित" कहत हीं। 12ओह समइ तू बिना मसीह क रहया तू इग्राएल क बिरादरी स बाहेर रहया। परमेस्सर तउ अपने भक्तन क जउन बचन दिहे रहा उ ओनपर आधारित करार स अनजाना रहा। अउर इ संसार में बिना परमेस्सर क बिसवास क, अउर बिना ओका जाने निराश जीवन जित रह। 13परन्तु अब तोहे सबन क, जउन कभऊँ परमेस्सर स बहुत दूर रहेन, ईसू मसीह क लहू क दुआरा मसीह ईसू में तोहरे स्थिति क कारण, परमेस्सर क लगे लई आवा गवा रहेन।

14यहूदियन अउर गैर यहूदियन आपस में एक दूसरे स नफरत करत रहेन अउर अलग होइ ग रहेन। ठीक अइसेनई जइसे ओनके बीच में कउनउ देवार खड़ी होइ। परन्तु मसीह तउ खुद अपने देह क बलिदान दइके नफरत क ओह देवार क गिराइ दिहेस। उ हमरे लिये सान्ति लावा अउर हम दोउन का एक बनाएस 15उ अइसेन तब किहेस जब अपने सभन नियमन अउर व्यवस्था क विधान क खतम कई दिहेस। उ अइसेन एह बरे किहेस कि उ अपने में एनह दुन्नऊ क एक में मिलाइके एक नए मनुस्य क सृस्टि कइ दिहेस। अउर एह तरह स मिलाप कराइके सान्ति लिआवा। क्रूस पर अपने मउत क द्वारा उ एह घृणा क अंत कई दिहेस। अउर उ दुन्नऊ का परमेस्सर क साथे उहइ एक सरीर में मिलाइ दिहेस। 16अउर क्रूस पर आपन मउत क जरिये वैरभाव क नास कइके एकइ देह में ओनह दुन्नऊँ क संयुक्त कइके परमेस्सर स फिन मिलाई दिहेस। 17तउन आइके उ तू सबन क, जउन परमेस्सर स बहुत दूर रहेन। अउर परमेस्सर ओनके लगे रहा, ओन्हे सान्ती क सुसमाचार सुनाएन। 18काहेकि ओन्ही क द्वारा एकइ आत्मा स परमपिता क लगे तलक हम दुन्नऊ क पहुँच भई। 19परिणाम सरूप जब तू पचे न अनजान रहया अउर न ही पराया। बल्की पवित्तर लोगन क संगी साथी अउर परमेस्सर के कुटुम्ब क बन गया ह। 20तू पचे एक अइसेन भवन अहा जउन प्रेरितन अउर नबियन क नींव पर खड़ा बा। अउर खुद मसीह ईसू जेकर अधिक महत्वपूर्ण कोने क पाथर अहइ। 21उ पूरी इमारत एक साथ पभूँ ईसू में मिली अहइ अउर मसीह एँका बनावत चलत ह अउर परमेस्सर में एक पवित्तर मंदिर बनत जात ह। 22जहाँ आत्मा क द्वारा खुद परमेस्सर निवास करत ह अउर, दूसरे लोगन क साथे तोहार निर्माण कीन्ह जात ह।

गैर यहूदियन में पौलुस क प्रचार-काम

3 इही बरे मई, पौलुस तू गैर यहूदियन क तरफ स मसीह ईसू बरे बंदी बना हँ। 2तोहरे कल्लयान बरे परमेस्सर अनुग्रह क साथे जउन काम मोका संउपे अहइ, ओकरे बारे में तू जरूर ही सुने होब्या। 3कि उ रहस्यमयी योजना दिव्यदर्शन क द्वारा मोका जनाई गइ रही, जइसेन कि मई तू सबन क संक्षेप में लिख ही चुका अहउँ। 4अउर अगर तू पचे ओका पढ़ब्या तउ मसीह-बिसयक रहस्यपूर्ण सच में मोरी अन्तरदूस्टी क समझ तू पचन क होइ जाइ। 5इ रहस्यमय सत्य पिछली पीढ़ीक लोगन क वइसेन ही नाही जनावा गवा रहा जइसे जब ओकर आपन पवित्तर प्रेरितन अउर नबियन क आत्मा क द्वारा जनावा जाई चुका बा। 6इ रहस्यमय सत्य अहइ कि यहूदियन क साथे गैर यहूदियन साथ साथ उत्तराधिकारी अहइँ, एकइ सरीर क अंग अहइँ

अउर मसीह ईसू मँ जउन बचन हमका दीन्ह गवा बा ओहमन सहभागी बाटेन।⁷सुसमाचार क कारण मई ओह सुसमाचार क प्रचार करइवाला एक सेवक बन गवा अहउँ। जउन ओकर सक्ती क अनुसार परमेस्सर क अनुग्रह क बरदान स्वरूप मोका दीन्ह गवा रहा।⁸जद्यपि सभन संतजनन मँ मई छोट स छोटकवा हउँ परन्तु मसीह क अनन्त धन रूपी सुसमाचार क गौर यहूदियन मँ प्रचार करइ क इ बिसेस अधिकार मोका दीन्ह गवा⁹कि मई सभन जने क बरे ओह रहस्यपूर्ण योजना क स्पस्ट करउँ जउन सब कछू क सिरजनहार परमेस्सर मँ सिस्टी क प्रारम्भ स ही छुपी रहिन।¹⁰ताकि उ सरगेक क्षेत्र क सक्रियन अउर प्रसासकन क अब ओह परमेस्सर क विधी गियान क कलीसिया क द्वारा परगट कई सकइ।¹¹इ ओह सनातन प्रयोजन क अनुसार सम्पन्न भवा जउन ओ हमरे पभू मसीह ईसू मँ पूरा किहे रहा।¹²मसीह मँ बिसवास क कारण हम परमेस्सर तलक भरोसा अउर निडरता क साथे पहुँच रखत अही।¹³इही बरे मई पराथना करत हउँ कि तोहरे बरे मई जउन यातना भोगत हउँ, ओनसे आसा जिन छोड़ बइठ्या काहेकि इ यातना मँ तउ तोहर महिमा बा।

मसीह क पिरेम

¹⁴इही बरे मई परमपिता क आगे निहुरत अहउँ।¹⁵उहइ स सरगे मँ या धरती पइ क सभन वंस अपने-अपने नाउँ ग्रहण करत हीं।¹⁶मई पराथना करत हउँ कि उ महिमा क अपने-धने क अनुसार अपने आतिमा क दुवारा तोहरे भीतर व्यक्तित्व क सक्रियपूर्वक सुदृढ़ करइ।¹⁷मई पराथना करत हउँ कि बिसवासे क दुआरा तोहरे हीये मँ मसीह क निवास होइ। तोहरे जीवन मँ पिरेम दृढ़ अउर आधारित होइ।¹⁸मई पराथना करत हउँ कि जेहसे तोहका अउर परमेस्सर क पवित्तर लोगन क साथे इ समझई क सक्ती मिलि जाइ कि मसीह क पिरेम केतना व्यापक, विस्तृत, विस्ल अउर गम्भीर बा।¹⁹अउर तू मसीह क ओह पिरेम क जान ल्या जउन सभन प्रकार क गियायन (सोनों) स परे अहइ ताकि तू परमेस्सर क सभन पूरापन स भरि जा।²⁰अब ओह परमेस्सर क बरे जउन आपन ओह सक्ति स जउन हममें काम करत बा। जेतना हम माँग सकीत अही या जहाँ तलक हम सोच सकीत अही, ओहसे कहुँ अधिक कइ सकत ह।²¹ओकर कलीसिया मँ अउर ईसू मसीह मँ अनन्त पीढियन तलक हमेसा-हमेसा बरे महिमा होत रहइ। आमीन।

एक देह

4 तउन मई, जउन पभू क होई क कारण बन्दी बना भवा हउँ। तू लोगन स पराथना करत हउँ कि तू सबन क आपन जीवन वइसे ही जिअइ चाही जइसे न कि सन्तन क अनुकूल होत ह।²हमेसा नम्रता अउर

कोमलता क साथे, धीरज क साथ आचरण। अउर एक दूसरे क पिरेम स कहत रहा।³उ सान्ति, जउन तू पचन क आपस मँ बाँधत ह, ओसे उत्पन्न आतिमा क एकता क बनाए रखइ क बरे हर तरह क यत्न करत रहा।⁴देह एक बा अउर पवित्तर आतिमा भी एकइ बा। अइसेन ही जब तोहे बोलौवा गवा त एकई आसा मँ भगीदार होइ क बरे ही बोलावा गवा।⁵एकई परमेस्सर बा, एकइ बिसवास बा अउर बा एकइ बपतिस्मा।⁶परमेस्सर जउन सबका परमपिता अहइ एकइ बा। उहइ सब कछू क स्वामी बा, हर कउनो क द्वारा उहइ क्रियाशील बा, अउर हर मँ उहइ समावा बाटई।

⁷ईसू हममें स हर कउनो क एक विशेष उपहार दिहे अहइ। हर मनई उहइ पाएस जेका ईसू ओका देइ चाहत रहा।⁸इही बरे सास्त्रन कहत हीं :

“ऊँचा चढ़ा उ अकासे मँ अपने संग बन्दी क लिहिस अउर दिहिस लोगन क आपन आनन्द”

भजन संहिता 68:18

⁹अब देखा। जब उ कहत ह “ऊँचे चढ़ा” तउ एकर अर्थ एकरे अलावा का बा? कि उ धरती क नीचे हींसा पर उतरा रहा।¹⁰जउन नीचे उतरा रहा, उ उहइ अहइ जउन ऊँचे पइ चढ़ा रह एँतना ऊँचा कि सभन अकासन स उप्पर ताकि उ सब कउनो क अपने संग सम्पूर्ण कइ देइ।¹¹उ लोगन क कछू प्रेरितन होइ क वरदान दिहिस तउ कछू क नबियन होई क तउ कछू क सुसमाचार क प्रचारक होइके तउ कछू क परमेस्सर क जनन क रच्छक गइरिया अउर सिच्छा क।¹²मसीह तउ ओन्हे इ बरदान परमेस्सर क पवित्तर लोगन क सेवा काम क बरे तइयार करइ दिहिस ताकि हम जउन मसीह क देह अही, आतिमा मँ अउर दृढ़ होइ।¹³जब तलक कि हम सभन मँ बिसवास मँ अउर परमेस्सर क बेटवा क गियान मँ एकाकार होई क परिपक्व मनई बनई क बरे विकास करत-करत मसीह क पूरा गौरव क ऊँचाई अउर परिपक्वता क न छुइ लोई।

¹⁴ताकि हम अइसेन गदेलन न बना रही जउन हर कउनो क अइसेन नई सिच्छा क हवा स उछली जाई। हम पचे उ जहाजे क तरह मनइयन न बना रही जउन लहर स एक कईती स दूसरी कईती चला जात हीं। जउन हमरे रस्ता मँ बहत ह, लोगन क दल स भरा व्यवहार स, अइसेन धूर्तता स, जउन ठगन स भरी सब योजना क प्रेरित करत रही, एहर-ओहर भटकाई दीन्ह जात हीं।¹⁵बल्कि हम पिरेम क साथे सच बोलत हर तरह स मसीह क जइसेन बनई क बरे विकास करत जाई। मसीह मस्तक बा अउर हम पचे ओकर देह अही।¹⁶जेह पर सबहिँ देह निर्भर करत ह। इ देह* सबहिँ का ओसे

जोड़त ह। हर एक सहायक नस स संयुक्त होत ह अउर जब एकर हर अंग जउन काम ओका करई चाहइ, ओका पूरा करत ह। तउ पिरेम क साथे समूची देह क विकास होत ह अउर इ देह खुद मजबूत होत ह।

अइसन जिआ

¹⁷मई इही बरे इ कहत हउँ अउर पभू क साच्छी कइके तोहे चेतावनी देत हउँ कि ओन व्यर्थ क विचारन क साथे अधर्मियन क जइसेन जीवन न जीअत रहा। ¹⁸ओनकर बुद्धि अंधकार स भरी बा। उ परमेस्सर स मिलइ वाले जीवन स पूर अहई। काहेकि उ अबोध बा अउर ओनकर मन जड़ होई गवा बा। ¹⁹सरम क भावना ओनमें स जात रही। अउर ओ अपने क इन्द्रियन क बुरे काम में लगाई दिहेन। बिना कउनउ बन्धन माने ओ सब तरह क अपवित्रता में जुटा हयेन। ²⁰परन्तु मसीह क बारे में तू जउन कछू जाने अहा, उ त अइसेन नाहीं बा। ²¹(मोका कउनउ सन्देह नाहीं बा कि तू ओकरे बारे में सुने अहा, अउर उ सच जउन ईसू में निवास करत ह, ओकरे अनुसार तोहे ओकर चलन क रूप में सिंछित कीन्ह गवा बा।) ²²जहाँ तलक तोहरे पुराने जीवन प्रकार क सम्बन्ध बा, तोहे सिच्छा दीन्ह गइ रही कि तू अपने पुराना व्यक्तित्व जउन जर्जर होइ रहा बाटइ ओका उतारके फेंका जउन ओकर भटकावइवाली इच्छान क कारण भ्रस्त बना भआ बा। ²³जेहसे बुद्धि अउर आत्मा में तोहे नवा कीन्ह जाइ सकई। ²⁴अउर तू उ नवा सरूप क धारण कइ सका जउन परमेस्सर क अनुरूप सचमुच नेक अउर पवित्तर बनवइ बरे रचा गवा बा।

²⁵तउन तू पचे झूठ बोलइ क तियाग कइ द्या। आपस में सब कउनो क सच बोलई चाही काहेकि हम सब एक सरीर क अंग अही। ²⁶जब तू क्रोध करा, तब पाप करइ स बचा। तोर किरोध सूरज अस्त होय तक बना न रहइ। ²⁷सइतान क अपने पर हावी न होइ द्या। ²⁸जे चोरी करत आवत, उ आगे चोरी न करइ। बल्कि ओका काम करइ चाही, खुद अपने हाथे स उपयोगी काम। ताकि ओकर पास जेकर आवश्यकता बा ओकर साथे बाटइ क कछू होइ सकइ।

²⁹तोहरे मुँहे स कउनउ अनुचित शब्द न निकलइ चाही, बल्कि लोगन क विकास क बरे जेकर अपेक्षा बा, अइसेन उतम बातई निकलई चाही, ताकि जे सुनई ओकर ओसे भला होइ। ³⁰परमेस्सर क पवित्तर आत्मा क दुःखी न करत रहा काहेकि परमेस्सर क सम्पत्ति क रूप में तोह पर छुटकारा क दिना क बेर आत्मा क साथे मोहर लगाई दीन्ह गइ बा। ³¹पूरी कइवाहट, झुँझलाहट, क्रोध, चीख-चिल्लाहट अउर निन्दा क तू अपने भीतर स सब तरह क बुराई क साथे निकारिके बाहर फेंका। ³²परस्पर एक दूसरे क बरे दयालु अउर करुनावान बना। अउर आपस में एक दूसरे क अपराधन क वइसेन

ही छमा करा जइसे मसीह क द्वारा तोहका परमेस्सर छमा किहे अहइ।

ज्योतिर्मय जीवन

5 पिआरे बच्चन क समान परमेस्सर क अनुकरण करा। ²पिरेम क साथे जिआ ठीक वइसेन ही जइसे मसीह हमसे पिरेम कीहे अहइ अउर अपने आप क, सुगन्धि सुलगाइके बलि भेंट क रूप में हमरे बरे परमेस्सर क अर्पित कइ दिहे अहइ।

³तोहरे बीच यौन अनाचार अउर हर कउनो तरह क अपवित्तरता अउर लालच क चर्चा तक न चलइ चाही। जइसेन कि परमेस्सर क पवित्तर जनन क बरे उचित बाटई। ⁴तू न तज असलील भाखा क प्रयोग होइ चाही, न मूर्खतापूर्ण बात या भद्दी हँसी ठठ्ठा। इ तोहरे अनुकूल नाहीं अहइ। बल्कि तोहरे बीच धन्यवाद ही दीन्ह जाइ।

⁵काहेकि तू निस्वय क साथे इ जानत ह कि अइसेन कउनउ भी मनई जउन दुराचारी अहइ, अपवित्तर अहइ अउर लालची अहइ (जउन एक मूर्तिपूजक होइ जइसा अहइ) मसीह क अउर परमेस्सर क, राज्य क उत्तराधिकार नाहीं पाई सकत।

⁶देखा। तोहे कउनउ सब्दन स केउ छल न लेइ। काहेकि बुरी बातन क कारण ही आज्ञा क उल्लंघन करइवालन पर परमेस्सर क कोप होइ क अहइ। ⁷इही बरे ओनकर साथी न बना। ⁸इ मई एह बरे कहत हउँ कि एक समइ रहा जब तू अंधकार स भरा रह्या परन्तु अब तू पभू क अनुयायी क रूप में ज्योति स भरापूरा अहा। इही बरे प्रकासित बेटवन क स आचरण करा। ⁹हर प्रकार क उत्तम जीवन, नेकी अउर सत्य में ज्योति का प्रतिफल देखाइ पडत ह। ¹⁰सब तरह इ जानइ क जतन करत रहा कि परमेस्सर क का भावत ह। ¹¹अइसेन काम जउन बुरे बाटेन, अन्धकार में लोग करत हीं ओन्हन बेकार क कामन में हिस्सा न बटावा बल्कि ओनकर भण्डा-फोड़ करा। ¹²काहेकि अइसेन काम जेका उ पचे गुपचुप करत हीं। ओनके बारे में कीन्ह गइ चर्चा तक लाज का बात बा। ¹³ज्योति जब प्रकासित होत ह तउ सब कछू दृश्यमान होइ जात ह कि उ का अहइ। ¹⁴अउर जउन कछू दृश्यमान प्रकास क सामने आवत ह, उ खुद ज्योति ही बनि जात ह। इही बरे हमार भजन कहत ह:

“जाग अरे, ओ सोवइवाले मडत में स जी उठि बइठा, खुद मसीह प्रकासित होई तोहरे ही सिर बइठी”

¹⁵इही बरे सावधानी क साथे देखत रहा कि तू कइसा जीवन जिअत अहा। विवेकहीन क स आचरण न

करा, बल्कि बुद्धिमान क स आचरण करा।¹⁶जे हर समइ क अच्छा करम करइ क बरे दीन्ह भए वर्तमान में ओकर पूरा उपयोग करत ह, काहेकि इ दिन बुरा बा।¹⁷मूर्खता स न रहत रहा बल्कि इ जान ल्या कि पर्भू क इच्छा का अहइ।¹⁸मदिरापान कइके मतवाला जिन बना रहा काहेकि इही स कामुकता पइदा होत ह। एकरे विपरीत आत्मा स परिपूर्ण होइ जा।

¹⁹आपस में भजन, स्तुतिगयान अउर आध्यात्मिक गीतन क, परस्पर आदान-प्रदान करत रहा। अपने मने में पर्भू क बरे गीत गावत ओकर स्तुति करत रहा।²⁰हर कीहीउँ बात क बरे हमार पर्भू ईसू मसीह क नाउँ पइ हमरे परम पिता परमेस्सर क हमेसा धन्यवाद करा।

पत्नी अउर पति

²¹मसीह क प्रति सम्मान क कारण एक दूसरे क अरपन कइ द्या।

²²हे पतनियन, अपने-अपने पतियन क बरे अइसेन समर्पित रहा, जइसेन तू पर्भू क समर्पित होत ह।²³काहेकि अपने पत्नी क उप्पर ओकर पति ही प्रमुख अहइ। वइसेन ही जइसे हमार कलीसिया क सिखर मसीह बा। उ खुदई इ देह क उद्धार करत ह।²⁴जइसे कलीसिया मसीह क अधीन बा, वइसेन ही पतनियन क सब बात में अपने-अपने पतियन क बरे समर्पित करइ चाही।

²⁵हे पतियन, अपने पतनियन स पिरेम करा। वइसेन ही जइसे मसीह कलीसिया स पिरेम किहेस अउर अपने आप क ओकरे बरे बलि कई दिहेस।²⁶ताकि उ ओका पर्भू क सेवा में जल में स्नान कराइके पवित्तर कई हमार घोसना क साथे परमेस्सर क अर्पित कइ देई।²⁷इही तरह उ कलीसिया क एक अइसेन चमचमात दुलहिन क रूप में खुद क बरे पेस कइ सकत ह, जउन कलंक अउर पापन स मुक्त होइ, झुरियन स रहित होइ, या जेहमाँ अइसेन अउर कउनउ कम न होइ। बल्कि उ पवित्तर होइ अउर हमेसा निर्दोस होइ।²⁸पतियन क अपने-अपने पतनियन स उही तरह पिरेम करइ चाही जइसे उ खुद अपने देह स करत हीं। जे अपने पत्नी स पिरेम करत ह उ खुद अपने आप स पिरेम करत ह।²⁹केउ अपने देह स तब कभउँ घिरना नाहीं करत, बल्कि उ ओका पालत-पोसत ह अउर ओकर ध्यान रखत ह। वइसेन ही जइसे मसीह अपने कलीसिया क,³⁰काहेकि हमउ त ओकरी काया क अंग अही।³¹पवित्तर सास्तर कहत ह, “इही बरे एक मनई अपने महतारी बाप क छोड़ि के अपने पत्नी स बंध जात ह अउर दुन्नउ एक देह होइ जात हीं।”*

³²इ रहस्यपूर्ण सच बहुत महत्वपूर्ण बा अउर मई तोहे बताइत ह कि इ मसीह अउर कलीसिय पर लागू

होत ह।³³तउन कछू भी होइ, तोहमाँ स हर कीहीउँ क अपने पत्नी स वइसेन ही पिरेम करई चाही जइसे तू खुद अपने आप क करत अहा। अउर एक पत्नी क आपन पति का डेरात भए आदर करइ चाही।

बच्चे अउर महतारी-बाप

6 गदेलन, पर्भू में आस्था रखत महतारी-बाप क आज्ञा क पालन करा काहेकि इहई तरीका पर्भू चाहत बा।²“अपने महतारी-बाप क सम्मान करा।”* इ पहली आज्ञा अहइ जउन इ परितिसिया स युक्त बा कि “तोहर भला होई अउर तू धरती पर चिरायु होब्या।”*

⁴अउर हे पिता लोगो, तू पचे अपने गदेलन क गुस्सा न दिआवा बल्कि पर्भू स मिली सिच्छा अउर निर्दसन क देत ओनकर पालन-पोसन करा।

सेवक अउर स्वामी

⁵हे सेवक लोगो, तू पचे अपने संसारी स्वामियन क आज्ञा निष्कपट हिरदइ स भय अउर आदर क साथे उही तरह माना जइसे तू मसीह क आज्ञा मानत ह।⁶केवल कीहीउँ क देखत रहत ही रहा काम न करा जइसे तोहे लोगन क समर्थन क आवश्यकता होइ। बल्कि मसीह क सेवक क रूप में करा जउन आपन मन लगाइके परमेस्सर क इच्छा पूरी करत हीं।⁷उत्साह क साथे एक सेवक क रूप में अइसेन काम करा जइसे माना तू लोगन, क नाहीं पर्भू क सेवा करत अहा।⁸याद रखा, तोहमें एक हर एक चाहे उ सेवक होइ या स्वतंत्र होइ या केउ अच्छा काम करत ह, तउ पर्भू स ओका पुरस्कार मिली।

⁹स्वामियन, तू सबहुँ अपने सेवकन क साथे वइसेन ही व्यवहार करा अउर ओनका डरोवइ धमकावइ छोड़ि द्या। याद रखा, ओनकर अउर तोहर स्वामी सरगो में अहइ अउर उ कउनउ पच्छपात नाहीं करत।

पर्भू क अभेघ कवच धारण करा

¹⁰मतलब इ कि पर्भू में स्थित होइके ओकर असीम सक्ती क साथे अपने आपक सक्तिशाली बनावा।¹¹परमेस्सर क सम्पूर्ण कवच क धारण करा। ताकि तू राच्छस (दुस्टन) क सबइ योजन क सामने टिक सका।¹²काहेकि हमार संघर्ष मनइयन स नाहीं बा, बल्कि सासकन, अधिकारियन, एक अन्धकार भरा जुग क आकास क सक्तियन अउर अम्बर क दुस्तात्मिक सक्तियन क साथे बा।¹³इही बरे परमेस्सर क सम्पूर्ण कवच क धारण करा ताकि जब बुरा दिन आवइ तउ जउन कछू संभव बा ओका काइ चुकइ क बाद तू

“अपने ... करा” निर्ग 20:12; व्यवस्था 5:16

“तोहर ... होब्या” निर्ग 20:12; व्यवस्था 5:16

“इही ... जात हीं” उत्पत्ति 2:24

दृढ़तापूर्वक अडिग रहि सका।¹⁴⁻¹⁵ तउ अपने करिहाउँ पइ सत्य क फेंटा कसिके नेकी क झिलम पहिन क अउर गोड़न में सान्ति क सुसमाचार सुनावइ क तत्परता क पनही धारण कके तू लोग अटल खड़ा रहा।¹⁶ इ सबसे बड़ी बात इ बा कि विस्व क ढाल क रूप में लइ ल्या। जेकरे द्वारा तू ओन दुष्टन (सइतान) क समस्त अग्नि बाणन का बुझाई सका, जउन बन्दी क द्वारा छोड़ा गवा अहई।¹⁷ उद्धार क बरे क सिरस्त्राण पहिन ल्या अउर परमेस्सर क सँदेसा रूपी आतिमा क तलवार उठाइ ल्या।

¹⁸ सब तरह क पराथना अउर निवेदन सहित आतिमा क सहायता सब अवसर पर विनती करत रहा। एह लच्छ स सभन प्रकार क यत्न करत सावधान रहा। अउर सभन सन्तन क बरे पराथना करा।

¹⁹ अउर मोरे बरे पराथना करा कि मई जब आपन मुँह खोलउँ, मोका एक सुसंदेश मिलइ ताकि निर्भयता क साथ सुसमाचार क रहस्य भरा सच क, परगट कइ

सकउँ।²⁰ इही बरे मई जंजीर में जकड़ा भआ राजदूत क समान सेवा करत हउँ। पराथना करा कि, जेह तरह मोका बोलइ चाही उही तरह निर्भयता क साथे सुसमाचार क प्रबचन कइ सकउँ।

अन्तिम नमस्कार

²¹ तूहउ, मई कइसेन हउँ अउर का करत हउँ, एका जान जा। सो तुखिकुस तोहे सबन कछू बताइ देई। इ हमार पिआरा बंधु अहइ अउर पभू में स्थित एक बिसवासपूर्ण सेवक अहइ।

²² इही बरे मई ओका तोहरे लगे भेजत हउँ ताकि तू मोर समाचार जानि सका अउर इही बरे कि उ तोहरे मने क सान्ति देइ सकइ।

²³ भाइयो, तू सबे क परमपिता परमेस्सर अउर पभू ईसू मसीह कइँती स सान्ति, पिरेम अउर बिसवास मिलइ।²⁴ जउन हमरे पभू ईसू मसीह स अमर पिरेम रखत हीं, ओन पइ परमेस्सर क अनुग्रह होत ह।

फिलिप्पियन क पत्र

1 ईसू मसीह क सेवक पौलुस अउर तीमुथियुस कईती स मसीह ईसू में स्थित फिलिप्पी क रहइवाले बुजुर्गन संत जनन क नाउ जउन उहाँ निरीच्छकन अउर कलीसिया क सेवकन क साथे निवास करत थीं:

²हमार परमपिता परमेस्सर अउर हमार पभू ईसू मसीह कईती स तू पचन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

पौलुस क पराथना

³मई जब-जब तू पचन क याद करत हउँ, तब-तब परमेस्सर क धन्यवाद दत हउँ। ⁴अपने हर पराथना में मई हमेसा खुशी क साथे तोहरे बरे पराथना करत हउँ। ⁵काहेकि पहिले ही दिना स आज तलक तू सुसमाचार क प्रचार में मोर सहयोगी रहया ह। ⁶मोका इ बात क पूरा भरोसा बाटइ कि उ परमेस्सर जे तोहरे बीच में अइसेन अच्छा काम सुरु किहे अहइ, उहइ ओका उहइ दिना तक बनाए रखी, जब ईसू मसीह फिन आइके ओका पूरा करी। ⁷तू सब क बारे में मोरे बरे अइसेन सोचब ठीकही बा। काहेकि तू सब मोरे मने में बसा भवा अहा। अउर न केवल तब जब तक मई जेल में हउँ, बल्कि तब भी जब मई सुसमाचार क सत्य क रच्छा करत भए, ओकरे प्रतिष्ठा में लगा रहेउँ, तू सभे एह अनुग्रह में मोर सहभागी रहया ह। ⁸परमेस्सर मोर साछी अहइ कि मई मसीह ईसू द्वारा परगट पिये म स मई तू सभन क बरे केतना बियाकुल रहत हउँ।

⁹मई इहइ पराथना करत रहत हउँ:

पिये म हमेसा बड़इ तोहार साथे गियान क, गहन दिस्टि क।

¹⁰ पाइके इ गुन, भला-बुरा में भेद कइके, अपनाइ लेब्या हमेसा भले क। अउर एह तरह बन जाब्या तू सुद्ध अकलुस ओह दिना क जब मसीह आइ।

¹¹ धारमिकता क फल स ईसू मसीह स मिलत ही परिपूर्ण होत जा जेहसे परमेस्सर क महिमा अउर स्तुति होत रहया।

पौलुस क विपत्तियन पभू क काम में सहायक

¹²भाइयो, मई तू सबन का जनाइ देइ चाहित हउँ कि मोरे साथे जउन कछू भवा बा, ओसे सुसमाचार क

बढ़ावा ही मिला बाटइ। ¹³परिणामस्वरूप स संसार क पूरी रच्छा दल अउर अन्य दुसरे सबहि लोगन क इ पता चलि गवा बा कि मोका मसीह क बिसवासी होई क कारण ही बन्दी बनावा गवा बाटइ। ¹⁴एकरे अलावा पभू में स्थित ज्यादातर भाई मोर बन्दी होइके कारण उत्साह स भरा भवा अहइ। अउर बहुत जियादा साहस क साथ सुसमाचार क निडरता पूर्वक सुनावत अहइ।

¹⁵इ सच अहइ कि ओहमाँ स कछू इरसा अउर बैर क कारण मसीह क उपदेस देत हीं परन्तु दुसरे जने सद्भावना स प्रेरितन होइके मसीह क उपदेस देत हीं। ¹⁶ये सब जने पिये म क कारण अइसेन करत हीं काहेकि इ जानत हीं कि परमेस्सर सुसमाचारे क बचाव करइ बरे ही मोका इहाँ रखे अहइ। ¹⁷परन्तु कछू अउर जने त सचाई क साथे नाहीं, बल्कि सुवारथ स भरी इच्छा स मसीह क प्रचार करत हीं काहेकि उ सोचित हीं कि एहसे उ पचे बन्दी-घरे मँ मोरे बरे कस्ट पइदा कइ सकिहीं।

¹⁸परन्तु एहसे कउनउ फरक नाहीं पडत। जरूरी तउ इ बा कि एक ढंग स या दुसरे ढंग स, चाहे बुरा उहेस्य होइ, चाहे भला प्रचार तउ मसीह क ही होत ह अउर एहसे मोका आनन्द मिलत ह अउर आनन्द मिलतइ रही। ¹⁹काहेकि मई जानत हउँ कि तू पचन पराथना क द्वारा अउर ओह सहायता स जउन ईसू मसीह क आत्मा स मिलत ह, परिणाम में मोका छुटकारा ही मिली। ²⁰मोर तेज इच्छा अउर आसा इहइ बा अउर मोका इ बिसवास बा कि मई कउनो बाते स निरास नाहीं होब बल्कि सब तरह स निउर होइके जइसे मोरे सररी स मसीह क महिमा हमेसा होत रही, वइसेन आगेउ होत रही; चाहे मई जिअउँ अउर चाहे मरि जाऊँ। ²¹काहेकि मोरे जीवन क मतलब अहइ मसीह अउर मउत क मतलब अहइ एक प्राप्ति। ²²मुला अगर मई अपने एह सररी स जिनदइ रहउँ तउ एकर मतलब इ होइ कि मई अपने कर्म क परिणामे क आनन्द लेऊँ। तउन मई नाहीं जानित हउँ कि मई का चुनउँ। ²³दुन्नउ विकल्पे क बीच चुनाव में मोका कठिनाई होत बा। मई अपने जीवन स विदा होइके मसीह क पास जाइ चाहित ह काहेकि उ अधिक अच्छा होइ। ²⁴दूसरी तरफ परन्तु एह सररी क साथे ही मोर इहाँ रहब तोहरे बरे अधिक जरूरी बा। ²⁵अउर काहेकि इ मई निश्चय क साथे जानित हउँ कि मई इही रहबइ अउर तू सभन

क आध्यात्मिक उन्नति अउर बिसवास स पड़दा भवा आनन्द बरे तोहरे साथे रहतइ रहवा। ²⁶ताकि तोहरे लगे मोरे लउटी आवई क परिणाम सहित तू पचन क मसीह ईसू में स्थित मोहे प गरब करइ क अउर अधिक आधार मिलि जाई।

²⁷परन्तु हर तरह स अइसा करा कि तू सबन आचरण मसीह क सुसमाचार क अनुकूल रहइ। जेहसे चाहे मई तोहरे लगे आइके तू सबन क देखउँ अउर चाहे तू सबन स दूर रहउँ, तू सबन क बारे में इहइ सुनउँ कि तू पचे एककई आत्मा में मजबूती स टिका हवा अउर सुसमाचार स पड़दा बिसवासे क बरे एक जुट होइके संघर्ष करत रहा। ²⁸अउर मई इहउ सुनई चाहित हउँ कि तू पचे अपने विरोधियन स कउनउ तरह स नाहीं डेरात अहा। तू सबन क इ साहस ओनके विनाश क प्रमाण अहइ। तू पचन क मुक्ति का संकेत अहइ जउन स्वयं परमेस्सर कइँती स अइसा ही कीन्ह जाई। ²⁹काहेकि मसीह कइँती स तू पचन क न केवल ओहमे बिसवास करइ क बल्कि ओकरे बरे यातना झेलइ क बिसेष अधिकार दीन्ह गवा बा। ³⁰तू पचे जानत अहा कि तू उही संघर्ष में जुटा अहा जेहमे मई जुटा रहेउँ अउर जइसेन कि तू सुनत अहा आज तलक मई ऊहीं में लगा रहउँ।

एक होइके एक दुसरे क धियान रखा

2 फिन तू लोगन में अगर मसीह में कउनउ उत्साह बा, पिरैम स पैदा भई कउनउ धीरज बा, अगर आत्मा में केउ भागेदारी क, सिनेह क भावना अउर सहानुभूति बा ²तउ मोका पूरी तरह स खुस करा। मई चाहत हउँ, तू पचे एक तरह स सोचा, परम्पर एक जइसा पिरैम करा, आत्मा में एका रखा अउर एक जइसेन लच्छ रखा। ³ईसी अउर मिथ्या अभिमान स कछू न करा। बल्कि नरम बना अउर दुसरेउ क अपने स उत्तम समझा। ⁴तोहमे स हर एक्के चाही कि केवल अपनई नाहीं, बल्कि दुसरेउ क हिते क धियान रखइ।

ईसू स निस्वारथ होइ सीखा

⁵आपन चिंतन ठीक वइसा ही रखा जइसे मसीह ईसू क रहा। ⁶जउन परमेस्सर क सरूप में होत भए भी उ परमेस्सर क साथे अपने एँह बराबरी का अधिकार की वस्तु न समझेस।

⁷बल्कि उ तउ आपन सब कछू तियागके एक सेवक क रूप ग्रहण कइ लिहैस अउर मनई क समान बनि गवा। अउर जब उ अपने बाहरी रूप में मनई जइसेन बनि गवा। ⁸त उ अपने आप क नवाइ लिहैस अउर परमेस्सर का एँतना आज्ञाकारी बन गवा कि आपन प्राण तक न्योछोवर कइ दिहैस अउर उहउ क्रूस पर।

⁹इही बरे परमेस्सर भी ओका ऊँचा स ऊँचा स्थान पर उठाएस अउर ओका उ नाम दिहैस जउन सब नामन

स ऊपर बा ¹⁰ताकि सब केऊ जब ईसू क नाउँ क उच्चारण होत सुनइ, तउ नीचे निहुरि जाइ। चाहे उ सरगे क होइ, धरती पड़ क होइ अउर चाहे धरती क नीचे क होइ। ¹¹अउर सब जीभ परमपिता परमेस्सर क महिमा बरे मंजूर करइ कि "ईसू मसीह ही पभू अहइ।"

परमेस्सर क इच्छा क अनुसार बना

¹²एह बरे मोर पिआरे दोस्तो, तू पचे मोरे निर्देशन क जइसेन ओह समइ पालन किहा करत रहया जब मई तू पचन क साथे रहेउँ, अब जब कि मई तू पचन क साथे नाहीं हउँ तब तू अउर अधिक लगन स ओकर पालन करा। परमेस्सर बरे पूरा आदर एवं भय क साथे अपने उद्धार क पूरा करइ बरे तू सभे काम करत जा। ¹³काहेकि उ परमेस्सर ही अहइ जउन उ कामना क इच्छा अउर ओन्हे पूरा करइ क करम, जउन परमेस्सर क भावत ह, तोहमें पड़दा करत ह।

¹⁴बिना कउनउ सिकायत या लड़ई-झगड़ा किहे सब काम करत रहा ¹⁵ताकि तू भोले-भोले अउर पक्वितर बनि जा। अउर इ कुटिल अउर पथभ्रष्ट पीढ़ी क लोगन क बीच परमेस्सर क निहकंलक बालक बनि जा। ओनके बीच अँधियारी दुनिया में तू पचे ओह समइ तारा बनिके चमका ¹⁶जब तू ओनका जीवनदायी उपदेस सुनावत ह। तू अइसा ही करत रहा ताकि मसीह क फिन स लउटइ क दिन मई इ देखिके कि मोरे जीवन क भाग दौड़ बेकार नाहीं भइ। तू पचन गरब कइ सकी।

¹⁷तोहार सबन क बिसवास परमेस्सर क सेवा में एक बलि क रूप में बा अउर अगर मोर लहू तोहरे बलि प दाखरस क समान उँडेल दीहा भी जाइ तउ मोका खुसी अहइ। तोहरे सबन क खुसी में हमरउ सहभाग बा। ¹⁸उही तरह तूहउ खुस रहा अउर मोरे साथे आनन्द मनाव।

तीमुथियुस अउर इपफ्रुदीतुस

¹⁹पभू ईसू क सहायता स मोका तीमुथियुस क तू लोगन क लगे जल्दी भेज देइ क आसा बा ताकि तोहरे समाचारन स मोर भी उत्साह बढ़ सकइ। ²⁰काहेकि मोरे पास दुसर कउनउ तीमुथियुस अइसा मनई नाहीं बा जेकर भावना मोरी जइसी होइ अउर जउन तोहरे कल्याण क बरे सच्चे मने स चिंतित होइ। ²¹काहेकि अउर सभन अपने अपने कामन में लगा बाटेन। ईसू मसीह क कामन में केऊ नाहीं लाग बा। ²²तू पचे ओकरे चरित्र क जानत अहा कि सुसमाचार क प्रचार में मोरे साथ उ वइसे ही सेवा क किहे अहइ, जइसे एक बेटवा अपने बापे क साथे करत रहत ह। ²³तउ मोका जइसेन इ पता चली कि मोरे साथे का कछू होइ जात बा। मई ओका तू सबन क लगे भेज देइ क आसा रखत अहउँ। ²⁴अउर मोर बिसवास बा कि पभू क सहायता स मई भी जल्दी ही

अउबड़। ²⁵मई इ जरूरी समझत हउँ कि इपफुदीतुस क तोहरे लगे पठवउँ, जउन मोर भाई अहइ, अउर साथ ही काम करइवाला बा अउर सहयोगी कर्म-वीर अहइ अउर मोका जरूरत पड़इ पड़ मोर सहायता बरे तोहार प्रतिनिधि रहा, ²⁶काहेकि उ तोहे सबन क बरे बियाकुल रहा करत रहा अउर एहसे बहुत खिन्न रहा कि तू इ सुने रहया कि उ बेमार पड़ि गवा रहा। ²⁷हाँ, उ बेमार तउ रहा अउर उहउ एतना कि जइसे मरि ही जाई। परन्तु परमेस्सर ओह पर अनुग्रह किहेस (न सिरिफ ओह पड़ बल्कि मोहे प भी) ताकि मोका दुखे पर दुख न मिलइ। ²⁸इही बरे मई ओका अउर उ लगन स पठवत हउँ ताकि जब तू ओका देखा तउ एक बार फिन खुस होइ जा अउर तोहरे बारे मँ चिन्ता करब छोड़ देउँ। ²⁹इही बरे पभू मँ बड़ी खुसी क साथे ओकर सुवागत करा अउर अइसेन लोगन क जियादा स जियादा आदर करत रहा। ³⁰काहेकि मसीह क काम क बरे उ लगभग मरि गवा रहा ताकि तोहरे द्वारा कीन्ह गइ मोर सेवा मँ जउन कमी रहि गइ रही, ओका उ पूरा कइ देइ, एकरे बरे उ अपने प्राण क बाजी लगाइ दिहैस।

मसीह सब क उप्पर बा

3 एह बरे स, मोरे भाइयो, तथा बाहिनियो, पभू मँ आनन्द मनावत रहा। तू सबन क सच सच ओनही बातन क लिखत रहइ स मोका फिन कउनउ कस्ट नाहीं अहइ अउर तोहरे बरे तउ इ तैयार होइ क मदद करी। ²एन्हन कुकुरन स सावधान रहा जउन कुकर्मन मँ लगा अहइ। उ पचे बधिया कइ देइ चाहत ही। ³काहेकि सच्चा खतनावाला मनई तउ हम अही जउन अपने आराधना क परमेस्सर क आतिमा द्वारा अरपण करत अही। अउर मसीह ईसू पर हम होइ बरे गरब करत अही अउर जउन कछू सरिरीक बा, ओह प हम भरोसा नाहीं करत अही। ⁴जद्यपि मई खुद जउन कछू सरिरीक बा, ओह पड़ मई भरोसा नाहीं कइ सकत रहउँ। मुला अगर केऊ अउर अइसेन सोचइ कि ओकरे लगे सरिरी पर बिसवास करइ बरे बा तउ मोरे लगे तउ उ अउर जियादा बा। ⁵जब मई आठ दिना क रहेउँ, मोर खतना कइ दीन्ह गवा रहा। मई इम्राएली हउँ। मई बिन्यामीन क वंस क हउँ। मई इब्रानी माता-पिता स पड़दा भवा एक इब्रानी हउँ। जहाँ तक व्यवस्था क विधान तलक मोरे पहुँच क प्रस्न बा, मई फरीसी हउँ। ⁶जहाँ तलक मोरी निस्टा क प्रस्न बा, मई कलीसिया क बहुत सताये रहउँ। जहाँ तलक ओह धार्मिकता क सवाल बा जेका व्यवस्था क विधान सिखावत ह, मई निर्दोष रहउँ। ⁷परन्तु तब जउन मोर लाभ रहा, आज उही क मसीह क बरे मई आपन हानि समझत अहउँ। ⁸इहूँ स बड़ी बात इ बा कि मई अपने पभू मसीह ईसू क गियान क स्प्रेष्ठता क कारण आज तलक सब कछू क हीन समझत रहउँ। उही बरे

मई सब कछू तियाग कइ दिहैउँ अउर मई सब कछू क धिना क परन्तु समझइ लाग हउँ ताकि मसीह क पाई सकउँ ⁹अउर ऊही मँ पावा जाइ सकउँ - मोर उ धरम भाव क कारण नाहीं जउन व्यवस्था क विधान पर टिकी रही, बल्कि ओह धरम भाव क कारण जउन मसीह मँ बिसवासे क कारण मिलत ह। जउन परमेस्सर स मिली बा ओकर आधार बिसवास अहइ। ¹⁰मई मसीह क जानइ चाहत हउँ अउर ओह सक्ती क अनुभव करइ चाहत हउँ जैसे ओका पुनः जागरण भवा रहा। मई ओकरी यातनन क सहभागी होइ चाहत हउँ। अउर उही रूपे क पाइ लेइ चाहत हउँ जेका उ आपन मउत क द्वारा पाए रहा। ¹¹एह आसा क साथे कि मई भी इही तरह मरा हुआ मँ स उठि क फिन स जी पावउँ।

लच्छ पर पहुँचइ क प्रयास करत रहा

¹²अइसेन नाहीं अहइ कि मोका आपन प्राप्ति होइ चुकी बा अउर मई पूरा सिद्ध बन चुका हउँ। परन्तु मई उपलब्धि क पाइ लेइ क बरे बराबर प्रयास करत रहत हउँ जेकरे बरे मसीह ईसू मोका आपन बँधुआ बनाए रहा। ¹³भाइयो, तथा बहिनियो, मई इ नाहीं सोचित हउँ कि मई ओका पाई चुका हउँ। पर बात इ अहइ कि बीती क बिसराइ द्या, जउन मोरे सामने बा, ओह लच्छ तलक पहुँचइ बरे मई संघर्ष करत रहउँ। ¹⁴मई ओह लच्छ क बरे हमेसा प्रयास करत रहउँ कि मई अपने ओह इनाम क जीत लेउँ, जेका मसीह ईसू मँ पावई क बरे परमेस्सर तउ मोका उप्पर बोलाए अहइ।

¹⁵ताकि ओन्हन लोगन क, जउन हमरे मँ पूर्ण मनई बन चुका बाटेन, मन का स्वरूप अइसेन रहइ। परन्तु अगर तू कीहीउ बात क कउनउ अउर ढंग स सोचत ह तउ तोहरे बरे ओकर जाहिर करइके परमेस्सर कइ देई। ¹⁶जउन सच्चाई तक हम पहुँच चुका अही, हमका उही पे चलत रहइ चाही।

¹⁷भाइयो, तथा बहिनियो, अउरन क साथे मिलि के मोरे नकल करा जउन उदाहरण हम तोहरे सामने रखे अही, ओकरे अनुसार जउन जिअत हीं, ओह पर धियान द्या। ¹⁸काहेकि अइसेन ही बहुत जने अहई जउन मसीह क क्रूस स दुस्मनी रखत जिअत हीं। मई तोहका बहुत बार बताए हउँ अउर अब भी मई इ बिलिखि-बिलिखि क कहत हउँ। ¹⁹ओनकर नास ओनकइ नियति अहइ। ओनकर पेट ओनकर भगवान अहइ। अउर जेहपर ओनका लजाई चाही, ओह पर ओ गरब करत हीं। ओनका बस संसारी वस्तुवन क चिन्ता बा। ²⁰परन्तु हमार जन्मभूमि तउ सरगे मँ बा। ऊही स हम उद्धारकर्ता पभू ईसू मसीह क आवइ क बाट जोहत रहित हा। ²¹आपन ओह सक्ती क द्वारा जेहसे सब वस्तुवन क उ अपने अधीन कइ लेत ह, हमार कमजोर देह क बदल क आपन दिव्य देह जइसेन बनाई देई।

फिलिप्पियन क पौलुस क निर्देश

4 हे मेरे भाइयो, तथा बहिनियो, मैं तू सबन स पिरेम करत हउँ, अउर तू सबन क देखइ का तरसत हउँ। तू पचे खुसी अहा, मोर गौरव अहा। तू पचन क जइसे मैं बताए हउँ, पभूँ मैं तू सबइ वइसेन ही दृढ बना रहा। ²मैं युओदिया अउर सन्तुखे दुन्नक क उत्साहित करत हउँ कि तू पचे पभूँ मैं एक जइसे बिचार बनाए रखा। ³मोरे सच्चा साथी तोहसे सबन स मोर बिनती बा कि इन्हन स्त्रियन क सहायता करा। इ क्लेमेन्स अउर मोरे दुभारे सहकर्मियन सहित सुसमाचार क प्रचार मैं मोरे साथे जुटी रहिना। एनके नाउँ जीवन क किताबे* मैं लिख गवा अहँ।

⁴पभूँ मैं हमेसा आनन्द मनावत रहा।

⁵एँका मैं फिन दोहरावत हँ आनन्द मनावत रहा। तू पचन क सहनशील आतिमा क गियान सब जने क होइ। पभूँ लगे ही बाटइ ⁶कउनउ बाते क चिन्ता न करा, बल्कि सब परिस्थितियन मैं धन्यवाद सहित पराथना अउर बिनय क साथे आपन याचना परमेस्सर क सामने रखत जा। ⁷इही स परमेस्सर कईती स मिलइवाली सान्ति, जउन समझ स परे बा तोहरे हीये अउर तोहरे बुद्धि क मसीह ईसू मैं सुरच्छित बनाए रखी।

⁸भाइयो, तथा बहिनियो, इन बातन क धियान करा। जउन जरूर सत्य बा, जउन आवद योग्य बा, जउन अच्छा बा, जउन पवित्र बा, जउन सुन्दर बा, जउन सराहइ योग्य बा या कउनउ अन्य गुन या कउनउ प्रसंसा ⁹जेका तू मोसे सीखे अहा, पाए अहा या सुने अहा या जेका करत मोका देखे अहा। इन बातन क अभ्यास करत रहा। सांति क सोत परमेस्सर तोहरे साथे रही।

फिलिप्पियन मसीहियन क पौलुस क धन्यवाद

¹⁰तू सबइ निश्चय ही मोरे भलाई बरे सोचत रहत ह परन्तु तू पचन क ओका देखावइ क अक्सर नाहीं मिला रहा, परन्तु अब आखिरकार तोहमें मोरे बरे फिन स फिकिर जागी बा। एहसे मैं पभूँ मैं बहुत आनन्दित भवा हउँ। ¹¹कउनउ व्यक्तिगत जरूरत क कारण मैं इ नाहीं कहत हउँ। काहेकि जइसेन परिस्थिति मैं मैं हँ, मैं

उही मैं सन्तोस करइ सीख लिहे हँ। ¹²मैं अभाव क बीच रहई क रहस्य भी जानत हँ अउर इहउ जानत हँ कि सम्पन्नता मैं कइसे रहा जात ह। कइसेउ समइ होइ अउर कइसेउ परिस्थिति, चाहे पेट भरा होइ अउर चाहे भूखा, चाहे पास मैं बहुत कछू होइ अउर चाहे कछू भी न होइ, मैं ओन सबे मैं सुखी रहइ सीख लिहे हँ। ¹³मसीह क जरिये मैं सब कछू कइ सकत हँ काहेकि उ मोका सकती देत ह। ¹⁴कछू भी होइ हमरे कस्टन मैं तू पचे मोरे कामे मैं हाथ बटाई क अच्छा ही किये अहा।

¹⁵हे फिलिप्पियन! तू पचे तउ जनतइ अहा, सुसमाचार क प्रचार क ओन्हन सुरु क दिनवा मैं जब मैं मसीडोनिया छोड़े रहेउँ, तउ लेन-देन क बारे मैं केवल मात्र तोहर कलीसिया क छोड़िके कउनउ अउर कलीसिया तउ मोर हाथ नाहीं बटाएस। ¹⁶मैं जब थिस्सलुनीके मैं रहेउँ, मोर जरूरत पूरा करइ बरे तू बार-बार मोका सहायता भेजे रहया। ¹⁷अइसेन नाहीं कि मैं उपहारन क इच्छुक हँ, बल्कि मैं तउ इ चाहत हँ कि तोहरे खाता मैं लाभ जुडत ही चला जाइ। ¹⁸तू पचे इपफ्रुदीतुस क हाथे जउन उपहार मधुर गंध भेटे क रूप मैं मोरे लगे भेजे रहया, उ सबइ एक अइसेन स्वीकार करइ योग्य बलिदान अहँ जेहसे परमेस्सर खुस होत ह। ओन्हन उपहारन क कारण मोरे लगे मोरे जरूरत स कहँ ज्यादा होइ गवा बा, मोका पूरी तरह दिहा गवा बा। बल्कि ओहसे भी जियादा भरपूरा दिहा गवा बा। उ चीजन मधुर गंध भेटे क रूप मैं बाटिन, एक अइसेन स्वीकार करइ योग्य बलिदान जेहसे परमेस्सर खुस होत ह। ¹⁹मोरे परमेस्सर भी ईसू क महिमा स बहोत धनवान अहइ। उ अपने उस धने क अनुसार तोहार सभन जरूरतन क पूरा करी। ²⁰हमरे परमेस्सर अउर परमपिता क हमेसा-हमेसा महिमा होत रहइ। आमीन!

²¹मसीह ईसू क सभन सन्तन क नमस्कार। मोरे साथे जउन भाई अहँ, तू पचन क नमस्कार करत हीं। ²²तू सभन संत अउर खासकर कैसर परिवारे क लोगन नमस्कार करत हीं।

²³तोहमें स हर एक्क पर हमरे पभूँ ईसू मसीह क अनुग्रह तू पचन क आतिमा क साथ रही।

किताब परमेस्सर क उ किताब जेहमें परमेस्सर क चुना भा सभन संत जनन क नाम लिखा बा।

(प्रकासित 3:5; 21:27)

कुलुस्सियन क पत्र

1 पौलुस जउन परमेस्सर क इच्छानुसार मसीह ईसू क प्रेरित बा ओकर, अउर हमरे भाई तीमुथियुस कईंती स।

2 मसीह मैं स्थित कुलुस्से मैं रहइवालन बिसवासी भाइयन तथा बाहिनियन अउर सन्त जनन क नाउँ:

हमरे परमपिता परमेस्सर कईंती स तोहे सबन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

3 जब हम तोहरे बरे पराथना करित ह, हमेसा अपने पर्भू ईसू मसीह क परमपिता परमेस्सर क धन्यवाद करित ह। 4 काहेकि हम मसीह ईसू मैं तोहरे बिसवासे अउर सभन परमेस्सर जनन क बरे तोहरे पिरेम क बारे मैं सुने हई। 5 इ ओह आसा क कारण भवा बा जउन तोहरे बरे सरगे मैं सुरच्छित बा अउर जेकरे बारे मैं तू पहिलेन-सच्चा संदेस अर्थात सुसमाचार क सुनि चुका अहा। 6 सुसमाचार पूरे संसारे मैं सफलता पावत बा। इ वइसेन ही सफल होत बा जइसे तोहरे बीच इ ओह समइ स ही सफल होइ लगा रहा। जब स तू परमेस्सर क अनुग्रह क बारे मैं सुने रहया अउर सही-सही ओका समझा जात रहा। 7 हमार प्रिय साथी दास इपफ्रास स, जउन हमरे बरे मसीह क बिसवासी सेवक अहइ, तू सुसमाचार क सिच्छा पाये रहया। 8 पवित्तर आत्मा क द्वारा उतेजित-तोहरे पिरेम क बारे मैं उहउ हमका बताए अहइ। 9 इही बरे जेह दिना स हम एनके बारे मैं सुने हई, हमहूँ तोहरे बरे पराथना करब अउर इ बिनती करब नही छोड़े हई कि:

परमेस्सर क इछा तोहे पूर्ण ग्यान होइ सब तरह क समझ-बूझ जउन आत्मा देत ह, अउर बुद्धि उ पावा करा तू

10 ताकि उ तरह जी सका, जेहसे परमेस्सर क प्रतिष्ठा होत ह सब तरह स करा खुस हमेसा तू पर्भू क। सदैव अच्छे फल उत्पन्न करई। अउर परमेस्सर क गिथान हमेसा बढई तोहार।

11 अपने महिमा-भरी सक्ती स मजबूत बनवत जाइ तोहे उ, ताकि विपती क काल मैं जो कछू रास्ते मैं आवइ खुसी स

महाधीरज स तू सब सहि ल्या। 12 ओह परमपिता क धन्यवाद करा, जेका तोहका एह योग्य बनायेस कि

परमेस्सर क उन संत जनन क साथे जउन प्रकासमय जीवन जितत हीं, तू उनके लोगन क उत्तराधिकार पावइ मैं सहभागी बनि सका। 13 परमेस्सर तउ अँधियारे क सक्ती स हमार उद्धार किहसे अउर अपने प्रिय बेटवा क राज्य मैं हमार प्रवेश कराएस। 14 ओह बेटवा क जरिये ही हमका छुटकारा मिला बा आनी हमका मिली बा हमरे पापन क छमा।

मसीह क दरसन मैं, परमेस्सर क दरसन

15 उ न देखाइ देइवाला परमेस्सर क देखाइ देइवाला रूप अहइ। उ सभन सिस्टी क ऊपर सासन करत ह। 16 काहेकि जउन कछू सरगे मैं बा अउर धरती पर बा, उही क सक्ती स पैदा भवा बा। कछूउ चाहे देखाई देइ अउर चाहे न देखाइ देइ चाहे सिंहासन होइ चाहे साम्राज्य, चाहे केउ सासक होइ अउर चाहे अधिकारी, सब कछू उही क द्वारा रचा गवा बा अउर उही बरे रचा गवा बा। 17 सबसे पहिले उही क मौजूदगी रही। उही क सक्ती स सब बस्तु स्थिर बनी रहत हीं। 18 एह देह अउर कलीसिया क मुखिया उहइ अहई। उहइ आदि अहइ अउर मरेन क फिन स जी उठावइ क उहइ सबसे बड़का अधिकारी भी उहइ अहई ताकि सब बाते मैं पहिला स्थान उही क मिलइ। 19 काहेकि परमात्मा की इहइ माया कि पूरे जने क साथे परमेस्सर उही मैं वास करइ चाहेस। 20 उही क जरिये पूरा ब्रह्माण्ड क परमेस्सर तउ अपने स फिन जोड़इ चाहेस। सभन क जउन धरती क हयेन अउर सरगे क हयेन। उही लहू क द्वारा परमेस्सर तउ सान्ति कराएस जेका तउ क्रूस पर बहाए रहा।

21 एक समइ रहा जब तू अपने विचारन अउर बुरे कामन क कारण परमेस्सर क बरे अनजान अउर ओकर दुस्मन रहेन। 22 परन्तु अब जब मसीह अपने भौतिक देहे मैं रहा, तब मसीह क मउत क द्वारा परमेस्सर तउ तोहे खुद अपने आपेन स जोड़ि लिहसे। ताकि तोहे अपने सम्मुख पवित्तर, निहकलंक अउर निर्दोष बनाइके पेस कीन्ह जाई। 23 इ तबइ होइ सकत ह जब तू अपने बिसवासे मैं स्थिरता क साथे अटल बना रहा अउर इ सुसमाचार क दुवारा दीन्ह गइ ओह आसा क परित्याग न करा, जेका तू सुने अहा। एह अकास क नीचे हर कीहीउ परानी क ओकर उपदेस कीन्ह गवा था। अउर मई पौलुस उही क सेवक बना हईं।

कलीसिया क बरे पौलुस क काम

²⁴अब देखा। मई तोहरे बरे जउन कस्ट उठाइत ह, ओहमाँ आनन्द क अनुभव करत हउँ अउर मसीह क देह, अउर कलीसिया क बरे मसीह क जातना मँ जउन कछू कमी रहि गइ रही, ओका अपने सररीरी मँ पूरा करत हउँ। ²⁵परमेस्सर तउ जउन तोहरे सबन क लाभ बरे मोका आवेस दिहे रहा, उही क अनुसार मई कलीसिया का एक सेवक ठहरावा गवा हउँ। ताकि मई परमेस्सर क उपदेस क पूरी तरह प्रचार करउँ। ²⁶इ सुसमाचार सन्तन का गुप्त सत्य अहइ। जउन आदिकाल स सबहिँ आपन लोगन क आँखी स ओझल रहा। परन्तु अब एका परमेस्सर द्वारा लोगन प परगट कई दीन्ह गवा बा। ²⁷परमेस्सर अपने लोगन क इ परगट कई देई चाहत ह कि उ रहस्यपूर्ण सत्य केतना वैभवपूर्ण बा। ओकरे लगे इ रहस्यपूर्ण सत्य सभन क बरे बा। अउर उ रहस्यपूर्ण सत्य इ अहइ कि मसीह तोहरे भितरई रहत ह अउर परमेस्सर क महिमा पावइ बरे उहइ हमार एक मात्र आसा अहइ। ²⁸हमका जउन गियान मिला बा ओह पूरा क उपयोग करत भए हम हर कीहीउ क निर्देस अउर सिच्छा प्रदान करत अही ताकि हम ओका मसीह मँ एक पूरा व्यक्तित्व बनि के परमेस्सर क आगे हाजिर कइ सकी। ²⁹मई इही प्रयोजन स जउन मसीह मोका दिहेस, अउर जउन हममे सक्रिय अहइ, संघर्ष करत भए मई कठोर मेहनत करत अहउँ।

2 मई चाहत हउँ कि तोहे एह बातन क पता चलि जाइ कि मई तोहरे बरे, लौदीकिया क रहइवालन क बरे ओन्हन सबके बरे जउन निजी तरह स हमेसा कभउँ नाहीं मिला हयेन। केतना कठोर मेहनत करत हउँ मई इ एह बरे करत हउँ। ²ताकि ओनके मने क जोस मिलइ अउर उ परस्पर पिरें मँ बँधि जाइँ। अउर बिस्वासे क उ सब धन जउन सच्चा गियान स मिलत थ, ओन्हे मिलि जाइ अउर परमेस्सर क रहस्य भरा सच ओन्हे मिलइ उ रहस्य भरा सच खुद मसीह अहइ। ³मसीह मँ विवेक अउर गियान क सब निधियन छुपी बाँटिन।

⁴अइसेन मई एह बरे कहत हउँ कि केउ तोहे ओन तर्क भरी युक्तियन स जेह देखइ मँ अच्छी मीठी देखात ह मुला असत्य अहइँ भरमाइ न देइ। ⁵जद्यपि सररीर रूप स मई तोहमें नाहीं हउँ। फिन भी तोहरे मँ आध्यात्मिक रूप स हउँ। मई तोहरे जीवन क अनुसासन अउर मसीह मँ तोहरे बिस्वासे क मजबूती क देखिके खुश हउँ।

मसीह मँ बना रहा

⁶तउन तू जइसेन क ईसू मसीह अउर पभू क रूप मँ प्रहण किये हउँ, तू ओहमे वइसेन ही बना रहा। ⁷तोहार जइ उही मँ होई अउर तोहार निर्माण उही पर होइ अउर तू आपने बिस्वासे मँ दृढता पावत रहा जइसेन कि तोहे सिखावा गवा बा। परमेस्सर क बरे अधिक स अधिक

आभारी बना। ⁸धियान रखा कि तोहे अपने उ संसारी बिचारन अउर खोखला परपंच स केउ भरमाइ न लेइ जउन मानुस ज्ञान स मिलत ह, इ मानव परम्परा पर आधारित बाटइ, अउर जउन ब्रह्माण्ड क कब्जा करइवाली सबइ आतिमा क देन अहइ। मसीह स नाहीं आवत। ये विचार निरर्थक अहइ, अउर संसार क लोगन स आवत ह। ⁹कार्हेकि परमेस्सर मसीह मँ आपन पूरेपने क साथे मँ निवास करत ह। इहाँ तक कि सांसारिक जीवन मँ भी ¹⁰अउर उही मँ रहिके तू पूरा बना अहा। उ सब सासकन अउर आधिकारियन क सिरे क मउर अहइ अहई।

¹¹तोहार खतनउ तउ उही मँ भवा बा। इ खतना मनई क हाथे स सम्पन्न नाहीं भवा, बल्कि इ खतना जब तोहे तोहार पापपूर्ण मानउ सुभाऊ क प्रभाव स छुटकारा देवोंइ दीन्ह गवा रहा। तब मसीह का जरिये भवा। ¹²इ एह बरे भवा कि जब तोहे बपतिस्मा मँ ओकरे साथे गाइ दीन्ह गवा तउ जे परमेस्सर ओका मरन भएन क बीचे स जिआइ दिहे रहा, अउर परमेस्सर क काम मँ तोहरे बिस्वासे क कारण मसीह क साथे तोहेउ फिन स जिन्दा कइ दीन्ह गवा।

¹³अपने पापन अउर अपने खतना रहित सररीर क कारण तू मरा भवा रहया परन्तु तोहे परमेस्सर तउ मसीह क साथे साथे जीवन प्रदान किहेस अउर हमरे सब पापन क मुक्तरूप स छमा कइ दिहेस। ¹⁴परमेस्सर तउ हमरे ओह उलटा करजा क जेहमन हमरे द्वारा परमेस्सर का नियम तोड़ा गवा नियमन क सूचीबद्ध किहे रहा। जेहका पालन करइ मँ हम असमर्थ रहेन। ओका बेकारइ ठहराइ दिहेस अउर ओका क्रूस पर कीलन मँ गाड़िके हमरे राह स दूर हटाइ दिहेस। ¹⁵परमेस्सर तउ क्रूस क द्वारा आध्यात्मिक सासकन अउर अपने आधिकारियन क साधन बिना कइ दिहेस अउर अपने मँ सार्वजनिक तमासा क रूप मँ विजय अभियान मँ अपने पीछे पीछे चलायेस।

मनइयन क बनावा नियमन पर न चला

¹⁶तउन खाई पिअइ क चीजियन अउर पर्व क नवा चाँद क त्वाँहार, या सबित क दिना क लइके कउनउ तोहार आलोचना न करइ। ¹⁷इ त, जउन बात आवइवाली अहईँ, ओनकर छाया भर बाँटिन। परन्तु एह छाया क असली काया तउ मसीह क बाटइ। ¹⁸कउनउ मनई जउन अपने आप क प्रताड़ित करइ क करम सरगदूतन क आराधना क कामन मँ लगा भवा होइ, ओका तू तोहरे प्रतिफल क पावइ मँ अयोग्य न बनइ देइ चाही। अइसेन मनई हमेसा ओन्हन दिव्य दर्शन क डींग मारत रहत ह जेका उ देखे अहइ अउर अपने दुनियावी सोच क बजह स झूठा तथा निरर्थक धमण्ड स भरा रहत ह। ¹⁹उ मसीह स नाहीं जुड़त जउन कि सिर मँ अउर जेकर

ऊपर पूरे सरीर आधारित अहइ। मसीह क कारण ही सरीर क सब भाग एक दूसर क ध्यान लखत हीं अउर एक दूसरे क मदद करत हीं। इससे सरीर एक इकाई होत ह, परमेस्सर क इच्छा क अनुसार मजबूत करइ अउर आध्यात्मिक विकास में योगदान क बरे।

²⁰काहेकि तू मसीह क साथे मरी चुका अहा अउर ओन आतिमन स अजाद करावा गवा अहा जउन ब्रह्माण्ड क सासन करत हीं एकर मतलब अहइ कि, संसार क व्यर्थ सिच्छन स छुटकारा देवावा जाइ सकत ह त एह तरह क आचरण काहे करत अहा जइसे तू एह दुनिया क अहा अउर अइसेन नियमन क पालन करत अहा जइसे: ²¹“एका हाथ न लगावा” “एका जिन चखा” या “एका जिन छुआ”। ²²इ सब चीजन त काम में आवत आवत नस्ट होई जाइ क बरे बाटिन। अइसेन आचार व्यवहार क अधीनता कइके तउ तू मनई क बनाए आचार व्यवहार अउर सब सिच्छा क अनुसरण करत अहा। ²³ये नियम बुद्धिमान क तो देखात ह। ये एक ऐसे धरम क निर्माण करत हीं जउन मानवीय इच्छा पर आधारित अहइ: अउर सरीर का सेवत अहइ। लेकिन इ नियमन पापात्मान क ओनके बुरा काम रोकइ में मूल्यहीन अहइ।

मसीह में नवाजीवन

3 काहेकि अगर तोहे मसीह क साथे मरा हुआ में स जियाइके उठावा गवा अहइ तउ ओन्हन चीजन क बरे कोसिस करत रहा जउन सरगे में हयेन जहाँ परमेस्सर क दहिनी कइँती मसीह विराजत ह। ²सरगे क चीजन क सम्बन्ध में सोचत रहा। संसारी चीजन क सम्बन्ध में न सोचा। ³काहेकि तू लोगन क पुराना पापी जीव मरि चुका बा अउर तोहर नवा जीवन मसीह क साथे साथे परमेस्सर में छिपा बा। ⁴जब मसीह, जउन हमार जीवन अहइ, फिन स परगट होई तउ तूहउ ओनके साथे ओनके महिमा में परगट होबा।

⁵इही बरे तोहमे जउन कछू संसारी बा, ओकर अन्त कइ द्या यौन अनाचार, अपवित्तरता, वासना, बुरी इच्छा अउर लालच जउन मूर्ति पूजा क ही एक्कई रूप अहइ, ⁶एनहीन बातन क कारण परमेस्सर क गुस्सा* परगट होई जात बा। ⁷एक समइ रहा जब तूहउ अइसेन करम करत इही तरह क जीवन जिया करत रहया।

⁸परन्तु अब तोहे इन सब बातन क साथे साथे गुस्सा झुँझलाहट, सत्रुता, निन्दा भाऊ, अउर अपसब्द बोलइ स छुटकारा पाइ लेइ चाही। ⁹आपस में झूठ न बोला काहेकि तू अपने पुरानी पापी-जीव, अउर उ तरह जीवन जउन ओकरे साथ जाता ह ओनके उतार फेंके अहा। ¹⁰अउर

नवा जीवन क धारण कइ लिहे अहा। हमेसा नवा होत जात बा जउन अपने रचइता क सरूप में स्थित होइके परमेस्सर क सत्य गियान क निमित्त। ¹¹परिणाम सरूप उहाँ यहूदी अउर गैर यहूदी में कउनउ अन्तर नाहीं रहि गवा बा, न कीहीउ खतना युक्त अउर खतना रहित में, न केउ सुसभ्य अउर बर्बर में, न दास अउर एक स्वतन्त्र मनई में कउनउ अन्तर बा। मसीह सर्वेसर्वा अहइ अउर सब बिसवासियन में उही क निवास बाटई।

¹²काहेकि तू परमेस्सर क चुना भवा पवित्तर अउर प्रिय जने अहा इही बरे सहानुभूति, दया, नम्रता, कोमलता अउर धीरज क धारण करा। ¹³तोहे आपस में जब कभउं कीहीउ स कउनउ कस्ट होइ तउ एक दुसरे स सहि ल्या अउर परस्पर एक दुसरे क मुक्त भाऊ स छमा कई द्या। यदि केउ ने तोहरे साथ गलत किया अहइ तोहे आपस में एक दुसरे क अइसेन ही छमा कइ देइ चाही जइसेन परमेस्सर तोहे मुक्त भाऊ स छमा कई दिहिस। ¹⁴इन बातन क अलावा सबसे महत्वपूर्ण अहइ कि तू पिरैम क धारण करा। पिरैम इ सबके आपस में बाँधत अउर पूरा करत ह। ¹⁵तोहरे मने पर मसीह स मिलइवाली सान्ति क सासन होई। इही बरे तोहे उही एक्क देहए* में बोलावा गवा ह। हमेसा धन्यवाद करत रहा। ¹⁶अपने सम्पन्नता क साथे मसीह क संदेसा तोहमें वास करइ। ग्यान स एक दूसरे क सिच्छा अउर चेतावनी द्या। भजन, स्तुतियन अउर आत्मिक गीतन क गावत भाए अपने हिरदय में परमेस्सर का धन्यवाद द्या। परमेस्सर क मने-मने धन्यवाद देत इहइ गावत रहा। ¹⁷अउर तू जउन कछू भी करा या कहा, उ सब पभू ईसू क नाउं प करा। उही क द्वारा तू हर समइ परमपिता परमेस्सर क धन्यवाद देत रहा।

नवा जीवन क नियम

¹⁸हे पत्तिनयन, अपने पतियन क बरे ओह तरह स समर्पित रहा जइसे पभू क अनुयायियन क इ सोभा देत ह। ¹⁹हे पतियन, अपने पत्तिनयन स पिरैम करा, ओनके बरे कठोर न बना।

²⁰बचवन सब बातन में अपने माता-पिता क आज्ञा क पालन करा। काहेकि पभू क अनुयायिन क एह व्यवहारे स परमेस्सर खुश होत ह।

²¹हे बाप, अपने बचवन क हतोउत्साह स न भरा। कहुँ अइसेन न होइ कि उ जतन करबई छोड़ देइ।

²²हे सेवकन, अपने संसारी स्वामियन क सब बातन क पालन करा। केवल लोगन क खुस भर करइ क बरे ऊही समइ नाहीं जब उ देखत रहइ, बल्कि सच्चे मने स ओनका माना। काहेकि तू पभू क आदर करत ह। ²³तू

पद 6 कछू यूनानी प्रतियन में इ भाग जोड़ा गवा बा, “ओन्ह पर जउन आज्ञा क नाहीं मनतेना।”

देहए साब्दिक सिथियन इ लोग बड़ा जंगली अउर असभ्य समझी जात हीं।

जउन कछू करा अपने पूरे मने स करा। माना कि जउन करा इ मान करा तू ओका लोगन क बरे नाहीं बल्कि पभू क बरे करत अहा। ²⁴याद रखा कि तोहे पभू स उत्तराधिकार क फल-मिलइ। अपने स्वामी मसीह क सेवा करत रहा। ²⁵काहेकि जे बुरा करम करइ, ओका ओकर फल मिलइ अउर उहाँ कउनउ पच्छपात नाहीं बा।

4 हे स्वामियन! तू अपने सेवकन क जउन ओनकर बनत ह अउर उचित बा, द्या। याद रखा सरगे मँ तोहार कउनउ स्वामी बा।

पौलुस क मसीहियन क बरे सलाह

²पराथना मँ हमेसा लगा रहा। अउर जब तू पराथना करा त हमेसा परमेस्सर क धन्यवाद करत रहा। ³साथ ही साथे हमरे बरे आपन संदेस क प्रचार क अउर मसीह स सम्बन्धित सत्य क प्रबचन क अवसर प्रदान करइ काहेकि एकरे कारण ही मई बंदीघरे मँ हउँ। ⁴पराथना करा कि मई सच्चाई क लगन मँ स्पस्ट कइ देइ जइसेन मोका बतावइ चाही।

⁵बाहर क लोगन क साथे विवेकपून व्यवहार करा। सब अवसरन क पूरा-पूरा उपयोग करा। ⁶तोहर बोली हमेसा मीठी रहइ द्या अउर ओसे बुद्धि क छटा बिखरइ ताकि तोहका एक दूसर का उत्तर कइसे देइ चाही इ जानइ चाही।

पौलुस क साथियन क समाचार

⁷हमार प्यारा बन्धु तुखिकुस जउन एक बिसवासी सेवक अउर पभू मँ स्थित साथी दास बा, तोहे मोरे सभन समाचार बताइ देई। ⁸मई ओका तोहरे लगे एह बरे भेजत हउँ कि तोहे ओसे हमार हालचाल क पता चलि जाई उ तोहरे हीये क जोस स भरि देइ। ⁹मई अपने बिसवासी अउर प्रिय बन्धु उनेसिमूस क भी ओकरे साथे भेजत

हउँ जउन तोहरे मँ स एक बा। उ पचे, इहाँ जउन कछू घटत बा, ओका तोहे बतइहीं।

¹⁰अरिस्तर्खुस क जउन बंदीघरे मँ मोरे साथे रहा बा अउर बरनाबास क बन्धु मरकुस क तोहे नमस्कार, (ओकरे बारे मँ तू निर्देस पाई चुका अहा कि अगर उ तोहरे लगे आवइ तउ ओकर सुवागत करा), ¹¹यूस्तुस कहवावइ वाले ईसू क तोहे नमस्कार पहुँचइ। यहूदी बिसवासी मँ बस इहइ अब परमेस्सर क राज्य क बरे मोरे साथे काम करत अहई। इ मोरे बरे आनन्द क कारण रहा बा।

¹²इपफ्रास क तोहे नमस्कार पहुँचइ। उ तोहरे मँ स एक अहइ अउर मसीह ईसू क सेवक अहइ। उ हमेसा बड़ी बेदना क साथे तोहरे बरे लगनपूर्वक पराथना करत रहत ह कि तू आध्यात्मिक रूप स पूरा बनइ क बरे विकास करत रहा। अउर बिसवास पूर्वक परमेस्सर क इच्छा चाहत अहा। ¹³मई ऐकर साच्ची हउँ कि उ तोहरे बरे अउर लौदीकिया अउर हियरापुलिस क रहइ वालन क बरे हमेसा कड़ा मेहनत करत रहा बाटइ। ¹⁴प्यारे चिकित्सक लूका अउर देमास तोहे नमस्कार भेजत हयेन।

¹⁵लौदीकिया मँ रहइवाले भाइयन क अउर नुमफास अउर ओहे कलीसिया क जउन ओकरे घरे मँ जुड़त हीं, नमस्कार पहुँचइ। ¹⁶अउर देखा, चिट्ठी जब तोहरे सामने पढ़ी जाइ चुकइ, तब एह बात क निश्चय कइ लिहा कि एका लौदीकिया क कलीसिया मँ भी पढ़वाइ दीन्ह जाइ। अउर लौदीकिया स मोर जउन चिट्ठी तोहे लिखा मिलइ, ओका तहूँउ पढ़ी लिहा। ¹⁷अर्खिप्पुस स कहा कि उ एह बात क धियान रखइ कि पभू मँ जउन सेवा ओका सँऊपी गइ बा, उ ओका निश्चय क साथे पूरा करइ। ¹⁸मई पौलुस खुद आपन हाथ स इ नमस्कार लिखत हउँ। याद रखा हम कारागार मँ हउँ, परमेस्सर क अनुग्रह तोहरे साथे रहइ।

थिस्सलुनीकियन क पहिली पत्र

1 थिस्सलुनीकियन क परमपिता अउर पर्भू ईसू मसीह में स्थित कलीसिया क पौलुस, सिलवानुस अउर तीमुथियुस क तरफ स परमेस्सर क अनुग्रह अउर सान्ति तोहरे साथे रहइ।

थिस्सलुनीकियन क जीवन अउर बिसवास

2 हम तोहे सब जने क बरे हमेसा परमेस्सर क धन्यवाद देत रहित ह अउर अपने पराथनन में हमका तोहर याद बनी रहत ह।

3 पराथना करत भए हम हमेसा तोहरे ओह काम क याद करित ह जउन फल अहइ, बिसवास क, पिरेम स पैदा भइ तोहर कठिन मेहनत क, अउर हमरे पर्भू ईसू मसीह में आसा स पैदा तोहर धैर्यपूर्ण सहनशीलता क हमका हमेसा धियान बना रहत ह। 4 हे परमेस्सर क प्यारा हमार भाइयो तथा बहिनियो, हम जानित ह कि तू ओनकर चुना भवा अहा।

5 काहेकि हमरे सुसमाचार क प्रचार तोहरे लगे मात्र सब्दन में ही नहीं पहुँचा बा बल्कि पवित्र आत्मा समरथ अउर गहन श्रद्धा क साथे पहुँचा बा। तू जानत ह कि हम जब तोहरे साथे रहे, तोहरे लाभ क बरे कइसेन जीवन जिअत रहे।

6 कठोर सब यातना क बीच तू पवित्र आत्मा स मिलइवाली खुशी क साथे उपदेस क ग्रहण किहा अउर हमार अउर पर्भू क अनुकरण करई लाग्या।

7 अउर इही बरे मैसीडोनिया अउर अखाया क सभन बिसवासियन क बरे तू एक आदर्स बन गया 8 काहेकि तू पर्भू क उपदेस क जउन गँज उठा, उ न केवल मैसीडोनिया अउर अखाया में सुना गवा बल्कि परमेस्सर में तोहर बिसवास सब कहँउ जाना माना गवा। तउन हमका कछू कहइ क अब जरूरत नहीं बाटइ।

9-10 काहेकि ओ पचे खुदइ हमरे बारे में बतावतत हीं कि तू हमार कइसेन सुवागत किहे रहया अउर सजीव अउर सच्चा परमेस्सर क सेवा करइ क बरे अउर सरगेस ओकरे बेटवा क आगमन क इन्तजार करइ क बरे तू मूर्तियन क ओर स सजीव अउर सच्चे परमेस्सर कइती कइसे मुड़ा रहया। पूत मतलब ईसू क ओ मरे हुवन में स फिन स जियाइ उठाए रहा। अउर उहइ परमेस्सर क आवइवाली कोप स हमार रच्छा करत ह।

थिस्सलुनीका में पौलुस क काम

2 भाइयो तथा बहिनियो, तोहरे लगे हमार आवइ क सम्बन्ध क तू खुदइ जानत ह कि उ निरर्थक नहीं बाटइ। 2 तू जानत ह कि फिलिप्पी में सब यातना झेलइ अउर दुर्व्यवहार सहइ क बाद उ परमेस्सर क सहायता स हमका कड़ा विरोध क रहत भए परमेस्सर क सुसमाचार क सुनावइ क साहस मिला रहा। 3 इ निश्चय स जब हम लोगन अपने उपदेसन बरे प्रोत्साहित करित ह एह बरे नहीं कि हम भटका भए अही। अउर न तउ एह बरे कि हमार उद्देश्य गन्दा अहइ अउर एहबरे की नहीं कि हम लोगन क छलाई क जतन करित ह। 4 हम सुसमाचार का प्रचार लोगन क खुस करइ क कोसिस नहीं करित ह बल्कि हम त उ परमेस्सर क खुस करित ह जउन हमरे मने क भेद जानत ह। 5 निश्चय ही हम कभई ठकुर सुहात बानी क साथे तोहरे सामने नहीं आए। जइसेन क तू जनबइ करत ह, हमार उपदेस कउनउ लोभ क बहाना नहीं बा। परमेस्सर साच्छी बा 6 हम लोगन स कउनउ मान सम्मान नहीं चाहा। न तोहसे अउर न कीहीउ अउर स।

7 जद्यपि हम मसीह क प्रेरितन क रूप में आपन अधिकार जताइ सकत रहे किन्तु हम तोहरे बीच वइसेन ही नरमी क साथे रही जइसे एक महतारी अपने बचवन क पालन पोषन करत ह। 8 हम तोहरे बरे वइसेन ही नरमी क अनुभव किहे अही, इही बरे परमेस्सर स मिलइ सुसमाचार क ही नहीं, बल्कि खुद अपने आपके भी हम तोहरे साथे बाँटि लेइ चाहित ह काहेकि तू हमार प्यारा होइ ग अहा। 9 भाइयो तथा बहिनियो, तू हमार कठिन मेहनत अउर कठिनाई क याद रखा जउन हम दिन-रात इही बरे किहे अही ताकि हम परमेस्सर क सुसमाचार क सुनावत तोह पर बोझ न बनी।

10 तू साच्छी अहा अउर परमेस्सर भी साच्छी अहइ कि तू बिसवासियन क प्रति हम केंतनी अस्था, धार्मिकता अउर दोस रहित क साथे व्यवहार किहे रहेन। 11 तू जनबइ करत ह कि जइसेन एक पिता अपने बचवन क साथे व्यवहार करत ह 12 वइसेन ही हम तोहमें स हर एक्क क आग्रह क साथे प्रेरित कीन्ह ह अउर आराम दिहे अही। अउर ओह रीति स जाइ क आवेस दिहा ह, जेहसे परमेस्सर, जे तोहका अपना राज्य अउर महिमा में बोलाई भेजेस ह, खुस होत ह।

¹³अउर इही बरे हम परमेस्सर क धन्यवाद हमेसा करत रहित ह काहेकि हमसे तू जब परमेस्सर क बचन ग्रहण किहा ह तउ ओका मानवीय संदेस क रूप में नाहीं, बल्कि परमेस्सर क संदेस क रूप में ग्रहण किहा, जइसेन कि उ सही मैं बा। अउर तू बिसवासियन पर जेकर प्रभाव भी बा। ¹⁴भाइयो तथा बहिनियो, तू यहूदियन में रहिके मसीह ईसू में परमेस्सर क कलीसियावन क अनुसरण करत रहे रहया। तू अपने साथी देस भाइयन स वइसेन ही यातना झेले अहा जइसे उ पचे ओन्हन यहूदियन क हाथे झेले रहेन। ¹⁵यहूदियन पभू ईसू क मारि डाएन अउर नबियन क बहरे खदेड़ दिहेन, उ परमेस्सर क खुस नाहीं करतेन उ त सम्मड़ मानवता क दुस्मन हयेन। ¹⁶उ गैर यहूदियन क सुसमाचार क उपदेस देइ मैं बाधा खड़ी करत हीं कि कहुँ ओन्हन पचन क उद्धार न होइ जाई। इ बातेन स उ हमेसा अपने पापन क घड़ा भरत रहत हीं अउर अन्ततः अब त परमेस्सर क प्रकोप ओनपर पूरी तरह स आई पड़त ह।

फिन मिलइ क इच्छा

¹⁷भाइयो तथा बहिनियो! जहाँ तलक हमार बात बा, हम रचिके समइ क बरे तोहसे बिछुड़ ग रहे। बिचारन स नाहीं, केवल सरीरे स। तउन हम तोहसे मिलइ क बहुत उतावला होइ उठे। हमार इच्छा तेज होइ उठी रही। ¹⁸हाँ! हम तोहसे मिलइ क बरे बहुत जतन करत रहे। मुझ पौलुस कइयउ दाई कोसिस किहेस परन्तु सइतान ओहमे बाँधा डाएस। ¹⁹भला बतावा तउ हमार आसा, हमार उल्लास य हमार उ मुकुट जेहपर हमका गरब बा, का अहइ? का उ तूही नाहीं अहा। हमार पभू ईसू मसीह क दोबारा अवाई प जब हम ओनके सामने हाजिर होबइ ²⁰तउ उहाँ तू हमार महिमा अउर हमारे आनन्द मैं होब्या।

3 काहेकि हम अउर जियादा इन्तजार नाहीं कइ सकित ह, इही बरे हम एथेन्स मैं अकेलइ रुकि जाइ क निश्चय कइ लिन्ह। ²अउर हम हमार परमेस्सर सेवक बन्धु अउर परमेस्सर क बरे मसीह क सुसमाचार क प्रचार मैं अपने सहकर्मी तीमुथियुस क तोहे मजबूत बनवइ अउर बिसवास मैं उत्साहित करइ क तोहरे लगे भेजि दीन्ह

³ताकि एन्हन वर्तमान यातनन स केउ घबराइ न उठइ। काहेकि तू त जनबई करत ह कि हम त यातना सहइ क बरे ही निश्चित कीहा ग अही। ⁴सही मैं हम जब तोहरे लगे रहे, तोहे पहिलेन स ही कहा करत रहया कि हमपे कस्ट आवइवाला बा, अउर इ ठीक वइसेन ही भवा ह। तू तउ इ जनबई करत ह। ⁵इहीं बरे काहेकि मैं अउर जियादा इन्तजार नाहीं कइ सकत रहउँ, इही बरे मैं तोहरे बिसवास क बारे मैं जानइ तीमुथियुस क पठइ दिहेँ। काहेकि मोका डर रहा कि लुभावइवाला (सइतान)

कहुँ तोहे ललचाइ क हमरे कठिन मेहनत क खराब तउ नाहीं कइ दिहे बा।

⁶तोहरे लगे स तीमुथियुस अबहीं-अबहीं हमरे लगे वापस लउटा ह। अउर उ हमका तोहरे बिसवास अउर तोहरे पिरेम क सुभ समाचार दिहेस ह। उ हमका बताए बाटइ कि तोहे हमार मधुर याद आवत ह अउर तू हमसे मिलइ क बहुत अधीर अहा। वइसेन जइसे हम तोहसे मिलइ क अधीर भ अही। ⁷तउन भाइयो अउ बहिनियो हमार सबहिं पीड़ा अउर यातना मैं तोहर बिसवास क कारण हमार उत्साह बढ़ा बा। ⁸हाँ जब हम फिन साँस लइ पावत हई काहेकि हम जानि गवा अही कि पभू मैं तू अटल खड़ा अहा। ⁹तोहरे बारे मैं तोहरे ही कारण जउन आनन्द हम पचन क मिला बा, ओकरे बरे हम परमेस्सर क सामने ओकर धन्यवाद कइसे करी। ¹⁰हम रात-दिन खूब लगन स पराथना करत रहित ह कि केह तरह तोह सबन क फिन देखि पाई अउर तोहरे बिसवास मैं जउन कमी रहि गइ बाटइ, ओका पूरा करत भए मजबूत करी।

¹¹हमार परमपिता परमेस्सर अउर हमार पभू ईसू तोहरे लगे लगे आवइ क हमका रस्ता देखावई। ¹²अउर पभू एक दुसरे क बरे अउर सभन क बरे तोहसे जउन पिरेम बा, ओकर बढ़ोत्तरी करइ। वइसेन ही जइसे तोहरे बरे हमार पिरेम उमड़ पड़त ह। ¹³एह तरह उ तोहरे हिरदइ क मजबूत करइ अउर ओन्हे हमार परमपिता परमेस्सर क अगवा पभू ईसू क आवई पर सभन पवित्तर लोगन क साथे पवित्तर अउर दोस रहित बनाइ देइ।

परमेस्सर क खुस करइवाला जीवन

4 भाइयो तथा बहिनियो, अब हमका तोहे कछू अउर बात बतावइ क बा। पभू ईसू क नाउं पर हम तोहसे पराथना अउर बिनती करत हई कि तू हमसे जेह तरह उपदेस ग्रहण किहे अहा, तोहे परमेस्सर क खुस करइ क बरे उहीं क अनुसार चलइ चाही। जरूर तू उही तरह चलत भी अहा। परन्तु हम तू पचन स वइसेन ही अउर जियादा स जियादा अनुसरण करइ क अनुरोध करत अही। ²काहेकि तू इ जानत ह कि पभू ईसू क अधिकार स हम तोहे सबन क आज्ञा दिए अही। ³अउर परमेस्सर क इहइ इच्छा बा कि तू पचे ओहका अर्पण होइ जा। यौन डुराचार स दूर रहा। ⁴अपने सरीर क सबइ वासना * पर नियन्त्रण रखइ सीखा-अइसे ढंग स जउन पवित्तर बा अउर आदर क योग्य बा। ⁵न कि ओह वासना स भरी इच्छन स जउन परमेस्सर क नाहीं जानइवाले अधर्मियन क जइसी अहइ। ⁶इहउ परमेस्सर क इच्छा बा कि एह बारे मैं केउ अपने भाई क बारे मैं कउनउ अपराध न

वासना वासना एकर अनुवाद इ तरह स कीन्ह जाइ सकत ह आपन ही पत्नी क संग कहसे रहा जात ह।

करइ य कउनउ अनुचित लाभ न उठावइ, काहेकि अइसेन सभन पापन क बरे पभू दण्ड दइ जइसे कि हम तोहका बताइ चुका अही अउर तोहे सावधान भी कइ चुका हई।

⁷परमेस्सर तउ हमका पापन मँ रहइ क बरे नाहीं बोलायेस पर पवित्तर जीवन बितावइ क बरे बोलायस ह। ⁸एह बरे जउन इ उपदेस क नकारत हीं उ कउनउ मनई क नाहीं नकारत ह बल्कि परमेस्सर क ही नकारत ह। ओह परमेस्सर क जउन तोहे सबन क आपन पवित्तर आतिमा देत ह।

⁹अब तोहे तोहरे भाइयन तथा बहिनियन क ईसू मँ पियेम क बरे मँ लिखा जाइ, एकर तोहे सबन क जरूरत नाहीं बा काहेकि परमेस्सर त खुदइ तोहका एक दुसरे क बरे पियेम करई क सिच्छा दिहे बाटइ। ¹⁰अउर सही मँ तू अपने सबहिं भाइयन तथा बहिनियन क साथे समूचा मैसीडोनिया मँ अइसेन ही पियेम करत अहा। मुला भाइयो तथा बहिनियो, हम तोहसे अइसन ई जियादा स जियादा करइ क कहित ह।

¹¹सान्ति स जीअइ क आदर क वस्तु समझा अपने काम स काम रखा। खुद अपने हाथे स काम करा जइसेन कि हम तोहे बताइ चुका हई।

¹²एहसे कलीसिया मँ न बिसवास करइवाले तोहरे जीवन क ढंग क आदर करिहीं। एहसे तोहे कउनो पर निर्भर न रहइ क पड़ी।

पभू क लउटब

¹³भाइयो तथा बहिनियो, हम चाहित ह कि जउन हमेसा हमेसा क नींद मँ सोवत हयेन तू ओनके बरे मँ जाना ताकि तोहे ओन्हन अउरन क समान, जेकरे लगे आसा नाहीं बा, सोक न करइ क पड़इ।

¹⁴काहेकि अगर हम इ बिसवास करित ह त ईसू क मउत होइ गइ अउर उ फिन स जी उठा, त उही तरह जे ओहमे बिसवास करत भए परान तियाग दिहे अहई, ओनके साथेउ परमेस्सर वइसे ही करी। अउर ओनका लइ के ईसू क साथे लउटि जाई।¹⁵एहि कारण हम पभू क वचन क अनुसार तोहसे कहत अही कि हम जउन जिअत अही, पभू क फिन स आवइ तक बचा रहब, हम जे उ समइ तलक जिअबइ पभू क संग होइजाब। अउर ओनसे अगवा न निकर पाउब जउन मरि चुका अहई।

¹⁶काहेकि प्रधान सरगदूत क मुखिया जब अपने ऊँचा स्वर स आवेस देइ फिन जब परमेस्सर क बिगुल बजी तबहिं पभू खुदई सरग स उतरी। ओह समइ जे मसीह मँ परान तियाग हयेन, उ पहिले उठिहीं। ¹⁷ओकरे बाद हम जउन जिन्दा अही, अउर अबउ इहीं हई ओकरे साथे हवा मँ पभू स मिलई क बरे बादलन क बीच उप्पर उठाइ लीन्ह जाबइ एह तरह हम हमेसा बरे पभू क साथे होइ जाब।

¹⁸अउर इ सबदन क साथे एक दुसरे क उत्साहित करत रहा।

पभू क अवाई क सुवागत बरे तइयार रहा

5 भाइयो तथा बहिनियो, समइ अउर तिथियन क बारे मँ तोहे लिखइ क कउनउ जरूरत नाहीं बा ²काहेकि तू खुदई बहुत अच्छी तरह जानत ह कि जइसे जोर रस्ता स चुपे चला आवत ह, वइसेन ही पभू क फिन स लउटइ क दिन भी आइ जइहीं। ³जब लोग कहत होइहीं कि “सब कछू सांत अउर सुरच्छित बा” तबइ जइसे एक गर्भवती स्त्री क अचानक प्रसव वेदना आइ घेरत ह वइसेन ही ओह पर बिनास उत्तर आइ अउर उ कहुँ बचिके भाग न पावइ।

⁴मुला भाइयो तथा बहिनियो, तू अँधियारे (पाप) क वासी नाहीं अहा कि तोह पर उ दिन अचानक ही चोर की नाई आइ जाइ। ⁵तू सब तउ प्रकास (भलाई) स जुडा अहा अउर दिन क संतान स भी। हम न तउ रात या अँधियारा (बुराई) जुडा हई। ⁶इही बरे हमका अउरन क नाई सोवत रहत न चाही, बल्कि सावधानी क साथे हमका तउ अपने प नियन्त्रण रखइ चाहीं। ⁷काहेकि जउन सोवत हीं, रात मँ सोवत हीं अउर जउन नसा करत हीं, उ रात मँ ही मदमस्त होत हीं। ⁸मुला हम पचे तउ दिने (भलाई) स जुरा हई इही बरे हमका अपने प काबू रखइ चाही। आवा बिसवास अउर पियेम क विलम धारण कइ लेई अउर उद्धार पावई क आसा क सिरस्त्राण क तरह ओडि लेई। ⁹काहेकि परमेस्सर हमका ओनके प्रकोपे क बरे नाहीं चुनेस ह बल्कि हमार पभू ईसू मसीह द्वारा उद्धार पावई क बरे बनाए अहइ। ¹⁰ईसू तउ हमरे बरे परान तियाग दिहेस ताकि चाहे हम सजीव ओकरे संग होई, इ जरूरी नाहीं कि जब उ आवइ हम जिअत या मरा रही। ¹¹इहीं बरे एक दुसरे क सुख पहुँचाव अउर एक दुसरे क आध्यात्मिक रूपे स मजबूत बनावत रहा। जइसेन कि तू करत अहा।

अन्तिम निर्देस अउर अभिवादन

¹²भाइयो तथा बहिनियो, हमार तोहसे निवेदन बा कि जउन लोग तोहरे बीच मेहनत करत हीं अउर पभू मँ जउन तोहे राह देखावत हीं, ओनकर आदर करत रहा। ¹³हमार तोहसे निवेदन बा कि ओनके कामे क कारण पियेम क साथे ओन्हे पूरा आदर देत रहा।

परस्पर सान्ति स रहा ¹⁴अउर भाइयन, हमार तोहसे निवेदन बा आलसियन क चेतावा, डरपोकन क प्रेरित करा, दीनन क सहायता मँ रुचि ल्या, सबके साथे-धीरज रखा। ¹⁵देखत रहा केउ क बुराई क बदला बुराई स न द्या बल्कि सब जने हमेसा एक दुसरे क साथे भलाई करई क जतन करा। ¹⁶हमेसा आनन्दित रहा। ¹⁷पराथना करब कबहुँ न छोड़। ¹⁸हर परिस्थिति मँ परमेस्सर क

धन्यवाद द्या, काहेकि मसीह ईसू मँ, तोहरे बरे परमेस्सर क इहइ इच्छा बाटइ।

¹⁹पवित्तर आत्मा क कार्य क दमन मत करत रहा। ²⁰नबियन क संदेसन क कभउँ छोट न जाना ²¹सब बातन क असलियत क परखा, जउन अच्छा बा, ओका ग्रहण किहे रहा ²²अउर हर तरह क बुराई स बचा रहा। ²³सान्ति क प्रोत परमेस्सर खुद तोहे पूरे तरह पवित्तर करी। पूरी तरह स ओनका समर्पित होई जा अउर तू अपने पूरा अस्तित्व अर्थात आत्मा, परान

अउर देह क हमार पभू ईसू मसीह क अवाई तलक सब तरह स दोस रहित बनाए रखा।

²⁴उ परमेस्सर जे तोहे बोलाए अहइ, बिसवास क योग्य बाटइ। निस्वय ही उ अइसनई करी। ²⁵भाइयो तथा बहिनियो, हमरे भी बरे पराथना करा। ²⁶सब भाइयन अउर बहिनियन क पवित्तर चुम्मा स सत्कार करा। ²⁷तोहे पभू क सपथ दई क मईं इ आग्रह करित ह कि इ चिट्ठी क सब भाइयन क पढाई क सुनावा जाइ।

²⁸हमार पभू ईसू मसीह क अनुग्रह तोहरे साथे रहइ।

थिस्सलुनीकियन क दूसरी पत्र

1 पौलुस, सिलवानुस अउर तीमुथियुस क ओर स हमरे परमपिता परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह में स्थित थिस्सलुनीकियन क कलीसिया क नाउँ, ²तू सबन क पिता परमेस्सर अउर ईसू मसीह कईंती स अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

³भाइयो तथा बहिनियो, तू पचन क बरे हमका हमेसा परमेस्सर क धन्यवाद करइ चाही: अइसेन करब उचित बा। काहेकि तू पचन क बिसवासे क अचरज भरा रूप स विकास होत बा अउर तोहमाँ आपस इ मैं पिरेम बढ़त बा। ⁴इही बरे परमेस्सर क कलीसियन मैं हम खुद तू सबन प गरब करित अही। तू पचन क यातना क बीच अउर कस्टन क सहत धैर्यपूर्वक सहन करई तू सबन क बिसवासे क परगट करत ह।

परमेस्सर क निआव क चर्चा

⁵इ एह बाते क स्पष्ट प्रमाण बा कि परमेस्सर क निआव सच्चा बा। ओकर उद्देश इहई बा कि तू पचे परमेस्सर क राज्य में प्रवेश करइ योग्य ठहरा। तू सबइ अब उही क बरे तउ कस्ट उठावत अहा। ⁶निश्चय ही परमेस्सर क दिस्टी मैं इ निआव ठीक बा कि तोहे सबन क जउन दुखन देत अहई, ओनका बदले मैं दुख हीं दीन्ह जाइ।

⁷अउर तू जउन कस्ट सहत अहा, ओनका हमरे साथे ओह समइ आराम दीन्ह जाई जब पर्भू ईसू अपने समरथ दूतन क साथे सरग स ⁸धधकत आगी मैं परगट होई। अउर जउन परमेस्सर क नाहीं जनतेन अउर हमरे पर्भू ईसू मसीह क सुसमाचार पर नाहीं चलतेन, ओनका दण्ड दीन्ह जाई। ⁹ओन्हे अनंत बिनास क दण्ड दीन्ह जाई। ओन्हे पर्भू अउर ओनकर महिमा भरी सक्ति क सामने स हटाई दीन्ह जाई। ¹⁰उ अपने पवित्तर लोगन क साथ महिमा प्राप्त करइ आई, अउर अपने आस्चर्यचकित करइ क अभिव्यक्ति करी ओनके बीच जो उन पर बिसवास करत हीं।

¹¹इही बरे हम तोहरे बरे परमेस्सर स हमेसा पराथना करित ह कि हमार परमेस्सर तोहे ओह जीवन क योग्य समझई जेका जिअइ क बरे तोहे सबन क बोलावा गवा बा। अउर उ तोहार सब सुभ इच्छा क प्रबल रूप स पूरा करइ अउर सब ओह कामे क उ सफल बनावइ जउन तोहरे बिसवासे क प्रमाण अहइ। ¹²इही तरह हमर पर्भू

ईसू मसीह क नाउँ तोहरे द्वारा आदर पड़हीं। तू पचे ओकरे द्वारा आदर पउब्या। इ सब कछू हमरे परमेस्सर क अउर पर्भू ईसू क अनुग्रह स होइ।

पर्भू क अवाई स पहिले दुर्घटना घटिहीं

2 भाइयो तथा बहिनियो, अब हम अपने पर्भू ईसू मसीह क फिन स अवाई अउर ओकरे साथे आपस मैं एकट्ट होइ क बारे मैं निवेदन करत अही ²कि तू अचानक अपने विवेके क कउनउ भविस्सबाणी कउनो उपदेस अउर कउनो अइसेन चिट्ट स न खोवा जेको हमरे द्वारा लिखा गवा समझा जात होइ अउर तथाकथित रूप स जेहमाँ बतावा गवा होइ कि पर्भू क दिन आई चुका अहइ, तू अपने मने मैं डावोंडोल जिन हवा। ³तू पचे अपने आपके कउनो क द्वारा कउनउ प्रकार छला न जाइ सका। मई अइसेन एह बरे कहत हउँ काहेकि उ दिन ओह समइ तक न आई जब तक कि परमेस्सर स मुँह मोड़ लेइ क समइ नाहीं आई जात, अउर दुष्ट मनइ परगट नाहीं होइ जात। ओह दुष्ट-मनइ क नियति तउ नरक बा।

⁴उ अपने क सब चीज स उप्पर कही अउर ओनकर विरोध करी अइसेन चीजन का परमेस्सर का कही जात हीं अउर जउन पूजनीय बा। इहाँ तक कि उ परमेस्सर क मंदिर मैं जाइ क सिंहासन पर बइठिके इ दावा करी कि उहइ परमेस्सर बा।

⁵का तोहे याद नाहीं बा कि जब मई तोहरे साथे रहे तउ तोहे इ सब बतावा गवा रहा। ⁶अउर तू तउ अबइ जनतइ अहा कि ओका का अबहीं परगट होइ स रोके अहइ, ताकि उ ऊचित अवसर आए पर ही परगट होइ। ⁷मई अइसेन एह बरे कहत हउँ काहेकि दुष्ट मनइ क रहस्य भरी सक्ती जउन बे व्यवस्था क अहइ अबहुँ आपन काम करत बा। अब केउ ऐका रोक रहा बा अउर उ तब तक ऐका रोकत रही, जब तलक, ओका रोके रखइवाले क रस्ता स हटाई न दीन्ह जाइ। ⁸तबइ उ दुष्ट मनइ परगट होइ जब पर्भू ईसू आपन महिमा मैं फिन परगट होई तब ओका पर्भू ईसू अपने मुँह क फूँक स मार डाईगा अउर अपने उपस्थिति क तेज स ओका भस्म कर देई। ⁹ओह दुष्ट मनइ सइताने क सक्ती स परगट होइ अउर उ बहुत बड़ी सक्ती, झूठे चमत्कारन, अद्भुत चिन्हन अउर अचरजे कारजन, ¹⁰अउर सब

परकार क पाप स भरा छल-परपंच स भरा होइ। उ एनकर उपयोग मनइन क विरुद्ध करी जउन सर्वनासे क रस्ता में खोवा हवा अहई। उ भटक गवा हयेन काहेकि ओन्हन सत्य स पिरेम नाहीं किहे बाटेन, कहुँ ओनकर उद्धार न होइ जाइ। ¹¹इही बरे परमेस्सर ओहमन एक छली सक्ती क काम में कई देई जेहसे उ झूठ में बिसवास करइ लाग रहेन। एहसे ओनकर बिसवास जउन झूठ बा, ओह पर होई। ¹²एहसे उ सभन जे सत्य पर बिसवास नाहीं किहेन अउर झूठ में आनन्द लेत रहेन, दण्ड पढ़हीं।

तोहे छुटकारा क बरे चुना गवा बा

¹³भाइयो तथा बहिनियो, पभू तोहका पियार करत ह। तोहरे पचन क बरे हमका हमेसा परमेस्सर क धन्यवाद करइ चाही काहेकि परमेस्सर तउ आत्मा क द्वारा तोहे सबन क पवित्तर कइक अउर सत्य में तोहरे बिसवास क कारण उद्धार पावइ क बरे तोहे सबन क चुने अहइ। जेन्हन मनइन क उद्धार होइ क बा, तू ओह सबन क पहिली फसल क एक हींसा अहा। ¹⁴अउर इही उद्धार क बरे जेका सुसमाचार क हम तोहे सबन क उपदेस दिहे हई ओकरे द्वारा परमेस्सर तउ तोहे पचन क बोलाएस ताकि तू पचे हमार पभू ईसू मसीह क महिमा क धारण कइ सका। ¹⁵इही बरे भाइयो तथा बहिनियो, अटल बना रहा अउर जउन उपदेस तोहे मौखिक रूप स या हमरे चिट्ठयन क द्वारा दीन्ह गवा रहा, ओका थामे रखा।

¹⁶⁻¹⁷अब हमार पभू खुद ईसू मसीह अउर हमार परमपिता परमेस्सर जे हम पइ आपन पिरेम दसाए अहइ अउर हमका परम प्रोत्साहन प्रदान किहे अहइ अउर जे हमका अपने अनुग्रह में मजबूत आसा प्रदान किहे अहइ तोहरे सबन क हिरदइ क आनन्द देइ अउर सब अच्छी बातन में जेका तू कहत ह या करत ह, तोहे प्रोत्साहित बनावइ।

हमरे बरे पराथना करा

3 भाइयो तथा बहिनियो, तोहे पचन क कछू अउर बात हमका बतावइ क बाटइ। हमरे करे पराथना करा कि पभू क उपदेस तेजी स फइलइ अउर महिमा पावई। जइसेन कि तोहे लोगन क बीच में भवा बा। ²पराथना करा कि हम बुरे अउर दुष्ट मनइन स दूर रही। (काहेकि सभन जने क तउ पभू में बिसवास नाहीं होत ह।) ³मुला पभू तउ बिसवास स भरा अहइ। उ तोहर सक्ती बढाई अउर तोहे सबन क ओह दुष्ट स बचाइ रखी। ⁴हमका पभू में तोहर स्थिति क बारे में दृढ़ बिसवास बा। अउर हमका पूरा निश्चय बा कि हम तोहे

जउन कछू करइ क कहे हई, तू वइसेन ही कइ चुका रहया अउर करत रहब्या। ⁵पभू तोहरे पचन क हिरदइ क परमेस्सर क पिरेम अउर मसीह क धैर्य भरा मजबूती कइती आगे करइ।

करम क अनिवार्यता

⁶भाइयो तथा बहिनियो, अब तोहे सबन क हमार पभू ईसू मसीह क नाउँ में इ हुकुम बा कि तू हर ओह भाइयन स दूर रहा जउन अइसेन जीवन जिअत ह जउन अनुचित चाल चलत अहइ। ⁷मई इ एह बरे कहत हउँ काहेकि तू तउ खुदइ इ जानत बाट्या कि तोहे पचन क हमार अनुकरण कइसे करइ चाही काहेकि तोहरे बीच रहत भए हम कभउँ आलसी नाहीं रहे। ⁸हम बिना मूल चुकाए कीहीउँ स भोजन नाहीं ग्रहण कीन्ह, बल्कि जतन अउर मेहनत करत भए हम दिन रात काम में जुटा रहे ताकि तोहमाँ स कीहीउँ पर बोझ न पड़इ। ⁹अइसा नाहीं अहइ कि हमका तोहसे सहायता लेइ क कउनउ अधिकार नाहीं बाटइ, बल्कि हम एह बरे कड़ी मेहनत करत अही ताकि तू ओकर अनुसरण कइ सका। ¹⁰इही बरे हम जब तोहरे साथे रहे, हम तोहे पचन क इ हुकुम दिहे रहे, "अगर केउ काम न करइ चाहइ तउ उ खाना भी न खाइ।"

¹¹हमका अइसा बतावा गवा ह कि तोहरे बीच कछू अइसेन भी बाटेन जउन अइसेन जीवन जिअत हीं जउन ओनके अनुकूल नाहीं अहइ। उ कउनउ काम नाहीं करतेन, दुसरेन क बातन में टाँग अड़ावत हीं एहर-ओहर घूमत फिरत हीं। ¹²अइसेन लोगन क हम पभू ईसू मसीह क नाउँ प समझावत समझावत हुकुम देत अही कि उ सान्ति क साथे आपन काम करइ अउर अपने कमाई क ही खाना खाई। ¹³मुला भाइयो अउ बहिनियो! जहाँ तक तोहर बात बा, भलाई करत कभउँ न थका।

¹⁴इ चिट्ठी क माध्यम स दीन्ह गए हमरे हुकुमन पर अगर केउ न चलइ त ओह मनई पर नजर रखा कि उ कउन बाटइ अउर ओनकर संगत स दूर रहा ताकि ओका सरम आवइ। ¹⁵मुला ओनके साथे सत्रुअन जइसा व्यवहार न करा बल्कि भाई क समान ओका चेतावा।

चिट्ठी समापन

¹⁶अब सान्ति क पभू खुद तोहे सब समइ, सब तरह स सान्ति देइ। पभू तू सबके साथे रहा।

¹⁷मई पौलुस खुद आपन लिखाई में इ नमस्कार लिखत हउँ। मई एह तरह सब चिट्ठी पर दसखत करत हउँ। मोरी लिखाई क सैली इहइ अहइ।

¹⁸हमार पभू ईसू मसीह क अनुग्रह तोहे सभन पर बना रहइ।

तीमुथियुस क पहिली पत्र

1 पौलुस कइँती स जउन हमार उद्धारकर्ता परमेस्सर अउर हमार आसा मसीह ईसू क हुकुम स मसीह ईसू क प्रेरित बना बा, ²तीमुथियुस क जउन बिसवासे में मोर सच्चा बेटवा बा, परमपिता परमेस्सर अउर हमरे पभू ईसू मसीह कइँती स अनुग्रह, दया अउर सान्ति मिलइ।

झूठा उपदेसन क विरोध में चेतावनी

³मैसीडोनिया जात समझ मई तोह सबन स जउन इफिसुस में ठहरा रहइ क कहे रहेउँ, मई अबहुँ उही आग्रह—क वोहरावत रहेउँ। ताकि तू उहाँ कछू लोगन क झूठा उपदेस देत रहइ, ⁴कल्पना स भरी कहानी अउर अनन्त वंसावलिखन पर जउन लड़ाई—झगड़ा क बढ़ावा देत हीं, अउर परमेस्सर क ओह प्रयोजन क सिद्ध नाहीं होइ देत हीं; जउन बिसवासे पर टिका बा, धियान देइ स रोक सकइँ। ⁵एह आग्रह क प्रयोजन बा उ पिरेम जउन पवित्र हिरदय, उत्तिम चेतना अउर छल रहित बिसवास स पैदा होत ह।

⁶कछू जने तउ इन बातन स छिटक क भटक गवा अहइँ अउर बेकार क वाद विवादन में जाईके फँसा बाटेन। ⁷उ पचे व्यवस्था क उपदेसक तउ बनई चाहत हीं, मुला जउन कछू उ कहत रहेन य जेहन बातन पइ वो बहुत बल देत हयैन, ओन्हन तक क ओ सबइ नाहीं समझतेन।

⁸हम अब इ जानित ह कि अगर केउ व्यवस्था क ठीक ठीक तरह स प्रयोग करइ, त व्यवस्था उत्तिम बाटइ। ⁹मतलब इ जानइ क बा कि व्यवस्था धर्मियन क बरे नाहीं बल्कि अबिसवासी, पापी, अउर अपवित्र अर्धर्मियन, महतारी, बाप, क मारी डावइवालन, हतियारन, ¹⁰व्यभिचारिन समलिंग कामुकन, सोसण कर्ता लोगन, झूठ क बोलवइयन, कसम तोड़इवालन या अइसेन हीं अन्य कामन क बारे बा, जउन सिच्छा क विरोध में बा।

¹¹उ सिच्छा परमेस्सर क महिमामय सुसमाचार क अनुसार बा। उ सुधन्य परमेस्सर स मिलत ह। अउर उ सुसमाचार का मोहका सँउपा गवा बा।

परमेस्सर क अनुग्रह क धन्यवाद

¹²मई, हमार पभू मसीह ईसू क धन्यवाद करत हउँ। मोका उहइ सकती दिहस ह। उ मोका बिसवासी समझिके अपने सेवा में तैनात किहे बाटइ। ¹³जबपि पहिले मई

ओकर अपमान करइवाला, सतावइवाला अउर एक बिनयरहित मनई रहेउँ। मुला मोहे पइ दया कीन्ह गइ काहेकि एक अबिसवासी क रूपे में इ नाहीं जानत भए कि मई का कछू करत हउँ मई सब कछू किहेउँ। ¹⁴अउर पभू क अनुग्रह मोका बहुतायत स मिला ह अउर साथे ही उ बिसवास अउर पिरेम उ जउन मसीह ईसू में बा।

¹⁵इ कथन सही बा अउर सब केउ क स्वीकार करइ जोग बा कि मसीह ईसू एह संसारे में पापियन क उद्धार करइ बरे आई बाटइ। सच मई तउ सबसे बड़ा पापी हउँ। ¹⁶अउर इही बरे तउ मोहे पइ दया कीन्ह गइ। कि मसीह ईसू एक बड़इका पापी क रूपे में मोर उपयोग करत आगे चलिके जउन लोग ओहमाँ बिसवास ग्रहण करिहीं, ओनके बरे अनन्त जीवन मिलइ बरे एक उदाहरण क रूप में मोका स्थापित कइके आपन असीम सहनशीलता देखौइ सकइ। ¹⁷अब उ अनन्त सम्राट अविनासी, अदृश्य एक मात्र परमेस्सर क युग युगान्तर तक सम्मान अउर महिमा होत रहइ। आमीन।

¹⁸मोर बच्चा तीमुथियुस! नबियन क बचनन क अनुसार बहुत पहिले स ही तोहरे सम्बन्धे में जउन भविस्सवाणियन कइ दीन्ह गइ रहिन, मई तोहका इ हुकुम देत अही जम कइ ताकि तू ओनके अनुसार ¹⁹बिसवास अउर उत्तम चेतना स सहित होइके नेकी क लड़ाई जम कइ लड़ सक। कछू अइसेन हयैन जेनकर उत्तिम चेतना अउर बिसवास रूपी जहाज बूड़ गवा बा। ²⁰हुमिनयुस अउर सिकन्दर अइसेन ही हयैन। हम ओनका सइतान क सँउप दिहे हई ताकि ओनका परमेस्सर क विरोध में परमेस्सर क निन्दा करइ स रोकई क पाठ पढ़ावा जाइ सकइ।

स्त्री-पुरुसन बरे कछू नेम

2 सबसे पहिले मोर बिसेस रूपे स इ निवेदन बा कि सबके बरे आवेदन, पराथना, अनुरोध अउर सब मनइयन कइँती स धन्यवाद दिहा जाइ। ²सासकन अउर सभन अधिकरियन क धन्यवाद दिहा जाइ। ताकि हम चैन क साथे सांतिपूर्वक पूरे म्रद्धा अउर परमेस्सर बरे सम्मान स भरा जीवन जी सकी। ³इ हमार उद्धारकर्ता परमेस्सर क खुसी करइवाला अहइ। उ उत्तिम अहइ। ⁴उ सभन मनइयन क उद्धार चाहत ह अउर सत्य का

गियान चाहत ह। ⁵काहेकि परमेस्सर एकई बा। अउर मानुस अउर परमेस्सर क बीच में मध्यस्थता एकई बा। उ खुदइ एक मानुस अहइ ईसू मसीह। ⁶उ सबन क बरे खुद क फिरौती क रूप में दइ डाए अहइ। अउर परमेस्सर क सब लोगन क बचाबै क उदेस को व्यक्त किहे अहइ। ⁷अउर इ साच्छी क प्रचार करइ बरे मोका एक प्रचारक अउर प्रेरित रखा गवा (इ मई सचइ कहत हउँ, झूठ नाहीं) मोका गैर यहूदियन क बरे बिसवास अउर सत्य क उपदेसक क रूप में ठहरावा गवा।

⁸इन्ही बरे मोर इच्छा बा कि हर कहुँ सब मनइयन पवित्तर हाथन क उपर उठाइके परमेस्सर क बरे समर्पित होइ बिना कीहीउँ गुस्सा या मन-मोटाऊ पराथना करइँ।

⁹इही तरह स्त्रियन स भी मई इ चाहित हउँ कि उ पचे सीधी-सादी वेस-भूसा में सालीनता अउर आतिम संयम क साथे रहइँ। अपने आपे क सजावइ सँवारइ क बरे उ बरे क बेणियन न सजावइँ अउर सोना, मोतियन अउर बहुमूल्य वस्त्रन स सुंगार न करइँ। ¹⁰बल्कि अइसेन स्त्रियन क जउन अपने आप क परमेस्सर क उपासिका मानत हीं, ओनके बरे उचित इ बा कि वो खुदइ क उल्लिम कामे स सजावइँ।

¹¹एक स्त्री क चाही कि उ सांत भाव स सारे समर्पण क साथे सिच्छा ग्रहण करइ। ¹²मई इ नाहीं चाहित कि कउनउ स्त्री कउनउ मनई क सिखावइ पढ़ावइ अउर ओह पर सासन करइ। मुला ओका तउ चुपचाप ही रहइ चाही। ¹³काहेकि आदम क पहिले बनावा गवा बा अउर तब पाछे हव्वा क। ¹⁴आदम क बहकावा नाहीं जाइ सका मुला स्त्री क बहकाइ लिहा गवा अउर उ पापे में पतित होइ गइ। ¹⁵मुला अगर उ मँ जइसन क करतब क निभावत भए बिसवास, पिरैम, पवित्तर अउर परमेस्सर क बरे समर्पण में बनी रहइ तउ स्त्रियन क उद्धार तउ जरूर मिल जाई।

कलीसिया क निरीच्छक

3 इ एक बिसवास करइ जोग कथन बा कि अगर केउ निरीच्छक बनइ चाहत ह तउ उ एक अच्छे कामे क इच्छा रखत ह। ²अब देखा ओका एक अइसी जिन्नीगी जिअइ चाही जेकर लोग निआव स भरी आलोचना न कइ पावइँ। ओकर एकई पत्नी होइ चाही, ओका आत्मसंयमी, सुसील अउर अतिथि सत्कार करइवाला अउर सिच्छा देइ मँ निपुण होइ चाही। ओका पइसा क पिरैमी न होइ चाही। ³ओका पियक्कड़ न होइ चाही, न तउ ओका झगड़ालू होइ चाही। ओका तउ सज्जन अउर सान्ति प्रेमी होइ चाही। ओका पैसे का पिरैमी न होइ चाही।

⁴अपने परिवारे क उ अच्छा प्रबन्धक होइ अउर ओनकर बच्चन ओकरे कब्जे में रहत रहइँ। ओकर

पूरा सम्मान करत होइँ। ⁵अगर केउ अपने परिवारे क प्रबन्ध करइ नाहीं जानत तउ उ परमेस्सर क कलीसिया क प्रबन्ध कइसे कइ पाई? ⁶उ एक नवा बिसवासी न होइ चाही ताकि उ अहंकार स फूलि न जाइ। अउर ओका सइतान क जइसा दण्ड पावइ पड़इ। ⁷एकरे अलावा बाहेर क लोगन में भी ओकर अच्छी इज्जत होइ चाही ताकि उ कउनउ आलोचना में फँसिके सइतान क फंदा में न पड़ि जाइ।

कलीसिया क सेवक

⁸इही तरह कलीसिया क सेवकन केउ आदरणीय होइ चाही अउ ओका अउर दु मुँहा न होइ चाही। ओकर मदिरापान में रुचि न होई चाही। बुरे रस्तन स ओनका धन कमाइ क इच्छुक न होइ चाही। ⁹ओनका तउ पवित्तर मने स हमरे अभिव्यक्त सत्यन क थामे रखइ चाहे।

¹⁰ऐन्हेज क पहिले निरीच्छकन क समान परखा जाइ चाही फिन अगर ओनके विरोध में कछू आपत्ति न होइ तबहिँ एनका कलीसिया क सेवकन क न रूप में सेवा-काम करइ देइ चाही।

¹¹इही तरह स्त्रियन क भी सम्मान क जोग होइ चाही। ओनका निंदक न होइ चाही। बल्कि सालीन अउर सब तरह स भरोसा करइवाली होइ चाही। ¹²कलीसिया क सेवक क केवल एकई पत्नी होइ चाही अउर ओका आपन बाल बच्चन अउर अपने घरारन क अच्छा प्रबन्धक होइ चाही।

¹³काहेकि अगर क कलीसिया क अइसेन सेवक क रूप में होइहीं जउन अच्छा सेवा प्रदान करत हीं, तउ उ पचे अपने बरे सम्मान स भरा स्थान अर्जित करिहीं। मसीह ईसू क बरे बिसवासे में जरूरइ ओनकइ आस्था होई।

हमार जीवन क रहस्य

¹⁴मई इ आसा क साथे तोहे इ बातन क लिखत हउँ कि जल्दी ही तोहरे लगे आउबइ। ¹⁵अगर मोका आवइ मँ समइ लग जाइ तउ तोहे सबन क पता रहइ कि परमेस्सर क परिवारे में, जउन सजीव परमेस्सर क कलीसिया बा, कउनो क आपन व्यवहार कइसे रखइ चाही। कलीसिया तउ सब क जइ अउर आधार स्तम्भ अहइ।

¹⁶बिना संदेह क हमरे भक्ति का रहस्य महान बाटइ:

उ नर-वेह धरे परगट भवा आतिमा द्वारा धर्मी प्रमाणित भवा देखेन ओका सरगदूतन हुआ प्रचारित उ राष्ट्रन में, जग तउ ओहपइ बिसवास किहेस, अउर उठावा गवा ओका महिमा में उप्पर।

झूठन उपदेसकन स सचेत रहा

4 पवित्र आतिमा तउ स्पस्ट रूपे स कहत बाटइ कि आगे चलिके कछू लोग सच्चे बिसवास (उपदेस) पइ बिसवास न करिहीं अउर भटकावइवालन झूठन नबियन अउर दुस्ट आतिमन की सिच्छा पर धियान देइ लगीहीं जउन झूठ बोलिहीं अउर धोखा देत रइहीं।² ओन झूठन पाखण्डी लोगन क कारण अइसे मनइयन होइहीं जे सच अउर झूठ क विवेक न कइ सकिहीं अउर इ जेनकइ मन माना तपत लोहे स दाग दीन्ह गवा होइ।³ उ पचे बियाह क निसेध करिहीं। कछू चीज खाई क मना करिहीं जेका परमेस्सर क बिसवासियन अउर जउन सच क पहिचानत हीं, ओनके बरे धन्यबाद दइके ग्रहण कइ लेइके बनावा गवा बा।⁴ काहेकि परमेस्सर क रची सब चीज अच्छी बा अउर कउनउ चीज तियागइ जोग नार्हीं बा बसतैं ओका धन्यबाद क साथे ग्रहण कीन्ह जाइ।⁵ काहेकि उ परमेस्सर क बचन अउर पराथना स पवित्र होइ जात ह।

मसीह ईसू क अच्छा सेवक बनअ

⁶ अउर तू भाइयन क इन बातन क धियान दियावत रहब्या तउ मसीह ईसू क अइसेन अच्छा सेवक ठहरब्या जेकर पालन-पोसण, बिसवासे क द्वारा अउर ओन्हीं सिच्छा क द्वारा होत ह जेका तू ग्रहण किहे अहा।

⁷ मनइयन क प्रद्धा विहीन कल्पित सबइ कथा स दूर रहा अउर परमेस्सर क सेवा क बरे अपने क साधना में लगाए रखा।⁸ काहेकि सारीरक साधना स तउ केवल तनिक ही लाभ होत ह जबकि परमेस्सर क सेवा सब कइँती स मूल्यवान बा काहेकि एहमाँ आज क समइ अउर आवइवाला जीवन क बरे दीन्ह गवा आसीर्वाद समावा बाटइ।⁹ एइ कहावत पूर रूप स सच अहइ। अउर इ पूरी तरह ग्रहण करइ जोग अहइ।¹⁰ अउर हम सबहिं इही बरे कठिन मेहनत करत जूझत रहित ह। हम आपन आसा सबके विसेस कर बिसवासियन क, उद्धारकर्ता सजीव परमेस्सर पइ टिकाइ दीन्ह ह।

¹¹ एनही बातन क हुकुम अउर उपदेस द्या।¹² तू अबहिं जवान अहा। इही स कउनउ तोहे निम्न न समझइ। बल्कि तू आपन बातचीत, चाल-चलन, पिरेम-प्रकास, अपने बिसवास अउर पवित्र जीवन स बिबावासियन क बरे एक उदाहरण बनि जा।¹³ जब तक मइँ आई तू पवित्र सास्तरन क सार्वजनिक पाठ करा, उपदेस अउर सिच्छा देईं मैं अपने आप क लगाए रखा।

¹⁴ तोहका जउन बरदान मिला बा, तू ओकर उपयोग कइके इ तोहे नबियन क भविस्सबाणी क परिणाम सरूप बुजुगन क द्वारा तोहपइ हाथ रखि दीन्ह गवा बा।¹⁵ इन बातन क कारण पइ पूरा धियान लगाए रखा। एन्ही मैं स्थित रहा ताकि तोहार प्रगति सब लोगन क सामने परगट होइ।

¹⁶ अपने जीवन अउर उपदेस क विसेस धियान रखा। ओनही पर टिका रहा काहेकि ओन पइ चलइ अउर सही रूप स पालन करइ मैं विसेस बल दा। अइसेन आचरण करत रहे स तू खुद अपने आपइ क अउर अपने सुनइवालन क उद्धार करब्या।

व्यवहारे क कछू नेम

5 कउनउ बड़ी आयु क मनई क साथे कठोरता स न बोला, बल्कि ओनहे बापे क रूप में देखत ओनके बरे विनम्र रहा। सलाह देत समइ अपने स छोटन क साथे भाइयन जइसा बर्ताव करा।² बड़ी स्त्रियन क महतारी समझा अउर जवान स्त्रियन क आपन बहिन समझिके सब पवित्रतन क साथे बर्ताव करा।

³ ओन्हन विधवन क विसेस धियान रखा जउन वास्तव में अकेले अहइँ।⁴ मुला अउर कउनउ विधवा क बेटवा-बिटिया अउर नाती पोता अहइँ तउ ओन्हे सबसे पहिले अपने धरम पर चलत चलत अपने परिवार क देखभाल करइ सीखइ चाही। ओनका चाही कि ओ पचे अपने महतारी-बापे क पालन पोसन क बदला चुकावइँ काहेकि एहसे परमेस्सर खुस होत ह।⁵ विधवा जउन सही मैं विधवा बाटइ अउर जेकर धियान रखइवाला केउ नार्हीं बाटइ, अउर परमेस्सर तउ जेकर सबइ आसा क सहारा बा उ दिन रात बिनती अउर पराथना मैं लगी रहत हीं।⁶ मुला उ विधवा जे बिसय भोग क दास होइ गइ अहइँ जीते जी मरे भएन क समान बाटिन।⁷ इही बरे बिसवासी लोगन क इन बातन क (ओनके सहायता क) आदेस द्या ताकि कउनउ भी ओनकर आलोचना न कइ पावइ।⁸ मुला अउर केउ आपन रिस्तेदारन, विसेसकर आपन परिवार क सदस्यन क सहायता नार्हीं करत, तउ उ बिसवास स फिन गवा बा अउर कउनो अबिसवासी से भी जियादा खराब बा।

⁹ ओन्हन विधवन क विसेस सूची मैं जउन आर्थिक सहायता लेत बाटिन ओनही विधवा क नाउँ लिखा जाइ जउन कम स कम साठ साल क होइ चुकी बाटिन अउर जउन पतिव्रता रही हईन

¹⁰ अउर जउन बाल बच्चन क पालत करत, अतिथि सत्कार करत भए, परमेस्सर क लोगन क पाउँ धोवत भए दुखियन क सहायता करत-करत, अच्छा कामन क बरे समर्पित होइके सब तरह क अच्छा कामन क बरे जाना-मानी जात रहिन।

¹¹ मुला सयानी-विधवन क एह सूची मैं सामिल न करा काहेकि मसीह क बरे ओनकर समर्पण पइ जब ओनकर बिसय वासना भरी इच्छा हावी होत ह तउ उ फिन बियाह करइ चाहत ह।¹² उ सबइ अपराधिन हइन काहेकि ओन्हन आपन मूलभूत प्रतिज्ञा क तोड़े हइन।¹³ एकरे अलावा ओनका आलस क आवत पड़ि जात ह। उ सबइ एक घरे स दुसरे घरे घूमत फिरत हीं अउर उ

सबइ न केवल आलसी होइ जात हीं, बल्कि उ बातूनी बचिके लोगन क कामन में टाँग अड़ावइ लागत हीं अउर अइसेन बात बोलइ लागत हीं जइसे ओंहे न बोलइ चाही।¹⁴इही बरे मई चाहत हउँ कि जवान-विधवन बियाह कइ लेई अउर औलाद क पइदा करत भए अपने घर बारे क देखभाल करई ताकि हमरे दुस्मनन क हम पर कटाच्छ करइ क कउनउ अवसर न मिलि पावइ।¹⁵मई इ एह बरे बतावत हउँ कि कछू जवान विधवन क सइतान द्वारा पहिलेन स ही बहकाई गई रहिन।

¹⁶अगर कउनो बिसवासी स्त्री क घरे में विधवा हइन तउ ओन्हे ओकर सहायता खुद करइ चाही। अउर कलीसिया प कउनउ भार न डावइ चाही ताकि कलीसिया सच्ची विधवन क सहायता कइ सकइ।

¹⁷जउन निरीच्छक कलीसिया क अच्छी अगुआइ करत हीं ओनका दुगना सम्मान क पात्र होइ चाही। विसेस कर उ पचे जेनकर काम उपदेस देब अउर पढ़ाउब बा।¹⁸काहेकि पवित्तर सास्तर में कहा गवा बा, “बरधा जब खरिहाने में होइ तउ ओकर मुँह न बाँधा।”* अउर “मजदूर क आपन मजदूरी पावइ क अधिकार बा।”*

¹⁹कउनो निरीच्छन पइ लगावा गवा कउनउ लाँछन क तब तक स्वीकार न करा जब तलक दुई य तीन साच्छी न होई।²⁰जउन हमेसा पापे में लगा रहत हीं ओनका सबके सामने डाटा-फटकारा ताकि बाकी लोग डेराई।

²¹परमेस्सर, ईसू मसीह अउर चुना भवा सरगदूतन क सामने हम सचाई क साथे आदेस देत हई कि तू बिना कउनो पूर्वाग्रह क इन बातन क पालन करा। पच्छपात क साथे कउनउ काम न करा।

²²बिना विचारे केउ क कलीसिया क मुखिया बनवइ क बरे ओह प जल्दी में हाथ न रखा। केउ क पापन में भागीदारी न बना। अपने क हमेसा पवित्तर रखा।²³तीमथियुस, केवल पानी ही न पिअत रहअ। बल्कि अपने हाजमा अउर बार बार बीमार पड़इ स बचइ क बरे तनिक दाखरस भी लइ लिहा करा।

²⁴कछू लोगन क पापन सही रूप स परगट होइ जात हीं अउर निआव क बरे पेस-कई दीन्ह जात ह मुला दुसरे लोगन क पापन बाद में परगट होत हीं।²⁵इही तरह अच्छा काम भी सही रूप स परगट होइ जात ह मुला जउन परगट नाहीं होतेन तउ उ पचे भी छुपा नाहीं रह सकतेन।

6 जउन लोग अंधबिसवासी क जुए क नीचे क दास बना अहई, ओन्हे अपने स्वामियन क सम्मान क जोग समझइ चाही ताकि परमेस्सर क नाउँ अउर हमरे

“बरधा ... बाँधा” लूका 10:7

‘मजदूर ... बा’ व्यवस्था 25:4

उपदेसन क निन्दा न होइ।²अउर अइसेन दासन के भी जेनकर स्वामी बिसवासी हयेन, बस इही बरे कि उ पचे ओनकर धरमभाई अहई, ओनके बरे कम सम्मान न देखॉवइ चाही, बल्कि ओनका तउ अपने स्वामियन क अउर अधिक सेवा करइ चाही काहेकि जेनका एकर लाभ मिलत बा, उ पचे बिसवासी अहई, जेनेस उ पचे पिरेम करत हीं।

झूठइ उपदेस अउर सचइ धन

इन बातन क सिखावत रहा अउर एनकर प्रचार करत रहा।³अगर केउ एनमें स अलग बात सिखावत ह अउर हमार पभू ईसू मसीह क ओन्हन सदबचनन क नाहीं मानत ह अउर परमेस्सर क सही तरीके स सेवा करे की सिच्छा स सहमत नाहीं होत ह⁴तउ उ अंहकार में फूला बा अउर कछू भी नाहीं जानत ह। उ तउ कुतर्क करइ अउर सब्दन क लेइके झगड़इ क रोग स घिरा बाटइ। इन बातन स त ईसा, बैर, निन्दा-भाव अउर गाली-गलौज⁵अउर ओन लोगन क बीच जेकर बुद्धि बिगड़ गइ बा, कबहुँ न खत्म होइवाला मतभेद पैदा होत ह अउर भ्रष्ट दिमाग क अहइ, जउन सत्य क खोइ चुका अहइ। अइसेन लोगन क बिचार बा कि परमेस्सर क सेवा धन कमाइ क ही एक साधन अहइ।

⁶निस्चय ही परमेस्सर क सेवा-भक्ति स ही आदमी बहुत सम्पन्न बनत ह। पर ई ओन्हीं क बरे सत्य बा जउन ओसे संतुष्ट होइ जात ह, जउन ओका मिलत ह।⁷काहेकि हम संसारे में न तउ कछू लइके आइ रहे अउर न ही इहाँ स कछू लइके जाइ पाउब।⁸तउन अगर हमरे लगे रोटी अउर कपड़ा बा त हम उही में सन्तुष्ट हई।

⁹मुला जउन धनवान बनइ चाहत हीं, जे प्रलोभन में पड़िके जाल में फँसि जात हीं ओनका अइसेन ढेर मूर्खपना अउर बिनास करइवाली इच्छन घेरि लेत हीं जउन ओनकर पतन अउर बिनास होय जात ह।¹⁰काहेकि धन क पिरेम सब तरह क बुराइ क जनम देत ह। कछू लोग आपन इच्छन क कारण ही बिसवास स भटकि गवा हयेन अउर अपने क पीड़ित कइके कस्टमय समस्याआ का झेलत बाटेन।

याद रखइ जोग बातन

¹¹मुला हे परमेस्सर क लोग, तू इन बातन स दूर रहा अउर नेकी, परमेस्सर क सेवा, बिसवास, पिरेम धीरज, अउर सज्जन्ता में लगा रहा।¹²हमार बिसवास जउन उल्लिम स्पर्धा क अपेच्छा करत ह, तू उही क बरे संघर्ष करत रहा अउर अपने बरे अनन्त जीवन क अर्जित कइ ल्या। तोहका उही क बरे बोलावा गवा अहा। तू बहुत स लोगन क सामने उस परम सत्य का (ईसू मसीह का) बहुत अच्छे तरह स अंगीकार किहे अहा।

¹³परमेस्सर क सामने, जउन सब क जीवन देत ह अउर ईसू मसीह क सामने जे पुन्तियुस पिलातुस क सामने बहुत अच्छी साच्छी दिहे रहा, मई तौहका इ हुकुम देत हउँ कि ¹⁴जब तलक हमार पभू ईसू मसीह परगट होत ह, जब तलक तोहे जउन हुकुम दीन्ह गवा बा, तू उही पर बिना कउनउ कबहुँ छोड़े निर्दोस भाव स चलत रहा। ¹⁵उ ओह पइ धन्य, एक छत्र, राजा लोगन क राजा अउर सम्राटन क पभू क उचित समझ आए पइ घटित करी।

¹⁶उ अगम प्रकास क निवासी अहइ। ओका न केउ देखे बा, न केउ देखि सकत ह। ओकर सम्मान अउर ओकर अनन्त सक्ती क बिस्तार होत रहइ। आमीन।

¹⁷वर्तमान युग क चीजन क कारण जउन लोग अमीर बने भए अहई, ओन्हे आज्ञा द्या कि उ पचे अभिमान न करई। अउर ओह धने स जउन जल्दी चला

आई कउनउ आसा न रखई। परमेस्सर पर ही आपन आसा टिकावेई जउन हमका हमार आनन्द क बरे सब कछू भरपूर देत ह। ¹⁸ओनका आज्ञा देई कि उ पचे अच्छा अच्छा काम करई। अच्छा कामन स ही धनी बनई। उदार रहई अउर दूसरन क साथे आपन चीज बाँटई। ¹⁹अइसेन करई स ही उ पचे एक सरगे क खजाना क संचय करिहीं जउन भविष्य क बरे मजबूत नींव सिद्ध होई। इहीं स उ सच्चा जीवन क थामे रइहीं। ²⁰तीमुथियुस! तोहे जउन सँउपा गवा बा, तू ओकर रच्छा करा। बेकार क संसारी बातन स बचा रहा। अउर जउन "झूठा गियान" स सम्बन्धित बेकार क विरोधी बिसवासी हयेन, ओनसे दूर रहा काहेकि ²¹कछू लोग यह दावा करत हीं कि वे इसे "गियान" क जानत अहा, पर उ वास्तव में बिसवासे स दूर चला जात हीं। परमेस्सर क अनुग्रह तोहरे साथे रहई।

तीमुथियुस क दूसरी पत्र

1 पौलुस कईती स जउन परमेस्सर क इच्छा स ईसू मसीह क प्रेरित अहइ। अउर जेका मसीह ईसू में जीवन पावइ क प्रतिज्ञा क प्रचार करइ के बरे भेजा गवा बा।

२पियारा बेटवा तीमुथियुस क नाउँ: परमपिता अउर हमरे पभू मसीह ईसू कईती स तोहे अनुग्रह दया अउर सान्ति मिलइ।

धन्यवाद अउर उत्साह

३रात दिन आपन पराथनन में हमेसा तोहर याद करत भवा, मई ओह परमेस्सर क धन्यवाद करत हउँ, अउर ओकर सेवा अपने पूर्वजन क रीति क अनुसार सुद्ध मने स करत हउँ। ४मारे बरे तू जउन आँसू बहाए अहा, ओकर याद कइके मई तोहसे मिलइ क आतुर हउँ, ताकि आनन्द स भर उठउँ! ५मोका तोहार उ सच्चा बिसवास भी याद बा जउन पहिले तोहार नानी लोइस अउर तोहर महतारी यूनीके मैं रहा। मोका भरोसा बा कि उहइ बिसवास तोहरे भी मैं बा। ६इही बरे मई तोहे याद देवावत हउँ कि परमेस्सर क भेट क ओह जुवाला क जलाइ राखा जउन तोहे सब क मिली रही जब तोह प मई आपन हाथ रखे रहेउँ। ७काहेकि परमेस्सर तउ हमका जउन आतिमा दिहे बाटइ, उ हमका कायर नाहीं बनवत बल्कि हमका सकती, पिरेम, अउर आत्मसंयम स भरि देत ह।

८इही बरे तू हमरे पभू या मोर, जउन ओनके बरे बन्दी बना भवा बा, साच्छी देइ स लजा जिना। बल्कि तोहका परमेस्सर जउन सकती दिहे बाटइ, ओसे परमेस्सर क सकती दुआरा जातना झेलइ मैं मोर साथ द्या। ९उहइ हमका रच्छा किहेस अउर पवित्र जीवन क बरे हमका बोलाए अहइ-हमार आपन ओह कीन्ह कर्मन क आधार प नाहीं, बल्कि ओकरे आपन ओह प्रयोजन अउर अनुग्रह क अनुसार जउन परमेस्सर द्वारा मसीह ईसू में हमका पहिले ही अनादिकाल स सऊँप दीन्ह गवा बा। १०परन्तु अब हमार बचावइवाले ईसू मसीह क परगत होइ क साथे-साथे हमरे बरे प्रकासित कीन्ह गवा बा। उ मउत क अन्त कइ दिहेस अउर जीवन अउर अमरता क सुसमाचार क द्वारा प्रकासित किहे बाटइ। ११इही सुसमाचार क फइलावइ क बरे मोका एक प्रचारक, प्रेरित अउर सिच्छक क रूप मैं नियुक्त कीन्ह गवा बा।

१२अउर इहइ कारण अहइ जेहसे मई एन बातन क दुख उठावत अहउँ। अउर फिन भी लजित नाहीं हउँ काहेकि जेह प मई बिसवास किहे हउँ, मई ओका जानत हउँ अउर मई इ मानत हउँ कि उ मोका जउन सँऊपे अहइ, उ ओकर रच्छा करइ मैं समर्थ बाटइ जब तलक उ दिन* आवइ, १३ओह अच्छी सिच्छा क जेका तू मोसे सुने अहा, ओका बिसवास अउर पिरेम में, जो मसीह ईसू मैं अहइ ओकर आपन आदर्स सिच्छा बनाए रहा।

१४हमरे भीतर निवास करइवाली पवित्र आतिमा क द्वारा तू उस सत्य की रच्छा करा, जउन तोहका सँउपा गवा बा।

१५जइसेन कि तू जानत ह कि उ सभन जउन एसिया में रहत हीं, मोका छोड़ ग रहेना। फुग्लुस अउर हिरमुगिनेस ओनहीं मैं स अहई। १६उनेसिफुरुस क परिवारे प पभू दया करइ। काहेकि उ कइयउ अवसरन प मोका सुख पहुँचाए रहा। अउर उ मोरे जेल में रहइ स समाज नाहीं। १७बल्कि उ तउ जब रोम आवा रहा, जब तलक मोसे मिल नाहीं लिहेस, जतन स मोका निरन्तर ढूँढत रहा। १८पभू करइ ओका, ओह दिन पभू कईती स दया मिलइ, ओ इफिसुस मैं मोरी तरह-तरह स जउन सेवा किहेस ह कउनो तरह स उ सेवा किहेस ओका तू अच्छी तरह स जानत अहा।

मसीह ईसू क सच्चा सिपाही

2 जहाँ तक तोहर बात बा, मोर बेटवा! मसीह ईसू मैं मिलइ वाली अनुग्रह स मजबूत होइ जा, २बहुत स लोगन क साच्छी मैं मोसे तू जउन कछू सुने अहा, ओका ओन बिसवास करइ जोगग मनइयन क सँऊप द्या जउन दुसरे उ केउ क भी सिच्छा देई मैं समर्थ होइ। ३जउन यातना सबइ आवइँ ओनका मिलकर सामना करा। जातना झेलई मैं मसीह ईसू क एक अच्छा सैनिक क समान सेवा करत रहा। ४अइसे सबहिं जउन सैनिक क समान सेवा करत हीं अपने आप क साधारण जीवन क जंजाल मैं नाहीं फँसउतेन काहेकि उ अपने सासक अधिकरियन क खुस करई क बरे कोसिस करत रहत

दिन अरथ अहइ उठइ दिन जब सबहीं मनइयन क निआव करइ बरे मसीह आइ अउर ओनका अपने संग रहइ बरे लइ जाइ।

हीं।⁵ अउर अइसेनइ अगर केउ कीहीउ दउड़इ वाली प्रतियोगितन में हींसा लेत ह अउर नियमन क नमानइ, तउ ओका विजय क मुकुट ओह समइ तलक नाहीं मिलत, जब तलक कि उ नियमन क पालन करत करत प्रतियोगितन में भाग नाहीं लेत।⁶ किसान जो मेहनत करत ह इ उपज क सबसे पहिला भाग पावइ क अधिकारी अहइ।⁷ मई जउन बताइत हउँ; ओह प बिचार करा। पर्भू तोहे सब कछू समझइ क छमता प्रदान करी।

⁸ मसीह ईसू क खियाल करत रहा जउन मरे हुअन में स फिन स जिन्दा होइ उठा ह अउर जउन दाऊद क बंसज अहइ। इहइ ओह सुसमाचार क सार अहइ जेकर मई उपदेस देत हउँ⁹ इही बरे मई जातना झेलत अहउँ। इहाँ तलक कि एक अपराधी क नाई मोका जंजीरन स जकड़ दीन्ह गवा बा। परन्तु परमेस्सर क बचन तउ बन्धन रहित बा।¹⁰ इही कारण परमेस्सर क चुना गवा लोगन क बरे मई हर दुख उठावत रहत हउँ ताकि उ पचे भी ईसू मसीह में मिलइ वाली महिमामयी अउर अनन्त उद्धार क साथे मिलि सकइँ।

¹¹ इ बचन बिसवासे क जोगग अहइ कि:

अगर हम ओकरे साथे मरा हई, तउ उही क साथे जिअब,

¹² अगर हम दुख स्वीकार करत अही। त ओकरे साथे सासन भी करबा अगर हम ओका छोड़ तजबइ, तउ तजि देइ उहउ हमका,

¹³ हम चाहे बिसवास हीन होइ प उ बिसवासी हमेसा-हमेसा बिसवास योग्य बना रही काहेकि नाहीं होइ सकत उ आलिमा निसेधी मिथ्यावादी, अपनेन ही बरे।

स्वीकृत कार्यकर्ता

¹⁴ लोगन क इन बातन क धियान देवावत रहा अउर परमेस्सर क साच्छी कइके ओन्हे सावधान करत रहा कि उ सब्दन क लइक लड़ाई झगड़ा न करा। अइसेन लड़ाई झगड़ा स कउनउ लाभ नाहीं होत, बल्कि एनका जे सुनत हीं, उहउ का नस्ट कर देत ह।¹⁵ अपने आप क परमेस्सर द्वारा ग्रहण करइ जोगग बनाइके एक अइसे सेवक क रूप में पेस करइ क यत्न करत रहा जेहसे कउनउ बात क बरे सरमाई क जरूरत न होइ। अउर जउन परमेस्सर क सत्य बचन क सही ढंग स उपयोग करत ह।¹⁶ अउर अधार्मिक अउर अर्थहीन बातन स बचा रहत ह काहेकि इ बात लोगन क परमेस्सर स बहुत दूर लइ जात ह।¹⁷ अइसेन लोगन क सिच्छा नासूर क तरह फइले। हुमिनयुस अउर फिल्लेतुस अइसेन ही अहइँ।¹⁸ जउन सच्ची सिच्छा स भटक गवा हयेन। ओनकर कहब बा कि पुनरुत्थान अब तलक होइ चुका बा। इ सबइ कछू लोगन क बिसवास क खराब करत

हयेन।¹⁹ कछू भी होइ परमेस्सर तउ जेह केतना ही मजबूत नींव क डाए अहइ, उ मजबूती क साथे खड़ी बा। ओह प अंकित बा, “पर्भू अपने भक्तन क जानत ह।” * अउर “उ हर एक, जउन कहत ह कि उ पर्भू क अहइ ओका दुस्तता स बचा रहइ चाही।”

²⁰ एक बड़ाके घरे में बस सोना-चाँदी क ही बर्तन त नाहीं होत हीं, ओहमाँ लकड़ी अउर मिट्टी क बरतन भी होत हीं। कछू विसेस उपयोग क बरे होत हीं अउर कछू साधारण उपयोग क बरे।²¹ इही बरे अगर आदमी अपने आपके बुराइयन स साफ कइ लेत ह तउ उ विसेस उपयोग क बनी ह। अउर फिन पवित्र बनिके अपने सुवामी क बरे उपयोगी सिद्ध होई। अउर कउनउ अच्छा कामे क बरे तइयार रही।

²² जवानी क बुरी इच्छन स दूर रहा, धार्मिक जीवन, बिसवास, पिरेम अउर सान्ति क बरे ओन्हन सब क साथे जउन सुद्ध मने स पर्भू प बिसवास करत हीं, पुकारत हीं, कोसिस करत रहा।²³ मूर्खता स भरा, बेकार क तर्क बितर्क स हमेसा बचा रहा। काहेकि तू जानत ह कि एनसे लड़ाइ-झगड़ा पैदा होत ह।²⁴ अउर पर्भू क सेवक क तउ झगड़इ न चाही। ओका तउ सब प दया करइ चाही ओका सिच्छा देइ में जोगग होइ चाही। ओका सहनशील होइ चाही।

²⁵ ओका अपने विरोधियन क भी विनम्रता क साथे समझइ चाही। और परमेस्सर ओनका हिरदय बदल देइ ताकि ओनका सत्य क गियान होइ जाइ²⁶ अउर उ सचेत होइ क सइतान क ओह फन्दा स बचि निकरइँ जेहमाँ सइतान ओनका जकड़ी रखे बाटइ ताकि उ पचे परमेस्सर क इच्छा क अनुसरण कइ सकइँ।

अन्तिम दिन

3 याद रखअ अन्तिम दिन मँ हम पे बहुत खराब समइ आइ।² लोग अपसब्द निकारिहीं, महतारी-बाप क अवहेलना करइवाला, निर्दय, अपवित्र, ³ पिरेम रहित, छमा-हीन, निन्दक, असंयमी, बर्बर, जउन कछू अच्छा बा ओकर विरोधी, ⁴ बिसवासाघाती, अविवेकी, अहंकारी अउर परमेस्सर पिरेमी होइ क अपेक्षा सुखवादी होइ जइहीं।⁵ उ धरम क देखावटी रूप क पालन तउ करिहीं परन्तु ओनके भितर सक्ती क नकार देइहीं। ओनसे हमेसा दूर रहा।⁶ काहेकि एनमे स कछू अइसेन हयेन जउन घरे मँ घुस पइठि कइके पापी, दुबल इच्छा सक्ती क पापसे भरा हर तरह क इच्छन स चलायमान स्त्रियन क वस मँ कइ लेत हीं।⁷ इ सबइ स्त्रियन सीखइ क जतन तउ हमेसा करत रहत हीं, परन्तु सत्य क सभन गियान तलक उ कभउँ नाहीं पहुँच पउतिन।⁸ यन्नेस अउर यम्ब्रेन्स तउ जइसेन मूसा क विरोध किहे

रहेन, वइसेन ही इ लोग सच क विरोधी अहईं। इ लोगन क बुद्धि भ्रष्ट बा अउर बिसवास क अनुसरण करइ में ये असफल हयेन। ⁹परन्तु ये अउर जियादा आगे नाहीं बढ पइहीं काहेकि जइसे यन्नेस अउर यम्नेस क मूर्खता परगट होइ गइ वइसे ही एनकइ मूर्खता भी परगट होइ जाई।

अन्तिम आदेस

¹⁰परन्तु, कछू भी होइ मोर सिच्छा क पालन किहे अहा। मोर जीवन की राह, मोरे जीवन क उद्देस, मोर अटल बिसवास, मोर सहनशीलता, मोर पिरेम, मोर धीरज ¹¹मोर ओन्हन सबइ यातना अउर सबइ पीड़ा में मोर साथ दिहे अहा तू त जनबई करत ह कि अन्ताकिया, इकुनियुम अउर लुख्ना में मोक केतेंना भयानक यातना दीन्ह गइ रही जेका मई सहे रहेउँ। परन्तु पभू त ओ सबसे मोर रच्छा किहेस। ¹²उ समइ परमेस्सर क इच्छा क अनुसार जउन जिअइ चाहत हीं, सतावा ही जइहीं। ¹³परन्तु पापी अउर ठगन दुसरन क छलत भए अउर खुद छला जात भए खराब स खराब होत चला जइहीं।

¹⁴परन्तु तू जउने बातन क सीछ्या ह अउर मान्या ह, ओन्हे करत जा। तू जानत ह कि ओह पर बिसवास कइ सकत ह जेनेसे इ बातन क तू सीखे रहया। ¹⁵अउर तोहका पता बा कि तू बचपन स ही पवित्तर सास्तरन क भी जानत अहा। उ पचे तोहका ओह विवेक क दइ सकत हीं जेका मसीह ईसू बिसवास क द्वारा छुटकारा मिलि सकत ह। ¹⁶हर एक पवित्तर सास्तर परमेस्सर क प्रेरणा स रचा गवा बा। उ लोगन क उचित जीवन का संदेस देत ह। उ लोग क सत्य क सिच्छा देइ ओनका सुधारइ ओन्हे ओनकर बुराइयन दर्सावइ अउर पवित्तर तथा सुद्ध जीवन क प्रसिच्छन में उपयोगी बा। ¹⁷जेका परमेस्सर क हर एक सेवक सास्तरन क प्रयोग करत रहत सब तरह क अच्छा कामन क करइ क बरे समरथ अउर साधन सम्पन्न होइ।

4 परमेस्सर क साछी कइके अउर मसीह ईसू क आपन साछी बना इ क जउन सबहिं जिअत अउर जउन मरि चुका बाटेन, ओनकइ निआउ करइवाला अहइ, अउर काहेकि ओकर फिन स आगमन अउर ओकर राज्य लगे बा, मई तोहसे सपथ स हुकुम देत हउँ। ²सुसमाचार क प्रचार लगातार करा। चाहे तू पचन क सुविधा होइ या असुविधा आपन कर्तव्य करत रहा। लोगन क का करइ चही, ओनका समझावा। जबहिं उ पचे बुरा काम करई ओनका समझावा लोगन क धीरज दइके समझावत भए ओनका प्रोत्साहित करइ चाही। यह सब धीरज और सावधानी स दी गइ सिच्छा द्वारा करा। ³मई इ एह बरे बतावत हउँ कि एक समइ अइसा आई जब लोग अच्छा उपदेस क सुनब तक न चइहीं उ आपन इच्छन क कारण अपने बरे बहुत स गुरु एकट्ठा कइ

लेइहीं, जउन उहइ सुनइहीं जउन उ पचे सुनइ चाहत हीं। ⁴उ पचे आपन कानन क सत्य स फेर लेइहीं अउर कल्पित सबइ कथा प धियान देइ लगिहीं। ⁵परन्तु तू निस्चय स सब परिस्थितियन में संयमी रहया, सबइ यातना झेला अउर सुसमाचार क प्रचार क काम करा। जउन सेवा तोहका सजैपी गइ बा, ओका पूरा करा।

⁶जहाँ तक मोर बात बा, मई तउ अब अर्थ क सामान उँडेला जाइ पर हउँ। अउर मोर तउ एह जीवन स विदा लेइ क समइ भी आइ पहुँचा अहइ। ⁷मई उत्तम स्पर्धा में लगा रहा हउँ। मई आपन दउड़-दउड़ चुका हउँ। मई बिसवास क रास्ता क रच्छा किहे हउँ। ⁸अब विजय मुकुट मोर प्रतिच्छा में बा। जउन अच्छे जीवन क बरे मिलइ क बा। ओह दिना निआउ कर्ता पभू मोका विजय मुकुट पहिराई। न केवल मोका, बल्कि ओन्हन सभन क जउन पिरेम क साथे ओकरे परगट होइ क बात जोहत रहत हीं।

निजी सनेस

⁹मोसे जेतेंना जल्दी होइ सकइ, मिलइ आवइ क पूरी जतन करा। ¹⁰काहेकि एह जगत क मोह में पड़िके देमास तउ मोका तियाग दिहे अहइ अउर उ थिस्सलुनीके चला गवा बा। ब्रेस्वैक्स गलातिया क अउर तीतुस दलमतिया क चला गवा बा।

¹¹केवल लूका ही मोरे लगे बा। मरकुस क लगे जाब अउर जब तू आवा, ओका अपने हाथे लइ आवा काहेकि मोर काम में उ मोरे बहुत सहायक होइ सकत ह। ¹²तुखिकुस को मई इफिक्सुस भेजत अहउँ।

¹³जब तू आवा, तउ ओका कोट के, जेका मई त्रोआस में करपुस क घरे छोड़ि आइ रहेउँ, लइ आवा। मोर कितबियन, विसेस कर चमड़े क चिटठन क लइ आवा।

¹⁴ताम्रकार सिकन्दर तउ मोका बहुत हानि पहुँचाए अहइ। उ जइसेन किहे अहइ, पभू ओकरे करमन क अनुसार ओका वइसेन फल देई, ¹⁵तूहउँ ओसे सचेत रहा काहेकि उ मोर उपदेस क घोर विरोध करत रहा बाटइ।

¹⁶सुरू में जब मई आपन बचाव पेस करइ लागउँ तउ मोर पच्छ में कउनो सामने नाहीं आवा। बल्कि ओन्हन तउ मोका अकेलइ छोड़ि दिहे रहेन। परमेस्सर करई ओन्हे एकर हिसाब न देइ पड़इ।

¹⁷मोरे पच्छ में त पभू खड़ा होइके मोका सक्ती दिहेस। ताकि मोरे द्वारा सुसमाचार क भरपूर प्रचार होइ सकइ, जेका सभन गैर यहूदियन सुनि पावई। सिंह क मुँह स मोका बचाइ लीन्ह गवा बा। ¹⁸कीहींउ पाप क भारी हमला स पभू मोका बचाई अउर अपने सरग क राज्य में सुरच्छा स लइ जाई। ओकर महिमा हमेसा हमेसा होत रहइ। आमीन।

पत्र क समापन

¹⁹प्रिस्का, अक्विला अउर उनेसिफुरुस क परिवार क नमस्कार कह्या। ²⁰इरास्तुस कुरिन्थुस मँ ठहर गवा बा। मँ त्रुफिमुस क ओकरी बीमारी क कारण मीलेतुस मँ छोड़ दिहे अहउँ।

²¹जाड़ा स पहिले आवइ क जतन करा। यूबुलुस, पुदेंस, लिनुस अउर क्लौदिया अउर सभन भाइयन क तोहे नमस्कार पहुँचइ।

²²पभू तोहरे साथे रहइ। तू सब प पभू क अनुग्रह होई।

तीतुस क पत्र

1 पौलुस कइँती स जेका परमेस्सर क चुना भआ प्रेरित लोगन क ओनका बिसवास में सहायता देइ क बरे अउर हमरे धरम क सच्चाई क पूरा गियान क रहनुमाई क बरे भेजा गवा बा, इ सच, लोगन क परमेस्सर की सेवा क मार्ग बताइ। ²उ मई अइसेन एह बरे करत हउँ कि परमेस्सर क चुने हुअन क अनन्त जीवन क आस बाँधइ। परमेस्सर, जउन कभउँ झूठ नाहीं बोलत, अनादि काल स अनन्त जीवन क बचन दिहे अहइ। ³उचिते समइ पइ परमेस्सर अपने सुसमाचार क संसार क जानकारी बरे परगट किहेसा। उहइ संदेस हमार उद्धारकर्ता परमेस्सर क आज्ञा स मोका सँपैपा गवा बा।

⁴हमार समान बिसवास में मोर सच्चा बेटवा तीतुस कः हमरे परमपिता परमेस्सर अउर उद्धारकर्ता मसीह ईसू कइँती स अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

क्रीत में तीतुस क काम

⁵मई तोहे सबन क क्रीत में एह बरे छोड़ रहेउँ कि उहाँ कछू अधूरा रही गवा बा, तू ओका ठीकठाक कइ द्या अउर मोरे आदेस क अनुसार हर नगर में बुजुर्गन क नियुक्त करा। ⁶बुजुर्ग क नियुक्त तबहिं कीन्ह जाइ जब उ निर्दोस होइ। एक पत्नी ब्रती होइ। ओकर बचवन बिसवासी होइँ अउर अनुसासनहीनता क दोस ओनपर न लगावा जाइ सकइ। अउर उ पचे निरकुंस भी न होइँ। ⁷निरीच्छक क निर्दोस अउर कउनउ खराबी स अछूता होइ चाही। काहेकि जेका परमेस्सर क काम सँपैपा गवा बा, ओका अड़ियल, चिड़चिड़ा, बहुत जियादा मदिरा पियइवाला, झगड़ालू, नीच कमाई क लोलुप न होइ चाही। ⁸बल्कि ओका तउ अतिथियन क आवभगत करइवाला, नेकी क चाहइवाला, विवेक स भरा, धर्मी, भगत, अउर अपने प नियन्त्रण रखइवाला होइ चाही। ⁹ओका ओह बिसवास करइ जोग संदेसा क मजबूती स धारण किहे रहइ चाही जेकर ओका सिच्छा दीन्ह गइ अहइ, ताकि उ लोगन क सदसिच्छा दइके ओन्हे प्रबोधित कइ सकइ। अउर जउन एनकर विरोधी होइँ, ओनकर खण्डन कइ सकइ।

¹⁰इ एह बरे इ बहुत जरुरी बा काहेकि उ सबइ बहुत अहइँ अउर उ पचे उपद्रवी होइके व्यर्थ क बात बनावत भए दुसरन क भटकावत हीं। मई विसेसरूप स गैर

यहूदियन पृष्ठभूमि क लोगन क उल्लेख करत हउँ।

¹¹ओनकर तउ मुँह बन्द कीन्ह देइ जाइ चाही। काहेकि उ पचे जउन बातन नाहीं सिखावइ क बाटिन, ओन्हे सिखावत भए घर बिगाड़त रहत हीं। खराब रस्तन स धन कमाइ क बरे ही ओ अइसेन करत हीं। ¹²एक क्रीत क नबियन त अपने लोगन क बारे में खुद कहे बाटइ: “क्रीत क निवासी हमेसा झूठ बोलत हीं, उ पचे जंगली पसु अहइँ, उ सबइ आलसी बाटेन, पेटू अहइँ।”

¹³इ कथन सही बा, इही बरे ओनका बलपूर्वक डाँटा-फटकारा ताकि उ सत्य बिसवास क अनुसरण कइ सकइ। ¹⁴यहूदियन क पुरान कथनन अउर ओन्हन लोगन क हुकुमन पइ, जउन सत्य स भटक गवा हयेन, कउनउ धियान न द्या। ¹⁵पवित्तर लोगन क बरे सब कछू पवित्तर बाटइ, मुला जउन पापे स अमुद्ध अहइँ अउर जेनमों बिसवास नाहीं बा, ओनके बरे कछू भी पवित्तर नाहीं बा। वरन ओनकर मन अउर विवेक दुइनों ही अमुद्ध अहइँ। ¹⁶उ पचे परमेस्सर क जानइ क दावा करत हीं। मुला ओनकर करम दर्सावत हीं कि ओ पचे ओका जनबइ नाहीं करतेन। उ पचे घृणित अउर आज्ञा क उल्लंघन करइवाला अहइँ। अउर कउनउ अच्छा काम क करइ में उ असमर्थ अहइँ।

सच्ची सिच्छा क अनुसरण

2 मुला तू हमेसा अइसेन बात बोला करा जउन सदसिच्छा क अनुकूल होइँ। ²बूढ़े मनइयन क उपदेस द्या कि उ सालीन अउर अपने प नियन्त्रण रखइवाला बनइँ। उ पचे गंभीर, विवेकी, पिरम अउर सत्य सिच्छा क अनुसरण करइवाला होइँ, अउर धीरज सहित सहनशील होइँ।

³इही तरह बुढ़िया स्त्रियन क सिखावा कि उ पचे पवित्तर जनन क जोग अच्छा व्यवहारवाली बनइँ। निन्दक न बनइँ अउर बहुत जियादा मदिरा पान क लत ओनका न होइ। उ अच्छी-अच्छी बातन सिखावइवाल बनइँ जेहि का उ पचे खुद पालन किए अहइँ। ⁴ताकि युवतियन क अपने-अपने बचवन अउर पतियन स पिरम करइ क सीख देइ सकइँ। ⁵जेहसे उ पचे संयमी, पवित्तर, अपने-अपने घरन क देखभाल करइवाली, दयालु, अपने पतियन की आज्ञा मानइवाली बनइँ। जेका परमेस्सर क बचन क निन्दा न होइ। ⁶इही तरह जवानन क सिखावत रहा कि उ सबइ संयमी बनइँ।

⁷तू अपने आप क अच्छे कामन का उदाहरण बनावा। तोहार उपदेस सुद्ध अउर गम्भीर होइ चाही। ⁸अइसेन सद्वानी क प्रयोग करा, जेकर आलोचना न कीन्ह जाइ सकइ ताकि तोहार विरोधी लज्जित होई काहेकि ओनके लगे तोहरे विरोध में खराब कहइ क कछू नाहीं होइ। ⁹दासन क सिखावा कि उ सब बात में अपने स्वामियन क आज्ञा क पालन करई। ओन्हें प्रसन्न करत रहई। उलट कर बात न बोलई। ¹⁰चोरी चालाकी न करई। बल्कि सभन बिसवासनीयता क प्रदर्शन करई। ताकि हमार उद्धारकर्ता परमेस्सर क उपदेस क सब तरह स सोभा बढइ।

¹¹काहेकि परमेस्सर क अनुग्रह सब मनइयन क उद्धार करइ बरे परगट भवा बा। ¹²एहसे हम सीख मिलत ह कि हम परमेस्सर विहीनता क न नकारी अउर संसारिक इच्छन क निसेध करत-करत अइसेन जीवन जिई। जउन विवेक स भरा नेक, भक्ति स भरपूर अउर पवित्तर होइ। आज क एह संसार में ¹³आसा क ओह धन्य दिन क परिपूर्ण करइ क बात जोहत रही। जब हमार परम परमेस्सर अउर उद्धारकर्ता ईसू मसीह क महिमा परगट होई। ¹⁴उ हमरे बरे अपने आपके दइ डाएस। ताकि उ सब तरह क दुस्तन स हमका बचाइ सकी अउर आपन चुने भाए लोगन क रूप में अपने बरे हमका सुद्ध कइ ले हमका, जउन अच्छा काम करइ क लालायित अहइ। ¹⁵इन बातन क पूरे अधिकार क साथ कहत अउर समझावत रहा, उत्साहित करत रहा अउर विरोधियन क झिड़कत रहा। ताकि कोई तोहार अनसुनी न कइ सकइ।

जीवन क उत्तिम रीति

3 लोगन क याद देवोंवत रहा कि उ पचे राजा लोग अउर अधिकरियन क अधीन रहई। ओनके आज्ञा क पालन करई। सब तरह क उत्तिम कामन क करइ क बरे तइयार रहई। ²कीहीउ क निन्दा न करई। सान्ति-पिरेम क साथ सभो लोगन स मिलकर रहई। अउर सज्जन बनई। सब लोगन क साथे नरम व्यवहार करई। ³इ मई एह बरे बतावत हई काहेकि हम हूँ, एक समइ रहा, जब मूर्ख रहे। आज्ञा क उल्लंघन करत रहे। भ्रम में पड़ा रहे। अउर सबइ वासना अउर सब तरह क सुख-भोग क दास बना रहे। हम स लोग घिना करत हीं। अउर हम भी परस्पर एक दूसरन स दुस्तता अउर

ईर्सा करत रहेन। हम पचन स लोग घिना करत रहेन अउर हम पचे भी ओनसे घिना करत रहेन। ⁴मुला जब हमार उद्धारकर्ता परमेस्सर क मानवता क बरे दया अउर पिरेम परगट भवा ⁵उ हमार उद्धार किहेस। इ हमार निर्देस ठहराइ जाइके बरे हमार कीहीउ काम द्वारा नाहीं भवा बल्कि ओकरी करुणा द्वारा भवा। उ हमार रच्छा ओह स्नान क द्वारा किहेस जेहमाँ हम फिन पइदा होइत ह अउर पवित्तर आत्मा क द्वारा नवा बनावा जात अहीं। ⁶उ हम प पवित्तर आत्मा क हमार उद्धारकर्ता ईसू मसीह क द्वारा भरपूर उँडरे बा। ⁷अब परमेस्सर हमका आपन करुणा क द्वारा निर्देस ठहराए बा ताकि जेकर हम आसा करत रहेन ओह अनन्त जीवन क उत्तराधिकार क पाइ सकी। ⁸इ कथन बिसवास करइ क जोगग बा अउर मई चाहत हई कि तू पचे इन बातन पर डटा रहा ताकि उ पचे जउन परमेस्सर में बिसवास करत हीं, अच्छा कामन में लगा रहई। इ बातन लोगन बरे उत्तिम अउर हितकारी बाटिन। ⁹वंसावलि सबन्धी विवादन, व्यवस्था सम्बन्धी झगड़ा-झमेलन अउर मूर्खता भरा मतभेदन स बचा रहअ काहेकि ओनसे कउनउ लाभ नाहीं उ सबइ बेकार अहई। ¹⁰जउन आदमी फूट डालत होइ, ओसे एक या दुइ बार चेतावनी देइके अलग होइ जा। ¹¹काहेकि तू जानत अहा कि अइसा मनई रस्ता स भटकि गवा बा अउर पापन क करत बाटइ। उ तउ खुद अपने क दोसी ठहराए बाटइ।

याद रखइ क कछू बातन

¹²मई तोहरे लगे जब अरतिमास या तुखिकुस क भेजई तउ मोरे लगे निकुपुलिस आवइ क भरपूर जतन करा काहेकि हम उहइ सर्दी बितावइ क निश्चय कइ रखेउ ह। ¹³वकील जेनास अउर अपुल्लोस क ओनकी जात्रा क बरे जउन कछू आवस्यक होइ, ओकरे बरे तू भरपूर सहायता जुटाइ द्या ताकि ओन्हे कउनउ बात क कउनो कमी न रहइ। ¹⁴हमरे लोगन क सतकर्मन में लगा रहब सीखइ चाही। ओहमें स भी जेनका बहुत जियादा जरूरत होइ, ओका पूरा करब ताकि उ पचे विफल न होई। ¹⁵जउन मोरे साथे हयेन, ओ सब क तोहे नमस्कार। हमरे बिसवास क कारण जउन लोग हमसे पिरेम करत हीं, ओन्हेक नमस्कार।

परमेस्सर क अनुग्रह तू सबके साथे रहइ।

फिलेमोन क पत्र

ईसू मसीह क बरे बन्दी बना पौलुस अउर हमार भाई तीमुथियुस कइँती सः हमार प्रिय दोस्त अउर सहकर्मी फिलेमोन,

²हमार बहिन अफफिया, हमार साथी सैनिक अर्खिप्पुस अउर तोहरे घरे पर एकट्ठा होइवाली कलीसिया कः

³उ हमार परमपिता परमेस्सर अउर पभू ईसू मसीह कइँती स तोहे पचन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

फिलेमोन क पिरेम अउर बिसवास

⁴आपन पराथना में तोहार उल्लेख करत भए मई हमेसा अपने परमेस्सर क धन्यवाद करत हउँ। ⁵काहेकि मई संत जनन बरे तोहरे ओई पिरेम अउर बिसवास क चर्चा सुनत हउँ, जो पभू ईसू अउर समस्त पबित्तर लोगन क प्रति अहइ।

⁶मोर पराथना बा कि तोहरे बिसवास स पइदा उदार सहभागिता लोगन क मार्ग दरसन करइ। जेहसे ओन्हे सभन अच्छी चीजन क गियान होइ जाइ जउन मसीह क उद्देस क आगे बढ़ावइ मैं हमरे बीच घटत होत रहिन बाटिन। ⁷हे भाई, तोहार कोसिसन स संत जनन क हीरदइ हरा-भरा होइ ग हयेन, इही बरे तोहरे पिरेम स मोका बहुत आनन्द अउर प्रोत्साहन मिला बा।

उनेसिमस क भाई स्वीकारा

⁸इही बरे मई बिसवास करत हउँ कि मसीह मैं मोका तोहरे कर्तव्यन क बारे मैं हुकुम देइ क अधिकार बा ⁹मुला पिरेम क आधार प मई तोहसे निवेदन करब ही ठीक समझत हउँ। मई पौलुस जउन अब बूढ़ा होइ चला हउँ अउर मसीह ईसू क बरे अब भी बंदी बना हुआ हउँ। इही उचित अहइ कि तोहसे सबन स आग्रह करउँ।

¹⁰मई उ उनेसिमस क बारे मैं निवेदन करत हउँ, कि जउन जब तब मोर धरम पुत्र बना रहा जेकर मई बंदी गृह मैं रहेउँ।

¹¹एक समइ रहा जब उ तोहरे कउनउ काम क नहीं रहा, मुला अब न केवल तोहरे बरे बल्कि मोरे बरे भी उ बहुत काम क अहइ।

¹²मई ओका फिन स तोहरे लगे भेजत हउँ (बल्कि मोका तउ कहइ चाही अपने हिरदइ क ही तोहरे लगे भेजत हउँ) ¹³मई ओका इहाँ अपने लगे ही रखइ चाहत रहेउँ, ताकि सुसमाचार क बरे मोह बन्दी क उ तोहरी तरफ स सेवा कइ सकइ। ¹⁴मुला तोहरी आज्ञा क बिना मई कछू भी करइ नहीं चाहित ताकि तोहार इ भलाई दबाव स नहीं बल्कि स्वेच्छा स ही होइ।

¹⁵होइ सकत ह कि ओका थोड़े समइ क बरे तोहसे दूर रहइ क कारण इहइ होइ कि तू ओका फिन हमेसा बरे पाइ ल्या। ¹⁶दास क रूपे मैं नहीं, बल्कि दास स जियादा एक प्रिय बन्धु क रूपे मैं। मई ओसे बहुत पिरेम करत हउँ किन्तु तू ओका अउर जियादा पिरेम करब्या। केवल एक मनुष्य क रूप मैं ही नहीं बल्कि पभू मैं स्थित एक बन्धु क रूपे मैं भी।

¹⁷तउ यदि तुम मोका आपन दोस्त क रूप मैं स्वीकार करत ह, तब उनेसिमस क वापस स्वीकार कइ ल्या। ओकर ऐसा सुआगत करा, जैसा कि तुम मोर सुआगत किहा ह। ¹⁸अउर अगर उ तोहार कउनो प्रकार स हानि पहुँचाएस अथवा कउनो वस्तु बरे तोहार कर्जीदार अहइ। तउ ओका हमरे खाता मैं लिख द्या। ¹⁹मई पौलुस खुद आपन दस्तखत स इहइ लिखत हउँ। ओकर भरपाई तोहका मई करबइ। (मोका इ बतावइ क जरूरत नहीं बा कि तोर सम्पूर्ण जीवन ही मेरा ऋणी बा। ²⁰हाँ भाई मोका पभू मैं तोहसे इ लाभ पहुँचइ कि मसीह मैं मोर हिरदय हरा भरा होइ जाइ। ²¹तोह पइ बिसवास रखत इ चिट्ठी मई तोहका लिखत हउँ। मई जानत हउँ कि तोहसे मई जेतना कहत हउँ, तू ओसे कहुँ जियादा करब्या।

²²साथ ही मैं मोरे बरे निवास का भी प्रबन्ध करा, काहेकि मोर आसा अहइ कि तोहार सब पराथना क परथनावन द्वारा मई तोहका सउँप दिया जाउँ। ²³मसीह ईसू मैं रहई क मोर साथी बन्दी इपफ्रास क तोहे सबन क नमस्कार।

²⁴मोर साथी कार्यकर्ता मरकुस, अरिस्तर्खुस, देमास अउर लूका क तोहे नमस्कार पहुँचइ। ²⁵पभू ईसू मसीह क अनुग्रह तोहरे आत्मा क साथ रहइ।

इब्रनियन क पत्र

परमेस्सर अपने पूत क माध्यम स बोलत ह

1 परमेस्सर त अतीत में नबियन क जरिये कइयउ अवसरन प कउनउ तरह स हमरे पूर्वजन स बातचीत किहेस।

²मुला इन आखिरी दिने में उ हमसे अपने पूत क जरिये बातचीत किहेस, जेका ओ सब कछू क उतराधिकारी नियुक्त किहेस अउर जेकरे द्वारा उ समूचे ब्रह्माण्ड क रचना किहेस।

³उ पूत परमेस्सर क महिमा क प्रभा-मण्डल अहइ अउर ओकरे प्रकृति क प्रतिलिपि अहइ। उ अपने समर्थ बचन क द्वारा सब चीजन क स्थिति बनाए रखत ह। सबके पापन क धोअइ क उ सरगे में ओह महामहिम क दहिने हाथे बइठि गवा। ⁴एह तरह उ सरगदूतन स एतना ही महान बनि गवा जेतना कि ओनके उ किहेन। उ सबइ नाउँ स उत्तिम नाउँ बाटइ जउन उ उत्तराधिकार में पाए अहइ।

⁵काहेकि परमेस्सर तउ कउनो सरगदूतन स कभी अइसेन नाहीं कहेस:

“पूत तू मोर, आजु तोहार बनि गवा हउँ मई पिता।”

भजन संहिता 2:7

अउर न ही कउनो सरगदूत स उ इ कहेस ह,

“पिता ओकर मई बनबइ, अउर होइ पूत उ मोर।”

2 समूएल 7:14

⁶अउर फिन उ जब आपन पहिलौटी क लड़का अउर महत्वपूर्ण कसंसार में लावत ह तउ कहत ह,

“परमेस्सर क सरगदूतन सब ओकर नमन करइँ।”

व्यवस्था विवरण 32:43

⁷सरगदूतन क बारे में बतावत उ कहत ह,

“सरगदूतन उ अपने सब पवन बनावइ अउर बनावइ आपन सेवक लपट आगी का।”

भजन संहिता 104:4

⁸मुला अपने पूत क बारे में उ कहत ह:

“हे परमेस्सर, सास्वत तोहर सिंहासन बा, तोहार राज दण्ड बाटइ नेकी;

⁹ नेकी ही तोहका पिआरी बा, तोहका घृणा रही पापन स तउन परमेस्सर, तोहर परमेस्सर तउ चुना बा तोहका अउर ओह महान आनन्द दिहेस। तोहका कहुँ जियादा तोहरे साथियन सा।”

भजन संहिता 45:6-7

¹⁰उ इहउ कहत ह,

“हे परभू सृस्टि क जब होत रहा जन्म मैं तुमने सरग तथा धरती क नींव राख्या यह तोहरे हाथ का ही कारज अहइँ।

¹¹ अउर इ सब नस्त होइ जइहीं मुला रहेगा तू चिरन्तर पुरान कपड़ा स फटि जइहीं इ सबइ

¹² अउर तू परिधान जइसेन ओनका लपेटब्या बदल उ जइहीं फिन कपड़ा जइसेन। मुला तू तउ अहसेन, जैसा की चाह्या रहब्या तोहरे समइ का कबहुँ न अन्त होई।”

भजन संहिता 102:25-27

¹³परमेस्सर त कबहुँ कउनो सरगदूत स अइसेन नाहीं कहेस:

“बइठ जा तू दहिने मोरे कि ब जब तलक मई न तोहरे दुस्मनन क, चरन क चौकी बनाइ देउँ चरन तल तोहरे।”

भजन संहिता 110:1

¹⁴का सबहिं सरगदूत उद्धार पावइवालन क सेवा क बरे पठई गईन सहायक आत्मा नाहीं अहइँ।

सावधान रहइ क चेतावनी

2 एह बरे हमका अउर जियादा सावधानी क साथे, जउन कछू सुने अही, ओह प धियान देइ चाही ताकि हम भटकइ न पाइ। ²काहेकि अगर सरगदूतन द्वारा दीन्ह गवा उपदेस सत्य होत ह अउर ओकरे हर

एक उल्लंघन अउर अवज्ञा क बरे उचित सजा दीन्हा गवा तउन अगर हम अइसेन महान उद्धार क अपेच्छा कइ देत अही तउ हम दण्ड स कइसे बची।³ एह उद्धार क पहिली घोसना पर्भू क जरिये की गइ रही। अउर फिन जे एका सुने रहेन, उ हमरे बरे एकर पुस्टि किहेस।⁴ परमेस्सर तउ अचरजन, अद्भुत चिन्हन तरह-तरह क अद्भुत कारजन उ पवित्तर आतिमा क उन उपहारन द्वारा जउन ओकर इच्छा क अनुसार बाँटा गवा रहा, एका प्रमाणित किहेस।

उद्धारकर्ता मसीह क मानुस देह धारण

⁵ओह भावी संसार क, जेकर हम चरचा करत अही उ सरगदूतन क अधीन नाहीं किहेस, ⁶बल्कि पवित्तर सास्तरन में कउनउ स्थान पर कउनो इ साच्छी दिहे अहइ:

“परमेस्सर का बा मनई जउन तू ओकर सुध लेत अहा? का अहइ हर मनई क पूत जेकरे बरे अहा चिंतित तू?

⁷ तू सरगदूतन स किंचित ओका कम कीहा तनिक स समइ क रख दिहा ओका सिर महिमा अउर सम्मान क राजमुकुट

⁸ अउर ओकरे चरनन तरे ओकरे अधीनता में रख दिहा सभन कछू।”

भजन संहिता 8:4-6

सब कछू क ओकरे अधीन रखत भाए परमेस्सर तउ कछू भी अइसेन नाही छोड़ेस जउन ओकरे अधीन न होइ। फिन भी आजकल हम हर एक चीज क ओकरे अधीन नाहीं देखत हई।⁹ मुला हम इ देखित हई कि उ ईसू जेका तनिक समइ क बरे सरगदूतन स नीचे कइ दीन्ह गवा रहा, अब ओका महिमा अउर सम्मान क मुकुट पहिनावा गवा बा काहेकि उ मउत क यातना झेले रहा। जे परमेस्सर क अनुग्रह क कारण उ हर एक लोग क बरे मउत क अनुभव किहेस।¹⁰ परमेस्सर एक ही बाटइ जउन सबहि चीजन क बनएस। अउर सबहि चीजन ओकरी महिमा बरे अहई। कइयउ बेटवन क महिमा प्रदान करत भवा उ परमेस्सर क बरे जेकरे द्वारा अउर जेकरे बरे सब क अस्तित्व बना भवा बा, तउ उ ईसू क पूर्ण बनाएस। ओकरे बेटवन क इ सोभा देत ह कि उ ओनके छुटकारा क विधाता क जातनन क द्वारा पूरा सिद्ध करइ।

¹¹उ दुइनउँ ही-उ (ईसू) जउन मनई क पवित्तर बनावत ह अउर उ पचे जउन पवित्र बनाव जात हीं, एक्कई परिवा क अहई। इहीं बरे उ (ईसू) ओन्हन क भाइयन तथा बहिनियन कहइ मैं लजा नाहीं करत ह।¹² ईसू कहेस,

“आपन भाइयन मैं नाउँ क उद्घोस तोहरे मई करबइ सभा क बीच सबके सामने प्रसंसा गीत तोहरे गउबइ मई।”

भजन संहिता 22:22

¹³अउर फिन,

“मई ओकर बिसवास करबइ”

यसायाह 8:17

अउर फिन उ कहत ह:

“मई इहाँ हउँ। अउर उ पचे सन्तान जउन हइन साथे मोरे हई दीन्ह जेनका मोरे परमेस्सर।”

यसायाह 8:18

¹⁴काहेकि संतान माँस अउर लहू स युक्त रही इही बरे ऊहउ ओनकइ इ मानुसता मैं सहभागी होइ गवा ताकि अपने मउत क जरिये उ ओका मतलब सइतान क खतम कइ सकइ जेकरे लगे मारइ का सकती बाटइ।¹⁵ अउर ओन्हन क मुक्त कइ लेइ जेकर सम्पूर्ण जीवन मउत क बरे आपने भय क कारण दासता मैं बीता बा।¹⁶ काहेकि उ निश्चित बा कि उ सरगदूतन नाहीं बल्कि इब्राहीम क बंसजन क सहायता भी करत अहइ।¹⁷ इही बरे उ सब तरह स ओकरे भाइयन क जइसा बनाव गवा ताकि उ परमेस्सर क सेवा मैं दयालु अउर बिसवासी महायाजक बनि सकइ। अउर लोगन क ओनके पापन क छमा देवोंवइ क बरे बलि दइ सकइ।¹⁸ काहेकि उ खुदइ ओह समइ, जब ओकर परीच्छा लीन्ह जात रही खूबइ जातना भोगे अहइ। इही बरे जेकर परीच्छा लीन्ह जात बाटइ उ ओकर सहायता करइ मैं समर्थ बा।

ईसू मूसा स महान

3 अतः सरगे क एक बोलावा मैं भागीदार हे पवित्तर भाइयो! आपन ध्यान ओह ईसू प लगाइ रखा जउन परमेस्सर क प्रतिनिधि अउर हमार घोसित बिसवास क अनुसार महायाजक अहइ।² जइसेन परमेस्सर क समूचा घरे मैं मूसा बिसवासी रहा वइसे ही ईसू भी जे ओका नियुक्त किहे रहा ओह परमेस्सर क बरे, बिसवास स भरा रहा।³ जइसेन घर क निर्माण करइवाला खुद घर स जियादा आदर पावत ह, वइसेन ईसू मूसा स जियादा आदर का पात्र माना गवा अहइ।⁴ काहेकि हर एक भवन क कउनउ न कउनउ बनावइ वाला होत ह, मुला परमेस्सर तउ सब चीज क सिरजनहार अहइ।⁵ परमेस्सर क समूचा घराना मैं मूसा एक सेवक क समान बिसवास पात्र रहा, उ ओन्हन बातन का साच्छी रहा जउन बिसवस मैं परमेस्सर क जरिये कही जाइ क रहिन।⁶ मुला परमेस्सर

क घर में मसीह तउ एक बेटवा क रूपे में निस्टावान योग्य अहइ अउर अगर हम अपने साहस अउर ओह आसा में बिसवास क बनाए रखित तउ हम ही ओकर घराना हई।

अबिसवासियन क विरुद्ध चेतावनी

⁷एह बरे पवित्तर आतिमा कहत ह:

- “आज अगर ओकर सुना आवाज़,
⁸ जिन करा आपन हिरदय क जड़ रहेन किहे जइसेन बगावत क दिना में जब तू पचे रेगिस्तान में परमेस्सर क परखे रहया
⁹ मोका परखेन तोहार पूर्वजन तउ, लिहेन परीच्छा धीरज क मोर ओ सबइ अउर देखेन काम मोर जेहे मई करत रहेउं चालीस बरस!
¹⁰ इहइ रहा उ कारण जेसे क्रोधित मई ओन्हन लोगन स रहेउं; अउर फिन मई कहे रहेउं, ‘हिरदय एनकइ भटकत रहत रहेन हमेसा ही का नाहीं इ जानतेन जउन रस्ता मोर’
¹¹ क्रोध में मई इही स तब सपथ लइके कहे रहेउं ‘इ कबहुँ बिग्राम में मोरे न सामिल होइहीं।’”

भजन संहिता 95:7-11

¹²भाइयो तथा बहिनियो, देखत रहा कहुँ तोहमों स कउनो क मन में पाप अउर अबिसवास न समाइ जाइ जउन तोहे सजीव परमेस्सर से भी दूर भटिकाइ देइ। ¹³जब तलक इ “आजु” क दिना कहवावत ह, तू हर दिन परस्पर एक दुसरे क बाँडेस बंधावत रहा जइसेन तोहमों स कउनउ पाप क छलावा में पड़िके जड़ न बनि जाए। ¹⁴अगर हम अंत तक मजबूती क साथे अपने आरम्भ क बिसवास क थामे रहित ह तउ हम मसीह क भागीदार बनि जाइत ह। ¹⁵जइसेन कि कहा भी गवा बा:

“आजु अगर ओकर सुना आवाज़! न करा आपन हिरदय क जड़ रहे किहे जइसेन कि बगावत क दिनन में।”

भजन संहिता 95:7-8

¹⁶भला उ पचे कउन रहेन जइसेन उ पचे सुनेन अउर बिरोह किहेन? का उ पचे उहइ सब नाहीं रहेन जेहे मूसा तउ मिश्र स बचाइ क निकाले रहा? ¹⁷उ चालीस बरसन तलक केन पड़ि क्रोधित रहा? का ओनहीं प नाहीं जे पाप किहे रहेन अउर जेनकर ल्हास रेगिस्तान में पड़ा रहेन? ¹⁸परमेस्सर केनके बरे सपथ उठाए रहा कि उ पचे ओकर बिग्राम में प्रवेस न कर पइहीं? का उ पचे उहइ सब नाहीं रहेन जे ओनके आज्ञा क उल्लंघन

किहे रहेन? ¹⁹एह तरह हम देखित अही कि उ पचे अपने अबिसवासे क कारण ही उहाँ प्रवेस पावइ में समर्थ नाहीं होइ सका रहेन।

4 अतः जब ओकरे बिग्राम में प्रवेस क प्रतिज्ञा अब तलक बनी भइ बाटइ तउ हमका सावधान रहइ चाही कि तोहरे में स कउनउ अनुपयुक्त सिद्ध न होइ। ²काहेकि हमकउ ओनही क समान सुसमाचार क उपदेस दीन्ह गवा बा। मुला जउन उपदेस ओ पचे सुनेन ह, उ ओनके बरे बेकार बा। काहेकि उ पचे जब ओका सुनेन तउ एका बिसवास क साथे धारण नाहीं किहेन। ³अब देखा, हम तउ जउन बिसवासी अही ओह बिग्राम में प्रवेस पाए अही। जइसेन कि परमेस्सर कहे भी बाटइ:

“क्रोध में मई इही स तब सपथ लइके कहे रहेउं, ‘इ पचे कबहुँ बिग्राम में मोरे नाहीं सामिल होइहीं।’”

भजन संहिता 95:11

जब संसार क सृष्टी करइ क बाद ओकर काम पूरा होइ गवा रहा। ⁴उ सतवाँ दिना क सम्बन्ध में एन सब्दन में कहुँ पवित्तर सास्तर न में कहा बाटइ “अउर फिन सतवें दिना आपन सभन कामन स परमेस्सर तउ बिग्राम लिहेस।” * ⁵अउर फिन उपरोक्त सन्दर्भ में भी उ कहत ह, “उ पचे कबहुँ बिग्राम में मोर न सामिल होइहीं।”

⁶जेनका पहिले सुसमाचार सुनावा गवा रहा आपन अनाज्ञाकारिता क कारण उ तउ बिग्राम में प्रवेस नाहीं पाइ सकेन मुला अउरन क बरे बिग्राम क दुवार अबक खुला बा। ⁷इही बरे परमेस्सर तउ फिन एक बिसेस दिन निश्चित किहेस अउर ओका नाउं दिहेस, “आजु” कछू बरसन क बाद दाऊद क दुवार परमेस्सर तउ उ दिन क बारे में पवित्तर सास्तर में बताए रहा। जेकर उल्लेख हम अबहीं किहे रहे:

“आजु अगर ओकर सुना आवाज़, न करा आपन हिरदय क जड़।”

भजन संहिता 95:7-8

⁸अतः अगर यहाँसु ओनका बिग्रामे में लइ गवा होत तउ परमेस्सर बाद में कउनउ अउर दिना क बारे में न बतउतइ। ⁹तउ खैर जउन भी होइ परमेस्सर क भक्तन क बरे एक वइसी बिग्रान्ति रहत अहइ जइसेन बिग्रान्ति सातवें दिना परमेस्सर क रही। ¹⁰काहेकि जउन कउनो परमेस्सर क बिग्रान्ति में प्रवेस करत ह, अपने करमन स बिग्रान्ति पाइ जात ह। वइसेन ही जइसेन परमेस्सर तउ अपने करमन स बिग्रान्ति पाइ लिहेस। ¹¹तउ आवा हमहुँ

“अउर ... लिहेस” उत्पत्ति 2:2

ओह बिभ्रान्ति मैं प्रवेस पावइ क बरे हर एक प्रयत्न करीं। ताकि ओकर अनाज्ञाकारिता क उदाहरण क करत भए कउनो क पतन न होइ।

¹²परमेस्सर क बचन त सजीव अउर क्रियासील बा, उ कउनो दुधारी तलवार से भी जियादा पैना बा। उ आतिमा अउर प्राण, संधियन अउर मज्जा तलक मैं गहिरा बेध जात ह। उ मन क वृत्तियन अउर बिचारन क परख लेत ह। ¹³परमेस्सर क दिस्टी स एह समूचे सृष्टी मैं कछू भी ओझल नाहीं बाटइ। ओकरे आँखिन क सामने जेका हमका लेखा-जोखा देइ क बा, हर चीज बिना कउनो आवरण क उघड़ी हुई बाटइ।

महान महायाजक ईसू

¹⁴एह बरे काहेकि परमेस्सर क पूत ईसू एक अइसेन महान महायाजक अहइ, जउन सरगे मैं स होइके गवा अहइ तउ हमका अपने अंगीकृत अउर घोसित बिसवास क दृढता क साथे थामे रखइ चाही। ¹⁵काहेकि हमरे लगे जउन महायाजक अहइ, उ अइसेन नाहीं अहइ जउन हमार कमजोरी क साथे सहनुभूति न रख सकइ। ओका हर तरह स वइसेन ही परखा गवा बा जइसेन हमका फिन भी हमेसा पाप रहित बा। ¹⁶त फिन आवा हम भरोसा क साथे अनुग्रह पावइ परमेस्सर क सिंहासन कइँती बड़ी ताकि जरूरत पड़इ प हमार सहायता क बरे हम दया अउर अनुग्रह क पाइ सकीं।

5 हर एक महायाजक मनइयन स ही चुना जात ह। अउर परमात्मा सम्बन्धी बिसयन मैं लोगन क प्रतिनिधित्व करइ क बरे नियुक्ति कइ जात ह ताकि उ पापन क बरे भेंट य बलिदान चढ़ावइ। ²काहेकि उ खुद भी कमजोरन क अधीन अहइ, इही बरे उ ना समझन अउर भटकन भएन क साथे कोमल व्यवहार कइ सकत ह। ³इह बरे ओका अपने पापन क बरे अउर वइसेन लोगन क पापन क बरे बलिदान चढ़ावइ पड़त ह। ⁴एह सम्मान क कउनो अपने प नाहीं लेत। जइसेन कि हारून क समान परमेस्सर कइँती स ठहरावा न जात। ⁵इही तरह मसीह तउ महायाजक बनइ क महिमा क खुद ग्रहण नाहीं किहेस बल्कि परमेस्सर तउ ओसे कहेस,

“तू अहा मोर पूत बना हउँ आजु, मइँ तोहार पिता।”

भजन संहिता 2:7

⁶अउर एक उ स्थान प उहउ कहत ह,

“तू अहा एक सास्वत याजक, मलिकिसिदक क जइसा।”

भजन संहिता 110:4

⁷ईसू तउ एह धरती पे क जीवन काल मैं जउन ओका मउत स बचाइ सकत ह, ऊँचे सुर मैं पुकारत भए अउर रोबत भए ओसे सबइ पराथना अउर सब बिनती किहे रहा अउर आदरपूर्ण समर्पण क कारण ओकर सुनी गइ। ⁸जद्यपि उ ओकर बेटवा रहा फिन भी जातना झेलत हुए उ आज्ञा क पालन करइ सीखेस। ⁹अउर एक दाई सम्पूर्ण बनि जाइ प उ सब क बरे जउन ओकरी आज्ञा क पालन करत हीं उ अनन्त छुटकारा क स्रोत बनि गवा। ¹⁰अउर परमेस्सर क जरिये मलिकिसिदक* क परम्परा मैं ओका महायाजक बनावा गवा।

पतन क बिरुद्ध चेतावनी

¹¹एकरे बारे मैं हमारे लगे कहइ क बहुत कछू बा, प ओकर ब्याख्या कठिन बा काहेकि तोहार समझ बहुत धीमी बाटइ। ¹²सही मैं एह समइ तलक तउ तोहे सबन क सिच्छा देइ वाला बनि जाइ चाही रहा। परन्तु तोहे पचन क तउ अबहिन कउनउ अइसेन मनई क जरूरत बा जउन तोहे सबन क नवा सिरे स परमेस्सर क उपदेस क आरम्भिक बात ही सिखावइ। तोहे सबन क तउ बस अबहिन दूध ही चाही ठोस आहार नाहीं। ¹³जउन अबहीं दुध-मुँहा बच्चा ही अहईँ ओका धरम क बचन क पहिचान नाहीं होत

¹⁴मुला ठोस आहार तउ ओन बड़न क बरे होत ह जे अपने आत्मिक दृष्टि क प्रसिच्छन स भला-बुरा मैं पहिचान करब सीख लिहे अहईँ।

6 अतः आवा, मसीह सम्बन्धी आरम्भिक सिच्छा क छोड़िके हम मजबूती कइँती बड़ी हमका ओन बातन कइँती अउर न बढ़इ चाही जइसेन हम सुरुआत कीन्ह जइसेन मउत कइँती लइ जाइवाला करमन क बरे मनफिराव, परमेस्सर मैं बिसवास, ²बपतिस्मावन* क सिच्छा, हाथ रखइ, मरइ क बाद फिन स जी उठइ अउर उ निआव जइसेन हमार भावी अनन्त जीवन निश्चित होई। ³अउर अगर परमेस्सर चाहेस तउ हम अइसेन ही करबइ।

⁴⁻⁶जेनका एक बार प्रकास मिली चुका अहइ, जउन सर्गीय बरदान क अस्वादन कइ चुका होई, जउन पवित्तर आतिमा क सहभागी होइ गवा अहईँ जउन परमेस्सर क बचन क उत्तिमताई अउर आवइवाला जुग क सक्रियन क अनुभव कइ चुका अहईँ, अगर उ भटकि जाईँ तउ ओनका मनफिराव कइँती लउटाइ लेब असम्भव बा। उ पचे जइसेन अपने ढंग स नवा सिरे स परमेस्सर क पूत

मलिकिसिदक इब्राहीम क समइ क एक याजक अउर बड़का महाराजा रहा। उत्पत्ति 14:17-22

बपतिस्मावन बपतिस्मावन स हिआँ या तउ अरथ मसीही बपतिस्मा स बाइइ या यहूदी रीति क पानी मैं बुड़की लेइ क बपतिस्मा स।

क फिन स क्रूस पचड़ाएन अउर ओका सबक सामने अपमान क बिसय बनाएन।

⁷उ लोग अइसेन धरती क जइसेन अहई जउन हमेसा होइवाली बरखा क जल क सोख लेत ह, अउर जोतइ-बोवइवालन क बरे उपयोगी फसल प्रदान करत ह, उ परमेस्सर क असीस पावत ह। ⁸मुला अगर उ जमीन प कांटा अउर गोखरू उपजावत ह, तउ उ बेकार कअहई। अउर ओका अभिसप्त अहइ क भय बा। अंत में ओका जलाइ दीन्ह जाई।

⁹फिआरे दोस्तन, चाहे हम एह तरह कहित ह मुला तोहरे बारे में हमका अइसेन अच्छी बातन क बिसवास बा-बातन जउन उद्धार स सम्बन्धित बाटिन। ¹⁰तू ओनके सब जन क सहायता कइके अउर हमेसा सहायता करत भए जउन परिम दरसाए अहा ओका अउर तोहार दुसरे कामन क परमेस्सर कबहुँ न भुलाई। उ अन्यायी नाहीं अहइ। ¹¹हम चाहित ह कि तोहमों स हर कउनो जीवन भर अइसेन ही दिन भर मेहनत करत रहइ। अगर तू अइसेन करत ह तउ तू निश्चित ही ओका पाइ जाब्या तू आसा करत रहे अहा। ¹²हम इ नाहीं चाहित कि तू आलसी होइ जा। बल्कि तू ओनकर अनुकरण करा जउन बिसवास अउर धीरज क साथे ओन्हन चीजन क पावत अहई जेनका परमेस्सर तउ बचन दिहे रहा।

¹³जब परमेस्सर इब्राहीम स प्रतिज्ञा किहे रहा, तब काहेकि खुद ओसे बड़का कउनो अउर नाहीं रहा, जेकर सपथ लीन्ह जाइ सकइ, इही बरे आपन सपथ लेत भवा। ¹⁴उ कहइ लाग, “निश्चित ही मई तोहका आसीर्वाद देबइ अउर मई तोहका कइयउ बंसज भी देबइ।” * ¹⁵अउर एह तरह इब्राहीम धीरज क साथे बाटे जोहइके बाद उ इ पाएस जेकर उ प्रतिज्ञा कीन्ह गइ रही।

¹⁶लोग ओकर सपथ लेतहीं जउन कउनो ओसे महान होत ह अउर उ सपथ सबहिं तर्क-बितर्कन क अन्त कइके जउन कछू कहा जात ह, ओका पक्का कइ देत ह। ¹⁷परमेस्सर एका ओन्हा पंचन क बरे, कुल तरह स्पष्ट कइ देइ चाहत रहा, जेका ओन्हे पावइ क रहा, जेका देइ क उ प्रतिज्ञा किहे रहा कि उ अपने प्रयोजन क कबहुँ न बदलइ। इही बरे अपने वचन क साथे उ आपन सपथ क जोड़ दिहेस। ¹⁸तउ फिन हियाँ दुइ बात-हइन ओकर प्रतिज्ञा अउर ओकर सपथ-जउन कबहुँ नाहीं बदल सकतिन अउर जेकरे बारे में परमेस्सर कबहुँ झूठ नाहीं कहि सकत। इही बरे हम जउन परमेस्सर क लगे सुरच्छा पावइ क आइ अहइ अउर जउन आसा उ हमका दिहे अहइ, ओका थामे भए हई, अउर जियादा उत्साहित अही। ¹⁹इ आसा क हम आत्मा क सुदइ अउर सुनिश्चित लंगर क रूप में धरे अही। इ प्रदा क पीछे भितर स भितर अन्तरतम तलक पहुँचत ह। ²⁰जहाँ

ईसू तउ हमारे कइँती स हमसे पहिले प्रवेस किहेस। उ मलिकिसिदक क परम्परा में सदा हमेसा क बरे महा याजक बनि गवा।

याजक मलिकिसिदक

7 इ मलिकिसिदक सालेम क राजा रहा अउर सर्वोच्च परमेस्सर क याजक रहा। जब इब्राहीम राजा लोगन क पराजित कइके लउटत रहा त उ इब्राहीम स मिला अउर ओका आसीर्वाद दिहेस। ²अउर इब्राहीम तउ ओका उ सब कछू में स जउन उ युद्ध में जीते रहा ओकर दसवाँ भाग प्रदान किहेस (ओकरे नाउँ क पहिला अर्थ बा, “धार्मिकता क राजा” अउर फिन ओकर इ अर्थ अहइ, “सालेम क राजा” मतलब “सान्ति क राजा।”) ³ओकरे पिता या ओकरी महतारी अउर ओकरे पूर्वजन क कउनो इतिहास नाहीं मिलत ह। ओकर जन्म अउर मउत क कहुँ कउनउ उल्लेख नाहीं बा। परमेस्सर क पूत क समान ही उ हमेसा-हमेसा क बरे याजक बना रहत ह।

⁴तनिक सोचा, उ केतेंना महान रहा। जेका कुल प्रमुख इब्राहीम तलक तउ अपने प्राप्ति क दसवाँ भाग दिहे रहा। ⁵अब देखा व्यवस्था क अनुसार लेवी बंसज जउन याजक बनत ही लोगन स मतलब अपनी ही भाइयन स दसवाँ भाग लेई। जद्यपि ओनकर उ सबइ भाई इब्राहीम क बंसज अहई। ⁶फिन उ मलिकिसिदक जउन लेवी बंसी भी नाहीं रहा, इब्राहीम स दसवाँ भाग लिहेस। अउर उ इब्राहीम क आसीर्वाद दिहेस जेकरे लगे परमेस्सर क प्रतिज्ञा रही। ⁷एहमों कउनउ संदेह नाहीं रहा कि जउन आसीर्वाद देत ह उ आसीर्वाद लेइवाला स बड़ा होत ह। ⁸जहाँ तलक लेवियन क प्रस्न बा, ओहमों दसवाँ भाग ओन्हन मनइयन द्वारा एकट्ठा कीन्ह जात ह, जउन मरणसील हयेन मुला मलिकिसिदक क जहाँ तलुक प्रस्न बा दसवाँ भाग ओकरे दुवारा एकत्र कीहा जात ह, जउन पवित्र सास्तर क अनुसार अबहुँ जिन्दा अहई। ⁹तउ फिन कउनो इहाँ तलक कहि सकत ह कि उ लेवी जउन दसवाँ भाग एकट्ठा करत ह, उ इब्राहीम क जरिये दसवाँ भाग प्रदान कइ दिहेस। ¹⁰काहेकि जब मलिकिसिदक इब्राहीम स मिला रहा, तबउ लेवी अपने पूर्वजन क सरिर में वर्तमान रहा।

¹¹अगर लेवी सम्बन्धी याजकता द्वारा पूर्णता पाइ जाइ सकत काहेकि इही क आधार प लोगन क व्यवस्था दीन्ह गवा रहा। त कउनो दुसर याजक क आवइ क जरूरत इ का रही? एक अइसेन याजक क जउन मलिकिसिदक क परम्परा क होइ, न कि हारून क परम्परा का। ¹²काहेकि जब याजकता भी बदलत ह, तउ व्यवस्था में भी परिवर्तन होइ चाही। ¹³जेकरे विषय में इ सबइ बात कही गइ बाटिन, उ कउनो दुसरे गोत्र क अहइ, अउर ओह गोत्र क कउनो मनई कबहुँ वेदी क

सेवक नहीं रहा। ¹⁴काहेकि इ तउ स्पस्ट इ बा कि हमार पभू यहूदा क बंसज रहा अउर मूसा तउ ओह-गोत्र क बरे याजकन क बारे में कछू नहीं कहे रहा।

ईसू मलिकिसिदक क जइसन एक याजक हयेन

¹⁵अउर जउन कछू हमहूँ कहे हई अउर उ स्पस्ट बा कि मलिकिसिदक क जइसेन एक दुसर याजक प्रकट होत ह। ¹⁶उ आपन वंसावली क नियम क आधार प नहीं बल्कि एक अनन्त जीवन क सक्ती क आधार प याजक बना अहइ। ¹⁷काहेकि घोसित कीन्ह गवा रहा, "तू अहा एक याजक सास्वत मलिकिसिदक क जइसा!"*

¹⁸पहिला नियम एह बरे रद कइ दीन्ह गवा काहेकि उ कमजोर अउर बेकार रहा। ¹⁹काहेकि व्यवस्था तउ कउनो क सम्पूर्ण सिद्ध नहीं कियेस अउर एक अच्छी आसा क सूत्रपात कीन्ह गवा जेकरे द्वारा हम परमेस्सर क लगे खिंचित ह।

²⁰इ बात भी महत्वपूर्ण बा कि परमेस्सर तउ ईसू क सपथ क द्वारा महायाजक बनाए रहा। जबकि अउरन क बिना सपथ कउनो महायाजक बनावा गवा रहा। ²¹मुला ईसू तब एक सपथ स याजक बना रहा, जब परमेस्सर तउ ओसे कहे रहा,

"पभू तउ लिहे अहइ सपथ अउर उ कबहूँ नहीं बदली निज मत 'तू अहा एक तु याजक सास्वत!'"

भजन संहिता 110:4

²²इ सपथ क कारण ईसू एक अउर अच्छा करार क जमानत बन गवा बा।

²³अब देखा। अइसेन बहुत स याजक हुआ करत हीं जेन्हे मउत तउ अपने गोड़े प नहीं बनइ रहइ दिहेस।

²⁴मुला काहेकि ईसू अमर अहइ, इही बरे ओकर याजकपन भी हमेसा-हमेसा बना रहइवाला अहइ। ²⁵अतः जउन लोग ओकरे द्वारा परमेस्सर तक पहुँच हीं, उ ओनकर हमेसा क बरे उद्धार करइ में समर्थ अहइ, काहेकि उ ओनकर मध्यस्थता क बरे ही हमेसा जिअत ह। ²⁶अइसेन ही महायाजक हमार जरूरतन क पूरा कइ सकत ह, जउन पवित्तर होइ, दोस रहित होइ, सुद्ध होइ, पापियन क प्रभाऊ स दूर रहत होइ, सरग से भी जेका ऊँचा उठावा गवा होइ। ²⁷जेकरे बरे दुसर याजकन क समान इ जरूरी न अहइ कि उ दिन प्रतिदिन पहिले अपने पापन क बरे अउर फिन लोगन क पापन क बरे बलिदान चढ़ावइ। उ तउ हमेसा-हमेसा क बरे ओनके पापन ओनके पापन क बरे खुद अपने आप क बलिदान

कइ दिहेस। ²⁸काहेकि व्यवस्था दुर्बल लोगन क याजक क रूप में नियुक्त कियेस। मुला सपथ क बचन व्यवस्था क बाद आवा, उस बचन क द्वारा परमेस्सर बेटवा क महायाजक क रूप में नियुक्त कियेस जउन हमेसा हमेसा क बरे पूरा बनि गवा।

नवा करार क महायाजक

8 जउन कछू हम कहत अही कि, ओकर मुख्य बात इ बा: निश्चय ही हमरे लगे एक अइसा महायाजक बा जउन सरगे में ओह महा महिमावान क सिंहासन क दहिने हाथ बिराजमान अहइ। ²उ ओह पवित्तर गर्भ गृह में यानि स्वर्गिक रावटी, में जेका परमेस्सर तउ स्थापित किये रहा, न कि मनई, सेवा क काम करत ह।

³हर एक महायाजक क एह बरे नियुक्त कीन्ह जात ह उ भेंटन अउर बलिदान-डुनऊ क ही अर्पित करइ। अउर इही बरे एह महायाजक क बरे भी जरूरी रहा कि ओकरे लगे भी चढ़ावा क बरे कछू होइ। ⁴अगर उ धरती प होत तउ उ याजक नहीं होइ पावत काहेकि उहाँ पहिलेन स ही अइसेन मनई अहई जउन व्यवस्था क अनुसार भेंट-चढ़ावत हीं। ⁵पवित्तर आराधना स्थान में ओनकर सेवा-आराधना सरगे क यथार्थ क एक छाया नकल अहइ। इही बरे जब मूसा पवित्तर रावटी क निर्माण करइवाला रहा, तबइ ओका चेतावनी दइ दीन्ह गइ रही: "ध्यान रहइ कि तू हर चीज ठीक उही प्रतिरूप क अनुसार बनावा जउन तोहका पर्वत प देखावा गवा रहा।" ⁶मुला जउन सेवा काम ईसू क मिला बा, उ ओनके सेवा काम स स्प्रेस्ट बा। काहेकि उ जेह करार क मध्यस्थ अहइ उ पुरान करार स भी उत्तम अहइ अउर उत्तम चीजन क सबइ प्रतिज्ञा प अधारित बा।

⁷काहेकि अगर पहिला करार में कउनउ खोट नहीं होत तउ दुसरे करार क बरे कउनउ स्थान इ नहीं रही जात। ⁸मुला परमेस्सर क ओहन लोगन में खोट मिला। उ कहेस:

"पभू घोसित करत ह, आवत अहइ उ समइ करबइ, जब मई इम्राएल क घराना स यहूदा क घराना स एक नवा करार

⁹ इ करार होई न वइसेन जइसेन किये रहेउँ मई ओनके पूर्वजन क साथ ओह समइ जब मई ओनकर हाथ मिश्र स निकाल लइयावइ बरे पकड़े रहेउँ काहेकि पभू कहत ह, उ मोरे करार में बिसवास नहीं रखत मई ओनसे गुँह फेर लिहेउँ।

¹⁰ इ बा उ करार जेका मई इम्राएल क घराना स करबइ। अउर फिन ओनके बाद पभू घोसित करत ह ओनके मन में निज व्यवस्था बसउबइ मई ओनके हिरदय प लिखि देवइ

मई ओनका परमेस्सर बनबइ अउर उ मोर जन होइहीं।

- 11 फिन तउ कबहुँ कउनो जन अपने पड़ोसी क, अइसेन न सिखावइ या कउनो जन न अपने भाइयन स कबहुँ कही तू पर्भू क पहचाना। काहेकि तब त ओ सभन छोट से लइ के बड़न से बड़न मोका जनिहीं तलक।
- 12 काहेकि मई ओनके दुस्ट करमन क छमा करबइ अउर कबहुँ ओनके पापन क याद न रखबइ।”

यिर्मयाह 31:31-34

¹³एह करार क नवा कहिके उ ओनसे पहिले क व्यवहार क अयोग्य ठहरायेस। अउर जउन पुरान पड़त अहइ अउर व्यवहार क अयोग्य अहइ, उ त फिन जल्दी ही लुप्त होइ जाई।

पुराने करार क आराधना

9 अब देखा पहिले करार मँ ही आराधना क नियम रहेन। अउर एक मनई क हाथन क बना आराधना घर भी रहा। ²एक रावटी बनाइ गइ रही जेकरे पहिले कच्छ मँ दीपाधार रहेन, मेज रहिन, अउर भेंट क रोटी रही। एका पवित्तर स्थान कहा जात रहा। ³दुसरे परदा क पीछे एक अउर कमरा रहा जेका परम पवित्तर कहा जात बा। ⁴एहमन सुगंधित सामग्री क बरे सोना क वेदी अउर सोना क मड़ी करार क पेटी रही। एह पेटी मँ सोना क बना फन्ना क एक पात्र रहा, हारून क उ छड़ी रही जेह पर कोपल फूटी रही अउर करार क पत्थर क पतरा रहेन। ⁵पेटी क ऊपर परमेस्सर क महिमामय उपस्थिति क प्रतीक यानि करूब बना रहेन जउन छमा क स्थान पर छाया क करत रहेन। मुला एह समइ हम इन बातन क बिस्तार क साथे चर्चा नाहीं कइ सकित।

⁶सब कछू क एह तरह व्यवस्थित होइ जाइ क बाद याजक बाहरी कच्छ मँ प्रति दिन प्रवेस कइके आपन सेवा क काम करइ लागेन। ⁷मुला भीतर कच्छ मँ केवल महायाजक ही प्रवेस करत रहा अउर उहऊ साल मँ एक दाई। उ बिना ओह लहू क कबहुँ प्रवेस नाहीं करत रहा जेका उ खुद अपने द्वारा अउर लोगन क द्वारा अनजाना मँ कीन्ह गए पापन क बरे भेंट चढ़ावत रहेन। ⁸एकरे द्वारा पवित्तर आतिमा इ दरसावा करत रहा कि जब तलक अबहिँ पहिली रावटी खड़ी भई बा, तब तलक परम पवित्तर स्थान क रस्ता उजागर नाहीं होइ पावत। ⁹इ आनु क जुग क बरे एक प्रतीक अहइ जउन इ दरसावत ह कि भेंट अउर बलिदान जेका अर्पित कीन्ह जात बा, आराधना करइवालन क चेतना क सुद्ध नाहीं कइ सकत। ¹⁰इ सबइ तउ बस खाइपिअइ अउर कइयउ पर्व बिसेस-स्थानन क बाहेर क नियम अहई

अउर नइ व्यवस्था क समइ तक क बरे ही इ लागू होत हीं।

मसीह क लहू

¹¹मुला अब मसीह इ अउर अच्छी व्यवस्था क, जउन अब हमरे लगे बा, महायाजक बनिके आइ गवा बा। उ ओह जियादा अच्छी अउर पूरी रावटी मँ स होइ क प्रवेस किहेस जउन मनइयन क हाथन क बनाइ भइ नाहीं रही। मतलब जउन सांसारिक नाहीं बा। ¹²बकरन अउर बछड़न क लहू क लइके उ प्रवेस नाहीं किहे रहा बल्कि सदा हमेसा क बरे भेंट सरूप अपनेन ही लहू क लइके परम पवित्तर स्थान मँ ओकर प्रवेस भवा रहा। एह तरह उ हमरे बरे पापन स सदा काल क छुटकारा सुनिश्चित कइ दिहे बा।

¹³बकरन अउर साँड़न क खून अउर बछिया क भभूत क ओनपइ छिड़का जाव, असुद्धन क सुद्ध बनावत ह ताकि उ सबइ बाहरी तउर प स्वच्छ होइ जाई। ¹⁴जब इ सच बा तउ मसीह क लहू केतना प्रभावसाली होइ। उ अनन्त आतिमा क द्वारा अपने आपक एक पूरी तरह बलि क रूप मँ परमेस्सर क समर्पित कइ दिहेस। तउन ओनकर लहू हमरे चेतना क ओन्हन करमन स छुटकारा देवाई जउन मउत क ओर लइ जात हीं ताकि हम सजीव परमेस्सर क सेवा कइ सकीं।

¹⁵इही कारण स मसीह एक नवा करार क बीचउलिया बना ताकि जेनका बोलावा गवा बा, उ उत्तराधिकार क अनन्त आसीबाद पाइ सकई जेनकर परमेस्सर तउ प्रतिज्ञा किहे रहा। अब देखा, पहिले करार क अधीन कीन्ह गएन पापन स ओहे छुटकारा दियावइ क बरे फिरौती क रूप मँ उ आपन प्रान तलक दइ चुका अहइ। ¹⁶जहाँ तलक बसीयतनामा क प्रस्न बा, तउ ओकरे बरे जे ओका लिखे अहइ, ओकरी मउत क प्रमाणित कीन्ह जाव जरूरी बाटइ। ¹⁷काहेकि कउनउ बसीयतनामा केवल तबहिँ प्रभावी होत ह जब ओका लिखइवालन क मउत होइ जात ह। जब तलक ओका लिखइवाला जिन्दा रहत ह, उ कबहुँ प्रभावी नाहीं होत।

¹⁸इही बरे पहिला करार भी बिना एक मउत अउर लहू क गिराए स काम सुरू नाहीं कीन्ह गवा। ¹⁹मूसा जब व्यवस्था क प्रत्येक आदेस क सब लोगन क घोसना कइ चुका तउ उ जल क साथे बकरन अउर बछड़न क लहू क लाल ऊन अउर हिसप क टहनियन स चर्म फत्रन अउर सभन लोगन पे छिड़क दिहे रहा। ²⁰उ कहे रहा, “इ उ करार क लहू अहइ, परमेस्सर जेकरे पालन क आज्ञा तोहे सबन क दिहे अहइ।” ²¹उ इही तरह रावटी आराधना उत्सव मँ काम आवइवाली सब चीज प लहू छिड़के रहा। ²²सही या व्यवस्था चाहत ह कि अक्सर हर चीज क लहू स सुद्ध कीन्ह जाइ। अउर बिना लहू बहाए छमा हई या नाहीं ही बाटइ।

मसीह क बलिदान पापन क थोड़ डालत ह

²³ त फिन इ जरूरी बा कि चीजन जउन सरगे क प्रतिकृति बाटिन, ओन्हे पसुवन क बलिदानन स सुद्ध कीन्ह जाइ मुला सरग क चीजन त एनहूँन स अच्छी बलिदानन स सुद्ध कीन्ह जाइ क अपेच्छा करत ह। ²⁴ मसीह तउ मनइयन क हाथन क बना परम पवित्रर स्थान में, जउन सच्चा परम पवित्रर स्थान क एक प्रतिकृति मात्र रहा, प्रवेस नाहीं किहेसा। उ तउ खुदइ सरग में ही प्रवेस किहेस ताकि अब उ हमरे ओर स परमेस्सर क उपस्थिति में प्रकट होइ। ²⁵ अउर नाहीं तउ आपन फिन-फिन बलिदान चढ़ावइ क बरे उ सरगे में ओह तरह प्रवेस किहेस जइसेन महायाजक उ लहू क साथे, जउन ओकर आपन नाहीं बा, परम पवित्रर स्थान में हर साल प्रवेस करत ह। ²⁶ नाहीं त फिन मसीह क सुस्टि क आदि स ही कइयउ दाई जातना झेलइ क पड़त। मुला अब देखा, इतिहास क चरम बिन्दु पर आपन बलिदान क द्वारा पापन क नास करइ क बरे उ हमेसा हमेसा क बरे एककइ बार प्रकट होइ गवा अहइ। ²⁷ जइसे एक बार मरब अउर ओकरे बाद निआव क सामना करब मनई क नियति बा ²⁸ तउन वइसेन मसीह क, एककइ बार कइयउ मनइयन क पापन क हरि लेइ क बरे बलिदान कइ दीन्ह गवा। अउर उ पापन क बहन करइ क बरे नाहीं बल्कि जउन ओकर बाट जोहत अहई, ओनके बरे उद्धार लियावइ क फिन दुसरी दाई प्रकट होइ।

अन्तिम बलिदान

10 व्यवस्था त आवइवाली अच्छी बातन क छाया मात्र प्रदान करत ह। अपने आप में उ बात यथार्थ नाहीं हइना। इही बरे उही बलियन क द्वारा जेन्हे हमेसा हर बरिस अनन्त रूप स दीन्ह जात रहत ह, आराधना क बरे लगे आवइवालन क हमेसा-हमेसा क बरे पूरा सिद्ध नाहीं कीन्ह जाइ सकत। ² अगर अइसेन होइ पावत तउ का ओनकर चढ़ावा जाब बन्द न होइ जात? काहेकि फिन तउ आराधना करइवालन एक ही इ बार में सदा-हमेसा क बरे पवित्रर होइ जातेन। अउर आपने पापन क बरे फिन कबहुँ खुद क अपराधी न समझतेन।

³ मुला उ बलिदान तउ बस पापन क एक बरस भरे क स्मृति मात्र अहई। ⁴ काहेकि साँइन अउर बकरन क लहू पापन क दूर कइ देइ, इ सम्भव नाहीं बा। ⁵ इही बरे जब मसीह एह जगत में आइ रहा तउ उ कहे रहा:

“तू बलिदान अउर कउनउ भेंट नाहीं चाहया, मुला मोरे बरे एक देह तइयार किहा।

⁶ तू नाहीं कउनउ दग्ध भेंटन स न तउ पाप भेंटन स खुस भया।

⁷ तब फिन मई कहे रहेउं, “किताबे में मोर बरे इ लिखा भी बा मई इहाँ अइइ। हे परमेस्सर तोहार इच्छा पूरा करइ क आइ हउँ।”

भजन संहिता 40:6-8

⁸ उ पहिलेन कहे रहा, “बलिदान अउर भेंटन, दग्ध भेंटन अउर पाप भेंटनन तउ तू चाहत अहा अउर न तउ तू ओसे खुस होत ह।” (जद्यपि व्यवस्था इ चाहत ह कि उ सबइ चढ़ाइ जाईं) ⁹ तब उ कहे रहा, “मई इहाँ अहउँ। मई तोहार इच्छा पूरा करइ आई हउँ।” त उ दुसरे व्यवस्था क स्थापित करइ क बरे, पहिली क रद्द कइ देत ह। ¹⁰ तउन परमेस्सर क इच्छा स एक बार ही हमेसा-हमेसा क बरे ईसू मसीह क देह क बलिदान द्वारा हम पवित्रर कइ दीन्ह गएन।

¹¹ हर याजक एक दिना क बाद दुसरे दिन खड़ा होइके अपने धार्मिक कारज क पूरा करत ह। उ पचे फिन-फिन एक जइसेन ही उ बलि चढ़ावत हीं जउन पापन क कबहुँ दूर नाहीं कइ सकतेन। ¹² मुला याजक क रूप में मसीह तउ पापन क बरे, हमेसा क बरे एककइ बलि चढ़ाइके परमेस्सर क दहिने हाथ जाइ बइठा। ¹³ अउर उही समइ स ओका अपने विरोधियन क ओकरे चरण क चौकी बनाइ दीन्ह जाइ क प्रतीच्छा बा। ¹⁴ जउन पवित्रर कीन्ह जात अहइ, ओनका हमेसा-हमेसा क बरे पूरा सिद्ध कइ दिहेस।

¹⁵ एकरे बरे पवित्रर आतिमा हमका साच्छी देत ह। पहिले उ बतावत ह:

¹⁶ “इ अहइ उ करार जेका मई ओनसे करबइ। अउर फिन ओकरे बाद पर्भू घोसित करत निज व्यवस्था मई ओनकइ हिरदइ में बसबउबइ ओनके मने पर लिखी देबइ।”

यिर्मयाह 31:33

¹⁷ उ इहउ कहत ह:

“ओनके पापन अउर ओनके दुस्करमन क अब मई कबहुँ याद न रखब।”

यिर्मयाह 31:34

¹⁸ अउर फिन जब पाप छमा कइ दीन्ह गएन त पापन क बरे कउनो बलिदान क कउनउ जरूरत रही ही नाहीं।

परमेस्सर क लगे आवअ

¹⁹ इही बरे भाइयो तथा बहिनियो, काहेकि ईसू क लहू क द्वारा हमका ओह परम पवित्रर स्थान में प्रवेस करइ क निडर भरोसा बा। ²⁰ जेका उ परदा क द्वारा, मतलब जउन ओकर सरीरइ अहइ, एक नवा अउर

सजीव रस्ता क माध्यम स हमरे बरे खोलि दिहे अहइ।
²¹अउर काहेकि हमरे लगे एक अइसेन महान याजक अहइ जउन परमेस्सर क घराना क अधिकारी अहइ।
²²तउ फिन आवा, हम सच्चे हिरदइ, निश्चितपूर्ण बिसवास आपन अपराधपूर्ण चेतना स हमका सुद्ध करइ क बरे कीन्ह गए छिड़के भी स युक्त अपने हिरदइ क लइके सुद्ध जल स धोवा भए अपने सररीरन क साथे परमेस्सर क लगे पहुँचत अही।²³तउ आवअ जेह आसा क हम अंगीकार किहे हई, हम अडिग भाउ स ओह पर डटा रही काहेकि जे हमका बचन दिहे अहइ, उ बिसवासपूर्ण बा।

एक दुसरे क बलवान करइ

²⁴अउर आवा हम धियान रखी कि हम पिरेम अउर अच्छा करमन क बरे एक दुसरे क कइसेन बढ़ावा दइ सकित ह।²⁵हमरे सबइ सभा में आउब जिन छोड़ा। जइसेन कि कछून क तउ उहाँ न आवइ क आदत ही पड़ि गइ बा। बल्कि हमका तउ एक दुसरे क बलवान करइ चाही। अउर जइसेन कि तू देखत अहा कि उ दिन लगे आवत बा-तउन तोहे तउ इ अउर जियादा करइ चाही।

मसीह स मुँह न फेरा

²⁶सत्य क गियान पाइ लेइके बाद उ अगर हम जानबूझ क पाप करित ही रहित ह फिन तउ पापन क बरे कउनउ बलवान बचा नाहीं रहत।²⁷बल्कि फिन त निआव क भयानक प्रतीच्छा अउर भौषण आगी बाकी रहि जात ह जउन परमेस्सर क बिरोधियन क चट कइ जाई।²⁸जउन कउनउ मूसा क व्यवस्था क पालन करइ स मना करत ह, ओका बिना दया देखाए दुइ या तीन साच्छियन क साच्छी प मारि डावा जात ह।²⁹सोचा, उ मनइयन केतना जियादा कड़ा दंड क पात्र अहई, जे अपने गोड़न तले परमेस्सर क पूत क कुचलेन, जे करार क उ लहू के, जे ओनका पवित्तर किहे रहा, एक अपवित्तर चीज मानेन अउर अनुग्रह क आतिमा क अपमान किहेन।³⁰काहेकि हम ओनका जानित ह जे कहे रहेन, “बदला लेब काम बा मोर, मई ही बदला लेबा।” * अउर फिन, “पभू अपने लोगन क निआव करी।” *³¹कउनो पापी क सजीव परमेस्सर क हाथन में पड़ि जाब एक भयानक बात अहइ।

बिसवास बनाये रखा

³²आरम्भ क उ दिनन क याद करा जब तू प्रकास पाए रहया, अउर ओकरे बाद जब तू कस्टन क सामना

“बदला ... लेब” व्यवस्था 32:35

“पभू ... करी” भजन 135:14

करत भए कठोर संघर्ष में मजबूती क साथे डटा रहया।
³³तब कबहुँ तउ सब लोगन क सामने तोहे अपमानित कीन्ह गवा अउर सताया गवा अउर कबहुँ जेनके साथे अइसेन बर्ताव कीन्ह जात रहा, तू ओनकर साथ दिहया।
³⁴तू जउन बन्दीघरे में पड़ा रहया, ओनसे सहानुभूति क अउर अपने सम्पत्ति क जब्त कीन्ह जाब सहर्स स्वीकार किहया काहेकि तू इ जानत रहया कि खुद तोहरे अपने लगे ओनसे अच्छी अउर टिकाऊ सम्पत्तियन बाटिन।
³⁵तउन अपने साहस बिसवास क जिन तियागा काहेकि एकइ भरपूर प्रतिफल दीन्ह जाई।

³⁶तोहे धीरज क जरूरत बा ताकि तू जब परमेस्सर क इच्छा पूरी कइ चुका तउ जेकर बचन उ दिहे अहइ, ओका तू पाइ सका।³⁷काहेकि बहुत जल्दी ही,

“जेका आवइ क बा, उ जल्दी ही आई, अउर देर नाहीं करी।

³⁸ मोर धर्मी जन जउन बिसवास स अउर अगर उ पीछे हटी तउ मई ओनसे खुस न रहबइ।”

हबक्कूक 2:3-4

³⁹मुला हम ओनसे नाहीं हई जउन पीछे हटत हीं अउर खतम होइ जात हीं बल्कि ओनमें स अही जउन बिसवास करत हीं अउर उद्धार पावत हीं।

बिसवास क महिमा

11 बिसवास क मतलब बा, जेकर हम आसा करित ह, ओकरे बरे सुनिश्चित होब। अउर बिसवास क मतलब बा कि हम चाहे कउनो चीज क देखत न अही मुला ओकरे अस्तित्व क बारे में सुनिश्चित होब कि उ बा।²इही कारण पुरानन क परमेस्सर क आदर मिला भआ रहा।

³बिसवास क आधार पर ही हम इ जानित ह कि परमेस्सर क आदेस स जगत क रचना भइ रही। इही बरे जउन दृश्य बा, उ दृश्य स नाहीं बना बा।

⁴हाबिल तउ बिसवास क कारण ही परमेस्सर क कैन स अच्छी बलि चढ़ाए रहा। बिसवास क कारण ही ओका एक धर्मी मनई क रूप में तब सम्मान मिला रहा जब परमेस्सर त ओकरी भेंटन क प्रसंसा किहे रहा। अउर बिसवास क कारण उ आजक बोल थीं जद्यपि उ मरी चुका अहइ।

⁵बिसवास क कारण ही हनोक क एह जीवन स उप्पर उठाइ लिहा गवा रहा ताकि ओका मउत क अनुभव न होइ। परमेस्सर तउ काहेकि ओका दूर हटाइ दिहे रहा इही बरे उ पावा नाहीं गवा। काहेकि ओका उठावा जाइ स पहिले परमेस्सर क प्रसन्न करइवाले क रूप में ओका सम्मान मिल चुका रहा।⁶ बिसवास के बिना परमेस्सर क खुस करब असम्भव रहा। काहेकि

हर एक उ जउन ओकरे लगे आवत ह, ओकरे बरे इ जरूरी बा कि उ एह बात क बिसवास करइ कि परमेस्सर क अस्तित्व बा अउर उ जउन ओका सच्चाई क साथ खोजत ह, उ ओन्हे ओकर प्रतिफल देत ह।

⁷बिसवास क कारण ही नूह क जब ओन्हन बातन क चेतावनी दीन्ह गइ जउन उ देखे तक नाहीं रहा तउ उ पवित्तर भय स भरा आपन परिवार क बचावइ क बरे एक गज क निर्माण किहे रहा। अपने बिसवासे स ही उ एह संसार क दोसपूर्ण मानेस अउर ओह धार्मिकता क उतराधिकारी बना जउन बिसवास स आवत ह।

⁸बिसवास क कारण ही, जब इब्राहीम क अइसेन स्थान प जाइके बरे बोलावा गवा रहा, जेका बाद में उतराधिकार क रूप में ओका पावइ क रहा, जदि उ इ जानत तक नाहीं रहा कि उ कहाँ जात बा, फिन भी उ आज्ञा मानेस अउर उ चला गवा। ⁹बिसवास क कारण ही जउने धरती क देइ क ओका बचन दीन्ह गवा रहा, ओह प उ एक अनजान परदेसी क समान आपन घरे बनाइके निवास किहेस। उ तन्बुवन में वइसेन रहा जइसेन इसहाक अउर याकूब रहत रहेन जउन ओकरे साथे परमेस्सर क ओह प्रतिज्ञा क उतराधिकारी रहेन। ¹⁰उ मजबूत आधारवाली उ नगरी क बाट जोहत रहा जेकर सिल्पी अउर निर्माण कर्ता परमेस्सर अहइ।

¹¹बिसवास क कारण ही, इब्राहीम जउन बूढ़ा होइ चुका रहा अउर सारा जउन खुद बाँझ रही, जे बचन दिहे रहा, ओका बिसवासनीय समझिके गर्भवती भइ अउर इब्राहीम क बाप बनाइ दिहेस। ¹²अउर एह तरह इ एककइ मनई स जउन मरियल स रहा, अकास क तारन जेतनी असंख्य अउर सागर-तट क रेत-कणन जेतनी अनगिनत संतान भइन।

¹³बिसवास क अपने मन में लिए भए इ लोग मरि गएन। जिन चीजन क प्रतिज्ञा दीन्ह गइ रही, उ ओ चीजन क नाहीं पाएन।

उ पचे बस ओनका दूर स ही देखेन अउर ओनकर स्वागत किहेन अउर उ इ मानि लिहेन कि ओ पचे इ धरती प परदेसी अउर अनजान अहइँ। ¹⁴उ लोग जउन अइसेन बात कहत हीं, उ इ देखावत हीं कि उ पचे एक अइसेन देस क खोज में अहइँ जउन ओनकर आपन अहइ। ¹⁵अगर उ पचे ओह देस क बारे में सोचतेन जेका उ छोड़ि चुका अहइँ तउ ओनके फिन स लउटइ क अवसर रहत। ¹⁶मुला ओन्हे तउ सरगे क एक अच्छा प्रदेस क उत्कट अभिलासा बा। इही बरे परमेस्सर क ओनकर परमेस्सर कहवावइ में संकोच नाहीं होत काहेकि उ तउ ओनके बरे एक नगर तइयार कइ रखे अहइ।

¹⁷⁻¹⁸ बिसवास क कारण ही इब्राहीम तउ, जब परमेस्सर ओकर परीच्छा लेत रहा, इसहाक क बलिदान चढ़ाएस। उहइ जेका प्रतिज्ञा मिली भइ रही, अपने एक मात्र बेटवा क जब बलिदान देई वाला रहा। तउ जद्यपि

परमेस्सर त ओसे कहे रहा, "इसहाक क द्वारा ही तोहार वंस बाड़ी।" ¹⁹मुला इब्राहीम तउ सोचेस कि परमेस्सर मरे भएन क भी जियाइ सकत ह अउर अगर अलंकारिक भाखा में कहा जाइ तउ उ इसहाक क मउत स फिन वापस पाइ लिहेस।

²⁰बिसवास क कारण ही इसहाक तउ याकूब अउर एसाव क ओनके भविस्स क बारे में आसीबाद दिहेस।

²¹बिसवास क कारण ही याकूब तउ जब उ मरत रहा।

²²यूसुफ जब ओकर अंत निकट रहा हर बेटवा क आसीबाद दिहेस अउर लाठी क उपर सिरि झुकि के सहारा लेत परमेस्सर क आराधना किहेस। ²³बिसवास क अधार पर ही, मूसा क महतारी-बाप तउ, मूसा क जनम क बाद ओनका तीन महिना तक छुपाये रखेन काहेकि ओ देखि लिहे रहेन कि उ कउनो सामान्य बालक नाहीं रहा अउर उ राजा क आज्ञा स नाहीं डरेन।

²⁴बिसवास स ही, मूसा जब बड़ा भवा तउ फिरौन क बितिया क बेटवा कहवावइ स इन्कार कइ दिहेस। ²⁵उ पाप क छणिक सुख भोगन क अपेच्छा परमेस्सर क लोगन क साथे दुर्व्यवहार झेलबइ ही चुनेस। ²⁶उ मसीह क बरे अपमान झेलइ क मिश्र क धन भंडारन क अपेच्छा जियादा मूल्यवान मानेस काहेकि उ आपन प्रतिफल पावइ क बाट जोहत रहा। ²⁷बिसवास क कारण ही, राजा क क्रोध स न डरत भए उ मिश्र क परित्याग कइ दिहेस। उ डटा रहा, मान ओका अदृश्य परमेस्सर देखात अहइ। ²⁸बिसवास स ही, उ फसह क तयौहार अउर लहू छिड़कइ क पालन किहेस, ताकि पहिलौटा क बिनास करइवाला इम्राएल क पहिलौटा क छू तक न पावइ। ²⁹बिसवास क कारण ही, लोग लाल-सागर स अइसेन पार होइ गएन जइसेन उ कउनो सूखी जमीन होइ। मुला जब मिश्र क लोगन अइसेन करइ चाहेन तउ उ पचे डूबि गएन।

³⁰बिसवास क कारण ही, यरीहो क नगर-परकोट लोगन क सात दिन तलक ओकरे चारिहुँ कइँती परिक्रमा कइ लेइके बाद बह गवा। ³¹बिसवास क कारण ही, राहाब नाउँ क बेस्या आज्ञा क उल्लंघन करइवालन क साथे नाहीं मारी गइ रही काहेकि उ गुप्तचरन क स्वागत सत्कार किहे रही।

³²अब मइँ अउर जियादा का कही। गिवोन, बाराक, सिमसोन, यिफतह, दाऊद, समूएल अउर ओन्हन नबियन क चर्चा करइ क मोरे लगे समइ नाहीं बाटइ। ³³जे बिसवास स, राज्यन क जीत लिहेस, निआवपूर्ण काम किहेस अउर परमेस्सर जउन देइ क बचन दिहे रहा, ओका पाएस। जे सिंहन क मुँह बन्द कइ दिहेस, ³⁴लपलपात लपटन क क्रोध क सान्त किहेस अउर तलवार क धार स बच निकलेन, जेकरे कमजोरी इ सक्ति में बदल गइ, अउर युद्ध में जउन सवितसाली बनेन अउर जे बिदेसी सेनन क छिन्न-भिन्न कइ डाएन। ³⁵स्त्रियन तउ अपने

मरन हुवन क फिन स जिन्दा पाएन। बहुतन क सतावा गवा, मुला उ छुटकारा पावइ स मना कइ दिहेन ताकि ओनका एक अउर अच्छा जीवन मँ पुनरुत्थान मिलि सकइ।³⁶कछू क उपहासन अउर कोड़न क सामना करइ पड़ा जबकि कछू क जंजीरन स जकड़िके बन्दी घरे मँ डालि दीन्ह गवा।³⁷कछू पड़ पथराऊ कीन्ह गवा। ओनका आरा स चीरके दुइ फाँक कइ दीन्ह गवा, ओनका तलवार स मउत क घाट उतारि दीन्ह गवा। उ पचे गरीब रहेन, ओनका जातना दीन्ही गइ अउर ओनके साथे बुरा व्यवहार कीन्ह गवा! उ पचे भेड़ बकरियन क खाल ओढ़े रहेन अउर एहर ओहर भटकत रहेन।³⁸इ संसार ओनके योग्य नाहीं रहा। उ पचे रेगिस्तानन अउर पहाड़न मँ घूमत रहेन अउर सबइ गुफा अउर धरती मँ बने भए बिलन मँ छुपत-छुपावत फिरेन।

³⁹अपने बिसवासे क कारण ही इ लोग सब स सराहा गएन। फिन भी परमेस्सर क जेकर महान बचन ओनका दीन्ह गवा रहा, ओका एनमाँ स कउनो नाहीं पाइ सका।⁴⁰परमेस्सर क लगे आपन योजना क अनुसार हमरे बरे कछू अउर जियादा अच्छा रहा जइसेन ओनहूँ बस हमरे साथे ही पूरा सिद्ध कीन्ह जाइ।

परमेस्सर अपने बेटवन क सिधावत ह

12 काहेकि हम साच्छियन क अइसेन एतनी बड़ी भोड़ स धिरी भइ अहइ, जउन हमका बिसवास क मतलब का अहइ एकर साच्छी देत ह इही बरे आवा बाधा पहुँचावइवाली हर एक चीज क अउर ओह पाप क जउन सहज इ मँ हमका उलझाइ लेत ह इटकिके फेंका अउर उ दउड़ जउन हमका दउड़इ क बा, आवअ धीरज क साथे ओका दउड़ी।²हमार बिसवास क अगुआ अउर ओका पूरा सिद्ध करइवाला। ईसू पे आवा हमका विस्ती हटवाइ न चाहीं। जे अपने सामने उपस्थित आनन्द क बरे क्रूस क जातना झेलेन, ओकरी लज्जा क कउनउ चिंता नाहीं किहेस अउर परमेस्सर क सिंहासन क दहिने हाथ विराजमान होइ गवा।³ओकर धियान करा जे पापियन क अइसेन विरोध एह बरे सहन किहेस ताकि थकिके तोहार मन हार न मानि बइठइ।

परमेस्सर पिता जइसा

⁴पाप क बिरुद्ध आपन संघर्ष मँ तोहे सबन क एतना नाहीं अइइ पड़ा रहा कि आपन लहू बहावइ पड़ा होइ।⁵तू उ साहसपूर्ण बचन क भूलि गवा अहा। जउन तोहरे बेटवा नाते सम्बोधित अहइ:

“मोर बेटवा, पभू क अनुसासन क महत्व को समझइ मँ असफल न हवा। तिरस्कार जिन करा, ओकरे फटकार क बुरा कबहुँ जिन माना

⁶ काहेकि पभू ओनका अनुसासन करत ह। उ जेनसे पिरम करत ह। अउर जइसेन बेटवा बनाइ लेत अहइ, ओनका दंड भी देत ह।”

नीतिवचन 3:11-12

⁷कठिनाइ क अनुसासन क रूप मँ सहन करा। परमेस्सर तोहरे साथे अपने बेटवा क समान व्यवहार करत ह। अइसा बेटवा के होइ जउन अपने बाप क द्वारा अनुसासित न भवा होइ? ⁸अगर तोहे अइसेन नाहीं दण्डित कीन्ह गवा होइ जइसेन सबन क दण्ड दीन्ह जात ह तउ तू अपने बाप स पैदा भवा बेटवा नाहीं अहा। तउ सच्चा सतान नाहीं अहा।⁹अउर फिन इहउ कि एन सबन क उ बापउ जे हमरे सरीर क जन्म दिहे अहइ, हमका सिधावत अहइ। अउर एकरे बरे हम ओन्हे मान देइत ह तउ फिन हमका आपन आतिमन क बाप क अनुसासन क तउ केतना जियादा अधीन रहत भए जितत चाहीं।¹⁰हमार बाप तउ तनिक समइ मँ जइसा उ नीक समझेस, हमका दंडित किहेस। हमका दण्ड, मुला परमेस्सर हमका हमार भलाइ क बरे दण्डित करत ह, जइसेन हम ओकर पवित्रता क सहभागी होइ सकी।¹¹लोगन क जउने समइ सिधावा जात ह, ओह समइ सिधावत अच्छा नाहीं लागत, बल्कि उ दुखद लागत ह मुला कछू भी होइ, उ जउन एकरे द्वारा सिधावा जाइ चुका बाटेन, ओनके बरे इ आगे चलिके नेकी अउर सान्ति क सुफल प्रदान करत ह।

चेतावनी: कइसे रहा

¹²इही बरे आपन कमजोर भुजा अउर कमजोर घुटनन क सबल बनावा।¹³अपने गोड़न क बरे रस्ता बनावा तू समतल। तकि जउन लँगड़ा हयेन, उ अपंग नाहीं, वरन चंगा हो जाई।

¹⁴सभन क साथे सान्ति क साथे रहइ क कोसिस करा अउर पवित्तर होइ क बरे हर तरह स प्रयत्नसील रहा, बिना पवित्तरता क कउनउ पभू क दर्सन न कइ पाई।¹⁵इ बात क धियान रखा कि परमेस्सर क अनुग्रह स कउनो बिमुख न होइ जाइ अउर तोहे कस्ट पहुँचावइ अउर बहुत जने क बिकृत करइ क बरे कड़वी जड़ न फूटि पड़इ।¹⁶देखा कि कउनउ व्यभिचार न करइ अउर उ एसाव क समान परमेस्सर बिहीन न होइ जाई जइसेन सबसे बड़ा बेटवा होइ क नाते उत्तराधिकार पावइ क अधिकारी रहा मुला जे ओन्हे बस एक जून क खाइ भर क बरे बेचि दिहेस।¹⁷जइसेन कि तू जनतइ अहा बाद मँ जब उ इ आसीबंदि क पावइ चाहेस तउ ओका अयोग्य ठहरावा गवा। जष्टपि उ रोइ-रोइके बरदान पावइ चाहेस मुला उ अपने किहे क अनकिहे नाहीं कइ पाएस।¹⁸तू आगी स जलत हुआ एह पर्वत क लगे नाहीं आया जेका छुवा जाइ सकत रहा अउर न तउ अंधकार,

बिसाद अउर बवंडर क लगे आया होइ।¹⁹ अउर न तउ तुरही क तेज आवाज अउर कउनउ अइसेन सुर क करीब मैं आया, अउर न बोलत बचन का सुन्या, उ आवाज जेकरे सुने क बाद केउ क सुनइ क जरूरत नाहीं रहत।²⁰ काहेकि जउन आदेस दीन्ह गवा रहा, उ पचे ओका झेली नाहीं पाएन: “अगर कउनउ पसु तलक उ पर्वत क छुवइ तउ ओहे पे पथराऊ कीन्ह जाई।” *²¹ उ दूख्य एतना भयभीत कइ डावइवाला रहा कि मूसा तउ कहैस, “मई भय स थर-थर काँपत हउँ।” *

²² बल्कि तू सियोन पर्वत, सजीव परमेस्सर क नगरी, सरगे क यरूसेलेम क लगे आइ पहुँचा अहा। तू तउ हजारन-हजार सरगदूतन क आनदूपणी सभा,²³ परमेस्सर क पहिलौटी क संतानन, जेनके नाउँ सरग मैं लिखा बाटेन, ओनके सभा क लगे पहुँच चुका अहा। तू सबके निआव कर्ता परमेस्सर अउर ओन्हन धर्मात्मा, पूर्ण मनइयन क सबइ आतिमन,²⁴ अउर एक नवा करार क बीचवा मैं ईसू अउर छिड़का भवा उ लहू स लगे आइ चुका अहा जउन हाबील क लहू क अपेच्छा अच्छा बचन बोलत ह।

²⁵ धियान रहइ, कि यदि जब परमेस्सर बोलत ह ओका सुनइ स जिन करा। जदि उ पचे ओका नकारिके नाहीं बच पाएस जउन ओनकर धरती पे चेतावनी दिहे रहा अगर हम ओनसे मुँह मोड़बइ जउन हमका सरग स चेताउनी देत बा, तउ हम त दण्ड स बिलकूलही न बची पउबइ।²⁶ ओकर बानी ओह समइ धरती क झकझोर दिहे रही मुला अब उ प्रतिज्ञा किहे अहइ, “एक बार फिन न केवल धरती क ही बल्कि आकासे क भी मई झकझोर देबइ।” *²⁷ “एक बार फिन” इ सब्द उ हर चीज क ओर इंगित करत भवा जउन हिल गवा बा, जब स उ रचा गवा बा। उ सबइ क नास कइ दीन्ह जाई। केवल उहइ चीजन बचिहीं जउन हिलाई न जाइ सकइँ।

²⁸ अतः काहेकि जब हमका एक अइसेन राज्य मिलत बा, जेका झकझोरा नाहीं जाइ सकत, तउ आवा हम धन्यवादी बनी अउर आदर मिले भए क साथे परमेस्सर क आराधना करी।²⁹ काहेकि हमारा परमेस्सर भस्म कइ डावइवाली एक आग अहइ।

निस्कर्ष

13 भाई क समान परस्पर पियेम करत रहा।² अतिथियन क सत्कार करब न भूला, काहे की अइसेन करत भए कछू लोगन तउ अनजाना मैं ही सरगदूतन क स्वागत सत्कार किहे अहइँ।³ बंदियन क इ रूप मैं याद करा जइसेन तूहँकँ ओनके साथी बन्दी

“अगर ... जाई” निर्ग 19:12-13

“मई भय ... हउँ” व्यवस्था 9:19

“एक बार ... देबइ” हगै 2:6

रहा हवा। जेनके साथे बुरा व्यवहार भवा बा ओनकर एह तरह सुधि ल्या जइसेन माना तू खुद पीड़ित होत अहा।

⁴ बियाह क सबके आदर करइ चाहीं। बियाह क सेज क पवित्तर रखा। काहेकि परमेस्सर व्यभिचारियन अउर दुराचारियन क दण्ड देई।⁵ अपने जीवन क धने क पियेम स मुक्त रखा। जउन कछू तोहरे लगे बा, उही मैं सन्तोस करा काहेकि परमेस्सर तउ कहे बाटइ,

“मई तोहका कबहुँ न छोड़ब, अउर तोहका कभी न तजबइ।”

व्यवस्था विवरण 31:6

“इही बरे हम बिसवास क साथे कहत हई,

“परभू मोर सहायक, मई कबहुँ भयभीत न बनबइ। कउनउ मनइ मोर का करइ?”

भजन संहिता 118:6

⁷ अपने नेतन क याद रखा जे तोहे परमेस्सर क बचन सुनाये अहइ। ओनकर जीवन विधि क परिणाम पे बिचार करा अउर ओनके बिसवास क अनुसरण करा।⁸ ईसू मसीह काल्हिउ वइसेनइ ही रहा, आजउ वइसेनइ अहइ अउर युग-युगान्तर तलक वइसेनइ ही रही।⁹ हर तरह क अपरिचित उपदेस स भरमावा न जा। तोहरे मने क बरे इ अच्छा बा कि उ अनुग्रह क द्वारा मजबूत बन रहा न कि खाइ-पिअइ सम्बन्धी नियमन क मानइ स, जेनसे ओनकर कबहुँ कउनउ भला न भवा होइ, जे ओन्हे मानेना।

¹⁰ हमरे लगे एक अइसेन बेदी अहइ जइसेन प स खाइ क अधिकार ओनका न होइ जउन रावटी मैं सेवा करत हीं।¹¹ महायाजक परम पवित्तर स्थानन प पाप-बलि क रूप मैं पसुवन क लहू त लइ जात हीं, मुला ओनकर सरिीर डेरा स बाहेर जलाइ दीन्ह जात हीं।¹² इही बरे ईसू तउ खुद अपने लहू स लोगन क पवित्तर करइ क बरे नगर दुवार क बाहेर यातना झेलेस।¹³ तउ फिन आवा हमहूँ इही अपमान क झेलत भए जेका उ झेले रहा, डेरन क बाहेर ओनके लगे चली।

¹⁴ काहेकि इहाँ हमारा कउनो स्थायी नगर नाहीं बा बल्कि हम तउ ओह नगर क बाट जोहत अही जउन आवइवाला अहइ।

¹⁵ अतः आवा हम ईसू क द्वारा परमेस्सर क स्तुति रूपी बलिदान करी जउन ओन ओठन क फल अहइ जे ओनके नाउँ क पहिचाने हयेना।¹⁶ अउर नेकी करब अउर आपन चीजन क अउरन क साथे बाँटब न भूला। काहेकि परमेस्सर अइसेनइ बलिदान स खुस होत ह।¹⁷ आपने नेतन क आज्ञा माना। ओनके अधीन रहा। उ

पचे तोहेपे अइसेन चउकसी रखत हीं जइसेन ओन्हन मनइयन प रखी जात ह जेका आपन लेखा-जोखा ओन्हे देइ क बा। ओनकर आशिया मानअ, जेसे ओनकर करम आनन्द बनी जाइ। न कि एक बोझ बनइ। काहेकि ओसे त तोहर कउनउ लाभ न होये।

¹⁸हमरे बरे बिनती करत रहा। हमका निश्चय कि हमार भावना ठीक बा। अउर हम हर तरह स उहइ करइ चाहित ह जउन उचित बा। ¹⁹मई बिसेस रूप स आग्रह करित ह कि तू पराथना करत रहा ताकि जल्दी ही मई तोहरे लगे आइ सकउँ।

²⁰⁻²¹जे भेड़न क उ महान रखवाला हमार पभू ईसू क लहू द्वारा उ सनातन करार पे मोहर लगाइ क मरा भएन मै स जियाइ उठायेस, उ सान्ति-दाता परमेस्सर आन्तरिक करार प्रभावित करे अहइ। तोहे सभन क

अच्छी साधना स सम्पन्न करइ। जइसेन तू ओनकर इच्छा पूरी कइ सका। अउर ईसू मसीह क जरिये उ हमरे भितर उ सब कछू क सक्रिय करइ जउन ओनका भावत ह। जुग-जुगान्तर तलक ओनकर महिमा होत रहइ अउर जउन ओका अच्छा लागत रहइ। आमीन!

²²भाइयो तथा बहिनियो मोर आग्रह बा कि तू प्रेरणा देइवाला मोरे इ बचन क धारन करा। मई तोहे इ पत्र बहुत संछेप मै लिखे हउँ। ²³मई चाहत अहउँ कि तोहे जानकारी होइ कि हमार भाई तीमुथियुस रिहा कइ दीन्ह गवा अहइ। अगर उ जल्दी ही आइ पहुँचइ तउ मई उही क साथे तोहसे मिलइ अउबइ। ²⁴अपने सभन अग्रणियन अउर परमेस्सर क लोगन क नमस्कार कहा। इतालियावाले स आवा सभी लोगन तोहे नमस्कार भेजत अहउँ। ²⁵परमेस्सर क अनुग्रह तोहे सभन क साथे रहइ।

याकूब क पत्र

1 याकूब क जउन परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह क दास अहइ, संतन क बारह कुलन क नमस्कार पहुँचइ जउन समूचे संसार में फइला भवा अहइँ।

बिसवास अउर विवेक

²मोर भाइयो तथा बहिनियो, जब कबहुँ तू तरह तरह क परीच्छन में पड़ा तउ एका बड़ा आनन्द क बात समझा। ³काहेकि तू इ जानत अहा कि तोहार बिसवास जब परीच्छा में सफल होत ह तउ ओसे धीरजपूर्ण सहन सकती पैदा होत ह। ⁴अउर उ धीरजपूर्ण सहन सकती एक अइसेन पूर्णता क जनम देत ह जेहसे तू अइसेन सिद्ध अउर पूर्ण बन सकत ह जेहमें कउनउ कबहुँ नाहीं रहि जात। ⁵तउन अगर तोहमें कछू विवेक क कमी अहइ तउ ओका परमेस्सर स मांग सकत ह। उ सबहिँ क उदारता क साथे देत ह। उ सबहिँ क उदार होइ क देइ में खुस होत ह। ⁶बस बिसवास क साथे माँगा जाइ। तनिकउ भी संदेह न होइ चाही काहेकि जेका संदेह होत ह, उ सागर क ओह लहर क समान बा जउन हवा स उठत ह अउर थरथरात ह। ⁷⁻⁸अइसेन मनई क इ नाहीं सोचइ चाही कि ओका पर्भू स कछू भी मिल पाई। अइसेन मनई क मन तउ दुविधा स ग्रस्त बा। उ अपने सभन करमन में अस्थिर रहत ह।

सच्चा धन

⁹साधारण परिस्थितियन वाला भाइयन क गरब करइ चाही कि परमेस्सर तउ ओका आत्मा क धन दिहे अहइ। ¹⁰अउर धनी भाइ क गरब करइ चाही कि परमेस्सर ओका आत्मिक गरीबी देखाए अहइ। काहेकि ओका त घास प खिलइवाला फूल क नाई झर जाइ क बा। ¹¹सूरज कड़कड़ात धूप लइके उगत ह अउर पउधा क झुराइ डावत ह। ओनकर फूल पतियन झर जात हीं अउर सुन्दरता समाप्त होइ जात ह। इही तरह धनी मनई धन बरे योजना बनाने में ही समाप्त होइ जात ह।

परमेस्सर परीच्छा नाहीं लेत

¹²उ मनई धन्य अहइ जउन परीच्छा में अटल रहत ह काहेकि परीच्छा में खरा उतरइ क बाद उ जीवन क

ओह बिजय मुकुट क धारण करी जेका परमेस्सर अपने पिरम करइवालन क देइ क बचन दिहे अहइ। ¹³परीच्छा क घड़ी में कीहीउ क इ नाहीं कहइ चाही, “परमेस्सर मोर परीच्छा लेत अहइ,” काहेकि खराब बातन स परमेस्सर क कउनउ लेब-देब नाहीं होत। उ कउनो क परीच्छा नाहीं लेत। ¹⁴हर कउनो आपन ही खराब इच्छन स भ्रम में फंसिके परीच्छा में पड़त ह। ¹⁵फिन जब उ इच्छा गर्भवती होत ह तउ पाप पूरा बढ़ जात ह अउर उ मउत क जनम देत ह।

¹⁶तऊन मोर पिआर भाइयो तथा बहिनियो, धोखा न खा। ¹⁷हर एक उत्तम दान अउर परिपूर्ण उपहार उप्यर स मिलत ह। अउर उ सबइ ओह परमपिता क जरिये जे सरगीय प्रकास (सूरज चाँद अउर तारन) क जनम दिहे अहइ, नीचे लइ आवत ह। उ जउन सभन प्रकासन का पिता अहइ। जो न कभउ बदलत ह अउर न छाया स प्रभावित होत ह। ¹⁸परमेस्सर अपने इच्छा स सत्य क बचन दुआरा हमे जनम दिहेस जेहसे हम ओकरे द्वारा रचे गएन प्रानियन में सबसे महत्वपूर्ण सिद्ध होइ सकी।

सुनब अउर ओह पर चलब

¹⁹मोर पिआरे भाइयो तथा बाहिनियो, खियाल रखा, हर कीहीउ क तत्परता क साथे सुनइ चाही, बोलइ में जल्दी न करा, अउर जल्दी सा किरोध न करा कर। ²⁰काहेकि मनई जब किरोध करत ह तब उ परमेस्सर क द्वारा बनाए भए रस्ता का पालन नाहीं कइ पावत। ²¹सब घिनौना आचरण अउर चारहुँ ओर फइलत दुस्टताई स दूर रहा। अउर नरमी क साथे तोहरे हिरदइ में रोपा भवा परमेस्सर क बचन क पालन करा जउन तोहर आत्मा क उद्धार देवाइ सकत ह। ²²परमेस्सर क उपदेस पे चलइ वाला बना, न कि केवल ओका सुनइवाला। अगर तू केवल ओका सुनबइ भर रहत ह तउ अपने आप क छलत अहा। ²³काहेकि अगर केउ परमेस्सर क उपदेस क सुनत तउ बाटइ मुला ओह प चलत नाहीं, तउ उ ओह मनई क समान बाटइ जउन अपने भौतिक मुँहे क दरपन में देखतइ भर बाटइ। ²⁴उ खुद क अच्छी तरह देखतइ बा, पर जब उहाँ स चला जात ह तउ तुरन्त भूल जात ह कि उ कइसेन देखतइ रहा। ²⁵किन्तु जो

परमेस्सर क उहइ सम्पूर्ण व्यवस्था क नजदीक स देखत ह, जेसेसे स्वतन्त्रता प्राप्त होत ह, अउर उही प आचरण भी करत ह अउर सुनिके ओहका भूले बिना आपन आचरण में उतार लेत ह, उही अपनेन करमन क बरे धन्य होइ।

आराधना क सच्चा रस्ता

²⁶अगर केऊँ सोचत ह कि उ भक्त अहइ अउर अपने जीभ प कसिके लगाम नाही लगावत त उ धोखा में बा। ओकर भक्ति बेकार बा। ²⁷परमेस्सर क सामने सच्चे अउर सुद्ध आराधना ऊहई अहइ: जेहमाँ अनाथ अउर विधवन क ओनके दुख दर्द में सुधि लीन्ह जाइ अउर खुद क कउनउ सांसारिक कलंक न लागइ दीन्ह जाइ।

सबसे पिरम करा

2 मोर पियार भाइयो तथा बहिनियो, काहेकि महिमावान परभू ईसू मसीह में तोहार बिसवास बा, उ लोगन क प्रति पच्छपातपूर्ण न होइ। ²कल्पना करा तोहरे सभा में कउनउ मनई सोना कअगूठी अउर भव्य कपड़ा धारण कइके आवत ह। अउर तबहिं मइला कुचइला कपड़ा पहिरे एक गरीब मनई आवत ह। ³अउर तू जे भव्य कपड़ा धारण किहे अहइ, ओका बिसेस महत्व देत भए कहत अहा, “इहाँ एह उत्तम आसन प बइठा,” जब कि ओह गरीब मनई स कहत अहा, “उहाँ खड़ा रहा” या “भोरे गोड़न क लगे बइठि जा।”

⁴अइसेन करत भए तू लोगन क बीच भेद भाऊ नाही किहा अउर खराब बिचारन क साथे निआवकर्ता नाही बन गया।

⁵मोर पियारे भाइयो तथा बहिनियो, सुना, का परमेस्सर त संसार क आँखिन में ओन्हन गरीबन क बिसवास में धनी अउर ओह राज्य क उत्तराधिकारी क रूपे में नाही चुनेस? जेकर उ, जउन ओका पिरम करत हीं, देइ क बचन दिहे अहइ। ⁶परन्तु तू तउ ओह गरीब मनई का अपमान किहा ह। का इ धनिक मनइयन उहइ नाही हयेन, जउन तोह प नियन्त्रण करत हीं अउर तोह सबन क कचरहिउ में घसीट लइ जात हीं? ⁷का इ उहई नाही हयेन, जउन मसीह क ओह अच्छे नाउँ क निन्दा करत हीं, जउन तोहे सबन क दीन्ह गवा बा?

⁸अगर तू पवित्तर सास्तरन में मिलइवाली एह अच्छी व्यवस्था क सहीयउ में पालन करत अहा, “अपने पड़ोसी स भी वइसेन ही पिरम करअ, जइसे तू अपने आप स करत अहा।” * तउ तू अच्छा ही करत अहा। ⁹परन्तु

अगर तू पच्छपात देखौवत अहा तउ तू पाप करत अहा। फिन तोहका व्यवस्था क तोड़इवाला ठहरावा जाई। ¹⁰काहेकि कउनउ अगर पूरी व्यवस्था क पालन करत ह अउर एक बात में चूक जात ह तउ उ समूची व्यवस्था क उल्लंघन क दोसी होइ जात ह। ¹¹काहेकि जे इ कहे रहा, “व्यभिचार न करा।” * उहइ तउ इहउ कहे रहा, “हतिया न करा।” * तउन अगर तू व्यभिचार नाही करत्या परन्तु हतिया करत अहा तउ तू व्यवस्था क तोड़इवाला अहा। ¹²तू उही लोगन क समान बोला अउर ओनही क जइसेन आचरण करा जेकर ओह व्यवस्था क अनुसार निआव होइ जात बा, जेसे छुटकारा मिलत ह।

¹³जउन दयालुता नाही देखउतेन ओकरे बरे परमेस्सर क निआव बिना दया के ही होइ। किन्तु दया निआव प बिजइ पावत ह।

बिसवास अउर सत् करम

¹⁴मोर भाइयो तथा बहिनियो, अगर केउ मनई कहत ह कि उ बिसवासी बा त मुला कछू करम नाही करत तउ अइसेन स का लाभ जब तलक कि ओकरे करम बिसवास क अनुकूल न होइ? अइसेन बिसवास स का ओकर उद्धार कइ सकत ह? ¹⁵अगर ईसू में लिप्त भाई अउ बहिन क पास कपड़न न होइ, अउर ओनके लगे खाइ तक क कछू भी न होइ, ¹⁶अउर तोहमाँ स ही केउ ओनसे कहइ, “सान्ति स जियाअ, परमेस्सर तोहार कल्यान करइ अपने क गरमावा अउर अच्छे तरह भोजन करा।” अउर तू ओनके सरीरीक जरूरतन क चीजन ओन्हे न द्या तउ फिन एकर का मूल्य बा? ¹⁷इहइ बात बिसवास क समबन्ध में कहि जाउ सकत ह। अउर अगर बिसवास क साथे करम नाही बा तउ उ अपने आप में बिना प्राण क बाटइ।

¹⁸परन्तु केउ कहि सकत ह, “तोहरे लगे बिसवास बा, जबकि मोरे लगे करम बा अब तू बिना करमन क आपन बिसवास देखावा अउर मई तोहे आपन बिसवास अपने करमन क द्वारा देखाउवा।” ¹⁹का तू बिसवास करत अहा कि परमेस्सर केवल एक बा? अद्भुत! दुस्त आतिमा इ बिसवास करत ह कि परमेस्सर बा अउर उ काँपत रहत ह।

²⁰अरे मूरख! का तोहे प्रमाण चाही कि करम रहित बिसवास बेकार बा? ²¹का हमार पिता इब्राहीम अपने करमन क आधार प ही ओह समइ परमेस्सर धर्मी नाही ठहरावा गवा रहा जब उ अपने बेटवा इसहाक क वेदी प अर्पित कइ दिहे रहा? ²²तू देखा कि ओकर इ बिसवास

ओकरे करमन क साथे ही सक्रिय होत रहा। अउर ओकर करमन स ही ओकर बिसवास परिपूर्ण कीन्ह गवा रहा। ²³एह तरह पवित्तर सास्तर क इ कहा पूरा भवा रहा, “इब्राहीम तउ परमेस्सर प बिसवास किहेस अउर बिसवासे क अधार पे ही उ परमेस्सर का धर्मी ठहरा।” * अउर इही स ही उ “परमेस्सर क दोस्त” * कहा गवा। ²⁴तू देखा कि केवल बिसवासी स नाहीं, बल्कि अपने करमन स ही मनई परमेस्सर का धर्मी ठहरत ह।

²⁵इही तरह राहाब बैस्या भी बीका, जब उ परमेस्सर क दूतन क अपने घरे मँ स्वागत किहेस अउर फिन ओन्हे दुसरे रस्ता स कहुँ भेज दिहेस तउ ओह समइ का अपने करमन स परमेस्सर क धर्मी नाहीं ठहराई गइ।

²⁶एह तरह जइसेन बिना आत्मा क सरीर भरा हुआ बा, वइसेनइ करम बिना बिसवास का निजीव बा।

बानी क संयम

3 मोर भाइयो तथा बहिनियो, तोहमँ स बहुतन क सिच्छक बनइ क इच्छा न करइ चाहीं। तू जनतइ अहा कि हम सिच्छकन क अउर जियादा कड़ाइ क साथे निआव कीन्ह जाई। ²काहेकि मई सब कइयउ बातन मँ चूक जाइत ह। सभन स बहुत स भूल होतइ रहत हीं। अगर केउ बोलइ मँ कउनउ चूक न करइ तउ उ एक सिद्ध मनई अहइ तउ फिन अउर उ पूरी देह प नियन्त्रण कइ सकत ह? ³हम घोड़न क मुँह मँ एह बरे लगाव लगावत अही कि उ हमरे बस मँ रहइ। अउर एह तरह ओनके पूरे सरीर क हम बस मँ कइ सकित ह। ⁴अउर जल-यानन क बारे मँ भी इ बात सत्य अहइ। देखा, चाहे उ जहानन केतनउ बड़ा होत हीं अउर सक्तिशाली हवा क द्वारा चलावा जात हीं, परन्तु एक छोटी स पतवार स ओनका नाविक ओन्हे जहाँ कहुँ लइ जाइ चाहत ह। ओह प काबू पाइ क ओन्हे लइ जात ह। ⁵इही तरह जीभ, जउन सरीर क एक छोटी स अंग अहइ, तवहुँ बड़ी बड़ी बात कहि डवइ क डींग मारत रहत ह।

अब तनिक सोचा एक जरा स लपट पूरा जंगल क जराइ सकत ह। ⁶हाँ, जीभ: एक एक आग क साथ अहइ। इ बुराइ क एक पूरा संसार अहइ। इ जीभ हमरे सरीर क अंग मँ एक अइसेन अंग अहइ, जउन पूरा सरीर क नियन्त्रण मँ रखीके भ्रष्ट कइ डवत ह अउर हमारा पूरा जीवन चक्र मँ ही आग लगाइ देत ह। इ जीभ नरक क आग स धधकत रहत ह। ⁷देखा, हर तरह क

हिंसक पसु, पंछी, रेंगइवाला जीव जंतु अउर मछरी प्राणी मनई द्वारा बस मँ कीन्ह जाइ सकत ह अउर कीन्ह भी गवा अहई। ⁸परन्तु जीभ क केउ भी मनई बस मँ नाहीं कइ सकत। इ घालक बिस स भरा एक अइसेन बुराइ अहइ जउन कभउँ चैन स नाहीं रहत। ⁹हम इही जीभ स अपने पभू अउर परमेस्सर क स्तुति करत अही अउर इही जीभ स लोगन क जउन परमेस्सर क समानता मँ पैदा कीन्ह गवा अहई, मनइयन क कोसत अही। ¹⁰एककइ मुँह स स्तुति अउर अभिसाप दुन्नक निकरत हीं! मोर भाइयो तथा बहिनियो, अइसेन तउ न होइ चाहीं। ¹¹सोतन क एककइ मुहाने स भला का मीठ अउर खारा दुन्नक तरह क जल निकर सकत ह। ¹²मोर भाइयो तथा बहिनियो, का अंजीर क पेड़े पे जइतून क लता प कभउँ अंजीर लगत ह? निस्चय ही नाहीं। अउर न तउ खारा झोत स कभउँ मीठ जल निकर पावत ह।

सच्चा विवेक

¹³भला तोहमँ, गियानी अउर समझदार कउन हयेन? जउन हयेन, ओका अपने करमन अपने अच्छे चाल चलन स उ नम्रता स प्रकट करम जउ गियान स उत्पन्न होत ह। ¹⁴परन्तु अगर तू जउनने लोगन क हिरदइ कड़ावहट, ईर्सा अउर सुवारथ भरा हुआ बा, तउन ओनके सामने अपने गियान क ढोल न पीटा। अइसेन कइके त तू सत्य प परदा डवत भए असत्य बोलत अहा। ¹⁵अइसेन “गियान” तउ परमेस्सर स नाहीं, बल्की उ त सांसारिक अहइ। आत्मिक नाहीं अहइ। अउर सइतान क अहइ। ¹⁶काहेकि जहाँ ईर्सा अउर सुवारथ पूर्ण महत्वपूर्ण इच्छा रहत ह, उहाँ अव्यवस्था अउर भ्रम अउर हर तरह क खराब बात रहत हीं। ¹⁷परन्तु परमेस्सर स आवइवाला गियान सबसे पहिले तउ पवित्तर होत ह, फिन सान्तिपूर्ण, सहज-खुस करुना स भरा होत ह। अउर ओसे अच्छा करमन क फसल उपजत ह। उ पच्छपात रहित अउर सच्चा भी होत ह। ¹⁸सान्ति क बरे काम करइवाले लोगन क भी धरमपूर्ण जीवन क फल मिली अगर ओका सान्तिपूर्ण तरीके मँ कीन्ह गवा अहइ।

परमेस्सर क अर्पित होइ जा

4 तोहरे बीच लड़ाइ-झगड़ा क का कारण बाटेन? का ओनकर कारण तोहरे अपने ही भितर का वासना नाहीं बाटइ? तोहार उ भोग बिलासपूर्ण इच्छा भी जउन तोहरे भितर हमेसा द्वन्द्व करत रहत हीं? ²तू लोग चाहत अहा परन्तु तोहे मिल नाहीं पावत। तोहमँ ईर्सा बा अउर तू दुसरे क हतिया करत हया फिन जउन चाहत अहा, पाइ नाहीं सकत्या। अउर इही बरे तू लड़त-झगड़त रहत अहा अउर युद्ध करत अहा। आपन इच्छित चीजन

“इब्राहीम ... ठहरा” उत्पत्ति 15:6

“परमेस्सर क दोस्त” 2 इति 20:7; यसा 41:3

क तू पाइ नार्हीं सकत्या काहेकि तू ओन्हे परमेस्सर स नार्हीं मंगत्या।³ अउर जब मांगत भी अहा लेकिन पउत्या नार्हीं काहेकि तोहार उद्वेस्स पवित्तर नार्हीं होत। काहेकि तू ओन्हे अपने भोग-बिलास मँ ही नस्ट करइ क बरे मांगत अहा।⁴ अरे, बिसवास बिहीन लोगो! का तू नार्हीं जानत अहा कि संसार स पिरेम करइ का मतलब होत ह परमेस्सर स घिना करब जइसेन ही बाटइ? जउन कउनउ एह दुनिया स दोस्ती रखइ चाहत ह, उ अपने आपके परमेस्सर क सत्रु बनावत ह।⁵ का तू अइसेन सोचत ह कि पवित्तर सास्तर अइसेन बेकारइ मँ कहत ह, “परमेस्सर तउ हमरे भितर जउन आतिमा दिहे अहइ, उ आतिमा केवल अपने बरे ही सोचत ह।”⁶ परन्तु परमेस्सर तउ हम पे बहुत जियादा अनुग्रह दरसाए अहइ, इही बरे पवित्तर सास्तर मँ कहा गवा बा, “परमेस्सर घमंडियन क विरोधी अहइ जबकि विनम्र जनन पे आपन अनुग्रह दरसावत ह।”⁷ इही बरे अपने आपके परमेस्सर क अधीन कइ द्या। सइतान क विरोध करा। उ तोहरे सामने स भागि खड़ा होइ।⁸ परमेस्सर क लगे आवा, उहउ तोहरे लगे आवइ। अरे पापियन, आपन हाथ सुद्ध करा अउर अरे संदेह करइवालन, अपने हिरदय क पवित्तर करा।⁹ सोक करा, बिलाप करा अउर रोवा। होइ सकत ह तोहरे इ हँसी सोक मँ बदलि जाइ अउर तोहरे इ खुसी बिसाद मँ बदलि जाइ।¹⁰ पभू क सामने खुद क नवावा। उ तोहे ऊँचा उठाई।

निआवकर्ता तू नार्हीं अहा

¹¹ भाइयो तथा बहििनियो, एक दुसरे क विरोध मँ बुरा बोलब बन्द करा। जउन अपने ही भाई क विरोध मँ बुरा बोलत हीं, अउर ओका दोसी ठहरावत हीं, उ व्यवस्था क दोसी ठहरत ह। अउर उ व्यवस्था प दोस लगावत अहा अउर यदि तू व्यवस्था प दोस लगावत अहा तउ व्यवस्था क पालन करइवाला नार्हीं रहत्या बरन स्वयं ओकरे निआवकर्ता बन जात अहा।¹² लेकिन व्यवस्था क देइवाला अउर ओकर निआव करइवाला तउ बस एकइ बा। अउर उहइ रच्छा कइ सकत ह अउर उहइ खतम करत अहइ। तू फिन अपने साथी क निआव करइवाला तू कउन होत ह्या?

आपन जीवन परमेस्सर क चलावइ द्या

¹³ अइसेन कहइवाले सुना, “आजु या काल्हि हम एह या ओह नगर मँ जाइके एक साल भर उहाँ व्यपार मँ धन लगाइके बहुत स पइसा बनाइ लेबइ।”¹⁴ परन्तु तू त

एतनउ नार्हीं जनत्या कि काल्हि तोहरे जीवन मँ का होइ! देखा! तू त ओह धुंध क समान अहा जउन रचिके देर बरे देखौत ह अउर फिन खोइ जात ह।¹⁵ तउन एकरे स्थान प तोहका तउ हमेसा इहइ कहइ चाही, “यदि पभू की इच्छा होइ तउ हम जीवित रहबइ अउर इ या उ काम भी करबइ।”

¹⁶ परन्तु स्थिति तउ इ बा कि तू तउ अपने आडम्बर पइ खुदइ गरब करत ह्या। अइसेन सब गरब बुरा बाटइ।¹⁷ तउ फिन इ जानत भए इ उचित बा, ओका न करब पाप बा।

सुवार्थी धनी दण्ड क भागी होइहीं

5 धनवान लोगो सुना! जउन विपत्तियन तोह प आवइवाली बाटिन, ओकरे बरे रोवा अउर ऊँचा स्वर मँ बिलाप करा।² तोहर धन सड़ा चुका बा। तोहर पोसाकन कीडन द्वारा खाइ लीन्ह गइ बा।³ तोहार सोना, चाँदी जंग लग जाइसे रंग बिगड़ गवा बा। ओह पे लगी जंग तोहरे विरोध मँ साच्छी देई अउर तोहरे सरिर को आगी की तरह चाट जाई तू अन्तिम दिनन बरे आपन खजाना बचाइके रक्खो अहा।⁴ सोचा, तोहरे खेतन मँ जउन मजूदरन काम किहेन, तू ओनकर मेहनताना नार्हीं दिए अहा ओका रोकि रखे अहा। उहई मेहनताना चीख पुकार करत बाटइ। अउर खेतन मँ काम करइवालन क उ चीख पुकारइ सर्वसक्तिमान पभू क कानन तलक जाइ पहुँची बा।

⁵ धरती पे तू बिलासपूर्ण व्यर्थ जीवन जिए अहा अउर अपने आपके भोग बिलासन मँ डुबोए रखे अहा। एह तरह तू अपने आपके बध कीन्ह जाइके दिनके बरे पाल पोसी क हिस्ट-पुस्ट कइ लिहे अहा।⁶ तू भोले लोगन क दोसी ठहराइके ओनके कीहीउ प्रतिरोध क अभाव मँ ही ओनकर हतिया कइ डाय। ह।

धीरज रखा

⁷ तउन भाइयो तथा बहििनियो, पभू क फिन स आवइ तलक धीरज धरा। उ किसान क धियान धरा जउन आपन धरती क मूल्यवान उपज क बरे बाट जोहत रहत ह। एकरे बरे उ सुरु क बरखा स लइके बाद क बरखा तलक हमेसा धीरज क साथे बाट जोहत रहत ह।⁸ तोहे भी धीरज क साथे बाट जोहइ चाही। अपने हिरदइ क मजबूत बनाए रखा काहेकि पभू क द्वारा आउब लगे ही बा।

⁹ भाइयो तथा बहििनियो, आपस मँ एक दुसरे क सिकाइत न करा ताकि तोहे अपराधी न ठहरावा जाइ। देखा, निआवकर्ता दरवाजे क झ्योड़ी प खड़ा बा।¹⁰ भाइयो तथा बहििनियो, ओन नबियन क याद रखा जे पभू क बरे

बोलेन ह। उ हमरे बरे जातना झेलइ अउर धीरज स भरी सहनसीलता क उदाहरण हयेन।¹¹ धियान रखा, हम ओनकर सहनसीलता क कारण ओनका धन्य मानित अही। तू अय्यूब क धीरज क बारे में सुने ही अहा। अउर पभू तउ ओका ओकर आखिर में कउन परिणाम प्रदान किहेस, काहेकि तू भी जनतइ अहा कि पभू केतौना दयालु अउर करुनापूर्ण अहइ।

सोची बिचारिके बोला

¹²मोर भाइयो तथा बहिनियो, सबसे बड़ी बात इ बा कि सरग क अउर धरती क या कीहीउ तरह क कसम खाइ छोड़ि द्या। तोहार “हाँ”, हाँ होइ चाही, अउर “ना”, ना होइ चाही। ताकि तोहका दोसी न ठहरावा जाइ सकइ।

पराथना क सक्ती

¹³अगर तोहमाँ स कउनो विपत्ति में पड़ा बा तउ ओका पराथना करइ चाही अउर अगर केउ खुस बा तउ ओका स्तुति-गीत गावइ चाही।

¹⁴अगर तोहरे बीच कउनो रोगी बा तउ ओका कलीसिया क निरीच्छकन क बोलावइ चाही कि उ ओकरे बरे पराथना करइ अउर ओह प पभू क नाउँ में

तेल मलइ।¹⁵ बिसवास क साथे कीन्ह गइ पराथना स रोगी निरोगी होत ह। अउर पभू ओका उठाइके खड़ा कइ देत ह। अगर उ पाप किहे अहइ त पभू ओका छमा कइ देइ।

¹⁶इही बरे अपने पापन क परस्पर स्वीकार अउर एक दुसरे क बरे पराथना करा ताकि तू भला चंगा होइ जा। अच्छा मनई क पराथना सवितसाली अउर प्रभावपूर्ण होत ह।¹⁷ एलिव्याह एक मनई ही रहा ठीक हमरे जइसा। उ तेजी क साथे पराथना किहेस कि बरखा न होइ अउर साढ़े तीन साल छह महीना तलक धरती प बरखा नाहीं भइ।¹⁸ उ फिन पराथना किहेस अउर अकास में बरखा उमड़ि पड़ी अउर धरती आपन फसल उपजाएस।

एक आत्मा क रच्छा

¹⁹मोर भाइयो तथा बहिनियो, तोहमाँ स कउनो अगर सत्य स भटक जाइ अउर ओका कउनउ फिन लउटाइ लइ आवइ तउ ओका इ पता होइ चाही कि²⁰ जउन कीहीउ पापी क पाप क रस्ता स लउटाइ लियावत ह उ ओह पापी क आत्मा क अनन्त मउत स बचावत ह अउर ओकरे कइयउ पापन क छमा कीन्ह जाइ क कारण बनत ह।

पतरस क पहिली पत्र

1 पतरस कइँती स, जउन ईसू मसीह क प्रेरित अहइ, परमेस्सर क उ चुने भए लोगन क नाउँ जउन पुन्तुस, गलातिया, कप्पुदुक्रिया, एसिया अउर बिथुनिया क छेत्रन में सब कहूँ फैले अहई।² तू जेनका परमपिता परमेस्सर क पूर्व गिथान क हिसाब स चुना गवा अहइ, जउन अपनी आत्मा क पवित्तर करइ जिनका ओनकइ आज्ञाकारी होइ खातिर अउर जेनपइ ईसू मसीह क लहू छिड़काव स पवित्तर कीन्ह जाइ क खातिर चुना गवा रहा तू पचन्क ऊपर परमेस्सर क अनुग्रह अउर सांति ज्यादा स ज्यादा होत रहइ।

सजीव आसा

³ हमरे परभू ईसू मसीह क परमपिता परमेस्सर धन्य होइ। मरे भए में स ईसू मसीह फिन जिअइ क कारण स ओकर अपार करुणा में स सजीव आसा पावइ खातिर उ हमका नवा जनम दिहे अहइ।⁴ जेहिसे सरग में सुरच्छित ढंग स रखे भए अजर-अमर अउर जेनका नस्ट नहीं कीन्ह जाइ सकत सरगे में तोहरे बरे सुरच्छित अहइ।⁵ जे आपन बिसवास दुआरा परमेस्सर स सुरच्छित अहई ओनका उ उद्धार जउन समइ क अंतिम कोना में प्रकट होइ क हइ, मिल जाइ।⁶ एह पइ तू बहुत प्रसन्न अहा। मुला अब तू पचन्क तनिक बेर खातिर तरह तरह क इम्तहान में पड़िके दुखी होब जरूरी अहइ।

⁷ जेहिसे तू पचन्क जउन परखा नासवान भवा बिसवास अहइ, जउन आगी में परखा नासवान सोनो स ज्यादा कीमती अहइ, ओहका जब ईसू मसीह परगट होई, परमेस्सर स प्रसंसा महिमा अउर आदर मिलइ चाही।

⁸ तू पचे ईसू मसीह क देखे नहीं अहा, मुला तू पचे ओसे पिरेम करत अहा। चाहे तू पचे ओका दइ नहीं पाए रह्या ह, मुला तबउ ओहमें बिसवास रखत अहा अउर एक अइसे आनन्द स भरा भवा अहा जउन कहइ लायक नहीं अहइ अउर महिमावान अहइ।⁹ अउर तू पचे अपने बिसवास क कारण लच्छ तक पहुँच रहे अहा जेहसे आत्मा क तउ उद्धार होइ।¹⁰ उद्धार क बारे में उ नबियन बड़े मेहनत स पता लगाइन हइ अउर बड़ी हुसयारी स पता खोजेन हइ, जउन तउ प परगट होइवाले अनुग्रह क भविस्सबाणी क दिहे रहेन।¹¹ उ नबियन मसीह क आत्मा स इ जानिन जउन मसीह प होइवाले दुखन क बतावत रही अउर उ महिमा

जउन इ दुखन क बाद परगट होई। इ आत्मा ओनका बतावत रही। इ बातन इ दुनिया में कब होईहीं अउर तब इ दुनिया में का होइ।¹² ओनका इ देखाइ दीन्ह गवा रहा कि उ बातन क प्रवचन करत भए उ पचे आपन सेवा खुदइ नहीं करत रहेन बल्कि तोहार सबन्क करत रहेन। उ बतियन तू सबन्क सरग स पठए गए पवित्तर आत्मा क द्वारा तू पचन क ओन लोगन स जउन सुसमाचार मिला जे तोहरे बरे लिआवत रहेन। अउर उ बातन क जानइ खातिर सरगदूतन तरसत अहई।

पवित्तर जीवन खातिर बुलावा

¹³ इ खातिर आपन दिमाग काम क बरे तैय्यार रखा अउर अपने ऊपर नियंत्रण रखा। उ बरदान जउन ईसू मसीह क परगट अहइ प तू पचन्क मिलइवाला अहइ, पूरी आसा रखा।¹⁴ आज्ञा मानइवाले बचवन क नाई उ समइ क बुरी इच्छन क हिसाब स अपने क न ढाला जउन तू पचन में पहिले स रहीं जब तू पचे अज्ञानी रह्या।¹⁵ बल्कि जइसे तू सबन क उ परमेस्सर जउन सबन्क बोलावत अहइ पवित्तर अहइ उहइ क तरह अपने करमन में पवित्तर बना।¹⁶ पवित्तर सास्तरन में लिखा अहइ: “पवित्तर बना, काहेकि मई पवित्तर अहउँ।”*

¹⁷ अउर अगर तउ प्रत्येक करमन क हिसाब स पच्छपात रहित होइके निआव करइवाले परमेस्सर क हे पिता! कहिके पुकारत अहा तउ उ परमेस्सर सबन क संग बिना भेद-भाव क निआव करत ह। तउ इ परदेसी धरती में अपने रहइ वाले दिनन क इज्जत अउर परमेस्सर क डर क साथ बितावा।¹⁸ तुम इ जानत अहा कि सोना या चाँदी जइसेन वस्तुअन स तू पचे उ व्यर्थ जीवन स छुटकारा नहीं पाइ सकत अहा जउन तू पचन क तोहरे पूर्वजन स मिला बाटइ।¹⁹ बल्कि उ तउ तू पचन के निर्दोस अउर कलंक रहित मेमने क समान मसीह क कीमती लहू स तू सबन क मिल सकत ह।²⁰ इ संसार क बनइ स पहिलेन ओहका चुन लीन्ह गवा रहा मुला तू पचे खातिर अन्तिम दिनन में परगट कीन्ह गवा ह।²¹ उ मसीह क कारण तू पचे उ परमेस्सर में बिसवास करत रह्या जउन मरे भएन में स जियाइ

दिहसे अउर महिमा दिहसे। इ तरह परमेस्सर मैं तोहारे आसा अउर बिसवास स्थिर अहइ।

²²अब तू सत्य क पालन करत भए, नीक भाईचारा अउर पिरेम क प्रदर्शित करइ खातिर अपने आतिमा क पवित्तर क लिहे अहा, पवित्तर हिरदय क साथ परस्पर पिरेम क आपन लच्छ बनाइ ल्या। ²³तू नासमान बीज स फिन स जीवन प्राप्त नाहीं किहा ह बल्कि इ उ बीज क परिणाम अहइ जउन अमर हइ। तोहारे पुनर्जनम परमेस्सर क उ नीक सन्देश स भवा अहइ जउन जिअत अहइ अउर हमेसा अटल रहत ह। ²⁴काहेकि पवित्तर सास्तर कहत ह,

“प्राणी त सबइ घास बरोबर अहइँ, अउर ओनके सज, धज सब घास क फूलन जइसी, घास सूख जात ह अउर फूल उड़ जात हीं

²⁵ मुला टिका रहत ह परमेस्सर क इ संदेसा सदा हीं।”

यसायाह 40:6-8

इ उहइ नीक संदेस अहइ जेहका तोहका उपदेस दीन्ह गवा ह।

सजीव पाथर अउर पवित्तर प्रजा

2 इहइ खातिर सब बुराइयन, छल-छदम पाखण्ड अउर बैर-विरोधन अउर दुसरे क दोख मइइ स अलग रहा। ²नवजात बचवन क तरह सुद्ध आत्मिक दूध खातिर ललचावा करा जेहिसे तोहार विकास अउर तोहका बचावा जाइ सकइ। ³अब देखा तू पचे तउ परमेस्सर क अच्छाई क स्वाद तउ लइ ही लिहे अहा।

⁴ओह क लगे आवा। उ सजीव “पत्थर” अहइ। वहिका संसारी लोगन क नकार दिहे रहा मुला उ परमेस्सर खातिर बहुमूल्य अहइ अउर जउन ओकरे द्वारा चुना गवा अहइ। ⁵तू पचे भी सजीव पाथरन क तरह एक आत्मिक मंदिर क रूप मैं बनाइ जात अहा। जइसेन पवित्तर याजकन क रूप मैं सेवा कइ सका। जेहिमा कर्तव्य अइसेन आत्मिक बलिदानन क समर्पित करब अहइ जउन ईसू मसीह क द्वारा परमेस्सर क ग्रहन करइ लायक होइ। ⁶पवित्तर सास्तर मैं लिखा बा :

“देखउ, मइँ राखत हउँ सिय्योन मैं कोने क पत्थर एक जउन अहइ बहुमूल्य अउर अहइ चुना गवा ओहि पइ जउन बिसवास करी ओका कबहुँ क लजाइ न परी।”

यसायाह 28:16

⁷एकर मूल्य तउ ओहके बरे अहइ जउन बिसवास करत हीं मुला ओनके खातिर जउन बिसवास नाहीं करत अहइँ:

“उ पाथर जेहिका सिल्पियन नकारिन बन गवा सबसे महत्वपूर्ण कोने क पाथर।”

भजन संहिता 118:22

⁸ तथा उ बन गया:

“एक पाथर जहाँ लोग ठोकर खाइ अउर अइसी चट्टान जहाँ स मनई फिसल जाई।”

यसायाह 8:14

लोग ठोकर खात हीं काहेकि उ परमेस्सर क वचन क पालन नाहीं करतेन बस ओनकइ इही नीत रही बाटइ।

⁹मुला तुम तउ चुने भए लोग अहा, याजकन क राज्य, एक पवित्तर राष्ट्र एक अइसेन मनइयन जउन परमेस्सर क आपन अहइँ, जइसेन तउ परमेस्सर क अचरज कारजन क घोषणा कइ सका।” उ परमेस्सर जउन तोहका अन्धकार स अद्भुत प्रकास मैं बोलाइस ह।

¹⁰एक समइ रहा जब तुम परमेस्सर क लोग नाहीं रह्या। मुला अब तुम परमेस्सर क लोग अहा। एक समइ रहा जब दया क पात्र नाहीं रह्या मुला अब तू सबन प परमेस्सर दया देखाइस ह।

परमेस्सर खातिर जिआ

¹¹पिआरे वन्धुयन, तू पचे इ संसार मैं अतिथि अउर अजनबी क रूप मैं अहा एह बरे मइँ तू पचन स निवेदन करत अहउँ कि उ सारीरिक इच्छन स दूर रहा जउन तोहारे पचन क आतिमा स जुड़त हीं।

¹²अबिसवासियन मैं आपन व्यवहार ऐतना नीक बनाए रहा कि चाहे उ अपराधियन क रूप मैं तोहार सबन क आलोचना करइँ मुला तोहारे नीक कर्मन क परिणाम सरूप परमेस्सर क आवइ क दिन मैं परमेस्सर क महिमा प्रदान करा।

अधिकारी क आज्ञा माना

¹³पभूँ खातिर हर मानवीय अधिकारिक क अधीन रहा। ¹⁴राजा क अधीन रहा। उ सर्वोच्च अधिकारी अहइ। सासकन क अधीन रहा। उ ओनका कुकर्मियन क दण्ड देइ खातिर अउर नीक काम क प्रसंसा करइ खातिर भेजे अहइ। ¹⁵काहेकि परमेस्सर क इहइ इच्छा अहइ कि उ अपने नीक कर्मन स मूरखन क अगियान भरी बातन क चुप कराइ देइ। ¹⁶स्वतंत्र मनइयन क तरह जिआ मुला स्वतंत्रता क बुरे कर्मन क आइ न बनइ द्या। परमेस्सर क सेवक बनके जिआ। ¹⁷सबन क सम्मान करा। अपने धरम भाइयन तथा बहिनियन स पिरेम करा। परमेस्सर प श्रद्धा रखा। सासक क सम्मान करा।

मसीह की यातना क दिस्टान

¹⁸सेवको, यथोचित आदर क साथ अपने स्वामियन क अधीन रहा। न केवल ओनके जउन नीक बाटेन अउर दूसरे क खातिर चिंता करत अहई बल्कि ओनके बरे जउन कठोर अहई। ¹⁹काहेकि यदि कउनो परमेस्सर क उपस्थिति क प्रति सचेत रहत भए यातना सहत ह अउर अन्याय झेलत ह तउ उ प्रसंसनीय अहइ। ²⁰मुला अगर बुरे करम क खातिर तोहका पीटा जात ह अउर तू ओका सहत ह तउ एहिमी प्रसंसा क कउन बात अहइ, मुला अगर तोहरे कर्मन खातिर तोहका कस्ट दीन्ह जात ह तउ परमेस्सर क सामने उ प्रसंसा क योग्य अहइ। ²¹परमेस्सर तोहका इ खातिर बोलाइस ह काहेकि मसीह हमरे बरे दुख उठाइस ह अउर इ कइके हमरे बरे एक उदाहरण छोड़िस ह ताकि मई ओही क चरण चिन्हन प चल सकऊँ।

22 “उ (मसीह) कउनो पाप नाहीं किहेस अउर न ही ओकरे मुँहे स कउनो छल की बात निकरी।”

यसायाह 53:9

²³जब उ अपमानित भवा तउ उ कउनो क अपमान नाहीं किहेस अउर जब उ दुख झेलिस, उ कउनो क धमकी नाहीं दिहस, बल्कि उ सच्चे निआव करइवाले परमेस्सर क आगे अपने क अर्पित कइ दिहेस। ²⁴उ क्रूस अपने देह मँ हमरे पापन क ओढ़ लिहिस। जइसेन अपने पापन क प्रति हमार मउत होई जाइ अउर जउन कछू नेक अहइ मई ओकरे बरे जिई, ई उ घावन क कारन भवा ह जेनसे तू पचे चंगे कीन्ह गए रहया। ²⁵काहेकि तुम भेड़न क समान भटके रहया अउर अब तू पचे अपने गड़रिया अउर अपनी आतिमन क बचइया लगे लौटि आए अहा।

पत्नी अउर पति

3 इही तरह पत्नियन अपने पतियन क अधीनता मानत रहई। जइसेन यदि ओनमँ स कउनो परमेस्सर क उपदेस क पालन नाहीं करतिन तब उ पचे कछू तोहरे पवित्तर अउर आदरपूर्ण चाल चलन स जीत लीन्ह जाई, बिना कउनो बात-चीत क उ सबइ जउनने तरह तू पचे अच्छी तरह स रहति अहा।

²तोहार पति लोग तोहार पवित्तर जीवन क देखिहीं जउन तरह तू पचे परमेस्सर क आदर देत भए रहबिउ। ³तोहार साज सिंगार बाहरी न होइ क चाही मतलब जउन बात क चोटी गुहइ, सोने क आभूषण पहिरइ अउर नीक नीक कपड़ा पहिरइ स होत ह। ⁴बल्कि तोहार सिंगार तउ तोहरे भीतर क व्यक्तित्व होइ चाही जउन कोमल सान्त आतिमा क अविनासी सौन्दर्य स

युक्त होइ। परमेस्सर क दृष्टि मँ जउन मूल्यवान होइ। ⁵काहेकि बीते जुगा मँ उ सबइ स्त्रियन क, अपने क सजावइ क इही ढंग रहा, जइसेन ओनकर सबइ आसा परमेस्सर प टिकी अहई उ पचे अपने पति क अधीन रहत रहिन।

⁶जइसेन इब्राहीम क आज्ञा मानइवाली रहइवाली सारा जउन ओका आपन स्वामी मानत रही। तू पचे भी अगर नीक काम करत अहा अउर डेरात नाहीं अहा तउ सारा क बिटिया ही अहा।

⁷जइसेन ही तू सबइ पति लोग, अपनी पत्नियन क साथ समझदारी स रहा, काहेकि वह सारीरिक दृष्टि स कमजोर अहई। जीवन क बरदान मँ ओनका आपन उत्तराधिकारी माना जइसेन तोहरे पराथना मँ बाधा न पड़इ।

सत्कर्मन क खातिर दुख झेलब

⁸आखिर मँ तुम पचेन क सान्ति स रहइ चाही। एक दुसरे क समझइ क कोसिस करा। एक दुसरे स भाइयन क तरह पियरेम करा। दयालु अउर नरम बना। ⁹एक बुराई क बदला दूसर बुराई स न द्या न कि गाली क बदले गाली द्या। एकरे विपरीत आसीस द्या। काहेकि परमेस्सर तोह पजन क आसीबाद देइ बरे बोलाएस ह। इही स तू पचन्क परमेस्सर क आसीबाद क उत्तराधिकार मिली ¹⁰पवित्तर सास्तर कहत ह:

“जउन जीवन क आनन्द उठावइ चाहइ जउन समइ की सद्गति क देखइ चाहइ चाही ओका कि कबहुँ बुरा न बोलइ उ अपने ओठन क छल वाणी स रौकइ

¹¹ बुराई स अपने क अलग रखइ। उ करइ सदा उ नेक करमन क जउन अहइ नीक चाही ओका कर जतन सान्ति पावइ चाही ओका अनुसरण करइ सान्ति क

¹² पभू की आँखिन अहई टिकी ओनहिन प जो नीक अहई लागे कान पभू क ओनकी पराथना प पर जउन करत अहई बुरा करम मुँहना सदा फेरत अहइ पभू ओनसे।”

भजन संहिता 34:12-16

¹³अगर जउन उत्तम अहइ तू पचे उहइ क करइ क लालायित रहा तउ भला कउनो तोह सबन क नुकसान पहुँचाइ सकत ह। ¹⁴मुला अगर तोहका भले क खातिर दुख उठावइ क पड़इ तउ तू सब धन्य अहा। “इही खातिर कउनो क भय स भयभीत न रहा अउर न परेसान हवा अउर न विचालित।” * ¹⁵अपने मन मँ

“इही ... विचालित” यसा 8:12

मसीह क पर्भू क प्रति नरम हवा, श्रद्धा स नत हवा! तू जउन बिसवास रखत अहा अगर कउनो ओकरे बारे में पूछइ तउ सदा उत्तर देइ क तैयार रहा।

¹⁶मुला विनम्रता अउर आदर क साथ अइसा करा। आपन हिरदइ सुद्ध राखा जइसेन अपने अच्छे मसीह व्यवहार स तोहरे नीक गुणन क निंदा करइवाले तोहार अपमान करत भए लजाइँ। ¹⁷अगर परमेस्सर क इही इच्छा अहइ कि इ अच्छा बाटइ अच्छे काम करत भये दुख उठावा इ नाही कि बुरा काम करत भए।

¹⁸काहेकि ईसू मसीह भी हमरे पाप खातिर दुख उठाइस। मतलब उ निर्दोष रहइ हम सबइ पापियन खातिर एक बार मरि गवा ताकि हमका परमेस्सर क नगीचे लइ जाइ। सरीर क भाव स तउ उ मारा गवा मुला आतिमा में जियावा गवा। ¹⁹आतिमा क स्थिति में उ जाइके जउन जेल में बंदी आतिमन रहिन ओन बंदी भइन आतिमन क उपदेस दिहेस। ²⁰जउन उ समइ परमेस्सर क आज्ञा न मानइवाली सबइ आतिमा रहिन जब नूह क नाव बनाई जात रही अउर परमेस्सर बड़े धीरज क साथ प्रतीच्छा करत रहा उ नाव में थोडेन-मतलब आठइ मनई पानी स बचावा जाय सकेन। ²¹इ पानी उ बपतिस्मा क तरह अहइ जेहिसे अब तोहार उद्धार होत अहइ। बपतिस्मा सरीर क मेल क छोड़ावइ बरे नाही अहइ, बल्कि सुद्ध अंतःकरण खातिर परमेस्सर स बिनती अहइ। अब तउ बपतिस्मा तोहका ईसू मसीह क पुनरुत्थान क द्वारा बचावत अहइ। ²²उ ईसू सरग में गवा अउर अब परमेस्सर क दाहिने हाथ बिराजमान अहइ अउर अब सरगदूत, अधिकारियन अउर सबइ सक्तियन ओकरे अधीन कइ दीन्ह गइ अहइँ।

बदला भवा जीवन

4 जब मसीह सारीरिक कस्ट उठाइस तउ तू पचे उहइ मानसिकता क सास्तर क तरह धारण करा काहेकि जउन सरीर स दुख उठावत ह उ पापन स छुटकारा पाइ लेत ह ²इ बरे फिन मनइयन बुरी इच्छा क अनुसरण न करइँ। बल्कि परमेस्सर क इच्छा क हिसाब स करम करत भए अपने बाकी भौतिक जीवन क सर्मापित कइ देइँ। ³काहेकि तुम अबहिं तक अबोध व्यक्तियन क तरह किसय भोग, सब वासना, पियवकड़पन, उन्माद स भरे गए आमोद-प्रमोद, मधुपान उत्सवन अउर घृणा-पूर्ण मूर्ति पूजा में बहोतइ जियादा समइ बिताइ चुका अहा। ⁴अब जब तू जंगली अउर निरर्थक रहन-सहन में साथ नाही देत अहा तउ ओनका अचरज होत ह। उ पचे तोहार निंदा करत हीं। ⁵ओनका जउन मर चुका अहइँ या जिन्दा अहइँ, अपने व्यवहार क लेखा जोखा मसीह क देइ क पड़ी जउन ओनकइ निआव करइवाला अहइ। ⁶इही बरे ओन बिसवासियन क जउन मर चुका बाटेन सुसमाचार क उपदेस दीन्ह

गवा अहइ कि सारीरिक रूप स चाहे निआव मनइयन क स्तर पइ होइ मुला आत्मिक रूप स परमेस्सर क अनुसार रहइँ।

नीक प्रबन्धकर्ता बना

⁷उ समइ निकट अहइ जब सबइ कछू क अन्त होइ जाई। एह बरे समझदार बना अउर अपने प काबू राखा ताकि तोहका पराथना करइ मैं सहायता मिलइ ⁸अउर सबसे बड़ी बात इ अहइ कि एक दूसरे क प्रति लगातार पिरेम बनाए राखा काहेकि पिरेम स अनगिनत पापन क निवारण होत ह। ⁹बिना कछू कहे सुने एक दूसरे क स्वागत सत्कार करा।

¹⁰जउन परमेस्सर कइँती स केउ क बरदान मिला ह, ओका चाही कि परमेस्सर क नीक प्रबन्धकन क समान, एक दुसरे क सेवा खातिर ओका काम में लावइ। ¹¹जउन प्रबचन करइ, उ अइसा करइ मानो परमेस्सर स निकरे बचनन क सुने रहा होइ। जउन सेवा करइ उ इ सकती स करइ जेहमाँ परमेस्सर प्रदान करत ह जेहिसे सबइ बातन में ईसू मसीह क द्वारा परमेस्सर क महिमा होइ। महिमा अउर सामर्थ्य सदा सर्वदा उही क अहइ। आमीन।

मसीह क रूप में दुख उठाउब

¹²पिआरे बन्धुअन, तोहरे बीच क ई अग्नि परीच्छा क जउन तोहका परखइ खातिर होइ, ऐसे अचरज जिन करा जइसेन तोहरे साथ कउनो अनहोनी घटना घटत होइ। ¹³बल्कि आनन्द मनाआ कि तू पचे ईसू मसीह क सबइ यातना मैं हिस्सा बतावत अहा। ताकि जब ओनकइ महिमा परगट तउ तुमइ आनन्दित अउर मगन रहि सका। ¹⁴यदि मसीह क नाउं प तू पचे अपमानित होत अहा तउ तू ओका सहा काहेकि तउ मसीह क अनुयायी अहा, तू धन्य अहा काहेकि परमेस्सर क महिमावान आतिमा तोहरे साथ बाटइ। ¹⁵तउ तू पचेन मैं स कउनो हत्यारा चोर, कुकर्मि अथवा दूसरे क काम मैं हस्तक्षेप करइवाला बनके दुख न उठावइ। ¹⁶मुला अगर उ मसीही क अनुयायी होइ क कारण दुख उठावत ह तउ ओका लज्जित न होइ क चाही। ओका तउ परमेस्सर इस नाउं क बरे धन्यवाद देइ चाही। ¹⁷काहेकि परमेस्सर क अपनेन परिवार स सुरू होइके निआव सुरू करइ क समइ आइ पहुँचा अहइ। अउर अगर इ हमहिन स सुरू होत ह तउ जउन परमेस्सर क नीक सुसमाचार क स्वीकार नाही कीन्ह हई। ओनमाँ का होई। ¹⁸अउर "यदि एक अच्छे व्यक्ति का उद्धार क पाउब कठिन अहइ तउ परमेस्सर विहीन अउर पापियन क साथे का होई।" *

¹⁹तउ फिन जउन परमेस्सर क इच्छानुसार दुख उठावत ह, ओनका नीक काम करत भए, उ बिसवासमय, सिस्टी क रचयिता क आपन आपन आतिमा सौंप देइ क चाही।

परमेस्सर क जनसमूह

5 अब मई तोहरे बीच जउन बुजुर्ग अहई ओनसे निवेदन करित हउँ मई खुद एक बुजुर्ग अहउँ अउर मसीह जउन यातना झेलिस ह, ओके साच्छी हउँ, जउन ओकर भावी महिमा परगट होई ओकर सहभागी हउँ।

²राह देखावइवाले परमेस्सर क जनसमूह तोहरी देख-रेख मँ अहइ अउर निरीच्छक क रूप मँ तू ओकर सेवा करत अहा, कउनो दबाव क कारण नाही बल्कि परमेस्सर क इच्छानुसार अइसा करा कि अपनी इच्छा क कारण तू आपन इ काम धन क लालच मँ नाही बल्कि सेवा करइ क प्रति अपनी ततपरता क कारण करत अहा।

³देख-रेख क खातिर नाही जउन तोहका सौंपा गवा अहइ तू ओनके सासक न बना। बल्कि समूह बरे आदर्स बना।

⁴ताकि जब उ प प्रमुख गडेरिया परगट होइ तउ तोहका विजय क उ भव्य मुकुट प्राप्त होइ जेकर सोभा कबहूँ नाही घटतइ।

⁵इही तरह हे नवयुवको तू पचे अपने धर्मवृद्ध क अधीन रहा। तू पचे दुसरे क प्रति विनम्रता स सेवा करा। काहेकि,

“करत ह परमेस्सर विरोध अभिमानी क मुला दीनन प, अनुग्रहसील सदा रहत ह।”

नीतिवचन 3:34

⁶इ खातिर परमेस्सर क सक्तिसाली हाथन क नीचे अपने आपको नवावा। जेहिसे ठीक अवसर आवइ पै उ तोहका ऊँचा उठावइ। ⁷तू पचे आपन सबइ चिन्ता ओह पै छोड़ द्या काहेकि उ तोहरे खातिर चिन्तित अहइ।

⁸अपने प नियंत्रण राखा। सावधान रहा। तोहार सनु सइतान एक गरजत सेर क तरह इधर उधर घूमत रहत ह अउर इही ताक मँ रहत ह कि जउन मिलइ ओका फाड़ खावइ। ⁹तू ओकर विरोध करा अउर अपने बिसवास प अड़ा रहा काहेकि तू तउ जानत अहा कि सारे संसार मँ तोहरे भाई बहिन इहइ तरह क यातना झेलत अहई।

¹⁰मुला सम्पूर्ण अनुग्रह क झोत परमेस्सर जउन तोहका ईसू मसीह मँ अनन्त महिमा क सहभागी होय खातिर बोलाइस ह, तोहरे तनिक समइ सबइ यातना झेलइ क बाद खुदइ तोहका फिन स स्थापित करी, समर्थ बनाई अउर स्थिरता प्रदान करी।

¹¹सबहिं सक्तियन अनन्त अनन्त तक ओकरे अधिकार मँ अहई। आमीन।

पत्र क समापन

¹²मई तोहका इ छोट स पत्र, सिलवानुस क सहयोग स, जेहका मई बिसवास पूर्ण भाई मानित हउँ, तोहका प्रोत्साहित करइ खातिर परमेस्सर क सच्चा अनुग्रह उही अहइ, इही बात क साच्छी देइ क खातिर लिखेउँ ह, इही प अड़े रहा।

¹³बेबीलोन की कलीसिया जउन तोहरे समान परमेस्सर द्वारा चुनी गइ अहइ, तोहका नमस्कार करत अहइ। मसीह मँ मोरे बेटवा मरकुस क तोहका नमस्कार।

¹⁴पिरेमपूर्ण चुम्बन स एक दूसरे क स्वागत सत्कार करा।

तू सबइ क, जउन ईसू मसीह मँ अहई, सान्ति मिलइ।

पतरस क दूसरी पत्र

1 ईसू मसीह क सेवक अउर प्रेरित समौन पतरस क ईत्ती स उ लोगन क नाउँ जेनका परमेस्सर स हमरे जइसा बिसवास प्राप्त अहइ। काहेकि हमार परमेस्सर अउर उद्धारकर्ता ईसू मसीह निआव क कर्ता अहइ।

2 तू परमेस्सर अउर हमरे पभू ईसू क जान चुका अहा इ खातिर तू सबन्क परमेस्सर क कृपा अउर अनुग्रह बहुतइ जियादा मिली होई।

परमेस्सर हमका सब कछू दिहे बाटइ

3 अपने जिन्दगी खातिर अउर परमेस्सर क सेवा खातिर जउन कछू हमका चाही तउन सब हमका अपने दिव्य सकती अउर अच्छाई द्वारा उ हमका दिहे अहइ। काहेकि हम पचे ओका जानित ह जउन अपने धार्मिकता अउर महिमा क कारण स हमका बोलाएस हवै।

4 एन्हिन क द्वारा उ हमका अइसे महान अउर अमूल्य बरदान दिहे अहइ, जउन देइ क खातिर उ प्रतिज्ञा करे रहा जेहिसे तू पचे परमेस्सर क दिव्य प्रकृति क साझीदार अउर भ्रष्टाचार स बच सका, जउन लोगन क बुरी इच्छन क कारण स इ संसार मँ बना अहइ।

5 एही खातिर अपने बिसवास मँ नीक गुणन क नीक गुणन मँ ज्ञान क, 6 ज्ञान मँ आत्म-संयम क, आत्म-संयम मँ धीरज क, धीरज मँ परमेस्सर क भक्ती क 7 ईसू क भक्ती मँ भाइयन अउर बहिनियन क, भाइयन अउर बहिनियन मँ पियरे क उदारता क संग बढावत चला। 8 काहेकि अगर इ गुण तू पचन मँ अहइ अउर ओनकर विकास होत बाटइ तउन उ पचे तोह सबन क कर्मसील अउर सफल बनाइ देइहीं अउर ओनसे तू पचे क हमरे पभू ईसू मसीह क पूरा ज्ञान मिल जाई। 9 मुला जेहिमा, ई गुन नाहीं बाटेन, ओहमाँ दूर-दिस्टी नाहीं बा, उ अँधर अहइ। अउर उ ई भूल गवा अहइ कि ओकरे पाछे क पापेन क धोइ दीन्ह गवा अहइ।

10 एही बरे भाइयो तथा बहिनियो, ई दिखावइ खातिर खूब तैयार रहा कि वास्तव मँ तू पचन्क परमेस्सर द्वारा बोलावा गवा अहइ अउर चुना गवा अहइ काहेकि अगर तू पचे इ बातन क करत अहा तउ न कबहूँ ठोकर खाब्या अउर न गिरब्या

11 अउर ई तरह स हमरे पभू अउर उद्धारकर्ता ईसू मसीह क अनन्त राज मँ तू पचन्क महान प्रवेस दइके परमेस्सर आपन उदारता देखाई। उ राज्य हमेसा हमेसा

चलत रही। 12 इहइ कारण स मई तू पचन क, यद्यपि तू पचे ई जानत ही अहा कि जउन सत्य तुमका मिला अहइ, ओह पइ डटे रहा, मई ई बातन क सदा याद करावत रहब। 13 जब तक मई ई काया मँ रहबइ तू सबन्क याद देवाइके सचेत करत इ उचित जानित हउँ। 14 काहेकि मई ई जानित हउँ कि मोका अपने इ काया क जल्दी ही छोड़इ क होई जइसेन हमारे पभू ईसू मसीह मोका देखाएस ह। 15 एही बरे मई आपन पूरा प्रयत्न करबइ कि मोरे मरि जाइके बाद भी तू पचे मोरे इ बातन क याद रख सका।

हम मसीह की महिमा क दर्शन किये हन

16 जब हम आपन पभू ईसू मसीह क सामरथ क बारे मँ बताए अही अउर ओकरे अवाई क बारे मँ भी कहे अही। तउ हम चालाकी स गड़ी भइन किस्सन क सहारा नाहीं लीन्ह काहेकि हम तउ ओहकी महानता क खुदइ गवाहदार अही। 17 जब परमपिता परमेस्सर स उ सम्मान अउर महिमा पाइ लिहस तउ दिव्य उपस्थिति सही विस्सिट वाणी परगत भइ रही, “इ मोर पिआरा बेटवा अहइ, मई एहसे प्रसन्न हवउँ।” 18 हम आकास स आई भइ इ वाणी सुने रहेन। तबहिँ तउ हम पवित्तर पर्वत पइ ओकरे साथेन रहेन। 19 हमहूँ क भी नबियन क बचन क पुस्टी पइ अउर जियादा आस्था होइ गइ। इ बात प धियान दइके तू पचे इ अच्छा करत अहा काहेकि इ तउ एक प्रकास बाटइ जउन अँधियारे ठाँव मँ तबइ तक चमकत रहत ह जब तलक पौ फाटत ह अउर तोह सबन क हिरदइ मँ भोर क तारा उदय होत ह। 20 मुला सबसे बड़ी बात इ अहइ कि तू पचन्क जान लेइ चाही कि पवित्तर सास्तरन क कउनउ भविस्सबाणी नबियन क अपने विचारन क परिणाम न अहइ। 21 काहेकि कउनउ मनई जउन कहइ चाहत ह ओकरे अनुसार भविस्सबाणी नाहीं होत बल्कि पवित्तर आत्मा क प्रेरणा स मनई परमेस्सर क बानी बोलत ह।

झूठे उपदेसक लोग

2 जइसा भी रहा होइ उ संतन क बीच मँ साइत झूठे नबियन देखाइ देइ लगत रहेन बिल्कुल उहइ तरह झूठे उपदेसकन तू सबन्क बीच मँ भी परगत होइहई। उ घातक विचारन क सुरुआत करिहई अउर उ स्वामी क

नकार देहहीं जउन ओनका आजादी द्याए रहा। इ प्रकार अइसा कइके उ जल्दी बिनास क न्यौतिहई।² बहुत लोगन ओनकइ अनैतिक भोग-विलास क तरीका क पाछे चलिहई ओनहिन क कारण स सत्य क मार्ग स बदनाम होई।³ लोभ क कारण स उ बनावटी बातन स तोहसे पैसा कमइहई। ओनके दंड परमेस्सर क द्वारा बहुत पहिलेन स निर्धारित कीन्ह जाइ चुका ह। ओनकर बिनास तैयार अहइ अउर ओनकर प्रतीच्छा करत बाटइ।

⁴ काहेकि परमेस्सर उ पाप करइवाले दूतन तक क नाहीं छोड़ेस अउर ओनका पाताल लोक अंधेरे कोठरियन में डाइ दिहिस कि उ निआव क दिन तक उहीं पइ पड़ा रहई, ⁵ उ उ पुरान संसार क भी नाहीं छोड़ेस मुला नूह क उ समइ रखवारी किहेस जब अधर्मीयन क संसार प जलप्रलय भेजी गइ रही। नूह ओन आठ मनइयन में रहा जउन जलप्रलय क समइ बचा रहेन। उ जउन उचित अहइ, ओकर उपदेस देत रहा ⁶ सदोम अउर अमोरा ह जइसेन नगरन क बिनास क दण्ड दइके ओनकइ राखी बनाए दीन गवा रहा ताकि अधर्मीयन क साथ जउन बाते घटिहई, ओनके खातिर ई एक चेतावनी होइ। ⁷ परमात्मा लूत क बचाइ लिहेस जउन एक अच्छा मनई रहा। उदुदण्ड मनइयन क अनैतिक आचरण स दुःखी रहत रहा। ⁸ उ धर्मी पुरुस ओन लोगन क बीच में रहत भवा रोजइ रोज जउन देखत अउर सुनत रहा ओहसे ओनके नेक आतिमा तड़पत रही। ⁹ एहि प्रकार पभू जानत ह कि निआव करत समइ धर्मात्मा मनइयन क कइसे बचावा जात ह अउर दुष्ट लोगन क कउनो तरह दण्ड देइ क खातिर कइसे रखा जात ह। ¹⁰ खासकर ओन लोगन क बरे जउन आपन पाप स भरी भइ प्रकृति स बुरे कामन क करत जितत हीं। ओनकइ पापमय मन पभू क सत्ता क अवेहलना करत ह।

ई पचे उदुदण्ड अउर स्वेच्छा चारी अहई ई महिमावान सरगदूतन क अपमानौ करइ स नाहीं डेरत अहई। ¹¹ जब कि इ सबइ सरगदूतन जउन सक्ती अउर समरथ में एनसे बड़े अहई, पभू क सामने ओन पइ कउनो निन्दापूर्ण दोख नाहीं लगावत। ¹² मुला ई पचे विचारहीन पसुवन क बरब्बर अहई जउन अपन सहजवृत्ती क अनुसार काम करत हीं। जेनकइ जन्म एही बरे होत ह कि उ पकड़े जाई अउर मार डाए जाई इ पचे ओन विषयन क विरोध में बोलत हीं जेनके बारे में इ सबइ अबोध अहई। जइसे पसु मार डावा जात अहई, वइसेन एनहू क नस्ट कर दीन्ह जाइ। ¹³ एनका बुराई क बदला बुराइन स दीन्ह जाई। दिन क प्रकास में भोग-विलास करव एनका भावत ह। काहेकि उ पचे अपने छलपूर्ण कारजन क फल भोगत हीं। इ लजापूर्ण धब्बे अहई। जब इ पचे तू पचन क साथ उत्सव में सामिल होत हीं तउ ¹⁴ इ कउनो अइसेन स्त्री क ताक में रहत हीं जेहिके साथ व्यभिचार कीन्ह जाइ सकइ। इ तरह स एनकइ आँखी पाप करइ

स बाज नाहीं अउतिन। इ पचे दुलमुल लोगन क पाप करइ क खातिर फुसलाय लेत हीं। इ लोगन क मनवा पूरी तरफ स लालचा में अभ्यस्त अहई। इ पचे अभिसाप क लरिका अहीं। ¹⁵ सीधा-सावा मारग छोड़िके भटक गए बाटेन। बओर क लरिका बिलाम के मार्ग प इ पचे चलत अहई बिलाम ओकर रुचि गलत रस्ता क फले में अहइ। ¹⁶ मुला ओकरे दोखन क खातिर एक गदही जउन बोल नाहीं पावत रही, मनई क बानी में बोलिके ओका डॉटिस फटकारिस अउर उ नबियन क उन्मादी कामन क रोकिस।

¹⁷ इ झूठे उपदेसक सूखे जल क सोता अहई अउर अइसे जल रहित बादल अहई जेनका तूफान उड़ाइ लइ जात ह। इ पचन क खातिर गड़िन अन्धेरी जगह इ काम क बरे निश्चित कीन्ह गइ अहइ। ¹⁸ इ पचे झूठे उपदेसकन अर्थहीन डींगन स उ लोगन को प्रलोभित कइ देत हीं, जे बस अभी ही गलत जीवन बितावइवालेन लोगन स अलग आवत हीं। ¹⁹ इ झूठे उपदेसकन उनका छुटकारा क बचन देत हीं, काहेकि कउनो व्यक्ति जउन ओका जीत लेत ह, उ ओनहिन क दास होइ जात ह। ²⁰ एहि खातिर अगर इ हमरे पभू अउर उदुधरकर्ता ईसू मसीह क जान लेई अउर संसारे क खोत स बच निकरइ क पाछे अगर ओहमाँ फिन फँस जात हीं तउ ओनकइ दसा पहिले स भी खराब होइ जात ह। ²¹ एहसे तउ नीक भवा होत कि इ उचित मार्ग क जानि न पउतेन बजाए एकरे कि उ पचे इ पवित्तर आज्ञा स मुँह फेर लेतेन। ²² उ पचन क साथे तउ वइसेन घटना घटी जइसेन मसला अहइ, “कुकुर अपने उल्टी क पास ही लोटत ह।” * अउर “एक नहाई भइ सुअरी कीचड़ में लौटइ खातिर फिन लउट जात ह।”

ईसू फिन आई

3 पिआरे बन्धुअन, अब ई दूसर पत्र अहइ जउन मई तू पचन क लिखित हई। इ दुइनउँ पत्रन में लिखिके मई तू सबन क सच्चे सोच क जगावई क जतन कीन्ह ह। जेहिसे तुम उ पवित्तर नबियन द्वारा पहिले कहे गए बचनन क याद करा अउर हमरे पभू अउर उदुधरकर्ता क आदेस क जउन तू सबन क प्रेरितन द्वारा तू पचन क दीन्ह गएन ह, ध्यान राखा।

³ सबसे पहिले तू पचन क इ जान लेइ क चाही कि आखिर दिनन में स्वेच्छाचारी जउन बुरी इच्छन क अनुसरण करत हीं अउर उ पचे तोहरे लगे हँसी उड़ावत भाए अइहीं। ⁴ अउर तू सबन स कइहीं, “का भवा ओकरे फिन आवइ क प्रतिज्ञा का? काहेकि हमरे पूर्वजन तउ चल बसेन। मुला जब स सुस्टि बनी ह, तइसेन हर बार चलत आवत अहई।” ⁵ मुला जब उ पचे इ आरोप करत हीं तउ उ इ भूल जात हीं कि परमेस्सर क वचनन क

द्वारा आकास जुगन स विद्यमान अहइ अउर धरती जल प बनी बाटइ अउर जल प स्थिर बा।

⁶अउर इ जल क कारण स उ जुग क संसार जल प्रलय स नस्ट होइ गवा ⁷मुला इ आसमान अउर पृथिवी जउन अबइ अहइ, उहइ आदेस स नस्ट होइ क खातिर सुरच्छित अहइ। एनका उ दिना खातिर रखा जात ह जब अधर्मियन क निआव होई अउर उ पचे नस्ट कर दीन्ह जइहीं।

⁸मुला पिआरे बन्धुओ, एक बात क जिन भूला, पर्भू क बरे एक हजार साले एक दिन क समान होत ह अउर एक दिन एक हजार बरस क बराबर होत ह। ⁹पर्भू आपन प्रतिज्ञा पूरी करइ मैं देर नाही लगावत। जइसेन कछू मनई सोचत हीं। बल्कि उ हमरे प्रति धीरज धरत ह काहेकि उ कउनो मनई क नस्ट नाही करइ चाहत ह, बल्कि उ तउ चाहत ह कि सभी मनई मनफिराव क तरफ बढ़ईं।

¹⁰मुला पर्भू क दिन आई। एक दिन पर्भू चुप्पेचाप चोर सही अहइ। उ दिन एक भयंकर गर्जना क साथे आकास विलीन होइ जाई अउर आकास क नखत भस्म होइके नस्ट होइ जइहीं अउर इ धरती पे रहइवालेन क करम उजागर होइ जइहीं।

¹¹काहेकि जब इ सब चीजन इ तरह स नस्ट होइ जइहीं तउ तू सोचा कि तू लोगन क कउनउ तरह क जीवन जियइ क चाही। तोहे सबक्क पवित्तर जीवन जियइ क चाही, पवित्तर जीवन जउन परमेस्सर क अर्पित अहइ अउर सब तरह क उत्तम करम करइ क

चाही ¹²अउर तोहे सबक्क परमेस्सर क दिन क बाट जोहइ क चाही, अउर ओके जल्दी आउब क बरे काम करा। उ दिन अउतइमान आकास लपटन मैं जल क नस्ट होइ जाई आकास क नखत ओकरे ताप सेही पिघल उठिहईं। ¹³मुला हम पचे परमेस्सर क वचन क अनुसार एक नवा आकास अउर नवी धरती की बाट जोह रहे हैं जहाँ धार्मिकता रहत ही बाटइ।

¹⁴इ पिआरे बन्धुओ, काहेकि तुम इन बातन क बाट जोहत अहा, पूरा प्रयत्न करा कि पर्भू द्वारा सान्ति मैं निर्दोष अउर कलंक रहित पावा जा।

¹⁵हमारे पर्भू क धीरज क उद्धार समझा। जइसेन कि हमरे पिआरे बन्धु पौलुस परमेस्सर द्वारा दीन्ह गए विवेक क अनुसार पचक्क लिखेन ह।

¹⁶अपने दूसर सभी पत्रन क समान उ पत्र मैं भी इ सब बातन क विषय मैं कहेउँ ह। ओन पत्रन मैं कउनउ कउनउ बात अइसी अहइ जेकर समझब मुस्किल बा। अगियानी अउर अस्थिर लोग ओकरे अर्थ क अनर्थ करि डावत हीं। दूसरे पवित्तर सास्तरन क साथ भी अइसेन ही करत हीं। इ तरह उ अपनेन पैर मैं कुल्हाड़ी मारत अहइ। ¹⁷पिआरे बन्धुओ, काहेकि तू पचन क इ बातन पहिलेन स पता अहइ। इ खातिर सावधान रहा अउर व्यवस्थाविहीन मनइयन क द्वारा भटकाए जाए पइ अपने क सुरच्छित स्थान स न डिगवा। ¹⁸बल्कि हमरे पर्भू तथा उद्धारकर्ता ईसू मसीह क अनुग्रह अउर ज्ञान मैं तू पचे आगेन बढ़त जा। अबइ अउर अनंत समइ तक तुम ओकर महिमा गावत रहा।

यूहन्ना क पहिली पत्र

1 इ दुनिया क सुरुआत स रहा:

हम एका सुने अही अपनी आंखन स देखे अही अउर बहुत धियान स निहारे, एका अपने हाथन स खुदइ अही छुए।

हम उ बचन (मसीह) क बावत बतावत अही जउन जीवन अहइ।²उही जीवन क ज्ञान हमका करावा गवा। हम ओका देखे अही। हम ओकर साच्छी अही अउर अब हम तोहका पचे क उही अनन्त जीवन क घोषणा करत अही जउन परमपिता क साथे रहा अउर जेकर जानकारी हमका कराई गइ।³हम ओका देखे अउर सुने अही। अब तोहका उही क उपदेस देत अही जइसेन कि तू हमार साथी रहा। हमार इ साथ परमपिता अउर ओनकइ पूत ईसू मसीह क साथे अहइ।⁴हम इ सब बात तोहरे बदे इ कारण स लिखत अही जइसेन कि तोहार आनन्द पूरा होइ जाइ।

परमेस्सर हमरे पापन क छमा करत ह

⁵हम ईसू मसीह स जउन सुसमाचार सुनो अही, उही क हम तोहका सुनावत अही, परमेस्सर ज्योति अहइ अउर ओहमा तनिकउ अँधेरा नाहीं अहइ।⁶जदि हम कही कि ओके सहित हमार सहभागिता अहइ, अउर पाप क अँधियारे स भरा जीवन जिअत रही तउ हम झूठ बोलत अही अउर सच्चाई प आवरण नाहीं करत अही।⁷मुला जदि हम ज्योति में आगे बढ़ित अही काहेकि ज्योति में परमेस्सर अहइ, अउर एक दुसरे क सहभागी अही। अउर परमेस्सर क पूत ईसू क लहू स हमार सब पापन क सुद्ध कइ देत ह।

⁸जदि हम कहित ह कि हमरे में कउनो पाप नाहीं अहइ तउ हम खुदइ अपने आपका ठगत अही अउर हमसे परमेस्सर क सत्य नाहीं अहइ।⁹जदि हम आपन पाप क मान लेइत ह तउ हमरे पापन क परमेस्सर छमा कइ देत ह, परमेस्सर बिसवासनीय अहइ, अउर उ जउन करत ह उ उचित अहइ। अउर उ हमरे गलत कामन स सुद्ध कर देत ह।

¹⁰आगर हम कहित ह कि हम कउनो पाप नाहीं करे अही तउ हम परमेस्सर क झूठा बनावत अही अउर ओकर उपदेस हमरे में नाहीं अहइ।

ईसू हमार सहायक अहइ

2 मोर पिआरे बच्चो, इ सब बात मई इ बदे लिखत अहउँ जइसे तू पचे पाप न करा। मुला जउ कउनो मनई पाप करत ह तउ परमेस्सर क सामने हमरे पाप क बचाव करइवाला एक अहइ अउर उ बाटइ न्यायी ईसू।²उ एक बलिवान आटइ जउन हमरे पापन क हर लेत ह, उ केवल हमरे पापन क नाहीं हरत उ तउ समूची दुनिया क पाप हर लेत ह।

³जदि हम परमेस्सर क हुकुम क पालन करित ह तउ इ उहइ रास्ता अहइ जउने स हम निस्चय करित ह कि हम सचमुच ओका जान लिहे अही।

⁴जदि कउनो कहत ह, “मई परमेस्सर क जानित हउँ!” अउर ओकर हुकुमन क पालन नाहीं करत तउ उ झूठा अहइ। ओकरे मन में सच्चाई नाहीं अहइ।⁵मुला जउ कउनो मनई परमेस्सर क उपदेस क पालन करत ह तउ ओहमाँ परमेस्सर क पिरेंम आपन पूर्णता क पावत ह इहइ उ रास्ता अहइ जउने स इ निस्चय होत ह कि हम परमेस्सर में अही।⁶जउन इ कहत ह कि उ परमेस्सर में बाटइ, ओका अइसा चलइ चाही जइसन ईसू चलत रहा।

सबसे पिरेंम कर

⁷पिआरे बन्धुअन, मई तोहका कउनो नई हुकुमन नाहीं लिखत अहउँ, इ तउ एक सनातनी हुकुम अहइ, जउन तोहका सुरुआतइ में दइ दीन्ह गइ रही। इ पुरानी हुकुम उ उपदेस अहइ जेका तू सुन चुका अहा।⁸मई तोहका अउर दुसर नया हुकुम लिखत अहउँ। इ बात की सच्चाई ईसू क जीवन में अउर तोहरे जिन्दगी में उजागर भइ अहइ, काहेकि अँधियारा खतम होत अहइ अउर ज्योति चमकत अहइ।

⁹जउन मनई कहत ह, “उ ज्योति में स्थित अहउँ।” अउर तबहूँ अपने भाई स नफरत करत ह, तउ उ अबहि भी उ अंधेरे में बना अहइ।¹⁰जउन अपने भाई स पिरेंम करत ह, ज्योति में बना रहत ह। ओकरे जिन्दगी में अइसी कउनो चीज नाहीं अहइ, जउने स उ ठोकर खाइ।¹¹मुला जउन मनई अपने भाई स नफरत करत ह, उ अंधेरे में अहइ। उ अंधेरे स भरा जीवन जिअत अहइ। ओका पता नाहीं अहइ कि उ कहाँ जात अहइ, काहेकि अंधेरा ओका आंधर बनाइ दिहे अहइ।

12 पिआरे बच्चो, मई तोहका इ बदे लिखत अहउँ, काहेकि ईसू मसीह क कारण तोहरे पापन क छमा कइ दीन्ह गवा अहइ।

13 पिताओ, मई तोहका इ बदे लिखत अहउँ, काहेकि तू पचे, जउन अनादि काल स बना अहइ, ओका जानत हया। जवानो! मई तोहका इ बदे लिखत अहउँ, काहेकि तू उ दुस्ट (सइतान) प जीत हासिल कइ लिह्या ह।
14 बच्चो, मई तोहका इ बदे लिखत अहउँ, काहेकि तू अपने बाप क पहचान लिहे अहा। ओह बाप लोगो, मई तोहका इ बदे लिखत अहउँ, काहेकि तू जउन कि संसार क सुरुआतइ स बना अहा, ओका जान लिहे अहा। जवानो, मई तोहका इ बदे लिखत अही, काहेकि तू ताकतवर अहा। परमेस्सर क बचन तोहरे अन्दर निवास करत हअउर उ दुस्ट (सइतान) पइ जीत हासिल कइ लिये अहा।

15 दुनिया स अउर दुनिया क तमाम चीजन स पिरेम जिन करा। जउ कउनो मनई दुनिया स पिरेम करत ह तउ ओनके हिरदइ मँ परमेस्सर कइँती पिरेम नाहीं रहत, 16 काहेकि इ दुनिया क हर चीज:

जउन तोहरे भौतिक मनई सुभाउ क अपनी अउर खीचत ह, तोहरी आँखिन क सोहात अउर इ दुनिया क हर उ चीज जउने प लोग घमंड करत हीं।

परमपिता कइँती स नाहीं अहइ मुला उ तउ सांसारिक अहइ। 17 इ दुनिया अपनी चाहत अउर इच्छा सहित खतम होत जात अहइ, मुला जउन मनई परमेस्सर क इच्छा क पालन करत ह, उ हमेसा रहत ह।

मसीह क विरोधिअन क कहा न माना

18 मोरे पिआरे बच्चो, आखिरी घड़ी आइ गइ अहइ जइसेन कि तू पचे सुने अहा, मसीह क विरोधी आवत अहइ। इ बदे अब मसीह क तमाम विरोधी प्रकट होइ गवा अहइ इही बदे हम जानत अही कि आखिरी वक्त आइ ग अहइ। 19 मसीह क विरोधी हमरेन सबके बीच स निकरा अहइ, मुला उ सबइ सही सही हमार सबन क न अहीं, काहेकि जदि उ पचे सचमुच हमार सबन क होतेन, तउ हमरे सबके साथे रहतेन। मुला उ पचे हम सबक छोड़ दिहेन, जइसन कि उ दिखाइ सकइँ कि उ हमार सबक न अहीं।

20 मुला तोहार अभिसेक तो उस पवित्तर स भवा ह, अउर तू सब जानत ह्या। 21 मई तोहका इ बदे नाहीं लिखे अहउँ कि तू पचे सच्चाई क नाहीं जानत अहा,

मुला तू पचे तउ ओका जानत अहा। एका जना ल्या कि सच्चाई स कउनो झूठ नाहीं निकर सकत।

22 मुला जउन मनई कहत ह कि ईसू मसीह नाहीं अहइ, उ मसीह क विरोधी अहइ। उ तउ बाप अउर बेटवा दुइनउ क नकार देत अहइ। 23 जउन मनई बेटवा क नाहीं मानत, ओकरे पास बापउ नाहीं अहइ, मुला जउन मनई बेटवा क मानत ह, उ बापउ क मानत ह।

24 जहाँ तलक तोहार बात अहइ, तू सुरुआतइ स जउन सुने अहा, ओका अपने भीतर बनाए राखा। जउन तू आरम्भ स सुने अहा, जउ तोहरे अन्दर बरकरार रहत ह तउ बाप अउर बेटवा दुइनउँ तोहरे अन्दर बरकरार रहत हीं। 25 उ हमका अनन्त जीवन देइ क वचन दिहे अहइ।

26 मई इ सब बात तोहसे ओनके बावत लिखत अहउँ, जउन तोहका ठगइ क जतन करत अहइ। 27 मुला जहाँ तक तोहार बात अहइ, तोहरे मँ तउ उ परम पवित्तर स मिला अभिसेक अहइ, इ बदे तोहका तउ तू जरूरतइ नाहीं अहइ कि कउनो तोहका उपदेस देइ, तोहका तउ उ आत्मा जउने स उ परम पवित्तर तोहार अभिसेक करे अहइ, सब कछू सिखावत अहइ (अउर याद रखा कि, उहइ सच्चाई आटइ, उ झूठ नाहीं आटइ।) उ तोहका जइसे सिखाए अहइ, वइसेन तू मसीह मँ बना रहा।

28 इ बदे पिआरे बच्चो, उही मँ बना रहा जइसेन कि जब हमका ओकर जानकारी होइ तउ हम आत्मा-बिसवास पाइ सकउँ। अउर ओकरे फिन स आवइ क वक्त हमका लजित न होइ क पड़इ। 29 जदि तू इ जानत अहा कि उ नेक अहइ तउ तू इहइ जान ल्या कि जउन नेकी प चलत ह उ परमेस्सर क सन्तान अहइ।

हम परमेस्सर क सन्तान अही

3 इ सोचिके देखा कि परमपिता हमका केतँना पिरेम करत ह जइसेन कि हम पचे बेटी-बेटवा कहवावा जाइ सकी अउर वास्तव मँ उ हमहि सब अही। इही बदे दुनिया हमका नाहीं पहिचानत, काहेकि उ मसीह क नाहीं पहिचानत। 2 पिआरे बन्धुअन, अब हम परमेस्सर क सन्तान अही, मुला आगे चलिके हम सब का होबै, एकर जानकारी हमका नाहीं कराई गइ अहइ। जउन कछू होइ, हम इ जानित अही कि मसीह क फिन परगत होइ प हम पचे उही क तरह होइ जाब, काहेकि उ जइसेन अहइ, हम ओका उही तरह देखब। 3 जउन मनई ओसे अइसी उम्मीद रखत अहइ, उ खुदक वइसे पवित्तर करत ह जइसे मसीह पवित्तर अहइ।

4 जउन मनई पाप करत ह, उ परमेस्सर क नियम क तोड़त ह, काहेकि नियम क तोड़ब पाप आटइ। 5 तू तउ जानत अहा कि मसीह सब मनइयन क पाप क नास करइ क वास्ते प्रकट भवा अहइ। अउर इहउ बात

जानत अहा कि ओहमौ कउनो पाप नाही अहइ। ⁶जउन मनई मसीह मँ रहत हीं पाप मँ नाहीं रहतेन अउर जउन मनई पाप करत हीं, उ न तउ ओकर दर्सन करे अहइ, अउर न तउ कबहूँ ओका जाने अहइ।

⁷पिआरे बच्चों, तू कतहूँ ठगा न जा। जउन मनई धरम क पालन करत ह ओका धरमात्मा कहा जात ह। जइसेन कि मसीह धरमात्मा अहइ। ⁸जउन मनई हमेसा पाप करत रहत ह, उ सइतान क अहइ काहेकि सइतान अनादिकाल स पाप करत चलत आवत अहइ। इही बदे परमेस्सर क पूत (मसीह) परगट भवा जइसेन कि उ सइतान क काम क नास कइ देइ।

⁹जउन मनई परमेस्सर क बेटवा बन गवा, पाप मँ नाहीं रहत, काहेकि ओकर बीज तउ उही मँ रहत ह। अब उ पाप नाहीं करत काहेकि वह परमेस्सर क बेटवा बन चुका अहइ। ¹⁰परमेस्सर क सन्तान कउन अहइ? अउर सइतान क बेटवन कउन अहइ? तू ओनका इ तरीके स जान सकत हया कि जउन मनई धरम प नाहीं चलत अउर अपने भाई स पिरेम नाहीं करत, उ परमेस्सर क बचवा न अहइ।

एक दूसरे क साथ पिरेम स रहा

¹¹इ उपदेस तउ तू सुरुआति स सुने अहा कि हमका सबका एक दूसरे स पिरेम करइ चाहीं। ¹²हमका पचे क कैन* क तरह न बनइ चाहीं जउने क सम्बन्ध दुष्ट आतिमा स रहा अउर जे अपने भाई क हतिया कइ दिहे रहा। अब बतावा कि उ अपने भाई क काहे मार डाएस? उ अइसा इ बदे करेस, काहेकि ओकर करम खराब रहेन जबकि ओकरे भाई क करम अच्छा रहेन।

¹³भाइयो तथा बहिनियो, जदि इ दुनिया तोहसे नफरत करत ह, तउ एहमौ अचरज करइ क बात नाहीं अहइ। ¹⁴हमका पता अहइ कि हम मउत क पार जीवन मँ आइ पहुँचा अहइ। काहेकि हम अपने भाइयन स पिरेम करित अहीं। जउन मनई पिरेम नाहीं करत, उ मउत मँ बरकरार रहत ह। ¹⁵जउन मनई अपने भाई स नफरत करत ह, उ हतियारा अहइ अउर तू जानत ही अहा कि जउन मनई हतियारा होत ह, उ अनन्त जीवन नाहीं रखत। ¹⁶ईसू हमरे सबके खातिर आपन जीवन त्याग दिहेस। इही बदे कि हम जानित ह कि पिरेम का होत ह? हमका अपने भाइयन क बदे आपन प्रान निछावर कइ देइ चाहीं। ¹⁷जेकरे लगे भौतिक सम्पति अहइ, अउर जे अपने भाइयन क दुःखी देखके ओकरे ऊपर दया नाहीं करत, ओहमा परमेस्सर क पिरेम अहइ, एका कइसे कहा जाइ सकत ह? ¹⁸पिआरे बच्चों, हमार पिरेम केवल

कथन अउर बात तक न रहइ चाहीं, ओका करम कइके देखावइ चाहीं तथा पिरेम क सच्चा होइ चाहीं।

¹⁹⁻²⁰इही स हम जान लेब कि हम सच्चाई स जुडा अही अउर परमेस्सर क सामने अपने दिल मँ सन्तोस कइ लेब। जिन कामन मँ हमार मन हमका दोसी ठहरावत ह काहेकि परमेस्सर हमरे मन स बड़ा अहइ अउर उ सब कछू जानत ह।

²¹जो पिआरे बन्धुयों, जदि बुरा काम करत समइ हमार मन हमका दोसी नाहीं ठहरावत तउ परमेस्सर क सामने हमका बिसवास बना रहत ह। ²²अउर जउन कछू हम ओसे मांगित ह, ओका पाइत ह। काहेकि हम ओकरे हुकुमन क अनुसार काम करत अही अउर ओनही काम करत अही जउन ओका अच्छी लागत ह। ²³ओकर इ हुकुम अहइ: हम सबे ओकरे पूत ईसू मसीह मँ बिसवास करी, जइसेन कि उ हमका पचे क हुकुम दिहे अहइ, कि हम एक दुसरे स पिरेम करी, ²⁴जउन मनई ओकरे आदेस क पालन करत ह, उ उही मँ बरकरार रहत ह अउर ओहमौ परमेस्सर क निवास रहत ह। इ तरह स, उ आतिमा क द्वारा जेका परमेस्सर हमका दिहे अहइ, हम जानितही कि हमरे अन्दर परमेस्सर रहत ह।

झूठा उपदेस देय बालेन स बचा रहै चाहीं

4 पिआरे बन्धुओ, दुनिया मँ तमाम झूठे नबी फैल ग अहइ। हर एक आतिमा क बिसवास न करइ चाहीं, पहले ओनका परखिके देख लेइ चाहीं कि, का उ परमेस्सर क अहीं? इ मइँ तोहसे इ बदे कहत अहीं। ²परमेस्सर क आतिमा क तू इ तरह पहिचान सकत हया: जउन आतिमा इ मानत ह, "ईसू मसीह मनई क रूप धइके दुनिया मँ आइ अहइ," उ परमेस्सर कइँती स आइ अहइ। ³अउर हर उ आतिमा जउन ईसू क नाहीं मानत, परमेस्सर कइँती स नाहीं आइ बाटइ। अइसी आतिमा मसीह क विरोधी अहइ, जेकरे बारे मँ सुने अहा कि उ आवत अहइ, मुला अब तउ उ इही दुनिया मँ अहइ।

⁴पिआरे बच्चों, तू पचे परमेस्सर क अहया। इही बदे तू मसीह क विरोधी क ऊपर जीत हासिल कइ लिहे अहा। काहेकि उ परमेस्सर जउन तोहरे अन्दर अहइ, दुनिया मँ रहइवाला सइतान स बड़ा अहइ। ⁵मसीह क विरोध करइवाले मनइयन संसारी अहीं।

एह बरे उ पचे जउन कछू बोलत हीं, उहउ सब कछू दुनियादारी क चीज अहइ अउर दुनिया ओनकइ बात सुनत ह। ⁶मुला हम पचे परमेस्सर क अहीं, तउ जउन मनई परमेस्सर क जानत ह, उ हमार सबन क सुनत ह। मुला जउन मनई परमेस्सर क नाहीं जानत, हमार नाहीं सुनत। इ तरह हम सच्ची आतिमा तथा झूठी आतिमा क पहिचान सकित ह।

कैन कैन अउर अबेल आदम अउर हव्वा क बेटवन रहेन। कैन अबेल स जरत रहा। तउ उ ओका मारि डाएसा।
उत्पत्ति 4:1-16

पिरेम परमेस्सर स मिलत ह

7पिआरे बन्धुओ, हमका सबका एक दूसरे स पिरेम करइ चाही। काहेकि पिरेम परमेस्सर स मिलत ह अउर जउन मनई पिरेम करत ह, उ परमेस्सर क सन्तान बन जात ह अउर परमेस्सर क जानत ह। 8जउन मनई पिरेम नाहीं करत परमेस्सर क नाहीं जान पावत, काहेकि परमेस्सर पिरेम अहइ। 9परमेस्सर आपन पिरेम इ तरह स देखावत ह: उ अपने एकलौते बेटवा क इ दुनिया मँ भेजेस जइसेन कि हम सब ओकरे द्वारा जिन्दगी पाइ सकी। 10सच्चा पिरेम एहमाँ नाहीं अहइ कि हम परमेस्सर स पिरेम करी, उ तउ एहमाँ अहइ कि एक अइसेन बलिदान क रूप मँ जउन हमरे पापन क धारण कइ लेत ह, उ अपने बेटवा क भेजेके हमरी कइँती आपन पिरेम देखाए अहइ।

11पिआरे बन्धुओ, जदि परमेस्सर इ तरह स हमरे ऊपर आपन पिरेम देखाएस तउ हमहूँ क एक दूसरे स पिरेम करइ चाही। 12परमेस्सर क कबहूँ कउनो नाहीं देखेस अहइ, मुला जदि हम एक दुसरे स पिरेम करित ह तउ परमेस्सर हमरे मँ निवास करत ह अउर हमरे सबन क भीतर ओकर पिरेम सम्पूर्ण होइ जात ह। 13इ तरह स हम जान सकित ह कि हम परमेस्सर मँ निवास करित ह अउर उ हमरे भीतर रहत ह। उ अपनी आतिमा क कछू भाग हमका दिहे अहइ। 14एका हम देखे अही अउर हम एकर साच्छी अही, परमपिता अपने बेटवा क दुनिया क बचाव करइ क वास्ते भेजे अहइ। 15जदि कउनो इ मानत लेत ह, "ईसू परमेस्सर क पूत अहइ" तउ परमेस्सर ओहमाँ रहइ लागत ह। अउर उ मनई परमेस्सर मँ रहत ह। 16इ जउ पिरेम परमेस्सर हमसे रखत ह, ओका हम जान गएँ अउर हमरे उपर बिसवास किहे अहइ, जउन पिरेम परमेस्सर हमरे बदे रखत ह।

परमेस्सर पिरेम अहइ अउर जउन मनई पिरेम मँ बना रहत ह, उ परमेस्सर मँ बना रहत ह अउर परमेस्सर ओहमाँ बना रहत ह। 17हमरे बावत पिरेम इही तरह स पूर्ण अहइ जइसेन कि निआव क दिन हमरे अन्दर बिसवास बना रहइ। हमारा इ बिसवास इ बदे बना रहत ह, काहेकि हम जउन जीवन जिअत अही, उ मसीह क जिन्दगी जइसेन अहइ। 18पिरेम मँ कउनो भय नाहीं रहत, हिआँ तलक कि भरपूर पिरेम सब डर भगाय देत ह। भय क ताल्लुक दंड स अहइ। इ बदे जेहमाँ भय अहइ, ओकरे पिरेम क पूर्णता नाहीं मिलत।

19हम पिरेम करित अही काहेकि पहले परमेस्सर हमसे पहिले पिरेम करे अहइ। 20जउ कउनो मन मनई कहत ह, "मई परमेस्सर क पिरेम करित हउँ।" अउर अपने भाई स नफरत करत हउँ, तउ उ झूठा अहइ। काहेकि सच मँ जदि उ अपने उ भाई स पिरेम नाहीं करत जेका कि उ देखे अहइ, तउ उ परमेस्सर स कइसे

पिरेम कइ सकत ह, जेका उ देखे नाहीं अहइ। 21इ आदेस मसीह हमका दिहे अहइ।

उ मनई जउन परमेस्सर क पिरेम करत ह, ओका अपने भाई स पिरेम करइ चाही।

परमेस्सर क सन्तान क दुनिया प जीत होत ह

5 जउन मनई इ बिसवास करत ह कि ईसू मसीह अहइ, उ परमेस्सर क सन्तान बन जात ह अउर जदि कउनो परमपिता स पिरेम करी तउ ओकरी सन्तानी स पिरेम करी। 2इ तरह स जब हम परमेस्सर स पिरेम करित ह अउर ओकरे आदेस क पालन करित अही तउ हम जानि लेइत ह कि हम परमेस्सर क संतान स पिरेम करित अही। 3ओकरे आदेसन क पालन करत हम इ देखाइत ह कि हम परमेस्सर स पिरेम करित ह। ओकरे आदेस बहुत कड़ा नाहीं अहइ। 4काहेकि जउ कउनो परमेस्सर क सन्तान बन जात ह तउ उ दुनिया क जीत लेत ह। अउर दुनिया प जीत हासिल करवइवाला हमारा बिसवास अहइ। 5जउन इ बिसवास करत ह कि ईसू परमेस्सर क पूत अहइ, तउ उ दुनिया क जीत लेत ह।

परमेस्सर अपने पूत क बावत कहब

6उ ईसू मसीह अहइ जउन हमरे पास पानी अउर लहू क साथ आवा-उ केवल पानी क साथे नाहीं, मुला पानी अउर लहू क साथ। अउर उ आतिमा अहइ जउन ओकर साच्छी देत ह, काहेकि आतिमा सत्य अहइ। 7साच्छी देइवाले तीन अहइँ। 8आतिमा, पानी अउर लहू अउर इ तीनउँ साच्छी एक दूसरे स मेल खात हीं, एक दूसरे स सहमत अहइँ। 9जउ हम मनई क दीन्ह साच्छी क मानित ह तउ परमेस्सर क दीन्ह साच्छी अउर मूल्यवान अहइ। परमेस्सर क दीन्ह साच्छी क सबसे बड़ा महत्व इ बात मँ अहइ कि उ अपने पूत क बावत साच्छी दिहे अहइ। 10जउन मनई परमेस्सर क पूत मँ बिसवास करत ह उ अपने अन्दर साच्छी क रखत ह। परमेस्सर जउन कहे अहइ, ओह प जउ बिसवास नाहीं करत, तउ उ मनई परमेस्सर क झूठा साबित करत ह। काहेकि उ परमेस्सर क अपने पूत क बावत दीन्ह साच्छी मँ बिसवास नाहीं किहेस। 11अउर उ साच्छी आटै: कि परमेस्सर हमका अनन्त जीवन देहे अहइ। अउर उ जीवन ओकरे पूत (ईसू) मँ मिलतह। 12जउन मनई ओहके पूत क धारन करतह, उ उही जीवन क धारन करतह। मुला जेकरे पास परमेस्सर क पूत नाहीं अहइ, ओकरे पास उ जीवनौ नाहीं अहइ।

अब अनन्त जीवन हमारा अहइ

13परमेस्सर मँ बिसवास करइवालो, तोहका इ बातिन क मई इ बदे लिखत अहउँ जइसेन कि तू जानि ल्या कि अनन्त जीवन तोहरे पास अहइ। 14हमारा परमेस्सर मँ

इस बिसवास अहइ कि जदि हम ओकरी इच्छा क पालन करत ओसे पराथना करी तउ उ हमार पराथना सुनत ह, ¹⁵अउर जब हम जानित ह कि उ हमार सुनत ह ओसे हम चाहे जउन माँगी-तउ हम इहौ जानित ही कि हम जउन कछू माँगित ही, उ हमार होइ जात ह।

¹⁶जदि कउनो देखत ह कि ओकर भाई कउनो अइसा पाप करत अहइ जेकर फल अनन्त मउत नाहीं अहइ, तउ ओका अपने भाई क बावत पराथना करइ चाहीं। परमेस्सर ओका जीवन देई। मई ओनके बरे जीवन क बात करत अही, जउन कि अइसे पाप में लगा अहइ जउन ओनका अनन्त मउत तक न पहुँचा। अइसउ पाप होत ह, जेकर फल मउत अहइ। मई तोहसे अइसे न पाप क बदे पराथना करइ बरे नाहीं कहत अहउँ। ¹⁷सबइ बुरा काम पाप अहइ। मुला अइसा पाप भी होत

ह जउन अनन्त मउत क तरफ नाहीं लइ जात। ¹⁸हम जानित ह कि जे केहू परमेस्सर क पूत बन गवा, उ पाप नाहीं करत। परमेस्सर क पूत ओकइ रच्छा करत ह। * उ दुस्ट सइतान ओकर कछू बिगाड़ नाहीं सकत। ¹⁹हम जानित अही कि हम परमेस्सर क अही। वइसेन इ पूरी दुनिया उ दुस्ट (सइतान) क वस में अहइ। ²⁰मुला हमका पता अहइ कि परमेस्सर क पूत आइ गवा अहइ अउर उ हमका अइसा ज्ञान दिहे अहइ जइसे कि हम उ परमेस्सर क जान लेई जउन सच्चाई अहइ। हम सबे उही में स्थित अही जउन सच्चाई अहइ, काहेकि हम ओकर पूत ईसू मसीह में स्थित अही। परमपिता सच्चा परमेस्सर अहइ अउर उ अनन्त जीवन भी अहइ।

²¹पिआरे बच्चो, अपने आप क झूठे देवता लोगन स दूर राखा।

परमेस्सर ... ह मुला रहत ह सबत क अरथ, “जउन परमेस्सर स पइदा भवा ओका उ बचाए रखत ह।” या “आपने आप क बचाए राखत ह।”

यूहन्ना क दूसरी पत्र

मई बुजुर्ग कईती स उ चुनी भइ स्त्री जउने क परमेस्सर चुने अहइ, अउर ओकरे बचवन क पिरेम करित हउं जउन सच्चाई क भागीदार अहई, मई तुहिन अकेले स पिरेम नाहीं करित, मुला ओन सबे तोह सबन स पिरेम करित हीं जउन सच्चाई क जान लिहे अहई।² इ उही सच्चाई क कारण भवा बाटइ जउन हमरे में बना रहत ह अउर जउन हमेसा हमरे साथे रही।

³परमपिता परमेस्सर कईती स ओकर अनुग्रह, दया अउर सांति हमेसा हमरे साथे रही अउर परमेस्सर क पूत ईसू मसीह कईती स सच्चाई अउर पिरेम में हमार जगह बनी रही।

⁴तोहरे बचवन क उ सच्चाई क हिसाब स जीवन जिअत देखिके मोका बहुत आनन्द भवा। काहेकि उ हुकुम परमपिता स हमका मिला ह अउर उ सबइ, सच प चलत हीं।⁵ अउर ऐ पिआरी स्त्री, मई तोहका कउनउ नया आदेस नाहीं देत अहउं, प उहइ जउन प्रारम्भ स हमे मिला अहइ। हमका एक दूसरे क साथे पिरेम करइ चाही।⁶ पिरेम क मतलब इहइ आटइ कि हम ओकरे आदेसन क पालन करी। इ उहइ आदेस आटइ जउने क तू सुरु स सुन्या ह कि तोहका सबन क पिरेम क साथ जियइ चाही।

⁷दुनिया में बहोत झूठे उपदेसकन तमाम फइला पड़ा अहई। वे धोखा देइवालन इ नाहीं मानतेन कि इ धरती प मनई क रूप में ईसू मसीह आवा अहइ, उ ठग आटइ अउर मसीह क विरोधी आटइ।⁸ अपने प्रति सावधान रहा, अइसा न होइ कि जउन कछू कमाए अहा, ओका गँवाइ द्या, वरन एकर प्रतिफल तू पचे प्राप्त करा।

⁹जउन मनई मसीह क बावत दीन्ह सच्चे उपदेस में टिका नाहीं रहत, उ परमेस्सर क नाहीं पाइ सकत। अउर जउन ओकरे उपदेस अउर क मानत ह, ओकरे पास परमपिता अउर बेटवा दुइनउ रहत ह।¹⁰ जदि कउनउ मनई तोहरे घरे में आवत ह, अउर इ उपदेस नाहीं मानत, तउ ओका अपने घरवा में न आवइ द्या, अउर न नमस्कार करा।¹¹ काहेकि जे अइसे मनई क स्वीकार करत ह, उ ओकरे बुरे कामन में हिस्सेदार होइ जात ह।¹² तोहका लिखइ क वास्ते मोरे लगे बहुत सी बातन अहई मुला ओन सबन क कलम दवात स मई लिखइ नाहीं चाहित मुला मोका इ आसा अहइ कि तोहरे सामने आइके आमने सामने बइठिके तोहसे बात करउं। जेहसे कि हमार आनन्द पूरा होइ जाइ।¹³ तोहरी परमेस्सर द्वारा चुनी भइ बहन* क बचवन तोहका नमस्कार कहत हीं।

बहन हिाँ बहन स अरथ उ ठउरे क कलीसिया स मालूम पड़त ह, जहाँ स यूहन्ना इ चिट्ठी लिखेस ह अउर 'बेटे, बिटियन, स अरथ अहइ उ कलीसिया क निअम्बर स जउन पैलगी पठवत अहई।

यूहन्ना क तीसरी पत्र

मई बुजुर्ग कइँती सः पियारे बन्धु, गयुस क नाउँ जेसे मई सत्य मँ सहभागी क रूप मँ पिरेम रखत हउँ।

²मोर पियारे बन्धु, मई पराथना करत अहउँ कि तू जइसेन आध्यात्मिक रूप स उन्नति करत अहा, वइसेन तू सब बातन मँ उन्नति करत रहा अउर स्वस्थ रहा। ³जब कछू ईसाइ भाई आइके मोका तोहरी सच्चाई मँ बिसवास क बावत बताएन तउ मई बहुत खुस भएउँ। उ पचे मोका बताएन कि तू पचे कइसे सच्चाई क रास्ता प चलत अहा। ⁴मोरे बरे एहसे बढ़कर अउर आनन्द की बात नाही बाटइ कि इ सुनउँ कि मोर बचवन सच्चाई क रास्ता प चलत अहई।

⁵मोर पियारे बन्धु, तू मोरे भाइयन बरे जउन करत रहे अहा, ओका बिसवासयोग्यता स पूरा करत अहा अउर विसेसकर जब उ पचे परदेसी अहई। ⁶मुला जउन पिरेम तू ओनके ऊपर दरसाए अहा, ओकरी साच्छी उ पचे कलीसिया क सामने दिहेन। ओनके यात्रा जारी रखइ बरे ओनके वइसेन सहायता करत रहा, जइसेन परमेस्सर बताए अहइ। ⁷मसीह क सेवा बरे उ पचे यात्रा प निकल पड़ा अहई अउर उ पचे अबिसवासी लोगन स कउनउ मदद नाही लिए अहई। ⁸इही बदे हम पचे क अइसे मनइयन क सहायता करइ चाही, जइसेन कि हमहूँ सच्चाई बरे सहकमी होइ सकी। ⁹एक ठु चिट्ठी मई कलीसिया क लिखे रहेउँ मुला दियुत्रिपेस जउन ओनकर

प्रमुख बनइ क लालसा रखत ह। उ मोरे सबक बताई बातन क न मानी ¹⁰इहइ कारण अहइ जदि मई आवउँ तउ ओकर ओन करमन कि जउन उ करत ह, याद दियाउबा। वह अनुचित रूप स मोरे खिलाफ बुरी बुरी बात कहिके दोख लगावत ह; अउर इतने एतने स ही उ संतुस्त नाही अहइ, उ न तउ खुद भाइयन क स्वागत करत ह अउर जउन स्वागत करइ चाहत ह ओका मना करत ह अउर कलीसिया स निकार देत हय। ¹¹पियारे बन्धु, बुरे उदाहरण क नाही वरन भलाई क अनुकरण करा। जउन मनई भलाई करत ह, उ परमेस्सर क अहइ! उ जउन बुराई करत ह, उ परमेस्सर क नाही देखेस।

¹²दिमेत्रियुस क बावत सब अच्छी बात कहत अहई। हिआँ तक कि खुदइ सच्चाई ओकरे बारे मँ कहत ह। हमहूँ ओनके बावत अच्छी बात कहित ह। अउर तू जानत अहा कि जउन हम कहित अही इ सच बाटइ।

¹³तोहका सबन क लिखइ क वास्ते मोरे पास बहुत बातन अहई, मुला मई कलम अउर सियाही स ओका सब लिखइ नाही चाहित। ¹⁴मुला मोका तउ इ आसा अहइ कि मई जल्दी तोहसे मिलबइ। तउ हम आपुस मँ बात करब। ¹⁵सान्ति तोहरे साथे रहइ। तोहरे सब दोस्तन हिआँ तोहका सबन क नमस्कार कहत अहई। उहाँ हर मित्र क नाउँ लइके नमस्कार कहया।

यहूदा क पत्र

ईसू मसीह क नउकर अउर याकूब क भाई यहूदा कइँती स तोहरे ओन बोलाए भएन क नाउँ, जे परमेस्सर क पिता मैं प्रिय अउर ईसू मसीह क बदे सुरच्छित अहइँ।

²तोहका दया, सान्ति, अउर पिरेम बहुतायात स मिलत रहइ।

पापी क दण्ड मिली

³पिआरे दोस्तो! मईँ बहोत चाहत रहे कि तोहका उ उदुधार क बावत लिखउँ, जेकर हम सबे भागीदार अही। मईँ तोहका लिखइ क अउर प्रोत्साहित करइ क आवस्यकता क अनुभव किहेउँ जइसेन कि तू उ बिसवास बरे संघर्स करत रहा जेका परमेस्सर पवित्तर मनइयन क हमेसा हमेसा बरे दिहे अहइ। ⁴काहेकि हमरे सबके बीचे मैं कछू मनई चोरी स आइ ग अहइँ। एनके अपराध क बावत सास्तर मैं पहिलेन स आगाह कइ दीन्ह गवा अहइ। इ सबइ परमेस्सर क विरोध मैं अहइँ। इ पचे परमेस्सर क अनुग्रह क लुच्चापन मैं बदल डावत हीं अहइ अउर हमार एक ही पभूँ अउर स्वामी ईसू मसीह मैं नाहीं बिसवास करतेन।

⁵मईँ तोहका इ याद दियावा चाहत हउँ कि जउन पभूँ अपने लोगन क मिन्न क धरती स बचाइ क निकार लिहे रहा। अउर जउ उ बिसवास नाहीं करत रहेन, ओनका कउने तरह स नस्त कइ दिहे रहा। ⁶अउर याद राखा कि जउन सरगदूतन अपने पद क स्थिर नाहीं रख सकेन आपन अउर निज निवास क छोड़ दिहे रहेन, उ ओनका अनन्त बन्धनन मैं जकडिके उस भीषन दिन क निआव बरे अन्धकार मैं रखे बाटइ।

⁷इही तरह स मईँ तोहका इहउ याद दिआवा चाहत अहउँ कि सदोम अउर अमोरा अउर ओनके लगे पास क नगरन एँनही दूतन क तरह यौन अनाचार किहेन तथा अप्राकृतिक यौन सम्बन्ध क पाछे धावत रहेन। ओनका कबहूँ न बुझइवाली आगी मैं झोक देइ क दण्ड दीन्ह गवा। हम सबन क अइसे उदाहरण स सीख लेइ चाही।

⁸ठीक इही तरह हमरे समहूँ मैं घुसइवाले इ सब मनई अपने सपना क पीछे दउड़त अपने सरीर क असुद्ध करत अहइँ। इ सबइ पभूँ क तुच्छ जानत हीं अउर महिमावान सरगदूतन क निन्दा करत हीं।

⁹प्रमुख सरगदूत मीकार्ल जउ सइतान क साथ विवाद करत भवा मूसा क ल्हास क बावत बहस करत रहा तउ उ ओकरे खिलाफ अपमानजनक आरोप लगावइ क हिम्मत नाहीं जुटाइ सका। उ सिरिफ एतना कहेस, “पभूँ तोहका डाटइ अउर फटकारइ।” ¹⁰मुला इ लोग तउ ओन बातन क निन्दा करत हीं अउर इ पचे ओनका नाहीं समझतेन। अउर इ पचे अविवेकी जानवरन क नाई जउन जिन बातन स सहज रूप स परिचित अहइँ, इ बातन उहइ बाटिन ओनही क द्वारा नास होइ जात ह। ¹¹ओनके सबके बरे इ बहुत खराब अहइ, काहेकि उ पचे कैन क रास्ता चुनेन्ह। धन कमाय बरे उ पचे खुद क वइसेन गलती क हवाले कइ दिहेन जइसेन बिलाम किहे रहा। इ बरे ओनही क नास होई जइसेन कोरह क विद्रोह मैं भाग लेइवालेन मर-बिला ग रहेन।

¹²इ पचे तोहरे प्रीतिभोजन मैं छिपी समुद्र तल की चट्टानन क तरह अहइँ जउन कि घातक अहइँ। इ पचे बिना डरे तोहरे साथे खात हीं, पितत हीं मुला ओनका अपने स्वार्थ क फिकिर रहत ह। उ बिना पानी क बादर अहीं। उ पचे पतझड़ क अइसेन पेड़ अहिन जउने प फल नाहीं होत। उ दुइ दाई मरा अहइ। ओनका उखाड़ा जाइ चुका अहइ। ¹³उ पचे समुद्र क अइसी भयानक लहर अहइँ, जउन अपने लजाजनक करमन क झाग उगलत रहत हीं। उ सब इधर उधर भटकत अइसे तारा अहइँ जेनके बरे अनन्त घनघोर अंधेर सुनिश्चित कइ दीन्ह ग अहइ।

¹⁴आदम स सातवी पीढ़ी क हनोक भी एनके बावत अइसेन सब्दन मैं भविस्वाणी किहे रहा, “देखा, उ पभूँ अपने हजारन हजार पवित्तर सरगदूतन क साथ ¹⁵पभूँ हर मनई क निआव करी। उ सब मनइयन क परखइ आवत अहइ अउर जउन ओकरे खिलाफ अहइँ ओन सबनक दण्ड देई। परमेस्सर एँन सब मनइयन क सजा देइ जउन बरा करम किहे बाटेन। उ इ सबइ पापी लोगन क सजा देइ जउन परमेस्सर क खिलाफ रहेन। उ ओन बुरी बातन बरे सजा देई जउन परमेस्सर क खिलाफ किहे बाटेन।”

¹⁶इ पचे चुगुलखोर अहीं अउर दोख दूडइवाले अहीं। इ सबेन्ह अपनी इच्छा क गुलाम अहीं अउर अपने मुँहे स घर्मंडभरी बात बोलत हीं। अपने फायदे क बदे इ सबेन्ह दूसरे क चापलूसी करत हीं।

जतन करत रहइ बरे चेतावनी

¹⁷मुला पिआरे दोस्तो, ओन सब्दन क याद करा जउन हमार पभू ईसू मसीह क प्रेरितन पहिलेन कहि चुका अहइँ। ¹⁸उ पचे तोहसे कहत रहेन, “आखिरी समइ मैं अइसे मनई रहहीं जउन परमेस्सर स जुडी बातन क मजाक उडइहीं।” उ पचे गन्दी इच्छा क पाछे पाछे चलिहइँ। ¹⁹इ पचे ओनही अहीं जउन फूट डावत हीं। इ सबइ संसारिक अउर आतिमा रहित अहइँ।

²⁰मुला पिआरे दोस्तो, तू पचे एक दूसरे क बिसवास स आध्यात्मिक रूप स अपने को पवित्तर बिसवास मैं मजबूत करत रहा। पवित्तर आतिमा क साथ पराथना करा।

²¹अपने आप क परमेस्सर क पिरेम मैं बनाए रखो अउर अनन्त जीवन बरे उत्सुकता स हमरे पभू ईसू मसीह की दया क बाट जोहत रहा। ²²जे संदेह करत हय, ओनके ऊपर दया करा। ²³दूसर मनइयन क आगे

बढ़िके आग स निकार ल्या। अउर दूसर मनइयन क बचावा। मुला दया देखावत सावधान रहया लेकिन ओनके कपरन तलक स नफरत करया जउने प ओनके सांसारिक तरह स जीवन यापन पइ पाप क धब्बा लगा अहइ।

परमेस्सर क स्तुति

²⁴उ (परमेस्सर) मजबूत अहइ अउर तू सबन क ठोकर खाइ स बचाइ सकत ह। अउर अपनी महिमा क उपस्थिति मैं तू पचन क निर्दास अउर आनन्दित कइके खड़ा कइ सकत ह।

²⁵उ एकइ परमेस्सर बा। उ सिरिफ एक अहइ जउन उद्धार कइ सकत ह। हमरे पभू ईसू मसीह क द्वारा हमरे उद्धार करइवाले एकही परमेस्सर क महिमा, वैभव, पराक्रम अउर अधिकार हमेसा हमेसा स अब तलक भूतकाल मैं, अब अउर भविस्स मैं अउर जुग जुग तक बना रहइ। आमीन।

प्रकासित वाक्य

इ किताबे क बारे में यूहन्ना कहेस

1 इ ईसू मसीह क प्रकासित वाक्य अहइ जउन ओका परमेस्सर स इ बदे मिला अहइ जइसे कि जउन बात होइवाली अहइ, ओनका अपने सेवकन क दिखावा जाइ। आपन दूत भेजके मसीह अपने सेवक यूहन्ना क इसारा कइके बताएस।² यूहन्ना जउन कछू देखे रहा, ओकरे बावत बताएस। इ उ सच्चाई अहइ जेका ईसू मसीह बताए रहा। इ उ संदेस अहइ जउन परमेस्सर क अहइ।³ उ मनई धन्य अहइ जउन परमेस्सर क भविस्सबाणी क नीक संदेस क पढ़त ह, अउर सुनत ह अउर उ पचे धन्य अहइ जउन बातन एहमाँ लिखी अहई, जे ओनकइ पालन करत ह। काहेकि परिपूर्ण क समइ नजदीक अहइ।

कलीसियन क नाउँ यूहन्ना क संदेस

⁴ यूहन्ना कइँती स एसिया प्रान्त* में बरकरार सात कलीसियन क नाउँ उ परमेस्सर कइँती स जउन अहइ, जउन हमेसा स रहा अउर जउन आवइवाला अहइ, ओन सात आतिमा कइँती स जउन ओकरे सिंहासन क सामने अहई।⁵ अउर उ ईसू मसीह कइँती स जउन बिसवास भरा साच्छी, मरा मनइयन में पहिला जी उठइ वाला अउर धरती क राजन क राजा अहइ तोहका कृपा अउर सान्ति मिलइ।

उ जउन हमसे पिरेम करत ह अउर जउन आपन खून स हमका पचे क आपन पापन स छुटकारा देवाएस।⁶ उ हमका एक राज्य अउर अपने परमपिता परमेस्सर क सेवा में याजक होइ क बनाएस। ओकर महिमा अउर पराक्रम हमेसा बरकरार रहइ। आमीन!

⁷ देखा, बादलन क साथ मसीह आवत अहइ। हर एक आँखी ओकर दर्सन करी। एहमाँ ओनइ सामिल अहई जउन ओका मारे रहेन।* धरती क सब मनई ओकरे कारन रोइहीं। हाँ! सचमुच अइसा होइ! आमीन।

⁸ सबसे बड़ी ताकतवाला पभू परमेस्सर, जउन बरकरार अहइ, हमेसा हमेसा स रहा अउर जउन आवइवाला अहइ, कहत अहइ, “मई अलफा (आदि) अउर ओमेगा (अन्त) दुइनउँ अही।”

⁹ मई, यूहन्ना अउर ईसू में तोहार भाई अहउँ। हम संग संग ईसू में अही अउर ईसू क कारण अत्याचार, राज्य अउर धीरज में भरी सहनशीलता में तोहार साच्छी अही। परमेस्सर क बचन अउर ईसू क साच्छी देइ क कारण मई पतमुस* नाउँ क द्वीप में रहेउँ।¹⁰ पभू क दिन मई आतिमा क वसीभूत हो उठेउँ अउर मई अपने पाछे तुरही क एक तेज आवाज सुनेउँ।¹¹ उ कहत रही, “जउन कछू तू देखइ अहा, ओका एक किताब में लिख द्या अउर फिन ओका इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन, थूआतीरा, सरदीस, फिलादेलफिया अउर लौदीकिया क सातउ कलीसियन क भेज द्या।”

¹² फिन इ देखइ क बदे कि इ आवाज केकर आटइ जउन मोसे बोलत रही, मई मुड़ेउँ अउर जब मई मुड़ेउँ तउ मई सोने क सात दीपाधार देखेउँ।¹³ अउर ओन दीपाधारन क बीच मई एक आदमी क देखेउँ जउन “मनई क पूत” क जइसा कउनउ मनई रहा। उ अपने गोड़े तक लम्बा चोगा पहने रहा। अउर ओकरी छाती प एक सुनहरी पटका लिपटा रहा।¹⁴ ओकर मूँड अउर बाल सफेद ऊन क तरह उज्जर रहेन। ओकर आँखिन आगी क चमकवात लपट क तरह रहिन।¹⁵ ओके पैर भट्टी में अबहीं अबहीं तपावा गवा कांसा क नाई दमकत रहेन। ओकर आवाज तमाम पानी क धारा क गरज क तरह रही।¹⁶ अउर उ अपने दहिने हाथे में सात तारा धरे रहा। ओकरे मूँह स एक तेज दुधारी तलवार बाहर निकरत रही। ओकर तस्वीर तेज दमकत सूरज क तरह उज्जर रही।

¹⁷ मई जब ओका देखेउँ तउ मई ओकरे पैर प अइसेन गिर पड़ेउँ जइसेन मरा मनई गिरइ। फिन उ आपन दहिना हाथ मोरे ऊपर रखेस अउर कहेस, “डेराय न जा, मई पहिला अहउँ अउर मई आखिरी अहउँ।¹⁸ मई उहइ अहउँ जउन जिअत अहउँ। मई मरि ग रहेउँ मुला देखा, अब मई हमेसा हमेसा क बदे जिन्या अहउँ। मोरे पास मृत्यु अउर अधोलोक* क चाभी अहइ।¹⁹ तू जउन कछू देखे अहा, जउन कछू होत अहइ, अउर कछू आगे होइवाला अहइ ओका लिखत जा।²⁰ इ जउन सात

पतमुस एजिअन समुदर में एसिया माइनर क तट क निअरे एक ठु छोटा सा द्वीप जउन आजुकल टर्की कहा जात ह।

अधोलोक जहाँ लोग मरइ क बाद जात हीं।

एसिया प्रान्त एसिया माइनर क एक प्रान्त।

मोर रहेन लखई यूहन्ना 19:34

तारा अहई जेनका तू मोरे हाथे में देखत अहा अउर जउन इ सात दीपाधार अहई एनकइ सबन क गुप्त रहस्य अहइ: इ सात तारा सात कलीसियन क सरगदूतन अहीं अउर इ सात दीपाधार सात कलीसियन अहीं।

इफिसुस की कलीसिया क मसीह क संदेस

2 "इफिसुस क कलीसिया क सरगदूत क इ लिखा:
 "उ जउन अपने दहिने हाथे में सात तारन क धारन करत ह अउर जउन सात दीपाधारन क बीच घूमत ह, इ तरह कहत अहइ 'मई जानत अहई जउन तू करत अहा अउर, कड़ी मेहनत अउर धीरज भरी सहनसीलता क जानित हई अउर मई इहइ जानित हई कि तू बुरा मनइयन क राह नाहीं पउत्या अउर तू ओनका परखे अहा जउन कहत अहई कि उ पचे प्रेरितन बाटेन मुला सही में नाहीं अहई। तू ओनका झूठा पाए अहा। मई जानित हई कि तोहरे में धीरज अहइ अउर मोरे नाउँ प तू कठिनाई झेले अहा। अउर तू थका नाहीं अहा।

4 "मुला मोरे लगे तोहरे विरोध में इ अहइ: तू पिरैम छोड़ दिहे अहा जउन सुरुआत में तोहरे में रहा। इ बदे याद करा कि तू कहाँ स गिरा अहा, आपन मनफिराव अउर उ करा जेका तू सुरुआत में करत रह्या, जदि तू पछतावा न करब्या तउ मई तोहरे लगे आउब अउर तोहरे दीपाधार क ओकरी जगह स हटाइ देवा। मुला इ बात तोहरे हित में अहइ कि तू नीकुलइयन*क काम स नफरत करत अहा, जेनसे मई भी नफरत करत हई।

7 "जेकरे लगे कान अहई, उ ओका सुनई जउन आतिमा कलीसियन स कहत अहइ। जे विजय पाई मई उही परमेस्सर क बगिया में लगा जीवन क पेड़ स फल खाइ क अधिकार देब।

स्मुरना की कलीसिया क मसीह क संदेस

8 "स्मुरना क कलीसिया क सरगदूत क इ लिखा:

"उ जउन पहिला अह अउर जउन आखिरी अहइ जउन मर ग रहा अउर फिन स जी उठा। 9 उ कहेस मई तोहरे साथ जउन अत्याचार भवा ओका अउर तोहरी दीनता दुइनई क जानत हई वइसे तू धनवान अहा। जउन खुद क यहूदी कहत अहा, अउर जउन तोहार निन्दा करे अहइ, मई ओका भी जानत हई। यद्यपि ओन्हन सही सही यहूदी न अहीं। बल्कि उ पचे सइतान क आराधनालय अहई जउन सइतान स संबंध रखित ह। 10 उ अत्याचार स तोहका डेराय क जरूरत नाहीं अहइ, जउने क तोहका सहइ क अहइ। सुना, सइतान तोहरे में स कछू जने क बंदीगुह में डाइके तोहार परीच्छा लेइ

नीकुलइयन एसिया माइनर क धरम गुट। इ झूठ बिसवास अउर बिचार क मनबइया रहा। एकर नाउँ क धरब कउने नीकुलइयन क नाउँ क मनई प कीन्ह ग होइ।

जात अहइ। अउर तोहका हुवाँ दस दिन तक कस्ट भोगइ क अहइ। चाहे तोहका मर जाइ क पड़इ मुला सच्चा बना रह्या तबइ तोहका जीवन वाला मुकुट देब।

11 "जउन सुन सकत ह, सुन लेइ कि आतिमा कलीसियन स का करत अहइ। जउन जीत जाई ओका दूसरी मउत स कउनउ नुकसान न उठावइ क पड़ी।

पिरगमुन की कलीसिया क मसीह क संदेस

12 "पिरगमुन क कलीसिया क सरगदूतन क इ लिखा:

"उ जउन तेज दोधारी तलवार क धरत अहइ उ इ तरह स कहत ह: 13 मई जानत हई कि तू कहाँ रहत बाट्या जहाँ सइतान क सिंहासन बाटइ। अउर मई इहउ जानत हई कि तू मोरे नाउँ प स्थिर अहा, अउर तू मोरे बरे आपन बिसवास क कबहुँ जकारया नाहीं। तोहरे उ नगर में जहाँ सइतान क निवास अहइ, मेरा बिसवासपूर्ण साच्छी अन्तिपास मार दीन्ह गवा रहा।

14 "मुला मई तेरे विरोध में कछू कहइ चाहत हई: तोहरे हिआँ कछू अइसे लोग बाटेन जउन बिलाम क सिच्छा क मानत हीं। उ बॉलाक क सिखावत रहा कि इम्राएलियन क मूर्तिन क चढ़ावा खाइ अउर व्यभिचार करइ क प्रोत्साहित करइ। 15 अइसे तोहरे हिआँ भी कछू अइसे मनइयन अहई जउन नीकुलइयन क सीख प चलत अहई। 16 एह बरे मनफिरावा नाहीं तउ मई जल्दी ही तोहरे पास आउब अउर ओनके विरोध में उस तलवार स युद्ध करबइ जउन मोरे मुँह स निकरत बाटइ।

17 "जउन सुन सकत ह, सुन लेइ कि आतिमा कलीसियन स का कहत अहइ!"

"जउन बिजयी होई मई हर एक क गुप्त मन्ना देब। मई ओका एक सफेद पाथर देब जेह पइ एक नवा नाउँ लिखा होई। जेका ओकरे अलावा अउर कउनउ नाहीं जानत अहइ, जेका उ दीन्ह गवा बाटइ।

थूआतीरा क कलीसिया क मसीह क संदेस

18 "थूआतीरा क कलीसिया क सरगदूतन क नाउँ इ लिखा:

"परमेस्सर क पूत, जेकर आँखिन धधकती आग क समान बाटिन, अउर जेकर पैर चमकते काँसा क जइसे अहई, इ कहत अहइ: 19 मई तोहरे कारज, पिरैम, बिसवास, सेवा अउर धैर्य क जानत हई। मई इहउ जानत हई कि तोहार वर्तमान कारज विगत कारज स अधिक होत बाटइ। 20 मुला मई तेरे विरोध में कछू कहइ चाहत हई: तू उ स्त्री इजेबेल क अपने मध्य रहइ देता अहा, जउन अपने आपको नबीया कहत ह। मुला मोरे सेवकन क व्यभिचार करइ अउर मूर्तिन क आगे चढ़ाई भइ चीजन क खाइ बरे सिच्छा देत अहइ। 21 मई ओका मनफिरावा क अवसर दिहे अहई। मुला उ अपने व्यभिचार स मनफिरावा नाहीं चाहत। 22 अउर मई ओका

रोग-चारपाई प ड़ाउब। अउर जे ओकरे साथ व्यभिचार करत अहई तउ उ तरह क कस्ट अउर दिक्कत भोगई जब तलक अपने काम क पछतावा न कइलेई।²² मई महामारी फैलाइके ओकरे लरिकन क मारि ड़ाउब अउर सब कलीसियन क पता चल जाइ कि मई उहइ अहउँ जउन सब मनइयन क मन अउर बुद्धि क जानत अहइ। मई तोहका सबका तोहरे काम क हिसाब स फल देबइ।

²⁴अब मोका धूआतीरा क बाकी बचे क कछू मनइयन स कछू कहइ क अहइ कि जे इस सीख प नाहीं चलतेन अउर जउन सइतान क अउर ओकरे छिपी बातन क नाहीं जानत अहई। मई तोहरे ऊपर अउर कउनो बोझा नाहीं ड़ावा चाहत अहउँ।²⁵ मुला जउन कछू तोहरे लगे अहइ, ओह प मोरे आवइ तक चलत रहा।

²⁶जउन मनई जीत हासिल करी अउर जउन बातन क मई आदेस दिहे अहउँ आखिरी दम तक मोर आदेस पर टिका रही, जेहका मई चाहत अहउँ ओका मई राष्ट्रन पर अधिकार देत हउँ।

²⁷तथा उ ओनके ऊपर लोहे क डण्डे स सासन करी। उ ओनका माटी क भाँडन क तरह चूर चूर कइ देई।'

भजन संहिता 2:9

²⁸इ उहइ अधिकार अहइ जेका मई अपने परमपिता स पाए अहउँ। मई अइसे मनई क भोर क तारा देब।²⁹ जेकरे पास कान अहई, उ सुन लेई कि आतिमा कलीसियन स का कहत अहइ।

सरदीस की कलीसिया क मसीह क संदेस

3 "सरदीस कलीसिया क सरगदूत क इ तरह लिखा: "अइसा उ कहत ह जेकरे लगे परमेस्सर क सात आतिमा अउर सात तारा अहई मई तोहरे काम क जानत अहउँ सब मनइयन क कहब अहइ कि तू जित अहा, मुला तू तउ मर ग अहा।² सावधान रहा! अउर जउन कछू बचा अहइ, ओका विलाइ जाइ क पहले अउर मजबूत बनावा काहे बदे कि अपने परमेस्सर क निगाह मँ मई तोहरे काम क नीक नाहीं पाए अहउँ।³ इ बदे जउन उपदेस क तू सुने अहा अउर पाए अहा, ओका याद करा। उही प चला अउर आपन मनफिरावा। जदि तू न जगब्या तउ चोर क तरह मई चला आउब। एकै तोहका पता नाहीं होइ कि मई कब अउबउँ अउर तोहका अचम्भा मँ ड़ाइ देबूँ।⁴ जउनउ कछू होइ, मुला सरदीस मँ तोहरे लगे कछू अइसे मनइयन अहई जउन अपने क खराब नाहीं किहे अहई। उ पचे नीक मनई अही, इ बदे मोरे साथ उज्जर उज्जर कपरा पहिनी क घूमिहई।⁵ जउन उ जीती, उ इही तरह उज्जर कपरा पहिनी मई जीवन क

पुस्तक स ओकइ नाउँ न हटाउबइ, मई ओकरे नाउँ क परमपिता अउर सरगदूतन क सामने मानता देबइ।⁶ जेकरे लगे कान अहई, उ पचे सुन लेई कि आतिमा कलीसियन स का कहत अहइ।

फिलादेलफिया कलीसिया क मसीह क संदेस

⁷फिलादेलफिया कलीसिया क सरगदूत क इ तरह लिखा:

"उ जउन पवित्तर अउर सच्चाई अहइ अउर जेकरे लगे दाऊद क चाभी अहइ जउन अइसा दरवाजा खोलत ह, जेका केहू खोल नाहीं पावत, इ तरह कहत ह: 'मई तोहरे काम क जानित ह। देखा तोहरे सामने मई एक दरवाजा खोल दिहे अहउँ, जेका केहू बन्द नाहीं कइ सकत। मई जानत हउँ कि तोहार ताकत कम अहइ मुला तू मोर उपदेस स क पालन किहे अहा, अउर मोर नाउँ क खंडन नाहीं किहे अहा।⁹ सुना! कछू अइसे अहई जे सइतान क आराधनालय अहीं अउर जउन यहूदी न होत भए अपुना क यहूदी कहत हीं, जे एकदम झूठा अहई, ओनका मई मजबूर कइके तोहरे पैर मँ झुकाइ देब जइसे कि ओनका पता चल जाइ कि तू मोका अच्छा लागत ह्या।¹⁰ तू धीरज क साथ सहनसीलता स मोर आदेस क पालन किहे अहा। एकरे बदले मँ मई इम्तिहान क घड़ी मँ तोहार रच्छा करबइ, जउन कि धरती पर रहइवालेन क परखइ क बदे पूरे संसार मँ आवइवाली अहइ।"

¹¹"मई बहुत जल्दी आवत अहउँ। जउन कछू तोहरे पास अहइ, ओकरे ऊपर उटा रहा जइसे कि तोहार जीत क मुकुट कउनउ लेइ न पावइ।¹² जउन मनई जीती, ओका मई अपने परमेस्सर क मंदिर क खम्भा बनउबइ। फिन उ कबहू मंदिर क बाहर न जाई। अउर मई अपने परमेस्सर क अउर अपने परमेस्सर क नई नगरी क नवा यरूसलेम नाउँ ओकरे ऊपर लिखबइ, उ नगरी परमेस्सर कइँती स सरग स नीचे उतरइवाली अहइ। ओकरे ऊपर मई अपनउ नये नाउँ लिखबइ।¹³ जे सुन सकत ह सुन लेइ कि आतिमा कलीसियन स का कहत अहइ।

लौदीकिया की कलीसिया क मसीह क संदेस

¹⁴लौदीकिया क कलीसिया क सरगदूत क इ लिखा: "जउन आमीन * अहइ बिसवास भरा अहइ, सच्ची साच्छी अहइ, जउन परमेस्सर क रचना क एक तु सासक अहइ, इ तरह कहत ह: ¹⁵मई तोहरे काम क जानत हउँ अउर इहउ कि न तउ इ ठंडा होत ह अउर

आमीन आमीन सबद क अरथ अहइ उ परम सत्य क तरह होइ जाब। मुला हिआँ एँका ईसू क नाउँ क रूप मँ बइपरा ग अहइ।

न गरम। मई चाहत हउँ कि तू या तो ठंडा रहा या गरम।¹⁶इ बदे कि तू गुनगुना अहा, न तउ गरम अहा न ठंडा, एहि कारण मई तोहका अपने मुँह स उगलइ जात अहउँ।¹⁷तू कहत अह कि मई धनी होइ गवा हउँ अउर मई भाग्यसाली होइ गवा अहउँ अउर मोका कउनउ चीज क जरूरत नाहीं अहइ, मुला तोहका पता नाहीं अहइ कि तू अभागा अहा, दयनीय अहा, आँधर अहा अउर नंगा अहा।¹⁸मई तोहका इ सलाह देत अहउँ कि तू मोका आगी में तपावा सोना खरीदा जइसे कि तू सही सही धनवान होइ जा। पहिनइ क वास्ते सपेन्द्र कपरा लइ ल्या जइसे कि तोहरी बेसामी अउर नंगाई क तमासा न खड़ा होइ जाइ। अपने आँखन में लगावइ क वास्ते तू आँजन लइ ल्या जइसे कि तू निहार सका।

¹⁹“ओनका सबेन्ह क जेनका मई पिरैम करित हउँ, मई डायत अहउँ अउर अनुसासित करत हउँ। कठिन जतन कइके आपन मनफिराइ ल्या।²⁰सुना, मई दरवाजे प खड़ा अहउँ अउर खटखटावत अहउँ। जउ केहू मोर आवाज सुनत ह अउर दरवाजा खोल देत ह तउ मई अन्दर आइ जइहउँ अउर ओकरे साथे बइठके खाना खावइ। अउर उ मोर साथे बइठके खाना खात ह।

²¹“जउन मनई जीती मई ओका अपने साथे सिंहासन प बइठइ देब। जइसे कि जीत हासिल कइके मई अपने पिता क साथे सिंहासन प बइठा अहउँ।²²जे मनई सुनि सकत ह सुन लेइ, कि आतिमा कलीसियन स का कहत अहइ।”

सरग क दर्शन

4 एकरे बाद मई आपन निगाह उठाएउँ तउ उहाँ सरग क खुला दरवाजा मोरे सामने रहा। अउर उहइ आवाज जउने क मई पहले सुने रहेउँ, तुरही क आवाज जइसी मैं मोसे कहत रही, “हिआँ ऊपर आइ जा। मई तोहका उ देखाउब जउन आगे चलिके होइवाला अहइ।”²फिन तुरन्तइ मई आतिमा क बस मैं होइ गएउँ। मई देखेउँ कि मोर सामने सरग मैं सिंहासन अहइ अउर ओकरे ऊपर केउ बइठा अहइ।³जउन ओह प बइठा रहा ओकै चमक यसब अउर गोमेद क तरह रही। सिंहासन क चारिहुँ कइँती एक मेघधनुस रहा जउन पन्ना क तरह दमकत रहा।⁴उ सिंहासन क चारिहुँ कइँती चौबीस सिंहासन अउर रहेन। ओकरे ऊपर चौबीस बुजुर्गन * बइठा रहेन। उ पचे सपेद कपरा पहिने रहेन। ओनके मूडे प सोने क मुकुट रहेन।⁵सिंहासन भरा बिजली क चकाचौध, घड़घड़ाहट, अउर बादर गरजइ क

आवाज आवत रही। सिंहासन क समन्वा लपलपात सात मसाल जरत रहिन। इ मसाल परमेस्सर क सात आतिमा अहइँ।⁶सिंहासन क समन्वा पारदर्सी कांच क स्फटिक समुदर जइसा फइला रहा।

सिंहासन क ठीक समन्वा अउर ओकरे दुइनउँ तरफ चार जीवित प्रानी रहेन। ओनके आगे अउर पाछे आखिन रहिन।⁷पहला जीवित प्रानी सेर क तरह रहा, दूसर जीवित प्रानी बइल जइसा रहा, तीसरे जीवित प्रानी क मुँह मनई जइसा रहा। अउर चौथा प्रानी उड़ते हए गरुड़ क समान रहा।

⁸इ चारउ ही प्रानीयन क छः छः ठू पखना रहेन। ओकरे चारों तरफ अउर भीतर आंख आंख भरी पड़ी रहिन। दिन रात उ पचे हमेसा कहत रहेन:

“पवित्तर, पवित्तर, पवित्तर पभू परमेस्सर सर्वसक्तिमान, उहइ रहा, उहइ अहइ, अउर उहइ आवत अहइ।”

⁹जउ उ जिअत प्रानी उ सदैव रहत क महिमा, आदर अउर धन्यवाद करत रहेन, जउन सिंहासन प बइठा रहा, तउ ब उ¹⁰चौबीसौ बुजुर्गन ओकरे पैरन मैं गिरके हमेसा हमेसा जिअत रहइवाले क आराधना करत हीं। उ सिंहासन क समन्वा आपन मुकुट डाय देत हीं अउर कहत हीं:

¹¹“हे हमार पभू अउर परमेस्सर! तू महिमा, समादर अउर ताकत पावइ क बदे सुयोग्य अहा, काहे बदे कि तू ही अपनी इच्छा स सब चीजन क पइदा किहा, अउर तोहरी इच्छा स ओनकर अस्तित्व अहइ। अउर तोहारी इच्छा स ओनकर पैदाइस भया।”

5 फिन मई देखा कि जउन सिंहासन प बिराजमान रहा, ओकरे दहिने हाथे मैं एक लपेटा चमड़ा क पत्र मतलब एक अइसी किताब जेका लिखके लपेट दीन्ह जात रहा। जेकरे दुइनउँ कइँती लिखावट रही। ओका सात मोहर लगाइके छाप दीन्ह ग रहा।²मई एक सक्तिमान सरगदूत कइँती देखेउँ जउन ऊंची आवाज मैं घोसणा करत रहा, “इ लपटा भवा चमड़न क पत्र मोहरन क तोड़इ अउर एका खोलइ मैं कउन मनई समर्थ अहइ।”³मुला सरग मैं अथवा जमीन प या पताल लोग मैं कउनउ अइसा नाहीं रहा जउन उ लपटा चर्मपत्र क खोलइ अउर ओका भीतर झाँकइ।

⁴काहेकि उ चर्मपत्र क खोलइ क ताकत राखइवाला या अन्दर स ओका देखइ क ताकत राखइवाला कउनउ नाहीं मिल पाए रहा। इ बदे मई सुबक सुबक क रोय दीन्ह।

चौबीस बुजुर्गन साइड इ चउबीस प्राचीन मैं बारहु उ सबइ मनई रहेन जउन परमेस्सर क संत लोगन क बड़का नेता रहेन। होइ सकत ह इ सबइ यहूदियन क बारहु परिवार दल क नेता रहेन। अउर बाकी बारह ईसू क प्रेरित अहइँ।

⁵फिन ओन बुजुर्गन में स एक मोसे कहेस, “रोउब बन्द करा! सुना, यहूदा क बंसज क सेर जउन दाऊद क बंसज क अहइ जीत हासिल किहे अहइ। उ एन सात मोहरन क तोड़इ अउर इ लिपटा चर्मपत्र क खोलइ मैं समरथ अहइ।”

⁶फिन मई देखेउँ कि उ सिंहासन अउर ओन चार प्रानीयन क समन्वा अउर ओन बुजुर्गन क समन्वा एक तु मेमना खड़ा अहइ। उ अइसे देखात रहा जइसे ओकर बलि चढ़ाई ग रही होइ। ओकरे सात सींग रहेन अउर सात आँखी रहिन, जउन परमेस्सर क सात आत्मा अहिना। जेनेका पूरी धरती प भेजा ग रहा। ⁷फिन उ आवा अउर जउन सिंहासन प विराजमान रहा, ओकरे दहिने हाथे स उ लिपटा चर्मपत्र लइ लिहेस। ⁸जब उ ओनसे लिपटा चर्मपत्र लइ लिहेस तउ ओन चारउ प्रानी अउर चौबीसउ बुजुर्गन उ मेमना क झुकके प्रणाम किहेन। ओनमाँ स प्रत्येक क हाथ मैं वीना अउर सोने का कटोरा रहेन। उ सब बोलत रहेन: अउर महकत सोने क धूपदान थामे रहेन जउन परमेस्सर क लोगन क पराधना अहइ। ⁹उ एक नवा गाना गावत रहेन:

“तू अहा चर्मपत्र लेइ क बदे समर्थ अउर एह प लगी मोहर क खोलइ मैं तोहार बध बलि कीन्ह ग रहा, अउर अपने खून स तू परमेस्सर बरे लोगन क हर जाति स, हर भाखा स सब कुलन स, सब देसन स मोल लइ लिहा।

¹⁰ अउर बनाया तू ओनका रूप राज्य क अउर हमरे परमेस्सर क हेतु ओनका याजकन बनाया, ओनही धरती प राज करिहई।”

¹¹तबहिँ मई देखेउँ अउर तमाम सरगदूतन क आवाज सुनेउँ। उ पचे सिंहासन, जीवित प्रानीयन अउर बुजुर्गन क चारिहुँ कइँती खड़ा रहेन। अउर उहाँ सरगदूतन क तादाद लाखन करोड़न मैं रही ¹²अउर उ पचे जोर जोर स कहत रहेन:

“जउन मेमना, मारि डाला ग रहा, उ ओका मिलइ क जोग अहइ बल, धन, विवेक समादर, महिमा अउर स्तुति।”

¹³फिन मई सुनेउँ कि सरग क, धरती पइ क पाताल लोक क, समुदर मैं का, समूची दुनिया क अउर समूचे ब्रह्माण्ड हर एक प्रानी जउन इ जगह मैं रहत रहा कहत रहेन:

“जउन सिंहासन प बइठा अहइ अउर मेमना! हमेसा हमेसा ओनका स्तुति मिलै, ओनका आदर, महिमा मिलइ।”

¹⁴फिन उ चारिहुँ प्रानी कहेन, “आमीन!” कहेन अउर बुजुर्गन झुकके आराधना करेन।

6 मई देखे कि मेमना ओहमाँ स पहली मोहर तोड़ेस अउर तबहिँ ओन चार प्रानीयन मैं स एक क बादर क तरह गरजत आवाज मैं कहत सुनेउँ, “आ!” ²जउ मई आपन नजर उठाएउँ तउ पाएउँ कि मोरे सामने एक तु सफेद घोड़ा रहा। घोड़ा क सवार धनुस लिए रहा। ओका विजय मुकुट दीन्ह गवा अउर उ विजय पावइ क बदे जीत पाइ क बाहर चला गवा।

³जब मेमना दूसर मोहर तोड़ेस तउ मई दूसर प्रानी क कहत सुनेउँ, “आवा!” ⁴एह प आगी क तरह लाल रंग क एक अउर घोड़ा बाहेर आवा। एकरे ऊपर बइठे सवार क धरती स सान्ति छीन लेइ अउर एक दूसरे क हत्या करवावइ क बदे उकसावइ क अधिकार दीन्ह ग रहा। ओका एक तु लम्बी तलवार दइ दीन्ह गइ।

⁵जब मेमना तीसरी मोहर तोड़ेस तउ मई एक प्रानी क कहत सुनेउँ, “आवा!” जब मई आपन नजर उठाएउँ तउ हुवाँ मोरे सामने एक तु काला घोड़ा खड़ा रहा। ओह प बइठे सवार क हाथे मैं एक तराजू रही। ⁶उही समइ मई ओन चारउ प्रानीयन क बीच स एक आवाज आवत सुनेउँ, जउन कहत रहा, “एक दिन क मजजूरी क बदले एक दिन क खाइ क गोहूँ अउर एक दिन क मजजूरी क बदले तीन दिन तक खाइ क जौ। मुला जैतून क तेल अउर दाखरस क नुकसान न पहुँचावा।”

⁷इ फिन मेमना जब चौथी मोहर खोलेस तउ चौथे प्रानी क कहत सुनेउँ, “आवा!” ⁸फिन जब मई नजर उठाएउँ तउ मोरे सामने मरियल जइसा एक पीला रंग का घोड़ा खड़ा रहा। ओह प बइठके सवार क नाउँ रहा “मउत”। अउर ओकरे पाछे पाछे सटा चलत रहा अधोलोक। धरती क एक चौथाई हिस्सा प ओनका इ अधिकार दइ दीन्ह ग कि लड़ाई, अकाल, महामारी अउर धरती क हिंसक जानवर ओनका सबेन्ह क मार डावई। ⁹फिन उ मेमना जउ पाँचवीं मोहर तोड़ेस तब मई वेदी क नीचे ओन आत्मान क देखेउँ जेनके परमेस्सर क सुसंदेश कइँती आत्मा क अउर जउने साच्छी क उ पचे दिहे रहेन, ओकरे कारण हत्या कइ दीन्ह गइ। ¹⁰जोर स आवाज देत उ पचे कहेन, “हे पवित्तर अउर सच्चा पभू! हमार हत्या करइ क बदे धरती क मनइयन क निआव करइ क अउर ओनका दण्ड देइ क बदे तू कब तक इन्तजार करत रहब्या?” ¹¹ओनमाँ स सबका एक सुफेद चोंगा दीन्ह गवा अउर ओनसे कहा गवा कि तनिक देर तक उ पचे समइ क इन्तजार करई जब तलक ओनके ओन साथी सेवकन अउर भाइयन क तादाद पूरी होइ जात ह जेनकइ वइसेन हत्या कीन्ह जाइवाली अहइ, जइसेन तोहार कीन्ह ग रही। ¹²फिन जब मेमना छठवीं मोहर तोड़ेस तउ मई देखेउँ कि हुवाँ एक बहुत बड़ा भूचाल आवा भवा अहइ।

सूरज अइसे काला होइ ग रहा जइसे बालन स बना कपड़ा होय जात ह। अउर पूरा चाँद खून क तरह लाल होइ जात ह।¹³ आकास क तारा धरती प अइसा गिर ग रहेन जइसे कउनउ तेज आंधी स झकझोर दिहे प अंजीर क पेड़ स कच्ची अंजीर गिर जात हीं।¹⁴ आसमान फटा पड़ा रहा अउर एक चर्मपत्र क तरह सिकुरिके लपट ग रहा। सब पर्वत अउर द्वीप अपनी अपनी जगह स डिग ग रहेन।

¹⁵नुनिया क सम्राट, सासक, धनी, सक्तिशाली अउर सब लोग अउर सब मालिक अउर गुलाम अपने आपका चट्टानन क बीच अउर गुफा में अपने आपका छिपाइ लिहे रहेन।¹⁶ उ पचे पर्वतन अउर चट्टानन स कहत रहेन, "हमरे ऊपर गिर पड़ा अउर जउन मनई सिंहासन प बइठा अहइ ओकरे अउर मेमना क गुस्सा स हम पचे क बचाइ ल्या! ¹⁷ओनकी गुस्सा क भयंकर दिन आय ग अहइ अइसा के अहइ जे एका झेल सकइ।"

इम्राएल क 1,44,000 मनइयन

7 एकरे बाद धरती क चारउँ कोनन प चार सरगदूतन क मई खड़े देखेउँ धरती क चारउँ हवा क उ पचे पकड़े रहेन जइसे कि धरती प, समुद्र प अथवा पेड़न प ओनमाँ स कउनउ हवा चलइ न पावइ।²फिन मई देखेउँ कि एक अउर सरगदूत अहइ जउन पूरब दिसा स आवत अहइ। उ जितत परमेस्सर क मोहर लिहे रहा। अउर उ ओन चारउ सरगदूतन स जेनका धरती अउर आसमान क नस्त कइ देइ क अधिकार दीन्ह ग रहा, जोर स पुकार क कहत रहा,³"जब तक हमने अपने परमेस्सर क सेवकन क माथे प मोहर नहीं लगाइ देइतन, तब तलक तू धरती, समुद्र अउर पेड़न क नुकसान न पहुँचावा।"

⁴फिन जउन मनइयन प मोहर लगाई ग रही, मई औनकइ तादाद सुनेउँ। उ 144,000 रहेन जेनकइ ऊपर मोहर लगाई ग रही, उ सब इम्राएल क सब परिवार समूहन स रहेन:

5	यहूदा क परिवार समूह क	12,000
	रूबेन क परिवार समूह क	12,000
	गाद क परिवार समूह क	12,000
6	आसेर परिवार समूह क	12,000
	नप्ताली परिवार समूह क	12,000
	मनस्से परिवार समूह क	12,000
7	समौन परिवार समूह क	12,000
	लेवी परिवार समूह क	12,000
	इस्साकार परिवार समूह क	12,000
8	जबूलून परिवार समूह क	12,000
	यूसुफ परिवार समूह क	12,000
	बिन्यामीन परिवार समूह क	12,000

भयंकर भीड़

⁹एकरे बाद मई देखेउँ कि मोरे सामने एक बहुत बड़ी भीड़ रही जेकर कउनउ गनती नहीं कइ सकत रहा। इ भीड़ में हर जाति क, हर बंस क, हर कुल अउर हर भाखा क मनई रहेन। उ पचे उ सिंहासन अउर उ मेमना क आगे खड़ा रहेन। उ सबेन्ह सफेद चोगा पहिरे रहेन अउर अपने हाथे में खजूर क टहनी लिहे रहेन।¹⁰ उ सबेन्ह बोलावत रहेन, "सिंहासन प बइठा हमरे परमेस्सर क जय होइ अउर मेमना क जय होइ।"¹¹ सभी सरगदूतन सिंहासन, बुजुर्गन अउर ओन चार प्रानीयन क घेरे खड़ा रहेन। सिंहासन क सामने झुकिके प्रणाम कइके ओन सरगदूतन परमेस्सर क आराधना किहेन।¹² उ पचे कहेन, "आमीना * हमरे परमेस्सर क स्तुति, महिमा, विवेक, धन्यवाद, समादर, पराक्रम अउर सक्ति हमेसा हमेसा होत रहइ। आमीना।"

¹³तबहिं ओन बुजुर्गन में स कउनउ एक मोसे इ पूछेस, "इ सफेद चोगा पहिरे कउन मनई अहई अउर इ कहाँ स आए अहई?"

¹⁴मई ओनका जवाब दिहेउँ, "मोर पर्भू तू त जनतइ अहा।"

इ सुनिके उ मोसे कहेस, "इ पचे उहइ मनई अहीं जउन कठोर अत्याचार क बीच स होइके आवत अहई, उ सबेन्ह आपन चोगा मेमना क खून स धोइके सफेद अउर उज्जर करे अहइ।¹⁵ इही बदे अउर इ पचे परमेस्सर क सिंहासन क सम्न्वा खड़ा अहई अउर ओनके मंदिर में दिन रात ओकर आराधना करत हीं। जउन सिंहासन पर बइठा बा, उ ओन पर आपन छाया करी।¹⁶ न तउ कबहूँ ओनका भूख सतावात ह अउर न तउ कबहूँ पियासा रहत ह। सूरज ओनकइ कछू नहीं बिगाड़ पावत अउर न तउ चिल्लिचात धूप ओनका कबहूँ तपावत ह।¹⁷ कहेकि उ मेमना जउन सिंहासन क बीच में अहइ, ओनकइ देखभाल करी। अउर ओनकर चरवाहा होइ। उ ओनका जिन्दगी देइ वाले पानी क झरना क पास लइ जाई अउर परमेस्सर ओनकी आंखिन क आंसू क पोंछ देई।"

सातवीं मोहर

8 फिन मेमना जब सातवी मोहर तोड़ेस तउ सरग में करीब आधा घन्टा तक सन्नाटा छावा रहा।²फिन मई सात सरगदूतन देखेउँ जउन परमेस्सर क सामने खड़ा रहेन। ओनका सात तुरही दीन्ह गइ रहिन।

³फिन एक अउर सरगदूत आवा अउर वेदी प खड़ा होइ गवा। ओकरे लगे सोने क एक तु धूपदान रहा।

आमीन आमीन जब कउनो मनई आमीन कहत ह तउ एकर अरथ होत ह कि उ पूरी तरह ओकरे संग बिचार राखत ह।

ओका परमेस्सर क पवित्तर लोगन क पराथना क साथ सोने क उ वेदी प जउन सिंहासन क समन्वा रही चढ़ावइ क बदे तमाम धूप दीन्ह गइन।

⁴फिन सरगदूत क हाथे स धूप क उ धुआँ परमेस्सर क लोगन क पराथना क साथे परमेस्सर क समन्वा पहुँचा।

⁵एकरे बाद सरगदूत उ धूपदान क उठाएस, ओका बेदी क आग स भरेस अउर उछाल क धरती प फेंक दिहेस। तब हुवाँ गरजना भइ, भयंकर आवाज आवइ लाग अउर बिजली चमकइ लाग। भूकम्प आइ गवा।

सातहूँ सरगदूतन क आपन तुरही बजाउब

⁶फिन उ सात सरगदूतन जेकरे लगे सात तुरही रहिन, ओनका फूकइ क बदे तय्यार होइ गएन।

⁷जइसेन पहिला सरगदूत तुरही मँ फूँक मारेस, वइसेन खून, ओला, अउर आग एकइ साथे देखाइ लागेन अउर ओनका धरती प नीचे उछालिके फेंक दीन्ह गवा। जउने स धरती क एक तिहाई हिस्सा जलभुन क राख होइ गवा। एक तिहाई पेड़ जलत भए राख होइ गएन अउर संसार क पूरी घास राख होइ गइ।

⁸दूसरा सरगदूत जब तुरही मँ फूँक मारेस तउ अइसा लगा जइसे आग क एक जलत विसाल पहाड़े क समान कउनो चीज समुदर मँ फेंक दीन्ह गइ होइ। एहसे एक तिहाई समुदर खून मँ बदल गवा। ⁹अउर समुदर क एक तिहाई जीवित प्राणी मरि गएन अउर एक तिहाई पानी क जहाज विलाइ गएन।

¹⁰तिसरा सरगदूत जब तुरही मँ फूँक मारेस तउ आकास स मसाल क तरह जरत भवा एक बड़का तारा गिर पड़ा। इ तारा एक तिहाई नदियन अउर झरनन क पानी प जाइ गिरा।

¹¹इ तारा क नाउँ रहा “नागदौना” जउन समूचे पानी क एक तिहाई हिस्सा नागदौना* मँ बदल गवा। अउर उ पानी क जे पियेस ह बहुत मनई मर गएन। काहेकि पानी बहुत तीत होइ ग रहा।

¹²जउ चौथा सरगदूत तुरही मँ फूँक मारेस, तउ एक तिहाई सूरज अउर साथे मँ एक तिहाई चन्द्रमा अउर एक तिहाई तारन प आफत आइ गइ। ओनकइ एक तिहाई हिस्सा काला पड़ गवा। इ तरह स एक तिहाई दिन अउर एक तिहाई रात अन्धेरे मँ बूड़ गएन।

¹³फिन मई देखेउँ कि एक गरुड़ अबइ ऊँच अकास मँ उड़त रहा। मई ओका जोर स कहत सुनेउँ, “जउन तीन सरगदूत बचा अहई अउर आपन तुरही बजावइवाला

अहइ, ओनके तुरही बजाए स धरती प रहइवाले प बिपत्ति आवइ! बिपत्ति आवइ! बिपत्ति आवइ!”

⁹जब पाँचवा सरगदूत आपन तुरही मँ फूँक मारेस, तब मई आकास स धरती प गिरा भवा एक तारा देखेउँ। एका उ चिमनी क कुंजी दीन्ह ग रही जउन पाताल मँ उतरत ह। ²फिन उ तारा उ चिमनी क ताला खोल दिहेस जउन पाताल मँ उतरत रही अउर चिमनी स वइसेन धुआँ फूट गवा जइसेन एक बड़ी भट्टी स निकरत ह। इ बदे चिमनी स निकरा धुँआ स सूरज अउर आसमान काला पड़ गएन। ³तबहीं उ धुँआ स धरती प टिड्डि दल उतर आवा। ओनके पास उहइ ताकत रही जउन धरती प रहइवाले बिच्छुअन मँ रहत ह। ⁴मुला ओनसे कह दीन्ह ग रहा कि उ धरती क घास क कउनउ नुकसान न पहुँचावई अउर न तउ हरिअर पेड़ पउथा क कउनउ नुकसान पहुँचावई ओनका केवल ओनही मनइयन क नुकसान पहुँचावई क रहा जेकरे माथे प परमेस्सर क मोहर नाही लगी रही। ⁵टिड्डी दल स इ भी कहा ग रहा कि उ मनइयन क प्रान न लेई ओनका पाँच महीना तक पीड़ित करत रहई। ओनका जउन कस्ट दीन्ह जात रहा, उ उही तरह क रहा जइसे बिच्छू क काटइ स रहत ह। ⁶उ ओहि दिनन उ मनई मउत क दूढ़िहई, मुला मउत ओनका न मिलपाई उ पचे मरइ क बदे तरसिहई अउर मउत ओनका चकमा दइके चली जाई।

⁷अउर अब देखा कि उ टिड्डी लड़ाई मँ लड़इ क बदे तैय्यार घोड़न क तरह देखात रहिन। ओनके माथे प चमकीला मुकुट बंधा रहेन। अउर ओनकर मुँह मनइयन क मुँहन जइसे रहेन। ⁸ओनके बार स्त्रियन क बार क तरह रहेन अउर ओनकइ दाँत सेर क दाँत क तरह रहेन। ⁹ओनकइ सीना अइसा रहेन जइसे लोहा क कवच होई। ओनकइ पखना क आवाज लड़ाई मँ जात बहुत घोड़े अउर रथ क आवाज क तरह रहेन। ¹⁰ओनकी पूँछ रहेन जइसे बीछू क डंक होई अउर ओहमों पाँच महीना तक लोगन क दुःख पहुँचावइ क ताकत रही। ¹¹पाताल क अधिकारी दूत क उ पचे अपने राजा क तरह लिहे रहेन। इब्रानी भाखा मँ ओनकइ नाउँ अहइ, “अबडोन” * अउर यूनानी भाखा मँ ओका “अपुल्लयोन” (नास करइ वाला) कहा जात रहा।

¹²पहली बड़ी आफत तउ बीत गइ अहइ मुला एकरे बाद दुइ बिपत्ति बड़ी अउर पड़इवाली अहइ।

¹³फिन जइसेन छठवाँ सरगदूत आपन तुरही फूँकेस, वइसेन ही मई परमेस्सर क समन्वा एक चमकीली वेदी देखेउँ, ओकरी चार सींग मँ स आवाज आवत रही। ¹⁴तुरही लिहे छठवें सरगदूत स उ आवाज कहेस, “ओन चार सरगदूतन क छोड़ द्या जउन फरात महानदी क लगे बंधा पड़ा अहई।”

नागदौना मूल मँ अपसिन्तोस जउन यूनानी भाखा क सब्ब अहइ अउर जेकर अग्रेजी पर्याय बाटइ वर्मवुड जेकर अरथ अहइ एक ठु बहोतइ करुवा पौधा। यह बरे एँका बहोतइ दुःख क चीन्हा माना जात ह।

अबडोन बिनासे क ठउर (अव्यूब 26:6; भजन 88:11)

¹⁵इ बदे चारउ सरगदूत क छोड़ दीन्ह गवा। उ पचे उही समइ, उही दिन, उही महीने अउर उही साल क बदे तय्यार रखा ग रहेन जइसेन कि एक तिहाई मनइयन क मार डावइँ। ¹⁶ओनके पूरी तादाद केतनी रही, इ मई सुनेउँ। घोड़ा प चढ़े सैनिकन क तादाद 200,000,000 रही।

¹⁷उ मोरे दर्सन मँ उ घोड़ा अउर ओनके सवार मोका इ तरह देखीँ पड़ेन; उ सबेन्ह कवच पहिरे रहेन जउन धधकत आग जइसे लाल लाल, गहरे नीला अउर गन्धक जइसे पीला रहेन। घोड़न क मँडू सिंहन क समान रहेन अउर ओनके मुखन स अर्णि, धुँआ तथा गन्धक निकरत रहा। ¹⁸इ तीन महामारी स मालब ओनके मुँहे स निकरत आगी, धुँआ अउर गन्धक स एक तिहाई मनइयन क मार डावा गवा। ¹⁹एँन घोड़न क ताकत ओनके मुँहे अउर पूँछ मँ रही, काहेकि ओनके पूँछ मुँडवाले साँप क तरह रही जउने स उ मनइयन क नुकसान पहुँचावत रहेन। ²⁰एतने क बावजूद जउन मनई इ सत्यानास स नाहीं मारा गएन अउर जे आपन हिरदय तथा मनफिरावा पे रहा, अउर जउन अबे तक परेत, सोना, चाँदी, काँसा, पाथर अउर लकड़ी क मूर्तिजन क पूजा नाहीं छोड़े रहेन जउन कि न देख सकत हीं न बोल सकत हीं, न चल सकत हीं अउर न सुन सकत हीं। ²¹उ पचे आपन हिरदय अउर मन नाहीं बदलेन तथा अपने द्वारा कीन्ह हत्या, जादू टोना, यौन अनाचार अउर चोरी चकारी क कउनउ पछतावा नाहीं रहा।"

सरगदूत अउर छोटी पोथी

10 फिन मई आकास स नीचे उतरत एक अउर बलवान सरगदूत क देखेउँ उ बादर क ओढ़े रहा अउर ओकरे मुँडे क आस पास एक मेघधनुस रहा। ओकर मुख मण्डल सूरज क तरह अउर टांग आग क खंबा जइसे रहेन। ²अपने हाथे मँ उ एक छोटी स खुली पोथी लिहे रहा। ³आपन दिहना पैर समुद्र मँ अउर बांया पैर धरती प रखेस। फिन उ सेर क तरह दहाड़त जोर स चिल्लाएस। ओकरे चिल्लाए प सातउ गरजन तरजन क आवाज सुनाई देइ लाग जउन सातउ गरजन होइ चुकेन

⁴अउर मई लिखइवाला रहेउँ, तबइ मई एक अकासवाणी सुनेउँ, "सातउ गरजन जउन कलू कहे अहइ, ओका छिपाव ल्या अउर ओका न लिखा।"

⁵फिन उ सरगदूत जउने क मई समुद्र मँ अउर धरती प खड़ा देखे रहेउँ, अकास मँ ऊपर दिहन हाथ उठाएस। ⁶अउर जउन हमेसा स जीवित अहइ, जे अकास क अउर अकास क सब चीजन क, धरती अउर धरती प किहेस अउर समुद्र अउर जउन कलू ओहमाँ अहइ, ओनकइ सबनक रचना करे अहइ, ओकर सपथ लइके सरगदूत कहेस, "अब अउर जियादा देर न होइ! ⁷मुला जउ सातवाँ सरगदूत क सुनइ क समइ आइ अर्थात

जब उ आपन तुरही बजावइवाला होइ, तबइ परमेस्सर क उ छिपी योजना (सुसमचार) पूरी होइ जाइ जेका उ अपने सेवक अउर नबियन क बताए रहा।"

⁸उ आकासवाणी जउने कि मई सुने रहेउँ, उ आवाज फिन मोसे कहेस, "जा अउर उ सरगदूत स जउन समुद्र मँ अउर धरती प खड़ा अहइ ओकरे हाथे स खुली पोथी क लइ ल्या।"

⁹इ बदे मई उ सरगदूत क पास गएँ अउर मई ओसे कहेउँ कि उ छोट क पोथी मोका दइ देइ। उ मोसे कहेस, "एका ल्या अउर खाइ ल्या। एहसे तोहार पेट कड़वा होइ जाइ मुला तोहरे मुँहे मँ इ सहदउ स जिआदा मीठा बन जाइ।" ¹⁰फिन उ सरगदूत क हाथ स मई उ छोट क पोथी लइ लीन्ह अउर ओका खाइ लीन्ह। मोरे मुँहे मँ इ सहद क तरह मीठ लाग मुला जब मई खाइ चुकेउँ तब मोर पेट कड़वा होइ गवा। ¹¹एह प उ मोसे बोला, "तोहका तमाम मनई, देस जातियन क भाखा अउर राजा क बावत भविस्सबाणी करइ क पड़ी।"

दुइ साच्छी

11 एकरे बाद नापइ क बदे मोका एक सरकंडा दीन्ह गवा जउन नापइ वाली छड़ी क तरह दिखाई पड़त रही। मोसे कहा गवा, "उठा अउर परमेस्सर क मंदिर क अन्दर वेदी क नाप ल्या अउर जउन मनई मंदिर क अन्दर आराधना करत अहइ, ओनके गिनती करा। ²मुला मंदिर क बाहर आंगन क रहइ द्या, ओका न नापा काहे बदे कि इ गैर यहूदियन क दीन्ह ग अहइ। उ पचे बयालीस महीना तक पवित्र नगर क अपने पैर क नीचे रौंद देइहीं। ³मई अपने दुइ गवाहन क खुली छूट देब अउर उ 1,260 दिन तक भविस्सबाणी करिहइ उ पचे टाट क कपरा पहिने रइहीं जेनका दुःख परगट करइ क बदे पहिना जात ह।" ⁴इ दुइनुँ साच्छी उ दुइ जइतून क पेड़ अउर उ दुइ ठु दीपादान अहइ जउन धरती क पभू क समन्वा अहइ। ⁵जदि केउ ओनका नुकसान पहुँचावा चाहत ह तउ ओकरे मुँहे स आग निकरइ लागत ह अउर ओनके दुस्मनन क निगल लेत ह। जदि केउ ओनका नुकसान पहुँचावइ क कोसिस करत ह तउ ओकर मउत निश्चित तौर प होइ जात ह। ⁶उ पचे अकास क बादल बाँधके रखइ क ताकत रखतहीं जेहसे जब उ पचे भविस्सबाणी करत होइ तउ ओ समइ पानी न बरसी। ओनके झरनन क पानी प अधिकार रहा जेका उ पचे खून मँ बदल सकत रहेन। ओनमाँ अइसी ताकत रही कि उ जेतना बार चाहतेन, ओतनी बार धरती प हर तरह क विनास कइ सकत रहेन।

⁷ओनके साच्छी दइ चुकइ क बाद, उ जानवर महगर्त स बाहर निकरी अउर ओन पइ हमला करी। उ ओनका हराइ देइ अउर मारि डारि। ⁸ओनकर लहास महानगर क गलियन मँ पड़ी रहिहइ। इ सहर क प्रतीक रूप मँ

सदोम अउर मिश्र कहा जात रहा। हिआँ प ओनकर पभू क क्रूस प चढ़ाइके मारा ग रहा।⁹ सब जातियन, उपजातियन, भाखा अउर राष्ट्र क मनई ओनकी ल्हास क सादे तीन दिन तक देखत रइहीं, अउर ओनकी ल्हास क कन्न मँ न रखइ देइहीं।¹⁰ धरती प रहइवाले आनन्द मनाइहींगे उ पचे ल्यौहार मनई हई अउर एक दूसर क तोहफा देइहई। इ दुइनउँ नबियन धरती प रहइवाले मनइयन क बहुत दुःख दिहे अहई।

¹¹मुला सादे तीन दिन क बाद परमेस्सर कइँती स ओनके जीवन मँ साँस आइ गइ अउर उ पचे अपने गोड़े प खड़ा होइ गएन। जे ओनका देखे रहेन, उ पचे बहुत डेराइ गएन।¹² फिन उ दुइनउँ नबियन जोर क आवाज मँ आकासबाणी क ओनसे कहत भाए सुनेन, “हिआँ ऊपर आइ जा!” इ बदे उ अकास क भीतर बादल मँ ऊपर चला गएन। ओनका ऊपर जात ओनकर खिलाफत करइवाले देखेन।

¹³ठीक उही समइ प हुवाँ बहुत बड़ा भूचाल आइ गवा अउर सहर क दसवाँ हिस्सा बह गवा। भूचाल मँ सात हजार मनई मारा गएन अउर जउन बच ग रहेन उ सबेन्ह बहुत डेराइ गएन अउर उ सरग क परमेस्सर क महिमा क बखान करइ लागेन।

¹⁴इ तरह स अब दूसर उ आफत बीत गइ। मुला सावधान! तीसरी महाविपत्ति जल्दी आवइवाली अहइ।

सातवाँ तुरही

¹⁵सातवाँ सगरदूत जब आपन तुरही फूँकेस तउ सरग स जोर क आवाजन आवइ लागिन। उ सबइ कहत रहिन:

“अब इ दुनिया क राज हमरे पभू क आटइ, अउर ओकरे मसीह क आटइ। अउर उ कई जुग तक सासन करी।”

¹⁶अउर उही समइ परमेस्सर क समन्वा अपने अपने सिंहासन प बइठा चौबीसउ बुजुर्गन दण्डवत प्रणाम कइके परमेस्सर क आराधना किहेन।¹⁷ उ पचे बोलेन:

“सर्वसक्तिमान पभू परमेस्सर तू अहा, तू रह्या हम तोहार धन्यवाद करत अही।” तुहिन आपन महासक्ती क लइके अपने सासन क सुरुआत करे रह्या।

¹⁸जउ अउर रास्टून गुस्सन स भरी रहिन मुला तउ तोहार कोप प्रकट होइ क समइ आइ गवा, अउर क निआव क समइ आइ ग अहइ, अउर उ समइ आय ग अहइ जउ तोहार सेवक फल पड़हई ओन नबियन अउर उ सब पवित्तर मनई जउन तोहार आदर

करत रहेन। अउर सभी जेतना बड़े मनई अहई, अउर सभी जेतने छोट मनई अहई। सब अपने काम क फल पावई। जउन मनई धरती क मिटावत अहई, ओनके मिटावइ क समइ आइ ग अहइ।”

¹⁹फिन सरग मँ परमेस्सर क मंदिर क खोला गवा जहाँ ओकरे मंदिर मँ करार क उ पेटी देखाई पड़ी। फिन बिजली क चकाचौंध होइ लगी। मेघन क गरजन, तरजन, अउर घड़घड़ाहट क आवाज, भूकम्प अउर भयानक ओला बरसइ लागेन।

स्त्री अउर बड़ा क अजगर

12 एकरे बाद आसमान मँ एक बड़ी स निसानी परगट भइ: एक स्त्री दिखाई पड़ी जउन सूरज क धारन करे रही अउर चाँद ओकरे पाँव क नीचे रहा। ओकरे माथे प मुकुट रहा, जेहमाँ बारह तारा जड़ा रहेन।² उ गर्भवती रही। ओकर दिन निकटाइ ग रहा, इ बदे उ पीड़ा स कराहत रही।³ सरग मँ एक निसानी प्रकट भइ। मोरे समन्वा एक ठु इ लाल रंग क बड़ा क अजगर खड़ा रहा। ओकरे सातउ क सिर सात मुकुट रहेन।⁴ ओकर पूँछ आकास क तारन क एक तिहाई हिस्सा क सपाटा मारिके धरती प नीचे फेंक दिहेस। उ स्त्री जउन बच्चा पड़दा करइवाली रही ओकरे समन्वा उ अजगर खड़ा होइ गवा जइसे कि जउन बच्चा पड़दा होइ, ओका उ खाइ जाइ।⁵ फिन उ स्त्री एक बच्चा क जन्म दिहेस जउन कि लरका रहा। ओका सब जातिन प लोहे क दण्ड क साथ सासन करइ क रहा। मुला ओकर बच्चा क उठाइके परमेस्सर अउर ओकरे सिंहासन क समन्वा लइ जावा गवा।⁶ अउर उ स्त्री सूनसान जंगल मँ भाग गइ। ओका एक अइसी जगह रखा गवा जउने क परमेस्सर उही क बदे बनवाए रहा, जइसे कि ओका 1260 दिन तक जीवित रखा जाइ सकइ।

⁷फिन सरग मँ एक लड़ाई होइ लाग। मीकाएल अउर ओकरे सरगदूतन क उ भयंकर अजगर स लड़ाई होइ लाग। उ अजगर भी ओकरे दूतन क साथ लड़ाई लड़ेस।⁸ मुला उ ओनके ऊपर भारी नाहीं पड़ा अउर उ भयंकर अजगर अउर ओकर सरगदूतन सरग मँ आपन जगह खोइ दिहेन।⁹ फुन उ अजगर सरग क नीचे ढकेल दीन्ह गवा। इ उहइ पुरान महानाग आटइ जेका दानव अउर सइतान कहा ग अहइ। इ पूरी दुनिया क उगत ह हाँ, एका फिन धरती प ढकेल दीन्ह गवा।

¹⁰फिन मई जेजुरदार आवाज मँ एक आकासबाणी क कहत सुनेउँ, “इ हमरे परमेस्सर क जीत क घड़ी अउर सासन आटइ। उ आपन ताकत अउर संप्रभुता क जनवाइ देहेस। ओका मसीह आपन ताकत क देखाइ दिहेस काहेकि हमरे भाइयन प परमेस्सर क सामने दिन रात लांछन

लगावइवाला क नीचे ढकेल दीन्ह गवा। ¹¹उ पचे मेमना क बलिदान क खून अउर ओकरी साच्छी स ओका हराइ दिहेन। उ पचे अपने प्राणन क गवाँइ देइ तलक अपने जीवन क परवाह नाहीं किहेन। ¹²इ बदे हे सरग, अउर सरग मँ रहइवाले मनई खुसी मनावा! मुला हाय धरती अउर समुद्र! तोहरे बदे केतना बुरा होई काहे बदे कि सइतान अउर हुवाँ उतरके गवा अहइ। उ गुस्सा स तमतमात अहइ। ओका पता अहइ कि अउर ओकरे पास अधिक समइ नाहीं अहइ।”

¹³जब उ भयंकर अजगर देखेस कि ओका धरती प गिराइ दीन्ह ग अहइ तउ उ स्त्री क पीछा करइ लाग जउन कि बचवा क जनम दिहे रही। ¹⁴मुला उ स्त्री क उकाब क दुइ ठु बड़ा बड़ा पखना दीन्ह ग रहेन जइसे कि उ रेगिस्तान मँ उड़ जाइ, जउन ओकरे बदे तइयार कीन्ह ग रहा। हुवउँ प भयंकर अजगर स दूर ओका सादे तीन साल तक पालन पोषण कीन्ह जाइ क रहा। ¹⁵तउ उ महानाग उ स्त्री क पाछे अपने मुँहे स नदी क तरह पानी क धारा बहाएस जइसेन कि उ ओहमा बूड़ जाइ। ¹⁶मुला धरती आपन मुँह खोलके उ स्त्री क मदद किहेस अउर उ भयंकर अजगर जउने नदी क अपने मुँहे स निकारे रहा, ओका निगल लिहेस। ¹⁷एकरे बाद तउ उ भयानक अजगर उ स्त्री क ऊपर बहुत गुस्सा करेस अउर ओकरे बचवन क साथ लड़ाई लड़इ क बदे चल पड़ा जउन कि परमेस्सर क हुकुमन क पालन करत हीं अउर ईसू क साच्छी क धारण करत हीं

¹⁸अउर समुद्र क किनारे जाइके खड़ा होइ गवा।

दुइ जानवर

13 फिन मई समुद्र मँ स एक जानवर क बाहर आवत देखेउँ। ओकरे दस सींग रहिन अउर सात मूँड़ रहेन। उ अपने सींग प दस राजसी मुकुट पहिने रहा। ओकरे मूँड़े प दुस्त नाउँ लिखा रहेन। ²मई जउन जानवर देखे रहेउँ उ चीता क तरह रहा। ओकर पैर भालू क तरह रहेन अउर ओकर मुँह सेर क तरह रहा। उ भयंकर अजगर आपन ताकत, आपन सिंहासन अउर आपन बेर अधिकार दइ दिहेस। ³मई देखेउँ कि ओकर एक मूँड़ अइसेन देखात रहा जइसेन ओकरे ऊपर कउनउ बड़ा प्राण घातक घाव लगा रहा होइ मुला ओकर प्राण घातक घाव भर चुका रहा। पूरी दुनिया अचरज करत उ जानवर क पीछे चलइ लाग। ⁴अउर उ पचे अजगर क पूजा करइ लागेन। काहे बदे कि उ आपन अधिकार उ जानवर क दइ दिहे रहा। अउर उ पचे उ जानवर क पूजा करत कहइ लागेन, “इ जानवर क तरह हिअँ कउन अहइ? अउर अइसा के अहइ जे ओसे लड़ सकइ?”

⁵ओका अनुमति दइ दीन्ह गइ जइसे कि उ अपने मुँह स घमंड अउर परमेस्सर क निन्दा भरी बात बोलइ।

ओका बयालीस महीना तक आपन ताकत देखावइ क अधिकार दीन्ह ग रहा। ⁶इ बदे उ परमेस्सर क निन्दा सुरु कइ दिहेस। उ परमेस्सर क नाउँ, अउर ओनकै मंदिर अउर जउन सरग मँ रहत हीं ओनकर निन्दा करइ लाग। ⁷परमेस्सर क पवित्तर लोगन क साथे लड़ाई लड़इ क अउर ओनका हरावै क अनुमति ओका दइ दीन्ह गइ। ओकर अधिकार हर वंस, हर जाति, हर भाखा अउर हर राष्ट्र पर रहा। ⁸धरती क सभी निवासी उ जानवर क पूजा करिहई जेकर नाम उ मेमना क जीवन क पुस्तक मँ संसार क आरम्भ स नाहीं लिखा अहइ अउर जेकर बलिदान एकदम पक्का अहइ।

⁹जदि केउ क कान अहई तउ उ सुन लेइ:

¹⁰ बंदीघर मँ बन्दी बनइ क जेकरे तकदीर मँ अहइ, उ जरूर बन्दी होइ। जदि केहू तलवार स मारी तउ उहइ तलवार स मारा जाई।

वह अइसे समइ मँ परमेस्सर क पवित्तर लोगन क सहनशीलता अउर बिसवास क देखावइ चाही।

¹¹एकरे बाद मई धरती स निकरत एक अउर जानवर क देखेउँ। ओकरे मेमना क सींग क तरह दुइ ठु सींग रहिन। मुला उ महानाग क तरह बोलत रहा। ¹²उ भयानक अजगर क समन्वा उ पहिले जानवर क सभी अधिकारन क इस्तेमाल करत रहा। उ धरती अउर धरती क निवासिन सबसे उ जानवर क पूजा कराएस जउने क भयंकर घाव भर ग रहा। ¹³दूसरउ जानवर बड़ा बड़ा अद्भुत कारजन करेस। हिअँ तक कि सबके सामने उ धरती प आकास स आग बरसाइ दिहेस। ¹⁴उ धरती प रहइ वालेन क ठगत रहा काहेकि ओकरे पास पहले जानवर क सामने अद्भुत कारजन दिखावइ, क ताकत रही। दूसरा जानवर धरती प रहइवालेन स पहिले जानवर क आदर देइके ओकर मूर्ति बनावइ क कहेस। जउन तलवार क मार स घायल रहा पर मरा नाहीं। ¹⁵दूसरे जानवर क इ ताकत दीन्ह ग रही कि उ पहिले जानवर क मूर्ति मँ जान फूँके देई जइसे कि मूर्ति पहिले जानवर क तरह बोलइ लागइ, हिअँ तक कि ओनका मारइ क आग्या दइ देइ जउन कि मूर्ति क पूजा नाहीं करतेन।

¹⁶⁻¹⁷दूसरा जानवर सभी लोगन का छोटा-बड़ा, धनी-गरीब, मालिक-दास, पुत्र, अउर गुलाम सबका मजबूर करेस कि अपने दहिने हाथे प या दहिने माथे प उ जानवर क नाउँ या ओकरे नाम स जुड़ी छाप क छाप लगाववई। ¹⁷जइसे कि बिना उ छाप क कउनउ चीज न तउ खरीदी जाय सकइ अउर न तउ बेची जाइ सकइ। ¹⁸बुद्धिमानी ऐहिमँ अहइ जेहमा बुद्धि होइ, उ जानवर क संख्या क हिसाब लगाइ लेइ काहेकि उ संख्या क सम्बन्ध कउनउ मनई स अहइ। ओकर संख्या अहइ 666।

छुट्टा मनइयन क गाना

14 फिन मई देखेउँ कि मोरे समन्वा सिथ्योन पर्वत प मेमना खड़ा अहइ। ओकरे साथे 144,000 मनई खड़ा रहेन जेकरे माथे प ओकर अउर ओकरे बाप क नाम लिखा रहा। ²फिन मई एक आकासबाणी सुनेउँ ओकर महानाद एक विसाल जल-प्रपात क तरह रहा या भयंकर बादर क गरजइ क तरह रहा। जउन महानाद मई सुनेउँ रहा, उ तमाम वीणा बादकन क बजावा वीणा स पड़वा संगीत क तरह रहा।

³उ सबेह सिंहासन चारउँ प्राणीयन अउर बुजुर्गन क सामने एक ठु नवा गाना गावत रहेन। जउने 144,000 मनइयन क धरती प फिरौती दइके बन्धन स छुड़ाइ लीन्ह ग रहा, जउने क कउनउ मनई उ गाना क नाहीं सिख सकत रहा। ⁴उ अइसेन मनई रहेन जउन कि कउनउ स्त्री क संसर्ग स अपन का दूसित नाहीं किए रहेन साथ जुड़ा नाहीं रहेन, उ पचे कुँवारा रहेन, जहाँ जहाँ मेमना जात रहा ओकर पीछा करत रहेन। पूरी मनइयन क जाति स ओनका फिरौती दइके बंधन स छुटाकारा देय दियाइ दीन्ह ग रहा। उ पचे परमेस्सर अउर मेमना क बदे फसल क पहिला फल रहेन। ⁵उ कबहुँ झूठ नाहीं बोले रहेन, अउर निर्दोस रहेन।

तीन सरगदूत

⁶फिन मई आसमान में ऊँची उड़ान भरत एक अउर सरगदूत देखेउँ। ओकरे लगे धरती प रहइ वालेन, हर देस, जाति, भाखा अउर सभी कुल क मनइयन क बदे अनन्त सुसमाचार क एक संदेस रहा। ⁷ऊँची आवाज में उ बोला, “परमेस्सर स डेराअ अउर ओकर स्तुति करा। काहेकि ओकरे निआव क समइ आइ ग अहइ। ओकर आराधना करा जे आसमान, धरती, समुद्र, अउर जल-स्त्रोत क बनाएसा।”

⁸एकरे बाद ओकरे पाछे एक अउर सरगदूत आवा अउर बोला, “ओकर पतन होइ चुका अहइ! महान नगरी बाबुल क पतन होइ चुका अहइ। उ सब जातिन क अपने पड़वा अनैतिक व्यभिचार स परमेस्सर क गुस्सा क वासना भरी दाखरस पिआएसा।”

⁹उ दूनउँ क बाद फिन अउर एक सरगदूत आवा अउर जोर स बोला, “जदि केहू उ जानवर अउर जानवर क मूर्ति क पूजा करत ह अउर अपने हाथे में माथे प ओकर मोहर लगवाए रहत ह। ¹⁰अउर उ भी परमेस्सर क गुस्सा क दाखरस पिई। अइसी सुद्ध तीखी दाखरस जउन परमेस्सर क गुस्सा क कटोरिया में बनाई ग अहइ। उ मनई क पवित्तर सरगदूतन अउर मेमनन क सामने धधकत गंधक में यातना दीन्ह जाई। ¹¹जुग जुग तलक ओनकी यातना स धूँआ उठत हमेसा रही। अउर जउने पे जानवर क नाउँ क छाप छपी रही अउर उ जानवर अउ ओकर अउर ओकरी मूर्ति क पूजा

करत रही, ओनका दिन रात कबहुँ चइन न मिली।” ¹²इ ही क माने है कि परमेस्सर क पवित्तर लोग क धीरज अउर सहनशीलता धरइ क जरूरत अहइ जउन परमेस्सर क हुकुमन अउर ईसू में बिसवास क पालन करत हीं।

¹³फिन एक अकासबाणी क मई इ कहत सुनेउँ, “एका लिखा: धन्य अहइ उ सबइ मृतक जउन अबसे पभूमँ मरस्थित होइके अहई।”

आतिमा कहत ह, “हाँ, इ ठीक अहइ। ओनका मेहनत क कारण आराम मिली काहे बदे कि ओनकर काम, ओनके साथे अहइ।”

धरती क फसल क कटनी

¹⁴फिन मई देखेउँ कि मोरे समन्वा हुवाँ एक सफेद बादर रहा। अउर उ बदे प एक ठु मनई बइठा रहा जउन मनई क पूत जइसेन दीख पड़त रहा। उ अपने माथे प एक सोने क मुकुट धारण करे रहा अउर ओकरे हाथे में एक तेज हँसिया रही।

¹⁵तबहिँ मंदिर में स एक ठु अउर सरगदूत बाहेर निकला। उ बदे प बइठे मनई स जोर क आवाज में कहेस, “हँसिया चलावा अउर फसल एकट्ठी करा, काहे बदे कि फसल काटइ क समइ आइ ग अहइ। धरती क फसल पक चुकी अहइ।” ¹⁶इ बदे जउन बदे प बइठा रहा, उ धरती प आपन हँसिया हिलाएस अउर धरती क फसल काट लीन्ह गइ।

¹⁷फिन सरग क मंदिर में स एक अउर सरगदूत बाहेर निकला ओकरे लगे भी एक तेज हँसिया रही।

¹⁸उही समइ प वेदी स एक अउर सरगदूत आवा। उ सरगदूत का आगी पर अधिकार रहा। उ सरगदूत स जोर क आवाज में कहेस, “अपने जोरदार हँसिया क चलावा अउर धरती क बेल स अंगूर क गुच्छा उतार ल्या काहे बदे कि एकर अंगूर पक चुका अहई।” ¹⁹इ बदे उ सरगदूत धरती प आपन हँसिया झुलाएस अउर धरती क अंगूर उतारि लिहस अउर ओनका परमेस्सर क भयंकर कोप क विसाल रसकुण्ड में डाइ दिहस। ²⁰अंगूर सहर क बाहेर क धानी में रौंद क निचोड़ लीन्ह गएन। धानी में स खून बहै लाग। खून घोड़ा क लगा क जेतना ऊपर चढ़ि गवा अउर लगभग तीन सौ किलोमीटर क दूरी तक फैल गवा।

आखिरी विनास क सरगदूतन

15 अकास में फिन मई एक अउर महान अचरज भरी निसानी देखेउँ। मई देखेउँ कि सात सरगदूतन अहई जउन सात आखिरी महाविनास लिए भए अहई। इ सबइ आखिरी विनास अहीं, काहे बदे कि एकरे साथेन परमेस्सर क गुस्सा खतम होइ जाई। ²फिन मोंका आग स मिला कांच क समुद्र जइसा देखाई पड़ा। अउर मई

देखे कि उ पचे उ जानवर क मूरत प अउर ओनके नाउँ स जुड़ी संख्या प जीत हासिल कइ लिहे अहइँ, ओनहू कांच क समुदर प खड़ा अहइँ। उ पचे परमेस्सर क दीन्ह गइ वीणा लिहे रहेन। ³उ पचे परमेस्सर क सेवकन मूसा अउर मेमना क इ गाना गावत रहेन:

“जउन काम तू करत रहत हया उ सबइ महान अहइँ। तोहार काम करइ क ताकत अचरजभरी अउर अनन्त अहइ हे सर्वसक्तिमन परभू परमेस्सर तोहार मार्ग धर्म संगत अउर सच्चे अहइँ। तू सब जातिन क राजा अहया,

⁴ हे परभू, तोहसे मनई हमेसा डेरत रहिहइँ तोहार नाउँ लइके, मनई स्तुति करिहइँ काहे बदे कि तू अकेले पवित्तर अहा। तोहरे समन्वा सब रास्ट्रन अहइँ अउर तोहार आराधना करिहइँ। काहे बदे कि इ बात अउर पता चलि ग अहइ तू जउन करत हया, उहइ, निआव अहइ।”

⁵एकरे बदे मई देखेउँ कि सरग क मंदिर मतलब करार क तम्बू क खोला गवा ⁶अउर उ पचे सातउ सरगदूतन जेनके लगे आखिरी सात महामारी रहिन, मंदिर स बाहर आएन। उ पचे चमकीले साफ मलमल का कपरा पहिने रहेन। अपने सीना प सोने क पटका बांधे रहेन। ⁷फिन उ चार प्राणियन मँ स एक उ सातउ सरगदूतन क सोना क कटोरा दिहेस जउन हमेसा हमेसा क बदे अमर परमेस्सर क गुस्सा स भरा रहेन। ⁸उ मंदिर परमेस्सर क महिमा अउर ओकरे सक्ति क धुँअन स भरा रहा जइसे कि जउ तक ओन सात सरगदूतन क सात महामारी पूरा न होइ जाई, तब तलक मंदिर मँ कउनउ घुसइ न पावइ।

परमेस्सर क गुस्सा क कटोरा

16 फिन मई सुनेउँ कि मंदिर मँ स एक जोर क आवाज ओन सात सरगदूतन स कहत अहइ, “जा अउर परमेस्सर क गुस्सा क सातउ कटोरन क धरती प उड़ेर द्या।”

²इ बदे पहिला सरगदूत गवा अउर उ धरती प आपन कटोरा उड़ेर दिहेस। एकइ नतीजा इ भवा कि उ मनई जेनके ऊपर जानवर क निसानी छपी रही अउर जउन ओकरा मूर्ति क पूजा करत रहेन, क ऊपर भयानक पीड़ा पइवा करइ वाले छाला फूट आएन।

³एकरे बाद दूसर सरगदूत आपन कटोरा समुदर मँ उड़ेर दिहेस अउर समुदर क पानी मरे भए मनई क खून मँ बदल गवा अउर समुदर मँ रहइवाले सब जीव जन्तु मरि गएन।

⁴फिन तिसरा सरगदूत नदियन अउर पानी क झरनन प आपन कटोरा उड़ेर दिहेस अउर उ खून मँ बदल गएन ⁵उही समइ प मई जल क सरगदूत क इ कहत सुनेउँ:

“तू ही अहा उ, जउन पुव्यातिमा! जउन अहइ, जउन रहा सदा-सदा स तू ही अहा जउन अहइ एक ही पवित्तर, करत भए निआव ओनकर,

⁶ ओन सबन पवित्तर लोगन अउर नबियन क खून बहाए अहइ। तू ओनका पिअइ क बदे केवल खून दिहया। काहे बदे कि ओन इही क काबिल रहेन।”

⁷फिन मई वेदी स आवत आवाज सुनेउँ:

“हाँ, सर्वसक्तिमान परभू परमेस्सर, तोहार निआव सच्चा अउर उचित अहइ।”

⁸फिन चौथा सरगदूत आपन कटोरा सूरज क ऊपर उड़ेर दिहेस। इ तरह ओका मनइयन क आग स जलावइ क ताकत दइ दीन्ह गइ। ⁹अउर मनई भयानक गरमी स झुलसइ लागेन। उ परमेस्सर क नाउँ क कोसइ लागेन, काहे बदे कि इन जेका महामारीन प क अधिकार अहइ। मुला उ पचे आपन मनफिरावा नाहीं। किहेन अउर न जिन्दगी क बदलेन अउर परमेस्सर क महिमा किहेन। ¹⁰एकरे बाद पँचवा सरगदूत आपन कटोरा उ जानवर क सिंहासन प उड़ेर दिहेस अउर ओकर राज अंधेरे मँ डुब गवा। सब मनई तकलीफ क आपन जीभ काट लिहेन। ¹¹आपन आपन पीड़ा अउर छालन क कारण उ सरग क परमेस्सर क निन्दा तउ करइ लागेन मुला आपन मनफिरावा नाहीं किहेन।

¹²फिन छठवां सरगदूत आपन कटोरा फरात नाउँ क महानदी प उड़ेर दिहेस अउर ओकर पानी सूख गवा। एहसे पूरब दिसा क राजन क बदे रास्ता तैय्यार होइ गवा। ¹³फिन मई देखेउँ कि उ भयंकर अजगर क मुँहे स, उ जानवर क मुँहे स, अउर कपटी नबियन क मुँहसे तीन दुस्त आतिमन निकलिन, जउन मेढ़क क तरह दिखाई पड़त रहिन। ¹⁴इ सब दुस्त क आतिमन रहिन अउर ओनके मँ अद्भुत कारजन कहइ क ताकत रही। उ पूरी दुनिया क राजा लोगन मँ सबसे सर्वसक्तिमान परमेस्सर क महान दिन, युद्ध करै क बदे एकट्ठा करइ क निकल पड़िन।

¹⁵“सावधान! मई चोर क समान आवत हउँ। उ धन्य अहइ जउन जागत रहत ह अउर अपने कपरन क अपने साथे रखत ह जइसेन कि उ नंगा न घूमइ अउर मनई ओका लज्जित होत न देई।”

¹⁶इ तरह स उ दुष्ट आतिमन ओन राजन क एकट्ठा कइके उ जगह प लइ आइन जउने क इब्रानी भाखा में हर मगिदोन कहा जात ह।

¹⁷एकरे बाद सातवाँ सरगदूत आपन कटोरा हवा में उड़े दिहेस! अउर सिहांसन स पइदा भवा एक भयंकर आवाज मंदिर में स इ कहत निकरी, "इ खतम होइ गवा!" ¹⁸तबहिं बिजली कउंधइ लाग, आवाज क अउर गरजन भवा अउर एक तु जर्बदस्त भूचाल आइ गवा। मनई क धरती प प्रकट होइ क बाद क इ सबसे भयानक भूचाल रहा। ¹⁹उ बड़ा सहर तीन टुकड़न में बिखर गवा, अउर अधर्मियन क राष्ट्रन क नगरन नस्ट होइ गए। परमेस्सर महानगरी बाबुल क दण्ड देइ क बदे याद करे रहा। आपन भयंकर प्रकोप का कटोरा में स ओका दइ दिहेस। ²⁰सब द्वीप गायब होइ गएन। कउनउ पहाड़ तक क पता नाही चल पावत रहा। ²¹पचास पचास किलो क ओला, आसमान स मनइयन क ऊपर बरसइ लागेन। ओलन क भयंकर विपत्ति क कारण सब मनई परमेस्सर क कोसत रहेन, काहे बदे कि इ भयानक आफत रही।

जानवर प बइठी स्त्री

17 एकरे बाद ओन सात सरगदूतन, जउने क लगे कटोरा रहेन, ओहमें स एक तु मोरे लगे आवा अउर बोलास, "आवा, मई तोहका तमाम नदियन क किनारे बइठी उ महान वेस्या क दीन्ह जाइवाला दण्ड देखाई। ²धरती क राजा ओकरे साथ सम्बन्ध बनाएन। अउर जउन मनई धरती प रहत हीं, उ पचे ओकरी विलास मदिरा स मतवाला होइ गएन।"

³फिन मई आतिमा क कहे क मान कीन्ह अउर उ सरगदूत मोका बीहड़ जंगल में लइ गवा जहाँ मई एक स्त्री क लाल रंग क एक अइसे जानवर प बइठा देखेउँ जउने प परमेस्सर क बरे गारी लिखी गइ रही। ओकरे सात मूँड़ रहेन अउर दस सींग रहेन। ⁴उ स्त्री बइजनी अउर लाल रंग क कपरा पहिने रही। उ सोने, बेसकीमती रत्नन अउर मोतिअन स सजी रही। उ अपने हाथ में सोने क एक कटोरा लिहे रही जउन बुरी बातन अउर वेस्यापन क बुराई स भरा रहा। ⁵ओकरे माथे प एक निसानी रही जेहकर गुप्त अरथ अहइ:

*महान बाबुल क सबइ क महतारी वेस्या
अउर धरती प होइवाली सब बुराईन क
पइदा करइवाली।*

⁶मई देखेउँ कि उ स्त्री परमेस्सर क पवित्तर लोगन क खून पिए रही जउन ईसू क बदे अपने बिसवास क साच्छी क बदे आपन प्रान छोड़ दिहेन।

ओका देखके मई बड़े अचरज में पड़ गएँ। ⁷तबइ उ सरगदूत मोसे पूछेस, "तू अचरज में काहे पड़ा अहा?"

मई तोहका इ स्त्री क अउर जउने जानवर प उ बइठी अहइ, ओकरे प्रतीक क समझावत अहउँ। सात सिर अउर दस सींगवाला इ जानवर ⁸जउन तू देखे अहा, पहिले कबहूँ जिन्दा रहा, मुला अब जिन्दा नाही अहइ। फिन उ पताल स अबहीं निकरइवाला अहइ। अउर तबहिं ओकर विनास होइ जाई। फिन धरती क उ मनई जउने क नाउँ दुनिया क सुरुआतइ स जीवन क पुस्तक में नाही लिखा ग अहइ, उ जानवर क देखके चकित होइहीं काहे बदे कि उ जिन्दा रहा, मुला अउर जिन्दा नाही अहइ, मुला फिन उ आवइवाला अहइ।

⁹इहइ उ जगह आइ जहाँ बुद्धिमान मनइयन क बुद्धि क जरूरत अहइ। इ सात सिर, उ सात पर्वत अहीं जउने प उ स्त्री बइठी अहइ। उ सात सिर, उ सात राजन क प्रतीक अहइ। ¹⁰जउने में स पहिले पाँच क पतन होइ चुका अहइ, एक तु अबे राज करत अहइ अउर दूसर अब तक आइ नाही बा। मुला जब उ आई तब उ बहुत कम समइ तलक रुकी। ¹¹उ जानवर जउन पहिले कबहूँ जिन्दा रहा, मुला अउर जिन्दा नाही अहइ, खुदइ अठवाँ राजा अहइ जउन ओन सातउ में स एक अहइ, ओकइ बिनास होइवाला अहइ। ¹²जउन दस सींग तू देखे अहा, उ दस राजा अहीं, उ पचे अबहिं तलक आपन सासन सुरु नाही करे अहई मुला जानवर क साथे एक घण्टा क बदे ओनका सासन करइ क अधिकार दीन्ह जाई। ¹³इ दसउ राजन क एककइ उद्देश्य रहा कि उ आपन ताकत अउर आपन अधिकार उ जानवर क दइ देई। ¹⁴उ मेमना क खिलाफ लड़ाई लड़इहई मुला मेमना अपने बोलाए, अपने स चुने अउर अपने बिसवासियन क साथ मिलके ओनका हराइ देई। काहे बदे कि उ अउर पभूओं क पभू अउर राजा लोगन क राजा अहइ!"

¹⁵उ सरगदूत मोसे फिन कहेस, "उ सबइ नदियन जउने क तू देखे रह्या, जहाँ उ वेस्या बइठी रही, तमाम खानदानन, समुदायन, जातियन, अउर भाखन क प्रतीक अहइ। ¹⁶उ दस सींग जउने क तू देख्या, अउर उ जानवर उ वेस्या स नफरत करिहई अउर ओकर सब चीज छीनके ओका नंगी छोड़ देइहई। उ ओकर सरीर क खाइ जइहई अउर ओका आगी में जलाय देइहई। ¹⁷आपन प्रयोजन पूरा करइ क बदे परमेस्सर ओनके सबनके एक राय कइके, ओनके मन में इ बइठाइ दिहे अहइ, जइसे कि जब तक परमेस्सर क बचन पूरा न होइ जाइ, तब तक सासन करइ क आपन अधिकार उ जानवर क सौंप देई। ¹⁸उ स्त्री जउने क तू देखे रह्या उ महानगरी रही, जउन धरती क राजन प सासन करत ह।"

बेबीलोन क नास

18 एकरे बदे मई एक अउर सरगदूत क अकास स बड़ी भव्यता स नीचे उतरत देखेउँ। ओकरी महिमा स समूची धरती चमकइ लाग।

²जउने जोरदार आवाज स पुकारत उ बोला:

“मट गइ! बेबीलोन महानगरी मट गइ! उ दुस्त आतिमन क रहस्य क घर बन गइ रही, उ अमुद्ध मनइयन क आत्मा क बसेरा बन गइ रही, अउर नफरत करइ लायक चिड़ियन क घर बन गइ रही। उ तमाम गन्दा, निन्दा करइ लायक जानवरन क बसेरा बन गइ रही।

³ काहेकि उ सबको व्यभिचार का क्रोध क मदिरा पिआए रही। जउने इ दुनिया क राजा क खुदइ जगाए रही, ओकरे साथे व्यभिचार करे रहेन सासक लोग। अउर ओनके भोगइ स इ दुनिया क धनी ब्यापारी बना रहे।”

⁴अकास स मई एक अउर अवाज सुनेउँ जउन कहत रही:

“अरे, मोर मनइयन? तू उ सहर स बाहर निकर जा, ओनके पापन्ह क कतहूँ तू गवाहन न बनब्या, कतहूँ अइसा न होइ, कि जउन ओके नास रहेन, तोहरेन ऊपर न गिर जाई

⁵ काहे बदे कि ओकरे पाप क गठरी आसमान तक ऊँची अहइ। परमेस्सर ओकरे बुरा काम क याद करत अहइ।

⁶ अरे! जइसेन कि उ तोहरे साथे करे रहा, वइसेन तू भी ओनके साथ करा उ तोहरे साथे जइसेन करे रहा, तू ओकर दुगुना ओकरे साथे करा, दूसरे क बदे उ तोहका जउने कटोरा मँ तीत दाखरस पिआए रहया, तू ओका ओसे दुगुना तीत दाखरस पिआवा।

⁷ काहे बदे कि उ खुदइ क जउन महिमा अउर वैभव दिहेस, तू ओका यातना कहर अउर पीड़ा द्या। काहे बदे कि उ खुद स कहति रही ह, ‘मई खुदे राजा क आसन प बढी महरानी अहउँ, मई विधवा न करबइ, इ बदे सोक न करा।’

⁸ इही बदे जउन नास होइ क तय होइ ग अहइ, उ एक ही दिन मँ ओका घेर लेहई। महामूल्यु, महारोदन अउर उ दुर्भिक्ष भीसण अउर कइ देइहई ओनका जलाय क राख, काहे बदे कि परमेस्सर पभू बहुत ताकतवर अहइ, अउर ओनही ओकर निआव करत अहइ।”

⁹जउ धरती क राजा जउन ओकरे साथ यौन-पाप करे रहेन अउर ओकरे भोग विलास मँ हिस्सा बटाए रहेन, ओकरे जल जाइ क धुँआ जउ देखिहई तउ ओकरे

बदे रोइहई अउर चिल्लहई।¹⁰ उ पचे ओकरे कस्त स डेराइके हुवाँ स बहुत दूर खड़ा रहिहई:

“ओ! ताकतवर नगर बेबीलोन! भयावह अउर भयानक हाय! तोहार दंड तोहका तनिक देर मँ मिल गावा।”

¹¹इ धरती क व्यौपारी ओकरे कारन रोइहई अउर चिल्लइहई काहे बदे कि ओनके कउनउ चीज केउ अउर मोल न लेई, ¹²न तउ केहू कउनउ चीज लेइ –सोने क, चांदी क, बेसकीमती रत्न, मोती, मलमल, बैजनी, रेसमी अउर किरमिजी कपरा हर तरह क महकउआ लकड़ी, हाथी क दांत क बनी तमाम चीज, अनमोल लकड़ी, कांसा, लोहा अउर संगमरमर सी बनी तमाम चीज,

¹³दारचीनी, गुलमेंहदी, महकोरा धूप, रसगन्धक, लोहबान, दाखरस, जैतून क तेल, मैदा, गोहूँ मवेसी, भेड़ी, घोड़ा अउर रथ, दास अउर मनई क सरीर अउर आतिमा-क व्यापारिन कहिहई:

¹⁴ “अरे बेबीलोन! उ सब चीजन अच्छी स अच्छी, जउने मँ तोहार दिल रम ग रहा, तोहका छोड़के सब चली गइ अहइ। तोहार बहुमूल्य अउर बहुमूल्य वस्तुअन तोहरे हाथ स चली गइन ह।”

¹⁵उ व्यौपारी जउन एकइ सबकइ व्यौपार करत रहेन अउर एहसे धनी बन ग रहेन, उ दूर खड़ा रहिहई काहे बदे कि उ कस्त स डेराइ ग अहइ। उ रोअत चिल्लात ¹⁶कहिहई:

“केतना डरावना अहइ अउर केतना भयानक अहइ, महानगरी इ उही क बदे अहइ। जउन नीक नीक मलमली कपरा पहनत रही, जउने रंग बैजनी अउर किरमिजी रहा! अउर जउन सोने स सजत रही, बेसकीमती रत्नन स, सजी मोतियन स

¹⁷ अउर इ सारी सम्पति तनिक देर मँ मिट गइ।”

फिन जहाज क हर कप्तान या हर उ मनई जउन जहाज स चाहे जहाँ कहुँ जाइ सकत ह अउर सबइ मनई जउन समुद्र स आपन जीविका चलावत हीं, उ नगरी स दूर खड़ा रहेन

¹⁸अउर जउ उ पचे ओकरे जरे स उठत धुँआ क उठत भए देखेन तउ जोर स चिल्लाइ उठेन, “इ बड़ी नगरी क तरह अउर कउन नगरी अहइ?”

¹⁹फिन उ पचे आपने मूँडे प धूल डावत जोर स चिल्लानेन, अउर कहेन:

“महानगरी! हाय, इ केतनी भयानक अहइ! उ रोअत अउर सोक मनावत भए कहेन: हाय हाय! महान नगरी जेकरे सम्पत्ति स सब जहाजवाले धनवान होइ गए रहेन! अब घंटा भर ही मँ उजर गई।

²⁰ हे सरग, प्रेरितन! अउर नबीयन! ओकरे बदे खुसी मनावा, परमेस्सर क लोगन खुसी मनावा! काहेकि परमेस्सर ओका उही तरह दण्ड दइ दिहेन जइसेन दण्ड उ तोहका दिहे रहा।”

²¹फिन एक ताकतवर सरगदूत चक्की क पाट जइसी एक जबर क चट्टान उठायेस अउर ओका समुद्र मँ फेंकत कहेस,

“महानगरी! अरी बेबीलोन महानगरी! तोहका क इही गति स बलपूर्वक फेंक दीन्ह जाई, अउर तू नस्त होइ जाबू फिन स मिल न पउबू।

²² अउर तुझमाँ बीणा बादकन, संगीतज्ञन बांसुरी बजावइ वालन अउर तुरही फूँकइ वालन का स्वर फिन कबहुँ सुनाई पड़ी, न कउनो कला क सिल्पी तोहरे मँ पावा जाई न तोहमाँ कउनो चक्की क आवाज सुनाइ देई

²³ अउर कबहुँ फिन दिया क ज्योति न चमकी, अउर न तउ कबहुँ फिन दुल्हा दुलहिन क मीठी आवाज गुँजी। तोहरे न व्यौपारी जे दुनिया महान लोगन मँ स रहेन तोहार जादूगरी जाति भरमाई गइन रहीं।

²⁴ इ नगरी मँ नबियन क खून बहावा पावा ग रहा, अउर परमेस्सर क पवित्तर मनइयन क लहू बहावा ग रहा, अउर उ सबहिं जेका इ धरती प बलि चढ़ाइ दीन्ह ग रहा।”

सरग मँ परमेस्सर क स्तुति

19 एकरे बाद मई सरग क भीड़ स उच्च स्वर मँ आवाज आवत सुने रहयो:

“हलिल्लूय्याह! परमेस्सर क जय होइ! जय होइ! महिमा अउर समर्थ हमेसा मिलइ।

² ओकर निआव सच्चे अउर धर्ममय अहइ। उ बड़ी वेस्था क उ निआव करेस, जउन आपन व्यभिचार स इ धरती क भ्रष्ट कइ दिहे रही, अपने दासन क मउत क बदला लइ लिहैस।”

³ओनन्ह फिन कहेन्ह:

“हलिल्लूय्याह! ओसे धुँआ जुग जुग तक उतरत रहा।”

⁴फिन चौबीसउँ बुजुर्गन अउर चारउ प्राणिअन सिंहासन प बइठा परमेस्सर क झुकके प्रणाम करेन अउर ओकर आराधना करत गावइ लागेन:

“आमीन, हलिल्लूय्याह।”

⁵सिंहासन स फिन एक आवाज आइ जउन कहत रही:

“ओ ओकर सेवकन! तू सबे हमरे परमेस्सर क स्तुति करा, अउर अपने सब लोगन का चाहे बड़ा होइ या छोट सबइ क इज्जत करत रहा।”

⁶फिन मानो मई एक विसाल जनसमूहे क अवाज सुनेउँ जउन कि भयंकर पानी क बहाव अउर बदरन क जोरदार गरजइ-तरजइ क अवाज जइसे रही। कहत रही:

“हलिल्लूय्याह! जय होइ ओकर, काहे बदे कि हमारा परभू परमेस्सर, सर्वसक्ति स पूरा होइके राज्य क ताकतवर बनावत अहइ।

⁷ इ बदे आवा, आनन्द खुसी मनावा। आवा, ओका महिमा देइ। काहे बदे कि अउर मेमना क बियाह क समइ आइ गवा अहइ। ओकर दुलहिन सजी धजी तैयार होइ गइ।

⁸ ओका आज्ञा मिली अहइ, साफ सफेद निर्मल मलमल पहन ल्या।”

(इ मलमल परमेस्सर क पवित्तर लोगन बढिया कामन क प्रतीक अहइ।)

⁹फिन उ मोसे कहइ लाग, “लिखा, उ धन्य अहइ जेनका इ बियाह क भोज मँ बोलावा ग अहइ।” उ मोसे फिन कहिस, “इ परमेस्सर क सच्चा वचन अहीं।”

¹⁰अउर मई ओकर आराधना करइ क बदे ओकरे पाँव प गिर पड़ेउँ। मुला उ मोसे कहेस, “सावधान! अइसा न करा। मई तउ तोहरे अउर तोहरे भाइयन क साथी परमेस्सर क साथी सेवक अहउँ जउने पर ईसू क साच्छी क भविस्सबाणी की आतिमा अहइ। अउर प्रचार क जिम्मेदारी अहइ। परमेस्सर क आराधना करा, काहे बदे कि ईसू क प्रमाणित संदेस इ बात क साच्छी अहइ कि ओहमाँ एक नबी क आतिमा अहइ।”

सफेद घोड़ा क सवार

¹¹फिन मई सरग क खुलत देखेउँ अउर हुवाँ मोरे समन्वा एक सफेद घोड़ा रहा। घोड़े प जउन बड़ठा रहा ओका बिसवासनीय अउर सत्य कहा जात रहा काहे बदे कि उ निआव धार्मिकता स निर्णय करत ह। ¹²ओकर आँखी अइसी रहीं जइसे आगी क लपट होई। ओकरे मुँड़े पइ बहुत स मुकुट रहेन। ओकरे ऊपर एक नाउँ लिखा रहा, जेका ओकरे अलावा अउर केहू नाहीं जानत। ¹³उ अइसा कपरा पहिने रहा जउने क खून मँ डुबोवा ग रहा। ओका नाउँ दीन्ह रहा, “परमेस्सर क वचन”। ¹⁴सफेद घोड़न प बड़ठी सरग क सेना ओकरे पीछे-पीछे चलत रहिन। उ साफ सफेद मलमल क कपरा पहिने रहा। ¹⁵रास्टन क मारइ क बदे ओकरे मुँहे स एक तेज धार क तलवार बाहेर निकरत रही। उ ओकरे ऊपर लोहे क दण्ड स सासन करी। अउर सर्वसक्तिमान परभू परमेस्सर क भयानक गुस्सा क धानी मँ अंगूर क रस निचोड़ी। ¹⁶ओकरे वस्त्र अउर जाँघ पर इ नाउँ लिख रहा:

राजन क राजा, अउर परभूअन क परभू।

¹⁷एकरे बाद मई देखेउँ कि सूरज क ऊपर एक सरगदूत खड़ा अहइ। उ ऊंचे अकास मँ उड़इवाली सबहिं चिड़ियन स जोर क अवाज स कहैस, “आवा, परमेस्सर क महाभोजन क बदे एकट्ठा होइ जा। ¹⁸जइसे कि तू सासकन, सेनापतियन, मजदूर आदमियन, घोड़न अउर ओनके सवारन क मांस खाइ सका। अउर सब मनई छोट-बड़ा आदमियन अउर खास आदमियन क सरीर खाइ सका।”

¹⁹फिन मई उ जानवर क अउर धरती क राजन क देखेउँ ओनके संग ओनकइ सेना रही। उ पचे उ एक घोड़ा क सवार अउर ओकरी सेना स युद्ध करइ एक साथे आइके जुट गएन। ²⁰उ जानवर क पकड़ा गवा। ओकरे साथ उ झूठा नबी भी रहा जउन जानवर की उपस्थिति मँ अद्भुत कारजन देखावा करत रहा अउर ओनका टगत रहा जउने प उ जानवर क छाप लगी रही अउर जउन ओकरी मूर्ति क आराधना करत रहेन। उ जानवर क अउर झूठे नबी, दुइनउँ क जलत गंधक क भभक्त झील मँ जिन्दि डाल दीन्ह गवा। ²¹घोड़ा क सवार क मुँह स जउन तलवार निकरत रही, बाकी क सैनिक ओसे मार डावा गएन। फिन चिड़ियन मिलके ओकर माँस खाइके अघाइ गइन।

हजार साल

20 फिन अकास स मई एक सरगदूत क नीचे उतरत देखेउँ। ओकरे हाथ मँ पाताल क चाभी अउर एक बड़ी संकरी रही। ²उ पुरान महासांप क पकड़ लिहिस जउन कि दैत्य यानी सइतान आटइ फिन

ओका एक हजार साल क बदे संकरी मँ बांध दिहिस। ³तउ सरगदूत ओका अथाह कुंड मँ डाल कर बन्द करिके परदार सांपे प मुहर लगाइ दिहिस जेहसे जब तलक हजार साल पूरा न होइ जाइ, उ कउनउ मनई क धोखा न दइ सकइ। हजार साल पूरा होइ जाइ क पाछे ओका कछू समइ क बदे छोड़ा जाइ क अहइ।

⁴फिन मई कछू सिंहासन देखेउँ जउने प कछू मनई बड़ठा रहेन। ओनका निआव करइ क अधिकार दीन्ह ग रहा। अउर मई ओनकी आतिमा क देखेउँ जेनके सिर, उ सच्चाई क कारण, जउन ईसू स प्रमाणित अहइँ अउर परमेस्सर क संदेस स, काट दीन्ह ग रहेन, जे उ जानवर या ओकरी मूर्ति क कबहूँ पूजा नाहीं करे रहेन। जे अपने माथे प या अपने हाथे प ओकर निसानी कबहूँ धारण नाहीं किहे रहेन। उ पचे फिन स जिन्दा होइ गएन अउर उ मसीह क साथ एक हजार साल तक राज करेन। ⁵बाकी मनई हजार साल पूरा होइ गए प फिन स जिन्दा नाहीं भएन। इ पहिला पुनरुत्थान आटइ। ⁶उ धन्य अहइ अउर पवित्तर अहइ, जउन पहले पुनरुत्थान मँ भाग लेत अहइ। एन पइ दूसरी मृत्यु क कउनो अधिकार नाहीं अहइ। इ आदमियन प दूसरी मउत क कउनउ अधिकार नाहीं मिला अहइ। पर उ पचे तउ परमेस्सर अउर मसीह क आपन याजकन होइहई अउर ओकरे साथे एक हजार साल तक राज करिहई।

⁷फिन एक हजार साल पूरा होइ जाए प सइतान क ओकरी जेल स छोड़ दीन्ह जाई। ⁸अउर उ समूची धरती प फइली राष्टन क छलइ क बदे निकल पड़ी। उ गोग अउर मागोक क छली। उ ओनका लड़ाई क बदे एकट्ठा करी। उ ओतनइ अनगिनत होइहीं जेतना कि समुद्र क तट क रेतकण अहई।

⁹सइतान क सेना समूची धरती प फैल जाई अउर उ परमेस्सर क लोगन क छावनी अउर ओनकर प्यारी नगरी क घेर लेई। मुला आग जउन सरगसे से उतरी अउर ओनका निगल जाई, ¹⁰एकरे पाछे उ सइतान क जउन ओनका धोखा-देत रहा ह, भभक्त गंधक क झील मँ फेंक दीन्ह जाई जहाँ उ जानवर अउर झूठा नबी दुइनउँ डाला ग अहई। ओनका हमेसा हमेसा क बदे रात दिन तड़पावा जाई।

दुनिया क मनइयन क निआव

¹¹फिन मई एक जबरदस्त सफेद सिंहासन कइँती ओह प विराजमान जे रहा, ओका देखेउँ। ओकरे सामने स धरती अउर आकास भाग खड़ा भएन। ओनका पता नाहीं चल पावा। ¹²फिन मई छोट अउर बड़ा मृतक मनइयन क देखेउँ। उ पचे सिंहासन क आगे खड़ा रहेन। कछू किताब खोली गइन। फिन एक अउर किताब खोली गई। उ रही जीवन क किताब अउर ओन किताबन मँ लिखी गई बातन क आधार पर मृतकन का न्याय ओनके

कामन क अनुसार कीन्ह गया। ¹³जउन मृतक मनइयन समुद्र मँ रहेन, ओनका समुद्र दइ दिहेस, अउर मृत्यु लोक अउर अधोलोक आपन आपन मृतक मनइयन क सौंप दिहेन। हर एक क निआव ओनके कर्मन क अनुसार कीन्ह गया। ¹⁴एकरे बाद मउत क अउर अधोलोक क आग क झील मँ झोंक दीन्ह गया। इ आग क झील दूसरी मउत आटइ। ¹⁵जउ कउनो मनई क नाम जीवन क पोथी मँ न मिली तउ उहू क आग क झील मँ ढकेल दीन्ह गया।

नवा यरूसलेम

21 फिन मई एक नया सरग अउर नई धरती देखेउँ। काहे बदे पहिला सरग अउर पहली धरती खतम होइ ग रहेन। अउर कब क समुद्रउ नहीँ रहा। ²मई यरूसलेम क उ पवित्त नगरी नवा यरूसलेम क आकास स बाहर निकरिके परमेस्सर कइँती स नीचे उतरत देखेउँ। उ नगरी क अइसे सजावा ग रहा जइसे कउनो दुलहिन क ओकरे पति स मिलइ क बरे सजावा ग होइ। ³तबइ मई आकास मँ एक जोरदार आवाज सुनेउँ। उ कहत रही, “देखा अउर परमेस्सर क मंदिर आदमियन क बीच मँ अहइ अउर उ ओनही क बीच मँ रही। उ पचे ओकर लोग रइहीं अउर परमेस्सर ओनकइ परमेस्सर होइहइ। अउर खुदइ परमेस्सर ओनकइ परमेस्सर होइहइ। ⁴ओनकी आँख क एक एक आँसू उ पोंछ डारि। अउर हुवाँ अउर न तउ कबहूँ मउत होई न सोक इ बजह स केहू क रोवइ धोवइ क न पड़ी। काहे बदे कि उ सब पुरानी बात अब खतम होइ चुकी बाटिन।”

⁵एकरे ऊपर जउन सिंहासन प बइठा रहा, उ बोला, “देखा मई सब कछू नवा कइ देत अहउँ।” उ फिन कहेस, “एका लिख ल्या काहे बदे कि इ वचन बिसवास लायक अहइ अउर इ सच्चा अहइ।”

⁶फिन उ मोसे बोला, “सब कछू पूरा होइ चुका अहइ। मई अलफा अहउँ अउर मई ओमेगा अहउँ। मई आदि अहउँ अउर मई अन्त अहउँ। जउन मनई जे पिआसा अहइ, मई ओका जीवन-जल क झरना स सेंत-मेत मँ खुले मन स जल पिआउब। ⁷जउन विजयी होई, उ सब चीज क मालिक बनी। मई ओकर परमेस्सर होब अउर उ मोरे पूत होई, ⁸मुला कायरन, अबिसवासियन, मूर्खन, हत्यारन, व्यभिचारन, जादू-टोना करइवालन, मूर्ति क पूजा करइवालन अउर झूठ बोलइ वालन क भभकत गंधक क जलत झील मँ आपन हिस्सा बँटावइ क होई। इ दूसरी मउत आटइ।”

⁹फिन उ सात सरगदूतन मँ स एक, जेनके लगे सात आखिरी विनास क कटोरा रहेन, एक ठु आगे आवा अउर मोसे बोला, “हिआँ आवा! मई तोहका उ दुलहिन देखाइ देइ जउन मेमना क दुलहिन अहइ।” ¹⁰अबहीं मई आतिमा क आवेस मँ रहे कि उ मोका एक विसाल

अउर ऊँचे पर्वत प लइ गया। फिन उ मोका यरूसलेम क पवित्तर नगरी क दर्शन कराएस। उ परमेस्सर क तरफ स आकास स नीचे उतरत रही। ¹¹उ परमेस्सर क महिमा स चमकत रही। उ बिल्कुल निर्मल यसब नामक महामूल्ययवन रत्नन तरह चमकत रही। ¹²नगरी क चारिहुँ कइँती एक बड़ा क ऊँचा परकोटा रहा जेहमँ बाहर दरवाजा रहेन। उ बारहउ दरवाजन प बारह सरगदूत रहेन। अउर बारहौ दरवाजा प इझ्राएल क बारह कुलन क नाउँ छपा रहेन। ¹³एहमँ स तीन दरवाजा पूरब क तरफ रहेन, तीन दरवाजा उत्तर कइँती तीन दरवाजा दक्खिन कइँती अउर तीन दरवाजा पच्छिम कइँती रहेन। ¹⁴नगर क परकोटा बारह नीव प बनावा ग रहा अउर ओनके ऊपर मेमना क बारह प्रेरितन क नाउँ छपा रहेन।

¹⁵जउन सरगदूत मोसे बतियात रहा, ओकरे लगे सोना क बनी नापइ क एक छड़ी रही जउने स उ नगर क फाटक अउर परकोटा क नाप सकत रहा। ¹⁶नगर क वर्गाकार बसावा ग रहा। इ जेतना लम्बा रहा, ओतना चौड़उ रहा। उ सरगदूत उही छड़ी स नगर क नापेस। ओकर लम्बाई करीब ¹²हजार स्टेडिया पाई गइ। ओकर लम्बाई, चौड़ाई अउर उँचाई एकइ तरह रही। ¹⁷सरगदूत फिन ओकरे परकोटे क नापेस। उ करीब 144 हाथ रहा। ओका मनई क हाथन क लम्बाई स नापा ग रहा जउन हाथ सरगदूतन क हाथ अहइ। ¹⁸नगर क परकोटा यसब नाम क रत्नन क बना रहा अउर नगर क कांच क तरह चमकत सुद्ध सोना स बनावा ग रहा। ¹⁹नगर क परकोटे क नीव हर तरह क बेसकीमती रत्नन स सुसज्जित रहिन। नीव क पहला पाथर यसाब क बना रहा, दूसरा नीलम स, तीसर स्फटिक स, चौथा पन्ना स, ²⁰पाँचवा गोमेद स, छठा मानक स, सातवाँ मणि स, आठवाँ पेरोज स, नवाँ पुखराज स, दसवाँ लहसनिया स, ग्यारवाँ धूपकान्त स, अउर बारहवाँ चन्द्रकान्ता मणि स बना रही। ²¹बारहउँ दरवाजा, बारह मोतियन स बना रहेन, हर दरवाजा एक एक मोती स बना रहेन। नगर क गलियन साफ कांच जइसे सुद्ध सोने क बनी रहिन।

²²नगर मँ मई कउनउ मंदिर नहीँ देखाई पड़। काहे बदे कि सबसे सर्वसक्तिमान पभू परमेस्सर अउर मेमना ओकर मंदिर मँ रहेन। ²³उ नगर क कउनउ सूरज या चांद क जरूरत नहीँ रही जउन ओका रोसनी देइ काहे बदे कि उ परमेस्सर क महिमा स खुदइ प्रकाशित रहा। अउर मेमना उ नगर क दिया आटइ। ²⁴सब जातियन क मनई इही दीपक क रोसनी क सहारे आगे बढ़िहई। अउर इ धरती क राजा आपन सुन्दरता इ नगर मँ लइ अइहीं। ²⁵दिन क समइ एकर दरवाजा कबहूँ बन्द न होइहई अउर हुवाँ रात तउ कबहूँ होइ न करी। ²⁶जातियन क वैभव अउर धन सम्पत्ति क उ नगर मँ लिआवा जाई। ²⁷कउनो गन्दी चीज ओहमँ घुसइ न पाई। अउर न तउ

लज्जा भरा काम करइवालेन अउर झूठ बोलइवालेन ओहमाँ घुसइ न पडहई। ओहमाँ ओनहीं मनई घुसइ पडहई जउने क नाउँ मेमना जीवन क पुस्तक मँ लिखा अहइ।

22 एकरे बदे उ सरगदूत मोका जीवन देइवाली पानी क एक नदी देखाएस। उ नदी स्फटिक क तरह चमकत रही उ परमेस्सर अउर मेमना क सिंहासन क निकरत भइ २नगर क गलियन स होत भइ बहत रही। नदी क दुइनउँ किनारे प जीवन पेड़ उगा रहेन। ओनके ऊपर हर साल बारह बार फल लगत रहेन। एकरे हर एक पेड़ प हर महीना एक फसल लगत रही अउर इ पेड़न क पतियां तमाम रास्ट्रन क रोग दूर करइ क बदे रहिन। ३हुवाँ कउनउ तरह क कउनउ झाप नाहीं होई। इस नगर मँ परमेस्सर अउर मेमना क सिंहासन हुवाँ बना रही। अउर ओकर नौकर ओनकइ आराधना करिहई, ४अउर ओकर मुख देखिहीं अउर नाउँ ओकरे माथे प होइ। ५हुवाँ कबहूँ रात न होइ। अउर न तउ सूरज अथवा दीपक क रोसनी क कउनउ जरूरत पड़ी। काहे बदे कि ओनके ऊपर पभूँ परमेस्सर आपन रोसनी उ डइहई अउर उ हमेसा सासन करिहई।

६फिन सरगदूत मोसे कहेस, “इन बचनन का बिसवास करइ लायक अउर सच्चा अहई। नबियन क, आत्मा क, परमेस्सर पभूँ, परमेस्सर क सेवकन क, जउन कछू जल्दी घटइवाला अहइ, ओका जतावइ क बदे आपन सरगदूत भेजे अहइ।”

७“सुना! मई जल्दी आवइ वाला अहउँ। उ पचे धन्य अहई, जउन इ किताब मँ दीन्ह उ बचनन क पालन करत हीं जउन भविस्सबाणी अही।”

८मई यूहन्ना अहउँ। मई इ बात सुनेउँ अउर देखे अहउँ। जब मई इ बात देखेउँ सुनेउँ तब उ सरगदूत क चरनन मँ गिर क मई ओकर आराधना कीन्ह जउन मोका इ बात देखावत रहा। ९उ मोसे कहेस, “सावधान, तू अइसा न करा! काहे बदे कि मई तउ तोहार, तोहरे भाई नबियन क उन लोगन जउन इ किताब मँ लिखा बचनन क पालन करत हीं, एक साथी नउकर अहउँ। बस परमेस्सर क आराधना करा!” १०उ मोसे फिन कहेस, “इ किताब मँ जउन भविस्सबाणी दीन्ह गइ अहई, ओनका छिपाय क न रखा, काहे बदे कि इ बातन क घटित होइ

क समइ करीबइ अहइ। ११जउन बुरा कारज करत चला आवत अहई, उ बुरा करत रहई जे गन्दा करत अहई, उ गन्दा करत रहई। जे धर्मी अहई, उ धरम का कारज ही करत रहई।

१२“देखा! मई जल्दी आवइवाला अहउँ! सबही मनइयन क ओनके कर्मन क अनुसार देइ क प्रतिफल मोरे पास अहइ। १३उ मई अलफा अहउँ अउर मई ओमेगा अहउँ। मई पहिला अहउँ अउर मई आखिरी अहउँ। मई आदि अहउँ अउर मई अन्त अहउँ।

१४“उ पचे धन्य अहई जउन अपने कपड़न क धोइ लेत हीं। ओनका जीवन-पेड़ क खाइ क अधिकार होई। ओन दरवाजन स होइके नगर मँ घुसइ क अधिकारी होइहई। १५ मुला ‘कुत्ता’, जादू-टोना करइवाले, व्यभिचारी, मूरत क पूजइवाले, या झूठ स पिरेम अउर ओनपइ अचरज करत अहई बाहेर रहिहीं।

१६“खुदइ मई ईसू तोहरे पचे क बदे, अउर कलीसियन क बदे इ बातन क साच्छी देइ क बदे आपन सरगदूत भेजेउँ। मई दाऊद क परिवार क बंसज अहउँ। मई भोर क दमकत तारा अहउँ।”

१७आत्मा अउर दुलहिन कहत ह, “आवा!” अउर जउन व्यक्ति एका सुनत ह, उहउ कहइ, “आवा!” अउर जउन व्यक्ति पिआसा होइ उहउ आवइ अउर जे चाहे उहउ इ जीवन देइवाली जल क उपहार क बिना मूल्य क ग्रहण करइ।

१८मई सपथ खाइके ओन मनइयन क बदे चेतावनी देइत अहउँ जउन इ किताब मँ लिखा भविस्सबाणी क वचनन क सुनत हीं: एहमा स जब कउनउ अउर कछू जोड़ देइ तउ इ किताब मँ लिखा महाविनास परमेस्सर ओकरे ऊपर ढाई।

१९अउर जउ नबियन क लिखी इ किताब मँ स कउनो सब्दन मँ स घटाई तउ परमेस्सर इ किताब मँ लिखा जीवन पेड़ अउर पवित्तर नगरी मँ स ओकर भाग ओसे छीन लीन्ह जाई।

२०ईसू जउन इ बातन क साच्छी अहइ, उ कहत ह, “हाँ! मई जल्दी आवत अहउँ।”

आमीन! पभूँ ईसू आवा।

२१पभूँ ईसू क अनुग्रह सबके साथ रहइ।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center

Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center

All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online ad space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center

P.O. Box 820648

Fort Worth, Texas 76182, USA

Telephone: 1-817-595-1664

Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE

E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: <http://www.wbtc.org>

Order online – To order a copy of our texts online, go to: <http://www.wbtc.org>

Current license agreement – This license is subject to change without notice. The current license can be found at: <http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm>

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from: <http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html>

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from: <http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html>